अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
55वीं वार्षिक रिपोर्ट

2010-2011

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
नई दिल्ली - 110029

संयुक्त रूप से संपादित :

डॉ. संदीप अग्रवाला, बालशल्य चिकित्सा विभाग
डॉ. रोहित भाटिया, तंत्रिका विज्ञान विभाग
डॉ. राकेश लोढ़ा, बालरोग विभाग
डॉ. कल्पना लूथरा जैव रसायन विभाग
डॉ. गोविन्द माखारिया जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग
डॉ. पीयूष साहनी, जठरांत्र शल्य चिकित्सा विभाग
डॉ. प्रताप शरण, मनोचिकित्सा विभाग
डॉ. राकेश यादव, हृद विज्ञान विभाग एवं उप-संकायाध्यक्ष (शैक्षिक)

अप्रैल 2012

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (अ.भा.आ.सं.) की स्थापना सन 1956 में संसद के एक अधिनियम के द्वारा राष्ट्रीय महत्त्व के एक संस्थान के रूप में की गई थी। संस्थान की स्थापना का मुख्य उद्देश्य स्नातक-पूर्व तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा में इसकी सभी शाखाओं में शैक्षिक पैटर्न विकसित करना, भारत में सभी मेडिकल कॉलेजों एवं अन्य संबद्ध संस्थानों के लिए चिकित्सा शिक्षा का एक उच्च स्तरीय निदर्शन करना; स्वास्थ्य कार्यकलापों की सभी महत्त्वपूर्ण शाखाओं में कार्मिकों के प्रशिक्षण हेतु सर्वोच्च स्तर की शैक्षिक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना; तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना था।

संस्थान में शिक्षण, अनुसंधान तथा रोगी उपचार हेतु व्यापक सुविधाएं हैं। संस्थान द्वारा स्नातक-पूर्व तथा स्नातकोत्तर स्तरों पर चिकित्सा तथा परा-चिकित्सीय पाठ्यक्रमों में शैक्षिक कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं तथा अपनी ही डिग्रियाँ प्रदान की जाती हैं। यहां 50 विषयों में शिक्षण एवं अनु अग्रणी है। एक वर्ष में संस्थान के संकाय-सदस्यों तथा अनुसंधानकर्ताओं के 1500 से भी अधिक अनुसंधान प्रकाशन प्रकाशित हुए हैं। संस्थान द्वारा एक नर्सिंग कॉलेज भी चलाया जाता है, जिसमें छात्रों को बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग तथा बी.एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट - प्रमाणपत्र) उपाधियों हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

छः अतिविशिष्टता केंद्रों सहित पच्चीस नैदानिक विभागों द्वारा पूर्व एवं परा-नैदानिक विभागों की सहायता से सभी प्रकार की बीमारियों का व्यावहारिक रूप से उपचार किया जाता है। संस्थान द्वारा हरियाणा में बल्लभगढ़ में व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र में 50 बिस्तरों वाला एक अस्पताल भी चलाया जाता है जिसमें सामुदायिक चिकित्सा केंद्र के माध्यम से लगभग 7.7 लाख लोगों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान - एक दृष्टि में

2010-2011

स्थापना वर्ष 1956

शिक्षण विभाग एवं केंद्र	50	चिकित्सा स्नातक	2393
संकाय सदस्य (स्वीकृत 629)	434	स्नातकोत्तर	7718
गैर-संकाय सदस्य (स्वीकृत 9793)	8359	नर्सिंग स्नातक	1737
स्नातक-पूर्व छात्रों की संख्या	715	पत्रिकाओं में प्रकाशन	1611
स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या	1219	पुस्तकों/मोनोग्राफ्स में अध्याय	259

अस्पताल सेवाएं

अस्पताल/केंद्र	ओ.पी.डी. रोगी सं.	आपात रोगी सं.	कुल ओ.पी.डी. रोगी सं. (आपात वि. सहित)	दाखिले	शल्य चिकित्सा (ऑ./प्र.)	बिस्तर संख्या
मुख्य अस्पताल	13,60,974	1,04,084	14,65,058	72,148	70,894	1,045
हृदवक्ष विज्ञान केंद्र/सीटीवीएस	1,35,985	-	1,35,985	10,904	3,976	212
तंत्रिकावि./तंत्रिका श.चि.केंद्र	1,08,597	-	1,08,597	6,246	2,906	199
डॉ. रा. प्र. केंद्र	3,49,393	25,468	3,74,861	31,743	29,934	302
डॉ. बी.आर.ए. सं. रो. कैं. .	82,597	-	82,597	28,314	6,333	182
सी. डी. ई. आर.	1,16,779	-	1,16,779	मु.अ. में सम्मि.	28,814	-
एनडीडीटीसी (गाजियाबाद)	37,191	-	37,191	754	-	50
सी. सी. एम. (बल्लभगढ़)	1,36,663	22,391	1,59,054	7,228	1967	50
जय प्रकाश ना. ए. ट्रॉमा केंद्र	26,910	47,828	74,738	4,930	4,541	186
कुल	**23,55,089**	**1,99,771**	**25,54,860**	**1,62,267**	**1,49,365**	**2,226**

अस्पताल में रहने की औसत अवधि (दिन)* : **5.3**

औसत बिस्तर अधिभोग (%)* : **80.9%**

शुद्ध मृत्यु दर(%)* : **2.6%**

संयुक्त अशोधित संक्रमण दर (%)* : **8.1%**

*ये आंकड़े केवल एम्स मुख्य अस्पताल के लिए हैं।

विषय-सूची

1. निदेशक की समीक्षा 1
2. संस्थान एवं इसकी समितियां 4
3. शैक्षिक अनुभाग 9
4. परीक्षा अनुभाग 21
5. सामान्य प्रशासन 26
6. मुख्य अस्पताल 29
7. नर्सिंग महाविद्यालय 47
8. अनुसंधान अनुभाग 51

9. विभाग

9.1 संवेदनाहरण विज्ञान 53
9.2 शरीर रचना विज्ञान 54
9.3 जैव रसायन 61
9.4 जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी 70
9.5 जैव भौतिकी 73
9.6 जैव सांख्यिकी 77
9.7 जैव प्रौद्योगिकी 80
9.8 सामुदायिक चिकित्सा केंद्र 85
9.9 त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान 104
9.10 अंतःस्राविकी एवं चयापचय 107
9.11 न्याय चिकित्सा 112
9.12 जठरांत्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण 115
9.13 जठरांत्र शल्य-चिकित्सा 124
9.14 रुधिर विज्ञान 127
9.15 अस्पताल प्रशासन 134
9.16 प्रयोगशाला चिकित्सा 140
9.17 काय-चिकित्सा 154
9.18 सूक्ष्म जैव विज्ञान 163
9.19 वृक्क विज्ञान 175
9.20 नाभिकीय चिकित्सा 180
9.21 नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद 182
9.22 प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 187
9.23 अस्थि रोग विज्ञान 200
9.24 कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान (ई.एन.टी.) 204

9.25 बाल चिकित्सा विज्ञान 209
9.26 बाल शल्य चिकित्सा 229
9.27 विकृति विज्ञान 235
9.28 भेषजगुण विज्ञान 242
9.29 भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास 248
9.30 शरीर क्रिया विज्ञान 251
9.31 मनोचिकित्सा 258
9.32 विकिरण निदान 263
9.33 प्रजनन जैव विज्ञान 272
9.34 शल्य चिकित्सा 276
9.35 प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी 285
9.36 मूत्ररोग विज्ञान 289

10. केंद्र

10.1 हृदवक्ष विज्ञान केंद्र 294
10.2 राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी) 315
10.3 दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र 321
10.4 डॉ. बी. आर. अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल 327
10.5 तंत्रिका विज्ञान केंद्र 351
10.6 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र 365
10.7 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र 379

11. केंद्रीय सुविधाएं

11.1 बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय 404
11.2 कैफेटेरिया 406
11.3 केंद्रीय पशु सुविधा 408
11.4 के. एल. विग आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी केंद्र 410
11.5 कंप्यूटर सुविधा 413
11.6 इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी सुविधा 419
11.7 केंद्रीय कार्यशाला 422
11.8 छात्रावास अनुभाग 425
11.9 इंस्टीट्यूशन एथिक्स कमेटी 428
12. प्रकाशन 432
13.1 वित्त प्रभाग 532
13.2 लेखा-परीक्षा रिपोर्ट 588

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

संगठन संरचना

संस्थान निकाय

↓

शासी निकाय

↓

- वित्त समिति
- चयन समिति
- शैक्षिक समिति
- संपदा समिति
- अस्पताल प्रबंध समिति

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
नई दिल्ली

1. निदेशक की समीक्षा

मुझे वर्ष 2010–2011 के लेखों की लेखा परीक्षित विवरणी तथा 55वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अत्यधिक खुशी हो रही है।

भारत में स्नातकोत्तर एवं स्नातकपूर्व स्वास्थ्य उपचार शिक्षा हेतु एक मजबूत पाठ्यक्रम आधार का विकास करने के उद्देश्य से भारतीय संसद द्वारा 1956 में स्थापित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) उच्च स्तरीय स्वास्थ्य उपचार शिक्षा, अनुसंधान एवं सेवा के मानदण्ड प्राप्त करने में सतत प्रयासरत है। इसे भारत तथा पूरे विश्व में मान्यता प्राप्त हुई है। श्रीमती सोनिया गांधी, अध्यक्ष राष्ट्रीय परामर्श परिषद, भारत सरकार ने 39वें दीक्षांत समारोह में उन्होंने कहा था ''एम्स देश में एक ऐसा प्रभावी आयुर्विज्ञानी संस्थान है जो आयुर्विज्ञान शिक्षा सहित अनुसंधान एवं उत्तम स्वास्थ्य उपचार में श्रेष्ठता कायम रखे हुए है'' तथापि, आयुर्विज्ञान एवं जैव आयुर्विज्ञान में नेतृत्व प्रदाताओं को प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता कभी भी अधिक नहीं हुई है। इन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एम्स को भविष्य में इस ओर कदम उठाने की सलाह दी गई है। समीक्ष्य वर्ष को कार्मिक शक्ति एवं संरचना विस्तार हेतु जाना जाएगा।

शिक्षा : पथ प्रदर्शक

संस्थान में 10,000 से अधिक कार्मिक शक्ति है जिसमें 625 संकाय सदस्य, सहित रेजीडेंट डॉक्टर, नर्स, अर्ध चिकित्सा कर्मी, वैज्ञानिक, गैर–आयुर्विज्ञानी अधिकारीगण तथा स्टाफ सम्मिलित हैं। संस्थान द्वारा (एम डी / एम एस), अति विशिष्ट (डी एम / एम सी एच), पीएच. डी स्कॉलर तथा संबद्ध स्वास्थ्य एवं प्राथमिक विज्ञान विशेषज्ञ जैसे विशेषज्ञ तैयार किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त नर्सों एवं अर्ध चिकित्सा कर्मियों को भी तैयार किया जाता है। वर्ष 2010–2011 के दौरान संस्थान द्वारा विभिन्न विषयों में 425 डिग्रियां प्रदान की गई। आयुर्विज्ञान एवं जीवन विज्ञान में संस्थान को मीडिया द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों में बहुत ऊंचा स्थान प्रदान किया गया। हमारे स्कॉलरों ने भारत तथा विदेश में काय चिकित्सा, विज्ञान, शिक्षा तथा जैव आयुर्विज्ञान प्रयोगशालाओं से संबंधित संस्थानों में नेतृत्व की भूमिका प्रदान की है। इससे भी महत्वपूर्ण यह बात है कि उन्होंने राष्ट्रीय महत्व के स्वास्थ्य उपचार विषयों पर अनेक विशेषज्ञ वर्गों को भी अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। तथापि गत उपलब्धियों को छोड़ कर, एम्स द्वारा निवेश करने का निर्णय लिया गया है। ऐसा करने से यह अनुभव किया गया कि एक ऐसा केन्द्र सृजित करने के दृष्टिकोण को सहयोग देने के लिए कार्मिक शक्ति में अत्यधिक वृद्धि हुई है जो कि दक्षिण एशिया में आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान हेतु गति प्रदान करने में सहायक होगा। 2300 पदों से भी अधिक पद जिनमें 150 संकाय सदस्य के पद भी सम्मिलित हैं, सृजित किए गए और एक तीव्र गति की आश्वस्त जीवनवृत्ति कैरियर प्रवर्धन योजना लागू की गई। केन्द्रीय शिक्षा संस्थान (प्रवेश में आरक्षण) अधिनियम, 2006 के तहत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के उम्मीदवारों के लिए प्रवेश में 27 प्रतिशत आरक्षण भी प्रदान किया गया है। ऐसा करने से संस्थान की प्रवेश क्षमता में वृद्धि तो हुई ही साथ ही साथ और भी अधिक विशाल स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी प्रणाली का भी विकास हुआ। संस्थान द्वारा देश में स्वास्थ्य उपचार शिक्षा के क्षेत्र में मुख्य अनुसंधानकर्ता एवं नेतृत्व प्रदाता के रूप में अपनी श्रेष्ठता बनाए रखने के लिए शिक्षण प्रणाली के नए नए आयाम विकसित किए जा रहे हैं।

अनुसंधान : आधुनिक एवं राष्ट्रीय स्तर के सम्बद्ध बिन्दु

संस्थान उच्च गुणवत्ता अनुसंधान हेतु प्रतिबद्ध है। संस्थान के संकाय सदस्यगण एवं वैज्ञानिकों द्वारा नवीन शल्य प्रक्रियाओं, आघात संबंधी नैदानिक अनुसंधान, श्रवण विज्ञान, हृदय विज्ञान में इंप्लान्ट एवं स्टेंट, जोड़ों को बदलने हेतु जैव संगत इंप्लान्ट, स्टेम–सैल सहित प्रौद्योगिकी आधारित नवीन आविष्कार, कैंसर चिकित्सा, प्रतिरोपण ऑपरेशन एवं प्रतिरक्षा जनन विज्ञान, इमेजिंग विज्ञान द्वारा नवीनतम निदान, मोलेक्यूलर चिकित्सा, नानो प्रौद्योगिकी, प्रोटियोमिक्स, रेडियो क्रिस्टेलोग्राफी जैसे क्षेत्रों में अग्रणीय अनुसंधान किए जाते रहे हैं। संस्थान ऐसी अनुसंधान गतिविधियों में भी सक्रिय है जिनका उद्देश्य भारतवासियों के खराब स्वास्थ्य के कारण उपजे शारीरिक कष्टों को दूर करने हेतु सुधार करना है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद जैसे राष्ट्रीय संस्थान एम्स के विभिन्न विभागों से राष्ट्र संगत एवं देश के नागरिकों के महत्व के स्वास्थ्य विषयों पर अध्ययन करने हेतु नियमित रूप से अनुरोध किए जा रहे हैं। वर्ष 2010–2011 के दौरान 500 से अधिक अनुसंधान परियोजनाएं चलायी गईं और संस्थान को रु. 50 करोड़ से अधिक का अतिरिक्त अनुसंधान अनुदान प्राप्त हुआ। समीक्ष्य वर्ष के दौरान संस्थान के

संकाय – सदस्यों एवं वैज्ञानिकों द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 1600 से अधिक अनुसंधान लेख तथा पुस्तकों एवं अध्यायों में 250 से अधिक मोनोग्राफ प्रकाशित किए गए। समीक्ष्य वर्ष के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 150 से अधिक आयुर्विज्ञान सम्मेलनों, कार्यशालाओं तथा क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अपने अल्पावधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम योजना के तहत संस्थान द्वारा 30 विश्व स्वास्थ्य संगठन फैलो सहित 50 से अधिक विदेशी नागरिकों तथा भारत के विभिन्न राज्यों के लगभग 1000 चिकित्सकों एवं अन्य स्वास्थ्य उपचार कार्यकर्ताओं को स्नातकोत्तर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इन प्रयासों के सहयोग के लिए अब संगठनात्मक विस्तार परियोजनाएं, विशेषकर कंवर्जेंस ब्लॉक, कार्यान्वयन के अधीन है। यह केन्द्र संस्थान के समेकित बौद्धिक एवं प्रौद्योगिकी संसाधनों पर ध्यान देगा। उन अनुसंधानकर्ताओं का नेटवर्क बनाकर जो विषयों में अपने विचार प्रदान करना चाहते हों, हम सामुहिक रूप से प्रयोगशाला खोज रोगी शय्या तक पहुँचाना चाहते हैं और तत्पश्चात् प्रयोगशाला में आगे की जांच हेतु जाएं और इनका उपयोग जन–स्वास्थ्य स्तर पर हो सके।

वहन करने योग्य लागत पर आधुनिक स्वास्थ्य उपचार उत्पाद उपलब्ध कराने वाली परियोजनाओं का विकास करने एवं अनुसंधान में सहयोग प्रदान करने हेतु एम्स वैलकम ट्रस्ट, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, भारत सरकार के साथ अपनी भागीदारी में लगातार सक्रिय है। वित्त पोषित परियोजनाओं से तपेदिक, हृद संवहनी रोग, तथा स्टेम–सैल आधारित चिकित्सा हेतु नए उपचारों सहित अनेक प्रकार के चिकित्सा उपयोग कवर हो सकेंगे। इसी प्रकार एम्स जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय एवं स्टेन फोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित स्टेनफोर्ड–इंडिया बायोडिजाइन कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है जो कि स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली तथा इंडो–यू.एस. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी फोरम के सहयोग से प्रदान किया गया तथा जिसका उद्देश्य सस्ते एवं वहन करने योग्य देश में निर्मित जैव–उपकरणों का विकास करने तथा फैलोशिप इंटर्नशिप के द्वारा भारत में आयुर्विज्ञान प्रौद्योगिकी आविष्कारकों की नई पीढ़ी को प्रशिक्षण प्रदान करना होगा।

श्रेष्ठ नैदनिक उपचार : गुणवत्ता तथा मात्रा

अ. भा. आ. सं. मुख्य अस्पताल तथा इसके केन्द्र हृदय वक्ष तथा तंत्रिका विज्ञान केन्द्र (हृ. तं. केन्द्र), जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केन्द्र (जे पी एन ए टी सी), डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (डॉ. बी. आर सं. रो. कैं. अ.), डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र (डॉ. रा. प्र. केन्द्र), दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (सी डी ई आर), व्यवहारपरक विज्ञान केन्द्र (राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र, एन डी डी टी सी) की दिवस उपचार के बिस्तरों सहित कुल बिस्तर संख्या 2226 है। वर्ष 2010–2011 के दौरान, संस्थान में ओ पी डी में 25 लाख में अधिक रोगियों को देखा गया, 1.6 लाख रोगियों को भर्ती किया गया और लगभग 1.5 लाख ऑपरेशन किए गए, जिसमें बहुत अधिक जटिल ऑपरेशन भी सम्मिलित थे। संस्थान द्वारा रोगी उपचार सेवाओं में आदर्श पैरामीटर बनाकर रखा गया है, जिसमें औसतन बिस्तर अधिभोग दर 80 प्रतिशत से अधिक है और अस्पताल में भर्ती रहने की औसत अवधि लगभग 6 दिन है। एम्स अस्पताल में सकल मृत्यु दर 3 प्रतिशत से भी कम दर्ज की गई है। हमारे चिकित्सक विभिन्न क्षेत्रों जैसे : हृदयवक्ष शल्य चिकित्सा जोड़ प्रतिस्थापन / प्रतिरोपण शल्य चिकित्सा, अंग प्रतिरोपण शल्य चिकित्सा, कॉक्लियर प्रतिरोपण, कोर्नियोप्लास्टी एवं इंटरवेन्शनल हृदय विज्ञान तथा तंत्रिका विकिरण विज्ञान में रोगी उपचार में सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा कार्य कर रहे हैं। हमारे ट्रॉमा उपचार केन्द्र में चिकित्सकों ने तीव्र तथा आपात उपचार चिकित्सा हेतु नवीनतम और सुरक्षित उपचार प्रोटोकॉल को विकसित किया है। हमने कोशिका जीव विज्ञान, टीकों के विकास तथा जैव प्रौद्योगिकी में अनुसंधान के अतिरिक्त विकृति विज्ञान एवं प्रयोगशाला चिकित्सा में रोगों के निदान हेतु प्रौद्योगिकी आधारित प्लेटफॉर्म भी नियोजित किए हैं। इन आविष्कारों से देश के प्रत्येक नागरिक की पहुंच उच्च गुणवत्ता वाले रोगी उपचार तक हो गई है। संस्थान इस बात को भी जानता है कि लोगों की उनसे बहुत अधिक आशाएं हैं और देश में विशिष्ट चिकित्सा उपचार को बहुत कम लागत पर प्रदान करने का प्रयास किया गया है और उसमें सफलता भी प्राप्त हुई है।

अ. भा. आ. सं. के चिकित्सकों और स्टाफ ने अपने ज्ञान और रचनात्मकता को एकत्र किया है, इससे पहले अस्वस्थता के कारण मानव की पीड़ा को कम करने की सेवा में पहले कभी नहीं किया गया है। नैदानिक सेवाओं में, लोगों की कल्पना से भी परे

जाकर उपचार किए गए जैसे : कई अति विशिष्टताओं जैसे : तंत्रिका शल्य चिकित्सा, मूत्र रोग विज्ञान तथा शल्य चिकित्सा में रोबोटिक शल्य चिकित्सा निष्पादित की गई है। एम्स द्वारा वहन करने योग्य मूल्य पर गुणवत्ता सेवाएं प्रदान करने के प्रयास किए जाते हैं जो संस्थान द्वारा निःसंतान दंपत्तियों, जिनके लिए प्रजनन प्रौद्योगिकी की अन्य पद्धतियाँ असफल हो चुकी हैं, के लिए इन विट्रो फर्टिलाइज़ेशन उपचार कार्यक्रम से प्रदर्शित हुआ था। एम्स में स्क्रीनिंग ओ पी डी से उन लोगों को श्रेष्ठ उपचार प्रदान करने का कार्य यथार्थता में हो जाएगा, जिन्हें विशिष्ट उपचार की आवश्यकता है। शीघ्र निदान होने से गंभीर रोग से पीड़ित रोगियों का जीवन बचाने में सहायता मिलेगी और साधारण रोग से पीड़ित रोगियों हेतु उपचार प्रदान करना और अधिक सुविधाजनक हो जाएगा। एम्स द्वारा जनता के महत्व के स्वास्थ्य मुद्दों जैसे : डेंगू प्रकोप, विकिरण लीक मामलों और राष्ट्र मण्डल खेलों के दौरान मुख्य भूमिका निभाया जाना जारी रहा। अपने अंतर्वेशन दृष्टिकोण से एम्स समुदाय बिना सीमाओं के विकासशील विश्व को समाविष्ट करता रहा है। एम्स में उपचार के लिए बढ़ती संख्या में विदेशी, अधिकांशतः दक्षिण तथा दक्षिण पूर्वी एशिया से आ रहे हैं। यह प्रवृत्ति विशेषतयाः तंत्रिका शल्य चिकित्सा, अस्थि रोग, अर्बुद विज्ञान तथा शल्य चिकित्सा विभाग में प्रमुख रूप से है।

भारतीय स्वास्थ्य उपचार पद्धति जो कि बृहत् रूप से आउट ऑफ पॉकेट भुगतानों पर निर्भर है और परिणामों में सुधार करने और इसकी जनता के रोगों की लागत को कम करने के लिए प्राथमिक उपचार में नवीन आविष्कारों की आवश्यकता है। हमारा सामुदायिक चिकित्सा केद्र, प्राथमिक उपचार एवं स्वास्थ्य पद्धतियों के आविष्कारों, शिक्षा एवं नीति में अग्रणियों को प्रशिक्षित करने के अपने मिशन में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। इसके संकाय सदस्य उन क्षेत्रों जैसे : प्राथमिक उपचार, संक्रामक रोग, मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य, शल्य चिकित्सा, गैर–संक्रामक रोगों एवं स्वास्थ्य प्रणाली, ऐसे कुछ नाम है, जिन पर ध्यान एकाग्रचित्त करते हैं। केन्द्र द्वारा छात्रों, रेजीडेन्टों, संकाय – सदस्यों और सामुदायिक साथियों को प्राथमिक उपचार के क्षेत्र में चर्चा करने, सहयोग करने और नवीन तथ्यों के लिए प्रेरित किया जाता है। इसके जन–व्याख्यानों में योग्य जन–समूह खिंचा आता है। अन्य विभागों द्वारा भी सामुदायिक उपचार में भूमिका निभाया जाना जारी रहा जैसे :– तंत्रिका विज्ञान विभाग द्वारा इंडियन रूरल एपिलेप्सी एजुकेशन एण्ड प्रीवेन्शन प्रोग्राम (आई आर ई ए पी) के अंतर्गत मिरगी से पीड़ित लोगों के लिए एक सहायता समूह–इकेटवैम आरंभ किया गया। इनका प्रयास यह है कि मिरगी से पीड़ित लोग, उनके देखभालकर्ता तथा परिवार और सामान्य जन यह सुनिश्चित कर सकें कि वे शीघ्र निदान और उपचार प्राप्त करें। यह कार्यक्रम वैश्विक रूप से ग्रामीण सहायता समूह और देश में रोगों से जूझने वालों के सहायक समूह की संकल्पना हेतु एक नई रोशनी प्रदान करने वाला होना चाहिए। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण कार्यक्रम में मुख्य भूमिका निभाई जाती रही। केन्द्र विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहलों की योजना तथा कार्यान्वयन में सक्रिय रूप से सम्मिलित रहा है। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र और मनो चिकित्सा विभाग द्वारा राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर औषध दुरुपयोग और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित जन – स्वास्थ्य विषयों पर मानक स्थापित करना जारी रहा। मद्यपान एवं औषध दुरुपयोग की रोकथाम इसके पीड़ितों के पुनर्वास संबंधी राष्ट्रीय नीति पर मसौदा तैयार करने के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा एन डी डी टी सी को आमंत्रित किया गया। केन्द्र ने प्रतिष्ठित इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड (आई एन सी बी) का प्रतिनिधित्व भी किया। मनोचिकित्सा विभाग द्वारा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के कार्यान्वयन से संबंधित विषयों पर केन्द्रीय मानसिक स्थास्थ्य प्राधिकरण, मानसिक स्वास्थ्य नीति तथा मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम के विषय में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ और विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ मानसिक स्वास्थ्य तथा औषध प्रयोग विकारों के वर्गीकरण के संशोधन पर सक्रिय रूप से सहयोग किया गया है।

एम्स ने संसद द्वारा दिए गए शासनादेश का पालन करने का निष्ठापूर्वक प्रयास किया है क्योंकि इससे हमारी जनता को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य उपचार प्रदान करने के सरकार के प्रयत्नों में सहायता करने का प्रयास किया जाता है।

प्रो. आर. सी. डेका
निदेशक अ. भा. आ. सं.

2. संस्थान और इसकी समितियां

संस्थान निकाय

1.	**श्री गुलाम नबी आजाद** केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	अध्यक्ष
2.	**श्री. आर. के. धवन, सांसद (राज्य सभा)**	सदस्य (7 जुलाई 2010 तक)
	श्री मोतीलाल वोरा, सांसद (राज्य सभा) 33, लोधी एस्टेट, नई दिल्ली 110011	सदस्य (29 अगस्त 2010 से)
3.	**श्रीमती सुषमा स्वराज, सांसद (लोक सभा)** 8, सफदरजंग लेन, नई दिल्ली-110011	सदस्य
4.	**डॉ. ज्योति मिरधा, सांसद (लोक सभा)** 31, मीना बाग, नई दिल्ली 875, सेक्टर-17बी, गुड़गांव, हरियाणा 122001	सदस्य
5.	**डॉ. दीपक पेंटल** कुलपति,दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 110007	सदस्य (पदेन) (28 अक्तूबर 2010 तक)
	प्रो दिनेश सिंह कुलपति, विश्वविद्यालय दिल्ली, दिल्ली 110007	सदस्य (पदेन) (29 अक्तूबर 2010 से)
6.	**सुश्री के सुजाता राव** सचिव (स्वास्थ्य) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (30 नवंबर 2010 तक)
	श्री के. चंद्रमौली सचिव (स्वास्थ्य) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (24 जनवरी 2011 से)
7.	**डॉ. आर. के. श्रीवास्तव** महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (पदेन)

8. **डॉ. एम.के. भान** सदस्य
सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 7वां तल,
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सी जी ओ कॉम्प्लेक्स
लोधी रोड, ब्लॉक 2, नई दिल्ली - 110003

9. **डॉ. एस. पी. अग्रवाल** सदस्य
महा सचिव, इण्डियन रेड क्रोस सोसायटी, रफी मार्ग,
नई दिल्ली

10. **प्रो. के. सी. पांडे** सदस्य
प्राणी विज्ञान विभाग, लखनऊ यूनिवर्सिटी,
लखनऊ 226007

11. **सुश्री विभा पुरी दास** सदस्य
सचिव,
उच्चतर शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001

12. **प्रो. के. के. तलवार** सदस्य
निदेशक
स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़

13. **प्रो. आर. ए. बड़वे** सदस्य
निदेशक,
टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, डॉ. ई. बॉरजेस रोड
लोवर पारेल, मुंबई

14. **प्रो. रमाकांत पांडा** सदस्य
उपाध्यक्ष, एशियन हार्ट इंस्टीट्यूट, बांद्रा ईस्ट
मुंबई,

15. **डॉ. अब्दुल हामिद जरगर** सदस्य
निदेशक, शेर ए कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस
सौरा, श्रीनगर - 190011, जम्मू और कश्मीर

16. **श्री नावेद मसूद** सदस्य
अपर सचिव एवं वित्त सलाहकार
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,

17. **प्रो. आर. सी. डेका** सदस्य-सचिव
निदेशक, अ.भा.आ.सं.

18.	**श्री देबाशीष पांडा** संयुक्त सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	विशेष आमंत्रित
19.	**प्रो. रानी कुमार** संकायाध्यक्ष (शैक्षिक), अ.भा.आ.सं. नई दिल्ली	विशेष आमंत्रित
20.	**डॉ. डी. के. शर्मा** चिकित्सा अधीक्षक अ.भा.आ.सं., नई दिल्ली	विशेष आमंत्रित

शासी निकाय

1.	श्री गुलाम नबी आजाद	अध्यक्ष
2.	डॉ. आर. के. श्रीवास्तव	सदस्य (पदेन)
3.	श्री. नावेद मसूद	सदस्य
4.	श्रीमती सुषमा स्वराज, सांसद (लोक सभा)	सदस्य
5.	श्री. आर. के. धवन, सांसद (राज्य सभा)	सदस्य (07 जुलाई 2010 तक)
	श्री मोतीलाल वोरा, सांसद (राज्य सभा)	सदस्य (10 नवंबर 2010 से)
6.	सुश्री के. सुजाता राव	सदस्य (30 नवंबर 2010 तक)
	श्री के. चंद्रमौली	सदस्य (01 मार्च 2011 से)
7.	सुश्री. विभा पुरी दास	सदस्य
8.	प्रो. के. के. तलवार	सदस्य
9.	डॉ. आर.ए. बडवे	सदस्य
10.	डॉ. एस.पी.अग्रवाल	सदस्य
11.	प्रो. आर. सी. डेका	सदस्य - सचिव

12.	श्री देबाशीष पांडा	विशेष आमंत्रित
13.	प्रो. रानी कुमार	विशेष आमंत्रित
14.	डॉ. डी. के. शर्मा	विशेष आमंत्रित

स्थायी वित्त समिति

1.	सुश्री के. सुजाता राव, सचिव (स्वास्थ्य)	अध्यक्ष (30 नवंबर 2010 तक)
2.	श्री के. चंद्रमौली	अध्यक्ष (1 मार्च 2011 से प्रभावी)
3.	श्री आर. के. धवन, सांसद (राज्य सभा)	सदस्य (07 जुलाई 2010 तक)
4.	श्री मोतीलाल वोरा, सांसद (राज्य सभा)	सदस्य (10 नवंबर 2010 से प्रभावी)
5.	डॉ. आर. के. श्रीवास्तव,	सदस्य
6.	श्री नावेद मसूद	सदस्य
7.	सुश्री विभाव पुरी दास	सदस्य
8.	डॉ. एस. पी अग्रवाल	सदस्य
9.	डॉ. दीपक पेंटल	सदस्य (28 अक्तूबर 2010 से प्रभावी)
10.	प्रो. दिनेश सिंह	सदस्य (1 मार्च 2010 से प्रभावी)
11.	प्रो. आर. सी. डेका	सदस्य - सचिव
12.	डॉ. रानी कुमार	विशेष आमंत्रित
13.	श्री देबाशीष पांडा	विशेष आमंत्रित

स्थायी शैक्षिक समिति

1.	डॉ. आर. के. श्रीवास्तव	अध्यक्ष
2.	डॉ. ज्योति मिर्धा,सांसद (लोकसभा)	सदस्य
3.	डॉ. दीपक पेंटल	सदस्य (28 अक्तूबर, 2010 तक)
	प्रो. दिनेश सिंह,	सदस्य (01 मार्च, 2011 से)
4.	डॉ. एम के भान	सदस्य
5.	सुश्री विभा पुरी दास	सदस्य
6.	डॉ. रामाकांत पांडा	सदस्य
7.	प्रो. के. सी. पांडें	सदस्य
8.	डॉ. अब्दुल हमीद जरगर	सदस्य
9.	प्रो. आर. सी. डेका	सदस्य - सचिव

स्थायी चयन समिति

1.	डॉ. आर. ए. बडवे	अध्यक्ष
2.	डॉ. आर. के. श्रीवास्तव	सदस्य
3.	सुश्री विभा पुरी दास	सदस्य
4.	डॉ. एम के भान	सदस्य
5.	प्रो. के. के. तलवार	सदस्य
6.	डॉ. रामाकांत पांडा	सदस्य
7.	डॉ. अब्दुल हमीद जरगर	सदस्य
8.	प्रो. आर. सी. डेका	सदस्य - सचिव

स्थायी संपदा समिति

1.	डॉ. एस. पी. अग्रवाल	अध्यक्ष
2.	डॉ. ज्योति मिर्धा, संसद-सदस्य (लोक सभा)	सदस्य
3.	श्री नावेद मसूद	सदस्य
4.	डॉ. एम के भान	सदस्य
5.	प्रो. आर ए बडवे	सदस्य
6.	डॉ. आर. के. श्रीवास्तव,	सदस्य
7.	डॉ. के के तलवार	सदस्य
8.	प्रो. आर. सी. डेका	सदस्य - सचिव

स्थायी अस्पताल प्रबंध समिति

1.	श्री आर. के. धवन, संसद-सदस्य (राज्य सभा)	अध्यक्ष (7 जुलाई 2010 तक)
	श्री मोती लाल बोरा, संसद सदस्य (राज्य सभा)	सदस्य (10 नवंबर, 2010 से)
2.	डॉ. ज्योति मिर्धा, संसद-सदस्य (लोक सभा)	सदस्य
3.	डॉ. आर. ए बडवे	सदस्य
4.	प्रो. के सी पांडे	सदस्य
5.	डॉ. रामाकांत पांडा	सदस्य
6.	प्रो. के. के. तलवार	सदस्य
7.	डॉ. अब्दुल हमीद जरगर	सदस्य
8.	प्रो. आर. सी. डेका	सदस्य - सचिव

3. शैक्षिक अनुभाग

संकायाध्यक्ष

रानी कुमार

उप-संकायाध्यक्ष

सुनील चुंबर	राकेश यादव
(30 जनवरी 2010 तक)	(11 जुलाई 2011 से)

कुल-सचिव

वी. पी. गुप्ता

शिक्षा

शैक्षिक अनुभाग नीतियां, योजनाएं विकसित करता है तथा शैक्षिक गतिविधियां कार्यान्वित करता है। यह अनुभाग आंतरिक अनुसंधान परियोजनाओं का भी संचालन करता है। इन गतिविधियों में चिकित्सा, नर्सिंग, तथा परा-चिकित्सा पाठ्यक्रमों हेतु स्नातक-पूर्व, स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरल कार्यक्रमों को सम्मिलित किया गया है। इन गतिविधियों का संचालन स्नातक-पूर्व, स्नातकोत्तर एवं परा-चिकित्सा प्रकोष्ठों द्वारा किया जाता है।

स्नातक-पूर्व शिक्षा प्रकोष्ठ

इस अनुभाग द्वारा नए छात्रों के लिए प्रवेश के उपरांत की औपचारिकताओं, पाठ्यक्रम विकसित करने एवं संशोधित करने तथा स्नातक-पूर्व छात्रों के लिए आंतरिक मूल्यांकन सहित शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रबंध किया जाता है। विभिन्न पाठ्यक्रम इस प्रकार है :- एम.बी.बी.एस., बी.एस-सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी तथा नेत्र विज्ञान तकनीक जैसे परा-चिकित्सा पाठ्यक्रम तथा बी.एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट प्रमाण पत्र) तथा बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम।

काय चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा स्नातक (एम.बी.बी.एस.)

स्नातक-पूर्व स्तर पर शिक्षा के पैटर्न को पुनरीक्षित किया गया तथा जुलाई 2004 से कार्यान्वित किया गया। एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम की अवधि साढ़े पाँच वर्ष की ही है जिसमें एक वर्ष का अनिवार्य इंटर्नशिप प्रशिक्षण भी सम्मिलित है। इस अवधि के दौरान प्रशिक्षण निम्नानुसार हैं :

एक वर्ष	:	पूर्व - नैदानिक प्रशिक्षण
डेढ वर्ष	:	परा - नैदानिक प्रशिक्षण
दो वर्ष	:	नैदानिक प्रशिक्षण
एक वर्ष	:	रोटेटिंग इंटर्नशिप (अनिवार्य)

अगस्त, 2008 से एम.बी.बी.एस. की सीटें 50 से बढ़कर 77 सीटें हो गई हैं। इन 77 सीटों में से 5 सीटें विदेशी नागरिकों के लिए आरक्षित होती हैं और इन 5 सीटों के लिए स्क्रीनिंग तथा प्रवेश विदेश मंत्रालय, भारत सरकार की अनुशंसा पर किया जाता है। शेष 72 सीटों (11 अनुसूचित जाति, 6 अनुसूचित जनजाति, 19 ओ.बी.सी. तथा 36 सामान्य श्रेणी उम्मीदवार) पर छात्रों का चयन अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। 3 प्रतिशत सीटें समस्तर आधार पर शारीरिक रूप से अस्थिजन्य विकलांग उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं। वर्ष 2010-11 के दौरान, 33,522 आवेदक थे और जिसमें से दिनांक 01 जून, 2010 को आयोजित हुई प्रवेश परीक्षा में 22,986 उम्मीदवार बैठे। 31 मार्च, 2011 तक स्नातक-पूर्व (एम.बी.बी.एस.) छात्रों की कुल संख्या 54 इंटर्न सहित 340 थी।

प्रथम, द्वितीय तथा अंतिम एम.बी.बी.एस. परीक्षा में प्रथम तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले 6 छात्रों को क्रमशः 750/- रु. तथा 500/- रु. प्रतिमाह की मेरिट छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

परा-चिकित्सा तथा नर्सिंग शिक्षा प्रकोष्ठ

परा-चिकित्सा एवं नर्सिंग छात्र-छात्राओं का प्रवेश तथा प्रशिक्षण संबंधी गतिविधियों का संचालन इस प्रकोष्ठ द्वारा किया जाता है। 64 छात्रों के एक बैच को बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग में प्रवेश दिया गया। अगस्त, 2010 में 23 छात्रों के एक बैच को बी.एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट प्रमाणपत्र) पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया। अगस्त, 2010 में 14 छात्रों को बी.एस-सी. (ऑनर्स) नेत्रविज्ञान तकनीक में तथा 9 छात्रों को बी.एस-सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी में प्रवेश दिया गया।

नर्सिंग तथा परा-चिकित्सा पाठ्यक्रमों में वर्तमान छात्र संख्या निम्नानुसार हैं :-

नर्सिंग पाठ्यक्रम	***छात्रों की संख्या***
बी.एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट प्रमाणपत्र)	48
बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग	258
परा-चिकित्सा पाठ्यक्रम	
बी.एस-सी. (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक	43
बी.एस-सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी	26

स्नातकोत्तर शिक्षा प्रकोष्ठ

जूनियर तथा सीनियर रेजीडेंटों सहित स्नातकोत्तर छात्रों के प्रवेश, चयन तथा प्रशिक्षण संबंधी सभी गतिविधियों का संचालन शैक्षिक अनुभाग द्वारा किया जाता है। यह अनुभाग सीनियर रेजीडेंटों से संबंधित सभी सेवा मामले भी देखता है। इस अनुभाग द्वारा विभिन्न विषयों में पी-एच.डी., डी.एम., एम.सी-एच, एम.डी., एम.एस., एम.डी.एस., एम.एच.ए., एम.एस-सी. तथा एम. बायोटेक पाठ्यक्रमों से संबंधित सभी गतिविधियों का संचालन किया जाता है।

सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश एक अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के द्वारा किया जाता है जो कि वर्ष में दो बार आयोजित की जाती है। विदेशी नागरिकों को भी प्रवेश परीक्षा के द्वारा प्रवेश दिया जाता है। नेपाल के स्नातकोत्तर छात्रों को प्रवेश भारत सरकार तथा नेपाल सरकार के बीच हुए द्विपक्षीय समझौते के तहत दिया जाता है।

समीक्ष्य वर्ष के दौरान, उपर्युक्त वर्णित पाठ्यक्रमों में 17 राज्य प्रायोजित तथा 31 विदेशी नागरिकों और 313 छात्रों सहित कुल 478 छात्रों को प्रवेश दिया गया। 31 मार्च, 2011 तक स्नातकोत्तर तथा डॉक्टरल छात्रों की कुल संख्या 1219 थी। स्नातकोत्तर छात्रों का विषयवार विवरण निम्नानुसार है।

पी-एच.डी.	**सामान्य**	**प्रायोजित**
शरीर रचना विज्ञान	19	-
जैव रसायन	38	-
जैव भौतिकी	32	-
जैव सांख्यिकी	03	1 (सेवारत)
जैव प्रौद्योगिकी	21	-
हृद् विज्ञान	01	-
हृद् जैव रसायन	02	-
हृद् विकरण विज्ञान	-	1

न्याय चिकित्सा		03	-
जठरांत्र रोग विज्ञान		07	-
तंत्रिका शल्य चिकित्सा		01	-
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान		-	2 (सेवारत)
रुधिर विज्ञान		12	1 (सेवारत)
सी. टी. वी. एस.		03	-
प्रयोगशाला चिकित्सा		14	-
चिकित्सा अर्बुद विज्ञान		03	-
चिकित्सा भौतिकी		03	-
काय चिकित्सा		09	-
सूक्ष्म जैव विज्ञान		23	-
तंत्रिका विज्ञान		14	-
नाभिकीय चुंबकीय अनुनाद		05	1
नाभिकीय चिकित्सा		05	1
नाक, कान तथा गला रोग विज्ञान (ई.एन.टी.)		01	-
नेत्रविज्ञान		07	2
नेत्र भेषजगुण विज्ञान		03	-
नेत्र सूक्ष्मजैव विज्ञान		03	-
सामुदायिक नेत्रविज्ञान		02	-
नेत्र विकृति विज्ञान		03	-
नेत्र जैवरसायन		04	-
बाल रोग विज्ञान		12	-
विकृति विज्ञान		12	-
सामुदायिक चिकित्सा केंद्र		02	-
अंतः स्त्राविकी		06	-
बाल शल्य चिकित्सा		02	-
तंत्रिका - जैव रसायन		04	-
भेषजगुण विज्ञान		12	-
शरीर क्रिया विज्ञान		18	2
मनोचिकित्सा		09	-
त्वचा रोग विज्ञान		02	-
शल्य चिकित्सा		-	1 (सेवारत)
विकिरण अर्बुद विज्ञान		03	-
प्रजनन जैव विज्ञान		04	-
प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवांशिकी		10	1
कुल	**350**	**337**	**13**

डी.एम.	सामान्य	प्रायोजित
हृद संवेदनाहरण विज्ञान	6	3
हृद विज्ञान	16	1
नैदानिक रुधिर विज्ञान	5	3
अंतःस्त्राविकी	8	3
जठरांत्र रोग विज्ञान	10	3
रुधिर विकृति विज्ञान	4	3
चिकित्सा अर्बुद विज्ञान	12	-2
नवजात विज्ञान	4	3
वृक्क विज्ञान	8	4
तंत्रिका - संवेदनाहरण	8	3
तंत्रिका विज्ञान	15	3
तंत्रिका विकिरण विज्ञान	3	-
बाल तंत्रिका विज्ञान	6	1
नैदानिक भेषजगुण विज्ञान	3	-
कुल 140	**108**	**32**
एम.सी-एच.	**सामान्य**	**प्रायोजित**
हृद्वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	16	1
जठरांत्र शल्य चिकित्सा	5	3
तंत्रिका शल्य चिकित्सा	27	2
बाल शल्य चिकित्सा	12	1
मूत्र रोग विज्ञान	8	2
कुल 77	**68**	**9**
एम.डी.	**सामान्य**	**प्रायोजित**
संवेदनाहरण विज्ञान	29	1
शरीर रचना विज्ञान	18	-
जैव रसायन	10	-
जैव भौतिकी	09	-
सामुदायिक चिकित्सा	19	-
त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान	11	2
न्याय चिकित्सा	09	-
अस्पताल प्रशासन	04	7
प्रयोगशाला चिकित्सा	08	-

काय चिकित्सा	42	3
सूक्ष्म जैव विज्ञान	08	-
नाभिकीय चिकित्सा	13	2
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान	33	3
नेत्र विज्ञान	78	1
बाल रोग विज्ञान	21	3
विकृति विज्ञान	19	1
भेषजगुण विज्ञान	09	-
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	09	-
शरीरक्रिया विज्ञान	12	-
मनोचिकित्सा विज्ञान	21	1
विकिरण निदान	19	3
विकिरण चिकित्सा	09	-
एम.एस.		
अस्थि रोग विज्ञान	15	3
नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान	17	2
शल्य चिकित्सा	41	3
एम.डी.एस.		
कंजरवेटिव डेंटीस्ट्री एंड इंडोडोंटिक्स	07	1
ऑर्थोडोंटिक्स	07	2
प्रोस्थोडोंटिक्स	07	1
ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी	07	1
कुल 551	**511**	**40**
एम.एस-सी.	**सामान्य**	**प्रायोजित**
शरीर रचना विज्ञान	01	-
जैव रसायन	08	03
जैव भौतिकी	01	-
प्रफ्यूजन प्रौद्योगिकी	06	-
जैव प्रौद्योगिकी	22	02
नाभिकीय चिकित्सा प्रौद्योगिकी	11	-
भेषजगुण विज्ञान	06	01
शरीर क्रिया विज्ञान	03	-

एम.एस-सी. नर्सिंग

अर्बुद विज्ञान नर्सिंग	03	-
हृद् विज्ञान/सी.टी.वी.एस. नर्सिंग	06	-
वृक्क विज्ञान नर्सिंग	03	-
तंत्रिका विज्ञान नर्सिंग	07	-
बाल चिकित्सा नर्सिंग	07	01
मनोचिकित्सा नर्सिंग	08	-
गंभीर उपचार नर्सिंग	02	-
स्वीकृत सीटें 61		
कुल 101	**94**	**97**

वेतन : छठे वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार रेजीडेंटों का वर्तमान वेतन निम्नानुसार है :-

जूनियर रेजीडेंट 15,600 - 39,100 रु. + (ग्रेड वेतन 5400 रु.) तथा नियमानुसार भत्ते

सीनियर रेजीडेंट 15,600 - 39,100 रु. + (ग्रेड वेतन 6000 रु.) तथा नियमानुसार भत्ते

प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष के दौरान, विभिन्न कार्यक्रमों में पजीकृत चिकित्सा एवं परा-चिकित्सा पाठ्यक्रमों में 930 अल्प तथा 09 दीर्घावधिक प्रशिक्षणार्थी थे। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों में वि. स्वा. सं. छात्रवृत्ति कार्यक्रम के अंतर्गत 20 वि. स्वा. सं. फैलो (विदेश नागरिक) तथा 30 विदेशी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। वि. स्वा. सं.- इन - कंट्री फैलोशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत (2010-2011) के तहत कोई वि. स्वा. सं. फैलो (भारतीय) अध्येता नहीं था। वर्ष के दौरान चयनित प्रशिक्षण के तहत 54 विदेशी स्नातक चिकित्सा छात्रों ने वैकल्पिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 116 सम्मेलन, कार्यशालाएं और गोष्ठियां आयोजित की गई।

समिति बैठकें

शैक्षिक समिति, स्टाफ काउंसिल, संकाय बैठकें तथा संकायाध्यक्ष समिति की बैठकें आयोजित करने का उत्तरदायित्व शैक्षिक अनुभाग का है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान आयोजित हुई बैठकों का विवरण निम्नानुसार हैं :-

शैक्षिक समिति	02
स्टाफ काउंसिल	01
संकायाध्यक्ष समिति	01
संकाय	13

व्याख्यान

वर्ष 2010-2011 के दौरान शैक्षिक अनुभाग द्वारा निम्नलिखित व्याख्यानों का आयोजन किया गया।

क्र.सं.	व्याख्यान	व्याख्यानदाता	व्याख्यान की तिथि, समय तथा स्थान
1.	**डॉ. सुजॉय बी. राय**	डॉ. जगत नरुला, आचार्य, मेडिसिन, विभाग, प्रमुख, हृद विज्ञान प्रभाग, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय इर्विन स्कूल ऑफ मेडिसिन, यूएसए	6 सितंबर, 2010 सोमवार, सायं 4.00 बजे एलटी- I,

2.	**सर्वेश्वरी स्मारक**	डॉ. एंड्रयू के एएम, जेम्स स्टीवर्ट शल्य चिकित्सा आचार्य, प्रमुख शल्य चिकित्सा विभाग, मेलबोर्न विश्व विद्यालय, निदेशक, तंत्रिका शल्य चिकित्सा, रॉयल मेलबोर्न हॉस्पिटल, ऑस्ट्रेलिया	17 फरवरी 2011, बृहस्पतिवार, 4.00 बजे सायं, जवाहरलाल सभागार

दीक्षांत समारोह

संस्थान का वार्षिक दीक्षांत समारोह सोमवार दिनांक 1 अक्टूबर, 2010 को संस्थान के जवाहर लाल सभागार में आयोजित किया गया। डॉ. मनमोहन सिंह, माननीय प्रधानमंत्री ने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। मुख्य अतिथि ने विशिष्ट छात्रों को संस्थान पदक / पुरस्कार प्रदान किए तथा उपस्थित जन-समूह को संबोधित किया। अध्यक्ष, एम्स एवं माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री महोदय द्वारा उपाधियां प्रदान की गई।

अनुसंधान

संकाय सदस्यों को अनुसंधान परियोजना पर निर्भर करते हुए रु. 50,000 से रु. 1,00,000 के बीच आंतरिक अनुसंधान अनुदान प्रदान किया गया। इन परियोजना की समीक्षा 15 मार्च को विशेषज्ञता समीक्षा समूहों द्वारा की गई और 31 मार्च को अनुसंधान समिति ने इनकी सिफारिशों को अंतिम रूप दिया। अगले 15 दिनों में निधि का आबंटन किया गया। निधिकृत परियोजनाओं के विवरण नीचे दिए गए हैं (सभी परियोजनाओं को अन्यथा 1 लाख रु. दिए गए थे।)

क्लिनिकल विषय : नई परियोजनाएं

क्र.सं.	**अन्वेषक का नाम और विभाग**	**परियोजना का शीर्षक**	**अवधि (वर्ष)**
1.	नीता सिंह स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान	विकासशील देशों की व्यवस्था में न्यूनतम उद्दीपन आईवीएफ प्रोटोकॉल बनाम प्रोटोकॉल की लागत प्रभावशीलता का अध्ययन और तुलना करना	2
2.	संजय शर्मा विकिरण निदान	प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने के लिए ट्रांसरेक्टल अल्ट्रासाउंड, इलास्टोग्राफी और कंट्रास्ट एनहांस्ड सोनोग्राफी का मूल्यांकन	2
3.	संदीप महाजन वृक्क विज्ञान	गुर्द प्रतिरोपण ग्राहियों में ऑक्सीडेटिव तनाव, केरोटिड इंटिमाल मीडिया मोटाई और एंडोथिलियल अकार्यात्मकता तथा एन-एसिटिल सिस्टिन के साथ उपचार का प्रभाव।	2
4.	नीति मखीजा हृद् संवेदनाहरण	एन्यूरीस्मल सर्जरी में एप्सिलोन एमिनो केप्रोइक एसिड तथा ट्रेनेक्सेमिक एसिड की तुलना : सुरक्षा और क्लिनिकल दक्षता।	2
5.	जागृति भाटिया भेषजगुण विज्ञान	बाल रोगियों में सिसप्लेटिन से उत्पन्न नैफ्रो विषालुता के बायोमार्कर के रूप में लीवर फेटी एसिड प्रोटीन बंधन का अध्ययन।	1

6.	जे बी शर्मा स्त्रीरोग और प्रसूति विज्ञान	गर्भावस्था के अंत में आयरन की कमी वाले एमिनिया से पीड़ित रोगियों में अन्य हिमेटोलॉजिकल संकेतकों के साथ एरिथ्रो पोयटिन स्तर तथा सीरम ट्रांसफेरिन रिसेप्टर का सह संबंध।	1
7.	नीलम पुष्कर नेत्ररोग विज्ञान	उच्च घनत्व पोरस पोलीएथलीन कोटिंग वाली टियर ड्रेन ट्यूब का उपयोग करते हुए कंजटाइवोडेक्रोसिस्टोराइनोस्टोमी।	1
8.	सुषमा भटनागर संवेदनाहरण विज्ञान डॉ. बीआरएआईआरसीएच	पेट के ऊपरी हिस्से में उन्नत कैंसर वाले रोगियों में अल्ट्रासाउंड मार्गदर्शित प्लेक्सस के अलावा न्यूरोलाइसिस : बाइलेटरल एंटीरियर पैरामीडियन नीडल प्रवेश तकनीक और एंटीरियर एकल मीडियन नीडल तकनीक की तुलना के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।	1
9.	हिमांशु प्रभाकर तंत्रिका-संवेदनाहरण विज्ञान	न्यूरो एंडोस्कोपिक प्रक्रियाओं को उपयोग करते हुए रोगियों में आइसोलूरेन और प्रोपोफॉल के सेरिब्रो सुरक्षात्मक प्रभाव का मूल्यांकन।	1
10.	भावना चावला नेत्ररोग विज्ञान	उन्नत इंट्राओक्यूलर रेटिनो ब्लास्टोमा में क्लिनिकल विशेषताओं, इमेजिंग और हिस्टोपैथोलॉजी की प्राप्तियों का सह संबंध।	1
11.	रचना सेठ बालरोग विज्ञान	भारत में कैंसर से बच्चों की उत्तरजीविता में जीव विज्ञान को समझना।	1
12.	वीरेंद्र कुमार बंसल शल्य चिकित्सा	लेपेरोस्कोपिक इंगुइनल हर्निया मरम्मत में कम वजन वाली बनाम अधिक वजन वाली पोलीप्रोपलिन जाली में तेज दर्द और जीवन की गुणवत्ता की तुलना के लिए एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक परीक्षण।	2
13.	रमा जयसुंदर नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद	विभिन्न प्रकृति के प्रकारों में इंसुलिन प्रतिक्रिया पैटर्न और शरीर की बनावट का विश्लेषण।	2
14.	ज्योत्सना पुंज संवेदनाहरण विज्ञान	बोम्स क्लिनिकल प्रथा की तुलना के लिए अल्प प्रभाव एनेस्थिसिया का औसत समय तथा एफई / एफआई - 0.8 तथा स्टेट एंट्रोपी डी' 50	2 रु.50,000
15.	राजेश खडगावत अंतःस्राविकी और चयापचय	ढांचे के डिसप्लासिस में निहित आण्विक इटियोलॉजी का अध्ययन।	2
16.	गुरप्रीत सिंह गुलाटी हृद विकिरण विज्ञान	टाकयासू आरटेराइटिस में प्रतिरक्षी संदमक उपचार की प्रतिक्रिया मूल्यांकन में 3 टेसला एमआरआई का उपयोग।	2
17.	गिरिजा प्रसाद रथ तंत्रिका-संवेदनाहरण विज्ञान	सुपराटेनट्रोरियल ट्यूमर सर्जरी करने वाले रोगियों में पोस्ट क्रेनियोटोमी पर प्रेगाबेलेन का प्रभाव।	1

18.	संजय गुप्ता वृक्क विज्ञान	प्रवर्धन शील ल्यूपस नेफ्रेराइटिस के लिए उद्दीपन उपचार के तौर पर टेक्रोलिमिस।	1
19.	बबीता गुप्ता संवेदनाहरण विज्ञान, जेपीएनएटीसी	ब्यूपी वेक्सीन तथा ओपियोइड के साथ थोरेसिक एपिड्यूरल एनाजेसिया की दक्षता और निरापदता का भविष्यलक्षी यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन तथा थोरेसिक अभिघात में दो दर्द निवारक दवाओं की दो अलग अलग सांद्रता बनाम इंट्रावेनस मार्ग।	1
20.	मीरा वासवानी राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र	जीन बहुरूपता तथा शराब पर निर्भरता से सेरोटो नार्जिक मार्ग के संबंध का अध्ययन।	2
21.	संदीप आर माथुर विकृति विज्ञान	उन्नत चरण के अंडाशय सीरस सिस्टेडेनों कार्सिनोमा के नियोएजुवेंट के कीमोथैरेपी उपचार में कीमोथैरेपी से उद्दीपित आकारिकी परिवर्तन तथा प्रभावी मार्करों की अभिव्यक्ति का विश्लेषण।	1
22.	वी सीनू शल्य चिकित्सा	स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर में क्लिनिकल दृष्टि से ऋणात्मक एक्सिला के ऑपरेशन में शामिल सेंटिनल और गैर सेंटिनल लिम्फ नोड के साथ प्राथमिक स्तन ट्यूमर में लिम्फो वेस्कुलर भेदन का सह संबंध ज्ञात करना।	1

मूलभूत विषय : नई परियोजनाएं

क्र.सं.	अन्वेषक का नाम और विभाग	परियोजना का शीर्षक	अवधि (वर्ष)
1.	के एच. रीता भेषजगुणविज्ञान	चिरकालिक मायलोइड ल्यूकेमिया में कीमोथैरेपी की प्रतिक्रिया के संकेतक के रूप में डीएनए क्षति के खतरे का आकलन।	2
2.	मधु बाजपेयी सूक्ष्मजैव विज्ञान	नव अभिज्ञात टीएच 17 कोशिकाओं की भूमिका : अन्य टी सहायक (टीएच) उप समूहों के साथ इसकी आपसी क्रिया और एचआईवी से संक्रमित भारतीय व्यक्तियों में रोग के आगे बढ़ाने पर इसके परिणाम।	2
3.	सीमा कश्यप नेत्रविकृति विज्ञान, रा. प्र. केंद्र	लोसाइटोमेट्री द्वारा रेटिनो ब्लास्टोमा में कैंसर स्टेम कोशिका मार्करों को पता लगाना।	1
4.	सुमन जैन शरीरक्रिया विज्ञान	चूजों के विजुअल वल्सट में साइनेप्टिक प्रोटीन की अभिव्यक्ति पर प्रसव पूर्व चिरकालिक श्रव्य उद्दीपन के प्रभाव।	2

5.	कल्पना लूथरा जैव रसायन	एचआईवी-1 वायरस के रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेस और प्रोटिएस जीनों में औषधि चयनित उत्परिवर्तनों पर एचआईवी -1 से संक्रमित बाल रोगियों के प्रोवायरल डीएनए पर एक प्रायोगिक अध्ययन।	2
6.	सुजाता मोहंती स्टेम कोशिका सुविधा	मौखिक म्यूकोसल एपिथलियल स्टेम कोशिकाओं का पृथक्करण, विस्तार और लक्षणीकरण।	1
7.	आर. लक्ष्मी हृद्‌य जैव रसायन	अनुलेखन कारकों, पीपीएआरवाई तथा एसआरईबीपी 1सी की अभिव्यक्ति पर ट्रांस फेटी एसिड का प्रभाव।	2 रु. 71,000
8.	विमल कुमार दास सूक्ष्म जैव विज्ञान	चिरकालिक जीवाणु मेनिनजाइटिस का आण्विक निदान।	2
9.	जतिंद्र कत्याल भेषजगुण विज्ञान	पेंटिनेटिलट्रेट्रजोल देने पर चूहों में पिगलोटेजोन और साइक्लोहेक्सो जिनेस - 2 (कोक्स-2) संदमक एटोरिकोसिब की अलग अलग खुराकों का प्रभाव।	1
10.	सुरेंद्र सिंह भेषजगुण विज्ञान	चूहों में प्रायोगिक आर्थराइटिस में रोसा सेंटिफोलिया के सुगंधित तेल और हाइड्रो एलकोहलिक निष्कर्ष की निरापदता और दक्षता।	1
11.	डी. एस. आर्या भेषजगुण विज्ञान	प्रायोगिक रूप से उद्दीपित मायोकार्डियल इन्फारकशन में इगल मरमेलोस के जलीय फल निष्कर्ष का मूल्यांकन।	1
12.	तुलिका सेठ रुधिर विज्ञान	उत्तर भारतीय तृतीयक देखभाल केंद्र में चिरकालिक प्रतिरक्षी थ्रोम्बोसाटोपेनिक परप्यूरा रोगियों की अनुवांशिक रूप देख का अध्ययन।	2
13.	टी सी नाग शरीररचना विज्ञान	मानव रेटिना में आयु के साथ ऑक्सीडेटिव तनाव के मार्करों का कोशिकीय स्थानीकरण : एक प्रतिरक्षी ऊतक रसायन अध्ययन।	1.2
14.	टी. वेलापांडियन नेत्र भेषजगुण विज्ञान एवं फार्मेसी रा. प्र. केंद्र	आंखों में दवाओं के अवक्षेपण पर आर्गनिक केटायन औषधि वाहकों की भूमिका का मूल्यांकन।	2

क्लिनिकल विषय : जारी

क्र.सं.	**अन्वेषक का नाम और विभाग**	**परियोजना का शीर्षक**	**अवधि (वर्ष)**
1.	सुमित सिन्हा तंत्रिका शल्य चिकित्सा, जे पी एन ए टी सी	एन्यूरीस्मल उप एरेकनोइक हिमोरेज के बाद वेसोस्पेम की रोकथाम और कार्यात्मक परिणाम में सुधार के लिए सिमवेस्टेटिन की भूमिका : एक यादृच्छिक दोहरा ब्लाइंड प्लासेबो नियंत्रित परीक्षण।	1 रु. 75,000

2.	संदीप अग्रवाला बाल रोग शल्य चिकित्सा	न्यूरोब्लास्टोमा के आनुवंशिक पैरामीटर : बारीक सुई से चूषण संवर्धन का अध्ययन।	1
3.	संदीप सेठ हृद विज्ञान	टेकनेटियम - 99 एम हेक्सामेथेलिन प्रोपेलिन एमिन ऑक्सीन (टीसी 99 एमएचएमपीएओ) के साथ स्टेम कोशिकाओं की लेबलिंग और इंट्राकोरोनरी इंजेक्शन के बाद मायोकार्डियम में स्टेम कोशिकाओं की होमिंग का पता लगाना।	1
4.	शम्भुनाथ दास हृद संवेदनाहरण	कोरोनरी आर्टिरी बाइपास ग्राटिंग में कार्डियो पल्मोनरी के बाइपास उपयोग द्वारा तंत्रिका बोधात्मक गिरावट और प्रज्वलन प्रतिक्रिया कम करने में पैनटोक्सीफिलिन की भूमिका।	1
5.	डी एन शर्मा विकिरण अर्बुद विज्ञान	विकिरण उपचार के बाद सरवाइकल कैंसर से पेलविक रिकरेंस वाले रोगियों में पीईटी स्केन का क्लिनिकल प्रभाव।	1
6.	वेंकेटेश्वरन के. अय्यर विकृति विज्ञान	1पी और 16क्यू गुणसूत्र विलोपन के आधार पर बच्चों के पेट में ठोस ट्यूमर का पूर्वानुमान।	1
7.	वंदना जैन, बाल रोग विज्ञान	अधिक वजन वाले बच्चों और किशोरों में एडिपोनेक्टिन, सी-अभिक्रियात्मक प्रोटीन तथा इंटरल्यूकिन 6 और डिसलिपिडेमिया और इंसुलिन प्रतिरोध के साथ इसका संबंध।	1

मूलभूत विषय : जारी

क्र.सं.	**अन्वेषक का नाम**	**परियोजना का शीर्षक**	**अवधि**
1.	एस के मौलिक भेषजगुण विज्ञान	डॉक्सोरूबिसीन उद्दीपित कार्डियोमायोपैथी में एटोरवेस्टेटिन तथा कोएंजाइम - क्यू10 की निवारणात्मक संभाव्यता का मूल्यांकन।	1
2.	रत्ना शर्मा शरीरक्रिया विज्ञान	मस्तिष्क के दोलनों में अवबोध उद्दीपित परिवर्तन।	1
3.	अरुंधती शर्मा शरीररचना विज्ञान	किरेटोकोनस में वीएसएक्स के उत्परिवर्तनों में संभव उपस्थिति का मूल्यांकन करना।	1
4.	पुष्पा धर शरीररचना विज्ञान	प्रसव पश्चात शुरूआती अवधि में सोडियम अरसेनाइटिस उद्भासन के बाद चूहे के मस्तिष्क में एंटिऑक्सीडेंट पूरक के प्रभाव का अध्ययन करना।	1

5.	रीमा दादा शरीररचना विज्ञान	ऑक्यूलर कोलोबोमा में साइटोजेनेटिक तथा पेक्स 6 जीन उत्परिवर्तन विश्लेषण।	1
6.	तुषार अग्रवाल रा. प्र. केंद्र	जन्मजात मोतियाबिंद के रोगियों में सीआरवाईएए जीन रूप रेखा।	1
7.	सीमा सेन नेत्र विकृति विज्ञान रा. प्र. केंद्र	मेलिगनेंट ऑक्यूलर ट्यूमर में एचपीवी प्रकारों की पहचान।	1 रु. 1,50,000
8.	अंजना तलवार शरीर रचना विज्ञान	स्वस्थ वयस्कों में घटना संबंधी संभाव्यताओं पर ऑसिमम सेंक्टम (तुलसी के प्रभावों का अध्ययन करना)।	1
9.	एन सी चंद्रा जैव रसायन	इंसुलिन, थाइरोक्सिन और बेंजो ए पाइरिन की उपस्थिति में एलडीएल रिसेप्टर (एलडीएलआर) और ट्यूमर संदमक के बीच अभिव्यक्ति और / या अनुलेख पर तुलनात्मक अध्ययन।	1
10.	कुनजांग चॉसडोल जैव रसायन	फॉलेट चयापचय एंजाइम का अनुवांशिक बहुरूपता (एसएनपी) का प्रकरण नियंत्रण अध्ययन तथा भारतीय आबादी में मैनिनजियोमा और ग्लियोमा के साथ इनका संबंध।	1

कुल	:	51,64,000/-
कुल आबंटित	:	- 50,00,000/-
शेष	:	- 1,64,000/-

4. परीक्षा अनुभाग

प्रभारी आचार्य (परीक्षा)

कौशल के वर्मा

उप-संकायाध्यक्ष (परीक्षा)

ए. के. डिंडा

सहायक नियंत्रक

बी. के. जोशी

लेखा अधिकारी

एस. के. गुप्ता

कार्यालय अधीक्षक

राज कुमार कुलविन्द्र सिंह

2010-2011 के दौरान निम्नलिखित व्यावसायिक तथा प्रवेश परीक्षाएं संचालित की गई थीं।

स्नातकोत्तर एवं स्नातक-पूर्व व्यावसायिक परीक्षा

व्यावसायिक परीक्षाएं

क्र.सं.	माह एवं वर्ष	परीक्षा	छात्रों की संख्या			
			परीक्षा में बैठे	अनुपस्थित	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण
1	**मई 2010**	अंतिम स्नातकोत्तर/पोस्ट-डॉक्टरल	135	0	122	13
2	-तदैव-	एम. एस-सी. (नर्सिंग), चरण I	22	0	22	0
3	-तदैव-	एम. एस-सी. (नर्सिंग), चरण II	15	0	15	0
4	-तदैव-	अंतिम एम. बी., बी. एस. (पूरक)	6	0	6	0
5	-तदैव-	द्वितीय एम. बी., बी. एस. (पूरक)	16	1	15	0
6	-तदैव-	बी. एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट-प्रमाणपत्र), चरण 1	25	0	19	6
7	-तदैव-	बी. एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट-प्रमाणपत्र), चरण II	25	0	25	0
8	-तदैव-	बी. एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चरण I	62	1	52	9
9	-तदैव-	बी. एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चरण II	61	1	59	1
10	-तदैव-	बी. एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चरण III	53	3	49	1
11	-तदैव-	बी. एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग, चरण IV	46	0	46	0
12	जुलाई 2010	प्रथम व्यावसायिक एम.बी. बी.एस.	81	1	64	16
13	-तदैव-	बी. एस-सी. (ऑनर्स) नेत्र विज्ञान तकनीक, चरण I	17	1	7	9
14	-तदैव-	बी. एस-सी. (ऑ.) नेत्र विज्ञान तक. चरण II	11	0	5	6

15	-तदैव-	बी. एस-सी. (ऑ.) नेत्र विज्ञान तक. चरण III	10	0	9	1
16	-तदैव-	बी.एस-सी. (ऑ) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी चरण I	8	1	5	2
17	-तदैव-	बी.एस-सी.(ऑ) रेडियोग्राफी में चि. प्रौ चरण II	9	0	4	5
18	-तदैव-	बी.एस-सी.(ऑ) रेडियोग्राफी में चि. प्रौ चरण III	6	0	6	0
19	अगस्त 2010	प्रथम एम.बी. बी.एस. व्यावसायिक (पूरक)	17	1	13	3
20	नवम्बर 2010	बी.एस-सी. (ऑनर्स) नेत्रविज्ञान तकनीक चरण I (पूरक)	7	0	5	2
21	-तदैव-	बी.एस-सी. (ऑ) नेत्रविज्ञान तक. चरण II (पू.)	5	0	5	0
22	-तदैव-	बी.एस-सी. (ऑ) नेत्रविज्ञान तक. चरण II (पू.)	1	0	1	0
23	-तदैव-	बी.एस-सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी चरण I (पूरक)	2	0	2	0
24	-तदैव-	बी.एस-सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी चरण II (पूरक)	4	0	3	1
25	-तदैव-	बी.एस-सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी चरण III (पूरक)	0	0	0	0
26	दिसम्बर 2010	अंतिम स्नातकोत्तर / पोस्ट डॉक्टरल	126	2	121	3
27	-तदैव-	एम.एस-सी. (नर्सिंग) चरण II (पूरक)	3	0	3	0
28	-तदैव-	अंतिम एम.बी.बी.एस	47	3	38	6
29	-तदैव-	द्वितीय एम.बी.बी.एस	72	3	66	3
30	-तदैव-	बी.एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट-प्रमाणपत्र) चरण I (पूरक)	6	0	4	2
31	-तदैव-	बी.एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट-प्रमाणपत्र) चरण II (पूरक)	0	0	0	0
32	-तदैव-	बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण I (पूरक)	9	0	9	0
33	-तदैव-	बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण II (पूरक)	4	0	3	1
34	-तदैव-	बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण III (पूरक)	7	0	7	0
35	-तदैव-	बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग चरण IV (पूरक)	1	0	1	0
36	जनवरी 2011	अंतिम एम.बी.बी.एस. (कंपार्टमेंटल परीक्षा)	2	0	2	0
		महायोग :	**921**	**18**	**813**	**90**

प्रवेश परीक्षाएं

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	परीक्षा की तिथि	आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की संख्या	परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों की संख्या
1	एम.डी./एम.एस./एम.डी.एस. (एम्स) जुलाई 2010	09-05-2010	19506	16778
2	डी.एम./एम.सी-एच./एम.एच.ए. जुलाई 2010	16-05-2010	1629	1365
3	एम.बी.बी.एस. (एम्स) अगस्त, 2010	01-06-2010	33522	22986
4	बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग 2010	13-06-2010	736	520

5	बी.एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट प्रमाणपत्र) 2010	19-06-2010	62	40
6	बी.एस-सी. (ऑनर्स) परा-चिकित्सा पाठ्यक्रम 2010	05-06-2010	148	114
7	एम.एस-सी. पाठ्यक्रम 2010	10-07-2010	261	137
8	एम.एस-सी. नर्सिंग 2010	27-06-2010	539	406
9	एम. बायोटेक्नोलॉजी प्रवेश परीक्षा 2010	17-07-2010	714	361
10	पी.एच-डी. जुलाई 2010	04-07-2010	431	271
11	सीनियर रेजीडेंट्स प्रवेश परीक्षा, सत्र जनवरी 2011	13-03-2011	645	471
12	एम.डी./एम.एस./ एम.सी-एच. / (6 वर्षीय)/ एम.डी.एस. (एम्स) जनवरी 2011	14-11-2010	34897	33004
13	डी.एम. / एम.सी-एच. / एम.एच.ए. जनवरी 2011	12-12-2010	1548	1269
14	अखिल भारतीय स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा : एम.डी. / एम.एस. / डिप्लोमा / एम.डी.एस.-2011	09-01-2011	67822	63605
15.	पीएच. डी जनवरी 2011	16-01-2011	412	263
			162872	**141590**

दिनांक 1 अप्रैल, 2010 से 31 मार्च, 2011 तक पीएच. डी. मौखिक परीक्षा में उत्तीर्ण उम्मीदवार : 53

ग. भर्ती हेतु परीक्षाएं

क्र.सं.	परीक्षा का नाम	लिखित परीक्षा	साक्षात्कार	आवेदक	बैठे	परिणाम
1	सिस्टर ग्रेड -।।	22.08.2010	18.1.2011	14755	8553	25.10.2010
2	नर्सिंग ट्यूटर	14.12.2010	18-22.10.2010	219	128	01.02.2011
	कुल			**14974**	**8681**	

संचालित की गई प्रवेश परीक्षाएं :

1. एम.डी. / एम.एस. / डिप्लोमा / एम.डी.एस. पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 50 प्रतिशत ओपन मेरिट सीटों के कोटे हेतु अखिल भारतीय स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा दिनांक 9 जनवरी 2011 को भारत के 15 शहरों में स्थित 146 केन्द्रों (स्थानीय 32, बाहरी 114) पर आयोजित की गई। परीक्षा परिणाम दिनांक 15 फरवरी, 2011 को घोषित किए गए।

2. जुलाई, 2010 सत्र से प्रारम्भ होने वाले एम.डी. / एम.एस. / एम.डी.एस. पाठ्यक्रमों हेतु एम्स स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा दिनांक 9 मई, 2010 को 43 केन्द्रों (स्थानीय 19, बाहरी 24) पर तथा जनवरी 2011 सत्र हेतु 71 केन्द्रों (स्थानीय 30, बाहरी 41) पर 14 नवंबर, 2010 को आयोजित की गई। परीक्षा परिणाम क्रमशः 25 मई, 2010 तथा 27 नवम्बर, 2010 को घोषित किए गए।

3. जुलाई 2010 तथा जनवरी 2011 सत्रों के लिए डी.एम. / एम.सी-एच. तथा अस्पताल प्रशासन में स्नातकोत्तर जैसे विभिन्न पोस्ट-डॉक्टरल (अति-विशिष्टता) पाठ्यक्रमों के लिए चयन द्वि-स्तरीय निष्पादन मूल्यांकन के आधार पर क्रमशः 16 से 24 मई, 2010 से 12 से 21 दिसंबर 2010 के दौरान किया गया।

4. संस्थान द्वारा दिनांक 13 मार्च 2011 को सीनियर रेजीडेंटों / सीनियर डेमोंस्ट्रेटरों के पद हेतु एक लिखित परीक्षा आयोजित की गई।

5. जुलाई, 2010 तथा जनवरी, 2011 सत्रों से प्रारंभ होने वाले पी-एच.डी. कार्यक्रम में पंजीकरण हेतु उम्मीदवारों का चयन क्रमशः 4 जुलाई, 2010 तथा 16 जनवरी, 2011 तक किया गया। परिणाम क्रमशः 12 जुलाई, 2010 तथा 24 जनवरी, 2011 को घोषित किए गए।

6. अगस्त, 2010 सत्र के लिए एम्स के एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा दिनांक 01 जून, 2010 को भारत के 10 शहरों में 76 (स्थानीय 29 तथा बाहरी 47) केंद्रों पर आयोजित की गई।

7. बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग प्रवेश परीक्षा दिनांक 13 जून, 2010 को दिल्ली तथा तिरुवनंतपुरम में आयोजित की गई।

8. अगस्त, 2010 सत्र हेतु एम.एस-सी. तथा एम. बॉयोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा क्रमशः 10 तथा 17 जुलाई, 2010 को दिल्ली में आयोजित की गई।

9. एम.एस-सी. नर्सिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा वर्ष 2005 में प्रारम्भ की गई थी। यह परीक्षा दिनांक 27 जून, 2010 को केवल दिल्ली में आयोजित की गई। दाखिला मेरिट आधार पर दिनांक 19 जुलाई 2010 को आयोजित हुई काउंसलिंग के माध्यम से सीटों का आबंटन करके किया गया।

10. बी.एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट प्रमाणपत्र) पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा दिल्ली में दिनांक 19 जून 2010 को आयोजित की गई, तत्पश्चात दिनांक 22 जून 2010 को उम्मीदवारों का वैयक्तिक मूल्यांकन किया गया।

11. परा-चिकित्सा पाठ्यक्रमों - बी.एस-सी. (ऑनर्स) नेत्रविज्ञान तकनीक एवं बी.एस-सी. (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी में अगस्त, 2010 सत्र के लिए प्रवेश परीक्षा दिनांक 5 जून, 2010 को दिल्ली में एक केंद्र पर आयोजित की गई। इन दोनों पाठ्यक्रमों में छात्रों का प्रवेश मेरिट आधार पर काउंसलिंग के माध्यम से सीटों का आबंटन करके दिनांक 15 और 22 जुलाई, 2010 को किया गया।

12. परीक्षा अनुभाग द्वारा संस्थान में निम्नलिखित पदों हेतु लिखित / कौशल परीक्षा भी आयोजित की गईः-

    i) संस्थान में तकनीकी अधिकारी के पद हेतु लिखित परीक्षा दिनांक 29 अगस्त 2010 को आयोजित की गई। तत्पश्चात इन पदों हेतु साक्षात्कार आयोजित किया गया।

    ii) प्रवर श्रेणी लिपिक के पदों हेतु विभागीय उम्मीदवारों हेतु लिखित परीक्षा दिनांक 06 सितम्बर 2010 को आयोजित की गई।

    iii) स्टेनोग्राफर के पदों हेतु कौशल परीक्षा का आयोजन दिनांक 25 अक्तूबर 2010 को परीक्षा अनुभाग द्वारा किया गया। इन पदों के लिए साक्षात्कार का आयोजन दिनांक 9 मई 2010 को किया गया।

अन्य गतिविधियों में सहभागिता :

1. परीक्षा अनुभाग एम्स स्नातकोत्तर, बी.एस-सी. (ऑनर्स) परा चिकित्सा, एम.एस-सी. (नर्सिंग) पाठ्यक्रमों हेतु काउसलिंग तथा बी.एस-सी. (नर्सिंग) पोस्ट प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम हेतु साक्षात्कार में सक्रिय रूप में भाग लेता है।

2. प्रभारी - आचार्य (परीक्षा) बी. पी. कोइराला स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान, धरन, नेपाल से स्नातकोत्तर छात्रों के शोध के मूल्यांकन कार्य में समन्वय कर रहे हैं।

महत्त्वपूर्ण घटनाएं

परीक्षा अनुभाग निम्नलिखित परीक्षाओं का आयोजन करता है :

1. वर्ष 2010 से 26 जुलाई 2010 को उत्तर-पूर्वी इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान संस्थान, शिलांग, मेघालय के लिए एम.बी.बी.एस. प्रवेश परीक्षा।

2. वर्ष 2011 से 20 मार्च 2011 को उत्तर-पूर्वी इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान संस्थान, शिलांग, मेघालय के लिए स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा।

3. पूर्व स्नातकोत्तर मेडिकल / दंत चिकित्सा परीक्षा राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) के लिए 10 फरवरी 2011 को जयपुर, राजस्थान में।

और अधिक नियंत्रण एवं संतुलन बनाए रखने को प्रारम्भ करने के उपाय के रूप में परीक्षा व्यवस्था की पूर्ण गोपनीयता एवं सत्यनिष्ठा बनाए रखने के लिए, बाहरी केंद्रों के प्रश्न-पत्रों को अब भारतीय स्टेट बैंक की शाखाओं की सुरक्षित अभिरक्षा में रखा जाता है। छद्म व्यक्तित्व के किसी भी प्रकार के मामले से बचने के लिए प्रवेश परीक्षा के दौरान सभी उम्मीदवारों के डिजीटल फोटोग्राफ तथा अंगूठे का निशान लिया जाता है। इसके अलावा परीक्षा केन्द्र की मुख्य प्रवेश परीक्षा के समय प्रत्येक प्रत्याशी की शारीरिक जांच आरंभ की गई है ताकि परीक्षा के दौरान इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग की रोकथाम की जा सके।

परीक्षा अनुभाग ने जनवरी 2010 से विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित करने के लिए ऑन लाइन आवेदन सिस्टम प्रारंभ किया है। उम्मीदवार अब ऑन लाइन आवेदन कर सकते हैं और अपने प्रवेश पत्र इंटरनेट से डाउनलोड करके प्राप्त कर सकते हैं। यह प्रोस्पेक्ट्स तथा आवेदन पत्र प्राप्त करने की कठिनाई से उबरने के लिए किया गया है, जिसके बारे में समय समय पर प्रत्याशियों द्वारा सूचित किया गया। आवेदन पत्रों को जमा करने की ऑनलाइन विधि आरंभ होने के बाद अब प्रोस्पेक्ट्स-सह-आवेदन पत्र की अनुलब्धता की समस्या का पूरी तरह समाधान कर दिया है।

परीक्षा अनुभाग द्वारा भारत और विदेश में विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों को उनकी प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता भी प्रदान की जाती है।

अखिल भारतीय स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा में, प्रत्येक उम्मीदवार को लिखने के लिए पेन उपलब्ध करवाया गया। ऐसा उनके द्वारा लाए जाने वाले अपने पेन में निर्मित किसी इलेक्ट्रॉनिक विशेषता के उनके द्वारा प्रयोग किए जाने को रोकने हेतु किया गया था।

परीक्षा के दौरान उम्मीदवार की पहचान की प्रामाणिकता में संदेह होने के मामले में उनकी फोटोग्राफी (स्नेपशॉट) की जा रही है।

नामित परीक्षा केंद्रों को अग्रिम में डिमांड ड्राफ्ट / बैंकर्स चैक के माध्यम से 90 से 95 प्रतिशत राशि भेजकर नकद राशि के लेन-देन को कम कर दिया गया है।

5. सामान्य प्रशासन

उप-निदेशक (प्रशासन)

शरत चौहान, आईएएस (25.05.2010 तक)

विनीत चौधरी (26.05.2010 से)

मुख्य प्रशासन अधिकारी

अतर सिंह

वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

ई. लाकड़ा

के. के. वैद्य

प्रशासन अधिकारी

अस्पताल

कुंदन कुमार

भर्ती एवं छात्रावास

रवि चौहान

जे. पी. एन. ए. ट्रॉमा केंद्र

राजावेलू सईमन (06.12.2010 तक)

सामान्य, संपदा एवं परिवहन

वी. वी. मिश्रा

ए.सी.आर./एस.सी./एस.टी. एवं समन्वय प्रकोष्ठ

ए. के. निम

विधि प्रकोष्ठ

भागीरथ झा

संकाय प्रकोष्ठ / स्था. अनुभाग I एवं II

ललित कुमार

धीरज (25.03.2011 से)

सहायक प्रशासन अधिकारी

एन.डी.डी.टी.सी.

उदय सिंह

सीटी और एनएस केंद्र

श्याम लाल

सीडीईआर

नरेंद्र कुमार

जेपीएनएटी केंद्र

महेश कुमार शर्मा

सुरक्षा

उप-मुख्य सुरक्षा अधिकारी

राजीव लोचन

आर.एस. रावत (11.01.2011 से)

सुरक्षा अधिकारी

दीपक कुमार

भंडार

भंडार अधिकारी

आर.एल.प्रसाद (31.01.2011 से निलम्बनाधीन)

एस.एस.भदौरिया

प्रदीप कुमार गुप्ता

के.डी.शर्मा

वी.एम.एस. गांधी

इंजीनियरी सेवा विभाग

अधीक्षण अभियंता

बी. एस. आनंद

कार्यकारी अभियंता

एम. रस्तोगी

एस. भास्कर

संस्थान के कार्मिक एवं स्थापना, सुरक्षा, संपदा, इंजीनियरी सेवा विभाग से संबंधित मामले, भंडार, सतर्कता एवं जनसंपर्क क्रियाकलापों सहित सामान्य प्रशासन का पर्यवेक्षण उप-निदेशक (प्रशासन) द्वारा किया जाता है। उपर्युक्त वर्णित क्षेत्रों की देखभाल करने के लिए विभिन्न शाखाएं हैं। प्रत्येक शाखा का नेतृत्व एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा सहायक अधिकारियों और स्टाफ सदस्यगण की सहायता से किया जाता है। इन शाखाओं की गतिविधियों का एक संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है।

स्टाफ की नियुक्ति, सांविधिक समितियों की बैठकों की व्यवस्था, संपदा एवं सम्पत्ति प्रबंधन, उपकरण, सामग्री एवं उपभोज्यों की खरीद, सुरक्षा व्यवस्था, कर्मचारियों के कल्याण सहित स्थापना अनुभाग और सामान्य प्रशासन से संबद्ध सभी मामलों की देखभाल इस अनुभाग द्वारा की जाती है।

मुख्य अस्पताल, सभी केन्द्रों तथा प्रशासन सहित संस्थान की कुल स्वीकृत स्टाफ की संख्या 10422 है। इनमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं :-

क्र. सं.	श्रेणी/समूह	स्वीकृत संख्या	वर्तमान स्टाफ
1.	संकाय	629	434
2.	समूह 'क'	548	407
3.	समूह 'ख'	4,646	3,792
4.	समूह 'ग'	2,710	1,953
5.	समूह 'घ'	1,889	2,207
	कुल	**10,422**	**8,793**

संपर्क अधिकारी का कार्यालय, अनु. जाति / अनु. जनजाति प्रकोष्ठ (एम्स)

संपर्क अधिकारी

वी. के. पॉल

प्रशासनिक अधिकारी

ए. के. निम

दिनांक 1.4.2010 को 31.3.2011 की अवधि के दौरान प्राप्त अभ्यावेदनों के विवरण निम्नानुसार हैं :

प्राप्त कुल अभ्यावेदन : 11

सुलझाए / निपटाए गए मामले : 07

विचाराधीन मामले : 04

मामलों का संक्षिप्त सारांश इस प्रकार है :

1. श्री घनश्याम डागर, ओटी तकनीशियन की ओर से परिणामी लाभ सहित पिछली तिथि से पदोन्नति के विषय में एक अभ्यावेदन प्राप्त हुआ था। उनके अभ्यावेदन पर संस्थान द्वारा कई बार विचार / जांच की गई है और संस्थान के निर्णय के संबंध में अनु. जाति / अनु. जनजाति (लोक सभा) कल्याण संसदीय समिति को पहले से सूचित कर दिया गया है।
2. डॉ. चौवफी चेन रपथाप, वैज्ञानिक, एचएलए लैब, एम्स से पुनः नियुक्ति (वैज्ञानिक-2 अनु. जनजाति श्रेणी) के विषय में अभ्यावेदन प्राप्त हुआ था। उनके अनुरोध पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया था। किंतु इस तथ्य को ध्यान रखते

हुए कि उन्होंने 02.12.05 अर्थात लगभग साढ़े चार वर्ष पूर्व, संस्थान की सेवा से त्यागपत्र दे दिया था, इस पर खेद व्यक्त किया गया कि उनके अनुरोध को नहीं माना जा सकता, क्योंकि यह नियमों के तहत अनुमत नहीं है।

3. राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग से डॉ. बृह्म प्रकाश, पर्यवेक्षक एमएसएसओ, एनडीडीटीसी, एम्स का उनकी पदोन्नति के विषय में एक अभ्यावेदन प्राप्त हुआ। मामला विचाराधीन है।

4. एम्स अनु. जाति / अनु. जनजाति कल्याण संघ से सेवा श्री अवध नारायण, खलासी (तदर्थ) के नियमितीकरण में समानता के विरुद्ध भेदभाव के विषय में अभ्यावेदन प्राप्त हुआ। मामला विचाराधीन है।

5. श्री ओम प्रकाश बेनवाल, वरिष्ठ स्टूवर्ड, डॉ. आर पी केंद्र, एम्स की ओर से उन्हें 4500-7000 रु. के स्थान पर 5500-9000 रु. के वेतन मान में नियत करने के विषय में एक अभ्यावेदन प्राप्त हुआ। सक्षम प्राधिकारी द्वारा उनके अभ्यावेदन पर विचार किया गया था और स्थायी वित्त समिति तथा शासी निकाय द्वारा वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) की सहमति के अधीन प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया। तद्नुसार यह मामला स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को भेजा गया और इसे स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा स्वीकार नहीं किया गया।

6. डॉ. वी सुब्रमणि, वरिष्ठ चिकित्सा फिजिसिस्ट और विकिरण सुरक्षा अधिकारी, विकिरण उपचार विभाग, एम्स के लिए राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग द्वारा उनके नाम को पूरे देश में डॉ. जी के रथ, विभाग अध्यक्ष, विकिरण उपचार और प्रमुख, डॉ. बी आर ए आई आर सी एच, एम्स द्वारा देश भर में सभी चिकित्सा फिजिसिस्ट और विकिरण अर्बुद विज्ञान व्यावसायिकों के बीच अप्रतिष्ठित करने के विषय में एक अभ्यावेदन प्राप्त हुआ कि वे अनुसूचित जाति से हैं। मामले की जांच सक्षम प्राधिकारी द्वारा की गई और पाया गया कि विभाग में किसी भी चरण पर किसी व्यक्ति द्वारा डॉ. बी सुब्रमाणि के खिलाफ किसी भेदभाव, पूर्वाग्रह या पक्षपात नहीं किया गया है। वे डॉ. जी के रथ के खिलाफ उनके सहकर्मियों की शिकायत पर उनके खिलाफ की गई जांच से प्राधिकारियों का ध्यान हटाने के लिए ये झूठ आरोप लगा रहे थे।

7. श्री राम नरेश, कनिष्ठ अभियंता (सिविल) का अभ्यावेदन एम्स अनु. जाति / अनु. जनजाति कल्याण संघ (पंजी.) से प्राप्त हुआ जिसमें उन्हें आरक्षित पद की तुलना में सहायक अभियंता (सिविल) के पद पर पदोन्नत करने का अनुरोध किया गया था। यह मामला विचाराधीन है।

8. श्री मेहर चंद, अंशकालिक सामाजिक मार्गदर्शक हृद. तंत्रिका केंद्र, एम्स का अभ्यावेदन राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की ओर से उनकी नौकरी बहाल करने के विषय में प्राप्त हुआ। उनके अभ्यावेदन की जांच की गई और पाया गया कि उनके खिलाफ एक शिकायत थी और उनकी निष्पादन रिपोर्ट भी असंतोषजनक पायी गयी। उनके असंतोषजनक कार्य और आचरण के आधार पर उनकी सेवाएं नियुक्ति पत्र के अनुच्छेद संख्या 2 (आई) के तहत समाप्त की गई थीं।

9. सुश्री अनिता यश, सिस्टर ग्रेड 2, एम्स की ओर से उत्पीड़न के आरोप का एक अभ्यावेदन प्राप्त हुआ। यह मामला विचाराधीन है।

10. श्री एम ए लवी राज, चिकित्सा फिजिसिस्ट, आईआरसीएच, एम्स का अभ्यावेदन डॉ. बी सुब्रमणि, वरिष्ठ चिकित्सा फिजिसिस्ट, एम्स द्वारा उत्पीड़न के विषय में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की ओर से प्राप्त हुआ। सक्षम प्राधिकारी द्वारा मामले की जांच की गई और उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के निर्देश पर इस मामले में कार्रवाई भी की गई।

11. डॉ. बी सुब्रमणि, वरिष्ठ चिकित्सा फिजिसिस्ट, विकिरण सुरक्षा अधिकारी, आईआरसीएच, एम्स की ओर से राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के माध्यम से उत्पीड़न के विषय में एक अभ्यावेदन प्राप्त हुआ। मामले की जांच सक्षम प्राधिकारी द्वारा की गई और पाया गया कि विभाग में किसी भी चरण पर किसी व्यक्ति द्वारा डॉ. बी सुब्रमाणि के खिलाफ किसी भेदभाव, पूर्वाग्रह या पक्षपात नहीं किया गया। वे अपने सहकर्मियों की शिकायतों की जांच से प्राधिकारियों का ध्यान हटाने और अपने पक्ष में निर्णय करने के लिए दबाव डालने की कोशिश कर रहे थे। उनके अभ्यावेदन में लगाए गए आरोप पूरी तरह असत्य और आधारहीन थे।

6. मुख्य अस्पताल

चिकित्सा अधीक्षक

डी.के. शर्मा

अपर आचार्य

सिद्धार्थ सतपति

सह-आचार्य

आई.बी.सिंह

संजय आर्य

बिस्तरों	संख्या
मुख्य अस्पताल तथा प्राइवेट वार्ड्स	**1045**
बेसिनेट्स	**25**
हद् तंत्रिका केंद्र	**411**

अस्पताल कार्य निष्पादन विवरण	**2010-11**		**2009-10**		**टिप्पणियां**
	मुख्य अस्पताल	**हृ. तं. कें. अस्पताल**	**मुख्य हृ. तं. कें.**	**हृ. तं. कें.** बिस्तरों का	
अस्पताल में ठहरने की औसतन अवधि (दिनों में)	5.3	7.3	5.	7.3	प्रभावी उपयोग दर्शित होता है।
औसत बिस्तर अधिभोग दर (%)	80.9	77.6	80.7	79.9	प्रभावी अधिभोग दर्शाता है।
शुद्ध मृत्यु दर (%)	2.6	4.1	2.7	4.4	अस्पताल में गंभीर रूप से बीमार रोगियों की अधिक संख्या में भर्ती के बावजूद निम्न मृत्यु-दर को दर्शाते हैं
संयुक्त अशोधित संक्रमण दर (%)	8.1	-	8.69	-	

कृपया विवरण हेतु तालिका 1 एवं 2 देखें।

चिकित्सा अभिलेख सेवाएं (अस्पताल)

मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी और उप-रजिस्ट्रार, जन्म एवं मृत्यु

एन.के.शर्मा

शिक्षा

निम्नलिखित विद्यार्थी समूहों ने चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल) और बाह्य रोगी विभाग का दौरा किया।

1. क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लौर, तमिलनाडु में चिकित्सा अभिलेख विज्ञान पाठ्यक्रम में स्नातक, 7 अप्रैल 2010
2. सेंट स्टीफन अस्पताल, नई दिल्ली से चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन पाठ्यक्रम 30 अप्रैल 2010
3. कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स के एम.एस.सी. (पी.सी.) के 18 नर्सिंग और बी.एससी (पीसी) नर्सिंग छात्रों के एक समूह ने चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल) का दौरा किया। श्री एन.के. शर्मा, मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी द्वारा दिनांक 21 अप्रैल 2010 और 6 अगस्त 2010 को एम्स में चिकित्सा अभिलेख प्रबंधन पर एक संक्षिप्त व्याख्यान दिया गया।

डॉ. वी.सी. अग्रवाल, सीएमओ, मेडिकल रिकॉर्ड विभाग, सफदरजंग अस्पताल ने चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल) का दौरा किया और उन्हें अनुभाग की कार्यवाही के बारे में सूचना दी गई।

न्यायालय में उपस्थिति :

दिल्ली तथा दिल्ली से बाहर के विभिन्न न्यायालयों से चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल) में कुल 1149 सम्मन (औसतन 4 सम्मन प्रतिदिन) प्राप्त हुए।

चिकित्सा अभिलेखों का कम्प्यूटरीकरण :

मुख्य अस्पताल के केंद्रीय भर्ती कार्यालय तथा अस्पताल पूछताछ कार्यालय का कम्प्यूटरीकरण किया गया है। चिकित्सा अभिलेखों का कम्प्यूटरीकरण प्रगति पर है और इसे जल्दी ही केंद्रीय भर्ती कार्यालय तथा अस्पताल पूछताछ कार्यालय के साथ जोड़ा जाएगा।

अंतरंग रोगी सेवाएं

अस्पताल देश भर से तथा विदेश से आने वाले रोगियों की निरंतर बढ़ती संख्या के बावजूद रोगी उपचार सेवा तथा गुणवत्ता को बनाए हुए है। वर्ष के दौरान मुख्य अस्पताल तथा हृद तंत्रिका केंद्र की विभिन्न नैदानिक यूनिटों में कुल 89,298 रोगियों को भर्ती किया गया था (तालिका 1)। विभाग-वार, राज्य-वार तथा। लिंग-वार भर्ती का विवरण तालिका 2 से 4 में दिया गया है। वर्ष 2010 - 2011 के दौरान, विभिन्न शल्यक विधाओं में निष्पादित किए गए कुल ऑपरेशनों की संख्या तालिका - 5 में दी गई है।

अभिलेखों को आसानी से खोजने के लिए क्रमबद्ध तरीके से वर्गीकृत एवं श्रेणी बद्ध किया जाता है। इन अभिलेखों को कम्पेक्टर्स में भंडारित किया जाता है। हृद तंत्रिका केंद्र के सभी अंतः रोगियों के रिकॉर्ड का रख-रखाव भी मुख्य अस्पताल के चिकित्सा अभिलेख अनुभाग द्वारा किया जाता है।

केंद्रीय भर्ती कार्यालय एवं अस्पताल पूछताछ :

अस्पताल में भर्ती किए गए रोगियों का चिकित्सा अभिलेख केंद्रीय भर्ती कार्यालय में प्रारंभ होता है जो कि पूछताछ पटल के रूप में भी कार्य करता है। रोगियों, विभागों, डॉक्टरों तथा केंद्रों से संबंधित सभी प्रकार की जानकारी इस कार्यालय द्वारा प्रदान की जाती है।

यह कार्यालय वर्ष भर चौबीसों घण्टे अर्थात् 365 दिन X24 घण्टे कार्य करता है। इसलिए यहां पर स्टाफ शिफ्ट में कार्य करता है। इस कार्यालय में स्वागत अधिकारी चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन तथा अन्य लिपिकीय एवं अस्पताल स्टाफ कार्यरत हैं।

बहिरंग रोगी विभाग एवं विशिष्टता निदानशालाएं

मुख्य अस्पताल के सामान्य बहिरंग रोगी विभाग तथा विशिष्टता निदानशालाओं में कुल 1,465,058 रोगी उपचार हेतु आए। बहिरंग रोगी भार का विवरण तालिका-6 में दिया गया है।

तालिका 1 वार्षिक सांख्यिकी स्वास्थ्य बुलेटिन (2010-11)

क्र.सं.	विवरण	मुख्य अस्पताल	हृद तंत्रिका केंद्र	कुल
1.	कुल भर्ती किए गए रोगी	72148	17150	89298
	क. वयस्क एवं बच्चे	69878	-	-
	ख. नवजात शिशु	2270	-	-
2.	अस्पताल से डिस्चार्ज हुए रोगियों की कुल सं.	63510	15781	79291
	क. वयस्क एवं बच्चे	61442	-	-
	ख. नवजात शिशु	2068	-	-
3.	उपचार के कुल दिन	337861	114753	452614
	क. वयस्क एवं बच्चे	322427	-	-
	ख. नवजात शिशु	15434	-	-
4.	ठहरने की औसत अवधि (एएलएस)	5.3	7.3	5.7
	क. वयस्क एवं बच्चे	5.2	-	-
	ख. नवजात शिशु	7.5	-	-
5.	अस्पताल में रोगी उपचार दिनों की कुल संख्या (प्रतिदिन की गणना के अनुसार)	315950	116415	432365
	क. वयस्क एवं बच्चे	312270	-	-
	ख. नवजात शिशु	3680	-	-
6.	रोगियों की दैनिक औसत संख्या (प्रतिदिन की गणना के अनुसार)	866	319	1185
	क. वयस्क एवं बच्चे	856	-	-
	ख. नवजात शिशु	10	-	-
7.	औसत बिस्तर अधिभोग (प्रतिशत)	80.9	77.6	80.0
	क. वयस्क एवं बच्चे	81.9	-	-
	ख. नवजात शिशु	40.0	-	-
8.	अस्पताल में जन्म	2270	-	2270
	क. बालक शिशु	1214	-	1214
	ख. बालिका शिशु	1056	-	1056
	ग. इंटर सेक्स	-	-	-
9.	कुल मृत्यु (नवजात शिशु सहित)	2586	853	3439
	क. 48 घण्टे के भीतर मृत्यु	963	216	1179
	ख. 48 घण्टे के बाद	1623	637	2260
	ग. सकल मृत्यु दर (प्रतिशत में)	4.1	5.4	4.3
	घ. शुद्ध मृत्यु दर (प्रतिशत में)	2.6	4.1	2.9
10.	आपातकालीन में उपस्थित रोगी	104084	-	104084
	आपातकालीन में मृत्यु	738	-	738
	आपातकालीन में पहले से मृत शरीर लाए गए रोगी	553	-	553

तालिका 2 विभाग वार वर्गीकरण, छुट्टी और मृत्यु दर (मुख्य अस्पताल + हृद तंत्रिका केंद्र)

विभाग	दाखिले	अस्पताल से छुट्टी	उपचार के दिन अवधि	ठहरने की औसत के	मृत्यु			शुद्ध मृत्यु दर (%)	
					कुल भीतर	48 घण्टे के	48 घण्टे बाद	सकल	शुद्ध
कायचिकित्सा 1	1548	1382	11705	8.5	352	167	185	25.5	15.2
कायचिकित्सा 2	1328	1200	9950	8.3	330	144	186	27.5	17.6
कायचिकित्सा 3	1447	1332	11553	8.7	370	166	204	27.8	17.5
शल्यचिकित्सा 1	1359	1208	8475	7.0	25	3	22	2.1	1.8
शल्यचिकित्सा 2	2285	1822	13009	7.1	36	3	33	2.0	1.8
शल्यचिकित्सा 3	968	858	8676	10.1	29	8	21	3.4	2.5
शल्यचिकित्सा 4	1622	1398	9656	6.9	23	7	16	1.6	1.1
अस्थिरोगविज्ञान 1	1990	1690	13436	7.9	03	-	03	0.2	0.2
अस्थिरोगविज्ञान 2	2084	1728	15594	9.0	06	-	06	0.3	0.3
प्रसूती एवं स्त्रीरोग विज्ञान 1	3974	3519	17086	4.8	09	01	08	0.2	0.2
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 2	3159	2774	13909	5.0	04	01	03	0.1	0.1
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान 3	3147	2802	14731	5.2	14	03	11	0.5	0.4
वृक्कविज्ञान	5122	4432	16248	3.7	171	43	128	3.8	2.9
अंतःस्राविकी	498	475	7832	16.5	09	01	08	1.9	1.7
जठरांत्र रोग विज्ञान	2464	2248	17868	7.9	432	172	260	19.2	12.5
रुधिरविज्ञान	9428	8562	22469	2.6	244	79	165	2.8	1.9
मनोचिकित्सा	326	223	6132	27.5	02	01	01	0.9	0.4
मूत्ररोग विज्ञान	5284	3665	14938	4.1	14	05	09	0.4	0.2
ऑटोलेरिन्जो. 1	1476	1352	4967	3.7	05	01	04	0.4	0.3
ऑटोलेरिन्जो. 2	1339	1231	4846	3.9	04	01	03	0.3	0.2
ऑटोलेरिन्जो. 3	1469	1337	6188	4.6	02	01	01	0.1	0.1
त्वचा रोग	4114	3871	11520	3.0	12	-	12	0.3	0.3
नवजातविज्ञान	2270	2068	15434	7.5	24	13	11	1.2	0.5
निओने. आईसीयू कंगारु मां	133	137	1324	9.7	21	03	18	15.3	13.4
देखभाल वार्ड	56	49	484	9.9	-	-	-	-	-
बाल रोग 1	2411	221	8165	3.7	71	16	55	3.2	2.5
बाल रोग 2	1775	1596	7497	4.7	57	15	42	3.6	2.6

बाल रोग 3	4133	3721	9627	2.6	80	20	60	2.1	1.6
बालशल्य चिकित्सा	2493	2243	16144	7.2	72	08	64	3.2	2.9
विकिरणविज्ञान	46	40	71	1.8	20	17	03	50.0	13.0
दंत शल्यचिकित्सा	169	141	1253	8.9	-	-	-	-	-
नाभिकीय चिकित्सा	627	648	1288	2.0	01	-	01	0.1	0.1
जठरांत्र एवं लिवर	819	818	12065	14.7	58	07	51	7.1	6.3
शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास	28	29	1723	59.4	-	-	-	-	-
आई.आर.सी.एच.	366	362	1656	4.6	86	57	29	23.7	9.5
संवदेनाहरणविज्ञान	393	328	342	1.0	-	-	-	-	-
कुल (मुख्य)	**72148**	**63510**	**337861**	**5.3**	**2586**	**963**	**1623**	**4.1**	**2.6**
हृदविज्ञान	7339	7069	27913	3.9	219	98	121	3.1	1.7
सी.टी.वी.एस.	3565	3285	31133	9.5	266	23	243	8.1	7.4
तंत्रिकाविज्ञान 1	1216	1160	8017	6.9	77	24	53	6.6	4.7
तंत्रिकाविज्ञान 2	1273	1117	7785	7.0	83	24	59	7.4	5.4
तंत्रिका-शल्य चिकित्सा 1	1698	1401	19275	13.7	113	24	89	8.1	6.5
तंत्रिका-शल्य चिकित्सा 2	2059	1749	20630	11.8	95	23	72	5.4	4.2
कुल (ह.तं.कें.)	**17150**	**15781**	**114753**	**7.3**	**853**	**216**	**637**	**5.4**	**4.1**
महा-योग (मुख्य + हं.तं.कें.)	**89298**	**79291**	**452614**	**5.7**	**3439**	**1179**	**2260**	**4.3**	**2.9**

परिशिष्ट 3 अंतरंग रोगियों का राज्य वार वर्गीकरण

राज्य	**मुख्य अस्पताल**	**हं.तं.कें.**	**कुल**
दिल्ली	37041	5480	42521
उत्तर प्रदेश	14657	3813	18470
हरियाणा	7301	1740	9041
बिहार	6711	3128	9839
राजस्थान	957	574	1531
पंजाब	216	203	419
अन्य राज्य	5183	2181	7364
अन्य देश	82	31	113
कुल	**72148**	**17150**	**89298**

तालिका 4 अंतरंग रोगियों का लिंगवार वर्गीकरण (मुख्य अस्पताल + हं.तं.के.)

राज्य	**पुरूष**	**स्त्री**	**बालक शिशु**	**बालिका शिशु**	**कुल**
मुख्य अस्पताल	27663	26607	12618	5260	72148
हं.तं.केन्द्र	8657	4149	2987	1312	17150
कुल	**36320**	**30801**	**15605**	**6572**	**89298**

ऑपरेशन

(2009-2010)

तालिका 5 शल्य चिकित्सा प्रक्रिया

विभाग	**बड़े**	**छोटे ऑपरेशन**		
		अंतरंग	**बाह्य**	**कुल**
शल्यचिकित्सा 1	715	230	2463	3408
शल्यचिकित्सा 2	1198	564	2430	4192
शल्यचिकित्सा 3	528	149	2267	2944
शल्यचिकित्सा 4	900	174	2298	3372
जठरांत्र एवं लिवर प्रतिरोपण	618	06	-	624
मूत्ररोग विज्ञान	1373	233	9733	11339
प्रसूति विज्ञान	1017	351	-	1368
स्त्रीरोग विज्ञान	2291	1450	-	3741
ऑटोलेरिन्जो.	2148	1854	30083	34085
अस्थि रोग 1	1325	529	-	1854
अस्थि रोग 2	1047	756	-	1803
बाल शल्यचिकित्सा	1789	80	-	1869
दंत शल्यचिकित्सा	109	03	-	112
आपात विभाग	-	183	-	183
योग (मुख्य)	**15058**	**6562**	**49274**	**70894**
हृद वक्ष एवं वाहिका शल्यचिकित्सा	3976	-	-	**3976**
तंत्रिका शल्य चिकित्सा 1	1181	140	-	**1321**
तंत्रिका शल्य चिकित्सा 2	1472	113	-	**1585**
योग (हं.तं.के.)	**6629**	**253**	**-**	**6882**
महा योग (मुख्य + हं.तं.के.)	**21687**	**6815**	**49274**	**77776**

तालिका 6. ओ.पी.डी. एवं विशिष्टता निदानशालाओं में उपस्थिति

चिकित्सा विभाग	नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
कायचिकित्सा			
1. सामान्य ओपीडी	62103	61750	**123853**
2. विशिष्टता क्लिनिक			
(i) वक्ष	2134	4618	**6752**
(ii) रियूमेटोलॉजी	39	7018	**7057**
(iii) जेरियाटि ्रक	2441	2741	**5182**
(iv) निद्रा संबंधी श्वास विकार	208	130	**338**
(v) नाभिकीय चिकित्सा	1238	5807	**7045**
(vi) एंडोक्राइनोलॉजी	9409	26784	**36193**
(vii) वृक्क	6506	24619	**31125**
(viii) गुर्दा प्रतिरोपण	81	5436	**5517**
(ix) आरटीसीसी	406	964	**1370**
रुधिरविज्ञान	3064	22038	**25102**
जठरांत्र रोग विज्ञान	16550	39333	**55883**
बाल चिकित्सा			
1. सामान्य ओपीडी	30939	42034	**72973**
2. विशिष्टता क्लिनिक			
(i) स्वस्थ शिशु	247	492	**739**
(ii) फोलोअप टी.बी.	347	1655	**2002**
(iii) वृक्क	569	4363	**4932**
(iv) बाल तंत्रिकाविज्ञान	754	2115	**2869**
(v) बाल वक्ष निदानशाला	557	2916	**3473**
(vi) उच्च जोखिम नवजात	426	2154	**2580**
(vii) आनुवंशिक एवं जन्म दोष क्लिनिक	2562	1192	**3754**
(viii) ओंकोलॉजी	220	1709	**1929**
(ix) बाल विकास	207	306	**513**
(x) एंडोक्राइनोलॉजी	429	1168	**1597**
(xi) न्यूरोसिस्टी.	266	1050	**1316**
(xii) पीसीएससी	72	505	**577**
(xiii) रियूमेटोलॉजी	132	1469	**1601**
(xiv) मायोपैथी	294	602	**896**

त्वचा रोग विज्ञान			
1. सामान्य ओपीडी	29430	33203	**62633**
2. विशिष्टता क्लिनिक			
(i) यौन संक्रमित रोग	647	677	**1324**
(ii) एलर्जी	394	1166	**1560**
(iii) कुष्ठ रोग	371	2478	**2849**
(iv) पिगमेन्टेशन	462	2248	**2710**
(v) त्वचा शल्य चिकित्सा	396	878	**1274**
मनोचिकित्सा			
1. सामान्य ओपीडी	1818	-	**1818**
2. विशिष्टता क्लिनिक			
(i) वाक-इन-क्लिनिक	12061	29683	**41744**
(ii) बाल-मार्गदर्शन	518	569	**1087**
शल्यक विभाग	**नए रोगी**	**पुराने रोगी**	**कुल**
शल्यक विभाग			
सामान्य ओ.पी.डी.	37354	29028	**66382**
मूत्ररोग विज्ञान	12775	29126	**41901**
जी.आई.शल्य चिकित्सा	1999	5124	**7123**
बाल शल्य चिकित्सा			
1. सामान्य ओपीडी	5727	12440	**18167**
2. विशिष्टता क्लिनिक			
(i) हाइड्रोसेफालस	07	157	**164**
(ii) इंटर सेक्स	27	268	**295**
(iii) बाल मूत्ररोग विज्ञान	355	2729	**3084**
(iv) क्रेनियोसाइनोस्टोसिस	02	19	**21**
संवेदनाहरण			
1. पीड़ा	758	2030	**2788**
2. संवेदनाहरण - पूर्व क्लिनिक	7307	1195	**8502**
अस्थि रोग			
1. सामान्य ओपीडी	42588	41444	**84032**
2. विशिष्टता क्लिनिक			
(i) फिजियोथेरेपी	15426	33803	**49229**
(ii) व्यावसायिक थेरेपी	1170	6903	**8073**

(iii) हाइड्रोथेरेपी	907	8110	**9017**
(iv) फोलोअप	-	9232	**9232**
(v) ट्यूबरकुलोसिस	153	922	**1075**
(vi) स्कोलियोसिस	477	1357	**1834**
(vii) हस्त	806	1271	**2077**
(viii) सी.टी.ई.वी.	123	1361	**1484**
(ix) खेल	92	50	**142**
नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान एवं आर यू ए एस			
1. सामान्य ओपीडी	36648	39037	**75685**
2. विशिष्टता क्लिनिक			
(i) श्रवणविज्ञान	143	65	**208**
(ii) वाक	1217	1407	**2624**
(iii) श्रवण	1091	1337	**2428**
(iv) वाणी	748	863	**1611**
(v) वर्टिगो	110	74	**184**
(vi) नासाविज्ञान	94	57	**151**
प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान			
1. सामान्य ओपीडी	29859	50661	**80520**
2. विशिष्टता क्लिनिक			
(i) **प्रसवोत्तर**	21	01	**22**
(ii) आईवीएफ	452	1686	**2138**
(iii) परिवार कल्याण	7963	3261	**11224**
(iv) प्रसव पूर्व	560	3537	**4097**
(v) अंतःस्राविकी स्त्रीरोग विज्ञान	57	71	**128**
(vi) उच्च जोखिम सगर्भता	2130	12819	**14949**
(vii) ऑपरेशन के बाद (स्त्री रोग)	338	20	**358**
विकिरण चिकित्सा	**503**	**39978**	**40481**
अन्य			
1. आपात चिकित्सा	104084	-	104084
2. ई.एच.एस.	104896	69930	174826
3. पोषण	1902	754	2656
4. भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	19081	84869	103950
5. यौन एवं विवाह परामर्श	1783	1834	3617
कुल	**629186**	**835872**	**465058**

6.1 आपात चिकित्सा प्रभाग

प्रभारी आचार्य

प्रवीण अग्रवाल

आचार्य

एल.आर.मुरमू

शिक्षा

संकाय द्वारा आपात चिकित्सा में तैनात स्नातक-पूर्व छात्रों तथा स्नातकोत्तर दोनों के लिए ही कई जीवन सहायक पाठ्यक्रम (आधारभूत एवं उन्नत) आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त, विभाग के संकाय सदस्य व्याख्यानों तथा सेमिनारों के माध्यम से स्नातक-पूर्व तथा स्नातकोत्तरों और नर्सिंग विद्यार्थियों के शिक्षात्मक शिक्षण में सम्मिलित थे।

विभाग द्वारा यूरोप, ऑस्ट्रेलिया तथा यूएसए के 13 स्नातक-पूर्व छात्रों को अल्पकालीन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सामुदायिक चिकित्सा विभाग के कुछ रेजीडेंटों को भी आपात चिकित्सा विभाग में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

आपात चिकित्सा प्रभाग, एम्स, दिनांक 6-10 अक्तूबर 2010 तक बडोदरा में आयोजित 'इंडो-यूएस इमरजेंसी मेडिसन सम्मिट - 2010 हेतु सहयोगी साझेदारों में से एक था। अन्य सहयोगी साझेदार यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा, यूएसए तथा स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क, डाउनस्टेट मेडिकल सेंटर, यूएसए, थे।

आयोजित सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशालाएं :

1. आपात कालीन चिकित्सा पद्धतियां तथा उन्नत नैदानिक चिकित्सोपचार, 17-20 जून 2010
2. अंतरराष्ट्रीय रोगी सुरक्षा सम्मेलन, 1-3 अक्तूबर 2010

प्रदत्त व्याख्यान

प्रवीण अग्रवाल : 2

एल.आर.मुरमु : 3

प्रकाशन

जरनल : 2

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रवीण अग्रवाल जरनल ऑफ़ एमरजेंसीज़, ट्रॉमा एण्ड शॉक के मुख्य संपादक के रूप में अभी भी कार्यरत हैं; वे भारत के राष्ट्रीय औषध निरूपण को संशोधित करने के लिए भारतीय फार्माकोपिया आयोग द्वारा गठित समिति के सदस्य हैं; वे एथिक्स समिति, एम्स के सदस्य है; वे भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् के आपात चिकित्सा विभाग में विशेषज्ञता बोर्ड के सदस्य हैं, वे संक्रामक रोगों संबंधी मानक उपचार दिशानिर्देशों के विकास के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा गठित विशेषज्ञों के उप-समूह के सदस्य है।

एल.आर.मुरमु का जनरल ऑफ़ एमरजेंसीज़, ट्रॉमा एण्ड शॉक के मुख्य संपादक के रूप में कार्यरत रहना जारी हैं, वे भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् के आपात कालीन चिकित्सा विशेषज्ञता बोर्ड के सदस्य है।

रोग उपचार

रोगियों की औसत संख्या : 8,700/माह 1,04,084/वर्ष

6.2 अस्पताल आहार सेवाएं

मुख्य आहारविद्

अलका मोहन चुटानी	**परमीत कौर**
(अवकाश पर)	(कार्यकारी)

आहारविद्

स्वप्ना चतुर्वेदी

सहायक आहारविद्

गुरदीप कौर	रीचा जायसवाल	वसुंधरा सिंह
मोनिता गहलोत		अंजली भोला

अंतरंग रोगियों को परोसे गए विभिन्न आहारों की संख्या

आहारों की कुल संख्या	-	6,50,765
सामान्य आहार	-	3,36,534
अर्धठोस आहार	-	34,854
चिकित्सीय आहार	-	1,44,224
किचन आधारित एन्टरल भोजन	-	32,784
प्राइवेट वार्ड हेतु आहार	-	1,02,369

पोषण क्लिनिक

पुराने ओपीडी रोगी	-	739
पुरुष	-	493
महिला	-	276
नए ओपीडी रोगी	-	1881
पुरुष	-	962
महिला	-	919

6.3 कल्याण एकक

कल्याण अधिकारी

प्रीति आहलूवालिया

रोगी कल्याण

रोगी उपचार : दान के रूप में रु. 62,46,000 - (लगभग) एकत्रित किए गए।

उद्देश्य	दान	दानकर्ता
मुख्य अस्पताल तथा केंद्रों में उपचार कराने वाले गरीब तथा जरूरतमंद रोगियों के उपचार एवं शल्य चिकित्सा हेतु।	रु. 3,40,000	श्री सांई भक्त समाज (पंजी.)
	रु. 1,60,000/-	जवाहर भवन ट्रस्ट
	रु. 2,61,400/-	साहू जैन ट्रस्ट
	रु. 2,60,000/-	इंडो ग्लोबल सोशल सर्विस सोसाइटी
	रु. 1,14,750/-	चेतनालय
	रु. 26,160/-	लाल देवी धमार्थ न्यास
	रु. 39,000/-	टाइम्स नेत्र अनुसंधान फाउंडेशन
	रु. 14,000/-	विजय गुजराल फाउंडेशन
	रु. 36,155/-	अन्य दान दाता
	रु. 14,000/-	अन्य दान दाता
एम्स निर्धन रोगी निधि लेखा	रु. 1,00,000/-	श्रीमती द्वारका प्रसाद ट्रस्ट
	रु. 52,600/-	अन्य दान दाता
कैंसर रोगियों को निःशुल्क उपलब्ध करवाई गई कैंसर-रोधी दवाएं।	रु. 36,67,328/-	गोपाल फाउंडेशन
आपातकालीन चिकित्सा के लिए एक एविटा-4 आईसीयू वेंटीलेटर दान में प्राप्त	रु. 11,75,000	डॉ स्वर्ण कपूर

उपर्युक्त के अतिरिक्त, गरीब रोगियों को, राष्ट्रीय आरोग्य निधि, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष, स्वास्थ्य मंत्री के विवेकाधीन अनुदान तथा अन्य सरकारी तथा गैर-सरकारी एजेंसियों से, उनके उपचार के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन किया जा रहा है तथा उनकी सहायता की जा रही है।

अस्पताल निर्धन रोगी निधि से निर्धन रोगियों को सहायता भी प्रदान की जाती है और उनकी दाखिले, लेवी प्रभारों में छूट, जांच प्रभारों आदि में छूट के लिए मार्गदर्शन तथा सहायता भी की जाती है।

धर्मशालाएं

कल्याण गतिविधि के रूप में, एम्स अस्पताल समाज कल्याण सोसायटी के तत्त्वावधान में राजगढ़िया विश्राम सदन, सुरेका विश्राम सदन तथा श्री साईं विश्राम सदन द्वारा एम्स तथा इसके केंद्रों में उपचार करवा रहे 10900 से भी अधिक रोगियों तथा उनके तीमारदारों को आश्रय प्रदान किया गया। विशेष मामलों में विश्राम सदनों में रहने वाले जरूरतमंद गरीब रोगियों के लिए दानकर्ताओं के माध्यम से भोजन का प्रबंध किया गया।

सपना (गैर सरकारी संगठन) ने सप्ताह में एक बार राज गडिया विश्राम सदन के उन निवासियों को सूखा राशन वितरित किया जो गरीबी रेखा से नीचे हैं। इसके अतिरिक्त, राज गठिया विश्राम सदन में रह रहे रोगियों को प्रति दिन आधा लिटर दूध भी वितरित किया गया। कैंसर पेंशन्ट्स एड एसोसिएशन ने सदन के निवासियों के साथ दीवाली तथा होली मनाई।

कर्मचारी कल्याण :

अनुकम्पा आधार पर नियुक्ति :

अनुकम्पा आधार पर नियुक्ति के मामलों पर विचार किया गया। परिवार के सदस्यों को हुई भारी क्षति को सहन करने तथा जो जिम्मेदारियां उन पर आ गई हैं, उन्हें निभाने में सक्षम बनाने के लिए सहायता प्रदान करने हेतु परामर्श सेवाएं तथा नैतिक समर्थन प्रदान किया गया। आवश्यकता पड़ने पर, मृतक कर्मचारियों के अंतिम संस्कार पर होने वाले खर्च के लिए भी उनके संबंधियों की सहायता की गई। 7 बच्चों के लिए छः माह की अवधि के लिए विद्यालय की फीस के लिए भी सहायता प्रदान की गई।

परामर्श सेवाएं

कर्मचारियों, रोगियों तथा उनके संबंधियों को उनकी शारीरिक, सामाजिक, मानसिक, आर्थिक, पारिवरिक तथा वैवाहिक समस्याओं पर काबू पाने/समाधान करने के लिए उन्हें सक्षम बनाने हेतु परामर्श सेवाएं प्रदान की गई और इसके द्वारा उनकी सामाजिक गतिविधियों में वृद्धि हुई।

शिकायतों का निवारण

स्टाफ-सदस्यों तथा रोगियों की शिकायतों का समाधान करने के लिए सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

खेल गतिविधियां

अंतर मंत्रालयी टूर्नमिंटों में एम्स के कर्मचारियों की प्रतिभागिता सुकर बनाई। एम्स फुटबाल टीम के बारह सदस्य, जो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की फुटबाल टीम के ध्वज के तहत खेले थे ने अंतर मंत्रालय फुटबाल टूर्नमिंट 2010-11 जीता जिसका आयोजन केंद्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक तथा खेलकूद बोर्ड द्वारा किया गया था।

दीवाली समारोह

श्री सुनील भुटानी ने चिकित्सा संस्थान रेज़ीडेंट कल्याण एसोसिएशन (एमआईआरडब्ल्यूए) द्वारा संचालित किए जा रहे नर्सरी तथा प्राथमिक विद्यालय में पढ़ रहे हमारे कर्मचारियों के बच्चों के साथ दीवाली मनाई। इस अवसर पर उपहार तथा मिठाइयां वितरित की गई।

निःशुल्क शव वाहन सुविधा :

दुःखी संबंधियों द्वारा मृत शरीर को अपने घर / शमशानघाट में आसानी से ले जाने के लिए श्री साईं भवन समाज (पंजी)। के माध्यम से निःशुल्क वाहन सेवा प्रदान की जा रही है।

डॉ. डी. के. शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक को स्वर्गीय डॉ. स्वर्ण कपूर के परिवार के सदस्यों द्वारा एक ए एवीटा - 41 सी यू. वेंटीलेटर भेंट किया जा रहा है। चित्र में दिख रहे अन्य व्यक्ति हैं - आचार्य प्रवीण अग्रवाल (आपात कालीन सेवाएं) तथा रणदीप गुलेरिया (चिकित्सा), श्रीमती प्रीति अहलूवालिया, कल्याण अधिकारी तथा श्री एन के शर्मा, मुख्य चिकित्सा अभिलेख अधिकारी (अस्पताल)

6.4 अस्पताल बिलिंग अनुभाग

वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्त की गई दान की राशि तथा उपगत व्यय/रोगियों को भुगतान की गई राशि का विवरण निम्नानुसार है :-

दानकर्ताओं से प्राप्त दान (बैंक ब्याज + दान + निर्धन निधि बॉक्स)	:	**रु. 14,67,164**
202 रोगियों को किया गया भुगतान	:	**रु. 97,930**

(निर्धन रोगियों को राशि का वितरण वर्ष के दौरान दानकर्ताओं से प्राप्त दान - राशि तथा 'एम्स निर्धन निधि खाता' में पिछली बकाया पड़ी राशि में से किया गया है।)

6.5 चिकित्सा समाज कल्याण एकक

चिकित्सा समाज कल्याण एकक चिकित्सा अधीक्षक तथा प्रभारी अधिकारी, एमएसएसओ के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षणाधीन एक केंद्रीय समाज कल्याण एकक के रूप में कार्य करता है। इस एकक में 9 चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी (एमएसएसओ) हैं जिनमें एक मुख्य चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी, एक पर्यवेक्षी चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी चार चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी ग्रेड I तथा तीन चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी ग्रेड II है।

यह एकक अस्पताल प्रशासन, एम्स संकाय, कर्मचारी वर्ग तथा रोगियों के बीच एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान एकक द्वारा निम्न सेवाएं प्रदान की गई।

1. **प्राइवेट (निजी) रेफरल :-** लोकहित याचिका तथा माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्णय के मद्देनजर यह निजी अस्पतालों के लिए अनिवार्य है कि वह आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के उन रोगियों को आवश्यक निःशुल्क उपचार प्रदान करें जिन्हें सरकारी अस्पतालों से निजी अस्पताल में उपचार हेतु भेजा जाता है/संदर्भित किया जाता है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के निर्देश के अनुसार, एकक ने ईडब्ल्यूएस श्रेणी से 29 रोगियों को अभिज्ञात किया, उन्हें अभिप्रेरित किया तथा नोडल अधिकारी, एम्स तथा अन्य निजी अस्पतालों के समन्वयन में कागज़ी कार्रवाई पूर्ण करने के पश्चात इन रोगियों को निःशुल्क उपचार तथा आगामी प्रबंधन हेतु अभिज्ञात निजी अस्पतालों में भेजा/संदर्भित किया। 7 अप्रैल 2011 को स्वास्थ्य सेवा निदेशालय की बैठक में इस प्रयास की सराहना की गई।

2. **पुनर्वास :-** चिकित्सा समाज कल्याण एकक ने रोगियों, उनके रिश्तेदारों, कर्मचारियों, पुलिस कार्मिकों तथा अन्य सरकारी और गैर सरकारी अभिकरणो के साथ संरचित साक्षात्कार तथा चर्चाएं की तथा वह विभिन्न अभिकरणो में 70 निराक्षय/अज्ञात/परिचारक रहित रोगियों का सफलतापूर्वक पुनर्वास करने में समर्थ रहा।

3. **परामर्श / काउंसलिंग :-** एक चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी एक तकनीकी व्यक्ति है जो सतत् सामाजिक तथा भावनात्मक तनाव/दबाव के कारण हुए मनोरोगों के कारण होने वाली मनो सामाजिक समस्याओं को समझता हैं। इस संबंध में लगभग 50,000 रोगियों को निदान तथा रोग दीर्घीत प्रक्रियाविधियां एवं जटिल जांच, प्रोगनोसिस तथा उपचार एवं अनुवर्ती उपचार के महत्व के बारे में परामर्श दिया गया। इसके अतिरिक्त, परिवार को भी स्वास्थ्य शिक्षा दी गई कि स्वस्थ जीवन का अनुरक्षण किस प्रकार करना है।

4. **वित्तीय सहायता :-** राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के मद्देनज़र तथा राष्ट्रीय रोग सहायता निधि के दिशानिर्देश के अनुसार, 302 रोगियो के आवेदनों की उचित प्रकार संवीक्षा की गई, उनका आकलन किया गया तथा उन्हें एनआईएएफ उप समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया तथा इन रोगियों के लिए 20,526,208 रुपए की राशि स्वीकृत की गई जिनका उपचार एम्स में जीवन संकट कारी रोगों के लिए किया जा रहा है।

5. **गरीब निधि का संवितरण :-** 140 निर्धन रोगियों को 27,000 रुपए की राशि संवितरित की गई जिन्हें उपचार तथा अन्य आवश्यकताओं के लिए तत्काल वित्तीय सहायता की आवश्यकता थी।

6. कल्याण तथा प्रशासनिक क्रियाकलाप :-

क) लगभग 8357 गरीब रोगियों को विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से 7,00,000 रुपए मूल्य की चिकित्सीय तथा अन्य सहायता उपलब्ध कराई गई। इन रोगियों को सहायतार्थ दवाइयां, कंबल, कैथेटर तथा अन्य उपकरण दिए गए।

ख) बाल वार्ड में दीवाली मनाई गई। बच्चों को अस्पताल में घरेलू माहौल देने के लिए उनमें फल, खिलौनों, मिठाइयों का संवितरण किया गया तथा माननीय निदेशक, चिकित्सा अधीक्षक, विभाग प्रमुखों तथा अन्य स्टाफ की उपस्थिति में पूजा का निष्पादन भी किया गया।

7. रेलवे रियायती सुविधाएं :- लगभग 15,000 रोगियों को, जो विभिन्न रोगों से ग्रस्त थे, रेलवे रियायत प्रपत्र उपलब्ध कराएंगे तथा उन्हें एम्स में अनुवर्ती उपचार के महत्व के बारे में शिक्षित किया गया। यह सुविधा बाहरी रोगियों के लिए उपयोगी है।

8. आवास :- लगभग 2260 रोगियों को उनके रिश्तेदारों सहित अस्पताल के निकट विभिन्न धर्मशालाओं में आश्रय दिया गया।

9. उद्ग्रहण प्रभारों की छूट :- आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के 3097 से अधिक रोगियों को गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) कार्डों तथा अन्य प्रमाणपत्रों की समुचित जांच करने के पश्चात् एक्सरे, रक्त, सीटी स्कैन, एमआरआई इत्यादि जैसी विभिन्न छूटों के लिए विचार में लिया गया। कुछ मामलों में, एमएसएसओ ने उन रोगियों के संबंध में स्वयं अपने आप पहल की जिनके पास दस्तावेजी साक्ष्य नहीं थे किन्तु जो विभिन्न प्रकार की जांच तथा प्रवेश प्रभारों के भुगतान हेतु यथार्थ रूप से गरीब प्रतीत होते थे।

10. वार्डो से परामर्श तथा मांग :- चिकित्सीय, शल्य चिकित्सीय तथा अन्य उपकरण उपलब्ध कराने के लिए सामाजिक आर्थिक आकलन हेतु विभिन्न वार्डो से 450 परामर्श प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त अज्ञात परिचारक रहित रोगियों के लिए निजी परिचारकों की व्यवस्था की गई।

11. रेफरल :- डेंगु महामारी के दौरान एमएसएसओ ने उन रुग्ण रोगियों की संवीक्षा में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिन्हें वे उपचार कर्ता डॉक्टर के परामर्श से अन्य अस्पतालों को संदर्भित करने में समर्थ हुए। लगभग 8000 रोगियों को परामर्श दिया गया तथा स्वेच्छा से अन्य अस्पतालों में जाने के लिए प्रेरित किया गया। अस्पताल प्राधिकारियों ने इस प्रयास की सराहना की।

12. स्वास्थ्य शिक्षा :- समाज कार्य विद्यार्थियों तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) कार्यकर्ताओं की सहायता से बाल शल्य चिकित्सा तथा स्त्री रोग विज्ञानी वार्डों में वैयक्ति स्वच्छता के अनुरक्षण संतुलित पोषण स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण एवं ऑपरेशनपूर्व एवं ऑपरेशन पश्च देखभाल के संबंध में क्रियाकलाप संचालित किए गए।

13. प्रशिक्षण एवं अध्यापन :- निम्न विश्वविद्यालयों से 13 एमएसडब्ल्यू विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया :-

- अन्नामलाई विश्वविद्यालय
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
- मेरियन कॉलेज ऑफ कुट्टीकनम
- बीसीएम कॉलेज, कोरायम, केरल
- भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा
- काशी विद्यापीठ, उत्तर प्रदेश
- बनारस हिंदु विश्वविद्यालय
- बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी
- एमजेपीआर विश्वविद्यालय, बरेली
- भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेस, म. प्र.
- दिल्ली स्कूल ऑफ सोशल वर्क, दिल्ली विश्वविद्यालय
- इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकॉनामिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय

14. **गुर्दा प्रत्यारोपण के लिए गुर्दा प्राधिकार :-** मुख्य चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी को रीनल प्राधिकार समिति, एम्स के लिए समन्वयक तथा नोडल अधिकारी का उत्तर दायित्व दिया गया। चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी श्री अनिल माली के समन्वयन के साथ, असंबद्ध किडनी (गुर्दा) प्रत्यारोपण के 15 मामलों का उचित प्रकार आकलन किया गया, बैठक का आयोजन किया गया, बैठक में मामलों की संक्षिप्त जानकारी दी गई तथा श्रव्य - दृव्य अभिलेखन तथा समिति के अनुमोदन के पश्चात कार्यवृत्त वितरित किए गए तथा फाइल को अभिलेख हेतु एमएस कार्यालय भेजा गया। अध्यक्ष एवं समिति सदस्यों ने इस प्रयास की सराहना की।

15. **मार्गदर्शन :-** अस्पताल प्रक्रिया विधि : तथा सेवाओं के बारे में उचित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए, उचित प्रशिक्षण प्राप्त 20 अस्पताल समाज मार्गदर्शकों को अस्पताल/कैजुअल्टी के विभिन्न काउंटरों पर तैनात किया गया। अधिकतम रोगियों को आवश्यक जानकारी दी गई।

विशेष विशिष्टताएं

1. रॉकलैंड अस्पताल से अनुरोध प्राप्त होने पर श्री आर सी मिश्रा को रॉकलैंड अस्पताल की गुर्दा प्राधिकार प्रदाता समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया; उन्होंने उस समिति के सक्रिय सदस्य के रूप में रॉकलैंड अस्पताल की विभिन्न बैठकों में भाग लिया।

2. इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स दिल्ली विश्वविद्यालय ने संस्थान के दीक्षांत समारोह के लिए मुख्य अतिथि के रूप में श्री आर सी मिश्रा को सम्मानित किया। "कंसेप्ट एण्ड इम्पार्टेंस ऑफ सोशल वर्क एट हॉस्पिटल सेटिंग" पर एक व्याख्यान इस अवसर पर श्री आर सी मिश्रा द्वारा विद्यार्थियों को दिया गया।

3. श्री आर सी मिश्रा को अस्पताल प्रशासन द्वारा आयोजित नर्सिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया। उन्होंने "रोल ऑफ मेडिकल सोशल सर्विस ऑफिसर इन हॉस्पिटल" विषय पर एक व्याख्यान दिया।

6.6 रक्त कोष (अस्पताल)

रक्त कोष (अस्पताल) एम्स का कार्यभार

I.	**दानकर्त्ता कक्ष**		
1.	रोगियों के रिश्तेदार - दानकर्त्ता		15753
2.	स्वैच्छिक - दानकर्त्ता		23189
	रक्तदान शिविर से		7914
	एम्स रक्त कोष से		15275
3.	एकलदाता प्लेटलेट		298
4.	निम्न से एकत्रित	सीएनसी	1002
		आईआरसीएस	1070
		अन्य	1252
		जेपीएनए ट्रॉमा केंद्र	490
	कुल संग्रहण		**43054**
	कुल आयोजित शिविर		**91**
II.	**नैमिक प्रयोगशाला**		
1.	कुल रोगी		48725
2.	एबीओ ग्रुपिंग		134833
3.	ओपीडी ग्रुपिंग एवं आर.एच.		3791
4.	क्रॉस मैच (आपात/नैमिक)		65445
6.	डोनर ग्रुपिंग		86108
7.	आईसीटी		984
	आईसीटी पॉजीटिव		219
8.	कुल टाइट्रे		127
9.	कुल ए./बी.		44934
10.	कुल डी.सी.टी.		650
	डीसीटी पॉजीटिव		108
11.	जारी रक्त		36767
12.	प्राप्त रक्त		773
13.	स्मॉल यूनिट		1034
14.	अलग किया गया रक्त		2887
15.	रक्त जारी लेकिन चढ़ाया नहीं		शून्य
16.	प्राइवेट वार्डों को जारी रक्त		2833
17.	प्राइवेट वार्डों को जारी अवयव		3740
18.	बाहरी अस्पतालों को जारी रक्त		641
19.	बाहरी अस्पतालों को जारी अवयव		83
20.	क्रॉस मैच किया गया परंतु चढ़ाया नहीं गया		11429
21.	इन्हें जारी रक्त	आईआरसीएच	5149
		आईआरसीएस	05
		सीएनसी	154
	कुल		**546909**

III. विशेष प्रक्रिया प्रयोगशाला

1.	छोटे वर्गीकरण	205
2.	प्लेटलेट एंटीबॉडी	56
3.	अभिकर्मक कोशिका गलन	600
4.	डीएटी	120
5.	क्रॉस मैचिंग विसंगति	482
6.	सामान्य विसंगति	51
7.	एबी स्क्रीनिंग	64
8.	अवयव क्यू.सी.	332
9.	ई.क्यू.ए.एस.	04
10.	एंटी बॉडी पहचान	36
	कुल	**1950**

IV. अवयव प्रयोगशाला

1.	प्लेटलेट समृद्ध सान्द्रण	33105
2.	फ्रेश फ्रोजन प्लाज्मा	20372
3.	तरल प्लाज्मा	14174
4.	क्रायोप्रीसिपीटेट	303
5.	लाल रक्त कोशिकाएं	38942
	कुल तैयार किए गए अवयव	**106530**

V. संक्रमण प्रयोगशाला

1.	एचआईवी जांच	42631
2.	एचबीवी जांच	42667
3.	एंटी एचबीसी जांच (4.09.2010 तक)	19045
4.	एचसीवी जांच	43203
5.	वीडीआरएल	39439
	कुल	**187012**

7. नर्सिंग महाविद्यालय

प्रधानाचार्य

मंजू वत्स

प्राध्यापक

मीना अग्रवाल	संध्या गुप्ता (प्रतिनियुक्ति पर)	राचेल एंड्रयूज
आशिया कुरैशी	दीपिका सी. खाखा	कमलेश शर्मा

वरिष्ठ नर्सिंग ट्यूटर

गीता राजदान

नर्सिंग ट्यूटर

किरन सिंह सिमक	गायत्री बतरा (अध्ययन अवकाश पर)	पूनम जोशी
सुचेता	शशि मेवार	बबीता साहू
फिलोमिना थॉमस		मीना एरा

शिक्षा

स्नातक-पूर्व

बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग : चार वर्षीय पाठ्यक्रम से स्नातक हुए सैंतालीस छात्र।

बी. एस-सी. नर्सिंग (पोस्ट : प्रमाणपत्र) दो वर्षीय पाठ्यक्रम से स्नातक हुए पच्चीस छात्र।

स्नातकोत्तर

एम. एस-सी. नर्सिंग - दो वर्षीय एम. एस-सी. नर्सिंग पाठ्यक्रम से उत्तीर्ण हुए अठारह छात्र।

उन्नीस छात्रों ने इस वर्ष निम्नलिखित विशिष्टताओं में प्रवेश लिया :

1. बाल चिकित्सा नर्सिंग
2. मनोचिकित्सा नर्सिंग
3. हृद विज्ञान/सी.टी.वी.एस. नर्सिंग
4. तंत्रिका विज्ञान नर्सिंग

क्रमिक नर्सिंग शिक्षा

निम्नलिखित अल्पावधि पाठ्यक्रमों, गोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है :

1. गंभीर उपचार नर्सिंग अद्यतन, 5-6 अप्रैल, 2010, समन्वयक : आशिया कुरैशी। एम्स अस्पताल की नर्सों ने इसमें भाग लिया।
2. तंत्रिका आपातकालीन स्थितियों पर तंत्रिका नर्सिंग अद्यतन, 12-13 अप्रैल, 2010, समन्वयक : मीना अग्रवाल। एम्स अस्पताल की 28 नर्सों ने इसमें भाग लिया।
3. कलावती सरन बाल अस्पताल में आईएएनएन - एनएनएफ - यूनिसेफ के सहयोग से "सुविधा आधारित नवजात देखभाल" पर टीओटी कार्यशाला। 17-21 अगस्त, 2010, समन्वयक : मंजू वत्स। पूरे देश के विभिन्न संस्थानों की 40 नर्स अध्यापिकाओं और क्लिनिकल नर्सों ने इसमें भाग लिया।

4. यूनिसेफ - पटना, बिहार के सहयोग से बिहार में नर्सिंग अध्यापिकाओं के लिए टीओटी कार्यशाला। समन्वयक : मंजू वत्स। एएनएम / जीएनएम स्कूलों की 30 नर्स अध्यापिकाओं ने इसमें भाग लिया।

5. नर्सों के लिए नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम पर कार्यशाला, नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम कन्वेंशन, जयपुर, 7 अक्तूबर 2010. पाठ्यक्रम निर्देशक : मंजू वत्स। राजस्थान तथा अन्य राज्यों की 60 नर्सों ने इसमें भाग लिया।

6. क्लिनिकल नर्सिंग अद्यतन, 18-24 अक्तूबर 2010. समन्वयक : दीपिका सी खाखा

7. साक्ष्य आधारित नर्सिंग प्रथा पर गोष्ठी, वार्षिक दिवस, नर्सिंग महाविद्यालय। एम्स तथा दिल्ली में स्थित अन्य अस्पतालों की 300 से अधिक नर्सों तथा छात्रों ने इसमें भाग लिया।

8. प्रभावी प्रशिक्षण अधिगम और आकलन कार्यनीतियों पर कार्यशाला, 24-30 नवंबर 2010. समन्वयक : मीना अग्रवाल और कमलेश शर्मा। विभिन्न अस्पतालों की 27 नर्सों ने इसमें भाग लिया।

9. गंभीर उपचार नर्सिंग अद्यतन, 15-21 फरवरी 2011. समन्वयक : राचेल एंड्रयूज। विभिन्न अस्पतालों की 29 नर्सों ने इसमें भाग लिया।

10. प्रबंधन तकनीकों और नर्सिंग में मानव संबंध पर कार्यशाला, 15-22 मार्च 2011. समन्वयक : आशिया कुरैशी। विभिन्न अस्पतालों की 39 नर्सों ने इसमें भाग लिया।

11. नर्स के हाथों में कम वजन वाले बच्चे की सुरक्षा विषय पर इंडियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्स का दूसरा वार्षिक सम्मेलन, 19-21 नवंबर 2010. अध्यक्ष : मंजु वत्स। इसमें 260 नर्सों ने भाग लिया।

12. एम्स में 14 तदर्थ और संविदा पर कार्यरत नर्सों के लिए मार्च - अप्रैल 2011 के दौरान 30 घंटे के लिए महाविद्यालय द्वारा एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. मंजु वत्स और सुश्री ए कुरैशी ने सत्रों का समन्वय किया।

भारत के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों से आंगतुकों के 7 समूहों तथा विदेश से आंगतुकों के समूह के लिए अखिमुखीकरण/ब्रीफिंग सत्रों का संचालन किया गया।

महाविद्यालय के संकाय सदस्यों ने 20 कार्यशालाओं / सम्मेलनों में भाग लिया और वर्ष के दौरान जारी नर्सिंग / चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों तथा कार्यशलाओं में 37 व्याख्यान दिए।

क्लिनिकल और समुदाय सेवाएं

संकाय और छात्रों ने

1. एम्स के सभी चिकित्सा विभागों में बाह्य और आंतरिक रोगी देखभाल गतिविधियों में भाग लिया।

2. दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित दक्षिण दिल्ली के 6 केंद्रों में पल्स पोलियो कार्यक्रम के दो दौर में भाग लिया। सुश्री किरण सिंह ने कार्यक्रम का समन्वय और पर्यवेक्षण किया।

3. ग्रामीण क्षेत्रों में 62 तथा शहरी झुग्गियों में 118 से अधिक सत्रों एवं एम्स के ओपीडी में हाइपरटेंशन, टीकाकरण, नवजात देखभाल, पीएनसी देखभाल आदि जैसे विभिन्न स्वास्थ्य मुद्दों पर स्वास्थ्य शिक्षा सत्रों का आयोजन और प्रचालन किया।

4. शहरी झुग्गियों में सभी के स्वास्थ्य से संबंधित दिवसों जैसे तपेदिक दिवस, कुष्ठ दिवस, तम्बाकू विरोधी दिवस, कैंसर, एचआईवी / एडस आदि से संबंधित विषयों को बढ़ावा देने तथा स्वास्थ्य के निवारण संबंधी विषयों पर 18 प्रदर्शनियों और 18 रोल प्ले का आयोजन किया गया।

5. अम्बेडकर नगर के विभिन्न ब्लॉकों में 9 सर्वेक्षणों का आयोजन किया गया, इन ब्लॉकों में मौजूदा समस्याओं को पहचाना गया तथा अनिवार्य हस्तक्षेप कार्यान्वित किए गए।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 4 **एब्स्ट्रेक्ट : 4**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ. मंजू वत्स नर्सिंग संकाय की मनोनीत सदस्य और संकाय अध्यक्ष, बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्व विद्यालय (बीएफयूएचएस) फरीद कोट, पंजाब; यूजीसी समीक्षा समिति बीएफयूएचएस; अध्ययन बोर्ड, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी और संजय गांधी स्नातकोत्तर चिकित्सा संस्थान, लखनऊ, अंतरराष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड, जरनल ऑफ नियोनेटल नर्सिंग; राष्ट्रीय सम्पादकीय सलाहकार बोर्ड, जरनल ऑफ नर्सिंग प्रेक्टिस एंड रिसर्च; आईएसजेबीटी; प्रिज्म नर्सिंग प्रैक्टिस। जरनल ऑफ क्लिनिकल नर्सिंग - शिक्षा, प्रशिक्षण और कैरियर विकास, इंटरनेशनल जरनल ऑफ नर्सिंग एजुकेशन; सदस्य केंद्रीय समूह, पीएचडी संघ, भारतीय नर्सिंग परिषद (आईएनसी); सदस्य, कार्यकारिणी और शिक्षा समिति, आईएनसी, विषय निर्वाचन समिति सदस्य, आईएनसी, जीएफएटीएस परियोजना से एचआईवी / एड्स में 90000 नर्सों के लिए प्रशिक्षण; विशेषज्ञ, यूनिसेफ, पटना, बिहार में नर्सिंग शिक्षा का सुदृढ़ीकरण, सदस्य केंद्रीय समूह, भारतीय उन्नत नर्सिंग संस्थान, आईएनसी और क्लिंटन फाउंडेशन, संस्थापक अध्यक्ष, इंडियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्स (आईएएनएन) और सदस्य, कार्यकारिणी समिति, आईएएनएन, अध्यक्ष, दूसरा वार्षिक सम्मेलन, आईएएनएन तथा समन्वयक, सीपीएपी पर पूर्व सम्मेलन कार्यशाला; मिड वाइफरी एसबीए - आईएनसी जेपाइगो में उत्कृष्टता केंद्र, विडियो कॉन्फ्रेसिंग द्वारा पीएचडी छात्रों के लिए अध्यापन सत्र, मार्गदर्शक, 6 पीएचडी छात्र, नर्सिंग में पीएचडी के लिए संघ, आईएनसी तथा राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय; सदस्य, कार्यस्थल, एम्स में महिलाओं के यौन उत्पीड़न के विषय में शिकायतों के लिए समिति की सदस्य; विशेषज्ञ, विभिन्न कार्यशालाओं और सम्मेलनों के लिए 19 सत्र; विशेषज्ञ सदस्य 1) नर्सिंग पर परामर्श, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, 2) यकृत और बायलरी विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली 3) के एल विग सेंटर फॉर मेडिकल एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी, एम्स के लिए सहायक संकाय।

मीना अग्रवाल उन्होंने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की 'गंभीर उपचार नर्सिंग' पर पाठ्य पुस्तक के 8 अध्यायों के सम्पादन में सहयोग किया; वे इग्नू हेतु गम्भीर उपचार नर्सिंग पाठ्य पुस्तक की शीर्ष समिति की सदस्य रहीं; प्रशिक्षित नर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया एवं सिर-आघात से पीड़ित रोगी का उपचार, नैदानिक नर्सिंग अपडेट, एम्स में शैक्षिक उद्देश्य पर 2 सत्रों में भाग लिया; वक्ता, अंग दान पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय ट्रामा सम्मेलन।

राचेल एंड्रयूज आपने एम्स में आयोजित अर्बुद विज्ञान नर्सिंग, हृद विज्ञान, नर्सिंग शिक्षा एवं उपचार पर 6 सत्रों में संसाधन कार्मिक की भूमिका निभायी। धर्मशिला अस्पताल, टी.एन.ए.आई., यूनीसेफ द्वारा प्रायोजित कार्यशाला, पटना, बिहार; परामर्शदाता, इग्नू पोस्ट बेसिक बी.एस-सी. नर्सिंग, द्वितीय वर्ष, मेडिकल सर्जिकल नर्सिंग कोर्स; बाहरी पैपर निर्माणकर्ता, बाबा फरीद विश्वविद्यालय, गुजरात विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, जामिया हमदर्द एवं पंजाब विश्वविद्यालय, तदर्थ निरीक्षक, भारतीय नर्सिंग परिषद एवं दिल्ली नर्सिंग परिषद - नर्सिंग कालेज/स्कूलों का निरीक्षण करने हेतु, 2011.

आशिया कुरैशी ट्रामा गम्भीर उपचार नर्सिंग, अंतर्राष्ट्रीय ट्रॉमा 2010 सम्मेलन में वक्ता एवं 2 सत्रों में अध्यक्षता।

दीपीका खाखा ने 10वीं एशियन सी आई सी आई ए एम एस, सिंगापुर में 4 सितम्बर 2010 को 'सामुदायिक स्वास्थ्य उपचार : नर्सिंग में अनुभव' पर सत्र की अध्यक्षता की और नर्सिंग में नीतिपरक विषयों पर वार्ता प्रस्तुत की; वे 'डिसास्टर नर्सिंग-आपातकालीन उपचार में एक नई संकल्पना', ट्रॉमा पर तीसरा वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 26-28 नवम्बर 2010, नई दिल्ली में अतिथि वक्ता थी; वे जामिया मिलिया इस्लामिया, एम्स, टी एन ए आई, राउफादिया कॉलेज ऑफ नर्सिंग तथा दिल्ली विश्वविद्यालय में एचआईवी / एड्स, अनुसंधन पद्धतिविज्ञान, नर्सिंग शिक्षा तथा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी 12 सत्रों में विशेषज्ञ थीं; वे अनुसंधान पद्धतिविज्ञान पर टेलीकॉन्फ्रेंसिंग, इग्नू में विशेषज्ञ; परामर्श पर्यवेक्षक, आई सी टी सी, पी पी सी टी सी, ए आर टी थी; वे एचआईवी/एड्स उपचार में परामर्शदाताओं को प्रशिक्षण देने के लिए जिम्मेदार जी एफ ए टी एम आर - 7 हेतु विशेषज्ञ एवं मास्टर प्रशिक्षक थीं और जी एफ ए टी एम आर - 7 के अन्तर्गत दिल्ली जिला की परामर्शदाता थी; वे बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंसिज, पंजाब, राजस्थान यूनिवर्सिटी, एम्स, पी जी आई एम ई आर, छत्रपति साहू जी महाराज मेडिकल यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश की परीक्षक थी; वे एम-एस.सी. नर्सिंग शोध-प्रबंध, बी.पी. कोइराला इंस्टीट्यूट ऑफ हैल्थ साइंसिज, नेपाल की परामर्शदाता थी।

कमलेश शर्मा एम्स, धर्मशिला अस्पताल, टी. एन. ए. आई., यूनिसेफ द्वारा प्रायोजित पटना बिहार में आयोजित नर्सों के लिए प्रसूतिरोग विज्ञान, बाल रोग विज्ञान तथा अर्बुद विज्ञानी नर्सिंग में छः सत्रों के लिए विशेषज्ञ व्यक्ति थी। उन्होंने लो बर्थ वेट शिशुओं की देखभाल एवं के. एम. सी. पर पेनल विचार-विमर्श की अध्यक्षता की, द्वितीय वार्षिक सम्मेलन, इंडियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्सिंस 2010, 19-21 नवंबर, 2010; वे वर्ष 2010-11 में इंडियन नर्सिंग काउंसिल (आई.एन.सी.) तथा दिल्ली नर्सिंग काउंसिल (डी.एन.सी.) में कॉलेजों/स्कूल्स ऑफ नर्सिंग का निरीक्षण करने हेतु तदर्थ निरीक्षक थी; अतिथि वक्ता : 'रोल ऑफ नर्स प्रैक्टिशनर्स इन मैटरनल एंड न्यूबोर्न हैल्थ' पर तथ्य'; मातृ एवं नवजात मृत्युदर और अस्वस्थता दर में कमी करने के लिए 'एवीडेन्स फॉर एक्शन' विषय पर संगोष्ठी में अतिथि वक्ता, मानव प्रजनन पर वि.स्वा.सं. का सहयोगी केंद्र, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली, दिसंबर 2010.

फिलोमिना थॉमस ने नर्सिंग शिक्षा एवं अनुसंधान पद्धतिविज्ञान में मूल्यांकन पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में दो पत्र प्रस्तुत किए; उन्होंने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के देशान्तरण पर स्रोत देश संदर्भ पर कनैडियन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (सी.आई. एच.आर.) प्रायोजित परियोजना के एक भाग के रूप में दो अंतर्राष्ट्रीय टेली-सम्मेलनों में भाग लिया।

शशि मेवार इंटरनेशनल सोसायटी फॉर हीमोडायलेसिस कॉन्फ्रैंस, नई दिल्ली के चौथे सम्मेलन में "हीमोडायलेसिस रोगी हेतु जीवन की गुणवत्ता में सुधार" विषय पर विशेषज्ञ-व्यक्ति थीं। वे नर्सिंग शिक्षा एवं प्रबंधन पर कार्यशालाओं हेतु 3 सत्रों के लिए विशेषज्ञ-व्यक्ति थीं।

8. अनुसंधान अनुभाग

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान को प्रदत्त शासनादेश के अनुसार, अनुसंधान को एक महत्वपूर्ण घटक माना गया है। संस्थान, आधारभूत एवं अनुप्रयुक्त स्वास्थ्य विज्ञान दोनों क्षेत्रों में उच्च - गुणवत्ता अनुसंधान संचालन में सबसे अग्रणी है। समीक्ष्य वर्ष के दौरान संस्थान के संकाय वर्ग द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के लिए लगभग 73 करोड़ रुपए की राशि का बाह्य अनुदान प्राप्त किया। वर्तमान में 622 बाह्य निधिकृत परियोजनाएं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में चलाई जा रही है।

अनुसंधान अनुभाग में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आयोजित सभी बाह्य अनुसंधानों से संबंधित प्रशासनिक कार्य किया जाता है। अनुसंधान सलाहकार परिषद् का गठन निदेशक महोदय द्वारा निम्नानुसार किया गया हैं :-

अनुसंधान सलाहकार परिषद (मूलभूत चिकित्सा / संबद्ध विज्ञान)

1.	आचार्य आर. सी. डेका, निदेशक, एम्स	अध्यक्ष
2.	प्रो. कृष्णन एन. गणेश, निदेशक भारतीय विज्ञान और अनुसंधान संस्थान, पुणे	सदस्य
3.	डॉ. सी. आर. भाटिया, निदेशक, जैव रसायन समूह भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर, मुंबई	सदस्य
4.	आचार्य एन. आर. जगन्नाथ, प्रमुख, एनएमआर सुविधा, एम्स	सदस्य
5.	आचार्य एस. पी. त्यागराजन, निदेशक और मुख्य सलाहकार, श्री रामचंदन यूनिवर्सिटी, पोरुर, चैन्नई	सदस्य
6.	आचार्य बलराम भार्गव, हृद रोग विज्ञान/ स्टेनफोर्ड इण्डिया बायो-डिजाइन, एम्स	सदस्य
7.	आचार्य आनंद मोहन, आचार्य, विद्युत प्रौद्योगिकी संस्थान, बीएचयू, वाराणसी	सदस्य
8.	आचार्य मधु खुल्लर, प्रायोगिक कायचिकित्सा विभाग पीजीआईएमईआर, चण्डीगढ़	सदस्य
9.	आचार्य ए. बी. डे, संकायाध्यक्ष, अनुसंधान अनुभाग, एम्स	सदस्य-सचिव

अनुसंधान सलाहकार परिषद (क्लिनिकल)

1.	आचार्य, आर. सी. डेका, निदेशक, एम्स	अध्यक्ष
2.	आचार्य टी. एम. मोहपात्रा, निदेशक, आईएमएस-बीएचयू वाराणसी	सदस्य
3.	आचार्य एस. के. शंकर, निदेशक, एनआईएमएचएएनएस, बैंगलोर	सदस्य
4.	आचार्य, एम. एम. कपूर, पूर्व आचार्य, शल्य चिकित्सा, एम्स	सदस्य
5.	आचार्य एस. के. पांडा, प्रमुख, विकृति विज्ञान विभाग, एम्स	सदस्य

6.	आचार्य, नरेंद्र के. अरोड़ा, कार्यकारी निदेशक इनक्लेन ट्रस्ट इण्डिया, नई दिल्ली	सदस्य
7.	आचार्य, के. एम. श्याम प्रसाद, कुलपति मार्टिन एल. क्रिश्चियन विश्वविद्यालय, शिलांग, मेघालय	सदस्य
8.	आचार्य नीरज के. सेठ, वरिष्ठ सलाहकार (स्वास्थ्य) योजना आयोग, नई दिल्ली	सदस्य
9.	आचार्य, ए. बी. डे, संकायाध्यक्ष, अनुसंधान अनुभाग, एम्स	सदस्य-सचिव

जारी तथा पूरी हो चुकी अनुसंधान परियोजनाओं की सूची से संबंधित जानकारी प्रधान अन्वेषकों के विभाग/केंद्र में उपलब्ध है।

9.1 संवेदनाहरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

चन्द्रलेखा

आचार्य

एम.के. अरोड़ा
डी.के. पवार
रविन्द्र कुमार बत्रा
एस. राजेश्वरी
अंजन त्रिखा
माया देहरान
लोकेश कश्यप
दिलीप शिंदे

अपर आचार्य

विरेन्द्र के. मोहन
विम्मी रेवाड़ी
वनलाल एम. दारलोंग
रानी ए. सुन्दर

सह-आचार्य

ए.पी. भल्ला
आर. पांडे
अंजोली छाबड़ा
ज्योत्सना पुंज

9.2 शरीर रचना विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

रानी कुमार

आचार्य

शशि वधवा	आर. डी. मेहरा	टी. एस. रॉय

अपर आचार्य

ए. शरीफ	पुष्पा धर	एस. बी. रे
टी. के. दास	रीमा दादा	अरुंधती शर्मा
(इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी)	डॉ. रेणु ढींगरा	(जेनेटिक्स)

सह-आचार्य

टी. सी. नाग		रितु सहगल
(इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी)		

शिक्षा

स्नातक-पूर्व

विभाग एम. बी. बी. एस., बी. एस. सी. (ऑनर्स) नर्सिंग, पोस्ट सर्टिफिकेट नर्सिंग, नेत्र विज्ञान, विकिरण विज्ञान तकनीक तथा वाक् चिकित्सोपचार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाता है। अनेक एम. बी. बी. एस. विद्यार्थियों ने किशोर वैज्ञानिक पुरस्कार योजना (के वी पी वाई) के तहत ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण फैलोशिप कार्यक्रम में भाग लिया तथा एक विद्यार्थी को फैलोशिप प्रदान की गई।

स्नातकोत्तर

विभाग के एम डी, एम एस सी एवं पी एच डी शरीर रचना विज्ञान के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने के अलावा विभाग ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एम्स के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए मानव आनुवांशिकी पर पाठ्यक्रम चलाया। संकाय ने जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के एम एस सी विद्यार्थियों को तंत्रिका विज्ञान, मानव आण्विक आनुवंशिकी और इम्ब्रायोलॉजी पर कई व्याख्यान दिए। संकाय ने राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा अप्रैल, 2010 में आयोजित टेलीकन्फ्रेंस (ज्ञान दर्शन पर इग्नू में आयोजित) के दौरान स्नातकोत्तरों के लिए शरीर रचना विज्ञान पर भी व्याख्यान दिए।

अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन प्रशिक्षण

आण्विक जीव विज्ञान और तंत्रिका रसायन विभाग, लेबनिज इंस्टीट्यूट फॉर न्यूरोबायोलाजी, जर्मनी से एक पी एच डी विद्यार्थी ने तंत्रिक शरीर रचना विज्ञान के क्षेत्र में अल्पावधिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। आई ए एस सी - आई एन एस ए - एन ए एस आई फैलोशिप कार्यक्रम के तहत दो विश्वविद्यालय विद्यार्थियों ने क्रायोसेक्शनिंग, प्रतिरक्षा ऊतक रसायन, वेस्टर्न ब्लॉट इत्यादि में प्रशिक्षण प्राप्त किया और साथ ही इस अवधि के दौरान एक लघु अनुसंधान परियोजना पर भी कार्य किया। इसके अतिरिक्त, एमिटी विश्वविद्यालय से सात बी टेक (जैव प्रौद्योगिकी) विद्यार्थियों ने नेत्र विज्ञान, तंत्रिका मनश्चिकित्सा, बांझपन तथा आक्यूलर विकारों में आण्विक तकनीकों तथा बुनियादी साइटोजेनेटिक्स में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के लिए कार्य किया। म्यांमार से दो वैज्ञानिकों को प्लास्टीनेशन, आनुवंशिकी तथा तंत्रिका शरीर रचना विज्ञान तकनीकों में प्रशिक्षण दिया गया। विभाग में ई-अधिगम सुविधा का उन्नयन किया गया है तथा यह पूर्व स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का प्रबंधन करने तथा विभागीय क्रियाकलाप

यथा जरनल क्लब प्रस्तुतीकरण तथा संगोष्ठियां समन्वित करने के लिए सुविधाएं प्रदान करता है। स्नातकोत्तर तथा पी एच डी विद्यार्थी वैज्ञानिक साहित्य अन्वेषण तथा अपने थीसिस और अनुसंधान से जुड़े क्रियाकलापों के लिए ई-अधिगम सुविधा का प्रयोग भी कर रहे हैं।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा (सीएमई)

विभाग ने तंत्रिका शल्य चिकित्सा तथा अस्थि रोग विज्ञान विभाग के लिए छः केडेवर डाइसेक्शन कार्यशालाओं का संचालन सुविधाकारी बनाया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 32

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. मालिक्यूलर स्टडीज आफ दि एक्साइटेटरी एंड इनहिबिटरी सिनेटिसस आफ दि आडिटरी कोर्टेक्स इन डेवेलपिंग चिक (गैलस डोमेस्टीकल) एक्सपोज्ड टू प्रीनेटल क्रोनिक नॉयस। एस. वाधवा, 2011-13 सी एम आई आर, 6.6 लाख रुपए।
2. इन्फ्लूएन्स आफ प्रिनेएल क्रॉनिक न्वायज एक्सपोजर ऑन ब्रेन स्टेम ऑडिटोरी न्यूक्ली; हिप्पोकेम्पस एंड स्पाशियल मेमोरी इन चिक्स। डॉ. शशि वाधवा, डी बी टी, 2008-2011, निधियां : 65.49 लाख रुपए।
3. स्टडीज ऑन ओवरीएक्टॉमी इन्डयूस्ड एनेटॉमिको - केमिकल चेजेंज इन रैट सेरेबेलम एंड देयर रिस्पांस टू एस्ट्राडियल एंड टेमोक्सीफेन थैरेपी, डॉ. आर. डी. मेहरा, आई सी एम आर, 2008-2011, निधियां : 5.64 लाख रुपए।
4. ए स्टेरियोलॉजिकल स्टडी आफ एज रिलेटेड मॉर्फोलॉजिकल एंड न्यूरोकेमिकल चेजेंज इन द ह्यूमन कॉकलियर न्यूक्लियस, डॉ. टी. एस. राय, आई सी एम आर, 2010-2013, निधियां : 29.28 लाख रुपए।
5. टू स्टडी दि इफेक्ट्स आफ एंटीऑक्सिडेंट सप्लिमेंटेशन ऑन न्यूरोनल पापुलेशन आफ रैट हिप्पोकैम्पस फालोईंग सोडियम आर्सेनाइट एक्सपोजर ड्यूरिंग अर्ली पोस्टनेटल पीरियड। आई आर जी, पी. धर, 2009-2011, निधियां : 1.7 लाख रुपए।
6. ए स्टडी ऑन दि नोवेल एनालजेसिक इफेक्ट आफ इन्ट्रास्पाईनल लोपेरामाइड इन ए म्यूरिन मॉडल आफ पोस्टसर्जिकल पेन। डॉ. एस. बी. रे, आई सी एम आर, 2008-2011 निधियां : 30.2 लाख रुपए।
7. जेनेटिक एंड डीएनए फ्रैग्मेंटेशन स्टडी इन इनफर्टाइल कपल्स ऑप्टिंग फार एआरटी एंड कपल्स एक्सपेरिएंसिंग रिकरेंट आईवीएफ/आईसीएसआई फेल्योर। रीमा दादा। आई सी एम आर, 2008-2011, निधियां : 5.0 लाख रुपए।
8. आर एस ए में शुक्राणु कारक (आक्सीडेटिव तनाव, डी एन ए क्षति) की भूमिका। आर. दादा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2010-13, 15 लाख रुपए।
9. केरेटोकोनस में वीएसएक्स-1 जीन में म्यूटेशन की संभावित उपस्थिति का मूल्यांकन करना - राजेन्द्र प्रसाद नेत्र रोग विज्ञान केंद्र के साथ, ए. शर्मा एम्स, 2008-2010 निधियां : 2.0 लाख रुपए

पूर्ण

1. प्रिनेटल डेवलपमेंट एंड मेचूरेशन आफ ह्यूमन इन्फेरियर कॉलीकुलस, डॉ. टी. एस. राय, डी एस टी, 2007-2010, निधियां : 23.88 लाख रुपए।
2. चूहे के गुर्दे पर आरंभिक प्रसव पश्च अवधि के दौरान सोडियम आर्सेनाईट उद्भासन का प्रभाव। पी. धर, 2010 ।

3. एनेलिसीस आफ मिटोकोंड्रियल डीएनए म्यूटेशन्स इन पैथोजेनेसिस आफ स्पर्मेटोजेनेटिक अरेस्ट। रीमा दादा। आई सी एम आर, 2007-2010, निधियां : 4.34 लाख रुपए।

4. उत्तरी भारतीय लोगों में कानजेनिटल और डेवलपमेंटल ग्लूकोमा और विकास में म्यूटेशन विश्लेषण। डॉ. रीमा दादा, डी बी टी, 2007-2010, निधियां : 11.69 लाख रुपए।

5. रोल ऑफ सर्कुलेटिंग एंजियोजेनेटिक फैक्टर्स इन दि पैथोजेनेसिस आफ प्रिक्लैंपसिया। डॉ. रेणु ढींगरा, एम्स, 2008-2010, निधियां : 1.5 लाख रुपए।

6. पुराने होते मानव रेटीना में आक्सीडेटिव तनाव के चिन्हांककों का सेल्युलर स्थानीकरण। टी. सी. नाग, एम्स, 2010-11, एक लाख रुपए।

सहयोगी

जारी

1. रोल आफ टीएनएफ अल्फा इन दि पैथोजेनेसिस आफ एक्सपेरिमेंटल एक्यूट पैक्रिएटाइटिस एंड दि इफेक्ट आफ एंटी-टीएनएफ-अल्फा थैरेपी इन एटेन्युएटिंग दि सिविएरिटी आफ पैंक्रिएटाइटिस एंड इन दि सब्सिक्वेंट रिजेनेरेशन आफ दि पैंक्रियाज (गैस्ट्रोइंटरेलॉजी विभाग के साथ)।

2. चूहों में प्रतिघात के मध्य सेरेब्रल आर्टरी अवरोधन माडल में केवल मेलाटॉनिन बनाम बी एम एम एन सी के संयोजन में अस्थि मज्जा मोनोन्यूक्लियर (बीएमएमएनसी) की खुराक की तुलना (तंत्रिका विज्ञान विभाग के साथ)।

3. इंट्रावेसल इन्जेक्टेबल पुरूष गर्भ निरोधक आरआईएसयूजी के साथ चरण-3 नैदानिक परीक्षण (जैव रसायन शास्त्र)।

4. एपीलेप्सी में नैदानिक, विकृति रोग विज्ञानी तथा आनुवंशिकी रूपरेखा (तंत्रिका शल्य चिकित्सा)।

5. कॉनजेनिटल केटेरेक्ट में आण्विक विश्लेषण (आर. पी. सेंटर)।

6. कानजेनिटल एड्रेनल हाइपरप्लाजिया - जेनोटाइप फीनोटाईप कोरिलेशन - (इंडोक्राइनोलॉजी और मेटाबोलिज्म विभाग)।

7. जेनेटिक पैरामीटर्स आफ न्यूरोब्लास्टोमा : सूक्ष्म सूई चूषण जांच पर एक अध्ययन, (बाल रोग शल्य चिकित्सा विभाग)।

8. स्केल्टल डिस्प्लासिया अंतर्हित आण्विक इटियालांजी संबंधी एक अध्ययन (एंडोक्रिनॉलजी तथा मेटाबालिज्म)।

9. सी एम एल रोगियों में कार्यक्रम का जीव विज्ञान समझने के लिए जीनों का माडयूलेशन (रूधिर विज्ञान विभाग)।

10. मोनोएमीनर्जिक पाथ्वे जीन पोलीमार्फिज्म तथा अल्कोहल निर्भरता के संबंध में एक अध्ययन (एन डी डी टी सी)।

11. "आपातकालीन संवहनी अभिगम्यता के लिए नवीन इन्ट्राओसियस अभिगम्यता युक्ति का व्यवहार्यता अध्ययन" (स्टेनफोर्ड इंडिया बायोडिजाइन द्वारा सहायता प्राप्त हृद विकिरण विज्ञान विभाग)।

12. कोलोबाम में साइटोजेनेटिक और आण्विक अध्ययन (राजेन्द्र प्रसाद केंद्र के साथ)।

13. माइलोडिस्प्लास्टिक संलक्षण में आनुवंशिकी अध्ययन (रूधिर विज्ञान विभाग)।

14. ब्लेफेरोफिमॉसिस में नैदानिक, विकिरण वैज्ञानिक और आनुवंशिकी अध्ययन (आर. पी. सेंटर के साथ)।

15. दमा के भारतीय रोगियों में सीएच 13 एल 1 में आनुवंशिकी परिवर्तनों तथा वाई के एल - 40 उत्पादन के प्रभाव की जांच (जैव भौतिकी विभाग के साथ)।

16. सेक्सुअल अंतर के विकारों में जीनोटाईप, फीनोटाईप अध्ययन (एंडोक्रिनॉलाजी एवं मेटाबालिज्म।

17. लेनॉक्स गैस्टॉट संलक्षण वाले रोगियों में अनुबद्ध थैरेपी के रूप में रिफ्लेक्सोलॉजी का मूल्यांकन, एलजीएस में जीपीआर-65 की म्यूटेशन स्क्रीनिंग (जैव भौतिकी विभाग के साथ)।

18. एंडोथीलियल डिस्ट्राफी का म्यूटेशनल विश्लेषण (राजेन्द्र प्रसाद केंद्र के साथ)।

19. विल्म अर्बुद के आनुवंशिकी तथा आण्विक विश्लेषण संबंधी अध्ययन (बालरोग शल्य चिकित्सा के साथ)।

20. हृदय रोग के रोगियों पर विकिरणों के प्रभाव का साइटोजेनेटिक विश्लेषण (हृदय रोग विज्ञान के साथ)।

21. पुराने होते मानव रेटीना की मुलर कोशिकाओं में आक्सीडेटिव तनाव (डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्र के साथ)।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. प्रसव-पूर्व अत्यधिक ध्वनि स्टिमूलेशन के बाद चिक हिप्पोकैम्पस में कैल्शियम बंधक प्रोटीन केलबिन्डीन की अभिव्यक्ति।
2. घरेलू मुर्गे में ऑडिटरी कॉर्टेक्स की मॉर्फोलॉजी पर प्रसव-पूर्व निरंतर ध्वनि उद्भासन का प्रभाव।
3. एक्सप्रेशन ऑफ एन ए +/ क+ ए टी पी एस एंड ग्लुटामाईन सिंथेटेस इन पोस्ट हैच डे वन चिक हिप्पोकैम्पस एंड ऑडिटरी न्यूक्लाई फोलोईंग प्रीनेटल पैटर्नड एंड अनपैटर्नड साऊंड स्टिमुलेशन।
4. प्रतिरोध तंत्र का हिप्पोकैम्पल विनियमन।
5. ब्रेन एजिंग एंड न्यूरोडिजेनरेशन : न्यूरो प्रोटेक्टिव एंड बायो माडयुलेटरी रोल्स आफ एस्ट्रोजेन्स एंड ग्लु कोकार्टीकॉयडस।
6. मानव ऑडिटरी प्रणाली का विकास।
7. मानव ट्रोक्लियर, एब्डुसेंट तथा कोकलियर नर्व में आयु परिवर्तन।
8. भ्रूण और वयस्क मानव पैंक्रियाटिक डक्ट प्रणाली की मॉर्फोलॉजी।
9. विकासशील चूहा हिप्पोकैम्पस में आर्सेनिक प्रेरित विषाक्तता पर एंटी-ऑक्सीडेंट खुराक के रूप में लिपोइक अम्ल का प्रभाव।
10. विकासशील चूहे के सेरेबेलम में सोडियम आर्सेनाइट प्रेरित तंत्रिका विषाक्तता पर एंटी-ऑक्सिडेंट का प्रभाव।
11. चूहे के गुर्दे पर आरंभिक प्रसवोत्तर अवधि के दौरान आर्सेनिक उद्भासन का प्रभाव।
12. वयस्क मादा चूहे के सेरेबेलम पर एस्ट्रोजन और एस्ट्रोजन समान यौगिकों का प्रभाव : एक ऊतक रासायनिक और आण्विक अध्ययन।
13. कांजीनेटल कैटारेक्ट में कनेक्सिन्स में म्यूटेशन विश्लेषण।
14. जर्म कोशिकाओं में डी एन ए इंटेग्रिटी विश्लेषण।
15. उत्तरी भारतीय बच्चों में विकास हार्मोन की कमी का म्यूटेशनल विश्लेषण।

प्रकाशन

जनरल/पत्रिकाएं : 33

जनरल/पत्रिकाएं में सार : 25

सम्मेलनों में प्रस्तुत सार/पोस्टर : 33

पुस्तकों में अध्याय : 4

रोगी उपचार

1.	**आनुवंशिकी नैदानिक परीक्षण**	**संख्या**	**संख्या**
	साईटोजेनेटिक विश्लेषण	पी सी आर द्वारा 580 वाई क्यू माइक्रोडेलीशन विश्लेषण	61
	सेमीनल आर ओ एस अनुमानन	एस सी एस ए द्वारा 182 डी एन ए इंटेग्रिटी विश्लेषण	75
	क्रोमोसोम विश्लेषण परीक्षण		
	केरियोटाइपिंग परीक्षण	501 अमनियो टिकफ्लूईड/ कार्ड रक्त	24
	सी एम एल मामले	60 कार्डियाक मामले	28
2.	**एम्बाल्मिंग सेवाएं**		
	मृत शरीरों की निम्न के लिए एम्बाल्मिंग :		
	(i) संवहन - 759	759 (ii) अध्यापन/अनुसंधान	9
3.	**फ्लूरोसिस प्रयोगशाला : फ्लूराईड अनुमानन परीक्षण**		
	मूत्र सैम्पल	50 रक्त/सीरम	44
	पेय जल	51	

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

1. श्री मुकेश कुमार वार्ष्णेय, पी एच डी विद्यार्थी को आई बी आर ओ स्कूल ऑफ न्यूरोसाईस, हांगकांग तथा दि हांगकांग सोसायटी आफ न्यूरोसाइसेंस तथा बायोफिजीकल सोसायटी आफ हांग कांग की संयुक्त वैज्ञानिक बैठक में भाग लेने के लिए आई बी आर ओ स्कूल ऑफ न्यूरोसाईंस फैलोशिप प्रदान की गई : 31 मई - 11 जून, 2010।
2. डॉ. सोनाली कटारिया को फेडरेशन आफ एशियन - ओशियनन न्यूरोसाईस सोसायटिज (एफ ए ओ एन एस) की लखनऊ में 5वीं कांग्रेस में आई ए एन का "तुल्साबाई सोमानी शैक्षणिक न्यास पुरस्कार" प्रदान किया गया, नवम्बर, 2010।
3. श्री मुकेश कुमार वार्ष्णेय के "ब्रेन एजिंग एंड डिमेंशिया : बेसिक एंड ट्रांसलेशनल आस्पेक्टस" संबंधी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, वनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी में नवम्बर, 2010 में "बेस्ट पोस्टर प्रीजेंटेशन अवार्ड" प्राप्त हुआ।
4. डॉ. टोनी जॉर्ज जैकब को फ्रांस सरकार (भारत में फ्रांस दूतावास का विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रभाग) से सैडविच डाक्टरल फेलोशिप, 2010 प्रदान किया गया तथा उन्होंने आई एन एस ई आर एम यूनिट 624, मार्सेल, फ्रांस में कार्य किया। 28 जून से 28 दिसम्बर, 2010 ।
5. डॉ. रीमा दादा को अमरीकी कांग्रेस आफ एंड्रोलोजी की 35वीं वार्षिक बैठक में विद्यार्थी प्रशिक्षणार्थी सत्र में सम्मानित किया गया तथा उन्हें एम टी डिस्फंक्शन इन मेल इन्फर्टिलिटी पोस्टर पर लेलर फाउंडेशन अवार्ड प्राप्त हुआ। 1-2 अप्रैल, 2010 बोस्टन, संयुक्त राज्य अमरीका।
6. श्रीमती बेटसी वर्गीस को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ इन्फार्मेशन टेक्नालाजी, पुणे में 2010 में आयोजित विद्यार्थियों हेतु वार्षिक जैव प्रौद्योगिकी सम्मेलन (ए बी सी एस - 2010) में शोध पत्र शीर्षिक "रोल ऑफ एस एफ एल टी -1 इन दि पैथोजेनेसिस आफ प्री-एक्लेम्पसिया" के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

आचार्य रानी कुमार एम्स तथा बी एस एम एम यू के बीच अकादमिक सहयोग समझौता ज्ञापन के क्रियान्वयन के लिए बंगबंधु शेख मुजीब मेडिकल यूनिवर्सिटी (बी एस एम एम यू) का दौरा करने के लिए डीन के रूप में एम्स से शिष्टमंडल लेकर गई। वे पुणे में एनेटमीकल सोसायटी आफ इंडिया, के 58वें राष्ट्रीय सम्मेलन में वैज्ञानिक सत्र के लिए अध्यक्ष थी; उन्हें पं. बी. डी. यूनिवर्सिटी आफ हेल्थ साइसेंस, रोहतक के शरीर रचना विभाग में स्नातकोत्तर अध्ययन बोर्ड के लिए बाह्य विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया।

आचार्य शशि वाधवा ने 9 अप्रैल, 2010, 29 मई, 2010 तथा 25 फरवरी, 2011 को मानेसर, हरियाणा में नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर में वैज्ञानिकों के नियमितीकरण के लिए आकलन समिति हेतु विशेषज्ञ सदस्य के रूप में कार्य किया; वे एन बी आर सी,

मानेसर द्वारा संचालित एकीकृत पी एच डी पाठ्यक्रम के लिए पेपर सेटर थीं; एन बी ई, द्वारका, नई दिल्ली में वे शरीर रचना विज्ञान में डी एन बी ई के लिए माडरेटर तथा ऑनसाईट आकलनकर्ता थी; उन्होंने 11 मई, 2010 को एन आई आई, नई दिल्ली में तंत्रिका विज्ञान संबंधी डी बी टी विशेषज्ञ समूह की कृत्तिक बल की बैठक में भाग लिया; वे जे एन यू नई दिल्ली में 23 जून, 2010 को जीवन विज्ञान में एम फिल विद्यार्थी के वाइवा वायस के लिए बाह्य परीक्षक थी,; राजकोट से तीन एम डी थीसिस तथा बी एच यू, वाराणसी से एक पी एच डी थीसिस के लिए बाह्य परीक्षक थी; उन्होंने कांस्टीटयूशन क्लब, नई दिल्ली में 26 अगस्त, 2010 को पर्यावरण, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी कार्यालय, अमरीकी दूतावास, नई दिल्ली द्वारा आयोजित विज्ञान में महिलाएं" संबंधी कार्यशाला में भाग लिया; उन्हें शरीर रचना विभाग के लिए सूचना का अधिकार के तहत प्रकटन हेतु संपदा अधिकारी (सार्वजनिक परिसर) तथा केंद्रीय जन सूचना अधिकारी (सी पी आई ओ) नियुक्त किया गया; वे विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के तहत डी एस आई आर के उद्यम राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (एन आर डी सी) की पुरस्कार प्रदाता समिति की सदस्या थी तथा उन्होंने 2010 में आयोजित इसकी विभिन्न बैठकों में भाग लिया; वे स्कूल ऑफ मेडिकल साईंसेस, हैदराबाद विश्वविद्यालय तथा जम्मू और कश्मीर लोक सेवा आयोग, जम्मू में संकाय पदों तथा सी डी आर आई लखनऊ में तकनीकी स्टॉक के लिए चयन समिति की सदस्या थी; वे फेडरेशन आफ एशियन ओशनियन न्यूरोसाईंस सोसायटिंज (एफ ए ओ एन एस) की 5वीं कांग्रेस की राष्ट्रीय परामर्शी समिति की सदस्या थी; वे स्टेम सेल रिसर्च एंड थिरेपी के लिए नेशनल एपेक्स समिति की सदस्य थी; वे एम सी आई के लिए निरीक्षक थी; वे अनुसंधान उप समिति तथा अध्यापन अनुसूची समिति की अध्यक्ष थी; वे डीन समिति, इंस्टीट्यूशनल समिति, स्टेम सेल अनुसंधान एवं उपचार, की सदस्या थी; उन्होंने आई सी एम आर, डी एस टी तथा डी बी टी के लिए तंत्रिका विज्ञान अनुसंधान परियोजनाओं तथा वार्षिक परियोजना रिपोर्टों की समीक्षा की; वे एनेटमीकल सोसायटी आफ इंडिया के जरनल के सम्पादकीय बोर्ड की सदस्या थीं; उन्होंने आई जे एम आर, एन ए एम एस जे, जे एनेटमीकल सोसायटी आफ इंडिया, डेवलपमेंटल न्यूरोसाईस, ब्रेन रिसर्च बुलेटिन तथा न्यूरोसाईंस लेटर्स को प्रस्तुत शोध पत्रों की समीक्षा की।

आचार्य राज मेहरा अप्रैल, 2010 में शरीर रचना विज्ञान में, जनवरी, फरवरी, 2011 में ई एस आई दंत महाविद्यालय, दिल्ली में संकाय के चयन हेतु लोक सेवा आयोग (उत्तर प्रदेश) की चयन समिति के सदस्य थे; वे फरवरी, 2011 में एन आई आर ई एच (आई सी एम आर), भोपाल में स्थल दौरे हेतु विशेषज्ञ समिति की सदस्य थे; उन्होंने फेडरेशन आफ एशियन एंड ओशियनन न्यूरो साईंस सोसायटिज़ (एफ ए ओ एन एस -2010), लखनऊ की 5वीं कांग्रेस के दो सत्रों की अध्यक्षता की तथा सम्मेलन में एक पोस्टर सत्र का अधिनिर्णय किया; उन्होंने मार्च, 2011 में इंटरनेशनल कांग्रेस ऑन स्टीरॉयड रिसर्च में भाग लिया तथा "न्यूरो माडुलेटरी इफेक्ट्स आफ एस्ट्रोजेन एंड एस ई आर एम इन एज रिलेटिड कोग्निटिव डिक्लाईन : ए प्रोटियोमिक एंड न्यूरोबिहेवियरल एप्रोच" शीर्षित शोध पत्र प्रस्तुत किया; वे एम सी आई निरीक्षणों के लिए समन्वयक थे; उन्होंने अनेक आयुर्विज्ञान महाविद्यालयों तथा संस्थाओं में एम डी (शरीर रचना विज्ञान) आरंभ करने के लिए वास्तविक तथा अन्य अध्यापन सुविधाओं का आकलन किया; उन्होंने ब्रेन रिसर्च, न्यूरोसाईस लेटर्स, इंटरनेशनल जरनल आफ साईंसेस एंड लाईफ साईंस में प्रकाशन हेतु पांडुलिपियों तथा आई सी एम आर, डी बी टी, डी एस टी, सी एस आई आर के लिए न्यूरोसाईंस अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा की; वे विंडो ए सी समिति के अध्यक्ष थे; अनुसंधान समिति तथा एनीमल एथीक्स समिति, एम्स के सदस्य थे; वे डी बी टी के चिरकालिक रोग जैवविज्ञान (न्यूरोसाईंस, बायोमार्कर तथा न्यूरो इंजीनियरिंग) कृत्तिक बल के सदस्य थे तथा उन्होंने दिल्ली (मई, अगस्त, 2010) तथा बंगलौर (दिसम्बर, 2010) में उनकी बैठकों में भाग लिया; वे दिसम्बर 2010 में ग्वालियर में "ग्लियल सेल्स इन हेल्थ एंड डिसीज़ष, संबंधी एफ ए ओ एन एस सैटालाईट संगोष्ठी में सम्मानित अतिथि थे।

आचार्य टी. एस. राय सम्पादकीय बोर्ड, पैन्क्रियाज के सदस्य बने रहे; उन्होंने 10 अप्रैल, 2010 को गैस्ट्रोएंट्रालॉजी विभाग, एम्स द्वारा आयोजित संगोष्ठी पैंक्रियाज, 2010 में "एक्यूट पैंक्रियाटिटीज : दि अर्ली इवेंटस" संबंधी सत्र की अध्यक्षता की; उन्होंने क्लिनीकल एनाटमी, पैंक्रियाज, नेशनल मेडिकल जरनल आफ इंडिया, ब्रेन रिसर्च एंड न्यूरोसाईंस लेटर के लिए पांडुलिपियों की समीक्षा की; वे भारत में चिकित्सा महाविद्यालयों के मूल्यांकन हेतु भारतीय चिकित्सा परिषद विशेषज्ञ समिति के समन्वयक तथा सदस्य थे; उन्होंने विभिन्न अनुसंधान संगठनों के लिए तंत्रिका विज्ञान संबधी परियोजनाओं की समीक्षा की।

डॉ. पुष्पा धर सदस्य एम बी बी एस, चरण-1 के लिए अध्यापन अनुसूची समिति के रूप में जारी रहे; उन्होंने विषाक्तता विज्ञान प्रक्रमों तथा विधियों को प्रस्तुत वैज्ञानिक शोधपत्रों की समीक्षा की; उन्हें एल एच एम सी (दिल्ली विश्वविद्यालय) में शरीर रचना विभाग में संकाय चयन हेतु बाह्य विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया; उन्होंने कालेज आफ मेडिसन, मानव एवं नैदानिक शरीर रचना विभाग, (सुल्तान काबुस विश्वविद्यालय, मस्कट, ओमान) में अतिथि परामर्शदाता के रूप में कार्यकाल पूरा किया।

डॉ. एस. बी. राय नियमित तथा पूरक दोनों प्रकार के फर्स्ट प्रोफसर एम बी बी एस परीक्षाओं के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए शरीर रचना विज्ञान में बाह्य परीक्षक थे; उन्होंने दिसम्बर, 2010 में पुणे में एनेटमीकल सोसायटी आफ इंडिया के 58वें वार्षिक सम्मेलन में तथा दिसम्बर, 2010 में हैदराबाद में इंडियन फार्माकोलोजिकल सोसायटी के 43वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया तथा शोध पत्र प्रस्तुत किए।

डॉ. रीमा दादा मेडिकल रिसर्च काउंसिल फेलोशिप, एडिनबर्ग के लिए जूरी सदस्या थी तथा वे रिप्राडक्टि बायोमेडिसन तथा स्टेम सेल, इरान में रोयन इंटरनेशनल रिसर्च अवार्ड के लिए भी जूरी सदस्या थी; उन्हें अमेरिकन सोसायटी आफ एंड्रोलॉजी तथा ए आर वी ओ की सदस्या के रूप में नामित किया गया; वे पुरूष बांझपन संबंधी आई सी एम आर कृतिक बल की सदस्या थीं, उन्होंने आनुवंशिकी में तीन एम डी तथा 2 पी एच डी थीसिस का मूल्यांकन किया, वे नवम्बर, 2010 में जी एन डी यू में उन्नत आनुवंशिकी पाठ्यक्रम के लिए बाह्य परीक्षक थीं, वे एम्स दीक्षांत समारोह की कोर समिति, एम्स संस्थान दिवस प्रदर्शनी तथा सांस्कृतिक संध्या एवं एंटीरैगिंग समिति की सदस्या थीं; वे रिंकम्बीनेंट डी एन ए अनुसंधान संबंधी संस्थान जैव सुरक्षा समिति की सदस्या थी; वे स्वायत्त संस्थाओं में अनुसंधान क्रियाकलापों के मानक सुधार की देखरेख करने के लिए संस्थान समिति की सदस्या थीं; उन्होंने जरनल आफ रिप्राडक्शन एंड कांट्रासेप्शन, इंडियन जरनल आफ मेडिकल रिसर्च, एंड्रोलोजिया, फर्टिलिटी एंड स्टर्लिटी, मिटोकोन्डूयन, बी एम जे केस रिपोर्ट, एंड्रालोजिया, जे आफ पेडियाट्रिक न्यूरोलॉजी तथा जे आफ पेडियाट्रिक बायोकैमिल्ट्री, इंडियन जरनल आफ यूरोलोजी जेनेटिक्स एंड मालीक्यूलर रिसर्च, करेंट पेडियाट्रिक रिसर्च, स्त्रीरोग विज्ञान तथा प्रसूति विज्ञान में मानव प्रजनन विशेषज्ञ समीक्षाओं, एशियन जे आफ एंड्रोलॉजी, इंडियन जे आफ यूरोलॉजी, इंडियन जे आफ बायोकैमिस्ट्री एंड बायोफिजिक्स, ब्रेस्ट कैंसर रिसर्च एंड ट्रीटमेंट को प्रस्तुत लेखों की समीक्षा की; उन्होंने डी बी टी, आई सी एम आर, इंडो यू एस टेक्नॉलाजी मंच तथा वेलकम न्यास को प्रस्तुत परियोजनाओं की समीक्षा की; वे सम्पादकीय बोर्ड, जे आफ पेडियाट्रिक न्यूरोलॉजी तथा जे आफ पेडियाट्रिक बायो कैमिस्ट्री, दि ओपन एंड्रालाजी जरनल तथा इंटरनेशनल जे आफ मेडिसन की सदस्या थीं; उन्होंने एन आई एच एफ डब्ल्यू सी एम ई में सी एम ई में तथा दयानंद कालेज लुधियाना में एंड्रोकॉन 2011 में फरवरी, 2011 में एक सत्र की अध्यक्षता की; वे पुरूप प्रजननात्मक स्वास्थ्य संधी जीवनशैली तथा आनुवंशिकी कारकों की भूमिका के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए स्टॉर प्लस तथा इंडिया टी वी के लिए शो में आईं।

डॉ. अरूंधती शर्मा भारत के विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों में आरंभ किए जाने वाले चिकित्सा आनुवंशिकी में डी एम पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यचर्या का निरूपण करने वाली कोर समिति की सदस्या थी; वे भारत में स्नातकोत्तर स्तर पर आनुवंशिकी के लिए पाठ्यक्रम का अभिकल्पन करने में शामिल सदस्या थी; उन्होंने विभिन्न जरनलों के लिए पांडुलिपियों की समीक्षा की। दो पी एच डी तथा तीन एम डी थीसिस का मूल्यांकन किया; डी बी टी, सी एस आई आर इत्यादि जैसे निधियन अभिकरणों को प्रस्तुत परियोजनाओं की समीक्षा की; वे आनुवंशिकी में संकाय की नियुक्ति हेतु विशेषज्ञ थी; वे मानव आण्विक आनुवंशिकी विभाग, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में मानव आनुवंशिकी के लिए अतिथि संकाय थीं, उन्होंने एस जी पी पी आई एम एस, लखनऊ में 12-13 फरवरी को स्केल्टल डिस्प्लासिया संबंधी प्रथम भारत अमरीकी संगोष्ठी में भाग लिया।

डॉ. रेणु ढींगरा इंटरनेशनल सोसायटी आफ प्लास्टीनेशन के सम्पादकीय बोर्ड की सदस्या थी; वे इंटरनेशनल सोसायटी आफ प्लास्टीनेशन की सदस्या थीं; डी ए एस एम ओ एस की कार्यकारी सदस्या थी; वे एम्स की अध्यापन अनुसूची समिति, विद्यार्थी आचरण के लिए नियमावली हेतु समिति की सदस्या थी; उन्होंने इंटरनेशनल जरनल आफ प्लास्टीनेशन को प्रस्तुत अनुसंधान पत्रों तथा आई सी एम आर को प्रस्तुत अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा की; उन्होंने एक एम डी थीसिस का मूल्यांकन किया।

डॉ. टी. सी. नाग अनेक पी एच डी तथा एम डी विद्यार्थियों के लिए पर्यवेक्षक तथा सह-पर्यवेक्षक थे; वे मधुमेह, मोटापे तथा चयापचय के लिए समीक्षाकर्ता थे।

9.3 जैव रसायन

आचार्य एवं अध्यक्ष

नीता सिंह

आचार्य

सुब्रता सिन्हा (प्रतिनियुक्ति पर)	डी. एन. राव	निभृति दास
	एस. एस. चौहान	एम. आर. राजेश्वरी

अपर आचार्य

पी. पी. चट्‌टोपाध्याय	कल्पना लूथरा	अल्पना शर्मा
	कुंजंग चोसडॉल	

सहायक आचार्य

एन. सी. चन्द्रा (तदर्थ)

शिक्षा

स्नातक-पूर्व

विभाग ने अपना स्नातकपूर्व शिक्षक कार्यक्रम जारी रखा, जिसमें एमबीबीएस (दो सेमिस्टर), नर्सिंग (एक सेमिस्टर) और बी. एससी (ऑनर्स) नर्सिंग (एक सेमिस्टर) शामिल हैं। जैव रसायन के पूर्व स्नातक अध्यापन एवं अधिगम में नवाचार समस्याधारित अधिगम तथा अध्यापन एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण के घंटों के दौरान प्रश्नोत्तर सत्रों पर आधारित है। जैव रसायन संकल्पनाओं के स्व निदेशित तथा संदर्भगत अधिगम को सुकर बनाने के लिए लघु समूह चर्चाओं के लिए नए समस्याधारित माडयूल शामिल किए गए हैं। पूर्व स्नातक विद्यार्थी अब चयनित आधारिक प्रतिरक्षा विज्ञानी तथा आण्विक जीवविज्ञान तकनीकों को यथा सीरम इलेक्ट्रोफोरेसिस, डी. एन. ए. पृथक्करण तथा अगरोस जेल इलेक्ट्रोफेरेसिस का निष्पादन बेंच स्तर पर करते हैं।

स्नातकोत्तर

इसमें दस एमएससी के तथा ग्यारह एमडी विद्यार्थी शामिल हैं। इस विभाग में 35 पीएचडी के विद्यार्थी भी हैं।

अल्पकालीन प्रशिक्षण

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की ओर से एमबीबीएस के विद्यार्थियों को अनुसंधान में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण दिया गया। एमबीबीएस (प्रथम वर्ष) के बारह विद्यार्थियों ने ग्रीष्म अनुसंधान परियोजनाएं निष्पादित कीं। सात विद्यार्थियों को डीएसटी की किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (केवीपीवाई) के तहत अध्येतावृत्ति प्रदान की गई है। संपूर्ण भारत से दस स्नातकोत्तर/ पूर्व स्नातक विद्यार्थियों को अल्पावधि प्रशिक्षण दिया गया। इस विभाग ने बीपीकेआईएचएस, धरण, नेपाल से दो एमएससी विद्यार्थियों को अल्पावधि प्रशिक्षण (एक माह) भी प्रदान किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 29

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. डीएनए ट्रीन्यूक्लीओटाइड रिपीट के साथ जुड़ी तंत्रिका विज्ञान विकृतियां-फ्रेड्रिक के एटाक्सिया एंड स्पाइनिओसेरेबलर एक्टाक्सीया (एफ आर डी ए) : नैदानिक जांच के लिए प्रोटीन निर्माणकर्ता तथा संचरणीय डीएनए का पता लगाना तथा उसका विकास करना। एम आर राजेश्वरी, आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित (2007-2010) निधियां : 22-24 लाख रुपए।

2. वी 3 प्रतिजनों को अभिप्रेरित करने वाले एच आई वी-1 उप किस्म की एन्वेलपों के आनुवंशिकी लक्षण। कल्पना लूथरा। एम्स द्वारा वित्तपोषित (2008-2010) निधियां : 2 लाख रुपए।

3. ऐन इन विट्रो मॉडल स्टडी आफ हाइपरलिपोप्रोटाइनीमिया आन दि डिग्री आफ एलडीएल रिसेप्टर एक्सप्रेशन इन प्लेसेंटल ट्रोफोब्लास्ट सेल्स : कोरिलेशन विद ओरल स्टीरोयड कंट्रासेप्टिव इंडयूस्ड हाइपर लिपोप्रोटाइनीमिया। एन. सी. चन्द्रा। आई सी एम आर द्वारा (2006-2010) वित्तपोषित। निधि 18 लाख रुपए।

4. एसआरईबीपी - मीडियेटेड रेगुलेशन आफ लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन रिसेप्टर (एलडीएलआर) लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन रिसेप्टर रिलेटेड प्रोटीन (एलआरपी) एंड रिसेप्टर - एसोसिएटेड प्रोटीन (आरएपी) का अध्ययन। एन सी चन्द्रा। डीएसटी द्वारा (2006-2010) के लिए वित्तपोषित। निधि 23.29 लाख रुपए।

5. इंसुलिन, थाइरॉक्सिन और बेंजो (अल्फा) पाइरिन की उपस्थिति में एलडीएल ग्राही (एलडीएलआर) और ट्यूमर संदमक प्रोटीन (पी 53, पीआरबी) के बीच अभिव्यक्ति और/या अनुलेखन पर तुलनात्मक अध्ययन। एन सी चंद्रा। एम्स द्वारा(2008-2010) के लिए वित्तपोषित। निधि 2 लाख रुपए।

जारी

1. सर्वाइकल कैंसर के चूहा मॉडल में अलग अलग एडजुवेंट उपयोग करते हुए एचपीवी 16 से उत्पादित टी कोशिका प्रबल सिंथेटिक पेप्टाइड की इम्युन प्रतिक्रिया का अध्ययन करना। नीता सिंह। डीबीटी द्वारा 3 वर्ष (2008-2011) के लिए वित्तपोषित। निधि : 25.27 लाख रुपए।

2. मानव स्वास्थ्य पर गैर-आयोनाइजिंग इलेक्ट्रो मैग्ननेटिक क्षेत्रों (ई एम एफ) का प्रभाव। नीता सिंह। आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित (2010-2015) निधियां : 91.73 लाख रुपए।

3. एच पी वी 18 चिमेरिक टीका प्रत्याशी का विकास। नीता सिंह। डी बी टी द्वारा वित्तपोषित (2011-2013)। निधियां 23.85 लाख रुपए।

4. मानव स्वास्थ्य पर गैर- आयोनाईजिंग इलेक्ट्रोमेग्नेटिक क्षेत्र (ई एम एफ) का प्रभाव। डी एन राव। आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित (2010-2015) निधियां 91.54 लाख रुपए।

5. मल्टीपल एंटीजन पेप्टाइड मार्ग (एमएपी) जिसमें प्लेग टीके के नेनो कणों में एफ 1 और वाई पेस्टिस के वी एंटीजन के बी टी कंस्ट्रक्ट निहित हैं। डी एन राव। डी बी टी द्वारा (2008-2012) के लिए वित्तपोषित। निधि 60 लाख रुपए।

6. दैनिक बनाम साप्ताहिक लौह अनुपूरण ले रही गर्भवती महिलाओं में आक्सीडेटिव तनाव का अनुमानन। डी एन राव। आई सी एम आर द्वारा वित्त पोषित (2011-2013)। निधियां 27 लाख रुपए।

7. पश्च ट्रॉमाटिक आघात वाले रोगियों में सुधार के साथ प्रतिरक्षी नैदानिक तथा साइटोकिन जीन पोलीमार्फिज्म सह संबंध की भूमिका। डी एन राव। आई सी एम आर द्वारा वित्त पोषित (2010-2013) निधियां 43 लाख रुपए।

8. चिकनगुनिया वायरस संक्रमण के लिए आई जी एम आधारित निदान का विकास। डी एन राव। सी एस आई आर द्वारा वित्तपोषित (2010-2012) निधियां : 12 लाख रुपए।

9. प्लेग के लिए टीका प्रत्याशी के रूप में वाई एस सी एफ प्रोटीन। डी एन राव। आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित (2010-2012) निधियां : 13 लाख रुपए।

10. पुरूषों में एपिडिडिमल स्पर्मेटोजोआ की मार्फोलाजी, कार्यात्मक तथा क्रोमेटिन स्तर पर एपिडिडिमिस के दीर्घावधिक अवरोध के प्रभाव मूल्यांकन के लिए अध्ययन। डी एन राव। आई सी एम आर द्वारा (2008-2011) के लिए वित्तपोषित। निधि 18 लाख रुपए।

11. पुरूष गर्भ निरोधक आरआईएसयूजी के इन्ट्रानेसल इंजेक्टेबल चिकित्सीय परीक्षण का तीसरा चरण। डी एन राव। आई सी एम आर द्वारा (2008-2012) के लिए वित्तपोषित। निधि 9.11 लाख रुपए।

12. उत्कट मलेरिया के प्रति पाथेफिजियालाजी तथा संवेदनीयता के संबंध में कम्पलीमेंट रिसेप्टर टी एन एफ, नाईट्रिक आक्साईड तथा संबंधित जीन पोलीमाफिज्म। निभृति दास। आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित (2009-2012) निधियां : 29.95 लाख रुपए।

13. ट्यूमर सैल लाइन्स में मानव डाइपेप्टाइडिल पेप्टिडेज-III की अभिव्यक्ति के विनियमन के लिए प्रक्रिया। एस एस चौहान। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान, भारत सरकार द्वारा 3 वर्ष (2008-2011) के लिए वित्तपोषित। निधि 50.86 लाख रुपए।

14. सिर तथा ग्रीवा कैंसर चिन्हांककों को नैदानिक परखों में अनुलेखित करना। एस एस चौहान। डी बी टी (इंडो कनाडा) द्वारा वित्तपोषित (2010-2013) निधियां : 78.51 लाख रुपए।

15. जीन विनियमन की जीन रोधी कार्यनीति : डी एन ए ट्राइप्लेक्सिस का निर्माण तथा स्थिरता तथा कोशिका रेखाओं में एच एम जी ए आई अभिव्यक्ति पर उनका कैंसररोधी क्रियाकलाप। एम आर राजेश्वरी। डी एस टी द्वारा वित्तपोषित (2010-2013)। निधियां : 53 लाख रुपए।

16. चूहा मॉडल प्रणाली का प्रयोग करते हुए हेपाटोमा में एक ग्राही टाइरोसिन किनेस सी मेट की अभिव्यक्ति पर डी एन ए बाईडिंग लिगेंड के प्रभाव संबंधी अध्ययन। एम आर राजेश्वरी। डी एस टी द्वारा वित्तपोषित (2010-2013)। निधियां : 37.60 लाख रुपए।

17. प्लाज्मा में परिवर्ती रूप से अभिव्यक्त प्रोटीन की परिचालनकारी कोशिका मुक्त एम आर एम ए प्रजातियों का लक्षणीकरण तथा फ्रेड्रिक के अटाजिया के आण्विक पैथोजेनेसिस के साथ उसे सह संबंधित करना। एम आर राजेश्वरी। आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित (2010-2013)। निधियां : 28.80 लाख रुपए।

18. एसीनेटोवैक्टर बाऊमनी के कार्बापेनेमरोधी स्ट्रेनों में बी लेक्टामेज की प्रवृतता की पहचान तथा लक्षणीकरण। एम आर राजेश्वरी। आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित (2010-2013)। निधियां : 27.14 लाख रुपए।

19. संक्रामक एवं गंभीर बीमारियों की थेरेपी : लक्षित जीन संचरण एवं दीर्घकालिक विशेष माड्यूलेशन के लिए जीन अभिव्यक्ति। पी. चट्टोपाध्याय। डी बी टी द्वारा वित्तपोषित (2006-2011)। निधियां 54.38 लाख रुपए।

20. ग्लियल टयूमरों तथा कोशिका रेखाओं की स्टेमनेस में हाइपोक्सिया तथा पी 54- एच आई सी। एक्सिस। पी. चट्टोपाध्याय। डी बी टी द्वारा वित्तपोषित (2009-2012)। निधियां 51.50 लाख रुपए।

21. प्रोमोटर मीडिएटिड टयूमर सेल टार्गेटिंग बाई एस आई आर एन ए मीडिएटिड जीन साइलेंसिंग। पी. चट्टोपाध्याय। डी बी टी द्वारा वित्तपोषित (2011-2013)। निधियां 38.74 लाख रुपए।

22. भारतीय व्यक्तियों में एच आई वी-1 उप किस्मों का लक्षणीकरण, आर ओ आई परियोजना का एक नेस्टिड भाग। कल्पना लूथरा। एन आई एच, यू एस ए द्वरा वित्त पोषित। एच आई वी वी 3 मिमेटिक इम्यूनोजेन्स का अभिकल्प तथा प्रयोग (2005-2010) निधियां : 39 लाख रुपए।

23. एच आई वी-1 के एन्वेलेप ग्लाइकोप्रोटीन (क्लेड सी) के प्रति स्थल चयनित मानव मोनोक्लोनल प्रतिजनों का उत्पादन तथा लक्षणीकरण। कल्पना लूथरा। डी बी टी द्वारा वित्तपोषित (2009-2012)। निधियां 55 लाख रुपए।

24. स्वाभाविक संक्रमण में एच आई वी का लक्षणीकरण : इम्यूनोफोकसिंग वैक्सीन डेवलपमेंट। कल्पना लूथरा। आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित (2010-2012) निधिया : 27 लाख रुपए।

25. एच आई वी-1 संक्रमित बाल रोग के रोगियों क प्रोवायरल डी एन ए से एच आई वी-1 वायरस के प्रतिवर्ती ट्रांसक्रिप्टेस तथा प्रोटीज जीनों में औषध चयनित म्यूटेशन - एक प्रायोगिक अध्ययन। कल्पना लूथरा। एम्स द्वारा वित्तपोषित (2010-2011) निधियां : 1 लाख रुपए।

26. पार्थेनियम अभिप्रेरित संपर्क त्वचा रोग के रोगियों में टी कोशिकाओं में टेलीमीरेस क्रियाकलाप तथा टेलोमीर लम्बाई तथा रोग की गंभीरता के साथ इसका सह संबंध। अल्पना शर्मा। डी बी टी द्वारा वित्तपोषित (2008-2011) निधियां : 31 लाख रुपए।

27. मल्टीपल माइलोमा में एंजियोजेनिक कारकों तथा साइक्लूजाइजिनेस की भूमिका। अल्पना शर्मा। आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित (2009-2012) निधियां : 22 लाख रुपए।

28. ऑटोइम्यून त्वचा विकारों : पेम्फिग्स वल्गेरीस के पैथोजेनेसिस में ए ए टी कोशिकाओं तथा इसके स्केवेंजर ग्राही (एस सी ए आर टी) का अध्ययन। अल्पना शर्मा, डी बी टी द्वारा वित्तपोषित (2011-2014) निधियां : 42.56 लाख रुपए।

29. उपचार-1 तथा उपचार-2 किस्म के साइटोकिन जीन पोलीमार्फिज्म का अध्ययन तथा पार्थेनियम अभिप्रेरित संपर्क त्वचा रोग के साथ उनका संबंध। अल्पना शर्मा। आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित (2010-2013) निधियां : 21.13 लाख रुपए।

30. मल्टीपल माइलोमा में एक्स्ट्रासेल्युलर मैट्रिक्स प्रोटीनों का अध्ययन। अल्पना शर्मा। एम्स द्वारा वित्तपोषित (2009-2011) निधियां : 2 लाख रुपए।

31. मानव ग्लियल ट्यूमेरीजेनिसिस में ड्रोसोफिला ट्यूमर सप्रेसर जीन होमोलॉग, एफएटी की भूमिका का एक पात्रे अध्ययन। कुनजांग चोसडोल। डीआरडीओ द्वारा (2008-2011) के लिए वित्तपोषित। निधि : 46.41 लाख रुपए।

32. टू एनालाईज़ दि लिंक बिटवीन कैंसर एंड इन्फलेमेशन बाई स्टडिंग दि इंटरएक्शन बिटवीन फैट 1 एंड साइक्लूजाइजिनेस 2 (सी ओ एक्स 2) एट दि लेवल आफ सिग्नल ट्रांसडक्शन, सेल ग्रोथ प्रापर्टिज एंड एक्सप्रेशन आफ इन्फलेमेटरी माडयूलेटर्स। कुनजांग चोसडोला। डी एस टी द्वारा वित्तपोषित (2011-2014) निधियां : 20.24 लाख रुपए।

33. ग्लियोब्लास्टोमा में हाईपॉक्सिया तथा नॉच सिग्नलिंग : प्रतिकूल फीनोटाइप के लिए निहितार्थ। कुजांग चोसडोल। डी बी टी द्वारा वित्तपोषित (2011-2014)। निधियां : 47.81 लाख रुपए।

34. भारतीय जन समुदाय में फोलेट मेटाबोलाईजिंग एन्जाइमों के आनुवंशिकी पोलीमार्फिज्म (एस एन पी) एवं मेनिनजियोमा तथा ग्लियोमा के साथ उनके संबंध का एक मामला नियंत्रण अध्ययन। कुनजांग चोसडोल। एम्स द्वारा वित्तपोषित (2009-2011) निधियां : 2 लाख रुपए।

35. प्रमुख सेल्युलर विनियामक एवं अनुकूलनकारी पाथवेज के संदर्भ में हाइपाक्सिया के प्रति अल्पावधि तथा दीर्घावधिक उदभासन के तहत ग्लियोब्लास्टोमा कोशिका लाईनों में जीन अभिव्यक्ति की तुलना। कुनजांग चोसडोल। आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित (2009-2012) निधियां : 25 लाख रुपए।

36. ऐन इन विट्रो सायलेंसिंग आफ एन्डोजेनस आक्सीडाइज्ड - एलडीएल रिसेप्टर (एलओएक्स) जीन बाई एसआईआरएनए : एनएफ केबी एक्टिवेटेड एक्सप्रेशन आफ प्रोइनफ्लेमेटरी साइटोकाइन्स एवं संबंधित एथेरोजेनिक प्रोटीन्स का अध्ययन - एंटी इन्फ्लेमेटरी साइटोकीन्स मीडियेटेड रेस्पांसेज के साथ इसका मूल्यांकन। एन सी चन्द्रा। डीबीटी द्वारा (2007-2010) के लिए वित्तपोषित। निधि 33.75 लाख रुपए।

37. अंतर कोशिका कोलेस्ट्रॉल होम्योस्टेसिस तथा कोशिका प्रोलिफिरेशन। एन सी चन्द्रा। परमाणु ऊर्जा विभाग नाभिकीय विज्ञान अनुसंधान बोर्ड द्वारा वित्तपोषित, (2009-2012)। निधियां : 15 लाख रुपए।

38. नाभिकीय कोलेस्ट्रॉल तथा सामान्य तथा टयूमर कोशिका रेखाओं में कोशिका चक्र प्रोटीनों की अभिव्यक्ति संबंधी अध्ययन। एन सी चन्द्रा। आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित (2010-2013) निधियां : 30.48 लाख रुपए।

39. कैंसर सर्विक्स के प्रबंधन में करक्यूमिन का मूल्यांकन। डॉ. नीता सिंह (सह-प्रधान अन्वेषक) डीबीटी द्वारा (2007-2011) के लिए वित्तपोषित। निधि : 59 लाख रुपए।

40. एशियाई भारतीय नागरिकों में सामान्य और क्षेत्रीय मोटापे, इंसुलिन प्रतिरोधकता और डायबिटीज़ में आनुवांशिक आधार और जीन जीवनशैली अंतःक्रियाओं की छानबीन। डॉ. कल्पना लूथरा (सह-प्रधान अन्वेषक) डीबीटी द्वारा (2006-2010) के लिए वित्तपोषित। निधि : 46.79 लाख रुपए।

41. स्थायी रूप से विटीलिगो वलगारिस और सेगमेंटल विटीलिगो से पीड़ित रोगियों में बेसल कोशिका पर्त समृद्ध एपिडर्मल निलंबन के रोगियों में प्रतिरोपण की दक्षता की तुलना करना। डॉ. अल्पना शर्मा (सह-प्रधान अन्वेषक) आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित (2010-2013) । निधि : 18 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. एचपीवी - 16 प्रत्याशी टीका प्रोटोटाइप का विकास।

2. टाइप 1 डायबिटीज़ मेलिटस के रोगियों में इंसुलिन, इंसुलिन ग्राही और एलडीएल ग्राही के अंतः संबंध के मूल्यांकन हेतु एक प्रायोगिक अध्ययन।

3. संवर्धित कोशिकाओं में एलडीएल और ऑक्सीकृत एलडीएल ग्राहियों के विनियमन में लेप्टिन की भूमिका।

जारी

1. सर्विकल कार्सीनोजेनेसिस की प्रगति में एक कार्बन मेटाबालिज्म की भूमि का अंर्तदृष्टि।

2. एपीथीलियल अंडाशय कैंसर में मिटोकोंड्रिया की भूमिका - एक एनविवो तथा इन विट्रो अध्ययन।

3. एपीथीलियल अंडाशय कैंसर में उपचार के परिणाम के साथ आण्विक चिन्हांककों का विश्लेषण तथा सह-संबंध।

4. प्राथमिक एपिथिलियल अंडाशय कैंसर के इलाज के लिए एपॉप्टॉटिक मार्गों को लक्ष्य बनाना।

5. एच पी वी 18 प्रत्याशी टीका प्रोटोटाइप का विकास।

6. सर्विकल कैंसर कोशिकाओं में मोरिंडा सिटरीफोलिया के कार्य के आण्विक प्रक्रम में अंतदृष्टि।

7. एंडोथीलियल नाइट्रिक आक्साईड सिंथेज जीन पोलीमार्फिज्म एवं रूमेटायड आर्थिरिटीज़।

8. रूमेटायड आर्थिरिटीज़ के संबंध में रक्त कोशिकाओं में काम्पलीमेंट ग्राही 1 तथा 2 (सी आर 1 तथा सी आर 2) के स्तर।

9. उत्तरी भारतीय लोगों में ए पी ओ - ए 4 जीन पोलीमार्फिज्म (टी एच आर 347 एस ई आर तथा जी एल एन 360 एच आई एस) तथा कोरोनरी धमनी रोग के बीच संबंध।

10. रियूमेटाइड अर्थराइटिस के संबंध में ल्यूकोसाइट कॉम्प्लीमेंट रिसेप्टर 1 और सीडी 59 (प्रोटेक्टीन) की अभिव्यक्ति और मॉडयूलेशन।

11. इंटरएक्शन आफ माइको बैक्टीरियम टयूबर कुलोसिस सीक्रेटरी एंटीजन ई एस ए टी-6 एंड सी ई पी -10 विद कम्पलीमेंट रिसेप्टर्स, कैल्शियम सिग्नलिंग एंड एंटी माइक्रोबियल फंक्शन्स आफ मैक्रोफेजीज़

12. रूमेटायड आर्थिरिटीज़ के पैथोफिजियालाजी एवं नैदानिक रोग क्रियाकलाप के संबंध में कम्पलीमेंट रेग्युलेटरी प्रोटीन डी ए एफ (सी डी 55) तथा एम सी पी (सी डी 46) की अभिव्यक्ति तथा माडयूलेशन

13. मूत्राशय के कैंसर में ई एम पी आर आई एन, सी डी 147 तथा बी आई जी एच 3 का अध्ययन।

14. पार्थेनियम अभिप्रेरित संपर्क त्वचा रोग में उपचार 1 तथा उपचार 2 साइटोकिन जीन पोलीमार्फिज्म।

15. पेम्फिगस वल्गेरीज में टी एच 17 तथा टी रेग कोशिकाओं के साइटोकिन्स, ट्रांस्क्रिप्शन कारकों केमोकिन ग्राहियों तथा उनके लिगेंड का अध्ययन।

16. मल्टीपल माइलेमा कोशिकाओं में प्रोलीफिरेशन तथा वी ई जी एफ अभिव्यक्ति पर परिवर्तन अभिप्रेरण कारक 1 का प्रभाव।

17. ब्लैडर के ट्रांजिशनल कोशिका कार्सीनोमा के रोगियों में टी एच 17 कोशिकाओं के ट्रांस्क्रिप्शन कारक तथा साइटोकिन्स की अभिव्यक्ति।

18. मानव मोटापे में लेप्टिन और संबद्ध प्लाज्मा जोखिम कारक।

19. प्रो तथा एंटीइंफ्लेमेटरी साइटोकाइन्स पर आक्सीकृत एलडीएल ग्राही का माडयूलेशन और इसका प्रभाव।

20. सामान्य प्रोस्टेट, मृदु प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया तथा कार्सीनोमा प्रोस्टेट के मामलों में सेल साइकल प्रोटीन (साइक्लिन ई तथा सी डी के 2) की अभिव्यक्ति तथा कोलेस्ट्रोल होम्योस्टेसिस : एक प्रायोगिक अध्ययन।

21. सामान्य तथा गंभीर लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया के रोगियों के लिम्फोसाइट में कोलेस्ट्रोल होम्योस्टेसिस की अंतदृष्टियां : एक मामला नियंत्रण प्रायोगिक अध्ययन।

22. चूहा मॉडल में इम्यूनोजेन, मिटोजेन तथा रसायन कार्सीजेन का प्रयोग करते हुए टी कोशिकाओं द्वारा इंट्रासेल्युलर कोलेस्ट्रोल तथा इम्यूनोजेनिक अनुक्रिया के पुनर्निवेशन विनियमन का अध्ययन।

23. इम्यूनोजेन, मिटोजेन तथा रसायन कार्सीजेन द्वारा चूहा मॉडल में बी कोशिका प्रचुरोभवन पर कोलेस्ट्रॉल होम्योस्टेसिस तथा इम्यूनोजेनिक अनुक्रियाएं।

24. इंट्रा सेल्युलर कोलेस्ट्रोल होम्योस्टेसिस तथा सेल साईकिल प्रोटीनों संबंधी अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. फ्लेवायरल एनवेलप प्रोटीनों के लिए संरचना आधारित युक्ति संगत औषधि डिजाइन और अभिकलनात्मक अध्ययन (जैव सूचना विज्ञान सदन, जेएनयू के साथ)।

2. म्यूराइन त्वचा ट्यूमर संबंधी एमआरआई अध्ययन (एनएमआर विभाग,एम्स)।

3. म्यूराइन त्वचा ट्यूमर संबंधी हिस्टोपैथोलाजिकल जांच (हिस्टोपैथोलाजी विभाग, एम्स)।

जारी

1. स्तन कैंसर के रोगियों के सीरम में परिचालनकारी टयूमर डी एन ए का मूल्यांकन (आई आर सी एच, एम्स)।

2. तंत्रिका विज्ञानी विकारों फ्रेड्रिक अटाक्सिया तथा स्पिनियो सेरेवेलर अटाक्सिया 2, 3, 12 के नैदानिक प्रोटियोमिक्स, सी ए एन तथा अन्य जैव रसायनी प्राचल (तंत्रिका विज्ञान विभाग)

3. क्रिप्टोस्पोरिडिम के पोषी पर जीवी अंतःक्रियात्मक प्रोटीनों का प्रोटियोमिक विश्लेषण (माइक्रोबायोलॉजी विभाग)।

4. उत्तर भारत से साल्मोनेला एंटेरिका सिरोटाइप टाइफी विभेदों का लक्षणीकरण (माइक्रोबायोलॉजी विभाग)।

5. ऐसीनोबैक्टर बौमानी के झिल्ली प्रोटीनों की अंतःक्रिया और इसके विभिन्न एंटीबायोटिक के साथ प्रतिरोधी विभेद पर जैव भौतिक अध्ययन (माइक्रोबायोलॉजी विभाग)।

6. एमए 10 कोशिकाओं पर कोबाल्ट क्लोराइट अभिप्रेरित हाइपॉक्सिया की भूमिका (प्रजनन जीव विज्ञान विभाग)।

7. एसिनोबैक्टर बौमानी के बाहरी झिल्ली प्रोटीनों, बीटा लेक्टामेस का पृथक्करण और विश्लेषण (माइक्रोबायोलॉजी विभाग)।

8. त्वचा ऑटोइम्युन विकार पेंफीगस वलगेरिस में टी सहायक साइटोकाइनों की भूमिका (त्वचा रोग और रतिज रोग विज्ञान विभाग, एम्स)।

9. विटिलगो के मेलानोसाइट ट्रांसप्लांट किए गए रोगियों में केट कोलामाईन्स का अध्ययन (त्वचा रोग तथा रतिज रोग विभाग)।

10. दंत निकासी तथा दंत रिफ्रेक्शन के दौरान जी सी एफ में इंटरल्यूकिन 1-अल्फा के स्तरों का तुलनात्मक मूल्यांकन (दंत शल्य चिकित्सा विभाग)।

11. ग्लियोमेजेनसिस का अध्ययन : सीएनएस विकास मार्ग का संभावित रूप में शामिल होना (पैथोलॉजी विभाग के साथ)।

12. इन विट्रो निषेचक उपचार के दौरान गर्भावस्था का अनुमान लगाने के लिए एंडोमेट्रियल और सब एंडोमेट्रियल रक्त प्रवाह का मूल्यांकन (स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान विभाग)।

13. इम्युनोहिस्टोकेमिकल एंड मॉलिक्यूलर स्टडीज आन डब्ल्यूएनटी/अल्फा केटेनिन सिग्नलिंग पाथवे इन सेबासियस सेल कार्सिनोमा आफ द आई लिड (डॉ. आर पी सेंटर, एम्स के साथ)।

प्रकाशन

जनरल/पत्रिका : 51

सार : 6

पुस्तकों में अध्याय : 3

रोगी उपचार

कैंसर मार्कर

पी एस ए	85 नमूने	सी ए 19.9	125 नमूने
सी ई ए	150 नमूने	ए एफ पी	15 नमूने

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य नीता सिंह को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की अध्येतावृत्ति 2010 प्रदान की गई; वे इंडियन एसोसिएशन फार कैंसर रिसर्च की कार्यकारी समिति की सदस्या तथा आई ए सी आर न्यूज़लेटर, इंडियन जरनल आफ क्लिनिकल बायोकैमिस्टरी के सम्पादकीय बोर्ड की सदस्या हैं।

वे इंडियन एसोसिएशन फार कैंसर रिसर्च की सचिव (दिल्ली चैप्टर) : इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट कैंसर (यू आई सी सी), अमेरिकन एसोसिएशन फार कैंसर रिसर्च (ए ए सी आर), इंडियन सोसायटी आफ सेल बायोलाजिस्ट, इंडियन वोमेन साईटिस्ट एसोसिएशन, इंडियन सोसायटी आफ लंग कैंसर एवं इंडियन सोसायटी फार फ्री रैडीकल रिसर्च इन इंडिया, आई ए सी आर, ए सी बी आई की सदस्या थीं; वे डी एस टी की लाइफ साईंसेस कमिटी आफ वुमैन साईरिस्ट स्कीम की विषय विशेषज्ञा/समिति सदस्य; बी बी दीक्षित लायब्रेरी कमेटी, एम्स की सदस्या थी; वे 17-21 अप्रैल, 2010 तक वाशिंगटन डी सी, संयुक्त राज्य अमरीका में आयोजित 101वीं ए ए सी आर बैठक में "ट्रीटमेंट विद सर्वाईविन एस आई आर एन ए ऑगमेंटस

साइटोटॉक्सीसिटी आफ पैसलीटैक्सल इन प्राईमरी ओवेरियन कैंसर सेल्स" शीर्षित शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए अमेरिकन एसोसिएशन फार कैंसर रिसर्च के प्रशिक्षण अवार्ड में कार आर पुरस्कृत अध्येता थी; वे 4 फरवरी, 2011 को नई दिल्ली में "मालीक्यूलर बायोलॉजी आफ कैंसर रिसेंट ट्रेंडस" संबंधी क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा आर जी सी ओ एन-2011 में एक सत्र के लिए अध्यक्षा थीं, उन्हें 13-17 फरवरी,2011 को बंगलौर में आयोजित प्रथम भारत-अमरीकी पहल "ट्रांसलेशनल, कैंसर प्रीवेंशन एंड बायोमार्कर वर्कशाप" संबंधी भारत अमरीकी कार्यशाला के लिए संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया; वे डी बी टी, डी एस टी, आई सी एम आर, सी एस आई आर, भारत अमरीकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंच, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश की परियोजना समीक्षा की सदस्या थीं; वे आण्विक एवं सेल्युलर जीव विज्ञान, इंटल जे गायनाकॉल, कैंसर, इंडियन जरनल आफ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री, थामसन रूटरर्स ड्रग्स प्रोफाइल्स, टॉक्सीकॉल एन्वायरमेंट, रसायन, नेशनल मेडिकल जरनल आफ इंडिया, जे बायोसाईसेस के लिए समीक्षाकर्ता थी; वे सदस्या एथीकल समिति, जे एन यू थी; दिल्ली विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय, डी एन बी, जीवाजी विश्वविद्यालय, पी जी आई, चंडीगढ़ के लिए वे बाह्य परीक्षक थीं।

आचार्य सुब्रत सिन्हा निम्न समितियों के सदस्य थे :- राजीव गांधी जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, तिरूवनंतपुरम की वैज्ञानिक परामर्शी समिति (एस ए सी); विकृति विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली की एस ए सी; आयुर्विज्ञान विद्यालय, हैदराबाद विश्वविद्यालय की एस ए सी; बोस संस्थान, कोलकाता की एस ए सी, जीव विज्ञान परियोजनाएं, भारतीय सांख्यिकी संस्थान के लिए समीक्षा समिति; वे अध्यक्ष, परियोजना समीक्षा समिति (पी आर सी), कैंसर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डी बी टी); सदस्य पी आर सी न्यूरोसाईसेस, जैव प्रौद्योगिकी विभाग; पी आर सी, कोशिका एवं आण्विक जीव विज्ञान, आई सी एम आर; पी आर सी कैंसर जीव विज्ञान विभाग (आई सी एम आर); विशेष तकनीकी समिति, आई सी एम आर; विशेष समिति, आण्विक चिकित्सा केंद्र, जे एन यू; विशेष समिति, जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, जे एन यू थे; वे सांस्थानिक जैव सुरक्षा समिति तथा एथीकल समिति, राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय कार्यकारी समिति; नेशनल मेडिकल जरनल आफ इंडिया, अनुसंधान समीक्षा समिति, पी जी आई, चंडीगढ़ के सदस्य थे।

आचार्य डी एन राव एफ आई एम एस ए के परिषद सदस्य; भारतीय प्रतिरक्षा विज्ञानी सोसायटी के महा सचिव; अनुप्रयुक्त जैव प्रौद्योगिकी सोसायटी द्वारा एस ए बी ग्रांड गोल्ड मेडल के प्राप्तकर्ता; एस ए सी सदस्य; विभिन्न एक्ट्राम्यूरल निधियन अभिकरणों के परियोजना समीक्षा सदस्य; विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में चयन समिति के सदस्य थे।

आचार्य निभृति दास कोषाध्यक्ष, इंडियन इम्यूनॉलाजी सोसायटी; अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के प्रोफेशनल सदस्य थे।

आचार्य श्याम एस चौहान निम्न सांस्थानिक समिति के सदस्य थे : अनुसंधान स्टाफ की केंद्रीय भर्ती समिति, वार्षिक रिपोर्ट सम्पादन समिति, एपेक्स कंडेमनेशन समिति, इंस्टीटयूट डे सेलीब्रेशन समिति, जैव प्रौद्योगिकी अध्यापन परामर्शी समिति।

डॉ. एम राजेश्वरी मानव संसाधन विकास मंत्रालय के एन एम ई आई सी टी की स्थायी समिति के विशेषज्ञ सदस्य थे, वे आई सी एम आर की परियोजना समीक्षा समिति (तंत्रिका रसायन) तथा सी एस आई आर - एन ई टी मूल्यांकन समिति (जीवन विज्ञान) तथा यूजी सी की अनेक समितियों के विशेषज्ञ सदस्य थे, वे "जरनल आफ इंटेग्रेटिड ओमिक्स" के एसोसिएट सम्पादक तथा इंटरनेशनल जरनल आफ पेडियाट्रिक बायोकेम के समीक्षा बोर्ड के सदस्य थे; उन्होंने अनेक अनुसंधान पत्रों की समीक्षा की जिनमें अंतर्राष्ट्रीय जरनल (जे मॉल स्ट्रक्चर, जे फिज कैम मालीक्यूलर बायोसिस्टम्स, एम चैम सोसायटी; डी एन ए तथा सेल बायोलाजी) तथा भारतीय जरनल (इंड जे बायोकैम, बायोफिज, इंड जे क्लिन बायोचेम) शामिल हैं; उन्होंने आई सी एम आर, डी एस टी को निधियन के लिए प्रस्तुत अनुसंधान प्रस्तावों की समीक्षा की; वे दिल्ली विश्वविद्यालय तथा जे एन यू नई दिल्ली में पी एच डी तथा एम टेक थीसिस के बाह्य परीक्षक थे।

डॉ. कल्पना लूथरा निम्न समितियों की सदस्या थी : संस्थान दिवस, 2010 की सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति, स्टोर्स निगोसिएशन समिति, एम्स, उप एथिक्स समिति, एम्स, अकादमिक एडवाईजरी पेनल फार वर्चुअल टीचिंग एट एम्स, न्यूरोसाईंस तथा मास्तिष्क अनुसंधान में डी बी टी परियोजनाओं के लिए बाह्य समीक्षाकर्ता कंडेमनेशन समिति।

डॉ. अल्पना शर्मा को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी 2010 की सदस्यता प्रदान की गई; उन्हें 22-24 अक्तूबर, 2010 को प्रेग में आई जी सी एस की बैठक में भाग लेने तथा शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए यात्रा अध्येतावृत्ति प्रदान की गई; खान आर

ने 22-27 अगस्त, 2010 तक कोबे, जापान में आयोजित 14वीं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान कांगेस में अनुसंधान पत्र प्रस्तुत करने के लिए यात्रा अनुदान प्रदान किया। वे अमेरिकन एसोसिएशन फार कैंसर रिसर्च (ए ए सी आर) की सदस्या थी; वे इंट गायने कैंसर सोसायटी की सदस्या थीं; इंट जे गायनाकॉलाजीकल कैंसर, इम्युनॉल, इन्वेस्टीगेशन, ओरल ऑनकॉलाजी, बायोमार्कर्स के लिए वे समीक्षाकर्ता थीं।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. हीथर क्यूबी, निदेशक, स्कॉटिश एच पी बी रेफरेंस लैब, यू.के. "सर्विकल कैंसर प्रीवेंशन स्ट्रेटेजी इन स्कॉटलैड" के संबंध में 18 मई, 2010 को
2. "फ्राम बेंच टू बेड साईड : ट्रांसलेशनल रिसर्च टू डेवलप हेल्थ केयर प्राडक्ट्स" के संबंध में 14 अगस्त, 2010 को आचार्य श्री निवास एन पेंटयाला, निदेशक, ट्रांसलेशनल रिसर्च, स्टोनी ब्रुक मेडिकल सेंटर, न्यूयार्क, यू एस ए।
3. "मालीक्यूलर बेसिस आफ न्यूरोनल साइटोस्केल्टन रेग्युलेशन : रोल आफ ए नोवल किनेस सी डी के - 5 इन नर्वस सिस्टम, फंक्शन एंड डिजेनरेशन" के संबंध में 14 जनवरी, 2011 को डॉ. हरीश पंत, एन आई एच, यू एस ए।
4. "जीन्स इंडयूसिंग आई पी एस फीनोटाइप प्ले ए रोल इन हेपाटोसाईट सरवाईवल एंड ग्रोथ इन विट्रो एंड इन लिवर रिजेनरेशन इन विवो" के संबंध में 21 फरवरी, 2011 को डॉ. विशाखा भावे, पिट्सवर्ग मेडिकल स्कूल, पिटसवर्ग, यू एस ए।

9.4 जैव चिकित्सा इंजीनियरी

आचार्य एवं अध्यक्ष

आलोक आर. रे.

आचार्य

दिनेश मोहन | स्नेह आनंद | हरपाल सिंह

सह-आचार्य

वीणा कौल

सहायक आचार्य

आशुतोष मिश्रा

प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी-I

निवेदिता के गोहिल

वरिष्ठ डिजाइन अभियंता

एस. एम. के. रहमान

वैज्ञानिक

जे. सी. भारद्वाज

शिक्षा

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 8

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

1. पैथोजेनिक बैक्टेरिया की पहचान के लिए किफायती तीव्र बायोसेंसर का विकास करना। हरपाल सिंह; डीबीटी द्वारा वित्तपोषित, 2010 तक, निधियां : 39.00 लाख रुपए।
2. कैंसर की नैदानिकी और उपचार के लिए जैव अवक्रमणीय पोलीमेरिक डेन्ड्रामर्स/नेनोपार्टिकल्स का विकास। हरपाल सिंह, लॉकहीड मार्टिन; संयुक्त राज्य अमरीका 2008-2011, निधियां : 40 लाख रुपए।
3. पैथोजेनिक बैक्टेरिया का पता लगाने के लिए पोलीमेरिक डेन्ड्रिमर्स/नेनोपार्टिकल्स का विकास। हरपाल सिंह लॉकहीड मार्टिन, संयुक्त राज्य अमरीका (2008-2011) निधियां : 20 लाख रुपए।
4. खाद्य जनक रोगाणुओं के तीव्र संसूचन के लिए प्रकार्यकृत पोलीमेरिक सामग्री का विकास। हरपाल सिंह, डी आर डी ओ, 2011-2014, 26.2 लाख रुपए।
5. स्टेनफोर्ड - इंडिया बायोडिजाइन कार्यक्रम, ए. आर. रे, डीबीटी, 2007-2012, निधियां : एक करोड़ रुपए।
6. प्रत्यारोपण और चिकित्सा उपकरणों का विकास। ए. आर. रे, डीबीटी द्वारा वित्तपोषित 2007-2010, निधियां : 22.2 लाख रुपए।

7. रक्त वाहिकाओं की ऊतक इंजीनियरी के लिए जैव अवक्रमणीय स्केफोल्ड का विकास। ए. आर. रे। डीबीटी, 2007-2010, निधियां : 26.86 लाख रुपए।

8. स्केफोल्ड बेस्ड कंट्रोल आफ कोन्ड्रोसाइट फेनोटाइप : टूवार्डस इंजीनियरिंग आफ इन वर्टेब्रल डिस्क टिशू। ए. आर. रे, इंडो- स्विस संयुक्त अनुसंधान परियोजना। डीएसटी, 2009-2012, निधियां : 27.54 लाख रुपए।

9. जैव चिकित्सीय अनुप्रयोगों के लिए नेनोसिल्वर नेनोहाइड्रोजेल्स का विकास। ए. आर. रे, डीबीटी, 2009-2012, निधियां : 83.11 लाख रुपए।

10. जैव मिश्रित स्केफोल्ड पर अस्थि ऊतक इंजीनियरी के लिए ओस्टियोब्लास्ट में मेसेंकाइमल स्टेम सेल का 3डी-एक्सपेंशन और डिफरेशिएशन। ए. आर. रे, आई सी एम आर 2010-2013, निधियां : 20.12 लाख रुपए।

11 पुरूषों के लिए इंजेक्टेबल इन्ट्रावेसल गर्भनिरोधक प्रतिवर्तिता (रिवर्सिबिलिटी) प्रौद्योगिकी का विकास और बहुकेंद्रिक गैर-मानव प्राइमेट्स अध्ययन। जे. सी. भारद्वाज। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय 2008-2011, निधियां : 6.27 लाख रुपए।

12. इंजेक्शन आफ पॉलीमर एसेम्बली एज एन इम्प्लांट इन वेस्डेफेरेन्स ल्यूमेन फार प्रोस्टेट कैंसर प्रिवेंशन एंड कंट्रासेप्टिव एफिकेसी। जे. सी. भारद्वाज, आईआईटी, खड़गपुर, निधियां : 1.09 लाख रुपए।

13. स्टीरीन मेलेयक एनीहाईड्राईड (एस एम ए) अनुप्रयोग के पश्चात वैजीनल माइक्रोबियल फ्लोरा एवं शुक्राणुओं का मूल्यांकन, निधियां : 2.4 लाख रुपए।

14. चूहों के एपिडीडाईमस तथा टेस्टीज़ में आर आई एस यू जी अंतर्वेशन का प्रभाव। जे सी भारद्वाज, आई आई टी, खड़गपुर, 2011-12, निधियां 3.06 लाख रुपए।

15. इंटरएक्शन आफ इंडोथेलियल सेल्स विद एडवांस्ड ग्लाईकेशन एंड प्रॉडक्ट्स। एन. के. गोहिल। सीएसआईआर 2009-2011, निधियां : 10.20 लाख रुपए।

16. एचबी- एजीई का इसके ऑटोफ्लूरेसेंस का प्रयोग करते हुए अभिनव दीर्घावधिक ग्लाईसेमिक सूचकांक के रूप में नैदानिक परीक्षण। एन. के. गोहिल। डीबीटी, 2007-2010, निधियां : 36.62 लाख रुपए।

17. इलेक्ट्रा फिजियालाजीनल मार्करों का प्रयोग करते हुए मांसपेशी थकान में आर्निका मोंटाना की प्रभावोत्पादकता के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन : एक यादृद्दीकृत, डब्ल ब्लाईज तथा क्रॉस ओवर परीक्षण स्नेह आनंद, सी सी आर एच, 2011-12, निधियां : 25 लाख रुपए।

अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अंतर विभागीय समन्वयन : परियोजना शीर्षक

1. सूक्ष्म जीवविज्ञानी विभाग : डॉ. आरती कपिल, चूहों संबंधी अनुसंधान परियोजना में सह अन्वेषणक।

2. विकृति विज्ञान विभाग : डॉ. वैशाली सूरी, खरगोशों संबंधी अनुसंधान परियोजना में सह अन्वेषणक।

3. केंद्रीय पशु सुविधर : डॉ. पी. के. यादव, बंदरों संबंधी अनुसंधान परियोजना में सह अन्वेषणक।

4. प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, डॉ. ए. के. श्रीवास्तव, जैव रसायनी प्राचलों के लिए।

5. शरीर रचना विभाग : डॉ. टी. के. दास, चूहों संबंधी अनुसंधान परियोजना में सह अन्वेषणक।

6. प्रजननात्मक जीव विज्ञान विभाग, डॉ. पी. के. चतुर्वेदी।

प्रौद्योगिकी स्थानांतरण और पेटेंट

1. स्नेह आनंद, मनोज सोनी, एस. मैज, ए न्यूमेटिक डैम्पर कंट्रोल्ड एके प्रॉस्थेसिस (886/डीईएल/2009)

2. स्नेह आनंद, अभिनव, मेघना, जिग- जी; ए वायरलेस ईसीजी सिस्टम (683/डीईएल/2009)
3. निवेदिता के, गोहिल, जैव वैज्ञानिक द्रवों में धातुओं के मापन के लिए एक परीक्षण किट और विधि (पीसीटी/आईएन 2009/000696)

संस्थापित की गई मुख्य सुविधाएं/उपस्कर

अल्ट्रासेंट्रिफ्यूज, मेमेलियन टिशू प्रयोगशाला और जेल परमिएशन क्रोमेटोग्राफी।

प्रकाशन

जरनल/पत्रिकाएं : 37

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य डी. मोहन ने रोम, इटली में परियोजना सुरक्षित मस्तिष्ट की अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। डॉ. डी. मोहन।

आचार्य एस. आनंद ने मई, 2010 में सी एस आई ओ, चंडीगढ़ में जैव चिकित्सीय इंस्ट्रूमेंटेशन संबंधी सम्मेलन में भाग लिया।

आचार्य हरपाल सिंह ने 28-29 अक्तूबर, 2010 को सी एस आई ओ, चंडीगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आई एन सी एस टी -2010 में भाग लिया।

डॉ. वीणा कौल ने 14-17 दिसम्बर, 2010 को नई दिल्ली में पोलीमर्स एवं उन्नत सामग्री के मोर्चे संबंधी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मैक्रो 2010 में "सेमी आई पी एन एस हाइड्रोजेल फार बूंड ड्रेसिंग एप्लीकेशन; इन्फ्लूएंस आफ जिनेटिन एंड पोलीएक्रीलेमाइड" के लिए 2010 सर्वोत्तम पोस्टर शोध पत्र अवार्ड जीता; उन्हें 12 सितम्बर, 2010 को आई आई टी, दिल्ली, भारत में "पोलीमर सिप्योन हाइब्रिड सिस्टम्स फार कम्बाईन्ड कैंसर टार्गेटिंग एंड इमेजिंग" के लिए सर्वोत्तम पोस्टर अवार्ड मिला; उन्होंने एजंत औषध अनुसंधान समाधान प्राइवेट लिमिटेड में 23 सितम्बर, 2010 को जैव चिकित्सीय अनुप्रयोग के लिए मैक्रो एवं नैनोजेल्स में भाग लिया।

डॉ. जे. सी. भारद्वाज

(i) पी. एच. डी. थीसिस वाइवा वोसे परीक्षा - दो

(ii) पी. एच. डी. थीसिस मूल्यांकन - दो

उन्होंने जैव चिकित्सा इंजीनियरी विभाग, एम्स में 22.06.2010 को डॉ. भावना सिरोही, चिकित्सा अर्बुविज्ञान विभाग के प्रमुख, ए एसिन, गुड़गांव के साथ निम्न विषय पर चर्चा की "डिजाइन एंड डेवल्प ए चीपर डिवाईस टू डिटेक्ट सर्वीकल कैंसर यूजिंग इलेक्ट्रोमेग्नेटिक वेव्स इन सर्विक्स टू स्क्रीन मॉस, उपलब्ध यूरोपीय उपकरण बहुत महंगा है। पोलीमर कोटिड डिस्पोजेनल प्रोब्स का स्वदेशी रूप से विकास किया जाए, उन्होंने मानव प्रजनन, उवर्रता तथा सैक्सुएल्टी : विकास तथा विज्ञान, दर्शनशास्त्र, कला, मिथ्या धारणाएं तथा साहित्य" पर 12-14 फरवरी, 2011 को परस्पर वार्ता/वार्तालाप किए जिनका आयोजन प्रजननात्मक जीव विज्ञान विभाग, एम्स द्वारा 12-14 फरवरी, 2011 को किया गया था।

9.5 जैव भौतिकी

प्रतिष्ठित जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान आचार्य

टी. पी. सिंह

अपर आचार्य एवं अध्यक्ष

पुनीत कौर

अपर आचार्य

सविता यादव　　सुजाता शर्मा

सह-आचार्य

कृष्णा दलाल　　ए. श्रीनिवासन

वैज्ञानिक

शर्मिष्ठा डे　　एस. भास्कर सिंह　　आशा भूषण

शिक्षा

स्नातकोत्तर

संकाय तथा वैज्ञानिक पी. एच. डी. की उपाधि, एम. एस. सी. (जैव भौतिकी) तथा एम. डी. (जैव भौतिकी) के लिए विद्यार्थियों को पढ़ाने तथा उनका मार्गदर्शन करने में सक्रिय रूप से रत हैं।

अल्पावधिक तथा दीर्घावधिक प्रशिक्षण

एम्स से एम. बी. बी. एस विद्यार्थियों को अनुसंधान में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। पांच एम. बी. बी. एस. (प्रथम वर्ष) के विद्यार्थियों ने विभाग की विभिन्न प्रयोगशालाओं में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की किशोर वैज्ञानिक पुरस्कार योजना (के वी पी वाई) के लिए परियोजना कार्य का संचालन किया तथा चार विद्यार्थियों को फैलोशिप प्रदान की गई है। विभाग ने विभिन्न संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों से एम एस सी तथा एम. टेक विद्यार्थियों को दीर्घावधिक तथा अल्पावधिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया।

क्रमिक आयुविज्ञान शिक्षा/ राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 12

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. प्रोटीन संरचना निर्धारण तथा औषध अभिकल्प, डॉ. टी पी सिंह, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2009-2014, 55 लाख रुपए।
2. आई. सी. एम. आर. के जैव चिकित्सा सूचना विज्ञान केंद्र, डॉ. पुनीत कौर, आई सी एम आर, 2006-2011, निधियां : 80 लाख रुपए।
3. पेपिडोग्लाईकेन रिकोग्निशन प्रोटीनों के संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन, डॉ. पुनीत कौर, डी एस टी द्वारा वित्तपोषित, 2006-2011, निधियां : 32.5 लाख रुपए।

4. सेमिनल प्लाज्मा से मिलने वाले नए प्रोटीनों का पृथक्कीकरण, शुद्धिकरण और संरचनात्मक एवं कार्यात्मक लक्षण वर्णन। डॉ. सविता यादव। डी एस टी द्वारा वित्तपोषित, 2008-2011, निधियां : 22.0 लाख रुपए।

5. मानव सेमिनल प्लाज्मा में हेपारिन बाइंडिंग प्रोटीनों का शुद्धिकरण, जैव रसायन तथा कार्यात्मक लक्षण वर्णन। डॉ. सविता यादव। डी बी टी द्वारा वित्तपोषित, 2008-2011, निधियां : 27.0 लाख रुपए।

6. लेक्टोपेरोक्सिडेस के संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन। डॉ. सुजाता शर्मा, डी एस टी द्वारा वित्तपोषित, 2008-2011, निधियां : 19.9 लाख रुपए।

7. लैक्टोफेरिन के सी - टर्मिनल हॉफ (सी लोब) की संरचना तथा प्रकार्य एवं एन एस ए आई डी अभिप्रेरित गेस्ट्रोपेथी को कम करने के लिए एक एजेंट के रूप में इसका अनुप्रयोग। डॉ. इस सुजाता शर्मा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2011-2014, 41 लाख रुपए।

8. एलर्जेनिक रोधी औषधियों की खोज में : एलर्जेनिक रोधी लिजेंडों के संरचना धारित डिजाइन एवं पौधा एलर्जेनों के आण्विक संरचना कार्य अंतर संबंधों का निर्धारण, डॉ. सुजाता शर्मा, आई सी एम आर, 2011-2014, 29.3 लाख रुपए।

9. वर्तमान में उपलब्ध माइक्रोबाइसिडल एजेंटों के संश्लिष्ट वैकल्पिक एजेंटों का विकास, शर्मिष्ठा डे, आई. सी. एम. आर, 2008-2011, 20 लाख रुपए।

10. सी ओ एक्स - 2/एल ओ एक्स के विरूद्ध एक स्तन कैंसर रोधी एजेंट के रूप में नवीन पेप्टाईड प्रतिषेधक का डिजाइन तथा मूल्यांकन, शार्मिष्ठा डे, सी एस आई आर, 2010-2013, 15 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

1. फॉसफोलीपेज ए2 एन्जाइमों के संरचनात्मक तथा कार्यात्मक अध्ययन।
2. ज्वलनशील विकारों के विरूद्ध संरचना आधारित औषधि डिजाइन।
3. लैक्टोफेरीन तथा इसके खंडों एवं लिजेंड डिजाइन का संरचनात्मक अध्ययन।
4. विष तथा पौधा एलर्जेनों के संरचनात्मक तथा कार्यात्मक अध्ययन।
5. मानव शरीर द्रवों से जेड ए जी - पी आई पी काम्प्लेक्स पी एस ए तथा अन्य हेपारिन बाइंडिंग प्रोटीनों के जैव रासायनिक तथा संरचनात्मक अध्ययन।
6. अल्जिमर संबद्ध प्रोटीनों के संरचना कार्य संबंध
7. मानव सालिवरी प्रोटीन तथा एम्नियोटिक द्रव का प्रोटियोमिक अध्ययन।
8. आण्विक मॉडलिंग तथा लिजेंड डिजाईन।

सहयोगी परियोजनाएं

1. प्रोटियोमिक्स का प्रयोग करते हुए मुखीय कैंसर के स्थानिक क्षेत्रीय फैलाव और साइटोस्केल्टन पुनर्गठन में नवीन आण्विक लक्ष्यों का कार्यात्मक विश्लेषण और नैदानिक महत्व।
2. सर्वांगी ल्यूपस एरीथेमेटोसस में रोग फ्लेयर्स के पूर्वानुमानक प्रोटियोमिक पिंड फिंगर प्रिंट्स की पहचान करना।
3. हेपेटाइटिस वायरस संक्रमण का प्रोटियोमिक्स।
4. मानव शरीर द्रव और ऊतकों के प्रोटियोमिक्स : नई औषधि की खोज के लिए प्रोटीनों और लक्ष्य पहचान का संरचनात्मक लक्षण वर्णन।

5. गॉल स्टोन रोग और गॉल ब्लाडर कैंसर के रोगियों की प्रोटियोमिक पिंड फिंगर प्रिंटिंग : प्यूटेटिव पेथोजेनिक संपर्क।

6. मांस पेशीय डिस्ट्रॉफिज में प्रोटियोमिक्स।

प्रकाशन

जरनल/पत्रिकाएं : 24

प्रोटीन डाटा बैंक प्रविष्टियां

वर्ष के दौरान प्रोटीन बैंक (पी डी बी) को प्रस्तुत प्रोटीन कोआर्डीनेट सेटों की कुल संख्या : 66 है प्रोटीन डाटा बैंक को प्रस्तुत प्रोटीनों तथा उनके काम्प्लेक्सों की संरचना की पी डी बी पहचान संख्या निम्न हैं : 3 आर 5 क्यू, 3 क्यू वी 4, 3 क्यू एस ओ, 3 क्यू जे आई, 3 क्यू 9 के, 3 क्यू एल 6, 3 क्यू जे 1, 3 क्यू 4 वाई, 3 क्यू 4 पी, 3 पी यू ओ, 3 पी वाई 4, 3 पी 2 जे, 3 पी यू एल, 3 के के0, 3 ओ एल के, 3 पी यू ई, 3 पी यू डी, 3 पी टी एल, 3 ओ एस एच,3 ओ आई एच, 3 ओ जी एक्स, 3 ओ जी डब्ल्यू, 3 ओ 9 एन, 3 ओ 4 , 3 एन वाई एच, 3 एन एक्स 9, 3 एन डब्ल्यू 3, 3 एन ओ ई, 3 एन एन ओ, 3 एन के डब्ल्यू, 3 एन जे यू, 3 एन जे एस, 3 एन आई यू, 3 एन जी 4, 3 एन एफ एम, 3 एन 8 एफ, 3 एन 5 डी, 3 एन ए के, 3 एन 3 एक्स, 3 एन 31, 3 एन 2 डी, 3 एन आई एन, 3 एन 1 डी, 3 एम वाई 6, 3 एम डब्ल्यू एन, 3 एम यू 9, 3 एम यू 7, 3 एम आर वाई, 3 एम आर डब्ल्यू, 3 एम जे एन, 3 एम 7 एस, 3 के आर क्यू, 3 के जे जेड, 3 के जे 7, 3 के 0 वी, 3 जे टी आई, 3 जे क्यू एल, 3 जे क्यू 5, 3आई बी 2, 3 आई बी 1, 3 आई बी 0, 3 आई ए जेड, 3 एच यू 7, 3 एच 1 एक्स, 3 जी सी एल, 3 जी सी के, 3 जी सी जे।

रोगी उपचार

विभाग द्वारा रोगी उपचार हेतु निम्नलिखित सेवाएं प्रदान की जाती हैं :

1. प्रोटीन एन टर्मिनल अनुक्रमण।

2. रिसेप्टर - लिगेंड बाइडिंग अध्ययन - बायाकोर।

3. पेप्टाइड संश्लेषण।

4. लघु अणुओं के लिए एक्स-रे तीव्रता आंकड़ा संग्रहण।

5. वृह्द अणुओं के लिए एक्स-रे तीव्रता आंकड़ा संग्रहण।

केंद्रीय सुविधाएं

नैदानिक प्रोटियोमिक्स के लिए अवसंरचना सुविधा (जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित)।

औषध डिज़ाइनिंग के लिए जैव सूचना विज्ञान केंद्र (आई सी एम आर द्वारा समर्थित)।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य टी. पी. सिंह को कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में 19 अप्रैल, 2010 को एक समारोह में वर्ष 2009 के लिए जीवन विज्ञान में गोयल पुरस्कार प्रदान किया गया; 7 जनवरी, 2011 को उन्हें इंस्ट्रूमेंटेशन सोसायटी आफ इंडिया का वार्षिक पुरस्कार प्रदान किया गया; जनवरी, 2011 में उन्हें आई एन एस ए कार्यवाहियां का प्रमुख सम्पादक नियुक्त किया गया; 27 अक्तूबर, 2010 को उन्हें इंडियन क्रिस्टलोग्राफिक एसोसिएशन, जम्मू का अध्यक्ष चुना गया; 4 अक्तूबर, 2010 को उन्हें आई एन एस ए, नई दिल्ली का जवाहर लाल नेहरू जन्म शताब्दी व्याख्यान प्रदान किया गया; 26 सितम्बर, 2010 को उन्हें सी एस आई आर फाउंडेशन डे अवार्ड, इंस्टीट्यूट आफ माइक्रोबियल टेक्नॉलाजी, चंडीगढ़ प्रदान किया गया; 14 अप्रैल, 2010 को कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा वार्षिक दीक्षांत समारोह में डाक्टर आफ साईंस (एच सी) की उपाधि प्रदान की गई; उन्हें जम्मू एवं कश्मीर के मुख्य मंत्री के लिए गठित वैज्ञानिक परामर्शी समिति के सदस्य के रूप् में 2010-2012 के लिए चुना गया; वे 2010-

2012 के लिए रिसर्च काउंसिल आफ दि इंस्टीट्यूट आफ माइक्रोबियल टेक्नालाजी के सदस्य चुने गए; 2009-2014 के लिए वे पूर्वोत्तर में विज्ञान अवसंरचना विकास के लिए डी एस टी समिति के अध्यक्ष हैं; 2005-2011 के लिए वह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर के अधिशासी बोर्ड के सदस्य थे।

डॉ. पुनीत कौर ने दो कार्यशालाएं आयोजित की जिनका शीर्षक था "इंट्रोडक्शन टू बायोमेडिकल इन्फार्मेरिक्सष, 21-23 अप्रैल, 2010 तथा इन्फोर्मेटिक्स इन मेडिसनष, 25-26 मई, 2010; उन्होंने 25-27 अक्तूबर, 2010 को जम्मू विश्वविद्यालय में क्रिस्टेलोग्राफी संबंधी 39वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किए; 30 जनवरी - 2 फरवरी, 2011 को उन्होंने इंडियन बायोफिजीकल सोसायटी (आई बी एस), नई दिल्ली की वार्षिक बैठक तथा 7वीं एशियाई जैव भौतिक संघ (एन बी ए) संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किए।

डॉ. सुजाता शर्मा ने 30 मार्च, 2011 को "करेंट ट्रेंडस इन स्ट्रक्चरल बायोलॉजी 2011'ष शीर्षक से एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया।

डॉ. सविता यादव ने 30 जनवरी - 2 फरवरी, 2011 को इंडियन बायोफिजीकल सोसायटी (आई बी एस), नई दिल्ली की वार्षिक बैठक में शोध पत्र प्रस्तुत किए; 9-11 फरवरी, 2011 को उन्होंने राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल में फ्रंटियर्स इन रिप्रोडक्टिव बायोटेक्नॉलाजी संबंधी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किए।

डॉ. ए. श्रीनिवासन ने 30 जनवरी - 2 फरवरी, 2011 को इंडियन बायोफिजीकल सोसायटी (आई बी एस), नई दिल्ली की वार्षिक बैठक में शोध पत्र प्रस्तुत किए।

सुश्री आशा भूषण ने 30 जनवरी - 2 फरवरी, 2011 को इंडियन बायोफिजीकल सोसायटी (आई बी एस), नई दिल्ली की वार्षिक बैठक में भाग लिया; उन्होंने 30 मार्च, 2011 को स्ट्रक्चरल बायोलॉजी लैब, जैव भौतिकी विभाग, एम्स द्वारा आयोजित "करेंट ट्रेंडस इन स्ट्रक्चरल बायोलॉजी" पर कार्यशाला में भाग लिया; उन्होंने एंजेला आर क्रिसवेल, पी एच डी वी पी, लाईफ साईसेंस रिगाकू अमेरिक्स कारपोरेशन द्वारा "एक्सरे रेडिएशन सेफ्टी - व्हॉट एवरीवन शुड नो" शीर्षक से एक्सरे रेडिएशन सुरक्षा के बारे में सूचना संबंधी अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला में भाग लिया।

अतिथि वैज्ञानिक

वर्ष के दौरान व्याख्यान देने तथा वैज्ञानिक सहयोग हेतु निम्न सुप्रसिद्ध वैज्ञानिकों तथा प्रतिष्ठित अकादमीविदों ने विभाग का दौरा किया : आचार्य च. बेटजेल, जर्मनी, आचार्य आर एन किनी, सिंगापुर; आचार्य फैज़ान अहमद, नई दिल्ली; डॉ. पुश्कर शर्मा, नई दिल्ली; डॉ. अजय के सक्सेना, नई दिल्ली; डॉ. एम एन गुप्ता, नई दिल्ली; डॉ. एन के गुप्ता, नई दिल्ली; आचार्य एम विजयन, बंगलौर; आचार्य बी बी चाटो, वडोदरा; आचार्य आदा योनाथ, नोबल पुरस्कार विजेता, इजरायल; डॉ. कृष्ण लाल, नई दिल्ली; डॉ. डी एम सालुके, नई दिल्ली; आचार्य डी वेलमुरूगन, चेन्नई; आचार्य एस कृष्णास्वामी, मदुरई; डॉ. ए एम शेख, मुंबई; आचार्य के एस रंगप्पा, मैसूर, आचार्य के एल खंडुजा, चंडीगढ़; डॉ. वी. किशोर, चंडीगढ़; डॉ. ए अरोड़ा, लखनऊ; आचार्य बी पी चटर्जी, कोलकाता; आचार्य सी के दासगुप्ता, कोलकाता; आचार्य अनिल कुमार, बंगलौर; आचार्य प्रदीप सिन्हा, कानपुर, आचार्य डी आचार्य, खडगपुर, आचार्य एस के गुहा, खडगपुर; डॉ. शेर अली, नई दिल्ली; आचार्य रेणु खन्ना चोपड़ा, नई दिल्ली, आचार्य एस एच सावित्री, बंगलौर; आचार्य आर एस सिरोही, जयपुर।

9.6 जैव सांख्यिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष

आर. एम. पांडे

आचार्य

एस. एन. द्विवेदी
(लम्बी छुट्टी पर)

अपर आचार्य

वी. श्रीनिवास

वैज्ञानिक

आर. के. आहुजा　　गुरेश कुमार　　एम. कलाइवानी

सांख्यिकीविद

ओमबीर सिंह

सांख्यिकीय सहायक

भूपेन्द्र कुमार (लियन पर)　　आशीष दत्त उपाध्याय

शिक्षा

विभाग ने पूर्व स्नातक, पैरामेडिकल और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों अर्थात एम. बी. बी. एस., बी. एस. सी. (आनर्स) के लिए विकिरण चिकित्सा विज्ञान, एम. बॉयोटेक, बी. एस. सी. एवं एम. एस. सी. नर्सिंग एवं एम डी (कम्युनिटी मेडिसिन) में चिकित्सा प्रौद्योगिकी में "जीव सांख्यिकी एवं अनिवार्य शोध विधियों" के लिए शिक्षण जारी रखा। विगत की भांति रेजीडेंटस पी. एच. डी. विद्यार्थियों और संस्थान में अन्य शोधकर्ताओं के लिए "जैव सांख्यिकी विधियां एवं अनुसंधान कार्य प्रणाली विज्ञान के अनिवार्य तत्व" पर चौदह सायंकालीन कक्षाओं की श्रृंखला आयोजित की गई। अनुरोध करने पर संकाय सदस्यों ने संस्थान के अनेक विभागों में रेजीडेंटस, पी एच डी विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान श्रृंखला परिदत्त की। साथ ही विभागीय संकाय और वैज्ञानिकों ने पूरे देश में संस्थान से बाहर आमंत्रण पर वार्ताएं कीं। अनुरोध पर, संकाय और वैज्ञानिकों ने संस्थान में अधिकांश विभागों में विभागीय वैज्ञानिक प्रस्तुतीकरणों में भाग लिया। विभाग में पी. एच. डी. विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने के अलावा, संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों ने सह मार्गदर्शकों, पी. एच. डी. विद्यार्थियों एम डी/एम एस/डी एम, एम. सी. एच. विद्यार्थियों के डी सी सदस्यों के रूप में संस्थान में दूसरे विभागों की शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग किया। आंकड़ा प्रबंधन तथा सांख्यिकी विश्लेषण की क्षमता का निर्माण करने के उद्देश्य से संस्थान के पी एच डी विद्यार्थियों, समुदाय चिकित्सा में एम डी विद्यार्थियों तथा डी एम अर्बुदविज्ञान के विद्यार्थियों के लिए 3-6 दिन की अवधि के लिए "हैंडस ऑन ट्रेनिंग इन यूजिंग एस. टी. ए. टी. ए" संबंधी चार कार्यशालाओं की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 15

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. जन्मजात चयापचय विकारों संबंधी कृतिक बल - जन्मजात हाइपोथाइरोडिज्म और जन्मजात एड्रेवल हाईपरप्लासिया के लिए नवजात स्क्रीनिंग, आई सी एम आर मल्टीसेंट्रिक स्टडी : डाटा कोऑडिनेशन सेंटर के लिए अन्वेषक डॉ. आर. एम. पांडे; वित्तपोषण अभिकरण : आई सी एम आर, 2009-2012, निधि : 14 लाख रुपए।

2. एच. बी. वी. संबंधित डिकम्पनसेटेड सिरोइसिस में एडेफोविर एडेफोविर + लेमीवूडिन एडेफोविर और ग्लीसिरीजिन के सम्मिश्रण और का मल्टीसेंट्रिक रैन्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड परीक्षण। राष्ट्रीय समन्वय हेतु अन्वेषक : डॉ. वी. श्रीनिवासन। निधियन एजेंसी : आई सी एम आर, 2007-2011 निधि : 18.0 लाख रुपए।

3. हेपाटिटिस सी - दि इंडियन फेस राष्ट्रीय समन्वयन हेतु अन्वेषक ; डॉ. वी. श्रीनिवास, निधियन एजेंसी; ब्रिस्टॉल मायर्स स्किब फाउंडेशन, 2009-2011, निधि : 12.0 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. अधिकार प्राप्त कार्य समूह राज्यों में नवजात शिशु और पांच वर्ष से कम के बच्चों में मर्त्यता के रूझान विभेदी और निर्धारक।

2. सिर में चोट लगे आघात के रोगियों में जीवन की गुणता तथा अस्पताल में मर्त्यता का निर्धारण करने के लिए समुचित सांख्यिकीय मॉडलों संबंधी अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. डिटरमिनेशन आफ एफीकेसी आफ रिफ्लेक्सॉलाजी इन दि एडजंक्टिव ट्रीटमेंट आफ इन्ट्रैक्टेबल सीजर्स इन चिल्ड्रन एंड जेनेटिक स्क्रीनिंग फार जी पी आर 56 जीन म्यूटेशन इन दि सबसेट विद लेनॉक्स गैसटॉट सिंड्रोम (जैव भौतिकी विभाग)।

2. कम्पेरेटिव स्टडी आफ एंटीरियर सपोर्ट एंकल फुट आर्थोटिक एंड पोस्टीरियर एंकल फुट आर्थोसिस इन फुट ड्रॉप पेशेंटस (पी एम आर विभाग)।

3. पार्कसन्स बीमारी में जीवन की गुणवत्ता के मूल्यांकन करने के लिए उपकरण का विकास एवं वैधीकरण (तंत्रिका विभाग विज्ञान)।

4. बच्चों में क्षयरोग रोधी दवा के फार्माकोकिनेटिक्स पर कुपोषण एवं एच आई वी - टी बी सह-संक्रमण का प्रभाव (काय चिकित्सा विभाग)।

5. व्यापक रूप से औषधि रोधी टी बी का आण्विक रोग विज्ञान और त्वरित रोग निदान तकनीक का विकास (काय चिकित्सा विभाग)।

6. भारतीय विद्यालयी बच्चों में मायोपिया के परिमाण तथा प्रोग्नोसिस का आकलन (डॉ. आर पी नेत्र रोग विज्ञान केंद्र)।

7. भारत में "बच्चों और प्रौढ़ों में चिकुनगुनिया की जांच" (बाल चिकित्सा विभाग)।

8. भारतीय परिदृश्य में एच आई एन आई (सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग)।

9. कम्पेरिजन आफ क्लिनीकल एफीकेसी एंड सेफ्टी आफ पी यू वी ए एस ओ एल एंड यूनानी फार्मुलेशन यू एन आई एम -401 (आई एफ) ओरल एंड यू एन आई एम - 403 (आयल) एंड यू वी ए इन दि ट्रीटमेंट आफ क्रोनिक प्लेक सोरियासिस (त्वचा एवं चर्मरोग विभाग)।

10. एच सी वी - दि इंडियन फेस - ब्रिस्टल मायर स्क्वि फाउंडेशन, दक्षिण अफ्रीका द्वारा वित्तपोषित (www.liver-foundation.in) (गेस्ट्रोएंट्रालॉजी विभाग)।

प्रकाशन

जरनल/पत्रिकाएं : 66

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य आर. एम. पांडे रायल स्टेटिस्टीकल सोसायटी, यूके के फेलो; इंडियन सोसायटी फार मेडिकल स्टेटस्टिक्स के फेलो के रूप में जारी है; वे देश के भीतर तथा बाहर विश्वविद्यालयों में पी एच डी थीसिस के परीक्षक हैं; वे इन्केलेन - आई ई ए समझौता ज्ञापन के तहत इंटरनेशनल एपीडेमियालाजीकल एसोसिएशन (आई ई ए) के साथ संयुक्त अकादमिक तथा अनुसंधान क्रियाकलाप विकसित करने के लिए इन्क्लेन संपर्क व्यक्ति हैं; वे भारत में लगभग सभी प्रमुख चिकित्सा पत्रिकाओं को प्रस्तुत पांडुलिपियों के समीक्षाकर्ता हैं; वे इंडियन सोसायटी फार मेडिकल स्टेटिस्टिक्स (आई एस एम एस) की अवार्ड नामीनेशन समिति के सदस्य हैं; वे 23-26 मई, 2010 को कोलम्बो, श्रीलंका में इंटरनेशनल एपीडेमियॉलाजी एसोसिएशन की 10वीं दक्षिणी पूर्वी एशिया प्रादेशिक वैज्ञानिक बैठक के दौरान संगोष्ठी के समन्वयक थे; वे सदस्य, अनुसंधान समिति, एम्स; सदस्य, एम्स हिन्दी समिति; जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डी बी टी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी एस टी), इसूक्लेन तथा आई सी एम आर के अनेक सेफ्टी मानीटरिंग बोर्डो, कृतिक बल तथा प्रस्ताव/परियोजना समीक्षा समितियों के सदस्य हैं; वे सदस्य, अनुसंधान समिति, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एन आई एच एफ डब्ल्यू); सदस्य, एथिक्स कमेटी आफ इंडियन इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक हेल्थ, दिल्ली; सदस्य ऑपरेशन्स रिसर्च ग्रुप ऑन आर एन टी सी पी, क्षय रोग, नियंत्रण कार्यक्रम, भारत सरकार; सदस्य, डी एस एम बी आफ अम्पायर ड्रग ट्रायल इन इंडिया एंड यूरोप, कैंब्रिज विश्वविद्यालय तथा सी सी डी सी (पी एच एफ 1) द्वारा समन्वित; सदस्य, सी ए आर आर एस ट्रांसलेशनल ट्रायल; सदस्य, तकनीकी परामर्शी समूह (टी ए जी) जो भारत में अत्यधिक तीव्र कुपोषित (एस ए एम) बच्चों संबंधी डी बी टी - आई सी एम आर संयुक्त समूह सदस्य, इंस्टीट्यूशनल रिव्यू बोर्ड आफ पी एच एफ आई; सदस्य, नवजात बच्चों में क्लोरोहेक्साडिन कोर्ड केयर के डी एस एम बी तथा तकनीकी परामर्शी समूह (टी ए जी), तंजानिया तथा जाम्बिया में दि स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, जॉन्स होपकिन्स यूनिवर्सिटी, संयुक्त राज्य अमरीका द्वारा संचालित एक अस्पताल एवं समुदाय आधारित परीक्षा के सदस्य हैं तथा उन्होंने जांजीबार, तंजानिया में 1-3 दिसम्बर, 2010 को आयोजित इसकी तकनीकी परामर्शी समूह तथा डाटा सेफ्टी मानीटरिंग बोर्ड बैठक में भाग लिया।

डॉ. वी श्रीनिवास रायल स्टेटिस्टीकल सोसायटी, यूके के फेलो के रूप में जारी है; वे इंडियन सोसायटी फॉर मेडिकल स्टेटिस्टिक्स के आजीवन सदस्य तथा सदस्य, इंटरनेशनल क्लिनीकल एपीडेमियालॉजी नेटवर्क (इन्क्लेन) है; वे इंडियन जरनल आफ मेडिकल रिसर्च तथा इंडियन जरनल आफ पेडियाट्रिक्स के समीक्षाकर्ता हैं; वे जरनल आफ नियोनेटालाजी, भारत के सलाहकार (जैव सांख्यिकी) तथा जरनल आफ इंडियन एसोसिएशन फार चाईल्ड एंड एडोलोसेंट मेंटल हेल्थ (जे आई ए सी ए एम) के सांख्यिकी परामर्शदाता हैं; वे एक्स्पर्ट ग्रुप ऑन सेरोप्रीवेलेंस स्टडी टू डिटरमिन दि इम्पेक्ट आफ हेपाटिटीज बी वैक्सीनेशन, आई सी एम आर, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार के सदस्य हैं; वे जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित तीन अनुसंधान परियोजनाओं के लिए डाटा एंड सेफ्टी मानीटरिंग बोर्ड (डी एस एम बी) के सदस्य सचिव हैं; वे जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के इम्यूनो माडयूलेशन संबंधी विशेषज्ञ समूह के सदस्य हैं; वे कृतिक बल समूह, डिविजन आफ रिप्रोडक्शन एंड चाइल्ड न्यूट्रिशन, आई सी एम आर, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार के सदस्य तथा स्क्रीनिंग/चयन समिति, आई सी एम आर, नई दिल्ली के अध्यक्ष/सदस्य हैं।

डॉ. गुरेश कुमार इंडियन जरनल आफ मेडिकल एवं पेडियाट्रिक आंकोलॉजी (अर्बुदविज्ञान) तथा इंडियन जरनल आफ मेडिकल रिसर्च के समीक्षाकर्ता थे।

एम. कलाई वाणी ने आई सी एम आर के अनुरोध पर राष्ट्रीय चिकित्सा सांख्यिकी संस्थान (आई सी एम आर) को डाटा क्लीनिंग में तथा भारत में पांच राज्यों में संचालित गृहाधारित नवजात शिशु देखभाल संबंधी क्षेत्र अध्ययन की तैयारी में सहायता प्रदान की।

9.7 जैव प्रौद्योगिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष

वाई. डी. शर्मा

आचार्य

जे. एस. त्यागी | एस. के. प्रसाद | एस. एन. दास

सहायक आचार्य

अनुश्री गुप्ता

शिक्षा

स्नातकोत्तर शिक्षण

विभाग, चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी में 2 वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम में एम. बॉयोटेक की उपाधि प्रदान करता है। शिक्षण कार्यक्रम में चिकित्सा अनुसंधान के सीमांत क्षेत्र पर सिद्धांत एवं प्रेक्टीकल कक्षाएं, सेमीनार प्रस्तुतीकरण एवं अनुसंधान परियोजना (शोध प्रबंध) शामिल हैं। विद्यार्थियों पर व्यक्तिगत ध्यान और प्रेक्टीकल कक्षाओं में नवीनतम अनुभव दिया जाता है। विद्यार्थियों को जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान, बायोइन्फोर्मेटिक्स, आण्विक मेडिसिन, जेनोमिक्स, प्रोटियोमिक्स आदि से संबंधित उनके अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में पूरी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए एम्स संकाय के अलावा, विभिन्न विशेषता प्राप्त विषयों में विशेषज्ञों को जे. एन. यू., आई. जी. आई. बी., आई. सी. जी. ई. बी., एन. आई. आई. और एन. आई. आई. टी. से आमंत्रित किया जाता है। विभाग, चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर पी. एच. डी. कार्यक्रम संचालित कर रहा है।

अल्प अवधि प्रशिक्षण

विभाग के संकाय ने देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थाओं से 30 विद्यार्थियों को अल्पकालीन प्रशिक्षण प्रदान किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 15

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. प्लास्मोडियम विवेक्स ट्राइप्टोफेन - समृद्ध प्रोटीनों संबंधी आण्विक अध्ययन। डॉ. वाई डी शर्मा। जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 3 वर्षों (2010-2013) के लिए वित्तपोषित। निधियां : 20.40 लाख रुपए।
2. बायोमेडिसिन के विशेष अनुप्रयोग के साथ बॉयोटेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम। वाई डी शर्मा। डी बी टी द्वारा 5 वर्षों के लिए वित्तपोषित (2009-2014)। निधि : 22.58 लाख रुपए प्रति वर्ष।
3. जैव प्रौद्योगिकी विज्ञान इन्फार्मेटिक्स प्रणाली। डॉ. वाई डी शर्मा। डी बी टी द्वारा 5 वर्षों के लिए वित्तपोषित (2008-2013)। निधि : 75 लाख रुपए।
4. पुनर्संरचनाकारी सेलुलर नेटवर्क : दो संघटक विनियामक प्रणाली : डॉ. जे एस त्यागी। डी बी टी द्वारा वित्तपोषित (2007-2011) निधि : 363 लाख रुपए।
5. क्षय रोग के उपचार के लिए प्रातिषेधकारों का कम्प्यूटेशनल डिजाइन तथा विकास। डॉ. जे एस त्यागी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एस बी आई आर आई परियोजना, 2008-2011, 21.98 लाख रुपए।

6. बॉयोमार्कर खोज के लिए विभिन्न तानिका शोध संक्रमणों के मरीजों से सी एस एफ प्रोटीनों की व्यापक प्रोटीओमिक्स प्रोफाइलिंग। डॉ. जे एस त्यागी, डी बी टी द्वारा वित्तपोषित (2008-2011)। निधि : 64.31 लाख रुपए।

7. टी एच पी-1 मानव मैक्रोफेजिज़ के अंतर्गत सुप्त तथा प्रतिवलनकारी क्षय रोग रोगाणुओं के ट्रांस्क्रिप्शनल प्रोफाइल का वर्णन। डॉ. जे एस त्यागी, टाटा इनोवेशज फैलोशिप अनुसंधान अनुदान, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2009-2012, 22.20 लाख रुपए।

8. प्रसंस्कृत नैदानिक सेम्पलों तथा उनकी किट (फेज-1) का प्रयोग करते हुए स्मियर माइक्रोस्कोपी, संवर्धन तथा पोलीमिरेज चेन प्रतिक्रिया द्वारा क्षय रोग तथा बैक्टीरियल औषधि प्रतिरोध के निदान के लिए विधियों का विकास तथा नैदानिक वैधीकरण। सह-अन्वेषक डॉ. जे एस त्यागी, डॉ. एच के प्रसाद, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एस बी आई आर आई परियोजना, 2009-2011, 7.06 लाख रुपए।

9. बोवाइन क्षय रोग के नियंत्रण हेतु टीके का विकास। डॉ. एच के प्रसाद। डी बी टी द्वारा वित्तपोषित (2007-2011)। निधि : 22.04 लाख रुपए।

10. एम क्षय रोग के एक डी एन ए बांइडिंग प्रोटीन आर वी 2986 सी का कार्यात्मक लक्षणीकरण। डॉ. एच के प्रसाद। डी एस टी द्वारा वित्तपोषित (2007-2011)। निधि : 23.0 लाख रुपए।

11. माइकोबैक्टीयल क्षय रोग काम्पलेक्स के जिनोमिक परिवर्तियों का विश्लेषण बड़े पैमाने पर समानांतर अनुक्रमण को विनियोजित करते हुए : प्रारंभिक अध्ययन। डॉ. एच के प्रसाद। डी बी टी द्वारा एक वर्ष के लिए वित्तपोषित (2009-2010) दो वर्ष के लिए विस्तारित। निधि : 11.56 लाख रुपए।

12. मुख शल्की सेल कर्कट रोग के लिए ऑटोलोगस एनकेटी सेल आधारित द्रमाकृतिक सेल टीके का विकास एवं लक्षणीकरण। डॉ. सत्य एन दास। डी बी टी 3 वर्ष के लिए वित्तपोषित (2008-2011)। निधि : 23.0 लाख रुपए।

13. एफ ए एस (सी डी 95) और एफ ए एस एल (सी डी 95 एल) जीन पॉलीमोर्फिज्म एवं मुख कर्कट रोग से संबंधित तम्बाकू के साथ उनके संसर्ग पर अध्ययन। डॉ. सत्य एन दास। आई सी एम आर द्वारा 3 वर्ष के लिए वित्तपोषित (2008-2011)। निधि : 6.0 लाख रुपए।

पूर्ण

1. जबलपुर में क्षेत्रीय अध्ययनों से संबंधित मलेरिया टीका। डॉ. वाई डी शर्मा। आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित (2005-2010) निधि : 77 लाख रुपए।

2. एस एम ए आर 1 के तहत टी एच 1 - टी एच 2 अनुक्रिया में आण्विक स्विच : माइकोबैक्ट्रीयम क्षयरोग संक्रमण में इसके निहितार्थ। सह- अन्वेषक : डॉ. एच के प्रसाद। डी बी टी द्वारा 3 वर्ष के लिए वित्तपोषित (2007-2010)। निधि : 19.50 लाख रुपए।

3. क्रोहन रोग के रोगियों में माइको बैक्टीरियल रोगजनकों का अभिसूचन। सह अन्वेषक : डॉ. एच के प्रसाद। जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 3 वर्षों के लिए वित्तपोषित (2007-2010)। निधि : 3 लाख रुपए।

4. बॉयोमार्कर खोज संबंधी विभिन्न तानिका शोक संक्रमणों के मरीजों से सी एस एफ प्रोटीन्स की व्यापक प्रोटियोमिक्स प्रोफाइलिंग। सह-अन्वेषक : डॉ. एच के प्रसाद। डी बी टी द्वारा 3 वर्षों के लिए वित्तपोषित (2008-2011)। निधि : 4.50 लाख रुपए।

5. कॉरोनरी अर्टीरी बाईपास ग्राफ्टिंग सर्जरी करवाने वाले मरीजों में और जो मधुमेह के लिए सहवर्ती रोग निदान करवा रहे हों, में इंडोथेलिन सिस्टम के जीन्स में पॉलीमोर्फिज्म। डॉ. अनुश्री गुप्ता। आई सी एम आर द्वारा 3 वर्ष के लिए वित्तपोषित (2008-2010)। निधि : 24.12 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. माइकोबैक्ट्रीयम क्षय रोग का अंतर्जात प्रतिरक्षण।
2. माइकोबैक्ट्रीयम क्षयरोग के प्रति मानव प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया।
3. मानवों एवं पशुओं में क्षयरोग का रोग निदान।
4. मुख के कैंसर में बेक्लीन 1, एम टी ओ आर सिगनलिंग तथा आटोफेजी संबंधी अध्ययन।
5. मुख के कैंसर में प्राकृतिक मारक टी सेलों तथा द्रमाकृतिक सेलों का कार्यात्मक तथा फिनोटाइपिक लक्षणीकरण।
6. मुख के कैंसर में फॉसफोयनोसिटाईड 3 -किनेस सिग्नलिंग तथा इसके प्राकृतिक प्रतिषेधनों के एंटी टयूमर क्रियाकलापों संबंधी अध्ययन।
7. मुख के स्क्वामस सेल कार्सीनोमा वाले रोगियों में टी एच 17 सेलों का फीनोटाइपिक तथा कार्यात्मक लक्षणीकरण।
8. मुख के स्क्वामस सेल कार्सीनोमा वाले रोगियों में सी डी 4 + सी डी 25 + फॉक्स पी 3 + विनियामक टी सेलों (टी रेग) का फीनोटाइपिक तथा कार्यात्मक लक्षणीकरण।

पूर्ण

1. मुख के कैंसर वाले रोगियों में विनियामक टी सेलों (सी डी 4 +, सी डी 25 + फॉक्सपी 3 +) गत्यात्मकताएं।
2. मुख के कैंसर वाले रोगियों में टी एच 17 सेलों का फीनोटाइपिक तथा कार्यात्मक लक्षणीकरण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. इवेल्युएशन आफ नेनोलेबल एक्सप्रेशन आफ पी 38 ए एम ए पी किनेस, ए सेल सिग्नलिंग प्रोटीन इन ओरल कैंसर एंड डिजाइन आफ स्ट्रक्चर बेसड पेप्टाइड इन्हिबिटर्स अगेंस्ट दि सेम (जैव भौतिकी विभाग)।
2. भारतीय स्तन कैंसर रोगियों, में ई आर, पी आर, एच ई आर 2, न्यू एक्सप्रेशन तथा बी आर सी ए। जीन म्यूटेशन्स का नैदानिक सह-संबंध। (बी आर ए - आई आर सी एच)।
3. पोडोप्लेनिन एक्सप्रेशन इन पेशेंटस आफ ओरल कैविटी कार्सीनोमा एंड इंट्स क्लिनिकल सिग्नी फिकेंस (ओटोहिलेरिंजोलॉजी विभाग)।
4. ओस्टियोपोशंस ए मीडिएटर आफ सिस्टेमिक इन्फलेमेटरी रिस्पांस इन हाई रिस्क कार्डियाक सर्जीकल पेशेंटस (कार्डियाक एनेसथीसिया विभाग)।

प्रकाशन

जरनल/पत्रिका : 15

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

अनुसंधान विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सम्मेलनों में निम्न पोस्टर प्रस्तुत किए गए :

1. डिफेक्टिव हाइपाक्सिक एडाप्टेशन एंड विरूलेंस एटेनुएशन आफ माइकोबैक्टीरियम टयूबरकुलोसिस इज एसोसिएटिड विद को-एक्सप्रेशन आफ देव आर एंड देव आर एन - ए पी एच प्रोटीन। श्याम श्री डे मजूमदार, दीपक शर्मा, अतुल वशिष्ट, कोहिनूर कौर, नीतू कुमरा तनेजा, संतोष चौहान, विजय के चलू, वी डी रामानायन, वी बाला संघ महेश्वर, प्रहलाद कुमार,

जया सिवास्वामी त्यागी, इंटरनेशनल सिम्पोजिथन ऑन टी बी डायग्नास्टिक्स : इनोवेटिंग टू मेक एंड इम्पेक्ट, आई सी जी ई बी, नई दिल्ली, 16-17 दिसम्बर, 2010 ।

2. क्वांटिएशन आफ माइकोबैक्टीरियम टयूबरकुलोसिस एंटीजेन्स आर डी एन ए फैसिलीटेटस रेपिड एंड एफीशियंट डायग्नासिस आफ चाईल्ड हुड टयूबर कुलस मेनिंजिटिसष्, सागरिका हलधर, नवीन सांख्यन, नीरा शर्मा, अंजली बंसल वितुल जैन, बी के गुप्ता, मोनिका जुनेजा देवेन्द्र मिश्रा, आरती कपिल, उर्वशी बी सिंह, एच के प्रसाद, शेफाली गुलाटी, वीणा कालरा, जया एस. त्यागी, इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन टी बी डायग्नास्टिक्स : इनोवेटिंग टू मेक एंड इम्पेक्ट, आई सी जी ई बी, नई दिल्ली, 16-17 दिसम्बर, 2010 ।

आचार्य वाई. डी. शर्मा सभी तीन राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों के फेलो हैं; वे जैव प्रौद्योगिकी हेतु परियोजना सलाहकार समिति, सी एस आई आर के सदस्य हैं; वे मानव संसाधन विकास संबंधी डी बी टी कृतिक बल उप समिति के सदस्य हैं; वे डी बी टी की टाटा इनोवेशन फेलोशिप तथा रामलिंगास्वामी फेलोशिप समिति के सदस्य हैं; वे डी बी टी - जे आर एफ परीक्षा समिति के सदस्य है; वे एन आई एम आर, दिल्ली के परपोषी जीव विज्ञान संबंधी अनुसंधान परामर्शी समिति के सदस्य हैं; वे एन आई सी डी आई पी विश्वविद्यालय के अनुसंधान अध्ययन बोर्ड के सदस्य हैं; वे अकादमिक समिति, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर के सदस्य है, वे जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में जैव प्रौद्योगिकी अध्ययन बोर्ड के सदस्य हैं; जवाहर लाल नेहरू विश्व विद्यालय, नई दिल्ली में वे आण्विक चिकित्सा हेतु केंद्र के लिए यूजीसी विज्ञान परामर्शी पेनल के सदस्य है; वे अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालया, अलीगढ़ में अंतर विधात्मक जैव प्रौद्योगिकी यूनिट के सदस्य है; वे वनस्थली विद्यापीठ में जैव प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर अध्ययन बोर्ड के विशेषज्ञ सदस्य हैं; वे देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर शिक्षण परामर्शी समिति के सदस्य हैं; वे बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी की शिक्षण परामर्शी समिति के विशेषज्ञ सदस्य है; वे हिमाचल प्रदेश विश्वविद्याल शिमला के सदस्य हैं; वे साऊथ कैम्पस, दिल्ली में दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्ययन बोर्ड के सदस्य है; वे मणिपाल सिक्किम इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस, गंगटोक के अध्ययन बोर्ड के सदस्य है; वे जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में अध्ययन बोर्ड, तंत्रिका विज्ञान के सदस्य हैं; वे जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में इंजीनियरी तथा अंतर विधात्मक विज्ञान के संकाय की डाक्टरल समिति में विशेषज्ञ है; वे जरनल वेक्ट बोर्न डिसीज के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य हैं; वे "मेडिकल साईंस मानीटर" के अंतर राष्ट्रीय समीक्षाकर्ता पेनल के सदस्य हैं; वे "जैव प्रौद्योगिकी" के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य हैं; वे एन एम एल पुस्तक चयन समिति के सदस्य है; वे एम्स की अनुसंधान समितियों के सदस्य है; वे एम्स की भंडार क्रय समिति के सदस्य है; वे एम्स की वार्ता समिति के अध्यक्ष हैं; वे एम्स में जारी चिकित्सा शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी समिति के सदस्य है; वे एम्स के पेटेंट प्रकोष्ठ के अध्यक्ष है; वे एम्स में परियोजनाओं में अनुसंधान स्टाफ की केंद्रीय भर्ती समिति के अध्यक्ष है; वे एम्स में नेनो प्रौद्योगिकी सुविधा के सदस्य है; वे प्रचार कार्यो के लिए समिति के सदस्य है; वे एम्स कम्प्यूटरीकरण समिति के सदस्य हैं; वे एम्स में वैज्ञानिकों के लिए डी पी सी के सदस्य हैं; वे एम्स नर्सिंग चयन समिति के समूह अध्यक्ष हैं; वे आधारभूत विज्ञानों में सम्मेलनों हेतु अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदानों के लिए एम्स समिति के अध्यक्ष हैं; वे दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में संकाय पदों के लिए, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल में संकाय पदों के लिए, पी जी आई चंडीगढ़ में संकाय पदों के लिए चयन समिति के सदस्य हैं; वे यूनिवर्सिटी कालेज आफ मेडिकल साईसेंस (यू सी एम एस), दिल्ली की जैव सुरक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य हैं; उन्होंने दिसम्बर, 2010 में आई सी जी ई बी, नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "मलेरिया" के संबंध में एक सत्र की अध्यक्षता की; नवम्बर, 2010 में उन्होंने इंडियन अकादमी आफ साइंसेस, गोवा की वार्षिक बैठक के दौरान संक्रामक रोगों संबंधी एक विशेष व्याख्यान की अध्यक्षता की; जुलाई 2010 में उन्होंने डी बी टी समन्वयक समिति बैठक, भीमताल में "प्रोग्रेस रिपोर्ट आफ एम एस सी बायोटेक्नॉलाजी टीचिंग प्रोग्राम्स" संबंधी सत्र की अध्यक्षता की; अप्रैल, 2010 में उन्होंने एम डी विश्वविद्यालय, रोहतक में मेडिकल बायोटेक्नॉलाजी, मेडिकल बायोटेक्नॉलाजी विजन 2020, संबंधी सत्र की अध्यक्षता की।

आचार्य जे. एस. त्यागी को जैव प्रौद्योगिकी विभाग में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत कार्य की देखरेख करने के लिए केंद्रीय जन संपर्क अधिकारी (सी पी आई ओ) नामनिर्दिष्ट किया गया था; वे आर ए पी - एस ए सी नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इम्यूनॉलाजी, नई दिल्ली; आर ए पी - एस ए सी बोस इंस्टीट्यूट, कोलकाता, एस ए सी - टी आर सी चेन्नई के सदस्य

है; वे एम्स की पेटेंट समिति; एम्स अनुसंधान समिति, चयन समिति, एन ए एस आई - एस सी ओ पी यू एस युवा वैज्ञानिक अवार्ड, 2010 के सदस्य हैं।

आचार्य एच. के. प्रसाद - सदस्य, आई सी एम आर तथा नेशनल जे ए एल एम ए इंस्टीट्यूट फार लेपरोसी एंड अन्य माइकोबैक्टीरियल डिसीजिज की तकनीकी समिति का विशेषज्ञ समूह, आगरा; विशेषज्ञ सदस्य, आई सीस एम आर की चयन समिति; सदस्य, मेडिकल बायोटेक्नॉलाजी सेक्शन कमेटी (एम एच डी-20), भारतीय मानक ब्यूरो; सदस्य सम्पादकीय बोर्ड, इंडियन जरनल आफ लेपरोसी; सदस्य परियोजना अनुवीक्षण समिति (पी एम सी), एस बी आई आर आई, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय; सदस्य, जैव प्रौद्योगिकी अध्ययन बोर्ड, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर; सदस्य, क्रय समिति, स्कूल आफ एन्वायरमेंटल साइसेंस, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय; तथा सह अध्यक्ष, एपेक्स कंडेमनेशन बोर्ड, एम्स।

डॉ. एस. एन. दास को नेशनल एकेडमी आफ मेडिकल साइंसेस का फेलो चुना गया; वे इंटरनेशनल अकादमी आफ बायोलाजीकल थिरैपी के फैलो के रूप में कार्यरत है; वे सदस्य, अमरीकन एसोसिएशन फार कैंसर रिसर्च, यू एस ए, हैं; वे सदस्य, डी के एफ जे अल्यूमनी एसोसिएशन, हीडलबर्ग, जर्मनी है; वे इंस्टीट्यूट आफ पैथालाजी (आई सी एम आर) नई दिल्ली की तकनीकी समिति के सदस्य है; वे एम्स की रिकम्बीनेंट डी एन ए अनुसंधान के लिए बायोएथिक्स समिति के सदस्य है; वे एम्स की वार्ता समिति के सदस्य हैं; वे प्रायोजित परियोजनाएं के तहत एम्स की पदों की चयन समिति के सदस्य है; उन्हें मेडिकल एलीमेंटॉलाजी एंड टाक्सीकालोजी विभाग, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के लिए डाक्टरल समिति का नियमित सदस्य नामांकित किया गया; वे ओपन जरनल आफ टाक्सीकालोजी, इंटरनेशनल जरनल आफ ओस्टियोपोरोसिस एंड मेटाबोलिक डिसआर्डर्स के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य है।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. संदीप डुआगर, अध्यक्ष, सी ई ओ एवं संस्थापक, सफेरा फार्मा प्राइवेट लिमिटेड, सिंगापुर (जेटिया तथा वाइटोरीन के सह-अन्वेषक) ने 18 मई, 2011 को विभाग का दौरा किया तथा "ड्रग डिस्कवरी एंड डेवलपमेंट - ए ट्रांस लेशनल साईंस" पर एक व्याख्यान दिया।

अन्य क्रियाकलाप

बायोइन्फार्मेटिक्स सेंटर

विभाग का बायोइन्फार्मेटिक्स संसाधन केंद्र, डाटाबेस और ग्रंथि विज्ञान खोज सुविधा, डी एन ए एवं प्रोटीन क्रम, खोज एवं सुधार, ई-मेल, इंटरनेट सर्विस, प्रशिक्षण और विद्यार्थियों को ग्राफिक्स, सांख्यिकी और डाटा प्रस्तुतीकरण में सहायता प्रदान करता है। इस सुविधा का विद्यार्थियों एवं इस संस्थान के संकाय के साथ-साथ अन्य पड़ोसी संस्थानों द्वारा व्यापक रूप में प्रयोग किया जा रहा है।

9.8 सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र

आचार्य एवं अध्यक्ष

सी. एस. पाण्डव

आचार्य

बीर सिंह	शशि कांत	संजीव गुप्ता

अपर आचार्य

किरन गोस्वामी	के. आनन्द	बरीदालेन नोंगकिनारिह

सह-आचार्य

संजय के रॉय	पुनीत मिश्रा	वाई. एस. कुसुम कुमारी

शिक्षा

स्नातक-पूर्व

ग्रामीण पोस्टिंग : कार्यक्रम की अवधि VII समेस्टर में पांच सप्ताह है। यह एक आवासीय तैनाती है और एक डॉक्टर के रूप में स्वास्थ्य सुरक्षा के प्राथमिक एवं द्वितीय स्तर पर कार्य करने के लिए प्रैक्टीकल कौशल सीखने पर जोर देना है। कार्यकलापों में समुदाय स्वास्थ्य हेतु पूर्व स्नातकों (ओ यू सी एच), को प्रोत्साहित करना, स्वास्थ्य प्रणाली दौरों, इपीडेमियोलोजीकल प्रयोगों और क्लीनिकल सत्रों को उन्नत बनाना शामिल है। शिक्षण तकनीकियां, जैसे कि ग्रुप अध्ययन, मामला अध्ययन, वीडियो फिल्म, समस्या आधारित शिक्षण का प्रयोग किया जाता है। विद्यार्थियों का फीडबैक काफी सकारात्मक है।

इंटर्न्स

अंतरंग डाक्टरों को 6 सप्ताह के लिए बल्लभगढ़ अस्पताल में और 6 सप्ताह के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, दयालपुर अथवा छैन्सा, दोनों में से किसी एक में तैनात किया गया है।

स्नातकोत्तर

समुदाय मेडिसिन विभाग के स्नातकोत्तरों को 18 माह के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में तैनात किया गया है। यह उन्हें रेफरल अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, दोनों में अनुभव प्राप्त करने का पर्याप्त समय देता है। उन्हें न्यायनिर्णयन में सक्रिय भागीदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। कम्प्यूटर सुविधा के आ जाने से स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को शोध प्रबंध हेतु संग्रहीत डाटा के विश्लेषण के लिए कम्प्यूटरों के प्रयोग हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। इसके अलावा, वे तैनातियों के दौरान अलग-अलग क्षेत्र आधारित प्रयोग भी करते हैं। नियमित शिक्षण प्रयोगों में सेमिनार/परिवार और मामला प्रस्तुतन, आदि शामिल हैं। समुदाय मेडिसिन में अल्प अवधि प्रशिक्षण विभिन्न विदेशी पूर्व स्नातक विद्यार्थियों को प्रदान किया जाता है।

क्रमिक चिकित्सा शिक्षा

केंद्र, समुदाय चिकित्सा के लिए जन स्वास्थ्य संगतता एवं महत्व के अतिथि व्याख्यान आयोजित करता है। 2010-11 के दौरान विभाग ने निम्नलिखित अतिथि व्याख्यान आयोजित किए।

1. डॉ. कृष्णकांत शुक्ला, भौतिक विज्ञानी से संगीतकार, वैज्ञानिक, लेखक, कवि और दार्शनिक बने, विज्ञान, अध्यातम एवं पर्यावरण, इडाहो, यूएसए और बी एच यू; वाराणसी, 15 अप्रैल, 2010 ।

2. डॉ. रोर्ड केजेलस्ट्रोम, जलवायु परिवर्तन, ऊष्मा विसर्जन तथा कार्यकारी लोगों पर प्रभाव - ट्रोपिकल देशों में जनस्वास्थ्य एवं अर्थव्यवस्था की आशंका, वैश्विक स्वास्थ्य अनुसंधान संबंधी सेंटर, उमीया विश्वविद्यालय, स्वीडन, 20 जुलाई, 2010 ।

3. श्री स्वदीप श्रीवास्तव, सी ई ओ, मीडिया और संचार के माध्यम से, प्रधान परामर्शदाता, हील फाउंडेशन स्वास्थ्य सुरक्षा संचार - प्राप्तकर्ता सिनर्जी, ब्रीजिंग डिवाइड्स; 22 जुलाई, 2010 ।

4. डॉ. क्रैसीड टोन्टीसिरन; अवकाश प्राप्त आचार्य, पेडिएट्रिक्स कायलैंड विश्वविद्यालय, आहार एवं खाद्य सुरक्षा, 31 अगस्त, 2010 ।

5. डॉ. सजक सेन, जन स्वास्थ्य के संबंध में आचरणिक विज्ञान, 12 अक्तूबर, 2010 ।

6. डॉ. गोपाल बशिष्ट; इंटरनल मेडिसिन एवं हिमैटोलॉजी प्रैक्टीशनर, सिम्बीफे हैल्थ; मॉर्डन मेडिसिन एवं आयुर्वेद के बीच सिमबॉयोटिक संबंध; ऑरलैंडों क्षेत्रीय चिकित्सा केंद्र, फ्लोरिडा अस्पताल, ऑरलैंडों, फ्लोरिडा, 1 नवम्बर, 2010 ।

सी एम ई/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 13

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एन ए सी ओ) के तहत समुदाय उपचार केंद्रों का निर्धारण। डॉ. शशि कांत, निधियन एजेंसी, एन ए सी ओ, 2 लाख रुपए।

2. एन्टेनेटल उपचार : दिल्ली में प्रवासी महिलाओं का उपयोग, अवबोधन एवं आकांक्षाएं - एक मिश्रित विधि अध्ययन। डॉ. वाई. एस. कुसुमा, एम्स, अनुसंधान अनुदान (2007-10), 99,950 रुपए।

3. भारत में गैर संचरणीय रोगों को दूर करने के लिए मौजूदा स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के लिए मॉडल विकसित करना फेज-II, के. आनन्द, आई सी एम आर, 2010-2012, 60.54 लाख रुपए।

4. एन सी आर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों में कोरोनरी ह्रदय रोग एवं इसके जोखिम कारकों की व्यापकता - एक पुनरावृत्त सर्वेक्षण। के. आनन्द, आई सी एम; 2009-2011, 75 लाख रुपए।

5. डायबेटीस : सी वी डी के और स्ट्रोक के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम की मॉनीटरिंग एवं मूल्यांकन के लिए कार्यक्रम मैनेजर किट तैयार करना। के. आनन्द, डब्ल्यू एच ओ, इंडिया, 2010-2011; 4.33 लाख रुपए।

6. गरीबों के लिए स्वास्थ्य बीमा : दिल्ली, भारत में सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े अप्रवासियों में स्वास्थ्य बीमा के भुगतान हेतु इच्छाशक्ति के निर्धारण हेतु अध्ययन। डॉ. वाई. एस. कुसुमा, आई सी एम आर, 2010-2013, 22,08,053 रुपए।

7. भारत में गैर संचरणीय रोगों को दूर करने के लिए मौजूदा स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के लिए मॉडल विकसित करना फेज-I, के. आनन्द, आई सी एम आर, 2010-2012, 25 लाख रुपए।

पूर्ण

1. उत्तराखंड के लिए डाटा ट्रेंएंगुलेशन का प्रयोग करते हुए जिला एवं उप जिला स्तरों पर एचआईवी/एड्स स्थिति की इपीडेनियोलॉजीकल प्रोफाइलिंग। डॉ. शशि कांत, एड्स निवारण और कंट्रोल प्रोजेक्ट (ए पी ए सी), 2010, 15,95,265 रुपए।

2. "मुख्यमंत्री जनानी शिशु स्वास्थ्य अभियान (एम जे एस एस ए) का समवर्ती मूल्यांकन - झारखंड में जनानी सुरक्षा योजना (जे एस वाई) आई एन सी एल ई एन द्वारा निधिकित (2009-2010)।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. दिल्ली के शहरी स्लम में प्रौढ़ों में चुनिंदा क्रोनिक अवस्थाओं का अध्ययन।
2. जीवन कालिक पहुंच का प्रयोग करते हुए ग्रामीण बल्लभगढ़ की गृहस्थियों में स्वास्थ्य में लिंग विभेदों का अध्ययन।
3. शहरी पुनर्वास कालोनी में प्रौढ़ों में ऑरल स्वास्थ्य समस्याओं पर अध्ययन।
4. हरियाणा के ग्रामीण समाज में रह रही प्रौढ़ आबादी में गैर एल्कोहलिक फैटी लीवर रोग की व्यापकता।
5. ग्रामीण बल्लभगढ़, फरीदाबाद जिला, हरियाणा, भारत के मिडिल स्कूलों में गैस-संचरणीय रोगों को रोकने के लिए स्वस्थ्य व्यवस्थापन पहुंच का क्रियान्वयन एवं मॉनीटरिंग।
6. ग्रामीण बल्लभगढ़, (ब्लॉक) फरीदाबाद जिला, हरियाणा, भारत के मिडिल स्कूलों में गैर-संचरणीय रोगों को रोकने के लिए स्वास्थ्य व्यवस्थापन पहुंच का क्रियान्वयन एवं मॉनीटरिंग।
7. बल्लभगढ़, ब्लॉक, हरियाणा में निइयोनेटल उपचार सेवाओं का निर्धारण।
8. नई दिल्ली में एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में आ रहे चोट के मामलों का इपीडेमियोलॉजीकल अध्ययन।
9. ग्रामीण बल्ल्भगढ़ में नवयुवतियों में रेप्रोडक्टिव स्वास्थ्य मामले।
10. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में प्रौढ़ों में एंथ्रोपोमिट्रिक विशेषताएं एवं कम पोषण।

पूर्ण

1. ग्रामीण क्षेत्र में प्रौढ़ व्यक्तियों के कोहोर्ट में मोर्टेलिटी से अंधेपन और श्रवण क्षति का संयोजन।
2. प्रौढ़ों में गैर संचरणीय रोगों के लिए उपलब्ध जोखिम निर्यात स्कोरों की मान्यता।
3. शहरी एवं ग्रामीण भारत में प्रौढ़ों में गैर संचरणीय रोग से संबंधित जोखम आचरण पर व्यय।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ग्लेकोमा के मरीजों में जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन। डॉ. आर. पी. सेंटर, आप्थलमिक विज्ञान, एम्स।
2. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में शिशुओं के माताओं में नवजात खतरनाक संकेतों के बारे में जानकारी निर्धारित करने के लिए अध्ययन। नर्सिंग कॉलेज, एम्स।
3. कोरनीयल डिसऑर्डरों पर समुदाय आधारित इपीडेमियोलोजीकल अध्ययन। समुदाय ऑप्थलमोलोजी विभाग, डॉ. आर. पी. सेंटर, आप्थलमिक विज्ञान, एम्स।
4. भारत गणराज्य में उभरते संक्रमणीय रोगों को दूर करना। भारत में ग्रामीण समुदायों में इंफ्यूंजा रोग का दबाव। रोग नियंत्रण सेंटर, यू एस ए (माइक्रोबॉयोलोजी विभाग)।
5. स्वास्थ्य प्रभावों को कम करने के लिए ग्रामीण समुदाय के इंडोर एयर पोलूटैंट्स और आचरण निर्धारण। टेरी एवं यूनीसेफ द्वारा निधिकित।
6. कम जन्म भार को कम करने के लिए इनोवेटिव सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त इंटरवेंशन पैकेज, डी एस टी, भारत सरकार द्वारा निधिकित।
7. घरेलू हिंसा के कारण एवं परिणाम : आंध्र प्रदेश में महिलाओं में यौन स्वास्थ्य पर अध्ययन। डॉ. जे. एम. नायडु, एंथ्रोपोलोजी विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, डॉ. वाई. एस. कुसुमा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग – (यू जी सी) नई दिल्ली द्वारा 2009-12 के लिए निधिकित।

8. भारत में बच्चों को दिए गए इंफ्सूट्रंजा टीके से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष संरक्षण। रोग नियंत्रण सेंटर; यू एस ए (माइक्रोबोयोलोजी विभाग)।

9. भारत फेज में मल्टीसाइट इंफ्लूइंजा निगरानी। रोग नियंत्रण सेंटर; यू एस ए (माइक्रोबोयोलोजी विभाग)।

10. आई सी एम आर द्वारा निधिकित डोपलर से इकोकार्डियोग्राफी का प्रयोग करते हुए बल्लभगढ़ ब्लॉक : हरियाणा में 5-15 आयु वर्ष ग्रुप के बच्चों में ह्यूमैटिक हृदय रोग की व्यापकता का अध्ययन।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 29

पुस्तकों में अध्याय : 1

जन शिक्षा हेतु लेख :

- डॉ. बीर सिंह ने 12 अंकों में एक नियमित मासिक कॉलम "व्यक्तिगत समस्याएं" अप्रैल, 2010 से मार्च 2011 (12 अंक) के प्रचलित मासिक पत्रिका "साखी" में लिखा।
- डॉ. बीर सिंह ने अप्रैल, 2010 से मार्च 2011 तक आकशवाणी पर 21 लाइव फोन-इन प्रोग्राम किए। इनमें शामिल है (i) तपेदिक और इसका उपचार, (ii) महिलाओं के स्वास्थ्य की पूर्ण सुरक्षा (iii) खसरा एवं छोटी माता; उनकी रोकथाम एवं उपचार; (iv) व्यक्तिगत हाइजीन; रोगों को रोकने के लिए प्रभावी हथियार, (v) सामान्य जांच एवं उनकी व्याख्या; (vi) एचआईवी एड्स, (vii) अंगदान - सभी पहलू, (viii) स्नोरिंग - इसे गंभीरता से लेना, (ix) बच्चों के स्वास्थ्य के सभी पहलू, (x) चोटों से संबंधित स्पोट्स एवं उनका उपचार, (xi) डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया बुखार, (xii) मिरगी; (xiii) डेंगू एवं मलेरिया ज्वर की रोकथाम एवं उपचार; (xvi) संदूषित भोजन एवं पानी के कारण रोग, (xv) जनसंख्या स्थिरीकरण - विकास की कुंजी, (xvi) एचआईवी/एड्स, (xvii) लीवर रोग एवं उनका उपचार; (xviii) धुम्रपान एवं स्वास्थ्य पर इसका बुरा प्रभाव; (xxi) समर माह के रोग जिसमें लू के थपेड़े शामिल हैं; (xx) महिलाओं में पुनउर्त्पादित संक्रमण ; निवारण एवं उपचार, (xxi) शहरीकरण के कारण रोग और उनका समाधान।
- डॉ. बीर सिंह ने निम्नलिखित टी वी कार्यक्रमों में भी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया : (i) चिकित्सा विज्ञान में नियमित जांच (डी डी न्यूज), (ii) एचआईवी/एड्स/एड्स (चर्चा में, डी डी न्यूज), (iii) एचआईवी/एड्स (डी डी न्यूज), (iv) डेंगू ज्वर (लोक सभा टी वी), (v) डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया ज्वर (न्यूज एक्स चैनल), (vi) डेंगू ज्वर (डी डी न्यूज), (vii) राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (डी डी न्यूज)।

रोगी उपचार

1. व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना बल्लभगढ़

(क) रेफरल अस्पताल, बल्लभगढ़ (ख) समुदाय स्वास्थ्य सेवा

रेफरल अस्पताल बल्लभगढ़

1. बहिरंग

निम्नलिखित बहिरोगी विभाग चलाए जाते हैं :

- प्रौढ़ों के लिए जनरल बहीरोगी
- बच्चों के लिए शिशु कल्याण सेंटर
- आप्थलमोलोजी बहिरोगी - प्रतिदिन
- ई एन टी, सप्ताह में दो बार

- डेंटल बहिरोगी - प्रतिदिन
- आब्स्टेट्रिक्स एवं गायनकोलोजी ओपीडी - प्रतिदिन
- पुनर्वास ओपीडी - सप्ताह में दो दिन
- साइट्रिक ओपीडी — सप्ताह में एक बार
- ए एन सी क्लिनिक - सप्ताह में तीन बार
- पेडिएट्रिक सर्जरी - ओपीडी/सर्जरी - साप्ताहिक
- एन सी डी क्लीनिक - सप्ताह में एक बार

नये रोगी	79,508
पुराने और नये रोगी	136,663
ए एन सी रजि.	4872
इम्युनाइजेशन	6367

2. अंतःरोगी

बिस्तरों की संख्या को 50 पर अपरिवर्तित रखा गया है।

(i) अस्पताल में जन्म सहित दाखिलों की कुल संख्या	7228
(ii) अस्पताल में जन्मे बच्चों की संख्या	1859
(iii) नवजातों सहित बिस्तर अधिभोग दर	50.9%
नवजातों को छोड़कर	40.7%
(iv) ठहरने की औसत अवधि	1.29 दिन
(v) दाखिले	
आपातकालीन सेवा से	4230
ओ पी डी से	1139
नवजात बच्चों से	1859

3. विशिष्टता द्वारा अंतःरोगियों का वितरण

विशिष्टता	संख्या
काय-चिकित्सा	1528
शल्य-चिकित्सा	229
प्रसूति एवं स्त्री रोग	2733
बाल-चिकित्सा	697
नेत्र विज्ञान	192
नवजात	1859
कुल	**7228**

4. आपात सेवाएं

पंजीकृत मरीजों की संख्या	22391
मेडिकोलीगल मामलों की संख्या	3335

5. निष्पादित डायग्नोस्टिक जांच

(i) लैब जांच (मलेरिया स्लाइडों सहित)	97662
(ii) एक्स-रे (कुल)	9290
(iii) मलेरिया स्लाइड	4294
मलेरिया के मामले	8
पी. विवैक्स	8
पी. फाल्सीपरम	शून्य

6. निष्पादित की गई सर्जिकल प्रक्रियाओं की कुल संख्या

पुरूष	696
महिला	1271
कुल	1967

7. संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक कंट्रोल कार्यक्रम (आर एन टी पी सी) बल्लभगढ़ अस्पताल, संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक कंट्रोल कार्यक्रम के अंतर्गत एक उपचार यूनिट है और इसके अधीन 4 माइक्रोस्कोपी सेंटर हैं। उपचारित कुल मामले 555 थे।

बल्लभगढ़ माइक्रोस्कोपी सेंटर पर उपचारित मामलों के ब्यौरे

श्रेणी-I 359 श्रेणी-II 114 श्रेणी-III 82

समुदाय स्वास्थ्य सेवाएं

इन्टेंसिव क्षेत्रीय प्रैक्टिस क्षेत्र (आई एफ पी ए)

इसमें दो प्राथमिक स्वास्थ्य सेंटर शामिल हैं : दयालपुर एवं छैन्सा। बहिरोगी, डोमीसिलेरी एवं रेफरल सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

(1) जनसांख्यिकीय सूचना

- जनसंख्या	88 985	- इनफैंट मोर्टेलिटी दर/1000	53.0
- मृत्यु दर/1000 जनसंख्या पर	7.0	- नियोनेटल मोर्टेलिटी दर प्रति 1000	26.27
- जन्म दर प्रति 1000 जनसंख्या पर	23.96	- मैटरनल मोर्टेलिटी दर प्रति 100,000 जीवित पैदाइश पर	140.71

(2) आई एफ सी ए में विभिन्न सेंटों पर ओ पी डी रोगियों का भार

पी एच सी का नाम	नये मामले	पुनरावृत्त मामले	कुल
दयालपुर	9811	8852	18663
छैइन्सा	9945	7836	17781

परिवार कल्याण और मातृत्व शिशु स्वास्थ्य

प्रोजेक्ट क्षेत्र, जिला परिवार कल्याण और टीकों एवं अन्य मदों की आपूर्ति हेतु इम्यूनाइजेशन कार्यालयों पर आश्रित हैं।

-कुल ए एन मामले (नये पंजीकरण)	2386
-गर्भवती महिला जो ए एन उपचार ले रही हैं	100%
-पंजीकृत मामलों की पूर्ण टी टी कवरेज	92.2%
-स्टाफ/अस्पताल द्वारा संचालित डिलीवरियां	528
- पात्र युग्म संरक्षण दर	64.28%
- व्यक्ति, जिन्होंने 2010 में परिवार नियोजन विधियों को स्वीकार किया	1641
-टयूबेक्टोमी	221
-वासेक्टोमी	6
-आई यू डी	237
-सी सी प्रयोगकर्ता	878
-ऑरल पिल्स	299

टीकाकरण पर विस्तारित कार्यक्रम

12 से 13 माह आयु का कवरेज

बी सी जी 96.59% ओ पी वी (3 खुराक) 98.3%

डी पी टी (3 खुराक) 98.3% छोटी माता 96.4%

राष्ट्रीय कार्यक्रम

1. मलेरिया

उक्त स्लाइडों का संग्रहण आई एफ पी ए में एक्टिव एवं पैसिव निगरानी द्वारा किया जाता है।

एकत्र किए गए स्लाइडों की कुल संख्या	12401
पॉजीटिव मामलों की कुल संख्या	3

सूचकांक

(i)	वार्षिक रक्त जांच दर	13.94%
(ii)	वार्षिक पैरासाइट घटना दर	0.03/1000
(iii)	स्लाइड सकारात्मकता दर	0.02%

2. क्षयरोग

संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण कार्यक्रम को आई एफ पी ए में राष्ट्रीय पद्धति पर चलाया जाता है। दयालपुर पी एच सी को माइक्रोस्कोपी सेंटर के रूप में नामोदिष्ट किया गया है और सभी गांवों को आई एफ पी ए के अंतर्गत लाया गया है। क्षेत्रीय प्रैक्टिस क्षेत्र में उपचारित रोगियों के ब्यौरे निम्नानुसार हैं।

श्रेणी-I 61 श्रेणी-II 28 श्रेणी-III 33 कुल 122

2. शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम

भाग क : प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य

एम 1	एनेटल उपचार सेवा (ए एन सी) मोबाइल वैन में देखे गए ए एन सी की समय संख्या	1223
1.	ए एन सी के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं की कुल संख्या (नये मामले - दिया गया प्रथम दौरा टैब फोलिक एसिड)	66
1.1	इसमें से पहले ट्रामेस्टर के भीतर पंजीकृत संख्या	133
3.	3 ए एन सी जांचों में प्राप्त हुए गर्भवती महिलाओं की संख्या	402
4.	गर्भवती महिलाओं की संख्या जिन्हें निम्न उपचार दिया गया	
4.1	टी टी 1	254
4.2	टी टी 2 बूस्टर	296
5.	गर्भवती महिलाओं की कुल संख्या जिन्हें 100 आई एफ ए गोलियां दी गईं	943
5.1	फोलीफर/सिप. की कुल संख्या ए एन सी मरीजों में लौह (1223 x 30) गोली + सीरप 275 बोतल	36690+275
6.	हाइपरटेंशन वाली गर्भवती महिलाएं (बी पी > 140/90)	6
6.1	मोबाइल हैल्थ क्लीनिक वैन में पता लगाए गए नये मामले	137
7.	अनेमिया वाली गर्भवती महिलाएं	321
7.1	संख्या जिनमें एच बी लेबल है < 11 (परीक्षित मामले)	437
एम 2	डिलीवरी, जिसमें अस्पताल की डिलीवरी शामिल है	152
8.	घर पर छोड़ा गया	19
8.1	निम्न द्वारा उपचारित होम डिलीवरियों की संख्या	
(क)	प्रशिक्षित (डाक्टर/नर्स/ए एन एम)	31
(ख)	गैर एस बी ए (प्रशिक्षित टी बी ए/संबंधी/	15
	(क) से (ख) का योग	46
8.2	होम डिलीवरी के 24 घंटों के भीतर आए नवजातों की संख्या	11
एम 3	गर्भावस्था परिणाम और नवजातों के ब्यौरे	
10.	गर्भावस्था परिणाम (संस्थाओं में)	
10.1	लाइव बर्थ 3,4,6 ब्लॉक 1,2,14 ब्लॉक पता	
क.	पुरुष	116
ख.	महिला	77
	योग क+ख	193
10.2	मृत प्रसव	2

10.3	गर्भपात (स्वतः/प्रवृत्त) एम टी पी	23
11.	भारित नवजात बच्चों के ब्यौरे	
11.1	जन्म पर भारित नवजातों की संख्या	172
11.2	नवजातों की संख्या जिनका 2.5 किलोग्राम से कम वजन है (पता) :	23
12.	नवजातों की संख्या जिन्होंने 1 घंटे के भीतर स्तनपान किया ( )	47
एम 4	परिवार नियोजन	
17.	संवितरित ऑरल पिल्स चक्रों की संख्या	53
18.	संवितरित कंडोम की संख्या	4280
	एम टी पी के लिए प्रेरित एवं भेजे गए	22
	सी यू टी अंतःक्षेपण हेतु प्रेरित एवं भेजे गए	11
	एम टी पी और सी यू टी के लिए उल्लिखित	12
	टी एल 82 के लिए प्रेरित ट्यूबसेटोमी 18 ए एन सी के लिए प्रेरित एवं उल्लिखित	100
	ट्यूबेक्टोमी के बाद उल्लिखित मरीज	17
	एम टी पी एवं सी यू टी अंतःक्षेपण के बाद सूचित मरीज	4
	एम टी पी और ट्यूबल लिगेशन के बाद सूचित मरीज	9
एम 6	शिशु प्रतिरक्षण	
22	0 से 11 माह पुराने शिशुओं की संख्या जिन्होंने निम्नलिखित प्राप्त किया	
	पुरुष महिला	
22.1	बी जी सी	242
22.2	डी पी टी 1	494
22.3	डी पी टी 2	544
22.4	डी पी टी 3	522
22.5	ओ पी वी 0 (बर्थ डोज)	96
22.6	ओ पी वी 1	468
22.7	ओ पी वी 2	559
22.8	ओ पी वी 3	522
22.9	हिपाटाइटिस - बी 1	540
22.10	हिपाटाइटिस - बी 2	562
22.11	हिपाटाइटिस - बी 3	533
22.12	छोटी माता	480

22.13	9 से 11 माह के बीच की आयु के बच्चों की कुल संख्या जो पूरी तरह से प्रतिरक्षित है (बी सी जी + डी पी वी 1,2,3 + ओ पी वी 1,2,3 + छोटी माता)	
	पुरूष	863
	महिला	817
	कुल (क) + (ख)	1680
23.	16 माह से अधिक आयु के बच्चों की संख्या जिन्होंने निम्नलिखित प्राप्त किया	
	पुरूष महिला	
23.1	डी पी टी बूस्टर	459
23.2	ओ पी वी बूस्टर	459
23.3	एम एम आर टीका	520
24.	प्रतिरक्षा स्थिति	
24.1	12 से 23 माह के बीच की आयु के बच्चों की कुल संख्या जो माह के दौरान पूर्णरूप से प्रतिरक्षित हैं (वी सी जी + डी पी वी 1,2,3 + ओ पी वी 1,2,3 + छोटी माता)	
(क)	पुरुष	1400
(ख)	महिला	1269
	योग (क) + (ख)	2669
	2-5 वर्ष के बच्चे जिन्हें डी टी1/ओ पी वी दिया गया (पुरूष =) (महिला =)	111
	2-5 वर्ष के बच्चे जिन्हें डी टी2/ओ पी वी दिया गया (पुरूष = 0) (महिला = 0)	12
24.2	5 से अधिक वर्ष के बच्चे जिन्हें डी टी 5/ओ पी वी दिया गया (पुरूष =) (महिला =)	311
24.3	10 से अधिक वर्ष के बच्चे जिन्हें टी टी 10 दिया गया (पुरूष = 0) (महिला = 0)	124
24.4	16 वर्ष से अधिक के बच्चे जिन्हें टी टी 16 दिया गया (पुरूष = 0) (महिला =)	24
24.5	प्रतिरक्षण का पालन करते हुए प्रतिकूल स्थिति	
(क)	फोड़ा	-
(ख)	मृत्यु	-
(ग)	अन्य	-
	कुल क से ग	-
25.	माह के दौरान प्रतिरक्षण बैठकों की संख्या	
25.1	नियोजित बैठकें	99
25.2	आयोजित बैठकें	99
26.1	टाइफाइड टीके से प्रतिरक्षित बच्चों की संख्या, पुरूष =, महिला =	600

26.2	बच्चों की संख्या जिन्हें हिपाटाइटिस -बी जीरो खुराक दी गई	2
27.	9 माह और 5 वर्ष के बीच नियंत्रित विटामिन ए	
27.1	विटामिन ए 1 डोज - 1,2,3 (1 खुराक पुरूष =) (महिला =) विटामिन ए -2 - पुरूष = 0, महिला = 0	728
27.2	खुराक - 5	7
27.3	खुराक - 9	6
एम 8	माह के दौरान सूचित बाल रोग (0-5 वर्ष) के मामलों की संख्या	-
28.	छोटी माता	235
29.	डिहाइड्रेशन/ल्यूसमोशन के साथ और इसके बगैर डायरिया	-
30.	मलेरिया	
भाग ख स्वास्थ्य सुविधा सेवाएं		
एम 9	देखे गए ए एन सी की मरीज सेवा संख्या	22297
32	बहिरोगी	23332
32.1	समस्त ओ पी डी चिकित्सा	820
एम 10 प्रयोगशाला जांच		
33.	लैब परीक्षण	
33.1	संचालित एच बी जांच की संख्या	720
33.2	उनकी संख्याएं जिनकी एच बी < 7 मिलीग्राम है, 1 एच बी < 11 =	15
63(क)	संचालित मलेरिया जांच	210
(ख)	पॉजिटिव प्लाजमोडियम विवैक्स	3
(ग)	प्लाजमोडियम फाल्सीवरम जांच पॉजीटिव	2
	की गई यूरिन गर्भावस्था जांच	154
	परीक्षित यूरिन अल्बुमिन एवं सुगर	90
	दूसरे एवं तीसर स्तर के अस्पतालों को भेजे गए ओ पी डी मरीज	1085
	बुकिंग एवं जांच के लिए भेजे गए ए एन सी	522
	बुक की गई ए एन सी	452
	आयरन एवं फोलिक एसिड टैब 41280/सिरप वितरित एनेमिक एवं ए एन सी 304 बोतल	41280+304
	पेइड फोलीफर	13,000
	संवितरित ओ आर एस	1737

शहरी फील्ड प्रैक्टिस क्षेत्र
सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र
(जनवरी-दिसम्बर, 2010)

जनसंख्या	21,399	घरों की संख्या	2904
लिंग अनुपात	935/1000 पु.		
परिवारों की संख्या	4593	औसत परिवार आकार	4.66
जन्म संख्या	242	लिंग अनुपात	847/1000 पु.
मृत्यु संख्या	57	सी बी आर	11.3/1000 जनसंख्या
		सी डी आर	2.66/1000 जनसंख्या
एस बी	2	आई एम आर	20.61/1000 एल बी
एन एन डी	3	शिशु मृत्यु संख्या दर	21/1000 एल बी
पांच से नीचे जनसंख्या =	1249 (5.8%)	लिंग अनुपात = 87/1000 पु.	
प्रौढ़ =	4.7	लिंग अनुपात= 937/1000	
प्रतिरक्षण 12-23 माह = 240			
बी सी जी 1000%		डी पी टी - ओ पी वी तीसरी डोज	99%
हिपा. बी तीसरी डोज	99%	छोटी माता	98%
एम एम आर	94%	डी पी टी - बी	89%
विटामिन-ए	76%		
3 से नीचे के बच्चों की आहारात्मक स्थिति : 734			
सामान्य	61		
जी आर I	35%		
जी आर II	4%		
पात्र जोड़े	3684 (17.2%)		
कांट्रासेप्टिव प्रयोग	1389 (37.7%)		
सी सी	29%	ओ सी	16%
टी बी	46%	वी एस	0.5%
आई यू डी सी	8%		
इन्फर्टीलिटी	1.1%		
पंजीकृत ए एन सी	312		
गर्भपात	4		
टी टी 2/बी	307 (98%)		
आईएफए (100 दिन)	303 (97%)		
पंजीकृत डिलीवरी	247		
सरकारी अस्पताल	81%		
प्राइवेट अस्पताल	13%		
गृह	6%		

विशेष कार्यकलाप

स्वास्थ्य शिक्षा कार्यकलाप : डॉ. अनिल गोस्वामी एवं क्षेत्रीय स्टाफ

आयोजित घटनाएं/प्रदर्शन

क्रम सं.	कार्यकलाप का नाम	भागीदार	दिनांक
1	एम्स में "विश्व स्वास्थ्य दिवस" पर आयोजित प्रदर्शनी	1000	07 अप्रैल, 2010
2	दक्षिणपुरी विस्तार, डॉ. अम्बेडकर नगर, नई दिल्ली में "प्रतिरक्षण" पर प्रोजेक्ट इंटरवेंशन	205	10 अप्रैल, 2010
3	एम्स परिसर में 20 स्थानों पर प्रदर्शित "मातृत्व दिवस" पर पोस्टर्स		08 मई, 2010
4	दक्षिणपुरी विस्तार, डॉ. अम्बेडकर नगर, नई दिल्ली में "विश्व तम्बाकू नहीं दिवस" पर आयोजित स्वास्थ्य प्रदर्शनी	80	05 जून, 2010
5	दक्षिणपुरी विस्तार, डॉ. अम्बेडकर नगर, नई दिल्ली में "कुपोषण, ब्रेस्ट फीडिंग एवं वीनिंग" पर आयोजित स्वास्थ्य प्रदर्शनी	80	09 जून, 2010
6	दक्षिणपुरी विस्तार, डॉ. अम्बेडकर नगर, नई दिल्ली में "नेत्र उपचार" पर प्रोजेक्ट इंटरवेंशन	200	19 जुलाई, 2010
7	दक्षिणपुरी विस्तार, डॉ. अम्बेडकर नगर, नई दिल्ली में परिवार स्वास्थ्य इंटरवेंशन कार्यक्रम के तहत "क्षयरोग" पर आयोजित एक रोल नाटक	213	30 अगस्त, 2010
8	दक्षिणपुरी विस्तार, डॉ. अम्बेडकर नगर, नई दिल्ली में "मिरगी, एल्कोहल एवं ओवरक्राउंडिंग" पर आयोजित तीन रोल नाटक	225	06 सितम्बर, 2010
9	एम्स में "संस्थान दिवस स्वास्थ्य प्रदर्शन" में भाग लिया (16 पोस्टर्स)	-	25-27 सितम्बर, 2010
10	राजपथ इंडिया गेट पर हेल्प एज इंडिया द्वारा आयोजित "वयोवृद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस" की पूर्व संध्या पर "वाल्काकन" में भाग लिया और चिकित्सा सहायता प्रदान की।	-	01 अक्तूबर, 2010
11	दक्षिणपुरी विस्तार, डॉ. अम्बेडकर नगर, नई दिल्ली में आयोजित "वैश्विक हैंड वाशिंग दिवस"	120	15 अक्तूबर, 2010
12	एम्स स्टाफ एवं विद्यार्थियों के लिए फोयर के सामने "एचआईवी/एड्स" पर आयोजित स्वास्थ्य प्रदर्शनी	-	1 दिसम्बर, 2010
13	दक्षिणपुरी विस्तार, डॉ. अम्बेडकर नगर, नई दिल्ली में "एचआईवी/एड्स" पर आयोजित प्रदर्शनी	-	2 दिसम्बर, 2010
14	ओपीडी मरीजों के लिए राजकुमारी अमृत कौर, ओपीडी, एम्स में "विश्व एड्स दिवस" के मौके पर "एचआईवी/एड्स" पर आयोजित प्रदर्शनी	7,000	2-7 दिसम्बर, 2010
15	ठंड से बचाने के लिए शरद ऋतु में "दिल्ली रैन बसेरा" (गली/घर रहित लोगों) में रह रहे लोगों के लिए प्रयुक्त कपड़ों के आठ बक्से भेजे गए थे।	-	06 जनवरी, 2011
16	दक्षिणपुरी विस्तार, डॉ. अम्बेडकर नगर, नई दिल्ली में "विश्व कुष्ठ दिवस" पर आयोजित प्रदर्शनी	90	28 जनवरी, 2011
17	दक्षिणपुरी विस्तार, डॉ. अम्बेडकर नगर, नई दिल्ली में "गृह चिकित्सा" पर हैड प्रोजेक्ट इंटरवेंशन	180	18 फरवरी, 2011
18	दक्षिणपुरी विस्तार, डॉ. अम्बेडकर नगर, नई दिल्ली में "विश्व टी बी दिवस" पर आयोजित प्रदर्शनी एवं चर्चा।	80	28 मार्च, 2011

पन्द्रह फिल्म शो विभिन्न शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत संचालित किए गए थे। तीन सौ दो शिक्षण सत्र प्रक्षेपित के और चार सत्र फोटोग्राफ के किए गए थे। 10 घटनाओं के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम प्रयोग किए गए थे।

चिकित्सा विद्यार्थियों और नर्सिंग विद्यार्थियों द्वारा चार रोल नाटक एल्कोहल, ड्रग एडिक्शन, परिवार नियोजन, पोलियो, व्यक्तिगत हाइजीन, ओबसिटी, मदर एवं शिशु स्वास्थ्य एवं महिला इन्फैंटीसाइड, दुर्घटना, स्वास्थ्य जीवन शैली, लिंग ब्यास, लघु परिवार मानक, नेत्रदान, और स्वाइन फ्लू पर समुदाय में निष्पादित किए गए थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन एस एस) यूनिट, एम्स

एम्स की एन एस एस यूनिट कम्युनिटी मेडिसिन सेंटर में स्थित है। डॉ. बीर सिंह इसके प्रोग्राम संयोजक हैं।

सेक्स एवं विवाह परामर्श क्लीनिक (एस एम सी सी) एम्स अस्पताल : मुख्य एम्स अस्पताल में सप्ताह में तीन बार कमरा नम्बर 38 में डॉ. बीर सिंह संकाय प्रभारी हैं।

देखे गए नये मरीज	1785	देखे गए पुराने मरीज	1833
देखे गए कुल मरीज	3618		
पूरी की गई जांचें			
ब्लड शुगर	93	सेमेन विश्लेषण	385
यूरिन आर एवं एम	40	हार्मेन विश्लेषण	483
वी डी आर एल/एचआईवी/यूरिन एवं वीर्य सी/एस	41	हिमोग्लोबिन	08
यू एस जी/डोपलर	216	एफ एन ए सी	79

एड्स शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ (ए ई टी सी)

डॉ. बीर सिंह इस प्रकोष्ठ के संयोजक हैं। प्रकोष्ठ द्वारा 2010-11 में निम्नलिखित कार्यकलाप आयोजित किए गए थे।

- एचआईवी/एड्स, सेक्स से संबंधित मामले और कांट्रासेप्शन (शुभचिंतक) पर टेलीफोन हेल्पलाइन रोजमर्रा कालों का प्राप्त करते हुए सामान्य लोकप्रियता के साथ चलाया जा रहा है।
- एचआईवी/एड्स, सेक्स से संबंधित मामलों और कांट्रासेप्शन पर इंटरनेट आधारित हेल्पलाइन "ई-शुभचिंतक" को सामान्य लोकप्रियता से प्रचालित किया जा रहा है। औसतन, एचआईवी/एड्स, यौन समस्या, एस टी डी, कांट्रासेप्शन आदि पर प्रश्नों से परे आई ई सी सामग्रियों के लिए 1-2 मांगपत्र दैनिक आधार पर प्राप्त होने थे।
- प्रकोष्ठ ने एचआईवी/एड्स पर शैक्षणिक सामग्री को 2010-11 में आम जनता को प्रस्तुत किया और प्रचारित किया।
- लगभग 77 नये मरीजों को एचआईवी/एड्स पर पुराने मरीजों की काउंसिलिंग से भिन्न व्यक्तिगत काउंसिलिंग दी गई थी।
- 1 दिसम्बर, 2010 को विश्व एड्स दिवस पर एम्स में एचआईवी/एड्स पर मिनी प्रदर्शनी आयोजित की।

स्वास्थ्य संवर्धन एवं स्वास्थ्य सम्प्रेषण (एच पी एच सी) यूनिट, सी सी एम

डॉ. बीर सिंह यूनिट के संकाय प्रभारी हैं। यूनिट कम्युनिटी के साथ-साथ एम्स में निम्नलिखित कार्यक्रम चलाती है।

- इसकी नवीनता कार्यक्रम श्रृंखलाओं "विवाह पूर्व अनुकूलन और प्रसन्न विवाहित जीवन के लिए काउंसलिंगष्, को जारी रखना।
- एम्स में आम जनता के लिए (हेल्प) स्वास्थ्य विषयों पर नियमित, मासिक व्याख्यान चर्चाओं की नियमित श्रृंखलाएं। इन हेल्पस में भारी ऑडियन्स द्वारा भाग लिया गया था।
- एम्स में विभिन्न स्वास्थ्य शिक्षण कार्यक्रमों और प्रोग्रामों के लिए निरंतर ऑडियो विजुवल एवं प्रिंट उपलब्ध कराना।

- विभिन्न शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत उन्नीस फिल्म शो संचालित किए गए थे।
- कम्युनिटी में डायरिया और ओ आर एस; एचआईवी/एड्स, एल्कोहोलिज्म, ड्रग एडिक्शन, परिवार नियोजन, पोलियो, व्यक्तिगत हाइजीन" ओबेसिटी एवं मदर एवं शिशु स्वास्थ्य पर पांच रोल नाटक निष्पादित किए गए थे।

सामाजिक सेवाएं (डॉ. अनिल गोस्वामी और श्रीमती नीना चावला)

4322 से अधिक मरीजों/क्लाइंटों की पहचान की गई थी और चिकित्सा सामाजिक सेवाएं प्रदान की गई थीं। इसमें कई तरह की सेवाएं जैसे कि काउंसिलिंग, चिकित्सा एवं वित्तीय मदद में उन्हें सहायता करना और विभिन्न सामाजिक कल्याण संस्थानों/संगठनों को भेजना शामिल है।

	डॉ. अनिल गोस्वामी	श्रीमती नीना चावला	कुल
सामाजिक सेवाओं के लिए अभिज्ञात मरीज	1,422	3,000	4322
निम्न के लिए व्यवस्थित वित्तीय सहायता	03		
मेडिसिन	-	8	11
शिक्षण	-	04	04
व्यवसाय	05	05	05
छूट प्राप्त प्रभार		08	13
उपलब्ध काउंसिलिंग :			
व्यक्तिगत	1154	2017	3117
परिवार	156	200	356
ग्रुप	48	170	218
विभिन्न सामाजिक कल्याण संगठनों की रेफरल सेवाएं	32	54	86
पुनर्वास सेवाएं			
ड्रग डिएटिक्शन	08	04	12
जॉब्स	02	04	06
कैंसर के रोगी	02	03	05
विक्लांग	02	04	06
स्कूल छोड़ चुके	-	01	01
विधवा/परित्यक्त	02	06	08
पौषणिक अनुपूरक	-	05	05
व्यवस्थित कैटारैक्ट			
सर्जरी	02	24	26
व्यावसायिक प्रशिक्षण	-	02	02
फिजियोथैरेपी	04	02	06
गरीब मरीजों के लिए निःशुल्क डेंचर	-	05	05
विधवा पुत्रियों की विवाह के लिए मदद	02		03
अपराह्नों में हेल्पलाइन पर काउंसिलिंग	-	300	

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

कम्युनिटी मेडिसिन संबंधी सेंटर, कम्यूनिटी आधारित गैर-संचरणीय रोग निवारण एवं कंट्रोल में क्षमता निर्माण एवं अनुसंधान के लिए डब्ल्यू एच ओ सहयोगकारी सेंटर के रूप में नामोदिष्ट किया गया था।

आचार्य सी. एस. पाण्डव को कर्नाटक सरकार द्वारा व्यापक पोषण मिशन, कर्नाटक संबंधी कार्यनीति समिति का सदस्य नियुक्त किया गया था; 2010-2012 के लिए भारतीय जन स्वास्थ्य संस्था (आई पी एच ए) का अध्यक्ष चुना गया था; बिहार और भारत, पटना, बिहार में आयोडीन की कमी वाले डिसऑडरों को स्थायी निराकरण के संबंध में डॉ. लक्ष्मीकांत मेमोरियल व्याख्यान - ट्रैकिंग प्रोग्रेस प्रदान किया; महानिदेशक आई सी एम आर द्वारा गठित हाइपरटेंशन पर "विशेषज्ञ समिति" का सदस्य नियुक्त किया गया; के आई आई टी, विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के कम्युनिटी मेडिसिन के विषय में अध्ययन बोर्ड के आमंत्रित सदस्य थे; नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत के पोपुलर विज्ञान श्रृंखला के लिए सलाहकारी पैनल के सदस्य के रूप में नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा आमंत्रित किया गया; बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में 12-13 अप्रैल, 2010 को जे एस एस और एम के बीच सहयोग के लिए कार्यसूची को उचित रूप देने के लिए जन स्वास्थ्य सहयोग (जे एस एस) द्वारा आयोजित बैंक में भाग लिया; 20-21 मई, 2010 तक बाहरी परीक्षक के रूप में पश्चिम बंगाल विश्वविद्यालय, स्वास्थ्य विज्ञान, कोलकाता में एम डी (कम्युनिटी मेडिसिन) परीक्षा संचालित की; पूणे, महाराष्ट्र में 4-6 सितम्बर, 2010 को संधिवात रोगों के नियंत्रण हेतु कम्युनिटी उन्मुखी प्रोग्राम (सी ओ पी सी ओ आर डी) की सलाहकारी समिति की प्रारंभिक बैठक में भाग लिया; 2 सितम्बर, 2010 को यूनिसर्वल साल्ट आयोडाइजेशन (यू एस आई) तमिलनाडु पर तमिलनाडु सरकार - राष्ट्रीय आयोडीन कमी नियंत्रण प्रोग्राम (जी ओ टी एन - एन आई डी डी सी पी) कार्यशाला में भाग लिया; 17-19 सितम्बर, 2010 को आई एम ए हाउस, इर्नाकूलम, केरल में आई पी एच ए के ई आर ए एल ए सी ओ एन 2010 (आई पी एच ए, केरल का पहला राज्य सम्मेलन) में भाग लिया; 27 सितम्बर, 2010 को 55वें स्थापना दिवस समारोह और भारतीय जन स्वास्थ्य संस्था (आई पी एच ए) कोलकाता की 156वीं सेंट्रल परिषद बैठक में भाग लिया; 14 अक्तूबर, 2010 को राष्ट्रीय इपीडेमोलोजी संस्थान (एन आई ई) में जन स्वास्थ्य समीक्षा बैठक के आई सी एम आर स्कूल के लिए अध्ययन बोर्ड में भाग लिया; 8-10 नवम्बर, 2010 को एन आई ई, चेन्नई में बाहरी परीक्षक के रूप में एम पी एच प्रोग्राम के लिए वीवा वॉडस परीक्षा संचालित की; 28-30 जनवरी, 2011 को जन स्वास्थ्य विभाग, के एल ई अकादमी, उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान, बेलगाम, कर्नाटक की भारतीय स्वास्थ्य संस्था की 55वीं वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया; 11-12 फरवरी, 2011, सेवाग्राम, वर्धा, महाराष्ट्र में भारतीय जन स्वास्थ्य संस्था और भारतीय निवारक एवं सामाजिक मेडिसिन (महाराष्ट्र चैप्टर) संस्था के संयुक्त वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया। 26 मार्च, 2011 को जयपुर में भारतीय जन स्वास्थ्य संस्था के रेलवे चैप्टर के 11वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया; 28-30 जुलाई को बैंकाक; थाइलैंड में आयोडीन कमी अव्यवस्थाओं थाइलैंड के लिए एक उभरती चुनौती पर विकास सहयोग सेमीनार में भाग लिया; 9-14 अगस्त, 2010 को कोलम्बो, श्रीलंका में एम डी (कम्युनिटी मेडिसिन/कम्युनिटी डेंटीस्ट्री) भाग I और II परीक्षा संचालित की; 6-10 सितम्बर, 2010 को डब्ल्यू एच ओ - एस ई ए आर ओ, बैंकाक, थाईलैंड की क्षेत्रीय समिति के 63वें सत्र में भाग लिया; 8-9 दिसम्बर, 2010 को कतर, ओमान में आयोडीन कमी अव्यवस्था के स्थायी निराकरण पर कार्यशाला में भाग लिया।

आचार्य बीर सिंह को वर्ष 2010-11 के लिए भारतीय जन स्वास्थ्य संस्था के प्रतिष्ठित होनोरेरी अध्येतावृत्ति प्रदान की थी; जन स्वास्थ्य एवं शिक्षा के लिए सलाहकार पैनल के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी द्वारा नामित किया गया था; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री गुलाम नबी आजाद के साथ ब्रेनस्ट्रोमिंग सत्र के लिए आमंत्रित 28-29 सितम्बर, 2010); भारतीय पेडिएट्रिक पत्रिका के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य नियमित रूप में महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवा (भारत सरकार) द्वारा प्रस्तावित राष्ट्रीय मिरगी नियंत्रण कार्यक्रम (जनवरी, 2011) की समीक्षा हेतु समिति के सदस्य के रूप में नामित किया; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा विशेष सलाहकार बोर्ड, परिवार चिकित्सा के सदस्य के रूप में नियुक्त किया (दिसम्बर, 2010); दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली, एन सी आर में डेंगू, मलेरिया और अन्य वेक्ट बोर्न रोगों के नियंत्रण हेतु मल्टी डिसीपलीनरी कार्य करने के सदस्य के रूप में नामित किया गया; (अक्तूबर, 2010); सेवाग्राम, वर्धा में एम सी एच में "अनुसंधान हेतु अनुप्रयुक्त सेंटर" प्रस्ताव की समीक्षा के लिए सेंटर स्थापित करने हेतु आई सी एम आर की "वैज्ञानिक सलाहकार समिति" के सदस्य के रूप में नामित किया (अक्तूबर, 2010); कम्युनिटी

मेडिसिन, पंडित बी. डी. शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विद्यालय, रोहतक में स्नातकोत्तर अध्यन बोर्ड के लिए नामित किया, (जून, 2010); संघ लोक सेवा आयोग (यू पी एस सी), भारत सरकार द्वारा आयोग द्वारा संचालित चिकित्सा पदों के लिए साक्षात्कार लेने हेतु सलाहकार के रूप में सूचीबद्ध किया; सरकारी चिकित्सा कॉलेज, श्रीनगर, जम्मू व कश्मीर विश्वविद्यालय में एम बी बी एस परीक्षा के लिए परीक्षक, फरवरी, 2011; बेलगाम (कर्नाटक) में जनवरी, 2011 में भारतीय जन स्वास्थ्य संस्था (आई पी एच ए) के 55वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया; एम डी कम्युनिटी मेडिसिन (जरवरी, 2011) के लिए शोध प्रबंध की समीक्षा के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षक नियुक्त किया गया; एम्स द्वारा कम्युनिटी अध्ययनों की समीक्षा के लिए गठित उप समिति का सदस्य नामित किया (नवम्बर, 2010); बॉयोस्टेटिक्स विभाग में पी एच डी विद्यार्थियों के लिए और रिप्रोडक्टिव बॉयोलाजी में एक विद्यार्थी के संबंध में डॉक्टरल समिति पर जारी विशेषज्ञ सदस्य के रूप में मई, 2010 को डेसर्ट मेडिसिन एवं अनुसंधान सेंटर (डी एम आर सी), जोधपुर की 19वीं वैज्ञानिक सलाकार बैठक में भाग लिया; सरकारी मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर द्वारा मई, 2010 में आयोजित जम्मू व कश्मीर विश्वविद्यालय के एम डी परीक्षा हेतु परीक्षक; इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, (आई जी एन ओ यू) में एचआईवी मेडिसिन में पी जी डिप्लोमा के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया; 27-28 अप्रैल, 2010; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के विषय "शहरी स्वास्थ्य मामले" पर, 6 अप्रैल, 2010 को विश्व स्वास्थ्य दिवस, 2011 समारोह आयोजित किया; राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया; एम्स में संस्थानिक जिम्मेदारियां; सह-अध्यक्ष, जिमखाना समिति; सदस्य, राजभाषा समिति; सदस्य विद्यार्थी कल्याण समिति, एम्स को अनुसंधान उप-समिति के कम्युनिटी आधारित अनुसंधान अध्ययन के चयन के लिए सदस्य; सदस्य, चयन समिति एवं डी पी सीज; अनुसंधान से संबंधित; सदस्य, डॉ. मनीष जैन की डॉक्टरल समिति, एम्स का रिप्रोडक्टिव बॉयोलोजी विभाग; बॉयोस्टेटिक्स विभाग, एम्स में पी एच डी विद्यार्थी के लिए सह-मार्गदर्शक; कम्युनिटी आधारित अनुसंधान अध्ययनों के चयन के लिए एम्स की अनुसंधान उप-समिति के सदस्य।

आचार्य शशि कांत ने लखनऊ में 16-18 सितम्बर, 2010 तक अस्पताल प्रशासन विभाग; सी एस एस एम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एचआईवी/एड्स इपीडेमिक पर विशेषज्ञ ग्रुप बैठक में भाग लिया; नई दिल्ली में 14-15 सितम्बर, 2010 को एचआईवी/एड्स 2010-2015, भारत के लिए डब्ल्यू एच ओ स्वास्थ्य सेक्टर कार्यनीति पर विचार-विमर्श; एचआईवी संक्रमण 2010 हेतु वार्षिक सेंटीनल निगरानी हेतु राष्ट्रीय राष्ट्रीय एड्स कंट्रोल संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान की सेंट्रल टीम। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित वर्ष 2010-2011 के लिए क्षेत्रीय एचआईवी सेंटीवेल निगरानी संस्थान; एचआईवी निगरानी और आकलन पर तकनीकी संसाधन ग्रुप (टी आर जी); राष्ट्रीय एड्स कंट्रोल संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित तकनीकी संसाधन ग्रुप (टी आर जी) जो लैंगिक रूप से ट्रांसमिटेड संक्रमण सेवा के संबंध में है; प्रोग्राम अधिकारी (निगरानी) और नेशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन के संबंध में इपीक्रमिओलोजिस्ट भर्ती हेतु चयन समिति के सदस्य, नई दिल्ली; प्रोजेक्ट समीक्षा समिति, आई सी एम आर (ई एन टी के लिए); राष्ट्रीय चिकित्सा सांख्यिकी संस्थान, नई दिल्ली की नीतिशास्त्र समिति; भारतीय सी एल ई एन के संस्थानिक समीक्षा बोर्ड के सदस्य; एम्स की केंद्रीय कार्यशाला के केंद्रीय जन सूचना कार्यालय का सदस्य; एम्स में टेलीमेडिसिन के संकाय प्रभारी; एम्स की केंद्रीय कार्यशाला के संकाय संयोजन; एम्स के रोग निवारण एवं आउटब्रेस प्रतिक्रिया प्रकोष्ठ के सदस्य; "स्वास्थ्य सुरक्षा पद्धतियों में फ्रंटीयर" पर प्रदर्शन व्यवस्थापन हेतु 55वें संस्थान दिवस समारोह उप-समिति के सदस्य; एम्स के डीन्स समिति के सदस्य। एम्स के नीतिशास्त्र उप समिति के सदस्य; वरिष्ठ रेजीडेंट के चयन हेतु चयन समिति के सदस्य; अंडमान एवं निकोबार एड्स कंट्रोल संस्था, पोर्ट ब्लेयर द्वारा 27-28 सितम्बर, 2010 में आयोजित एचआईवी सेंटीनल निगरानी दौर 2010 पर प्रशिक्षण प्रोग्राम।

अनुसंधान नीतिशास्त्र पर कार्यशाला हेतु अनुसंधान व्यक्ति, जिसे थिम्पू, भूटान में आयोजित किया गया; 10-13 मई, 2010; विश्व स्वास्थ्य संगठन (एस ई ए आर ओ) द्वारा आयोजित; रिप्रोडक्टिव स्वास्थ्य में आपरेशन अनुसंधान पर कार्यशाला हेतु संसाधन व्यक्ति, जोगजकार्ता, इंडोनेशिया, 27 जून - 3 जुलाई, 2010; विश्व स्वास्थ्य संगठन (एस ई ए आर ओ) द्वारा आयोजित; रिप्रोडक्टिव स्वास्थ्य अनुसंधान क्षमता को सुदृढ़ करने पर कार्यशाला हेतु संसाधन व्यक्ति, जोगजकार्ता, इंडोनेशिया

4-7 जुलाई, 2010; बिहार एड्स कंट्रोल संस्था, पटना द्वारा आयोजित चिकित्सा अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण प्रोग्राम हेतु संसाधन व्यक्ति, 7-10 सितम्बर, 2010;

आचार्य संजीव कुमार गुप्ता, डेंटल शिक्षा एवं अनुसंधान सेंटर के स्टोर्स खरीद समिति के सदस्य थे; एम्स अस्पताल स्टोर्स की वार्ता समिति के सदस्य थे; संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण कार्यक्रम के तहत एम्स के कोर कमेटी के सदस्य थे; भारतीय कम्युनिटी मेडिसिन पत्रिका और भारतीय राष्ट्रीय मेडिसिन पत्रिका के समीक्षक थे; कम्युनिटी आप्थलमोलोजी विभाग, डॉ. आर. पी. सेंटर, एम्स में दो पी एच डी शोध प्रबंध के संबंध में डॉक्टल समिति के सदस्य थे; राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य मिशन में संस्थान की भागीदारी को और सुदृढ़ बनाने हेतु तकनीकी कार्यकारी ग्रुप के सदस्य थे; एम्स के एम डी (कम्युनिटी मेडिसिन) परीक्षा के लिए परीक्षण बोर्ड में आंतरिक परीक्षक थे, मई, 2010; सुश्री नीना जॉन, जो कम्युनिटी ऑप्थललोजी विभाग, डॉ. आर पी सैन्टर, एम्स में एक पी एच डी विद्यार्थी हैं की पी एच डी वीवा-वाइस परीक्षा हेतु परीक्षण बोर्ड के सदस्य थे;

डॉ. किरण गोस्वामी आई एन सी एच ई एन में "बच्चों में कुपोषण एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के विभिन्न स्तरों पर प्रबंधन के निर्धारण के तहत निर्धारकष अध्ययनों के लिए सेंट्रल समन्वय टीम के सदस्य थे और मुख्य मंत्री जननी शिशु स्वास्थ्य अभियान (एम एम जे एस एस ए - जे एस वाई) झारखण्ड की पंहुच, प्रभावकारिता और प्रभाव की सहमति मूल्यांकन के सदस्य थे - भारतीय सी एन ई एम और पी एफ आई सहयोग, भाग लिया आई एस सी, 3-7 जनवरी, 2011, चेन्नई।

डॉ. आनंद कृष्णनन कम्युनिटी आधारित गैर-संचरणीय रोग निवारण एवं नियंत्रण में क्षमता निर्माण एवं अनुसंधान हेतु डब्ल्यू एच ओ सहयोगी सेंटर के प्रमुख थे; जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रीवी प्रशासनिक कार्रवाई के लिए तीक्ष्ण भूख एवं स्टार्वेशन की शीघ्र पहचान हेतु सामाजिक - मेडिकल साधन विकसित करने पर राष्ट्रीय मंत्रणा में भाग लिया ; । अगस्त से 31 अक्तूबर, 2010 तक तीन महीने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन - दक्षिण पूर्वी एशिया कार्यालय में अस्थायी अन्तरराष्ट्रीय प्रोफेशनल थे; 1-4 मार्च तक जकार्ता में स्वास्थ्य एवं एन सी डी की विकासात्मक चुनौतियों पर विश्व स्वास्थय संगठन की क्षेत्रीय बैठक में भाग लिया और बैठक की रिपोर्ट तैयार की; 30 और 31 अगस्त, 2010 को ईड़नबर्ग विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बच्चों में अति-तीक्ष्ण निम्नतर श्वसन संक्रमणों के कारण जी बी डी के आंकलन हेतु विशेषज्ञ ग्रुप की बैठक में भाग लिया; आक्रा, घाना में, 27-30 सितम्बर, 2010 10वीं वार्षिक जनरल एवं वैज्ञानिक बैठक में भाग लिया; राष्ट्रीय रोग नियंत्रण सेंटर (एन सी डी सी), नई दिल्ली द्वारा 28 जून, 2010 को आयोजित शैशव संक्रमणीय रोगों के निवारणीय टीके के लिए राष्ट्रीय सेंटीनल निगरानी मॉडल की विशेषज्ञ ग्रुप बैठक में भाग लिया; आई सी एम आर के कार्डियोवासकूलर रोग, न्यूरोलोजीकल रोग पर प्रोजेक्ट समीक्षा समिति बैठकों में भाग लिया।

डॉ. बरीदालेन नांग्किनरिह ने ऑस्ट्रेलिया इंडिया संस्थान द्वारा आयोजित विचार गोष्ठी में भाग लिया; राष्ट्रीय स्वास्थ्य सिस्टम संसाधन सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित स्वास्थ्य वित्तव्यवस्थापन में कार्यशाला में भाग लिया; राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन पर बैठक में भाग लिया; "गैर-संचरणीय रोग एवं मानसिक स्वास्थ्य" मॉड्यूल पर जन-स्वास्थ्य संसाधन नेटवर्क द्वारा आयोजित विचार-विमर्श कार्यशाला में भाग लिया; 22-24 फरवरी, 2011 को एम के जी सी मेडिकल कॉलेज बहरामपुर, उड़ीसा में भारतीय निवारक एवं सामाजिक मेडिसिन संस्था (आई ए पी एम एम) की 38वीं वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया; दूसरी बार भारतीय निवारक एवं सामाजिक मेडिसिन संस्था के संयुक्त सचिव; भारतीय कम्युनिटी मेडिसिन पत्रिका के समीक्षक।

डॉ. संजय राय, भारत के पांच सेंट्रल जोन राज्यों (बिहार, दिल्ली, झारखण्ड, उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश) के 2006 से एच आई वी सेंटीनेल निगरानी समर्थन हेतु जिम्मेदार भारत में एच आई वी/एड्स सेंटीनेल निगरानी के लिए सेंट्रल जोन के सदस्य थे; वर्ष 2010-2012 के लिए भारतीय जन स्वास्थ्य संस्था के "संयुक्त सचिव" (उत्तरीजोन) चुना गया। आई एन डी ई पी टी एच नेटवर्क हेतु टी बी कार्यकारी ग्रुप के सदस्य और सी डी सी द्वारा आयोजित 8-9 अप्रैल, 2010 किसीमू, केन्या में कार्यकारी ग्रुप बैठक में भाग लिया; "कम्युनिटी मेडिसिन में पी जी पाठ्यक्रम विकसित करने" और भारतीय जन स्वास्थ्य संस्था अकादमी की "प्रतिक्षण" पर उप-समिति के सदस्य; एन एच एस आर सी द्वारा एन आर एच एम के तहत वर्ष 2009-2010 और 2010-2011 के लिए वार्षिक जिला स्वास्थ्य योजना तैयार करने के लिए जिला स्वास्थ्य कर्मचारी, फरीदाबाद और पलवल के लिए सदस्य के रूप में नामित किया; एन ए सी ओ, एम ओ एच एस डब्ल्यू, भारत सरकार द्वारा उत्तरी जोन के पांच राज्यों (यू

पी, बिहार, झारखण्ड, उत्तराखण्ड और दिल्ली) की एच आई वी सेंटीनल निगरानी में तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए सेंटर के रूप में नामित किया। विभिन्न पत्रिकाओं, जैसे कि स्वास्थ्य एवं जनसंख्या परिप्रेक्ष्य और मुद्दे, भारतीय जन-स्वास्थ्य पत्रिका, भारतीय कम्युनिटी मेडिसिन पत्रिका आदि के लिए समीक्षक। पंजाब विश्विविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 2010-2011 के लिए कम्युनिटी मेडिसिन में परीक्षण बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया और सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, चंड़ीगढ़ एवं मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में अंतिम प्रोफेसनल एम बी बी एस भाग-1 परीक्षा (कम्युनिटी मेडिसिन) के लिए बाहरी परीक्षक थे, जिसे बिहार के बांका जिले में 2 फरवरी, 2011, 4 फरवरी, 2011 तक एन आर एच एम के तहत स्वास्थ्य मेला आयोजित किया; भारत की एच आई वी सेंटीनेल निगरानी को मॉनीटर करने के लिए एक सेंट्रल टीम मेंबर के रूप में बिहार, झारखण्ड, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के नई पर्यवेक्षकीय क्षेत्रीय सैरो को शुरु किया।

डॉ. वाई. एस.कुसुम ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर) द्वारा आई सी एम आर, मुख्यालय, नई दिल्ली 17-18 फरवरी, 2011 को आयोजित अप्रवासी स्वास्थ्य केयर पर राष्ट्रीय कार्य बल अध्ययन के प्रधान इंवेस्टीगेटर की बैठक में भाग लिया; आई सी सी आई डी डी न्यूजलेटर - जागृति के सम्पादक; और इन्को - मेडिसिन एवं एफ्रो -एशियन एन्क्रोपोलोजी एवं सामाजिक नीति पत्रिका पर अध्ययन हेतु सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में चयनित; अन्तरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय व्यवसायिक पत्रिका; जैसे कि एशिया पैसीफिक जन-स्वास्थ्य पत्रिका, मानवबॉयोलोजी एनल्य, एशियन पैसिफिक ट्रोपिकल मेडिसन पत्रिका, जन स्वास्थ्य पत्रिका, मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य पत्रिका, भारतीय मेडिकल अनुसंधान, इंको-मेडिसिन पर अध्ययन पत्रिका, मानव इकोलोजी पत्रिका आदि के समीक्षक थे। पी एच डी/एम डी शोध-प्रबंध के एडजुडीकेटर के रूप में काम किया और आई सी एम आर के अनुसंधान प्रस्तावों के लिए समीक्षक थे।

डॉ. अनिल गोस्वामी ने 23 सितम्बर, 2010 को राष्ट्रमंडल खेल, 2010 के दौरान दिल्ली सचिवालय, आई पी एस्टेट, नई दिल्ली में "वेक्टर बोर्न रोग नियंत्रण" पर "मल्टी डिसी पलीनटी कार्य बल बैठक" में भाग लिया। 24 सितम्बर, 2010 को दक्षिणपुरी विस्तार, डॉ. अम्बेडकर नगर, नई दिल्ली के एम सी डी स्कूल में "डेंगू" पर व्याख्यान दिया; 29 अक्तूबर, 2010 को वर्धमान मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में "रेबीज का निवारण और कंट्रोल" पर कार्यशाला में भाग लिया; 14 अक्तूबर, 2010 को "व्यक्तिगत स्वास्थ्य, बीमारियों से बचने का अचूक अस्त्र" पर आकाशवाणी कार्यक्रम में भाग लिया; 22 मार्च, 2011 को साइकैट्री विभाग, एम्स द्वारा आयोजित फोकस ग्रुप चर्चा "धातसिन्ड्रोम" में भाग लिया; देश के विभिन्न भागों से अविवाहित पुरुष एवं महिलाओं के लिए एम्स में डॉ. बीर सिंह पाठ्यक्रम निदेशक, प्रसन्न विवाहित जीवन के लिए विवाह पूर्व उन्नयन पाठ्यक्रम में भाग लिया और समीचित किया; कम्युनिटी मेडिसिन विभाग, भटाराजा क्रश्ना चंद्रा यजापति मेडिकल कॉलेज, बेरहामपुर; उड़ीसा के 22-24 फरवरी, 2011 को "भारतीय निवारक एवं सामाजिक मेडिसिन संस्था" के 38वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया; दूसरे क्रमिक अवधि के लिए भारतीय निवारक एवं मेडिसिन संस्था (आई ए पी एम एम) (एक राष्ट्रीय निकाय) के कोषाध्यक्ष।

9.9 त्वचा तथा रतिज रोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

वी. के. शर्मा

आचार्य

नीना खन्ना | के. के. वर्मा | एम. रामम

अपर आचार्य

विनोद के. खैतान | सुजय खांडपुर | जी. सेथुरमन

सह-आचार्य

सोमेश गुप्ता

शिक्षा

चार अभ्यर्थियों ने एम डी त्वचा विज्ञान तथा रतिज रोग विज्ञान प्रशिक्षण पूरा किया और अनेक राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय फेलो ने अल्पावधिक प्रशिक्षण प्राप्त किए।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/ राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 35

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

1. पेम्फीगस के उपचार में सह-औषध के रूप में साइक्टोफोस्फाइमाइड पल्स चिकित्सा का मूल्यांकन, डॉ. विनोद के शर्मा, आई सी एम आर, 7 लाख रुपए।
2. भारतीयों में सोरियासिस तथा आर्थिराइटिस का आनुवंशिक विश्लेषण, डॉ. विनोद के शर्मा, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ, संयुक्त राज्य अमरीका, 60 लाख रुपए।
3. त्वचा पिगमेंटेशन तथा मेलानोसिट केराटिनोसिट जीव विज्ञान के लिए कार्यक्रम सहायता। डॉ. विनोद के शर्मा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 22 लाख रुपए।
4. पैरथीनियम डरमाटाइटिस के उपचार हेतु एजाथियोप्राइन साप्ताहिक पल्स बनाम दैनिक एजाथियोप्राइन का यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण। डॉ. के. के. वर्मा, आई सी एम आर, 2006-2010, 18.24 लाख रुपए।
5. चिरकालिक प्लेक सोरियासिस के लिए साप्ताहिक एजाथीयोप्रिन बनाम मेथोट्रेक्सेट साप्ताहिक पल्स का यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, डॉ. के. के. वर्मा, आई सी एम आर, 2010-2013, 16.80 लाख रुपए।
6. कांजीनेटल इकथायोसिस तथा इरिथ्रोडरमा विकार संपीड़ित बच्चों में विटामिन डी की कमी के कारण रिकेटों की व्यापकता। आई सी एम आर, 2010-2013, 14 लाख रुपए।
7. ए कम्पेरेटिव स्टडी आफ इफेक्टिवनेस आफ इम्यूनोथिरेपी विद इंट्रालेसनल इंजेक्शन आफ किल्ड माइको बैक्टीरियम डब्ल्यू वैक्सीन एंड इमीक्विमॉड क्रीम इन क्लिनिकल रेसोल्यूशन आफ एक्सटर्नल एनोजेनिटल वार्टस एंड रिडक्शन आफ वायरल लोड : डॉ. सोमेश गुप्ता, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, 2008 से, 36.5 लाख रुपए।

8. विटिलगों के रोगियों में केटकोलामाइन्स के प्लाज्मा तथा यूरिनरी स्तरों का निर्धारण तथा रोग स्थिरता के साथ उनका सहसंबंध तथा में मेलानोसिट प्रत्यारोपण का परिणाम। डॉ. सोमेश गुप्ता, आई सी एम आर, 2010 से, 30 लाख रुपए।

9. कम्पेरेजिन आफ हेयर फोलीकल स्टेम सेल्स डिफरेंसिएशन इन टू इमेलेनोसाइटस इन ग्रे हेयर एंड पिगमेंटिड हेयर। डॉ. सोमेश गुप्ता, आई ए डी वी एल, 10 लाख रुपए।

विभागीय अनुसंधान परियोजनाएं

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में फोटोडर्माटोसिस की नैदानिक रूपरेखा।
2. पेम्फीगस के उपचार में साइकलोफासफेमाईड पल्स का मूल्यांकन।
3. पेम्फीगस में डेस्मोग्लिन 1 तथा 3 एंटीबॉडिज तथा रोग के क्रियाकलाप के साथ उनका सहसंबंध।
4. फोटो टेस्टिंग प्रोटोकोल का विकास।
5. नेवस आफ ओटा एंड लेन्टीजिन्स के उपचार में एन डी याग लेजर ।
6. एंटीहिस्टामाइंस के प्रति चिरकालिक इडियोपैथिक अर्टीकेरिया प्रतिरोधक में रेमिशन अभिप्रेरित करने में 15 मि.ग्राम साप्ताहिक मेथोट्रेक्सेट की प्रभावात्मकता।
7. पोर्टवाईन स्टेन में पल्स डाई लेज़र।
8. जेनिटल हर्पिज में 5 दिनों के लिए दिन में दो बार एक ग्राम मुखीय एसीक्लोविर बनाम दिन में एक बार एक ग्राम मुखीय एसीक्लोविर की प्रभावात्मकता तथा सुरक्षा का मूल्यांकन।
9. सेगमेंटल विटिलिगो के उपचार में टोपीकल पी यू वी आसोल तथा मोमेटासोनफुरेट का संयोजन रेजीमेन।
10. चिरकालिक साइकलोफासफामाईड उपचार करवा रहे त्वचा रोग विज्ञानी रोगियों का यूरोलोजीकल मूल्यांकन।
11. एक्सट्रीमिटिज में इरिथीमेटस टेंडर नोडयूल्स का क्लिनिकों हिस्टोपैथोलाजीकल अध्ययन।
12. सामान्यीकृत विटिलिगो में पी यू वी ए बनाम पी यू वी ए सोल उपचार की नैदानिक क्षमता की तुलना।
13. पेम्फिगस में डेक्सा मेथासोन - साइकलोफास फामाईड पल्स उपचार।
14. नॉन सेगमेंटल विटिलिगो की तुलना में सेंगमेंटल विटिलिगो की विशिष्ट नैदानिक विशेषताओं का निर्धारण करने तथा इन रोगियों में सह-विद्यमान ऑर्गन स्पेसिफिक (टी पी ओ) तथा नॉन ऑर्गन स्पेसिफिक (ए एन ए) ऑटोइम्यूनिटी की व्यापकता का अध्ययन करने के लिए एक विवरणात्मक अध्ययन।
15. लैप्रोसी से पीड़ित रोगियों तथा बिना लैप्रोसी वाले लोगों में लैप्रोसी के ज्ञान तथा उसके प्रति व्यवहार एवं लैप्रोसी के रोगियों के डिहैब्लीटेशन के मापन का एक अध्ययन।
16. मोर्फिया तथा लिचेन सेलरोसस के रोगियों में टोपीकल टेकरोलिमस (0.1 प्रतिशत) आंयटमेंट बनाम क्लोबेटासोल प्रोपियोनेट (0.5 प्रतिशत) की प्रभावात्मकता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।

प्रकाशन

पत्रिका/जरनल : 34

पुस्तक : 1

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य वी. के. शर्मा 4-8 दिसम्बर, 2013 को वर्ल्ड कांग्रेस आफ इंटरनेशनल सोसायटी आफ डर्माटॉलॉजी एन सी आर, दिल्ली के लिए कांग्रेस अध्यक्ष थे; वे 3-5 नवम्बर, 2011 को एस टी आई के विरूद्ध वर्ल्ड कांग्रेस आफ इंटरनेशनल यूनियन, नई दिल्ली

के कांग्रेस सह-अध्यक्ष थे; वे जरनल आफ अमेरिकन सोसायटी आफ कांटेक्ट डर्मेटिटिस, "डर्मेटिटिज" के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य है; वे जरनल आफ यूरोपियन सोसायटी आफ कांटेक्ट डर्मेटिटीज, "कंटेक्ट डर्मेटिटीज" के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य हैं; वे इंटरनेशनल लीग एवं डर्मेटॉलाजिक सोसायटीज (आई एल डी एस) के प्रतिनिधि हैं; वे नेशनल सी एम ई डर्माटॉलाजी, एम्स के 10-11 अप्रैल, 2011 को आयोजक अध्यक्ष थे।

आचार्य के. के. वर्मा जून, 2010 में एम्स के प्रभारी आचार्य (परीक्षा) थे; वे 2008-2010 के लिए इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट सेक्यूअली ट्रांसमिटिड डिसीजिज, एशिया प्रशांत (आई यू एस टी आई - ए पी) के मानद सचिव थे; वे अक्तूबर, 2011 में चंडीगढ़, भारत में वैज्ञानिक समिति, एशिया पैसिफिक एन्वायरमेंटल एंड आक्यूपेशनल डर्मेटोसिस संगोष्ठी के अध्यक्ष थे।

आचार्य एम. रामम ने डॉ. बी वी सत्यनारायण मेमोरियल ओरेशन अवार्ड 2010 प्राप्त किया; वे सम्पादकीय बोर्ड, जरनल आफ क्यूटेनियस पैथोलाजी के सदस्य है; वे सम्पादकीय बोर्ड, इंटरनेशनल जरनल आफ डर्मेटॉलाजी के सदस्य हैं।

डॉ. बी. के. खैतान इंडियन जरनल आफ क्यूटेनियंस एंड एस्थेटिक सर्जरी के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य थे; वे अनेक जरनलों के समीक्षकर्ता है; 2-5 फरवरी को गुड़गांव में डर्माकॉन, 2011 में सर्वोत्तम पोस्टर प्रस्तुतीकरण संबंधी अवार्डों के लिए वे निर्णायक मंडल के प्रमुख थे; उन्होंने "मैनेजमेंट आफ विटिलगो - व्हाट्स न्यूष्, एस्थेटिक्स 2010 - एसोसिएशन आफ प्लास्टिक सर्जन्स आफ इंडिया (दिल्ली चैप्टर) तथा एसोसिएशन आफ क्यूटेनियस सर्जन्स आफ इंडिया, लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज, नई दिल्ली के 28-29 अगस्त, 2010 को आयोजित संयुक्त सम्मेलन के सत्र की अध्यक्षता की; उन्होंने 10-11 अप्रैल, 2010 को आयोजित राष्ट्रीय क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा त्वचा विज्ञान एम्स 2010 में "डायग्नासिस आफ सिकेट्रियल एलोपेसिया" सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. सुजॉय खंडपुर ने आई जे डी वी एल में प्रकाशित सर्वोत्तम शोधपत्र के लिए बिष्णुप्रिया देवी अवार्ड प्राप्त किया।

डॉ. जे. सेथुरमण राजकोषाध्यक्ष, वर्ल्ड कांग्रेस आफ इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट एस टी आई (नवम्बर, 2011) थे; वे आर्काइब्स आफ डर्माटॉलाजी, इंडियन पेडियाट्रिक्स, इंडियन जे पेडियाट्रिक्स के समीक्षाकर्ता थे।

डॉ. सोमेश गुप्ता को तिमाही रूप से प्रकाशित इंडेक्सड ओपन एक्सेस जरनल - जरनल आफ क्यूटेनियस एंड एस्थेटिक सर्जरी - ए पबमेड का प्रमुख सम्पादक नामित किया गया; उन्हें 2-5 नवम्बर, 2011 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली, भारत में आयोजित की जाने वाली 12वीं आई यू एस टी आई विश्व कांग्रेस के सह अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया; उन्हें नई दिल्ली, भारत में 5-8 अप्रैल, 2012 को आयोजित होने वाली इंटरनेशनल सोसायटी फार डर्माटोलाजिक सर्जरी (आई एस डी एस) की वसंतकालीन बैठक के लिए कांग्रेस, अध्यक्ष् के रूप में नामित किया गया; उन्होंने इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट सेक्सुअली ट्रांसमिटिड इन्फेक्शन्स (आई यू एस टी आई - विश्व) के सदस्य सचिव के रूप में कार्य करना जारी रखा; उन्हें सेक्सुअल हेल्थ (आस्ट्रेलिया - इम्पेक्ट फैक्टर 1.62) का सह-सम्पादक नामित किया गया।

9.10 अंतः स्राविकी एवं चयापचय

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए. सी. अम्मीनी

आचार्य

निखिल टंडन | एन. गुप्ता

अपर आचार्य

आर. गोस्वामी

सह-आचार्य

वी. पी. ज्योत्सना | आर. खडगावत

शिक्षा

स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर, पैरामेडिकल प्रशिक्षण

विभाग स्नातकपूर्व एवं नर्सिंग विद्यार्थियों के प्रशिक्षण में सक्रिय तौर पर सम्मिलित रहा है जबकि अंतःस्राविकी एवं चयापचय विभाग में एम डी इंटर्नल मेडिसिन के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को एक माह के लिए तैनात किया गया।

दीर्घ एवं अल्पकालीन प्रशिक्षण

पांच उम्मीदवारों ने अपना डी एम पाठ्यक्रम पूरा किया तथा पांच नए उम्मीदवारों ने विभाग में डी एम पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया। एक विद्यार्थी ने पी एच डी (अंतःस्राविकी) पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया और नौ विद्यार्थियों ने विभाग में अल्पकालिक प्रशिक्षण पूर्ण किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 24

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

1. भारतीय महिलाओं में पोलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम में बी-कोशिका डिस्फंक्शन बनाम इंसुलिन प्रतिरोध। ए. सी. अमीनी आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषण 2008-2011 ।
2. कांजीनेटल एड्रीनल हाइपरप्लसिया : जीनो टाइप फीनोटाइप सह संबंध। ए. सी. अमीनी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषण 2008-2011 ।
3. विटामिन डी तथा कैल्शियम से उपचारित ओस्टियोपोरोटिक रजोनिवृत्ति पश्च महिलाओं में अस्थिभंग के जोखिम को कम करने के लिए ओडानासेटिव (एम के-0822) की सुरक्षा तथा प्रभावात्मकता का आकलन करने के लिए एक चरण-3 यादृच्छिक प्लेसबोनियंत्रित नैदानिक परीक्षण। मर्क तथा कंपनी इंक, संयुक्त राज्य अमरीका द्वारा वित्तपोषित 2009-2014 ।
4. शहरी भारत में गेस्टेशनल मधुमेह वाली महिलाओं में टाइप 2 मधुमेह का निवारण एक व्यवहार्यता अध्ययन, एन. टंडन अंतर्राष्ट्रीय डायबिटीज फेडरेशन, आई डी एफ ब्रिजिज द्वारा वित्तपोषित।
5. जनसंख्याधारित के लिए अनुप्रयुक्त अनुसंधान तथा प्रशिक्षण दक्षिणी एशिया में हृदय चयापचय रोगों के निवारण तथा नियंत्रण हेतु एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करना। डॉ. एन. टंडन (एन आई एच) नेशनल हार्ट लंग एंड ब्लड इंस्टीट्यूट आफ डायबिटीज़ एंड डाइजेस्टिव एंड किडनी डिसीज, एन आई एच, यू एस ए द्वारा वित्तपोषित।

6. प्रमुख मानव आबादियों में टाइप 2 मधुमेह के लिए नैमित्तिक परिवर्तितयों (वेरिएंटों) का पता लगाना : एन टंडन राष्ट्रीय मधुमेह, पाचन तथा फेफड़ा रोग संस्थान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, संयुक्त राज्य अमरीका द्वारा वित्तपोषित

7. एडवांस ऑन। टाइप 2 मधुमेह वाले रोगियों में सबसे बड़े परीक्षण एडवांस के भाग के रूप में अध्ययन किए गए रोगियों के कोहोर्ट को अंतर्ग्रस्त करने वाला अनुवर्ती अध्ययन। एन टंडन। सर्वियर इंडस्ट्रीज, फ्रांस द्वारा वित्तपोषित तथा जार्ज इंस्टीट्यूट फार इंटरनेशनल हेल्थ, यूनिवर्सिटी आफ सिडनी, आस्ट्रेलिया द्वारा वित्तपोषित।

8. डायबिटीज मेलिटियस- न्यू ड्रग डिस्कवरी आर एवं डी मालीक्यूलर मैकेनिज्म एंड जेनेटिक एंड एपीडेमियालाजीकल फैक्टर्स। एन टंडन वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित।

9. भारत में युवावस्था में आरंभ में ही मधुमेह वाले रोगियों का पंजीकरण। एन टंडन भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर) भारत सरकार द्वारा 5 वर्षों 2006-2011 के लिए वित्तपोषित।

10. यह निर्धारित करने के लिए एक यादृच्छीकृत, डब्ल ब्लाईंड प्लेसेबो नियंत्रित समानांतर समूह अध्ययन कि क्या कार्डियोवास्कुलर तथा रीनल विकारों के लिए उच्च जोखिमग्रस्त टाइप 2 मधुमेह रोगियों में, पारम्परिक उपचार के अलावा अलिस्केरिन कार्डियोवास्कुल तथा रीनल मर्त्यता तथा रूग्णता नोवार्टिस को कम करती है। एन टंडन। 2007-2012

11. "प्रतिरक्षा विज्ञानी प्राचालों के आकलन के साथ श्रेणी 1 पुलमोनरी क्षय रोग में एक संबद्ध उपचार के रूप में मुखीय विटामिन डी की भूमिका" यादृच्छिक डबल ब्लाईड परीक्षण" डॉ. आर गोस्वामी वित्त विषण एजेंसी : जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार अवधि : पांच वर्ष, निधि 98 लाख रुपए।

12. टाईप 1 मधुमेह से पीड़ित रोगियों में सिलियक रोग की व्यापकता तथा महत्व। डॉ. आर. गोस्वामी वित्तपोषण एजेंसी : आई सी एम आर, निधि : 19.7 लाख रुपए।

13. स्पोर्डायक इंडियोपैथक हाइपोपरथाइराज्जिम वाले रोगियों में उपचार 1 तथा उपचार 2 अभिव्यक्ति पैटर्न तथा एच एल ए प्रीडिस्पोजिशन। आर गोस्वामी। जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित। 3 वर्ष । निधियां 48 लाख रुपए।

14. चिरकालिक हाइपोविटामिनोसिस डी वाले एशियाई भारतीय लोगों में उपचार 1 तथा उपचार 2 साइटोकाईन्स अभिव्यक्ति का पैटर्न तथा मौखिक चालेकैल्सीफिरोल अनुपूरण के पश्चात इसमें परिवर्तन। आर. गोस्वामी। आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित। निधियां : 32 लाख रुपए।

15. इफेक्ट ऑन ग्लाइसेमिक कंट्रोल, डिप्रेशन एंड क्वालिटी आफ लाईफ इन पेशेंटस आफ डायबिटीज मेलीटस विद रिदमिक ब्रीदिंग (सुदर्शन क्रिया योग और प्राणायाम) इन एडीशन टू स्टेंडर्ड ट्रीटमेंट आफ डायबिटीज। वी. ज्योत्सना। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा तीन वर्ष के लिए वित्तपोषित। निधियां : वर्ष 2009-11 के लिए 2.5 लाख रुपए हैं।

16. ए फेज-3, मल्टी सेंटर, रैंडमाइज्ड, पैरेलल ग्रुप स्टडी आफ सेफ्टी एंड एफीकेसी आफ दि एल बी 03002, ए न्यू सस्टेंड रिलीज फार्मुलेशन आफ ह्यूमन रिकम्बीनेंट ग्रोथ हारमोन एज कम्पेयर्ड टू सस्टेंड डेली थिरैपी विद जीनोट्रापिन इन ट्रीटमेंट नेव चिल्ड्रन विद ग्रोथ फेल्यूर डयू टू इन सफिशियंट सीक्रेशन आफ एंडोजीनस ग्रोथ हार्मोन। आर खडगवत। एल जी लाइफ साईंस द्वारा वित्तपोषित, 2007-2012। निधियां : 40 लाख रुपए।

17. गर्भावस्था में जेस्टेशनल डायबीटिज मेलेटिस के विकास के साथ प्रथम तिमाही ग्लुकेस स्क्रीनिंग तथा सीरम इंसुलिन स्तरों के बीच सहसंबंध। आर खडगवत। आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित, 2007-2010, निधियां : 9 लाख रुपए।

18. स्केल्टल डिस्पलासिया अंतर्हित मालीक्यूलर इटियालाजी संबंधी एक अध्ययन, आर खडगवत, एम्स द्वारा वित्तपोषित, 2010-2011, निधियां : एक लाख रुपए।

19. 11-17 वर्षीय आयु के मोटे एशियाई भारतीय लोगों में इंसुलिन प्रतिरोध तथा बीटा कोशिका प्रकार्य पर विटामिन डी अनुपूरण के प्रभावों की जांच करने क लिए एक यादृच्छिकृत डब्ल ब्लाईंड नियंत्रित परीक्षण। आर खडगवत, आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित, 2011-2014, निधियां : 47 लाख रुपए।

प्रकाशन

जरनल/पत्रिका : 30

रोगी उपचार

अंतःस्राविकी बहिरंग रोगी विज्ञान विभाग

माह	नए रोगी	पुराने रोगी	जोड़
अप्रैल, 2010	709	1348	2057
मई, 2010	811	1365	2176
जून, 2010	769	1295	2064
जुलाई, 2010	801	1354	2155
अगस्त, 2010	781	1321	2102
सितम्बर, 2010	794	1301	2095
अक्तूबर, 2010	814	1395	2209
नवम्बर, 2010	812	1364	2176
दिसम्बर, 2010	790	1351	2141
जनवरी, 2011	825	1348	2173
फरवरी, 2011	869	1329	2198
मार्च, 2011	856	1367	2223
कुल	**9631**	**16138**	**25769**

बहिरंग रोगी विभाग के क्रियाकलाप

विभाग में सभी छः कार्य दिवसों को ओपीडी संचालित की जाती है जिनमें दो विशेषज्ञता क्लिनिक भी चलाए जाते हैं बाल चिकित्सा तथा किशोर एंडोक्रनॉलाजी क्लिनिक, पी ए ई सी (प्रत्येक सोमवार 2-5 बजे अपराह्न) तथा डायबिटीज आफ यंग क्लिनिक, डी ओ वाई (प्रत्येक शनिवार प्रातः 9.00 से 1.00 बजे दोपहर तक)।

प्रयोगशाला जांच

विभाग की चयापचय प्रयोगशाला में इस अवधि के दौरान किए गए हारमोन परख तथा जैव रसायनी परीक्षण नीचे दिए गए हैं (कुल = 50,410)

क्रम सं.	हार्मोन	की गई ट्यूब परख
1	टी 4	9713
2	टी एस एच	13,557
3	टी पी ओ	1670

4	एल एच	2082
5	एफ एस एच	1805
6	पी आर एल	1890
7	कोर्टीसोल	3405
8	टेस्टोस्टीरोन	1703
9	डी एच ई ए	607
10	17 ओ एच प्रोगेस्ट्रोन	311
11	ए सी टी एच	1821
12	पी टी एच	3709
13	विटामिन डी	2057
14	इंसुलिन	2483
15	सी पेपटाईड	1447
16	जी एच	464
17	जी ए डी	341
18	एफ टी 4	492
19	आई जी एफ-I	16
20	फेरीटिन	756
21	आई ए 2	80
22	टी 3	1

रोगी देखभाल के लिए पयापचय प्रयोगशाला में की गई जैव रसायनी जांच

क्रम संख्या	जांच	नमूनों की संख्या
1	रक्त शर्करा	10,215
2	ग्लाइकेटिड हीमोग्लोबिन	9296
3	मूत्र की जांच (यूरीन पी एच)	240
4	ओस्मोलेलिटी	212

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

विभाग से तीन अनुसंधान पत्रों को पुरस्कार मिले। ये थे :

1. सर्वोत्तम मौखिक पत्र को "दि ओसलर अवार्ड" 9-11 दिसम्बर को वेलौर में इंडोक्रीन सोसायटी आफ इंडिया के 40वें वार्षिक सम्मेलन में दिया गया। खंडेलवाल डी, खडगवट आर, थॉमस टी, गहलोत एम, टंडन एन, गुप्ता एन। दि इफेक्ट आफ पुबरटी ऑन इंटरएक्शन बिटवीन विटामिन डी स्टेट्स एंड इंसुलिन रिसिसटेंस इन ओबीस एशियन इंडियन चिल्ड्रन।

2. 16-17 अप्रैल, 2011 को नई दिल्ली में गाइनाकॉलाजिकल इंडोक्रीन सोसायटी आफ इंडिया (जी ई एस आई) द्वारा आयोजित गाइने इंडोक्रानालॉजी संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन में द्वितीय सर्वोत्तम मौखिक पत्र पुरस्कार मिला। मेनन आर, अग्रवाल एन, कृपलानी ए, खडगवत आर, भाटला एन, कछवा जी। कम्पेरिज़न आफ प्रेगनेंसी आऊटकम इन डायबिटीज़ विद प्रेग्नेंसी कंट्रोल्ड ऑन डाईट, ग्लिबेन क्लेमाईड एंड इंसुलिन।

3. द्वितीय सर्वोत्तम मूल लेख के लिए डॉ. जे सी पटेल - डॉ. बी सी मेहता जे ए पी आई अवार्ड - 2010 प्राप्त किया। खडगवत आर, बरार के एस, टंडन एन, गहलोत एम, यादव सी एस, मल्होत्रा आर इत्यादि। हाई प्रीवेलेंस आफ विटामिन डी डिफिशियंसी इन एल्डूली पेशेंटस विद नॉन ट्रॉमेटिक हिप फ्रैक्चर्स। जे एसो. फिजिशियन्स इंडिया, 2010; 58 : 539-542 ।

आचार्य एन. टंडन तकनीकी स्क्रीनिंग समिति एस आई बी आई आर आई, डी बी वी; तकनीकी स्क्रीनिंग समिति बी आई पी टी, डी बी टी, टॉस्क फार क्रोनिक डिसीज़ बायोलॉजी आफ दि डी बी टी; टॉस्क फार बायोइंजीनियरिंग, डी बी टी के सदस्य थे।

डॉ. आर. गोस्वामी वर्ष 2007 से आज तक आई सी एम आर द्वारा वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता तथा अनुसंधान एसोसिएटों के लिए चयन हेतु समिति के सदस्य है, वे आई सी एम आर द्वारा एम डी, डी एम तथा एम रसायन थीसिस वित्तीय अनुदान प्रदान करने के लिए 2009 से आज तक चयन समिति के सदस्य हैं, वे 2007 से आज तक डी बी टी के चिरकालिक रोग जीव विज्ञान हेतु कृतिक बल के सदस्य हैं; वे पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से "ड्रग फ्रॉम सी" हेतु संचालन समिति के सदस्य हैं, उन्हें राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद भारत की फैलोशिप प्रदान की गई; उन्हें एन ए एम एस, दिल्ली का सम्मानित डॉ. आर वी राजन ओरेशन पुरस्कार प्राप्त हुआ; उन्हें पाठ्यक्रमों तथा पाठ्यचर्या के अभिज्ञान, विभागीय रूपरेखा, विषय विशेषज्ञों को अंतिम रूप देने हेतु समिति के बाह्य सदस्य के रूप में तथा आण्विक चिकित्सा एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग के लिए 4 मार्च, 2011 को लखनऊ में आयोजित एस जी पी जी आई की प्रथम अध्ययन बोर्ड बैठक द्वारा जैव चिकित्सा समुदाय के लिए उच्च प्रासंगिकता के पी एच डी क्षेत्रों तथा संकाय के लिए परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया।

9.11 न्याय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

टी. डी. डोगरा

अपर आचार्य

ओ. पी. मूर्ति	डी. एन. भारद्वाज
एस. के. गुप्ता	मिल्लो टेबिन

सह-आचार्य (जे पी एन ए टी सी में संकाय)

संजीव लालवाना	आदर्श कुमार

वैज्ञानिक-II

अनुपमा रैना

कैमिस्ट

ए. के. जायसवाल

शिक्षा

विभाग पूर्व स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षण में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। वर्तमान में नौ स्नातकोत्तर (एमडी) विद्यार्थी और तीन पीएचडी विद्यार्थी विभाग में पंजीकृत हैं। विभाग पूरे भारत से दूसरे भारतीय विश्वविद्यालयों के विज्ञान स्नातक/विज्ञान निष्णात विद्यार्थियों को भी डी एन ए - फिंगर प्रिंटिंग एवं टोक्सिकोलॉजी में प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

क्रमिक चिकित्सा शिक्षा

1. इंडो- पैसीफिक विधि, चिकित्सा एवं विज्ञान संस्था (आई एन पी ए एल एम एस) - अमिटी विश्वविद्यालय, एम्स और पी जी आई एम ई आर के सहयोग से आयोजित 2010 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 25-30 अक्तूबर, 2010 (आचार्य टी. डी. डोगरा सम्मेलन के आयोजक अध्यक्ष थे)।
2. अर्थोपेडिक्स विभाग के सहयोग से तीसरा एम्स कैडावर नी अर्थोप्लास्टी पाठ्यक्रम, 26-27 मार्च, 2011 ।
3. न्यूरोसर्जरी विभाग के सहयोग से स्पाइनल सर्जरी पर एम्स आपरेटिव कार्यशाला और ए ओ स्पाइन एडवान्सेज कैडावर कार्यशाला; 12-14 नवम्बर, 2010 ।
4. अर्थोपेडिक्स विभाग के सहयोग से हिप एवं नी अर्थोप्लास्टी पर कैडावेरिक पाठ्यक्रम, 16-17 जुई, 2010 ।
5. अर्थोपेडिक्स विभाग के सहयोग से एम्स कैडावर नी अर्थोस्कोपी कार्यशाला; 12 सितम्बर, 2010 ।

सी एम ई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 18

अनुसंधान

विभागीय परियोजनाएं

1. विस्तार रैटों में ऑक्सीडेटिव दाब संबंधित पैरामीटरों पर त्रियाजोफोज एवं ब्यूटीलेट डीहाइड्रो ऑक्सानाइड के सम्मिश्रण का एक्यूट एवं क्रोनिक उद्भासन का प्रभाव।

2. विस्तार रैटों के विससेरा में सब सेलूलर परिवर्तनों पर पेस्टीसाइड्स साइपरमेथरीन एवं इंडोसल्फेन के सम्मिश्रण के एक्पोजर का प्रभाव।

3. नावेल फोरेंसिक स्थितियों में एस टी आर मार्करों के साथ व्यष्टीकरण के लिए फोरेंसिक प्रदेशों में विश्वसनीय स्रोत की पहचान।

4. ट्रेस मेटल विश्लेषक का प्रयोग करते हुए एम्स में सूचित फैटल विषायन मामलों में एल्यूमिनियम एवं जिंक का गुणात्मक एवं मात्रात्मक मूल्यांकन।

5. अपघटित टिस्सुओं से डी एन ए का गुणात्मक एवं मात्रात्मक निष्कर्षण।

6. विस्तार रैटों के विससेरा में सबसेलुलर परिवर्तनों पर पेस्टीसाइड (साइपरमेथ्रीन और इंडोसल्फान) के मिश्रण के एक्पोजर का प्रभाव।

7. साऊथ दिल्ली जनता में ब्लड में लीड लेवल का अनुमान - एक क्रॉस सेक्शनल ऑटोप्सी आधारित अध्ययन।

8. सामान्य जनता के बोन मैरो और अन्य बॉडी टिस्सुओं में मौजूद डायटोम्स की विश्लेषण पद्धति।

9. अकस्मात प्राकृतिक मृत्यु मामलों में हृदय के कंडक्शन सिस्टम का हिस्टोलॉजीकल अध्ययन।

10. युवा भारतीय जनता में कोरोनरी एथ्रोकलरोसिस की व्यापकता - एम्स में एक आटोप्सी अध्ययन।

11. दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र में सी एस एफ और विटेरियस ह्यूमर के विश्लेषण से पोस्टमोर्टम इन्टरवल के निर्धारण के लिए तुलनात्मक अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. पोस्टमोर्टम फोरेंसिक जांच में औषधियों एवं रसायनों का प्रमाणीकरण के लिए बॉयोमेट्रिक्स के रूप में विटेरियस ह्यूमर का मूल्यांकन (आक्यूलर फार्माकोलोजी, आर पी सी)।

पूर्ण

1. एऑर्टिक एन्यूरिज्म के सर्जीकल रूप में प्रयुक्त नमूने का हिस्टोपैथोलॉजीकल एवं मोर्फोमेट्रिक मूल्यांकन (पैथोलोजी विभाग)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 19

रोगी उपचार

आपात सेवाएं :

विभाग, क्षति, यौन उत्पीड़न अपराध, विषायन में मेडिकोलीगल मामलों में और अन्य जटिलतम मेडिको-लीगल मामलों में आपातस्थिति के लिए दिन-रात सुविधा प्रदान करने के लिए निरंतर कार्यरत है। विभाग, पुलिस तथा न्यायिक अभिरक्षा में चिकित्सा जांच से संबंधित सभी कालों पर कार्रवाई कर रहा है।

निष्पादित मेडिको - लीगल पोस्टमोर्टम : 1364 + 1138 जे पी एन ए टी सी = 2502

विभाग के डाक्टरों ने सक्षम प्राधिकारियों द्वारा गठित पोस्टमोर्टम बोर्ड, जिसमें एक्सह्यूमेशन शामिल है; में भी भाग लिया।

विभाग के सदस्यों द्वारा न्यायालय में उपस्थित होना : 928

विभाग के डाक्टरों ने सी बी आई मामलों में विशेषज्ञ गवाह के रूप में भी न्यायालय में उपस्थित हुए।

नैदानिक न्याय चिकित्सा

विभाग ने माननीय न्यायालयों, सी बी आई और अन्य जांच एजेंसियों द्वारा भेजे गए आयु आकलन, चिकित्सा जांच, विवाह विवाद, पोटेंसी, डी एन ए, फिंगर प्रिंटिंग आदि के मामलों की जांच की। ऐसे 50 मामले 2010-11 से संबंधित हैं।

डी एन ए फिंगर प्रिंटिंग

विभाग, विभिन्न विश्वविद्यालयों के उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्रदान करता है। यह चुनिंदा मेडिकोलीगल मामलों में डी एन ए फिंगर प्रिंटिंग जांच का कार्य कर रहा है। 2010-11 के दौरान ऐसे 30 परीक्षण किए गए थे।

चिकित्सा विष विज्ञान

विभिन्न जहरों के संबंध में जांच, अर्थात भारी मेटल्स, ओपीएट्स, बेंजोडायजेपाइन्स एवं एल्कोहल की टोक्सिकोलोजी प्रयोगशाला में जांच की गई थी। 2010-11 के दौरान 262 नमूनों की जांच की गई थी।

सामुदायिक सेवाएं

विभाग ने पूरे देश से सी बी आई कर्मचारियों, पुलिस अधिकारियों, चिकित्सा अधिकारियों, न्यायाधीशों, पब्लिक प्रोसीक्यूटरों एवं फोरेंसिक विज्ञान विशेषज्ञों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया।

न्याय विकृति विज्ञान

विभाग, एम्स में मेडिकोलीगल ऑटोप्सी मामलों के नमूनों के लिए और अनुसंधान प्रयोजन के लिए भी हिस्टोपैथोलोजी सेवा उपलब्ध कराता है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाक्रम

आचार्य टी. डी. डोगरा ने टोक्सिकोलोजी संस्था 2010 (एस टी ओ एक्स 2010) द्वारा लाइफ टाइम उपलब्धि पुरस्कार प्राप्त किया; माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, श्री गुलाव नबी आजाद से पुरस्कार प्राप्त किया; विशिष्ट सेवा पुरस्कार प्राप्त किया - भारतीय जेरिएट्रिक संस्था; नवम्बर, 2010 ।

डॉ. संजीव लालवानी ने विशिष्ट सेवा पुरस्कार - भारतीय जेरिएट्रिक संस्था, नवम्बर, 2010 प्राप्त किया; आई सी एफ एम टी से इंडो पैसीफिक लीगल मेडिसिन एवं विज्ञान संस्था, 2010 (आई एन पी ए एल एम एस 2010) के आयोजन में उत्कृष्ट सहयोग के सम्मान में उत्कृष्ट पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. अनुपमा रैना ने आई सी एफ एम टी से भारत में, अक्तूबर, 2010 में डी एन ए फिंगर प्रिंटिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट सहयोग के सम्मान में उत्कृष्ट पुरस्कार प्राप्त किया; जिसे इंडो - पैसीफिक लीगल मेडिसिन एवं विज्ञान संस्था 2010 (आई एन पी ए एल एम एस 2010) के अवसर पर प्रदान किया गया था।

डॉ. ए. के. जायसवाल ने आचार्य के. ए. ठाकर - "एच पी टी एल सी प्लेट का प्रयोग करते हुए विससेरा में क्लोरपाइरीफोस का निर्धारण" शीर्षक के लिए बेहतर पेपर पुरस्कार प्राप्त किया; जिसे कैमिस्ट पत्रिका संस्थान में प्रकाशित किया गया; खंड 81 (3) : 73-76 ।

9.12 जठरांत्ररोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

एस. के. आचार्य

आचार्य

वाई. के. जोशी | उमेश कपिल | अनूप सराया

अपर-आचार्य

प्रमोद गर्ग | विनीत आहूजा | गोविंद के. मखारिया

शिक्षा

संकाय, पूर्वस्नातक, सर्जिकल स्नातकोत्तर एवं पोस्टडॉक्टरल प्रशिक्षुओं के लिए शिक्षात्मक शिक्षण कार्यक्रम देने में लगा हुआ है। विभाग गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी में डी एम उपाधि प्रदान करते हुए गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी में 3 वर्ष का सुपर विशेष प्रशिक्षण प्रदान करता है। विभाग एक से तीन माह की अवधि के लिए अल्प अवधि प्रक्षेणता का प्रस्ताव भी करता है।

अल्प एवं दीर्घ अवधि प्रशिक्षण

10 वृत्तिक 2010-11 के दौरान 3 से 6 महीने की अवधि के लिए प्रशिक्षण पर चल रहे हैं।

क्रमिक चिकित्सा शिक्षा

विभाग ने 15-16 अक्तूबर, 2010 को एम्स, नई दिल्ली में "लीवर रोग 2010 (सी पी एल डी -2010) में वर्तमान परिप्रेक्ष्य" पर सी एस ई आयोजित किया।

सीएमई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 44

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. (i) लीवर रोग के लिए उन्नत सेंटर (लीवर रोगों में विभिन्न परियोजनाएं); (ii) गर्भावस्था में तीक्ष्ण लीवर असफलता। क्या पूर्वानुमान वास्तव में खराब होता है? (iii) तपेदिकरोधी थैरेपी प्रवृत्त तीक्ष्ण लीवर असफलता; (iv) तीक्ष्ण लीवर असफलता में एमोनिया किनेटिक्स; "भारतीय मरीजों में गैर- एल्कोहलिक फैटी लीवर रोग" के पैथेजेनेसिस में पूरी जानकारी ; एस. के. आचार्य, आई सी एम आर द्वारा निधिकत, 2005-2010, निधि : 2 करोड़ रुपए।
2. क्या क्रोनिक पैनक्रीएटीटिस एक प्री-मलिगनेंट रोग है? प्रमोद गर्ग, आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2007-10, निधि : 14 लाख रुपए।
3. सिलियक रोग के अनुमानित कम्युनिटी बहुलता का अग्रगामी अध्ययन, गोविंद के. मखारिया, आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2008-10, निधि : 17,11,988 रुपए।
4. मेसलमाइन विलंबित - रीलीज टैबलेट्स (1.2 ग्राम) की क्षमता एवं सेफ्टी; मोटरेड अल्सेरेटिव कोलीटिस के सक्रिय मिल्ड के उपचार में पार फार्मास्यूटीकल (जांच ड्रग); प्लेसबो एवं लैल्डा (1.2 ग्राम) मेसलमाइन विलंबित - रीलीज टैबलेटों से डबल ब्लाइन्डेड, डबल डम्मी, मल्टी सेंटर रैंडोमाइज्ड फेज-3 की तुलना, शिरे, यू एस इंक

(संदर्भ ड्रग) - 292-07, गोविंद के. मखारिया, पार फार्मास्यूटीकल कंपनियों द्वारा निधिकित, इंक, 2008-09, निधि : 4,35,699 रुपए।

5. इन फ्लेममैटरी बाउल रोग पर भारतीय गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी कार्यबल संस्था के तहत इनाफ्लैममैटरी बाउल रोग के मरीजों का मल्टीसेंटर (कंट्री वाइड) उत्तरव्यापी डाटा संग्रहण, गोविंद के. मखारिया, सन फार्मास्यूटीकल द्वारा निधिकित, 2009-10, निधि : 1,69.724 रुपए।

6. गोलीमुमैब इंक्डक्शन थैरेपी की सेफ्टी एवं क्षमता के मूल्यांकन के लिए फेज 2/3 मल्टी सेंटर, रैंडोमाइज्ड, प्लेसबो - नियंत्रित डबल ब्लाइंड अध्ययन, कठोर रूप से सक्रिय अल्सेरटिव कोलीटिस की मोडेरेटली के रोगों में सबक्यूटेनियसली नियंत्रित, गोविंद के. मखारिया, सेंटोकोर द्वारा निधिकित, 2008-11, निधि : 1356.380 रुपए।

जारी

1. लीवर रोग के लिए उन्नत सेंटर (लीवर रोगों में संस्थान एवं भिन्न प्रोजेक्ट) हेपाटिक वेनस - आउटफ्लो ट्रैक्ट अवरोध : इंटियोलोजी एवं एंजियोप्लास्टी के परिणाम; स्फेन्टीथस बैक्ट्रीपल पेरीटोनिटिस के लिए प्रोबॉपोरिक्स, तीक्ष्ण लीवर असफलता में न्यूट्रोफिलिक फंक्शन अध्ययन, एच सी सी में परक्यूरेनियस एसीटिक परीक्षण, तीक्ष्ण लीवर असफलता में सेपसिस, तीक्ष्ण लीवर असफलता में सीजर्स, एस. के. आचार्य, आई सी एस आर द्वारा निधिकित (उन्नत सेंटर : अभी भी जारी; एम्स के अधिग्रहण में) 2005-10, निधि 2 करोड़ रुपए।

2. प्रोटियोमिक का प्रयोग करते हुए क्रोहन्स रोग फ्रोमिन्टेसीनल तपेदिक के विभेदीकरण हेतु बॉयोमार्कर (रों) की पहचान, एस. के. आचार्य, डी बी टी द्वारा निधिकित, 2008-11 निधि : 43 लाख रुपए।

3. नोवार्टिस द्वारा निधिकित (2008-13)। निधि : 11,11000, एच बी ई एगकाम्पेनसेटेड क्रोनिक हेपाटिटिस बी के प्रौढ़ों में रेलबीवुडाइन का ओपन लेवल प्रतिक्रिया एडापटीटेटिव अध्ययन एस. के. आचार्य, नोवर्टिस द्वारा निधिकित, 2008-11, निधि : ड्रग्स एवं जांच की सहायता से।

4. एच बी वी से संबंधित डिकम्पेनसेटेड किरहोसिस में एडेफोविर एवं ग्लाइसाइरेजिन का एडेफोविर, एडेफोविर + लैमिबुडाइन एवं संयोजन का मल्टीसेंट्रिक रैंडोमाइज्ड नियंत्रित क्लीनिकल परीक्षण, एस. के. आचार्य, आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2007-12, निधि : 18.47 लाख रुपए।

5. क्रोनिक एच बी वी संक्रमण के इमुवोटोलेंट मरीजों का प्राकृति उपचार, एस. के. आचार्य, एम एस डी द्वारा निधिकित (फुलफोर्ड इंडिया), 2010-13, निधि : 18,79,750 रुपए।

6. क्रोनिक लीवर रोग के मरीज में जीवन की स्वास्थ्य से संबंधित गुणवत्ता और एम एच ई और स्वास्थ्य से संबंधित जीवन गुणवत्ता के उपचार में प्रोबायोटिक्स का प्रभाव, वाई. के. जोशी, आई सी एम आर द्वारा निधिकित : 2009-11, निधि : 27 लाख रुपए।

7. 3-5 वर्ष के बच्चों में लौह क्षय एनेमिया के सह संबंध में दैनिक आपस फोलिक एसिड अनुपूरन की क्षमता, उमेश कपिल, आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2009-11, निधि : 14,46,263 रुपए।

8. बिटोट की सहायता से 1 से 5 आयु वर्ष के बच्चों के कोहोर्ट में विटामिन ए की मेगा डोज के नियंत्रण के बाद बिटोट की स्पोर्ट का समाधान, उमेश कपिल, आई सी एम आर द्वारा निधिकित,2010-12, निधि : 16,58,381 रुपए।

9. साल्ट-ए मल्टीसेंट्रिक अध्ययन की आयोडीन अंतर्वस्तु, के निर्धारण में स्पॉट टेस्टिंग किट्स की वैधता, उमेश कपिल, एम बी आई किट्स द्वारा निधिकित, 2010-12, निधि : 4,98,520 रुपए

10. गालस्टोन के मरीजों में गाल ब्लेडर कैंसर के संबंध में मुटेशनल एवं हिस्टोपैथोलॉजीकल जोखिम कारकों का अध्ययन, प्रमोद गर्ग, डी बी टी द्वारा निधिकित, 2008-11, निधि : 32 लाख रुपए।

11. प्रयोगात्मक एक्यूटपेनक्रीएटीटिन के पैथेजिनेसिस में टी एन एफ – ए की भूमिका और पेनक्रीएटिटिस की कठोरता के एटीनौटिंग में और पेनक्रीज के परवर्ती रिजनरेशन में टी एन एफ – ए रोधी थैरेपी का प्रभाव, प्रमोद गर्ग, आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2009-12, निधि : 29 लाख रुपए।

12. मानव अल्सेरो – कंस्ट्रक्टिव इलीपोसीएकल रोग में माइकोबैक्ट्रेरियम एवीयमपैरातपेदिक (एम ए पी) की जूनोटिक संभावना, विनीत आहुजा, आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2011-14, निधि : 57 लाख रुपए।

13. क्लीनिकल प्रतिक्रिया के प्रवेशन एवं अनुरक्षण का फेज-3, रैंडोमाइज्ड, प्लेसबो – नियंत्रित, ब्लाइंडेड, मल्टीसेंट्रिक अध्ययन और तीव्र अल्सेरेटिव कोलीटिस के मोटरेट के मरीजों में एम एल 0002 तक घटाव, विनीत आहुजा, मिलेनियम फार्मा बोस्टोन, एम ए द्वारा निधिकित, 2009-12, निधि : 5 लाख रुपए।

14. क्लीनिकल प्रतिक्रिया के प्रवेशन एवं अनुरक्षण के लिए एम एल एन 0002 की क्षमता एवं सेफ्टी के निर्धारण के लिए फेज 3, रैंडोमाइज्ड, प्लेसबो नियंत्रित ब्लाइंडेड, मल्टी सेंटर, मल्टीपल डोज अध्ययन और एक्टिव क्रोहन के रोग के मरीजों में कमी, विनीत आहुजा, मिलेनियम फार्मा बोस्टोन, एम ए द्वारा निधिकित, 2009-12, निधि : 5 लाख रुपए।

15. एब्डोमिनल तपेदिक (इंटस्टीनल अथवा पेरीटोनीयल) के उपचार पर मल्टी सेंट्रिक अध्ययन : संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण कार्यक्रम के तहत उदरीय तपेदिक में 6 महीने के कैट-1 उपचार की 9 महीने के कैट-1 उपचार से तुलना करने के लिए रैंडोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण, गोविंद के . मखीजा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा निधिकित, 2007-12, निधि : 57,40,071 रुपए।

16. क्रोहन के रोग के मरीजों में माइकोबैक्ट्रेरियल पैथोजीन्स का पता लगाना; गोविंद के मखीजा, डी बी टी द्वारा निधिकित, 2007-11, निधि : 35,26,000 रुपए।

17. क्रोहन के रोग और सिलियाक रोग के मरीजों में टाइट जंक्शन प्रोटीनों की विशेषता, गोविंद के. मखीजा, डी एस टी द्वारा निधिकित, 2009-12, निधि : 24,10,400 रुपए।

18. सेलिएक रोग के मरीजों में सह-संबंध इंट्रोपैथिक गंभीरता और छोटे इंटेस्टीनल सी वाई पी 3 ए 4 एक्टीविटी के लिए प्रोटोकाल, गोविंद के. मखीजा, फ्लेमेंट्रा द्वारा निधिकित; ए जी (स्विटजरलैंड), 2010-11, निधि : 11,00,000 रुपए।

19. सेलिएक रोग के मरीजों के प्रथम दर्जे के संबंधियों में पैरा सेलूलर पैरा-मियबिलिटी और टाइट जंक्शन की पैथेफिजियोलोजी; गोविंद के. मखीजा, डी बी टी द्वारा निधिकित, 2011-14 निधि : 43,82,000 रुपए।

20. सेलिएक रोग के मरीजों, उनके प्रथम अवस्था के संबंधियों और कंट्रोलों में स्माल इंटेस्टीनल और संपूर्ण गट मेटाजिनोम, गोविंद के. मखीजा, डी बी टी द्वारा निधिकित, 2011-13 निधि : 39,47,600 रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. डायबेटिक्स में तीव्र वायरल हेपाटाइटिस : प्राकृतिक प्रक्रिया का मूल्यांकन।

2. इंट्रा फेरोन ए 2 बी एवं रिबेवाइरिन के साथ क्रोनिक हेपाटाइटिस – सी का तीन माह का उपचार।

3. लीवर के सिरोइसिस में हिमैटोलॉजीकल अपसामान्ताएं

4. सेलिएक रोग के माइल प्रौढ़ मरीजों में क्लीनिकल, हिस्टोलॉजीकल एवं इमुनोलॉजीकल विशेषताओं के स्वास्थ्य लाभ में ग्लूटेन मुक्त आहार और सिर्फ ग्लूटेन मुक्त आहार प्रेडनाइसोलोन के अल्प पाठ्यक्रम के संवर्धन का प्रमुख : एक अग्रगामी रैंडोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण।

5. क्रोनिक पेनक्रीएटाइटिस में एंटीआक्साइडेन्ट्स सहित आप्टीमाइज्ड मेडिकल थैरेपी से दीर्घ अवधि दर्द राहत।

6. आइडियोपैथिक पैनक्रीटाइटिस के पैनक्रीएज विविजम प्रेजेंटिंग के मरीजों में एस पी आई एन के आई जीन मुटेशन एवं सी एफ टी आर जीन पोलीमार्फिज्म का संयोजन।

7. भारत में आडियोपैथिक क्रोनिक पैन क्रीएटाइटिस : एस पी आई एन के आई और सी एफ टी आर जीन के कारण फेनोटाइपिक विशेषता और स्ट्रोंग जेनेटिक संवेदनशीलता।

जारी

1. एच बी ई ए जी - वी ई क्रोनिक हिपाटाइटिस बी : मैग्नीट्यूड, वाइरल और होस्ट विशिष्टता।
2. इमुनोटोलरेंट क्रोनिक एच बी वी संक्रमण : प्राकृतिक प्रक्रिया।
3. पोर्टल हाइपरटेंशन में एच वी पी जी की भूमिका।
4. इरीटेबल बाउल सिंड्रोम एवं डाइजपेपसिया में सेलिएक रोग की व्यापकता।
5. सेलिरक रोग और अन्य मलएबजॉपसन सिंड्रोमों के मरीजों में इंटेरोसाइटेसमास का मार्कर इंस्टीमेशन के रूप में प्लाज्मा सिट्रललाईन।
6. सेलिएक रोग के मरीजों के प्रथम स्तर के संबंधियों में सेलिएक रोग की व्यापकता।
7. न्यूट्रीशनल एनेमियां से मरीजों में सेलिएक रोग की व्यापकता।
8. सेलिएक रोग के मरीजों के प्रथम एवं दूसरे अवस्था के संबंधियों में फेमिलियल व्यापकता।
9. अवरोधक जैंडिस से गाल ब्लेडर के इनोपरेबल कैंसर के मरीजों के लिए इंडोस्कोपिक बिलिएरी ड्रेनेज बनाम संरक्षणात्मक उपचार : एक रैंडोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण : गैर सर्जिकल ड्रेनेज सहित संरक्षणात्मक उपचार के लिए इनफेरेड पेनक्रीएटिक के मूल्यांकन में एन आर आई की भूमिका।
10. विश्व के विभिन्न जियोग्राफिकल एवं इथनिक बैकग्राउंड से क्रोनिक पैनक्रीएटिक के युवा मरीजों के फेनोटाइप और जिनोटाइप की तुलना : इरियोपैथोजेनेसिस के लिए रूकावटें।
11. रेमिशन में अल्सेरेटिव कोलिटिस के मरीजों में रिलेप्स के प्रीडिक्टिव फैक्टर : दीर्घ अवधि अनुवर्ती अध्ययन।
12. क्रोहन के रोग से विभेदनकारी इंटेस्टीनल तपेदिक : बायोमार्कर खोज।
13. आई बी डी में म्यूकोसल हीलिंग : क्या यह संगत समाप्ति बिंदु है?
14. अलसेरेटिव कोलीटिस के लांगिटयूरिनल कोहोर्ट : दीर्घ अवधि अनुपालन।
15. इनफ्लेमेटरी बाउल रोग ओर इंटेस्टीनल तपेदिक में विभेदी टी रेगुलेटरी सेल अभिव्यक्ति की गतिशीलता।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. कोलोरेक्टल कैंसर के संबंध में व्यवहार। (एशिया पैसीफिक कोलोरेक्टल कैंसर अध्ययन ग्रुप)।
2. ऑटोइम्यून रोगों में सेलिएक रोग की व्यापकता (ऑटाइम्यून थाइराइड रोग, ह्यूमाटोइड अर्कीरिटिस, सिस्टेमिक लुपस रिकिमैटोसस, प्रगामी सिस्टेमिक स्लेरोसिस, जुवेनाइल आर्कीटिस)। (मेडिसिन एवं इंडोक्रीनोलोजी विभाग)।
3. आचलसिया में फेफड़ों की संरचनात्मक एवं कार्यात्मक अपसामान्यताओं पर उपचार का प्रभाव (लैपरोस्कोपिक कार्डियोमायोटोमी एवं न्यूमैटिक डिलेटेशन)। (सर्जरी विभाग, एम एस शोध - प्रबंध)।
4. गियाडिया लैम्बलिया का जेनेटिक अध्ययन (माइक्रोलोजी विभाग, एम डी शोध -प्रबंध)।

5. टाइप-1 डायबिटीज के मरीजों में सेलिएक रोग की व्यापकता एवं महत्ता (इंडोक्रीनोलोजी विभाग)।

6. कोलोनिक क्रोहन के रोग, अलसेरेटिव कोलीटिस और इंटेस्टीनल तपेदिक में टाइट जंक्शन मार्करों का प्रकटन (पैथोलोजी विभाग)।

7. इनफ्लेमैटरी बाउल रोग पर भारतीय गैस्ट्रोइंट्रोलोजी कार्यबल संस्था के तहत इनफ्लैमैटरी बाउल रोग के मरीजों का मल्टी सेंटर (देशव्यापी) प्रोस्पेक्टिव डाटा संग्रहण (भारतीय गैस्ट्रोइंट्रोलोजी संस्था)।

8. अलसेरेटिव कोलीटिस के मरीजों में रोग के विस्तार के मूल्यांकन के लिए कोलोनोस्कोपी और पी ई टी - सी टी कोलोनोग्राफी की तुलना; एक अग्रगामी अध्ययन। (नाभिकीय चिकित्सा)।

9. इरीटेबल बाउल सिंड्रोम के मरीजों में साइक्रोटिक एवं सोमेटिक सह-मार्बिटीज का मूल्यांकन (साइकैट्री विभाग)।

10. संदिग्ध पैनक्रीएटिक मलिगनेंसी के मरीजों में पी ई टी और सी टी स्कैन और ईयूएस का तुलनात्मक मूल्यांकन। (नाभिकीय चिकित्सा विभाग)।

जारी

1. ओकल्ट हिपैटाइटिस बी वाइरस संक्रमण में हिपैटाइटिस बी सर्फेस एंटीजेन प्रोडक्शन एवं सेक्रेशन में सर्फेस प्रोमोटर मुटेशनों की भूमिका (पैथोलोजी विभाग)।

2. तीक्ष्ण एवं क्रोनिक लीवर रोग के मरीजों में एच बी वी म्यूटैन्ट्स (पैथोलोजी)।

3. तीक्ष्ण हिपैटाइटिस ई वाइरस संक्रमण के मरीजों में सेलूलर एवं ह्यूमोरल इम्युनिटी अध्ययन। (पैथोलोजी विभाग)।

4. एच सी वी प्रमाणन जांच और एच ई वी प्रमाणन जांच और एच ई वी प्रमाणन जांच विकास और उनकी संगतता (पैथोलोजी विभाग)।

5. गालस्टोन एवं सी बी डी स्टोनों के मरीजों में सामान्य बाइल डक्ट की इंडोस्कोपिक बनाम लैपरोस्कोपिक निष्कासन का रैंडोमाइज्ड परीक्षण (सर्जरी विभाग)।

6. अवरोधात्मक जैंडिस से पेरी - एम्पुलेरी कैंसर के मरीजों में इंडोस्कोपिक स्टेंटिंग बनाम कोलेस्टोजेजुनोस्टोमी का रैंडोमाइज्ड परीक्षण। (जी आई सर्जरी विभाग)।

7. ई यू एस की भूमिका पेरीएम्पुलेरी ट्यूमरों की रिसेक्टेबलिटी का निर्धारण कर रहा है (सर्जरी विभाग)।

8. पेनक्रीएटिक से यूडोसिस्ट्स के इंडोस्कोपिक बनाम लैपरोस्कोपिक ड्रेनेज का रैंडोमाइज्ड परीक्षण।

9. आई बी डी में टी पी एम टी पोलीमोर्फिज्म।

10. भारत में उच्च नुंगता क्षेत्र में क्रोनिक गैसट्राइटिस की व्यापकता एवं क्लीनिको पैथेलोजीकल पारस्परिक संबंध। (पैथोलोजी विभाग)।

11. क्रोहन्स रोग के मरीजों में तपेदिक-रोधी थैरेपी की प्रतिक्रिया : प्रीडिक्टिव फैक्टर्स : (पैथोलोजी एवं रेडियोडायग्नोसिस विभाग)।

12. प्रोटियोमिक्स का प्रयोग करते हुए सिलियक रोग के लिए बॉयोमार्कर के खोज के लिए अध्ययन (बायोफिजिक्स विभाग)।

13. इन विट्रो। एच मैग्नोटिक रिजोनेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी का प्रयोग करते हुए सेलियक रोग के मरीजों के मेटोबोलिस सिग्नेचर का पता लगाना। (नाभिकीय चिकित्सा एवं रिजोनेंस विभाग)।

14. क्रोनिक डायरिया और मलआबनारप्सन सिंड्रोम के मरीजों में इंटेस्टीनल कोसीडिया और माइक्रोस्पोरीडिया का पता लगाना, पहचान करना और आणुविक विशेषता। (सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग)।

15. सेलियक रोग के नाइव प्रौढ़ मरीजों में क्लीनिकल, हिस्टोलेजीकल एवं इम्यूनोलोजीकल विशेषताओं के स्वास्थ्य लाभ में ग्लुटेनयुक्त आहार एवं सिर्फ ग्लुटेनमुक्त आहार के प्रेडनीसोलोन के अल्प कोर्स के संवर्धन का प्रभाव ; आग्रगामी रैंडोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण : (पैथोलोजी विभाग)।

16. स्वस्थ ब्लड डोनरों में सेलियक रोग की सिरोव्यापकता। (ब्लड बैंक के साथ)।

17. गैर एल्कोहलिक फैटीलीवर रोग (एन ए एफ एल डी), क्रोनिक हिपाटाइटिस बी (सी एच बी) और सेलियक रोग के विभिन्न अवस्थाओं के रोगियों का बेसिक बनावट (प्रकृति) का विश्लेषण। (जेनोमिक्स और इंटीग्रेटिव बॉयोलोजी संस्थान)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 41

पुस्तकों में अध्याय : 2

पुस्तकें : 2

रोगी उपचार

विशेष क्लीनिक

क्लीनिक का नाम	**नये मामले**	**पुराने मामले**
लीवर क्लीनिक	1224	10441
पैनक्रीज क्लीनिक	481	1502
आई बी डी और अलसर क्लीनिक	312	2306
इंटरवेंशनल क्लीनिक	366	211

नियमित क्लीनिक

नये मामले	16557
पुराने मामले	28894

प्रक्रियाएं

डायग्नोस्टिक एवं पेरापियूटिक इंडोरकोपीज	13500
डायग्नोस्टिक एवं पेरापियूटिक कोलोनीस्कोपीज	1650
डायग्नोस्टिक सिग्मोइडोस्कोपीज	1720
ई एस टी एवं ई वी एल	3000
साइडव्यूटंग इंडोस्कोपीइसी	340
इंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कोलनजियो-पैनक्रीयटोग्राफी	1728
इंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (डायग्नोस्टिक एवं थेरापीयूटिक)	384

विभाग में किए गए परीक्षण

जांचों की सूची जो विभाग में किए गए थे

एच बी वी (रीयल टाइम पी सी आर)	3500	एच बी वी जिनोटाइपिंग (पी सी आर)	173
एच बी वी वसल कोर प्रोमोटर (पी सी आर)	210	एच बी वी प्रीकोर मुटैंट (पी सी आर)	246
एच बी वी (पी सी आर)	617	एच बी वी -डी एन ए सीक्वेंसिंग	48
एच सी वी आर एन ए रीयल टाइम पी सी आर	550	एच सी वी आर एन ए (पी सी आर)	434
एच सी वी जिनोइपिंग	32	एचईवीआरएनए (पीसीआर)	148
लिपिड पर ऑक्सीडेशन	200	निःशुल्क रेडिकल एंटीऑक्सीडेंट पोटैंशियल	200
विटामिन सी	200	सुपर ऑक्साइड डिस्मुटाज	200
निट्रिक ऑक्साइड	100	न्यूट्रोफिल फंक्शन जांच	240
प्लाज्मा रेनिन एक्टीसिटी	200	माइलोपरआक्साइज्ड एक्टीविटी	315
इंडीटॉक्सिन जांच	45	सीरम सेरूलोप्लमिन	556
सीरम कॉपर	538	24 घंटे यूरेनरी कॉपर	560
फेमोसाइट फंक्शन जांच (फ्लोसाइटोमीटर)	14	प्लाज्मा ग्लूटामाइन (एच पी एस सी)	150
यूरेनरी लैक्वुलोज (एच पी एल सी)	350	यूरेनरी मैनीटोन (एच पी एल सी)	350
फाक्स पी 3 (फ्लो साइटोमीटर)	83	सी डी 25 (फ्लो साइटोमीटर)	83
सी डी 4 (फ्लो साइटोमीटर)	83	फोकस पी 3 (रायल टाइम पी सी आर)	158
आई एल 23 आर (रीयल टाइम पी सी आर)	158	आई एल 6 (रायल टाइम पी सी आर)	158
आई एल 10 (रीयल टाइम पी सी आर)	158	आई एल 17क (रायल टाइम पी सी आर)	158
टी जी एफ - बी (रीयल टाइम पी सी आर)	158	आई एफ एन-वाई (रायल टाइम पी सी आर)	158
जेडओआई (रीयल टाइम पी सी आर)	64	एच बी एस ए जी (ई एल आई एस ए)	192
एच बी एस ए जी (ई एल आइ एस ए)	192	एच ई वी (ई एल आई एस ए)	192
एच सी वी (ई एल आइ एस ए)	192	एच ई वी (ई एल आई एस ए)	100
टी टी जी - आई जी ए (ई एल आइ एस ए)	3200	लेप्टिन (ई एल आई एस ए)	120
टी एन एफ (ई एल आइ एस ए)	250	मेलाटोनिन (ई एल आई एस ए)	250
आई एल-1 बी (ई एल आइ एस ए)	250	बाई बी-6 (ई एल आई एस ए)	100
इंसुलिन (ई एल आइ एस ए)	100	एडिपोनोक्टिन (ई एल आई एस ए)	96
इंडोटोक्सिन (ई एल आइ एस ए)	96	इंडोटोक्सिन (ई एल आई एस ए)	192
आई एल-1 (ई एल आइ एस ए)	250	सी आर पी (ई एल आई एस ए)	250
आई एफ एन- (ई एल आइ एस ए)	250	आई एल-8 (ई एल आई एस ए)	192
मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनाज-2 (ई एल आइ एस ए)	258	मैटिक्स मैटालोप्रोटीनेज-1(ई एल आई एस ए)	192
मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनाज-9 (ई एल आइ एस ए)	192	मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनोज-8(ई एल आई एस ए)	96
जोनुलिन (ई एल आइ एस ए)	96	एल कैकोप्सिन (ई एल आई एस ए)	96

प्लेटलेट डिराइब्ड ग्रोथ फैक्टर (ई एल आइ एस ए)	96	प्री-एल्बुमिन (ई एल आई एस ए)	96
फेकल इलास्टाज (ई एल आइ एस ए)	96	टी जी ई-बी (ई एल आई एस ए)	25
एल ओ एच (पी सी आर)	40	आई जी जी 4	200
डी- एक्सीलोज	500	एफ एफ पी ई टिस्टर सेक्शन डी एन ए	162
फेकल फैट	36	फेकल साइयोट्राइसिन	109
ब्लड एमोनिया	325	हाइड्रोजन ब्रीक टेस्ट	3500
ट्यूमर स्प्रेसर जीन (फ्रेगमेंट विश्लेषण)	40	प्रो क्राम्बीन टाइम	40
पी 53 सीक्वेंसिंग	20	के रस सीक्वेंसिंग	30
एल् ओ एच (डी एन ए सिक्वेनसर)	30	पी आर एस एस आई जीन (सीक्वेंसिंग)	2000
डी एन ए पी सी आर उत्पाद विश्लेषण (बायोएनाइलाइजर)	60	डी एन ए शुद्धता (पिको ड्रॉप)	89
क्रस मुटेशन (पी सी आर)	150	जेड ओ आई (पी सी आर)	40
जी ए पी डी एच (पी सी आर)	25	पी 53 गुटेशन (पी सी आर)	
टाइट जंक्शन प्रोटीन्स (वेस्टर्न ब्लॉट)			10
आक्ल्यूडीन	10		
क्लोडीन 3	10	क्लॉडीन 2	4
जेड ओ आई	6	जंक्शनल अधेजन मोलक्यूलर	

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ. उमेश कपिल को वर्ष 2011-12 के लिए भारतीय निवारक एवं मेडिसिन संस्था, भारत का अध्यक्ष चुना गया था; आई सी एम आर द्वारा प्रोजेक्ट "एकीकृत भारतीय खाद्य सम्मिश्रण डाटाबेस" की प्रगति की समीक्षा के लिए गठित संचालन समिति और डिजर्ट मेडिसिन अनुसंधान सेंटर द्वारा एक कार्यबल का सदस्य चुना गया था; कई गंभीर कुपोषण से पीड़ित पुनर्वासित बच्चों के रेजीमेन के विकास के लिए साम्य संचालन समिति के सदस्य थे; सहायक आचार्य के पद के चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञ थे; महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अद्यतन अनुभव पर जोर देते हुए स्कूली बच्चों के पोषण पर पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए समिति के सदस्य; अंतर्राष्ट्रीय इपीडेमियोलॉजीकल संस्था की 10वीं दक्षिणी पूर्वी एशिया क्षेत्रीय वैज्ञानिक बैठक के आयोजकों द्वारा "रिवसिंग न्यूट्रीशन्स स्टेटस ट्रेन्डस - एम डी जीज को प्राप्त करना" पर गोलमेज चर्चा के लिए विशेषज्ञ वक्ता; राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी के अध्येतावृत्ति के लिए उम्मीदवार के चयन हेतु विशेषज्ञ ग्रुप, क्रेडेसीयल समिति के सदस्य; शिशु एवं युवा बाल फीडिंग संबंधी राष्ट्रीय समिति (आई वाई सी एफ) के कार्यकारी ग्रुप के विशेषज्ञ सदस्य; ब्रेस्टफीडिंग के प्रोमोशन के लिए कार्यकारी ग्रुप के विशेषज्ञ सदस्य; के ब्रेस्टफीडिंग स्पोर्ट के लिए कार्यकारी ग्रुप के विशेषज्ञ सदस्य; महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के आई एम एस अधिनियम, के प्रोमोशन के लिए कार्यकारी ग्रुप के विशेषज्ञ सदस्य; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, डी जी एच एस, सी एच ई बी के समीक्षा कार्यकरण को पूरा करने के लिए विशेषज्ञ ग्रुप; आई सी एम आर द्वारा समुदाय पोषण, जम्मू में "उत्कृष्ट सेंटर" की स्थापना के लिए विशेषज्ञ; विश्व खाद्य कार्यक्रम, भारत के विशेषज्ञ, भारत में चलाए पोषण मूल्यांकन सर्वेक्षण के समर्थन में परामर्शदाता के रूप में कार्य करने के लिए और उन पर आगे कार्रवाई करने के लिए उन्हें सलाह देने हेतु।

डॉ. प्रमोद गर्ग को वैज्ञानिक सलाहकार समिति राष्ट्रीय बॉयोमेडिकल जेनोमिक्स संस्थान, कल्याणी, भारत के सदस्य के रूप में नामित किया गया था; भारतीय गैस्ट्रोइंट्रोलोजी संस्था 2010 द्वारा इंडोस्कोपी शोध के लिए ऑलिम्पस जे मिश्रा पुरस्कार प्रदान किया गया; अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, "पैनक्रीएटोलॉजीष के सह सम्पादक के रूप में नामित किया गया; अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका "क्लीनिकल गैस्ट्रोइंट्रोलोजी हिपैटोलोजी" के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया।

डॉ. विनीत आहूजा को भारतीय गैस्ट्रोइंट्रोलोजी पत्रिका के सम्पादकीय बोर्ड हेतु नामित किया गया था और विश्व गैस्ट्रोइंट्रोलोजी पत्रिका के प्रमुख सह-सम्पादक नामित किया गया था : नई दिल्ली में गैस्ट्रोइंट्रोलोजी युवा मास्टर मीटिंग आयोजित करने के लिए पाठ्यक्रम संयोजक के रूप में नामित किया गया।

डॉ. गोविंद मखारिया को उत्कृष्ट प्रकाशन के लिए भारतीय गैस्ट्रोइंट्रोलोजी संस्था, 2010 द्वारा एस आर नायक मेमोरियल पुरस्कार प्रदान किया गया था; युवा क्लीनिकल कार्यक्रम आयोजित करने के लिए संयोजक के रूप में नामित किया और भारतीय गैस्ट्रोइंट्रोलोजी संस्था की ओर से बंगलौर में वाई सी पी, 2010 आयोजित किया; सेलियक रोग पर आई सी एम आर कार्यबल का सदस्य नामित किया गया; भारतीय गैस्ट्रोइंट्रोलोजी संस्था के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया।

<u>**अतिथि वैज्ञानिक**</u>

1. आयरलैण्ड के आचार्य इयमोन नवीगजी ने 31 जुलाई, 2010 को गैस्ट्रोइंट्रोलोजी विभाग का दौरा किया।
2. डॉ. मार्क डोनोसिट्ज, मेडिसिन आचार्य, जॉन होपकिन्स विश्वविद्यालय, मेडिसिन स्कूल, यू एस ए ने 26 अक्तूबर, 2010 को विभाग का दौरा किया।
3. पिट्सवर्ग विश्वविद्यालय, यू एस ए के प्रो0 डेविड हवाइटकाम्ब और विश्वविद्यालय मेडिसिन स्कूल यू एस ए से प्रो0 नलिनी गुडा ने 19 नवम्बर, 2011 को विभाग का दौरा किया।
4. डार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन, यू एस ए के डॉ0 विजान पाजनिक ने 20 दिसम्बर, 2010 को विभाग का दौरा किया।
5. डॉ. शिलरिका सेनगुप्ता, सह-अध्यक्ष, रिजनेटिव मेडिसिन सेन्टर और सहायक आचार्य, मेडिसिन, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, यू एस ए ने 24 जनवरी, 2011 को विभाग का दौरा किया।
6. आचार्य मिकलोस साहीन शेफ एवं आचार्य क्रेग लोग्स्डन जो एम डी एंड्रेसन कैंसर संस्कान, यू एस ए से हैं, ने 14 फरवरी, 2011 को विभाग का दौरा किया।
7. आचार्य के. श्रीराम, अध्यक्ष, सर्जिकल, गहन चिकित्सा प्रभाग और निदेशक, सिकागो विश्वविद्यालय, यू एस ए ने 3 मार्च, 2011 को विभाग का दौरा किया।
8. डॉ. सन्दीप गुप्ता, जो आचार्य क्लीनीकल पेडियट्रिक एवं मेडिसिन का निजी अस्पताल, यू एस ए से हैं, ने 6 अप्रैल, 2011 को विभाग का दौरा किया।

9.13 जठरांत्र शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

तुषार के. चट्टोपाध्याय

आचार्य

पीयूष साहनी

सह-आचार्य

सुजॉय पाल | निहार रंजन दाश

शिक्षा

विभाग का संकाय, पूर्व स्नातकों, सर्जिकल स्नातकोत्तरों और पोस्टडॉक्टरल प्रशिक्षुओं के लिए शिक्षात्मक शिक्षण कार्यक्रम में शामिल है। विभाग, गैस्ट्रोइंटेस्टीनल सर्जरी में एम सी एच अवार्ड को प्रोत्साहित करते हुए 3 वर्ष का सुपर विशिष्टता प्रशिक्षण का प्रस्ताव करता है। यह एक से तीन महीने की अवधि के लिए अल्प अवधि ऑब्जर्बरशिप का प्रस्ताव भी करता है।

व्याख्यान

विभाग के संकाय ने देश के विभिन्न चिकित्सा फोरा में 24 सी एम ई व्याख्यान दिए।

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. देशज सिरिंज पम्प के डिजाइन डेवलपमेंट और वाणिज्यिकरण, पीयूष साहनी, सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा निधिकित 2009-2012, निधि : 28 लाख रुपए।
2. इसोफागस के कोरोसिव स्ट्रिक्चर के प्रबंधन में रिसेक्शन बनाम बाईपास प्रक्रिया, की तुलना; एक रैंडोमाइज्ड नियंत्रित अग्रगामी अध्ययन; निहार रंजन दाश, एम्स द्वारा निधिकित, 2009-2011, निधि : 85,000 रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. अलसेराटिव कोलीटिस वाले मरीजों में इलीयल पाउच एनल एनस्टोमोसिस के बाद दीर्घ अवधि कार्यात्मक परिणाम।
2. इलीयल पाउच एवं एनस्टोमोसिस के बाद अल सिराटिव कोलीटिस के मरीजों की लाइफ की गुणवत्ता से संबंधित स्वास्थ्य का निर्धारण।
3. जी आई मालेगनैंसीज में इन्ट्रा ऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड की भूमिका। अभिसामयिक प्रीऑपरेटिव इमेजिंग तकनीकियों से तुलना।
4. भारतीय जनता में मानक लीवर वाल्यूम का आंकलन।
5. ओइसाफगस के तीसरे मध्य के स्क्वामस सेल कैंसर के लिए केवल प्रीऑपरेटिव रेडियोथेरैपी और ट्रांशिएटल ओइसोकैगेक्टॉमी बनाम ट्रांशीएटल ओइसो फैगेक्टोमी की तुलना करते हुए प्रोस्पैक्टिव रैन्डोमाइज्ड परीक्षण।

जारी

1. ओइसोफगस के कोरोसिव स्ट्रीक्चर के उपचार के लिए रिसेक्शन बनाम बाईपास प्रक्रिया का रैन्डोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण।
2. एक्ट्राहिपाटिक पोर्टल वेइन आबंस्ट्रक्शन वाले मरीजों में लीझोरेनल शंट प्रक्रिया का दीर्घ अवधि अनुवर्तन।
3. विभिन्न बिलिएरी ट्रैक्ट डिसऑर्डरों के लिए चोलेडोचोस्कॉपी का उत्तर व्यापी मूल्यांकन।
4. ऑब्स्क्यूर गैस्ट्रोइन्टेंस्टीनल ब्लीडिंग के प्रबंधन में इंट्राआपरेटिव इंटरोस्कॉपी भूमिका का उत्तर व्यापी मूल्यांकन।
5. ओइसोफगस के कारोसिव स्ट्रीक्चर के लिए बाईपास प्रकिया का अनुपालन करते हुए मुकोकोइले की समस्या का मूल्यांकन।
6. ओइसोफगस के स्क्वामस सेल कार्सीनोमा के मरीजों में सर्जरी बनाम सर्जरी एलोन के अनुपालन से नियोएडजुबेंट कीमोथैरेपी : एक रैन्डोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण।
7. मिडिल थर्ड ओइसोफजीकल कार्सोनोमा में सर्वीकल लिम्फ नोड मेटास्टेसिस के निर्धारण में गर्दन अल्ट्रासाउंड, सी टी और पी ई टी स्कैन की भूमिका।
8. इलियोस्टोमी क्लोजर के बाद जख्म संक्रमण : प्राथमिक बनाम सरकमफेरेंसियल सब्क्यूटीक्यूलर क्लोजर तकनीकियों की तुलना करते हुए उत्तरव्यापी रैन्डोमाइज्ड अध्ययन।
9. पैनक्रीएटिको - ड्यूओडिनेक्टॉमी के बाद पैनक्रीएटिको - जेजुनोस्टोमी की "डक्ट - टू - मुकोसा" एवं "डंकिंग" विधियां : एक रैन्डोमाइज्ड नैदानिक परीक्षण।
10. गैर-सिरोहटिक पोर्टल फाइब्रोसिस में सर्जरी के दीर्घ अवधि परिणाम।
11. न्यूनतम इनवैसिव ओइसोफैगेक्टोमी : एक व्यवहार्य मूल्यांकन।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. पेरीएम्पुलेरी ट्यूमरों के मूल्यांकन में इंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड की भूमिका। (गैस्ट्रोइन्ट्रोलॉजी विभाग)।

जारी

1. एक्ट्रा हिपाटिक पोर्टल वेनस अवरोध के मरीजों के लिए प्रोक्सीमल लीइनो - रेनल शंट बनाम क्रमिक इंडोस्कोपिक वेरीसीयल लिगेशन एवं इंडोस्कोपिक स्केलरोथैरेपी का रैन्डोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण। (गैस्ट्रोइन्ट्रोलॉजी विभाग)।
2. फेइकल अक्रमिकता के लिए एक उपकरण का विकास (स्टैनफोर्ड - इंडिया बायो - डिजाइन प्रोजेक्ट के साथ)।
3. गैस्ट्रो- ओइसोफेजीयल जंक्शन के एडिनोकार्सीनोमा में निइयोएडजुवेंट कीमोरेडियो थेरेपी की भूमिका (रेडियोडाइग्नोसिस विभाग)।
4. पेरीचोलेडोचल कोलाटेब्रल्स कॉजिंग पोर्टल हाइपरटेंसिव बिलियोपैथी पर लीइनोरेनल शंट के प्रभाव पर उत्तर व्यापी अध्ययन, (गैस्ट्रोइन्ट्रोलॉजी विभाग)।
5. पेरीएम्पुलेरी कार्सीनोमा के कारण सर्जिकल ऑबस्ट्रक्टिव जॉडिंस में उत्तर व्यापी कोलेस्टोजेजुनोस्टोमी बनाम इंडोस्कोपिक स्टेंटिंग का रैन्डोमाइज्ड नियंत्रित क्लीनिकल परीक्षण (गैस्ट्रोइन्ट्रोलॉजी विभाग)।
6. क्रोनिक पैनक्रीएटिटिस के लिए सर्जरी बनाम इंडोस्कोपिक उपचार की तुलना करते हुए रैन्डोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण (गैस्ट्रोइन्ट्रोलॉजी विभाग)।।
7. नेक्रोटाइजिंग पैन क्रीएटिटिस का पालन करते हुए कार्यात्मक परिणाम (गैस्ट्रोइन्ट्रोलॉजी विभाग)।
8. न्यूनतम इनवैसिव पैनक्रीएटिक नेक्रोसेक्टोमी : एक उत्तरव्यापी अध्ययन।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 15

सार : 10

पुस्तकें : 1

पुस्तकों में अध्याय : 1

रोगी उपचार

ओ पी डी और विशिष्ट क्लीनिक

देखे गए नये मरीजों की कुल संख्या	1999	देखे गए पुराने मरीजों की कुल संख्या	5124

विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं

एनल मेनोमेट्री, ओइसीफजीयल मैनोमेन्ट्री, 24 घंटे एम्ब्यूलेटरी ओइसोफेजीयल पी.एच. मॉनीटरिंग।

अंतः रोगी

प्रक्रियाओं की संख्या (विशेष हित क्षेत्र)

कुल दाखिले 784

सर्जिकल प्रक्रियाएं

निष्पादित कुल संख्या	585		
चयनात्मक :	410	आपातकालीन	175
बिलियरी अवरोध	125	पोर्टल हाइपरटेंशन	45
ओइसोफेजीयल कैंसर	52	कार्सीनोम गॉल ब्लेडर	15
अलसिररेटिव कोलीटिस	32	ऊपरी जी आई हैडमोरहेज	15
लीवर जी आई हैश्मोरहेग	13	एक्यूट पैनक्रीएटिटिस	18
क्रोनिक पैनक्रीसटिटिस	18	बिलीयरी स्ट्रीक्चर्स	19
पैनक्रीएटो - डूओडिनेक्टोमी	29	लीवर रिसेक्शन्स	13

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाक्रम

आचार्य टी. के. चट्टोपाध्याय ने दिसम्बर, 2010 में नई दिल्ली में भारतीय सर्जन संस्था के वार्षिक सम्मेलन के दौरान प्रतिष्ठित कर्न. पांडालई व्याख्यान दिया। वह भारतीय चिकित्सा परिषद कार्यबल के सदस्य हैं और जी आई सर्जरी वार्षिक के सम्पादक हैं।

आचार्य पीयूष साहनी अंतर्राष्ट्रीय मेडिकल जरनल सम्पादक समिति (आई सी एम जे ई) में विश्व चिकित्सा सम्पादक संस्था (डब्ल्यू ए एम ई) के प्रतिनिधि हैं। वह भारत के राष्ट्रीय चिकित्सा पत्रिका के सम्पादक हैं और जी आई सर्जरी वार्षिक के सह-सम्पादक हैं। वह विशिष्टता बोर्ड (सर्जिकल गैस्ट्रोइन्ट्रोलॉजी); राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के सदस्य भी हैं।

डॉ. सुजॉय पाल अलसिरेटिव कोलीटिस के डायग्नोजिंग एवं मैनेजिंग मरीजों के लिए राष्ट्रीय क्लीनिकल दिशानिर्देश तैयार करने के लिए आई एस जी - आई बी डी कार्यबल बैठक (अक्तूबर, 2010) के आमंत्रित सर्जिकल विशेषज्ञ थे।

डॉ. निहार रंजन दाश भारतीय ओस्टोमी संस्था के अध्यक्ष हैं।

9.14 रुधिर विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

आर. सक्सेना

आचार्य

एच. पी. पती

अपर आचार्य

एस. त्यागी | एम. महापात्रा

सह - आचार्य

तुलिका सेठ | प्रवास मिश्रा

वैज्ञानिक-II

एस. सेजवाल

शिक्षा

विभाग नैदानिक रुधिर विज्ञान और रुधिर विकृति विज्ञान में डी. एम. पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है। इस वर्ष चार उम्मीदवारों ने डी. एम. नैदानिक रुधिर विज्ञान की तथा दो उम्मीदवारों ने डी. एम. रुधिर विकृति विज्ञान की परीक्षा उत्तीर्ण की है। वर्तमान अकादमिक वर्ष में छः रेज़ीडेंट डी. एम. नैदानिक रोग विज्ञान में तथा सात रेज़ीडेंट रुधिर विकृति विज्ञान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। पांच विद्यार्थी रुधिर विज्ञान में पीएचडी के लिए पंजीकृत हैं जो इस समय जारी है।

संकाय रुधिर विज्ञान तथा काय चिकित्सा में स्नातक-पूर्व छात्रों को प्रशिक्षण दे रहा है, तथा बाल विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों के लिए नैदानिक मामला अध्ययनों का संचालन करता है। इसने रुधिर विज्ञान में एम. डी. विकृति विज्ञान के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देना भी जारी रखा है।

अल्प तथा दीर्घावधिक प्रशिक्षण

विभाग ने अन्य संस्थाओं से 1 से 6 माह की भिन्न-भिन्न अवधि के लिए सत्रह डॉक्टरों को नैदानिक और प्रयोशाला रुधिर विज्ञान के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान किया है। 150 एम एस सी के विद्यार्थियों ने भी इस वर्ष के दौरान 1 से 6 माह की अवधि के लिए आण्विक रुधिर विज्ञान में अल्प-अवधि प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

विभाग द्वारा आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा तथा सम्मेलन

विभाग ने वर्ष के दौरान 6 क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा तथा सम्मेलनों का आयोजन किया।

1. एम्स में नवम्बर, 2010 में छठा राष्ट्रीय थैलासेमिया सम्मेलन
2. फरवरी, 2011 में राष्ट्रीय रूधिर विज्ञान अपडेट-VIII
3. 26.02.2011 को "हेमोफिलिया" संबंधी कार्यशाला
4. 26.2.2011 को "हेमोग्लोविनोपैथी" पर कार्यशाला
5. राष्ट्रीय थैलासीमिया कल्याण सोसायटी के साथ 23 नवम्बर, 2010 को सहयोजित "थैलासीमिया" के निदान में चुनौतियों पर कार्यशाला
6. नवम्बर, 2010 में अंतरर्राष्ट्रीय थ्रोम्बोसिस तथा हेमोस्टेसिस सोसायटी के साथ आई. एस. एच.. टी. एम. वार्षिक सम्मेलन कोलकाता में आयोजित हेमोस्टेसिस संबंधी शैक्षणिक संगोष्ठी।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 53

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. कोरोनरी धमनी रोग से ग्रस्त रोगियों में प्लेटेलेट अभिग्राही पोली मार्फिज्म का मूल्यांकन डॉ. आर. सक्सेना, आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित 2007-2010, 23 लाख रुपए।

2. गंभीर प्रतिरोधी थ्रोम्बो साइटोपेनिक पुरपुरा रोगियों के साइटोकिन पार्श्वचित्र का एक अध्ययन। तुलिका सेठ, एम्स द्वारा वित्तपोषित, 2010-11, निधियां : एक लाख रुपए।

जारी

1. चिरकालिक मायलायड ल्यूकेमिया से ग्रस्त रोगियों में अवस्था प्रगति के जैव विज्ञान को समझने के लिए जीन्स का मॉडयूलेशन, डॉ. आर. सक्सेना, 2008-2011, आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित, निधियां प्रथम वर्ष के लिए 8,90,000/-रुपए।

2. भारत में चिरकालिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया के जैव विज्ञान को प्रभावित करने वाले आण्विक प्राचलों का मूल्यांकन, डॉ. आर. सक्सेना, 2009-2012, आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित, निधियां : 6,00,000/-रुपए/प्रति वर्ष।

3. प्रोटोकोल आशोधित एम सी पी 841 पर तीव्र लिम्फायड ल्यूकेमिया का उपचार तथा आण्विक लक्षण वर्णन। इंटरनेशनल नेटवर्क फॉर कैंसर ट्रीटमेंट एंड रिसर्च, डॉ. आर. सक्सेना, 2001-2013, आई एन सी टी आर द्वारा वित्तपोषित, निधियां 4.5 लाख रुपए प्रति वर्ष।

4. हेमोग्राम में गुणता आकलन, डॉ. आर. सक्सेना, आई एस एच टी एम, द्वारा वित्तपोषित, निधियां 2003-2008 के लिए 1.5 लाख रुपए/प्रति वर्ष।

5. स्ट्रोक के विकास में नाइट्रिक आक्साइड की भूमिका, डॉ. आर. सक्सेना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित, 2008-11 निधियां 20 लाख रुपए।

6. ए पी सी आर तथा एफ वी की कमी वाले भारतीय रोगियों में एफ वी का आण्विक लक्षणीकरण, आर सक्सेना, आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित, 2010-2013, निधियां : 27,62,563/-रुपए।

7. अध्ययन सं. ए बी बी-09-001 : प्लाज्मा प्राप्त वॉन विरलब्रांड कारक-सांद्र तथा रिक्म्बीनेंट कारक-VIII (आर एफ VIII) सांद्रों के प्रति उद्‌भासित होने पर पूर्व में अनुपचारित रोगियों (पी यू पी) या न्यूनतम रक्त संघटक उपचारित रोगियों (एम बी सी टी पी) में प्रतिषिद्धात्मक विकास : एक स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय बहुकेंद्रक, भविष्यलक्षी, नियंत्रित, यादृच्छिकृत, ओपन लेबल, नैदानिक परीक्षण बहुकेंद्र अध्ययन (25 देशों में 60 केंद्र) तुलिका सेठ। फोंडाजिओन एंजलोनियांची बोनोमी द्वारा वित्तपोषित, 2010-2013 निधियां : 5 लाख रुपए।

8. दिल्ली में कैंसर के अवबोधन तथा स्वास्थ्य लाभ व्यवहार में परिवर्तन के लिए समुदाय आधारित योजनाबद्ध उपाय : एक प्रायोगिक अध्ययन। डॉ. तुलिका सेठ,आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित, तीन वर्ष, निधियां : 11,18,025/- रुपए।

9. एक उत्तर भारतीय तृतीयक देखभाल केंद्र में गंभीर प्रतिरोधी थ्रोम्बो साइटोपेनिक पुरपुरा रोगियों के आनुवंशिक पार्श्वचित्र का अध्ययन। तुलिका सेठ, एम्स द्वारा वित्तपोषित, निधियां : एक लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. वी डब्ल्यू एफ स्तरों पर ग्लुको कोर्टीकायड्स का प्रभाव तथा वी डब्ल्यू एफ जीन प्रोमोटर पोली मार्फिज्म के साथ इसका सह संबंध।
2. सी. एम. एल. में ग्लीवाक प्रतिरोध अंतर्हित करने वाले म्यूटेशन्स का अभिसूचन।

जारी

1. लौह रिफ्रेक्टरी माइक्रो साइटोसिस तथा सामान्य एच बी ए 2 वाले रोगियों में अल्फा थैलासीमिया की भूमिका।
2. सी एल पी डी में एफ सी एम इम्यूनो फीनोटाइपिंग की भूमिका।
3. नाइट्रिक आक्साईड तथा इसके स्तर को नियंत्रित करने वाले एंजाईम की युवा भारतीयों में इस्चेमेटिक स्ट्रोक के विकास में भूमिका।
4. भारतीय रोगियों में एम डी एस के रोगजनकों में आण्विक अध्ययन की भूमिका।
5. न्यूनतम आवशिष्ट रोग के मूल्यांकन के लिए बी लीनिएज उत्कट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया का आण्विक तथा फ्लो साइटोमीट्रिक लक्षणीकरण।
6. भारतीय सी एम एल रोगियों में ग्लीवाक प्रतिरोध का वर्णन तथा अंतर्हित आण्विक प्रक्रम का मूल्यांकन।
7. वृद्ध व्यक्तियों में रक्ताल्पता के एयटीपैथोजेनेसिस का मूल्यांकन।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. प्रतिकूल सगर्भता परिणाम वाले रोगियों में थ्रोम्बोफिलिया की प्रवृत्तता (स्त्री रोग विज्ञान विभाग)।

जारी

1. सगर्भता की तीसरी तिमाही में लौहाल्प रक्ताल्पता वाले रोगियों में इरिथ्रोपोयटिन स्तरों तथा सीरम ट्रांसफरिन अभिग्राही स्तरों का अन्य रुधिर विज्ञानी सूचकांकों के साथ सह संबंध। प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग।
2. लीनो रीनल शंट शल्य चिकित्सा में पेरियोपरेटिव रक्त हानि को कम करने में ट्रांनेक्सेमिक एसिड की प्रभावात्मकता तथा शंट पेटेंसी पर इसके प्रभाव का मूल्यांकन करना - एक अग्रदर्शी यादृच्छीकृत डब्ल ब्लांईड फ्लेसवों नियंत्रण अध्ययन (संवेदनाहरण विज्ञान विभाग)।
3. 7 दिन से अधिक तथा 4 माह तक की आयु के शिशुओं में संभावित गंभीर बैक्टीरियल संक्रमणों के उपचार में इम्यूनो माडयूलेटर के रूप में ज़िंक (बाल चिकित्सा विभाग)।
4. कोरोनरी धमनी रोग वाले रोगियों में प्लेटेलेट रिसेप्टर पोलीमार्फिज्म तथा थ्रोम्बोजेनिक म्यूटेशन का मूल्यांकन (हृद विज्ञान विभाग)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 27

पत्रिकाओं में सार : 9

पुस्तकों में अध्याय : 19

पुस्तकें : 1

रोगी उपचार

अंतरंग रोगी उपचार

रुधिर विज्ञान विभाग ने बढ़ती संख्या में ल्यूकेमिया, एप्लास्टिक रक्ताल्पता, इडियोपैथिक थ्रोम्बो साइटोपेनिक पुरपुरा, लिम्फोमास, माइलोडिस प्लास्टिक सिंड्रोम, हीमोफिलिया, बहुल मायलोमा तथा विभिन्न अन्य रुधिर विज्ञानी विकारों के रोगियों का अंतरंग रोगियों के रूप में उपचार किया। विगत वर्ष में, 28 एलोजेनिक प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक निष्पादित किए गए। विभाग में रुधिर विज्ञानी रोगियों के लिए कीमोथिरैपी, प्रक्रियाविधियों तथा रक्त उत्पाद अंतर्वेशन के लिए दिवा उपचार केंद्र भी है।

रूधिर विज्ञान दिवस देखभाल केंद्र

माह	प्रवेश	रक्त अंतर्वेशन	कीमोथिरैपी	आई टी	फ्लेबोटोमी	पीआरपी	एफएफपी	एसडीपी	क्रायो	बीएमबी वाई	छुट्टी	कुल
अप्रैल	731	276	231	38	06	140	10	07	03	133	731	**844**
मई	763	391	225	47	05	138	04	04	02	129	763	**945**
जून	756	297	216	42	09	169	02	12	01	151	756	**899**
जुलाई	760	314	202	29	02	149	09	09	-	133	760	**847**
अगस्त	710	222	160	23	01	114	04	05	01	216	710	**746**
सितम्बर	635	280	169	35	06	100	06	08	-	102	635	**706**
अक्तूबर	618	251	200	44	05	75	09	08	03	75	618	**670**
नवम्बर	662	266	111	37	10	102	09	07	01	121	662	**664**
दिसम्बर	690	256	214	42	07	95	09	12	03	115	690	**753**
जनवरी	608	266	156	35	03	89	10	03	01	79	608	**642**
फरवरी	661	259	194	35	04	104	06	01	-	114	661	**717**
कुल	**8331**	**3368**	**2267**	**446**	**65**	**1405**	**89**	**77**	**21**	**1504**	**2331**	**9242**

बहिरंग रोगी विभाग की जनगणना

	सामान्य रुधिर विज्ञान			विशेष क्लिनिक							कुल
	पुरूष	महिलाएं	कुल (एच)	एचओ	एचसी	एचए	सीएमएल	एचएस	एचटी	एचएल	जोड़
पुराने रोगी	**4932**	**2208**	**7140**	**5208**	**2173**	**865**	**1572**	**1572**	**756**	**324**	**21469**
नए रोगी	**1980**	**804**	**2784**	**286**	**169**	**110**	**264**	**195**	**37**	**4**	**6633**

बाह्य रूधिर विज्ञानी दक्षता परीक्षण कार्यक्रम

बाह्य गुणता आश्वासन कार्यक्रम का संचालन विभाग में पी एस आकलन के साथ मूल प्राचलों नामतः एच बी, एच सी टी, डब्ल्यू बी सी, आर बी सी, रेटिक, एम सी वी, एम सी एच, एम सी एच सी तथा प्लेटेलेट में किया जा रहा है। प्रतिभागी प्रयोगशालाओं की संख्या अप्रैल, 2010 में लगभग 750 थी जो 2011 की सदृश अवधि में बढ़कर 910 पर पहुंच गई है। उक्त कार्यक्रम संपूर्ण भारत में प्रतिभागी प्रयोगशालाओं के लिए यथार्थता के अनुरक्षण में अपने योगदान के कारण महत्वपूर्ण तथा प्रमुख बन गया है।

समुदाय सेवाएं

रुधिर विज्ञान विभाग ने राष्ट्रीय थैलासीमिया कल्याण सोसायटी के समन्वयन में थैलोसीमियां के रोगियों को परामर्शी सेवाएं प्रदान की। हीमोफिलिया हेतु उपचार की व्यवस्था हीमोफिलिया फेडरेशन आफ इंडिया के समन्वयन से की गई।

प्रयोगशालाएं सेवाएं

विभाग में एक पूर्ण विकसित रूधिर विज्ञान प्रयोगशाला है तथा इसने निम्न परीक्षण संचालित किए :

रक्ताल्पता के लिए परीक्षण

परीक्षण	**संख्या**
एच पी एल सी	1467
मूत्र हीमोसिडेरिन	110
सिकलिंग	70
ओसमोटिक फ्रैगिलिटी/इन्क्यूबेटिड ओस्मोटिन फ्रैगिलिटी	145
जी 6 पी डी	745
हीन्ज़ पिंड	2
एस लौह	1877
मेथेमोग्लोबिन	2
कूम्बस	424
क्रायोग्लोबुलिन्स कोला अग्लटिनिन्स	03
पी एन एच जेल कार्ड सी डी 55/सी डी 59	153
एच बी इलेक्ट्रोफोरेसिस	60
पी एन एच (हैम परीक्षण)	31
एच समावेशन	25
प्लाज्मा हीमोग्लोबिन	115
सीरम फेरिटिन	681
हेमोग्राम तथा जीवितो परीक्षा	
हेमाग्राम	40287
जीवितो परीक्षा	2175
रेटीकुलोसाईट काउंट	10045
रेटीकुलिन विशेष स्टेन	350
अस्थि मज्जा एस्पिरेट	2466
हीमोस्टासिस के लिए परीक्षण	
शार्ट स्क्रीननिंग कोगुलोग्राम	5176
ए टी -III	467
फैक्टर परख	495
पी 2 जी पी	1060
इन्हीबिटर्स स्क्रीनिंग	250

एस होमोसिस्टीन	263
फैक्टर इनहिबिटर्स परख	12
वी डब्ल्यू डी	227
आई एन आर	4340
डी एन ए पेंरटल अभिसूचन	34
ल्यूपस एंटीकोगुलेंट	2280
डी एन ए संवाहक अभिसूचन	7
प्लेटेलेट प्रकार्य परीक्षण	1200
एफ बी लीडन	140
डी डाइमर	1100
एम टी एच एफ आर	45
फाइब्रिनोजेन	720
क्लॉट घुलनशीलता परीक्षण	200
प्रोगलॉब सी	1030
पी 2010	20
प्रोटीन सी	757
थैला सीमिया आण्विक परीक्षण	65
प्रोटीन एस	757
हेमोफिल्या बी	3
ए पी सी आर	757
ल्यूकेमिया के लिए परीक्षण	
ल्यूकेमिया के लिए आण्विक अध्ययन (बी सी आर ए बी एल, 315 म्यूट, टी 15; 17, टी 8; 21, इन्व 16, एफ आई टी 3, जे ए के)	1371
साइटोरसायन	430
लौह स्टेन	243
एल ए पी स्कोर	245
फ्लो साइटोमीट्री	
उत्कट ल्यूकेमिया	183
सीएलपीडी	68
सीडी34	37
पीएनएच	117
प्लेटेलेट विकार	11
जोड़	**416**

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य आर. सक्सेना को स्कूल आफ ट्रोपीकल मेडिसन, कोलकाता द्वारा 28 फरवरी को जे बी चटर्जी ओरेशन (2011) प्रदान किया गया; वे वर्ष 2009 से सदस्य सम्पादकीय बोर्ड नैदानिक तथा अनुप्रयुक्त थ्रोम्बोसिस तथा हेमोस्टेसिस हैं; वे नवम्बर, 2010 तक इंडिया सोसायटी आफ हेमोटॉलाजी तथा ट्रांसफ्यूजन चिकित्सा के अध्यक्ष रहे; वे 2009 से एजुकेशन काऊंसिल आफ इंटरनेशनल सोसायटी आफ थ्रोम्बोसिस एंड हेमोस्टेसिस के सदस्य है; वे अगस्त, 2008 से इंस्टीटयूशन एथिक्स समिति, एम्स के सदस्य सचिव हैं; वे 2005 से सदस्य परामर्शी बोर्ड, हेमोफिलिया फेडरेशन आफ इंडिया के सदस्य हैं; वे 2011 से कार्यकारिणी समिति एच एफ आई के सदस्य है; वर्ष 2005 से वे आई सी एम आर की आनुवंशिकी, रूधिर विज्ञानी, शरीर रचना विज्ञानी परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य हैं; वर्ष 2003 से वे आई एस एच टी एम - एम्स ई क्यू ए पी के समन्वयक हैं।

डॉ. एम. माहापात्रा इंडियन सोसायटी आफ हेमाटॉलाजी एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसन (आई एस एच टी एम) के कोषाध्यक्ष के रूप में जारी रहे; वे राष्ट्रीय रूधिर विज्ञान अपडेट-III के आयोजक सचिव हैं।

9.15 अस्पताल प्रशासन

अध्यक्ष
शक्ति कुमार गुप्ता
(चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स)

चिकित्सा अधीक्षक, मुख्य अस्पताल
डी. के. शर्मा

आचार्य
सिद्धार्थ सत्पथी
(डॉ. बी.आर.ए.स.रो.कै.अ. एवं मुख्य अस्पताल)

अपर आचार्य

आई. बी. सिंह	संजय आर्य	आरती विज
(मुख्य अस्पताल एवं तंत्रिका विज्ञान केन्द्र)	(मुख्य अस्पताल)	(ऑरबो, ह्द वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केन्द्र)

शिक्षा

अस्पताल प्रशासन विभाग 2 वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम, अर्थात एम एच ए (अस्पताल प्रशासन में निष्णात) जो प्रवेशन के बाद अपने 45वें वर्ष में पहुंच गया है, चला रहा है। इसे सरकारी तौर पर भारत में पहली बार फरवरी, 1966 में शुरू किया गया था और अब विशिष्ट स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के रूप में स्वीकार किया गया है। अस्पताल प्रशासन में रेजीडेंसी कार्यक्रम "हैंड्सऑन" प्रशिक्षण पर जोर देता है, जहां रेजीडेंट प्रशासक अस्पताल के "कंट्रोल रूम" में रात-दिन "ड्यूटी अधिकारी" के रूप में कार्य करता है और ड्यूटी समय के बाद सभी अस्पताल कार्यकलापों को समन्वित करता है।

विभाग ने 1 जनवरी, 2008 से अस्पताल प्रशासन विभाग के रेजीडेंटों के लिए एकीकृत शिक्षण मॉडयूल चला कर शैक्षिक कार्यक्रम में प्रतिमान शिफ्ट शुरू किया है। इसमें व्याख्यान, चर्चाएं, समस्या आधारित शिक्षण, मामला अध्ययन, पत्रिका क्लब, सेमिनार आदि शामिल हैं। विभाग विभिन्न अतिथि व्याख्यान आयोजित किए गए थे ताकि शिक्षण के क्षैतिज को बढ़ाया जा सके।

संकाय सदस्यों ने विभिन्न संगठनों में, जिसमें सेंट्रल, राज्य सरकारें, पैरामिलिट्री फोर्सेज और विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में जैसे कि आई आई सी एम, रांची और निजी क्षेत्र के प्रबंधन संस्थान भी शामिल हैं, कार्य कर रहे डॉक्टरों के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए।

अल्प एवं दीर्घ अवधि प्रशिक्षण

1. अप्रैल और मई, 2010 में अपोलो अस्पताल प्रशासन संस्थान, हैदराबाद में एक विद्यार्थी।
2. अप्रैल और मई, 2010 में टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई से एक विद्यार्थी।
3. अप्रैल से जून, 2010 तक प्रिंस एल. एन. वेंलिंगकर प्रबंधन विकास एवं अनुसंधान संस्थान, मुंबई से दो विद्यार्थी।
4. अप्रैल से जून, 2010 तक स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान संस्थान से छह विद्यार्थी।
5. जुलाई से अगस्त, 2010 तक डाउन टॉउन चैरिटी ट्रस्ट, गुवाहाटी से दो विद्यार्थी।
6. जुलाई से अगस्त, 2010 तक राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, मुनीरिका, नई दिल्ली से दस विद्यार्थी।
7. नवम्बर, 2010 में शस्त्र बल मेडिकल कालेज, पुणे से चार पी जी विद्यार्थी।
8. जनवरी, 2011 में शेर-ए-कश्मीर चिकित्सा विज्ञान संस्थान, श्रीनगर से दो पी जी विद्यार्थी।

9. अगस्त, 2010 से फरवरी, 2011 तक श्री सत्य साई उच्च चिकित्सा विज्ञान संस्थान, अनन्तपुर, आंध्र प्रदेश से एक विद्यार्थी।

10. फरवरी, 2011 में एम जी विश्वविद्यालय, कोरथम से इक्कीस विद्यार्थी।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

अस्पताल प्रशासन विभाग ने 7 राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सेमीनार और कार्यशालाएं आयोजित कीं।

1. गोवा में 19 से 24 अप्रेल, 2010 तक डब्ल्यू एच ओ - भारत कार्यालय के सहयोग से वरिष्ठ स्वास्थ्य केयर प्रोफेसनलों के लिए "स्वास्थ्य केयर कार्यपालक प्रबंधन विकास कार्यक्रमष्ठ

2. 13 से 15 मई, 2010 तक भारत हैबीटेट सेंटर में डब्ल्यू एच ओ - भारत आफिस एवं आई एन सी एल ई एन ट्रस्ट के सहयोग से "रोगी सेफ्टी पर राष्ट्रीय पहल" पर कार्यशाला।

3. 25 से 29 सितम्बर, 2010 तक गोवा में डब्ल्यू एच ओ - भारत कार्यालय के सहयोग से वरिष्ठ स्वास्थ्य केयर प्रोफेसनलों के लिए "स्वास्थ्य केयर कार्यपालक प्रबंधन विकास कार्यक्रमष्ठ

4. 13 से 15 सितम्बर, 2010 तक भारत हैबीटेट सेंटर में डब्ल्यू एच ओ - भारत आफिस एवं आई एन सी एल ई एन ट्रस्ट के सहयोग से "रोगी सेफ्टी पर राष्ट्रीय पहल" पर कार्यशाला।

5. 27 से 28 जुलाई, 2010 तक डब्ल्यू एच ओ - इंडिया आफिस, स्वास्थ्य मंत्रालय, जम्मू एवं कश्मीर सरकार और लेह में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, जम्मू एवं कश्मीर के सहयोग से "उभरते स्वास्थ्य सुरक्षा चुनौतियां, मुद्दे और कार्यनीतियों" पर सी एम ई।

6. 21 से 22 जनवरी, 2011 तक एम्स, नई दिल्ली में आयोजित डब्ल्यू एच ओ - भारत आफिस के सहयोग से "अस्पताल संभार तंत्र, इंवेंट्री एवं स्टोर्स प्रबंधन में अच्छी प्रथाओं पर सी एम ई।

7. विभाग ने सितम्बर, 2010 में एम्स, पल्स के वार्षिक उत्सव में, मेडिकल विद्यार्थियों के बीच रोगी सेफ्टी के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए पोस्टर मेकिंग, कॉलेज और सेरामिक पेंटिंग प्रतिस्पर्धा आयोजित की, जिसमें 120 मेडिकल विद्यार्थियों द्वारा भाग लिया गया।

सी एम ई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 41

अनुसंधान

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. दिल्ली में चुनिंदा अस्पतालों में आपरेशन थिएटर विसंक्रमण और स्टेरलाइजेशन प्रक्रियाओं का तुलनात्मक अध्ययन।

2. दिल्ली मेट्रोपोलीज के लिए ट्रॉयाकेयर सिस्टम के मूल्यांकन हेतु अध्ययन।

3. भारतीय स्वास्थ्य केयर लीडरों की क्षमताओं के मूल्यांकन हेतु अध्ययन।

4. दिल्ली के चुनिंदा अस्पतालों में सेवाओं की आउटसोर्सिंग की प्रक्रिया का अध्ययन।

5. एम्स अस्पताल में अंतःरोगी मेडिकल रिकॉर्डों का प्रत्यायन हेतु पूर्वअपेक्षित रूप में अध्ययन।

6. अंतरालों के साथ संभावित खतरनाक क्षेत्रों की पहचान करने की दृष्टि से एम्स फायर सेफ्टी सिस्टम का अध्ययन और सुधार हेतु उपायों का सुझाव।

जारी

1. एम्स में गैस्ट्रोइंट्रोलाजी एवं इंडोस्कोपी प्रक्रियाओं की लागत का अध्ययन।
2. एम्स में सुरक्षा प्रबंधन एवं तत्परता का अध्ययन।
3. एम्स में उपयोगीकरण के संदर्भ में कृत्रिम इलेक्ट्रो-मेडिकल उपकरण की उपकरण प्रबंधन प्रणाली का अध्ययन।
4. एम्स में अनुसंधान, शिक्षा और रोगी उपचार हेतु संकाय समय उपयोग का अध्ययन।
5. एम्स, नई दिल्ली में मेडिकल उपकरण एवं यंत्रों के विसंक्रमण एवं स्टेरलाइजेशन प्रक्रियाओं का अध्ययन और मानकों के अनुसार उनमें सुधार लाने के लिए उपायों का सुझाव देना।
6. एम्स में मुख्य अस्पताल में रोगी उपचार क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुरक्षा कार्मिकों में मेडिकल उपकरणों से संबंधित प्रतिकूल घटनाओं के संबंध में जानकारी, व्यवहार एवं प्रक्रिया का अध्ययन।
7. स्थापित मानकों के प्रति संरचना, प्रक्रिया और परिणाम के अनुसार एम्स के मुख्य अस्पताल में मौजूदा मेडिसिन और पेडिएट्रिक गहन चिकित्सा यूनिटों का मूल्यांकन।
8. एन ए बी एच मानकों के संदर्भ में एम्स में विभिन्न समितियों की मिलीजुली भूमिका एवं कार्यकरण का अध्ययन और इसके कार्यकरण की तुलना में मूल्यांकन मॉडल का प्रस्ताव करना।
9. एम्स के पेडिएट्रिक गहन चिकित्सा यूनिटों में स्वास्थ्य उपचार से संबद्ध संक्रमणों की लागत।
10. एम्स में बजटीय आबंटन और इसके उपयोग की प्रणाली का अध्ययन।

प्रकाशन

पुस्तकें : 1

पुस्तकों में अध्याय : 1

रोगी उपचार

विभाग, अस्पताल सेवाओं में रोगी उपचार एवं नियंत्रण लागतों की डिलीवरी हेतु विभिन्न विभागों को प्रशासनिक सहायता के प्रावधान से बारीकी से जुड़ा है। विभाग, एम्स में रोगी उपचार सेवाओं में गुणवत्ता उपचार मानक लाने के लिए जिम्मेदार है।

यह गुणवत्ता क्लीनिक सेवा की व्यवस्था में सहायता के लिए सहायक सेवाओं को जोड़ करके रोगी उपचार सेवाओं में सुधार लाने में सक्रिय रूप से अंतर्ग्रस्त है।

सी. एन. सेंटर

सी. एन. सेंटर में रोगी उपचार विभिन्न विभागों को अस्पताल सेवाओं में और रोगी उपचार सेवाओं में गुणवत्ता उपचार मानकों को तैयार करने में रोगी उपचार एवं लागत नियंत्रण की डिलीवरी के लिए प्रशासनिक सहायता की व्यवस्था से गहन रूप से जुड़े हैं।

- जी. एन. सेंटर में बायोमेडिकल, अपशिष्ट प्रबंधन प्रक्रिया एवं मॉनीटरिंग को सुकर बनाने की पहल शुरू की गई थी।
- विभिन्न रोगी उपचार क्षेत्रों की नवीनीकृत किया गया था : (i) कार्डियक कैक लैब (ii) न्यूरो सर्जरी वार्ड (एन एस 4), (iii) पेडिएट्रिक कार्डियोलोजी वार्ड (सी टी 6); (iv) सी एन सी ओ पी डी नवीनीकरण प्रक्रियाधीन है और न्यूरो विज्ञान सेंटर में आधुनिकतम न्यूरो सर्जरी सेमीनार कक्ष एवं टेलीमेडिसिन सुविधा प्रक्रियाधीन हैं।
- जलपान गृह एवं कार्डिएक सी सी यू का नवीनीकरण प्रक्रियाधीन है।

- सेटेलाइट टेलीविजन एवं सी एन टॉवर में वाई-फाई इंटरनेट कनेक्शन की व्यवस्था प्रक्रियाधीन है।
- सी. एल. सेंटर से मर्करी आधारित उपकरण, आदि को फेज आउट किया गया।
- सी. एन. सेंटर, ओपीडी का कम्प्यूटरीकरण प्रक्रियाधीन है।
- सी टी सी का पैकेज प्रभारा का संशोधन प्रक्रिया में है।
- सी. एन. सेंटर और एम्स में विभिन्न समितियों के सदस्य।
- सी. एन. सेंटर में वी वी आई पी के लिए समन्वयन।

अंग पुनःप्राप्ति बैंकिंग संगठन (ओ आर बी ओ)

- अंग पुनःप्राप्ति बैंकिंग संगठन (ओ आर बी ओ) अंग एवं टिस्सू दान एवं प्रतिरोपण में समन्वय करता है। इसके अलावा, संपूर्ण बॉडी की भी चिकित्सा शिक्षा को सुकर बनाने के लिए ओ आर बी के माध्यम से कार्य किया गया था। पिछले एक वर्ष में ओ आर बी ओ की प्रेरणा पर अंग दान के लिए 2521 व्यक्तियों का वादा किया था। विभिन्न गैर सरकारी संगठनों, स्कूलों और कॉलेजों आदि के साथ जागरूकता अभियान चलाए गए थे। अंग एवं टिस्सू दान के उदार कारण को बढ़ाने के लिए विभिन्न गैर सरकारी संगठनों साथ सहयोग किया गया। दुःखी परामर्शदाताओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। अंग दान एवं प्रतिरोपण सहयोग पर उन्मुखी कार्यक्रम विज्ञान निष्णात नर्सिंग विद्यार्थियों को प्रदान किया गया था।
- मानीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री गुलाम नबी आजादा ने 27-28 नवम्बर, 2010 को छठे विश्व समारोह के अवसर पर प्रथम अंग दान दिवस के अवसर पर अंगों और टिस्सूओं को दान किया।
- "जीवन को श्रृद्धांजलि" पुस्तक प्रकाशित की जिसमें अंग एवं टिस्सूदाताओं की कहानियां हैं।
- सी आर पी एफ की 88वीं (महिला) बटालियन ने 8 मार्च, 2011 को नई दिल्ली में ओ आर बी ओ के सहयोग से मृत्यु के बाद अंग और टिस्सू दान का वचन दिया।
- ओ आर बी ओ के प्रदर्शन बोर्ड, जागरूकता उत्पन्न करने के लिए एम्स और ट्रॉमा सेंटर के विभिन्न स्थानों में लगाए गए थे।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ. शक्ति कुमार गुप्ता राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य उपचार प्रोवाइडर प्रत्यापन बोर्ड (एन ए बी एच), के अधिशासी परिषद, भारतीय गुणवत्ता परिषद के सदस्य थे; भारत में विशेष अस्पतालों में "इलेक्ट्रीकल मेडिकल रिकार्डों के क्रियान्वयन हेतु मॉडयूल" तैयार करने के लिए डब्ल्यू एच ओ परामर्शदाता नियुक्त किया गया था। जम्मू एवं कश्मीर सरकार द्वारा गठित जे एवं के राज्य के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र सुधारों पर कार्यबल के सदस्य के रूप में नामित किया। वेलिग्कर प्रबंधन विकास एवं अनुसंधान संस्था, मुंबई के सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया; वर्ष 2011-12 के लिए अस्पताल प्रशासन अकादमी का अध्यक्ष चुना गया; अस्पताल प्रशासन अकादमी अध्यावृत्ति प्रदान की गई; राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (भारत) की अध्येतावृत्ति के लिए चुना गया; कर्नाटक मेडिकल कालेज, मणिपाल में मणिपाल विश्वविद्यालय द्वारा एम डी (अस्पताल प्रशासन) शिक्षा में भर्ती की अनुमति प्रदान करने के प्रयोजनार्थ और अनुपालन की जांच के प्रयोजनार्थ उपलब्ध भौतिक एवं शिक्षण सुविधाओं के निर्धारण के संबंध में निरीक्षण एम सी आई नियुक्त किया गया; अस्पताल संक्रमण नियंत्रण नीति तैयार करने के लिए विशेषज्ञ सदस्य; जिसमें डी जी एच एस की अध्यक्षता में एंटीमाइक्रोबीयल प्रतिरोधी मॉनीटरिंग शामिल है; डी जी एच एस की अध्यक्षता में भारतीय स्वास्थ्य उपचार सेंटर के संबंध में सी-II ,राष्ट्रीय स्वास्थ्य परिषद द्वारा की गई उनकी सिफारिशों पर चर्चा हेतु बैठक में विशेषज्ञ सदस्य; "पुलमोनरी मेडिसिन और तपेदिक परिसर, विशेषज्ञ सदस्य, तकनीकी विशेषज्ञ समिति, प्रस्तावित मेडिकल कालेज ओर राजन बाबू संस्थान", चिकित्सा अधीक्षक और सहायक आचार्य पी जी आई एम एस, रोहतक के चयन के लिए उच्च्व अधिकार प्राप्त चयन समिति के विशेषज्ञ सदस्य; राष्ट्रीय संक्रमण नियंत्रण नीति पर मसौदे को माननीय संघ स्वास्थ्य एवं उपचार प्रबंधन

के क्षेत्र में अनुसंधान प्रोन्नत करने के लिए अनुसंधान स्थापना, अस्पताल एवं स्वास्थ्य उपचार प्रशासन का संचालन; विश्व स्वास्थ्य संगठन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "दक्षिण पूर्व एशिया में स्वास्थ्य साझेदार" पर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित; अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू एच ओ) योजना एवं आर्चीटेक्चर स्कूल (एस पी ए) के सहयोग से स्वास्थ्य उपचार अवसंरचना एवं मेडिकल प्रौद्योगिकी में अद्यतन प्रगति एवं भावी ट्रेंड्स" के संबंध में है; भारतीय आर्चीटेक्ट संस्थान (एन सी) और अस्पताल प्रशासन अकादमी (ए एच ए), 2-5 फरवरी, 2011, एम्स, नई दिल्ली में।

डॉ. डी. के. शर्मा ने एम्स के साथ-साथ अन्य संगठनों के, जिसमें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, एन सी टी सरकार, दिल्ली, आदि शामिल है, विभिन्न अतः के साथ साथ बाह्य मित्ति नीति निर्धारक एवं निर्णायक के अध्यक्ष/सदस्य के रूप में काम किया; विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय विचारगोष्ठी; कार्यशालाओं एवं सम्मेलनों में मुख्य अतिथि/सम्मानित अतिथि। अतिथि सत्कार आदि आमंत्रित; विभिन्न संगठनों, जिसमें राज्य लोक सेवा आयोग, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, चिकित्सा संस्थान, आई आई टी, आदि शामिल हैं, के चयन समितियों के विशेषज्ञ एवं सदस्य के रूप में काम किया, जो विभिन्न पदों, जैसेकि चिकित्सा अधीक्षक, उप-निदेशक (प्रशासन), अस्पताल प्रशासन संकाय। चिकित्सा अधिकारी, नर्सिंग और समूह "क" और "ख" स्टाफ के अन्य वर्गों के साक्षत्कार/चयन के संबंध में है; भारतीय मानक ब्यूरों (बी आई एस) अस्पताल प्लानिंग पर भारत, चिकित्सा उपकरण, सर्जिकल यंत्र, डिस्पोजेबल एवं ड्रेसिंग; के विभिन्न समितिं का अध्यक्ष/प्रधान सदस्य नामित किया; मदर टेरेसा मिशन, जो गरीब लोगों की सेवा के लिए एक गैर सरकारी संगठन है, का अवैतनिक स्वास्थ्य सलाहकार सदस्य नामित किया; छह एम्स जैसे संस्थानों की स्थापना के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पी एम एस एस वाई) के स्थायी विशेष आमंत्रित सदस्य; स्वास्थ्य उपचार में श्री चित्रा तिरूनाल चिकित्सा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुअनन्तपुरम में मेडिकोलीगल एवं इक्किल मुद्दों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. सिद्धार्थ सत्पथी अस्पताल प्रशासन अकादमी पत्रिका (जे ए एच ए) के सम्पादक थे; सदस्य, तकनीकी समिति, राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य उपचार प्रदायक प्रत्यायन बोर्ड (एन ए बी एच) थे जो भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यू सी आई) के संरक्षण में थी; सदस्य, प्रत्यापन समिति; एन ए बी एच, जो 2010-11 में भारतीय गुणवत्ता परिषद के अधीन है; सदस्य, भारतीय मानक ब्यूरो (एम एच आर-14), जो स्वास्थ्य उपचार सुविधाओं पर भारतीय मानकों को तैयार करने/समीक्षा करने में शामिल है; विशेषज्ञ सदस्य, क्यू सी आई के संरक्षण में राष्ट्रीय शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्रत्यायन बोर्ड (एन ए बी ई टी) निर्धारित मानकों के अनुपालन को निर्धारित करने के लिए कई संगठनों का कार्यात्मक कॉलेज की स्थापना के लिए भारतीय शिक्षण परामर्शदाता (लिमिटेड) की ओर से विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डी आर पी) तैयार करने के संबंध में है; भारतीय मानक ब्यूरो (बी आई एस) में बायो-मेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन (एम एच डी-22) पर सेक्शनल समिति के सदस्य; 3-4 दिसम्बर, 2010 तक अस्पताल प्रशासन विभाग, सरकारी मेडिकल कॉलेज, चंडीगढ़ (सी एच आई ए) द्वारा आयोजित अस्पताल प्रशासन में चुनौतियां एवं मुद्दों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया; 15-20 दिसम्बर, 2010 तक ए एस आई सी ओ एन -2010, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ए एस आई टी ई सी एच - विचारगोष्ठी में भाग लिया; 21 और 22 जनवरी, 2011 को "अस्पताल संभार तंत्र, इंवेन्ट्री और स्टोर्स प्रबंधन में बेहतर प्रथाएं" पर सी एम ई में संसाधन संकाय के रूप में भाग लिया।

डॉ. आई बी. सिंह ने अस्पताल प्रशासन विभाग द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन, भारत हेतु कंट्री ऑफिस के साथ 21-22 जनवरी, 2011 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित "अस्पताल संभार तंत्र, इंवेन्ट्री और स्टोर्स प्रबंधन में बेहतर प्रथाएं" पर सी एम ई कार्यक्रम में सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. संजय आर्य को पी जी आई एम ई आर, चंडीगढ़, 2010 में स्नातकोत्तर परीक्षा (एस एच ए) के लिए बाहरी परीक्षक आमंत्रित किया गया था। एन आई एच एफ डब्ल्यू, नई दिल्ली में 2 से 6 अगस्त, 2010 तक दूरस्थ शिक्षण के जरिए अस्पताल प्रबंधन में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के लिए बाहरी परीक्षक नियुक्त किया; जे एन यू, नई दिल्ली द्वारा डाक्टरल शोध प्रबंध, जिसका शीर्षक "स्वास्थ्य उपचार में नया जन प्रबंधन" है, के मूल्यांकन हेतु बाहरी परीक्षक नियुक्त किया; तमिलनाडु मेडिकल सेवा निगम का मामला अध्ययन; 3 दिसम्बर, 2010 को चंडीगढ़ में अस्पताल प्रशासन में चुनौतियां एवं मुद्दे (सी आई एच ए 2010) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. आरती विज अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन - इंडिया आफिस (डब्ल्यू एच ओ) के सहयोग से आयोजित स्वास्य उपचार - चुनौतियां एवं अवसर; 13 अप्रैल, 2010 में सरकारी-निजी भागीदारी पर राष्ट्रीय परामर्श संबंधी कार्यकारी ग्रुप (ग्रुप बी) की अध्यक्ष थी; 2010 से 2012 तक भारतीय अंग प्रतिरोपण संस्था (आई एस ओ टी) के कार्यकारी सदस्य चुने गए; संसदीय स्थायी समिति, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण द्वारा 9 जून, 2010 को मानव अंग प्रतिरोपण (संशोधन) विधेयक, 2009 की जांच हेतु विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित; 14 से 18 फरवरी, 2011 तक राष्ट्रीय प्रतिरोपण संगठन, मैट्रिड, स्पेन के प्रशिक्षण दौरे के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के मंत्रालयीय प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व किया; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, निर्माण भवन द्वारा एच एल एल लाइफ केयर लिमिटेड के बोर्ड के संबंध में गैर-सरकारी अल्पकालिक निदेशक नियुक्त किया; 27 नवम्बर, 2010 को नई दिल्ली में आयोजित छठे विश्व एवं प्रथम भारतीय अंग दान दिवस (डब्ल्यू ओ डी डी) के दौरान माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार द्वारा ओ आर बी ओ के लिए "सराहना फ्लैक" प्राप्त किया; डॉ. आर. के. श्रीवास्तव, महानिदेशक, महानिदेशक स्वास्थ्य सेवा, भारत सरकार, नई दिल्ली से छठे विश्व एवं प्रथम भारतीय अंग दान दिवस (डब्ल्यू ओ डी डी), नई दिल्ली को ईमानदार प्रयास करने एवं सहयोग देने के लिए सराहना पत्र प्राप्त किया; 4 सितम्बर, 2010 को नई दिल्ली से होते हुए सिडनी से पेरिस तक (30,000 किलोमीटर, 5 महाद्वीप, 3 महीने का दौरा) अंग दान एवं संवर्धन के लिए स्टेम सेल सुविधा एवं राष्ट्रीय नेत्र बैंक एवं नेफ्रोलोजी विभाग के सहयोग से आस्ट्रेलियन स्टेफन इटीइन द्वारा वर्ल्ड राइटर्ज ग्रुप द्वारा अंग एवं टिस्सू दान के बढ़ावा देने की विचारगोष्ठी के सह-आयोजक; 27 से 28 नवम्बर, 2010 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित अंग दान कांग्रेस, 2010 (छठा विश्व अंग दान दिवस और प्रथम भारतीय अंग दान दिवस) के संयुक्त आयोजक सचिव, अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन, भारत हेतु कंट्री आफिस, 21-22 जनवरी, 2011 के सहयोग से आयोजित अस्पताल संभार तंत्र, इंवेन्ट्री और स्टोर्स प्रबंधन में बेहतर प्रक्रियाओं पर सी एम ई के मुख्य आयोजक सचिव, अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स द्वारा आयोजित स्वास्थ्य उपचार अवसंरचना एवं चिकित्सा प्रौद्योगिकी (एच आई एम टी -2011) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन हेतु सदस्य - आयोजक समिति, 2-5 फरवरी, 2011; महानिदेशालय स्वास्थ्य सेवा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, से आठ अधिकारियों/विशेषज्ञों के प्रतिनिधिमंडल के रूप में राष्ट्रीय प्रतिरोपण संगठन, मैट्रिड, स्पेन का दौरा किया, 14-18 फरवरी, 2011।

अतिथि प्रतिनिधिमंडल

1. सितम्बर, 2010 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान से 30 वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों की टीम।
2. दिसम्बर, 2010 में स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय, यू एस ए से प्रतिनिधिमंडल।

9.16 प्रयोगशाला चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए. के. मुखोपाध्याय

आचार्य

सरमन सिंह | एम. इरशाद

सह-आचार्य

सुभद्रा शर्मा

वैज्ञानिक

ए. के. श्रीवास्तव एस-IV | वंदिता वासुदेव एस-III

शिक्षा

अल्पावधिक तथा दीर्घावधिक प्रशिक्षण

बीस प्रशिक्षणार्थियों – कश्मीर विश्वविद्यालय से एक, ग्लोबल मुक्त विश्विद्यालय, नई दिल्ली से एक, एल एच एम सी, नई दिल्ली से एक, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली से दो, कोठीवाल दंत महाविद्यालय एवं रेजीडेट केंद्र, मोरादाबाद से एक, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा से पांच, सी सी एस विश्वविद्यालय, मेरठ से चार, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर से तीन, एच एन बी, गढ़वाल विश्वविद्यालय से एक, वनस्थली विद्यापीठ विश्वविद्यालय, राजस्थान से एक विद्यार्थी ने विभाग में विभिन्न संभागों में अल्पावधिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। अंतिम 14 प्रशिक्षणार्थियों ने केवल सीआई सूक्ष्म जीव विज्ञान संभाग में ही प्रशिक्षण का विकल्प चुना।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला

डॉ. सरमन सिंह

दो कार्यशालाएं आयोजित की गईं

1. व्यावहारिक कार्यशाला-I : सी डी 4 + सी डी 8 + सेल काऊंट एंड एच आई वी वायरल लोड एस्टीमेंशन एंड दियर रोल इन एड्स मानीटरिंग, 27 सितम्बर, 2010 ।
2. व्यावहारिक कार्यशाला-II : एच बी वी एंड एच सी वी वायरस लोड क्वांटीफिकेशन, 27 सितम्बर, 2010 ।

विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन

1. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः आपरचूनिस्टिक पैथोजेन संबंधी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 27-30 सितम्बर, 2010 ।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 9

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. एचबीवी - संबद्ध पुराने यकृत बीमारी के रोगियों के घनिष्ठ पारिवारिक संपर्क में औषध प्रतिरोधी हेपेटाइटिस "बी" वायरस का संचरण। डॉ. सरमन सिंह, 3 वर्षों (2006-2009) के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित निधियां : (12.10 लाख रुपए)।

2. प्रजाति विशिष्ट एंटी बॉडीज तथा पीसीआर तकनीक का प्रयोग करते हुए एंडेमिक क्षेत्रों का विभिन्न पशु प्रजातियों में लीज मेनिया डोनावानी भंडार (रों) की पहचान। डॉ. सरमन सिंह। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित 2007-2010, निधियां : 18 लाख रुपए।

3. लेस्मेनिया डोनोवानी में मिल्टेफोसिन प्रेरित औषध प्रतिरोध के आण्विक कार्यतंत्र का अध्ययन करना। डॉ. सरमन सिंह। सीएसआईआर द्वारा वित्तपोषित 2004-2009 निधियां : 7 लाख रुपए।

4. इन्हिबिशन आफ किनेटोप्लास्ट डी एन ए रेप्लीकेशन यूजिंग टोपोयसोमिरेज़ इनहिबिटर्स, सरमन सिंह, आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित, 2004-09, निधियां : 8 लाख रुपए।

5. ए आर टी से लाभान्वित हो रहे एच आई वी/एम टी बी सह-संक्रमित रोगियों में रोग प्रतिरक्षा बहाली में टी एन एफ अल्फा तथा आई एफ एन अल्फा की भूमिका तथा ट्यूबर क्यूलर रोधी उपचार की भूमिका, सरमन सिंह, आस्ट्रेलिया इंडिया परिषद द्वारा वित्तपोषित, 2006-2009, निधियां : 3.10 लाख रुपए।

6. नोवेल मल्टीप्लेक्स पीसीआर का प्रयोग कर पेयजल के नमूनों से हेपेटाइटिस ए और ई, सालमोनेला पूरक, एंटमोएबा हिस्टोलिटीका और गिर्डिया लाम्बालिया का पता लगाना। डॉ. सरमन सिंह, जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित 2007-2010 निधियां : 34 लाख रुपए।

जारी

1. अवसाद ग्रस्त युवाओं की नैदानिक अभिव्यक्ति में न्यूरोट्राफिन्स, साइटोकिन्स तथा जेनेटिक पोलीमारफिज्म की भूमिका। डॉ. ए. के. मुखोपाध्याय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित 2010-13 निधियां : 36 लाख रुपए।

2. जेरियट्रिक रोगियों में एल्जेमर रोग और वस्कुलर डिमेंशिया में ऑक्सीडेटिव तनाव जोखिम कारकों का अध्ययन। ए. के. मुखोपाध्याय। आई सी एम आर, द्वारा वित्तपोषित 2008-11 निधियां : 16.4 लाख रुपए।

3. एल्जेमर रोग और वस्कुलर डिमेंशिया से संबद्ध जोखिम कारक का आकलन। डॉ. ए. के. मुखोपाध्याय, आई सी एम आर, द्वारा वित्तपोषित 2007-11 निधियां : 21 लाख रुपए।

4. अवसाद ग्रस्त किशोरों में सीरम इंटरल्यूकिन स्तरों पर योग का प्रभाव। ए. के. मुखोपाध्याय, सी सी आर वाई एन, द्वारा वित्तपोषित 2008-11 निधियां : 21.4 लाख रुपए।

5. भारतीय समुदाय में विद्यमान ट्रांसफ्यूजन संचरित वायरस (टीटीवी) के विभिन्न जेनोमिक क्षेत्रों की क्लोनिंग, क्रमनिर्धारण तथा अभिव्यक्ति। डॉ. एम. इरशाद : आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित 2008-11 निधियां : 27 लाख रुपए।

6. एचसीवी संक्रमण के निदान और पेथोजेनेसिस में हेपेटाइटिस सी वायरस (एससीवी) मुख्य प्रोटीन की भूमिका। डॉ. एम. इरशाद, आई सी एम आर, द्वारा वित्तपोषित 2008-11 निधियां : 26 लाख रुपए।

7. एचसीवी जीनोटाईपिंग के लिए परख का विकास करना तथा जीनोटाईप्स तथा एचसीवी मुख्य अभिव्यक्ति के बीच संबंध की स्थापना करना। डॉ. एम. इरशाद, यूजीसी द्वारा वित्तपोषित, 2009-2012 निधियां : 10 लाख रुपए।

8. क्लोनिंग एंड एक्सप्रेशन आफ एन-22 रीजन आफ टर्क टेनो वायरस (टी टी वी) एंड डेवलप इ आई ए सिस्टम फार एंटी टी टी वी एंटीबॉडीज़, एम इरशाद, सी एस आई आर द्वारा वित्तपोषित, 2011-2013, निधियां 20 लाख रुपए।

9. आईसोनऐजिड और रिफेम्पिसीन के प्रतिरोध के अधिग्रहण के चरण के दौरान एम ट्यूबर कुलोसिस का प्रोटियोमिक विश्लेषण। डॉ. सरमन सिंह। जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित 2006-2011 निधियां : 36 लाख रुपए।

10. संदिग्ध यक्ष्मा के मामलों के नैदानिक नमूनों से प्रत्यक्षतः माइक्रोबैक्टेरियम यक्ष्मा, माइक्रोबैक्टेरियम एवियम कॉम्प्लेक्स और अन्य माइक्रोबैक्टेरियम प्रजातियों का एक साथ पता लगाने और उनमें विभेदीकरण के लिए एक नोवेल मल्टीप्लेक्स पीसीआर जांच। डॉ. सरमन सिंह, जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित 2007-2011 निधियां : 24 लाख रुपए।

11. यूनानी चिकित्सीय पौधों के लेइसमेनियल - रोधी कार्यकलाप वाले सक्रिय मिश्रणों का पृथक्करण और शुद्धिकरण। डॉ. सरमन सिंह। 3 वर्षों (2008-2011) के लिए सी सी आर यू एम द्वारा वित्त पोषित, निधियां : 24 लाख रुपए।

12. दिल्ली, भारत में बाल्यावस्था यक्ष्मा रोगियों में जिंक अनुपूरण। डॉ. सरमन सिंह बर्जन विश्वविद्यालय, नार्वे द्वारा वित्त पोषित 2008-11, निधियां : 37 लाख रुपए।

13. टयूबरकुलोसिस संक्रमण के लिए बायोमार्करों तथा पेथोजन विनियमित लक्ष्य की पहचान। डॉ. सरमन सिंह, आई सी जी ई बी द्वारा वित्त पोषित, 2010-2011, निधियां : 7 लाख रुपए।

14. क्षेत्र दशाओं के अंतर्गत एम टयूबरकुलोसिस का पता लगाने के लिए अकुशल कार्मिकों द्वारा अपनाए गए डाक्टर कार्यालय नैदानिक उपकरण। डॉ. सरमन सिंह, जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित, 2009-2012, निधियां : 11 लाख रुपए।

15. लीज़ मनियासिस तथा ट्यूबर कुलोसिस के प्रोफीलैक्सिस के लिए चिमेरिक डी एन ए टीके पर पशु अध्ययन, सरमन सिंह, आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित, 2010-2013, निधियां : 38 लाख रुपए।

16. दिल्ली के किसी स्थानिक क्षेत्र से माइकोबैक्टीरियम ट्यूबर कुलोसिस आइसोलेट्स की जीनोटाइपिंग तथा आण्विक विधियों का प्रयोग करते हुए पारिवारिक संपर्कों तथा समुदाय में उनकी संचरण गत्यात्मकता का निर्धारण करना, सरमन सिंह, आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित। 2007-2011, निधियां : 40 लाख रुपए।

17. एम डी आर/एक्स डी आर ट्यूबर कुलोसिस के निदान, प्रोगनोसिस तथा पूर्वानुमान के लिए रिक्म्बीनेंट प्रतिजन की क्लोनिंग, अभिव्यक्ति, विशुद्धीकरण तथा मूल्यांकन, सरमन सिंह, आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित, 2011-2014, निधियां : 31 लाख रुपए।

18. पुस्तक परियोजना : संज्ञान हेतु नवीन विज्ञान। शासनादेश एवं कार्यसूची; डॉ. ए. के. मुखोपाध्याय, स्व-वित्तपोषित।

विभागीय परियोजनाएं

1. अति तीव्र पैंक्रियाएटाइटिस में आइसोप्रोस्टेन के साथ इंटरल्यूकिन 1,6, और 10 तथा टी एन एफ- अल्फा की भूमिका।

2. ट्रामाटिक मस्तिष्क की चोट में कुगुलेशन प्रोफाइल का मूल्यांकन।

3. वी एच ए (विस्फोइलास्टिक हेमोस्टेटिक परख) : गंभीर रूप से चोटग्रस्त ट्रॉमा (आघात) रोगियों में प्वांयर आफ केयर डिवाईस।

4. यकृत रोगों में इंसुलिन प्रतिरोध।

5. लीवर की स्टीटोसिस पर वायरल हेपेटाइटिस के प्रभाव का आकलन करना।

6. रीनल की खराबी वाले रोगियों में टी टी वी की भूमिका।

7. भारतीय समुदायों में सी आर एफ पर महामारी वैज्ञानिक अध्ययन।

8. पोलीपेप्टाइड संबद्ध टी टी वी की क्लोनिंग और अभिव्यक्ति।

9. भारतीय जनसंख्या में टी टी वी की जेनोटाइपिंग।

10. ऑक्सीडेटिव स्थिति पर एच सी वी कोर अभिव्यक्ति का प्रभाव।

11. एच सी वी जीनोटाइप्स की सीरो पहचान के लिए तत्समय पी सी आर।

12. सिरोसिस/एच सी सी में एच सी वी - जीनोटाइप्स का महत्व।

13. होस्ट इनेट इम्यूनिटी पर एच सी वी जीनोटाइप्स का प्रभाव।

14. ड्यूलि संक्रमित रोगियों के परिवारों के सदस्यों में एच बी वी और एच सी वी की संचरण दर (जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग के साथ)।

15. प्रमात्रात्मक वास्तविक समय पी सी आर प्रयोग करके एंटी एचबीवी चिकित्सा किए जाने वाले रोगियों में हेपेटाइटिस "बी" वायरल लोड मॉनीटरिंग (जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग के साथ)।

16. यक्ष्मा के शीघ्र और संवेदी निदान हेतु विभिन्न पी सी आर प्राइमर्स का तुलनात्मक मूल्यांकन।

17. विभिन्न माइकोबैक्ट्रियल संक्रमण के जाति विशेष निदान हेतु मल्टीप्लेक्स पी सी आर का मानकीकरण और मूल्यांकन।

18. हेप्टोटॉक्सिसिटी से उत्पन्न यक्ष्मा रोधी उपचार हेतु यक्ष्मा रोधी औषधि और जोखिम कारकों की पुनः शुरूआत का अध्ययन (काय चिकित्सा विभाग के साथ)।

19. फुंसीदार और अति फुफ्फसीय और यक्ष्मा वाले रोगियों में माइकोबैक्टेरिमिया का अध्ययन (काय चिकित्सा विभाग के साथ)।

20. पश्चिमी ब्लॉट विधि का प्रयोग करते हुए तीव्र टोक्सोप्लास्मोसिस में इम्यून रिस्पांस का अध्ययन करना।

21. विभिन्न टॉर्च परीक्षण किटों का तुलनात्मक मूल्यांकन।

22. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के स्वास्थ्य परिचर्या कार्यकर्ताओं में सूई चुभन चोट के पश्चात रक्त जनित संक्रमण।

23. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आने वाली गर्भवती महिलाओं में टोक्सो प्लाज्मा गोंडि आईजीजी एविडिटी की परख।

24. एचआईवी पॉजीटिव और एचआईवी नेगेटिव रोगियों से माइकोबैक्टोरियल आइसोलेट्स का क्रम आधारित निदान।

25. कन्जेनिटल सीएमवी संक्रमण के निदान के लिए नेस्टेड पोलीमेरेज श्रृंखला प्रतिक्रिया।

26. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आने वाले एड्स के रोगियों में आवसरिक संक्रमण।

प्रकाशन

पत्रिकाएं/जरनल : 16

पुस्तकों में अध्याय : 13

रोगी उपचार

कुल निष्पादित जांच : 72,03,988

केंद्रीयकृत संग्रह केंद्र

रक्त संग्रहण

संग्रहण

		नमूनों की संख्या
रक्त विज्ञान	:	58355
रसायन (शर्करा पी पी)	:	107447
सूक्ष्मजीव विज्ञान	:	15090

अन्य

		नमूनों की संख्या
रक्त बैंक	:	4257
सी एन सी	:	4880
सूक्ष्म जीव विज्ञान	:	6893
एचआईवी	:	5099
विभिन्न क्लिनिक	:	15273

जांच

		नमूनों की संख्या
बी टी	:	1100
सी टी	:	1100
पी टी	:	9459
कुल	**:**	**2,28,953**

आपातकालीन प्रयोगशाला सेवा (रात - दिन)

संवेदी देखभाल प्रयोगशाला सेवा

नैदानिक जैव रसायन

हीमोग्राम तथा शरीर तरल

जांच		संख्या	जांच		संख्या
ए बी जी + इलेक्ट्रोलाइट + मेटाबोलाईट	:	16120	एचबी	:	117231
एमाइलेस	:	27553	टीएलसी	:	117231
बिलरूबिन (टोटल)	:	62691	प्लेटलेट्स	:	117231
कैल्शियम (टोटल)	:	115969	प्रॉथ टाइम	:	31032
कैल्शियम (आयोनाइज्ड)	:	115969	एमपी	:	2994
क्लोराइड	:	115969	सीएसएफ सेल्स	:	7480

क्रीटनाइन	:	91504	मूत्र	:	1629
सीएसएफ (प्रोटीन)	:	5182	सूक्ष्म रक्त संवर्धन	:	9761
ग्लूकोस	:	7257	सूक्ष्म सीएसएफ	:	2170
पीएच	:	115969	ग्रेम स्टेन	:	-
पोटेशियम	:	115969	स्लाइड स्टेन जिम्सा	:	3335
सोडियम	:	115969	स्टूल हैंगिंग ड्रॉप	:	649
यूरिया	:	99629	एमसीवी	:	117231
			एमसीएच	:	117231
			एमसीएचसी	:	117231
			पीसीवी	:	117231
			आरबीसी	:	117231
कुल	**:**	**1005750**	**कुल**	**:**	**993563**
कुल जोड़	**:**	**19,99,313**			

टिप्पणी : धमनी रक्त गैस (एबीजी) में पीएच, पीसीओ$_2$, पीओ$_2$, बीई, बीईईसीएफ, बीबी, एचसीओ$_3$, एसटी, एचसीओ$_3$, टीसीओ$_2$, एसटी पीएच, सीएच + ओ$_2$, सेचुरेशन, ए - एडीओ$_2$, आर क्यू, डी बी ई/ डी टी एच बी शामिल हैं, सभी को एक ही समय सीमा में एकल जांच के रूप में मापा जाता है।

एचबी, टीएलसी, एमसीवी, एमसीएचसी, पीसीवी, आरबीसी सभी को एक ही समय सीमा के भीतर एकल प्रतिकारक द्वारा मापा जाता है।

नई जांच

विटामिन बी 1272 फोलेट 65 फेटिरिन 43 कोगुलेशन प्रोफाईल 10 एपीटीटी 105

कुल : 295

नैदानिक जैव रसायन

जांच	**रक्त**	**मूत्र**	**तरल**
शर्करा	1,33,989	356	1,913
यूरिया	2,51,242	-	-
कुल प्रोटीन	2,41,482	-	1,913
अल्बुमिन	2,41,482	1,913	-
24 घंटे एल्बुमिन	-	41,100	-

बिलरूबिन			
(i) कुल	2,43,538	-	-
(ii) संयुक्त	2,43,538	-	-
एल्केलाइन फास्फेटेज	2,34,080	-	-
कोलेस्ट्रॉल	59,820	-	-
एनए	2,33,408	3,300	-
के	2,33,408	3,300	-
कैल्शियम	1,68,300	4,800	-
फास्फेट	1,76,792	4,800	-
यूरिक एसिड	1,71,150	4,239	-
एमिलेस	शून्य	-	-
क्रिएटिनाइन	2,24,930	11,700	-
एसजीओटी	2,34,300	-	-
एसजीपीटी	2,34,300	-	-
एबीजी	1,103	-	-
पीसीओ2	1,103	-	-
पीएच	1,103	-	-
पीओ$_2$	1,103	-	-
एचसीओ$_3$	1,103	-	-
सीओ$_2$	1,103	-	-
एएसडीओ$_2$	1,103	-	-
ओ2 सेच्युरेशन	1,103	-	-
बीई	1,103	-	-
कुल	**31,04,012**	**73,996**	**5,739**

टिप्पणी : धमनी रक्त गैस (ए बी जी) में पी सी ओ2, पी एच, पी ओ2, एच सी ओ3, सी ओ2, ए एस डी ओ2 ओ2 सैचुरेटिड, बी ई शामिल है जिन्हें सब को एक एकल जांच के रूप में एक ही समय-सीमा के भीतर मापा जाता है।

(ख) अनुरोधित जांच

अन्य जांच

जांच	**संख्या**
एच बी एस ए जी	360
आई जी एम एंटी एच बी सी	360

एच बी ई ए जी	100
एंटी एच सी वी	600
एंटी एच ई वी	200
आई जी एम एंटी एच डी वी	100
आई जी एम एंटी एच ए वी	100
एच सी वी - आर एन ए	800
टी टी वी - डी एन ए	200
सुपर ऑक्साइड डिस्मुटेज	100
संपूर्ण एंटी ऑक्सीडेंट	100
एपो प्रोटीन ए	100
एपो प्रोटीन बी	100
एल पी (ए)	100
सीके	100
एल डी एच	100
जी जी टी	100
टी जी	400
एल डी एल सी	400
एच डी एल सी	400
एम डी ए	100
जी पी ओ	100
कुल	**5,220**
कुल जोड़	**31,88,967**

कमरा संख्या 18 से सेवाएं (विभागाध्यक्ष के अधीन) *

एडिनोसिन डेमिनेज परख (ए डी ए)	:	1705
कुल	**:**	**1705**

रुधिर विज्ञान संभाग

जांच	**ओपीडी**	**वार्ड**
एच बी	85239	73681
टी एल सी	85239	73681
पी सी वी	85239	73681

डी एल सी	78105	73681
ई एस आर	73559	43346
डी/ मॉर्फोलॉजी	67160	21479
प्लेटलेट	85239	73681
रेटिक गणना	19582	10700
एबी एस्नोफिल गणना	36851	5282
मलेरिया परजीवी	55161	12558
थिक स्मियर प्रीपेरेशन एवं स्टेनिंग	-	13358
एम सी वी	85239	73681
एम सी एच	85239	73681
एम सी एच सी	85239	73681
आर बी सी	85239	73681
पी टी*	9459	2583
बी/सी		
अन्य**		
कुल	**1012330**	**772435**
कुल जोड़		**17,84,765**

* कुल जांच संख्या में पी टी (ओ पी डी) नमूने शामिल नहीं हैं जिन्हें शीर्ष रक्त संगहण केंद्र के तहत दर्शाया गया है।

** पुनरावृत्ति जांच, परीक्षण जांच, गुणवत्ता नियंत्रण नमूने, आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण आदि।

टिप्पणी : एचबी, टीएलसी, पीसीवी, डीएलसी, प्लेटलेट, एमसीवी, एमसीएचसी, आरबीसी को एक ही समय सीमा में एकल प्रतिकारक द्वारा मापा जाता है।

सूक्ष्म जीव विज्ञान संभाग

रोगी उपचार

क. नैमिक जांच

1. मूत्र जांच

परीक्षणों के नाम	ओपीडी	वार्ड	कुल
चिकित्सा बोर्ड			8280
नैमिक	68610	47666	116276
सूक्ष्मदर्शी	95685	73740	169425
पीएच	33230	58350	58350

विशिष्ट गुरूत्वाकर्षण	33230	25120	58350
एसिटोन	33230	25120	58350
बाइल पिगमेंट/साल्ट	33230	25120	58350
यूरोबिलिनोजेन	33230	25120	58350
रक्त	33230	25120	58350
बेंस - जॉन्स प्रोटीन	215	285	500
काइलूरिया	120	198	318
पोर्फोबिलिनोजेन	40	44	84
मायोग्लोबिनूरिया	4	4	8
माइक्रोएल्बुमिन	3	-	3
मूत्र संवर्धन	13940	-	13940
स्ट्रेन पहचान जांच	9500	-	9500
प्रतिजैविक सुग्राहिता	2250	-	2250
2. मल जांच			
वेट माउंट - सेलिन	14824	5953	20777
वेट आयोडीन स्टेन	14824	5953	20777
मल में ऑकल्ट रक्त	2373	1258	3631
फैट ग्लोबुल्स	436	495	931
मल-जेड एन स्टेन के लिए विशेष स्टेन - आशोधित जेड - एन स्टेन, ट्रिक्रोम तथा क्रमोट्रोप	1518	2042	3560
उपयोग	**33975**	**15701**	**496761**
3. वीर्य जांच			
नैमित्तिक	12672	-	12672
मोर्फोलॉजी	3361	-	3361
फ्रुक्टोज	758	-	758
उप-योग	**16791**	-	**16791**
4. थूक विश्लेषण			
ए एफ बी हेतु जेड एन स्टेनिंग	13865	5345	19210
उपयोग	**13090**	**4906**	**17996**

ख. विशेषीकृत जांच

सीरोलॉजी एवं आण्विक जैव विज्ञान

परीक्षणों के नाम	**जोड़**
टॉर्च	**15626**
टॉक्सोप्लाज्मा गोंडि आई जी जी	2265
टॉक्सोप्लाज्मा गोंडि आई जी एम	2172
रुबेला आई जी जी	1439
रुबेला आई जी एम	1181
साइटोमेगालो वायरस आई जी जी	2261
साइटोमेगालो वायरस आई जी एम	2226
हार्पेस सिम्पलेक्स वायरस आई जी जी	1085
हार्पेस सिम्पलेक्स वायरस 2 आई जी जी	1085
हार्पेस सिम्पलेक्स वायरस (1 + 2) आई जी एम	1091
टॉक्सोप्लाज्मा गोंडि आई जी जी एविडिटी	36
रुबेला आई जी जी एव्डिटी	105
साइटोमेगालो वायरस आई जी जी एविडिटी	88
पार्वो वायरस बी 19 आई जी जी	296
पार्वो वायरस बी 19 आई जी एम	296
वायरल मार्कर एवं एचआईवी	**71156**
एंटी एच ए वी आई जी एम	1971
एच बी एस ए जी	21825
एंटी - एच बी सी आई जी एम	1182
एच बी ई एजी	2620
एंटी - एच बी	1461
एंटी - एच बी एस	1721
एंटी - एच सी वी प्रतिपिंड	17344
एच ई वी आई जी एम	2725
एच आई वी (1 + 2) एलिसा	18814
एच आई वी - स्पॉट परीक्षण	393
एच आई वी - वेस्टर्न ब्लॉट	6
एच बी एस ए जी (स्पॉट)	843
एच सी वी (स्पॉट)	251

अन्य सीरोलॉजी	**2968**
मिजल्स आईजीजी	412
मिजल्स आईजीएम	245
मम्पस आईजीजी	116
मम्पस आईजीएम	80
वेरिसेला आईजीजी	126
वेरिसेला आईजीएम	69
ईबीवी आईजीजी	396
ईबीवी आईजीएम	396
मलेरिया एजी	50
डेंगू	81
लेटेक्स ए जी जी	25
माईक्रोअल्ब्यूमिनूरिया	12
टी बी आई जी जी/आई जी एम/आई जी ए	960
आण्विक परीक्षण	**23072**
टॉक्सोप्लाज्मा गोंडि पीसीआर	22
लीसमेनिया पीसीआर	480
टीबी पीसीआर	9146
एचएचवी - 6 पीसीआर	50
ईबीवी पीसीआर	120
एचएसवी (192) पीसीआर	50
सीएमवी (आरटी पीसीआर)	650
एचबीवी डीएनए प्रमात्रात्मक	1345
एचसीवी आरएनए गुणात्मक	495
एच सी बी वायरल लोर्ड (एन ए एस बी ए)	150
विविध	3000
डीएनए पृथक्करण	13000
अन्य	**1300**
जेल इलेक्ट्रो फोरेसिस	1200
सिक्वेसिंग	100

यक्ष्मा प्रयोगशाला

1	प्राप्त नमूनों की कुल संख्या - निष्पादित ए एफ बी माइक्रोस्कोपी	6133
2	ज़ेड एन स्टेनिंग	5719
3	ए आर स्टेनिंग - निष्पादित माइक्रोबैक्टीरियल संवर्धन एवं अनुरक्षण	352
4	एल जे मीडियम इनॉक्युलेटिड	5855
5	इनॉकुलेटिड बैक टेक एम जी आई टी 960 औषध संवेदनीय परीक्षण निष्पादित	6038
6	बैकटेक एम जी आई टी 960	316
7	अगर आनुपातिक विधि	108
8	टेटराजोलियम माइक्रोप्लेट परख	93
9	निष्पादित जैवरसायन विश्लेषण	150
10	संवर्धित क्रायो प्रारक्षित	626
11	ट्यूबरकुलीन त्वचा जांच निष्पादित (पी पी डी)	395
12	स्ट्रिप्स द्वारा निष्पादित टी बी संवर्धन पुष्टि जांच	223
13	लाईन छानबीन परख (हैन्ज़ जांच)	105
14	एम ओ डी एस द्वारा डी एस टी (माइक्रो स्कोपी अवलोकित औषध संवेदनीयता)	75

पुरस्कार और सम्मान

डॉ. ए. के. मुखोपाध्याय को पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन आफ इंडिया, नई ज्ञान समेकन की संवेदी गतिविधि में भागीदार के रूप में पदनामित किया गया; उन्हें 2010 बी बी वी ए फाउंडेशन फ्रंटियर्स आफ नॉलेज अवार्डस, स्पेन के लिए नामांकन परिषद के सदस्य के रूप में चुने जाने का सम्मान प्राप्त हुआ; उन्हें इन्फोसिस साईंस फाउंडेशन अवार्ड 2011 की नामांकन परिषद के सदस्य के रूप में चुने जाने का सम्मान भी प्राप्त हुआ, डॉ. ए. के. मुखोपाध्याय का सचेतना संबंधी साक्षात्कार you Tube http://www.youtube.com : पर उपलब्ध कराया गया; उन्होंने राष्ट्रीय दूरदर्शन द्वारा प्रसारित "नैमिक जांच" विषय पर "संपूर्ण स्वास्थ्य" संबंधी सजीव दूरदर्शन कार्यक्रम में भाग लिया।

आचार्य एम. इरशाद को "राष्ट्रीय गौरव अवार्ड" (आई आई एफ एस, 2010) से सम्मानित किया गया; उन्हें "भारत का सर्वश्रेष्ठ नागरिक" (इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाऊस, 2010) का सम्मान दिया गया उन्हें ब्लैक वेल पब्लिशर्स तथा एल्सवियर पब्लिशर्स के लेखों के लिए समीक्षाकर्ता" के रूप में नामित किया गया; वे इंटरनेशनल जरनल आफ बायोलाजीकल साईंस एंड टेक्नालाजी (आई जे बी एल एस टी), इंटरनेशनल जरनल आफ बायो साईंसिस, साइकियाटरी एंड टेक्नॉलाजी (आई जे बी एस पी टी) एवं इंटरनेशनल जरनल आफ बायोसाईंसिस, आल्टरनेटिव एंड होलिस्टिक मेडिसन (आई जे बी एस ए एच एम) के सम्पादकीय बोर्ड के सम्मानित अवैतनिक सदस्य थे।

आचार्य सरमन सिंह : वे वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय की सांस्थानिक पशु एथिक्स समितियों (आर ए ई सी) नेशनल इंस्टीट्यूट आफ मलेरिया रिसर्च (आई सी एम आर), इंस्टीट्यूट आफ जिनोमिक्स एंड इंटेग्रिटिव बायोलॉजी (आई डी आई बी), आर्मी मेडिकल कालेज, दिल्ली, डिफेंस इंस्टीट्यूट आफ फिजियालाजी एंड एलायड सांईसेस (डी आई पी ए एस) पनासिया बायोटेक, नई दिल्ली के लिए सी पी सी एस ई ए (पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार) नामिती हैं; वे वर्ष 2011 से इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च, नई दिल्ली के कंडेमनेशन (निरसन) बोर्ड के सदस्य हैं; वे आई सी एम आर की वरिष्ठ अनुसंधान अध्येतावृत्ति अवार्ड समिति, 2011 के विशेषज्ञ सदस्य हैं; वे 2011 से आई सी एम आर उपकरण क्रय समिति के

सदस्य है; वे 2010 से पूर्वोत्तर क्षेत्र जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम प्रबंधन प्रकोष्ठ (एन ई आर - बी पी एम सी) के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग के कृतिक बल के सदस्य है; वे सोडियम एंटीमनी ग्लुकोनेट स्टाकों के निपटान का निर्णय करने के लिए एन वी बी डी सी पी के निदेशालय की बैठक के विशेषज्ञ समूह के अध्यक्ष है, वे आई सी एम आर की अध्येतावृत्ति अवार्ड समिति, 2010 के विशेषज्ञ सदस्य हैं, वे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के एस ई आर सी (फास्ट ट्रैक स्कीम) के 2004 से आज तक विशेषज्ञ पैनल सदस्य हैं; वे जरनल आफ लैबोरेटरी फिजिशियन्स के प्रमुख सम्पादक हैं; उन्होंने आई सी एम आर में वैज्ञानिक ग के लिए चयन समिति, आर सी एम आर की पोस्ट डाक्टरल फैलोशिप अवार्ड समिति, 2011 की अध्यक्षता की, वे 2010 से सेवानिवृत्त आई सी एम आर वैज्ञानिकें के पुनर्नियोजन के लिए आई सी एम आर की विशेषज्ञ समिति के सदस्य है; वे 2010 से ग्रेड डी, ई तथा एफ के लिए आई सी एम आर वैज्ञानिकें की पदोन्नति हेतु आई सी एम आर की स्थायी चयन समिति के सदस्य है; वे 2010-11 में मेडीकल काउंसिल आफ इंडिया के विषय आकलनकर्ता थे; वे 2005 से 2012 की अवधि के लिए डी एच एस, भारत सरकार द्वारा गठित काला अजर उन्मूलन उच्च शक्ति प्राप्त समिति के सदस्य हैं; वे 2010 से स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार के मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान यूनिट (एम आर एच आर यू) के सदस्य हैं; वे अध्यक्ष, इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन आपरचयूनिस्टिक पैथोजेन्स (आई सी ओ पी ए - इंडिया), नई दिल्ली, सितम्बर, 2010 के अध्यक्ष थे; वे "दि ओपन एड्स जरनल" बेंथम पब्लिकेशन्स यू एस ए के सम्पादकीय बोर्ड के 2007 से आज तक निर्वाचित सदस्य हैं; वे "जरनल आफ इन्फेक्शन इन डेवलपिंग कंट्रीज", इटली के सम्पादकीय बोर्ड के 2007 से आज तक निर्वाचित सदस्य हैं; वे "क्लिनिकल मेडिसन : डर्माटोलॉजी", लॉ-प्रेस, आस्ट्रेलिया के के सम्पादकीय बोर्ड के 2008 से आज तक निर्वाचित सदस्य हैं; वे 2009 से आज तक "ट्यूबर कुलोसिस रिसर्च एंड ट्रीटमेंट, हिन्दावी पब्लिशिंग कारपोरेशन, यू एस ए के सम्पादक हैं; वे इंटरनेशनल एड्स सोसायटी के सार समीक्षाकर्ता हैं; वे लांसेट, जामा, नैदानिक संक्रामक रोगों तथा अन्यों जैसे कई अंतर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय जरनलों के लिए अभिजात समीक्षाकर्ता हैं।

अतिथि वैज्ञानिक

1. रॉबर्ट टेयलर, (कार्यक्रम अधिकारी), बिल एवं मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, ग्लोबल हेल्थ डिस्कवरी, यू एस ए।
2. मार्टिन कोला, कार्यनीतिक परियोजनाओं के प्रमुख, से फीड यूरोप वाइवा - सोलेह एफ 81470 मोरन्स स्कोपोंट।
3. हरलीन ग्रेवाल, आचार्य एवं वरिष्ठ परामर्शदाता, दि ग्लेड इंस्टीट्यूट, सेक्शन फॉर माइक्रोबायोलॉजी एंड इम्यूनॉलाजी, बर्जेन विश्वविद्यालय, नार्वे।

9.17 काय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

एस. के. शर्मा

आचार्य

रणदीप गुलेरिया	ए. बी. डे	जी. सी. खिलनानी

सह-आचार्य

नवीत विग	आशुतोष बिस्वास	उमा कुमार
संजीव सिन्हा	नवल के. विक्रम	अनंत मोहन

शिक्षा

विभाग एक व्यापक स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर अध्यापन कार्यक्रम संचालित करता है जिसमें एकीकृत व्याख्यान, संगोष्ठियां, बेडसाईड नैदानिक मामला चर्चाएं तथा जरनल (पत्रिका) क्लब शामिल हैं। प्रत्येक नैदानिक तैनाती के पश्चात स्नातकपूर्व विद्यार्थियों का नियमित आकलन किया जाता है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

विभाग द्वारा आयोजित

1. एसोसिएशन आफ फिजिशियन्स आफ इंडिया (एपीआई) के साथ संयुक्त रूप से दिल्ली स्टेट चैप्टर के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में 8 अगस्त, 2010 को काय चिकित्सा अपडेट 2010 ।
2. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 9 अक्तूबर, 2010 को संयुक्त रूप से "निद्रा विकार : चिकित्सकों के लिए चेतावनी" शीर्षित विषय पर रैनबैक्सी विज्ञान फाउंडेशन-XXVI गोल मेज सम्मेलन का आयोजन किया।
3. जकार्ता, इंडोनेशिया में नवम्बर, 2010 में "आयुर्विज्ञान शिक्षा में सर्वोत्तम पद्धतियां" के संबंध में प्रथम एस ई ए आर ए एम ई के दौरान "एक नैदानिक माहौल में अधिगम" संबंधी कार्यशाला का आयोजन तथा संचालन किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 34

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. प्रतिरक्षा विज्ञानात्मक पैरामीटरों के आकलन के साथ श्रेणी-2 फुफ्फुसीय तपेदिक में एक अनुषंगी चिकित्सा के रूप में इम्यूनोमॉडयूलेटर (माइकोबैक्टोरियम डब्ल्यू) की प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा (दोहरा ब्लाइड, यादृच्छिक प्लेसिबो - नियंत्रित, बहु केंद्री नैदानिक परीक्षण) आचार्य एस. के. शर्मा। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार और केडिला फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड : 2004-2010 के लिए वित्तपोषित। निधियां : 131.32 लाख रुपए।
2. अंशाकित इलास्टिक स्टॉकिंग्स के अतिरिक्त एनोक्सोपेरिन बनाम प्लेसबो के साथ उपचारित अति तीव्र रूप से बीमार चिकित्सीय रोगियों में समग्र मर्त्यता की तुलना करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय, बहु केंद्रक, यादृच्छिक डबल ब्लाइंड अध्ययन। आचार्य एस. के. शर्मा। रिलाएंस क्लिनिकल रिसर्च सर्विसेज (पी) लिमिटेड 2008-2011 के लिए वित्तपोषित। निधियां : 12.88 लाख रुपए।

3. अवरोधन निद्रा रोग में चयापचय सिंड्रोम की विद्यमानता तथा चयापचय सिंड्रोम पर निरंतर पॉजीटिव वायु मार्ग दबाव (सीपीएपी) के साथ उपचार का प्रभाव। आचार्य एस. के. शर्मा। फाइजर इंडिया लिमिटेड 2008-2011 के लिए वित्तपोषित। निधियां : 16,20 लाख रुपए।

4. "हल्के से मध्यम श्वसन, अस्थमा वाले रोगियों में हर्बल मिश्रण एमए- 364 का दोहरा, यादृच्छिक प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण" डॉ. रणदीप गुलेरिया, महर्षि आयुर्वेद द्वारा वित्तपोषित, परियोजना की अवधि : सितम्बर 2011 तक।

5. सीओपीडी में एसीजेड 885 की बहुल खुराकों की सुरक्षा तथा प्रभावोत्पादकता का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित अन्वेषणात्मक अध्ययन। डॉ. रणदीप गुलेरिया। नोवारटिस इंडिया द्वारा वित्तपोषित परियोजना की अवधि जून, 2011 तक।

6. नए पता लगे सक्रिय तपेदिक (टीबी) वाले रोगियों में मध्यस्थ पोषणिक अध्ययन। डॉ. रणदीप गुलेरिया। जीएसके, भारत द्वारा वित्तपोषित (परियोजना की अवधि :जून, 2011 तक)।

7. "फेफड़ा कैंसर में परिचालक डीएनए और प्रोटीन चिन्हांकों की नैदानिक जटिलताएंष्, डॉ. रणदीप गुलेरिया। आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित। परियोजना की अवधि : नवम्बर, 2011 तक।

8. "अवरोधात्मक स्लीप एपनिया सिंड्रोम में जेनेटिक, मेटाबोलिक और हार्मोनीय रूपरेखा" डॉ. रणदीप गुलेरिया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित। परियोजना की अवधि फरवरी, 2011 तक।

9. चिरकालिक अवरोधात्मक फुफ्फुसीय रोग के सीरम लेप्टिन, पौषणिक स्थिति और प्रदाहक चिन्हांकक, डिस्पिनिया के साथ संबंध और रोग की गंभीरता। डॉ. रणदीप गुलेरिया। आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित। परियोजना की अवधि, मार्च 2011 तक।

10. अंशतः नियंत्रित तथा अनियंत्रित अस्थमा के प्रबंध में फोर्मेट्रोल तथा फ्लूटिकेसोन की नियत खुराक संयोजन की प्रभावोत्पादकता तथा सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए भविष्यलक्षी अध्ययन। डॉ. रणदीप गुलेरिया। रैनबैक्सी इंडिया द्वारा वित्तपोषित। परियोजना की अवधि जून, 2011 तक।

11. "टू कम्पेयर दि एफीकेसी आफ योगा एंड पुलमोनरी रिहैबिलिटेशन ऑन डिस्पनिया, मसल स्ट्रैंथ, इन्फलेमेटरी मार्कर्स एंड क्वालिटी आफ लाईफ इन पेशेंट्स विद क्रोनिक आब्स्ट्रकटिव पुलमोनरी डिजीज, निधियन अभिकरण आई सी एम आर, परियोजना की अवधि जुलाई, 2012 तक। डॉ. रणदीप गुलेरिया।

12. सूक्ष्म पोषक तत्वों का आहरिक ग्रहण तथा उत्कट अस्थमा के साथ उनके सीरम/प्लाज्मा स्तर। आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित परियोजना की अवधि अक्तूबर, 2012 तक। डॉ. रणदीप गुलेरिया।

जारी

1. चयापचय सिंड्रोम, इन्सुलिन प्रतिरोध तथा टी एन एफ ए, आई एल 6 तथा एसीई पालिमार्फिज्म के साथ ओ एस ए का संबंधन। आचार्य एस के शर्मा। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली द्वारा 2010-2013 तक वित्तपोषित। निधियां : 46.67 लाख रुपए।

2. एचआईवी/एड्स रोगियों के निःशुल्क उपचार के लिए एंटी रिट्रोवायरल उपचार (एआरटी) केंद्र (राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार), आचार्य एस. के. शर्मा। दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा 2005 से अभी तक वित्तपोषित। निधियां 4.50 लाख रुपए।

3. टीबी के निःशुल्क उपचार के लिए नोडल केंद्र, आचार्य. एस. के. शर्मा, जिला टीबी केंद्र के माध्यम से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के संशोधित राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण द्वारा 2005 से अभी तक वित्तपोषित। निधियां 4.32 लाख रुपए।

4. एचआईवी संक्रमण सहित और रहित वाले तपेदिक के रोगियों में सप्ताह में तीन बार अंतर्वती अल्पकालिक तपेदिक - रोधी कीमोथिरैपी की प्रभावोत्पादकता, आचार्य एस. के. शर्मा, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 5 वर्ष (2006-2011) के लिए वित्तपोषित निधियां : 45.42 लाख रुपए।

5. प्रतिरक्षा विज्ञानात्मक पैरामीटरों के आकलन के साथ श्रेणी-1 फुफ्फुसीय तपेदिक में एक अनुषंगी चिकित्सा के रूप में मुखीय विटामिन डी की भूमिका (दोहरा ब्लाईंड, यादृच्छिक, प्लेसिबो - नियंत्रित, नैदानिक परीक्षण), आचार्य एस. के. शर्मा जैव प्रौद्योगिकी विभाग,विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 5 वर्ष के लिए वित्तपोषित (2006-2011) निधियां 90.90 लाख रुपए।

6. प्रतिरक्षा विज्ञानात्मक पैरामीटरों के आकलन के साथ श्रेणी-1 फुफ्फुसीय तपेदिक में एक अनुषंगी चिकित्सा के रूप में मुखीय रूप से जिंक देने की प्रभावोत्पादकता (दोहरा- ब्लाइड, यादृच्छिक, प्लेसिबो - नियंत्रित, बहु केंद्री नैदानिक परीक्षण), आचार्य एस. के. शर्मा। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 5 वर्ष के लिए वित्तपोषित (2006-2011) निधियां 63.38 लाख रुपए।

7. प्रतिरक्षा विज्ञानात्मक पैरामीटरों के आकलन के साथ श्रेणी-1 फुफ्फुसीय तपेदिक में अनुषंगी चिकित्सा के रूप में इम्यूनोमोडुलेटर एमडब्ल्यू की प्रभावदोत्पादकता और सुरक्षा (दोहरा ब्लाइड, यादृच्छिक, प्लेसिबो नियंत्रित, बहुकेंद्रीय नैदानिक परीक्षण), आचार्य एस. के. शर्मा। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 5 वर्ष के लिए वित्तपोषित (2006-2011) निधियां 76.81 लाख रुपए।

8. छः माह में टीबी प्लीयूरल इफ्यूजन में सप्ताह में तीन बार डाट्स रेजीमेन की प्रभावोदत्पादकता का मूल्यांकन (बहुकेंद्रीय परियोजना); आचार्य एस. के. शर्मा। संशोधित राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, नई दिल्ली; द्वारा 4 वर्ष के लिए वित्तपोषित (2006-2010) निधियां : 14.36 लाख रुपए।

9. एचआईवी - टीबी सह-संक्रमण वाले रोगियों में अप्रकट टीबी पर एचआईवी संक्रमण का प्रभाव (सुविधा को राष्ट्रीय सुविधा के रूप में नामोर्दिष्ट किया गया है)। आचार्य एस. के. शर्मा, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 4 वर्ष के लिए वित्तपोषित (2007-2011)। निधियां : 219.96 लाख रुपए।

10. ट्यूबरक्यूलिन त्वचा जांच (टीएसटी) और अप्रकट टीबी संक्रमण और ट्यूबरकुलोसिस बीमारी में इंटरफेरॉन रिलीज जांच की तुलना। आचार्य एस. के. शर्मा। संशोधित राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण कार्यक्रम; राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, द्वारा 3 वर्ष (2008-11) के लिए वित्तपोषित। निधियां : 4.99 लाख रुपए।

11. आने वाले दशकों में अनुसंधान की गति बनाए रखना : ट्यूबरकुलोसिस के लिए अगली पीढ़ी के अनुसंधानकर्ताओं को प्रेरित करना; आचार्य एस. के. शर्मा, यूरोपीय यूनियन फ्रेम प्रोग्राम 7 वर्क द्वारा 2008-2011 से तीन वर्ष के लिए वित्तपोषित निधियां : 67.84 लाख रुपए।

12. बहु औषध प्रतिरोधक माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस (एमडीआर - टीबी) वाले थूक धब्बा - पॉजीटिव फुफ्फुसीय संक्रमण वाले रोगियों में टीएमसी 207 की बैक्टीरिया रोधी गतिविधि, सुरक्षा तथा सहिष्णुता का मूल्यांकन करने के लिए एक चरण-2, प्लेसबो नियंत्रित, डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक परीक्षण। आचार्य एस. के. शर्मा, टिबोटेक बीवीबीए, जनरल डि विटलान एल आई आई बी 3, मेचलेन, बेल्जियम द्वारा 3 वर्ष (2008-2011) के लिए वित्तपोषित। निधियां : 26.24 लाख रुपए।

13. भारतीय रोगियों में यक्ष्मा रोधी कीमोथैरेपी करवा रहे यक्ष्मा के एचआईवी संक्रमित रोगियों के लिए रेट्रोवायरल रोधी उपचार के शीघ्र बनाम विलंबित आरंभण का अध्ययन। डॉ. संजीव सिन्हा। एनएसीओ द्वारा वित्तपोषित (एक सहयोगात्मक यूसीएलए, यूएसए तथा एम्स परियोजना)। 2006-2011, निधियां : 40 लाख रुपए।

14. नव तथा पूर्व उपचारित एचआईवी संक्रमित उत्तरी भारतीय लोगों के रेट्रोवायरल रोधी उपचार में आधारिक एचआईवी औषध प्रतिरोध की प्रवृत्तता तथा किस्मों का अध्ययन। डॉ. संजीव सिन्हा, एनएसीओ द्वारा वित्तपोषित। (एक सहयोगात्मक यूसीएलए यूएसए तथा एम्स परियोजना)। 2006-2010, निधियां : 65 लाख रुपए।

15. भारत में एचआईवी तथा यक्ष्मा संक्रमण वाले रेट्रोवायरलरोधी नए रोगियों में नेवीरेपीन बनाम इफवीरेंज आधारित उच्च सक्रिय रेट्रोवायरल रोधी उपचार व्यवस्था। एनएसीओ द्वारा वित्तपोषित। डॉ. संजीव सिन्हा, 2008-2011, निधियां : 50 लाख रुपए।

16. एएसएचए एचआईवी स्वास्थ्य संवर्धन उपाय। डॉ. संजीव सिन्हा, एनआईएच, यूएसए द्वारा वित्त पोषित। 2009-2011, निधियां : 15 लाख रुपए।

17. संसाधन सीमित क्षेत्रों में एचआईवी से भी ग्रस्त कैंसर के रोगियों का अध्ययन। एनसीआई, एनआईएच, संयुक्त राज्य अमरीका द्वारा वित्तपोषित। डॉ. संजीव सिन्हा, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान। 2010-2011, निधियां : 5 लाख रुपए।

18. फेफड़े के कैंसर में मिटोकोंड्रियल डीएनए म्यूटेशन। जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित (2008-2011)। निधियां : 19.2 लाख रुपए। डॉ. अनंत मोहन।

19. धूम्रपान तथा धूम्रपान भिन्न संबद्ध कारणों से चिरकारी अवरोधक फुफ्फुसीय रोग वाले रोगियों में सर्वांगी ज्वलनशीलता में परिवर्तनीयता का अध्ययन। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा वित्तपोषित। निधियां : 28 लाख रुपए। (2009-2012) डॉ. अनंत मोहन।

20. उन्नत नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर में आक्सीडेटिव तनाव, पौष्विक पार्श्वचित्र तथा नैदानिक अनुक्रिया पर प्लेटीनम आधारित कीमोथिरैपी का प्रभाव। ए. मोहन। यू जी सी द्वारा वित्तपोषित, 2011-2014, निधियां : 9.2 लाख रुपए।

21. नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर रोगों वाले रोगियों में हर्बल कम्पाउंड एम ए -579 का डबल ब्लाईंड रैंडमाइज्ड प्लेसबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण। एन के विक्रम, महर्षि आयुर्वेद उत्पाद द्वारा वित्तपोषित।

22. टाइप 2 मधुमेह के रोगियों के चयापचय पार्श्वचित्र पर हर्बल कम्पाउंड एम ए-471 का डबल ब्लाईंड रैंडमाइज्ड प्लेसबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण। एन के विक्रम, महर्षि आयुर्वेद उत्पाद द्वारा वित्तपोषित।

23. टाइप 2 मधुमेह के रोगियों में एथरस्फलेरोसिस के अपेक्षाकृत नवीन चिन्हांककों का मूल्यांकन। एन. के. विक्रिम, आई सी एम आर द्वारा वित्तपोषित।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. चिरकारी अवरोध फुफ्फुसीय रोग के तीव्र पात वाले रोगियों में विभिन्न ज्वलनशील मार्करों की प्रोगनोस्टिक उपयोगिता का अध्ययन।

जारी

1. मेडिकल आईसीयू में सेप्सिस वाले रोगियों में मर्त्यता तथा रूग्णता के निर्धारक।
2. सी ओ पी डी में चयापचय लक्षण की प्रवृत्तता।
3. ठीक होते रोगी में पूर्व प्रक्रिया इन्हेल्ड ब्रोंकोडिलेटरों की उपयोगिता तथा प्रक्रिया संबंधित परिणामों का अध्ययन।
4. एशियाई भारतीयों में नॉन अल्कोहलिक फैटीलिवर रोग तथा अथीरोस्कलेरोसिस का अध्ययन।
5. एशियाई भारतीयों में नॉन अल्कोहलिक फैटीलिवर रोग (एन ए एफ एल डी) में हिपेटिक वसा संबंधी प्रगामी प्रतिरोध प्रक्रिया प्रशिक्षण का प्रभाव।
6. एंथ्रोपोमीट्रिक तथा जैव रसायन प्राचलों के साथ एडीपोसाईट आकार के संबंध में अध्ययन।
7. सी ओ पी डी वाले रोगियों में चयापचय लक्षण की प्रवृत्तता का अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. साइटोपेनियास के साथ अति उत्कट फेब्राइल बीमारियों का अध्ययन (रुधिर विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग के साथ)।
2. अज्ञात मूल के पाइरेक्सिया में एफ-18 एफ डी जी पी ई टी/ सी टी की नैदानिक उपयोगिता (नाभिकीय चिकित्सा विभाग)।
3. विकीर्णित तपेदिक में माइक्रोबैक्टर्मिया का अध्ययन (प्रयोगशाला चिकित्सा के साथ)।
4. इथाम्बुटोल की आक्युलर विषाक्तता का अध्ययन (नेत्र रोग विज्ञान विभाग)।
5. विद्यार्थी करियर के रूप में काय चिकित्सा का चयन क्यों करते हैं (यू सी एम एस, बहुकेंद्रिक)
6. हरियाणा के एक ग्रामीण समुदाय में रह रही वयस्क जनसंख्या में नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर रोग की प्रवृत्तता (समुदाय काय चिकित्सा विभाग)।
7. एक शहरी पुनर्वास कालोनी में निवास कर रही 20 वर्ष से अधिक की आयु की महिलाओं में चयापचय लक्षण की प्रवृत्तता तथा इसके चयनित सामाजिक व्यवहारगत निर्धारक (समुदाय काय चिकित्सा विभाग)।
8. सिस्टिक फायब्रोसिस वाले बच्चों तथा किशोरों में इम्पेयर्ड ग्लुकोस सहिष्णुता (बाल चिकित्सा विभाग)।
9. श्वसन रोग के लक्षणों वाले या उनके बिना "जोखिम ग्रस्त" रोगियों में उप नैदानिक न्यूमोसिस्टिम कारिनी न्यूमोनिया (पी सी पी) संक्रमण तथा कोलोनाइजेशन का पता लगाने के लिए पोलीमिरेज चेन प्रतिक्रिया (पी सी आर) द्वारा डी एन ए परिवर्धन अध्ययन (सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग)।
10. एच आई वी - भारतीय उपकिस्म सी संक्रमित व्यक्ति में जीनोटाइपिक तथा फीनीटाइपिक विश्लेषण द्वारा प्राथमिक औसत प्रतिरोध अध्ययन (सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग)।
11. फ्रेनिक तथा/अथवा इंटरकोस्टल तंत्रिकाओं के साथ ब्रेशियल प्लेक्सस न्यूरोटाइजेशन तथा पुलमोनरी प्रकार्य पर इसका प्रभाव (तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग)।
12. न्यूमोसिस्टिस कारिनी न्यूमोनिया के नैदानिक निदान वाले रोगियों से प्राप्त न्यूमोसिस्टिस जिरोवेशी की आनुवंशिक विविधता तथा फाइलोजेनेटिक विश्लेषण का अध्ययन (सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग)।
13. न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी आइसोलेट्स में डिहाइड्रोपटेरोट सिंथेस (डी एच पी एस) के आनुवंशिक पोलीमार्फिज़म तथा न्यूमोसिस्टिस कारिनी न्यूमोनिया के रोगियों में उपचार विफलता तथा नैदानिक परिणाम के साथ इसका सह-संबंध (सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग)।
14. एच आई वी संक्रमणों से ग्रस्त रोगियों में वास्तविक समय पी सी आर का प्रयोग करते हुए श्वसन प्रक्रिया नमूनों में न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी का अभिसूचन तथा प्रमाणन (सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग)।
15. सक्रिय संघर्ष के खतरे वाले गैर संक्रमणकारी मध्यवर्ती इंटीरियर तथा मध्यवर्ती पोस्टीरियर पैन यूवेटिस वाले रोगियों में उपचार के रूप में एल एक्स 211 की प्रभावोत्पादकता तथा सुरक्षा में सहायतार्थ वैकल्पिक विस्तार के साथ डबल मास्कड प्लेसेबो नियंत्रित समानांतर समूह बहुकेंद्रक खुराक सीमा अध्ययन (डॉ. आर पी नेत्ररोग विज्ञान केंद्र के साथ)।
16. सक्रिय संघर्ष के खतरे वाले गैर संक्रमणकारी एंटीरियर पैन यूवेटिस वाले रोगियों में उपचार के रूप में एल एक्स 211 की प्रभावोत्पादकता तथा सुरक्षा में सहायतार्थ वैकल्पिक विस्तार के साथ डबल मास्कड प्लेसेबो नियंत्रित समानांतर समूह बहुकेंद्रक खुराक सीमा अध्ययन (डॉ. आर पी नेत्ररोग विज्ञान केंद्र के साथ)।

17. नैदानिक रूप से क्विसेंट संघर्ष के खतरे वाले गैर संक्रमणकारी मध्यवर्ती एंटीरियर तथा मध्यवर्ती पोस्टीरियर पैन यूवेटिस वाले रोगियों में उपचार के रूप में एल एक्स 211 की प्रभावोत्पादकता तथा सुरक्षा में सहायतार्थ वैकल्पिक विस्तार के साथ डबल मास्कड प्लेसेबो नियंत्रित समानांतर समूह बहुकेंद्रक खुराक सीमा अध्ययन (डॉ. आर पी नेत्ररोग विज्ञान केंद्र के साथ)।

प्रकाशन

जरनल : 59

पुस्तकों में अध्याय : 10

रोगी उपचार

वक्ष क्लिनिक (शुक्रवार : दोहपर 2.00 बजे)

नए रोगी	2134
पुराने रोगी	4623
कुल	**6757**

संक्रामक रोग क्लिनिक (सोमवार दोपहर 2.00 बजे)

नए रोगी	194
पुराने रोगी	105
कुल	**299**

निद्रा संबंध श्वसन विकार (एस आर बी डी) क्लिनिक

नए रोगी	208
पुराने रोगी	130
कुल	**338**

एंटीरेट्रोवायरल केंद्र

कुल पंजीकृत रोगी अब तक	6162
आरंभ एआरटी अब तक	2324
एआरटी पर नियमित अनुवर्तन अब तक	1265
2010-2011 में आरंभ एआरटी	308

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान डॉट्स केंद्र

डॉट्स का उपचार ले रहे कुल रोगी	2175
केट 1	1406
केट 2	766
केट 3	03

प्रयोगशालाएं

(क) श्वसन प्रयोगशालाएं

स्पिरोमीटरी प्रक्रियाएं	6434
डिफ्यूजन क्षमता आकलन	642
बॉडी बॉक्स (लेथीसोमोग्राफी) माप	317
ऑक्सीमेट्रिक्स	2215
अधिकतम स्वैच्छिक वेंटीलेशन	367
आर्टिरियल रक्त गैस विश्लेषण	3600
(ख) ब्रोंकोस्कोपी प्रयोगशाला	
फाइब्रोप्टिक ब्रोंकोस्कोपी प्रक्रियाएं	816
(ग) निद्रा प्रयोगशाला	
(पोलीसोम्नोग्राफी) निद्रा अध्ययन	338
सीपीएपी टाइट्रेशन्स (सतत पाजिटिव एयरवे दबाव टाइट्रेशन)	120
(घ) एडीए/एसीई प्रयोगशाला	
एसीई जांच (एंजियोटेनिज्म कन्वर्टिंग एन्जाईम्स एसीई जांच)	178
एडिनोसाइन डीएमिनेज जांच	89
(ङ) आरएनटीपीसी	
की गई थूक जांच	2425
(च) डॉट्स प्लस	
औषध संवेदनीयता परीक्षण	1213

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य एस. के. शर्मा ने वर्ष 2010 के लिए जरनल आफ एसोसिएशन आफ फिज़िशियन्स आफ इंडिया के उत्कृष्ट रेफरी के लिए वी. आर. जोशी अवार्ड, डॉ. देवी चंद मेमोरियल ओरेशन स्वर्ण पदक प्राप्त किया; वे संकाय परिषद, इंडियन कालेज आफ फिजिशियन के निर्वाचित सदस्य, 2011-14 हैं; वे इंडियन चेस्ट सोसायटी, अमेरिकन थोरासिस सोसायटी, नेशनल एकेडमी आफ मेडिकल साईंसेस आफ इंडिया, एसोसिएशन आफ फिजिशियन्स आफ इंडिया, इंटर नेशनल यूनियन गगेंस्ट ट्यूबर कुलोसिस एंड लंग डिसीजिज, ग्रेनुलोमेटस डिसार्डर्स (आई ए एस ओ जी), इंडियन सोसायटी आफ क्रिटीकल केयर मेडिसन, वर्ल्ड लंग हेल्थ (इंटरनेशनल यूनियन अगेस्ट ट्यूबर कुलोसिस एंड लंग डिसीजेज आई यू ए टी एल डी की पहल) के सदस्य बने रहे; वे वर्ष 2010 से सोसायटी फार टोबेको कंट्रोल (एस टी सी) आफ इंडिया के उपाध्यक्ष हैं; वर्ष 2001 से इंडियन जरनल आफ चेस्ट डिसीजीज एंड एलायंड साईसेंस के सम्पादक हैं, वे वर्ष 2010 से लंग इंडिया के संभाग सम्पादक है, 2006 से इंडियन जरनल आफ ट्यूबर कुलोसिस के सह सम्पादक है; वर्ष 2005 से वे इंडियन जरनल आफ स्लीप मेडिसन के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य हैं; वर्ष 2006 से वे चेस्ट (अमेरिकन कालेज आफ चेस्ट फिजिशियन्स) के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य है वर्ष 2008 से वे दि ओपन ट्रापीकल मेडिसन जरनल के, वर्ष 2009 से इंडियन जरनल आफ मेडिकल रिसर्ज के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य हैं; वे इंटरनेशनल एडवाईजरी बोर्ड, डेविडसन्स प्रिंसीपल्स एंड प्रौक्टिस आफ मेडिसन (21वां संस्करण) के सदस्य हैं; अनेक अंतर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय जरनलों के लिए वे समीक्षाकर्ता बने रहे; वे बोर्ड आफ स्पेशिलिटी इन पुलमोनरी मेडिकन, मेडिकल काउंसिल आफ इंडिया के एम डी के लिए पाठ्यचर्या तथा पुलमोनरी मेडिसन स्पेशिलिटी में डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए मसौदाकरण/ अद्यतनीकरण हेतु अध्यक्ष रहे; वे लौकी (व्हाईट गूर्ड) जूस के विशेष संदर्भ में सब्जी

के जूसों की खपत की सुरक्षा के मुद्दे की जांच करने के लिए 2010-11 में आई सी एम आर के महानिदेशक द्वारा गठित विशेषज्ञ समूह के अध्यक्ष थे; अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु संस्थान के संकाय/ गैर संकाय स्टाफ से प्राप्त आवेदनपत्रों की संवीक्षा करने के लिए वे उप समिति (नैदानिक) के अध्यक्ष थे; वे वर्ष 2004 से आई सी एम आर की वैज्ञानिक संक्रामक रोग परामर्शी समिति के सदस्य बने हुए हैं; वर्ष 2004 से वे वर्ल्ड लंग हेल्थ (इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट ट्यूबर कुलोसिस एंड लंग डिसीजेज आई यू ए टी एल डी की पहल) के सदस्य हैं; उन्हें वर्ष 2008 से 5 वर्ष की अवधि के लिए एक गुट बनाकर ट्यूबर कुलोसिस के विरूद्ध संयुक्त रूप से संघर्ष करने के लिए एसोसिएशन आफ फिजिशियन्स आफ इंडिया की ओर से इम्पैक्ट (इंडियन मेडिकल प्रोफेशनल समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया; वे नेशनल टास्क फोर्स ऑन इन्वाल्वमेंट आफ मेडिकल कालेजिज इन टी बी कंटोल प्रोग्राम आफ इंडिया, डॉट्स प्लस समिति के अध्यक्ष बन रहे; वे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की आर एम टी सी पी संबद्ध परियोजना पर आपरेशनल अनुसंधान के लिए केंद्रीय स्थायी समिति के अध्यक्ष के रूप में बने रहे; वे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित डेवलपमेंट आफ स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट गाईडलाईन्स (एस टी जी) फार मेडिसन (रेसपिरेटरी डिसीजीज) के लिए उपसमूह के विशेषज्ञ सदस्य (समूह नेता) थे; वे निम्न समितियों में भी विशेषज्ञ सदस्य थे : नई दिल्ली टी बी केंद्र, नई दिल्ली में निदेशक के पद के लिए चयन समिति; समूह "क" संकाय पदों - अस्थिमज्जा प्रत्यारोपण के सहायक आचार्य, आंतरिक काय चिकित्सा के सहायक आचार्य तथा अपर आचार्य के पदो के लिए स्थायी चयन समिति, यूनाइटेड किंगडम की सरकार द्वारा प्रस्तावित कामनवेल्थ छात्रवृत्ति/ अध्येतावृत्ति योजना, 2011 प्रदान करने के लिए उम्मीदवारों के चयन के लिए काय चिकित्सा के विषय क्षेत्र में चयन समिति; चयन, अपंग उम्मीदवार विशेष चिकित्सा बोर्ड अर्हकता संयुक्त प्रवेश परीक्षा, 2010 इंडिया इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालॉजी, आई आई टी अस्पताल, नई दिल्ली; पंग उम्मीदवार विशेष चिकित्सा बोर्ड अर्हकता संयुक्त प्रवेश परीक्षा, 2010 इंडिया इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालॉजी, आई आई टी अस्पताल, नई दिल्ली, जून, 2010; वे वर्ष 2010 से अन्य देशों में प्रतिषिद्ध या प्रतिबंधित सूचित किए गए कतिपय औषध सूत्रों के सतत विपणन की जांच करने के लिए औषध तकनीकी परामर्शी बोर्ड (डी टी ए वी) के विशेषज्ञ सदस्य हैं; वे मई, 2010 से (3 वर्ष की अवधि के लिए) यक्ष्मा विशेषज्ञ समिति, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार के सदस्य हैं; वे सदस्य आई सी एम आर अवार्ड आई सी एम आर नई दिल्ली की चयन प्रक्रिया के लिए 2009 के सदस्य थे; वे वर्ष 2008 से सदस्य, बोर्ड आफ स्टडी, एच पी विश्वविद्यालय, शिमला हैं; वे वर्ष 2008 से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की लाल राम सरूप इंस्टीट्यूट आफ ट्यूबर कुलोसिस एंड रेस्पिरेटरी डिसीजीज के अधिशासी निकय के सदस्य बने रहे है तथा वर्ष 2008 में से अन्वेषणात्मक नवीन औषधों (आई एन डी) के लिए नैदानिक परीक्षणों के विनियामक अनुमोदन में जुड़े मामलों में महा औषध नियंत्रक (भारत) (डी सी जी आई) के विशेषज्ञ सदस्य है।

आचार्य रीता सूद अंतर्राष्ट्रीय जरनल "एडवांसेस इन मेडिकल एजुकेशन एंड प्रोक्टिस" के सम्पादकीय बोर्ड की सदस्या है (अप्रैल, 2010); उन्हें यू पी एस सी द्वारा सिविल सेवा परीक्षा के लिए व्यक्तिगत परीक्षा बोर्डों (पी पी बोर्ड) के लिए सलाहकार के रूप में आमंत्रित किया गया (26-28 अप्रैल, 2010); उन्हें वी एम एम सी तथा एस जे एच में अध्यापन संकाय के चयन हेतु चयन समिति के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में गुरू गोविंद सिंह आई पी विश्वविद्यालय द्वारा आममंत्रित किया गया (अप्रैल, अगस्त, 2010); उन्होंने पारम्परिक विश्व में काय चिकित्सा शिक्षा में नवाचार संबंधी वार्षिक ए एम एम ई सम्मेलन के दौरान कैंब्रिज, यू.के. में ए एस एम ई की नीति समूह बैठक में भाग लिया (जुलाई, 2010); उन्हें सार विषय शैक्षणिक शिक्षा तथा नेतृत्व" के तहत "बैठकों का प्रबंधन तथा समूह निर्णयन" संबंधी सुदूरवर्ती अधिगम माडयूल लेखन के लिए ओपन यूनिवर्सिटी, मिल्टन केयन्स, लंदन द्वारा आमंत्रित किया गया (13-15 सितम्बर, 2010); वे सदस्या, इंटरनेशनल एडवाईजरी बोर्ड, सिक्सथ कांग्रेस ऑफ दि एशियन मेडिकल एजुकेशन एसोसिएशन (ए एम ई ए), इंटर नेशनल मेडिकल यूनिवर्सिटी, कुआला लम्पुर, मलेशिया (मार्च, 2011) है; उनहें रायल कालेज आफ फिजिशयन्स (एफ आर सी पी) लंदन की अध्येतावृत्ति (फैलोशिप) (मई, 2010) तथा नेशनल अकादमी आफ मेडिकल साइंसेज (एफ ए एम एस) की फैलोशिप अक्तूबर, 2010 प्राप्त हुई; वे 3 वर्षों (2012-2015) के लिए साऊथईस्ट एशियन रीजनल एसोसिएशन आफ मेडिकल एजुकेशन (एस ई ए आर एन ए एम ई) की अध्यक्षा चुनी गई तथा उन्हें देश में काय चिकित्सा शिक्षा के पुनरूद्धारा के लिए पी जी कार्यकारी समूह के सदस्य के रूप में मेडिकल काऊंसिल आफ इंडिया के बोर्ड आफ गवर्नरों द्वारा आमंत्रित किया गया (जुलाई, 2010 - मार्च, 2011)।

आचार्य रणदीप गुलेरिया को काय चिकित्सा की श्रेणी में वर्ष 2010 के लिए जी टी वी, एल आई सी "स्वस्थ भारत सम्मान" प्रदान किया गया है; उन्हें वर्ष 2010 के लिए हिमालयी जागृति मंच (पंजीकृत, नई दिल्ली द्वारा "हिमाचल गौरव" प्रदान किया गया है; वे विभिन्न संस्थाओं में एम डी (काय चिकित्सा) के लिए बाह्य परीक्षक थे; वे आई सी एम आर वैज्ञानिक की पदोन्नति हेतु विशेषज्ञ सदस्य थे; वे नेशनल इंस्टीट्यूट आफ वीरॉलाजी की वैज्ञानिक परामर्शी समिति के सदस्य थे; यू पी एस सी द्वारा सहायक आचार्य (साधारण काय चिकित्सा) के लिए चयन हेतु विशेषज्ञ थे; उन्हें इन्फ्लूएंजा टीकाकरण तथा प्रतिरक्षण हेतु साईंटीफिक एडवाईजरी ग्रुप आफ (एस ए जी ई) कार्यकारी समूह के लिए डब्ल्यू एच ए (विश्व स्वास्थ्य संगठन) द्वारा परामर्शदाता के रूप में नियुक्त किया गया; भारत में मौसमी फ्लू वैक्सीन के टीकों हेतु दिशानिर्देशों का निरूपण करने के लिए उन्हें आई सी एम आर द्वारा आयोजित विशेषज्ञ दल का सदस्य नियुक्त किया गया; उन्हें ग्लोबल आऊटब्रेक एच-1 एन-1 + एच 5 एन 1 फ्लू संबंधी विश्व कार्रवाई सम्मेलन की बैठक में एम्स का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया; उन्हें औषध चयन समिति, एम्स का अध्यक्ष नामित किया गया; राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र द्वारा उन्हें सरकारी तथा निजी अस्पतालों में एंटीबायोटिक्स के प्रयोग हेतु राष्ट्रीय नीतिगत मुद्दे तथा क्रियान्वयन नीति का निरूपण करने के दल के सदस्य के रूप में भारत सरकार द्वारा नामित किया गया; वे आई सी एम आर की परियोजना समीक्षा समिति कुष्ठ रोग, यक्षमा तथा अन्य वक्ष रोग के सदस्य है; वे आई सी एम आर की असम, मणिपुर तथा मेघालय के पौविणक पार्श्वचित्र संबंधी परियोजना परामर्शी समिति के सदस्य हैं; उन्हें वैनकूवर, कनाडा में अमेरिकन कालेज आफ चेस्ट फिजिशियन्स द्वारा "अल्फ्रेड सोफर रिसर्च अवार्ड" प्रदान किया गया; डब्ल्यू एच ओ द्वारा उन्हें जिनेवा में इल्फ्लूएंजा वैक्सीन तथा इम्यूनाइजेशन संबंधी एस ए जी ई कार्यकारी समूह की प्रथम बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया; उन्हें एन आई एच, संयुक्त राज्य अमरीका से शिष्टमंडलों के सदस्यों के साथ संयुक्त राज्य अमरीका के दूतवास में एक बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया; वे पी जी आई एम ई आर में संकाय के चयन हेतु बाह्य विशेषज्ञ थे; उन्हें प्रदूषित पर्यावरण के स्वास्थ्य पर प्रभावों के संबंध में राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने हेतु निदेशक, एम्स द्वारा आमंत्रित किया गया : उन्हें डी एन बी आंतरिक कार्य चिकित्सा के लिए विद्यमान आंतरिक काय चिकित्सा पाठ्यचर्या को संशोधित करने के लिए परामर्शी बोर्ड के मूल समूह सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया; उन्हें राष्ट्रीय नीति का निरूपण करने तथा सरकारी एवं निजी अस्पतालों में एटीबायोटिक्स के प्रयोग की क्रियान्वयन नीति के मुद्दों तथा वर्तमान प्रास्थिति का व्यापक अवबोधन प्राप्त करने तथा के लिए राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र द्वारा इंडिया हैबिटेट केंद्र में 20 अक्तूबर, 2010 को आयोजित प्रश्नोत्तरी कार्यशाला में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया गया; उन्हें 7-9 दिसम्बर, 2010 को नेशनल इंस्टीट्यूट आफ वीरॉलाजी, पुणे में वैज्ञानिक परामर्शी समिति की बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया; उन्हें 4-6 अप्रैल, 2011 को इंडियन एसोसिएशन फार ब्रोकोलॉजी (बी आर ओ एन सी ओ सी ओ एन 2011) पुलमोनरी मेडिसन विभाग, पी जी आई एमई आर, चंड़ीगढ़ के 16वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया।

डॉ. संजीव सिन्हा एसोसिएशन आफ फिजिशियन आफ इंडिया, इंडिया क्लेन, नेशनल एकेडमी आफ मेडिकल साइंसेस (एम एन ए एम एस), इंडियन चेस्ट सोसायटी, इंडियन थायरायड सोसायटी, अमरीकी थोरसिक सोसायटी तथा इंटरनेशनल एड्स सोसायटी के सदस्य थे; वे मेडिकल बोर्ड अंटार्टिका एक्पेडिशन भारत सरकार, गोवा के सदस्य हैं, वे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, की वैज्ञानिक समिति, नाको के सदस्य हैं; वे मेडिसन अपडेट 2010, अगस्त, 2010 एम्स, नई दिल्ली के आयोजक सचिव हैं।

डॉ. आनंदमोहन को "डायग्नास्टिक यूटिलिटी आफ इंडोब्रोंकियल अल्ट्रासाउंड गाइडिड टी बी एन ए फार मीडियास्टिनल लेजन्स ए प्रोसपेक्टिव थ्री ईयर एनालसिस" के लिए चंडीगढ़ में ब्रोनकोन में फरवरी, 2011 में "आउटस्टैंडिंग रिसर्च पोस्टर" प्रदान किया गया था तथा "कोरिलेशन आफ इन्फलेमेटरी माकर्स एंड न्यूट्रिशनल स्टेटस विद सिवियरिटी आफ डिसीज इन पेशेंटस विद स्टेबल सी ओ पी डी" शीर्षक सर्वोत्तम सार का सहलेखन करने के लिए चेस्ट सम्मेलन, 2010 वैनुकूवर में अल्फ्रड सोफर अवार्ड प्रदान किया गया; उनका न्यू इंग्लैंड जरनल आफ मेडिसन, अनल्स ऑफ ऑनकोलाजी, इंटरनेशनल जरनल आफ टयूबरकुलोसिस एंड लंग डिसीज, पोस्टग्रेजुएट मेडिकल जरनल, जरनल आफ सपोर्टिक केयर इन कैंसर, इंडियन जरनल आफ मेडिकल एंड पेडियाट्रिक आंकोलोजी के समीक्षाकर्ता बने रहना जारी है; वे आर्गेनाईजिंग समिति, मेडिसन अपडेट, अगस्त, 2010 एम्स के सदस्य हैं।

डॉ. एन. के. विक्रम को वर्ष 2010 के लिए श्रेणी "कार्य चिकित्सा" में एन ए एस आई - एस सी ओ पी यू एस युवा वैज्ञानिक अवार्ड प्रदान किया गया; वे आर्गेनाईजिंग समिति, मेडिसन अपडेट, 2010 के सदस्य हैं।

9.18 सूक्ष्म जीव विज्ञान

आचार्य एवं प्रमुख

जे. सी. सामन्तरे

आचार्य

एस. बरूर | आर. चौधरी | ए. कपिल एल. दार

अपर आचार्य

बी. आर. मिर्धा | बी. के. दास | बी. धवन

आई. जेस | एस. सूद

सह-आचार्य

एम. वाजपेयी | यू. बी. सिंह

शिक्षा

अल्पावधिक एवं दीर्घावधिक प्रशिक्षण

(विज्ञान निण्णात) विद्यार्थियों को विभिन्न संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों से अल्प अवधि, ग्रीष्मकालीन एवं दीर्घ अवधि प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। अल्प अवधि ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण भी आयुर्विज्ञान वाचस्पति विद्यार्थियों को प्रदान किया गया था।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन

विभाग ने वर्ष के दौरान चार राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया।

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में दिनांक 28 मार्च, 2011 को भारतीय सूक्ष्म जीव वैज्ञानिक चिकित्सा संस्था का तीसरा वार्षिक सम्मेलन।
2. भारतीय सूक्ष्म जीव विज्ञानी चिकित्सा संस्था, दिल्ली सभा के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में दिनांक 25 मार्च, 2011 को माइकोबैक्टेरिजम क्षयरोग के संबंध में सम्मेलन पूर्व अधिकृत कार्यशाला, आण्विक टाइपिंग एवं औषध प्रतिरोधी खोज।
3. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग में 9 फरवरी, 2011 को 11वीं हिसीकॉन, 2011 (हॉस्पीटल संक्रमण संस्था भारत के ग्यारहवें राष्ट्रीय सम्मेलन) के दौरान "स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े संक्रमणों की रोकथाम" पर कार्यशाला।
4. डॉ. ऊर्वशी बी सिंह ने 29 मार्च, 2011 को विश्व टी. बी. दिवस के अवसर पर "क्षयरोग के प्रति जागृति अभियान" विषय पर एक दिवसीय विचारगोष्ठी (सी एम ई) का आयोजन किया।

सी एम ई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 27

अनुसंधान

निधिकित परियोजनाएं

पूर्ण

1. थर्मोफिलिक कैम्पीलोबेक्टर एस पी पी (सी. जेजुनी, सी कोली, सी. उपसाइलेंसिस एवं सी लारी) और "पी सी आर, पी सी आर आर एफ एल पी एवं पी एफ जी ई" का प्रयोग करते हुए डायरिया मरीजों के फेकल सैम्पलों में और खाद्य नमूनों में कोम्पीलोबेक्टर जे सी का आण्विक उप टाइपिंग का पता लगाना और पहचान करना, आर. चौधरी, आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2007-2010 निधि : 17 लाख।

2. सलमोनेला टाइफी के फ्लेजलिन जीन की क्लोनिंग एवं प्रकटन : रोगनैदानिक सुगमता, आर. चौधरी, आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2007-2010, निधि; लगभग 24 लाख रुपए।

3. सलमोनेला टाइफी में स्प्रोफ्लोक्सासिन के प्रतिरोध का तंत्र, आरती कपिल, आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2008-2010, निधि : 12 लाख रुपए।

4. न्यूमोलाइसिन डी एन ए जो स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया के प्रति एक वैक्सीन कंडीडेट के रूप में निर्मित है - एक असंक्राम्य प्रतिक्रिया अध्ययन, बी के दास, डी एस टी द्वारा निधिकित, 2007-2010, निधि : 23.90 लाख रुपए।

5. नैदानिक क्षयरोग में आण्विक पूरी जानकारी। विश्व क्षयरोग दिवस विचारगोष्ठी; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली : 29 फरवरी, 2011 कैम्पीलोबैक्टर एस पी पी का पता लगाना और पहचान (सी जेजुनी, सी कोली, सी उपसैलिएनसिस एवं सी लारी) और डायरिया के रोगियों के फेकल नमूनों में तथा खाद्य नमूनों में पी सी आर, पी सी आर - आर एफ एल पी और पी एफ जी ई का प्रयोग करते हुए कैम्पीलोबैक्टर जेजुली का आण्विक उप टाइपिंग, आर चौधरी। आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2007-2010, निधि 17 लाख रुपए।

6. सलमोनेला टाइफी के फ्लेजलिन जीन की क्लोनिंग एवं प्रकटन : रोगनैदानिक सुगमता, आर. चौधरी, आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2007-2010, निधि; लगभग 24 लाख रुपए।

7. सलमोनेला टाइफी में स्प्रोफ्लोक्सासिन के प्रतिरोध का तंत्र, आरती कपिल, आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2008-2010, निधि : 12 लाख रुपए।

8. न्यूमोलाइसिन डी एन ए जो स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया के प्रति एक वैक्सीन कंडीडेट के रूप में निर्मित है - एक असंक्राम्य प्रतिक्रिया अध्ययन, बी के दास, डी एस टी द्वारा निधिकित, 2007-2010, निधि : 23.90 लाख रुपए।

जारी

1. भारत में मानव इंफ्लूइंजा का बहुस्थलीय मॉनीटरिंग फेस-1, शोभा बरूर और ललित दार, आई सी एम आर, डब्ल्यू एच ओ एवं डी एच एस एस द्वारा निधिकित, 2004- जारी; निधि : 467,64,390 रुपए।

2. सलमोनेला टाइफी और सलमोनेला पैस टाइफी ए की एक्टीमाइक्रोबीयल प्रतिरोधी मॉनीटरिंग पर बहु केंद्रीय अध्ययन - आन्त्र ज्वर के उपचार हेतु प्रतिजैविक नीति पर राष्ट्रीय दिशानिर्देशों को तैयार करने के प्रयास, आरती कपिल, आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2010-13, निधि, 30 लाख रुपए।

3. देखभाल केंद्र (पी ओ सी) इम्यूनोक्रोमैटोग्राफी प्रक्रिया (आई सी पी) का प्रयोग करते हुए टाइफाइड बुखार के रोग निदान के लिए जांच, आरती कपिल, डी आर डी ओ (भारत सरकार) द्वारा निधिकित, 2010-11, निधि : 2.5 लाख रुपए।

4. ग्रामीण भारतीय जनता में जन्मजात साइटोमेगालोवाइरस संक्रमण एवं कम सुनाई देना, ललित दार, आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2010-13 निधि,: लगभग 60 लाख रुपए।

5. तीक्ष्ण तनिका शोथ का आण्विक निदान, बी. के. दास, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा निधिकित, 2010-2011, निधि : 1 लाख रुपए।

6. निइमोसाइटिस कैरिनी निमोनिया के रोग निदान के साथ रोगियों से प्राप्त किए गए निइमोसाइटिस जिरोवेसी इन्सोलेट्स की आनुवंशिक भिन्नता और फिलोजेनेटिक विश्लेषण का अध्ययन, बी आर मिर्धा, सी एस आई आर द्वारा निधिकित 2008-2011, निधि : 17 लाख रुपए।

7. निइमोसाइटिस जिरोवेसी इंसोलेट्स में डिहाइड्रोप्टीरियोट सिंथेस (डी एच पी एस) जीन के आनुवंशिक पॉलीमोरफिज्म का अध्ययन और ट्रीटमेंट फेलीयर के साथ इसकी पारस्परिक क्रिया और निइमोसाइटिस कैरिनी निमोनिया के साथ

रोगियों में ट्रीटमेंट फेलीयर एवं नैदानिक परिणाम के साथ इसकी पारस्परिक क्रिया, बी आर मिर्धा, डी एस टी द्वारा निधिकित, 2009-2012, निधि : 24 लाख रुपए।

8. मानव इमूनोडिफीसिएंसी वाइरस (एच आई वी) संक्रमित और असंक्रमित व्यक्तियों में निइमोसिसटिस कैरिनी निमोनिया (पी सी पी) के नैदानिक व्यवस्था हेतु रीयल टाइम पी सी आर द्वारा श्वसन सैम्पलों में निइमोसिसटिस जिरोवेसी का पता लगाना एवं प्रमाणीकरण, बी आर मिर्धा, आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2009-2012, निधि : 15 लाख रुपए।

9. नेइजलेरिया फॉउलेरी संक्रमण के लिए इमुनोलॉजीकल आधारित रोग निदान के आण्विक संबंधी विशेष वर्णन एवं विकास, बी आर मिर्धा, डी आर डी ओ (भारत सरकार) द्वारा निधिकित, 2010-2013, निधि : 24 लाख रुपए।

10. क्लीनिकल सैम्पलों में नीसेरिया गनोरियाह के लिए डी एन ए बायोसेंसर का विकास, सीमा सूद, डी बी टी द्वारा निधिकित, 2007-2011, निधि : 67 लाख रुपए।

11. सूजाक के लिए प्वाइंट आफ केयर टेस्ट के रूप में लैम्प : सीमा सूद, डी बी टी द्वारा निधिकित, 2009-2011, निधि : 31 लाख रुपए।

12. भरत में नियसेरिया सूजाक निगरानी के लिए नेटवर्किंग की स्थापना, सीमा सूद, आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2010-2013, निधि 32 लाख रुपए।

13. सलमोनेला इन्टेरिका सिरोटाइप टाइफी में सिप्रोफ्लैक्सीन के प्रतिरोध के तंत्रों का निर्धारण। आरती कपिल, आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2008-2010 ।

14. एन ए सी पी-3 (राष्ट्रीय अभिदर्शन प्रयोगशाला) के तहत बाह्य गुणवत्ता आश्वासन योजना (ई क्यू ए एस), एम वाजपेयी एन ए सी ओ द्वारा निधिकित, 2009 से आगे, निधि : 6 लाख रुपए प्रति वर्ष।

15. एकीकृत काउंसिलिंग जांच केंद्र, एम वाजपेयी, डी एस ए सी एस द्वारा निधिकित, 2009 से आगे, निधि : 52,000 रुपए प्रति वर्ष।

16. सी डी 4/सी डी 3 जांच के लिए रिट्रोवाइरल रोधी थैरेपी (ए आर टी) कार्यक्रम, एम वाजपेयी, डी एस ए सी एस द्वारा निधिकित, निधि : 50,000 रुपए प्रति वर्ष।

17. नये अभिज्ञात T_H17 सेलों के कार्य : यह दूसरे T हेल्पर (T_H) सबसेटों से अंतः क्रिया करता है और बाद में एच आई वी संक्रमित भारतीय व्यक्तियों में रोग बढ़ाने में पारस्परिक क्रिया करता है। एम वाजपेयी, एम्स द्वारा निधिकित, 2010-2012, निधि : 1 लाख रुपए प्रति वर्ष।

18. टी सेल प्रतिरक्षित निःशेषण का विस्तृत अध्ययन; एच आई वी संक्रमित भारतीय व्यक्तियों में रोग प्रोग्रेसन पर इसके कारण एवं प्रतिघात, एम वाजपेयी, आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2011-2012, निधि : 40.64 लाख रुपए।

19. एच आई वी टीका प्रतिरोधक डिजाइन : भारतीय और दक्षिण अफ्रीकन एच आईवी-1 संक्रमित भारतीय व्यक्तियों में वायरल पुनअनुप्रयोग के कंट्रोल से संबद्ध टी सेल इपीटॉप्स की पहचान। एम वाजपेयी, डी एस टी द्वारा निधिकित, 2011-2014, निधि ; 58.35 लाख रुपए।

20. इम्यूनोलॉजीकल पैरामीटरों के निर्धारण के साथ श्रेणी-1 पुलमेगनरी तपेदिक में सहायक थैरेपी के रूप में ऑरल विटामिन डी का कार्य, ऊर्बशी बी सिंह, डी वी डी द्वारा निधिकित, 2008-2011, निधि : 50 लाख रुपए।

21. टेरटरी अस्पताल में काम्युनिटी संबद्ध मेथिसिलिन प्रतिरोधी स्टेफिलोकोकस ऑरियस स्ट्रेन्स डिसइमीनेटिंग की आण्विक ट्रैकिंग, धवन बी, आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2009-2012, निधि : 14.66 लाख रुपए।

22. अनुर्वरता से भारतीय महिलाओं में चलेमीडिया ट्रैकोमैटिक का पता लगाने के लिए रीयल टाइम पी सी आर एस्से का विकास एवं नैदानिक मूल्यांकन, धवन बी, आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2010-2013 निधि : 19.53 लाख रुपए।

सहयोगकारी परियोजनाएं

1. क्लोस्ट्रीडियम डिफिसाइल संक्रमण और भारतीय जनता में परवर्ती डाइरिया को रोकने एवं उपचार करने के लिए लैक्टोबैसीलियस हैम्नोसस जी जी का नियंत्रण। (ऊर्जा अनुसंधान संस्थान के साथ (टी ई आर आई)।

2. बॉयोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए नैनोसिल्वर नैनोहाइड्रोजेल्स का विकास। (कैमिकल इंजीनियरिंग विभाग, आई आई टी, दिल्ली)।

3. इम्युनोथैरेपी की प्रभावकारिता का बाह्य एनोजेनीटल वार्टस के नैदानिक समाधान में और वायरल लोड को कम करने में मॉइकोबैकटेरियम डब्ल्यू टीके के इंट्रालेशनल अंतःक्षेपण से तुलनात्मक अध्ययन : एक रैन्डोमाइज्ड ट्रायल। (त्वचा विज्ञान विभाग)।

4. मलेरिया के रोग निदान के लिए ऑटोमेटेड हाई थ्रोपुट फ्लो ससूटोमेट्री रोग नैदानिक नकनीकी का मूलयांकन। (मेडिसिन एवं प्रयोगशाला मेडिसिन विभाग)।

5. भारतीय रोगियों में समाज अधिग्रहित निमोनिया (सी ए पी) के नैदानिक एवं माइक्रोबॉयोलाजीकल प्रोफाइल का मल्टीसेंट्रिक अध्ययन। (मेडिसिन विभाग)।

6. एच आई वी संक्रमित बच्चों में, जिनमें अत्यधिक क्रियाशील रिट्रोनाइरल रोधी थैरेपी प्राप्त हो, जिंक अनुपूरण का इम्यूनोलॉजिक प्रभाव; रैंडोमाइज्ड डबल, ब्लाइंड, प्लेसबो नियंत्रित जांच। (बाल चिकित्सा विभाग)।

7. भारत के संशोधित राष्ट्रीय टी बी कंट्रोल प्रोग्राम (आर एन टी सी पी) के तहत सी ए टी-3 पलमोनेरी तपेदिक में उपचार परिणाम और औषधि प्रतिरोध। (मेडिसिन विभाग)।

8. भारतीय व्यवस्थापन में इन्फर्टाइल रोगियों में पुनउर्त्पादक परिणाम में पाजीटिव इन्डोमैटिरियल एस्पाइरेट्स डी एन ए पी, सी आर के लिए ए टी टी की भूमिका; यादृच्छिकृत जांच। (प्रसूति विज्ञान एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग)।

9. 6 माह के आर एन टी सी पी श्रेणी-1 उपचार के आरंभिक प्रतिक्रिया के बाद या तो 6 महीने तक बंद रखने या फिर 9 महीने तक जारी रखने के आनुवंशिक क्षयरोग रैन्डोमाइज्ड नियंत्रित जांच के ट्रीटमेंट पर अध्ययन। (प्रसूति विज्ञान एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग)।

10. बायोमार्कर डिस्कवरी के लिए विभिन्न तानिका शोथ संक्रमणों के रोगियों से सी एस एफ प्रोटीनों की व्यापक प्रोटिपोमिक्स प्रोफाइलिंग। (जे एन यू, दिल्ली)।

11. क्रॉहन रोग के मरीजों में माइकोबैक्ट्रीयल पैकोजिन्स का पता लगाना (गैस्ट्रोइन्ट्रोलोजी एवं मानव आहार विभाग)।

12. थैरेपी अवधि में कमी करने के साथ श्रेणी-2 एवं मल्टी ड्रग प्रतिरोधी पलमोनरी क्षयरोग में सहायक थैरेपी के रूप में इम्यूओमोडुलेटर (माइक्रोबैक्ट्रेयम डब्ल्यू) की क्षमता एवं सुरक्षा और इम्यूनॉलाजीकल पैरामीटरों का अध्ययन करना (मेडिसिन विभाग)।

13. एच आई वी संक्रमण वाले तथा एच आई वी संक्रमण रहित क्षयरोग के रोगियों में तिगुने साप्ताहिक आंतरायिक अल्प अवधि तपेदिकरोधी कीमोथैरेपी की क्षमता। (मेडिसिन विभाग)।

14. इम्यूनोमोडुलेटर एम डब्ल्यू का इम्यूनोलोजीकल पैरामीटरों के साथ श्रेणी-1 (नया थूक स्मीयर सकारात्मक) पुलमोनेरी क्षयरोग में सहायक थैरेपी के रूप में क्षमता एवं बचाव (डबल ब्लाइंड, रेन्डोमाइज्ड, प्लेसबो कंट्रोल्ड, मल्टीसेंटर क्लीनिकल जांच)। (मेडिसिन विभाग)।

15. ऑरल जिंक व्यवस्थापन का इम्यूनोलोजीकल पैरामीटरों के निर्धारण के साथ श्रेणी-1 पुलमोनरी तपेदिक में आसन्न थैरेपी के रूप मे क्षमता (डबल ब्लाइंड, रैन्डोमाइज्ड, प्लेसबो कंट्रोल्ड, मल्टीसेंटर क्लीनिकल जांच))।

16. छह महीने में टी बी प्ल्यूरल बहाव में तिगुना साप्ताहिक डॉटस रेजीमेन की क्षमता का मूल्यांकन (मल्टीसेंटर प्रोजेक्ट) (मेडिसिन विभाग)।

17. सीधे प्रेक्षित उपचार अल्प अवधि (डॉट्स) थैरेपी के लिए मॉइक्रोस्कोपी सेंटर। (मेडिसिन विभाग)।

18. गुरदा प्रतिस्थापन थैरेपी पर अंतिम अवस्था के गुरदा रोग मरीजों में लेटेंट टी बी संक्रमण का पता लगाने में क्वांटीफेरॉन गोल्ड जांच के नैदानिक मान का अध्ययन करना (मेघविज्ञान विभाग)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 49

पुस्तकों में अध्याय : 2

पुस्तकें : 1

रोगी उपचार

क. जीवाणु विज्ञान सेक्शन

क्लीनिकल सैम्पल

सैम्पल	सैम्पलों की संख्या
मवाद	19338
पेशाब	28800
रक्त	28912
सी एस एफ	8735
थूक/गला/वाहिका स्वाब्स	15140
स्टूल	766
कुल	**101691**

ख) एंटीमाइक्रोबीयल सससेप्टीब्लीटी जांच

पेशाब	9890
रक्त	11178
थ्रॉट स्वाब्स, थूक, बी ए एल	8820
मवाद, टिस्सू, कैथेटर, वाहिका सेक्रेशन, ई टी टिप्स, आदि,	12702
टिप्स, घाव सफाई, आदि सी एस एफ और स्ट्रेलिन फ्ल्यूड्स	176
स्टूल	2
कुल	**42268**

ख. अस्पताल संक्रमण नियंत्रण और जल परीक्षण प्रयोगशाला

जल परीक्षण	1126
सी एस एस डी	2048

विसंक्रमक द्रव/प्रचलित	1386
पर्यावरण वायु नमूने	4398
विसंक्रामक स्वाब/आर्टीकल	6936
कुल	**16,894**

सीरम विज्ञान प्रयोगशाला

विडाल	6628
वी डी आर एल	8343
ए एस एल ओ	33
टी पी एच ए	101
कुल	**15105**

लैंगिक रूप से सम्प्रेषित रोग (एस टी डी प्रयोगशाला)

क्लीनिकल सैम्पल

उच्च योनिक स्वाब (एच वी एस)	285
वीर्य	410
अभिव्यक्त प्रोस्टैटिक स्राव	69
मूत्रमार्गीय निकास	25
योनिक निकास	33
ग्रीवा निकास	6
कुल	**828**

एन्टीमाइक्रोबीयल अतिसंवेदनशीलता जांच

एच वी एस	66
वीर्य	40
ई पी एस	16
मूत्रमार्गीय निकास	06
योनिक निकास	01
कुल	**129**

बाह्य गुणवत्ता मूल्यांकन

डब्ल्यू एच ओ जी ए एस पी (गोनोकोक्कल एंटीमाइक्रोबीयल अतिसंवेदनशील कार्यक्रम) को बाह्य गुणवत्ता आश्वासन (ई क्यू ए) कार्यक्रम में भाग लिया।

एनएरोविक जीवाणु विज्ञान

एनएरोबिक जीवाणु समूह	830

क्लोस्ट्रीडियम डिफीसाइल के लिए स्टूल जीवाणु समूह	225
सी डिफीसाइल के लिए ई एल आई एस ए	238
टॉक्सिन ए और टॉक्सिन बी एनएरोबिक इसोलेट्स की एंटीबॉयोटिक अतिसंवेदनशील जांच	58
अन्य जीवाणु समूह	
प्रोपिओनीबैक्टेरियम एक्नीज	224
कैम्पलोबैक्टर जेजुनी	53
लेप्टोस्वीरा एस पी पी	27
ई एल आई एस ए	
लेप्टॉसपीरा IgM एंटीबॉडीज	125
लेजियोनेला न्यूमोफिला IgG एंटीबॉडीज	12
सनमोनेला टाइफी IgM एंटीबॅाडीज के लिए रिकॉबीनेंट ई एल आई एस ए	220
पॉलीमिराज चेन रिएक्शन सलमोनेला टाइफी	31
सी डिफीसाइल - टी सी डी ए, टी सी डी बी और टी सी डी सी	66
कुल	**2139**
माइकोप्लाज्मा	
ई एल आई एस ए	
माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया IgM एंटीबॉडीज	66
माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया IgG एंटीबॉडीज	20
माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया IgA एंटीबॉडीज	24
माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया जीवाणु समूह	27
माइकोप्लाज्मा होमीनिस जीवाणु समूह	264
यूरियाप्लाज्मा यूरिया लीटीकम जीवाणु समूह	264
एंटीबॉयेटिक अतिसंवेदनशीलता	
माइकोप्लाज्मा होमीनिस	16
यूरियाप्लाज्मा यूरिया लिटीकल	25
ई एल आई एस ए	
क्लेमीडिया न्यूमोनिया IgM एंटीबॉडीज	40
क्लेमीडिया न्यूमोनिया IgG एंटीबॉडीज	24
क्लेमीडिया न्यूमोनिया IgA एंटीबॉडीज	28
पॉलीमिराज चेन प्रतिक्रिया	

माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया	66
माइकोप्लाज्मा हामिनिस	26
यूरियाप्लाज्मा यूरियालाइटिकम	264
सी ट्रैकोमैटिस	264
कुल	**1656**
परजीवी विज्ञान प्रयोगशाला	
सीरम विज्ञानी जांच	
ई एल आई एस ए द्वारा एमोइविकरोधी	144
IgG रोग प्रतिरोधकों का एमोइबिक सीरम विज्ञान	
अप्रत्यक्ष हेइगैगलुटेशन जांच द्वारा हाइडेटिड रोड सीरम विज्ञान	139
ई एल आई एस ए द्वारा रोग प्रतिरोधकों के लिए टोक्सोप्लास्मोसिस सीरम विज्ञान	52
मलेरिया फ्लोरीसेंट स्टेनिंग के लिए जांच (एक्रीडाइन ओरेंज)	4516
जीइम्सा स्टेनिंग	4516
प्रमाणात्मक बफी कोट (क्यू बी सी) जांच	1380
एच आर पी-II एंटीजेन खोजी जांच	742
काला ज्वर के संबंध में जांच	
फ्लोरीसेंट स्टैनिंग (एक्रीडाइन औरेंज)	124
जीइम्सा स्टैनिंग	124
प्रमाणात्मक बफी कोट (क्यू बी सी) जांच	124
काला ज्वर सीरम विज्ञान (आर के 39)	630
अलडीहाइड जांच	630
इंटेस्टीनल पैरासिटोसिस के लिए फेकल नमूनों की जांच	
प्रत्यक्ष एवं संकेन्द्रण तकनीकी	2536
इन विट्रो जीवाणु समूह	30
आशोधित एसिड फास्ट और विशेष स्टेनिंग	2536
इंटेस्टीनल कोकीडियन के लिए टिस्सू नमूने (होमोजीनेट्स)	60
एस्पाइरेट्स की जांच	
थूक, मवाद एवं अन्य	70
फिलोरसिस के लिए जांच	
प्रत्यक्ष एवं संकेन्द्रण	152

एक्रीडाइन औरेंज	152
क्तिन एवं थिक समीपर	152
हेट्राजन प्रोवोकेटिव जांच	152
अन्य जांच	
न्यूरोसिसटिस जिरोवेसी संक्रमण (पी सी पी) के लिए जांच	214
फ्री लिविंग अमोइबे (एफ एल ए) के लिए सीरेब्रॉसपाइनल फ्ल्यूड जांच	62
कुल	**19237**
वीरोलॉजी प्रयोगशाला	
वीराल सीरम विज्ञान	
मीजल्स सी एफ टी (सीरम एवं सी एस एफ)	105
डेंगू IgM ई ए ल आई एस ए	4495
डेंगू एन एस I एंटीजेन ई एल आई एस ए	115
चिकुनगुनिया ई एल आई एस ए	1113
विराल जीवाणु समूह का पहचान (एच एस वी, डेंगू, चिकुनगुनिया आदि)	29
पॉलीमीराज चेन प्रतिक्रिया	
सी एम वी	105
एच एस वी	119
चिकुनगुनिया	13
डेंगू	18
रीयल टाइम पी सी आर	
इंफ्ल्यूइंजा (नोवेल एच 1 एन 1 सहित)	477
विविध (टी जैंक समीयर आदि)	18
कुल	**6607**
एच आई वी और इम्यूनोलॉजी प्रयोगशालाएं	
सी डी 4 जांच	4833
एच आई वी सीरम विज्ञान	2723
कुल	**7556**
माइकोलॉजी और आई सी पी प्रयोगशाला	
जीवाणु समूह	
बी ए एल	1570

पेशाब	1966
सी एस एफ	554
थूक	69
स्वाब	211
मवाद	342
विविध	967
टिस्सू/बॉयोप्सी	325
नाखून/बाल/त्वचा	130
बोन मैरो	162
रक्त	1887
फंगल सीरम विज्ञान	
क्राइप्टोकोकस सीरम विज्ञान	238
एसपरजीलस सीरम विज्ञान	86
हिस्टोप्लाज्मा सीरम विज्ञान	35
कुल	**8542**
क्षयरोग प्रयोगशाला	
एल जे मिडियम पर जेड एन समीयर और जीवाणु समूह के लिए संसाधित सैम्पल्स	9229
एम जी आई टी 960 पर रैपिड कल्चर हेतु टीकाकृत सैम्पल्स	3255
बी ए सी टी ई सी पर किए गए तपेदिक रोधी औषधि संवेदनशीलता	650
माइकोबैक्टेरियम क्षय रोग के लिए पी सी आर	2820
कुल	**15594**

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य जे. सी. सामन्तरे को बेहतर वैज्ञानिक प्रज्ञापन पुरस्कार से नवाजा गया था; पांडा ए. कुरापती एस, माईनीदू वी पी, वर्मा ए, सामन्तरे जे सी, बेहरा डी और सिंह यू बी। एम ए एल डी आई - टी ओ एफ एम एस, आई ए एम एस - दिल्ली चैप्टर, सीटी अस्पताल, नई दिल्ली का प्रयोग करते हुए क्लीनिकल माइकोबैक्टेरियल इसोलेट्स का नॉवेल एवं त्वरित पहचान, 28 अप्रैल, 2010; बेहतर वैज्ञानिक प्रज्ञापक पुरस्कार; मोहापात्रा एस; पांडा जे, डांगा एन, सामन्तरे जे सी, गांधी ए और जीर्कीस के पी, फ्लोसाइटोमेट्रिक विश्लेषण; मलेरिया के शीघ्र रोगनिदान के लिए नॉवेल एवं ऑटोमेटेड विधि, आई ए एम एस - दिल्ली चैप्टर, जी बी पंत अस्पताल, नई दिल्ली; दिसम्बर, 2010; बेहतर वैज्ञानिक पोस्टर पुरस्कार; मोहापात्रा एस, पांडा जे, डांग एन, सामन्तरे जे सी, गांधी ए, सेल्वी ए और सक्सेना। मलेरिया के स्वतः पता लगाने के लिए रोगनैदानिक टूल्स के रूप में दो फ्लोसाइटोमेट्रिक विश्लेषकों का तुलनात्मक मूल्यांकन। पैरासिटोलॉजी टी आर ओ पी ए सी ओ एन, कीट्स विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर की भारतीय अकादमी का तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन; 29-31 अक्तूबर, 2011 ।

आचार्य रमा चौधरी को लोइस डाइनेस पुरस्कार के लिए माइकोप्लास्मोलॉजी, सीएना, इटली (2010) के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन के 18वें कांग्रेस में "भारतीय बच्चों में कम रिस्पाइरेटरी ट्रैक्ट, संक्रमणों से माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया के पी। अधेसिन जीन

पर पॉलीमीराज चेन प्रतिक्रिया प्रतिबंध फ्रेममेंट लेंक पॉलीमार्फिज्म (पी सी आर – आर एफ एल सी) के लिए नामित किया गया था; हैरी मोर्टन पुरस्कार के लिए नामित किया गया था, जो माइकोप्लाज्मोलॉजी, सीएना, इटली (2010) के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन के 18वें कांग्रेस में "पी। प्रोटीन एक माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया मेजर सर्फेस एंटीजेन में इम्यूनोडोमीनेंट रिजनों की मैपिंग" के संबंध में है; "मॉइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया पी। जीन के इम्यूनोडोमीनेंट एंड साइटाधीरेंस सीजमेंट्स (एस) की मैपिंग" के लिए 26 मार्च, 2011 को दिल्ली चैप्टर में माइक्रो डी कॉन 2011 में फ्री पोस्टर कैटेगरी के तहत बेहतर पोस्टर पुरस्कार।

आचार्य आरती कपिल को सोसायटी फार हैल्पकेयर इपीडीमोलॉजी आफ अमेरीकन (एच एच ई ए) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय एम्बेसडर 2011 प्रदान किया गया था; क्लिनिकल प्रयोगशाला मानक संबंधी राष्ट्रीय प्रत्यापन बोर्ड (एन ए बी एल), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली की केंद्रीय तकनीकी समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था।

आचार्य ललित दार को अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आई ए ई ए) वीयना द्वारा मई, 2010 में उनके मुख्यालयों में आई ए ई ए प्रोजेक्ट से संबंधित बैठकों के लिए एक तनीकी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था; क्लिनिकल प्रयोगशाला मानक (एन ए बी एल), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली के लिए राष्ट्रीय प्रत्यापन बोर्ड की केंद्रीय तकनीकी समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था। अमेरीकन एसोसिएशन आफ कैंसर रीसर्च (ए ए सी आर), एवोन फाउंडेशन, यू एस ए, 2009 के प्रशिक्षण पुरस्कार में आधारभूत कैंसर अनुसंधान स्कॉलर में फ्रंटीयर; निर्देशित तथा अवॉर्डेड अनुसंधान कार्य के लिए एक वरिष्ठ लेखक थी; सदस्य : राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के एच आई वी तकनीकी संसाधन ग्रुप (प्रयोगशाला) : डी बी टी उत्तर पूर्व ट्वीनिंग अनुसंधान परियोजना समिति; होम्योपैथी पर अनुसंधान हेतु केंद्रीय परिषद (सी सी आर एच), आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार की परियोजना मूल्यांकन समिति; राष्ट्रीय ब्रेन अनुसंधान संस्थान की नीति विषयक समिति।

डॉ. बी. आर. मिर्धा का सचिव, इंडियन एसोशिएशन आफ मेडिकल सूक्ष्म जीवन विज्ञान, दिल्ली चैप्टर के रूप में चयन किया गया था, जो तीन वर्ष की अवधि (2011-2013) के लिए था; बेहतर वैज्ञानिक पोस्टर पुरस्कार; ताक वी, मिर्धा बी आर, यादव पी, मखारिया जी और भटनागर एस। संक्रमिक बच्चों में जियारडिया इंटेस्टीनलीस इसोलेट्स का एन्क्रोपोमिट्रिक मूल्यांकन एवं एसेम्बलीज अध्ययन। प्रकरण "पेडिएट्रिक संक्रमणीय रोगों" के तहत मेघना कृष्णा बवेजा पुरस्कार। आई ए एम एम – दिल्ली चैप्टर, सीटी अस्पताल, नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 2010 ।

डॉ. सीमा सूद ने बेहतर वैज्ञानिक पुरस्कार जीता; वर्मा आर, सूद एस, बाला एम, महाजन एन, कपिल ए, शर्मा वी के, पांडे आर एम, सामन्तरे जे सी, गोनोरियाह रोग निदान, एक निरंतर जारी चुनौती; "माइक्रोबीयल; क्रम विकास – अनुकूलन एवं चुनौतियों" पर तीसरा वार्षिक सम्मेलन – माइक्रो–डी– कॉन 2011, 26 मार्च, 2011, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. ऊर्वशी बी. सिंह ने 11.12.2010 में दिल्ली चैप्टर आई ए एम एम में "इम्यूनोकम्प्रोमाइज्ड रोगी, न्यूवर क्लिनिकल परिप्रेक्ष्य में बेहतर पोस्टर प्रस्तुतीकरण एक्स डी आर क्षय रोग (व्यापक रूप से औषध प्रतिरोधी) के लिए श्रीनिवास पुरस्कार प्राप्त किया; औषधि प्रतिरोध परिवर्तन के जिनोमिक विशिष्टीकरण शीर्षक के बेहतर ऑरल प्रस्तुतीकरण हेतु युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 26.3.2011 को माइक्रो डी कॉन सम्मेलन में दिल्ली से एक्स डी आर – टी बी इसोलेट्स है; सदस्य, महिला आनुवंशिक क्षयरोग संबंधी कार्यबल की परियोजना पुनरीक्षा समिति, आई सी एम आर, 2009 से; सदस्य "नये रोगनैदानिक कार्यकारी ग्रुप में टी बी को रोकनाष्, डब्ल्यू एच ओ; 2009 से।

अतिथि वैज्ञानिक

1. सुनील के आहुजा, एम डी, चिकित्सा अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए अध्यक्ष की परिषद डीलमान चेयर, मेडिसिन आचार्य, सूक्ष्मजीव विज्ञान इम्यूनोलाजी और बायोकैमिस्ट्री, निदेशक, एड्स एवं एच आई वी संक्रमण हेतु वेटेरन का प्रशासन केंद्र, सैन एन्टोनियो में विश्वविद्यालय, टेक्साज स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र विभाग का दौरा किया 10 जनवरी, 2011 को एच आई वी एड्स अतिसंवेदनशीलता के जेनिटिक एवं इपीजेनेटिक डिटरमिनेंट्स पर व्याख्यान दिया।

2. डॉ. वायने सुलेन्दर, आचार्य, पेडियट्रिक्स एवं संक्रमणीय रोग विभाग, विरोलॉजी में सहयोगात्मक परियोजनाओं के लिए 2010-11 में विभिन्न अवसरों पर बरमिंघम, यू एस ए में अलबामा विश्वविद्यालय।

3. डॉ. सुरेश बोपाना, आचार्य, पेडिएट्रिक्स एवं संक्रमणीय रोग विभाग, बरमिंघम, यूएसए में जनवरी, 2011 में अलबामा विश्वविद्यालय ने विरोलाजी में एक सहयोगात्मक परियोजना के लिए विभाग का दौरा किया और "कॉन्जेनीटल सी एम वी संक्रमण पर अद्यतन" शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया।

4. डॉ. एम एफ सरकेर, सहायक आचार्य, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, ऑरेगन स्टेट विश्वविद्यालय, यूएसए, क्लोस्ट्रीनियम स्पोर्ट का व्याख्यान, 5 जनवरी, 2011 ।

9.19 वृक्क विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

संजय के अग्रवाल

अपर आचार्य

संजय गुप्ता	दीपांकर एम भौमिक	संदीप महाजन

शिक्षा

दीर्घ कालिक प्रशिक्षण

विभाग पश्च एमडी (काय चिकित्सा) अभ्यर्थियों के लिए एक 3 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम डी एम नेफ्रोलॉजी का संचालन करता है। इस अवधि के दौरान डी एम पाठ्यक्रम में चार अभ्यर्थी प्रविष्ट किए गए। आंतरिक काय चिकित्सा में स्नातकोत्तर अभ्यर्थियों का एक से दो माह की अल्पावधि के लिए बारी बारी से तैनात किया जाता है। वर्तमान में विभाग में 11 डी एम छात्र हैं।

अल्प तथा दीर्घावधिक प्रशिक्षण

विभाग ने निम्नलिखित अल्पावधिक प्रशिक्षण प्रदान किए :

1. डीपीआर कोरिया से तीन विश्व स्वास्थ्य संगठन फैलो को विभाग में अवलोकनकर्ता के रूप में सम्मिलित किया गया तथा बोस्टन से स्च्यूट, यूएसए एक विश्व स्वास्थ्य संगठन फैलो को विभाग में 3 सप्ताह के फैलोशिप के लिए शामिल किया गया।
2. विभाग आर्मी अस्पताल (आर एवं आर) से डॉक्टरों को विभाग की अध्यापन अनुसूची में उपस्थित होने की अनुमति देता है।
3. एमसीएच मूत्र रोग विभाग के लिए नामांकित वरिष्ठ रेजीडेंटों को उनकी एमसीएच पाठ्यचर्या के भाग के रूप में नेफ्रोलॉजी की जानकारी हेतु बारी बारी से विभाग में भेजा जाता है।
4. नेफ्रोलॉजी जी एमएससी नर्सिंग विद्यार्थियों को विभाग में नेफ्रोलॉजी नर्सिंग में प्रशिक्षण दिया जाता है।
5. बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी प्रभाग से रेजीडेंट भी नेफ्रो-पैथोलॉजी सम्मेलन में नियमित आधार पर चर्चा के लिए आते हैं।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 21

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. एसएलई संबंधित रीनल रोग के वृतांत के साथ रोगियों में प्लेसिबो के साप्ताहिक इंट्रावेनस एडमिनिस्ट्रेशन का अबेटीमस के वीकी इंट्रावेनस एडमिनिस्ट्रेशन की तुलना में रैंडोमाइज्ड डबल ब्लाइंड प्लासिबो कंट्रोल्ड फॉर आर्म पैरालल ग्रुप मल्टीसेंट्रिक मल्टीनेशनल ट्रायल। प्रधान अन्वेषक : डॉ. एस. के. अग्रवाल। लाजोला फार्मास्युटिकल कंपनी कैलीफार्निया द्वारा निधिकृत (2006-12)। कुल निधियन : 10 लाख रु.
2. क्रोनिक रीनल विफलता की प्रगति के मंदन पर क्रेमेजिन की नैदानिक प्रभावोत्पादकता तथा सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, बहुकेन्द्रक, समानांतर, ओपन लेबल, सक्रिय नियंत्रित, चरण-।।। अध्ययन। प्रधान अन्वेषक : डॉ. एस के अग्रवाल, एल जी केमीकल इंडिया लि. द्वारा वित्त पोषित (2010-12)। कुल निधियन : 12 लाख रु.

पूर्ण

1. रीनल कार्य के विभिन्न अंश वाले भारतीय प्रौढ़ों में जी एफ आर के मापने हेतु - भविष्य सूचक सूत्र का वैधीकरण एवं विकास। प्रमुख अन्वेषक : डॉ. एस. के. अग्रवाल। आई सी एम आर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित (2006-2010)। कुल निधियन : 15 लाख रु.
2. मैंटीनेंस हिमोडायसलेसिस (जारी) पर रोगियों में एच सी वी संक्रमण की रोग नैदानिक स्क्रीनिंग हेतु एच सी वी कोर एंटीजिन (एच सी वी सी - ए जी) का अधिसूचना। प्रमुख अन्वेषक : डॉ. एस. के. अग्रवाल। आई सी एम आर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित (2007-2010)। कुल निधियन : 28 लाख रु.
3. सेकेंड्री हाइपर पैराकाइरॉयडिज्म के उपचार में सिनेकल्सेट की क्षमता एवं सुरक्षा बनाम कैल्सिट्रीयल के मूल्यांकन हेतु ओपन रेंडोमाइज्ड प्रोस्पेक्टिव फेज-।।। नैदानिक परीक्षण। प्रमुख अन्वेषक : डॉ. एस. के. अग्रवाल। मैक्लिपोड इंडिया द्वारा वित्त पोषित (2009-2010)। कुल निधियन : 0.2 लाख रु.
4. रीनल प्रतिस्थापन चिकित्सा में रीनल रोग के अंतिम चरण रोगियों में गुप्त टी बी संक्रमण के रोग निदान हेतु क्वांटी फेरॉन गोल्ड जांच के नैदानिक मूल्य का मूल्यांकन। प्रमुख अन्वेषक : डॉ. एस. के. अग्रवाल। आई सी एम आर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित (2007-2010)। कुल निधियन : 13 लाख रु.

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. रीनल प्रतिस्थापन चिकित्सा करवा रहे रोगियों में एच बी वी और एच सी वी संक्रमण का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल कोररिलेशन।
2. इम्पैक्ट ऑफ सी एस ए एण्ड टैक्रोलिमस ऑन आउटकम ऑफ लिविंग रिलेटिड रीनल ट्रांसप्लांटेशन।
3. रीनल प्रत्यारोपण ग्राही में प्रोटीन्यूरिया तथा हिस्टोपैथोलॉजिकल सह संबंध।
4. क्रॉनिक किडनी बीमार के रोगियों में वेस्कूलर कार्यों का मूल्यांकन।
5. ई एस आर डी तथा प्रत्यारोपण रोगियों में निद्रा विकार।
6. क्रोनिक पेरीटोनियल डायलिसिस रोगियों में ऑक्सीडेटिव तनाव तथा उस पर एन एसिटल सिस्टीन का प्रभाव।
7. मैंटीनेंस हिमोडायलेक्सिस पर रोगियों में तपेदिक प्रोफीलेक्सिस।
8. रीनल प्रतिस्थापन चिकित्सा करवा रहे रोगियों में एच बी वी और एच सी वी संक्रमण का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल कोररिलेशन।
9. प्रोलीफिरेटिव लुप्स नेफ्रीटिस के लिए इंडक्शन चिकित्सा के रूप में टैक्रोलिमस।
10. हिमोडायलेसिस पर चल रहे रोगियों में इंटरडायलिटिक एवं इंटरडायलिटिक पीड़ा को निर्धारित करने हेतु अध्ययन।
11. जीवित किडनी डोनरों में फिजियोलॉजीकल पैरामीटरों का अध्ययन - पूर्व एवं पश्च डोनेशन।
12. हिमोडायलेसिस और रीनल ट्रांसप्लांट रोगियों में निंद्रा की क्वालिटी।

पूर्ण

1. बायोप्सी सिद्ध रीनल रोगों में स्पेक्ट्रम तथा नैछानिक पैथोलॉजीकल सह संबंध का अध्ययन।
2. जीवित किडनी डोनरों में फिजियोलॉजीकल पैरामीटरों का अध्ययन - पूर्व एवं पश्च डोनेशन।
3. रीनल प्रत्यारोपण के पश्चात रोगियों में ऑक्सीडेटिव तनाव तथा उस पर एन एसिटल सिस्टीन का प्रभाव।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एम्स में इम्युनो कॉम्प्रोमाइज्ड रोगियों में साइटोमेगालोवायरस न्यूमोनिटीज़ का निदान (सूक्ष्म जीव विज्ञान)
2. नियोनेट्स एवं रीनल ट्रांसप्लांट प्रापकों से मानव साइटोमेगालोवायरस की खोज एवं जेनोटाइपिंग (माइक्रोबायोलॉजी)
3. संदिग्ध इंटरस्टीसियल न्यूमोनिया एवं अन्य क्रॉनिक फेफड़ा रोगों वाले इम्युनोकॉम्प्रोइज्ड के साथ - साथ इम्युनोकॉर्पेरिंट दोनों रोगियों से श्वसन सैम्पलों में न्यूमोसाइस्टिक जीरोवेसी की आण्विक खोज एवं लाक्षणिकता (माइक्रोबॉयोलॉजी)
4. ट्रांसफ्यूजन ट्रांसमिटिड वायरस (टी टी वी) के ओ आर एफ-2 जिनोमिक क्षेत्र भी क्लोनिंग सीक्वेंसिंग तथा अभिव्यक्ति एवं सीरोलॉजीकल परख का विकास करने के लिए इसका प्रयोग (प्रयोगशाला चिकित्सा)
5. रीनल तथा हेपाटिक कार्य पर पारस्परिक रूप से प्रयुक्त हवार्बे मेटेलिक प्रीपेरेशन का प्रभाग - प्रयोगात्मक तथा नैदानिक अध्ययन (फॉर्माकोलॉजी)

6 रीनल तथा लिवर रोगों में रक्त में एंटी - ऑक्सीडेंट का अनुमानन (प्रयोगशाला चिकित्सा के साथ)

7. रीनल प्रत्यारोपण ग्राहियों में एक्यूट रिजेक्शन में साइटोकिन प्रोफाइल (प्रत्यारोपण तथा इम्युनोजेनेटिक्स)
8. रीनल ट्रांसप्लांटेशन के पहले एवं बाद में वेस्कूलर फंक्शनों का मूल्यांकन (शरीर रचना विज्ञान)
9. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में ए के आई की व्यापकता (मेडिसिन विभाग)।

पूर्ण

1. डायबेटिक रेटिनोपैथी के रोगियों में सिस्टेमिक सह-रुग्णता का मूल्यांकन (नेत्र रोग विज्ञान)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 12

सार : 2

रोगी उपचार

क्र.सं.	क्षेत्र	उप-शीर्ष	2010-2011
1.	हिमोडायलेसिस से संबंधित	हिमोडायलेसिस के कुल नए रोगी	746
		हिमोडायलेसिस के आपातस्थिति रोगी	348
		कुल हिमोडायलेसिस	7005
		प्लाज्मोफेरीसिस	165
		फिमोरल बेइन कैथेराइजेशन	594
		जुगलर / सबक्लावीइन कैथेटर इंसर्टेशन	232
		ए वी शंट	3
		ए वी फिस्टुला	26
2.	आई सी यू से संबंधित	सी आर आर टी / एस एल ई डी	40
3.	पेरीटोनियल डायलेसिस	क्यूट पीडी	135
		सी ए पी डी	52

4.	इंडोर से संबंधित	किडनी बायोप्सी	403
		लिवर बायोप्सी	19
		इंडोर इडमिशन	1161
		नेफ्रोलॉजी कंसल्टेशन	3053
		अल्ट्रा साउड एब्डोमैन	402
5.	डे केयर उपचार	पल्स मिथाइल प्रीडनीसोलन चिकित्सा	58
		IV आयरन चिकित्सा	402
		IV साइक्लोफोसफैमाइड	40
6.	रीनल ट्रांसप्लांट	एल आर आर टी का मूल्यांकन	357
		कैडावर प्रापकों का मूल्यांकन	66
		किया गया जीवंत रेनल ट्रांसप्लांट	114
		किया गया कैडावर रेनल ट्रांसप्लांट	शून्य
7.	रेनल लैब से संबंधित	ब्लड सैम्पलिंग	24420
		बायोकैमिस्ट्री (यूरिया, सीआर, एनए, के)	40274
		यूरिन ऑस्टमोलेलिटी	431
		24 घण्टे यूनि जांच	4286
		रीनल ट्रांसप्लांट रोगियों के लिए हिमोग्राम	6022
		कार्बन डाइऑक्साइड	1601
		सीरम आयरन	1679
		टी आई बी सी	1496
		यू आई बी सी	1669
		टी सेचुरेशन	1581
		सीरम फेरीटिन	543
8.	ओपीडी संबंधी	रीनल क्लीनिक नए रोगी	6088
		रीनल क्लीनिक पुराने रोगी	24429
		आरटी काउंसिल क्लीनिक (3 दिन/ सप्ताह)	1277
		रीनल ट्रांसप्लांट नए मामले	112
		रीनल ट्रांसप्लांट पुराने मामले	6330

1. रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम में समुदाय सेवा कैम्प, वृंदावन
2. बंका, बिहार में स्वास्थ्य मेला

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. संजीव के अग्रवाल, को 3 वर्ष 2009-2012 के लिए वैज्ञानिक समिति, नार्दर्न चेप्टर, इंडियन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी को सदस्य नामित किया गया, वे एम्स की चिकित्सा मृत्यु समीक्षा समिति के आमंत्रित सदस्य थे, उन्हें भारत में नेफ्रोलॉजी से संबंधित विभिन्न मुद्दों के दिशानिर्देशों एवं मानदण्ड निरुपित करने के लिए राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के विशेषज्ञता परामर्शी बोर्ड का सदस्य नामित किया गया, उन्हें भारत में नेफ्रोलॉजी पाठ्यचर्या में जुड़े विभिन्न मुद्दों के दिशानिर्देश तथा मानदण्ड निरुपित करने के लिए नेफ्रोलॉजी विशेषज्ञता, मेडिकल काउंसिल उन्हें 2010-11 के लिए एम्स की डीन समिति का एम्स का सदस्य नामित किया गया, उन्हें छत्रपति शाहुजी महाराज विश्वविद्यालय, लखनऊ का एन एन गुप्ता - सी जी अग्रवाल ओरेशन प्रदान किया गया, भारत में राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम के संबंध में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के शिष्ट मंडल के सदस्य के रूप में उन्हों ने स्पेन ट्रांसप्लांटेशन के सम्पादकीय बोर्ड में आमंत्रित किया गया, उन्हें गोवा में प्रत्यारोपण समिति द्वारा आयोजित बैठक न्यू की ओपिनियन लीडर के विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया, उन्हें भारत सरकार के राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम के परामर्शी बोर्ड के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया, वे छठे विश्व अंग दान दिवस तथा अंग दान कॉन्ग्रेस, विज्ञान भवन, नई दिल्ली के आयोजक सचिव थे, 12-13 नवम्बर 2011। श्री आजाद, माननीय स्वास्थ्य मंत्री ने वैज्ञानिक कॉन्ग्रेस का उद्घाटन किया तथा दिल्ली के मुख्य मंत्री श्रीमती शीला दीक्षित ने इस अवसर पर सार्वजनिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

डॉ. संजय गुप्ता, को इंडियन सोसाइटी ऑफ आर्गन ट्रांसप्लांटेशन के अधिशासी निकाय का सदस्य तथा दिल्ली नेफ्रोलॉजी सोसाइटी के अधिशासी निकाय का सदस्य चुना गया।

डॉ. दीपांकर एम भौमिक, को दिल्ली नेफ्रोलॉजी सोसाइटी का संयुक्त सचिव तथा कोषाध्यक्ष चुना गया।

डॉ. संदीप महाजन, को जून 2010 में जापानी सोसाइटी ऑफ डायलिसिस थैरेपी, कोबे, जापान के 55वें वार्षिक सम्मेलन में जापानी सोसाइटी ऑफ डायलिसिसथैरेपी का अंतरराष्ट्रीय वक्ता एवॉर्ड प्रदान किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. **डॉ. जेरेमी चैपमैन**, पूर्व अध्यक्ष, द ट्रांसप्लांटेशन सोसाइटी, प्रोफेसर ऑफ नेफ्रोलॉजी, वेस्टमीड अस्पताल, ऑस्ट्रेलिया
2. **डॉ. टी के श्रीपद राव**, आचार्य, काय चिकित्सा, स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू यॉर्क, डाउनस्टेट मेडिकल सेंटर, यू एस ए
3. **डॉ. जी वेंकट रमन**, परामर्शदाता नेफ्रोलॉजिस्ट, क्वीन अलेक्जेंडर अस्पताल, पोर्टस्माउथ, यू के
4. **डॉ. राजीव सरन**, सह आचार्य, काय चिकित्सा, नेफ्रोलॉजी प्रभाग, सह निदेशक, यूनिवर्सिटी ऑफ मिचीगेन, किडनी इपीडेमियालॉजी एण्ड कोस्ट सेंटर

9.20 नाभिकीय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए. मल्होत्रा

आचार्य

जी. पी. बन्दोपाध्याय | सी. एस. बाल

अपर आचार्य

राकेश कुमार | चेतन डी. पटेल (सी. एन. सी.)

शिक्षा

विभाग के संकाय ने वर्ष के दौरान जारी चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम, कार्यशाला, संगोष्ठी और वार्षिक सम्मेलनों में भाग लिया और 30 व्याख्यान दिए।

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. बी सेल नॉन-हॉडकिन्स लिम्फोमा (एन एच एल) रोगियों के निदान के लिए 68 गेलियम लेबल्ड रिटक्सीमैब का विकास करना। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण, वियाना, ऑस्ट्रिया, 2010-2012

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. 99 एम टी सी - टी आर ओ डी ए टी -1 की लेबलिंग एवं गुणवत्ता नियंत्रण तथा रेस्टलेस लेग संलक्षण के निदान में 99 एम टी सी - टी आर ओ डी ए टी - 1 की भूमिका का निर्धारण।
2. न्यूरोइंडोक्रीन ट्यूमर्स की लक्षित रेडियोन्यूक्लाइड चिकित्सा के लिए एल्जीनेट नैनो-स्फेयर्स के सूत्रीकरण एवं विशेषता पर अध यन।
3. त्वचा कैंसर उपचार के लिए रेडियो लेबल्ड त्वचा पैचों के विकास संबंधी अध्ययन।

पूर्ण

1. संक्रमण इमेजिन हेतु रेडियोबल्ड बीटा - साइक्नोडोक्सिट्रिन की रेडियोलेबलिंग एवं दक्षता का मूल्यांकन करना।
2. सिनोवेक्टमी के लिए कोलोइडल 188 - रीनियम कोलोइड का लक्षण वर्णन।
3. बीटा - इमिटर्स द्वारा सेरेनकोब उत्पादन पर रेडियोएक्टिक सैम्पल की ज्यामिती तथा प्रमात्रा का प्रभाव।
4. फियो क्रोमो साइटोमा के निदान में 1311 - एम आई बी जी बनाम 15 एफ - डी ओ पी ए की भूमिका।
5. कार्सीनॉइड ट्यूमरों के अभिसूचन के लिए 68 जीए - डीओटीए - एन ओ सी तथा 18 एफ - डी ओ पी ए पी ई टी / सी टी के बीच तुलना

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 40

पुस्तकों में अध्याय : 6

रोगी उपचार

रेडियोनक्लाइड जांच		**संख्या**
1.	रेडियोएक्टिव आयोडीन अपटेक (आरएआईयू)	2536
2.	परक्लोरेट डिस्चार्ज टेस्ट	30
3.	आई 131 संपूर्ण बॉडी स्कैन	1120
4.	डायमकैप्टोएक्सिनिक एसिस स्कैन	1550
5.	सीए थाइरॉइड आई 131 पूर्ण बॉडी स्कैन	215
6.	थाइरोटोक्सीकोसिस	242
7.	डीटीपीए / एल एल ई सी टी 99 एम टी सी रीनल डायनैमिक स्कैन	5723
8.	सीधे रेडियोनक्लाइड सिस्टौरेकोरोग्राफी	230
9.	गैस्ट्रो इसोफागस रिफलक्स	523
10.	गोलूमलर फिल्टरेशन रेट	2022
11.	बोन स्कैन	2520
12.	99 एम टी सी एच आई डी ए (हिपाटोबिलेरी)	330
13.	थाइरॉइड स्कैन	826
14.	लीवर स्कैन	10
15.	मेक्कल्स स्टडी	18
16.	गेस्ट्रो इंटेस्टीनल ब्लीड	12
17.	लिम्फोसिंटीग्राफी	43
18.	एमआईबीजी (डायग्नोस्टिक एवं थेराप्यूटिक)	239
19.	153 स्मैरियम बोन पेन पैलिएशन	30
20.	पैरा थाइरॉइड स्कैन	81
21.	एस पी ई सी टी - सी टी / सीटी	1408
22.	सेंटीनल लिम्फनोड	22
23.	कार्डियक इंवेस्टीगेशन	2533
24.	ब्रेन स्पेक्ट	260
25.	पीईटी'सीटी संपूर्ण बॉडी (जीए सहित)	3895
26.	ब्रेन ग्लूकोफटोनेट (जीएचए)	48
27.	अंतरंग रोगी (नए रोगी) (कुल उपचार)	422

9.21 नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद

आचार्य एवं अध्यक्ष

एन. आर. जगन्नाथ

सह-आचार्य

रमा जयासुन्दर एस. सेंथिल कुमारन

शिक्षा

स्नातकोत्तर

विभाग के संकाय ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के एम. बायोटेक कार्यक्रम में भाग लिया तथा *"संरचनात्मक जैव विज्ञान एवं एनएमआर प्रौद्योगिकी"* और *"आण्विक चिकित्सा"* विषयक पाठ्यक्रम पर व्याख्यान दिए।

विभाग ने छः विद्यार्थी पीएच.डी कार्यक्रम में रत हैं, तंत्रिका रोग विज्ञान विभाग से चार विद्यार्थी एमआरआई तथा कार्यात्मक एमआरआई संबद्ध विषयों का परिशीलन कर रहे हैं तथा विभिन्न विभागों से छः एमडी विद्यार्थी एमआरएस/एफएमआरआई/एमआरआई विषयों में अपने शोधपत्रों का परिशीलन कर रहे हैं।

अल्प/एवं दीर्घकालीन प्रशिक्षण

सम्पूर्ण भारत से विभिन्न संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों से चिकित्सा एवं विज्ञान विधाओ से आठ व्यक्तियों तथा एम्स से बी.एस-सी रेडियोग्राफी तथा बी.एस-सी नर्सिंग के विद्यार्थियों ने एमआरआई में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 36

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. जैव चिकित्सा अनुसंधान हेतु 700 एमएचजैड एनएमआर स्पैक्ट्रोमीटर। एनआर जगतन्नाथन। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (2007-2012)। रु. 842.6 लाख।
2. स्तन कैंसर में अर्बुद चयापचय तथा उपचार प्रतिक्रिया के आकलन तथा गैर आक्रामक पहचान में चुम्बकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपिक छविकरण (एमआरएसआई) तथा विसरण-भारित एमआरआई (डीडब्ल्यू-एमआरआई)। एन.आर. जगतन्नाथन। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (2008-2012)। रु. 20.29 लाख।
3. चिकित्सीय पौधों का स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण। रमा जयासुन्दर। राष्ट्रीय चिकित्सीय पौधा बोर्ड, आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (2010-2013)। रु. 96.90 लाख।
4. एमआर का प्रयोग करते हुए शरीर संघटन का विश्लेषण तथा शरीर संघटन की किस्मों के साथ सहसंबंध। डॉ. रमा जयासुन्दर, एम्स (2010-2011)। रु. 1.0 लाख।
5. प्रकार्यात्मक चुम्बकीय अनुनाद छविकरण (एमआरआई) का प्रयोग करते हुए दृष्टिक रूप से कमजोर व्यक्तियों में अवबोधन, स्पेशियल अभिमुखीकरण, वाक् तथा भाषा प्रक्रिया के साथ संबद्ध तंत्रिका संज्ञानात्मक परिवर्तन। डॉ. एस. सेंथिल कुमारन संज्ञानात्मक विज्ञान प्रयास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) (2010-2013)। रु. 22.10 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. डिमाइलिनेशन के पशु नमूने का एमआरआई और एमआरएस अध्ययन।
2. एमआर का प्रयोग करते हुए शरीर संघटन विश्लेषण।
3. चिकित्सीय पौधों का एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण।

सहयोगात्मक परियोजनाएं

जारी

नैदानिक एमआरआई/एमआरएस स्कैनर संबंधी

1. मानव स्तन कार्सिनोमा का इन *विवो* एमआर स्पैक्ट्रोस्कोपी अध्ययन (शल्य चिकित्सा विभाग, रेडियो थैरेपी और विकृति विज्ञान)।
2. प्रोस्टेट कैंसर का *इन-विवो* एमआरआर/एमआर स्पैक्ट्रोस्कोपी अध्ययन (मूत्ररोग विज्ञान विभाग)।
3. एमआरआई, डीईएक्सए तथा बीआईए का प्रयोग करते हुए शरीर संघटन विश्लेषण तथा मधुमेह जोखिम कारकों के साथ सहसंबंध (अंतः स्राविकी तथा प्रयोगशाला चिकित्सा विभागों के साथ)।
4. मधुमेह के रोगियों में मस्तिष्क मेटाबोलाइट्स के एमआरआई/एमआरएस अध्ययन (काय चिकित्सा विभाग)।
5. विटामिन डी अनूपूरण के साथ सामान्य रोगियों में स्केलटल मांसपेशी का 31पी एमआरएस अध्ययन।
6. इन्ट्रेक्टेबल एपीलेप्सी के रोगियों में पूर्व-ऑपरेटिव मूल्यांकन के रूप में भाषा तथा स्मरणशक्ति के संज्ञानात्मक सक्रियण अध्ययन - एक नवीन गैर आक्रामक जांच विधि (तंत्रिका रोग विज्ञान विभाग)।
7. पार्किसोनियन विकारो के साथ संबंद्ध कार्यात्मक कमियो का न्यूरो चित्रण।
8. क्रोनिक इस्चेमिक आघात में ऑटोलोगस अस्थि मज्जा प्राप्त एमएनसी अंतर्वेशन के अंतःशिरा अंतर्वेशन की व्यवहार्यता तथा प्रभावोत्पादकता का अध्ययन : सुधार के जैव चिह्नांककों के साथ नैदानिक विकिरणकीय सहसंबधात्मक अध्ययन (तंत्रिका रोग विज्ञान विभाग)।
9. विकलांगता मूल्यांकन उपायो तथा कार्यात्मक इमेजिंग पर चिरकालिक अभिघात के रोगियों में बाधा उद्दीपित चलनशीलता उपचार तथा विद्युत उद्दीपन की तुलना (तंत्रिका रोग विज्ञान विभाग)।
10. आब्सेसिव कन्पल्सिव विकारों वाले रोगियों में मस्तिष्क चयापचय का मूल्यांकन करने के लिए एमआरआई/एमआरएस अध्ययन (मनचिकित्सा विभाग)। एक्सट्रीमिटीज के कैंसर के निदान में एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी की भूमिका (अस्थिरोग विज्ञान विभाग)।

पशु एमआरआई/एमआरएस स्कैनर संबंधी

11. *इन-विवो* एमआरआई तथा एमआरएस : बहुल सेलरोसिस के पशु मॉडलों में कंट्रास्ट वर्धन कार्यनीतियां तथा जैव रसायन मीडिएटरों के अध्ययन
12. तीव्र इस्चेमिक स्ट्रोक के चूहा मॉडल में संभावी तंत्रिका संरक्षनात्मक एजेंटों का मूल्यांकन (फार्माकोलॉजी विभाग)।
13. पशु मॉडल में त्वचा कैंसरों का एमआरआई अध्ययन (जैव रसायन के साथ)।
14. तीव्र आघात के पशु मॉडल में औषधों के तंत्रिका संरक्षणात्मक क्रियाकलाप का मूल्यांकन करने के लिए एमआर छविकरण (फार्माकोलॉजी विभाग)।

15. कंट्रास्ट एजेंटो के रूप में नैनो पार्टीकल्स के मूल्यांकन तथा लक्षित औषध परिदाय संबंधी एमआर छविकरण अध्ययन (आईआईटी दिल्ली)।

16. कंट्रास्ट एजेंटो के रूप में नैनो पार्टीकल्स के मूल्यांकन तथा लक्षित औषध परिदाय संबंधी एमआर छविकरण अध्ययन (जीवन विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर)।

हाई रेज़ोल्यूशन एनएमआर स्पेक्ट्रो मीटर संबंधी

17. स्तन ट्यूमर ऊतक एक्स्ट्रेक्टस की उच्च-रेजोल्यूशन 1 एचएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी।

18. स्तन कार्सीनोमा में ऑक्जिलरी लिम्फनोडों की उच्च रेज़ोल्यूशन 1 एचएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी (शल्यचिकित्सा विभाग)।

19. प्रोस्टेट अर्बुदो के ऊतक तत्वों का इन विटरो स्पेक्ट्रोस्कोपी अध्ययन (मूत्ररोग विज्ञान विभाग)।

20. ज्वलनशील बाऊल विकारो के इन विटरो प्रोटोन एनएमआर अध्ययन (गैस्ट्रोएंट्रियालॉजी विभाग)।

21. कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों के रक्त प्लाज्मा का इन विटरो प्रोटोन एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी अध्ययन (हृद रोग विज्ञान विभाग)।

22. इन विटरो 1 एच चुम्बकीय अनुनाद स्पेक्ट्रो-स्कोपी का प्रयोग करते हुए सीलियाक रोग के रोगियों के चयापचय लक्षणों का पता लगाना (गैस्ट्रोएंट्रालॉजी विभाग)।

23. एनएमआर, यूबी तथा एफटी-आईआर का प्रयोग करते हुए चिकित्सीय पौधों का स्पेक्ट्रोसकोपिक विश्लेषण (आक्यूलर फार्माकोलॉजी विभाग, रा. प्र. केंद्र)।

24. चिकित्सीय पौधों की एंटी-ऑक्सीडेट विशेषताओं का स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण तथा मूल्यांकन (आक्यूलर फार्माकोलॉजी विभाग, रा. प्र. केंद्र)।

25. सीलियाक रोग के रोगियो में आंत के म्यूकोसा की इन विटरो एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी (गेस्ट्रोएंट्रालॉजी तथा मानव पोषण विभाग)।

26. मानव स्तन कार्सिनोमा का *इन-विवो* एमआर स्पैक्ट्रोस्कोपी अध्ययन (सर्जरी विभाग)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 11

पत्रिकाओं में सार : 11

रोगी उपचार

विभाग में रोगी उपचार एवं अनुसंधान हेतु पूरे शरीर की एमआर जांच करने वाली 1.5 तेसला की दो मशीनें तथा 3.0 तेसला की एक मशीन हैं। विभाग में रोगी की एमआरआई जांच प्रतिदिन 12 घंटे होती है। अप्रैल 2010 से मार्च 2011 की अवधि के दौरान जांच किए गए रोगियों की संख्या का विवरण इस प्रकार से है :

क्लिनिकल डाइग्नोस्टिक एमआरआई जांच	:	5556 रोगी
अनुसंधान	:	322 रोगी तथा व्यक्ति

विभाग में पूर्ण शरीर की नैदानिक एमआरआई/एमआरएस के लिए तीन स्कैनर हैं नामतः :-

1. 1.5 तेसला मेग्नेटम सोनारा (मै. सीमन्स)।
2. 1.5 तेसला मेग्नेटम अवांटो (मैं. सीमन्स)।
3. 3.0 तेसला टीXएचीवा (मैं. फिलिप्स)।

अन्य प्रयोगात्मक सुविधाएं

विभाग में एक 4.7 तेसला पशु एमआर प्रणाली तथा एक 16.4 तेसला उच्च रेजोल्यूशन एनएमआर स्पेक्ट्रोमीटर हैं। विभिन्न परियोजनााओं से विभिन्न एमआर छविकरण, डिफ्यूज़न एमआरआई तथा एमआर स्पेक्ट्रो-स्कोपी का नेमी संचालन चूहों पर किया जाता है। 9.4 टी (ब्रुकर, डीआरएक्स 400) तथा 16.4 टी (वेरियन, 700 एमएचज़ेड) एनएमआर स्पेक्ट्रोमीटरों का प्रयोग करते हुए, सीरम/प्लाज़्मा/सीएसएफ/बायोप्सी टिश्यु जैसे लगभग 350 नमूनों का अध्ययन किया गया।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

विभाग ने निम्नलिखित कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/सम्मेलनों का आयोजन किया।

1. 7वीं एशियाई जैव भौतिकी एसोसिएशन (एबीए) संगोष्ठी तथा इंडियन बायोफिजीकल सोसायटी (आईबीएस) की वार्षिक बैठक; 30 जनवरी-2 फरवरी 2011.
2. 'अमेजिंग रिबोसोम्स' पर एक सार्वजनिक व्याख्यान, एम्स, नई दिल्ली, 31 जनवरी 2011, नोबल पुरस्कार विजेता प्रो. अदा योनाथ (जवाहरलाल ऑडिटोरियम में)।
3. 'बायोफिजिक्स इन मेडिसन : एडवांस ट्रेनिंग इन इमेजिंग ऑफ एक्सपेरीमेंटल मॉडल्स' पर एसईआरसी स्कूल, 3-9 फरवरी 2011. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में लगभग 100 प्रतिभागियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला के पश्चात संपूर्ण भारत से 15 प्रतिभागियों के लिए एमआर तकनीकों पर सैद्धांतिक प्रयोगात्मक तथा व्यावहारिक उन्मुखीकरण अनुसंधान प्रशिक्षण शामिल था।

प्रो. एन आर जगन्नाथन को फरवरी 2011 में मई 2013 तक की अवधि के लिए एशियार्ड जैव भौतिकी संघ (एबीए) का अध्यक्ष चुना गया; उन्हें मई 2010 में इंटरनेशनल सोसायटी फॉर मैग्नेटिक रेसोनेंस इन मेडिसन (आईएसएमआरएम) स्टॉकहोम स्वीडन का फेलो चुना गया; वे "मेग्मा" (मैग्नेटिक रेसोनेंस मैटीरियल्स इन फिजिक्स, बायोलॉजी एंड मेडिसन) (स्प्रिंडर) के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य है; वे मेग्नेटिक रेसोनेंस इनसाइट्स (लिबर्टास अकादमिका, यूएसए) के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य हैं; वे न्यूरोसाइंस इमेजिंग के उप सम्पादक हैं; वे एनएमआर बायोमेडिसन (जॉन विली एंड सन्स) के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य हैं; वे मैग्नेटिक रेसोनेंस इमेजिंग (एल्सेविचर) के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य हैं; वे स्पेक्ट्रोस्कोपी-बायोमेडिकल एप्लीकेशन्स (आईओसी प्रेस, नीदरलैंडस) के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य हैं; वे बायोफिजीकल रिव्यूज (स्प्रिंगर) के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य हैं; वे इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एण्ड एप्लायड बायोफिजिक्स (आईपीयूएबी) की कार्यकारिणी परिषद के निर्वाचित सदस्य (2008-2011) हैं; वे चैप्टर्स समिति, इंटरनेशनल सोसायटी फॉर मैग्नेटिक रेसोनेंस इन मेडिसन (आईएसएमआरएम) के सदस्य हैं; वे एशियार्ड जैव भौतिकी संघ (एबीए) की संचालन समिति के सदस्य हैं; रेसोनेंस इन बायोलॉजिकल सिस्टम्स (आईसीएमआरबीएस), यूएसए के परिषद् सदस्य हैं; वे इंटरनेशनल सोसायटी फॉर मैग्नेटिक रेसोनेंस इन मेडिकल (आईएसएमआरएम) स्टॉकहोम, स्वीडन की 17वीं वार्षिक बैठक, 2010 में "कैंसर एमआरएस" संबंधी सप्ताहांत कार्यक्रम के सह-आयोजक थे; वे कार्यक्रम परामर्शी समिति (पीएसी), जैव रसायन, जैव भौतिकी और आण्विक जीवविज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार के सदस्य है; वे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी की सोफिस्टीकेटिड इंस्ट्रुमेंटस फेसिलिटीज (एसएआईएफ) की संचालन समिति के सदस्य है; वे विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की एफआईएसटी समिति के सदस्य हैं; विशेषज्ञ पैनल, जैव चिकित्सा उपकरण एवं जैव इंजीनियरी, जीवन विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (एलएमआरबी), डीआरडीओ के वे समन्वयक हैं; वे इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्यूर एण्ड एप्लायड बायोफिजिक्स (आईयूपीएबी) के लिए आईएनएसए समिति के सदस्य हैं, वे कार्यक्रम परामर्शी समिति (पीएसी) नेशनल फैसिलिटी फॉर हाई फील्ड एनएमआर, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंट रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई के सदस्य है; वे प्रबंधन परामर्शी समिति (एमएसी), क्षेत्रीय परिष्कृत उपकरण सुविधा (आरएसआईसी), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी), चेन्नई के सदस्य हैं।

डॉ. रमा जयासुन्दर वे 2010 से आज तक इंटरनेशनल जरनल ऑफ आयुर्वेद एण्ड इंटेग्रेटिव मेडिसन के सम्पादकीय बोर्ड की निर्वाचित सदस्य हैं।

डॉ. एस सेंथिल कुमारन को इंटरनेशनल सोसायटी फॉर मैगनेटिक रेसोनेंस इन मेडिसन (आईएसएमआरएम) स्टॉकहोम, स्वीडन की 18वीं वार्षिक बैठक, 2010 के लिए ई. के. जावोयस्की वजीफा प्रदान किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

अनेक लब्धप्रतिष्ठ एनएमआर/एमआरआई वैज्ञानिकों ने भारत का दौरा किया तथा व्याख्यान दिए जिनमें से उल्लेखनीय निम्नानुसार हैं :

1. प्रो. अदा योनाथ, इजरायल, नोबल पुरस्कार विजेता
2. प्रो. पी कोजोन, मार्सेले, फ्रांस
3. प्रो. आर जे गिलीज, मोफिट कैंसर केंद्र, टाम्पा, एफआई यूएसए
4. प्रो किट एस लैम, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलीफोर्निया डेविस, यूएसए
5. प्रो. के नागयामा, ओकाजाकी इंस्टीट्यूट इंटेग्रेटिव बायोसाइंस, एनआईएनएस, ओकाजाकी, जापान
6. प्रो. मार्कस रुडीन, यूनिवर्सिटी ऑफ जूरिच एण्ड ईटीएच, जूरिच, स्विट्जरलैंड
7. प्रो. एम ए थामस, यूसीएलए, लॉस एंजेल्स, यूएसए
8. प्रो. पीटर बार्कर, जॉन्स होपकिन्स यूनिवर्सिटी, बाल्टीमोर, एमडी, यूएसए
9. डॉ. डोरिस जॉन्स होपकिन्स यूनिवर्सिटी, बाल्टीमोर, एमडी, यूएसए
10. प्रो. जॉन आर ग्रिफिथस, केंब्रीज विश्वविद्यालय, कैम्ब्रिज, यूके
11. प्रो. बेंजामिन पेंग, हांगकांग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, हांगकांग

9.22 स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुनीता मित्तल

आचार्य

अलका कृपलानी	सुनेश कुमार	दीपिका डेका
नीरजा भाटला		के. के. रॉय

अपर आचार्य

नीना मल्होत्रा	वत्सला डढ़वाल	नूतन अग्रवाल

सह-आचार्य

जे. बी. शर्मा	नीता सिंह

सहायक आचार्य

प्रदीप गर्ग (तदर्थ)

शिक्षा

दिल्ली पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन फोरम (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग) वर्ष 2001 से स्नातकोत्तर प्रशिक्षण हेतु मासिक बैठकें आयोजित कर रहा है। ये बैठकें नैदानिक एवं शल्यक चिकित्सा कौशल, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान के प्रति समस्या अभिमुखी दृष्टिकोण, प्रोटोकॉल एवं दिशा-निर्देशों केस प्रस्तुतीकरण तथा विचार-विमर्श में स्नातकोत्तरों को पूरक प्रशिक्षण देने के लिए आयोजित की जाती हैं। दिल्ली की विभिन्न शैक्षिक तथा अध्यापन संस्थानों से आमंत्रित संकाय तथा अंतरराष्ट्रीय संकाय स्नातकोत्तरों के प्रशिक्षण में सहयोग देते हैं।

अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन प्रशिक्षण

विभाग "स्त्री रोग विज्ञान इंडोस्कोपी सर्जरी," "उच्च जोखिम सगर्भता," "स्त्री रोग विज्ञानी अर्बुद विज्ञान" तथा "प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान अल्ट्रासोनोग्राफी" एवं "बांझपन" जैसे विभिन्न उपविशिष्टता विषयों में अल्प तथा दीर्घकालीन प्रशिक्षण प्रदान करता है वर्ष 2010-11 के दौरान विभिन्न उप-विशिष्टता विषयों में एक दीर्घकालीन प्रशिक्षु तथा 8 अल्पकालीन शिक्षाणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

विभाग द्वारा प्रत्येक छह माह में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान में एक राष्ट्रीय क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा का आयोजन किया जाता है। यह एक अद्वितीय नवाचारी मॉडयूलर शिक्षण कार्यक्रम है जिसमें एमडी पाठ्यक्रम को 6 मॉडयूलों के द्वारा 3 वर्षों में कवर किया जाता है। श्रृंखला 3, मॉडयूल 3 का आयोजन 28-29 अगस्त 2010 को तथा श्रृंखला 3, मॉडयूल 4 का आयोजन 27-28 नवंबर 2011 को एम्स, नई दिल्ली में किया गया सीएमई मॉड्यूलों में : 200 से अधिक छात्रों तथा वरिष्ठ स्त्री रोग विज्ञानियों ने भाग लिया था और इन्हें दिल्ली मेडिकल काउंसिल द्वारा मान्यता प्राप्त है।

1. एम्स में 8 मई 2010 को यू एस ए से डॉ. नीना अग्रवाल ने 'रोबोटिक्स इन गायनाकॉलाजी" पर 'ब्रिगे डियर खन्ना ओरेशन" दिया
2. एम्स में 8 मई 2010 को सचर एवं नॉटस पर पद्धतियां संबंधी स्नातकोत्तर मंच

3. 28-29 अगस्त 2010 को एम्स में प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान (श्रृंखला 3, मॉड्यूल 3) में राष्ट्रीय क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

4. 27-28 नवंबर 2010 को एम्स में प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान (श्रृंखला 3, मॉड्यूल 4) में राष्ट्रीय क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

5. एम्स नई दिल्ली में जे पी आई ई जी ओ तथा स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के साथ 29 जनवरी 2011 को इंजीनियएट पोस्पपार्टम आई यू सी डी अंतर्वेशन संबंधी अभिमुखीकरण कार्यशाला।

6. एम्स में 17 तथा 18 मई 2010 को एम्स, विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा आईसीएमआर द्वारा आयोजित यौन एवं प्रजननात्मक स्वास्थ्य अनुसंधान में नैतिकता के मुद्दों संबंधी बैठक

7. 29-30 दिसंबर 2010 को अखिल भारत आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 'एवीडेंस ऑफ एक्शन फॉर रेडयूसिंग मैटर्नल एण्ड न्यूबोर्न मार्टिलिटी एण्ड मार्बिडिटी'' पर संगोष्ठी का संचालन किया गया।

8. एम्स, नई दिल्ली में 5-6 फरवरी 2011 को आईवीएफ तथा पीजीडी संबंध अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी तथा कार्यशाला का आयोजन किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 120

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. माता-पिता से बच्चे में एचआईवी के संचरित होने की रोकथाम। डॉ. सुनीता मित्तल दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा वित्तपोषित कुल निधियन : 50,000 रुपए

2. गर्भवती माताओं में दैनिक बनाम साप्ताहिक समय अनुसूची में मौखिक लौह अनुपूरण के दौरान ऑक्सीडेटिव तनाव का अनुमानन। डॉ. सुनीता मित्तल। आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित। कुल निधियन : एचआरआरसी निधियां

3. सबडरमल सिंगल रॉड गर्भनिरोधक प्रतिरोपण - इम्पलेनन के साथ फेज 3 बहुकेंद्रीय नैदानिक परीक्षण। डॉ. सुनीत मित्तल आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित दो वर्ष कुल निधियन : एचआरआरसी निधियां

4. बैक्टीरियल वेजीनोसिस के मामले में मैंट्रोनिडाजोल, टिनिडाजोल, सेक्नीडाजोल तथा ओरनीडाजोल की मुखीय एकल खुराक का तुलनात्मक अध्ययन। डॉ. अल्का कृपलानी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित (2008-11) कुल निधियन : 2 लाख रुपए

5. सर्वीकल कैंसर की रोकथाम में एचपीवी टीके की 2 बनाम 3 खुराकों की प्रभावात्मकता तथा सुरक्षा :- एक भारतीय बहुकेंद्र यादृच्छिकृत परीक्षण डॉ. नीरजा भाटला डब्ल्यूएचओ-आईएआरसी द्वारा वित्त पोषित (2009-2014) कुल निधियन : 65,000 अमेरिकी डॉलर

6. प्रदाहक पैप स्मियर से ग्रस्त महिलाओं में प्लेसेंट्रेक्स टीएम की प्रभावात्मकता तथा प्रदाहक रोधी क्रिया का मूल्यांकन डॉ. नीरजा भाटला अलबर्ट डेविड लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित (2010-2011) कुल निधियन : 2.5 लाख रुपए

7. युवा महिलाओं (16 से 26 वर्ष की आयु वाली) के साथ तुलना करते हुए पूर्व तरूणियो तथा तरूणियों (9 से 15 वर्ष की आयु वाली) में वी 503 (एक मल्टीवेलेंट ह्यूमन पैपिलो मेविरस (एचपीवी) एल 1 वायरस समतुल्य पार्टीकल (वीएलपी) टीके) की इम्युनोजेनिसिटी टालरेबिलिटी तथा विनिर्माणकारी सातत्यू प्रदर्शित करने के लिए एक फेज़ 3 नैदानिक परीक्षण। डॉ. नीरजा भाटला एमएसडी फॉर्मास्यूटीकलस द्वारा वित्तपोषित (2010-11) कुल निधियन : 8.8 लाख रुपए

8. स्वत : तथा चिकित्सक संग्रहण प्रविधि द्वारा सम्मिश्र अभिग्रहण परीक्षण तथा दृष्टिक स्क्रीनिंग द्वारा सर्विकल नियोप्लासिया का शीघ्र अभिसूचना-ग्रामीण क्षेत्र में एक समुदाय आधारित अध्ययन। डॉ. नीरजा बाटला। क्वियाजेन इण्डिया द्वारा वित्तपोषित (2010-2011), कुल निधियन : 4.5 लाख रुपए

9. कोरोनिस-सिजेरियन सेक्शन शल्यक तकनीकों का अंतरराष्ट्रीय अध्ययन - एक यादृच्छिक फैक्टोरियल परीक्षण। डॉ. जेबी शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड यूके द्वारा वित्तपोषित मार्च 2007 - मार्च 2011 कुल निधियन : 72 लाख रुपए

10. जननांग टयूबरकुलोसिस में डॉट्स उपचार की प्रभावोत्पादकता। डॉ. जेबी शर्मा केंद्रीय यक्षमा प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित (मार्च 2009 से मार्च 2011), कुल निधियन : 40 लाख रुपए

11. जननांग टयूबरकुलोसिस में डॉटस उपचार की प्रभावोत्पादकता। डॉ. नीता सिंह केंद्रीय यक्षमा प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित मार्च 2009 से मार्च 2011 निधियन : 40 लाख रुपए

जारी

1. गर्भावस्था के दौरान आयरन की कमी वाले आरक्तता के उपचार में आयोन सुरोस (ओआरओएफईआर-एस) इंजैक्शन की क्षमता तथा सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक ओपन लेबल, सिंगल आर्म, गैर-तुलनात्मक अध्ययन। डॉ. अलका कृपलानी एमक्योर फार्मास्यूटीकलस लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित 2008-2010, कुल निधियन : 1 लाख रुपए

2. उन्नत कैंसर सर्विक्स के उपचार में करक्यूमिन का मूल्यांकन। डॉ. सुनेश कुमार जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित (2006 - 2010) कुल निधियन : 51 लाख रुपए

3. इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) चक्रों में पेरिफॉलिक्यूलर वेस्क्यूलेरिटी तथा फॉलिक्यूलर फ्लूड वेस्क्यूलर इंडोथेलियल वृद्धि कारक (वीईजीएफ) कंसेंट्रेशन। डॉ. नीना मलहोत्रा एम्स अनुसंधान अनुदान द्वारा वित्त पोषित (2008-2010) कुल निधियन : 2 लाख रुपए

विभागीय परियोजना

जारी

1. एंडोमीट्रियल कार्सीनोमा में जेंटीनल लिम्फ नोड बायोप्सी।

2. ओवेरियन एंडो मीट्रियोमा में लैपरास्कोपिक सिस्टेक्टॉमी की दो भिन्न तकनीकों का अनुसरण करते हुए ओवेरियन रिज़र्व का एक यादृच्छीकृत तुलनात्मक अध्ययन।

3. विकसित सगर्भता में लौह कमी वाली रक्ताल्पता से ग्रस्त रोगियों में इरिथ्रोप्रोटीन स्तरों तथा सीरम ट्रांस्फरिन अभिग्राही स्तरों का अन्य रुधिर विज्ञानी सूचकांकों के साथ सहसंबंध।

4. रजोनवृत्तिपश्च लक्षणों के उपचार में गाबापेंटीन।

5. बांझपन के साथ परिपक्वतापूर्व ओवेरियन विफलता के मामलों में डिहाइड्रोपियांड्रोस्ट्रोन (डीएचईए) की प्रभावात्मकता का मूल्यांकन करना।

6. प्रदाहक सर्वीकल स्मियर साफ करने में मानव प्लेसेंटल एक्स्ट्रेन्ट तथा लाइसोपेन की प्रभावात्मकता का मूल्यांकन

7. शुक्राणु डीएनए क्षति की भूमिका तथा सहाय्यित प्रजननात्मक तकनीकों के परिणामों पर ऑक्सीडेटिव दबाव।

8. सामान्य रिस्पांडर्स में दो भिन्न प्रोटोकोल वाले मिनीमल अभिप्रेरण आईवीएफ का यादृच्छिकृत/छी नियंत्रित अध्ययन।

9. प्रथम तीन माह में गर्भपात के लिए मिफप्रिस्टोन के साथ दिए गए मीसोप्रोस्टोल बनाम 36-48 घंटे के पश्चात् दिए गए मिफप्रिस्टोन की यादृच्छिकृत तुलना।

10. प्रसवपूर्व नैदानिक परीक्षण करा रही महिलाओं में सगर्भता परिणामों तथा भ्रूण जटिलताओं का विश्लेषण।

11. दुष्क्रियात्मक गर्भाशय रक्तस्राव के उपचार में संयोजित हार्मोनल वेजिनल रिंग की भूमिका का अध्ययन करना।

12. सम्पूर्ण लैप्रोस्कोपिक हिस्टरक्टॉमी बनाम लैप्रोस्कोपिक सुपरासर्विकल हिस्टरेक्टॉमी का तुलनात्मक मूल्यांकन।

13. ओवरी की समयपूर्व वृद्धावस्था में ओव्यूलेशन अंतर्वेशन के लिए गोनाडोट्राफिन्स के संयोजन के रूप में डिहाइड्रोइपियांड्रोस्टोन (डीएचईए) का मूल्यांकन।

14. प्रगत एपीथीलियल ओवेरियन कैंसर के लिए प्रत्येक 3 सप्ताह में कार्बोप्लेटिन के साथ साप्ताहिक पैसलीटैक्सल : एक प्रायोगिक अध्ययन।

15. बांझपन संग्रस्त रोगियों में पारम्परिक मिनीलैप्रोस्कोपी बनाम आधुनिक मिनी लैप्रोस्कोपी का यादृच्छिकृत तुलनात्मक अध्ययन।

16. सिज़ेरियन सैक्शन के दौरान तथा उसके पश्चात् रक्त हानि को कम करने में ट्रानेक्सामिक एसिड की प्रभावात्मकता का मूल्यांकन।

17. वैजीनल सीक्रीशनों में भ्रूण फाइब्रोनेक्टिन के निर्धारण द्वारा समयपूर्व डिलीवरी का पूर्वानुमान।

18. एक विकासशील देश अस्पताल संस्थापना में पारम्परिक प्रोटोकॉल बनाम आईवीएफ मिनीमल अभिप्रेरण प्रोटोकोल की लागत प्रभावात्मकता का अध्ययन एवं तुलना करना।

19. रजोनिवृत्ति पूर्व महिलाओं में सिम्पटोमेटिक लियोम्योमा के उपचार हेतु एनास्ट्रोजोल की भूमिका।

20. दुष्क्रियात्मक गर्भाशय रक्तस्राव से पीड़ित रोगियों में थर्मल बैलून अब्लेशन एवं लीवोनोगेस्ट्रल इंट्रायूट्रिन सिस्टम की तुलना करते हुए नैदानिक परीक्षण।

21. गर्भावस्था के 11-14 सप्ताह के भ्रूण का नासिका हड्डी की लम्बाई का नोमोग्राम।

22. अंतिम प्रोटोकोल तथा प्रशिक्षण संहिता-भारतीय परिवेश में होमोग्लोबिन अनुमानन के लिए होमोग्लोबिन कलर स्केल (एचसीएस) का प्रयोग करने की उपयोगिता तथा प्रचालनात्मक व्यवहार्यता संबंधी प्रयोगशाला परीक्षण के लिए संहिता।

23. प्रदाहक सर्वीकल स्मियर साफ करने में मानव प्लेसेंटल एक्स्ट्रेक्ट तथा लाइसोपेन की प्रभावत्मकता का मूल्यांकन।

24. प्रतिकूल गर्भावस्था परिणाम वाली महिलाओं में वंशानुगत थ्रोम्बोफीलिया की जांच।

25. केबीटी, फ्लो साइटोमिट्री द्वारा आरएच-वीई नॉन इम्यूनाइज्ड सगर्भता में प्रसूतियों के पश्चात फीटोमेटरनल हेमरेज (एफएमएच) की पहचान तथा मात्रांकन।

26. लैप्रोस्कोपिक की सहायता वाली वेजिनल हिस्ट्रैक्टॉमी में बापोलर कॉशरी वाले हार्मोनिक स्कैलपल की तुलना।

27. गर्भाशयग्रीवा कैंसर जांच हेतु उपकरणों के रूप में वीआईए, साइटो डायग्नोसिस, एचपीवी जांच तथा कोल्पोस्कॉपी का एक तुलनात्मक अध्ययन।

28. सर्विकल इंटरासपिथेलियल नियोप्लाजिया के उपचार में सिंगल बनाम डबल फ्रीज क्रायोथेरेपी के तुलनात्मक मूल्यांकन तथा सर्विकल नियोप्लजिया की शीघ्र पहचान हेतु साइटोलॉजी, दृष्टिक निरीक्षण, एसिटिक एसिड एवं लुगोल्स आयोडीन के साथ जांच।

29. सामान्य गर्भावस्थाओं वाले इंट्रा-यूट्रिन ग्रोथ रीस्ट्रिक्शन में एंटीनेटल साफ्ट टिश्शू थीकनैस का प्रयोग करके विभिन्न भ्रूण वाहिकाओं तथा भ्रूण वजन आकलन में डॉपलर मूल्यांकन।

30. सिजेरियन सेक्शन के दौरान गर्भाशय अतानता की रोकथाम : सबलिंगुअल मिजोप्रोस्टोल बनाम साइन्टोसिनोन की यादृच्छिक तुलना।

31. 24-28 सप्ताह के गर्भ की नैमिक प्रसवपूर्व जांच अल्ट्रासोनोग्राफी का महत्व।

32. लैप्रोस्कोपिक स्त्री रोग विज्ञानी शल्य चिकित्सा के पश्चात ऑपरेशन पश्चात् पीड़ा को कम करने में इंट्रापेरिटोनियल ब्यूपीवेकिन का प्रभाव।

33. प्रारंभिक स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाओं में इंडोमेटिरियल परिवर्तन तथा अंडाशय प्रकार्य।

34. अधिक उच्च जोखिम ग्रस्त महिलाओं में समय पूर्व प्रसव की रोकथाम में माइक्रोनाईज्ड प्रोजेस्ट्रोन का प्रोफाइलेक्टिक उपचार।

35. प्रजनन परिणाम के साथ इंडोमैट्रियोसिस की अवस्था तथा इमेजिंग का सह-संबंध निर्धारित करना।

36. बांझ महिलाओं में जननांग टयूबरकुलोसिस के निदान में मैसेंजर आरएनए पीसीआर की भूमिका।

37. अस्पष्ट बांझपन हेतु उद्दीप्त अंत : गर्भाशय इनसेमिनेशन करवा रही महिलाओं में पल्स डॉपलर द्वारा पहचान किए गए गर्भाशय तथा रेडियल आर्टरी फ्लो चेंजिस की तुलना।

38. चिकित्सीय गर्भपात हेतु मुखीय माइफप्रीस्टोन के पश्चात् वेजिनल मिजोप्रोस्टोल की तीन विभिन्न टाइम रेजीमन की तुलना करना।

39. क्लोमीफिन सिट्रेट रेजीस्टेंट पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों में लैप्रोस्कोपिक ओवेरियन ड्रिलिंग के पश्चात् ओवेरियन रिजर्व तथा पेरिओवेरियन एडहेसन्स के लिए ट्रांसवेजिनल अल्ट्रासाउंड।

40. बांझ जोड़ों में एकल बनाम दोहरे इंट्रायूट्रिन इनसेमिनेशन की प्रभावकता की तुलना।

41. डिंबग्रंथि दुर्दमताओं की स्टेजिंग में पीईटी की भूमिका।

42. सामान्य सगर्भताओं में आईयूजीआर से पीड़ित गर्भवती महिलाओं में बीपीपी के साथ डॉपलर की तुलना करना।

43. स्तन कार्सिनोमा के रोगियों में डिम्बग्रंथि प्रकार्य एवं इंडोमेटरियल परिवर्तन।

44. संदर्भ के मानक के रूप में ऑटोप्सी अथवा पोस्टपार्टम इमेजिंग का प्रयोग करते हुए प्रसवपूर्व निदान में एमआरआई तथा अल्ट्रासाउंड के बीच तुलनात्मक अध्ययन।

45. कार्सिनोमा इंडोमैट्रियम के ऑपेरशनपूर्व मूल्यांकन में पीईटी स्कैन का अनुप्रयोग।

46. पीसीओएस के रोगियों में नैदानिक तथा जैव - रासायनिक पैरामीटरों पर ड ्रोसपेरीनोन बनाम डिसोजेस्ट्रल के साथ संयोजित एथिनल इंस्ट्राडियोल वाले मुखीय गर्भनिरोधक का प्रभाव।

47. बृहत गर्भाशयी हेतु नॉन डिसेंट वेजिनल हिस्ट्रैस्टॉमी के साथ लैप्रोस्कोपिक अस्सिटिड वेजिनल डिस्ट्रैक्टॉमी के मध्य तुलना - एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।

48. पेल्विक ऑर्गन प्रोलेप्स के मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका और पीओपीक्यू वर्गीकरण के साथ इसका संबंध।

49. दुष्क्रियात्मक गर्भाशय रक्तस्राव से पीड़ित रोगियों में थर्मल बैलून अब्लेशन एवं लीवोनोगेस्ट्रल इंट्रायूटिन सिस्टम की तुलना।

50. रीसस सगर्भताओं में डायरेक्ट फीटल इंट्रावेस्क्यूलर इम्यूनोग्लोबुलिन थेरेपी की भूमिका।

51. आइवीएफ चक्रों में डिम्बग्रंथि अनुक्रिया के मार्कर के रूप में एंटी-म्यूलेरियन हार्मोन का मूल्यांकन ।

52. प्रारंभिक गर्भावस्था में सोनोग्राफिक प्लेसेंटल जांच : सिंगलटोन गर्भावस्था में भ्रूण तथा मातृत्व परिणाम के साथ सह-संबंध।

53. महिला जननांग टयूबरकुलोसिस की नैदानिक इमेजिंग, इंडोस्कोपिक एवं प्रयोगशाला मूल्यांकन।

54. व्यापक गर्भाशयग्रीवा कैंसर की रोकथाम हेतु मॉडल के रूप में स्क्रीन - एंड वैक्सीनेट नीति का मूल्यांकन।

55. इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन उपचार के दौरान गर्भावस्था के पूर्वानुमान में इंडोमैट्रियल एवं सब इंडोमैट्रियल रक्त प्रवाह का मूल्यांकन करना।

56. प्रसव पूर्व नैदानिक परीक्षण करवा रही महिलाओं में सगर्भता परिणाम तथा भ्रूण जटिलता का विश्लेषण।

57. फीटोस्कोपी द्वारा भ्रूण एवं प्लेसेंटा की प्रत्यक्ष दृष्यता

58. स्पोनटेनियम तथा इंडिकेटिड प्रीटर्म प्रसव में कार्टीकोस्ट्रायड की प्रत्यक्ष फीटल इंट्रामस्कुलर खुराक

59. आर एच आइसोइम्यूनाइज्ड सगर्भता में प्रत्यक्ष फीटल अंतः शिरा इम्यूनो ग्लोबुलिन

60. फैमिलियल एपीथीलियल ओवेरियन कैंसर तथा गैर फैमिलियल एपीथीलियल ओवेरियन कैंसर के उपचार परिणाम की तुलना

पूर्ण

1. आईवीएफ चक्रो के परिणाम के पूर्वानुमानन में एंडोमीट्रिकल रक्त प्रवाह की भूमिका

2. आईवीएफ करवा रही महिलाओं में ओवेरियन अनुक्रिया के लिए दिवस 2 ए एम एच का पूर्वानुमानिक महत्व

3. पूर्व अंत : गर्भाशय आधानों के पश्चात् आरएच इम्यूनाईजेशन में भ्रूण अरक्तता का पूर्वानुमान करने में मिडल सेरिब्रल ऑर्टरी पीक सिस्टोलिक वेलोसिटी की भूमि

4. अस्पष्ट पुनरावर्ती गर्भपातों में हाइपरहोमोसिस्टेनेमिया तथा विटाामिन बी6, बी12 एवं फोलिक एसिड की चिकित्सीय अनुक्रिया

5. गर्भाशय के सुदम्य रोगों के उपचार हेतु पूर्ण लैप्रोस्कोपिक हिस्ट्रैक्टॉमी, लैप्रोस्कोपिकली अस्सिटिड वेजिनल हिस्ट्रैक्टॉमी एवं नॉन-डिसेंट वेजिनल हिस्ट्रैक्टॉमी का अग्रदर्शी यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।

6. सुपरओव्यूलेशन एवं आईयूआई चक्रों में गोनेडोट्रोफिन के साथ संयोजित लैट्रोजोल बनाम क्लोसफिल सिट्रेड का प्रयोग।

7. ओवेरियन मैलिग्नेंसी की चरण व्यवस्था एवं उपचार में एफडीजी - पीईटी/सीटी की भूमिका का मूल्यांकन

8. प्रजनन परिणाम के साथ इंडोमैटि ्योसिस की अवस्था तथा इमेजिंग का सह-संबंध निर्धारित करना।

9. एंडोमीट्रियल कार्सीनोमा के मामलों के पूर्व ऑपरेटिव आकलन में पोसीट्रॉन एमीशन टोमोग्रॉफी स्कैन (पीईटी स्कैन) का मूल्यांकन।

10. जननांग सक्षमता संग्रस्त बांझ महिला में ओवेरियन रिज़र्व का आकलन।

11. जैव शारीरिक प्रोफाईल के साथ भ्रूण डॉप्लर विलोसीमीट्री का संबंध तथा सामान्य सगर्भता एवं इंट्रायूटरीन विकास प्रतिबंध वाली सगर्भता में भ्रूण परिणाम।

12. वरटोप्सी का व्यवहार्यता : खुली बायोप्सी का विकल्प के रूप में यूएसजी छविकरण तथा परकुटेनियम अंग बायोप्सी का प्रयोग करते हुए मिनीमली इन्वेज़िव जीवपरीक्षण ऑटोसी।

13. गर्भवती महिलाओं में साइटोमेगालोवायरस (सीएमवी) संक्रमण की सीरमव्यापकता तथा भ्रूण सीएमवी संक्रमण का प्रसवपूर्व निदान।

14. ससससस

15. एचपीवी कैंडिडेट टीका/टीकों का विकास : टीके की जांच हेतु नैदानिक परीक्षण स्थल/कोहाटकी तैयारी।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. प्रीएक्लेम्पसिया के रोगजनन में वीईजीएफआर - 1 की भूमिका (शरीर रचना विज्ञान)

2. शहरी भारत में गेस्टेशनल डायाबिटीज़ मेलिटियस से ग्रस्त महिलाओं में टाइप 2 मधुमेह की रोकथाम। एक व्यवहार्यता अध ययन (एंडीक्रिनॉलॉजी तथा चयापचय)

3. क्रॉस सेक्शनल स्टडी ऑफ कॉर्ड ब्लड इम्यून मार्कर्स इन टर्म एप्रोप्रीएट फॉर गेस्टेशनल एज एण्ड स्मॉल फॉर गेस्टेशन एज नियोनेट्स (बाल रोग विज्ञान)

4. मानव पैपीलोमावायरस वैक्सीन प्रोटोटाइप का विकास - भारत में एचपीवी किस्मों की व्यापकता का आणविक जानपदिक रोग विज्ञान तथा एचपीवी - 16 एल 1 एवं ई 6 वैविध्यों की पहचान (जैव रसायन विभाग)

5. प्री-एक्लेम्पसिया में प्लेसेंटल मेम्ब्रेनों का एपोपटोसिस : एक प्रतिरक्षा ऊतक रसायन अध्ययन, (शरीर रचना विभाग के साथ)

6. आवर्ती स्वत : गर्भपात में शुक्राणु कारको की भूमिका। (शरीर रचना विभाग)

7. पीईएआरएल अध्ययन (रजोनिवृत्ति पश्चात् मूल्यांकन तथा लेजोफोक्सिफिन के साथ जोखिम ह्रास)। (अंतः स्राविकी विभाग)

8. जनरेशन्स परीक्षण। ओस्टियोपोरोसिस अथवा निम्न अस्थि सघनता से पीड़ित रजोनिवृत्ति पश्चात् महिलाओं में वर्टिब्रल फ्रैक्चर आपतन एवं इनवेसिव स्तन कैंसर आपतन पर एरिजोक्सिफिन के प्रभाव, (अंतः स्राविकी विभाग)

9. एक्स्ट्रा-पुलमोनरी टयूबरकुलोसिस रोगियों से अलग किए गए माइक्रोबैक्टीरियम प्रजाति की सीक्वेंस आधारित पहचान, (प्रयोगशाला चिकित्सा)

10. मानव भ्रूण यकृत रक्तोत्पादक मूल कोशिका रेखा की स्थापना तथा लक्षण वर्णन (चिकित्सा अबुर्दविज्ञान)

11. एंटी बीटा 2 ग्लाइकोप्रोटीन 1 एंटी बॉडी द्वारा निर्धारित एंटीफोस्फोलाइपिड सिंड्रोम के सबसेट का अध्ययन करना, (प्रयोगशाला चिकित्सा)

12. सुदम्य स्तन रोग में सेंटक्रोमन की भूमिका, (शल्य चिकित्सा विज्ञान)

13. श्रम में एपिडयूल एनलजेसिया, (संवेदनाहरण विज्ञान विभाग)

14. प्रतिरोपण पूर्व भ्रूण में क्रोमोसोम एनियूप्लोइडी एवं मोसाईसिज्म, (प्रजनन जैव विज्ञान विभाग)

15. मानव इनफिरियर कॉलीक्यूलस का प्रसवपूर्व विकास एवं परिपक्वन, (शरीर रचना विभाग)

16. बहु - बैसीलरी लैप्रोसी से पीड़ित महिला रोगियों में डिंबग्रंथि प्रकार्य का मूल्यांकन, (त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान विभाग)

17. अनजांनवश हुई सगर्भताओं पर रोगी नियंत्रण अध्ययनों में जैव सांख्यिकीय पक्ष, (जैव सांख्यिकी विभाग)

18. प्राइमेट्स में ब्लास्टोसिस्ट प्रतिरोपण हेतु इंडोमैट्रियल रिसेप्टिविटी के आणविक आधार का एक अध्ययन, (शरीरक्रिया विज्ञान विभाग)

19. माता पिता से बच्चे में एचआईवी संचरण की रोकथाम, (बाल चिकित्सा एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग)

20. नवजात शिशु के आरएच हेमोलिटिक रोग से ग्रस्त $\geq$ 32 सप्ताह के शिशुओं में पीलिया के संबंध में फेनोबारबिटल की प्रभावोत्पादकता : एक यादृच्छिकृत, डबल ब्लाइंडिड प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण, (बाल चिकित्सा विभाग)

21. मुधमेह मेलिटस तथा वल्वो वेजिनल कैंडिडायासि : प्रवृत्तता तथा इसका संगत उपचार, (अंतः स्राविकी विभाग)

22. लाक्षणिक महिलाओं में बैक्टीरियल वेजिनोसिस एवं अन्य प्रजनन पथ संक्रमण (तृतीयक केंद्र में अध्ययन), सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, एम्स

23. कौलेजन मैट्रिक्स इन विट्रो पर विकसित मानव, मिड-सिक्रेटरी स्टेज इंडोमेटरियल कोशिकाओं में एचएसपी 27 अभिव्यक्ति पर प्रोजेस्ट्रोन का प्रभाव। (शरीरक्रिया विज्ञान विभाग)

24. गर्भवती महिलाओं के नैमिक उपचार के दौरान पहली तथा तीसरी तिमाही में विटामिन डी की कमी की व्यापकता का अध्ययन करना, अंत : स्राविकी विभाग, एम्स।

25. गर्भावस्था में सगर्भता मधुमेह मेलिटस के विकास के साथ पहली तिमाही ग्लूकोज स्क्रीनिंग एवं सीरम इंसुलिन स्तर के मध य सह-संबंध, अंतः स्राविकी विभाग, एम्स।

26. ससस

27. सर्विक्स एवं सर्वाइकल कार्सिनोमास की कैंसर पूर्व विक्षतियों में पी161 एन के 4ए एवं ई-एडहीरन एक्सप्रेशन प्रोफाइल, विकृति विज्ञान विभाग, एम्स।

28. ऐन्यूप्लोइडस की त्वरित प्रसव पूर्व पहचान हेतु नीतियों का वैधीकरण आनुवंशिकी विभाग, एम्स।

29. सामान्य एकल जीन विकारों के नॉन-इनवेसिव प्रसवपूर्व निदान हेतु संभावित उपकरण के रूप में मातृत्व प्लाज्मा में भ्रूण डीएनए की नैदानिक संभावना का मूल्यांकन आनुवंशिकी विभाग, एम्स।

30. बीटा थैलासीमिया एवं भ्रूण आरएचडी स्थिति का नॉन इनवेसिव प्रसवपूर्व निदान बाल चिकित्सा विभाग, एम्स।

31. मानव भ्रूण यकृत हेमेटोपोएटिक मूल कोशिका रेखा की स्थापना तथा लक्षण वर्णन चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग, सं.रो.कैं. अ. एम्स।

32. बहु माइलोमा में रोग सक्रियता के बायोमार्कर के रूप में इंडोथेलियल प्रोजेनिटल कोशिकाएं अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स।

33. गर्भावस्था की दूसरी तिमाही के दौरान भ्रूण रक्त नमूनों में बी-थैलासीमिया के प्रसवपूर्व निदान हेतु एचपीएलसी द्वारा एचबीएएन आकलन का प्रयोग। रुधिर विज्ञान विभाग, एम्स

34. ट्रोफोब्लास्ट इनवेसिन के आणविक आधार का रेखांकना (राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान)।

35. पारकिन्सन रोग के 6-ओएचडीए लीजन्ड रैट मॉडल में मानव रेटिनल पिगमेंट ऐपिथेलियल (आरपीई) कोशिकाओं का प्रत्यक्षरोपण, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स।

36. सर्विकल कार्सिनोजेनेसिस की प्रगति में वन-कार्बन चयापचय की भूमिका में अंतर्दृष्टि, जैव रसायन विभाग।

37. फीमेल रैट सेरीबलम पर एस्ट्रोजेन - एस्ट्रोजेन किस्म के संयोजको के प्रभाव : एक उत्तक रसायन विज्ञानी तथा आणविक अध्ययन, शरीर रचना विज्ञान विभाग।

38. आवर्ती स्वतः गर्भपात के रोगजनकों में जी आल्ट्रेशन्स का वर्णन (रूधिर विज्ञान विभाग)

39. शुक्राणु कारक (डीएनए क्षति, एमटी म्यूटेशन्स, ऑक्सीडेटिव तनाव) - आवर्ती स्वतः गर्भपात में भूमिका (शरीर रचना विभाग)

40. सामान्य एकल जीन विकारो का गैर आक्रामक प्रसव पूर्व निदान (बाल रोग विभाग)

41. भारतीय संदर्भ में डाऊन संलक्षण का प्रसव पूर्व पता लगाने के लिए कांटीजेंट स्क्रीनिंग के साथ एकीकृत स्क्रीनिंग की तुलना करना (आनुवंशिकी एकक)

पूर्ण

1. ट्रांस्क्रिप्ट प्रोफाइलिंग पर आधारित एंडोमीट्रियोसिस का वर्णन (शरीरक्रिया विज्ञान)

प्रकाशन

जनरल : 56

पुस्तकों में अध्यय : 19

रोगी उपचार

अस्पताल उपचार : रोज लगने वाली नियमित स्त्री रोग विज्ञान ओपीडी के अतिरिक्त विभाग में उपलब्ध सुविधाओं में विशेष क्लिनिकल तथा विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं सम्मिलित हैं। विभाग द्वारा निम्नलिखित विशेष क्लिनिकल चलाए जाते हैं।

क्लिनिक	उपचार करवाने	आए रोगियों की संख्या
1. सामान्य ओपीडी	6/सप्ताह	नए रोगी-30,644; पुराने रोगी-50,214
2. उच्च जोखिम सगर्भता क्लिनिक	3/सप्ताह	नए रोगी-2241; पुराने रोगी-12457
3. स्त्री रोग विज्ञानी अंतः स्राविकी क्लिनिक	3/सप्ताह	नए रोगी-48; पुराने रोगी-77
4. स्त्री रोग विज्ञानी कैंसर क्लिनिक	2/सप्ताह	नए रोगी-311; पुराने रोगी-677
5. प्रसवोत्तर क्लिनिक	3/सप्ताह	नए रोगी-48; पुराने रोगी-07
6. चिकित्सीय गर्भपात क्लिनिक	6/सप्ताह	नए रोगी-955 पुराने रोगी-400
7. परिवार कल्याण क्लिनिक	6/सप्ताह	नए रोगी-8145 पुराने रोगी-3245

निष्पादित ऑपरेशन

स्त्री रोग विज्ञानी :

बड़े :

सुदम्य रोगों हेतु शल्य चिकित्सा	-	1500
अर्बुदविज्ञान शल्य चिकित्सा	-	230
बांझपन	-	730
अंतः स्राविकी शल्य चिकित्सा : लैप्रोस्कोपी	-	2000
हिस्टिरोस्कॉपी	-	160
प्लास्टिक सर्जरी	-	100

छोटे :

डी एवं सी/ईए	-	2880
कोल्पोस्कॉपी/क्रायो/एलईईपी	-	120
नैदानिक हिस्टिरोस्कॉपी	-	1440
एमटीपी	-	813
पेप स्मीयर	-	1500
सर्विकल बायोप्सी	-	380

प्रसूति :

बड़े :

एलएससीएस	-	837

छोटे :

ऑपरेशन से हुई योनि प्रसूतियां : फोरसेप्स	-	160
योनि प्रसूतियां : सामान्य	-	1035

भ्रूण चिकित्सा :

कोर्डोसेन्टेसिस	-	168
कोरियोनिक वाइलस सेम्पलिंग	-	240
एमनियोसेन्टेसिस	-	210
इन यूट्रो इन्फ्यूजन	-	180
उच्च जोखिम प्रसूतियां		
-प्रसूति अल्ट्रासाउंड	-	3000
एनएसटी	-	1100
-बीपीपी	-	1200
स्त्री रोग विज्ञानी अल्ट्रासाउंड	-	2000
ओवेरियन सिस्ट चूषण	-	80

प्रयोगशाला जांचें :

मूत्र सगर्भता परीक्षण	-	1100
हीमोग्लोबिन	-	1600
रक्त समूह	-	1200
मूत्र एल्बूमिन/शूगर	-	3000

आईवीएफ सुविधा :

1.	आईवीएफ	145
	आईसीएसआई	8
	एंटागोनिस्ट	32
	एगोनिस्ट	100
	आईयूआई	32
2.	रद्द किए गए चक्र	13
	रद्द करने के कारण	कोई अंडें प्राप्त नहीं : 3
		असफल स्लिम : 4
		प्रारंभिक पोलिप : 7
		स्पष्ट होने में असफल : 1
		असफल अनुवर्तन : 4
	प्रतिक्रिया करने में असफल	4
	निषेचन में असफलता	4
	गंभीर ओएचएसएस	
	आईयूआई में परिवर्तित	
	ईएचएस	4

3.	हिमशीतित भ्रूण चक्र	22
4.	पीईएसए	0
5.	सगर्भताओं की कुल संख्या	31
	जारी	
	हो चुकी प्रसूतियां	
	गर्भपात	1
	इक्टोपिक	
6.	एंड्रोलॉजी	
	वीर्य विश्लेषण	353
	आईयूआई हेतु वीर्य वाश	32
	आईवीएफ हेतु सीमन तैयारी	173
7.	अल्ट्रासाउंड	
	आईवीएफ चक्र	855
	फॉलिकल मॉनीटरिंग	
	दूसरे दिन एएफसी तथा 21वें दिन ईटी	1440
	कुल	**2295**
8.	ओपीडी पंजीकरण	1715 : पुराने रोगी; 459 : नए रोगी

प्रसवोत्तर कार्यक्रम

प्रसवोत्तर कार्यक्रम (पीपीपी) अस्पताल के आसपास के क्षेत्रों एवं फिल्ड प्रैक्टिस एरिया में आरसीएच पैकेज प्रदान करके एवं परिवार कल्याण सेवाएं प्रदान करते हुए परिवार कल्याण कार्यक्रम के प्रति एक मातृत्व केंद्रित अस्पताल आधारित अभिगम है। इसे एकीकृत बहुविषयक प्रयोग के रूप में चलाया जाता है जिसमें प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, बाल चिकित्सा विभाग, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, शल्य चिकित्सा विभाग तथा संवेदनाहरण विज्ञान विभाग के साथ मिलकर काम करता है।

विभिन्न परिवार नियोजन पद्धतियों, प्रसवोत्तर कार्यक्रम की उपलब्धियां (2010-11)

पद्धति	**उपलब्धियां**
कॉपर टी	574
मुखीय गोलियां (13 चक्र = 1 प्रयोक्ता)	चक्र/146 रोगी + 456 पैकेट
परम्परागत गर्भनिरोधक (72 पीस = 1 प्रयोक्ता)	90500 पीस (2968 रोगी)
बंध्यीकरण	
(क) नसबंदी	1101
(ख) नलबंदी	26

टिप्पणी : परिवार नियोजन पद्धतियां लक्ष्य से मुक्त होती हैं।

मातृ तथा बाल स्वास्थ्य (एमसीएच) निष्पादन (2010-11) प्रसवोत्तर कार्यक्रम

सेवाएं लक्ष्य	निष्पादन
गर्भवती महिलाएं	
टीटी (माताएं) (दूसरी अथवा बूस्टर)	पहला - 1709 दूसरा - 1570 ए
बच्चे (0-1) वर्ष	
डीपीटी (तीसरी खुराक)	एम + एफ = 600/537
पोलियो (तीसरी खुराक)	एस + एफ = 500/537
बीसीजी 1506 + 1207	
खसरा	741 + 502
पांच वर्ष से कम बच्चे	
डीटी	370 + 222

सामुदायिक सेवाएं/शिविर

1. विभाग के संकाय-सदस्यों ने रेडियो पर जन शिक्षा वार्ताओं तथा आकाशवाणी एवं टीवी चैनलों पर फोन इन कार्यक्रमों तथा पैनल चर्चाओं के माध्यम से सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लिया।
2. दिल्ली सरकार के विभिन्न अस्पतालों में परिवार कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित प्रजनन प्रत्येक बाल स्वास्थ्य शिविर।
3. मई - नवंबर 2010 में मलिक बस्ती क्षेत्रों में एओजीआईएन - इण्डिया तथा कैन सपोर्ट के सहयोग से मासिक सर्विकल कैंसर स्क्रीनिंग कैम्प आयोजित ।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. सुनीता मित्तल ने जेरियाट्रिक सोसायटी ऑफ इण्डिया का लब्ध प्रतिष्ठ सो पुरस्कार 2010 प्राप्त किया; वे आईसीएमआर की उर्वरता विनियन तथा विस्तार की गर्भ निरोधक विकल्पों संबंधी परियोजना समीक्षा समूह की सदस्य थी; वे केंद्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ की प्रजननात्मक स्वास्थ्य अनुसंधान वैज्ञानिक परामर्शी समिति की सदस्य थी; वे डब्ल्यू एचओ, जिनेवा की मल्टी कंट्री अध्ययन संचालन समिति की सदस्य थी; वे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर की वैज्ञानिक परामर्शी समिति की सदस्य थी; वे जवाहरलाल नेहरू स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा तथा अनुसंधान संस्थान, पांडीचेरी के संस्थान निकाय की सदस्या थी; वे गुरू गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली की अकादमिक परिषद की सदस्य थी वे आईसीएमआर के प्रजननात्मक स्वास्थ्य संबंधी परियोजना समीक्षा समूह की अध्यक्षा थी; वे स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय द्वारा गठित एनोवुलेटरी बांझपन में ओव्यूलेशन के सन्निवेशन हेतु लेट्रोजोल के विपणन की समीक्षा करने हेतु विशेषज्ञ समिति की सदस्य थी; वे स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय द्वारा गठित एनोवुलेटरी बांझपन में ओव्यूलेशन के सन्निवेशन हेतु लेट्रोजोल के विपणन की समीक्षा करने हेतु विशेषज्ञ समिति की सदस्य थी; वे जरनल ऑफ आब्स्ट्रेटिक्स एण्ड गायनाकॉलोजी अनुसंधान, जेओजीआर की समीक्षाकर्ता थी; वे तकनीकी परामर्शी समूह (टीएजी) पीएटीएच की सदस्य थी; वे इस देश को रहने लायक बेहतर देश बनाने तथा सत्रीत्व एवं मातृत्व को सम्मान देने क लिए एसोचेय एवं योजना आयोग की समिति की सदस्या थी; वे स्वास्थ्य सेवा महा निदेशालय के मीडिया में आपातकालीन गर्भनिरोधक (ईसी) गोलियो की विज्ञापन से जुड़े मुद्दों की जांच करने के लिए विशेषज्ञ समिति में शामिल थी; मेदांतानदि मेडीसिटी के लिए वे आईसी एससीआरटी थी; वे मातृत्व, नवजात तथा बाल भागीदारी बोर्ड में मातृत्व स्वास्थ्य अकादमिक विशेषज्ञता थी; वे अमरीकी भारत स्वास्थ्य पहल के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नामित मातृत्व एवं बाल स्वास्थ्य संबंधी कार्यकारी समूह की सदस्य थी।

प्रो. अलका कृपलानी एम्स छात्र यूनियन चुनाव 2010 की परामर्शी परिषद में विशेष आमंत्रिती थी; वे 2010 के लिए एम्स में हिंदी प्रयोग के निरीक्षण हेतु समिति की सदस्य थी; वे 2010 में स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ एम्स के आयोजना एवं प्रबोधन मुद्दों हेतु समिति

की सदस्या थी; वे सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत केंद्रीय जन सूचना अधिकारी थी; वे सदस्य, काय चिकित्सा संकाय, स्त्री रोग एवं प्रसूति विज्ञान, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय में 2009-2011 में आईएमएस थी; वे अंतरराष्ट्रीय स्त्री रोग एवं प्रसूति विज्ञान पत्रिका , लंदन के लिए 2011 में समीक्षा कर्ता थी; उन्हें 20 अगस्त 2010 की दिल्ली स्त्री रोग विज्ञानी मंच (पूर्व) तथा डब्ल्यूओडब्ल्यू इण्डिया, दिल्ली द्वारा स्वास्थ्य में वुमैन ऑफ दि ईयर पुरस्कार प्रदान किया गया; वे एशियन जरनल ऑफ ऑब्स्ट्रेटिक्स एण्ड गायनाकालाजी प्रैक्टिस की संपादक थी; 2009-2011 में वे आईसीओ (इण्डियन कॉलेज ऑफ ऑब्स्ट्रेटिशियन एण्ड गायना कॉलाजिस्ट) की अधिशासी परिषद् की निर्वाचित सदस्य थी; वे 209-2011 में एओजीडी की एंडोस्कोपी समिति की अध्यक्षा थी; 2010-2011 में वे एफओजीएसआई की चिकित्सा शिक्षा समिति की उत्तरी क्षेत्र समन्वयक थी; उन्हें जनवरी 2011 में 54वी एआईसीओजी में कांग्रेस शासकीय सार विषय "लैवोनरजेस्ट्रल इंट्रायूटरीन सिस्टम इन मेडीकल मैनेजमेंट ऑफ एडेनोमायोसिस" पर शोध पत्र के सर्वोत्तम प्रस्तुतीकरण हेतु एफओजीएसआई- डॉ सीएस डॉन पुरस्कार प्रदान किया गया (डॉ. विदूषी कुल श्रेष्ठ)।

प्रो. सुनेश कुमार आईसीएसआर द्वारा हिमाचल प्रदेश के तीन जिलों संचालित किए की जा रही सामान्य कैंसर के लिए स्क्रीनिंग संबंधी परियोजना परामर्शी समिति के सदस्य थे।

प्रो. दीपिका डेका आल इण्डिया कांग्रेस ऑफ आब्स्टेट्रिक्स एण्ड गायनाकोलॉजी 2010 में ऑपरेटिव ऑब्स्ट्रेटिक्स : 'फीटोस्कोपी - फीटल एंडो स्कोपी- ए स्टेप इन टू दि फ्यूचर फॉर मिनीमली इन्वेज़िव फीटल थिरैपी फॉर सीनियर ऑब्स्ट्रेट्रिशियनस/गायना कॉलाजिस्टस में सर्वोत्तम शोध पत्र के लिए डॉ. सीएस डॉन पुरस्कार प्रदान किया गया; अपराजित, दीपिका डेका, उत्तर क्षेत्र युवा एफओजीएस आई 2010, 23-25 जुलाई 2010 को गारेखपुर में उन्हें क्लिनीकल एजेनेसिस एंड फंक्शनल यूटिरस विद एंडो मीटियोरोसिस एंड एंडोमीट्रियोसिस एंड एंडो मीट्रियोमा कंफ्रेंसिंग दि सैम्पसन थियोरी ऑफ रेट्रोग्रेड मेस्ट्रुएशन लीडिंग टू एंडो मीट्रियोसिस पर सर्वोत्तम शोध पत्र के लिए पुरस्कृत किया गया; उन्हें आईसीएमआई वरिष्ठ वैज्ञानिक फैलोशिप 2010-2011 फीटल एंडोस्कोपी, किंगस कॉलेज, लंदन, यू.के. (15 दिन) 27 नवंबर 13 दिसंबर 2010 प्रदान की गई।

प्रो. नीरजा भाटला को फेलो, इंटरनेशनल अकादमी ऑफ मेडीकल साइंसेस 2010 चुना गया; उन्हें एआईसीओजी, गुवाहाटी में 2010 में रजत मेडल प्रदान किया गया; उन्हें आईसीओडही, गुवाहाटी में 2010 में रजत मेडल प्रदान किया गया ; उन्हें 26वीं इंटरनेशनल पेपिलोमेविरस सम्मेलन तथा क्लिनीकल कार्यशाला; मौंट्रियल, कनाडा में आविभार्वी देशों में सर्वोत्त्म नैदानिक शोध पत्र : सर्विकल इंफेक्शन विद मल्टीपल एचपीबही टाईप - कोरिलेशन विद एंडोस्कोपी एड हिस्टो पैथोलॉजी के लिए 2010 में पुरस्कृत किया गया; उन्हें प्रेग, चेक गणराज्य में पीईटी स्केनल ट्रेवल अवार्ड, 12वीं द्विवार्षिक बैठक, इंटरनेशलन गायने कैंसर सोसायटी प्रदान किया गया।

डॉ नीना मल्होत्रा को जनवरी 2011 में 54वीं आल इण्डिया कांग्रेस ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एण्ड गायना कॉलाजी, हैदराबाद में फेडरेशन ऑफ आब्स्टेट्रिक्स एण्ड गायना कालोजी कल सोसाथटिज ऑफ इण्डिया (एफओजीएसआर) द्वारा सार विषय एन्हेंसिग फर्टिलिटी" पर सर्वोत्तम शोध पत्र के लिए सीएस डॉन पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया; उन्हें रायल कॉलेज ऑफ अस्ब्स्टेट्रिशियन " एण्ड गायनाकॉलोजिस्ट, लंदन, यू.के. द्वारा ओवरसीज रिसर्च निधि (2010-11) दी गई; उन्होंनगे गाय अस्पताल लंदन में एसिसटिड कंसेप्शन रिप्रॉडक्शन यूनिट का दौरा किया।

डॉ नूतन अग्रवाल को 12-14 नवंबर 2011 को नई दिल्ली में जोरियाट्रिक केयर संबंधी 7वीं अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस में डॉ जीएस रेड्डी - पुडुचेरी ओरेशन बिविंग बियांड मेनोपॉल" प्रदान किया गया

डॉ. जेबी शर्मा को 30 अक्तूबर 2010 को नेशनल अकादमी ऑफ मेडीकल साइंसेस की फैलोशिप प्रदान की गई; उन्हें 20 जनवरी 2011 को भारत में महिला स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान हेतु इण्डियन कांउंसिल ऑफ कल्चरल रिसर्च एण्ड उद्भव (पंजीकृत) द्वारा उद्भव शिखर सम्मान प्रदान किया गया। उन्होंने महिला स्वास्थ्य पहले के तहत मिनीकली इन्वेज़िव गायानाकॉलाजी संबंधी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए एंडोस्कोपी केंद्र की स्थापना की; स्त्री रोग एवं प्रसूति विज्ञान विभाग ए आर टी केंद्र के निर्माण में शामिल थे।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. हेलन वॉन हर्टज़न, विश्व स्वास्थ्य संगठन, जिनेवा
2. निदेशक कार्यालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन मुख्यालय से डॉ. शेरिल जेड वंदर पॉल
3. डॉ. नारीमाह अवीन, विश्व स्वास्थ्य संगठन।

9.23 अस्थिरोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

प्रकाश पी. कोतवाल

आचार्य

शिशिर रस्तोगी	अरविंद जायसवाल
राजेश मल्होत्रा	हीरा लाल नाग

अपर आचार्य

रवि मित्तल	चन्द्रशेखर यादव

सह-आचार्य

शाह आलम खान	विजय कुमार

शिक्षा

स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर शिक्षा पाठ्यक्रम पूर्ववत् ही रहे।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

आयोजित क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

1. 15-16 जुलाई 2010 को एम्स में आर्थोपेडिक रिसर्च सोसायटी, एम्स तथा डी पाय द्वारा आयोजित 'एम्स कैडावेरिक हिय एण्ड नीआर्थोप्लास्टी कोर्स''
2. 30 सितंबर - 3 अक्तूबर 2010 को एम्स, नई दिल्ली में आर्थोपेडिक रिसर्च सोसायटी एम्स जिमर बायोस्किल्स द्वारा आयोजित 'एम्स कैडावेरिक हिय एण्ड नीआर्थोप्लास्टी कोर्स''
3. 26 तथा 27 मार्च 2011 को कार्यक्रम/पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में एम्स कैडेवर आर्थोप्लास्टी कोर्स।
4. 12 सितंबर 2010 को आर्थोपेडिक्स विभाग, एम्स द्वारा आयोजित कैडेवर नी वर्कशॉप

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 138

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. वृद्ध भारतीय आबादी के प्रॉक्सीमल फीमर की आकारिकी हेतु उपयुक्त फिमोरल स्टेम डिजाइन पर आधारित एक नया हिप हेमी आर्थ्रोप्लास्टी विकल्प''। सीएसआईआर द्वारा वित्तपोषित प्रो. राजेश मल्होत्रा (26.05.2005-25.05.2010) रुपए 30.33 लाख
2. ''टेरीपरेटाइड बनाम एंटीरिर्सोपेटिव के साथ उपचारित तीव्र अस्थि भंगुरता से पीड़ित रोगियों में बैक पेन का आकलन करने के लिए एक पर्यवेक्षात्मक अध्ययन।'' एलीलिली कंपनी प्रा. लि. द्वारा वित्त पोषित प्रो. राजेश मल्होत्रा (09.05.2008 - 9.05.2009) रुपए 4.20 लाख

3. संपूर्ण हिप प्रतिस्थापन करवा रहे रोगियों में साइटोकिन्स का मूल्यांकन तथा ओस्टियोलिसिस के साथ उनका संबंध''। आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित प्रो. राजेश मल्होत्रा (30.10.2009-30.10.2012) कुल निधियन रुपए 20 लाख
4. आरंभिक तथा पुनरावृत्त उपचार के पश्चात घुटने के संलक्षणी ओस्टियोआर्थिराइटिस वाले रोगियों में 6 एमएल सिनविस - वन ओ (हाइलान जी - एफ 20) की सुरक्षा एवं प्रभावी उत्पादकता का एक बहुकेंद्रक, अग्रदर्शी ओपव लेबल अध्ययन। डॉ. आर मल्होत्रा। मैक्स नीमन द्वारा वित्त पोषित (30 जून 2010-30 जून 2012)। कुल निधियन : 2.25 लाख रुपए।
5. आरंभिक तथा पुनरावृत्त उपचार के पश्चात घुटने के संलक्षणी ओस्टियोआर्थिराइटिस वाले रोगियों में 6 एमएल सिनविस - वन ओ (हाइलान जी - एफ 20) की सुरक्षा एवं प्रभावी उत्पादकता का एक बहुकेंद्रक, अग्रदर्शी ओपव लेबल अध्ययन। डॉ आर मल्होत्रा, आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित (15 मार्च 2011-14 मार्च 2014)। कुल निधियन : 27.30 लाख रुपए।
6. अतिरिक्त स्पाईनल ओस्टियोआर्टीक्युलर टयूबरकुलोसिस में अल्पकालिक 6 माह बनाम 9 माह मध्यवर्ती एटीटी की प्रभावोत्पादकता डॉ. सीएस यादव। स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित, 60 लाख रुपए, 3-4 वर्ष।

पूर्ण

1. लम्बी आस्थियों के अस्थि भंग के नॉन यूनियन के उपचार में प्लेटलेट संक्रेंद्रण की प्रभावकता का मूल्यांकन करना।
2. प्राइमरी इलेक्टिव टोटल हिप आर्थोप्लास्टी (रिनोवेट 2) के पश्चात रोगियों में वेनस थ्रोम्बोइमेलिजन की रोकथाम हेतु अधस्त्वक प. मि. गुरू एनोएक्जा परिन 20-35 दिन के लिए दिन में एक बार की तुलना में मुखीय 220 मि. ग्राम डेबीगेट्रन एक्ज़ीलेट (110 मि. ग्राम शल्य चिकित्सा के दिन और उसके बाद 220 मि.ग्रा. दिन में एक बार) की प्रभावात्मकता एवं सुरक्षा की जांच करने के लिए एक तृतीय चरण यादृच्छिक, समानांतर समूह डब्ल्य ब्लाईंड एक्टिव नियंत्रित अध्ययन। डॉ. आर मल्होत्रा। एसआईआरओ क्लिनफार्म प्रा. लि. द्वारा वित्तपोषित (6 दिसंबर 2008 6 दिसंबर 2010)। कुल निधियन : 25.50 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एनेटामिक डबल बंडल एवं सिंगल बंडल हैमस्ट्रिंग ग्राफ्ट्स द्वारा आर्थ्रोस्कोपिक सहारियत एंटीरियर क्रूशिएट लिगामेंट पुनर्निर्माण का नैदानिक तुलनात्मक अध्ययन।
2. विस्थापित इंट्रा आर्टीक्यूलर डिस्टल रेडियम फ्रेक्चर्स के लिए परिवर्ती कोण तथा नियत कोण वोलर लॉकिंग प्लेट के बीच नैदानिक, विकिरणकीय तथा प्रकार्यात्मक परिणामों की तुलना करते हुए एक अग्रदर्शी अध्ययन
3. रूमेटायड आथराइटिस में आर्थ्रोस्कोपिक एल्बो साइनोवैक्टोमी दो वर्ष में अधिक का दीर्घावधिक फोलोअप
4. टी ए के में रेडियोग्राफिक तथा कार्यात्मक मूल्यांकन और प्रकार्यों पर प्रोस्थिसीम के कुव्यवस्थापन के प्रभाव
5. टिबियल ट्रे प्लेसमेंट की तुलना में आंतरिक बनाम बाह्य संरेखण ज़िगो की सटीकता तथा इसके कार्यात्मक प्रभाव

पूर्ण

1. फिमोरल हेड के वास्कुलर नैक्रोसिस में इंटरालेजनल आटोलोगस बोन मैरो स्टेम सेल इजेक्शन एवं एमआरआई, पेट-स्केन तथा बोन स्केन का उपयोग करते हुए परिणामें का मूल्यांकन करना।
2. कोहनी के लैटरल एपीकोंडीलिटिस में उपचार की विभिन्न विधियों का मूल्यांकन।
3. रूमेटायड आर्थराइटिस में आर्थ्रोस्कोपियन एल्बो साइनोबैक्टोमी इस की प्रभावात्मकता तथा एमआरआई सहसंबंध
4. रिकरेंट ट्रामेटिक एंटीरियर शोल्डर डिसलोकन के आर्थ्रोस्कोपिक बैंकक्राट रिपेयर का मूल्यांकन करना।

सहयोगी परियोजनाएं

1. चल रहे आर्थ्रिराइटिस के प्रयोगात्मक मॉडलो में लॉसोनिया इनर्मिस, टर्मिनालिया चेबुला, कोरिएंड्रम सतिवम की प्रभावात्मकता तथा सुरक्षा (फार्माकोलाजी विभाग)

2. एशियाई भारतीय आर्थिराइटिस के रोगियों में टी-हेल्पर 17 कोशिकाओं की भूमिका स्थापित, करने के लिए अध्ययन। (शरीर रचना विभाग)।

प्रकाशन

जरनल/पत्रिकाएं : 52

पुस्तकों में अध्याय : 9

रोगी उपचार

1. चोट लगे खिलाड़ियों तथा खेलकूद से जुड़े कार्मिकों की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अस्थिरोग विज्ञान विभाग के बहिरंग रोगी विभाग में सप्ताह में एक बार वीरवार सायं के समय 'स्पोर्टस क्लिनिक' का आयोजन किया जाता है।
2. डॉ. एच. एल. नाग चिकित्सा केंद्र, स्पोर्टस अथारिटी ऑफ इण्डिया, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में सप्ताह के एक वार खिलाड़ियों तथा खेलकूद से जुड़े कार्मिकों को देखते हैं।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. पी.पी.कोतवाल ने फरवरी 2011 में माल्दा पश्चिम बंगाल आर्थोपेडिक एसोसिएशन कांफ्रेंस में "थम्बस अप ऑन थम्ब रिकंस्ट्रक्शन" पर सम्मानित प्रो. के एस बोस मेमोरियल ओरेशन दिया; वे एनसीएओआर, गोवा में चयन समिति के अध्यक्ष थे; वे 2010 में तकनीकी विनिर्देशन समिति दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली के अध्यक्ष थे : उन्हें ट्रांसफ्यूज़न मेडीसन, (रक्त बैंक), मुख्य अस्पताल, एमरजेंसी, मेडीसन तथा कैजुएल्टी, ट्रांसप्लांट इम्यूनॉलाजी एंड इम्यूनोजेबेटिक्स, रेडियो डायग्नोसिस एंड सेंटर फॉर कम्यूनिटी मेडीसन के लिए जुलाई 2010 में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत एम्स में अपील प्राधिकारी के रूप में नामित किया गया; उन्हें जुलाई 2010 में कंप्यूटर सुविधा के लिए सूचना का अधिकार अधिनिमय 2005 के तहत एम्स में केंद्रीय जन सूचना अधिकारी के रूप में पदनामित किया गया; वे सदस्य, परियोजना मूल्यांकन समिति, प्रौद्योगिकी विभाग बोर्ड, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, सितंबर 2010 शिक्षा अधिकारी, एओ ट्रामा एशिया प्रशांत 2010 थे। उन्होंने सितंबर 2010 में हांग कांग में शिक्षा समिति की बैठक में भाग लिया; वे नवंबर 2010 में आर्थोपैडिक शल्य चिकित्सा में सहायक आचार्य के चयन के लिए यूपीएनसी में बाह्य विशेषज्ञ थे; वे 2010-11 वी अवधि के लिए राष्ट्रीय परीक्ष बोर्ड के विशेषज्ञता परामर्शी बोर्ड के सदस्य थे; जनवरी 2011 में वे आर्थोपेडिक्स में सहायक आचार्यो के चयन के लिए जम्मू एवं कश्मीर लोक सेवा आयोग चयन बोर्ड के सदस्य थे; वे 17 फरवरी 2011 को में तथा पटना में सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल के बीच समझौता स्पेशिलिटी अस्पताल के बीच समझौता ज्ञापन की संभावनाओं का अन्वेषण करने के लिए बिहार सरकार, स्वास्थ्य विभाग के बाह्य विशेषज्ञ थे; वे मेडीकल काउंसिल ऑफ इण्डिया के डिप्लोमा पाठ्यक्रम तथा एमएस के लिए आर्थोपेडिक्स में विशेषज्ञता बोर्ड के सदस्य थे; उन्हें अगस्त 2010 में नई दिल्ली आयोजित 23वीं इण्डियन फुट एंड एंकल सोसायटी कांफ्रेंस में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की; सितंबर 2010 में नई दिल्ली में आयोजित "इंटरनेशनल सिम्पोज़ियम ऑन हेमोफिलियां" में उन्होंने एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की; फरवरी 2011 में, तपई, ताईवान में आयोजित एओ ट्रॉमा एशिया प्रशांत आम परिषद् की बैठक में उन्होंने शिक्षा अधिकारी के रूप में भाग लिया।

प्रो. एस. रस्तोगी ने लखनऊ में आयोजित यूपीओ आरटीएचओसीओएन 2009 में "जांयट सेल टयूमर्स ऑफ बोन" पर सम्मानित प्रो. टीपी श्रीवास्तव ओरेशन दिया; उन्होंने कान्हा, मध्य प्रदेश में 29-31 अक्टूबर 2010 को मध्य प्रदेश के वार्षिक सम्मेलन में "रेडियो प्रोटेन्शन इन आर्थोपेडिक्स - आरवी सिटिंग ऑन ए वोल्केना" या डॉ. वीवी ओहरी ओरेशन; 25 सितंबर 2010 को जयपुर में "करेंट कांसेप्टस इन मैनेजमेंट ऑफ ओस्टियो सार्कोमा" पर डॉ. बी. एन सिंहा ओरेशन (सीई ज़ेड सी ओएन) दिया, उन्होंने 25-27 फरवरी 2011 को बिहार आर्थोपेडिक एसोसिएशन, बिहार के वार्षिक सम्मेलन में बेगु सराय में डॉ. मुखोपाध्याय ओरेशन दिया; 17 फरवरी 2010 को वैदेही संस्थान बंगलौर में एमसीआई निरीक्षण किया; व्याख्यान "मैलिग्नेंट बोन फ्यूमर्स' दिया; उन्होंने सर गंगा राय अस्पताल, दिल्ली में 29 जनवरी शुक्रवार को ओर्थोपेडिक विभाग के लिए अभ्यर्थी का चयन करने के लिए विशेषज्ञ प्रशिक्षणार्थी पेनल में भाग लिया; उन्होंने निरीक्षण (मेडीकल काउंसिल ऑफ इण्डिया) के लिए 30 सितंबर को इंस्टीटयूट ऑफ मेडीकल साइंसेस

सत्र रिसर्च, बंगलौर का दौरा किया। उन्होंने विभाग में आईएईए मुख्यालय में फ्लोस्कोपी का प्रयोग करके डॉक्टरों के लिए रेडिएशन प्रोटेक्शन संबंधी प्रशिक्षण सीडी के मसौदा रूपांतर के लिए समीक्षा करने और प्रशिक्षण सामग्री को अंतिम रूप देने के लिए 18-22 मई 2009 को विभाग का दौरा किया।

प्रो. राजेश मल्होत्रा आर्थो हाइपर गाईट - एक वेबाधारित ग्लोबल आर्थोपेडिक्स अधिगम पोर्टल के क्षेत्रीय परामर्शी बोर्ड सदस्य थे; वे एडजंक्ट संकाय सीएमईटी, एम्स; आर्थोपेडिक्स टुडे; राष्ट्र व्यापी परिचालन वाली आर्थोपेडिक पत्रिका के संपादक थे; वे जरनल ऑफ बोन एण्ड ज्वायंट सर्जरी (ब्रिटिश), इण्डियन जरनल ऑफ आर्थोपेडिन्स, जरनल ऑफ पेडियाट्रिक हेल्थ (यू.के), जरनल ऑफ मेडीकल केम रिपोर्टस, नेशन मेडीकल जरनल ऑफ इण्डिया, क्लिनीकल शरीर रचना विज्ञान, न्यूरॉलाजी इण्डिया तथा इंटरनेशनल जरनल ऑफ मेडीकल रिपोर्टस (आरजेएमआर) के लिए समीक्षाकर्ता थे; उन्होंने टीवी कार्यक्रमों पर बहुत वार्ताएं की; वे 'एम्स कैडावेरिक हिप एण्ड नी आर्थ्रोप्लास्टी पाठ्यक्रम आर्थोपेडिक रिसर्च सोसायटी एवं डीआई इंटरनेशनल, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के 15-16 जुलाई 2010 को आयोजक सचिव थे; वे 21-22 अगस्त 2010 को एम्स, नई दिल्ली में करेंट कांसेप्टस इन आर्थ्रोप्लास्टी टेकनीक्स के आयोजक सचिव थे; वे 30 सितंबर 3 अक्टूबर 2010 को एम्स नई दिल्ली में एम्स कैडावेरिक कोर्स (टीएचए, टीके ए, ट्रॉमा एवं स्पाईन), आर्थोपेडिक रिसर्च सोसायटी एण्ड ज़िगर बायोस्किल्म के आयोजक सचिव थे; वे 7-9 अक्टूबर 2010 को एओ इंटरनेशनल द्वारा आयोजित एओ ट्रॉका प्रिंसीपल्स के अध्यक्ष थे; 9-12 दिसंबर 2010 को जयपुर में आरओएसीओएन 2010 की करेंट ट्रेंडम इन रिविज़न हिप टिप्लेसमेंट संबंधी संगोष्ठी के वे संयोजक थे; 9 जनवरी 2011 को एम्स नई दिल्ली में डीओएसीओएन 2011 की रिविज़न हिप रिप्लेसमेंट संबंधी कार्यशाला के संयोजक थे : वे 5 अप्रैल 2011 को आर्थोपेडिक्स रिसर्च सोसायटी एवं आर्थोपेडिक्स विभाग, एम्स, नई दिल्ली के सिग्नेचर सिक्पोज्यिक के आयोजक सचिव थे।

डॉ. रवि मित्तल को फेलोशिप ऑफ रायल कालेज ऑफ फिज़िशियन्स एंड सर्जन्स प्रदान की गई; वे इण्डियन जरनल ऑफ आर्थोपेडिक्स तथा क्लिनीकी आर्थोपेडिक्स एण्ड रिलेटिड रिसर्च के लिए समीक्षाकर्ता थे; वे 29 मई 2010 को बेस अस्पताल, दिल्ली कैंट में डीएनबी अभ्यर्थियों के लिए मूल्यांकन दल के सदस्य थे; वे 20 जुलाई 2010 को आईएमआई की अस्पताल में डीएनबी आर्थोपेडिक्स उम्मीदवारों के लिए चयन दल के सदस्य थे; वे 3 फरवरी 2011 को अगन में ओएमडी तथा एनजेआईएल में वैज्ञानिक ख (शल्य चिकित्सा) के लिए चयन दल के सदस्य थे; वे 2011 के लिए एम्स की एमबीबीएम करिकुलम समिति के सदस्य थे; 12 सितंबर 2010 को एम्स के कैडेवर नी आर्थोस्कोपी कोर्स के वे सह आयोजक अध्यक्ष थे।

डॉ. चंद्र शेखर यादव को आईएओ डार्ट साऊथ हिचकुन फैलोशिप, यू.एस.ए प्रदान की गई।

शाह आलम खान को इण्डियन जरनल ऑफ आर्थोपेडिक्स का सहायक संपादक चुना गया; वे इंटरनेशनल जरनल ऑफ एकेडमिक रिसर्च एवं जरनल ऑफ मेडीसन एण्ड बायो मेडीकल साइंसेस के परामर्शी एवं समीक्षा बोर्ड के सदस्य है; वे क्लिनीकल एनेटमी (जरनल ऑफ दि अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ क्लिनीकल एनेटामिस्ट) तथा इंटरनेशनल जरनल ऑफ एसटीडी तथा एड्स (मस्कुलोस्केटल सेक्शन) के समीक्षा कर्ता है।

डॉ. विजय कुमार को इण्डियन आर्थोपेडिक एसोसिएशन इनलैंड फेलोशिप 2009-2010; इंडोब्रिटिश ट्रेवलिंग फेलोशिप, 2010, 13-26 जून 2010 यू.के. प्राप्त की; वे इंटरनेशनल मेडीकल साईंसेस एकेडमी के फेलो है; वे नेशनल एकेडमी ऑफ मेडीकल साइंसेस के सदस्य हैं।

9.24 कान, नाक एवं गला रोगविज्ञान, सिर एवं ग्रीवा सर्जरी (ईएनटी)

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुरेश सी. शर्मा

अपर आचार्य

आलोक ठक्कर

सह-आचार्य

राकेश कुमार

वेंकट कार्तिकेयन सी.

शिक्षा

विभाग 3 वर्षीय रेजीडेंसी प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है तथा प्रत्येक वर्ष औसत छः अभ्यर्थियों को प्रवेश देता है। पश्च अर्हता (एम एस) प्रशिक्षण के लिए वरिष्ठ रेजीडेंटों के लिए उपलब्ध हैं। विभाग स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए अकादमिक क्रियाकलापों की एक अनुसूची (संगोष्ठियां, जनरल क्लब, मामला चर्चाएं तथा अनुसंधान क्रियाकलाप समीक्षाएं) का संचालन प्रत्येक वीरवार को (प्रातः 8.00 बजे से 9.00 बजे तक तथा साय 3 बजे) तक करता है। विभाग भारत तथा विदेश से आने वाले अतिथि वैज्ञानिकों के लिए अल्पावधि प्रशिक्षण की व्यवस्था भी करता है। अफगानिस्तान से 5 गफूर जन, न्यूजीलैंड से डॉ. रवि जैन तथा मध्य प्रदेश, भारत से डॉ. सुनील सोमानी ने विभाग से अल्पकालिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा कार्यक्रम

विभाग द्वारा आयोजित

1. एसोसिएशन ऑफ ऑटोलेरिंजोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया, दिल्ली शाखा की मासिक बैठक, जुलाई 2010
2. 11 फरवरी 2011 कासे वर्टिगो संबंधी क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा। जर्मनी से डॉ. माइकेल स्ट्रप ने वर्टिगो के निदान तथा उपचार पर एक वार्ता की।
3. सिर तथा ग्रीवा अर्बुद विज्ञान पर परस्पर क्रियात्मक चर्चा का आयोजन 26 अक्तूबर 2010 को किया गया। इस सत्र में ई एन टी सर्जनों, चिकित्सा अर्बुद वैज्ञानिकों, विकिरण अर्बुद वैज्ञानिकों तथा यू के से सिर और ग्रीवा अर्बुद वैज्ञानिकों के एक दल ने भाग लिया।
4. ओटोलॉजी तथा सर्विकोन्फेशियल सर्जरी संबंधी एक संयुक्त फ्रांको इंडियन कॉन्ग्रेस का आयोजन 3 नवम्बर 2010 को किया जिसमें फ्रांस से लगभग 40 अतिथि ऑटोलेरिंजोलॉजिस्ट्स तथा सिर ग्रीवा सर्जनों के समूह ने भाग लिया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 49

रेजीडेंटों तथा अनुसंधान स्टॉफ ने विभिन्न सम्मेलनों में 13 शोध पत्र / पोस्टर / वीडियो का प्रस्तुतीकरण किया।

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण परियोजना

1. क्रॉनिक रिनोसिन्साइटिस के रोगियों में इंट्रानेसल कोर्टिकास्ट्रॉयड स्प्रे के साथ मोनो उपचार बेनाम इंट्रानेसल कोर्टिकास्ट्रायड के साथ दीर्घावधिक मैक्रोलाइट के प्रभाव। प्रो. आर सी डेका, आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित। कुल निधियन : 23.95 लाख रुपए, 3 वर्ष (अगस्त 210 से 2013)

2. रिसपेक्टेबल स्टेज - 3 और 4 ओरल सिक्वामोस सेल कैंसरों में करक्यूमिन का फेज 2/3 यादृच्छिक प्लासेबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण। डॉ. आलोक ठक्कर। 3 वर्ष जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित। निधियां : 43 लाख रुपए। 2012

3. लेरिंगेक्टॉमी रोगी की आवाज के पुनर्वास हेतु स्वदेशी, निम्न दाव, इन डवेलिंग, माइक्रोबियल रोधी ट्रैकियोसफेगल प्रोस्थेसिस (टीईपी) का विकास करने के लिए प्रोस्थेसिस (टी ई पी) का विकास करने के लिए व्यवहार्यता अध्ययन। डॉ. आलोक ठक्कर। सामाजिक न्याय तथा कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित। कुल निधियन : 1 लाख रुपए, (2009-2011)

पूर्ण

1. सिर-ग्रीवा कैंसर के उपचार के बाद हाइपोथायराडिज्म की व्यापकता तथा जीवन स्तर पर इसका प्रभाव। डॉ. आलोक। जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित, कुल निधियन : 12 लाख रुपए। दिसम्बर 2010 में पूर्ण

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. जेएनए की इम्यूनोहिस्टोकेमिकल विशिष्टता और जेएनए का वीडियन केनाल में विकिरणकीय और ऊतक वैज्ञानिक मूल्यांकन।
2. एक ही रोगी में पोस्ट लिंगुअल डेफन्ड कॉकलियर इम्प्लांट्स में न्यूरल प्रतिक्रिया टेलीमेट्री आधारित मैपिंग (एनआरटी) का मूल्यांकन और पारंपरिक व्यवहार सूची आधारित मैपिंग के साथ इसका सहसंबंध।
3. हाइड्रॉक्सी एपेटाइट और टाइटेनियम प्रोस्थेसिस का उपयोग करते हुए टिम्पेनोप्लास्टी के परिणामों का तुलनात्मक अध्ययन।
4. चोट कै पैटर्न का मूल्यांकन तथा ट्रॉमेटिक फेशियल पक्षाघात में गैर शल्य चिकित्सीय उपचार और फेशियल नर्व पक्षाघात की किसी इटियोलॉजी में शल्य चिकित्सीय उपचार।
5. सैलिवेरी ग्लैंड अवरोधक पैथोलॉजी केरोगियों का नैदानिक, विकिरणीय प्रोफाइल तथा सियाल एंडोस्कोपी की भूमिका
6. मुखीय कैंसर के रोगियों में पोडोप्लेनिन अभिव्यक्ति तथा इसका नैदानिक महत्व
7. मानव कोललिया के आंतरिक आयामों का अध्ययन
8. नासिका, पैलेटल, रेट्राग्लॉसल प्रगति द्वारा ओ एस ए एस के मामलों में स्थल निदेशित शल्य चिकित्सीय उपचार का आकलन
9. क्रोनिक टिनिटस रोगियों में आरटीएमएस उपचार की भूमिका
10. एक पार्श्वीय कोकल कॉर्ड पाल्सी के मामलों में वोकल कोर्ड फैट के इंजेक्शन के बाद और पहले आवाज में परिवर्तन का मूल्यांकन।
11. द्विपार्श्वीय एथमॉइडल पॉलीपी के मामलों में एंट्रल म्यूकोसा का क्लिंकोपैथोलॉजिकल अध्ययन।

पूर्ण

1. आरंभिक और हाइपोफेरेंजियल कैंसर में टी एल एम सर्जिकल रिसेक्शन की ओंकोलॉजिक दक्षता और कार्यात्मक परिणाम
2. सर्वाइकल लिम्फ नोड मेटास्टेटिस सहित अज्ञात प्राथमिक सिर और ग्रीवा ट्यूमरों के निदान में 18 एफडीजी पीईटी सीटी स्कैन की भूमिका।
3. सबग्लॉटिक स्टेनोसिस के मामले में रिब ग्राफ्टिंग के साथ और उसके बिना क्राइकॉयड विखंडन के प्रभाव का अध्ययन करना।
4. इंट्रा कोकलियर इलेक्ट्रोड इम्पीडेंस पर कोलकलियर इम्प्लांट सर्जरी करवा रहे यादृच्छिक रूप से चयनित रोगियों में अंदरुनी कान में पर कोकलियोस्टॉमी डेक्सामेथासान स्टीरॉइड इंजेक्शन का प्रभाव तथा प्राप्त परिणामों पर इसका प्रभाव
5. सेप्टोरिनोप्लास्टिक की अपेक्षा वाले बाह्य नासिकीय विकृति वाले रोगियों के प्रोफाइल का अध्ययन करना और उसका शल्य चिकित्सीय परिणाम।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय ग्रामीण आबादी में कांजेनिटल साइटोमेगालो वायरस संक्रमण तथा श्रवण हानि। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सूक्ष्म जीव विज्ञान)
2. मुखीय कार्सिनोजेनेसिस में ट्रांसलेशन का अपनियमित आरंभण। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (जैव रसायन)
3. मानव कोकलियर न्यूक्लियस में आयु संबद्ध मोर्फोलॉजिकल तथा तंत्रिका रसायनी परिवर्तनों का स्टिरियोलॉजिकल अध्ययन, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (शरीर रचना विभाग के साथ)
4. नियो वेस्कुलर आयु संबद्ध मैक्यूलर डिजेनरेशन (ए एम डी) के रोगियों में इंट्रा विट्रियल वी ई जी एफ ट्रैप आई की आवर्ती खुराक की प्रभावात्मक, सुरक्षा तथा सहिष्णुता का एक यादृच्छिकृत, डबल मास्कड, एक्टिव नियंत्रित चरण 3 अध्ययन। बेयर शेयरिंग फार्मा (नेत्र रोग विज्ञान)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 14

रोगी उपचार

विभाग ने ऑटोराइनोलेरेंजोलॉजी में अधिकांश वर्तमान उप विशेषज्ञताओं में विशेषज्ञता विकसित कर ली है। यह कोकलियर इम्प्लांट सेवा प्रदान करता है तथा सिर - ग्रीवा कैंसर, ऑटोलॉजी तथा ऑडियोलॉजी वर्टिगो, रिनोलॉजी, एकल आधारित शल्य चिकित्सा तथा ध्वनि विकारों में विशेषज्ञ क्लिनिकों का संचालन करता है। विभाग में एक ऑडियोलॉजी तथा वाक् उपचार का विशेष पुनर्वास यूनिट है जो पेडियाट्रिक श्रवण हानि, श्रवण सहाय्य फिटिंग तथा परीक्षण, कोकलियर इम्प्लांट प्रोग्रामिंग, वाक् उपचार तथा पोस्ट लेरिंजेक्टॉमी पुनर्वास में व्यापक नैदानिक तथा पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराता है। विभाग आधुनिक ई एन टी सेवाएं प्रदान करता है तथा यह कोकलियर इम्प्लांट प्रयोगशाला, ऑडियोलॉजिकल सुविधाओं, विडियोनिस्टगेमोग्राफिक सुविधाओं, इलेक्ट्रो डायग्नोसिस ऑडियो मीटरी, श्रवण सहाय्य विश्लेषक, कर्ण मोल्ड प्रयोगशाला, वाक् उपचार, एवं नासिका तथा लैरिंजल एंडोस्कोपी सहित नैदानिक एवं चिकित्सोपचार उपकरणों की संपूर्ण श्रृंखला से सुसज्जित है।

सभी प्रकार की शल्य चिकित्सीय प्रक्रियाओं के लिए प्रयुक्त आधुनिकतम उपकरणों ने सभी रोगियों के लिए व्यापक ई एन टी स्वास्थ्य देखभाल समर्थकारी बना दी है। विभाग ने हाल ही में सेलिवरी ग्लैंड विकारों के निदान तथा उपचार के लिए सियालएंडोस्कोपी हेतु उपकरण अधिक प्राप्त किए है। विभाग ने एंडोस्कोपिक नासिका तथा स्कल बेस शल्य चिकित्सा करवा रहे रोगियों को आधुनिकतम देखभाल उपलब्ध कराने के लिए छवि मार्ग दर्शित नैविगेशन भी अधि प्राप्त किया है।

ऑडियोलॉजी एवं वाक् उपचार पुनर्वास यूनिट श्रवण दोषों, वाक् समस्याओं तथा पोस्ट - लैरिंजक्टॉमी वाक् असमर्थित रोगियों के लिए सहायक नैदानिक एव 'पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए नैदानिक विभाग के साथ मिलकर कार्य करता है। विभाग बल्लभगढ़ हरियाणा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में सप्ताह में दो बार व्यापक ई एन टी सेवाएं तथा सेंटर फॉर स्पीच एण्ड हियरिंग डिसेबल्ड, गुड़गांव, हरियाणा में सप्ताह में एक बार सेवाएं प्रदान करता है।

गणना

ओपीडी	नए : 37198	पुराने : 38356
स्पीच थैरेपी	667	
लघु ओटी	28256	
आरयूएएस	6645	

विशिष्ट क्लिनिक

वर्टिगो	नए : 101	पुराने : 64
ऑडियोलॉजी और स्कल बेस	नए : 130	पुराने : 60
राइनोलॉजी	नए : 79	पुराने : 52
एच एण्ड एन बी क्लिनिक	नए : 1023	पुराने : 3772

विभाग ने वर्ष के दौरान कुल 2337 बड़े तथा 1973 छोटे ऑपरेशन निष्पादित किए। विभाग ने वर्ष के दौरान अस्पताल में देखभाल के लिए 1304 रोगियों को प्रविष्ट किया।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. एस सी शर्मा नवम्बर 2010 में ऑटोलेरेंलोलॉजिकल एसोसिएशन ऑफ फ्रांस के मानद सदस्य थे, वे 26-28 दिसम्बर 2010 को त्रिभुवन यूनिवर्सिटी अस्पताल, काठमांडू में अंतरराष्ट्रीय सिर एवं ग्रीवा शल्य चिकित्सा कार्यशाला तथा कैडेवर डाइसेक्शन में मुख्य अनुदेशक तथा अतिथि संकाय थे। प्रतिभागियों में कम्बोजिया, बंगलादेश, पाकिस्तान, भारत तथा नेपाल से विशेषज्ञ शामिल थे। वे 25-28 अप्रैल 2010 तृतीय वार्षिक सीएमई - सह - कार्यशाला, गैंगटोक, सिक्किम में अतिथि संकाय थे, उन्होंने मार्च 2011 में 29वें ए ओ आई सम्मेलन, दिल्ली राज्य शाखा में "मैनेजमेंट ऑफ ट्यूमर्स ऑफ परोटिड ग्लैंड" शीर्षक में अतिथि ओरेशन दिया, वे 18'20 नवम्बर 2010 को कोकलिय इम्प्लांट ग्रुप ऑफ इंडिया, पी जी आई एम ई आर, चंडीगढ़ के वार्षिक सम्मेलन में आमंत्रित संकाय थे।

डॉ. आलोक ठक्कर ने प्रो. सूर्या नारायण अतिथि ओरेशन (2010), साउथ जोन शाखा एसोसिएशन ऑफ ऑटोलेरेंजोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया दिया, उन्हें प्रमुख अंतरराष्ट्रीय सिर-ग्रीवा सृजनों के चयन में "ई एन टी न्यूज" द्वारा शामिल किया गया, वे द न्यूरो ऑटोलॉजिकल एण्ड इक्वी लिब्रियोमेट्रिक सोसाइटी ऑफ इंडिया के निर्वाचित अध्यक्ष थे, द स्कल बेस सोसाइटी ऑफ इंडिया एण्ड एसोसिएशन ऑफ फोनो सर्जन्स ऑफ इंडिया के अधिशासी निकाय के वे सदस्य थे, वे जनरल ऑफ ई एन टी मास्टर क्लास, यू के 2010-2013 के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य थे, वे द ऑटोलेरेंजोलॉजिस्ट, यू. के, इंटरनेशनल ऑनलाइन जरनल ऑफ ऑटोराइनोलेरिंजोलॉजी, ऑटोलॉजी इंडिया (इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑटोलॉजी का जरनल) तथा इंडिया जरनल ऑफ ऑटोलॉजी के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य थे, वे शिक्षा समिति, फाउंडेशन फॉर हेड एण्ड नेक ओंकोलॉजी के सदस्य थे, वे अगस्त 2010 में न्यूरो डेवलपमेंट डिसेबिलिटीज़ इक्लेन (इंडियन क्लिनिकल एपीडेमियोलॉजी नेटवर्क) के लिए तकनीकी परामर्शी समूह समिति के सदस्य भागीदार थे, वे 7 अगस्त 2010 को ए ओ आई कोयम्बटुर आकदमिक बैठक, कोयम्बटुर में आमंत्रित संकाय थे, उन्हें 7 अगस्त 2010 को कोयम्बटुर मेडिकल कॉलेज कोयम्बटुर की नैदानिक बैठक में संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया, 8 अगस्त 2010 को उन्हें "ए टू जेड इन थाइरॉइड डिसऑर्डर्स" में संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया, 4-5 सितम्बर 2010 को वे डॉ. बी एल कपूर मेमोरियल अस्पताल में टीचिंग वर्कशॉप (सी एम ई) सिर एवं ग्रीवा अर्बुद विज्ञान में आमंत्रित संकाय थे, उन्हें 26 सितम्बर 2010 को ई एन टी सी एम ई कार्यक्रम, सीताराम भारतीय अस्पताल, नई दिल्ली में संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया, वे एच आई एन आई के लिए स्क्रीनिंग, परीक्षण तथा पृथक्करण हेतु दिशानिर्देशों के निरूपण के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे, वे 13-15 अक्तूबर 2010 को इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ हैड नेक ओंकोलॉजी वर्ल्ड टूर बैंगलोर में शामिल थे, वे 11-12 नवम्बर 2010 को सिआलेंड स्कोपी पद द्वितीय अंतरराष्ट्रीय कोष (यूरोपियन सियालेंडेस्कोपी प्रशिक्षण केन्द्र) जी टी बी अस्पताल में सदस्य थे, वे जनवरी 2011 में बेस अस्पताल, दिल्ली कैंट में पी जी अध यन तथा कैडवेरिक डाइसेक्शन वर्कशॉप इन हैड-नेक सर्जरी, 2011 में आमंत्रित संकाय थे, उन्हें फरवरी 2011 में दिल्ली में एसोसिएशन ऑफ द फोनो सर्जन्स ऑफ इंडिया (फोनोकोन 2011) के 7वें वार्षिक सम्मेलन में संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया, वे डिस्टेंस लर्निंग एजुकेशन प्रोग्राम में आमंत्रित संकाय थे, वे फरवरी 2011 में डिप्लोमेट नेशनल बोर्ड एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय थे, वे चेन्नई में जनवरी 2011 में एसोसिएशन ऑफ ऑटोलेरेंजोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया के 63वें ऑप्शन्स फॉर कैंसर लैरिंक्स संबंधी पूर्व सम्मेलन सी एम ई में मुख्य आयोजन तथा संकाय थे, मार्च 2011 में एसोसिएशन ऑफ

ऑटोलेरेंजोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, दिल्ली राज्य शाखा के वार्षिक सम्मेलन में "लेजर्स इन ई एन टी" पर पूर्व सम्मेलन सी एम ई में वे मुख्य आयोजक तथा संकाय थे।

डॉ. राकेश कुमार भारतीय मानक ब्यूरो की ई एन टी शल्य चिकित्सीय उपकरण (एम एच आर 04) संभागीय समिति के सह-सदस्य थे, वे 2010-11 में पूर्व - स्नातक कुरिकुलम समिति के सदस्य थे, 2011-12 में वे स्टाफ काउंसिल, एम्स के सदस्य थे, 2011-2012 में वे एम्स में उप होस्टल अधीक्षक थे, वे जरनल ऑफ क्यूटेनियम एंड एस्थीटिक सर्जरी के समीक्षाकर्ता थे। मार्च 2011 में एसोसिएशन ऑफ ऑटोलेरेंजोलॉजिस्ट अज्ञॅफ इंडिया, दिल्ली राज्य शाखा के वार्षिक सम्मेलन में "लेजर्स इन ई एन टी" पर पूर्व सम्मेलन सी एम ई में वे मुख्य आयोजक तथा संकाय थे।

डॉ. सी वेंकट कार्तिकेयन एथिक्स समिति, एम्स, 2010 के सदस्य थे, वे इंडियन जरनल ऑफ ऑटोलॉजी के सहायक सम्पादक थे, इंडियन जरनल ऑफ पेडियाट्रिक्स के वे समीक्षाकर्ता थे, वे कोर कमेटी ऑफ ट्यूबर कुलोसिस - डॉट्स प्रोग्राम के सदस्य थे, एम्स के लिए नेशनल प्रोग्राम ऑफ प्रीवेंशन ऑफ डेफनेस के वे नोडल अधिकारी थे, वे वार्षिक रिपोर्ट 2010 के लिए सम्पादकीय बोर्ड समिति के सदस्य थे, उन्होंने 22 जुलाई 2010 को नई दिल्ली में इग्नू में दूर सम्मेलन के जरिए "एलर्जिक रिनो माइनिस्टीस" पर ज्ञान वाणी के लिए जन जागरूकता वार्ता की।

डॉ. शुचिता सिंह ने आर एम एल अस्पताल, नई दिल्ली में 27-29 मार्च को दिल्ली राज्य शाखा में 34वें ए ओ आई वार्षिक सम्मेलन में शोध पत्र "इफेक्ट्स ऑफ पर्कोक्लोस्टॉमी स्टीरॉइड इंस्टाजेशन इन कोकलियर इंम्प्लांट पेशेंट्स ऑन न्यूरल रिस्पांस टेली मीटरी एण्ड इम्पीडेंस एण्ड इट्स इम्पेंट ऑन आउटकम रिजल्ट" के लिए प्रथम पुरस्कार जीता।

डॉ. प्रेम सागर ने आर एम एल अस्पताल, नई दिल्ली में 27-29 मार्च को दिल्ली राज्य शाखा में 34वें ए ओ आई वार्षिक सम्मेलन में पोस्टर शीर्षक "टेली स्कोपी टू द पोस्ट : मेटा स्टेटिन पैपिलरी कार्सिनोमा ऑफ थाइरॉइड इन द पैरा फेरिंजल स्पेस" के लिए प्रथम पुरस्कार जीता।

9.25 बालचिकित्सा विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

विनोद के. पॉल

आचार्य

महाराज के. भान
(प्रतिनियुक्ति पर)

अशोक के. देवरारी
अरविंद बग्गा
सुशील के. काबरा
मधुलिका काबरा

अपर आचार्य

पंकज हरी
शेफाली गुलाटी

सह-आचार्य

राकेश लोढ़ा
रचना सेठ
रमेश अग्रवाल
वंदना जैन

वैज्ञानिक

शिंजनी भटनागर (प्रतिनियुक्ति पर)
प्रतिमा रे
मधुमिता राय चौधरी
मंजू सक्सेना

शिक्षा

विभाग पूर्व स्नातक, स्नातकोत्तर, (एमडी), पीएचडी तथा डीएम कार्यक्रमों को शामिल करते हुए नवजात शिशु विज्ञान तथा बाल तंत्रिका रोग विज्ञान में बहु आयामी शिक्षा कार्यक्रम संचालित करता है।

पूर्व स्नातक कार्यक्रम

पूर्व स्नातक विद्यार्थियों ने इण्डियन अकादमी ऑफ पेडियाट्रिक्स की पेडियाट्रिक्स प्रश्नोत्तरी में राष्ट्रीय उपाधि जीतकर विभाग तथा संस्थान का सम्मान बढ़ाया

एमडी पेडियाट्रिक्स कार्यक्रम

विभाग ने निम्न की शुरूआत की (1) नैदानिक मामला चर्चाओं पर अतिरिक्त साप्ताहिक सत्र जिसमें समस्त संकाय भाग लेते हैं, (2) उच्च 70 प्रतिशत बेंचमार्क के साथ नैदानिक विधियों में सक्षमता का आकलन (3) विभाग में स्नातकोत्तरों के लिए नई लॉग पुस्तिका, (4) स्नातकोत्तरों के लिए रूधिर विज्ञान विभाग तथा कैजुएलटी में (दो सप्ताह प्रत्येक) अनिवार्य तैनाती की शुरूआत की गई है, (5) थीसिस प्रोटोकोल के लिए दिशानिर्देश

नियमित कार्यक्रम के अतिरिक्त, स्नातकोत्तरों के लिए निम्न विशेष कार्यशालाएं आयोजित की गई

- डॉ. वंदना जैन द्वारा स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए आयोजित एडवांसेज़ इन मैनजमेंट टाईप 1 डायबिटीज़
- डॉ. एस के काबरा तथा डॉ. मधुलिका द्वारा आयोजित "लैबोरेटरी टेक्नीक्स फॉर पोस्ट ग्रेजुएट्स"

वरिष्ठ रेज़ीडेंसी कार्यक्रम

विभाग ने कनिष्ठ रेजीडेंड को बढ़ाने में सर्वोत्तम वरिष्ठ रेजीडेंट हेतु आवार्ड की शुरूआत की। यह एक योग्यता प्रमाण पत्र है तथा प्रत्येक छः माह में दिया जाता है।

पीएचडी कार्यक्रम

विभाग में विभिन्न प्रभागों में कुल 10 पीएचडी विद्यार्थी थे- बाल चिकित्सा जठरांत्र रोग विज्ञान (4), आनुवंशिकी (5) तथा बाल फुप्फुसरोग विज्ञान (1)।

डॉ. राकेश लोधा द्वारा बाल चिकित्सा गहन देखभाल यूनिट के नर्सिंग स्टॉफ के लिए तथा नवजात विज्ञान प्रभाग द्वारा स्तनपान पर विभिन्न वार्डो की नर्सो के स्तनपान पर विभिन्न वार्डो की नर्सो के लिए इन सर्विस प्रशिक्षण कार्यशालाओं का संचालन किया गया।

विभाग ने क्रमशः इण्डियन अकादमी ऑफ पेडियाट्रिक्स तथा नेशनल निटॉलाजी मंच के तत्वावधान के अंतर्गत फिजियोशियनो तथा नर्सों के लिए बाल चिकित्सा में राष्ट्रीय स्नातकोत्तर पहेली नवजात विज्ञान पहेली (जोनल दौर) का संचालन किया।

अल्प एवं दीर्घावधिक प्रशिक्षण

भारत तथा अन्य देशों से कुल 77 अल्पावधिक प्रशिक्षणार्थियों को विभाग में विभिन्न सुपर स्पेशिलिटीज़ में प्रशिक्षित किया गया

आनुवंशिकी	44	नवजात विज्ञान	14
निफ्रॉलाजी	06	पुलमोनालाजी एवं गहन देखभाल	03
चिकित्सा समाज सेवा	10		

इसके अतिरिक्त राज्य सरकारों द्वारा प्रायोजित 2 प्रशिक्षाणर्थियों ने दीर्घावधिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

विभाग ने निम्नलिखित कार्यशालाओं या प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजक किया :-

1. डीबीटी कार्यशाला - बालचिकित्सा के लिए नैदानिक आनुवंशिकी
2. डीबीटी कार्यशाला - प्रसूति रोग विज्ञानियों के लिए नैदानिक आनुवंशिकी
3. उन्नत मालिक्यूलर साइटोजेनेटिक्स पर डीबीटी कार्यशाला
4. दि करेंट प्रैक्टि ऑफ जेनेटिक एण्ड जिनोमिक मेडीसन संबंधी संगोष्ठी
5. इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ निफ्रालाजी के सहयोग से चौथी बाल चिकित्सा निफ्रॉलाजी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
6. अन्य आयुर्विज्ञान महा विद्यालयों से संकाय सदस्यों के लिए चिकित्सा आधारित साक्ष्य पर कार्यशाला। डॉ. राकेश लोधा और डॉ. रमेश अग्रवाल द्वारा आयोजित

अंतरराष्ट्रीय बैठकें

1. डॉ. वंदना जैन द्वारा बायोलॉजी ऑफ फीटल ग्रोथ रिस्ट्रिक्शन एण्ड इट्स कांसीक्वेंसीज़ पर एक अंतरराष्ट्रीय मंत्रणा का आयोजन किया गया जिसे जैव प्रौद्योगिकी विभाग, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग तथा भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् इंडो - न्यू. एस साइंस एंड टेक्नालाजी फोरम (आईयूएसटीएफ) तथा एमसीएचएसटीएआर/यू.एस एंड ने प्रायोजित किया था। इसमें विश्वभर से इस क्षेत्र के शीर्ष वैज्ञानिकों ने भाग लिया। मंत्रणा में भ्रूण विकास प्रतिबंध तथा प्रसव पश्च विकास एवं शरीर संघटन में कार्डिनल अनुसंधान पूर्विकर्ताओं की अनुशंसा की गई।
2. नवजात विज्ञान प्रभाग, डब्ल्यूएचओसीसी ने छोटो अस्पतालों में नवजात शिशु देखभाल के लिए क्षमता निर्माण, नेटवर्किंग तथा मानक पद्धति दिशानिर्देश विकसित करने संबंधी **साऊथ ईस्ट एशिया रीजनल नेटवर्क बैठक** का संयोजन किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 128

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. बाल स्वास्थ्य में ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए दीर्घावधिक भागीदारी विकसित करने संबंधी ग्लू ग्रांट : अंतर सांस्थानिक संबंधनों में बुनियादी तथा नैदानिक विज्ञान विभागों को संबंद्ध करना। डॉ विनोद के पॉल, डीबीटी, 2010-2015, 7 करोड़ रुपए।

2. अतिभार वाले बच्चों तथा किशोरों में एडिप्टोनेक्टिन, सीआरपी तथा आईएल-6 तथा इंसुलिन प्रतिरोध के साथ उनका संबध / डॉ. वंदना जैन। निधियन अभिकरण : अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान। कुल निधियन : दो लाख रुपए। अवधि : 2010-11

3. केओईजीएस बहुराष्ट्रीय विकास सर्वेक्षण। डॉ. वंदना जैन। निधियन अभिकरण : फाइजर अनुसंधान प्रभाग कुल निधिया : 77,000 रुपए अवधि : 2010-11

4. उत्तरजीविता पर संभावित गंभीर जीवाणु वाले 7 दिनों तथा 4 माह तक की आयु वाले शिशुओं को मुखीय रूप से 10 मिग्रा जिंक देने प्रभाव और परिधीय रक्त एकानाभिकीय कोशिकाओं प्रकार्य निधियन अभिकरण : डॉ बीटी। प्रधान अन्वेषक डॉ. शिंजिनी भटनागर एस.के. प्रसाद। अवधि : 2007-10 कुल निधियां : 88,57,000 रुपए।

5. तीव्र मायोकार्डियल संक्रमण से पीड़ित रोगियों में बांए वेंट्रीकुलर कार्य के सुधार में स्टेम कोशिका की प्रभावोत्पादकता। प्रधान अन्वेषक डॉ. शिंजनी भटनागर डीबीटी निधियन अभिकरण अवधि : 2006-09 एकल निधियां : 15,85,000 रुपए।

6. तीव्र इशेमिक आघात से पीड़ित रोगियों की अंतरशिरा ऑटोलोगस अस्थि-मज्जा प्राप्त स्टेम कोशिका चिकित्सा के लिए आंकड़ा प्रबंधन : एक बहु-संस्थात्मक परियोजना। निधियन अभिकरण : प्रधान अन्वेषक डॉ. इनक्लेन प्रधान शिंजनी भटनागर। अवधि : 2008-09 कुल निधियां : 9,79,600 रुपए।

7. उत्तरी भारत में हीव मेनिनजाइटिस सेंटिनल निगरानी। प्रधान अन्वेषक : डॉ. शिंजिनी भटनागर। निधियन अभिकरण :- जॉन हॉपकिन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, संयुक्त राज्य अमेरिका तथा इनक्लेन डॉ. शिंजिनी भटनागर अवधि : 2008-10 कुल निधियां : 82,02,464

8. सीलिएक के निदान के लिए एक तीव्र नैदानिक परीक्षण का विकास। डॉ शिंजिनी भटनागर तथा डॉ. अरविंद बग्गा, डीबीटी 2010-2011, कुल निधियन : 0.54 लाख रुपए

9. बच्चों और वयस्कों में चिकनगुनिया संक्रमण का मूल्यांकन। डॉ. प्रतिभा रे। डीबीटी द्वारा वित्तपोषित, 2008-11 निधियां : 1.23 करोड़ रुपए।

10. 2007-09 के दौरान अस्पताल में जन्म लिए नवजातों और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली में भर्ती डायरियाग्रस्त बच्चों को संक्रमित करने वाले रोटावायरस स्ट्रेंस की आणविक विशिष्टता। :- डॉ. प्रतिभा रे। आईसीएनआर द्वारा वित्तपोषित 2009-12 निधियां : 34 लाख रुपए।

11. उत्तरजीविता पर संभावित गंभीर जीवाणु संक्रमण वाले 7 दिनों तथा 4 महीने की आयु के शिशुओं को मुखीय रूप से 1 मिग्रा. जिंक देने के प्रभाव और परिधीय रक्त मोनोक्यूक्लियर कोशिकाओं का कार्य। प्रधान डॉ. शिंजिनी भटनागर। डीबीटी द्वारा वित्तपोषित 2007-09 निधियां : 42 लाख रुपए।

12. ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट तथा एम्स के बीच जैव डिज़ाइन तथा इन विटरो डायग्नोस्टिक्स। डॉ. प्रतिमा रे, डीबीटी, 2010-2015, 11 लाख रुपए

13. उत्कृष्टता केंद्र कार्यक्रम सहायता परियोजनाएं। डॉ. मधुलिका काबरा, डॉ. मधुमिता राय चौधरी। डीबीटी द्वारा वित्तपोषित। 2007-12 निधियां : 3.53 करोड़ रुपए।

14. आइडियोपेथिक मानसिक मंदता में क्रिप्टिक सबटेलोमेरिक पुन : व्यवस्था के अभिसूचना के लिए एमएलपीए और क्रम विन्यास सीजीएच का मूल्यांकन। मधुलिका काबरा, डीबीटी द्वारा वित्तपोषित 2007-10 निधियां : 30 लाख रुपए।

15. स्टेरायड प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिन्ड्रोम में आणविक आनुवंशिकी अध्ययन। डॉ. अरविंद बग्गा तथा डॉ. मधुलिका काबरा, डीबीटी द्वारा वित्तपोषित अवधि 2007-10 कुल निधियां : 4.70 लाख रुपए।

16. न्यूप्लॉयड्स का तीव्र जन्मपूर्व पता लगाने के लिए कार्यनीतियों का वैधीकरण। डॉ. मधुलिका काबरा, डॉ. दीपिका डेका, डॉ रश्मि शुक्ला। डीबीटी द्वारा वित्तपोषित 2007-10 निधियां : 17.79 लाख रुपए।

17. आम एकल जीन विकृतियों के गैर - आक्रामक जन्मपूर्व निदान के लिए संभावित साधन के रूप में मैटरनल प्लाज्मा में भ्रूणीय डीएनए की नैदानिक क्षमता का मूल्यांकन। डॉ. मधुलिका काबरा, डॉ. एन रघुराम, डॉ. मधुलिका, डॉ. राय चौधरी, डॉ. दीपिका डेका। डीबीटी द्वारा वित्तपोषित 2007-10 निधियां : 14.92 लाख रुपए।

18. भारतीय आबादी में गैर-लाक्षणिक श्रवण हानि के लिए नए जीन की पहचान। डॉ. मधुलिका काबरा, डॉ. मंजू घोष। डीबीटी द्वारा वित्तपोषित 2007-12 निधियां : 54.28 लाख रुपए।

19. कन्जेनिटल हाइपोथाररॉयडिज्म और कन्जेनिटल एड्रेनल हाइपरप्लाजिया के लिए नवजातों की जांच : एक बहुकेंद्रिक अध्ययन। प्रो. वी.के. पॉल, प्रो. ए.के. देवरारी, डॉ. मधुलिका काबरा, डॉ. शेफाली गुलाटी, डॉ. रमेश अग्रवाल, वंदना जैन, सुमन वशिष्ट। आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित 2007-10 निधियां : 15 लाख रुपए।

20. टाइप - 1 गॉशर रोग से पीड़ित रोगियों में इमीग्लूसेरेज के साथ तुलनीय जीन-प्रेरित मानव ग्लूकोसेरेब्रोसिडेज (जीए-जीसीबी) एंजाइम प्रतिस्थापन चिकित्सा का एक बहुकेंद्रिक, यादृच्छिक, दोहरा अप्रत्यक्ष, समानांतर समूह अध्ययन। डॉ. मधुलिका काबरा, सुमन वशिष्ट। शीरे हयूमन जेनेटिक थिरेपीज, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा वित्तपोषित 2007-10 निधियां : 12 लाख रुपए

21 नवजात स्वास्थ्य में प्रगत अनुसंधान केंद्र। डॉ विनोद के पॉल तथा डॉ. ए.के. देवरारी। आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित, 2010-2015, 9.5 करोड़ रुपए।

22. हेमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोम में एंटीकम्पलीमेंट फैक्टर एच प्रतिजनों का कार्यात्मक लक्षणीकरण तथा आनुवंशिक आधार। डॉ. अरविंद बग्गा, डीबीटी, 2010-11, 76,000 रुपए।

23 कठोर निफ्रोटिक संलक्षण वाले बच्चों में लिम्फोसाईट सबसेट पर रितुक्सी मैब के प्रभाव। डॉ. अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 2010-11, 17 लाख रुपए।

24. बाल्यावस्था के इडियोपैथिक निफ्रोटिक संलक्षण के रोगजनक : नेब टी सेलों का टीएच। तथा टीएच 2 पोलरार्टजेशन एवं रोग कोर्स के साथ इसका संबंध। डॉ. अरविंद बग्गा, डीबीटी, 2010-12, 52 लाख रुपए।

25 स्टीरायड संवेदी निफ्रोटिक संलक्षण वाले बच्चो के लिए लेवामिसोल उपचार : बहुकेंद्रक दोहरा अप्रत्यक्ष प्लेसबो नियंत्रित यादृच्छिक परीक्षण। डॉ. अरविंद बग्गा, एसीई फार्मास्यूटीकल्स, नीदर लैंडस, 2010-12, 21 लाख रुपए।

26. स्टीरॉयड प्रतिरोधक नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले रोगियों में अंत : शिरा साइक्लोफोसफामाईड तथा वैकल्पिक दिवसीय प्रेडनीसोलोन बनाम टैकरोलिमस तथा वैकल्पिक दिवसीय प्रेडनीसोलोन की प्रभावात्मकता की तुलना करते हुए एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। डॉ. अरविंद बग्गा द्वारा आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित 2010-12; 15 लाख रुपए।

27. बच्चों में इडियोपैथिक नेफ्रोटिक संलक्षण की प्रथम घटना के लिए प्रेडिनीसोलोन के साथ 3 माह बनाम 6 माह के उपचार की प्रभावात्मकता की तुलना करने के लिए एक बहुकेंद्रक यादृच्छिक, दोहरा अप्रत्यक्ष प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण। डॉ. अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 2010-12

28. चिरकालिक किडनी रोग वाले बच्चों में प्रोटीन्यूरिया कम करने में मुखीय काल्मीट्रियोल तथा इनेलप्रिल बनाम केवल इनेलप्रिल की प्रभावात्मकता। डॉ. पंकज हरी। आईसीएमआर 2010-2013, 14 लाख रुपए

29. स्टीरायड प्रतिरोधी नेफ्रोटिक संलक्षण में कारोटिड इंटिमा मीडिया मोटाई की प्रगति तथा हाईपर - लिपिडेमिया पर एंटोरवास्टेटिन का प्रभाव। एक यादृच्छीकृत नियंत्रित परीक्षण डॉ. पंकज हरी, आईसीएमआर, 2010-2014, 14 लाख रुपए

30. स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी वाले बच्चों में वेल्प्रोएट का यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण। डॉ. शेफाली गुलाटी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा वित्तपोषित 2008-11 निधियां : 2 लाख : रुपए

31. फ्लोसाइटो द्वारा प्रेरण के अंत में "बी" कोशिका लाइनेज तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल) में अल्पतम अवशिष्ट रोग (एमआरडी) का पता लगाना। डॉ रचना सेठ। निधियन अभिकरण : आईसीएमआर, अवधि : तीन वर्ष 2009-12 निधियां : 35 लाख रुपए

32. भारत में बाल्यावस्था कैंसर उत्तर जीविता के जैव विज्ञान को समझना। डॉ रचना सेठ। एम्स, 2010-2011, एक लाख रुपए

33. अत्यधिक सक्रिय एंटीरेट्रोवायरल उपचार प्राप्त कर रहे एचआईवी संक्रमित बच्चों में जिंक अनुपूरण का प्रतिरक्षी प्रभाव। एक यादृच्छिकृत दोहरा अप्रत्यक्ष प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण। डॉ. राकेश लोढ़ा, निधियन अभिकरण :- आईसीएमआर, 31 लाख रुपए, 2008-10

34. नियत खुराक संयोजनों के साथ एटीरेट्रोवायरल उपचार करवा रहे एचआईवी संक्रमित बच्चों में नेवीरेपीन स्तर। डॉ. राकेश लोढ़ा, निधियन अभिकरण :- आईसीएमआर, 18 लाख रुपए, 2008-10

35. एक एकीकृत ओमिक्स दृष्टिकोण अपनाते हुए अस्थमा में बायोमार्कर खोज। डॉ. राकेश लोढ़ा, निधियन अभिकरण : आईजीआईबी, 48 लाख, रुपए - 2008-10

36. दिल्ली, भारत में बाल्यावस्था पक्ष का रोगियों में जिक अनुपूरणा डॉ एस के काबरा, नार वीजियन विकास अनुसंधान तथा शिक्षा कार्यक्रम (एनयूएफयू), 2007-2012, 1.74 करोड़ रुपए

पूर्ण

1. 3 माह की आयु में ग्रीष्म ऋतु में जन्में अनन्य रूप से स्तनपान पोषित बच्चों की विटामिन डी प्रास्थिति। डॉ. वंदना जैन : अखिल भारतीय आयु विज्ञान संस्थान, कुल निधियन : 1 लाख रुपए, अवधि 2007-08

2. सिस्टिक फाइब्रोसिस वाले बच्चों तथा किशारों में विकास, प्रबर्टी तथा कार्बोहाइड्रेट चयापचय। डॉ. वंदना जैन, एम्स, 2008-08, एक लाख रुपए

3. ई-कोली में रोटावायरस के एनएसपी 4 एन्टोरोटॉक्सिन की क्लोनिंग और अभिव्यक्ति तथा बच्चों में प्राकृतिक रोटावायरस संक्रमण के दौरान एनएसपी 4 विशिष्ट प्रतिरक्षा अनुक्रियाओं का मूल्यांकन डॉ. प्रतिभा रे, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित। निधियां : 20 लाख रुपए।

4 रोटावायरस टीका विकसित करने के लिए भारत-अमेरिकी सहयोग। प्रो. एम. के. भान/डॉ. प्रतिभा रे। एनआईएच द्वारा वित्तपोषित, 2003-08 निधियां : 2.1 करोड़ रुपए।

5. 116 ई रोटावायरस टीका कैंडिडेट की सुरक्षा और प्रतिरक्षा आनुवंशिकी प्रधान अन्वेषक प्रो. एम. के. भान प्रो. डॉ. प्रतिमा रे। डीबीटी द्वारा वित्तपोषित 2000-08. निधियां : 28 रुपए।

6. एम्स में एक बहुकेंद्रीक रोटावायरस अध्ययन से रोटावायरस स्ट्रेन्स की विशिष्टता। अन्वेषक : डॉ प्रतिमा रे। डीबीटी द्वारा वित्तपोषित (2005-08)। निधियां : 31,97,000 रुपए।

7. रोटावायरस के वीपी 3 जीन का आण्विक लक्षण वर्णन। प्रधान अन्वेषक : डॉ. प्रतिमा राय। आईसीएमआर 13,20,000. 00 रुपए।

8. जीन एक्टीवेटिड (आर) ह्यूमन ग्लुकोसेरेब्रोसीडेस (जीए-जीसीबी) एन्जाइम प्रतिस्थापन का एक बहुकेंद्रक, यादृच्छिक दोहरा अप्रयत्क्ष समानांतर समूह अध्ययन। डॉ. मधुलिका काबरा। शायर ह्यूमन जेनेटिक थिरेपीज़ संयुक्त राज्य अमरीका, 18 माह, 2009-2010, 10 लाख रुपए।

9. नवजात शिशुओं में विटामिन के 1 उपचार की प्रणालीबद्ध समीक्षा। डॉ. विनोद के पॉल, विश्व स्वास्थ्य संगठन, 2009-2010, 2.4 लाख रुपए।

10. पीलिया ग्रस्त नवजात शिशुओं में फोटोथैरेपी कब की जाए अथवा रक्ताधान विनियम कब किया जाए - इस संबंध में प्रणालीबद्ध समीक्षा। डॉ. अशोक देवरारी। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वित्तपोषित। कुल निधियन 4.8 लाख रुपए। अवधि 2009-10.

11 कम वजन वाले शिशुओं के लिए निम्न लागत वाले डायपर का विकास। पी. आइ. प्रो. विनोद के पॉल के साथ, अवधि 2006-08 डीबीटी द्वारा वित्तपोषित। कुल निधियां : 25 लाख रुपए (एसआईआईआर)।

12. जन्म के समय तथा 3 माह की आयु में कम जन्म भार वाले शिशुओं की सूक्ष्म पौषणिक तत्व प्रस्थिति। प्रधान अन्वेषक : डॉ. रमेश अग्रवाल। आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित कुल निधियन 13 लाख रुपए, अवधि 2009-10

13. वेसिकुरेटिक्स रिफ्लेक्स के उपचार में एंटीबायोटिक प्रोफिलेक्टिस : एक यादृच्छिक दोहरा अप्रत्यक्ष प्लेसेबो नियंत्रित परीक्षण। डॉ. पंकज हरी, आईसीएमआर, 2006-09, 11 लाख रुपए।

14. न्यूरोट्रॉफिक कारकों (इन्सुलिन सदृश वृद्धि कारक-1) के माध्यम से ऑटिज्म के कोशिका संकेतन मार्ग में विपथन को समझाना और इन्सुलिन सदृश वृद्धिकारक-1 (आईजीएफ-1), ऑटिज्म के नैदानिक संलक्षण और ऑटिज्म दर्जानिर्धारण पैमाने पर उसके प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए ओलेनजेपाइन के साथ यादृच्छिक अप्रत्यक्ष परीक्षण करना। डॉ रचना सेठ। विज्ञान और प्रौद्योगिकी द्वारा वित्तपोषित, 2006-09 निधियां : 4 लाख रुपए।

15. बाल्यावस्था ल्यूकेमिया में मनोसामाजिक तथा तंत्रिका संज्ञानात्मक परिणामों का निर्धारण। डॉ. रचना सेठ, एम्स, 2006-2009, 67.000 रुपए

16. कैंसर से पीड़ित बच्चों में एन्थ्रेसाइक्लिन प्रेरित मायोकार्डियल कार्डियोटॉक्सीसिटी का मूल्यांकन : इकोकार्डियोग्राफी और एमयूजीए के साथ एक तुलनात्मक अध्ययन। डॉ. रचना सेठ, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, अवधि : 2006-09 निधिया 40,000 रुपए।

17. किसी तृतीयक देखभल अस्पताल में फेब्राइल न्यूट्रोपेनिक पेडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी के रोगियों में संक्रमणों का अध्ययन। डॉ. रचना सेठ, एम्स, 2009, एक लाख रुपए।

18. एम्स में सीएफ सेवाओं का सुदृढ़ीकरण। डॉ. एस. के. काबरा। सिस्टिक फायब्रोसिस वर्ल्ड वाईड (सीएफडब्ल्यू) 2006-2010, 4 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. कैच अप ग्रोथ इन टर्म लो बर्थ वेट इन्फैंटस
2. सीलियाक रोग का पता लगाने में बायोवार्ड सीलियाक रोग किट की संवेदनीयता तथा विशिष्टता।
3. अग्नाशय के कैंसर के विकास के लिए चिरकालिक पैंक्रिएटाइटिस और अन्य जोखिम कारकों का अध्ययन।
4. रेट संलक्षण में आण्विक आनुवंशिकी अध्ययन।
5. तत्समय पी सी आर का प्रयोग करते हुए इडियोपैथिक मानसिक मंदता वाले बच्चों में सबटोलो मेरिक अंसतुलना का अध यपन।

6. आर्गेनिक एएिडूरिया के भारतीय रोगियों में आण्विक आनुवंशिकी अध्ययन।

7. अक्सर रिलेप्सिंग नेफ्रोटिक संलक्षण वाले रोगियों में रिलेप्स दरें कम करने में जिंक अनुपूरण की प्रभावात्मकता की जांच करने के लिए यादृच्छिक दोहरा अप्रत्यक्ष प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण।

8. हेमोडायलिसिस के दौरान रक्त प्रमात्रा तथा इन्फीरियर वेना करवा डायमीटर में परिवर्तनों की निगरानी द्वारा शुष्क भार का निर्धारण

9. दि इफेक्ट ऑफ स्ट्रिक्ट ब्लड प्रेशर कंट्रोल वाई एम्बुलेटरी ब्लड प्रेशर मानीटरिंग ऑन कारोटिड इंटिमा मीडिया थिकनेस, फ्लो मीडिएटिड मीडिएटिव डायलेटेशन, लेफ्ट वेन्ट्रीक्यूलर इंटिमा मॉस इंडेक्स एण्ड लेफ्ट वेंट्रीकुलर हाइपर ट्रॉफी इन रीनल ट्रांसप्लांट चिल्ड्रन

10. 2 से 15 वर्ष के बीच की आयु के जीबीएस ग्रस्त बच्चों में एचआर परिवर्तनीयता का अध्ययन करना

11. बाल्यावस्था मांसपेशीय डिस्ट्राफी के निदान में तवचा बायोप्सी की भूमिका

12. आटिस्म तथा एडीएचडी वाले बच्चो में रक्त भारी धातु स्तर। एक अनुप्रस्थ अध्ययन

13. टेलीफोनिक फोलो अप ऑफ चिल्ड्रन विद माइल्ड न्यूरो सिस्टी सरकोसिस विद सीज़र्स : हाऊ एक्यूरेट इट इज़ टू आइडेंटीफाई टू मैनेजमेंट रिलेटिड इवेंटस

14. यूजीटीआईए 6 के आनुवंशिक पोलीमार्फिज़्म की व्यापकता तथा वेल प्रोएट मोनोथिरैपी करवा रहे बच्चों में सीरम वेल प्रोएट स्तरों के साथ उनके संबंध का अध्ययन

15. रिफ्रैक्टरी एपीलेप्सी वाले बच्चो में लो ग्लाइमेमिक इंडेक्स डाइट थिरेपी का प्रभावात्मकता एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन

16. क्रम में कम छः माह से विटामिन नई अनुपूरण (आरडीए का दोगुना) रहे एक से 18 वर्ष की आयु के बच्चों में इलेक्ट्रोफिज़ियोलाजीकल डिफाइंड पेरिफेरल न्यूरोपैथी की व्यापकता

17. न्यूरोडेवलपमेंटल एण्ड एपीलेप्सी आऊटकम इन चिल्ड्रन एजेंड वन टू फाईव इसमें विद इंफैंटाईल स्पाज़्म्स, वन और ओर ईचर्स ऑफ्टर ऑनसेट ए क्रॉस सेक्शनल स्टडी

18. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया उत्तरजीवियो में संज्ञानात्मक कमिया तथा संज्ञानात्मक प्रास्थिति

19. तीव्र प्रोमीलोसाइटिक ल्यूकेमिया में प्रथम रेखा उपचार के रूप में आर्सेनिक की भूमिका का मूल्यांकन

20. दि रोल ऑफ एफडीजी पीईटी इन रिजाल्विंग थिरेपटिक डायलेमा इन पेडियाट्रिक हाजकिन लिम्फोमा

21. बच्चों में एंटीटयूबर क्यूलर उपचार से फामासोकाइनेटिक्स

22. <15 वर्षीय इम्यूनोकाम्प्रोमाइज़्ड न्यूमोनिया ग्रस्त बच्चों के गोमोरी मीयेनामाईन सिल्वर स्टेन तथा पोलीमीरेज़ चेन रिएक्शन द्वारा अभिप्रेरित स्पूटम पर न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी की व्याप्तता

23. चिकनगुनिया वायरस जीनों की क्लोनिंग तथा अभिव्यक्ति और बच्चों एवं वयस्कों में चिकनगुनिया पैथोजेनेसिस में उनकी भूमिका का मूल्यांकन।

24. 5-15 वर्ष के आयु समूह के बच्चो में अनियंत्रित अस्थमा की पहचान में एफईएनओ की भूमिका

25. यक्षमा - भारतीय बच्चो में टयूब टेस्ट में क्वांटीफेरोन गोल्ड के नैदानिक मूल्य का मूल्यांकन। अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य में एम फिल यूनिवर्सिटी ऑफ बर्जेन, नार्वे थीसिस।

पूर्ण

1. एक्स-प्रीटर्म शिशुओं में अस्थि खनिज सघनता
2. मोटे तथा सामान्य बच्चों में सीरम तथा इंटरारीथ्रोसाईट मैग्नीशियन स्तर की तुलना तथा इंसुलिन प्रतिरोध के साथ उसका सहसंबंध।
3. सिस्टिक फाइब्रोसिस वाले बच्चों में इम्पेयर्ड ग्लूकोज सहायता।
4. अग्नाशय के कैंसर के विकास के लिए चिरकालिक पैंक्रिएटाइटिस और अन्य जोखिम कारकों का अध्ययन।
5. एक्टोडर्मल डिस्प्लासिया तथा इचथायोसिस के भारतीय रोगियों में आणविक आनुवंशिकी अध्ययन
6. प्रीटर्म नवजात बच्चों में लाक्षणिक पीडीए की स्वामात्विक पूर्ववृत्त तथा उस के निदान में बीएनपी की भूमिका
7. नवजात शिशुओं में रिसंसटिएशन बैगस में भिन्न प्रवाहन दरो पर परिदत्त आक्सीजन सकेंद्रण
8. तृतीयक देखभाल परिवेश में नवजात देखभाल की लागत
9. आर एच आइसोइम्युनिज़ेशन में पीलिया की रोकथाम में फेनोब्राबीटोन की भूमिका
10. नवजात शिशुओं में श्रवण दोष की जांच के लिए बीईआर फोना का नैदानिक सामर्थ्य
11. एजीए तथा एसजीए प्रीटर्म नवजात, शिशुओं में लौह भंडार
12. प्रीटर्म एसजीए और एजीए शिशुओं में ईईजी की परिपक्वता
13. टर्म तथा लेट प्रीटर्म नवजात शिशुओं की माताओं में स्तनपान की समस्याएं।
14. डचेन मस्क्यूल डिस्ट्रॉफी वाले एम्बूलेटरी बच्चों में प्रेडनिसोलोन चिकित्सा के दैनिक बनाम आंतरायिक (माह में 10 दिन) की तुलना : एक मुक्त लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
15. परिणाम का पूर्वानुमान लगाने में गैर-ट्रामाटिक कॉमा वाले 5-18 वर्षीय बच्चों में गैर अनुक्रियात्मकता (एफओयूआर) स्कोर कॉमा पैमाने तथा ग्लासगो कॉमा पैमाने (जीसीएस) की पूर्ण रूपरेखा की तुलना (अंत : अस्पताल मर्त्यता तथा डिस्चार्ज पर कार्यात्मक परिणाम)
16. रेट संलक्षण वाले भारतीय बच्चों में आणविक आनुवंशिकीय अध्ययन।
17 2-9 वर्षीय आयु के बच्चों में सेरीब्रल पक्षाघात सहित एपीलेप्सी तथा न्यूरोमोटर हानि के लिए नए नैदानिक उपकरण का वैधीकरण
18. रिफ्रैक्टरी एपीलेप्सि वाले बच्चों में संशोधित एटकिन्स आहार की प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
19. एंटी-रेट्रोवायरल उपचार प्राप्त कर रहे पांच वर्ष से अधिक की आयु वाले एचआईवी संक्रमित बच्चों में न्यूरोपैथी की नैदानिक तथा इलेक्ट्रोफिज़ियोलॉजीकल विशिष्टताएं।
20. इन्फेंटाईल स्पास्म वाले रोगियों में संशोधित एटिकन्स आहार का मूल्यांकन : एक प्रायोगिक अध्ययन
21. बाल्यावस्था गिलियन बार सिंड्रोम के नैदानिक तथा इलेक्ट्रोफिज़ियोलॉजीकल विशिष्टताएं : एक अनुप्रस्थ अध्ययन।
22. प्रीटर्म एसजीए और एजीए शिशुओं में ईईजी की परिपक्वता
23 एम्स में नवजात गहन देखभाल का लागत निर्धारण
24. हाईपर बिलिरू बिनेमिया की रोकथाम के लिए आर एच आइसोइम्यूनाइज़ेशन वाले शिशुओं में फेनो बार्बीटोन की प्रभावात्मकता

25 प्रीटर्म एजीए तथा प्रीटर्म एसजीए शिशुओं में सीरम लौह भंडार की तुलना

26 माताओं तथा शिशुओं में स्तन पान की समस्याएं : एक कोहोर्ट अध्ययन (एमएससी थीसिस, कॉलेज ऑफ नर्सिंग)

27. कैंसर चिकित्सा के दीर्घ/विलम्बित प्रभाव के लिए बाल कैंसर रोगी उत्तरजीवियों का मूल्यांकन।

28. फेब्राईल न्यूट्रोपेनिक पेडियाट्रिक अर्बुदविज्ञान के रोगियों में संक्रमणों के प्रोफाईल का अध्ययन करना तथा एंटीमाइक्रोवियल संवेद नीयता प्रोफाईल का निर्धारण करना

29. बाल अबुर्दविज्ञान रोगियों में फेब्राईल न्यूट्रोपेनिक एपीसोड्स में प्रतिकूल परिणाम के अनुमानकों का मूल्यांकन (सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग)

30. अस्थमा के मृदु तीव्र पात वाले 5-15 वर्षीय आयु के बच्चों में फारमोट्रोल तथा सरलबुटमोल के तीव्र ब्रोंकोडायलेटरी प्रभाव की तुलना : एक दोहरा अप्रत्यक्ष यादृच्छिक नियंत्रिण परीक्षण 2008-2011

31. अत्यंत गंभीर बीमार बच्चों में हाईपर ग्लाई सीमिया।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. बच्चों में रिकेटो के उपचार में एकल खुराक 6 लाख आईयू. आराचिटोल की प्रभावोत्पादकता तथा सुरक्षा (अंत : स्राविकी तथा चयापचय विभाग)। आईसीएमआर युवा मधुमेह रजिस्टरी (अंत : स्राविकी तथा चयापचय विभाग)

2. आईसीएमआर युग मधुमेह रजिस्ट्री (अंतः स्राविकी एवं चयापचय विभाग

3. आईसीएमआर बाल्यावस्था ओबिसिटी टास्क फोर्स (अंतः स्राविकी एवं चयाअपचय विभाग)

4. बाल्यावस्था से जीएचडी ग्रस्त एशियाई भारतीय रोगियों में जीनोटाईप - फीनो टाईप सह संबंध (शरीर रचना विभाग)

3. भारतीय संदर्भ में डाऊन संलक्षण का जन्म पूर्व पता लगाने के लिए आकस्मिक सिक्वेंशल स्क्रीनिंग के साथ एकीकृत स्क्रीनिंग की तुलना। प्रो. सीमा कपूर आनुवंशिकी प्रभाग, बाल चिकित्सा विभाग, मौलाना आज़ाद मेडीकल कॉलेज़, नई दिल्ली के सहयोग से।

6. फरीदाबाद जिले में नवजात विज्ञानी नवजात देखभाल सेवाएं (सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़) रोल ऑफ इन यूटेरो इंजेक्शन ऑफ स्टीरॉयड्स इन प्रेग्नेंसिज अंडर गोईंग फीटल इंटरवेंशन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)

7. कठिन उपचार वाली एपीलेप्सी में अनुसंधान केंद्र (तंत्रिका शल्य चिकित्सा एवं तंत्रिका रोग विज्ञान)

8. विभिन्न मेंनिंगिटिस के संक्रमणों से ग्रस्त रोगियों से सीएसएफ प्रोटीनों की बायो मार्कर खोज के लिए व्यापक प्रोटियोमिक्स प्रोफाईलिंग (जैव प्रौद्योगिकी विभाग)

9. भारत में बाल्यावस्था इन्ट्रैक्टेबल एपीलेप्सी के रोगियों में प्रारंभिक बनाम विलम्बित शल्य चिकित्सा का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (तंत्रिका रोग विज्ञान विभाग)

10. स्पास्टिक सेरिब्रल पालसी वाले बच्चों में एडजंक्टिव उपचार के रूप में रिफ्लेक्सॉलोजी का मूल्यांकन (जैव भौतिकी विभाग)।

11. वेस्ट संलक्षण वाले बच्चों में एडजंक्टिव उपचार के रूप में रिफ्लेक्सॉलोजी का मूल्यांकन (जैव भौतिकी विभाग)।

12. वयस्क कोशिकाओं से डचेन मस्कुलर डिस्ट्राफी रोग विशिष्ट अभिप्रेरित प्लूरीपोटेंट मूल कोशिकाओं का विकास तथा लक्षण वर्णन करना। (ओआरबीओ)

13. बाल अबुर्दविज्ञान रोगियों में फेब्राईल न्यूट्रोपेनिक एपीसोड्स में प्रतिकूल परिणाम के अनुमानकों का मूल्यांकन (सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग)

14. पेडिएट्रिक कैंसर और पेडिएट्रिक कैंसर के उत्तरजीवियों में मायोकार्डियल क्रिया का मूल्यांकन; कैंसर थिरेपी के दीर्घ/विलंबित प्रभावों का एक सतत् मूल्यांकन (कार्डियोलॉजी विभाग)

15. इंटरा आक्यूलर रेटिनो ब्लास्टोमा के उपचार में फोकल सुदृढीकरण तथा सर्वांगी कीमो अपचयन का मूल्यांकन (नेत्र रोग विज्ञान विभाग)

16. उपकरण संबद्ध संक्रमणों के विशेष संदर्भ के साथ बाल उच्च जोखिम यूनिट में नोसोकोमियल संक्रमणों संबंधी यादृच्छिक अध्ययन (सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग)

17. न्यूमोसिस्टिस कारिनी जेरोवेसी न्यूमोनिया का पता लगाने के लिए वास्तविक टाइमर मात्रात्मक पोलीमिरेज़ श्रृंखला प्रतिक्रिया परख आधारित टकमैन का विकास। सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग

18. अतिरिक्त फुप्फुसीय तपेदिक से ग्रस्त रोगियों में माइकोबैक्टर्मिया का पता लगाना। प्रयोगशाला चिकित्सा

19. भारत में बच्चों में एचआईवी 1 संक्रमण का प्रतिरक्षा विज्ञानी लक्षण वर्णन (जैव रसायन)।

पूर्ण

1. नेसोफेरेंजिल कार्सीनोमा में टयूमर का आकार और वस्कुलेरिटी कम करने में फ्लूटेमाइड की प्रभावोत्पादकता (ईएनटी विभाग)

2. अधिक वजन वाले किशोरावस्था पूर्व और किशोरों में शारीरिक वसा और चयापचयी संलक्षण संकेतकों के साथ इसका संबंध (नैदानिक औषध विज्ञान प्रभाग कायचिकित्सा विभाग)।

3. ग्रामीण परिवेश में नवजात देखभाल में एएसएचए (आशा) कर्मवार को शामिल करने की व्यवहार्यता (सीआरएचएसपी)

4. विकास प्रतिबंधित सगर्भताओं में यूट्रीन/अम्बलिकल धमनी प्रवाहन पैटर्न (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)

5. विगाबेट्रीन प्राप्त कर रहे बच्चों में फंडल परिवर्तन (डॉ आर पी केंद्र)

6. मांसपेशीय डिस्ट्रॉफी में कार्डियोमायोपैथी के लिए ऊतक डोप्लर छविकरण के साथ जांच

7. बाल्यावस्था कैंसर में एल्थ्रासाइक्लिन विषाक्तता का मूल्यांकन : एकोकार्डियोग्राफी और "मूगा" के साथ एक तुलनात्मक अध्ययन (कार्डियोलॉजी और नाभिकीय चिकित्सा)।

8. "इन्थ्रेसाइक्लिन रसायन चिकित्सा प्राप्त कर रहे एएलएल वाले बच्चों में "मूगा" और पारम्परिक एकोकार्डियोग्राफी तथा ऊतक डॉप्लर एकोकार्डियोग्राफी द्वारा कार्डियक क्रिया" का आकलन किया गया है और डीएम शोध-निबंध के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

9. स्वाईन मूल लीनिएज के पैनडेमिक एच1 एन1 (पीएच1एन1) के लिए वर्धित सर्विलेंस : एक बहुकेंद्रक अध्ययन। "भारत में स्थायी इन्फ्लूएंजा सर्विलेंस नेटवर्क का विकास करने" के लिए इण्डिया सप्लीमेटल परियोजना। सूक्ष्म जीव विज्ञान।

10. तीव्र श्वसनीय संक्रमण इन्फ्लूएंसा वाइरस स्ट्रेन का एंटीजेनिक और आणविक लक्षण वर्णन (सूक्ष्म जैव-विज्ञान विभाग)

11. बाल तीव्र ल्यूकेमिया प्रेरण में प्राथमिक एंटीफंगल प्रोफीलेक्सिस हेतु मुखीय वोरीकोनाज़ोल बनाम अंतः शिरा निम्न खुराक एम्फोटेरिसीन बी : एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नैदानिक अध्ययन (चिकित्सा अबुर्दविज्ञान विभाग)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 107

पुस्तकों में अध्याय : 64

पुस्तकें : 11

रोगी उपचार

बाह्य रोगी सेवाएं

बाल चिकित्सा विभाग बाल चिकित्सा ओपीडी में प्रतिदिन से सामान्य ओपीडी सेवाएं प्रदान करता है। विभाग द्वारा 15 अतिविशिष्ट सेवाएं प्रदान की जाती हैं, जो निम्नानुसार हैं :-

सेवा का नाम	नए रोगी	पुराने रोगी	कुल उपस्थिति
सामान्य ओपीडी	30930	42034	72973
बालतंत्रिका विज्ञान क्लिनिक	754	2112	2866
पेशीविकृति क्लिनिक	294	602	896
बाल जठरांत्र रोगविज्ञान यकृत विज्ञान एवं पोषण	1122	3164	4286
स्वस्थ शिशु क्लिनिक	248	492	740
उच्च जोखिम नवजात विज्ञान क्लिनिक	416	2164	2580
बाल चिकित्सा वृक्क विज्ञान क्लिनिक	522	3854	4376
बाल चिकित्सा वक्ष क्लिनिक	577	4650	5227
बाल चिकित्सा तपेदिक क्लिनिक	346	1605	2001
बाल चिकित्सा रूमैटोलॉजी क्लिनिक	132	1469	1601
आनुवंशिकी एवं जन्म दोष क्लिनिक	2572	1180	3752
बाल अबुर्दविज्ञान क्लिनिक	301	1802	2103
बाल कैंसरविज्ञान उत्तरजीविता क्लिनिक	430	148	578
बाल अंतः स्राविकी एवं चयापचय क्लिनिक	1097	1500	2597
विकास क्लिनिक	207	312	519
कुल योग	**39948**	**65284**	**1052732**

इसके अतिरिक्त बाल वक्ष क्लिनिक में सिस्टिक फिब्रोसिस एवं बाल एचआईवी सेवाएं भी प्रदान की गई।

फिजियोथेरेपी सेवाएं तंत्रिका वैज्ञानिक क्लिनिक, पेशीविकृति क्लिनिक आनुवंशिकी क्लिनिक, विकास क्लिनिक, बाल चिकित्सा वक्ष क्लिनिक, रूमेटोलॉजी क्लिनिक में आने वाले रोगियों में फिजियोथिरैंपी सेवाएं और ओपीडी सेवाओं प्रदान की गई थीं।

आहारीय सेवाएं बाल चिकित्सा जठरांत्ररोगविज्ञान; यकृत विज्ञान और पोषाहार क्लिनिक, बाल चिकित्सा वक्ष क्लिनिक और सामान्य ओपीडी सेवा में आने वाले रोगियों को प्रदान की गई।

चिकित्सा सामाजिक सेवाएं बाल रोग वार्ड में दाखिल सभी रोगियों तथा उपचार क्लिनिक तथा सामान्य ओपीडी में आने वाले सभी रोगियों को प्रदान की गई थीं।

अंतरंग सेवाएं

- अंतरंग सेवाओं में सामान्य वार्डों में भर्ती सुविधा, दिवस उपचार सुविधा, ओरल रीहाइड्रेशन यूनिट तथा बाल सघन उपचार सुविधा सम्मिलित है।

- छोटे ऑपरेशनों अथवा इंटरवेंशनों की आवश्यकता वाले बच्चों को सी-5 वार्ड में स्थित दिवस उपचार सुविधा में एक दिन के लिए भर्ती किया जाता है।
- तीव्र अतिसार रोगों से पीड़ित बच्चों को भर्ती किया जाता है और उन्हें सी-5 वार्ड में स्थित ओरल रीहाइड्रेशन यूनिट (ओआरयू) में ओरल रीहाइड्रेशन चिकित्सा प्रदान की जाती है।
- सघन उपचार की आवश्यकता वाले बच्चों को बाल सघन उपचार एकक में भर्ती किया जाता है जो कि गंभीर रूप से बीमार बच्चों को उपचार प्रदान करने के लिए सभी प्रकार के उपकरणों से लैस है।
- 10 बिस्तर प्रत्येक वाले दो नवजात सघन देखभाल यूनिटों (एसओसीयूए एवं बी) तथा एक 10 बिस्तर वाले कंगारू मातृ देखभाल यूनिट के जरिए नवजात देखभाल सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

बाल चिकित्सा वार्डो में दीर्घ भर्ती	377+818	1195
दिवस उपचार सुविधा में भर्ती (लघु भर्ती)	2360+1896	4256
बाल सघन उपचार एकक (पीआईसीयू) में भर्ती रोगी		200
मैकेनिकल वैट्रीलेशन		182
एनआईसी पूर्व प्रवेश (एनआईसीयूए और बी)		311
नवजात वेंटीलेशन		77

विशेष जांच/प्रक्रियाएं

अंतः स्त्रविकीविज्ञान

वाटर डिप्राइवेशन जांच	10	वेसोप्रेसीन चैलेंज जांच	10
एसीटीएच स्टिमुलेशन जांच	26	एचसीजी स्टिमुलेशन जांच	40
जीएनआरएच स्टिमुलेशन जांच	30	डेक्सामेथेसोन सप्रेशन जांच	10
जीएच स्टिमुलेशन जांच	30	रूपांतरित मौखिक ग्लूकोज़ सहनशीलता परीक्षण	40
रूपांतरिक मौखिक ग्लूकोज़ सहनशीलता परीक्षण	10	एम्बुलेटरी बीपी रिकॉर्डिंग	05
एचएए1ग (देखभाल परीक्षण स्थल)	200		

हमने अपने मधुमेह रोगियों के लिए 2010 में एचबीए1 सी परीक्षण (अंगुली चुभन से) देखभाल स्थल की शुरूआत की है।

जठरांत्र रोगविज्ञान, यकृत विज्ञान और पोषण

ऊपर जठरांत्र रोग विज्ञानी एंडोस्कोपी तथा कोलोनोस्कोपी	1017

प्रयोगशाला सुविधाएं

सीलियाक सीरॉलाजी	461	सी-रिएक्टिव प्रोटीन	410
फीकल फैट	26	डीजाईलोस	09
स्टूल पीए एवं रेडयूसिंग सब्स्टेंस	400		

सीडी सिरॉलाजी

आईएफए (एईए) रोग तथा टीटीजी एलिसा के निदान के लिए	600 प्रत्येक

फीकल फैट (सुडान 3 स्टेन प्रमाणात्मक)	28		
डी-साइलोज प्रभावात्मक	60		
(क्रोनिक ग्रेन्यूलोमेटस रोग के लिए एनबीटी)			
सेप्सिस के लिए निदान			
सीआरपी : लेटेक्स एग्लुटीनेशन (अर्ध प्रमात्रात्मक)	1200		
पीसीटी : फैमिलुमिनेसेंस परख	250		
सूक्ष्मपोषाहार परख			
सीरम जिंक, अनुसंधान 4500		रोगी देखभाल	25
सीरम कॉपर अनुसंधान 4500		रोगी देखभाल	25
अंतः स्राविकी के लिए परख			
एचबीए1 सी	103	17-ओएचपी	
वक्क विज्ञान के लिए परख			
एलिसा द्वारा कम्पलीमेंट कारक 'एच' आकलन	101		
एलिसा द्वारा एंटी सीएफएच - प्रतिजन आकलन	101		
आनुवंशिकी			
विकासात्मक/व्यवहार मूल्क आकलन और इंटरवेंशन	1092		
साइटो जेनेटिक्स प्रयोगशाला			
परिधीय रक्त संवर्धक	629	कारियोटाइपिंग के लिए कार्ड संवर्धन	57
एम्नियोटिक द्रव संवर्धन	236	सीवीएस संवर्धन	23
प्रसाव पूर्व परीक्षण के लिए क्यूएफपीसीआर	173		
जैवरासयनिक प्रयोगशाला			
ट्रिपल जांच द्वारा उच्च जोखिम संगर्भता हेतु जन्म-पूर्व निदान(एमएसएएफपी,) ए एचसीजी, मुफ्त एस्ट्रियॉल)	1808 प्रत्येक		
एमिनो एसिड चयापचयी की विकृतियों के लिए टीएलसी			
क) मूल	185		
ख) प्लाजमा	लागू नहीं		
म्यूकोपोलीसेकेरिडॉयसिस की विकृतियां (मूत्र स्थल परीक्षा)	80		
होमोसिस्ट्रेन्यूरिया परीक्षण	46	मूत्र में लघुकारी पदार्थ	203
डीएनपीएच	205	एफईसी 13	191
मूत्र पोरफीरिया	29	ओलिगोसेशेराइड्स	16
चयापचयी की जन्मजात त्रुटि के लिए एन्जाइम विश्लेषण			
एन्जाइम विश्लेषण के लिए कुल रोगियों की संख्या	370		
एकल एन्जाइम विश्लेषण	106	बहु एन्जाइम विश्लेषण	264

एन्जाइम विश्लेषण विकृति	**एन**
एराइलसल्फेट ए मेटाक्रोमेटिक	77
बी-ग्लूकोसिडेज गॉशर रोग	
अल्फा-आईडयूरोनिडेज हर्लर-सिंड्रोम (एमपीएस1)	19
आईडयूरोनेट सल्फेटेज हंटर सिन्ड्रोम (एमपीएस2)	24
गेलेकटसोज-6 मारकिओ ए सल्फेट सल्फेटेज (एमपीएस 4 ए)	1
बी-गेलेक्टोसिडेज जीएमआई गैंगलियोसाइडॉसिस और मारकिओ बी (एमपीएस4बी)	55
एराइलसल्फेटेज बी मेरोटिक्स-लेमी सिन्ड्रोम (एमपीएस 6)	6
बीटा-ग्लुकरोनिडेज एमपीएस 7	25
हेक्सोसेमोनिडेज ए टे सैश (जीएम2)	54
गैलेक्टोज 1 फॉस्फेट गैलेक्टोसेमिया यूरीडाइल ट्रांसफेरेज	21
बायोटिनीडेज जांच परीक्षण	19
प्लाज्मा हेक्सोसमीनीडेज ए	01
प्लाज्मा - एएसए	05
चीटोट्रायथसीडेस (प्लाज्मा)	27

आणविक प्रयोगशाला

थेलेसेमिया म्यूटेशन अध्ययन (सीक्वेंसिंग व एआरएमएस)	345	थेलेसेमिया जन्म पूर्व निदान	106
डचेन मस्क्यूल डिस्ट्रॉफी (डीएमडी) परिवार अध्ययन	263	डीएमडी जन्म-पूर्व निदान	18
सिस्टिक फाइब्रोसिस परिवार अध्ययन	60	सिस्टिक फाइब्रोसिस जन्मपूर्व निदान	1
स्पाइनल मस्क्यूलर एट्रॉफी परिवार अध्ययन	78	स्पाइनल मस्क्यूलर एट्रॉफी जन्म-पूर्व निदान	8
हीमोफीलिया ए परिवार अध्ययन	9	हीमोफीलिया ए परिवार निदान	1
हीमोफीलिया बी परिवार अध्ययन	1	हीमोफीलिया बी परिवार निदान	1
फ्रेजाइल एक्स स्क्रीनिंग	135	फ्रेजाइल एक्स जन्मपूर्व निदान	1
जीनोटाइपिंग हेतु इंटरसेक्स मामले	48	स्केलेटल डिस्प्लाजिया म्यूटेशन्स	18
कोनेक्सिन 26 म्यूटेशन	48		
एमएलसी म्यूटेशन परीक्षण	10	एमएलसी जन्मपूर्व निदान	2
रेट सिंड्रोम म्यूटेशन परीक्षण	54	रेट सिंड्रोम जन्मपूर्व निदान (क्रम निर्धारण)	2
एमआर के लिए एमएलपीए	100	डीएमडी के लिए एमएलपीए	2
पार्डर बिली सिन्ड्रोम (एमएलपीए/मेथीलेशन पीसीआर)	24	एंजलमैन सिंड्रोम	2
सीएएच म्यूटेशन अध्ययन	57	सीएएच जन्मपूर्व अध्ययन	4

वृक्कविज्ञान

हीमोडायलिसीस	1037
तीव्र पेरिटोनियल डायलिसीस (ऑटोमेटेड पेरिटोनियल डायलिसीस सहित)	151
निरंतर एम्बूलेटरी पेरिटोनियल डायलिसीस	17
प्लाज्माफेरेसिस सत्र	114
अस्थायी हीमोडायलिसीस कैथेटर स्थापन (आंतरिक जुगला, सबक्लेविन फीमोरल)	60
वृक्क जीवितोपरीक्षा	120
वृक्क प्रत्यारोपण	08

तंत्रिकाविज्ञान

ईपीएस प्रयोगशाला

ईईजी

(नेमी 1974+एम्बुलेटरी 74+विडियो 25) = 2073

एनसीवी	313	ईएमजी	108
आरएनएसटी	15	मांसपेशी जीवितोपरीक्षा	139
त्वचा जीवितोपरीक्षा	15	तंत्रिका जीवितोपरीक्षा	07
आर्टिरियल लेक्टेट	310	सीएसएफ लेक्टेट	157

अबुर्दविज्ञान

अस्थि मज्जा जांच :	480	सीएसएफ जांच	360
लिम्फानोड एस्पिरेशन :	25	फलोसाइटोमीटरी	60

क्लिनिकल : प्रति सप्ताह 2

फुप्फुसविज्ञान और गहन उपचार

स्वीट जांच	450	ब्रोंकोस्कोपी	150
स्पूरक इंडक्शन	570	एम्बुलेटरी गेस्ट्रिक एस्पीरेट	570
क्वांटीफेरोन परख	340	स्पिरोमीट्रि	450
इंफेनट पीएफटी	98	इम्पल्स ओसिलोमीटरी	167
एफईएनओ अनुमानन	450	नेज़ल स्क्रेपिंग	154
एक्जेल्ड ब्रेथ केंडेंसेट (ईबीएस)	154		

बाल गह देखभाल

प्रवेश	200	मैकेनिकल वेंटिलेशन	182

समुदाय सेवा

विभाग ने समुदाय के पणधारकों के साथ निम्न बैठकें आयोजित की :-

- रेटर संलक्षण के संबंध मं माता पिता परस्पर क्रिया बैठक
- डाउन संलक्षण के संबंध में माता पिता बैठक
- ऑटिस्म के लिए माता पिता बैठक
- बाल्यावस्था कैंसर के संबंध में माता पिता परस्पर क्रिया बैठक, नवंबर, 2010
- बाल्यावस्था कैंसर में समर्थक देखभाल तथा वित्तीय सहायता पर माता पिता शिक्षा बैठक, मार्च, 2011

चिकित्सीय समाज सेवाएं

प्रकार्य :	रोगियों की संख्या
परामर्श	3500
• व्यष्टि परामर्श	विशेष रूप में गम्भीर बीमार
• समूह परामर्श	रोगी (एनएस, सीआरएफ, एआरएफ,
• परिवार परामर्श	सीकेडी, एचआईवी+सीएलडी
• संबंध परामर्श	और अन्य रोग)
रोगियों के रेलवे रिआयत देना	1250
प्रभारो से छूट	1600
रोगियों के लिए अस्पताल मेडी स्टोर/शल्यचिकित्सा स्टरेर से चिकित्सीय/शल्य चिकित्सीय/ मदों की सिफारिश तथा व्यवस्था	450
धर्मशालाओं के लिए सिफारिश	150

सरकार तथा एनजीओ से गरीब रोगियों के लिए वित्तीय सहायता जुटाना

प्रधानमंत्री राहत निधि, राष्ट्रीय सहायता निधि, राज्य सग्णता सहायता निधि, मुख्य मंत्री राहत निधि, अस्पताल निर्धन निध एम्स सोनियन्स निधि, महिला एवं बाल सहायता, सीएएनकेआईडीएम, एचसीआरए, कॉटन कम्सेप्ट, अमूल सहारा, भारत जर्मन समाज सेवा न्यास, रेडक्रॉस सोसायटी : 55 लाख रुपए से अधिक की सहायता निर्धन रोगियों के लिए जुटाई गई।

बाल कल्याण समिति के जरिए 9 अज्ञात शिशुओं को पुनर्वामित किया गया।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

विभागीय

- हमने परामर्श तथा सर्वसम्मति के जरिए विभाग की **संकल्पना, मिशन तथा अंतर्हित मूल्यों** संबंधी कथन तैयार किए हैं :

0 **संकल्पना :** हमारी संकल्पना वर्ष 2020 से पूर्व विश्व के दस सर्वोनम बाल रोग अकादमिक केंद्रों में से एक बनाने की है।

0 **मिशन :** हमारा मिशन निम्न क्षेत्रों में विश्व स्तरीय उत्कृष्टता के जरिए बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार करने का है;

▪ **शिक्षा :** विविध प्रदायकों को बाल स्वास्थ्य में ज्ञान, कौशल तथा सक्षमताएं प्रदान करना

▪ **रोगी देखभाल :** विशेषज्ञता आधारित, साक्ष्याधारित इक्विटी चालित तथा आधुनिकतम बाल देखभाल सुनिश्चित करना

- **अनुसंधान :** व्यष्टि तथा आबादी स्तर पर बाल स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए जानकारी का सृजन तथा उसका प्रयोग करना
- **नवाचार :** नवीन समाधान निकालना तथा बाल स्वास्थ्य को परिरक्षित, संरक्षित तथा बहाल करने के लिए नवीन प्रौद्योगिकियों का दोहन करना।
- **नीतिगत सहायता :** बाल स्वास्थ्य नीति तथा कार्यक्रम के लिए सरकार तथा अन्य पणधारकों को तकनीकी सहायता प्रदान करना।

0 **अंतर्हित मूल्य :** हम निम्न के लिए प्रतिबद्ध हैं :-

- **जवाबदेही :** समाज के प्रति जवाबदेह तथा संस्थान के कार्य (अधिनियम), मिशन तथा ब्रांड के प्रति इमानदार होना
- **परामर्श समर्थकारी बनाना :** विद्यार्थियों के लिए देखभाल पूर्ण परामर्श/मंत्रणा सुनिश्चित करना ताकि उन्हें सीखने, अन्वेषण करने, अभिनव परिवर्तन लाने तथा उत्कृष्टता प्राप्त करने में समर्थकारी बनाया जा सके।
- **बाल अनुकूलता :** बच्चों को माननीय, परिवार केंद्रित तथा बाल अनुकूल सेवाएं प्रदान करना।
- **भागीदारिता :** बाल स्वास्थ्य को पैमाने के अनुसार रूपांतरित करने के लिए देरा के भीतर तथा बाहर भागीदारिता का पोषण करना।
- **दल भावना :** एक दल के रूप में कार्य करना तथा बहुविधात्मक दृष्टिकोण को व्यवहार में लाना।
- **सु-अभिशासन :** एक भागीदारीपूर्ण पारदर्शी तथा सर्वसम्मति आधारित निर्णयन एवं अभिशासन सुनिश्चित करना।
- **भ्रातृत्व की भावना :** विश्वास, सम्मान तथा भ्रातृत्व सुमेलता का महौल अभिप्रेरित करना।

- विभाग ने 5 वर्षों में 2 मिलियन अमरीकी डॉलर के निधियन के साथ सभी उप विशेषज्ञताओं में अन्वेषकों के साथ सम्मानित **ग्लू ग्रांट ऑन ट्रांसलेशनल रिसर्च इन चाइल्ड हेल्थ** प्राप्त किया।
- **नवजात विज्ञान प्रभाग, बाल रोग विभाग को निरंतर चौथी बार चार और वर्षो के लिए** दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र के लिए नवजात देखभाल में प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन सहयोग केंद्र के रूप में मान्य किया गया है।
- **बाल चिकित्सा विज्ञान संगोष्ठी श्रृंखला** पीएचडी विद्यार्थियों, डीएम विद्यार्थियों, स्नातकोत्तरों, वैज्ञानिक तथा संकाय में बुनियादी विज्ञान अवधारणाओं की जानकारी बढ़ाने के लिए माह में एक बार वार्ताओं के लिए आमंत्रित कर शुरू की गई हैं (डॉ. मधुलिका तथा डॉ. प्रतिभा रे)।
- **नवजात विज्ञान प्रभाग, बाल चिकित्सा विभाग** को **आईसीएमआर, नई दिल्ली द्वारा प्रगत नवजात स्वास्थ्य अनुसंधान केंद्र 2010-14 के रूप में 5 वर्ष के लिए 9.5 करोड़ रुपए के निधियन अनुदान** के साथ मान्यता प्रदान की गई है।
- नवजात विभाग प्रभाग ने **वेबसाइट** www.newbornwhocc.org का संचालन जारी रखा है। वेबसाइट में हमारे प्रभाग के क्रियाकलापों पर विशिष्ट प्रकाश डाला जाता है तथा नवजात विज्ञान प्रभाग द्वारा विकसित डाटा अधिगम संसाधन सामग्री, डाटा संग्रहण हेतु सॉफ्टवेयर इत्यादि तक मुक्त अभिगम उपलब्ध कराया जाता है। इसे पहले ही 100000 बार से अधिक देखा जा चुका है।
- **पीजीआई** चंडीगढ़ के सहयोग में नवजात विज्ञान प्रभाग ने नियमित आधार पर डीएम फैलो के लिए प्रत्येक दो सप्ताह में नियमित **दूर शिक्षा** कक्षाएं प्रचालनीकृत की है जिनमें दोनों संस्थाओं से संकाय तथा विद्यार्थी भाग लेते हैं।
- नवजात विज्ञान प्रभाग ने **इंटरएक्टिव मंच पर ऑनलाइन अधिगम** के लिए अनिवार्य नवजात देखभाल संबंधी एक अध्यापन अधिगम पैकेज विकसित किया है। इसका प्रयोग भागीदार संस्थाओं में कुशल अधिगम के साथ दूरवर्ती स्थानों पर स्वास्थ्य प्रोफेशनलों को शिक्षित करने के लिए किया जा रहा है।

- विभाग द्वारा विकसित **गोट लंग सर्फेक्टेंट एक्स्ट्रेक्ट** को कैडीसर्फ के रूप में सिथला द्वारा विपणन हेतु समुचित विनियामक प्राधिकारियों द्वारा लाइसेंस प्रदान किया गया है।
- विभाग द्वारा विकसित **रोटा वायरस** टीके के अब अधिक आबादी पर फेज 3 नैदानिक परीक्षण आरंभ किए जा चुके हैं।

प्रो. विनोद के पॉल माननीय प्रधान मंत्री के निर्देश पर योजना आयोग द्वारा गठित यूनिवर्सल हेल्थकेयर कवरेज संबंधी उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समूह के सदस्य, उन्होंने मानव स्वास्थ्य संसाधन संबंधी समूह की अध्यक्षता की; वे जैव प्रौद्योगिकी विभाग की एफोर्डेबल हेल्थ केयर बायोटेक्नोलॉजी समिति के सदस्य थे; वे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के प्रतिरक्षण संबंधी राष्ट्रीय तकनीकी परामर्शी समूह (एनटीएजीआई) के सदस्य थे; वे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की आरसीएच ड्रग्स समिति के सदस्य थे; वे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के बैचलर ऑफ रूरल मेडिकल प्रैक्टीनशनर कोर्स संबंधी समिति के सदस्य थे; वे महिला एवं बाल विकास विभाग की राष्ट्रीय कोडेक्स समिति के सदस्य थे; वे राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन संबंधी अंतराष्ट्रीय परामर्शी पैनल के सदस्य थे; वे यूनिवर्सल हेल्थ केयर इन इडिया पर लैंडमार्क लैंसेट श्रृंखला के सम्पादक तथा प्रमुख लेखक थे; वे एनआईएच/एनआईसीएचडी तथा बाल स्वास्थ्य की भागीदारी में मातृत्व तथा बाल स्वास्थ्य अनुसंधान संबंधी भारत-अमरीकी संयुक्त कार्यदल के सदस्य थे; वे महिला एवं बाल स्वास्थ्य संबंधी अंतर सरकारी भारत अमरीकी कार्यकारी समूह के सदस्य थे; विश्व स्वास्थ्य संगठन जिनेवा द्वारा संचालित मातृत्व नवजात तथा बाल स्वास्थ्य हेतु वैश्विक भागीदारी (पीएमएनसीएच) बोर्ड के वे सह-अध्यक्ष थे; वे संयुक्त राष्ट्र महासचिव द्वारा निरूपित महिला एवं बाल स्वास्थ्य हेतु वैश्विक कार्यनीति के निरूपण हेतु कार्यदल (2010) के सदस्य थे; उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को नवजात स्वास्थ्य अकादमिक्स के प्रतिनिधि के रूप में निविष्टियां प्रदान की। उन्हें महा सचिव बान की मूल से सरहाना पत्र प्राप्त हुआ; उन्होंने भारत के राष्ट्रपति द्वारा उद्घाटित एमडीजी 4 तथा 5 पर वैश्विक "भागीदारी बैठक : फ्रॉम प्लेजिज टू एक्शन" का आयोजन किया जो एमएनसीएच पर 2010 दिल्ली घोषणा में परिणम हुए; उन्होंने महिला डिलिवर सम्मेलन, वाशिंगटन डीसी में चर्चाओं की अध्यक्षता की; उन्हें लंदन में सम्मानित प्रशांत स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया गया; वे नवजात सेप्सिस के लिए एक नवीन देखभाल स्थल विकसित करने के लिए पीएटीएच - गेट्स फाउंडेशन पहल के लिए तकनीकी परामर्शी समिति के सदस्य हैं; वे अनुसंधान एनजीओएसएनईएचए (मुंबई) के तकनीकी परामर्शी समूह के सदस्य हैं; वे राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की क्रीडेंशल समिति के परामर्शी पैनल के सदस्य हैं; छोटे अस्पतालों में रुग्ण बच्चों की देखभाल के लिए नैदानिक देखभाल दिशानिर्देशों को संशोधित करने के लिए डब्ल्यूएचओ, जिनेवा के अस्थायी परामर्शदाता हैं; वे बाल मर्त्यता पर नवजात विटामिन ए अनुपूरण के प्रभाव संबंधी डब्ल्यूएच बहु केंद्रक अध्ययन के लिए डाटा सेफ्टी मानीटरिंग बोर्ड के सदस्य हैं। वे बाल स्वास्थ्य एपीडेमियोलॉजी अनुसंधान समूह, (भारत) के सदस्य हैं; वे आईसीएमआर की निम्न समितियों के सदस्य हैं :- राष्ट्रीय एथिक्स समिति, जन्म जात दोषों पर कृतिक बल, नवजात संक्रमण निगरानी नेटवर्क के लिए वैज्ञानिक परामर्शी समिति, तथा वे सदस्य कोर ग्रथ फॉर दि टास्क फोर्स स्टडी ऑन होमब्सेड मैनेजमेंट ऑफ न्यूबोर्न एंड यंग इन्फेंट स्टडी हैं। उन्हें भारत के प्रजननात्मक तथा बाल स्वास्थ्य मुद्दों पर चर्चा करने के लिए लंदन स्कूल ऑफ ट्रापीकल मेडिसन एण्ड हाइजीन द्वारा आमंत्रित किया गया; वे राष्ट्रीय नवजात विज्ञान मंच के शासी निकाय के सदस्य हैं; पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली के वे सह-संकाय हैं।

प्रो. ए. के. देवरारी ने पश्चिम बंगाल, हरियाणा में स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढ़ीकरण हेतु यूएनओपीएस 2010 के राष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया; वे आईसीएमआर परियोजना समीक्षा बोर्ड, 2010 के सदस्य हैं; उन्होंने 21 जनवरी 2011 से मालदीव में डब्ल्यूआर मालदीव सुदृढ़ीकरण हेतु एसइएआरओ/डब्ल्यूआर मालदीव द्वारा 12 दिन की अवधि के लिए जन स्वास्थ्य मंत्रालय, मालदीव सरकार की सहायता करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन परामर्शदाता के रूप में कार्य किया; उन्हें सनवजात स्वास्थ्य पर डब्ल्यूएचओ मुख्यालय की प्रजननात्मक स्वास्थ्य लायब्रेरी के लिए 2011 में प्रादेशिक समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया; वे जयपुर में आयोजित वार्षिक एनएनएफ बैठक में सीपीएपी संबंधी कार्यशाला के समन्वयक थे; वे जयपुर में आयोजित वार्षिक आईएपी बैठक में सीपीएपी सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित आईआईटी खड़गपुर द्वारा क्रियान्वित परियोजना 'डेवलपमेंट ऑफ ए वेब एनेब्ल्ड ई-हेल्थकेयर सिस्टम फॉर नियोनेटल पेशन्ट केयर सर्विसेस (ईएनपीसीएस) की प्रगति की समीक्षा करने के लिए परियोजना समीक्षा संचालन समूह (पीआरएसजी) की प्रथम बैठक में भाग लिया।

प्रो. अरविंद बग्गा भारतीय पेडियाट्रिक्स, इंडियन जरनल ऑफ पेडियाट्रिक्स के एसोसिएट सम्पादक थे; वे सम्पादकीय बोर्ड, पेडियाट्रिक रिसर्च, वर्ल्ड जरनल ऑफ पेडियाट्रिक्स; इंडियन जरनल ऑफ प्रैक्टीकल पेडियाट्रिक्स; इंटरनेशनल एडवाईजरी बोर्ड, करेंट पेडियाट्रिक्स एण्ड चाइल्ड हेल्थ के सदस्य थे।

डॉ. पंकज हरी इंडियन पेडियाट्रिक्स, इंडियन अकादमी ऑफ पेडियाट्रिक्स के सरकारी जरनल के लिए समीक्षाकर्ता थे।

डॉ. शेफाली गुलाटी ने आईसीएमआर के लिए तंत्रिका विज्ञानी परियोजनाओं के लिए विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया तथा वे अमेरिकन जरनल ऑफ मेडिकल जेनेटिक्स सहित विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय जरनलों के लिए समीक्षाकर्ता भी थे; उन्हें ब्रिटिश साइकलाजिकल सोसायटी, दि रॉयल कालेज ऑफ द्वारा साइकियाट्रिस्ट तथा बीएमजी पब्लिशिंग ग्रूप द्वारा प्रकाशित की जाने वाली अंतर्राष्ट्रीय डाइजेस्ट साक्ष्या धारित मानसिक स्वास्थ्य के लिए कर्मेंटेटर के रूप में चुना गया; राष्ट्रीय एपीलेप्सी नियंत्रण कार्यक्रम, निर्माण भवन, नई दिल्ली के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया; उन्हें न्यूरो डेवलपमेंटल डिसेबिलिटीस प्रोजेक्ट के भाग के रूप में इन्क्लेन इंस्ट्रूमेंट फॉर डायग्नॉसिस ऑफ अटेंशन - डिफिसिट / हाइपर एक्टीविटी डिसार्डर (आई-एफडीए), इन्क्लेव डायग्नास्टिक इवेलुएशन फॉर ऑटिस्म (आइडिया), इन्क्लेव डायगनास्टिक इवेल्युएशन फॉर एपीलेप्सी (आई-डीईईपी) तथा (आई-डीईसी) को भारतीय बच्चों में वैधीकृत किया गया है तथा उन्हें सुस्थापित अंतर्राष्ट्रीय साधनों के समान सही माना गया है। इन सांस्कृतिक रूप से संवेदी साधनों का प्रयोग हमारे देश में तथा अन्य संसाधन बाधित देशों में किया जा सकता है क्योंकि उन्हें शीघ्र ही प्रकाशित किया जा रहा है तथा निशुल्क उपलब्ध कराया जाएंगा। हमारी प्रभाग इन वैधीकरण अध्ययनों का प्रमुख योगदान रहा है; तंत्रिका विज्ञानी दल (आर्य आर, गुलाटी एस, काबरा एम, साहू जे के, कालरा वी) द्वारा शोधपत्र फ्रोल्कि एसिड सप्लीमेंटेशन प्रीवेंटस फीनोटायन इन्डयूसड जिंजिवियल ओवर ग्रोथ इन चिल्ड्रन। न्यूरोलॉजी 2011; 76(15) : 1338-43 का चयन प्रो. नायन बी फाउंटेन, निदेशक, ड्रेफस काम्प्रीहेंसिव एपीलेप्सी प्रोग्राम, यूनिवर्सिटी ऑफ वर्जीनिया के साथ पोडकास्ट साक्षात्कार (गुलाटी एस तथा अर्या आर) के लिए किया गया।

डॉ. राकेश लोधा इंडियन पेडियाट्रिक्स के एसोसिएट सम्पादक थे; वे इंडियन जरनल ऑफ पेडियाट्रिक्स के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य थे; वे पेडियाट्रिक एचआईवी संबंधी नाको के तकनीकी संदर्भ समूह के सदस्य थे।

डॉ. रचना सेठ को सेंट जूडे वाइवा फोरम फॉर हेमाटोलॉजीकल मैलिग्नेंसिस, सिंगापुर में करने के लिए फैलोशिप प्रदान की गई; वे जीव दया फाउंडेशन, संयुक्त राज्य अमरीका की इंडियन पेडियाट्रिक आंकोलॉजी इनीशिएटिव (आईपीओआई) के सदस्य थे; विभाग के पेडियाट्रिक आंकोलॉजी प्रभाग के सेंट मैलिग्नेंसिस में एक नियमित केंद्र के रूप में नामित किया गया है। हमारे विभाग से स्नातकोत्तर दल ने राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट तथा स्वास्थ्य केंद्र के 10वें वार्षिक सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार जीता है।

डॉ. रमेश अग्रवाल आईसीएमआर द्वारा दो कृतिक बल अध्ययनों संबंधी अनुसंधान समीक्षा बोर्ड के सदस्य थे नामतः रोल ऑफ मैगसल्फ इन एक्लाम्पसिया एण्ड फिएजीनिलिटी ऑफ केएमसी इन कम्यूनिटी सेटिंग्स; फैक्ल्टी इन एवीडेंस बेसड मेडिसन : टीओटी इन कोलेबोरेशन विद यूनिवर्सिटी कालेज ऑफ लंदन।

डॉ. वंदना जैन को शोधपत्र "मैग्नीशियन एण्ड इनसुलिक रेजिस्टेंस इन ओवरवेट चिल्ड्रन" का प्रस्तुतीकरण बूनोस एरिज़, अर्जेटीना में इंटरनेशनल सोसायटी फॉर पेडियाट्रिक एण्ड एडोलोसेंट डायबिटीज (आईएसपीएडी) की 36वी वार्षिक बैठक में करने के लिए यात्रा सहायता प्रदान की गई; उन्होंने आईएपी पूर्व स्नातक तथा स्नातकोत्तर पेडियाट्रिक प्रश्नोत्तरी का समन्वय किया। आइएपीयूजी प्रश्नोत्तरी दल ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर संस्थान का तथा विभाग का सम्मान बढ़ाया; वे एम्स की शिक्षण अनुसूची समिति तथा करिकुलम समिति की सदस्या थी।

डॉ. शिंजिनी भटनागर इंस्टीट्यूट ऑफ वन वर्ल्ड हेल्थ के डायरिया हेतु तकनीकी परामर्शी बोर्ड की सदस्या थी; वे डायरिया के उपचार हेतु तर्क संगत दिशानिर्देशों के प्रसार के लिए राष्ट्रीय परामर्शी समूह के लिए यूनिसेफ तथा इंडियन अकादमी ऑफ पेडियाट्रिक्स की राष्ट्रीय समन्वयक थीं।

डॉ. प्रतिमा रे को वरिष्ठ जैव - चिकित्सा वैज्ञानिक 2007 के लिए आईसीएमआर अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप प्रदान की गई; उन्हें अमेरिकन सोसायटी ऑफ न्यूरोलॉजी का आजीवन सदस्य चुना गया; वे राष्ट्रीय एड नियंत्रण संगठन के तकनीकी संदर्भ समूह (पेडियाट्रिक) 2011 की सदस्या हैं;

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ. उल्फ क्लैंगबाई, होलैंड
2. डॉ. शैलेश गोचैल, नई दिल्ली
3. प्रो. विनोद भुटानी, यूएसए
4. डॉ. राम प्रसाद, चैन्नई
5. डॉ. अश्विनी कुमार मिश्रा, नई दिल्ली
6. डॉ. सियारा ओ सलीवन, स्पेन
7. एडलेड, ऑस्ट्रेलिया से पेडियाट्रिक एंडोक्रिनोलाजिस्ट डॉ. अलेक्सिा पेना ने अप्रैल 2010 में किशोरों में चयापचय संलक्षण तथा एंडोथीलियल डिस्फंक्शन पर वार्ता की।

9.26 बाल शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

डी. के. गुप्ता

आचार्य और अध्यक्ष

वी. भटनागर

आचार्य

एम. वाजपेयी

अपर आचार्य

एस. अग्रवाला　　　　　　एम. श्रीनिवास

शिक्षा

स्नातकपूर्व चिकित्सा और नर्सिंग छात्रों का अध्यापन। स्नातकोत्तर अध्यापन और एमसीएच बाल शल्य क्रिया प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण - संगोष्ठियों जर्नल क्लबों, रोगी चर्चाओं सहित। थीसिस प्रस्तुतियां तथा अध्यापन दौरे। प्रशिक्षणार्थी क्रमावर्तन पर एमसीएच प्रशिक्षणार्थी न्यूरोसर्जरी में, डीएम प्रशिक्षणार्थी न्यूरोलॉजी में, एमएस प्रशिक्षणार्थी सामान्य शल्य क्रिया में। बीएससी तथा एमएससी नर्सिंग छात्रों का वार्ड में प्रशिक्षण।

इसके अतिरिक्त कोरिया, ऑस्ट्रिया तथा स्विटज़रलैंड से शिक्षाथियों ने अल्पावधि प्रशिक्षण लिया।

सीएमई/राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए भाषण : 22

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

1. एक संकल्पना मॉडल : मूषकों में बिलिअरी ऐट्रेशिया के किसी प्रायोगिक मॉडल में ऑटोलोगस तथा मानव स्टेम कोशिका की भूमिका। डी.के.गुप्ता, आईसीएमआर। 2008-चल रही है।
2. हाइड्रोनेफ्रासिस के साथ एंटीनेटली निदान किए गए बच्चों के दीर्घावधि परिणाम।
3. ऐंन्टीबायोटिक प्रॉफ़िलेक्सिस इन द मेनेजमैंट ऑफ़ वेसिको यूरेटेरिक रिफ़्लक्स : ए मल्टीसेंट्रिक रैंडोमाइज़्ड डबल ब्लाइंड प्लेसबो कंट्रोल्ड ट्रायल। वी.भटनागर, शिशु रोग नेफ्रोलॉजी के साथ आईसीएमआर परियोजना।
4. ए स्टडी ऑन क्लिनिकल एंड मॉलिक्यूलर मार्कर्ज़ ऑफ़ क्रॉनिक इन्टरस्टीशियल नेफ्रोपैथी इन कंजेनिटल यूनीलेटरल यूरेटरोपेल्विक जंक्शन ऑबस्ट्रक्शन (नॉन जेनेटिक मार्कर्ज़)। एम. बाजपेयी।
5. पोस्टीरियर यूरेथ्रल वॉल्वज़ के निदान तथा उपचार में आणविक मार्कर्ज़ की भूमिका का अध्ययन करना। एम बाजपेयी।
6. जेनेटिक पैरामीटर्ज़ ऑफ़ न्यूरोब्लास्टोमा : फ़ाइन नीडल ऐस्पिरेशन कल्चर्ज़ पर एक अध्ययन। एस. अग्रवाल, एम्स का अनुसंधान अनुदान। 2009-2010, 1 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. क्रोस्ड फ़्यूज़्ड रीनल एक्टोपिया में प्रबंधन विषयों का अध्ययन।

2. अपस्थानिक वृक्कों में प्रबंधन विषयों का अध्ययन।

3. कम्पैरिज़न ऑफ़ एफ़िकेसी ऑफ़ कॉन्टिनुअस एपिड्यूरल इन्फ़्युयन ऑफ़ मॉर्फ़ीन, फेन्टानिल एंड कंबिनेशन ऑफ़ मॉर्फ़ीन एंड फ़ेन्टानिल विद ब्युपिवेक्साइन फ़ॉर पोस्ट - ऑपरेटिव एनेल्जेशिया इन चिल्ड्रन।

4. इफ़ेक्ट ऑफ़ इन्ट्रालेज़िओनल इंजेक्शन सक्लेरोथेरैपी यूजिंग Na+ टेट्राडेसिल सल्फेट इन वैस्कुलर मालफ़ंक्शन्ज़।

5. इफ़ेक्ट ऑफ़ इन्ट्रालेज़िओनल इंजेक्शन सक्लेरोथेरैपी यूजिंग Na+ टेट्राडेसिल सल्फेट इन वैस्कुलर मालफ़ंक्शन्ज़।

6. ईवैलुएशन ऑफ़ एन-माइक एम्प्लिफ़िकेशन एंड टाइरोसीन हाइड्राक्सिलेस इन न्यूरोब्लास्टोमा।

7. दीर्घ अवधि ईवैलुएशन ऑफ़ चिल्ड्रन अंडरगोइंग डेफ़िनिटिव प्रोसीजर फ़ॉर हिर्सच्सपरंग्ज़ डिज़ीज़।

8. दीर्घ अवधि आउटकम ऑफ़ चिल्ड्रन ट्रीटिड फ़ॉर पोस्टीरियर यूरेथ्रल वॉल्व।

9. दीर्घ अवर्धि रिज़ल्ट्स फ़ॉलोइंग कसाइज़ प्रोसीजर फ़ॉर बिलियरी ऐट्रेशिया।

10. दीर्घ अवधि रिज़ल्ट्स फ़ॉलोइंग पीडिएट्रिक पाइलोप्लास्टी यूजिंग सिंगल ट्रांन्सैनेस्टोमोटिक स्टेंट।

11. दीर्घ अवर्धि रिज़ल्ट्स फ़ॉलोइंग पाइपोप्लास्टी इन सालिटरी किडनीज़।

12. दीर्घ अवधि रिज़ल्ट्स फ़ॉलोइंग रीइम्प्लाटेशन ऑफ़ यूरेटर्ज़ इन अंडर वन वियर ओल्ड पेशेन्ट्स विद वीयूआर

13. दीर्घ अवर्धि रिज़ल्ट्स फ़ॉलोइंग ट्यूबलराइज़ेशन ऑफ़ पाउच कोलोन फ़ॉर पुल थ्रू।

14. दीर्घ अवधि रिज़ल्ट्स इन एसिंप्टोमैटिक पेशेंट्स ऑपरेटिड फ़ॉर हाइपोस्पेडियाज़।

15. मोनोथैरेपी फ़ॉर स्टैंडर्ड रिस्क हेपैटोब्लास्टोमा।

16. म्यूकस प्रोडक्शन इन द निओब्लैडर ऑफ़्टर ऑगमेंटेशन कोलोसिस्टोप्लास्टी।

17. मस्कुलोस्केलेटल एंड पल्मोनरी फंक्शनल एब्नार्मेलिटीज़ ऑफ़्टर थोरेसिक सर्जरीज़।

18. न्यूरोजेनिक ब्लैडर : ए स्टडी ऑन आइडेंटिफ़िकेशन ऑफ़ रिस्क ग्रुप्स एंड देयर थेराप्यूटिक इम्प्लिकेशन्ज़।

19. प्रॉस्पेक्टिव स्टडी ऑफ़ ट्रीटमेंट ऑफ़ चिल्ड्रन विद हेपैटोब्लास्टोमा ऑन ट्रीटमेंट विद प्लैडो रेजीम।

20. प्रॉस्पेक्टिव स्टडी ऑफ़ ट्रीटमेंट ऑफ़ चिल्ड्रन विद रैब्डोमायोसरकोमा ऑन ट्रीटमेंट विद आईआरएस-5 रेजिमेन।

21. प्रॉस्पेक्टिव स्टडी ऑफ़ ट्रीटमेंट ऑफ़ चिल्ड्रन विद विलम्ज़ ट्यूमर ऑन ट्रीटमेंट विद एनडब्ल्यूटीएस - 5 रेजिमेन।

22. प्रॉस्पेक्टिव स्टडी ऑन फ़ाइव ड्रग रेजिमेन फ़ॉर द मेनेजमेंट ऑफ़ क्लियर सेल सर्कोमा ऑफ़ द किडनी।

23. रिज़ल्ट्स ऑफ़ द आउटकम ऑफ़ ट्रीटमेंट ऑफ़ न्यूरोब्लास्टोमा इन चिल्ड्रन बाई यूजिंग मॉडरेटली इन्टेन्स केमोथैरेपी कन्सिस्टिंग ऑफ़ साइक्लोफास्फेमाइड, डॉक्सोरुबिसिन, इटोपोसाइड एंड सिसप्लैटिन इन कंबिनेशन विद सर्जरी एंड रेडियोथैरेपी।

24. रिजल्ट्स विद द यूज़ ऑफ़ प्लैटिनम बेस्ड रेजीम्ज़ इन द ट्रीटमेंट ऑफ़ पीडिएट्रिक मेलिग्नेंट जर्म सेल ट्यूमर्स।

25. रोल ऑफ़ ऑटोलोगस बोन मैरो मोनोन्युक्लियर स्टेम सेल्ज़ इन पोलियो एफ़ेक्टिड न्यूरोलॉजिकली डेफ़िसिट पेशेंट्स।

26. टु स्टडी दि इफ़ेक्ट ऑफ़ इप्सिलेटरल यूरेटेरिक ऑब्स्ट्रक्शन ऑन कॉन्ट्रालेटरल किडनी एंड द रोल ऑफ़ रेनिन एन्जियोटेन्सिन सिस्टम ब्लॉकेड ऑन रीनल रिकवरी इन एक्सपेरिमेंटली इंड्यूस्ड यूनिलेटरल यूरेटेरिक ऑब्सट्रक्शन ए मॉर्फ़ोमीट्रिक एनेलेसिस।

27. टु स्टडी द हिस्टोलॉजिकल चेंजिज़ फ़ॉलोइंग द यूज़ ऑफ़ कल्चर्ड मोनोन्युक्लियर स्टेम सेल्ज़ इन ए रैट मॉडल ऑफ़ रीनल डिस्प्लेसिया।

28. यूज़ ऑफ़ स्टेरॉयड एंड बीटा ब्लॉकर्ज़ इन चिल्ड्रन विद हेमेंजियोमास-ए डबल ब्लाइंड कंट्रोल्ड स्टडी।

पूर्ण

1. दीर्घ अवधि आउटकम ऑफ़ चिल्ड्रन ट्रीटिड फ़ॉर पोस्टीरियर यूरेथ्रल वॉल्व।
2. दीर्घ अवधि रिज़ल्ट्स फ़ॉलोइंग पीडिएट्रिक पाइलोप्लास्टी यूज़िंग सिंगल ट्रान्सऐनास्टोमोटिक स्टेन्ट।
3. आउटकम्ज़ ऑफ़ पल्मोनरी मैटास्टेटेक्टोमी फ़ॉर पीडिएट्रिक सॉलिड ट्यूमर्ज़।
4. टू स्टडी दि इफ़ेक्ट ऑफ़ इप्सिलेटरल यूरेटिक ऑब्स्ट्रक्शन ऑन कांट्रालेटरल किडनी एंड द रोल ऑफ़ रेनिन एन्जियोटेन्सिन सिस्टम ब्लॉकेड ऑन रीनल रिकवरी इन एक्सपेरिमेंटली इंड्यूस्ड यूनिलेटरल यूरेटेरिक ऑब्सट्रक्शनए मार्फ़ोमीट्रिक एनैलिसिस।
5. टु स्टडी द रोल ऑफ़ रेनिन एंजियोटेन्सिन सिस्टम ब्लॉकेड ऑन रीनल रिकवरी इन एक्सपेरिमेंटली इंड्यूस्ड यूनिलेटरल यूरेटेरिक ऑब्सट्रक्शन - ए मार्फ़ोमीट्रिक एनैलिसिस।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. ए स्टडी ऑफ़ मैनेजमेंट इशूज़ इन क्रॉस्ड फ़्यूज़्ड रीनल एक्टोपिया (न्यूक्लियर मेडिसिन, रेडियोडायग्नोसिस)।
2. ए स्टडी ऑफ़ मैनेजमेंट इशूज़ इन एक्टोपिक किडनीज़ (न्यूक्लियर मेडिसिन, रेडियोडायग्नोसिस)।
3. एनैलिसिस ऑफ़ बाइल इन वेरियस हेप्टो-बिलियरी डिज़ीज़ स्टेट्स (गैस्ट्रोएन्टेरॉलोजी)।
4. बायोकैमिकल एनैलिसिस ऑफ़ बाइल इन वेरियस डिज़ीज स्टेट्स (गैस्ट्रोएन्टेरॉलोजी)।
5. कम्पेरिज़न ऑफ़ प्री एंड पोस्ट ऑपरेटिव लिवर हिस्टोलॉजी इन पेशेन्ट्स विद कोलेडोकल सिस्ट्स (पैथोलॉजी, रेडियोडायग्नोसिस)।
6. कोरिलेशन ऑफ़ इन्ट्रासिस्टिक प्रेशर विद वॉल्यूम, लिवर हिस्टोलॉजी, बाइल कम्पोज़ीशन इन कोलेडोकल सिस्ट (पैथोलॉजी)।
7. इवेलुएशन ऑफ़ कार्डियोटॉक्सिसिटी रिलेटिड टु एड्रियामाइसिन इन चिल्ड्रन विद सॉलिड ट्यूमर्ज़ (न्यूक्लियर मेडिसिन, कार्डियोलॉजी)।
8. इवेलुएशन ऑफ़ रिस्ट्रिक्टिव लंग डिज़ीज इन लांग टर्म सर्वाइवर्ज़ ऑफ़ मेलिग्नेनट जर्म सेल ट्यूमर्ज़ हू हैव रिसीव्ड ब्लेओमाइसिन ऐज़ ए पार्ट ऑफ़ ट्रीटमेंट (पीडिएट्रिक्स)।
9. इवेलुएशन ऑफ़ रोल ऑफ़ एडजंक्टिव थैरेपी विद 131 आईएमआईबीजी थैरैपी फ़ॉर एडवान्स्ड नॉन-रिस्पांसिक, रिलेप्स्ड एंड मेटास्टेटिक न्यूरोब्लास्टोमा (न्यूक्लियर मेडिसिन)।
10. जीन डीलिशन्ज़ एंड म्युटेशन्ज़ इन विल्म्ज़ ट्यूमर : कोर्रिलेशन विद हिस्टोपैथोलॉजी एंड आउटकम (पैथोलॉजी)।
11. जीनोमिक एंड प्रोस्टिओमिक ऐनालिसिस ऑफ़ एससीएफ़ / सी-किट जीन इन ए पीडिएट्रिक निओप्लाज़्म, न्यूरोब्लास्टोमा (पैथोलॉजी एंड बायोकेमिस्टरी)।
12. ग्रोथ एंड डिवेलपमेंट एंड माइक्रोन्यूट्रिएन्ट स्टेटस इन पेशेन्ट्स विद बिलियरी एट्रेशिया (पीडिएट्रिक्स)।
13. दीर्घ अवधि रिज़ल्ट्स फ़ॉलोइंग कसाईज़ प्रोसीज़र फ़ॉर बिलियरी एट्रेशिया (न्यूक्लियर मेडिसिन, पेथोलॉजी)।
14. दीर्घ अवधि रिज़ल्ट्स फ़ॉलोइंग पाइलोप्लास्टी इन सॉलिटरी किडनीज़ (न्यूक्लियर मेडिसिन, रेडियोडायग्नोसिस)।
15. दीर्घ अवधि रिज़ल्ट्स फ़ॉलोइंग रीइंप्लांटेशन ऑफ़ यूरेटर्ज़ इन अंडर वन यिअर ओल्ड पेशेंट्स विद वीयूआर (न्युक्लियर मेडिसिन)।
16. दीर्घ अवधि रिज़ल्ट्स फॉलोइंग ट्यूबुलराइज़ेशन ऑफ़ पाउच कोलोन फ़ॉर पुल थ्रू (पैथोलॉजी, रेडियो डायग्नोसिस)।
17. एमआरआई इवेलुएशन ऑफ़ इन्ट्राहेपेटिक डक्ट्स इन पोस्ट ओपरेटिव पेशेन्ट्स ऑफ़ बिलियरी एट्रेशिया (रेडियो डायग्नोसिस)।
18. प्री एंड पोस्ट ऑपरेटिव लिवर हिस्टोलॉजी इन कोलेडोकल सिस्ट (पैथोलॉजी)।
19. स्टडी ऑफ़ एसोसिएशन ऑफ़ सीएमवी इन्फ़ेक्शन्ज़ इन बिलियरी एट्रेशिया (माइक्रोबायोलॉजी)।

पूर्ण

1. कंपेरिज़न ऑफ़ एफ़िकेसी एंड सेफ़्टी ऑफ़ ओरल एन्टीबायोटिक्स (एमोक्सीसिलिन-क्लैवुलिनिक) ऐसिड एंड ऑफ़्लोक्सेसिन) विद इन्ट्रावीनस कंबिनेशन (सेफ्ट्रायक्सोन एंड आर्निकैसिन) इन आउटपेशेन्ट सेटिंग इन पीडिएट्रिक पेशेन्ट्स ऑफ़ लो रिस्क फ़ेब्राइल न्युट्रोपीनिया (मेडिकल ऑन्कोलॉजी)।
2. इवेलुएशन ऑफ़ हियरिंग डेफ़िशेंसीज़ इन चिल्ड्रन हू हैव रिसीव्ड सिस-प्लैटिनम फ़ॉर ट्रीटमेंट ऑफ़ सॉलिड ट्यूमर्ज़ (ऑटोरीनोलैरिन्जोलॉजी)।
3. इवेलुएशन ऑफ़ लिम्फोसाइटिक इन्फ़िल्टरेशन इन विल्मज़ ट्यूमर एंड एडजॉयनिंग नॉर्मल रीनल पेरेन्काइमा एंड इट्स रिलेशन टु रेकरेंस एंड आउटकम (पेथोलॉजी)।
4. दीर्घ अवधि रिज़ल्ट्स ऑफ़ इसोफेजियल रिप्लेसमेंट बाई रिवर्स गैस्ट्रिक ट्यूब (रेडियोडायग्नोसिस, न्युक्लियर मेडिसिन)।
5. लॉस ऑफ़ हेटेरोज़ाइगोसिटी ऐट 11 पी 15.5 इन हेपैटोब्लास्टोमाज़ (पैथोलॉजी)।
6. सेल ऑफ़ एफ़डीजी पीईटी - सीटी इन स्टेजिंग एंड इवेलुएशन ऑफ़ अर्ली रिस्पांस टु केमोथैरेपी इन चिल्ड्रन विद न्यूरोब्लास्टोमा (न्यूक्लियर मेडिसिन)।
7. टेलोमरेस एस्टिमेशन इन पेशेन्ट्स विद विल्म्ज़ ट्यूमर एंड हेपैटोब्लास्टोमा ऐज़ ए मार्कर फ़ॉर प्रौग्नोसिस (पैथोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री)।
8. द रोल ऑफ़ नाइट्रिक ऑक्साइड इन पोर्टल हाइपर टेन्शन (बायोकेमिस्ट्री)।
9. वाल्युमीट्रिक ऐनालेसिस ऑफ़ द सप्लीन इन पोर्टल हाइपरटेन्शन (रेड़ियो डायग्नोसिस)।
10. होल बॉडी एमआर इमेजिंग फ़ॉर डिटेक्शन ऑफ़ स्केलेटल मेटास्टेसिस इन पीडिएट्रिक पेशेंट्स ऑफ़ स्मॉल सेल नियोप्लाज़्म्ज़ : कंपेरिज़न विद स्केलेटल साइन्टिग्राफ़ी एंड एफ़डीजीपीईटी सीटी स्कैन (मेडिकल ऑन्कोलॉजी, रेडियोडायग्नोसिस और न्यूक्लियर मेडिसिन)

प्रकाशन

जर्नल : 24

सार : 4

पुस्तकों में अध्याय : 5

रोगी उपचार

उपलब्ध सुविधाएं

- नियोनेटल शल्य क्रिया रोगियों के लिए गहन देखभाल यूनिट।
- बाल शल्यक्रिया रोगियों के लिए उच्च निर्भरता क्षेत्र।
- कंप्यूटर आधारित यूरोडाइनैमिक अध्ययन सुविधाएं।
- कंप्यूटर आधारित ऐनोरेक्टल मैनोमीटरी सुविधाएं।
- कंप्यूटर आधारित इसोफेजियल मैनोमीटरी/सुविधाएं।
- गैस्ट्रो-इसोफेजियल रीफ़्लकस के लिए 24 घंटे पीएच मॉटरिंग।

विशेष क्लिनिक/प्रयोगशालाएं

- हाइड्रोसेफेलस क्लिनिक

- पीडिएट्रिक यूरोलॉजी और इंटरसेक्स क्लिनिक
- गेस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंड हेपैटोबिलियरी सर्जरी क्लिनिक।
- पीडिएट्रिक थोरैसिक सर्जरी क्लिनिक।
- पीडिएट्रिक सॉलिड ट्यूमर क्लिनिक।
- यूरोडाइनैमिक्स, ईसोफेजियल और एनोरेक्टल मैनोमीटरी के लिए प्रयोगशाला।

सामुदायिक सेवाएं

सीआरएचपी, बल्लभगढ़ में साप्ताहिक बाह्य रोगी और शल्य क्रिया सत्र।

रोगी उपचार

बाह्य रोगी विभाग और विशेषता क्लिनिकों में उपथिति

	नए रोगी	**पुराने रोगी**	**कुल**
सामान्य ओपीडी	5727	12540	18267
विशिष्टता क्लिनिक			
हाइड्रोसिफेलस	07	157	164
इंटरसेक्स	27	268	294
क्रेनियोसिनोस्टोसिस	02	19	21
बालमूत्र रोगविज्ञान	355	2729	3084
बाल ठोस ट्यूमर	131	1710	1841
लघु क्रियाएं	2968		

दाखिले

एबी-5 वार्ड	1219
एबी5-आईसीयू	205

शल्य प्रक्रियाएं

बड़े	1852
छोटे	645
सीआरएचएस बल्लभगढ़ में	253
कुल	2750

विशेष जांच

यूरोडायनामिक मूल्यांकन	425
यूरोफ्लोमिट्री	724
एनो-रेक्टल मैनोमिट्री	73
ग्रासनली मैनोमिट्री	1
24 घंटे पीएच मॉनीटरिंग	12

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

विभाग ने 21-24 अक्तूबर 2010 को इण्डियन एसोसिएशन ऑफ़ पीडिएट्रिक सर्जन्ज़, नई दिल्ली को 36वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के साथ पीडिएट्रिक सर्जरी की तीसरी विश्व कांग्रेस का आयोजन किया। यह मिनिमली इन्वेसिव पर और ऐनोरेक्टल माल फ़ार्मेशन्ज़ सर्जरी पर 21 अक्तूबर 2010 को नई दिल्ली, भारत में प्री-कांग्रेस कोर्स के साथ था। उसने 25-26 अक्तूबर 2010 को नई दिल्ली, भारत में हाइपोस्पेडिआज़ एंड डिस-ऑर्डर्ज़ ऑफ़ सेक्स डिफरेंसिएशन पर एक लाइव ओपरेटिव वर्कशॉप का भी आयोजन किया। उसने 3-4 दिसंबर 2010 को एम्स, नई दिल्ली में पीडिएट्रिक यूरो-ऑनकॉलोजी पर एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया। उसने 26 फरवरी 2011 को नई दिल्ली में आईएपीएस के दिल्ली चेप्टर की मासिक बैठक आयोजित की।

प्रोफ़ेसर डी. के. गुप्ता 4 मार्च 2011 को किंग जॉर्ज मेडिकल युनिवर्सिटी (सीएसएमएमयू) लखनऊ के कुलपति नियुक्त किए गए। वर्ड फ़ेडरेशन ऑफ़ एसोसिएशन्ज़ ऑफ़ पीडिएट्रिक सर्जन्ज़ के अध्यक्ष, फ़ेडरेशन ऑफ़ एसोसिएशन ऑफ़ पीडिएट्रिक सर्जन्ज़ सार्क नेशन्ज़ के अध्यक्ष, जर्नल ऑफ़ पीडिएट्रिक सर्जरी इंटरनेशनल के सभापति-एशिया प्रतिनिधि - चुने गए; उन्हें लिस्टर और बैप्स फ़ेलोशिप यूके की पुरस्कार चयन समिति के लिए सार्क राष्ट्रों से अध्यक्ष, प्रमुख संपादक - जर्नल ऑफ़ पीडिएट्रिक सर्जिकल स्पेशिएलिटीज़ (रूमानिया), संपादक मंडल के सदस्य - जर्नल ऑफ़ हेपेटॉलोजी (बेजिंग चीन), संपादक मंडल के सदस्य - लैटवियन जर्नल ऑफ़ पीडिएट्रिक सर्जरी, नामित किया गया; पीडिएट्रिक सर्जिकल एसोसिएशन ऑफ़ ईरान और एसोसिएशन ऑफ़ पीडिएट्रिक सर्जन्ज, यू.क्रेन द्वारा मानद सदस्यता दी गई।

प्रोफ़ेसर वी. भटनागर को संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इन्स्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, लखनऊ में पीडिएट्रिक सर्जरी के नए विभाग के लिए बोर्ड ऑफ़ स्टडीज़ का सदस्य, इण्डियन जर्नल ऑफ़ पीडिएट्रिक्स के एग्जिक्यूटिव एडिटोरियल बोर्ड का और जर्नल ऑफ़ इण्डियन एसोसिएशन ऑफ़ पीडिएट्रिक सर्जरी के एडिटोरियल बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया; उनके निबंध "द रोल ऑफ़ नाइट्रिक ऑक्साइड इन पोर्टल हाइपरटेन्शन कॉज़्ड बाई एक्स्ट्रा हेपेटिक पोर्टल वेन ऑब्सट्रक्शन, पी. गोयल, के. श्रीवास्तव, एन. दास, वी. भटनागर" को 21 अक्तूबर 2010 को इण्डियन एसोसिएशन ऑफ़ पीडिएट्रिक सर्जन्ज़ के 36वें वार्षिक सम्मेलन, नई दिल्ली में यूसी चक्रवर्ती पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. संदीप अग्रवाल को 2010 के लिए सीसीएलजी (यूके) यात्रा अनुदान दिया गया और यूरोपियन यूनियन ऑफ़ पीडिएट्रिक सर्जिकल एसोसिएशन्ज़ (ईयूपीएसए) के लिए बर्ने, स्विट्ज़रलैंड में 2010 के लिए कोर्स इंस्ट्रक्टर के रूप में चुना गया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ मेइअर मॉर्टिज़, ऑस्ट्रिया
2. डॉ कुन सोक पाक, डीपीआर कोरिया
3. डॉ हयोक रा, डीपीआर कोरिया
4. डॉ. सुंग चान रो, डीपीआर कोरिया
5. डॉ. मोहम्मद शादरुल आलम, बेंगलूर
6. डॉ. रीता गोबेट, स्विट्ज़रलैंड
7. डॉ. एन्डरिआस डायटल, स्विट्ज़रलैंड

9.27 विकृति विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुब्रत के. पांडा

आचार्य

चित्रा सरकार	मनोज के. सिंह	एस. दत्ता गुप्ता (अवकाश पर)
रजनी सफाया	रूमा रे	ए. के. करक

अपर आचार्य

ए. के. डिंडा

सह-आचार्य

एम. सी. शर्मा	वेंकटेश्वरन के अय्यर

सहायक आचार्य

संदीप आर. माथुर	वैशाली सूरी

शिक्षा

स्नाकोत्तर :

एमडी विद्यार्थी : 20	वरिष्ठ रेजिडेंट : 13
पीएचडी विद्यार्थी : 16	पूल अधिकारी : 5

अल्पावधिक और दीर्घवधिक प्रशिक्षण :

एक एमबीबीएस विद्यार्थी तथा 4 एमएससी विद्यार्थियों ने विभाग में अल्पावधिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 37

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. हेपाटिटीस ई वायरस (एचईवी) का गैर-संरचनात्मक पोली प्रोटीन (पीओआरएफ1) प्रक्रियान्वयन। एसके पांडा 2010-2013 निधियां 66.39 निधियां 66.39 लाख रुपए।
2. ग्लायल ट्यूमर : गुणसूत्र 1पी/19क्यू स्थिति, एपिडर्मल वृद्धि कारक रिसेप्टर (ईजीएफआर) आवर्धन और पी 53 अभिव्यक्ति का सह-संबंधी क्लिनिकापैथेलॉजिकल अध्ययन। डॉ. चित्रा सरकार। आईसीएमआर 2007-2010। निधियां : 16.5 लाख रुपए (लगभग)
3. वयस्क चूहों में परिधीय तंत्रिका उपचार में अस्थि मज्जा से प्राप्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन। डॉ. वैशाली सूरी। आईसीएमआर 2006-10 निधियां : 18 लाख रुपए। (लगभग)
4. पुनरावर्तक अथवा रिफ्रैक्टरी एनाप्लास्टिक एस्ट्रोसाइटोमा से पीड़ित व्यस्क रोगियों में टेमेजोलोमाइड अथवा बीसीएनयू के मानक उपचार की तुलना में एपी 12009 की प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा : एक यादृच्छिक सक्रिय रूप से नियंत्रित, मुक्त लेबल नैदानिक फेज-3 अध्ययन। डॉ. चित्रा सरकार एंटीसेंस फार्मा, जर्मनी 2007-10 निधियां : 25 लााख रुपए (लगभग)

5. मस्तिष्क के एस्ट्रोसाइटिक अर्बुदो में एंजियोजेनेसिस : वास्कुलर एंडोथीलियल वृद्धि कारक (वीईजीएफ) तथा हाइपोक्सिया इन्डयूसिबल कारक (एचआईएफ) - 1 अल्फा की अभिव्यक्ति के विशेष संदर्भ में एक क्लिनिकोपैथोलॉजीकल अध्ययन तथा इन्फिल्ट्रेटिंग प्रदाहक कोशिकाओं के साथ सहसंबद्ध डॉ. चित्रा सरकार आईसीएमआर, 21 लाख रुपए (लगभग) 2009-2012

6. बच्चों में ग्लियोब्लोस्टोमास : आणविक पाथवेज़ तथा एमजीएमटी मेथीलेशन प्रास्थिति के विशेष संदर्भ में एक अध्ययन। डॉ. वैशाली सूरी आईसीएमआर 24 लाख रुपए (लगभग) 2010-2013

7. ग्लियोब्लास्टोमामल्टीफोर्म से ग्रस्त भारतीय रोगियों में रेडियोथिरैपी जमा टेमोज़ोलामाईड (कॉनकमिटेंट तथा एडजुवेंट) के संयोजन में सन्निवेशन तथा अनुरक्षण उपचार के रूप में बायोमैब-ईजीएफआर (निमोटुज़ुमैब) की सुरक्षा तथा प्रभावोत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए मुक्त लेबल, भावी, बहुकेंद्रक अध्ययन - चरण II/III नैदानिक परीक्षण। डॉ. चित्रा सरकार बायोकॉन बायोफार्मास्यूटीकल 2008-11, 15 लाख रुपए।

8. ग्लायल अर्बुदों और कोशिका रेखाओं की स्टेमनेस में हाइपोक्सिया तथा पी-53-एचआईसी 1 अक्ष 1 डॉ. चित्रा सरकार, जैव एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 2009-12, 50.5 लाख रुपए।

9. 1 पी तथा 16 क्यू क्रोमोसोमल लोपों के आधार पर पेडियाट्रिक पेट के ठोस अर्बुदो का प्रोग्नॉस्टीकेशन, वेंकटेश्वरन के अय्यर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 3 वर्ष कुल निधियन : 300,000 रुपए,

10. सूक्ष्म सूई चूषण कोशिका विज्ञान स्मियर संबंधी एचईआर - 2 / एनईयू स्थिति का विश्लेषण और स्तन कैंसर में हार्मोन रिसेप्टर स्थिति प्रोलिफेरेशन चिन्हांकक और एपोप्टोसिस के साथ उसका सह संबंध : एक फ्लूरोसेंट स्व-स्थाने हाइब्रिडाइजेशन (फिश) और प्रतिरक्षाकोशिका रसायन विज्ञान अध्ययन। डॉ. संदीप माथुर। सीएसआईआर। निधियां : 14 लाख रुपए।

11. नॉन एडजुवेंट कीमोथिरैपी के पश्चात गंभीर ओवेरियन कैंसर में मार्फोलॉजीकल लक्षणो तथा प्रोग्नॉस्टिक चिह्नांककों का विश्लेषण। डॉ. संदीप माथुर, संस्थान अनुसंधान अनुदान, 1 लाख रुपए, मार्च 2010 - मार्च 2011

12. एक नोवल एक्सरे कंट्रास्ट एजेंट के रूप में अल्ट्रा परिष्कृत स्वर्ण नैनोपार्टीकल्स का संश्लेषण तथा लक्षणीकरण उन का उपयोग तथा सुरक्षा : पशु मॉडल में एक इन-विवो अध्ययन। ए के डिंडा। आईसीएमआर, 2010-2012, 30 लाख रुपए।

पूर्ण

1. उच्च थ्रूपुट आणविक तकनीकों का प्रयोग करके हेपेटाइटिस ई वाइरस (एचईवी) संक्रमित कोशिकाओं में वाइरल प्रोटीन और अन्य आणविक चिहांककों का अध्यनन। एस. के. पांडा। डीबीटी द्वारा तीन वर्षो के लिए वित्तपोषित 2007-2010, अध्ययन निधियां : 65.85 लाख रुपए।

2. होस्ट कोशिकाओं में एचईवी के प्रवेश के कार्यतंत्र से संबद्ध जांच। एस. के. पांडा। डीबीटी द्वारा तीन वर्षो के लिए वित्तपोषित 2008-2011, निधियां : 84.89 लाख रुपए।

3. पी16आईएनके 4ए और ई-केढेरिन एक्सप्रेशन प्रोफाइल इन प्री-कैंसरस लीशन्स ऑफ सर्विक्स एण्ड सर्विकल कार्सिनोमा। डॉ. संदीप माथुर, आईआरजी, एम्स, अनुदान, निधियान एक लाख रुपए अवधि 2009-2010

4. पी 16 आईएनके 4ए और ई-केढेरिन एक्सप्रेशन प्रोफाइल इन प्री-कैंसरस लीशन्स ऑफ सर्विक्स एण्ड सर्विकल कार्सिनोमा। डॉ. संदीप माथुर एम्स, संस्थान अनुसंधान अनुदान। निधियन एक लाख रुपए अवधि 2009-2010

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ग्लियोमेंजेनेसिस का अध्ययन : एसएचएच-जीएलआई पाथवे की भूमिका

2. कैल्पेन 3, डिस्फर्लिन और सर्कोग्लाइकेन प्रोटीन विश्लेषण का प्रयोग करते हुए भारतीय जन समुदाय में लिम्ब गर्डल मांस पेशीय डिस्ट्रोफी (एलजीएमडी) रोगियों का अध्ययन। डॉ.

3. ग्लियोमास में आईडीएच - 1 म्यूटेशन्स का अध्ययन। डॉ.

4. जीबीएम में पीटीईएन तथा सीडीकेएन 2 जीन परिवर्तनों का अध्ययन। डॉ.
5. एपेंडीमोमास में डब्ल्यूएनटी पाथवे का अध्ययन। डॉ.
6. एपेंडीमोमास में सीडीकेएनए/पी16 परिवर्तनों का अध्ययन। डॉ.
7. मांस पेशीय डिस्ट्रॉफी का निदान करने में त्वचा बायोप्सी की नैदानिक यथा तथ्यता - एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन। डॉ.
8. एपेंडीमोमास में नॉच सिग्नलिंग पाथवे का अध्ययन। डॉ.
9. इडियोपैथिक ज्वलनशील मायोपैथज़ में डेंड्रिटिक कोशिकाओं का लक्षण वर्णन तथा साइटोकाईन्स, कीमोकाईन्स एवं एनएफकेबी की अभिव्यक्ति। डॉ.
10. मेनिंगियोमास में आनुवंशिकी परिवर्तनों का विश्लेषण। डॉ.
11. जीबीएम में क्रोमोसोम 10 क्यू पर एलओएच को अध्ययन। डॉ.
12. मेनिंगियोमास में 1पी/14क्यू लोप का विश्लेषण। डॉ.
13. थोरसियो आयोटिक एनीरुज़्म के शल्य चिकित्सीय प्रयुक्त नमूनों का हिस्टोपैथोलॉजीकल तथा मार्फोमीट्रिक मूल्यांकन।
14. रुमेटिक हृद रोग के कारण अट्रियल फिब्रीलेशन वाले रोगियों में शल्यक्रिया से प्रयुक्त लेफ्ट अट्रियल एपेंडेज के लाईट माइक्रोस्कोपियल तथा अल्ट्रास्ट्रक्चरल लक्षणों का विश्लेषण।
15. "घुटने तथा कुल्हे के प्रतिस्थापन में प्रोस्थेसिस के ढीले होने के रोग जनन में साइटो काईन्स की भूमिका तथा पेरी प्रोस्थेटिक उत्तक में उत्तम प्रतिक्रिया का अध्ययन" के मुख्य अन्वेषक। विकृति विज्ञान विभाग, 2011
16. विल्म्स अर्बुद में जीन्स लोपन तथा म्यूटेशन : हिस्टोपैथोलॉजी के साथ सहसंबंध तथा परिणाम।
17. सीडी5 + बी कोशिका लिम्फोमॉस : एक मारफोलॉजिकल तथा इम्यूनोहिस्टो कैमिकल अध्ययन।
18. हाइपरग्लाइसेमिक तथा हाइपरमेट्रेमिक स्थिति में वृक्क कोशिका रेखा में लौह चयापचय सहबद्ध प्रोटीनों का अध्ययन
19. एंडोसाइटोसिस का अध्ययन तथा कैल्शियम फास्फेट आधारित तथा गोल्ड नैनोपार्टिकल का भविष्य
20. नेनोपार्टिकल मीडिएटेड एंटीजन प्रस्तुतिकरण और मेक्रोफेज द्वारा एंटीजन प्रसंस्करण का मॉडयूलेशन
21. कैंसर लक्ष्यीकरण के लिए धातु नैनोपार्टीकल का विकास
22. स्तन कैंसर में आईएल 10 डिपेंडेंट माइक्रो आरएनए तथा आईएल 10 अभिव्यक्ति।

पूर्ण

1. प्राथमिक तथा गौण ग्लियोब्लास्टोमा : ईजीएफआर आवर्धन, ईजीएफआर-8 उत्परिवतयों और पी 53 अभिव्यक्ति का अध्ययन
2. थोरसियो आयोटिक एनीरुज़्म के शल्य चिकित्सीय प्रयुक्त नमूनों का हिस्टोपैथोलॉजीकल तथा मार्फोमीट्रिक मूल्यांकन।
3. नेनोपार्टिकल सहित माइक्रोफेज कार्य का मॉडयूलेशन
4. वृक्कीय फाइब्रोसिस के मॉडयूलेशन में मेक्रोफेज की भूमिका
5. प्रतिरक्षित तथा गैर-प्रतिरक्षित मीडिएटेड ग्लोमेरूलर रोगों में पोडोसाइट परिवर्तनों का अतिसंरचनात्मक अध्ययन।
6. ब्रोंकायल अस्थमा में वायुमार्ग पुनः मॉडलिंग : प्रायोगिक मूषक मॉडल में एक अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. आघात से पीड़ित चूहे में मानव अम्बलिकल कोर्ड रक्त कोशिका एचयूसीबीजी बनाम मेलाटोनिन के मिश्रण के साथ एचयूसीबीजी देने का प्रभाव तंत्रिका विज्ञान विभाग। डॉ.

2. ईजीएफआर, एमआईबी-1 तथा पी 53 पर आधारित प्रतिरोध के आणविक आधार तथा तेमोज़ोलोमिड पोस्ट कीमियोरेडियोथिरैपी का 12 चक्र बनाम 6 चक्र के साथ ग्लियोब्लास्टोमा में सहवर्ती कीमियोरेडियोथिरैपी के साथ उपचार के परिणाम का तुलनात्मक अध्ययन। (विकिरण अर्बुद विज्ञान। रेडिएशन ऑन्कॉलॉजी) डॉ.

3. ग्लियोब्लास्टोमा मल्टाफोर्म में नॉच सिग्नलिंग मॉलीक्यूल, एपीथीलियल मेसेनकिमल ट्रांसिशन (ईएमटी) अभिचिह्नांककों तथा एचआईएफ। अल्फा की अभिव्यक्ति (जैव रसायन)

4. ग्लायल अर्बुद कोशिकाओं में ऑक्सीजन सांद्रण, पी53-एचआईसी 1 अक्ष तथा स्टेमनेस लक्षण। डॉ. 1 मूषक तंत्रिका ट्रांसेक्शन मॉडल में तंत्रिका पुनः निर्माण पर अस्थिमज्जा से प्राप्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं के प्रभाव। डॉ.

5. अस्थि मज्जा से प्राप्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं द्वारा परिधीय तंत्रिका के पुनः सर्जन का खुराक आधारित सुकरीकरण। डॉ.

6. दैनिक बनाम साप्ताहिक लौह अनुपूरण ले रही गर्भवती महिलाओं में ऑक्सीडेटिव तनाव स्थिति के लिए एलेसेंटा का अध ययन। आईसीएमआर कृत्तिक बल अध्ययन।

7. 10-18 वर्ष की आयु की किशोरियों में 2 बनाम 3 खुराक एचपीवी टीके की सुरक्षा तथा प्रभावकारिता (आईएआरसी, लिथोन, फ्रांस)।

8. "एचपीवी कैंडीडेट टीके का विकास : टीका परीक्षण के लिए नैदानिक परीक्षण स्थल/कोहोर्ट की तैयारी" (स्त्रीरोग विज्ञान)

9. सीआईएन के उपचारित मामलों में अवशिष्ट रोग के साथ एचपीवी डीएनए परीक्षण का सह संबंध (प्रसूति विज्ञान तथा स्त्री रोग विज्ञान)

10. "स्पर्म (शुक्राणु) क्रोमाटिन संरचना का विश्लेषण तथा पुरुष बांझपन के साथ इसका संबंध" (शरीर रचना विज्ञान)। चरण III ओवेरियन कैंसर में उत्तर जीविता पर शून्य लिन्फेडेनेक्टमी बनाम पेल्विक तथा पारा (अर्ध) आयोटिक लिम्फेडेनेक्टमी की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (प्रसूति विज्ञान स्त्री रोग विज्ञान)

11. "स्वतः तथा चिकित्सक द्वारा संग्रहण प्रविधि के द्वारा सम्मिश्र अभिग्रहण परीक्षण तथा दृष्टिक संवीक्षा द्वारा सर्विकल नियोप्लासिया का प्रारम्भिक अभिसूचना - ग्रामीण क्षेत्र में एक समुदाय आधारित अध्ययन" (प्रसूति विज्ञान तथा स्त्रीरोग विज्ञान)

12. नैनोजेल प्रणाली के साथ अर्बुद लक्ष्यीकरण का विकास। (जैव चिकित्सीय इंजीनियरी केंद्र, आईआईटी, दिल्ली)

13. एयरवे मॉडलिंग में मैक्रोफेज़ तथा ऑक्सीडेटिव तनाव की भूमिका (आईजीआईबी, दिल्ली)

14. मैक्रोफोज इंडोसाइटॉसिस पर एचआईएफ 1 अल्फा जीन अभिव्यक्ति के अवरूद्ध होने का प्रभाव और आरओएस का सृजन (जेएनयू, दिल्ली) ।

15. सर्फेकटेंट का प्रयोग किए बिना झाग निर्माण विधि द्वारा चिटोसन - जिलेटिन - एल्जीनेट कम्पोज़िट ऊतक इंजनियरिंग स्कैफोल्ड का निर्माण, इसका लक्षण वर्णन तथा जैव सुमेलता अध्ययन (कागज़ प्रौद्योगिकी विभाग, आईआईटी, रूड़की)।

16. हाइड्रोजन आधारित जख्म पट्‌टी का विकास तथा प्रायोगिक मॉडल में इसकी प्रभावकारिता का अध्ययन (जैव चिकित्सीय इंजीनियरिंग केंद्र, आईआईटी, दिल्ली)।

17. कोर्नियल टिश्यू इंजीनियरिंग के लिए स्कैफोल्ड का विकास (वस्त्र इंजीनियरी, आईआईटी दिल्ली, आर.पी. सेंटर ऑफ ऑफथलमोलोजी एवं स्टेम सेल सुविधा)।

पूर्ण

1. एस्ट्रोसाइटिक ट्यूमरों में क्लासिकल, गैर-क्लासिकल एमएचसी 1 और टीजीएफ-बीटा अभिव्यक्ति पर आईएफएन-गामा के इम्यूनोमोडूलेशन गुण का विश्लेषण और प्रतिरक्षा चिकित्सा में उनकी संगतता (तंत्रिका जैव रसायन विभाग)।

2. ट्यूमोरिजेनेसिस और कोशिका प्रतिक्रिया में एचआईसी 1 का अध्ययन (जैव रसायन विभाग)।

3. सर्वाइकल कैंसर में एचपीवी की आणविक पहचान और जेनोटाइपिंग - (एक जन समुदाय - आधारित अध्ययन (जैव रसायन)

4. न्यूमोसिस्टिस जीरोवेसी आइसोलेट्स में डिहाइड्रोप्टेरोएट सिन्थेस (डीएचपीएस) जीन के आनुवंशिक पोलीमार्फिज़्मस का अध्ययन : पीसीपी वाले रोगियों में नैदानिक परिणाम के साथ सहसंबंध (सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग)।

5. कैल्शियम फास्फेट मलाइट कम्पोज़िट्स का प्रयोग कर रहे खरगोश में व्यापक दीर्घ अस्थि दोषों की पुर्नसंरचना - (धात्विक विज्ञान विभाग के आईआईटी, कानपुर)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 127

सार : 4

रोगी उपचार

प्रयोगशाला सेवाएं

शल्यचिकित्सा विकृति विज्ञानी प्रयोगशाला	34,044
संसाधित नमूने	28,896
विशेष अभिरंजक	913
फ्रोजन सेक्शन	
साइटोपैथोलॉजी प्रयोगशाला	
एफएनएसी (बहिरंग रोगी)	7517
एक्सफोलिएटिव्स नैमित्तिक	6745
सर्वीकल स्मियर्स (पीएपी स्मियर्स)	4069
प्रतिरक्षाकोशिका रसायन शास्त्र	550
निष्पादित शवपरीक्षा	17
इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी	
संसाधित नमूने	**359**
प्रतिरक्षाऊतक रसायनशास्त्र प्रयोगशाला	
नैदानिक	**22,944**
अनुसंधान	**3,632**
तंत्रिका विकृतिविज्ञान सेवाएं	
तंत्रिका विकृतिविज्ञान शल्यचिकित्सीय नमूने	2106
फ्रोजेन सेक्शन्स	403
पेशी जीवितोपरीक्षा	
प्राप्त कुल संख्या	384
पेशी एंजाइम ऊतक रसायन शास्त्र	977
पेशी इम्यूनो ऊतक रसायन शास्त्र	1710
इम्यूनो हिस्टोकैमिस्ट्री	4745
माइलिन स्टेन	156
डायग्नास्टिक एफआईएसएच	95

ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला

एचएंडई स्टेनिंग	2045
विशेष स्टेन्स	346
प्रतिरक्षाऊतक रसायन शास्त्र	755
फ्रोज़न सेक्शन	835
स्टेन रहित	12965

वृक्क विकृतिविज्ञानी सेवाएं

मूत्रीय माइक्रोस्कोपी	850
यकृत जीवितोपरीक्षा का इम्यूनोफ्लूरेसेंस	650
यकृत जीवितोपरीक्षा का इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी	48
त्वचा जीवोति परीक्षा कटिंग	*150*

हृदय विकृति विज्ञान सेवाएं

नमूने

नैमेत्तिक	237
अनुसंधान	98
पोली एल. लिसिने **कोटिड स्लाइड्स**	20256 स्लाइड

अन्य

प्रतिरक्षा ऊतक रसायन शास्त्र	102
संदर्भ ब्लॉक	29
फ्रोज़न	5
एच एवं ई	127
विशेष स्टेन्स	6

हेपेटिक विकृतिविज्ञानी सेवाएं

हेपेटाइटिस वाइरस के लिए मार्कर

एचबीएस एजी	1472
एचबीई एजी	3120
एचबीसी-आईजीएम	120
एचईवी आईजीएम	248
एचएवी आईजीएम	60
एंटी-एचसीवी आईजीजी	705
एचईवी आरएनए	95
एचसीवी आरएनए	50
एचबीवी डीएनए	80

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

विभाग ने "हाऊ टू सेट अप ए डायग्नॉस्टिक इम्यूनोफलूरोसेंस लैबोरेटरी" पर विभिन्न आयुर्विज्ञान महाविद्यालयों से संकायों हेतु एक कार्यशाला का आयोजन 23 मई 2010 को एम्स में किया। इसने 22-23 मई 2010 को आयोजित विकृति विज्ञान में फ्लूरोसेंस संबंधी आईएपीआईडी के मिड ईयर अध्यापन कार्यक्रम का आयोजन भी किया।

प्रो. एस के पांडा : पुरस्कृत फैलो, इण्डियन नेशनल साईंस अकादमी, 2010

प्रो. चित्रा सरकार :- वरिष्ठ जैव चिकित्सीय वैज्ञानिक 2010-11 हेतु आईसीएमआर अंतरराष्ट्रीय फैलोशिप प्रदान की गई; उन्हें 2010-11 के लिए भारतीय तंत्रिका अर्बुद विज्ञान सोसायटी का उपाध्यक्ष चुना गया; उन्हें 2010-13 के लिए एसजीपीजीआई अनुसंधान समिति लखनऊ के ग्लियोमास के निदान तथा प्रबंधन हेतु राष्ट्रीय दिशानिर्देश निरूपति करने हेतु भारतीय तंत्रिका विज्ञानी सोसायटी द्वारा निरूपति समिति का सदस्य नामित किया गया; विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग - स्वर्ण जयंती फैलोशिप समिति; संभागीय समिति (चिकित्सा विज्ञान), इण्डियन अकादमी ऑफ साईंसेस, बंगलौर; एथिक्स समिति, डॉ. बी आर अम्बेडकर सेंटर फॉर बायोमेडीकल रिसर्च दिल्ली विश्वविद्यालय; संकाय निर्धारण समिति, एनबीआरसी; चयन समिति आईसीएमआर इंस्टीटयूट ऑफ पैथालॉजी, नई दिल्ली।

प्रो. रजनी सफाया, को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडीकल साइंसेस (यूसीएमएस) तथा जीटीबी अस्पताल के संकाय एवं वरिष्ठ रेज़ीडेंट हेतु चयन समिति सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. ए. के. डिंडा, को 2010-2012 के लिए जवाहर लाल यूनिवर्सिटी में अकादमिक काउंसिल ऑफ सेंटर फॉर मालीक्यूलर मेडिसन का सदस्य नामित किया गया।

डॉ. आंचल कक्कड़ को आईएपीएम, दिल्ली चैप्टर के वार्षिक सम्मेलन, 11 अप्रैल 2010 में "लॉस ऑफ हेट्रोजिगॉसिटी ऑन क्रोमोसोम 10 क्यू इन ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफोर्म" शीर्षित मौखिक शोध पत्र के लिए राम लिंगा स्वामी प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अतिथि वैज्ञानिक : शून्य

9.28 भेषजगुण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

वाई. के. गुप्ता

आचार्य

वी. एल. कुमार

कमल किशोर

एन. आर. बिश्वास (प्रतिनियुक्ति पर)

एस.के.मौलिक

अपर-आचार्य

डी. एस. आर्य

सह-आचार्य

जितेंद्र कत्याल

के. एच. रीता

सुरेन्द्र सिंह

सहायक आचार्य

जागृति भाटिया

शिक्षा

भेषजगुण विज्ञान विभाग एमबीबीएस, बीएससी नर्सिंग (ऑनर्ज़), एमएससी (भेषजगुण विज्ञान), एमडी, पीएचडी और डीएम (क्लिनिकल भेषजगुण विज्ञान) पाठ्यक्रमों का अध्यापन करता है। इसके अतिरिक्त अन्य विश्व विद्यालयों से 12 स्नातकोत्तर जीवन विज्ञान छात्रों को अल्पावधिक प्रशिक्षण दिया गया।

सीएमई/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए भाषण : 24

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. फार्मेकोलॉजिकल एजुकेशन ऑफ़ प्लांट एक्सट्रेक्ट्स एंड देयर मेडिसिनल प्रॉडक्ट्स। डॉ. वाई के गुप्ता। 4 वर्ष (2006-2010) के लिए रेनबैक्सी रिसर्च फ़ाउंडेशन द्वारा निधीयित। निधि : 14 लाख रुपए
2. रिवर्सल ऑफ़ मर्करी इंड्यूस्ड टॉक्सिसिटी इन रैट्स बाई कंबिनेशन थेरैपी : ए नॉवल ए क्रेच। डॉ. वाई के गुप्ता के अधीन रिसर्च एसोसिएट वर्षा सिंह। 3 वर्ष (2008-2011) के लिए आईसीएमआर द्वारा निधीयित। निधि : 8.5 लाख रुपए
3. ट्रेनिंग मॉड्यूल इन क्लिनिकल रिसर्च 1 डॉ. वाई. के. गुप्ता। 3 वर्ष (2008-2010) के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा निधीयित। निधि : 9 लाख रुपए
4. इफ़ेक्ट ऑफ़ ट्रैडिशनली यूज़्ड आयुर्वेदिक रस औषधीज़ ऑन रीनल एंड हेपैटिक फ़ंक्शन्ज़ : क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल स्टडी। डॉ. वाई. के. गुप्ता। 3 वर्ष (2009-2012) के लिए आयुष विभाग, एमओएचएफ़डब्ल्यू, भारत सरकार द्वारा निधीयित। निधि : 27.6 लाख रुपए
5. क्वांटिटेटिव डिटेक्शन ऑफ़ हैवी मैटल्ज़ एंड थैलेट्स इन टॉयज़। डॉ. वाई. के. गुप्ता। दो वर्ष (2009-2011) के लिए आईसीएमआर द्वारा निधीयित। निधि : 6.3 लाख रुपए

6. साइंटिफ़िक स्टडी टु डिटरमिन द क्वालिटी ऑफ़ मेडिसिन्ज़ बींग सोल्ड ऐट जन औषधि ड्रग स्टोर्ज़। डॉ. वाई. के. गुप्ता। एक वर्ष (2010-2011) के लिए रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भैषजिकी विभाग द्वारा फ़ार्मा प्रोमोशन स्कीम के अंतर्गत निधीयित। निधि : 13.6 लाख रुपए

7. फार्मेकोलॉजिकल इवेलुएशन ऑफ़ हर्बोमिनरल आयुर्वेदिक फ़ॉर्मुलेशन्ज़ (एएफ़वाई) यूज्ड इन द प्रोफिलेक्सिस ऑफ़ माइग्रेन। डॉ. वाई. के. गुप्ता। दो वर्ष (2011-2013) के लिए आईपीसीए लेबॉरेटरीज़ द्वारा निधीयित। निधि : 20.6 लाख रुपए

8. फाइटो-थैराप्यूटिक डिवेलपमेंट ऑफ़ लेटेक्स ऑफ़ द मेडिसिनल प्लांट कैलोट्रापिस प्रोसेरा। भारत ब्राज़ील परियोजना। डॉ. वी. एल. कुमार। 3 वर्ष (2009-2012) के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा निधीयित। निधि : 10 लाख रुपए

9. ईवेलुएशन ऑफ़ द एफ़िकेसी ऑफ़ पॉलिहर्बल फ़ार्मुलेशन इन मॉडल्ज़ ऑफ़ एज-रीलेटिड ओक्यूलर डिज़ीज़िज़। डॉ. एन. आर. बिस्वास। एक वर्ष (2009-2010) के लिए डेज़ फार्माश्युटिकल्ज़ द्वारा निधीयित। निधि : 4.9 लाख रुपए

10. स्टडी ऑफ़ प्लेसेंटा फ़ॉर ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस स्टेटस इन प्रेग्नेन्ट विमन ऑन डेली वर्सिज़ वीकल आयरन सपलिमेंटेशन : ऐन आईसीएमआर टास्क फ़ोर्स स्टडी 1 डॉ. एस. के. मौलिक। दो वर्ष (2009-2011 के लिए आईसीएमआर द्वारा निधीयित। निधि : 8 लाख रुपए

11. डबल-ब्लाइंड, डैन्डमाइज़्ड प्लेसबो कंट्रोल्ड क्लिनिकल ट्रायल टु स्टडी द ऐड-ऑन एफ़िकेसी ऑफ़ ए स्टेंडर्डाइज़्ड प्रेपेरेशन ऑफ़ द वाटर एक्सट्रेक्टर ऑफ़ टरमिनोलिया अर्जुना इन पेशेंट्स विद लेफ़्ट वेंट्रिकूलर डिसुफ़ंक्शन, आलरडी रिसीविंग स्टेंडर्ड ड्रग रेजिमेन। डॉ. एस. के. मौलिक। 2 वर्ष (2010-2012) के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा निधीयित। निधि : 48 लाख रुपए।

12. इवेलुएशन ऑफ़ प्रोटेक्टिव पोटेंशियल ऑफ़ एटोरवास्टेटिन एंड कोएन्ज़ाइम क्यू 10 इन डॉक्सोरूबिसिन-इंड्यूस्ड कार्डियोमायोपैथी इन रैट्स। डॉ. एस के मौलिक 12 वर्ष (2010-2012) के लिए एम्स द्वारा निधीयित। निधि : 12 लाख रुपए

13. स्टडी ऑन फार्मेकोलॉजिकल एंड मॉलिक्यूलर मैकेनिज़्म टु इन्वेस्टिगेट ऐन एन्जियोटेन्सिन टाइप 1 रिसेप्टर ब्लॉकर इर्बेसार्टन इन एक्सपेरिमेंटल मॉडल ऑफ़ मायोकार्डियल इस्चेमिया रीपर फ़्यूज़न इंजरी। डॉ. डी.एस.आर्य। 3 वर्ष (2008-2011) के लिए इंडियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च द्वारा निधीयित । निधि : 22 लाख रुपए

14. इफ़ेक्ट ऑफ़ डिफ़रेंट डोज़िज़ ऑफ़ पायोग्लिटाज़ोन एंड साइक्लोऑक्सीजनेस - 2 (कॉक्स - 2) इनहिबिटर एटोरिकॉक्सिब इन पेन्टीलेनेटेट्राज़ोल किंडल्ड रैट्स। डॉ. जतीन्दर कटियाल। एम्स नई दिल्ली द्वारा निधीयित। (2010-2011)। निधि : 1 लाख रुपए

15. स्टेन्डरडाइज़ेशन एंड फार्माकोलॉजिकल स्टडीज़ ऑफ़ वाइडली प्रेक्टिस्ड एन्टीआर्थराइटिक यूनानी फ़ॉर्मुलेशन "माजून सुरंजन" बेस्ड ऑन क्लासिकल यूनानी लिटरेचर। डॉ. सुरेंदर सिंह। 3 वर्ष (2007-2010) के लिए इण्डियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर), भारत

16. इवेलुएशन ऑफ़ एंटी - आर्थराइटिक एक्टिविटी ऑफ़ प्लांट लिपिड्ज़ कंटेनिंग ओमेगा - 3 फ़ैटी एसिड्स इन एक्सपेरिमेंटल मॉडल्ज़ "माजून सुरंजन "बेस्ड ऑन क्लासिकल यूनानी लिटरेचर। डॉ. सुरेंदर सिंह। 3 वर्ष (2009-2012) के लिए इण्डियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) द्वारा निधीयित। निधि : 18.48 लाख रुपए

17. इफ़ेक्ट ऑफ़ बायोएक्टिव फाइटोकांस्टिचुएन्ट्स इन एक्सपेरिमेन्टल मेटाबोलिक सिन्डरोम। डॉ. के.एच.रीता। 3 वर्ष (2010-2013) के लिए इण्डियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) द्वारा निधीयित। निधि : 29.1 लाख रुपए

18. इन विट्रो एसेसमेंट ऑफ़ डीएनए डैमेज ऐज़ प्रीडिक्टर ऑफ़ रिस्पांस टु केमोथैरेपी इन एक्यूट मायेलॉयट ल्यूकीमिया। डॉ. के. एच. रीता। एक वर्ष (2010-2011) के लिए एम्स द्वारा निधीयित। निधि : 1 लाख रुपए

19. एसेसमेंट ऑफ़ लिवर फ़ैटी ऐसिड बाइंडिंग प्रोटीन ऐज़ ए प्रीडिक्टर ऑफ़ सिस्प्लाटिन इन्ड्यूस्ड नेफ्रोटॉक्सिसिटी इन पीडिएट्रिक पेशेन्ट्स। डॉ. जागृति भाटिया। एक वर्ष (2010-2011) के लिए एम्स द्वारा निधीयिता निधि : 1 लाख रुपए

पूर्ण

1. एसेसमेंट ऑफ़ एवेअरनेस ऑफ़ एन्विरोनमेंटल सरकारी पॉल्यूशन इन हेल्थ केयर सिस्टम : सॉल्यूशन्ज़ एंड स्ट्रेटेजीज़ फ़ॉर प्रीवेन्शन। डॉ. वाई के गुप्ता। 2 वर्ष (2008-2010) के लिए पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निधीयित निधि : 21.1 लाख रुपए।
2. एफ़िकेसी एंड सेफ़्टी इवेलुएशन ऑन ऐन्टीएपिलेप्टिक एक्टिविटी ऑफ़ सिलेक्टिड इण्डियन हर्ब्स। डॉ. वाई. के. गुप्ता। 3 वर्ष (2007-2010) के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा निधीयित। निधि : 8.04 लाख रुपए
3. सेफ़्टी स्टडी ऑफ़ पीयूवी ऐसोल एंड यूनानी मेडिसिन (यूएनआईएम-401 ओरल एंड यूएनआईएम-403)। डॉ. वाई. के. गुप्ता। एक वर्ष (2009-2010) के लिए सीसीआरयूएम द्वारा निधीयित। निधि : 8.02 लाख रुपए
4. स्टडी ऑफ़ दि इफ़ेक्ट्स ऑफ़ जेनिस्टीन इन एक्सपेरिमेंटल कार्डिएक हाइपरट्रॉफी। डॉ. एस. के. मौलिक। 3 वर्ष (2007-2010) के लिए इण्डियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) द्वारा निधीयित। निधि : 6 लाख रुपए
5. रैन्डमाइज़्ड डबल ब्लाइंड प्लेसबो - कंट्रोल्ड स्टडी टु कम्पेयर दि एफ़िकेसी ऑफ़ रिबोफ़्लेविन वर्सिस प्रोप्रानोलोल इन प्रोफिलैक्सिस ऑफ़ माइग्रेन। डॉ. के. एच. रीता। एक वर्ष (2009-2010) के लिए एम्स द्वारा निधीयित। निधि : 1 लाख रुपए
6. डिवेलपमेंट एंड स्टैंडर डाइज़ेशन ऑफ़ मॉडल ऑफ़ ड्रग रिज़िस्टेंट सीज़र्ज़ इन माइस। डॉ. जतींदर कत्याल। एक वर्ष (2009-2010) के लिए एम्स, नई दिल्ली द्वारा निधीयित। निधि : 1 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. फ़ार्माकोकिनोटिक इंटरएक्शन ऑफ़ हर्बल मेडिसिन्ज़ एंड ऐंटीएपिलेप्टिक ड्रग्ज़ : द मॉलिक्यूलर मेकैनिज़्म्ज
2. ऐन एक्सप्लोरेटिव प्रास्पेक्टिव ओपन - लेबल्ड पायलट स्टडी फ़ॉर इवेलुएशन ऑफ़ सेफ़्टी एंड एफ़िकेसी ऑफ़ द न्यूट्राश्युटिकल एस ऐडिनोसिल-एल-मीथिओनिन (एसएएमई) इन पेशेंट्स विद ऑस्टिओआरथ्राईटिस ऑफ़ नी।
3. इवेलुएशन ऑफ़ ऐन्टीए पिलेप्टिक प्रॉपर्टी ऑफ़ सिलेक्टिड इण्डियन प्लांट्स एंड देयर मैकेनिज़्म ऑफ़ एक्शन।
4. टु स्टडी दि इफ़ेक्ट ऑफ़ इम्यूनोसप्रेसिव एजेंट्स ऑन ट्रान्सायंट इस्चीमिया मॉडल इन रैट्स।
5. एडवर्स इफ़ेक्ट्स ऑफ़ ऐन्टीएपिलेप्टिक्स एंड देयर इंटरऐक्शन्ज़ विद ऐन आयुर्वेदिक फ़ार्मुलेशन पंचगारीय धृत : ऐन एक्सपेरिमेंटल एंड क्लिनिकल स्टडी
6. इवेलुएशन ऑफ़ पोटेंशियल ऑफ़ किलटोरिया टरनेटिया एंड इवोल्वुलस अल्सीनोइडेस एक्सट्रैक्ट्स फ़ॉर कॉग्निटिव इम्पेयरमेंट इन रैट्स।
7. इफ़ेक्ट ऑफ़ थैरेपी ऑन प्लाज़्मा एपेलिन लेवल्ज़ इन पेशेन्ट्स ऑफ़ क्रॉनिक हार्ट फ़ेल्योर।
8. डिवेलपमेंट एंड वेलिडेशन ऑफ़ एक्सपेरिमेंटल एनिमल मॉडल फ़ॉर डायबेटिक रेटिनोपैथी।
9. इवेलुएशन ऑफ़ टॉपिकल कॉक्स - 2 इनहिबिटर्ज़ फ़ॉर कॉर्नियल एन्जियोजेनेसिस।
10. कॉर्नियल मेटाबोलिज़्म ऑफ़ ड्रग्ज़ एंड देयर रिलेशन विद एंडोथीलियल टॉक्सिसिटी इन एमाइड क्लास ऑफ़ लोकल एनेस्थेटिक्स।
11. फार्मेकोकाइनेटिक एंड टॉक्सिसिटी प्रोफ़ाइल ऑफ़ हाइडोज़ मेथोट्रेक्सेट एंड इट्स रिलेशनशिप विद सीरम क्रिए टिनाइन इन इण्डियन चिल्ड्रन
12. डिटेक्शन एंड एस्टिमेशन ऑफ़ स्टेरॉयड्ज़ यूजिंग एलसीएमएस/एमएस इन अनलेबल्ड मेडिकेशन्ज़।
13. इन्टेन्सिव एडवर्स ड्रग मॉनिटरिंग इन अर्ली रीनल ट्रान्सप्लांट रेसिपायन्ट्स।

14. स्टडी ऑफ़ कार्डियोप्रोटेक्टिव इफ़ेक्ट ऑफ़ नैरिन्जिन इन इस्चीमिया रीपरफ़्युयन इंजरी मॉडल इन रैट हार्ट मॉडल।
15. इवेलुएशन ऑफ़ दि इफ़ेक्ट ऑफ़ फ़ेबुक्सोस्टैट, ए नॉवल जैथीन ऑक्सिडेस इनहिबिटर ऑन डॉक्सोरूबिसिन इंड्यूस्ड कार्डियोमायोपैथी इन रैट्स।
16. इवेलुएशन ऑफ़ नेफ्रोप्रोटेक्टिव इफ़ेक्ट ऑफ़ एम्बलिका ऑफ़िसिनैलिस इन सिसप्लाटिन इंड्यूस्ड नेफ्रोपैथी इन रैट्स।
17. एफ़िकेसी इन लॉसोनिया इनरमिस इन स्ट्रेप्टोज़ोटोसिन इंड्यूस्ड हाइपोग्लाइसीमिया रैट्स।
18. इफ़ेक्ट ऑफ़ हाइड्रोएल्कोहलिक एक्सट्रैक्ट ऑफ़ बैकोपा मोन्नेरा एंड विथानिया सोम्निफ़ेरा इन फीनोबार्बिटोन टॉलरेंट माइस।

पूर्ण

1. इफ़ेक्ट ऑफ़ एस-एडिनोसिल-एल-मेथियोनाइन (एसएएमई) ऑन पेन्टाइलेने टेट्राज़ोल इंड्यूस्ड सीज़र्ज़ इन रैट्स।
2. स्टडी ऑन द कार्डियोप्रोटेक्टिव इफ़ेक्ट ऑफ़ पिटावास्टेटिन इन इस्चीमिया रीपरफ़्यूज़न इंजरी मॉडल इन रैट हार्ट मॉडल।
3. स्टडी दि ऐन्टिपाइरेटिक एंड ऐन्टि-इन्फ्लेमेटरी प्रापर्टीज़ ऑफ़ प्रोटीन फ़्रेक्शन ऑफ़ कैलोट्रोपिस प्रोसेरा लेटेक्स।
4. स्टडी ऑफ़ आर्डियोप्रोटेक्टिव इफ़ेक्ट ऑफ़ कंबिनेशन ऑफ़ रैमिप्रिल एंड इरबेसार्टन इन एक्सपेरिमेंटल मॉडल ऑफ़ इस्चीमिया रीपर फ़्यूज़न मॉडल इन रैट हार्ट मॉडल।
5. एफ़िकेसी एंड सेफ़्टी ऑफ़ एक्वस एंड एल्कोहलिक एक्सट्रेक्ट ऑफ़ रोसा सेन्टिफ़ोलिया इन एक्सपेरिमेंटल आर्थराइटिस इन रैट्स।

प्रकाशन

जर्नल : 21

सार : 7

रोगी उपचार

नैदानिक भेषजगुण विज्ञान सुविधा

विभाग के क्लिनिकल फ़ार्माकोलॉजी विंग को स्वस्थ वालंटियरों पर विविध अध्ययन करने के लिए लैस कर दिया गया है। हाल में प्राप्त की गई सुविधाएं हैं : न्यूरोकॉग्निटिव परीक्षण, एक्सरसाइज़ फार्मेकोडाइनेमिक्स, कार्डियोवेस्कुलर पैरामीटर्ज़ एसेसमेंट, प्लेटलेट फंक्शन परीक्षण, कॉमेट एस्से, ड्रग डिसोल्यूशन और डिसिंटेग्रेशन परीक्षण सुविधाओं, डीएनए सिक्वेंसिंग के लिए उपकरण, और एक कोशिका संवर्ध प्रयोगशाला।

धातुओं का आकलन

विभाग ने इन्डक्टिवली कपल्ड प्लास्मा - एटॉमिक इमिशन स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (आईसीपी-एईएस) का प्रयोग करके जैविक प्रतिदर्शों में लेड, केडमियम, कॉपर, ज़िंक, आइरन, आर्सनिक, मर्करी तथा मेग्निशियम के आकलन के लिए विधियों का मानकीकरण किया है।

थेराप्यूटिक ड्रग मॉनिटरिंग सुविधा

विभाग मीथोट्रेक्सेट तथा एन्टिए पिलेप्टिक्स (फिनाइटोइन, फीनोबार्बिटोन, कार्बामेज़िपाइन तथा सोडियम वैल्पोरेट) जैसे संकीर्ण थेराप्यूटिक इन्डेक्स वाले भेषजों के रूधिर स्तरों के आकलन के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराता है। इसके अतिरिक्त विटामिन ए तथा ई के आकलन के लिए मानकीकृत विधियां उपलब्ध हैं।

राष्ट्रीय विषसूचना केंद्र

राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र (एनपीआईसी) 24 घंटे सेवा उपलब्ध कराता है। विषाकलन के प्रबंधन पर जानकारी उपचार करने वाले चिकित्सकों, सामान्य जनता और सरकारी तथा ग़ैर-सरकारी संस्थाओं को भी उपलब्ध कराई जाती है।

विभिन्न विशाक्तन तथा उपचार प्रोटोकोलों पर जानकारी टेलिफ़ोन, फेक्स, ई-मेल पर और व्यक्तिगत रूप से उपलब्ध है। घरेलू मदों, कृषि तथा औद्योगिक रसायनों, स्वापकों, परिवेशी जीव-विषों जिनमें पादप, पशुओं का काटना तथा डंक सम्मिलित हैं, और अन्य विविध उत्पादों के कारण विषाक्तन पर नवीनतम साहित्य एनपीआईसी के पास है। केंद्र द्वारा प्राप्त सूचना का संकलन और विश्लेषण किया जाता है ताकि विषाक्तन की प्रवृत्ति का पता चल सके।

2010 के दौरान एनपीआईसी में प्राप्त विषाक्तन कालों की कुल संख्या : 1492

औषधियों के लिए गुणता जांच प्रयोगशाला

औषधियों के लिए एक गुणता जांच प्रयोगशाला स्थापित की गई है और इण्डियन फार्माकोपिया की अपेक्षाओं के अनुसार, देश भर में जन औषधि स्टोरों पर बेची जा रही औषधियों के न्यूनतम भेषजीय परीक्षण किए जा रहे हैं।

भारत का फार्मेकोविजिलेन्स कार्यक्रम - राष्ट्रीय समन्वयन केंद्र

द सेंट्रल ड्रग्ज़ स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइज़ेशन (सीडीएससीओ), स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत भारत के फार्मेको विजिलेन्स कार्यक्रम के लिए औषध विज्ञान विभाग राष्ट्रीय समन्वयन केंद्र है। इस केंद्र को देश भर में एडीआर मॉनिटरिंग केंद्रों से प्रतिकूल औषध प्रतिक्रिया डेटा प्राप्त होता है। डेटा का मिलान करके प्रतिकूल औषध प्रतिक्रियाओं के कारणात्मक मूल्यांकन के लिए उसका विश्लेषण किया जाता है और सीडीएससीओ को प्रस्तुत किया जाता है। विभाग ने भारत के फार्मेको विजिलेन्स कार्यक्रम को ओपरेशनलाइज़ करने पर कार्यशाला का और विजिफ़्लो में उन्नत प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया है।

यूरिनरी केटेकोलामाइन परीक्षण

फिओक्रोमोसाइटोमा के निदान के लिए विभाग में यूरिनरी केटेकोलामाइनेस का आकलन नेमी रूप से किया जाता है। केटेकोलामाइन स्तरों के निर्धारण के लिए विभिन्न क्लिनिकल विभागों से रोगी आ रहे हैं।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन, संगोष्ठियां, कार्यशालाएं

1. भारत के फार्मेकोविजिलेन्स कार्यक्रम को ओपरेशनलाइज़ करने पर 24-25 नवंबर 2010 को एम्स, नई दिल्ली में कार्यशाला। सेंट्रल ड्रग्ज़ स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइज़ेशन (सीडीएससीओ) के सहयोग से आयोजित और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा समर्थित।
2. विजिफ़्लो में उन्नत प्रशिक्षण कार्यशाला, 23 फ़रवरी 2011 सेंट्रल ड्रग्ज़ स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइज़ेशन (सीडीएससीओ) और उपसला मॉनिटरिंग सेंटर (यूएमसी), स्वीडन के सहयोग से आयोजित।
3. राष्ट्रीय अनिवार्य औषधि सूची के संशोधन के लिए राष्ट्रीय परामर्श बैठक, 3-4 दिसंबर 2010 सेंट्रल ड्रग्ज़ स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइज़ेशन (सीडीएससीओ) के सहयोग से आयोजित।
4. अनुसंधान क्रियाविधि पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 16-21 अगस्त 2010 विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा समर्थित।
5. महिला वैज्ञानिकों के लिए अनुसंधान क्रियाविधि पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 23-28 अगस्त 2010 विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के सहयोग से आयोजित।

प्रोफ़ेसर वाई. के. गुप्ता निर्वाचित हुए : अध्यक्ष, सोसायटी ऑफ़ टॉक्सिकॉलोजी, इण्डिया, 2010-12; अध्यक्ष, उचित कीमत पर उत्तम औषधि उपलब्ध कराने के लिए सरकार की वचन बद्धता के क्रियान्वयन के मामलों की जांच के लिए उच्च शक्तिप्राप्त अंतर - मंत्रालय समन्वय समिति का कार्यकारी समूह, भैषजिकी विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय; अनिवार्य औषधियों की राष्ट्रीय सूची पर विशेषज्ञ कोर समिति, डीजीएचएस, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; वैज्ञानिक सलाहकार समिति; राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य संस्थान, अहमदाबाद, आईसीएमआर, इंस्टिट्यूशनल एथिक्स समिति, न्युक्लियर मेडिसिन और एलाइड साइंस संस्थान (आईएनएमएएस), डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय; राष्ट्रीय जीएलपी तकनीकी समिति, डीएसटी; क्लिनिकल मेडिसिन और फार्मेकॉलोजी पर विशेषज्ञ समिति, भारतीय फ़ार्माकोपिया आयोग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; संस्थागत पशु आचार समिति, एम्स;

तुल्यता समिति, भारतीय चिकित्सा परिषद् (एमसीआई); संपादक (फार्मेकॉलोजी), फिज़ियोलॉजी और फार्मेकॉलोजी की भारतीय पत्रिका; सदस्य, फार्मेकॉलोजी में विशेषज्ञता मंडल, (एमसीआई), सहयोजित सदस्य, अध्ययन मंडल, क्लिनिकल अनुसंधान विभाग, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, जामिया हमदर्द, संस्थागत समीक्षा मंडल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, अध्ययन मंडल, चिकित्सा शिक्षा और विष-विज्ञान विभाग, जामिया हमदर्द, डीन की समिति, एम्स; XI पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत औषधियों, फ़ाइबरों, पेंटों तथा विषों की पहचान और चरित्र-चित्रण पर अध्ययन के लिए योजना; अपराध विज्ञान और न्यायिक विज्ञान का एलएनजेएन राष्ट्रीय संस्थान; प्रदूषण के निवारण, उपशमन तथा नियंत्रण पर विशेषज्ञ समूह, पर्यावरण और वन मंत्रालय; वनस्पति जूसों के उपभोग की सुरक्षा का विशेषज्ञ समूह, लौकी के जूस के विशेष संदर्भ के साथ, आईसीएमआर; वैश्विक पर्यावरण परिवर्तन और स्वास्थ्य पर उच्च शक्ति समिति, आईसीएमआर; एचपीवी वैक्सीन का प्रयोग करके, अध्यापन में कथित अनियमितताओं के लिए समिति, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; शासी निकाय; आयुर्वेद तथा सिद्ध में अनुसंधान की केंद्रीय परिषद, आयुष विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, शासी निकाय; होमियोपैथी में अनुसंधान की केंद्रीय परिषद, आयुष विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारतीय फ़ार्मेकोपिया आयोग का वैज्ञानिक निकाय; वैज्ञानिक सलाहकार समिति, सीसीआरएएस, आयुष विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; मानव अनुसंधान के लिए संस्थागत आचार-शास्त्र समिति, एम्स; 11वीं पंचवर्षीय योजना में योजना आयोग के लिए आईसीएमआर-एनआईएफ़ (राष्ट्रीय अभिनवता संस्थापन) प्रवर्तन समिति; इंडियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च; आईयूएनएस-आईयूपीएस-आईयूपीएचएआर की राष्ट्रीय समिति, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी; रासायनिक आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के लिए क्रोड़ समूह, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण; बहु प्रायोजी कीटनाशियों के निर्माण तथा आयात के विनियमन पर सलाह देने वाला समूह; बहुप्रयोजी कीटनाशियों की पंजीयन प्रक्रिया के सरलीकरण पर समूह केंद्रीय कीटनाशी मंडल और पंजीयन समिति, पादप संरक्षण निदेशालय, संगरोधन और भंडारण, कृषि और सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय; सलाहकार समिति : आईसीएमआर, जन स्वास्थ्य महत्व के चुने हुए रोगों पर औषधीय पादप मोनोग्राफ तैयार करने के लिए; परियोजना समीक्षा समिति : डीएसटी, भारत-विदेश सहकारिता की; परियोजना समीक्षा समिति, आईसीएमआर; परियोजना समीक्षा समिति, आयुर्वेद और सिद्ध में अनुसंधान के लिए केंद्र परिषद, आयुष विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; परियोजना समीक्षा समिति, होमियोपैथी में अनुसंधान के लिए केंद्र परिषद, आयुष विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; परियोजना समीक्षा समिति : यूनानी औषध में अनुसंधान के लिए केंद्र परिषद, आयुष विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; विश्राम सदनों की प्रबंधन समिति, एम्स; संस्थागत आचार-शास्त्र समिति (आईईसी), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद; कुछ भेषज फ़ॉर्मुलेशनों के सतत विपणन की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति जो अन्य देशों में निषिद्ध या सीमित कर दिए गए हैं, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन, भारत सरकार।

डॉ. एस. के. मौलिक पल्मोनरी वैस्कुलर रिसर्च इंस्टिट्यूट, यूके के फ़ैलो हैं।

डॉ. जतींदर कत्याल एशियन जर्नल ऑफ़ मेडिकल साइंसिज़ के संपादक मंडल के सदस्य हैं।

डॉ. सुरेन्दर सिंह : इण्डियन जर्नल ऑफ़ फिज़ियोलॉजी एंड फार्मेकोलॉजी के एसोसिएट संपादक; सदय, फार्माकोपिया की समिति, (यूनानी) और परियोजना मूल्यांकन समिति, सीसीआरयूएम, आयुष विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य; निरीक्षक, नेशनल जीएलपी मॉनिटरिंग कंप्लायंस ऑथॉरिटी, डीएसटी, भारत सरकार हैं।

अतिथि वैज्ञानिक

1. प्रो. सोकोरो वनेस्का फ्रोटा माडेरिया, ब्राजील ने 28 अक्तूबर 2010 को "एन्टी-हाइपटेन्सिव इफ़ेक्ट्स ऑफ़ लेटेक्स प्रोटीन्ज़ इफ़ कैलोट्रापिस प्रोसेरा" पर व्याख्यान दिया।
2. प्रो. क्रिस्टीना पाइवा दा सिल्विएरा कारवालहो, ब्राजील ने 30 अक्तूबर 2010 को "एन्टी-इन्फ़्लेमेटरी प्रॉपर्टीज़ ऑफ़ लेटेक्स प्रोटीन्ज़ और कैलस प्रोटीन्ज़ ऑफ़ कैलोट्रॉपिस प्रोसेरा" पर व्याख्यान दिया।

9.29 भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास

आचार्य एवं अध्यक्ष

यू. सिंह

आचार्य

संजय वाधवा

अपर-आचार्य

एस. एल. यादव | गीता हांडा

शिक्षा

यह विभाग एमबीबीएस पाठ्यक्रम के दौरान स्नातक-पूर्व चिकित्सा छात्रों को व्याख्यानों, एकीकृत संगोष्ठियों और व्यावहारिक प्रदर्शन/विभाग के भ्रमण के माध्यम से, प्रोस्थेटिक - ऑर्थोटिक कार्यशाला सहित, पढ़ाने में लगा हुआ है। यह विभाग एमडी (समुदाय चिकित्सा, पीडिएट्रिक्स चिकित्सा), एमएस (आर्थोपीडिक्स), डीएम (न्यूरोलॉजी तथा पिडिएट्रिक न्यूरॉलोजी) छात्रों, डब्ल्यूयूएचओ फ़ेलोज़ और स्नातकोत्तर नर्सिंग छात्रों को एमएचए के अभिविन्यास प्रशिक्षण के अतिरिक्त स्नातकोत्तर छात्रों को एमडी (पीएमआर) प्रशिक्षण प्रदान करता है।

संकाय तथा स्टाफ़ द्वारा सीएमई/सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 9

अनुसंधान

सहयोगी परियोजनाएं

1. स्केलेटल मसल स्ट्रेंथ इन्क्लूडिंग इट्स एनर्जी मेटाबॉलिज़्म, बोन मिनरल होमियोस्टेसिस एंड टीएच1/टीएच2 साइटोकाइनेस एक्सप्रेशन इन एशियन इंडियन्ज़ विद क्रॉनिक हाइपो - विटामिनोसिस डी बिफ़ोर एंड आफ़्टर ओरल कोलेकेल्सिफ़ोरोल सपलिमेन्टेशन (एन्डोक्रिनोलॉजी और मेटाबोलिज़्म)।
2. साइनर्जी बेस्ड एडेप्टिव प्रॉस्थीसिस फ़ॉर ट्रान्सफ़ीमोरल एम्प्यूटी। (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली)

प्रकाशन

जर्नल : 4

रोगी उपचार

उपलब्ध सुविधाएं

यह विभाग असमर्थता वाले लोगों को बाह्य रोगी, अंतरंग रोगी और आउटरीच सेवाएं उपलब्ध कराता है। विभाग के पास अनेक नैदानिक और थेराप्यूटिक सुविधाएं हैं जिनमें सम्मिलित हैं : व्यापक पुनर्वास सुविधाएं, बैलेंस प्रयोगशाला, कंप्यूटरित डाइनेमोमीटरी, इलेक्ट्रो फिज़िओलॉजी प्रयोगशाला, लघु ओटी, आदि।

नए मामले

ओपीडी	14922
प्रोस्थेटिक एंड ऑर्थोटिक	4159
कुल	**19081**

पुराने रोगी

ओपीडी	12044
ओपीडी दौरे-पीटी सेक्शन	21687
ओपीडी दौरे-ओटी सेक्शन	23584
ओपीडी दौरे-एमएसडब्ल्यू	7285
ओपीडी दौरे-वोकेशनल काउन्सलर	1523
ओपीडी दौरे-इवैलुएशन क्लिनिक	173
रेलवे कन्सेशन सर्टिफ़िकेट्स	457
प्रोस्थेटिक एंड ऑर्थ्रोटिक	15785
लघु ओटी प्रक्रियाएं	2358
योग	**84869**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

फ़ेकल्टी तथा निवासियों ने श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर, मथुरा में विभिन्न कैम्पों में भाग लिया।

प्रोफेसर यू. सिंह निम्न के सदस्य हैं : भारतीय पुनर्वास परिषद्, सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय की लोकोमोटर, लेप्रॉसी कयोर्ड आदि पर उप-समिति, कार्यकारी परिषद और शैक्षिक समिति, ऑर्थोपीडिकली हैंडिकैप्ड के लिए राष्ट्रीय संस्थान, कोलकाता; बीआईएस अपंगों के लिए पुनर्वास उपकरण तथा यंत्र, अनुभागीय समिति (एमएचडी 10); मेडिकल कॉलेजों में पीएमआर के विभागों मे सुविधाओं के उन्नयन को मॉनिटर करने के लिए सलाहकार समिति, डीजीएचएस, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; अनुसंधान समिति, गुरुस्नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर; कुरिक्यूलम समिति, पीएमआर, मेडिकल काउंसिल ऑफ़ इण्डिया; एमओसीजेई की अक्षमता संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए मॉनिटरिंग समिति; स्पाइनल कॉर्ड चोटों के लिए निवारण समिति, अंतरराष्ट्रीय स्पाइनल कॉर्ड सोसायटी; अध्यक्ष, विशेषज्ञ समिति, मेडिकल कॉलेजों में भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास के विभागों में सुविधाओं का उन्नयन, डीजीएचएस, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय; वैज्ञानिक समिति, आईपीएआरएम का चौथा वार्षिक सम्मेलन, एम्स 11 अप्रैल 2010; आयोजन अध्यक्ष और सभापति, सीएमई सत्र 1, रूमैटिक मस्कुलोस्केलेटल डिस-ऑर्डर्ज़, आईएपीएमआर का 39वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, नई दिल्ली, 4-6 फरवरी 2011; विशेषज्ञता मंडल, भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास, मेडिकल काउंसिल ऑफ़ इंडिया, अंतरराष्ट्रीय स्पाइनल कॉर्ड सोसायटी की 49वीं वार्षिक बैठक के दौरान वैज्ञानिक सत्र, आईएसआईसी, नई दिल्ली। परामर्श संपादक एवं समीक्षक, जर्नल ऑफ़ रीहैबिलिटेशन काउंसिल ऑफ़ इंडिया लोकोमोटर एंड एसोसिएटिड डिसेबिलिटीज़; इण्डियन जर्नल ऑफ़ फ़िज़िकल मेडिसिन एंड रीहैबिलिटेशन; संपादक मंडल के सदस्य, इंडियन जर्नल ऑफ़ फिज़ियोथेरेपी एंड ऑक्युपेशन्ज़ थेरैपी; मानंद सदस्य, संपादक मंडल, जर्नल ऑफ़ बायोसाइंसिज़ एंड टेक्नोलॉजी (आईजेबीएसटी); निरीक्षक मेडिकल काउंसिल ऑफ़ इण्डिया और नेशनल बोर्ड ऑफ़ एग्ज़ामिनेशन्ज़ "आर्थराइटिस एंड पैरेलिसिस इन टोटल हेल्थ" पर कार्यक्रम में सजीव फोन के लिए विशेषज्ञ, 1 अगस्त 2010 और 20 फरवरी 2011, डीडी न्यूज़ चैनल।

डॉ. संजय वाधवा निम्न के सदस्य हैं : - मानद सचिव, नेशनल अकादमी ऑफ़ मेडिकल साइंसिज़ (भारत); फ़ेकल्टी ऑफ़ मेडिसिन, बाबा फ़रीद युनिवर्सिटी ऑफ़ हेल्थ साइंसिज़, फ़रीदकोट के मनोनीति सदस्य, फ़रवरी 2011-जनवरी 2012; सदस्य, फ़ेकल्टी ऑफ़ स्पोर्ट्स मेडिसिन एंड फिजियोथैरैपी, गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, 4 अगस्त 2010; पब्लिकेशन एडवाइज़री कमेटी, एनएएमएस (भारत); एकेडेमिक काउंसिल, साकेत कॉलेज ऑफ़ फ़िलियोथैरैपी, चंडीमंदिर; फ़ेकल्टी, इन्डो-यूएस स्ट्रोक कान्फ्रेंस, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, 9-10 दिसंबर 2010; सदस्य, प्रिंसिपल तथा एसोसिएट प्रोफ़ेसर की भरती के लिए चयन समिति, 11 फ़रवरी 2011, साकेत कॉलेज ऑफ़ फिज़ियोथैरैपी, चंडीमंदिर, पंचकूला; भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास में सहाकय प्रोफ़ेसर के पद पर नियुक्ति के लिए बाह्य विशेषज्ञ, चयन समिति, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, 28 फ़रवरी 2011; अध्यक्ष इन्द्रप्रस्थ एसोसिएशन

ऑफ़ रीहैबिलिटेशन मेडिसिन, आईपीएआरएम), 2011-2013; संपादक, आईएपीएमआर बुलेटिन, 2011-2013; एनाल्ज़ ऑफ़ द नेशनल एकैडेमी ऑफ़ मेडिकल साइंसिज़; अध्यक्ष; आयोजन समिति और सत्कार समिति, आईपीएआरएम का 4 था वार्षिक सम्मेलन, एम्स, नई दिल्ली, 11 अप्रैल 2010; वेन्यू मेडिकल ऑफ़िसर, 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान चिकित्सा देखभाल के प्रति योगदान के लिए पदक तथा सम्मान का प्रमाणपत्र दिया गया : जेई/एईएस असमर्थों के लिए व्यापक पुनर्वास योजना तैयार करने में गोरखपुर में विशेषज्ञों के एक दल के नेता मार्च 2011; मध्य मार्च 2011 तक इंद्रप्रस्थ एसोसिएशन ऑफ़ रीहैबिलिटेशन मेडिसिन के उपाध्यक्ष; 'कमर दर्द' पर सार्वजनिक व्याख्यान दिया, एम्स, नई दिल्ली, अगस्त 2010.

डॉ. गीता हांडा ने कार्यकारी टीम के एक अंग के रूप में स्टेन्फ़ोर्ड में दो अंतरिम पेटेंट फ़ाइल किए और स्टेन्फ़ोर्ड इंडिया बायोडिज़ाइन प्रोग्राम में टीम के एक अंग के रूप में एक अंतरिम पेटेंट; स्टेन्फ़ोर्ड इंडिया बायोडिज़ाइन फ़ैलोशिप 2010 से सम्मानित; अतिथि एसोसिएट प्रोफ़ेसर के रूप में स्टेन्फ़ोर्ड विश्वविद्यालय गईं, जनवरी 2010-जून 2010; एक टीम के सदस्य के रूप मे उपर्युक्त पेटेन्टों से एक परियोजना पर काम किया जिसे स्टेन्फ़ोर्ड में एक व्यवसाय प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मिला; सलाहकार यूपीएससी इंटरव्यू बोर्ड; कार्यकारिणी समिति सदस्य, आईपीएआरएम, 2011-2013; आयोजन समिति सदस्य, आईएपीएमआर सीओएन 2011, आरएमएल हस्पताल 4-6 फ़रवरी 2011; अध्यक्ष, प्रीवेन्शन ऑफ़ एससीआई रोड ट्रैफ़िक क्रैशिज़, 30 अक्तूबर 2010; 49 वा इन्टरनेशनल स्पाइनल कॉर्ड सोसायटी (आईएससीओएस), 9 वा एशियान स्पाइनल कॉर्ड नेटवर्क (एएससीओएन), और 10वा स्पाइनल कॉर्ड सोसायटी एनुअल साइंटिफ़िक मीटिंग, नई दिल्ली, 29-31 अक्तूबर 2010.

9.30 शरीरक्रिया विज्ञान

आचार्य और अध्यक्ष

जे. सेनगुप्ता

आचार्य

आर. माथुर	के. के. दीपक	एच. एन मलिक (अवकाश पर 16.09.2010 तक)
डी. घोष		एस.सी. महापात्रा

अपर-आचार्य

के. पी. कोच्चर	एस. जैन (1.7.2010 से)	ए.के.जरयाल (1.7.2010 से)

सह-आचार्य

आर. शर्मा		एन. मेहता
आर. के. यादव		ए. तलवार

सहायक आचार्य

एस. के. सूद

(अवकाश पर 23 अगस्त 2010 तक)

शिक्षा

विभाग द्वारा एमबीबीएस के प्रथम वर्ष के छात्रों को लगभग 400 घंटे का शिक्षण का और बी.एससी. नर्सिंग और पाठ्यक्रमों के तथा इसके अलावा एम. एससी. (शरीरक्रिया विज्ञान) और एमडी (शरीरक्रिया विज्ञान) पाठ्यक्रमों तथा पीएचडी के छात्रों को लगभग 60 घंटे का मार्गदर्शन तथा शिक्षण दिया है।

विभाग ने जैव रसायन विभाग, आयुर्विज्ञान शिक्षा तथा अनुसंधान स्नातकोत्तर संस्थान, चण्डीगढ़ के एक पीएचडी विद्यार्थी को 7 दिनों (7 मार्च 2011 से 13 मार्च 2011) का अल्पकालीन प्रशिक्षण प्रदान किया; मेवाड़ प्रबंधन संस्थान, गाज़ियाबाद के एक एमएससी (जैव प्रौद्योगिकी) के विद्यार्थी को 6 माह (3 फरवरी 2011 से 30 जून 2011) का प्रशिक्षण प्रदान किया; विश्व स्वास्थ्य संगठन, नई दिल्ली द्वारा म्यांमार से प्रायोजित दो डॉक्टरों को 2 सप्ताह (27 सितंबर 2010 से 8 अक्तूबर 2010) का प्रशिक्षण प्रदान किया; एसोसिएट आचार्य, सिंहगढ़ दंत महाविद्यालय तथा अस्पताल को 10 दिन (6 दिसंबर 2010 से 16 दिसंबर 2010) का प्रशिक्षण प्रदान किया; जैकोब स्कूल ऑफ़ बायोइंजीनियरिंग एण्ड बायोटेक्नॉलाजी, इलाहाबाद के जैव प्रौद्योगिकी तृतीय वर्ष के विद्यार्थी को एक माह (पहली जुलाई 2010 से 30 जुलाई 2010) का प्रशिक्षण प्रदान किया; जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के जैव रसायन विभाग के एक विद्यार्थी को दो माह (21 मई 2010 से 20 जुलाई 2010) का प्रशिक्षण प्रदान किया; करियर इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट के एक विद्यार्थी को एक माह (18 जून 2010 से 17 जुलाई 2010) का प्रशिक्षण प्रदान किया; करियर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलाजी एण्ड मैनेजमेंट के एक विद्यार्थी को एक माह (16 जून 2010 से 15 जुलाई 2010) का प्रशिक्षण प्रदान किया; कलकत्ता विश्वविद्यालय के एक विद्यार्थी को डेढ़ माह (17 मई 2010 से 30 जून 2010) का प्रशिक्षण प्रदान किया; जेपी सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, खंडाघाट के एक विद्यार्थी को चार सप्ताह (8 जून 2010 से 7 जुलाई 2010) का प्रशिक्षण प्रदान किया; सैम हिगिन बॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद से एक बीटैक (जैव प्रौद्योगिकी) विद्यार्थी को एक माह (पहली जून 2010 से 30 जून 2010) का प्रशिक्षण प्रदान किया; एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर के शरीरक्रिया विज्ञान विभाग के एक एसोसिएट प्रोफेसर को चार सप्ताह (3 मई 2010 से 29 मई 2010) का प्रशिक्षण प्रदान किया; तथा प्रमुख स्वामी मेडीकल कॉलेज, करमसाद, गुजरात के एक विद्यार्थी को दो माह (19 जनवरी 2010 से 17 मार्च 2010) का प्रशिक्षण प्रदान किया।

प्रदत्त व्याख्यान क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशाला/राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन : 37

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. अंडरस्टेंडिंग इंडोमेट्रिओसिस - प्रोटियोमिक्स स्ट्रेटेजी : जयश्री सेनगुप्ता, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग 31 मार्च 2010 से 30 मार्च 2013 : 35,00,000 रु.
2. "मॉड्यूलेशन ऑफ द एक्टिविटी ऑफ बैरोसेंसिटिव एण्ड कीमोसेंसिटिव न्यूरॉन्स इन न्यूक्लियस ट्रेक्टस सोलिटेरियस बाय मेडिकल प्रीऑप्टिक एरिया स्टीमुलेशन इन रैट्स" : ए. जरयाल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग 29 दिसम्बर 2009 से 28 दिसम्बर 2012 निधि : 34,83,000 रु.
3. एंडोमेट्रियल रिसेप्टिविटी फॉर ब्लास्टोसिस्ट इम्प्लांटेशन इन द प्राइमेट : सिस्टम्स बायलॉजी एप्रोच : डी. घोष, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग 18 दिसम्बर से 17 दिसम्बर 2012 निधि : 34,10,000 रु.
4. रोल ऑफ ह्यूमन कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन इन इंडोमेट्रियल रिसेप्टिविटी फॉर प्रेगनेंसी एस्टिबलेंशमेंट विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग 28 नवम्बर 2008 से 27 नवम्बर 2011। निधि : 33,89,400 रु.
5. डिस्लेक्सिक्स में घटना संबद्ध उभरी क्षमता का अध्ययन। एस के सूद, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार। जनवरी 2009 से दिसंबर 2011। निधि : 32,45,600 रु.
6. मोटर एण्ड कॉग्नेटिव बिहेवियर इन 6-हाइड्रॉक्सी डोपामिन (6-ओएचडीए) एडल्ट रैट मॉडल ऑफ पार्किसन्स डिज़ीज फॉलोइंग मैग्नेटिग फील्ड एक्सपोजर एण्ड इम्प्लांटेशन ऑफ फैरोमेग्नेटिक नैनोपार्टिकल्स / एस जैन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग अगस्त 2009 से अगस्त 2012। निधि : 26,18,920 रु.
7. एफिकेसी ऑफ योग एण्ड डाइटरी मैनेजमेंट इन सेडेंटरी ओवर वेट सब्जेक्ट्स विद रिगार्डर्स टू मार्कर्स ऑफ एंडोथेलियल डिस्फंक्शन, ओबेसिटी एण्ड डायबिटीज़ आर के यादव, केन्द्रीय योगा और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद, परिवार कल्याण और स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार दिसम्बर 2009 - दिसम्बर 2012 निधि : 23,00,000 रु.
8. स्पाइनल कॉर्ड में चोट लगे रोगियों में सेंसरी मोटर स्वास्थ्य लाभ पर पुनरावर्तक मैग्नेटिक स्टमुलेशन के प्रभाव का अध्ययन करना। आर माथुर, विभाग और प्रौद्योगिकी विभाग 19 जनवरी 2009 से 18 जनवरी 2011। निधि, 19,88,140 रु.
9. स्पाइनलाइज्ड चूहों के सेंसरी मोटर कार्यात्मक स्वास्थ्य लाभ में अस्थि मज्जा स्ट्रोमल कोशिका प्रत्यायोरापण और मैग्नेटिक सिस्टुमलेशन का प्रभाव। आर माथुर, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद 1 जनवरी, 2008 से 9 जनवरी, 2011। निधि : 16,05,952 रु.
10. इंडोमेट्रॉयसिस के निदान में प्रोटियोमिक दृष्टिकोण और जैव चिन्हांककों की भूमिका। आर के यादव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद जनवरी 2008 से जनवरी 2011। निधि : 16,00,000 रु.
11. स्वस्थ मानवों पर तुलसी (ओसिमस सेंक्टम लिन) के सार का इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव। एस. सी. महापात्रा, अगस्त 2007 से जनवरी 2011 केन्द्रीय आयुर्वेद और सिद्ध अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली वित्तपोषित। निधि : 14,92,419 रु.
12. मेडिटेशन का साइकोन्यूरोइम्यून प्रभाव : पीईटी और जैव रासायनिक चिन्हांककों द्वारा एक मूल्यांकन। आर के यादव, फरवरी 2008 से फरवरी 2011 तक जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित। निधि : 14,00,000 रु.
13. घरेलू (पालतू) चिकों (गैलस डामेस्टीकस) के दृष्टिक वल्स्ट में सिनेप्टिक प्रोटीनों की अभिव्यक्ति पर प्रसव पूर्व चिरकालिक आडिटरी प्रेरण का प्रभाव। एस जैन 1 संस्थान अनुसंधान अनुदान, मई 2010 मार्च 2011। 1,00,000 रुपए
14. कॉग्नेशन इंडयूज़ड चेंजिस इन ब्रेन ऑसीलेशन्स : आर शर्मा, संस्थान अनुसंधान अनुदान 2009 से मार्च 2011। निधि : 1,00,000 रु.

15. टू स्टडी द इफेक्टस ऑफ ओसीमम सेंक्टम (तुलसी) लीफ एक्सट्रेक्ट ऑन इवेंट रिलेटिड पोंटेशियल्स इन हेल्दी एडल्ट्स : ए. तलवार, अप्रैल 2009 और मार्च 2011 तक अनुसंधान अनुदान संस्थान द्वारा वित्तपोषित। निधि : 1,00,000 रु.

16. कॉग्नेशन इंडयूज़्ड चेंजिस इन ब्रेन ऑसीलेशन्स : आर शर्मा, संस्थान अनुसंधान अनुदान 2009 से मार्च 2011। निधि : 1,00,000 रु.

पूर्ण

1. इल्यूसिडेटिंग इंडोमेट्रियोसिस यूज़िंग जिनोमिक स्ट्रेटजी। जे. सेनगुप्ता, जैव प्रौद्योगिकी विभाग 29 मार्च 2008 से 28 मार्च 2010 निधि : 1,66,94,000 रु.

2. इम्पेंडेंस प्लेथिस्मोग्राफी तकनीक का प्रयोग करके रक्त प्रवाह भिन्नता (बीएफवी) सॉफ्टवेयर का विकास और बीएफवी - बीपीवी संबंध का पता लगाना। ए के जरयाल, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय 5 नवम्बर 2008 से 5 नवम्बर, 2010, निधि : 29,00,000 रु.

3. एंडोमेट्रियल रिसेप्टिविटी फॉर ब्लास्टोसिस्ट इम्प्लांटेशन इन द प्राइमेट : सिस्टम्स बायलॉजी एप्रोच डी. घोष, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग 18 दिसम्बर से 17 दिसम्बर 2012 । निधि : 34,10,000 रु.

4. चूहों में चिरकालिक शीतल उद्भासन के दौरान शारीरिक तापमान के नियंत्रण, उष्मा अधिमानता, निद्रा जागरूकता और निद्रा की समस्थानिक बहाली में पार्श्व पूर्वः अधिक्षेत्र की भूमिका। एच एन मलिक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् 2007-2010। निधि : 500,000 रु.

5. बिहेवियोरल डेवलपमेंट ऑफ विजुअल सिस्टम फॉलोइंग प्रीनेटल क्रोनिक ऑडिटरी स्टिमुलेशन इन चिक्स (गेलस डोमेस्टिकस) एस जैन, एम्स अनुसंधान अनुदान मई 2009 से मार्च 2010 निधि : 1,00,000 रु.

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. फाइब्रोमियालजिया के रोगियों की दर्द की प्रास्थिति पर चुम्बकीय क्षेत्र के प्रति चिरकालिक उद्भासन का अध्ययन।
2. 3 जी फ्रीक्वेंसी बैंड के प्रति उद्भासित चूहों में दर्द के व्यवहार गत, इलेक्ट्रो फिज़ियालाजिकल तथा न्यूरोरसायन सह संबंधों पर चुम्बकीय क्षेत्र का प्रभाव।
3. वेंट्रोमीडियल हाइपोथैलेमिक प्रकार्यो पर स्पाईनल कार्ड की चोट का प्रभाव - चुम्बकीय क्षेत्र की भूमिका
4. प्राणायाम पर आधारित श्वसन प्रयासों का प्रयोग करते हुए कार्डियाक तथा वास्कुलर ऑसीलेशनों का श्वसनकारी माडयुलेशन
5. तुलसी (*ओसीमम सैंक्टम लिन*) सार के माइक्रोबियल रोधी गुणों तथा इम्यूनोमाडुलेटरी प्रभावों का अध्ययन
6. सीलियाक रोग वाले पेडियाट्रिक रोगियों के पौषणिक, नैदानिक, सिरोलाजीकल, जैव रसायनी तथा हिस्टो लॉजीकल प्राचलों पर आहारीय ग्लूटेन की अवशिष्ट मात्रा का प्रभाव
7. प्राणायाम पर आधारित श्वसन प्रयासों का प्रयोग करते हुए कार्डियक तथा वास्कुलर ऑसीलेशनों का श्वसनकारी माडयुलेशन
8. एसेस्मेंट ऑफ वेस्कुलर फंक्शन बीफोर एण्ड आफ्टर रिनल ट्रांसप्लांटेशन।
9. वेस्ट सिंड्रोम वाले बच्चों में एक संयोजी उपचार के रूप में रिफ्लेक्सॉलाजी का मूल्यांकन
10. टाइप - मधुमेह में इंसुलिन प्रतिरोध के साथ सेरेब्रो वास्कुलर रिएक्टीविटी तथा सर्वोगी वास्कुलर रिएक्टीविटी का मूल्यांकन तथा सहसंबंध
11. गिलियन बार सिंड्रोम से पीड़ित 2 से 15 वर्षीय आयु के बच्चों में हृदय पर परिवर्तनीयता में क्रमिक परिवर्तनों का अध्ययन।

12. एसेसमेंट ऑफ वेस्कुलर फंक्शन बीफोर एण्ड आफटर रिनल ट्रांसप्लांटेशन।

13. मोटे बच्चों में आर्टीरियल स्टिफनेस के संकेतों का निर्धारण।

14. पोलिसिस्टिक ओवेरियन रोग वाली महिलाओं में आर्टीरियल स्टिफनेस के संकेतों का निर्धारण

15. सीलियाक रोग वाले पेडियाट्रिक रोगियों के लिए ग्लूटेन की आरम्भिक सीमा का निर्धारण करने के लिए आरसीटी

16. पार्किन्सन रोग के 6-हाइड्रोक्सीडापामाईन चूहा मॉडल पर चुम्बकीय क्षेत्र उद्‌भासन तथा समृद्ध माहौल का प्रभाव।

17. स्टार्टल रिफ्लेक्स के प्रीपल्स माड्युलेशन पर चयनित तथा स्वचालित ध्यान का प्रभाव।

पूर्ण

1. ए स्टडी ऑफ हार्ट रेट वेरिएबिलिटी, ब्लड प्रेशर वेरिएबिलिटी, बैरोरिफ्लेक्स सेंस्टिविटी एण्ड आर्टिरियल स्टिफनेस इन क्रोनिक किडनी डिज़ीज स्टेज 4 एंड 5 इन इंडियन पॉपुलेशन (नेफ्रोलॉजी, एम्स)
2. नॉन इनवेसिव एसेसमेंट ऑफ वेस्कुलर फंक्शन इन पेशेंट्स विद क्रोनिक एंडोजिनस हाइपर कार्टिसोलिज्म (अंतःस्रावी विज्ञान)
3. इफेक्ट ऑफ क्रोनिक एंडोजिनस हाइपर कोर्टिसोलिजम ऑन वेस्कुलर एंडोथिलियल फंक्शन इन कुशिंग सिंड्रोम पेशेंट्स

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. पुरग्लॉटेशन ऑफ ह्यूमन एडल्ट रेटिनल पिग्मेंट एपिथेलियल (जीआरपीई) सेल्स इन दि 6 - ओएचडी एंड लेजियंड रैट मॉडल ऑफ पार्किसन्स डिजीज (पीडी) (तंत्रिका विज्ञान)
2. रिक्वायरमेंट ऑफ आइसो फ्लुरिएन एण्ड वैक्यूरोनियम डोज इन डायबेटिक पेशेंट्स विद एण्ड विदाउट ऑटो नोमिक न्यूरोपैथी अंडर गोइंग इलेक्टिव सर्जरी, एज़ डिटर्माइंड बाय एंटोपी एण्ड न्यूरोमसकूलर मॉनिटर रिस्पेक्टिवली (एनेस्थिसिया विज्ञान)
3. सुदर्शन क्रिया योग तथा प्राणायाम के साथ मधुमेह मेलिटस के रोगियों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण, आक्सीडेटिव स्ट्रेस मार्कर्स, जीवन गुणता पर प्रभाव का अध्ययन करना (अंतः स्राविकी विज्ञान)
4. चूजों में ब्रेन स्टम ऑडिटोरी न्यूक्लेइ; हिप्पो कैम्पस और स्थानिक स्मृति पर जन्म-पूर्व चिरकालिक शोर उद्‌भासन का प्रभाव (शरीर रचना के विज्ञान)
5. आइसोफ्लुरिएन एण्ड वैक्यूरोनियम डोज़ रिक्वायरमेंट इन डायबेटिक पेशेंट्स विद एण्ड विदाउट डायबेटिक ऑटो न्यूरोपैथी अंडर गोइंग इलेक्टिव सर्जरी सत्र डिटर्माइंग बाय एंट्रोपी एण्ड न्यूरोमस्कुलर ट्रांसमिशन (एनएमटी) मानीटरी ब्लाइंडेड अध्ययन (एनास्थीसिया)
6. साइकोन्यूरो इम्युन इफेक्ट ऑफ मेडिटेशन : एन इवेल्यूएशन बाय पीईटी एण्ड बायोकेमिकल मार्कर्स (न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग,)
7. द रोल ऑफ प्रोटियोमिक एप्रोच एण्ड बायोमार्कर्स इन द डायग्नोसिस ऑफ एंडोमेट्रियोसिस (स्त्री रोग और प्रसूती विज्ञान)
8. मैक्सिलरी प्रोट्रेक्शन उपचार के दौरान मिडफेस अल्पता वाले बच्चों के समूह में मासेटर तथा टेम्पोरलिस मांसपेशी गतिविधि का मूल्यांकन (आर्थोडोंटिक्स, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सीडीईआर)।
9. प्रोस्पेक्टिव स्टडी टू इवेल्युएट दि इम्पेक्ट ऑफ बारियाट्रिक सर्जरी ऑन ग्लुकोज मेटाबोलिज़्म : कम्पेरिज़न ऑफ लैप्रोस्कोपिक राऊ एक्स एन वाई गैस्ट्रिक बायपॉस एण्ड लैप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टॉमी (शल्य चिकित्सीय विधाएं)
10. इवेल्युएशन ऑफ डिहाइड्रोपियांड्रोस्टेरोन (डीएचईए) थिरैपी एज़ एन एडजंक्ट टू गोनाडो ट्रोफिन्स फॉर ओव्युलेशन इंडक्शन इन प्रीमैच्योर एजिंग (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)

11. प्रीडिक्शन ऑफ प्रीटर्म डिलिवरी बाई डिटेक्शन ऑफ फीटल फाइब्रोनेक्टिव इन सर्विको वैजिनल सीक्रिशन्स (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)।
12. चिरकालिक अवरोधात्मक पुल मोनरी रोग में एक्सरसाइज़ क्षमता का निर्धारण (मेडीसन)
13. ओवरलैप सिंड्रोम में एंडोथीलियल प्रकार्य का निर्धारण
14. इफेक्ट ऑफ़ प्राइमिंग ऑन स्टूप टास्क परफॉरमेंस यूजिंग इवेंट रिलेटिड फंक्शनल मैग्नेटिक रिज़ोनेंस इमेजिंग (न्यूक्लियर मैग्नेटिक रिज़ोनेंस)
15. पार्किन्सन रोग में बेरेटीशाफ्ट्स पर सबथैलेमिक न्यूक्लियस के डीप ब्रेन प्रेरण का प्रभाव (तंत्रिका विज्ञान)।

पूर्ण

1. स्टडी ऑफ आइ मूवमेंट एब्नॉर्मिलिटी इन पेशेंट्स ऑफ यंग ऑनसेट पार्किसन्स डिज़ीज, न्यूरोलॉजी, एम्स
2. एसेस्मेंट ऑफ कॉग्नेटिव फंक्शन, प्री एण्ड पोस्ट रिनल ट्रांसप्लांटेशन इन पेशेंट्स ऑफ क्रोनिक किडनी डिज़ीज ऑन मेंटेनेंस हिमोडायलिसिस, नेफ्रोलॉजी, एम्स

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 25

सार : 13

पुस्तकों में अध्याय : 4

पुस्तकें : 2

रोगी उपचार

1. तंत्रिका शरीर क्रिया विज्ञान अनुसंधान प्रयोगशाला ने चिरकालिक पीड़ा के चयनित भेजे गए रोगियों के लिए इलेक्ट्रो शरीर क्रिया वैज्ञानिक और जैव रासायनिक परीक्षणों की बैटरी द्वारा पीड़ा और पीड़ा मॉड्यूलेशन स्थिति का उद्देश्यपरक आकलन प्रदान किया। वर्ष के दौरान 32 रोगियों (फाइबोमिएल्जिया) का आकलन किया गया। फाइब्रोमिएल्जिया के 14 रोगियों को ट्रांसक्रेनियल मेग्नेटो चिकित्सा द्वारा पीड़ा से सफलतापूर्वक राहत प्रदान की गई।
2. प्रसूति विज्ञान और स्त्री विज्ञान विभाग, एम्स में आईवी-ईटी उपचार करा रहे 47 रोगियों के फॉलीक्यूलर नमूनों से कुल प्रोटीन तथा वीईजीई के लिए साइटोकोन परख विभागीय जैव रसायन प्रयोगशाला विभाग में ईआईए तकनीक का प्रयोग कर की गई। ये आंकड़े आगे विश्लेषण तथा प्रबंधन के लिए संदर्भकर्ता विभाग को वापस किए गए।
3. ऑटोनोमिक प्रकार्य प्रयोगशाला और वेस्कुलर प्रकार्य प्रयोगशाला भेजे गए रोगियों के लिए नैदानिक सुविधाएं प्रदान करती है। प्रयोगशाला ऑटोनॉमिक टोन परिमाणन तथा गैस्ट्रिकी मोटिलिटी (इलेक्ट्रोगैस्टोग्राफी, ईसीजी की गैर-आक्रामक गैर आक्रामक रिकॉर्डिंग के साथ ऑटोनॉमिक प्रतिक्रियात्मकता के नैमेत्तिक परीक्षण उपलब्ध कराती है। इस वर्ष ऑटोनॉमिक प्रकार्य परीक्षण के लिए कुल 765 व्यक्तियों का परीक्षण किया गया जिसमें 687 रोगी शामिल थे।
4. स्पाइनल कॉर्ड की इंट्रा-ऑपरेटिव मॉनीटरिंग : शरीर क्रिया विज्ञान विभाग किफो-स्कोलियोसिस के लिए उपचारात्मक शल्यचिकित्सा के दौरान स्पाइनल कॉर्ड की अखंडता की मॉनीटरिंग के लिए अस्थि रोग विभाग को सहायता प्रदान कर रहा है। (15 रोगी)।
5. इंटेग्रल स्वास्थ्य क्लिनिक (आईएचसी) - मस्तिष्क शरीर चिकित्सा का एक केंद्र है। आईएचसी एक बहिरंग सुविधा है, जिसका प्रयोग न केवल चिकित्सीय लाभों परंतु स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता विकसित करने के भाग के रूप में भी किया जाता है। वर्ष 2010-2011 के दौरान आईएचसी में कुल 318 (तीन सौ अठारह) रोगियों (गंभीर चिरकालिक रोग के रोगियों, और स्वस्थ व्यक्तियों सहित) को नामांकित किया गया और उन्होंने इसका लाभ उठाया इसके अतिरिक्त। आईएचसी सुविधाओं का नियमित उपयोग प्रयोगशाला मेडिसिन, एम्स द्वारा उनकी अनुसंधान परियोजना के लिए किया गया था।

विभाग निम्न के लिए केंद्रीय सुविधाएँ उपलब्ध कराता है :

i) ऑटोनॉमिक प्रकार्य और वेस्कुलर प्रकार्य;

ii) कॉनफोकल छायाचित्रण;

iii) जैव रसायन

iv) आण्विक जैव विज्ञान;

v) पीड़ा मॉड्यूलेशन स्थिति;

vi) चिरकालिक पीड़ा के रोगियों के लिए ट्रांसक्रेनियल मेग्नेटो थिरेपी

vii) समेकित स्वास्थ्य क्लिनिक

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. जे सेनगुप्ता 9-10 अप्रैल 2010 को बंगलौर में स्वास्थ्य विज्ञान में आयोजित 11वीं डीएसटी कार्यक्रम सलाहकार समिति की बैठक में तथा 24-26 फरवरी 2011 को चैन्नई में आयोजित स्वास्थ्य विज्ञान में 14वीं डीएसटी कार्यक्रम परामर्शी समिति की बैठक में विशेषज्ञ थे; वे डीएसटी अनुसंधान प्रस्ताव का मूल्यांकन करने के लिए 27 जुलाई 2010 को आयोजित वीपी चेस्ट संस्थान ई दिल्ली में डीएसटी विशेषज्ञ समिति की बैठक में विशेषज्ञ थे; 28-29 जून 2010 को एम्स में आयोजित स्वास्थ्य विज्ञान में डीएसटी कार्यक्रम परामर्शी समिति के सदस्य तथा आयोजक थे।

प्रो. आर. माथुर पं. बी डी शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक के शरीर क्रिया विज्ञान में स्नातकोत्तर अध्ययन बोर्ड के विशेषज्ञ थे; वे अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के शरीर क्रियाविज्ञान विभाग के अध्ययन बोर्ड के सदस्य हैं।

प्रो. के के दीपक सदस्य, शिक्षा समिति, अंतरराष्ट्रीय शरीर क्रिया विज्ञान संघ (आईयूपीएस); प्रभारी आचार्य, के एल विग सेंटर फार मेडीकल एजुकेशन एण्ड टेक्नॉलाजी; सदस्य, परामर्शी समिति, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई); सदस्य, अवर स्नातक एमबीबीएस पाठ्यचर्या तथा स्नातकोत्तर (एमडी शरीर क्रिया विज्ञान) पाठ्यचर्या समिति, मेडीकल काउंसिल ऑफ इण्डिया (एमसीआई); 14 सितंबर 2010 तक आइडियल कंसोर्टियम; दमन विश्वविद्यालय के लिए "आइटम बैंक प्रशासक" थे; उन्होने दमन विश्वविद्यालय, सऊदी अरब के लिए "परीक्षा हेतु नीतियां तथा प्रक्रियाविधियां" संबंधी विस्तृत ब्यौरेवार दस्तावेज तैयार किया; वे सदस्य, अकादमिक परिषद्, भारतीय खेलकूद प्राधिकरण (एमएआई) नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्टस (एनएसएनआईएस), पटियाला; 22-24 दिसंबर 2010 को एसोसिएशन ऑफ फिज़ियोलाजिस्ट एण्ड फार्माकोलोजिस्ट ऑफ़ इण्डिया (एपीकॉन 2010) के 56वें राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में 'कार्डियोवास्कुलर एण्ड रेस्पिरेटरी" सार विषय पर पोस्टर सत्र के लिए निर्णायक थे; वे डॉ. भीम राव अम्बेडकर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलाजी, जालंधर तथा इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलाजी, बम्बई के लिए जैव चिकित्सा इंजीनियरी हेतु पीएचडी थीसिस परीक्षक थे; वे ग्यारहवीं पंचवर्षीय परियोजना "ह्यूमन परफॉरमेंस एनहेंसमेंट अंडर डिफरेंट आपरेशनल एन्वायरमेंट्स", डीआईपीएएस, डीआरडीओ; के लिए अभिजात समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य थे; वे योग तथा प्राकृतिक चिकित्सा में अनुसंधान हेतु केंद्रीय परिषद् (सीसीआरवाईएन) में सर्च सह अभिजात समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य थे; वे सदस्य स्टोर क्रय समिति, एम्स; सदस्य, शरीरक्रिया विज्ञान परिवर्तनीयता - 2010 के उन्नत अनुप्रयोग संबंधी आर विषय बैठक हेतु परामर्शी समिति, भाबा ऑटोनोमिक अनुसंधान केंद्र, मुंबई के सदस्य; सदस्य, सम्पादकीय बोर्ड, अंतरराष्ट्रीय योग पत्रिका भारत; सदस्य, एडवाइज़री बोर्ड ऑफ जरनल हेल्थ रिनायसेंस, बीपीकेआईएचएस, नेपाल; सम्पादकीय बोर्ड कार्यपालक, अल अभीन जे ऑफ मेडीकल साइंसेस, इण्डिया; इण्डियन जरनल ऑफ मेडीकल रिसर्च, जरनल ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडीसन, इंटरनेशनल जरनल ऑफ योग, आयुर्विज्ञान शिक्षा, चिकित्सा अध्यापक थे। उन्होंने एसोसिएशन ऑफ फिज़ियालाजिस्टस एण्ड फार्माकोलोजिस्ट ऑफ इण्डियन (एपीकोन 2010) के स्वांगी, वार्धा, महाराष्ट्र में 22-24 दिसंबर को आयोजित 56वें राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में "ऑटोनोमिक एण्ड वास्कुलर फंक्शन टेस्टिंग" संगोष्ठी का संचालन किया

प्रो. एच एन मलिक ने 'रीइमर्जेंस ऑफ प्रीऑप्टिक एरिया इन स्लीप रेग्युलेशन" पर डीआईपीएएस में विज्ञान दिवस पर वार्ता की; उन्हें 2009-12 के लिए साइंटिफिक कमेटी ऑफ एशियन स्लीप रिसर्च सोसायटी का अध्यक्ष तथा इण्डियन सोसायटी फॉर स्लीप

रिसर्च का महासचिव निर्वाचित किया गया; वे एसोसिएशन ऑफ फिज़ियोलाजिस्ट तथा फार्माकोलोजिस्ट ऑफ इण्डियन के वित्त सचिव थे; उन्होंने "राष्ट्रीय निद्रा चिकित्सा पाठ्यक्रम 2010", का आयोजन तिरुवनंतपुरम में दिसंबर 2010 में किया; 11 जुलाई 2010 को एम्स नई दिल्ली में उन्होंने (बेसिक्स ऑफ पोलीसोमनोग्राफी" संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रो. एस सी महापात्रा ने 28 फरवरी 2011 को सीआईएल फरीदाबाद में इंस्टीटयूशनल एनीमल एथीकल समिति की 12वीं बैठक की अध्यक्षता की; वे दिल्ली चैप्टर ऑफ एसोसिएशन ऑफ फिज़ियोलाजिस्ट एण्ड फार्माकोलोजिस्ट के अध्यक्ष थे; उनके द्वारा सह लिखित शोध पत्र "इफेक्टस ऑफ तुलसी (ओसीमम सैंक्टम लिन) ऑन इम्यून पैरामीटर ऑफ हेल्थी वोलंटीयर्स" को यू के - फार्म साईंस - 2010 सम्मेलन, नाटिंघम विश्वविद्यालय में मौखिक प्रस्तुतीकरण हेतु यू के - इण्डिया साईंस ब्रिज फैलोशिप 2010 प्रदान किया गया

डॉ. ए के जरयाल ने 22-24 दिसंबर 2010 को एसोसिएशन ऑफ फिज़ियोलाजिस्ट एण्ड फार्माकोलोजिस्ट ऑफ इण्डिया (2010), की स्वांगी, वार्धा, महाराष्ट्र में आयोजित 56वें राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में कार्यशाला" आटोनोमिक एण्ड वास्कुलर फंक्शन टेस्टिंग' का आयोजन किया।

डॉ. एस के सूद 24 अगस्त 2009 से 24 जुलाई 2010 तक किंग फैसल विश्वविद्यालय, के एस ए में आगंतक संकाय थे। वहां अपने रहने के दौरान उन्होंने पीबीएल न्यूरोसाईंस की शुरूआत की; क्लिनीकल न्यूरोफिज़ियॉलाजी प्रयोगशाला की स्थापना की, विद्यार्थी बायोपैक प्रयोगशाला स्थापित की; डब्ल्यूएचओ के नो स्मोकिंग दिवस के दौरान नो स्मोकिंग अभियान का आयोजन किया तथा विद्यार्थी परियोजनाएं आरंभ की उन्हें "न्यूरल कोरिलेट्स ऑफ कन्फ्लिक्ट : एफंक्शनल मैग्नेटिक रेसोनेंस इमेजिंग स्टडी" पर वार्ता के लिए 29 नवंबर - 10 दिसंबर 2010 के दौरान 'आईबीआरओ-एपीआरसी स्कूल ऑफ न्यूरो इमेजिंग' द्वारा आमंत्रित किया गया। उन्होंने लाईफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड प्राप्त करने के लिए प्रो. आर एल बिजलानी द्वारा एपीकॉन 2010 में 23 मार्च 2011 को वार्ता का आयोजन किया जिसका विषय था" व्हाट इज़ लाईफ एनीवे"?।

प्रो. सेनगुप्ता एण्ड घोष ने इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, खड़गपुर में 13-14 सितंबर 2010 को स्कूल ऑफ मेडीकल साइसेंस एण्ड टेक्नॉलाजी में 'माइक्रो एरे एण्ड जीन रेग्युलेटरी नेटवर्क' कार्यशाला का तथा

16-18 सितंबर 2010 को 'वर्कशॉप ऑन प्रोटियोमिक्स" का आयोजन किया।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. दीपक श्रीवास्तव, आचार्य पलमोनरी चिकित्सा यूसी डेविस, सं. रा. अमेरिका। "अंडर स्टैंडिंग वेंटीलेटर ग्राफिक्स' पर वार्ता की, 8 दिसंबर 2010 तथा डॉ. सुनाओ उचिदा, आचार्य खेलकूद मनोविज्ञान, वासेदा विश्वविद्यालय, जापान ने विभाग का दौरा किया, 8-15 दिसंबर 2010, प्रो. आर एल बिजलानी ने एपीपीआई दिल्ली चैप्टर बैठक के दौरान अखिल भारत आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में 23 मार्च 2011 को "व्हाट इज़ लाइफ फॉर एनी वे" पर वार्ता दी।

9.31 मनोचिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

रजत रे

आचार्य

मंजू मेहता | एस.के. खंडेलवाल | आर.के. चड्डा

प्रताप शरण

अपर-आचार्य

राजेश सागर

सहायक आचार्य

नंद कुमार | ममता सूद

शिक्षा :

संकाय द्वारा एमबीबीएस छात्रों के लिए 44 घंटे के व्याख्यान दिए जाते हैं। इसके अतिरिक्त इन छात्रों को 60 दिनों के लिए विभाग में पोस्ट किया जाता है (क्लिनिकल पोस्टिंग)। बीएससी नर्सिंग छात्रों के लिए भी यह विभाग 38 घंटे का अध्यापन उपलब्ध कराता है। विभाग के एमडी (मनो रोग विज्ञान) तथा पीएचडी (क्लिनिकल मनोविज्ञान) और पीएचडी (व्यसन चिकित्सा) छात्रों के लिए निम्न शैक्षिक कार्यक्रम चलाए जाते हैं :

1. जर्नल चर्चा हर सप्ताह एक बार
2. संगोष्ठी हर सप्ताह एक बार
3. रोगी सम्मेलन हर सप्ताह एक बार
4. फ़ेकल्टी / स्टाफ़ प्रस्तुति हर सप्ताह एक बार और हर सत्र में सीसीआर तथा सीजीआर
5. स्नातकोत्तर मनो रोग विज्ञान तथा डॉक्टोरल स्तर के क्लिनिकल मनोविज्ञान छात्रों के लिए मनश्चिकित्सा पर्यवेक्षण।
6. मनो रोग विज्ञान में कनिष्ठ निवासियों के लिए परामर्श संपर्क प्रशिक्षण का पर्यवेक्षण
7. सीआरएचएसपी, बल्लबगढ़ में मेडिकल स्नातक पूर्वों का नियमित स्नातक पूर्व अध्यापन और मूल्यांकन।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

मध्यावधि सीएमई कार्यक्रम, इण्डियन साइकिएट्रिक सोसायटी - उत्तर क्षेत्र, 1 अगस्त 2010 (डॉ आर. के चड्डा - अध्यक्ष, आयोजन समिति)

सीएमई/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए भाषण : 32

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. डिवेलपमेंट ऑफ़ फार्मेकोजीनोमिक्स एसएनपी डेटाबेस फ़ॉर क्रिटिकल केन्डिडेट जीन्स इन्वाल्वड इन ड्रग रिस्पांस फ़ार शिजोफ़्रेनिया। आर.के. चड्डा, एम. सूद / 2 वर्ष (2008-2010) के लिए डीबीटी द्वारा निधीयित। निधि : 2.70 लाख रुपए, एम्स स्थल के लिए।

2. फ़ॉर्मेटिव फ़ील्ड स्टडीज़ फ़ॉर रिविज़न ऑफ़ इन्टरनेशनल क्लासिफ़िकेशन ऑफ़ डिज़ीज़िज़ (अध्याय V) पी. शरण। 3 वर्ष (2010-2012) के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निधीयित। निधि : 1.5 लाख रुपए

3. क्रॉस-कल्चरल डिवेलपमेंट ऑफ़ ए डिप्रेशन आइडेन्टिफ़िकेशन इंस्ट्रुमेंट फ़ॉर एसईएआरओ। पी. शरण, आर. सागर। दो वर्ष (2010-2011) के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन - दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा निधीयित। निधि : 10 लाख रुपए

4. सुपर विज़न एंड प्रेपेरेशन ऑफ़ ए टेक्निकल रिपोर्ट ऑफ़ द डिप्रेशन आइडेन्टिफ़िकेशन इंस्ट्रुमेंट - फ़ेज़ वी.पी. शरण। 2 वर्ष (2010-2011) के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन - दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा निधीयित। निधि : 16 लाख रुपए

5. रीव्यू ऑफ़ फ़ीज़िबिलिटी ऑफ़ कम्यूनिटी बेस्ड प्रॉजेक्ट ऑन साइकोसिस। आर. सागर, पी शरण। दो वर्ष (2010-2011) के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन - दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय। निधि : 2.3 लाख रुपए

6. डेटा एनालेसिस, इन्टरप्रेटेशन ऑफ़ डेटा एंड प्रेपेरेशन ऑफ़ ए टेक्निकल रिपोर्ट फ़ॉर एसईएआरओ डिप्रेशन प्रॉजेक्ट - फ़ेज़ III आर. सागर। 2 वर्ष (2010-2011) के लिए डब्ल्यूएचओ - एसईएआरओ द्वारा निधीयित। निधि : 1.6 लाख रुपए

7. न्यूरो - कॉग्निटिव स्टडी एंड यूज़ ऑफ़ फंक्शनल मेग्नेटिक रेज़ोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) इन पेशेंट्स हैं विंग मेजर डिप्रेसिव डिसार्डर एंड मेनिया। आर. सागर। 2 वर्ष (2009-2011) के लिए डीएसटी द्वारा निधीयित। निधि : 38 लाख रुपए

8. रीव्यू ऑफ़ फ़ीज़िबिलिटी ऑफ़ कम्युनिटी बेस्ड प्रॉजेक्ट ऑन वेलबींग इन चिल्ड्रन। आर. राय, ए.धवन, एम. मेहता, पी.शरण। 2 वर्ष (2010-2011) के लिए डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ द्वारा निधीयित। निधि : 2.3 लाख रुपए

9. इफ़ेक्ट्स ऑफ़ द ब्रीदिंग टेक्नीक (एसकेवायी) विद स्टेन्डर्ड ट्रीटमेन्ट ऑन डिप्रेसिव डिसार्डर पेशेन्ट्स इन कम्पेरिज़न टु स्टेंटर्ड ट्रीटमेंट्स एलोन। एन. कुमार, आर.सागर। 2 वर्ष (2009-2011) के लिए इण्डियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च द्वारा निधीयित। निधि : 11 लाख रुपए।

पूर्ण

1. वेलिडेशन ऑफ़ डिप्रेशन आइडेन्टिफ़िकेशन इंस्ट्रुमेन्ट इन ए प्राइमरी केयर पापुलेशन। प. शरण, आर. सागर। 2 वर्ष (2008-2010) के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन दक्षिण पूर्व एशिया प्रादेशिक कार्यालय द्वारा निधीयित। निधि : 3.5 लाख रुपए

2. सुपरविज़न एंड प्रेपेरेशन ऑफ़ ए टेक्निकल रिपोर्ट ऑफ़ द डिप्रेशन आइडेन्टिफ़िकेशन इंस्ट्रुमेन्ट-फ़ेज़ III पी. शरण, आर. सागर। 2 वर्ष (2008-2010) के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन दक्षिण पूर्व एशिया प्रादेशिक कार्यालय द्वारा निधीयित। निधि : 3.2 लाख रुपए

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. मल्टिसेंटर स्टडी ऑन प्रिवेलेंस एंड फीनॉमिनोलॉजी ऑफ़ फ़ंक्शनल सोमैटिक सिंपटम्ज़ इन डिप्रेशन। आर. के. चड्डा। 2 वर्ष (2009-2011) के लिए इण्डियन साइकिएट्रिक सोसायटी द्वारा निधीयित।

2. इनिशियल ट्राइ आउट ऑफ़ पैसिवली रिसीव्ड एक्सपीरिएंस स्केल (पीआरई) ऑन हिंदी स्पीकिंग पॉपुलेशन (विद इंटरनेशनल सेंटर ऑफ़ मेन्टल हेल्थ पॉलिसी एंड इक्नॉमिक्स। मिलानो, इटली (पी. शरण)।

3. ए स्टडी ऑफ़ न्यूरोकेमिस्ट्री ऑफ़ ऐन्टिरियर सिंगुलेट कॉर्टक्स, काउडेट न्युक्लियस एंड मीडियल थेलेमस बाई प्रोटोन मेग्नेटिक रिज़ोनेन्स स्पेक्ट्रोस्कोपी इन पेशेन्ट्स विद ओसीडी वर्सिस देअर फ़र्स्ट डिग्री रिलेटिव्ज़ एंड हेल्दी कंट्रोल्ज़ (न्युक्लियर मेग्नेटिक रेज़ोनेन्स विभाग) (पी. शरण)।

4. फिनोमिनोलॉजी ऑफ़ धात सिंड्रोम (विद सेन्टर फ़ॉर कम्युनिटी मेडिसिन) (पी.शरण)।

पूर्ण

1. एसेसमेन्ट ऑफ हेल्थ रिलेटिड क्वालिटी ऑफ़ लाइफ़ आफ़्टर इलील पाउच ऐनल ऐनैस्टामोसिस इन अल्सरेटिव कोलाइटिस (गेस्ट्रोइन्टेस्टाइनल सर्जरी विभाग के साथ) (पी.शरण)।

प्रकाशन

जर्नल : 41

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय/मोनोग्राफ़/कार्यवाही : 20

रोगी उपचार

ओपीडी और विशेष निदानशाला उपस्थिति	**नए रोगी**	**पुराने रोगी**	**योग**
वाक-इन-क्लिनिक	12129	29631	41760
विस्तृत निर्धारण	1818	-	1818
विशेषज्ञता क्लिनिक			
बाल मार्गदर्शन	518	569	1087
डी-एडिक्शन क्लिनिक	147	1542	1689
योग :	14612	31742	46354
महा योग	18126	97448	115574

कुल प्रवेश (मनोचिकित्सा) : 323

रोगियों की देख-भाल के लिए प्रयोगशाला जांच :

सीरम लीथियम लेवलों की कुल संख्या : 1262

पुरस्कार और सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफ़ेसर मंजु मेहता नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेन्टल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसिज़, बेंगलूर के प्लानिंग और मॉनिटरिंग बोर्ड की सदस्य हैं। उन्होंने डिपार्टमेंट ऑफ़ मेन्टल हेल्थ एंड सोशल साइकॉलोजी, निमहंस, बेंगलूर के आरसीआई निरीक्षण में (7-8 अप्रैल 2010) और एकैडेमिक एडवाइज़री कमेटी फ़ॉर सेंटर और हेल्थ साइकोलॉजी ऑफ़ द यूनिवर्सिटी ऑफ़ हैदराबाद की बैठकों में (18 अगस्त 2010 तथा 11 फ़रवरी 2011) भाग लिया। उन्होंने बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल में अध्ययन मंडल के लिए सदस्य के रूप में और परीक्षक के रूप में काम किया।

प्रोफ़ेसर एस. के. खंडेलवाल ने इण्डियन साइकिएट्रिक कॉन्फ्रेंस के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में "ट्रान्सक्रेनियल मेग्नेटिक स्टिमुलेशन : बेसिक अंडरस्टेंडिंग एंड एक्सपीरिएन्स ऐट एम्स "और" मैनेजमेन्ट ऑफ़ डाइमेन्शिया" नामक संगोष्ठियों की अध्यक्षता की (नई दिल्ली, जनवरी 2011)। उन्होंने कॉग्निटिव बिहेवियर थैरेपी पर अनेक कार्यशालाएं आयोजित की (एम्स, नई दिल्ली, अगस्त 2010; छत्रपति साहूजी महाराज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, नवंबर 2010; इण्डियन साइकिएट्रिक सोसायटी-नॉर्थ ज़ोन का वार्षिक सम्मेलन, लुधियाना, अक्तूबर 2010; इण्डियन साइकिएट्रिक; सोसायटी का राष्ट्रीय सम्मेलन, नई दिल्ली, जनवरी 2011)। वे कई समितियों के अध्यक्ष हैं यथा एवार्ड्ज़ कमेटी ऑफ़ दि इण्डियन एसोसिएशन फ़ॉर सोशल साइकिएट्री; टास्क फ़ोर्स ऑन नॉन-फ़ार्मेकोलॉजिकल इंटरवेन्शन्ज़ इन साइकिएट्री ऑफ़ इण्डियन साइकिएट्रिक सोसायटी; साइंटिफ़िक कमेटी ऑफ़ दि एनुअल कान्फ्रेंस ऑफ़ इण्डियन साइकिएट्रिक सोसायटी; और द नेशनल बोर्ड फ़ॉर द रिचमांड फ़ेलोशिप सोसायटी फ़ॉर मेंटल हेल्थ। वे इंस्टिट्यूट ऑफ़ ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंसिज़ (आईएचबीएएस) की कार्य परिषद के सदस्य है। वे इण्डियन एसोसिएशन फ़ॉर चाइल्ड एंड एडोलेसेंट मेंटल हेल्थ के 10वें द्विवार्षिक सम्मेलन के लिए आयोजन समिति के सह-अध्यक्ष थे। नेशनल बोर्ड ऑफ़

एग्ज़ामिनेशन्ज़ और मेडिकल काउंसिल ऑफ़ इण्डिया की ओर से उन्होंने एमडी तथा डीएनबी साइकिएट्री पाठ्यक्रम चलाने वाली मेडिकल संस्थाओं का निरीक्षण किया।

प्रोफ़ेसर आर. के. चड्डा राज्य मानसिक स्वास्थ्य नियमावली का संशोधन करने के लिए डीजीएचएस द्वारा गठित समिति के सदस्य हैं। वे एमएचए 1987 में संशोधनों में चर्चा के लिए एमओएच तथा एफ़डब्ल्यू के सलाहकारी समूह में सम्मिलित थे (चंडीगढ़, 12 जुलाई 2010 और 11 मार्च 2011)। उन्हें इण्डियन एसोसिएशन फ़ॉर सोशल साइकिएट्री का महासचिव नियुक्त किया गया (नवंबर 2010 तक) और फिर वे उसके अध्यक्ष निर्वाचित हो गए। उन्होंने इण्डियन साइकिएट्रिक सोसायटी टास्क फ़ोर्स ऑन मेन्टल हेल्थ लेजिस्लेशन में एक सत्र का सह-सभापतित्व किया (2010-12) और इण्डियन साइकिएट्रिक सोसायटी - उत्तर क्षेत्र के लिए पुरस्कार समिति के सह-सभापति के रूप में काम किया (2007-2011)। बे ओजिऑयड सब्सिट्यूशन सेन्टर्ज़, नेशल एक्रेडिटेशन बोर्ड फ़ॉर हॉस्पिटल्ज़ एंड हेल्थ केयर प्रोवाइडर्ज़ (एनएबीएच)

क्वालिटी काउंसिल ऑफ़ इण्डिया के लिए एक्रेडिटेशन समिति के अध्यक्ष है; और मेडिकल कॉलेज के निरीक्षण के लिए एमसीआई समन्वयकर्ता नियुक्त किए गए थे। उन्होंने दि इण्डियन एसोसिएशन फ़ॉर सोशल साइकिएट्री के XVII राष्ट्रीय सम्मेलन के वैज्ञानिक कार्यक्रम का समन्वयन भी किया (कोची 19-21 नवंबर 2010) और विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के लिए एम्स, नई दिल्ली में 10 अक्तूबर 2010 को 'मेन्टल हेल्थ सर्विसिज़' पर सामुदायिक जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया।

प्रोफ़ेसर प्रताप शरण ने एक एडवाइज़री बोर्ड मेम्बर, डब्ल्यूएचओ इंटरनेशनल एडवाइज़री ग्रुप फ़ॉर द रिविज़न ऑफ़ आईसीडी - 10 मेन्टल एंड बीहेविओरल डिसार्डर्ज़, के रूप में काम किया। उन्हें इण्डियन एसोसिएशन ऑफ़ चाइल्ड एंड एडोलेसैंट मेंटल हेल्थ का उपाध्यक्ष और मनोनीत अध्यक्ष चुना गया (2009-2011)। उन्हें नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ़ इण्डिया का कार्यकारी समिति सदस्य नियुक्त किया गया है। वेलेन्सेट, इमोशन, काम्प्रीहेन्सिव साइकिएट्री, जर्नल ऑफ़ एफ़ेक्टिव डिसार्डर्ज़ (इंटरनेशनल), और नेशल मेडिकल जर्नल ऑफ़ इण्डिया (सूचीबद्ध) के लिए एक अभिजात समीक्षक हैं। उन्होंने इण्डियन साइकिएट्रिक सोसायटी - उत्तर क्षेत्र - के लिए मध्यावधि सीएमई में (अगस्त 2010) और XVII नेशनल कॉन्फ़्रेंस ऑफ़ दि इण्डियन एसोसिएशन फ़ॉर सोशल साइकिएट्री में (कोचीन, नवंबर 2010)। "मैटरनल मेंटल हेल्थ" नामक संगोष्ठी की अध्यक्षता की। उन्होंने XVIIवीं इंटरनेशनल सोसायटी फ़ॉर द स्टडी ऑफ़ पर्सनेलिटी डिसार्डर्ज़ कांग्रेस (मेल्बोर्न, ऑस्ट्रेलिया, मार्च 2011) में डायालेक्टिकल बिहेवियर थैरेपी पर एक कार्यशाला में और रिविज़न ऑफ़ आईसीडी-10 मेंटल एंड बिहेविओरल डिसार्डर्ज़ के लिए 2009-2010 सलाहकारी समूह की डब्ल्यूएचओ बैठक (जेनेवा, स्विट्ज़रलैंड, फ़रवरी 2011) में भाग लिया। उन्हें कालीकट विश्वविद्यालय से पीएचडी थीसिस के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय से एमडी (साइकिएट्री) थीसिस के लिए और नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेन्टल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसिज़ (निमहांस), बेंगलूर द्वारा समीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है।

डॉ. राजेश सागर जर्नल ऑफ़ दि इण्डियन साइकिएट्री - नार्थ जोन के संपादक और जर्नल ऑफ़ दि इण्डियन एसोसिएशन फ़ॉर चाइल्ड एंड एडोलेसेंट मेन्टल हेल्थ के सह - संपादक हैं। वे नेशनल टास्क फ़ोर्स ऑन लेजिस्लेशन ऑफ़ दि इण्डियन साइकिएट्री सोसायटी और स्पैशियल्टी एडवाइज़री बोर्ड इन साइकिएट्री फ़ॉर डीएनबी ऑफ़ द नेशनल बोर्ड ऑफ़ एग्ज़ामिनेशन्ज़ के संयोजक हैं। वे आईजीएनओयू केपीजी डिप्लोमा ऑन काउंसलिंग एंड फ़ेमिली थैरेपी के लिए विशेषज्ञ समिति के एक सदस्य हैं। उन्हें विभिन्न बैठकों में विशेषज्ञ के रूप में बुलाया गया, यथा मेंटल हेल्थ पर संसद के प्रश्न पर माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री को जानकारी देने के लिए (अप्रैल 2010), वर्ड मेंटल हेल्थ सर्वे कन्सोर्टियम वार्षिक बैठक में इण्डिया को ऑर्डिनेटर के रूप में (लिस्बन, पुर्तगाल, जुलाई 2010), नॉलेज केप्चर वर्कशॉप फ़ॉर गुड प्रेक्टिसिज़ एराउंड कॉम्युनिटी बेस्ड मेंटल हेल्थ मॉडल्ज़ इन इण्डिया ऑर्गेनाइज़्ड बाई नेशनल एलायंस ऑन एक्सेस टु जस्टिस फ़ॉर पर्सन्ज़ लिविंग विद मेंटल इलनेस (अगस्त 2010), ग्लोबल मेंटल हेल्थ, पीएचएफ़आई द्वारा आयोजित मिलियन हेल्थ स्टडी (एमडीएस) सुइसाइड एडवाइज़री ग्रुप मीटिंग (अगस्त 2010), नेशनल प्रोटोकोल फ़ाइनलाइज़ेशन वर्कशॉप-कम-टेक्निकल एडवाइज़री ग्रुप मीटिंग फ़ॉर स्टडी टाइटल्ड 'न्यूरो डिवेलपमेन्टल डिसेबिलिटीज़ अमंग चिल्ड्रन इन इण्डिया : ऐन इनक्लेन स्टडी' (अगस्त 2010), नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर की 8वीं इंटरनेशनल ह्यूमन ऐथिक्स कमेटी मीटिंग (सितंबर 2010), रिजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर, नार्थ ईस्टर्न रिज़न ऑफ़ आईसीएमआर की 24वीं साइंस एडवाइज़री कमेटी (एसएसी) मीटिंग (अक्तूबर 2010), प्रॉजेक्ट इवेलुएशन कमेटी ऑफ़ सेंट्रल काउंसिल ऑफ़ रिसर्च इन होमियोपैथी रिलेटिड टु एक्स्ट्रा म्यूरल रिसर्च स्कीम ऑफ़ डिपार्टमेंट ऑफ़ आयुष (फ़रवरी और मार्च 2011), प्रॉजेक्ट रीव्यु कमेटी फ़ॉर मेंटल हेल्थ ऑफ़ इण्डियन

काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) (मार्च 2011) और नेशनल कन्सल्टेशन ऑन मेंटल हेल्थ केयर एक्ट (एमएचसीए) (मार्च 2011) उन्होंने सचिव सीएमएचए के रूप में सेंट्रल मेंटल हेल्थ ऑथोरिटी (सीएमएचए), भारत सरकार की वार्षिक बैठक आयोजित की (मार्च 2011)। उन्होंने इण्डियन साइकिएट्रिक सोसायटी - उत्तर क्षेत्र के मध्यावधि सीएमई में "एन्डोक्राइनॉलोजी एंड साइकिएट्री" के लिए चर्चा में भाग लिया (अगस्त 2010)। वे इण्डियन साइकिएट्री सोसायटी के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में "अंडर स्टेंडिंग डायग्नोसिस एंड मेनेजमेंट ऑफ़ डिप्रेसिव डिसार्डर्ज़ एंड ब्ल्यूज़ ऑफ़ एडोलेसेंस" पर सीएमई कार्यशाला के लिए और "स्कूल मेंटल हेल्थ प्रोग्राम इन इण्डियन सिनेरियो" पर संगोष्ठी के लिए सभापति थे (नई दिल्ली, जनवरी 2011), और सेकंड इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन मेडिकल नेग्लिजेंस एंड लिटिगेशन इन मेडिकल प्रेक्टिस और सेकंड इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन रिसेंट एडवांसिज़ इन फ़ोरेन्ज़िक साइंसिज़, मेडिसिन एंड टेक्सिकॉलोजी के सह-सभापति थे (गोवा, फरवरी 2011)। वे इण्डियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च, डिपार्टमेंट ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी के लिए अनुसंधान परियोजनाओं के समीक्षक हैं और इण्डियन जर्नल ऑफ़ साइकिएट्री, इण्डियन जर्नल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च तथा इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सोशल साइकिएट्री के लिए पियर समीक्षक हैं। वे न्यू दिल्ली बर्थ कोहोर्ट स्टडी के लिए और नेपाल में एपिडेमिओलॉजी ऑफ़ मेन्टल डिसार्डर्ज़ पर मल्टि-सेंट्रिक अध्ययन के लिए मानसिक स्वास्थ्य पर विशेषज्ञ/परामर्शदाता हैं।

डॉ. ममता सूद को 2010 में इण्डियन एसोसिएशन फ़ॉर सोशल साइकिएट्री (आईएएसपी) का जीसी बोरल I पुरस्कार भेंट किया गया। वे इण्डियन एसोसिएशन फ़ॉर सोशल साइकिएट्री के XVII सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षा थीं (कोचीन, नवंबर 2010); और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित इण्डियन साइकिएट्रिक सोसायटी-उत्तर क्षेत्र के मध्यावधि सीएमई के लिए कोषाध्यक्ष थीं (अगस्त 2010)।

9.32 विकिरण - निदान

आचार्य एवं अध्यक्ष

अरुण कुमार गुप्ता

आचार्य

दीप नारायण श्रीवास्तव

राजू शर्मा

अपर आचार्य

संजय थुलकर (आईआरसीएच)

संजय शर्मा (आर पी सी)

आशु सेठ भल्ला

सह-आचार्य

स्मृति हरि

शिवानंद गामनगाटी (ट्रॉमा केंद्र)

अतिन कुमार (ट्रॉमा केंद्र)

वैज्ञानिक

शशि बी. पॉल

शिक्षा

स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर

बीएससी (ऑनर्स) रेडियोग्राफी (एमटीआर) चिकित्सा प्रौद्योगिकी : वर्ष 2009-2010 में 5 छात्रों के बैच को प्रवेश दिया गया। वर्ष 2009-2010 में विभाग में एक अल्प अवधि प्रशिक्षु उपस्थित रहा।

एमडी (विकिरण विज्ञान) : इसमें कुल 21 जूनियर रेजीडेंट हैं इनमें से (3 प्रायोजित अभ्यर्थी) हैं।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

"बाल रोग विकिरण विज्ञान" तीसरी एम्स एमएएमसी - पीजीआई इमेजिंग पाठ्यक्रम श्रृंखला, एम्स, नई दिल्ली, 15-16 नवम्बर 2010

सीएमई / राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 65

अनुसंधान

वित्तपोषित अनुसंधान

जारी

1. उन्नत कैंसर लैरिंजियल और हाइपो लैरिंजियल के रोगियों में इंट्रा आर्टिरियल कीमोथैरेपी (नियो एडजुवेंट)। संजय शर्मा। एम्स द्वारा वित्त पोषित (2010-11) निधि : रु. 10.0 लाख

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. उन्नत कैंसर लैरिंजियल और हाइपो लैरिंजियल के रोगियों में इंट्रा आर्टिरियल कीमोथैरेपी (नियो एडजुवेंट)
2. प्रोस्टेट कैंसर की पहचान हेतु ट्रांसरेक्टल अल्ट्रासाउंड, इलेस्टोग्राफी तथा कन्ट्रास्ट इनहेंस्ड सोनोग्राफी का मूल्यांकन।

3. एंडोवेनस लेजर एब्लेशन, रेडियो आवृत्ति एब्लेशन और सर्जरी द्वारा लाक्षणिक निचले अंगों की वैरिकोस सिटी के उपचार का तुलनात्मक मूल्यांकन।
4. डिस्कोजेनिक निचले पीठ के दर्द के लिए संरक्षात्मक प्रबंधन बनाम हस्तक्षेप रेडियोलॉजिकल प्रबंधन का तुलनात्मक मूल्यांकन।
5. एम अहार इमेजिंग का उपयोग करते हुए वर्टेब्रल पैथोलॉजी का मूल्यांकन।
6. रीनल केल्कुलाई के आकलन में दोहरी एनर्जी पैथोलॉजी की भूमिका।
7. सीमित एमआरआई सह संबंध सहित पेट की ब्लंट चोट में ठोस रेट्रोपेरीटोनियल अंग चोटों का एमडीसीटी मूल्यांकन।
8. सिर की हल्की चोट में सीटी परफ्यूजन की भूमिका।
9. डिफ्यूज़न वेटिड एमआरआई : फोकल फीवर विक्षतियों के मूल्यांकन हेतु एक नवीन यंत्र।
10. नैदानिक स्तन चित्रण में स्तन अल्ट्रासाउंड के रूप में मेमोग्राफी की नैदानिक उपयोगिता।
11. पीड़ादायक बेनाइन अस्थि अबुर्दों तथा मेटास्टेसिस की रेडियोफ्रिक्वैंसी एब्लेशन।
12. सर्विक्स कार्सिनोमा के रोगियों के प्रबंधन में सीटी की भूमिका।

पूर्ण

1. बाहरी अंगों की वेस्कुलर विकृतियों वाले रोगियों में रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन पर भविष्यलक्षी अध्ययन।
2. जबड़े की पुटी, अबुर्द एवं ट्यूमरों जैसी विक्षतियां : सीमित एमआरआई सह-संबंध सहित पेनोरेमिक रेडियोग्राफ्स एवं एमडीसीटी द्वारा मूल्यांकन करना।
3. एंडोवेस्कुलर प्रबंधन सहित स्प्लेनिक चोटों का एमडीसीटी मूल्यांकन
4. रीनल मास लीजन्स में एमडी सीटी एंड एमआरआई मूल्यांकन।
5. उपरी एरोडाइ-जेसटिव ट्रेक्ट के सक्वेमस सेल कार्सिनोमाज वाले नैदानिक रूप से रहित रोगियों में लिम्फ नोड मेटास्टेसिस के निर्धारण हेतु सिर का अल्ट्रासाउंड तथा सीटी मूल्यांकन।
6. रीनल मास चोटों में डिफ्यूजन वेटिड एमआरआई सहित चुम्बकीय अनुनाद मूल्यांकन।
7. सीमित एमआरआई सह संबंध के साथ ब्लंट पेट चोट वाले रोगियों में ठोस रेट्रोपेरिटोनियल अंगर चोटों का एमडीसीटी मूल्यांकन
8. सिर की हल्की चोट में सीटी परफ्यूजन की भूमिका।
9. पेलपेबल स्तन मासिस में इमेज गाइडिड तथा पेलपेशन गाइडिड कोर निड़ल बायोप्सी की शुद्वता की तुलना करना।
10. सोनोग्राफिकली इनडेटरमिनेट एडेनेक्सल मासिस के लक्षण-वर्णन में एमआरआई की भूमिका।

सहयोगी अनुसंधान

जारी

1. अंतिम अवस्था स्टेवन जोनसन सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों में ओस्टियो-ओडोंटो किरेटोप्रोस्थोसिस हेतु ऑपरेशन पूर्व योजना तथा जांच हेतु सहायक के रूप सीटी की भूमिका (नेत्र रोग विज्ञान विभाग के साथ)।
2. मेंडीबुलर फ्रेक्चर के ओस्टियोसिंथेसिस में बायोरिसोर्सेबल प्लेट्स तथा टाइटेनियम का समानता यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण-एक पायलट अध्ययन (दंत शल्य चिकित्सा विभाग के साथ)।
3. विकिरण विज्ञानी तथा नैदानिक विधियों द्वारा निर्देशित कोंडिलर आकलन हेतु एक तुलनात्मक अध्ययन (दंत शल्य चिकित्सा के साथ)।

4. रुकावटपूर्ण स्लिप एपनिया सिंड्रोम के रोगियों में रेट्रोनेथिक टेम्पेरो मेंडिबुलर जोड़ एंकाइलोसिस रोगी में डिस्ट्रेक्शन ऑस्टियोजेनेसिस के बाद संरचनात्मक और कार्यात्मक श्वसन पैरामीटरों के मूल्यांकन हेतु एक क्लिनिकल अध्ययन (दंत शल्य चिकित्सा विभाग के साथ)
5. ब्लीफेरोफिमोसिस टोसिस एपिकेंथस इन वर्सेस सिंड्रोम से पीड़ित रोगियों में नैदानिक, विकिरण विज्ञानी तथा आनुवंशिक मूल्यांकन भूमिका (नेत्र रोग विज्ञान विभाग के साथ)
6. अंतरराष्ट्रीय रेटीनोब्लास्टोमा स्टेजिंग प्रणाली के अनुसार रेटीनोब्लास्टोमा अवस्था 3 में नवसहायक कीमोथेरेपी तथा अवस्था 2 में सहायक कीमोथेरेपी का मूल्यांकन (चिकित्सा अबुर्द विज्ञान के साथ)।
7. कम्प्रेशन अल्ट्रासाउंड पर आधारित गहन शिरा थ्रोम्बोसिस वाले रोगियों में एंटीकोएगुलेशन की अवधि का अध्ययन (रूधिर विज्ञान विभाग के साथ)।
8. जन्मजात न्यूरोपैथिक स्ट्रेबिस्मस में इमेजिंग प्राप्तियों में क्लिनिकल सह-संबंध (नेत्र रोग विज्ञान विभाग के साथ)
9. ट्वीन ब्लॉक थेरेपी के बाद मेस्टर मसल का दीर्घ अवधि परिवर्तन (दंत शल्य चिकित्सा विभाग के साथ)।
10. कोलेडोकेल सिस्ट के रोगियों में एपीबीडीयू का आकलन (जठारांत्र विज्ञान विभाग के साथ)
11. बायलरी एट्रेसिया के लिए पोर्टो एंटेरोस्टोमी के रोगियों में एमआरसीपी (बाल रोग शल्य चिकित्सा विभाग के साथ)
12. मेरु रज्जु तपेदिक में तपेदिक रोधी उपचार की अवधि के भविष्यलक्षी और भूतलक्षी मूल्यांकन - क्लिनिकों रेडियोलॉजिकल अध्ययन (काय चिकित्सा विभाग)
13. हाइपो थायरॉइडिज्म के साथ अवबोधात्मक अकार्यात्मकता (अंतः स्रावी विज्ञान विभाग के साथ)
14. स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर में नियो एडजुवेंट कीमोथैरेपी प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में एमआरआई और ग्रे स्केल तथा डॉप्लर अल्ट्रा साउंड भूमिका की तुलना (शल्य चिकित्सा विभाग के साथ)।
15. अस्वस्थ मोटे रोगियों में स्टेपल लाइन रेनफोर्समेंट के साथ तथा उसके बिना लेप्रोस्कॉपिक स्लीव का यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (शल्य चिकित्सा विभाग के साथ)।
16. संभावित फंगल न्यूमोनिया से पीड़ित प्रतिरक्षा से जोखिम वाले रोगियों में इमेजिज गाइडिड लंग बायोप्सियां तथा इसकी नैदानिक जटिलताएं (रूधिर विज्ञान विभाग के साथ)।
17. केरोटिड इंटिमा-मीडिया थिकनैस तथा फ्लो मीडिएटिड वेसोलाइडेशन का मापन तथा चिरकारी यकृत रोग से पीड़ित बच्चों में डिसलाइपिडिमिया की व्यापकता (बालचिकित्सा विभाग के साथ)।
18. स्तन मास के निदान में अल्ट्रा साउंड इलास्ट्रोग्राफी, मेमोग्राफी तथा सोनोग्राफी की तुलना।
19. कीमोरेडिएशन के बाद नियो एडजुवेंट कीमोथैरेपी कराने वाले रोगियों में सीरम वीईजीएफ और डिफ्यूजन वेटिड एमआरआई उन्न्त स्थानीय कार्सिनोमा सिर्वक्स का मूल्यांकन
20. स्वचालित रूप से कार्यरत थाइरॉइड नॉड्यूलों के साथ रोगियों में रेडियो आयोडीन एब्लेशन की सफलता के लिए गणना की गई खुराक मार्ग बनाम नियत खुराक की तुलना।
21. ऑपरेशन के बाद हिस्टोपैथोलॉजीकल आकलन और स्तन अल्ट्रा साउंड द्वारा ऑपरेशन से पहले टर्मिनल डक्टो लोबुलर इकाई की गहराई का मापन (शल्य चिकित्सा विभाग के साथ)
22. एशियाई भारतीयों में गैर एल्कोहलिक फैटी लिवर रोग (एनएफएलडी) के साथ हिपेटिक वसा पर प्रगामी प्रतिरोध व्यायाम प्रशिक्षण का प्रभाव (काय चिकित्सा विभाग के साथ)
23. शुरूआती और मध्यम उन्नत लेरिंजियल और हाइपो लेरिंजियल कैंसर के लिए ट्रांसपोरल लेसर सूक्ष्म शल्य क्रिया (टीएलएलम) के कार्यात्मक परिणाम और ओंकोलॉजी पर्याप्तता (नाक, कान और गला विभाग के साथ)

24. जेएनए में वेदन केनल के आवेष्टन में जुवेनाइल नेसोफेरेंजियल एंजियोफिब्रोमा (जेएनए) तथा विकिरण विज्ञानी तथा उत्तक विज्ञानी मूल्यांकन का इम्यूनोहिस्टोकेमिकल लक्षण-वर्णन (नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान विभाग के साथ)।
25. मिलिटरी तथा प्रसारित ट्यूबरकुलोसिस में मायकोबैक्टीरिया का अध्ययन (काय चिकित्सा विभाग के साथ)।
26. एंथ्रोपोमेट्रिक तथा जैव रसायन पैरामीटरों के साथ एडिपोसाइज के संबंध में अध्ययन करना (काय चिकित्सा विभाग के साथ)
27. सेलाइवरी ग्लैंड की रुकावट पूर्ण पैथोलॉजी के साथ रोगियों में क्लिनिकल, रेडियोलॉजिकल रूपरेखा और भूमिका का आकलन (नाक, कान और गला विभाग के साथ)
28. चिरकालिक रुकावटपूर्ण पल्मोनरी रोग के रोगियों में चयापचय सिंड्रोम की दर का आकलन (काय चिकित्सा विभाग के साथ)
29. अज्ञात उद्भव के पायरेक्सियां में एफडीजी - पीईटी / सीटी की नैदानिकी उपयोगिता (काय चिकित्सा विभाग के साथ)
30. अंतर निहित ढांचा डिस्पालिसिया की आण्विक इटियोलॉजी को समझना तथा जीनोटाइप - फीनोटाइप सह संबंध की स्थापना (अस्थि विभाग के साथ)
31. रुकावट पूर्ण नींद एपनिया सिंड्रोम के प्रबंधन में नेसल, ओरोफेरिंजियल, पेलेटल या रेट्रोग्लोसल उन्नत सर्जरी द्वारा स्थल निर्देशित सर्जिकल उपचार का आकलन (नाक, कान और गला विभाग के साथ)
32. सब ग्लोटिस स्टेनोसिस के मामलों में लेरिंजो ट्रेकियल स्टेनोइसस हेतु रोगियों में रिब ग्राटिंग के साथ और इसके बिना क्रीकॉइड स्प्लिट के प्रभाव का अध्ययन करना (नाक, कान और गला विभाग के साथ)
33. अभिघात और एट्रोजेनिक चेहरे की तंत्रिका की चोट के मामलों में चिकित्सा और सर्जरी उपचार के परिणाम तथ चोट के पैटर्न का मूल्यांकन (नाक, कान और गला विभाग के साथ)
34. स्तर 1 ट्रामा केन्द्र में चोट युक्त हिपेटोबाइलरी और पैनक्रियाटिक चोट के परिमाण, गंभीरता और परिणाम का भूतलक्षी तथा भविष्यलक्षी मूल्यांकन (शल्य चिकित्सा विभाग के साथ)
35. एथमॉइडल पॉलिप के रोगियों में एंट्रल म्यूकोसल बदलावों का क्लिनिको - पैथोलॉजिकल अध्ययन (नाक, कान और गला विभाग के साथ)
36. ऑक्सीडेटिव तनाव, एंडोथिलियल अकार्यात्मकता और कैरोटिड इंटिमल मीडिया मोटाई पर पेरिटोनियल डायलिसिस रोगियों की चिरकालिकता पर एन एसिटिल सिस्टीन के प्रभाव - एक खुले लेबल वाला यादृच्छिक परीक्षण (वृक्क विज्ञान विभाग के साथ)
37. पैनक्रियास के स्यूडोसिस के लेपेरोस्कोपिक और एंडोस्पिक ड्रेनेज की तुलना हेतु एक भविष्य लक्षी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (शल्य चिकित्सा विभाग के साथ)
38. बाइल डक्ट में पथरी और गॉल ब्लेडर में पत्थरी के रोगियों के दो चरण के उपचार बनाम, एक चरण के उपचार की तुलना - यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (शल्य चिकित्सा विभाग के साथ)
39. एशियाई भारतीयों में कोरोनरी धमनी रोग में गैर एल्कोहलिक फैटी लिवर रोग का अध्ययन (काय चिकित्सा विभाग के साथ)
40. बाइक्लोफेनाक तथा बाइक्लोफेनाक के साथ अल्ट्रा सोनिक उपचार करने पर प्लेंर फेसाइटिस के रोगियों में पैर के दबाव का बल विश्लेषण तुलनात्मक अध्ययन (भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास विभाग के साथ)
41. सिर की गंभीर चोट वाले रोगियों में बढ़े हुए इंट्रा क्रेनियल दबाव के लिए ऑप्टिक नर्व शीत व्यास मापन (तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग के साथ)
42. रुकावटपूर्ण नींद वाले रोगियों में कार्डियोवेस्कुलर बायोमार्करों पर निरंतर धनात्मक सांस के रास्ते के दबाव का प्रभाव (काय चिकित्सा विभाग के साथ)
43. लेपेरोस्कोपिक इंग्विनल हर्निया मरम्मत कराने वाले रोगियों में वृक्षण में रक्त प्रवाह और आयतन का मूल्यांकन (शल्य चिकित्सा विभाग के साथ)

44. सिरोसिस के रोगियों में हिपेटो सेल्युलर कार्सिनोमा के निदान में कंट्रास्ट उन्नत अल्ट्रा साउंड की भूमिका (जठरांत्र विज्ञान विभाग के साथ)

45. अनउच्छेदनीय हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार में ट्रांसआट्रियल कीमोथेरेपी (टीएसीई) बनाम मुखीय कीमोथेरेपी का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग के साथ)

46. हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के रोगियों में लोको रीजनल उपचार के बाद चिकित्सीय प्रतिक्रिया के आकलन हेतु उन्नत कंट्रास्ट उन्नत अल्ट्रा साउंड की भूमिका (जठरांत्र विज्ञान विभाग के साथ)

47. चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग द्वारा ट्रांस आर्टिरियल केमोएम्बोलाइजेशन के बाद हिपेटो सेल्यूलर कार्सिनोमा प्रतिक्रिया का आकलन (जठरांत्र विज्ञान विभाग के साथ)

48. हिपेटो सेल्यूलर कार्सिनोमा का पता लगाने में सिरोसिस के रोगियों की उत्तरजीविता - एक सम्मिलित अध्ययन (जठरांत्र विज्ञान विभाग के साथ)

49. ट्रांसआट्रियल कीमोथेरेपी तथा ट्रांसआट्रियल कीमोइम्बोलाइजेशन करवा रहे हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के रोगियों में वृक्क फेलियर रोकथाम में एन-एसिटिलसिस्टेन का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग के साथ)।

50. मेरूदण्ड आघात का एमडीसीटी मूल्यांकन : ऑपरेशन पूर्व तथा ऑपरेशन पश्चात् मूल्यांकन (अस्थि रोग विज्ञान विभाग के साथ)।

51. स्मॉल हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार हेतु रेडियोफ्रिक्वैंसी एब्लेशन बनाम परकुटेनियस एसिटिक थेरेपी का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग के साथ)।

52. अनउच्छेदनीय हिपेटोसल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार में ट्रांसआट्रिय कीमोथेरेपी (टीईएसीई) बना मुखीया कीमोथेरपी का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग के साथ)।

53. अनउच्छेदनीय हिपेटोसल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार में ट्रांसआट्रिय कीमोथेरेपी (टीईएसी) बना मुखीया कीमोथेरपी का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग के साथ)।

54. ट्रांसआट्रियल कीमोथेरेपी तथा ट्रांसआट्रियल कीमोइम्बोलाइजेशन करवा रहे हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के रोगियों में वृक्क फेलियर रोकथाम में एन-एसिटिलसिस्टेन का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग के साथ)।

55. अनउच्छेदनीय हिपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा के उपचार में मुखीय कीमोथेरेपी ब्रनाम सहायक थेरेपी का यादृच्छिक परीक्षण (जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग के साथ)।

56. सिरोसिस तथा नॉन-सिरोटिक पोर्टल हाइपरटेंशन में ट्रांसिएंट इलेस्टोग्राफी द्वारा लीवर स्टीफनेस आकलन (जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग के साथ)।

57. संक्रमित पैंक्रिएटिक नेक्रोसिस के उपचार हेतु एमआरआई आधारित प्रोटोकोल (जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग के साथ)।

58. इसाफेगस के कार्सिनोमा वाले रोगियों में सर्वाइकल लिम्फनोड का अल्ट्रा साउंड मूल्यांकन (जठरांत्र विज्ञान विभाग के साथ)

59. टेनिस एल्बो से पीड़ित रोगियों में प्लेन रेडियोग्राफ तथा एमआर इमेजिंग (अस्थि रोग विज्ञान विभाग के साथ)।

60. चिरकारी गंभीर लिम्ब इश्केमिया से पीड़ित रोगियों में एम्पयूटेशन की रोकथाम में ऑटोलोगस स्टेम कोशिकाओं की सुरक्षा तथा प्रभावकता (शल्य चिकित्सा विभाग के साथ)।

61. पैनक्रिएटाइटिस में न्यूनतम गैर भेदक नेक्रोस्टोमी (जठरांत्र शल्य चिकित्सा विभाग के साथ)

62. प्रोस्टेट कैंसर का जल्दी पता लगाने के मूल्यांकन में चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपिक विधियों की भूमिका (मूत्र रोग विज्ञान विभाग के साथ)

63. हरियाणा में रह रहे ग्रामीण समुदाय में वयस्क लोगों में गैर-एल्कोहलिक फेट्टी लीवर की भूमिका (रोधात्मक चिकित्सा विभाग के साथ)।

64. पहले से अनउपचरित एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर अवस्था 3 सी तथा अवस्था 4 (केवल प्लीयूरल इफ्यूजन) में इंटरवल डिबुलकिंग शल्य चिकित्सा के पश्चात् कीमोथेरेपी बनाम अपफ्रंट कीमोथेरेपी के पश्चात् अपफ्रंट शल्य चिकित्सा का तुलनात्मक यादृच्छिक अध्ययन (चिकित्सा अबुर्द विज्ञान विभाग तथा प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग के साथ)।

65. जन्मजात इक्थियोसिस और 21 वर्ष से कम आयु के लोगों में किरेटिनाइजिंग विकारों के साथ रोगियों में विटामिन डी की कमी और रिकेट्स की दर (त्वचा रोग विभाग के साथ)

66. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में चुम्बकीय अनुनाद इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपिक विधियों की भूमिका (नाभिकीय चिकित्सा विभाग के साथ)।

67. डिफ्यूज़ लार्ज बी सेल नॉन-हॉडकिन्स लिम्फोमा में रेडियोलेबल्ड एंटी-सीडी 20 एंटीबॉडीज 131-आयोडीन रितुक्सिमेब तथा/अथवा 90 यिट्रीयम रितुक्सिमेब की उपचार प्रतिक्रिया का निर्धारण (नाभिकीय चिकित्सा विभाग के साथ)।

68. रेडियोथैरेपी के बाद कार्सिनोमा सर्विक्स में शीघ्र क्लिनिकल परिणाम की तुलना : पारम्परिक बनाम सघन मॉड्यूलेटिड रेडियो थैरेपी (रेडियोथैरेपी विभाग के साथ)।

69. मुख गुहा के स्क्वेमस सेल कार्सिनोमा के लिए उपचार विधि के रूप में सर्जरी तथा ऑपरेशन के बाद रेडियो थैरेपी बनाम सर्जरी और ऑपरेशन के बाद कीमो रेडियोथैरेपी का तुलनात्मक अध्ययन(रेडियोथैरेपी विभाग के साथ)।

70. मुख गुहा के स्क्वेमस सेल कार्सिनोमा के स्थानीय रूप से बढ़ने पर कीमोरेडिएशन के बाद समवर्ती कीमोरेडिशन बनाम नियोएडजुवेंट कीमो रेडियोथैरेपी का चरण 2 यादृच्छिक अध्ययन (रेडियोथैरेपी विभाग के साथ)।

71. मुख गुहा के स्क्वेमस सेल कार्सिनोमा के स्थानीय रूप से बढ़ने पर कीमोरेडिएशन के बाद समवर्ती कीमोथैरेपी बनाम त्वरित फ्रेक्शनल रेडियोथैरेपी (प्रति सप्ताह 6 प्रभाज) 2 / 3 यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (रेडियोथैरेपी विभाग के साथ)।

पूर्ण

1. कायिक स्क्लेरोसिस के रोगियों में क्लिनिकल और रेडियोग्राफी हैंड असामान्यताओं के साथ रोग की कायिक विशेषताओं के साथ संबध (काय चिकित्सा विभाग के साथ)
2. कायिक स्क्लेरोसिस में गेस्ट्रोइंटेस्टाइन का शामिल होना - एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन (काय चिकित्सा विभाग के साथ)
3. सरवाइकल मेटास्टेसिस के साथ सिर एवं ग्रीवा कैंसर के ज्ञात प्राथमिक निदानों में पीईटी-सीटी की भूमिका (नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान विभाग के साथ)।
4. सिलिकॉन (एस-10) तथा पोलिस्टर (पी-420) तकनीकियों द्वारा मस्तिष्क खण्डों का प्लास्टिेशन।
5. एकेलेसिया कार्डिया रोगियों में फेंफड़ों की संरचनात्मक और कार्यात्मक असामान्यताएं - पूर्व और पश्चात उपचार मूल्यांकन (शल्य चिकित्सा विभाग के साथ)
6. मोटे बच्चों के 4-18 वर्ष के आयु समूह में इंसुलिन प्रतिरोध का सह संबंध और एथिरोस्क्लेरोसिस के मार्कर के रूप में कैरोटिड इंटिमा मीडिया मोटाई (सीआईएमटी) का अध्ययन (अतःस्रावी विज्ञान विभाग के साथ)
7. पेरिएम्पुलरी ट्यूमर के रोगियों में परिणाम के पूर्वानुमान हेतु विभिन्न ऑपरेशन कारकों की भूमिका का अध्ययन तथा पेरिएम्पुलरी ट्यूमरों का निदान और स्टेजिंग में विभिन्न इमेजिंग की तुलना (शल्य चिकित्सा विभाग के साथ)
8. ग्लोसोफेरिंजियल न्यूरेल्जिया के प्रबंधन में ग्लोसोफेरिंजियल तंत्रिका ब्लॉक की दक्षता और निरापदता का अध्ययन (संवेदनाहरण विज्ञान विभाग के साथ)
9. रुकावटपूर्ण नींद एपनिया के रोगियों में पेट के वसा का आकलन (काय चिकित्सा विभाग के साथ)
10. ट्यूबेरस स्क्लेरोसिस वाले बच्चों में क्लिनिकल और तंत्रिका विकास रूपरेखा का अध्ययन (बाल रोग चिकित्सा विभाग के साथ)
11. अंडाशय कैंसर के रोगियों में उन्नत एपिथिलिया के प्राथमिक उपचार में मूल्यांकन हेतु एफ-18 एफडीजी पीईटी - सीटी की लगातार बढ़ती भूमिका (नाभिकीय चिकित्सा विभाग के साथ)

12. हॉडकिन लिम्फोमा : उपचार परिणामों और पूर्वानुमान कारकों का विश्लेषण (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग के साथ)

13. ल्यूकेमिया उद्दीपन के चिरकालिक बाल रोगियों में प्राथमिक कवक रोधी प्रोफाइलेक्सिस के लिए मौखिक वोरीकोनाज़ोल बनाम इंट्रावेनस अल्प खुराक एम्फोटेरिसिन बी : एक भविष्यलक्षी, यादृच्छिक, क्लिनिकल परीक्षण (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग के साथ)

14. नए निदान वाले मल्टीपल माइलोमा के रोगियों में प्रो. थ्रॉम्बोटिक कारक : एक पर्यवेक्षण अध्ययन (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान विभाग के साथ)

15. उच्च कोनफोरमल विकिरण चिकित्सा तकनीकियों में 3 डी जांच यंत्र के रूप में जैल डोजीमीटरी की वैधता (तंत्रिका जैव रसायन विभाग तथा विकिरण चिकित्सा विभाग के साथ)।

16. लेरिंज के स्क्वेमस कोशिका कार्सिनोमा में एंजियोजेनेसिस, प्रवर्धन गतिविधि और डीएनए प्लॉइडी का अध्ययन तथा लिम्फनोड मेटास्टेसिस के साथ सह संबंध (विकृति विज्ञान विभाग के साथ)

17. सिर एवं ग्रीवा स्क्वेमस सेल कार्सिनोमा में आरंभिक प्रतिक्रिया के विश्लेषण तथा इमेज निर्देशित विकिरण चिकित्सा (आईजीआरटी) बनाम 3डी कनर्फोर्मल विकिरण चिकित्सा (3 डीसीआरटी) हेतु विकिरण चिकित्सा डोज, वॉल्यूम मूल्यांकन का तुलनात्मक अध्ययन (विकिरण चिकित्सा विभाग के साथ)।

18. गर्भाशय ग्रीवा कार्सिनोमा में इंटराकेविट्री ब्रेकीथेरेपी हेतु 3 डीसीटी आधारित उपचार योजना तथा 2डी विकिरण चिकित्सा आधारित उपचार योजना का अग्रदर्शी तुलनात्मक मूल्यांकन (विकिरण चिकित्सा विभाग के साथ)।

19. पेल्विक ओर्गन प्रोलप्स के मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका तथा पेल्विक ओर्गन प्रोलेप्स- मात्रात्मक (पीओपीक्यू) वर्गीकरण के साथ इसका सह-संबंध (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग)।

20. सामान्य गर्भावस्था तथा इंट्रायूटेरिन वृद्धि बाधा में जैव भौतिकी प्रोफाइल तथा भ्रूण परिणाम हेतु भ्रूण डोपलर वेलोसीमिट्री का संबंध (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग के साथ)।

21. इंडोमेटिरियल कार्सिनोमा के केस में ऑपरेशन पूर्व निर्धारण में पीईटी स्कैन का मूल्यांकन (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग के साथ)

22. इंडोमेट्रियोसिस के साथ उर्वरता परिणाम की अवस्था तथा चित्रण का सह-संबंध (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग के साथ)।

23. 6 माह में टीबी प्लीयूरल इफ्यूजन में तीन साप्ताहिक डॉट्स रेजीमैन की प्रभावक्षमता का मूल्यांकन (काय चिकित्सा विभाग के साथ)।

24. रूमेटाइड आर्थ्रोइटिस में इंडोथेलियल दुष्क्रिया (काय चिकित्सा विभाग के साथ)।

25. ग्रेव रोग के उपचार में फिक्स्ड डोर बनाम डोजी मेट्रिक आधारित रेडियो आडिन उपचार के उपरांत नैदानिक परिणाम की तुलना : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (नाभिकीय चिकित्सा विभाग के साथ)।

26. ऑरबिटल ट्यूमर में विजुअल फंडस और फंगसफाइडिंग का अध्ययन एवं सर्जरी के उपरांत उनके परिवर्तन (नेत्र रोग विज्ञान विभाग के साथ)।

27. एशियाई भारतीयों में गैर एल्कोहलिक फेट्टी लीवर रोग तथा एथ्रोस्केलरोसिस का अध्ययन (काय चिकित्सा विभाग के साथ)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 83

सार : 2

पुस्तकों में अध्याय : 19

रोगी उपचार

अन्वेषणों के नाम / विशेष प्रक्रियाएं	**संख्या**
नेमी एक्स रे	
ओपीडी	85972
इंडोर	21221
आपातकालीन	41175
पोर्टेबल	29596
कुल	**1,77,964**
विशेष अन्वेषण	
बेरियम अध्ययन	2429
इन्टरावेनस पायलोग्राफी	1471
मिक्चुरेटिंग सिस्टोयूरेथ्रोग्राफी	1715
हिस्टेरोसेल्पिंगोग्राफी	248
ऑपरेशन थिएटर अध्ययन	80
अन्य कन्ट्रास्ट अध्ययन	1016
कुल	**6959**
मैमोग्राफी	**1,470**
अल्ट्रा साउंड	
नेमी	23986
आपातकालीन	15233
डोपलर (नैमिक+आपात)	3016
कुल	**42,235**
सीटी	
शरीर	8957
सिर	4221
कुल	**13,178**
वेस्कुलर अध्ययन	**841**
डिजिटल सबट्रेशन एंजियोग्राफी (डीएसए)	37
कुल	**878**
एमआरआई	**3,285**
हस्तक्षेप प्रक्रियाएं	
अल्ट्रासाउंड मागदर्शित	2552

सीटी-मार्गदर्शित	297
संवहनी	899
कुल	**3,748**
कुल विशेष जांच	**71,753**
महा योग (नेमी + विशेष)	**2,49,717**

नए उपकरण

1. सोमेटोम डेफिनेशन फ्लेश (हाइ एण्ड मल्टी डिटेक्टर सीटी के साथ ड्यूल एनर्जी क्षमता)
2. स्टेराइड 100एस (कम तापमान हाइड्रो परॉक्साइड गैस प्लाज्मा स्टेरीलाइजर)
3. एक्स रे फिल्म और मानक वीडियो अधिग्रहण स्टेशन का उन्नयन
4. एंडोविनस लेजर प्रणाली
5. मोबिलेट एक्सपी डिजिटल एक्सरे मशीन (सीमेंस)
6. डेफिनियम 8000 (प्रत्यक्ष डिजिटल चपटे पैनल वाली रेडियोग्राफी इकाई)
7. डिस्कवरी 650 (प्रत्यक्ष डिजिटल चपटे पैनल वाली रेडियोग्राफी इकाई)
8. सीटी के लिए रोबोटिक टूल स्थिति
9. 3 डी डिजिटल मैमोग्राफी सिस्टम
10. मल्टी पैरामीटर मॉनिटर - 2 नग
11. मोबाइल एक्स रे सिस्टम के साथ अंदर लगी सीआर प्रणाली - 2 नग
12. एक्सिओम ल्यूमिनस डीआरएफ (प्रत्यक्ष डिजिटल चपटे पैनल वाली फ्लोरोस्कोपि प्रणाली) - 2 नग
13. दवा रखने की कार्ट (ई600सी) - 2 नग

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ. संजय शर्मा को भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग सघ की ओर से प्रतिष्ठित जे सी बोस मेमोरियल सम्मान प्रदान किया गया और उन्हें बाल जठरांत्र विज्ञान, हिपेटोलॉजी और पोषण के 20वें वार्षिक सम्मेलन में शोध पत्र "एंडोवेस्कुलर मैनेजमेंट ऑफ पीडियाट्रिक बड चियारी सिंड्रोम" के लिए दूसरा पुरस्कार दिया गया (चंडीगढ़, अक्तूबर, 2010)। वे इंडियन सोसाइटी ऑफ वेस्कुलर एण्ड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (आईआरआईए) के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव तथा आईआरआईए के दिल्ली राज्य चैप्टर के उपाध्यक्ष हैं। उन्होंने डॉ. रा. प्र. केन्द्र में एक्स रे अनुभाग के आधुनिकी करण की प्रक्रिया का निरीक्षण किया है।

डॉ. शशि पॉल रेडियो निदान विभाग, जॉन रेड क्लिस अस्पताल, ऑक्सफोर्ड, लंदन में "अतिथि वैज्ञानिक" के रूप में आमंत्रित की गई थी (जून 2010) और वे जर्नल ऑफ यूरोपियन रेडियोलॉजी की समीक्षक हैं।

9.33 प्रजनन जैव विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

आनंद कुमार

अपर आचार्य

आशुतोष हल्दर

सह-आचार्य

नरेंद्र नाथ सरकार

प्रदीप कुमार चतुर्वेदी

शिक्षा

स्नातकपूर्व/स्नातकोत्तर प्रशिक्षण

पी.एच.डी./डी.एम./एम. डी. /एम. एस. - 06 उम्मीदवार

स्नातकोत्तर केन्द्रीय आर. आई. ए. सुविधा में एम. डी. प्रयोगशाला कायचिकित्सा एवं एम. डी. जैव रसायन विद्यार्थी।

अल्पकालीन और दीर्घकालीन प्रशिक्षण

एक छात्र को अल्पकालीन प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

एफआईएसएच द्वारा मॉलिक्यूलर साइटोजेनेटिक्स : कैंसर साइटोजेनेटिक्स (हेमेटोलॉजिकल मेलिगनेंसी) पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई है, 29 नवंबर से 4 दिसंबर 2010, एम्स।

राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन / कार्यशालाएं

12-14 फरवरी 2011 को एम्स में "क्रॉस टॉक्स/कन्वर्सेशन्स ऑन ह्यूमन रिप्रोडक्शन, फर्टिलिटी एण्ड सेक्सुएल्टी-इवेल्यूएशन एंड साइंस फिलासफी, आर्ट मिथस एण्ड लिटरेचर" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. शुक्राणुकरण दोष : एएमएच, विटामिन ए एवं हैवी मैटल की भूमिका। एसआरएफ परियोजना। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद।
2. एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड, गुड़गांव द्वारा अधिप्राप्त एचसीजी किट्स हेतु विभाग द्वारा किया गया गुणवत्ता नियंत्रण। प्रधान अन्वेषक डॉ. पी के चतुर्वेदी के तहत।
3. एक इमोरटल माउस लेडिंग कोशिका लाइन में वास्कुलर इंडोथिलियल वृद्धि कारक अभिव्यक्ति पर हाइपोक्सिया इनड्सबिल फैक्टर अल्फा की मेडिएट्री भूमिका। डॉ. आनंद कुमार। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 3 वर्ष के लिए वित्तपोषित। निधि : लगभग रु. 17,69,990/-
4. सेमिनल प्लाज्मा प्रोटीन्स के कार्यात्मक मूल्यांकन के लिए नेटिव 2डी इलेक्ट्रोफोरेटिक प्रणाली का विकास। एस आर एफ परियोजना, आईसीएमआर

विभागीय परियोजनाएं

1. प्रोस्टेटिक कैंसर कोशिका लाइन एलएनसीएपी के प्रोलीफेरेशन का विनियमन करना।
2. ग्रानुलोस कोशिका स्टेरॉयडोजिनेसिस का विनियमन।
3. प्राथमिक टेस्टिकुलर फेल्योर में आनुवंशिकी एवं अन्तःस्राविकी कारक।
4. एम ए 10 कोशिकाओं में कोबाल्ट क्लोराइड प्रेरित हाइपॉक्सिया की भूमिका।
5. प्राथमिक टेस्टिकुलर (वृषण) फेल्योर पर अंतर्हित इटियालॉजी संबंधी जांच।
6. लिंग अनुपात की गतिकी।
7. मोटाइल एवं गैर मोटाइल स्पर्मेटाजोआ में प्रोटीनों की विभेदीकृत अभिव्यक्ति का विश्लेषण।
8. घनिष्ठ साथी की हिंसा का औरत के प्रजनन स्वास्थ्य और सगर्भता के परिणाम पर प्रभाव का मूल्यांकन करना।
9. सगर्भता की रोकथाम हेतु आपात गर्भनिरोधक औषध लेवोनोर गेस्ट्रल; पोस्ट कोयटल मुखीय बनाम पेराकोयटल वेजीनल खुराक का मूल्यांकन।
10. भारत में प्रजननात्मक स्वास्थ्य का मूल्यांकन।
11. श्रेष्ठतम औषध के साथ आधुनिकतम आपातकालीन गर्भ निरोधन का आकलन

पूर्ण

1. महिलाओं के जीवन के प्रजनन चरण की समाप्ति का मूल्यांकन करना (डॉ. एन एन सरकार)।
2. किशोरावस्था और युवा वयस्क महिलाओं द्वारा आपात गर्भ निरोधकों के उपयोग का मूल्यांकन करना (डॉ. एन एन सरकार)।
3. संरचनात्मक हृद कुरचना वाले बच्चों में 22क्यू 11 डेलिसन संलक्षण की व्यापकता : दिल्ली में तृतीयक उपचार रेफरल अस्पताल आधारित अध्ययन। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर)।
4. प्राइम्ड इन-सीटू लेबलिंग द्वारा क्रोमोसोम एक्स, वाई 21, 18 और 13 ऐंयूप्लॉयडी की तीव्र पहचान करना। इन्ट्राम्यूरल एम्स।
5. सुपरोवलेशन और इंटरा-यूट्रीन इनसीमेशन साइफल्स में गोनोडोट्रोपिन सहित सम्मिश्रण लेट्रोजोल बनाम कलोमीफेंस का उपयोग।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. फानकोनी रक्ताल्पता में सीरम अल्फा फेटोप्रोटीन तथा अल्बयूमिन स्तर (रुधिर विज्ञान, एम्स)।
2. ओपन एवं लेप्रोस्कोपिक इनगुनल हर्निया रिपेयर के पश्चात क्रोनिक ग्रोइन पेन, वृषण कार्य एवं जीवन की गुणवत्ता की तुलना करना - एक यादृच्छिक अग्रदर्शी नियंत्रित परीक्षण (शल्य चिकित्सा विभागाध्यक्ष, एम्स)।
3. तीव्र पूतिता एवं पूति शॉक से पीड़ित रोगियों में अधिवृक्क कार्य (कायचिकित्सा विभाग, एम्स)।

पूर्ण

1. साइटोजेटिक्स तथा एफ आई एस एच का प्रयोग कर रहे बहु-माइलोमा रोगियों में क्रोमासोमल विसंगतियों का लक्षण - वर्णन (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं/जरनल : 8

पुस्तकों में अध्याय : 1

रोगी उपचार

जांच का नाम	**संख्या**
एफएसएच	3312
एलएच	2920
प्रोलेक्टिन	2565
टी 3	7049
टी 4	8324
टीएसएच	13749
टेस्टोस्टेरोन	1318
एस्ट्राडियोल	757
प्रोजेस्टेरोन	97
एएफपी	3139
पीएसए	1506
बीटा एचसीजी	860
सीए- 125	1321
कोर्टिसोल	246
कुल	**47215**

निष्पादित परीक्षणों की संख्या पिछले वर्ष के 39495 से बढ़कर इस वर्ष **47215** हो गई है।

इंड्रोलॉजिकल परीक्षण : वीर्य परीक्षण : 406, सेमिनल फ्रक्टोस : 309

आनुवंशिक जांचें एवं परामर्श : लगभग 100 मामले प्रजननात्मक आनुवंशिक जांच तथा परामर्श के लिए संदर्भित किए गए।

प्रयोगशाला सूचना सॉफ्टवेयर की संस्थापना से रिपोर्टिंग की दक्षता में वृद्धि हुई है (तात्कालिक रिपोर्टें 2 घंटों में प्राप्त की जा सकती हैं।)

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. आनंद कुमार निम्न निकायों के सदस्य हैं :-

जुलोजी में यूजीसी-एसएपी कार्यक्रम की परामर्शी समिति, एमएल सुखादिया विश्वविद्यालय, उदयपुर, ओपन एंड्रोलोजी जरनल (बेंथम) का सम्पादकीय बोर्ड, संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइसेस, लखनऊ की संकाय चयन समिति, डॉ. बी आर अम्बेडकर सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली की पशुओं संबंधी प्रयोगो के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण के प्रयोज्यार्थ समिति। वे निम्न जरनलों के लिए समीक्षाकर्ता हैं : स्टर्लिटी, इंटरनेशनल जरनल ऑफ एंड्रोलॉजी, इंडियन जरनल ऑफ मेडिकल एंड पेडियाट्रिक आंकोलॉजी। उन्होंने आईआईटी खड़गपुर में विशेषज्ञों की बैठक (10 अप्रैल 2010) में भाग लिया तथा प्रसार भारती पर एक अग्रणी भरतीय कवि का साक्षात्कार लिया (5 अगस्त 2010)। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय तथा आईसीएमआर के लिए अनुसंधान प्रस्तावों का मूल्यांकन किया। उन्हें भारत के औषध महानियंत्रक द्वारा एनोवलेटरी अनुर्वरता में ओव्यूलेशन के इंडक्शन हेतु लेट्रोजोल के सतत विषवन की जांच करने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया।

डॉ. आशुतोष हल्दर ने इंडियन जरनल ऑफ मेडिकल रिसर्च, इंडियन जरनल ऑफ पेडियाट्रिक्स, इंडियन पेडियाट्रिक एण्ड डव मेडिकल प्रेस (जो इंटरनेशनल जरनल ऑफ वीमैन्स हेल्थ; फार्माकोजिनोमिक्स तथा पर्सनलाइज्ड मेडिसन इत्यादि जैसे जरनल प्रकाशित करती

है) के लिए पांडुलिपियों की समीक्षा की। उन्होंने आईसीएमआर के लिए परियोजनाओं की समीक्षा की तथा चिकित्सा आनुवंशिकी हेतु एमसीआई बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य किया, इस बोर्ड ने चिकित्सा आनुवंशिकी हेतु डीएम तथा एमडी करीकुलम का मसौदा तैयार किया था। उन्हें भारत फ्रांस केंद्र, हैदराबाद द्वारा भावी अंतर्राष्ट्रीय सहयोग हेतु ब्रेन स्टार्मिंग सत्र (21-23 मार्च, 2011) में आमंत्रित किया गया।

डॉ. एन एन सरकार जीवन ज्योति अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, इलाहाबाद उत्तर प्रदेश की सांस्थानिक एथिक्स समिति स्वतंत्र समीक्षा बोर्ड के है :- पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन तथा इंटरनेशनल जरनल ऑफ गायनीकलॉजी एंड आब्स्टेट्रिक्स)

डॉ. पी. के. चतुर्वेदी जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) की अनुसंधान परियोजनाओं के लिए समीक्षाकर्ता है। वे एम्स में आयोजित (12-14 फरवरी 2011) "क्रॉस टॉक्स / कन्वर्सेशन ऑन ह्यूमन रिप्रोडक्शन, फर्टिलिटी एण्ड सेक्सुएल्टी : इवेल्यूएशन एण्ड साइंस फिलासफी, आर्ट, मिथ एण्ड लिटरेचर" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए आयोजक सचिव थे।

अतिथि वैज्ञानिक

अमल के मुखोपाध्याय (जर्मनी)

क्रिस्टोफर एल्टन मैकॉन (फ्रांस)

सी वी राव (संयुक्त राज्य अमरीका)

राल्फ एन मार्टिन्स (ऑस्ट्रेलिया)

9.34 शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

एम.सी. मिश्रा

आचार्य

अनुराग श्रीवास्तव	अरविंद कुमार	सुनील चुम्बर
संदीप गुलेरिया		राजेन्द्र प्रसाद

अपर आचार्य

वी.शीनू	संदीप अग्रवाल	विरेन्द्र कुमार बंसल

सह-आचार्य

अनीता धर	अमित गुप्ता	बिप्लब मिश्रा
मनीष सिंघल	सुबोध कुमार	सुषमा सागर

शिक्षा

अल्पकालीन एवं वैकल्पिक प्रशिक्षण

छः डॉक्टरों को विभिन्न शल्यचिकित्सा तकनीकों में 1-6 माह के लिए अल्पावधि प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त, 19 विद्यार्थियों (सिंगापुर से 6, चीन से 5, संयुक्त राज्य अमेरीका से 2, आस्ट्रिया से 2 तथा कनाडा, चेक गणराज्य ज़र्मनी एवं यूके, प्रत्येक से एक विद्यार्थी) को 7 से ले का 28 दिन का इलेक्टिकल प्रशिक्षण प्रदान किया गया। नेपाल से एक विद्यार्थी ने 3 माह के लिए इलेक्टिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। जर्मनी से एक छात्र (27 सितंबर 2010 से 16 जनवरी 2011) तथा साऊदी अरब से एक छात्र (12 अक्टूबर 2010 से 11 अप्रैल 2011) विभाग में आयुर्विज्ञान के रूप में आए।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

विभाग द्वारा आयोजित

- मिनिमली इन्वेज़िल सर्जरी ट्रेनिंग सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में **ऑपरेटिव लैप्रोस्कोपी बुनियादी तथा प्रगत में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (कोर्स निदेशक : एमसी मिश्रा, कोर्स समन्वयक : वीके बंसल)** निम्न तिथियों को आयोजित किया गया : 26-30 अप्रैल 2010, 10-14 मई 2010, 5-9 जुलाई 2010; 19-25 जुलाई 2010, 13-17 सितंबर 2010, 18-22 अक्टूबर 2010, 25-29 अक्टूबर 2010, 15-19 नवंबर 2010, 22-26 नवंबर 2010, 1-10 दिसंबर, 2010, 13-17 दिसंबर 2010, 3-7 जनवरी 2011, 17-21 जनवरी 2011, 14-18 फरवरी 2011, 21-25 फरवरी 2011, 21-25 मार्च 2011, तथा 28 मार्च - 1 अप्रैल 2011
- मिनीमली इन्वेज़िव सर्जरी ट्रेनिंग सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में **लैप्रोस्कोपिक सचरिंग स्किल्स में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (कोर्स निदेशक : एमसी मिश्रा, कोर्स समन्वयन : वे के बंसल)** निम्न तिथियों को : 3-5 मई 2010, 13-15 जुलाई 2010, 6-8 सितंबर 2010, 10-12 अगस्त 2010, 30 नवंबर 2 दिसंबर 2010 तथा 31 जनवरी 2 फरवरी 2011
- मिनीमली इन्वेज़िव सर्जरी ट्रेनिंग सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में **लैप्रोस्कोपिक हर्निया सर्जरी में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (कोर्स निदेशक : एमसी मिश्रा, कोर्स समंवयक : वी के बंसल)** निम्न तिथियों को :- 27-29 जुलाई, 2010, 9-11 नवंबर 2010, तथा 11-13 जनवरी 2011
- मिनीमली इन्वेज़िव सर्जरी ट्रेनिंग सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में **लैप्रोस्कोपिक कलरेक्टल सर्जरी में प्रशिक्षण कोर्स (कोर्स निदेशक : एमसी मिश्रा, कोर्स समन्वयक : वी के बंसल)** निम्न तिथियों को :- 16-18 अगस्त 2010, तथा 7-9 फरवरी 2011
- दिल्ली स्टेट चैप्टर, एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इण्डिया, एम्स नई दिल्ली की मासिक बैठक **(संयोजक : एमसी मिश्रा)** 19 फरवरी 2011 को।

- करेंट इश्युस इन कंडक्ट एण्ड एनालिजिज ऑफ रैंडमाइज्ड क्लिनीकल ट्रायल संबंधी प्रशिक्षण कार्यशाला 1 बी पी कोयराला इंस्टीटयूट ऑफ हेल्थ साईंसेस धरन नेपाल **(अध्यक्ष : ए श्रीवास्तव)** 26-27 दिसंबर 2010
- नेशनल फैकल्टी एंड आपरेटिव वर्कशॉप ऑन डिसीज़ीज़ ऑफ दि ब्रेस्ट एण्ड थायरायड, एम्स, नई दिल्ली द्वारा सैद्धांतिक विमर्श सन्निहित करने वाली शल्यचिकित्सीय क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा **(आयल : ए श्रीवास्तव)**, 11 मार्च 2011
- दिल्ली चैप्टर ऑफ सोसायटी ऑफ एंडोस्कोपिक एण्ड लैपरोस्कोपिक सर्जन्स ऑफ इण्डिया, एम्स, नई दिल्ली के वार्षिक सम्मेलन के भाग के रूप में ओबिसिटी सर्जरी संबंधी पूर्व सम्मेलन ऑपरेटिव कार्यशाला सह क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा **(आयोजक सचिव : एस अग्रवाल)**, अक्टूबर 2010
- हॉस्पिटल प्रीपेयर्ड नेस इन मॉस कैजुएलटी इन ट्रॉमा 2010 पर कार्यशाला अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सी एम ई सह लाईव वर्कशॉप तथा इण्डिया सोसायटी ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर, नई दिल्ली का तीसरा वार्षिक सम्मेलन **(कोर्स निदेशक ए गुप्ता)**, 26-28 नवंबर 2010
- मैक्सिलो फेशियल वर्कशॉप इन ट्रामा 2010 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सी एम ई सह लाईव वर्कशॉप तथा इण्डिया सोसायटी ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर, नई दिल्ली का तीसरा वार्षिक सम्मेलन **(कोर्स निदेशक : एम सिंघल)**, 26-28 नवंबर 2010
- प्रथम बेसिक प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी कोर्स (बी पी आर एस), जेपीएन एटीसी, एम्स (कोर्स निदेशक : एम सिंघल; कोर्स समन्वयक : एस सागर), 31 जुलाई - 1 अगस्त 2010
- एबीसीडीई वर्कशॉप इन ट्रामा 2010 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सी एम ई सह लाईव वर्कशॉप तथा इण्डिया सोसायटी ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर, नई दिल्ली का तीसरा वार्षिक सम्मेलन **(कोर्स निदेशक : एस कुमार),** 26-28 नवंबर 2010
- मैक्सिलो फेशियल वर्कशॉप इन ट्रामा 2010 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सी एम ई सह लाईव वर्कशॉप तथा इण्डिया सोसायटी ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर, नई दिल्ली का तीसरा वार्षिक सम्मेलन **(कोर्स निदेशक : एस सागर)**, 26-28 नवंबर 2010

विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन

- इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस एण्ड लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप ऑन मिनीमली इन्वेसिव सर्जरी (पांचवां एम्स सर्जिकल सप्ताह, एंडोसर्ग 2011) एम्स, नई दिल्ली **(आयोजक अध्यक्ष : एम. सी मिश्रा, सह आयोजक अध्यक्ष : ए श्रीवास्तव, आर प्रसाद, आयोजक सचिव : वी के बंगसल, सह आयोजक सचिव : एस गुलेरिया, वी मीनू, एम. अग्रवाल, संयुक्त सचिव : ए गुप्ता, एम सिंघल, एस कुमार, एस सागर)**, 11-13 मार्च 2011
- एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली का वार्षिक सम्मेलन (सह आयोजक सचिव : एस गुलेरिया) 15-20 दिसम्बर 2011
- ट्रॉमा 2010, इंटरनेशनल सम्मेलन, सी एम ई सह लाइव वर्कशॉप तथा इंडियन सोसाइटी ट्रॉमा एण्ड एक्यूट केयर, नई दिल्ली, 26-28 नवम्बर 2010

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 111

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. समवर्ती गॉल स्टोन रोग और कॉमन बाइल डक्ट स्टोन से पीड़ित रोगियों में एकल चरण बनाम दो चरण उपचार की लागत प्रभावोत्पादकता विश्लेषण और तुलना करते हुए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। वीरेन्द्र कुमार बंसल, एम. सी. मिश्रा, प्रमोद, गर्ग, सी. एस. पांडव। सोसाइटी आफ अमेरिकन गैस्टोइंटस्टाइनल इंडोस्कोपी सर्जन्स (एसएजीईएस) द्वारा 3 वर्ष के लिए (जुलाई 2009-जुलाई 2012) वित्त पोषित। निधियां : 30,000 अमेरिकी डॉलर।

2. हैवी वेट बनाम लाइट वेस्ट मेसेस का उपयोग करके लेप्रोस्कोपिक इनगुनल हार्निया रिपेयर के पश्चात दैहिक ग्रोन पीड़ा एवं जीवन की गुणवत्ता की तुलना करते हुए एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। बी. के. बंसल, एम सी मिश्रा, आर सागर। एम्स अनुसंधान अनुदान द्वारा एक वर्ष के लिए (2010-2011) वित्त पोषित। निधियां : 1 लाख रुपए

3. ऑटोलोगस अस्थि मज्जा प्राप्त स्टेम कोशिकाओं की इंट्रा आर्टियल सुपुर्दगी द्वारा अंग इस्थेमिया में चिकित्सीय एंनियोजेनेमिस का प्रेरण। एस शर्मा, प्रिया, जी सिंह, बी भार्गव, सुजाता एस, गुलेरिया, वी के बंसल। जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित (हृदय-विकिरण विज्ञान एवं हृदय विज्ञान विभाग तथा शल्य चिकित्सा विज्ञान के साथ)।

4. एब्डामिनल ट्यूबरकुलोसिस (इंटेस्टाइनल या पेरीटोनियल) के उपचार पर एक बहु केन्द्रक अध्ययन : संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सीधे पर्यवेक्षित उपचार के 6 माह तथा 9 माह का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। जी मखारिया इस अग्रवाल। सेंट्रल टी बी डिविजनल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, द्वारा वर्ष 4 वर्ष (2008-2012) के लिए वित्त पोषित। निधियां : 57 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. पेरीडक्टल मैसटिरिस / मामरी डक्ट इक्टेसिया से पीड़ित महिलाओं में बड़े मैमरी वाहिकाओं को एक विस्तृत वृहृत संरचनात्मक अध्ययन।
2. अत्यधिक रुग्ण ट्रॉमा के रोगियों में शीघ्र बनाम विलम्बि ट्रेचियोस्टोमी का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
3. मैमरी डस्ट डिस्चार्ज से ग्रस्त महिलाओं में 3 सें.मी. डक्टल कोन चीरे के साथ सीमित लम्बाई डक्टल कोने चीरे के तुलना करते हुए एक यादृच्छिक परीक्षण
4. शल्य चिकित्सा विभाग, जे पी एन ए टी सी, एम्स में ट्रामेटिक मृत्यु के कारणों तथा रोग विज्ञान लक्षणों का अध्ययन
5. इंटर कोस्टल ड्रेनेज प्यूब के बिना ओकल्ट न्यूमोथोएसिस के उपचार की व्यवहार्यता
6. प्री ऑपरेटिव चुम्बकीय अनुनाद स्कैन तथा पोस्टर ऑपरेटिव हिस्टोलॉजिकल माप के द्वारा त्वचा से टर्मिनल डक्टो लोबुलर यूनिट की गहराई सुनिश्चित करना
7. स्तन संरक्षात्मक शल्य चिकित्सा के पश्चात प्रमात्रा प्रतिस्थापन के लिए मांसपेशी स्पेयरिंग लैटिसीमस डोर्सी फ्लैप का प्रयोग करते हुए स्तन पुनर्निमाण कासमेसिस तथा रिसेक्टिड मार्जिन स्टेट्स का अध्ययन
8. क्लेफ्टलिप्ट तथा पैलेट एनामली इन इंडिया : क्लिनिकल प्रोफाइल, रिस्क फैक्टर्स एण्ड करेंट स्टेट्स ऑफ ट्रीटमेंट - एक अस्पताल आधारित सर्वेक्षण
9. भारतीय स्तन कैंसर रोगियों में ईआर, पीआर, एचईआर 2 न्यू एक्सप्रेशन एवं बीआरसीए। जीन मुटेशनों का नैदानिक सह - संबंध।
10. लाक्षणिक निम्न अंग वेरिकोसिटिस के उपचार में एंडोबेनस लेजा अब्लेशन, रेडियो फ्रीक्वेंसी अब्लेशन तथा शल्य चिकितसा का तुलना मूल्यांकन
11. स्तन मासेस की यूएसजी इलास्टोग्राफी, सोनोग्राफी एवं मेमोग्राफी की तुलना करना
12. उत्तरी भारत के एक तृतीयक अस्पताल में अवलोकित मैक्सिलो फेशियल अस्थि भंग के मार्ग का स्पीडेमियालॉजिकल अध्ययन
13. ट्रांस फैटी एसिड अंतग्रर्हण के मापन के लिए एक सरल विधि का विकास और सत्यापन तथा ट्रांसफैटी एसिड और सीएडी के बीच संबंध का अध्ययन करना
14. उत्तर भारत के तृतीयक देखभाल अस्पताल में मैक्सिलो फेशियल फ्रेक्चर के मार्ग का जनसांख्यिकी अध्ययन
15. स्तन कैंसर में पेप्टाइड संदमकों की भूमिका और सीओएक्स-2 तथा एलओएक्स- स्तरों का मूल्यांकन करना

16. कोलोरेक्टल कैंसरों में न्यूनतम आक्रामक शल्य चिकित्सा की व्यवहार्यता तथा परिणाम

17. ट्रांमा के कारण आघात के रोगियों में प्रतिरक्षा विज्ञान परिवर्तन

18. कंज़र्वेटिड शल्य चिकित्सा के पश्चात स्तन की लिपमॉडलिंग

19. लेपेरोस्कोपिक हर्निया उपचार के दौरान आकलन कंट्रा लेटरल इनगिनल हर्निया की व्यापकता

20. स्तन पुनर्निर्माण में मसल स्पेयरिंग लैटीसमस परिणाम का अग्रदर्शी कोहार्ट मूल्यांकन

21. अत्यधिक गंभीर रूप से बीमार रुग्ण आघात के रोगियों में शीघ्र बनाम विलम्बित ट्रैचियोस्टॉमी का अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

22. निपिल डिस्चार्ज (सुदम्य रोग) हेतु रेडिकल डक्ट एक्सीजन- इसका दीर्घावधिक अनुवर्ती उपचार।

23. नैदानिक रूप में नोड नेगेटिव स्तन कैंसर में केवल सेंटिनल लिम्फनोड बायरसी बनाम सहायक लिम्फनोड डायसेक्शन के पश्चात अल्पावधिक रुग्णता की तुलना के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

24. स्तर-। ट्रामा केन्द्र में ट्रॉमेटिक हिपेटोबिलियरी तथा पैंक्रियाटिक चोट के परिणाम, गंभीरता तथा परिणाम का भूतलक्षी तथा अग्रदर्शी मूल्यांकन

25. लोवर लिम्ब के क्रोनिक इस्केनिया के उपचार में सिलास्टोजोल की भूमिका।

26. स्तन कैंसर में नियो एडजुवेंट कीमोथैरेपी के प्रति शीघ्र अनुक्रिया के पूर्वानुमानन में एफ 18 एडीजी - पीटी-सीटी की भूमिका

27. स्तन संरक्षण शल्य चिकित्सा के पश्चात स्तर की पुनः मॉडलिंग में मुक्त वसा अंतरण की भूमिका

28. स्तन पुनर्निर्माण के मसल स्पेयरिंग लैटिसीमस डोरमी फ्लैप की भूमिका

29. क्रोनियल क्रिटिकल अंग इस्चेमिया के रोगियों में एम्प्रटेशन को रोकने में ऑटोलोगस स्टेम कोशिकाओं की सुरक्षा तथा प्रभावोत्पादकता

30. चुम्बकीय अनुनाद तनकीकी द्वारा मानव स्तन कैंसर का अध्ययन।

31 लेवल 1 ट्रामा केन्द्र में उपचार करवा रहे रोगियों में एपिडेमियोलॉजी तथा ट्रामा स्कोरिंग का अध्ययन करना

32. स्तन की वास्तविक जांच में विभिन्न तकनीकों का वैधीकरण

पूर्ण

1. स्तन छविकरण, ऑपरेटिव परिणामों तथा ऊतक विज्ञान के साथ वास्तविक जांच की विभिन्न तकनीकों के परिणामों के वास्तविक जांच की विभिन्न तकनीकों के परिणामों के वैधीकरण का एक अग्रदर्शी अनुप्रस्थ - संभागीय अध्ययन

2. पेरीडक्टल मास्टिस्टीज से ग्रस्त महिला में 3 सें. मी. प्रमुख मैमरी डक्टल कोन एक्सीजन के साथ सीमित लंबाई के डक्टल कोन चीरे की तुलना करते हुए यादृच्छिक परीक्षण

3. वक्ष कैंसर रोगियों में फास्ट टैक डिस्चार्ज की व्यर्वहारता (जैव प्रौद्योगिकी एवं जैव भौतिकी विभाग के साथ)।

4. ऑपरेशन योग्य स्तन कैंसर में सेंटिनल नोड मैपिंग की विभिन्न तकनीकों तथा विभिन्न रंजकों की तुलनात्मक मूल्यांकन।

5. पेरीडक्टल मेस्टाइटिस / मैमरी डक्ट एक्टेसिया वाली महिलाओं में प्रमुख मैमरी डक्ट का विस्तृत अल्ट्रा स्ट्रक्चरल अध्ययन

6. लेप्रोस्कोपिक सुचुरिंग कौशल अधिग्रहण-प्रशिक्षित और नौसिखिए-शल्प चिकित्सकों के बीच तुलना करना।

7. सर्जरी रेजीडेंट के ऑपरेटिव रूम निष्पादन पर लेपेरोस्कोपी में अल्पावधि संकेन्द्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए अग्रदर्शी यादृच्छीकृत नियंत्रित अप्रत्यक्ष

8. ब्लंट एप्लेनिक चोट के उपचार में सीईसीटी तथा एप्लेनिक धमनी एम्बोलिजेशन की भूमिका

9. लक्षण युक्त निचले अंगों की वैरिकोसिटीज़ के उपचार में रेडियो आवृत्ति एब्लेशन की भूमिका
10. स्थानित प्रगत कैंसर में नैदानिक रोग विज्ञानी प्रतिक्रिया, ईआर, पीआर तथा एच ई आर, 2 / एन ई यू स्थिति के प्रति डब्ल्यू डी जी एफ तथा टी जी एफ बीटा। अभिव्यक्ति का सह सबंध
11. तृतीयक शल्यचिकित्सा व्यवसायिकों में परिसरीय आर्टियल रोग के पैटर्न का अध्ययन करना : भारतीय परिप्रेक्ष्य।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. अत्यधिक गंभीर रूप से रुग्ण ट्रामा के रोगियों के शीघ्र बनाम विलम्बित ट्रैचियोस्टॉमी का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (संवेदनाहरण विभाग के साथ)
2. भारत में सफल वृक्क प्रत्यारोपण के पूर्व तथा पश्चात रोगियों में जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन (मनश्चिकित्सा विभाग के साथ)
3. स्तन संरक्षण सर्जरी के बाद आयतन प्रतिस्थापन हेतु लेटिसी मस्कडॉर्सी फ्लेप स्पेरिन मांसपेशी का उपयोग करते हुए स्तन पुनः निर्माण : सौंदर्य की दृष्टि से तथा अलग किए गए मार्जिन की स्थिति का अध्ययन (शरीर रचना विभाग के साथ)
4. हैवी वेट बनाम लाइट वेट मैसेस का उपयाग करके लेपेरोस्कोपिक अनगुनल हर्निया रिपेयर के पश्चात दैहिक ग्रोन पीड़ा तथा जीवन की गुणवत्ता (संवेदनाहरण तथा मनश्चिकित्सा विभाग के साथ)
5. स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर में नियो एडजुवेंट कीमियोथैरेपी अनुक्रिया के मूल्यांकन में एम आर आई तथा ग्रेस्केल तथा कलर डोप्लर अल्ट्रा साउंड की भूमिका
6. सूचर या ट्रैकर मेस फिक्सेशन सहित लेप्रोस्कोपिक इनसिजनल एवं वेंट्रल हार्निया रिपेयर के पश्चात दीर्घकालिक परिणाम एवं जीवन की गुणवत्ता की तुलना करना।
7. लेप्रोस्कोपिक इनगुनल हार्निया रिपेयर टीईपी बनाम टीएपीपी के पश्चात क्रोनिक ग्रोन पीड़ा एवं जीवन की गुणवत्ता की तुलना करना।
8. रक्त प्रवाह रहित शल्य चिकित्सा के निष्पादन के लिए हाइपरबेरिक ऑक्सीजन उपकरण का विकास (चिकित्सा भौतिकी तथा जैव इंजीनियरी विभाग)
9. पेट के जख्म को बंद करने के लिए एक स्टेप्लिंग उपकरण का विकास (जैव चिकित्सा इंजीनियरी विभाग, आईआईटी दिल्ली के साथ)
10. टाटा मेमोरियल, केन्द्र, मुम्बई में ऑपरेशन योग्य स्तन कैंसर वाली महिलाओं का फ्लूरोसिन तथा रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा सहायक नोडों का मूल्यांकन
11. सीमित एम आर आई सह संबंध वाली रेट्रोन पेरीटोनियल ठोस अंग चोट का मल्टीडिरेक्टर सी टी स्कैन मूल्यांकन (रेडियो डायग्नोसिस विभाग के साथ)
12. पायलट स्टडी कम्पेयरिंग सिम्प्टोमैटिक आउटकम ऑफ पेशेंट्स अंडर माइंग लेपेरोस्कोपिक कार्डियो मायोटॉमी विद एगल ऑफ हिज एक्सेंटुएशन वर्सस लेपेरोस्कोपिक कार्डियोमायोटॉमी विदएंटीरियर डोर्स - फंडोप्लिकेशन फॉर अकलासिया कार्डिया (जठरांत्र रोग विज्ञान, विकिरण विज्ञान तथा जैव सांख्यिकी विभागों के साथ)
13. प्रोस्टपेक्टिव स्टडी टू इवेल्युएट दि इम्पेक्ट अझॅफ बेरियाट्रिक सर्जरी ऑन ग्लुकोस मेटाबोल्जिम - कम्पेरिजन ऑफ लेपेरोस्कोपिक राउक्स एनी ग्रेस्ट्रिक बायपास एण्ड लेपेरोस्कोपिक स्लीव गेस्ट्रेक्टॉमी (अंतः स्रावकी, फार्माकोलॉजी, नाभिकीय चिकित्सा तथा आहार विभाग के साथ)
14. बी एम आई 30-35 कि. ग्रा. / एम2 वाले रोगियों में टाइप 2 मधुमेह मेलिटम पर लेपेरोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रियोक्टॉमी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए अग्रदर्शी अध्ययन (अंतस्रावकी, फार्माकोलॉजी, नाभिकीय चिकित्सा तथा आहार विभाग के साथ)

15. थोरासिक ट्रॉमा में बुवोकोकीन तथा ओपायड के दो विभिन्न कंसेंट्रेशन ब्नाम अंतःशिमा दो औषध एनलजीसिया के साथ थोरासिक एपीड्यूरल एनलजीसिया की प्रभावात्मकता तथा सुरक्षा का यादृच्छिक, अग्रदर्शी तुलना (संवदेनाहरण विभाग के साथ)
16. पैंक्रियास के स्यूडोसिस्ट के लेपेरोस्कोपिक तथा एंडोस्कोपिक निकासी की तुलना करते हुए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (जठरांत्र रोग विज्ञान तथा विकिरण विज्ञान विभाग के साथ)
17. रुग्ण मोटापे के रोगियों में स्टेरल लाइन प्रतिबलन के साथ तथा उसके बिना लेपेरोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टॉमी के परिणाम का यादृच्छीकृत अध्ययन (आहार, संवदेनाहरण, चिकित्सा तथा अंतःस्राविकी विभाग के साथ)
18. लेवल-। ट्रॉमा सेंटर में ट्रॉमेटिक हेपेरोबिलियरी तथा पैंक्रियाटिक चोट के परिणाम, गंभीरता तथा परिणाम का भूतलक्षी तथा अग्रदर्शी अध्ययन (संवेदनाहरण, आपात चिकित्सा, विकिरण विज्ञान तथा न्याय चिकित्सा विभाग के साथ)
19. लेवल-1 ट्रॉम सेंटर में सीने के अभिघातपूर्ण परिमाण, गंभीरता और परिणाम का भूतलक्षी और भविष्यलक्षी अध्ययन (संवेदनाहरण, आपात चिकित्सा, विकिरण विज्ञान तथा न्याय चिकित्सा विभाग के साथ)
20. ट्रॉमा पश्च शल्य चिकित्सा करवा रहे रोगियों भी ट्रांसेक्सेमिक एसिड की सुरक्षा तथा प्रभावोत्पादकता (संवदेनाहरण विभाग के साथ)
21. प्रगत कैंसर उपचार अनुसंधान तथा शिक्षा केन्द्र में एम सी आई डी तथा सी 3 एच जे ए एच चूहों में मैमरी ट्यूमरों के विकास पर हाइपोथर्मिया तथा हाइपरबेरिक ऑक्सीजन के प्रभावों का अध्ययन (टाटा मेमोरियल सेंटर, नवी मुम्बई के साथ)
22. अथिसिलित हृदय रोग के लिए उपचार करवा रहे रोगियों का संलाक्षणिक परिणा मूल्यांकन (जठरांत्र रोग विज्ञान तथा विकिरण विज्ञान विभागों के साथ)
23. पोस्टमार्टम सीटी स्कैन तथा पारम्परिक ऑटोप्सी के निष्कर्षों की तुलना के द्वारा ट्रामा रोगियों में मृत्यु के कारण का पूर्वानुमान लगाने में विरोटोप्सी (पोस्टमार्टम सीटी स्कैन) की भूमिका का अध्ययन करना (विकिरण विज्ञान तथा न्याय चिकित्सा विभागों के साथ)

पूर्ण

12. पित्त पथरी एवं सम्मान पित्त वाहिनी पथरी से पीड़ित रोगियों के लिए प्रथम अवस्था बनाम द्वितीय अवस्था उपचार की तुलना का यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन करना।
1. लेप्रोस्कोपिक एवं ओपन इनगुनल हार्निया रिपेयर के बाद क्रोनिक ग्रोन पेन, टेस्टिकुलर फंक्शन एवं जीवन की गुणवत्ता (संवेदनाहरण, विकिरण विज्ञान, प्रजननात्मक जीव विज्ञान तथा मनश्चिकित्सा विभाग के साथ)
2. पाल्पेबिल वक्ष मासेस में इमेज गाइडेड बनाम पाल्पेशन गाइडेड कोर नीडिल बायोप्सी की शुद्धता की तुलना करना (विकिरण निदान विभाग के साथ)
3. चिरकालिक ग्रोइन दर्द, वृषण कार्य और जीवन की गुणवत्ता के लिए खुली और लेपेरोस्कोपिक विधि की तुलना इंगुइनल हर्निया मरम्मत - भविष्यलक्षी यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण (संवेदनाहरण, विकिरण विज्ञान, प्रजननात्मक जीव विज्ञान तथा मनश्चिकित्सा विभाग के साथ)
4. पेरीएम्पुलरी अर्बुदो के निदान एवं स्टेजिंग में विभिन्न इमेजिंग माडलों की तुलना करना और पेरीएम्पुलटी ट्यूमरों से पीड़ित रोगियों के परिणाम की भविष्यवाणी करने में विभिन्न पेरी आपरेटिव कारकों का अध्ययन करना (जठरांत्र रोग विज्ञान तथा विकिरण विज्ञानी विभागों के साथ)।
5. वेरिकोस वेन के उपचार में एंडोविनस लेजर एब्लेशन का मूल्यांकन (कार्डियक रेडियोलॉजी विभाग के साथ)
6. लेव 1 ट्रॉमा केन्द्र में बृहत् ट्रामा परिणाम अध्ययन (अस्थि रोग, तंत्रिका शल्य चिकित्सा तथा न्याय चिकित्सा विभागों के साथ)
7. एक्सटेंडिड थायमेक्टॉमी के पश्चात थायमोना के साथ या उसके बिना माइएस्थीनिया ग्रोविस के रोगियों में शल्य चिकित्सा तथा तंत्रिका विज्ञानी परिणाम का भूतलक्षी विश्लेषण (तंत्रिका रोग विज्ञान विभाग के साथ)

8. स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर में स्टेजिंग मॉडलिटी के रूप में 18 एफ फ्लूरोडेक्सीग्लुकेस पॉजीट्रॉन एमीशन टोमोग्राफी संगणनित टोमोग्रामी (18 एफ एफ डी जी पी ई टी - सीटी)
9. ब्लंट स्प्लेनिक ट्रॉमा में संगणनित टोमोग्राफी तथा स्प्लेनिक आईटी एम्बोलाइजेशन की भूमिका (विकिरण विज्ञान विभाग के साथ)
10. अथिसिलत हृदय रोगियों में फेंफड़ों में संरचनात्मक एवं कार्यात्मक अपसामनाताएं : आप्रेशन पूर्व एवं पश्चात मूल्यांकन करना (जठरांत्र तंत्र विज्ञान, काय चिकित्सा एवं विकरण निदान विभाग, के साथ)।
11. अस्वस्थता ओबिज रोगियों में लेप्रोस्कोपिक स्लीव अंगोच्छेदन के परिणामों का अध्ययन करना (संवेदनाहरण, अंतः स्राविकी, चिकित्सा जठरांत्र रोग विभाग और आहार विभागों के साथ)

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 37

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य एम.सी. मिश्रा भारत के औषध महानियंत्रक की तकनीकी विशेषज्ञ समिति के अध्यक्ष है, वे एम एस पाठ्यक्रमों के लिए (एम सी आई) पाठ्यचर्या का मसौदा तैयार करने / उसे अद्यतन करने के लिए खेल फॉर मेडिकल एथिक्स एण्ड हेल्थ पॉलिसी रिसर्च (एमसी आई तथा स्पेशिलिटी बोर्ड इन जनरल सर्जरी के सदस्य वे सोसाइटी ऑफ एंडोकोपिक एण्ड लेपेरोस्कोपिक सर्जन्स ऑफ इंडिया के अध्यक्ष है, उन्होंने पी जी आई एम ई आर, चंडीगढ़ (जनरल सर्जरी में संकाय पद), दि रायल कॉलेज ऑफ फिजिशियन्स एण्ड सर्जन्स (ग्लासगो, यू. के.) (एम आर सी एस परीक्षा) तथा अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एम एस, जनरल सर्जरी) की स्थायी चयन समिति क लिए कार्मिकों के चयन। परीक्षा में सहायता की, उन्होंने ने टी एच ओ ए - 1004 के तहत मैक्स सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल, साकेत, नई दिल्ली में रीनल प्रत्यारोपण सुविधाओं का निरीक्षण किया, उन्होंने 4-5 सितम्बर 2010 को सोसाइटी ऑफ एंडोस्कोपिक एण्ड लेपेरोस्कोपिक सर्जन्स ऑफ इंडिया क्रेपटियाला में तीसरे राष्ट्रीय स्म्मेलन में "लेपेरोस्कोपिक एंड्रीनलेक्टॉमी" पर एस ई एल एम आई ओरेशन किया। 8-10 अक्तूबर 2010 को इडियन हर्निया सोसाइटी के इम्फाल में तृतीय द्विवार्षिक सम्मेलन में उन्होंने "ट्रेनिंग इन लेपेरोस्कोपिक रिपेयर ऑफ ग्रोयन हर्निया शीर्षक से इंडियन हर्निया सोसाइटी का अध्यक्षीय ओरेशन दिया, वे दिल्ली स्टेट चैप्टर ऑफ सोसाइटी इंडोस्कोलिक एग्र लेपेरोस्कोपिक सर्जन्स ऑफ इंडिया के उद्घाटन सम्मेलन में मुख्य वक्ता थे उन्होंने 23 अक्तूबर 2010 को नई दिल्ली में "दि फ्यूचर ऑफ लेपेरोस्कोपिक सर्जिकल ट्रेनिंग इन इंडिया" पर वार्ता की, वे राष्ट्रीय परामर्शी समिति, छठां विश्व अंगदानप दिवस तथा अंगदान कांग्रेस, डी एच जी एफ, 12-13 नवम्बर 2010 के सदस्य थे, उन्हें इंडो (आई सी एम आर) ऑस्ट्रेलियाई (जॉर्ज इंस्टीट्यूट, सिडनी) दल की संयुक्त समूह बेठक में 25 नवम्बर 2010 को कंसेप्ट प्रोपोजल्स ऑन इंजरी सर्विलेंस एण्ड प्रवींटिव स्ट्रैटेजिज पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया, वे चौथी वार्षिक 2010 इंडियन मेड टेक शिखर सम्मेलन, स्टेनफोर्ड इंडिया बायो डिजाइन में 10-11 दिसम्बर 2010 को शामलि थी, उन्हें 5 मई 2010 को लोक सभा टी वी द्वारा कार्यक्रम 'आमने सामने' के लिए तथा 23 अक्तूबर 2010 को "मेडिकोलीगल इश्युज" पर 'हेल्दी इंडिया" फोन इन कार्यक्रम तथा 4 दिसम्बर 2010 को "नारियाट्रिक सर्जरी इन मोर्बिड आबिसिटी" के लिए आमंत्रित किया गया, उन्हें दूरदर्शन न्यूज द्वारा को "हेल्थ केयर डिलिवरी इश्युज रिलेटिड टू ऑर्गनाइजेशन स्ट्राइक ऑफ मेडिकल स्टूडेंट्स एट सफदरजंग हॉस्पिटल" (2 जून 2010) तथा "कॉमन एंट्रेस टेस्ट (सी ई टी) फॉर एडमिशन टू एम बी बी एस एण्ड पोस्ट ग्रेजुएट कोर्सिम इन मेडिसन एज रूल्ड बाई सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया" (14 दिसम्बर 2010) तथा "हेल्थ केयर रिफॉर्मस" (16 मार्च 2011) संबंधी कार्यक्रमों के लिए आमंत्रित किया गया। उन्हें दूरदर्शन न्यूज द्वारा "ब्रेस्ट कैंसर" (8 जनवरी 2011) तथा "कर्टेन रेजर फॉर ब्रेस्ट कैंसर एक्जीनिशन एण्ड सेमीनार" (10 मार्च 2010) पर कार्यक्रमों के लिए आमंत्रित लाइव फोन इन कार्यक्रम "होटल हेल्थ" के लिए विशेषज्ञ के रूप में "हर्निया" (11 जुलाई 2010) "ब्रेस्ट कैंसर" (17 अक्तूबर 2010 तथा 13 मार्च 2011) और "ऑर्गेन डोनेशन" (5 दिसम्बर 2010) पर चर्चाओं के लिए आमंत्रित किया गया।

प्रो. अनुराग श्रीवास्तव ने इम्फाल में 8-10 अक्तूबर 2010 को "एडवांसेस इन मैनेजमेंट ऑफ ब्रेस्ट कैंसर" पर ए एस आई एम ए एन आई सी ओ एन 2010 में व्याख्यान दिया।

डॉ. संदीप गुलेरिया को रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन्स ऑफ एडिनबर्ग द्वारा नामांकन के माध्यम से एफ आर सी पी (एडिन बर्ग) तथा रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स ऑफ इंग्लैंड द्वारा एफ आर सी एस (इंग्लैंड) फेलोशिप एण्ड इयुनीडियुक प्रदान किया गया। उन्हें मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया की पूर्व स्नातक करिकुलम की कोर समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। वे वेनकुवर में आयोजित नेफ्रोलॉजी के विश्व सम्मेलन के एब्स्ट्रेक्ट सेक्शन ऑन ट्रांसप्लांटेशन के लिए अध्यक्ष थे, इंडियन सोसाइटी ऑफ ऑर्गेन ट्रांसप्लांटेशन की वैज्ञानिक समिति के वे उपाध्यक्ष तथा सदस्य थे, इंडियन जनरल ऑफ ट्रांसप्लांटेशन के वे सह-सम्पादक थे, ट्रांसप्लाटेंशन सोसाइटी की एथिक्स समिति के वे प्रमुख मतदाता नेता तथा सदस्य थे, वे लिवर तथा किडनी प्रत्यारोपण हेतु मान्यता प्रदान करने वाली विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे, उन्होंने ने पी जी आर चंडीगढ़ की स्थायी चयन समिति के सदस्य के रूप में, रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्सएण्ड फिजिशियन्स (ग्लासगो) तथा रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स (एडिनबर्ग) के लिए एम आर सी एस परीक्षा हेतु परीक्षण के रूप में चयन / परीक्षा प्रक्रिया में सहायता की, वे सी एस आई आर के वरिष्ठ अनुसंधान एसोसिएशन के लिए चयन समिति के सदस्य थे, वे इंडियन सोसाइटी ऑफ आर्गेन ट्रांसप्लांटेशन, नई दिल्ली 2011 के वार्षिक सम्मेलन के आयोजक सचिव थे, उन्हें हिमालयी जागृति मंच द्वारा 'हिमाचल गौरव एवार्ड' प्रदान किया गया, दि लैंसट, इंडियन जनरल ऑफ यूरोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी तथा इंडियन जरनल ऑफ ट्रांसप्लांटेशन के वे समीक्षाकर्ता थे, उन्हें 23 मई 2010 को फोर्टिस अस्पताल, नोएडा में 'सिंगल इनसिजन लेपेरोस्कोपिक सर्जरी', 'यूज ऑफ ए टी जी इन लाइव रिलेटिड ट्रांसप्लांटेशन' (आडीकोन, प्रो. मिनिन गोरल के साथ 30 जून 2010 को), "इंफैक्शन्स इन दि इम्युनो कॉम्प्रमाइज्ड" (आई सी ओ पी ए, नई दिल्ली का 30 सितम्बर 2010 को वार्षिक सम्मेलन), "ए टी जी इन ट्रांसप्लांटेशन" (दिल्ली नेफ्रोलॉजी सोसाइटी 4 सितम्बर 2010), दि एम पटेल ओरेशन ऑफ दि आई एस ओ टी (आई एम ओ टी, हैदराबाद, की वार्षिक बैठक, 21 अक्तूबर 2010), दि आर वी एस यादव ओरेशन ऑफ दि आई एस ओ टी (22 अक्तूबर 2010 को हैदराबाद में आई एस ओ टी की वार्षिक बैठक) पर सत्रों की अध्यक्षता करने / उन्हें मॉडरेट करने के लिए आमंत्रित किया गया। प्रो. नादी हकीम द्वारा मेहमान व्याख्यान (ऑसीकॉन 2010, नई दिल्ली, 16 दिसम्बर 2010) "सेक सर्जरी सेब्स लाइव्स" (आसीकॉन 2010, नई दिल्ली, 18 दिसम्बर 2010), "किडनी डिजीज" (साउथ दिल्ली आई एम ए, 30 जनवरी 2011), "रोल ऑफ वंस ए डे टेक्रोलिमस" (स्टार सम्मिट, 27 मार्च 2010) की उन्होंने अध्यक्षता / मॉडरेशन की। उन्हें दूरदर्शन न्यूज, नई दिल्ली द्वारा "वासकुलर डिजीज" पर चर्चा (16 मई 2011) के लिए "होटल हेल्थ" कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया।

डॉ. वी. शीनू ने शल्य चिकित्सा विभाग गांधी मेडिकल कॉलेज, हैदराबाद का डॉ. सुब्बा राव ओरेशन 2010 दिया, वे ट्रॉपिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, दि नेशनल मेडिकल जरनल ऑफ इंडिया तथा ओमान मेडिकल जरनल के समीक्षाकर्ताओं, वे कोक्रेन, हेपेटोबिलिरी समूह के लिए समीक्षाकर्ता थे।।

डॉ. संदीप अग्रवाल ऑबिसिटी एण्ड मेटाबॉलिक सर्जरी सोसाइटी ऑफ इंडिया (ओ एस एस आर) के कार्यपालक सदस्य हैं, उन्होंने "मैनेजमेंट ऑफ लीक्स आफ्टर स्लीव गैस्ट्रेक्टॉमी" पर पैनल चर्चा को मॉडरेट किया (प्री कॉन्फ्रेंस ऑपरेटिव वर्कशॉप कम सी एम ई ऑन ऑबिसिटी सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली, अक्तूबर 2010)।

डॉ. वी. के. बंसल को अक्तूबर 2010 की अमेरिका 'कॉलेज ऑफ सर्जन्स (एफ ए सी एम) की फैलोशिप प्रदान की गई। वे इंडिया हर्निया सोसाइटी तथा सोसाइटी ऑफ एंडोस्कोपिक एण्ड लेपेरोस्कोपिक सर्जन्स ऑफ इंडिया के मानद सचिव थे, इंडियन हर्निया सोसाइटी न्यूज लेटर के वे संपादक थे, सर्जिकल लेपेरोस्कोपिक एंडोस्कोपी प्री क्यूरेनियस तकनीक, ट्रॉपिकल गेस्टेरोइंटेरालॉजी, इंडियन जरनल ऑफ गेस्टेरोइंटेरोलॉजी साउदी जरनल अनेक गेस्टेरोइंटेरालॉजी के वे संपादक थे, उन्होंने इंडियन हर्निया सोसाइटी ओरेशन तथा आई एच एम प्रेजीडेंशनल ओरेशन (इंडियन हर्निया सोसाइटी, इम्फाल, 8-10 अक्तूबर 2010) की अध्यक्षता की।

डॉ. अनीता धर ने **टीम लीडर के रूप में 2010 सराहना प्रमाणपत्र तथा राष्ट्र मंडल खेलों के लिए योग्यता प्रमाणपत्र (3-14 अक्तूबर 2010)** प्राप्त किया, उन्होंने ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस मंच, ब्रेस्ट कैंसर सोसाइटी ऑफ इंडिया तथा साकेत सोसाइटी, नई दिल्ली, के दौरान 30 अक्तूबर 2010 को एक वार्ता की ओर कार्यशाला का संचालन किया।

डॉ. अमित गुप्ता सी बी आर एन को आर्डीनेशन कमेटी ऑफ नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट आथरिटी के सदस्य है, वे इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ सर्जरी / सोसाइटे इंटरनेशनल डी चिरजरी (आई एस एम / एम आई सी) तथा इंटर नेशनल एसोसिएशन ऑफ ट्रॉमा सर्जरी एण्ड सर्जिकल इंटेंसिव केयर (आई एटी एस आई सी), अकादमिक काउंसिल फॉर एमर्जेंसी एण्ड ट्रॉमा ऑफ द इंडो यू एम एमर्जेंसी एण्ड ट्रॉमा कोलेबोरटिव के कार्यकारी सदस्य है।

डॉ. सुबोध कुमार को जी एस सेठ मेडिकल कॉलेज, मुम्बई द्वारा आयोजित (15-19 मार्च 2010) प्रेक्षणात्मक अध्ययनों संबंधी कार्यशाला में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान यू एस ए द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की गई, वे वूड केयर एण्ड रिसर्च के लिए सोसाइटी के जरनल (जेडब्ल्यू एम सी आर) के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य है, ट्रॉपिकल गेस्टेरोइंटरोलॉजी के लिए वे समीक्षाकर्ता तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के परीक्षक है।

डॉ. सुषमा सागर जे डब्ल्यू एस सी आर की सह सम्पादक है, वे जे एम एम एस के लिए समीक्षाकर्ता है।

विभाग के **रेजीडेंटों** ने निम्न पुरस्कार प्राप्त किए :

- प्रथम पुरस्कार : अल्बर्ट वी, अरुल सेल्वी एस, सागर एम, अग्रवाल डी, मिश्रा एम श्री द्वारा मौखिक प्रस्तुतीकरण। इलेक्टिव ब्लड ऑर्डरिंग शेड्यूल फॉर जनरल सर्जरी एण्ड न्यूरोलॉजी फॉर जनरल सर्जरी एण्ड न्यूरो सर्जरी डिपार्टमेंट्स इन ए टेरटियरी ट्रॉमा केयर सेंटर इन इंडिया। ट्रामा 2010, जे पी एन ए टी सी एम्स, नई दिल्ली 26-28 नवम्बर 2010
- प्रथम पुरस्कार : अल्बर्ट वी, कपूर एन, अरुल सेल्वी एस, कुमार एम, सागर एम द्वारा मौखिक प्रस्तुतीकरण। इवेल्युएशन ऑफ एमीलेस एण्ड लिपोस एस्टीमेंशन इन ब्लेट ट्रॉमा एब्डोमैन पेशेंट : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी इन ए टेरिटयरी ट्रॉमा केयर अस्पताल, नॉथ इंडिया ट्रॉमा 2010, जे पी एन ए टी सी, एम्स, नई दिल्ली, 26-28 नवम्बर 2010
- प्रथम पुरस्कार : किलाम्बी आर, बंसल वी के, तभंग टी, मिश्रा एम सी, मुमार एस। लेपेरोस्कोपिक सचरिंग स्किल एक्विजिशन ए कम्पेरेजन बिटविन ट्रेंड एण्ड नोटिस सर्जन्स दिल्ली स्टेट चेप्टर, ए एस आई, आर एम एल अस्पताल, नई दिल्ली, फरवरी 2011
- द्वितीय पुरस्कार : कटरिया के, कुमार एम, गुप्ता ए, मिश्रा वी, सागर एम, सिंघल एम, मिश्रा एम सी। दि डायग्नोस्टिक लेपेरोस्कोपिक इन एब्डामिनल ट्रॉमा एक्स्पीरिएंसिम ऑफ ए लेवल ट्रामा सेंटर। पांचवां एम्स सर्जिकल सप्ताह तथा एंडोसग - 2011 इंटरनेशनल सी एम ई सह लाइव वर्कशॉप, एम्स, नई दिल्ली 11-13 मार्च 2011

9.35 प्रतिरोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष

एन. के. मेहरा

अपर आचार्य

डी. के. मित्रा

वैज्ञानिक

उमा कांगा

गुरविंदर कौर

सुनील कुमार

संजीव गोस्वामी

शिक्षा

अल्पकालीन प्रशिक्षण : जन स्वास्थ्य संस्थान, मोहाखाली, बंगलादेश, बी पी कोयराला इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेस, धरन, नेपाल से छः डॉक्टरों तथा भारत में विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों से 20 विद्यार्थियों तथा डॉक्टरों ने एच एल ए परीक्षण तथा अन्य प्रतिरक्षा विज्ञानी जांचों की प्रयोगशाला तकनीकों में अल्पकालीन प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, कोशिकीय प्रतिरक्षा विज्ञान के विभिन्न पहलुओं में पांच विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

दीर्घकालीन प्रशिक्षण : सशस्त्र सेना मेडिकल कॉलेज से एक डॉक्टर ने नैदानिक प्रतिरक्षा आनुवंशिकी में अपना प्रशिक्षण (3 वर्ष) अपनी पीएच. डी प्रशिक्षण अपेक्षा के भाग के रूप में पूरा किया।

एम. डी. / डी. एम. विद्यार्थियों को प्रशिक्षण : एम्स के विभिन्न विभागों अर्थात् विकृति विज्ञान (10), वृक्क विज्ञान (2), चिकित्सा अर्बुद विज्ञान (1), प्रयोगशाला चिकित्सा (2) एवं रूधिर विज्ञान (2) से अनेक एम. डी. / डी. एम. छात्रें में एच एल ए ऊतक मिलान प्रौद्योगिकी एवं अन्य प्रतिरक्षा विज्ञान जांचों में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

चार **किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (के वी पी वाय)** विद्यार्थियों को प्रत्यारोपण प्रतिरक्षा विज्ञान तथा संक्रामक रोगों के विविध पहलुओं में प्रशिक्षण दिया गया। इन में से दो विद्यार्थियों (पर्यवेक्षक : डॉ. डी. के. मित्र तथा डॉ. उमा कांगड़ा) को उनकी परियोजनाओं के आधार पर आई सी एम आर स्कॉलरशिप प्रदान किया गया। प्रो. मेहरा ने भी दिल्ली के मेधावी उच्च माध्यमिक विद्यालय विद्यार्थियों के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के डी एम टी - आई एन एच पी आई आर ई (इनोवेशन इन साइंस परस्यूट फॉर इंस्पीरेड रिसर्च) के तहत तीन व्याख्या दिए। प्रत्यारोपण प्रशिक्षण विज्ञान तथा प्रतिरक्षा आनुवंशिकी विज्ञान पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन बी आर अम्बेडकर सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी एण्ड रिसर्च, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली के एम एम सी विद्यार्थियों के लिए किया गया।

राष्ट्रीय स्तर पर एच एल ए जीन्स की डी एन ए टाइपिंग के लिए एक गुणवत्ता नियंत्रण कार्रवाई की जा रही है। विद्यार्थियों तथा अतिथि वैज्ञानिकों को विभिन्न कोशिका संवर्धन जांचों में प्रशिक्षण दिया गया है जिनमें फ्लोसाइटोमीटरी आधारित इम्युनो फिनो टाइपिंग शामिल है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 28

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. टाइप 1 डायबिटिज जेनेटिक्स कंसोर्टियम : एक अंतरराष्ट्रीय प्रयास। आचार्य एन. के. मेहरा, एनआईएच, यूएसए द्वारा तीन वर्ष (2005-2008 तक 2011 विस्तारित)। निधियां : 25,000 डॉलर।

2. एशियन इडियन डोनर मैरो रजिस्टरी : नोवल टेक्नोलॉजिज़, जीनोम डाइवर्सिटी एण्ड ट्रांसप्लांट मॉनीटरिंग प्रधान अन्वेषक : एन के मेहरा। डी बी टी द्वारा 3 वर्ष (2010-2013) के लिए वित्त पोषित निधियां : 82 लाख रुपए

3. भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में नासोफेरिंजल कार्सिनोमा (एनपीसी) का व्यापक अवबोधन। प्रधान अन्वेषक : एन के मेहरा । डीबीटी द्वारा 3 वर्ष (2010-2013) के लिए वित्त पोषित निधियां : 69 लाख रुपए।

4. रीनल प्रत्यारोपण में एम आई सी ए तथा एन के जी2डी लिगेंड । प्रधान अन्वेषक एन के मेहरा। आई सी एम आर द्वारा 3 वर्ष (2010-12) के लिए वित्त पोषित। निधियां : 39.8 लाख रु.

5. एचआईबी -। संक्रमण के प्रति प्रतिरोध तथा रोग के बढ़ने का इम्युनोजेनेटिक आधार तथा इंटरफेरॉन प्रणाली के निहितार्थ। आई सी एम आर द्वारा 3 वर्ष (2010-12) के लिए वित्त पोषित। निधियां : 59.7 लाख रु.

6. प्रतिरक्षा वैज्ञानिक पैरामीटरों के निर्धारण के साथ श्रेणी-1 फुफ्फुसीय यक्ष्मा में सहायक चिकित्सा के रूप में मुखीय जिंक प्रयोग की प्रभावोत्पादकता (दोहरा अप्रत्यक्ष, यादृच्छिक, प्लेसबो - नियंत्रित बहुकेंद्रीय नैदानिक परीक्षण)। प्रधान अन्वेषक : डी. के. मित्रा। डीबीटी द्वारा 5 वर्षों (2007-2012) के लिए वित्त पोषित। निधियां : रु. 89.80 लाख।

7. प्रतिरक्षा विज्ञानी प्राचलों के निर्धारण के साथ श्रेणी 1 करक्यूमिन यक्ष्मा में सहायक चिकित्सा के रूप में मुखीय विटामिन डी के प्रभावोत्पादकता। प्रधान अन्वेषक : डी. के. मित्रा। डीबीटी द्वारा 5 वर्षों (2007-2012) के लिए वित्त पोषित। निधियां : रु. 199.42 लाख।

8. एचआईवी - टीबी सह-संक्रमण से पीड़ित लेटेंट टीबी वाले रोगियों में एचआईवी संक्रमण का प्रभाव। प्रधान अन्वेषक : डी. के. मित्रा डीबीटी एवं आईसीएमआर द्वारा 4 वर्षों (2007-11) हेतु वित्त पोषित। निधियां : रु. 379.4 लाख।

9. कुष्ठ रोगियों में पोलटाइज्ड प्रतिरक्षा में फाक्स पी3+रेगुलेटरी टी - सेल की भूमिका। प्रधान अन्वेषक : डी. के. मित्रा। आईसीएमआर द्वारा 3 वर्षों (2010-2013) हेतु वित्तपोषित। निधियां : रु. 75.20 लाख (एम्स संघटक)।

10. विससिरल लिश्मेनियासिस रोगियों में प्रतिरक्षा के मंदन में सीडी26 मीडिएटिड कीमोकिन संक्रियण की भूमिका। प्रधान अन्वेषक : डी के मित्रा। डीबीटी द्वारा 3 वर्षों (2010-2013) हेतु वित्त पोषित। निधियां : रु. 92.78 लाख।

11. मानव क्षयरोग में लोकल प्रतिरक्षा का फॉक्स पी3+ट्रेग सेल मेडिएटिड सपरेशन। प्रधान अन्वेषक : डी के मित्रा, डी. बी. टी. द्वारा 3 वर्षों (2010-13) हेतु वित्तपोषित। निधियां : रु. 92.78 लाख

पूर्ण

1. हिस्टोकंपेबिल्टी और इम्यूनोजेनेटिक्स में उन्नत कार्यक्रम हेतु कार्यक्रम सहायता (पीएस - एपीएचटीआइ)। प्रधान अन्वेषक : एन. के. मेहरा। 3 वर्ष (2005-2008, मार्च 2010 तक विस्तारित) डीबीटी द्वारा वित्त पोषित। निधियां : रु. 163.43 लाख।

2. कंप्रीहेंसिव एप्रोच टू अंडरस्टैंड स्ट्रेप्टोकोक्ल डिजीज एंड देयर सिक्वेल टू डेवलप इनोवेटिव स्ट्रेटिजिस फॉर डायग्नोसिस, थिरेपी, प्रिवेंशन एंड कंट्रोल। प्रधान अन्वेषक : एन. के. मेहरा। 3 वर्ष (2006-2009 विस्तारित मार्च 2010) हेतु योरोपीयन कमीशन द्वारा वित्त पोषित। निधियां : रु. 114 लाख।

3. भारतीय जन समुदाय में टाइप-1 मधुमेह में एमएचसी क्षेत्र, जीन (एचएलए और नान एचएलए) का जिनोमिक विश्लेषण। प्रधान अन्वेषक : एन. के. मेहरा। आईसीएमआर द्वारा 3 वर्ष (2006-09, 2010 तक विस्तारित) हेतु वित्त पोषित। निधियां : रु. 27 लाख।

4. यूरो कॉकेसियन और एशियाई भारतीयों के बीच प्रतिरक्षा आनुवंशिकी समानताओं पर तुलनात्मक अध्ययन : एक भारत हंगरी पहल। प्रधान अन्वेषक : एन. के. मेहरा। डीएसटी द्वारा 3 वर्ष (2007-2010) हेतु वित्त पोषित। निधियां : रु. 30 लाख

5. एचआईवी-1 संचरण प्रतिरोध तथा रोग वृद्धि के लिए आनुवंशिकी आधार। प्रधान अन्वेषक : एन. के. मेहरा। डीबीटी द्वारा 3 वर्षों (2007-2010) हेतु वित्त पोषित। निधियां : रु. 60 लाख।

6. हेमेटोपोयटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण तथा एचआईवी संक्रमण की आनुवंशिकी। प्रधान अन्वेषक : एन के मेहरा। डीबीटी द्वारा 3 वर्ष (अक्तूबर 2007 से 2010) हेतु वित्त पोषित। रु. 22.20 लाख।

7. पोलराइज्ड साइटोकाइन उत्पादक एलो प्रतिक्रियात्मक टी सेल का शीघ्र पता लगाना और वृक्कीय प्रत्यारोपण कराने वाले रोगियों में अनेक चयनात्मक होमिंग में कीमोकिन्स की भूमिका। प्रधान अन्वेषक : डी. के. मित्रा। डीएसटी द्वारा 3 वर्षों (2007-2010) हेतु वित्त पोषित। रु. 29.78 लाख।
8. कुष्ठ रोगियों में पोलेराइज्ड प्रतिरक्षा में एनकेटी सेल का अध्ययन। प्रधान अन्वेषक : डी के मित्रा। आईसीएमआर द्वारा 3 वर्षों (2007-10) हेतु वित्त पोषित। निधियां : रु. 51.50 लाख।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 19

पुस्तकों में अध्याय : 8

पुस्तक : 1

रोगी उपचार

प्रयोगशाला सेवाएं : *प्रत्यारोपण, एचएलए मैचिंग*

	प्रापक	दाता	कुल
वृक्क प्रत्यारोपण	268	293	561
अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण			
क्रोनिक ल्यूकीमिया	16	63	79
एप्लास्टिक एनिमिया	68	215	283
एक्यूट ल्यूकेमिया	99	312	411
थैलासिमिया	41	122	163
अन्य	27	91	118
कुल	251	803	1054

शवदाता अंग प्रत्यारोपण

शवदाता	4
वृक्क प्रापक	15
क्रॉस - मैच परीक्षण	
सीरोलॉजी	623
फ्लोसाइटोमीटरी	158
पैनल रिएक्टिव एंडीबॉडी (पीआरए) परीक्षण	628
लूमिनेक्स पीआरए	109
एलिसा पीआरए	75
निदान	
स्पॉडीलोआर्थोपैथीज़	391
अन्य रोग	*47*
बीएमटी में काइमेरिज्म	100 प्रापक दाता जोड़े

ल्यूकेमिया रोगियों का इम्यूनोफोनो टाइपिंग	22
इम्युन कमी विकार	29
बीएमटी हेतु असंबंद्ध दाता खोज	235

समीक्ष्य वर्ष के दौरान अस्थि मज्जा प्रतिरोपण (बीएमटी) के लिए असंबद्ध एच.एल.ए. मिलानदाताओं की खोज हेतु एशियन इंडियन डोनर मैरो रजिस्ट्री से कुल 235 अनुरोध प्राप्त हुए। इनमें यू.एस.ए. से 94, यूरोप से 73 विभिन्न एशिया से 30 एवं भारत से 38 अनुरोध सम्मिलित हैं।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. एन के मेहरा के 8वां प्रो. शमीर सिंह मेमोरियल एसोसिएशन, एनाटोमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया तथा मद्रास डायबेटिक रिसर्च फाउंडेशन, यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा गोल्ड मेडल ओरेशन एवॉर्ड तथा ओरेशन ऑफ द नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वीरोलॉजी फाउंडेशन प्रदान किया गया। वे एशिया पेसीफिक फेडरेशन ऑफ हिस्टो काम्पेटिबिलिटी एण्ड इम्युनो जेनेटिक्स के प्रथम अध्यक्ष एवं एशिया पैसिफिक फेडरेशन ऑफ इन्लेमेशन एण्ड रिसर्च के लिए ट्रांसमिटिंग सम्पादक थे, निम्न समितियों के वे अध्यक्ष थे : कमेटी फॉर एस्टेब्लिशमेंट ऑफ सेटेलाइट सेंटर फॉर सिकल सेल एण्ड थैलेसीमिया, चन्द्रपुर (महाराष्ट्र), वैज्ञानिक चयन समिति, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्युनो हेमेटोलॉजी, मुम्बई, इम्युनो मॉड्यूलेशन संबंधी डी बी टी विशेषज्ञ समूह एवं अनुवीक्षण समिति, आई सी एम आर साइंटिफिक एडवाइजरी कमेटी फॉर सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन प्राइमरी इम्युनो डेफीशिएंसी डिजीज, तथा वे कैरियर डेवलपमेंट कमेटी, इंटरनेशनल यूनियन ऑफ इम्युनोलॉजिकल सोसाइटीज़ के सह अध्यक्ष थे। वे निम्न निकायों में विशेषज्ञ / सदस्य थे : डॉ. बी. एल. कपूर मेमोरियल अस्पताल की एथिक्स समिति, यक्षमा संबंधी डीबीटी विशेषज्ञ समिति, शेरे कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सर्विसेज, श्रीनगर की संकाय चयन समिति, इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ साइंसेज़, भुवनेश्वर की वैज्ञानिक चयन समिति, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रलय, भारत सरकार की सेल्युलर बायोलॉजी बेस्ड थिरापेटिक ड्रग डवेल्यूएशन कमेटी पर विशेषज्ञों का आई एन डी पेनल, मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया की स्नातकोत्तर समिति, नेशनल एड्स रिसर्च, पुणे की साइंटिफिक एडवाइजरी कमेटी, इंस्टीट्यूट ऑफ पैथोलॉजी, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली की साइंटिफिक एडवाइजरी कमेटी, वैज्ञानिक बी एण्ड ई के लिए आई सी एम आर चयन समिति, मेडिकल कॉलेजों में बहु विध अनुसंधान प्रयोगशाला की स्थापना के लिए आई सी एम आर कोर समिति, पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एण्ड रिसर्च, चंडीगढ़ की संकाय चयन समिति वे निम्न वैज्ञानिक सत्रों के लिए अध्यक्ष थे - ऑर्गेन ट्रांसप्लांटेशन, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ऑपरट्यूनिस्टिक इंफेक्शंस, नई दिल्ली (29 सितम्बर 2010), छठां राष्ट्रीय थैलेसीमिया सम्मेलन, नई दिल्ली (22 नवम्बर 2010), फर्स्ट इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन प्राइमरी इम्युनो डिफिशियंसी डिजीज़, नई दिल्ली (5 मार्च 2011), तथा एम एच सी पोली मार्फिज्म एण्ड डिजीज संबंधी सत्र, चौदहवीं इंटरनेशनल कॉन्ग्रेस ऑफ इम्युनोलॉजी, कोबे, जापान (22-27 अगस्त 2010)। वे रियाध मिलिटरी अस्पताल, रियाध, सउदी अरब (1 जून - 10 जुलाई 2010) के 6 सप्ताह के लिए अतिथि आचार्य थे।

डॉ. डी के मित्रा कैमल रिसर्च इंस्टीट्यूट बीकानेर की अनुसंधान परामर्शी समिति के सदस्य है।

डॉ. उमा कांगा एशिया पैसिफिक हिस्टोन कम्पेटेबिलिटी तथा इम्युनोजेनेटिक्स एसोसिएशन के लिए काउंसिलर हैं, तथा वे दो जर्नलों की सम्पादकीय बोर्ड की सदस्य हैं : केस रिपोर्ट्स इन इम्युनोलॉजी एण्ड मेडिसनल कैमिस्ट्री रिसर्च, वे आई सी एम आर इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर, एण्ड प्रीवेंटिव ओंकोलॉजी में अनुसंधान फैलो के लिए चयन समिति के सदस्य है, उन्होंने एशिया पैसीफिक हिस्टो कम्पेटेबिलिटी एण्ड इम्युनोजेनेटिक्स एसोसिएशन के अति क्वीन्सटाउन, न्यूजीलैंड में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (16-19 नम्बर 2010) में “मॉडर्न पॉपुलेशन जेनेटिक्स इन द एशिया पैसिफिक रीजन” संबंधी सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. गुरविन्दर कौर एशिया पैसीफिक हिस्टो कम्पेटेबिलिटी एण्ड इम्युनोजेनेटिक्स एसोसिएशन की सचिव तथा काउंसिलर है।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. वीणा तनेजा, प्रतिरक्षा विज्ञान एवं रिह्यूमेटोलॉजी विभाग, मायोक्लिनिक, संयुक्त राज्य अमेरिका ने विभाग का दौरा किया तथा और 30 जुलाई 2010 को “ह्यूमनाइज्ड माइस एज मॉडल ऑफ इंफ्लेमेटरी आर्थराइटिस” पर व्याख्यान दिया।

9.36 मूत्र रोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

पी. एन. डोगरा

आचार्य

अमलेश सेठ

अपर आचार्य

राजीव कुमार

शिक्षा

विभाग ने स्नातक-पूर्व और नार्सिंग विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान दिए। विभाग में 3 वर्षों की अवधि में मूत्र रोग विज्ञान में एमसीएच की डिग्री के लिए 11 स्नातकोत्तरों को प्रशिक्षित किया।

विभाग में रोबोटिक्स, इंडोयूरोलॉजी, लेप्रोस्कोपी, मूत्ररोगविज्ञान में रोबोटिक और माइक्रोसर्जरी का प्रेक्षण करने तथा इन्हें सीखने के लिए विभिन्न भारतीय मेडिकल कॉलेजों से मूत्ररोगविज्ञान प्रेक्षणकर्त्ता तथा स्नातकोत्तर विद्यार्थी थे।

विभाग के संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों में एमसीएच, मूत्र रोग विज्ञान के लिए परीक्षक तथा मूत्र रोग विज्ञान स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा तथा सुविधाओं के मानकों की मान्यता के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद और राष्ट्रीय बोर्ड के निरीक्षक बना रहना जारी रखा। विभाग ने मूत्र रोग विान में डी एन बी प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा एम सी एच के लिए करिकुलम की पुनर्संरचना तथा पुनः निरुपण में भी सक्रिय भाग लिया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

मूत्र - अर्बुद रोग विज्ञान कार्यशाला (लेपेरोस्कोपिक, रोबोटिक तथा ओपन), एम्स, राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एवं रिसर्च सेंटर डॉ. आर एम एल अस्पताल तथा पी जी और एम ई आर द्वारा 1-3 अक्तूबर 2010 को नई दिल्ली में द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा / राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 36

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. आइडियोपैथिक पुरुष अप्रजननशीलता के कारण के रूप में ऑक्सिडेटिव दबाव का मूल्यांकन और इसके उपचार में एडिजोआ की भूमिका, यादृच्छिक, डबल ब्लाइड प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण। प्रधान अन्वेषक : राजीव कुमार। निधिकरण द्वारा : चरक फार्मासुटिकल्स, मुम्बई द्वारा 3 वर्ष के लिए (2009-2012) वित्त पोषित। निधि : रु. 5.7 लाख।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. मूत्राशय थैली के कार्सिनोमा सी ए इन सीटू और इंटरमीडिएट - एंड हाइटिस्क टा, टाल ट्रांजिस्ट्रवल सेल कार्सिनोमा में अंतः मूत्राशय बीसीजी टीका का एक बाजारोत्तर निगरानी अध्ययन (सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया लि. ओएनसीओ - बीसीजी)
2. एंटिरियर और पोस्टेटियर यूरेथ्रल स्ट्रिक्चर्स के लिए यूरेथ्रोप्लास्टी : विभिन्न तकनीकें।
3. ट्रॉमेटिक ओबलिटरेटिव यूरिथ्रल स्ट्रिक्चर्स हेतु कोर - थ्रू यूरेथ्रोटोमी।

4. रोबोटिक रेडिकल प्रोस्टेक्टोमी का मूल्यांकन।
5. यूरिनरी फिस्टूला के रोबोटिक पाइलोप्लास्टी, यूटिरोनियोसाइटोमी एवं रिपेयर का मूल्यांकन।
6. रोबोटिक रेडिकल सिस्टेक्टोमी का मूल्यांकन।
7. प्री पेरीटोनियल बनाम ट्रांस पेरीटोनियल रेडिकल प्रोस्टेटेक्टॉमी
8. बाइपोलर टी यू आरपी बनाम के टी पी
9. कार्सिनोमा पेनिस के लिए रोबोटिक सहारिय, इंगिनल लिम्फनोड डायसेक्शन
10. संदिग्ध अवरोधित एजूस्पर्मिया में असंगत नैदानिक एफएनएसी अनुसंधान निष्कर्ष : सर्जिकल और विकृति विज्ञानी सह-संबंध।
11. अवरोधक एजूस्पर्मिया से पीड़ित पुरुषों में नकारात्मक शल्यचिकित्सीय खोज के कारण।
12. इंफ्रेयर्ड स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा पथरी का विश्लेषण
13. ई एम टी फॉर स्ट्रेस यूरिनरी इनकांटीनेंस

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. कार्सिनोमा ब्लैडर में पीईटी - सीटी की भूमिका (नाभिकीय चिकित्सा विभाग के साथ)।
2. कार्सिनोमा प्रोस्टेट के निदान में प्रोटीन एमआरएस का उपयोग करते हुए त्रिआयामी केमिकल शिफ्ट इमेजिंग एवं डिफ्यूजन वेटेज इमेजिंग (एनएमआर के साथ)।
3. पुरुष अप्रजननशीलता में मिटोकोंड्रियल जीन और "वाई" क्रोमोसोम डिलीशन्स (शरीर रचना विज्ञान विभाग के साथ)।
4. पुरुष अप्रजननता के कारण के रूप में ऑक्सीडेटिव तनाव (शरीर रचना विज्ञान विभाग के साथ)।
5. इडियोपैथिक रि. आवर्ती स्वतः गर्भपात में शुक्राणु आण्विक कारकों का अध्ययन (शरीर रचना विज्ञान विभाग के साथ)
6. रोबोटिक प्रक्रियाओं में स्तरीय टेंडले नबर्ग पॉजीशन के दौरान हेमोडायनेमिक परिवर्तन (संवेदनाहरण विभाग के साथ)
7. पी सी एन एल के दौरान पैरा वर्टीब्रल ब्लॉक (संवेदनाहरण विभाग के साथ)
8. पैंक्रियाटिक नेक्रोसिस में निफ्रोस्कोप का प्रयोग करते हुए न्यूनतम आक्रामक नेक्रोसेक्टॉमी।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 24

रोगी उपचार

ओ. पी. डी. और विशेषज्ञ क्लिनिक	नये रोगी	पुराने रोगी
मुख्य अस्पताल ओ.पी.डी.	12775	29126
बीआरएआईआरसीएच में यूरो मैलिगनेंसी क्लिनिक	486	1537

दाखिले : 5282

शल्यक प्रक्रियाएं

1. मुख्य ओ.टी.	**1373**
क. ओपन प्रक्रियाएं	183
ख. इंडोयूरोलोजी	**761**
1. निचला क्षेत्र	293

टीयूआरपी :	109
टीयूआरबीटी :	184
2. ऊपरी क्षेत्र	468
परक्यूटेनियम	215
यूआरएस	100
आर आरई आर एम	03
डी जे एस	150
ग. रोबोटिक सर्जरी	**128**
1. रेडिकल प्रॉस्टेक्टोमी	31
2. रेडिकल सिस्टेक्टॉमी	07
3. पाइलोप्लास्टी	61
4. रेडिकल नेफ्रेक्टॉमी	10
5. अन्य	19
घ. लेप्रोस्कोपिक सर्जरी	**61**
1. लैप नेफ्रेक्टॉमी	36
2. लैप पाइलोप्लास्टी	08
3. अन्य	17
ङ माइक्रोसर्जरी	**60**
1. वीईए :	50
2. एमवीएल :	05
3. वासेक्टॉमी प्रतिवर्तन	05
अन्य :	**180**
2. माइनर ओ.टी.	
क. सिस्टोस्कोपी, डी जे स्टेंट रिमूवल इत्यादि	2119
ख. ओपन मामले (आर्ची डेक्टॉसी इत्यादि)	128
ग. मानइर केस (कैथेटर चेंज इत्यादि)	3955
एक्स्ट्रा कॉरपोरियल शॉक वेव लिप्रोट्रिप्सी (ईएसडब्ल्यूएल) :	978
नए रोगी	320
पुनः अस्वस्थ रोगी	658
यूरोडायनामिक प्रक्रियाएं	
यूरोफ्लोमिट्री	3329
सिस्टोमिट्रोग्राम (सो एम जी)	259

अल्ट्रासाउंड प्रक्रियाएं	212
क. टीआरयूएस / प्रोस्टेट बायोप्सी	141
ख. एसपीसी	42
ग. पीसीएन	09
घ. अल्ट्रासाउंड के यू बी	20
स्टोन विश्लेषण :	98
ई एम टी (इलेक्ट्रोमैग्नेटिक उपचार) :	34

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रो. पी. एन. डोगरा को उद्घाटन समारोह में माननीय अतिथि के रूप में आमंत्रि किया गया तथा वे बोकारो, झाड़खण्ड में (4 फरवरी 2011 को) ए आई एस एम ओ सी में पोस्ट सत्र के लिए निर्णायक थे, उन्हें ज्ञान विनियम कार्यक्रम (6-10 सितम्बर 2010) के लिए (9-10 सितम्बर 2010) के लिए सामान्य अस्पताल के मूत्ररोग विज्ञान विभाग में हॉल आई टी इंसब्रक, ऑस्ट्रिया में आमंत्रि किया गया, उन्हें इंडिया इंटरनेशनल फ्रेंडशिप सोसाइटी द्वारा "ग्लोरी ऑफ इंडिया एवॉर्ड" प्रदान किया गया, वे एम्स, राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट रिसर्च सेंटर, डॉ. आर एम एल अस्पताल तथा पी जी आई एम ई आर द्वारा नई दिल्ली में संयुक्त रूप में आयोजित मूत्र रोग अर्बुद विज्ञान वर्कशॉप (लेपेरोस्कोपिक रोबोटिक तथा ओपन) के आयोजक सचिव थे (1-3 अक्तूबर 2010) तथा यू एम आई सी ओ एन 2010 (गुड़गांव 12-14 नवम्बर 2010) के उत्तरी जोन चैप्टर के 20वीं वार्षिक सम्मेलन की आयोजक समिति के परामर्शदाता थे, उन्होंने विभिन्न अकादमिक मंचों में निम्न सत्रें की अध्यक्षता की : "कॉन्ट्रोवर्सिस इन पी सी एन एल" (2-3 अप्रैल को नई दिल्ली में पी सी एन एल, पी ई आर सी ओ एन, 2010 की बुनियादी तथा उन्न्त तकनीकों संबंधी चौथी अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला), "टी यू आरपी" पर सजीव ऑपरेटिव कार्यशाला (सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली, 2 मई 2010), "इम्प्लांटस इन एंड्रो ग्यानकोलॉजी" पर संजीव ऑपरेशन कार्यशाला (एंड्रोलॉजी इंडिया, नई दिल्ली, 4 मई 2010), " मैनेजमेंट ऑफ हाइपर यूरीसेमिया बियांड एलोपुरीनॉल" संबंधी संगोष्ठी (जाइड्स, नई दिल्ली, 8 मई 2010), "मैनेजमेंट ऑफ इरेक्टाइल डिस्फेक्शन" पर संगोष्ठी (फाइजर यूरोलॉजी एण्ड एंड्रोलॉजी इंडिया, नई दिल्ली 12 जून 2010), "नेटोपिडिल - एक्स्पेक्टिंग मेरी फ्रॉम एन अल्फा ब्लॉकर" पर संगोष्ठी (नॉथ जोन यू एस आई सी ओर एन, गुड़गांव, 12-14 नवम्बर 2010), "चैलेजिस इन द यूज ऑफ कॉम्बीनेशन मेडिकल थैरेपी इन एक्टिव मैन विद एल यू टी एस ऑफ बी पी एच एण्ड ओ एबी" पर संगोष्ठी (रैनबैक्सी, नई दिल्ली, 21 नवम्बर 2010) "मिनीमल इंवेसिव ट्रीटमेंट ऑफ प्रोस्टेट" पर लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला (न्यू ट्रेंड्स इन एंडो यूरोलॉजी, गुड़गांव 10-11 दिसम्बर, 2010), "हेमेटूरिया - रेड अलार्म" संबंधी सत्र (मैनेजिंग कॉमन एमर्जेंसिस पर क्रमिक आयुर्विज्ञान चिकित्सा, दिल्ली आयुर्विज्ञान परिषद, 20 फरवरी 2011) "बेस्ट वीडियो" (यू एस आई सी ओ एन, कोलकाता, 22 जनवरी 2011) तथा "एस आई यू सेशन ऑफ टारगेटिड थैरेपी इन द रीनल सेल कार्सिनोमा" (यू एस आई सी ओ एन, कोलकाता, 22 जनवरी 2011), वे "मेडिकल वर्सस सर्जिकल ट्रीटमेंट ऑफ बी पी एच" (ए आई एस एम ओ सी, बोकारो, झारखण्ड, 4 फरवरी 2011), "ओ ए बी सिंड्रोम : कॉन्ट्रोवर्सिस एण्ड इंसाइट्स" (सिरला यूरोनेट, नई दिल्ली, 22 जून 2010) संबंधी सत्र तथा "लेपेरोस्कोपिक फिलोलिथोमी" (एस ई एल एस आई सी ओ एन 2010, नई दिल्ली, 23 अक्तूबर 2010) संबंधी सत्र के लि मॉडरेटर थे। उन्होंने "द सर्जिकल मैनेजमेंट ऑफ लोकलाइडज कार्सिनोमा ऑफ प्रोस्टेट : ओपन, लेपेरोस्कोपिक रोबोटिक" (रोबोटिक यूरोलॉजी वर्कशॉप फोर्टिस अस्पताल, नई दिल्ली, 4-5 दिसम्बर 2010) संबंधी वाद विवाद में भाग लिया।

प्रो. अमलेश सेठ "लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप ऑन टी यू आर वी" (सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली 12 मई 2010), "लेपेरोस्कोपिक पाइलो प्लास्टी" (एस ई एल एस आई सी ओ एन 2010, नई दिल्ली, 22-24 अक्तूबर 2010), "इंफेक्शन डिजीज इन यूरोलॉजी" (यूरोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया, कोलकाता में 44वां वार्षिक सम्मेलन, 21-24 जनवरी 2011) के लिए अध्यक्ष थे, उन्होंने एफ एच आई विंग ऑफ नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ, यू एस ए (त्रिवेन्द्रम, 3-5 दिसम्बर 2010) द्वारा आयेजित "इंट्रोडक्शन टू क्लिनिकल ट्रायल्स एण्ड गुड क्लिनिकल प्रेक्टिस" तथा "ऑब्जर्वेशन स्टडीज (केस कंट्रोल, कोहॉर्ट एण्ड क्रॉस सेक्शनल)" में भाग लिया।

डॉ. राजीव कुमार यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के उत्तरी क्षेत्र चैप्टर के लिए सचिव है. वे इंटरनेशनल जनरल ऑफ यूरोलॉजी के सह - सम्पादक है तथा जर्नल ऑफ मेन्स हेल्थ के प्रादेशिक सम्पादक है, यूरोलॉजिकल एसोसिएशन ऑफ एशिया की कार्यकारिणी समिति के वे सह योजित सदस्य है, उन्हें यूरोजिकल एसोसिएशन ऑफ एशिया द्वारा श्रेष्ठ युवा यूरोलॉजिस्ट एवॉर्ड, 2010 तथा यूरोलॉजी में बुनियादी अनुसंधान में योगदान हेतु यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के उत्तरी क्षेत्र चैप्टर द्वारा 2 डस्कॉन एवार्ड तथा तथा स्वर्ण पदक प्रदान किया गया, उन्हें अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स द्वारा अंतरराष्ट्रीय मेहमान स्कॉलरशिप प्रदान किया गया, उन्होंने अकादमिक मंचों में निम्न सत्रों की अध्यक्षता की : "लाइव ऑपरेटिव सत्र" (यूरो ओंकोलॉजी वर्कशॉप आर जी सी आई एवं आर सी, नई दिल्ली, 1-3 अक्तूबर 2010), "एंट्रोलॉजी (यूरोलॉजी की 10वीं एशियाई कॉन्ग्रेस, तपई, ताइवान, 26-31 अगस्त 2010), "मरु धारा जोधपुर सर्वोत्तम शोधपत्र सत्र" (उत्तरी क्षेत्र, यू एस आई सी ओ एम, गुड़गांव का 20वां वार्षिक सम्मेलन, 12-14 नवम्बर 2010), "ग्लोबल स्टेट्स ऑफ मेन्स हेल्थ" (मेन्स हेल्थ की 7वीं विश्व कॉन्ग्रेस नाइट्स फ्रांस, 28-30 अक्तूबर 2010)। इसके अतिरिक्त उन्होंने "लाइव ऑपरेटिव सेशन्स ऑफ न्यू ट्रेंडस इन एंडोयूरोलॉजी" (एम्स, नई दिल्ली, 10-11 दिसम्बर 2010) पर सत्र का मॉडरेट किया तथा सार्क संगोष्ठी (यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के 44वें वार्षिक सम्मेलन, कोलकाता 21-24 जनवरी 2011) कर संयोजन किया।

10.1 हृदय वक्ष विज्ञान केंद्र

प्रमुख

बलराम ऐरन

हृदय वक्ष संवहनी सर्जरी

आचार्य एवं प्रमुख

बलराम ऐरन

आचार्य

एस. के. चौधरी	यू. के. चौधरी	ए. के. बिसोई

अपर आचार्य

बी. देवागौरू	मिलिंद होते	सचिन तलवार

हृदय विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

वी. के. बहल

आचार्य

अनिता सक्सेना	एस. एस. कोठारी	बलराम भार्गव
के. सी. गोस्वामी	आर. जुनेजा	आर. नारंग

अपर आचार्य

एस. मिश्रा	एस. सेठ	राकेश यादव
एन. नाइक	जी. कार्तिकेयन	गौतम शर्मा
	एस. सिंह	

सह-आचार्य

अम्बुज राय		एस. रामाकृष्णन

हृदय संवेदनाहरण

आचार्य एवं अध्यक्ष

ऊषा किरन

आचार्य

संदीप चौहान

सह-आचार्य

नीति मखीजा	पूनम मल्होत्रा	मिनाती चौधरी

सहायक आचार्य

शम्भू नाथ दास | पराग घारडे | विश्वास मलिक

रक्ताधान सेवाएं

मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं प्रभारी

अंजली हजारिका

हृदय विकिरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

संजीव शर्मा

अपर आचार्य

गुरप्रीत सिंह गुलाटी

सह-आचार्य

प्रिया जगिया

नाभिकीय चिकित्सा

अपर आचार्य

चेतन डी. पटेल

स्टेम सेल सुविधा

सह- आचार्य

सुजाता मोहंती

हृदय विकृति विज्ञान

आचार्य

रूमा रे

हृदय जैव रसायन

अपर आचार्य

आर. लक्ष्मी

अंग पुनः प्राप्ति बैंकिंग संस्था (ऑरबो)

अपर आचार्य

आरती विज

शिक्षा

हृदय वक्ष संवहनी सर्जरी

प्रशिक्षण

आठ हृदय सर्जनों और 13 फिजियोथेरेपिस्ट एवं हृदय ऑपरेशन थियेटर (तकनीशियन) ने विभाग में अल्प अवधि प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सी एम ई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 8

निम्नलिखित कागजातों को 16-19 फरवरी, 2011 को ममल्लापुरम, चेन्नई में भारतीय हृदय वक्ष एवं संवहनी सर्जनों की संस्था के 57वें राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया था। (क) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में रोबोटिक ए एस डी क्लोजर (ख) मैग्नीशियम एवं विटामिन सी के सी ए बी जी रोल में चल रहे रोगियों में एट्राइल फाइब्रीलेशन प्रोफीलेक्सिस (ग) पोस्टऑपरेटिव ट्रोपोनिन-1 लेवल के अनुसार कोरोनरी आर्टरी बाइपास सर्जरी में चल रहे प्रौढों में रिमोट इस्कीमिक प्रीकंडीशनिंग की बचाव भूमिका का अध्ययन (घ) अवरोही ओरटा का ट्यूबरकूलर एयूडोनीयरिज्म; 8 वर्ष के बच्चे में कम मामले (ङ) न्यूपोनेटल एयरवे में फंगल ट्रैप; एक असामान्य कार्डियक मास।

हृदय विज्ञान

सी एम ई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 32

हृदय संवेदनाहरण

प्रशिक्षण

9 डी एम अभ्यर्थी, जिसमें तीन भारतीय सेना से प्रायोजित हैं और 8 एम डी (जुनियर रेजीडेंट) एनेस्कोसिया विभाग से हैं, जो हृदय वक्ष एनेस्कोसिया में प्रशिक्षण में चल रहे हैं। एक अभ्यर्थी, श्री चित्रा तिरूनाल इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस, त्रिवेन्द्रम से है और 3 एम डी अभ्यर्थियों को लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज से विशेषता में अल्प अवधि प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से अल्प अवधि प्रशिक्षण पी डी सी सी अभ्यर्थी को प्रदान किया गया था।

सी एम ई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 26

रक्ताधान सेवाएं

प्रशिक्षण

तकनीकी कर्मचारियों के लिए (i) रोगी बचाव के लिए ल्यूकोरीडक्शन के आरंभन और (ii) रेड सेल ग्रुपिंग, एंटीबॉडी स्क्रीनिंग एवं अनुकूलता परीक्षण में ऑटोमेशन पर विभाग में आयोजित इन-हाउस प्रशिक्षण सत्र।

सी एम ई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 2

हृदय विकिरण विज्ञान

सी एम ई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 24

हृदय नाभिकीय चिकित्सा

आठ स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को (नाभिकीय हृदय विज्ञान में रोटेशनल आधार पर एम डी एवं विज्ञान निष्णात विद्यार्थियों को प्रशिक्षण) प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सी एम ई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 4

स्टेम सेल सुविधा

विभाग ने पी एच डी, एम डी और डी एम कार्यक्रमों में भाग लिया। यह 17 पी एच डी विद्यार्थियों, 5 एम डी विद्यार्थियों और 2 एम एस विद्यार्थियों के कार्य से मिलकर बना है। एक स्नातक विद्यार्थी ने अल्प अवधि प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

सी एम ई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 7

हृदय जैव रसायन

तीन विद्यार्थी विभाग में पी एच डी कर रहे हैं। विभाग ने दो विज्ञान निष्णात विद्यार्थियों को और तीन एम एल टी विद्यार्थियों को प्रयोगशाला विधियों में हैंड्स ऑन प्रशिक्षण प्रदान किया।

अनुसंधान

हृदय वक्ष संवहनी सर्जरी

वित्तपोषित परियोजनाएं

1. प्रोग्नोस्टिक मार्करों का काम्प्लेक्स जन्मजात हृदय सर्जरी में भूमिका, जिसे 20 मार्च, 2009 में शुरू किया गया।
2. सी ए बी जी में चल रहे रोगियों में कोरोनरी आर्टरी रोग की कठोरता के मार्कर के रूप में सेरम ओस्टीओपोंटीन लेवल का अध्ययन।
3. सी ए बी जी में चल रहे कठोर एल वी दुष्क्रिया के साथ रोगियों में सेरम ओस्टीयोपोन्टीन लेवलों का अध्ययन।
4. सी ए बी जी रोगियों में इस्केमिक मायोकार्डियम के लिए स्टेम सेल थैरेपी।
5. मायोकार्डियल इन्फार्क्शन एवं हर्ट फेलियर के रेट मॉडल में डी ए पी। लेबल्ड मिसेंचीमल स्टेम सेल्स का अध्ययन।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. थाइरॉयड हार्मोन्स एवं पेडिएट्रिक हृदय सर्जरी

जारी

1. फेनोक्सीबेन्जामिन बनाम पापावेरिन के साथ रेडियल आर्टीरी ग्राफ्ट प्रीट्रीटेड के साथ पम्प सी ए बी जी पर चल रहे मरीजों में क्लीनिकल एवं एंजीओग्राफिक आउटकम की तुलना।
2. बाई - डायरेक्शनल ग्लेन एवं टोटल कैवोपुलमोनेरी कनेक्शन पर चल रहे मरीजों में पुलमोनेरी वास्कुलेचर की हिस्टोपैकोलाजी एवं मोर्फोमीटरी।
3. 40 वर्ष से कम आयु के ह्यूमेटिक हर्ट रोगों वाले मरीजों में बायोप्रोस्थेटिक वाल्वों का प्रयोग करते हुए मिट्रल वाल्व प्रतिस्थापन।
4. क्रोनिक कंस्ट्रक्टिव पेरीकार्डीटिस के लिए पेरीकार्डीयक्टॉमी के बाद विशिष्ट इस्यूज : एक्चुएरियल सरवाइवल प्रीऑपरेटिव मिट्रल एवं ट्रीकसपिड रेगुरजीटेशन का फेट, वेन्ट्रीकूलर फंक्शन, रिऑपरेशन और अन्य घटनाओं से स्वतंत्रता।
5. फैलॉट के टेट्रालॉजी की इन्ट्राकार्डिएक रिपेयर के बाद एऑर्टिक रूट का फेट।
6. क्रोनिक कंस्ट्रीक्टिव पेरीकार्डिटिस के लिए पेरीकार्डियक्टॉमी पर चल रहे मरीजों में क्रमिक गैर- इनवैसिव हिमोडायनैमिक मॉनीटरिंग; दो सर्जीकल एप्रोचों की एक तुलनात्मक इन्ट्राऑपरेटिव एवं पोस्टऑपरेटिव मूल्यांकन।
7. पेरीकार्डिएक्टॉमी में चल रहे मरीजों में डायस्टोलिक डाइजफंक्शन के गैर आक्रामक मार्करों के रूप में ब्रेन नेट्रीयूरेटिक पेंपराइड, स्ट्रोक वाल्यूम परिवर्तन और ई/ए अनुपात।
8. कार्डियक सर्जरी में चल रहे मरीजों में माओकार्डियल इस्केमिया के मार्करों के रूप में लैक्टेट, पीरूवेट और लेक्टेट पीरूवेट अनुपात का तुलनात्मक अध्ययन।
9. क्या अर्ध-आक्रामक विधि कार्डियक आउटपुट मॉनीटरिंग की आक्रामक एवं गैर आक्रामक विधियों को प्रतिस्थापित करता है।
10. ओपन हर्ट सर्जरी में चल रहे प्रौढ़ रोगियों में मियोकार्डियल इस्केमिया के मार्करों के रूप में लैक्टेट, पीरूवेट और लेक्टेट पीरूवेट अनुपात का तुलनात्मक अध्ययन।

11. कार्डियक सर्जीकल मरीजों में गोल- डायरेक्टेड हयूमोडाइनैमिक प्रबंधन में दाए आर्टियम से पुलमोनेरी आर्टीनरी में लैक्टेट कंसेंट्रेशन ग्रेडिएन्ट की क्षमता।

12. मिट्रल वाल्व प्रतिस्थापन सर्जरी में चल रहे आर्टीएल फिब्रीलेशन वाले मरीजों के क्लीनिकल एवं हिस्टोपैथोलॉजीक प्रोफाइल का अध्ययन।

13. एसेंडिंग एओर्टा रोगियों में बिकस्पिड एऑर्टिक वाल्व के डेजीनिरेटिव परिवर्तनों की मात्रा का हिस्टोपैथोलॉजीकल अध्ययन।

14. रोगियों की हाइपोकार्मिक सर्कुलेटरी एरेस्ट के बगैर एऑर्टिक आर्च प्रतिस्थापन सर्जरीज के साथ न्यूरोलॉनीकल अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

1. परीक्षण - ऑन पम्प सी ए बी जी बनाम ऑफपम्प सी ए बी जी की तुलना में अंतर्राष्ट्रीय मल्टीसेंट्रिक क्लीनिकल परीक्षण।

2. एस टी आई टी सी एच परीक्षण।

हृदय विज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. एंटीबॉडीज एवं एंटीजेन एरॉय द्वारा एक्यूट कोरोनरी घटनाओं में सी वी डी बॉयोमार्कर प्रोफाइलिंग - आई सी एम आर द्वारा निधिकित।

2. संधिवातीय अध्ययन। आई सी एम आर द्वारा निधिकित।

3. डायग्नोजिंग आनुवंशिक हृदय रोग में पल्स ऑक्सीमेट्री की उपयोगिता। आई सी एम आर द्वारा निधिकित।

4. कॉन्जेनीटल हृदय रोगों में कठोर पुलमोनरी आर्टेरी हाइपरटेंशन के लिए अंतः संवहनी अल्ट्रासाउंड। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग।

5. विस्तृत कार्डियोम्योपैकी डी बी टी में स्टेम सेल थेरेपी।

6. संधिवात हृदय रोग की ग्लोबल रजिस्ट्री। क्लिनिकल परीक्षणों का कैनेडियन नेटवर्क।

7. कोरोनरी घटनाओं के मध्यवर्ती जोखिम पर मरीजों के निर्धारण में कोरोनरी सी टी एंजियोग्राफी की तुलना में रेस्ट स्ट्रेस एम आई बी आई - एस पी ई सी टी, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी।

8. आइडियोपेथिक पुलमोनरी आर्टेरी हाइपरटेंशन में प्लेटलेट्स की आकृति विज्ञान एवं कार्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विज्ञान।

पूर्ण

1. स्थापित संधिवात संवहनी हृदय रोग से मरीजों में उप- क्लीनिकल रोग गतिविध की गैर आक्रामक खोज। निधियन स्रोत - डी बी टी।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. बी एस डी एवं हृदय के काम न करने से बच्चों में प्रोपोनोलोल (वी एस डी पी एच एफ अध्ययन)।

2. तीक्ष्ण संधिवात बुखार के दौरान 3डी इको।

3. इब्सटेइन के एनॉमली में 3डी इको और एम आर आई पैरामीटरों की तुलना।

4. प्रोस्थेटिक हृदय वाल्व थ्रोम्बोसिस की सफलता के प्रेडिक्टर के रूप में अंटी स्ट्रेप्टोकोक्कल एंटीबॉडीज।

5. आर वी ओ टी बनाम आर वी एपेक्स में पेसमेकर लीड प्रतिस्थापन – सी टी द्वारा एक प्रमाणन।

6. एओर्टा के कोरक्टेशन का बैलून डिलेटेशन – एक पूर्वव्यापी विश्लेषण।

पूर्ण

1. मिट्रल स्टेनोसिस प्री एवं पोस्ट पी टी एम सी में टिस्सू डॉपलर इमेजिंग।

2. संधिवात मिट्रल रिगरजीटेशन का 3डी इको अध्ययन।

3. पी टी एम सी के तत्काल परिणाम के एक प्रीडिक्टर के रूप में 3 डी इको पैरामीटर।

4. सामान्य नियोनेट्स में स्ट्रेन एवं टिस्सू डोपलर इमेजिंग।

5. बच्चों में प्रोस्थेटिक हृदय वाल्व थ्रोम्बोसिस – प्रीडिक्टर्स एवं प्रबंधन।

6. ईसेनमेन्जर सिन्ड्रोम में बेटाब्लॉकर्स की सुरक्षा एवं क्षमता का आरंभिक अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

1. आर ई डी एच एफ अध्ययन – डबल ब्लाइन्ड रैन्डोमाइज्ड प्लेसबो – कंट्रोल्ड, सिम्प्टोमैटिक लेफ्ट वेंट्रीकूलर सिस्टोलिक डाइजफंक्शन और एनेमिया के साथ हृदय के काम न करने (एच एफ) में मोर्टेलिटी एवं मोर्बीडिटी पर दर्बेपोइटिन अल्फा उपचार की क्षमता एवं बचाव के निर्धारण हेतु मल्टीसेंटर अध्ययन। एमजेन प्रौद्योगिकी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निधिकित।

2. इंडीकॉर परीक्षण–बी ब्रौन द्वारा निधिकित।

3. एस टी आई टी सी एच (इस्कीमिक हृदय फेलियर का सर्जीकल उपचार) परीक्षण। एन आई एच, बेथेस्डा, एम डी, यू एस ए द्वारा निधिकित।

4. आर ई एल ई ए एस ई टी अध्ययन।

5. एफ आर ई ई डी ओ एम परीक्षण : मधुमेह मिलीटस के रोगियों में भावी पुनर्संवहनीकरण मूल्यांकन : मल्टीवेसल रोग (एफ आर ई ई डी ओ एम) परीक्षण का ऑप्टीमल प्रबंधन। डायबिटिक्स में मल्टीवेसल डी ई एस बनाम सी ए बी जी के समतुल्य क्लीनिकल परीक्षण, एन आई एच, बथेस्डा, एम डी, यू एस ए द्वारा निधिकित।

6. गैर– कार्डियक सर्जरी में चल रहे मरीजों की बी आई एस आई ओ एन रजिस्ट्री, अंतर्राष्ट्रीय रजिस्ट्री जो सर्जरी के बाद पहले 30 दिनों में पेरीऑपरेटिव इस्कीमिक कार्डियक घटनाओं के आपतन एवं प्रीडिक्टर्स पर दिखाई देता है। रजिस्ट्री में विश्व में लगभग 10 से अधिक देशों से साझेदार हैं।

7. कोरोनरी सी टी ए वीजन अध्ययन, कैनेडियन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान द्वारा निधिकित।

8. कार्डियक सर्जरी परीक्षण (एस आई आर एस) में स्टेरॉयड्स, कैनेडियन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान द्वारा निधिकित।

9. इम्पीरियल कालेज लंदन और कार्डियोलॉजी विभाग, एम्स का सहयोग – अनुपचारित हृदय फेलियर में इंफ्लैमैटरी एवं नोवेल बॉयोमार्कर – यू के आई ई आर आई पहल द्वारा निधिकित।

हृदय संवेदनाहरण

वित्तपोषित परियोजनाएं

1. आई सी एम आर निधिकित परियोजना जिसका शीर्षक "काम्प्लेक्स कॉन्गेनीटल कार्डियक सर्जरी में प्रोग्नोस्टिक मार्करों की भूमिका" है; पूनम मल्होत्रा कपूर। निधियन – 24 लाख रुपए।

2. कार्डियोपुलमैनरी बाइपास के तहत सी ए बी जी के मरीजों में घटते न्यूरॉकनिटिव ह्रास एवं इंफ्लैमैटरी प्रतिक्रिया में पेंटॉक्सी फाइलिन। डॉ. शम्भूनाथ दास। एम्स अनुसंधान निधि।

3. कोरोनरी आर्टरी रोग में इंफ्लेमेशन और ऑस्टीयोपेंटिन के बीच संयोजन। डॉ. मिनाती चौधरी। एम्स अनुसंधान निधि।

4. एन्यूरिसमल सर्जरी में इप्सीलोन एमिनोकॅपरोइक एसिड और ट्रांएक्जामिक एसिड की तुलना; बचाव एवं नैदानिक क्षमता। (एम्स अनुसंधान अनुदान) डॉ. नीति मखिजा।

विभागीय परियोजनाएं

1. फैलोट टेट्रालॉजी के लिए सर्जरी पर चल रहे मरीजों में कोइन्जाइम क्यू 10 की भूमिका।

2. फैलोट टेट्रालॉजी में सुधारात्मक सर्जरी में चल रहे मरीजों में इप्सीलोन एमिनोकैप्राइक एसिड के तीन खुराकों की तुलना।

3. कोरोनरी आर्टरी बाइपास ग्राफ्ट सर्जरी पर चल रहे मरीजों में एड्रेनकोर्टीकल स्प्रेशन पर इटोमिटेड एवं प्रोपोफोल के साथ इंडक्शन की तुलना।

4 कार्डियोपुलमैनरी बाइपास के दौरान आर्टेरियल स्विच ऑपरेशन पर चल रहे मरीजों में फिनॉक्सीबेंजामिन का प्रभाव। कार्डियोपुलमैनरी बाइपास के दौरान आर्टेरियल स्विच ऑपरेशन पर चल रहे मरीजों में फिनॉक्सीबेंजामिन का प्रभाव।

5. कांजेनीटल हृदय रोग पेडिएट्रिक रोगियों में डेक्सेटेमाइडिन पुलस केटामिन अथवा मिडाजोलम की तुलना में इंट्रानसल डेक्समीडिटोमाइडिन का हैइमोडायनैमिक प्रभाव।

6. बाई डायरेक्शनल ग्लेन सर्जरी "आफ पम्प" बनाम "ऑन पम्प" पर चल रहे मरीजों में कॉग्नीटिव कार्य।

7. कोरोनरी आर्टरी बाइपास ग्राफ्टिंग पर चल रहे लेफ्ट वेंट्रीकूलर डाइजफंक्शन के रोगियों में एनेस्थेसिया के प्रवेश पर इटोमाइडेट एवं सेवाफ्लूरेंस की तुलना।

8. सुधारात्मक सर्जरी में चल रहे फैलोट मरीजों के टेट्रोलाजी में सोनोक्लोट विश्लेषण : ट्रांइजामिक एसिड का कार्य – मार्च, 2011 में पूरा किया गया।

9. सी ए बी जी मरीजों में डेक्समिडिरोमाइडिन के दो खुराकों के प्रयोग से न्यूरोलोजीकल परिणाम और हेइमोडाइनैमिक पैरामीटर।

10. कार्डियल सर्जरी के बाद पेन मैनेजमेंट के लिए पैरास्टरनल इंटरकोस्टल्स ब्लॉक रोपीवैकाइन; सख्त एल वी डाइजफंक्शन के साथ सी ए बी जी मरीजों के लिए सेवाफ्लूरेंस और इटोमिडेट प्रवेशन का डबल ब्लाइंड रैन्डोमाइज्ड कंट्रोल्ड अध्ययन परीक्षण।

11. एन्टेरीयर मिट्रल लीफलेट लेन्थ : ह्यूमैटिक पोपुलेशन में मिट्रल वाल्व मरम्मत के लिए प्रीडिक्टर।

12. आर्टेरीयल स्विच ऑपरेशन पर चल रहे नियोनेट्स एवं शिशुओं में पश्च ऑपरेटिव एरियाथमियास के निवारण में मैग्नीशियम की भूमिका।

13. क्या कार्डियक सर्जरी करवा रहे भारतीय मरीजों पर ईरो स्कोर अनुप्रयोज्य हैं।

14. ओपन हर्ट सर्जरी करवा रहे प्रौढ़ मरीजों में सीरम कार्डिएक ट्रोपोनिन। क्रीएटिंग एम बी, लैक्टेट पीसवेट और लैक्टेट पायरुवेट अनुपात से व्युत्पन्न कोरोनरी साइनस का अल्प एवं दीर्घ अवधि प्रोग्नोस्टिक मूल्य।

15. कंस्ट्रीक्टिव पेरीकर्डिटिस के लिए पेरीकर्डिएक्टॉमी का पालन करते हुए क्रमिक हीमोडायनैमिक निर्धारण।

रक्ताधान सेवाएं

सहयोगी परियोजनाएं

1. क्रानिक क्रीटीकल लिम्ब इस्केमिया के साथ मरीजों में निवारणकारी एम्पुटेशन में ऑटोलोगस स्टेम सेल की सुरक्षा एवं क्षमता। (सर्जरी विभाग, एम्स)।
2. एच आई वी-1 के इनवेलप ग्लाइकोप्रोटीन के प्रति साइट चयनित मानव मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज का प्रोडक्शन एवं विशेषता। (क्लेड-सी) (जीव रसायन विभाग)।
3. एच आई वी-1 संक्रमण में एस डी एफ-1 और डी सी - एस आई जी एन आर पॉलीमोर्फिज्म एवं प्रकटन (जीव रसायन विभाग)।
4. बच्चों में एच आईवी-1 संक्रमण का इम्यूनोलॉजीकल एवं विशेष लक्षण - (जीव रसायन विभाग)।
5. एच आई वी-1 संक्रमण में डेन्ड्रीटिक सेलों की कार्यात्मक विशेषता (जीव रसायन विज्ञान, एम्स)।
6. एच आई वी-1 संक्रमण में डेन्ड्रीटिक सेल काउंट और साइटोकिन लेवल (जीव रसायन विभाग)।
7. स्वस्थ भारतीय प्रौढ़ों में सीरम मुक्त लाइट चेयर्स की सामान्य निर्देशन रेंज को स्थापित करना (लैब ऑनकोलॉजी, बी आर ए, आई आर सी एच, एम्स) (गैर-निधिकित)।

हृदय विकिरण विज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. ऑटोलोगस बोन मैरो व्युत्पित स्टेम सेलों की इंट्रा आर्टेरियल डिलीवरी द्वारा क्रीटीकल लिम्ब इस्वेमिया में थेराव्यूटिक एंजियोजेनेसिस का प्रवेशम। डी बी टी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निधिकित।
2. हृदय फेलियर के रैट मॉडल में आयरन ऑक्साइड लेबलयुक्त मेसेन्वेमल स्टेम सेलों की इनविवोट्रैकिंग हेतु एम आर आई। उत्कृष्ट प्रस्ताव के सेंटर के तहत निधिकित, 25 मार्च, 2008, डी बी डी, भारत सरकार।
3. टकयासु के अर्टेरीटिस में इम्युनोसुपरसैंट थैरेपी के मूल्यांकनकारी प्रतिक्रिया में 3 टेस्ला एम आर आई की उपयोगिता। एम्स अनुसंधान निधि 2010-2011 द्वारा निधिकित।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. इब्सटेइन एनोमली के मूल्यांकन एवं सर्जिकल प्लानिंग में मैग्नेटिक रिजनेंस इमेजिंग की भूमिका।
2. गैर-कार्डियक सर्जरी रोगी कोहोर्ट मूल्यांकन अध्ययन में प्रीडिक्ट संवहनी घटनाओं की कोरोनरी सी टी एंजियोग्राफी (कोरोनरी सी टी ए विजन)।
3. गेटेड सी टी एंजियोग्राफी के साथ एऑर्टिक एन्यूरिज्म साइज का वाल्यूमेट्रिक विश्लेषण और डायनैमिक निर्धारण।

पूर्ण

1. कोरोनरी आर्टेरीज के क्रोनिक टोटल ऑक्यूलशन के निर्धारण में डुआल स्रोत कंप्यूटेड टोमोग्राफी का मूल्य।
2. रिनाल रिसीपीएन्ट्स में कोरोनरी आर्टेरी कैल्सीफिकेशन और कैरोटिड इंटिमा मेडियल थिकनेस पर रिनरल ट्रांसप्लांटेशन का प्रभाव।

3. रिस्ट्रीक्टिव कार्डियोम्योपैथी (आर सी एम पी) और ई एम एफ के डाइग्नोसिस के लिए एम आर आई मापदंड के उत्तरदान हेतु क्लीनिकल विशेषताओं एवं एम आर आई विशेषताओं का अध्ययन।

4. एच वी ओ टी ओ में परक्यूटेनियस एंजियोप्लास्टी का क्लीनिकल स्पेक्ट्रम : इंटियोलॉजी और परिणाम -कोहोर्ट पूर्वव्यापी अनुवर्ती अध्ययन।

हृदय नाभिकीय चिकित्सा

जारी

1. "Tc99m एम आई बी आई मियोकार्डियल परफ्यूशन सिन्टीग्राफी से एसिम्प्टोमैटिक डायबेट्स में मियोकार्डियल इस्चेमिया का पता लगाना (2006 जारी) निधियन एजेंसी : अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी। अवधि; 4 वर्ष, निधियन 30,000 डालर।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. स्थानीय रूप से आवर्ती कैंसर सर्विक्स के प्रोग्नोस्टीकेशन एवं रिस्टेजिंग में एफ-18 एफ डी जी/सीटी की भूमिका।

2. "Tc99m टेट्रोफोसमिन गेटेड एस पी ई सी टी का प्रयोग करते हुए लेफ्ट वेंट्रीकूलर इजेक्शन फ्रैक्शन के निर्धारण के लिए इमोरी, सेडर सेनाई, 4डी एम एस पी ई सीटी, मियोमेट्रिक्स साफ्टवेयर्स की तुलना; इक्वीलिब्रीयम रेडियोन्यूक्लाइड एंजियोकार्डियोग्राफी के साथ वैधीकरण।

जारी

1. सफल यूनीवेन्ट्रीकूलर रिपेयर (फोन्टेन आपरेशन) और बाईवेन्ट्रीकूलर रिपेयर (फैलोट के टंट्रोलाजी का पूर्ण संशोधन) के बाद एक से अधिक वर्ष के स्थानोटिक कांजेनीटल हृदय रोगों से बच्चों में मियोकार्डियल परफ्यूजन अपसामान्यताएं।

2. स्थायी पेसमेकर वाले रोगियों में लेफ्ट वेंट्रीकूलर सिंक्रोनी एवं फंक्शन के मूल्यांकन में इक्सीलिब्रेयस रेडियोन्यूक्लाइड एंजियोग्राफी। राइट वेंट्रीकूलर आउटफ्लो ट्रैक्ट सेप्टम बनाम एपाइकल पेसिंग के बीच तुलना।

3. रिनाल सेल कार्सीनोमा और इसके पश्च ऑपरेटिव निगरानी के स्टेजिंग में एफ-18 एफ डी जी का कार्य।

4. स्ट्रेस रेस्ट "Tc99m टेट्रोफोसमिन मियोकार्डियल आप्लावन एस पी ई सी टी पर पेसमेकरों के साथ रोगियों में आप्लावन अपसामान्यताओं का पता लगाना; राइट वेंट्रीकूलर आउटफ्लो ट्रैक्ट सेप्टम बनाम एपाइकल पेसिंग के बीच तुलना।

5. डिलेटेड कार्डियोमियोपैथी के मरीजों में वेंट्रीकूलर डाइसिंक्रोनी के निर्धारण में इक्वीलिब्रीयम रेडियोन्यूक्लाइड एंजियोकार्डियोग्राफी पर फेज विश्लेषण की भूमिका। इकोकार्डियोग्राफी से तुलना।

6. प्राथमिक एन एस सी लंग कैंसर के मरीजों में उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन में पी ई टी - सी टी।

7. आवर्ती सर्वीकल कैंसर के उपचार मूल्यांकन में पी ई टी - सी टी।

8. फास्टिंग रोगियों में एफ-18 एफ डी जी के मियोकार्डियल अपटेक का परिवर्तनीय पैटर्न।

सहयोगी परियोजनाएं

1. हृदय धमनी रोग की गैर आक्रामक पहचान : क्रोनिक एंजिना के मरीजों में 64 सेक्शन मल्टीडिटेक्टर सी टी एंजियोग्राफी और स्ट्रेस मियोकार्डियल आप्लावन इमेजिंग (नाभिकीय चिकित्सा, कार्डियोलाजी, हृदय विकिरण विज्ञान) (2010 - जारी)।

2. माइओकार्डियम रिजनरेशन के लिए ऑटोलोगस बोन मैरो स्टेम सेलों का प्रयोग। (2006-जारी)। निधियन एजेंसी - जीव विज्ञान विभाग।

3. स्टेम सेलों की टेकनीटियम - 99m हेक्जामेकेलीन प्रोपीलीन एमाइन ऑक्साइन से लेबलिंग ("Tc99m एच एम पी ए ओ) और अंत हृदय अंतःक्षेपण के बाद माइओकार्डियम में स्टेम सेलों की होमिंग की पहचान करना (2007 - जारी) संस्थान निधिकित।

4. "तीक्ष्ण माइओकार्डियल इन्फ्रैक्शन के मरीजों में लेफ्ट वेंट्रीकूलर फंक्शन के सुधार में स्टेम सेलों की क्षमताष (2008 - जारी) संस्थान निधिकित।

5. कोरोनरी घटनाओं के मध्यवर्ती जोखिम पर मरीजों के निर्धारण में एस ई सी टी - एम पी आई एवं सी टी एंजियोग्राफी की भूमिका" - एक पायलट रैंडोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण। (2010- जारी)। निधियन एजेंसी - अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी।

6. स्थानीय रूप से विकसित ब्रेस्ट कैंसर की आरंभिक स्थिति निर्धारण में पी ई टी/सी टी की भूमिका और अभिसामयिक रूपात्मकताओं से तुलना" (दिसम्बर, 2010 में प्रस्तुत किया गया)।

स्टेम सेल सुविधा

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. माइओकार्डियल इंफ्रैक्शन एवं पार्किंसन की अव्यवस्था के मॉडल्स में मेसेन्चाइमल स्टेम सेल का प्रतिरोपण, सुजाता मोहन्ती, डी बी टी, 44.45 लाख रुपए।

2. "बॉयोकम्पोजिट स्काफोल्ड पर बोन टिस्सू इंजीनियरिंग के लिए ओस्टियोब्लास्ट में मेसेन्चीमल स्टेम सेल का 3डी विस्तारण और विभेदीकरण" डॉ. सुजाता मोहन्ती आई सी एम आर, 59,12,346 लाख रुपए।

3. ऑरल मुकोसल इंपीकेलियल स्टेम सेलों का इसोलेशन, विस्तारण और विशेषता, सुजाता मोहन्ती, संस्थान प्रोजेक्ट, 1,00,000 लाख रुपए। (30 मई, 2010)।

पूर्ण

1. मानव बोन मैरो अम्बलीकल कोर्ड ब्लड से एम एस सी का इसोलेशन एवं विस्तारण और इसके कार्डियोमाइओजेनिक एवं न्यूरोजेनिक विभेदीकरण संभावना का मूल्यांकन। सुजाता मोहन्ती, आई सी एम आर, 29.05 लाख रुपए।

सहयोगी परियोजनाएं

1. माइओकार्डियम रिजनरेशन के लिए ऑटोलोगस बोन मैरो स्टेम सेलों का प्रयोग (सी टी वी एस से)।

2. तीक्ष्ण माइओकार्डियल इन्फ्रैक्शन के मरीजों में लेफ्ट वेंट्रीकूलर फंक्शन के सुधार में स्टेम सेल की क्षमता (हृदय विज्ञान से)।

3. स्टेम सेल अनुसंधान के लिए उत्कृष्ट डी बी टी सेंटर : बेसिक और प्रतिरोपण (सी टी वी एस से)।

4. तीक्ष्ण ऑक्यूलर बर्नस के मरीजों में, जैसा कि एम्नीयोटिक मेम्ब्रनी से तुलना की गई है, कल्टीवेटेड ऑरल मुकोसल सेल्स प्रतिरोपण की क्षमता का मूल्यांकन (आर पी सेंटर से)।

5. स्टेम सेलों से प्राप्त ऑटोलोगस बोन मैरो की अंतः आर्टेलरी डिलीवरी से क्रीटीकल लिम्ब इस्वेमिया में केरापीइटिक एंजियोजिनेसिस का प्रवेश (हृदय विकिरण विज्ञान से)।

6. ड्राई ऐज रिलेटेड मैक्यूलर डिजेनरेशन एवं रेटीनिटिस पिगमेंटोसा के मरीजों के पुनर्वास के लिए ऑटोलोगस बोन मैरो प्राप्त स्टेम सेलों का प्रयोग : फेज-1 क्लीनिकल परीक्षण (आर पी सेंटर से)।

7. तीक्ष्ण इस्केमिक स्ट्रोल वाले मरीजों के लिए इन्ट्रावेनस ऑटोलोगस बोन मैरो स्ट्रोमल अथवा मोनोन्यूक्लीयर सेल्स : बहुसंस्थानिक परियोजना (न्यूरोलॉजी के साथ)।

8. क्रोनिक क्रीटिकल लिम्ब इस्कीमिया वाले मरीजों में एम्पुरेशन के निवारण में ऑटोलोगस स्टेम सेल की सुरक्षा एवं क्षमता (सर्जरी के साथ)।

9. एडल्ट रैट में पेरीफेरल नर्व रिपेयर में बोन मैरो प्राप्त प्लूरीपोटेंट सेलों की भूमिका का अध्ययन (पैथोलॉजी के साथ)।

10. स्पाइनलाइज्ड रैट्स की द्वितीय मोटर कार्यात्मक स्वास्थ्य लाभ में बोन मैरो स्ट्रोमल सेल्स प्रतिरोपण एवं मैग्नेटिक स्टीमुलेरेशनरी का प्रभाव (फिजियोलॉजी से)।

11. हृदय अकार्य के रैट मॉडल में आयरन आक्साइड लेबलयुक्त मेसेन्नीमल स्टेम सेलों के इन विवो ट्रैकिंग हेतु एम आर आई (हृदय विकिरण विज्ञान से)।

12. कोरनीयल इपीथलीयल सेल के एक्स - विवो विस्तारण के लिए मानव एम्नीयोटिक मेम्ब्रानी के वैकल्पिक सबस्ट्रेट के रूप में कार्य करने के लिए एक संभावित बायोपोबनीमर का विकास (आर पी सेंटर के साथ)।

13. ग्लीयोमा स्टेम सेलों के इम्यूइन इवेजन मैकेनिज्म में एम एच सी एवं को-स्टीमुलिटरी मोलीक्यूल्स की भूमिका का पता लगाना (न्यूरो बायोकैमिस्ट्री के साथ)।

14. माइओकार्डियल इंफारक्शन और इन्फार्क्ट रिलेटेड आर्टरी के परसिस्टेंट कुल ऑक्यूलूजन के मरीजों में स्टेम सेल थैरेपी का अध्ययन (आक्यूलेडेड आर्टीरीज उपचार में सेल थैरेपी (सी ओ ए टी) (हृदय विज्ञान के साथ)।

15. क्रोनिक इस्कैमिक स्ट्रोक में ऑटोलोगस बोन मैरो प्राप्त मोनोक्यूलर स्टेम सेलों की इंट्रावेनियस निषेचन की व्यवहार्यता एवं दक्षता का अध्ययन। स्ट्रोक स्वास्थ्य लाभ के बॉयोमार्करों के साथ क्लिनिको रेडियोलॉजीकल कोरिलेटिव अध्ययन (न्यूरोलॉजी के साथ)।

16. रैटों में स्ट्रोक के मीडिल सेरेब्रल आर्टेरीसंरोधन मॉडल में केवल मेलाटोनिन बनाम बी एम एम एन सीज के संयोजन में बोन मैरो मोनोक्यूलर सेलों का मिलान (न्यूरोलॉजी के साथ)।

17. ग्रे एवं रंजित हेयर फोलिकल से मेलनोसाइट्स के हेयर फोलिकल स्टेम सेलों की तुलना (डर्मेटोलॉजी के साथ)।

18. स्टेम सेलों की टेक्नीटीयम-99m हेक्जामेथीलीन प्रोपाइलीन एमाइन ऑक्साइन के साथ लेबलिंग (“Tc99m एच एम पी ए ओ) और अंतः कोरोनरी अंतःक्षेपण के बाद माइओकार्डियम में स्टेम सेलों की होमिंग का पता लगाना (हृदय विज्ञान के साथ)।

19. उत्तर भारतीय तृतीयक केयर सेंटर पर क्रोनिक इम्यून थ्रम्बोसाइटोपेनिक परपुरा मरीजों के जेनीटिक प्रोफाइल का अध्ययन (हिमैटोलॉजी के साथ)।

20. फ्लो साइटोमेट्री द्वारा रेटिनोब्लास्टोमा में कैंसर स्टेम सेल मार्करों का पता लगाना (आर पी सेंटर के साथ)।

21. उन्नत इन्ट्रा ऑक्यूलर रेटिनोब्लास्टोमा में क्लिनिकल विशेषताओं, इमेजिंग विशिष्टताओं और हिस्टोपैकोलाजीकल निष्कर्षों के बीच पारस्परिक क्रिया। (आर पी सेंटर के साथ)।

हृदय विकृति विज्ञान

विभागीय परियोजनाएं

1. थोरासियों एआर्टिक एन्यूरेज के सर्जीकल रूप में प्रयुक्त नमूनों का हिस्टोपैकोलाजीकल एवं मोर्फोमेट्रिक मूल्यांकन।

2. ह्यूमेटिक हृदय रोग के कारण स्ट्रीपल फाइब्रीलेशन के मरीजों में सर्जीकल रूप से प्रयुक्त लेफ्ट स्ट्रीयल एपेन्डेज की लाइट माइक्रोस्कोपीकल एवं अल्ट्रास्ट्रक्चरल विशेषताओं का हिस्टोपैथोलॉजीकल विश्लेषण।

हृदय जैव रसायन

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. बड़ी भारतीय औद्योगिक जनसंख्या में HDL_2, HDL_3 और अपोलीपोप्रोटीन ए1 का मूल्यांकन : सी ई टी पी, एल सी ए टी, हेपाटिक लियार्स और एल पी एल जीन के जेनेटिक रूपभेदों से संयोजन, डी एस टी द्वारा 3 वर्ष हेतु निधिकित (2008-2011), कुल निधि : 65 लाख रुपए।
2. ट्रांस्क्रीप्शन फैक्टर, पी पी ए आर और एस आर ई बी पी Ic के प्रकटन पर ट्रांस फैटी एसिडों का प्रभाव। 2 वर्ष हेतु निधिकित संस्थान, कुल निधि : 1.80 लाख रुपए।
3. चयनित सामान्य भारतीय फास्ट फूड मदों में ट्रांस फैटी एसिड मात्रा का आंकलन, एस आर एफ फेलोशिप, आई सी एम आर द्वारा निधिकित।

पूर्ण

1. बाल्यावस्था बॉडी मास इंडेक्श में क्रमिक परिवर्तनों और युवा प्रौढ़ता में कोरनरी आर्टेरी रोग जोखिम फैक्टरों में क्रमिक परिवर्तनों के ए पी ओ ए - वी जीन भिन्नताओं के संबंध। आई सी एम आर द्वारा 5 वर्षों के लिए निधिकित (2005-2010) कुल निधि : 35 लाख रुपए।
2. समयपूर्व सी ए डी मरीजों में और कंट्रोलों में ई पी सी सेनेसेंस पर टेलोमेयर शार्टनिंग एवं टेलोमीराज गतिविधि की भूमिका (2008-2010) डी बी टी 28 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. एडीपोज टिस्सू ट्रांस फैटी एसिड और गैर फैटल माइओकार्डियल इंफार्क्सन - केस कंट्रोल के बीच संयोजन।
2. न्यूरीसमल सर्जरी में इप्सीलोन एमिनोकैरॉइक एसिड और ट्रांइक्जामिक एसिड की तुलना : बचाव एवं नैदानिक क्षमता।
3. कार्डियोपुलमैनरी बाइपास का प्रयोग करते हुए कोरनरी आर्टेरी बाइपास ग्राफ्टिंग के बाद कम होते न्यूरोकॉगेनिटिव घटाव और इंफ्लैमैटरी प्रतिक्रिया में पेंटोक्सीफीलिन की भूमिका।
4. हृदय के काम नहीं करने पर यू के ई आई आर आई प्रक्षेपण।
5. ऑटोलोगस बोन मैरो प्राप्त स्टेल सेलों की अंतः आर्टेरीयल डिलीवरी से क्रीटीकल लिम्ब इस्कीमिया में थेराफूटिक एंजियोजेनेसिस का प्रवेश।

पूर्ण

1. संधिवात ज्वर रोग निरोधन के लिए दीर्घ क्रिया पेनीसिलीन का विकास : रोग नियंत्रण के अनुसार वर्तमान 3 सप्ताहिक अनुसूची का प्रारंभिक मूल्यांकन।
2. हृदय धमनी रोग में होमोसाइस्टिन की भूमिका : जेनेटिक एवं इपीजेनेटिक अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. रिनाल प्रतिरोपण प्रापकों में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, कारोटिड इंटिमामिडिया मोटाई और इन्डोकेलियल डाइजफंक्शन और एन- एसीटाइल सिसटीइन से थेरैपी का प्रभाव। नेफ्रोलॉजी।

2. अधिक वजन वाले बच्चों और किशोरों में एडिपोनेक्टिन सी - रिएक्टिव प्रोटीन और इंटरलिक्विन - 6 और डाइजलिपिडिमिया एवं इंसुलिन प्रतिरोध से उनका संबंध।

3. अल्जाइमर के रोग और संवहनी डिमेंटिया में आक्सीकर दाब जोखिम फैक्टरों का अध्ययन। लैब मेडिसिन।

4. कोरोनरी हृदय रोग की व्यापकता तथा एन सी आर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों में इसके जोखिम फैक्टर - एक पुनरावृत्त सर्वेक्षण। सामुदायिक मेडिसिन।

5. स्टेरॉयड प्रतिरोध नेफ्रोटिक सिन्ड्रोम में कैरोटिड इंटिमा मीडिया मोटाई के हाइपरलिपिडिमिया और प्रोगेशन में एटोरवास्टाटिन का प्रभाव। बाल चिकित्सा।

पूर्ण

1. शैशव अवस्था एवं बाल्यावस्था में प्रौढ़ इंडोकेलियल एवं बॉडी गठन में वृद्धि की व्यापकता, नई दिल्ली जन्म दस्ता। इंडोक्रीनोलॉजी।

2. ओ एस ए में मेटाबोलिक सिंड्रोम का प्रचलन और मेटाबोलिक सिंड्रोम पर ऑटो सी पी ए पी से (निरंतर सकारात्मक एयरवे प्रेसर) उपचार का प्रभाव। मेडिसिन।

3. पैराऑक्सोनेज और कोरोनरी आर्टेरी रोग के संबंध में इसके जीन रूपभेद। बॉयोकेमिस्ट्री।

अंग पुनः प्राप्ति बैंकिंग संस्था (ऑरबो)

विभागीय परियोजनाएं

1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में उपयोगीकरण के संदर्भ में सोफीस्टीकेटेड इलेक्ट्रोमेडिकल उपकरण का प्रबंधन सिस्टम का उपकरण।

2. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान अस्पताल के पोस्ट- आपरेटिव वार्डों में उपभोक्ता संतुष्टीकरण का अध्ययन।

3. एम्स में मेडिकल आई सी यू में वेंटीलेटर आबद्ध निमोनिया का प्रभाव।

4. सी टी वी एस आई सी यू की लागत।

5. एम्स से एम एच ए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अस्पताल प्रशासकों के जॉब प्रोफाइल और उपयोग का अध्ययन।

6. जे पी एन ए टी सी, एम्स में ओ टी सेवाओं की लागत।

7. दिल्ली में चुनिंदा अस्पतालों में ऑपरेशन थिएटर विसंक्रमण और जीवाणुनाशन प्रक्रियाओं का तुलनात्मक अध्ययन।

8. टेरटीयरी उपचार अस्पताल में मेडिको लीगल मामलों में टिस्सू एवं अंग दान को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन।

9. अंग एवं टिस्सू दान और प्रतिरोपण के संबंध में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के क्रीटीकल देखभाल यूनिट में कार्य कर रहे नर्सों के कार्य व्यवहार एवं विश्वास के मूल्यांकन हेतु अध्ययन।

प्रकाशन

पत्रिका : 126

सार : 12

पुस्तकों में अध्याय : 1

रोगी उपचार

हृदय वक्ष संवहनी सर्जरी

1 अप्रैल, 2010 से 31 मार्च, 2011 तक निष्पादित कुल ऑपरेशन

ओपन हृदय सर्जरी	2898
क्लोज्ड हृदय सर्जरी	1080
कुल	3978

हृदय वक्षीय एवं संवहनी सर्जरी बाह्य रोगी विभाग में 37,532 रोगी आए थे और उन्हें देखा गया था।

दो नये सर्जीकल ऑपरेटिंग कक्षों सहित नई सुविधाओं को रोगी सुविधा को सुदृढ़ बनाने के लिए शामिल किया गया था, जिसमें से एक हाइब्रिड आपरेटिंग कक्ष है, जो सर्जरी और इंटरवेन्शनल थेरेपी को मिलाकर बनता है, जिसमें अत्यंत छोटे शिशुओं की देखभाल के लिए 10 बिस्तरों का एक निइओनेटल गहन देखभाल यूनिट और एक नया सी टी 6 वार्ड है। तथापि, केवल सात आपेरेशन थियेटर (कुल नौ में से) और पांच बिस्तरे निइओनेटल आई सी यू में कार्यात्मक हैं और सी टी 8 वार्ड अतिरिक्त जनशक्ति प्राप्त होने तक आंशिक रूप से कार्यात्मक हैं। एक नया बाह्यरोगी क्लिनिक (एऑर्टिक क्लिनिक) एओर्टा की बीमारी से पीड़ित रोगियों के उपचार के लिए एक छत के नीचे बुधवार एवं वृहस्पतिवार प्रातः शुरू किया गया है।

हृदय विज्ञान

नये ओ पी डी मामले	26,774
पुराने हृदय विज्ञान मामले	71,679

रोगी सेवाएं

टी एम टी	2,048	होल्टर	2,331
इकोकार्डियोग्राफी	27,810	फेटल इकोकार्डियोग्राफी	268
ई सी जी (ओ पी डी)	30,527	एम्बुलेटरी बी पी	24
इवेंट रिकार्डर	18	हेड अप टिल्ट टेस्ट	113

कैथ लैब सेवाएं

रोगनिदान

कोरोनरी एंजियो एवं कैथ	3571

इंटरवेन्शन्स

कोरोनरी इंटरवेन्शन्स	812	मिट्रल वाल्व डिलेटेशन	284
डिवाइस क्लोजर्स	79	पेस मार्कर	204
आई सी डी/बी V /कोम्बो	57	अन्य इंटरवेंशन्स	92

रक्ताधान सेवाएं

कार्यभार, 1 जनवरी 2010 से 31 दिसम्बर, 2010

संग्रहीत रक्त यूनिटें	
प्रतिस्थापन दाता	17,228
विभाग में स्वैच्छिक दाता	222
रक्त मोबाइलों के जरिए स्वैच्छिक दाता	739
आई आर सी एस से प्राप्त रक्त	90
फैमिली स्वैच्छिक दाता	3,263
ब्लड बैंक, एम्स से प्राप्त रक्त	140
दूसरे अस्पतालों से प्राप्त रक्त	405
ऑटोलोगस	शून्य
संग्रहीत रक्त यूनिटों की कुल संख्या	**22,087**
निम्न को जारी की गई रक्त यूनिटें	
सी टी वी एस/एन एस	26053
ब्लड बैंक, एम्स	1,432
जे पी एन ए टी सी	180
आई आर सी एस	86
अन्य अस्पताल	452
एच आई वी/एच बी वी/एच सी वी/वी डी आर एल, प्रतिक्रिया, अलग की गई यूनिटें	
जारी किए गए ब्लड यूनिटों की कुल संख्या	**28,801**
लैब प्रक्रियाएं	
ब्लड ग्रुपिंग (ए बी ओ)	69,885
आर एच ग्रुपिंग	46,590
किया गया क्रॉस मैचिंग	98,426
संक्रमण मार्कर	
एच आई वी जांच	25,854
एच बी वी जांच	25,894
एच सी वी जांच	27,234
वी डी आर एल जांच	23,739
एम पी जांच	23,527
सी एम वी जांच	शून्य
एच बी वी पुष्टकारी जांच	468
कुल	**126,716**

रक्त अवयवों की कुल संख्या

फ्रेश फ्रोजन प्लाज्मा (एफ एफ पी)	17,503
प्लेटलेट कंसेन्ट्रेट	18,024
रिकवर्ड प्लाज्मा	3,824
क्रीयोप्री सी पी टेट	1,055
पैक्ड लाल रक्त सेल्स	19,342
कुल	**59,748**

विशेष प्रक्रियाएं

एकल दाता प्लेटलेट फेरेसिस	28

हृदय विकिरण विज्ञान

1 अप्रैल, 2010 से 30 मार्च, 2011 तक किए गए साइन एंजियोग्राफी की कुल संख्या

साइन फ्लूरोस्कोपी	8,152	संवहनी कैथेटर प्रक्रियाएं	7,211
अल्ट्रासाउंड/डोपलर	2,415	सी टी	1,636
एम आर आई	540		

ओ पी डी डाटा : सी टी वी एस एवं कार्डियोलॉजी के लिए नियमित एक्स-रे : 8995

पोर्टेबल	21,035	वार्ड	26,110

कार्डियक नाभिकीय चिकित्सा

सी एन सी में नाभिकीय हृदय विज्ञान यूनिट डुआल हेड एस पी ई सी टी - सी टी गामा कैमरा से सज्जित है। नाभिकीय हृदय विज्ञान यूनिट सी एन सेंटर और अस्पताल के अन्य विभागों से कार्डियन अध्ययनों के लिए भेजे गए रोगियों का ईलाज करता है। विभाग, सेंटर से ओर आई आर सी एच से कीमोथैरेपी प्राप्त रोगियों में कार्डियक मूल्यांकन हेतु भेजे गए सी ए डी रोगियों में लेफ्ट वेंट्रीकूलर फंक्शन के निर्धारण हेतु एम यू जी ए अध्ययन भी पूरा करता है। हम माइओकार्डियल जीवनक्षमता के निर्धारण के लिए एन-13 एन एच 3 आप्लावन और एफ-18 एफ डी जी ग्लूकोज मेटाबोलिक अध्ययनों से कार्डियक पी ई टी इमेजिंग को भी पूरा करते हैं।

नाभिकीय हृदय विज्ञान में जांच की गई रोगियों की कुल संख्या

माइओकार्डियल आप्लावन अध्ययन	1239	एम यू जी ए अध्ययन	1215
कार्डियक पी ई टी	55	विविध (वी/क्यू स्कैन, प्रथम पास)	24
निष्पादित कुल अध्ययन	2533		

स्टेम सेल सुविधा

क्रम सं.	**प्रस्तावित सेवाएं**	**संख्या**
1	विभिन्न नैदानिक परीक्षणों के तहत स्टेम सेल प्रतिरोपण	123
2	लिम्बल स्टेम सेल प्रतिरोपण	15

3	ऑरल म्युकोसल प्रतिरोपण	12
4	हेयर फालीकल - विटीलीगो में बाह्य मार्ग शीथ सेल्स ट्रांसप्लांट	30
5	विटीलिगो में स्किन स्टेम सेल विभेदीकृत मेलनोसाइट्स का प्रतिरोपण	03
6	कॉर्ड ब्लड स्टेम सेल क्राइयोपरिजर्वेशन	12
7	मलिगनेंट बीमारी के लिए बोन मैरो क्राइयोपरिजर्वेशन	06
8	बोन मैरो व्युत्पन्न एम एन सी क्राइयोपरिजर्वेशन	20

उपलब्ध सुविधाएं

1	स्टेम सेल आइसोलेशन	
2	फ्लो साइटोमेट्री द्वारा स्टेम सेल इनूमिरेशन	
	(क) जी - सी एस एफ रोगियों के लिए सी डी 34/55 इनूमिरेशन	14
	(ख) डी सी एम और एम आई रोगियों के लिए सी डी 3/4/6/8 और सी डी 34/45	29
	(ग) एम एस सी प्रतिरोपण के लिए सी डी 105/73/90/29, सी डी 34/45 और एच एल ए I और II	07
3	स्टेम सेलों का क्राइपोपरिजर्वेशन	
4	स्टेम सेलों का कल्चर एवं विस्तारण	

हृदय विकृतिविज्ञान

नमूने

नियमित	237 मामले	अनुसंधान	98 मामले

स्लाइड्स कोटेड

पॉली एल लाइसाइन **20,256 स्लाइड्स**

अन्य

इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री	102 मामले	निर्देशन ब्लॉक	29 मामले
फ्रोजन	5 मामले	एच एवं ई	127 मामले
विशेष स्टेन	6 मामले		

हृदय जैव रसायन

रोगियों के लिए, जिसमें निम्न शामिल हैं, कार्डियक जैव रसायन लैब में की जा रही जांचे :

1. नियमित रसायन : प्लाज्मा ग्लूकोज, यूरिया, क्रीयटीनाइन, यूरिक एसिड, कैल्शियम, फॉसफोरस, सेटल प्रोटीन, अल्बूमिन, एस जी ओ टी, एच जी पी टी, अल्कालाइन फॉसफोरस, एमीलेज, इलेक्ट्रोलाइट्स।
2. नियमित हिमैटोलाजी : हिमोग्लोबिन, डब्ल्यू बी सी, विभेदी काउंट्स, प्लेटलेट्स और ई एस आर।
3. स्कंदन : पी टी, ए पी टी टी, एफ डी पी, प्रोटीन सी और प्रोटीन एस, फाइब्रीनोजेन।
4. कार्डियक मार्कर्स : सी के, सी के - एम बी, एल डी एच, ट्रोपोनिन 1 एवं बी एन पी।

5. लिपिड्स : कोलेस्ट्रोल-टोटल, कोलेस्ट्रोल - एच डी एल, कोलेस्ट्रोल एल डी एल, कोलेस्ट्रोल - वी एल डी एल, ट्रीग्लाईसेरीडेस, लिपोप्रोटीन (ए); अपो (ए), अपो (बी), छोटा डेंस एल डी एल, फैटी एसिड।

6. औषधि : डायगोक्सिन, साइक्लोस्सपोरिन

7. थाइरॉयड हार्मोना टी$_3$ टी$_4$ टी एस एच

8. ए एस एल ओ

9. सी आर पी

10. होमोसिस्टीइन

11. वीटामिन बी 12 और फोलेट

12. आर ए फैक्टर

13. कैचोलैमान्स (प्लाज्मा और यूरिन) वी एम ए

14. ग्लाइकोसाइलेटेड हिमोग्लोबिन

15. इंसुलिन

हृद तंत्रिका केंद्र

सी एन सेंटर में रोगी उपचार, अस्पताल ओं में रोगी सुरक्षा एवं लागत नियंत्रण प्रदान करने के लिए तथा रोगी उपचार सेवाओं में गुणता देखभाल मानक लाने के लिए विभिन्न विभागों के प्रशासनिक समर्थन के प्रावधान से घनिष्ठ रूप से जुड़ा है।

- बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन प्रक्रिया एवं मॉनीटरिंग को सरल एवं कारगर बनाने के लिए पहल शुरू की गई थी।
- भिन्न रोगी उपचार क्षेत्रों को नवीनकृत किया गया था :(i) कार्डियक कैथ लैब (ii) न्यूरोसर्जरी वार्ड (एन एस-4), (iii) बाल चिकित्सा हृदय विज्ञान वार्ड (सी टी 6), (iv) सी एन सी ओ पी डी नवीनीकरण प्रक्रियाधीन है और अत्याधुनिक न्यूरोसर्जरी सेमीनार कक्ष और न्यूरोसाइंस सेंटर पर टेलीमेडिसिन सुविधा।
- अल्पाहार गृह और कार्डियक सी सी यू का नवीनीकरण प्रक्रियाधीन है।
- सेटेलाइट टेलीविजन और सी एन टॉवर में वाई-फाई इंटरनेट कनेक्शन के लिए प्रावधान प्रकियाधीन है।
- सी एन सेंटर से मर्करी आधारित उपकरणों आदि को चरणबद्ध करना।
- सी एन सेंटर ओ पी डी का कम्प्यूटरीकरण प्रक्रियाधीन है।
- सी टी सी के पैकेज प्रभारों का पुनरीक्षण प्रक्रिया में है।
- सी एन सेंटर और एम्स में विभिन्न समितियों के सदस्य।
- सी एन सेंटर में वी वी आई पी देखभाल के लिए समन्वय।

अंग पुनःप्राप्ति बैंकिंग संस्था (ओ ऑरबो)

- अंग पुनःप्राप्ति बैंकिंग संस्था (ओ आर बी ओ), अंग एवं टिस्सू दान एवं प्रतिरोपण में समन्वय करता है। इसके अलावा, संपूर्ण बॉडीज को भी चिकित्सा शिक्षा को सुकर बनाने के लिए ओ आर बी ओ के जरिए डोनेट किए गए थे। पिछले एक वर्ष में 2521 व्यक्तियों ने ओ आर बी ओ की प्रेरणा पर अंग दान का वचन दिया था।
- माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री गुलाम नबी आजाद ने उन दानकर्ताओं को सुविधा प्रदान की जिन्होंने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 27-28 नवम्बर, 2010 को छठे विश्व समारोह और प्रथम अंग दान दिवस के अवसर पर मृत्यु के बाद अपने अंगों एवं टिस्सूओं को दान किया।

- एक पुस्तक "जीवन को श्रद्धांजलि" प्रकाशित की, जिसमें अंग एवं टिस्सू दाताओं की कहानियां निहित हैं।
- सी आर पी एफ की 88वीं (महिला) बटालियन ने मृत्यु के बाद 8 मार्च, 2011 को नई दिल्ली में ओ आर बी ओ को अंग एवं टिस्सू दान का वचन दिया।
- जागरूकता सृजित करने के लिए एम्स और ट्रॉमा सेंटर के विभिन्न स्थानों में ओ आर बी ओ के प्रदर्शन बोर्ड लगाए गए थे।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

हृदय वक्ष संवहनी सर्जरी

आचार्य बलराम ऐरन को 25-27 नवम्बर, 2010 को 10वें अंतर्राष्ट्रीय सर्जीकल सोसायटी सम्मेलन, काठमांडु, नेपाल के दौरान बी एल थापा, व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था; स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय द्वारा हृदय प्रतिरोपण के लिए प्रत्यापन हेतु निरीक्षण करने के लिए नामित किया गया था और उन्होंने इसे तीन संस्थानों में संचालित किया : (क) पांडिचेरी चिकित्सा विज्ञान संस्थान, पांडिचेरी (ख) फोर्टिस एस्कॉर्ट हृदय संस्थान, नई दिल्ली और (ग) सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली; 5 मार्च, 2011 को एम सी आई द्वारा महत्मा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अनुसंधान संस्थान को निरीक्षण को पूरा करने के लिए नियुक्त किया गया था; हृदय विज्ञान/हृदय शल्य चिकित्सा में विशेष के रूप में नियुक्त किया गया था और शास्त्री भवन, नई दिल्ली में 16 नवम्बर, 2011 को चयन समित की बैठक में भाग लिया; 27-28 नवम्बर, 2010 को विज्ञान भवन में स्वास्थ्य सेवा निदेशालय एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित छठे विश्व एवं प्रथम भारतीय अंग दान दिवस में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया; एम सी आई द्वारा इंदिरा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, शिमला में एम सी एच (सी टी वी एस) पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए निरीक्षण पूरा करने हेतु नियुक्त किया; 26 फरवरी, 2011 को पी जी आई एम ई आर में आचार्य/सहायक आचार्य का चयन करने हेतु चयन समिति की सहायता करने के लिए नियुक्त किया।

आचार्य एस. के. चौधरी को राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के सी टी वी एस में विशिष्ट सलाहकारी बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया था।

आचार्य यू. के. चौधरी को पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता में एम सी एच (कार्डियोथोरासिक एवं संवहनी शल्य चिकित्सा) में परीक्षक नियुक्त किया गया था।

डॉ. सचिन तलवार को 7-11 मई, 2010 को टोरोन्टो, कनाडा में अमेरीकन वक्षीय शल्य चिकित्सा संस्था के 90वें वार्षिक बैठक में ग्राहम रिसेपशन में भाग लेने के लिए 56वें ग्राहम अध्येता के रूप में आमंत्रित किया था : 25-28 जनवरी, 2011 के बीच रेनो, नेवादा, यू एस में अमेरीकन क्लिनिकल आप्लावन अकादमी के वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया और प्रतिष्ठित चार्लेस रीड मेमोरियल व्याख्यान दिया।

वी. पी. गुप्ता, अधीक्षक, फिजियोथैरेपिस्ट को स्नातकोत्तर अध्ययन और फिजियोथैरेपी में अनुसंधान संबंधी बोर्ड में बाहरी विशेषज्ञ नियुक्त किया गया था; गुरू जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय - हिसार, फिजियोथैरेपी में स्नातक पूर्व शिक्षा बोर्ड का सदस्य; पंडित बी. डी. शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय रोहतक, चयन समिति का सदस्य; फिजियोथैरेपी में आचार्य सह-आचार्य तथा सहायक आचार्य के चयन हेतु डी ए वी महाविद्यालय प्रबंधन समिति, मानव आचरण एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान की तकनीकी मंजूरी समिति संस्थान, दिल्ली का सदस्य।

डॉ. नेहा नितिन गोयल और डॉ. रूचिका टुटेजा, जूनियर फिजियोथैरेपिस्टों को बाहरी परीक्षक नियुक्त किया गया था।

हृदय विज्ञान

आचार्य वी. के. बहल को यूरोपीयन हृदय विज्ञान संस्था (ई एस सी) की अधि-सदस्यता प्रदान की गई थी; एशियन हृदय पत्रिका के सह सम्पादक, जो बी एम जे ग्रुप का प्रकाशन।

आचार्य अनिता सक्सेना को भारतीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी 2010 की अध्येता प्रदान किया गया था; बाल चिकित्सा हृदय विज्ञान, वैरायटी चिल्ड्रेन हृदय सेंटर, विनीपेग का अभ्यागत आचार्य।

आचार्य एस. एस. कोठारी, भारत के बाल चिकित्सा कार्डियक संस्था के उप अध्यक्ष थे; बाल चिकित्सा हृदय विज्ञान के व्याख्यान के सम्पादक थे; सम्पादकीय बोर्ड, जे ए सी सी इमेजिंग एवं बाल चिकित्सा कार्डियोलाजी के सदस्य थे; कांजेनीटल हृदय रोग पर कार्य बल पी वी आर आई कार्यसमूह के सदस्य थे।

आचार्य बलराम भार्गव को भारत के प्रधानमंत्री द्वारा 98वें भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस, चेन्नई, 2011 में एस एन बोस जन्म शताब्दी पुरस्कार प्रदान किया गया था; हृदय संवहनी विज्ञान एफ आई ए सी एस, 2010 का अंतर्राष्ट्रीय अकादमी; इंडो- यूएस अक्षय निधि बोर्ड, जो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में संयुक्त अनुसंधान विकास, नवीनीकरण, ठेकेदारी और वाणिज्यिकरण कार्यकलापों के लिए अक्षय निधि है; विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री (भारत का प्रतिनिधित्व सदस्य), 2010 द्वारा नियुक्त; भारत, 2010 के लिए वहनीय स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए आर एवं डी पर स्वागत ट्रस्ट डी बी टी पहल।

आचार्य के. सी. गोस्वामी भारतीय कार्डियोलाजीकल संस्था, दिल्ली शाखा, 2010 के सचिव थे।

डॉ. एस. मिश्रा को भारतीय कार्डियोलाजीकल संस्था का सदस्य, कार्यकारी समिति चुना गया था।

डॉ. जी. कार्तिकेयन, सी आई एच आर - कनाडा होप स्कॉलर 2008-12 थे।

डॉ. एस. रामाकृष्णनन को दिल्ली सी एस आई, 2010 के बेहतर पेपर के लिए "सुजॉय की राय" पुरस्कार प्रदान किया गया था; बाल चिकित्सा हृदय विकास व्याख्यान के सहायक सम्पादक; बाल चिकित्सा भारतीय कार्डियक संस्था का खजांची नियुक्त किया गया था।

डॉ. बी. बी. कुकरेती को सी एस आई, 2010 के दौरान बेहतर इको पेपर के लिए "नंदा पुरस्कार" प्रदान किया गया था और डॉ. नवरीत सिंह को दिल्ली सी एस आई, 2010 के बेहतर पेपर के लिए "कर्नल के एल चोपड़ा पुरस्कार" प्रदान किया गया था।

हृदय संवेदनाहरण

आचार्य ऊषा किरन ने 19 दिसम्बर, 2010 को लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज में डॉ. केसवानी व्याख्यान दिया; "प्राण" के उप अध्यक्ष बने हुए हैं; पार्किसन रोग से संबंधित जागरूकता नेटवर्क; बायोसाइंस के जे के सम्पादकीय बोर्ड सदस्य।

आचार्य संदीप चौहान एनेस्थेसिया और बाल चिकित्सा कार्डियोलाजी व्याख्यान में अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पत्रिका के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य थे।

डॉ. नीति मखीजा के बेहतर पेपर पुरस्कार सरूप्रिया ए, सेठी बी एच, मखीजा एन, कपूर पी एम, ट्रांसीसोफाजीयल इकोकार्डियोग्राफी के लिए प्रदान किया गया था; 25-27 फरवरी, 2011 पी जी आई, चंडीगढ़ में 5वें वार्षिक परऑपरेटिव एवं क्रीटीकल केयर ट्रांसीसोफाजीयल इकोकार्डियोलाजी कार्यशाला में वालसल्वा के प्रफूटित साइनस के ट्रांसकैथटर यंत्र क्लोजर के लिए अभिमंत्रित किया था; 25-27 फरवरी, 2011 को चंडीगढ़ में पांचवां वार्षिक पेरीऑपरेटिव एवं क्रीटीकल केयर ट्रांसीसोफाजीयल इकोकार्डियोलाजी कार्यशाला में गैर कार्डियल शल्य- चिकित्सा स्थापना में "ट्रांसीसोफाजीयल इकोकार्डियोग्राफी" सत्र की अध्यक्षता।

डॉ. पूनम मल्होत्रा कपूर को एनेस्थेसियोलाजी क्लिनिकल फार्माकोलाजी की पत्रिका के सम्पादकीय बोर्ड का सदस्य नामित किया गया था; फरवरी, 2012 में नई दिल्ली में आयोजित किए जाने वाले आई ए सी टी ए की 15वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए आयोजक सचिव नियुक्त किया गया था; 18-20 फरवरी, 2011 को बंगलौर में 14वें वार्षिक सम्मेलन में "वयोवृद्ध कार्डियक रोगियों में मुद्दे" और "कार्डियक एनेस्थेसिया में री-इंजीयनीयरिंग" पर वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता।

डॉ. मिनाती चौधरी कार्डियक एनेस्थेसिया के आरथान भारतीय एनेस्थेसिया पत्रिका की पुनरीक्षा बोर्ड सदस्या थी; पोस्ट स्टेंटिंग टी ए पी वी सी प्रबंधन के लिए अप्रैल, 2010 में 49वें राष्ट्रीय सम्मेलन आई एस ए में बेहतर पोस्टर पुरस्कार जीता; सितम्बर, 2010 में तीसरे ए ओ ए, शिलांग में पुरस्कार पेपर सत्र में न्यायाधीश थे।

डॉ. पराग घारड़े ने अक्तूबर, 2010 में शिरडी में रिपैराबीलिटी एवं प्रशिक्षित कार्डियक एनेस्थेसियोलाजिस्ट एवं कार्डियक शल्य चिकित्सकों के लिए मिट्रल वाल्व निर्धारण हेतु टी ई ई के इंट्राऑपरेटिव प्रयोग पर "श्री साईबाबा अस्पताल" में लाइव कार्यशाला संचालित की।

रक्ताधान सेवाएं

डॉ. अंजली हजारिका दिल्ली में मॉडल ब्लड बैंक के लिए उपकरण, किट्स/रिएजेंट्स एवं खपतयोग्य वस्तुओं के प्रापण हेतु राज्य एड्स कंट्रोल संस्था की तकनीकी मूल्यांकन टीम में तकनीकी विशेषज्ञ थीं।

हृदय विकिरण विज्ञान

आचार्य संजीव शर्मा ने 17-18 जुलाई, 2010 के दौरान टी आई एफ ए सी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, के मिशन आर ई ए सी एच कार्यक्रम के तहत अंतर्राष्ट्रीय विकिरण विज्ञान में "टी आई एफ ए सी सी ओ आर ई के छठे रीच मॉनीटरिंग समिति बैठक में भाग लिया; जून, 2010 में इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज, शिमला के लिए एम डी (रेडियोडाइग्नोसिस) के लिए बाह्य परीक्षक थे; हृदय संवहनिका एवं इंटरवेन्सनल विकिरण विज्ञान (यूरोपीयन हृदय संवहनिका एवं इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान संस्था की सरकारी पत्रिका) का सम्पादक नामित किया गया था; संवहनी एवं इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान (उत्तरी अमेरीकन इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान संस्था की सरकारी पत्रिका) की पत्रिका का सह-सम्पादक नामित किया गया था; भारतीय संवहनी एवं इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान संस्था के तत्वाधान में संवहनी एवं इंटरवेंशनल रेडियोलाजीकल प्रक्रियाओं की वार्षिक रजिस्ट्री के लिए राष्ट्रीय समन्वयक नामित किया गया था; भारतीय संवहनी एवं इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान संस्था के अनुसंधान एवं शिक्षा फाउंडेशन का अध्यक्ष नामित किया गया था।

स्टेम सेल सुविधा

डॉ. सुजाता मोहन्ती को महिला वैज्ञानिक बायो सी ए आर ई, बॉयोटैक्नोलाजी विभाग, नई दिल्ली के लिए बॉयोटैक्नोलाजी कैरीयर एडवांसमेंट एवं रिऑरिएंटेशन प्रोग्राम की विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया था; स्टेम सेल अनुसंधान एवं थैरेपी, मेदान्ता - दि मेडिसिटी गुड़गांव के लिए संस्थानिक समिति का सदस्य नामित किया गया था। इंडो आस्ट्रेलियन बॉयोटेक्नोलाजी निधि, 2011, बॉयोटेक्नोलाजी विभाग, नई दिल्ली के परियोजना मूल्यांकन समिति (पी ए सी) में विशेषज्ञ सदस्य नामित किया गया था; आचार्य जुलियो वोल्टेरेली, ब्राजील द्वारा "ऑटोइम्यून रोग संबंधी स्टेम सेल थैरेपीज" पर एस वाई एस कार्यकारी समिति व्याख्यान के सहयोग से आयोजित।

अंग पुनः प्राप्ति बैंक संस्था (ओ ऑरबो)

विभिन्न गैर सरकारी संगठनों, स्कूलों और महाविद्यालयों, आदि के साथ जागरूकता कार्यकलाप आयोजित किए। अंग एवं टिस्सू डोनेशन के विषय को उन्न्त बनाने के लिए विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के साथ सहयोग। ग्रीफ काउंसलरों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अंग डोनेशन एवं प्रतिरोपण कोऑडोनेशन पर उन्नयनकारी प्रोग्राम विज्ञान निष्णात नर्सिंग विद्यार्थियों को प्रदान किया गया।

डॉ. ए. विज ने 14-18 फरवरी, 2011 के दौरान राष्ट्रीय प्रतिरोपण संगठन, मैड्रिड, स्पेन का प्रशिक्षण दौरे के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के मंत्रालयीय प्रतिनिधि के रूप में प्रतिनिधित्व किया; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, भारत सरकार द्वारा एच एल एल लाइफ केयर लिमिटेड संबंधी बोर्ड पर गैर सरकारी अल्पकालिक निदेशक नियुक्त किया; 27 नवम्बर, 2010 को इंडिया हैबीटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित छठे विश्व एवं प्रथम भारतीय अंग डोनेशन दिवस (डब्ल्यू ओ डी डी) के दौरान श्री गुलाम नबी आजाद माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली से ओ आर बी ओ के लिए "फलक मूल्यांकन" प्राप्त किया; डॉ. आर. के. श्रीवास्तव, महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से 27-28 नवम्बर, 2010 के दौरान निर्माण भवन, नई दिल्ली में छठे विश्व एवं प्रथम भारतीय अंग डोनेशन दिवस (डब्ल्यू ओ डी डी) के लिए विस्तारित सदी प्रयास एवं सहयोग के लिए सराहना पत्र प्राप्त किया; 9 जून, 2010 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पर संसदीय स्थायी समिति द्वारा मानव अंग प्रतिरोपण (संशोधन) विधेयक, 2009 को जांच के लिए आमंत्रित विशेषज्ञ; भारतीय अंग प्रतिरोपण संस्था (आई एस ओ टी), 2010-2012 के चयनित कार्यकारी सदस्य।

10.2 राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र

आचार्य एवं अध्यक्ष

रजत रे

आचार्य

राका जैन　　राकेश लाल　　मीरा वासवानी

अपर आचार्य

अंजू धवन

सह - आचार्य

सोनाली झांजी　　अतुल अम्बेकर

सहायक आचार्य

एन. काव

वैज्ञानिक

अनिता चौपड़ा　　हेम सेठी

शिक्षा

स्नातक पूर्व : मनोचिकित्सा विभाग में अपनी तैनाती के दौरान उन्हें एन डी डी सी सी में एक दिन के लिए तैनात किया गया है।

स्नातकोत्तर : रेजीडेंट्स, जो एम डी कर रहे हैं, को उनके संपूर्ण पाठ्यक्रम अवधि के दौरान 6 महीने के लिए तैनात किया गया है।

पी एच डी और स्नातकोत्तर शिक्षण: *पत्रिका चर्चा-साप्ताहिक; *सेमीनार - साप्ताहिक ; *मामला सम्मेलन - साप्ताहिक; *संकाय/स्टाफ प्रस्तुतीकरण - साप्ताहिक; *सी सी आर और सी जी आर, प्रत्येक स्मेस्टर में दो; सेमीनार - साप्ताहिक (एन डी डी टी सी, गाजियाबाद में)।

(*मनोचिकित्सा विभाग और एन डी डी टी सी का संयुक्त कार्यकलाप)।

क्रमिक चिकित्सा शिक्षा

सम्मेलन, कार्यशाला, सेमीनार, विचारगोष्ठी, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

1. "कारावास व्यवस्थानों में अव्यवस्थाओं का कम प्रयोग" पर वार्षिक दिवस विचारगोष्ठी, एन डी डी टी सी, एम्स, गाजियाबाद, 13 अप्रैल, 2010 ।
2. डेनमार्क से नर्सिंग विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय अभिविन्यास, एन डी डी टी सी, एम्स, गाजियाबाद, 20 जुलाई, 2010 ।
3. "पदार्थ दुरूपयोग में कोमोर्बिडिटी" पर नर्सों का इन हाउस प्रशिक्षण, एन डी डी टी सी, एम्स, गाजियाबाद, 9 दिसम्बर, 2010 ।
4. जनरल ड्यूटी चिकित्सा अधिकारियों का प्रशिक्षण, एन डी डी टी सी, गाजियाबाद, 23 मार्च, 2011 ।

इसके अतिरिक्त, नेपाल, मिजोरम और पंजाब से विद्यार्थियों को अल्प अवधि प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए सेंटर।

सी एम ई/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 36

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. विषम कार्यस्थल व्यवस्थानों में एल्कोहल के इस्तेमाल को दूर करना। पी-I : रजत रे । विश्व स्वास्थ्य संगठन (भारत) द्वारा (2010 जारी) के लिए निधिकित। निधि : 4.6 लाख रुपए।
2. डिगबोई, असम में ड्रग एवं एल्कोहल के इस्तेमाल का त्वरित स्थिति निर्धारण। पी-I : रजत रे । (2010 जारी) के लिए भारतीय तेल निगम लिमिटेड द्वारा निधिकित। निधि : 3.5 लाख रुपए।
3. तिहाड़ जेलों में ऑरल प्रतिस्थापन उपचार पी-I : सोनाली झांजी। (अक्तूबर 2008- जारी) के लिए यू एन ओ डी सी - आर ओ एस ए द्वारा निधिकित। निधि : 0.5 लाख रुपए।
4. स्वापक आश्रिता के रोगियों में योगा की प्रभावकारिता। पी-I : अंजू धवन। आयूष स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा निधिकित, (2010 - जारी)। निधि : 8 लाख रुपए।
5. एल्होकल निर्भरता की आण्विक आनुवंशिकता : डोपैमीनेर्जिक एवं सिरोटोनेर्जिक पाथवे जीनों में पॉलीमोर्फिज्म का सहयोग। पी-I : मीरा वासवानी। आई सी एम आर द्वारा दो वर्ष के लिए (2008-10) निधिकित। निधि : 15 लाख रुपए।
6. दिल्ली जिला स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रमों का सहयोग एवं अभिसरण तथा स्कूली बच्चों को छोड़ अन्य के लिए औषध प्रयोग इंटरवेंशन, पी-I : रजत रे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (भारत) द्वारा 9 महीने (2010-11) के लिए निधिकित। निधि : 7 लाख रुपए।
7. वस्तु इस्तेमाल अव्यवस्थाओं के उपचार पर चिकित्सा वृत्तिकों का राष्ट्रीय क्षमता निर्माण। पी-I : रजत रे। एन एफ डी ए सी, रक्षा मंत्रालय (2010 - जारी) द्वारा निधिकित। निधि : 228.7 लाख रुपए।
8. सरकार, एन जी ओ और निजी क्षेत्र से डि-एडिक्शन सेवाओं का एक नेटवर्क विकसित करना। पी-I : रजत रे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (भारत) द्वारा 9 महीने (2010-11) के लिए निधिकित। निधि : 16 लाख रुपए।
9. धुंआरहित तम्बाकू के इस्तेमाल के लिए वेयरनिकलाइन की क्षमता। पी-I : राका जैन। औषध दुरूपयोग पर राष्ट्रीय संस्थान (भारत) द्वारा निधिकित, एन आई एच यू एस ए (2011- जारी) के लिए।

पूर्ण

1. ब्यूप्रीमोर्फिन के साथ ऑरल प्रतिस्थापन उपचार। पी-I : अजू धवन। यू एन ओ डी सीस - आर ओ एस ए, नई दिल्ली द्वारा 5 वर्ष के लिए (2005-10) निधिकित। निधि : 13 लाख रुपए।
2. एडनॉक - एन (ब्यूप्रीनोर्फिन और नैलोक्सोन का मिश्रण) की पोस्ट मार्केटिंग निगरानी। पी-I : रजत रे। रूशन फार्मा द्वारा 3 वर्ष (2007-2010) के लिए निधिकित। निधि : 10 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. भारत में एल्होकल प्रयोग की समस्या पर एक वेब पोर्टल का विकास।
2. निट्रिक ऑक्साइड सिन्थेस इन्हीबीटर एल - एन एन ए का मोर्फिन उपचारित रैटों में नैलोक्सोन द्वारा उत्पादित ऑयरेंट डिक्रीमेंट के संवेदनीकरण पर प्रभाव।

3. ए एन के के I पॉलीमोर्फिज्म और निकोटीन निर्भरता का संयोजन : एक अग्रगामी अध्ययन।

4. डिटोक्सीफाइड विषयों के प्लाज्मा नमूनों से नैलट्रेक्सोन आंकलन।

पूर्ण

1. यूरीन विश्लेषण पर आधारित एल्कोहल एवं स्वापक आश्रित विषयों में निर्धारित बेंजोडायजेपिन्स का अनुपालन।

2. मनोचिकित्सा सेवा से गुजरने वाले विपोलर डिसऑर्डर के मरीजों में स्वतः सूचित तम्बाकू प्रयोग की वैधता।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. पुलमोनरी क्षयरोग के समीयर पॉजीटिव मरीजों में परिणामों पर गहन स्मोकिंग अवसान दखल बनाम अनुशंसित बेसिक स्मेकिंग अवसान सलाह के पैकेज का प्रभाव; एक रैन्डोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण (मेडिसिन विभाग के साथ : शर्मा एस, अलादी एम, झांजी एस)। ई यू एफ पी 7 कार्यक्रम यूरोपीयन कमीशन द्वारा निधिकित।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 8

पुस्तकों में अध्याय : 9

रोगी उपचार

सामान्य सूचना

1.	बिस्तरों की कुल संख्या	50
2.	सामान्य वार्ड बिस्तरे	50
3.	प्राइवेट वार्ड बिस्तरे	शून्य
4.	ओ पी डी उपचार	69220
5.	दाखिलेक	754
6.	उपचारमुक्त	751
7.	अधिग्रहित बिस्तरों का औसत प्रतिशत	52%
8.	छूट प्राप्त भर्ती शुल्कक	149

ओ पी डी और कॉम्यूनिटी क्लीनिक परिचर्या (एन डी डी टी सी)	**नये मामले**	**पुराने मामले**	**कुल**
ओ पी डी			
सामान्य ओ पी डी	3286	33905	37191
विशिष्ट क्लीनिक			
तम्बाकू प्रयोग अवसान क्लीनिक	31	729	760
एडोलिसेंट क्लीनिक	24	103	127
डायग्नोसिस क्लीनिक	22	192	214
कुल ओ पी डी	3363	**34929**	**38292**

सामुदायिक क्लीनिक

त्रिलोकपुरी सामुदायिक क्लीनिक	123	21198	21321
मोबाइल क्लीनिक सुन्दर नगरी	28	6279	9607
कुल योग	**3514**	**65706**	**69220**

जैवरसायन प्रयोगशाला

बॉयोकैमिकल परीक्षण	1811
हिमैटोलॉजीकल परीक्षण	6129
एच आई वी जांच	420 (नेगेटिव : 345, पॉजिटिव : 59, प्रतीक्षित : 60)

औषध परीक्षण

क्र.सं.	**औषध**	**संख्या**
1	मोर्फिन जांच	3247
2	कोडिइन जांच	3041
3	ब्यूप्रीनोर्फिन जांच	2853
4	प्रोक्सीवोन जांच	2863
5	एविल जांच	2738
6	नैल्ट्रोक्ट्रोसोन जांच	44
7	पैन्टोजोसाइन जांच	42
8	नेलोक्सोन जांच	338
9	डायजेपस जांच	3092
10	निट्राजेपम जांच	3092
11	क्लोरडायजेपम जांच	3092
12	केननाबिस जांच	513
13	कॉन्टीनाइन जांच	562
14	इन्हैलेन्ट्स	30
मूत्र में जांच की गई औषधियों की कुल संख्या		**25547**

पुरस्कार एवं सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाक्रम

आचार्य रजत रे को औषध आश्रिता एवं एल्कोहल समस्या (2010-12) पर तथा अंतर्राष्ट्रीय स्वापक नियंत्रण बोर्ड (आई एन सी बी) और ई-स्वास्थ्य पोर्टल एवं एल्होकल एवं ड्रग दुरूपयोग प्रोजेक्ट की डब्ल्यू एच ओ कार्य दल बैठक पर डब्ल्यू एच ओ विशेषज्ञ सलाहकारी बोर्ड का सदस्य नामित किया गया था। उन्होंने वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित स्वापक औषधिक एवं साइकोट्रोपिक पदार्थों (1-2 फरवरी, 2011) पर मसौदा राष्ट्रीय नीति पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "औषध दुरूपयोग, उपचार एवं पुनर्वास" सत्र की अध्यक्षता की।

आचार्य राका जैन ने "2010 एन आई डी ए अंतर्राष्ट्रीय मंच; औषध दुरूपयोग अनुसंधान नीति और स्कॉटलैंड, यू एस ए में पब्लिक गुड एवं सी पी डी डी 72 वार्षिक वैज्ञानिक बैठक के लिए नीदा अंतर्राष्ट्रीय ट्रेवल पुरस्कार प्राप्त किया। उन्होंने "अल्टरनेटिव मैट्रिक्स; क्षेत्रीय विचार एवं भावी निर्देशन; तथा गोवा में (20-21 फरवरी, 2011) चिकित्सा पद्धति में चिकित्सा लापरवाही पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "फोरेंसिक विज्ञान, मेडिसिन और टोक्सिकोलोजी में नवीनतम प्रगतियां" सत्रों की अध्यक्षता कीं और नोएडा में (25-30 अक्तूबर, 2010) लीगल मेडिसिन एवं फोरेंसिक विज्ञान पर 10वें इंडो पेसीफिक कांग्रेस में फोरेंसिक टेक्सिकोलोजी पर सत्रों की अध्यक्षता की। वह दिल्ली विश्वविद्यालय के पी एच डी शोध-प्रबंध हेतु परीक्षक है।

आचार्य राकेश लाल, यू एन ओ डी सी द्वारा आयोजित औषध दुरूपयोग (24 जून, 2010) के प्रति अंतर्राष्ट्रीय दिवस में विशेष आमंत्रिती थे; आई एन सी बी सदस्यों तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के कर्मचारियों, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय तथा वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के कर्मचारियों के साथ इस संबंध में (13-17 दिसम्बर, 2010) गैर कानूनी पदार्थ प्रयोग और क्षमता निर्माण को कम करने की मांग के संबंध में भारत के प्रयासों के संबंध में पारस्परिक प्रभाव को व्यक्त किया; अंतर्राष्ट्रीय एडिक्शन मेडिसिन संस्था के "एल्कोहल के नुकसानदायक प्रयोग को कम करने के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र का प्रत्युत्तर" पर कार्य दल के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया; और भारतीय साइकैट्रिक संस्था, नई दिल्ली (16-19 जनवरी, 2011) के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में "महिलाओं में एल्कोहल का प्रयोग" और "भारतीय साइकैट्रिक संस्था के एल्होकल नीति विवरण" पर सत्रों की अध्यक्षता की; गोवा में (20-21 फरवरी, 2011) फोरेंसिक विज्ञान, मेडिसिन और टोक्सिकोलॉजी में मेडिकल अनदेखी एवं इथीकल पद्धति एवं नवीनतम उन्नतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "चिकित्सा पद्धति में चिकित्सा लापरवाही"; लड़कों के लिए गृह इनमेटों (ओएचबी) को उपचार सेवाएं प्रदान करने के लिए और स्वापक औषधि एवं साइकोट्रोपिक पदार्थों के लिए राष्ट्रीय नीति (वित्त मंत्रालय, भारत सरकार : 8 जुलाई, 2010) के लिए प्रस्तावों की जांच करने के लिए विशेषज्ञ समिति सदस्य के रूप में नामित किया गया; एन डी डी टी सी (26 जून, 2010) में "औषधि दुरूपयोग के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय दिवस" पर विचारगोष्ठी समन्वित की; सेंट्रल साइकैट्री संस्थान (15-17 अप्रैल, 2010) और मेडिकल साइंस स्नातकोत्तर संस्थान, रोहतक (28 मई, 2010) में डी पी एम/एम डी परीक्षाओं के लिए परीक्षक; मोरेगॉव एवं मेरठ के जिलों में (एन डी डी टी सी के लिए), दिगबोई, असम (भारतीय तेल निगम के लिए), दादरी, उत्तर प्रदेश (एन टी पी सी के लिए), मरघेरिटा (कोल इंडिया के लिए) के जिलों में पदार्थ इस्तेमाल अव्यवस्थाओं पर सामूहिक कार्य आयोजित करने में सक्रिय रूप से नियुक्त; भारतीय मिलिट्री बेस अस्पताल में एल्कोहल प्रयोग अव्यवस्थाओं और सिक्किम पुलिस में मादक द्रव्य प्रयोग वाले व्यक्तियों के प्रबंधन हेतु गैर- फार्मेकोलोजीकल हस्तक्षेप पर प्रशिक्षण हेतु संसाधन व्यक्ति।

डॉ. अंजू धवन ने सरकार, एन जी ओ और निजी क्षेत्र से दि एडिक्शन सेवाओं का एक नेटवर्क विकसित करने के लिए और प्रतिकूल कार्यस्थल व्यवस्थाओं में एल्कोहल के प्रयोग को दूर करने के लिए डब्ल्यू एच ओ बीइनियम कार्यकलापों का समन्वित किया। उन्होंने "दिल्ली जिला स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रमों" और स्कूली बच्चों को छोड़, अन्य के लिए ड्रग प्रयोग इंटरवेंशन के "सह-आयोजन एवं अभिसरण" पर प्रोजेक्टों को शुरू किया। वे पंजाब ओ एस डी प्रोजेक्ट के लिए जनशक्तिके प्रशिक्षण, साइट मॉनीटरिंग और गुणवत्ता आश्वासन (क्यू ए) के प्रशिक्षण हेतु एक संसाधन व्यक्ति हैं, जिसे डी एफ आई डी - एड्स - टी ए एस टी द्वारा एन ए सी ओ; क्रियान्वित किया जा रहा है। वह जनरल ड्यूटी मेडिकल अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए पाठ्यक्रम के विकास हेतु पांच नोडल सेंटरों की बैठक के लिए; कैदी व्यवस्थानों में पदार्थ प्रयोग डिसऑर्डर पर वार्षिक दिवस विचारगोष्ठी (एन डी डी टी सी, 13 अप्रैल, 2010) के लिए और एन डी डी टी सी में जनरल ड्यूटी मेडिकल अधिकारियों के प्रशिक्षण (8 मार्च, 2011) के लिए आयोजक सचिव है।

डॉ. सोनाली झांजी, राष्ट्रीय सोशियल डिफेंस संस्थान द्वारा आयोजित दि-एडिक्शन काउंसिलिंग पर 3 महीने के प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम हेतु एक अनुसंधान व्यक्ति हैं (10 मार्च, 2011)।

डॉ. अतुल अम्बेकर को ड्रग प्रयोग के अंतःक्षेपण पर (एन ए सी ओ - भारत सरकार - दिल्ली आई डी यू फोरम और दिल्ली, एन सी टी सरकार) तकनीकी संसाधन ग्रुप के और दिल्ली राज्य प्रशिक्षण एवं संसाधन सेंटर की शैक्षिक समिति, सामाजिक कार्य स्कूल; दिल्ली विश्वविद्यालय के सदस्य के रूप में नामित किया गया था। उन्होंने नेपाल में ओपीऑयड प्रतिस्थापन उपचार कार्यक्रम की पुनरीक्षा के लिए यू एन ओ डी सी (आर ओ एस ए) और नेपाल सरकार को परामर्श सेवा प्रदान की।

सेंटर ने निम्नलिखित कार्यकलापों के लिए डब्ल्यू एच ओ बीइनीयस कार्यकलापों के एक भाग के रूप में शुरू किया गया है और क्रियान्वित किया गया है :

1. नियम पुस्तक तैयार करना : औषध प्रयोगकर्ताओं के लिए न्यूनतम उपचार मानक।
2. एल्होकल पर विचारगोष्ठी : वर्तमान स्थिति और आगे योजना का पुर्निरीक्षण।
3. पदार्थ प्रयोग डिसआर्डर (2) के संबंध में एगोनिस्ट रखरखाव पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम।
4. प्राथमिक उपचार व्यवस्था में पदार्थ प्रयोग डिसआर्डर का प्रबंधन : एक डेमोस्ट्रेशन प्रोजेक्ट।
5. स्कूली किशारों को छोड़ अन्य के बीच पदार्थ दुरूपयोग का निर्धाण।
6. ड्रग दुरूपयोग मॉनीटरिंग सिस्टम; जिला आधारित कार्यकलाप।
7. एन डी डी टी सी एवं श्रीनगर मेडिकल कालेज में पदार्थ दुरूपयोग पर प्रशिक्षक कार्यक्रमों का तीन प्रशिक्षण।

सेंटर का संकाय दिल्ली के साथ-साथ देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संसाधन व्यक्ति थे।

सेंटर ने "ड्रग दुरूपयोग; विस्तार, परिणामों और ड्रग दुरूपयोग के प्रति अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर उपचार ओर एन डी डी टी सी में गैर कानूनी कारोबार (26 जून, 2010) पर जन जागरूकता विचारगोष्ठी भी आयोजित की।

अतिथि वैज्ञानिक

1. माइकल जे कुहार, अध्यक्ष, न्यूरोसाइंस विभाग, यरकेस नेशनल प्राइमेंट अनुसंधान सेंटर, इमोरी विश्वविद्यालय और कैंडलर आचार्य, न्यूरोफार्माकोलोजी, मेडिसिन स्कूल और जॉर्जिया अनुसंधान एलाइंस इमीनेंट स्कॉलर (1 जून, 2010)।
2. तीन महीने के लिए डॉ. लाल दुहामिस चांग्तू (डब्ल्यू एच ओ अतिथि अध्येता) (10 सितम्बर, 2010 से 9 दिसम्बर, 2010)।
3. मि. बेली, प्रमुख ऑसएड (9 सितम्बर, 2010)।
4. श्रीलंका सरकार से प्रतिनिधिमंडल एन डी डी टी सी आया (26 अगस्त, 2010)।

10.3 दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र

अध्यक्ष एवं आचार्य

नसीम शाह

आचार्य

ओ. पी. खरबन्दा

रितु दुग्गल

अपर आचार्य

अजय रॉय चौधरी

सह-आचार्य

वीना जैन

ओंकिला भूटिया

अजय लोगानी

विजय माथुर

शिक्षा

स्नातक पूर्व / स्नातकोत्तर एवं दीर्घ अवधि प्रशिक्षण

सेंटर ने एम बी बी एस विद्यार्थियों के उनके क्लीनिकल पोस्टिंग के दौरान शिक्षण कार्यक्रम संचालित किया। सेंटर चार विशिष्ट विषयों में, नामतः अर्थोडोन्टिक्स, प्रोस्थोडोन्टिक्स, इंडोडोन्टिक्स सह कन्जर्वेटिव डेन्टीस्ट्री और ऑरल एवं मैक्सिलोफेसियल सर्जरी में स्नातकोतर कार्यक्रम चला रहा है; तीन विशेषज्ञों को, पेडिएट्रिक डेंटीस्ट्री, प्रोस्कोडोन्टिक्स एवं इंडोडोटिस्ट में, जो नार्थ कोरिया से हैं, का सी डी ई आर में 3 महीने प्रत्येक के लिए प्रशिक्षित किया गया था। आई टी बी पी और बी एस एफ से कुल 63 बी डी एस स्नातकों, 3 स्नातकोत्तरों को, 4 डेंटल सर्जनों को और नार्थ कोरिया से 5 डब्ल्यू एच ओ अध्येताओं ने अप्रैल 10 + मार्च, 2011 के दौरान सी डी ई आर में विभिन्न डेंटीस्ट्री विषयों में 1-3 माह अवधि का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

दिए गए व्याख्यान

सी एम ई : 13

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन : 25

संकाय के मार्गदर्शन के तहत रेजीडेंटों द्वारा प्रस्तुत किया गया पेपर एवं पोस्टर : 16

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. भारत में डेंटल प्रक्रियाओं के लिए सेफ्टी प्रोफाइल का निर्धारण। पी आई : रितू दुग्गल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2 वर्ष, 65.23 लाख रुपए।

जारी

1. डेंटल हार्ड एवं सॉफ्ट टिस्सूओं पर पारम्परिक ऑरल हाइजीन विधियों का प्रभाव : दिल्ली जनसंख्या का विवरणात्मक क्रॉस सेक्शन अध्ययन। पी आई : आचार्य नसीम शाह, भारत सरकार - डब्ल्यू एच ओ निधिकित बेइनियम प्रोजेक्ट, 2010-11 5.95 लाख रुपए।

2. आयुष प्रेक्टीशनरों एवं चिकित्सा अधिकारियों के लिए ऑरल स्वास्थ्य संवर्धन, निवारण एवं आपात उपचार प्रावधान के लिए प्रशिक्षण मॉडयूल का विकास। पी आई : आचार्य नसीम शाह, भारत सरकार – डब्ल्यू एच ओ निधिकित बेइनियम प्रोजेक्ट, 2.62 लाख रुपए 2010-11 ।

3. "वयोवृद्धों में डाइट पर ऑरल स्वास्थ्य, न्यूट्रीशन स्थिति, सामान्य स्वास्थ्य एवं जीवन की गुणवत्ता का प्रभाव।" पी आई : डा तनुप्रिया गुप्ता, सी एस आई आर समर्थित प्रोजेक्ट।

4. "भारत में क्लेफ्ट लिप एवं पेलेट एनोमली : उपचार की क्लीनिकल प्रोफाइल जोखिम के कारक और वर्तमान स्थिति – एक अस्पताल आधारित अध्ययन।" आई सी एम आर का तदर्थ कार्यबल प्रोजेक्ट; पी आई : डॉ. ओ. पी. खरबन्दा, आई सी एम आर, 25 मार्च, 2010 से 24 सितम्बर, 2011, 3.06 लाख रुपए।

5. ट्विन ब्लॉक थैरेपी का पालन करते हुए मानव मेंडीबल में दाब संवितरण के विश्लेषण हेतु फिनाईट तत्व अध्ययन; पी आई, डॉ. रितू दुग्गल; डॉ. राजू शर्मा (रेडियोलॉजी विभाग), आई सी एम आर, 2 वर्ष।

6. प्रौढ़ जनता की न्यूट्रीशनल स्थिति और जीवन गुणवत्ता के संबंध में डेंटल प्रोस्थेसिस जरूरत का मूल्यांकन : एक अस्पताल आधारित अध्ययन। पी आई : डॉ. वीना जैन, आई सी एम आर, दो वर्ष 31 लाख रुपए।

7. टूथ बोयोप्सी नमूने से एजपार्टिक एसिड रेसमाइजेशन पर आधारित जीवित प्रौढ़ों में आयु आंकलन; पी आई : डॉ. अजय लोगानी, डी बी टी, 2010-2013, लगभग 19 लाख रुपए।

8. गैर कैरियस सर्विकल लेजनों की व्यापकता एवं गंभीरता (एन सी सी एल) और शहरी भारत में संभावित जोखिम फैक्टरों से इसका संबंध। समुदाय आधारित अध्ययन; पी आई : डॉ. अजय लोगानी, आई सी एम आर, 2009-2011, लगभग 7 लाख रुपए।

9. भारतीय जनता में रूट कैनल मोर्फोलोजी का कोनबीम कम्प्युरेट टोमोग्राफिक निर्धारण। एक उत्तरव्यापी 3डी रेडियोग्राफिक अध्ययन। पी आई : डॉ. अजय लोगानी, आई सी एम आर, 2011-2013 लगभग 7 लाख रुपए।

10. दिल्ली के पुनर्वास कालोनी में जेरिएट्रिक मरीजों में डेंटल कैरीज के लिए एट्रौमैटिक रेस्टोरेटिव उपचार (ए आर टी) का मूल्यांकन। पी आई : डॉ. अजय लोगानी, लगभग 1 लाख रुपए, 2009-2011 ।

11. डायग्नोस्टिक जांचों में ट्रांसलेटिंग प्रमुख एवं नेक कैंसर मार्कर। इंवेस्टीगेटर : (भारतीय टीम) डॉ. एस एस चौहान, डॉ. आलोक कक्कड़, डॉ. एन. के. शुक्ला, डॉ. एस एस दत्तागुप्ता, डॉ. आर. दुग्गल, डॉ. ए. रायचौधरी, डॉ. जतीन्दर कौर, (केनेडियन टीम) डॉ. के डब्ल्यू एम सियू, डॉ. टी. जे.कोलगन, डॉ. आई विट्रेरिक : डॉ. आई लियोंग, डॉ. मैक मिलियन, आई एस टी पी कनाडा, 3 वर्ष, 81 लाख रुपए (भारतीय बजट)।

12. तीन विभिन्न सामग्रियों का प्रयोग करते हुए अप्रत्यक्ष पल्प कैपिंग की सफलता का मूल्यांकन। सी बी सी टी का प्रयोग करते हुए एक क्लीनिक अध्ययन। पी आई : डॉ. विजय पी माथुर; बॉयोटैक्नोलॉजी विभाग, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2 वर्ष, 12.33 लाख रुपए।

सहयोगी परियोजनाएं

1. "मैक्सिल पर माइक्रो इमप्लांट सृजित दाब : डिजाइन एवं प्रतिस्थापन प्रोटोकोलों का प्रभावष्। बॉयोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग और मैकनीकल इंजीनियरिंग विभाग, आई आई टी, नई दिल्ली के सहयोग से पी आई : डॉ. ओ. पी. खरबन्दा, आई सी एम आर। दो वर्ष छह माह, 6.74 लाख प्रति वर्ष प्रति वर्ष।

2. "केंद्रीय वैज्ञानिक इंस्ट्रमेंट संगठन (सी एस आई ओ), चंडीगढ़ के सहयोग से "अर्थोडोन्टिक्स का कम्प्यूटरीकृत सेफालोग्राम विश्लेषण"। सह-इन्वेस्टीगेटर, : डॉ. ओ. पी. खरबन्दा; सी एस आई ओ, तीन वर्ष, 4.58 लाख रुपए।

3. आई आई टी, नई दिल्ली के सहयोग से श्रेणी-2 क्लोक्नूशन के उपचार हेतु एक गतिशील कैलीबरेटेड निश्चित क्रेटोफेसियल कोररेक्टर; गाइड : डॉ. ओ. पी. खरबन्दा; आई सी एम आर, एक वर्ष, 3.32 लाख रुपए।

4. आई आई टी, नई दिल्ली के सहयोग से "विभिन्न लम्बाई व्यास और आकार के ऑर्थोडोन्टिक, मिनीस्क्रू इंप्लांटों की मैक्नीकल विशेषता।" गाइड : डॉ. ओ. पी. खरबन्दा, आई सी एम आर, एक वर्ष, 1.10 लाख रुपए।

5. गैर-नेत्रक सर्फेस ऑरीजन के वैकल्पिक ऑटोग्राफ्टों के साथ नेत्रक सर्फेस पुनर्निर्माण। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रोजेक्ट विभाग। पी आई : डॉ. अजोय राय चौधरी।

6. ऑफ्थलमोलोजी एवं स्टेम सेल विभाग; एम्स के साथ।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. रिट्रोजेनिया के मरीज में ब्लड ऑक्सीजन सैचुरेशन में डिस्ट्रैक्शन ऑस्टीपोजेनेसिस का प्रभाव।

2. रिट्रो मैंडीबुलर ट्रांसपैरोटिड पहुंच के लिए मैन्डीबूलर कोन्डिल नेक एवं सबकोन्डलर फ्रैक्चर के प्रबंधन में फेंसियल नर्व मोर्बिडिटी : एक उत्तरव्यापी क्लीनिकल अध्ययन।

3. होलो बल्ब ऑबचुरेटर के पूर्ण बल्व और कम बल्ब ऊंचाई के मैक्सीलैक्टोमी मरीजों में स्पीच विश्लेषण।

4. इन्ट्राकैनल मेडिकामेंट के रूप में ओसीमस सैंक्टमस अनिवार्य ऑयल अपघर्षण का इसके प्रस्तावित प्रयोग के लिए प्रीसिमिनरी एक्स विवो एवं एनिमल मॉडल मूल्यांकन।

5. साइकलिक लोडिंग के तहत जी आई सी और माइक्रोफिल्ड मिश्रण के साथ पुनःस्थापित श्रेणी-5 कैविटीज के माइक्रोलीकेज पर एयर अबरेसन से डेंटिन प्रीकडीशनिंग का प्रभाव : इन विट्रो अध्ययन।

जारी

1. बॉयोसील : पल्प और पेरीएपिक रूप से शामिल दांतों के लिए नावल गैर-आबचुरेशन इंडोडोन्टिक उपचार (2008-10)।

2. पोस्टआपरेटिव मैक्सिलोमैंडीबूलर फिक्सेन के बगैर मैंडीबूलर फ्रैक्चरों के आस्टीयो सिन्थेसिस में बॉयोरिजोरबेबल प्लेटों की क्षमता का अध्ययन : एक उत्तरव्यापी अध्ययन।

3. उत्तर भारत में टरटीयरी उपचार अस्पताल में देखे गए मैक्सिलोफोसियल फ्रैक्चर के पाथवे में इपीडियोमोलोजी अध्ययन।

4. मैंडीबूलर फ्रैक्चर के ओपन रिडक्शन और आंतरिक फिक्शेशन के बाद संक्रमण दरों में अल्प एवं विस्तारित रिजाइम एंटीबॉयोटिक्स का डबल ब्लाइंड रैंडोमाइज्ड प्लेसबो - नियंत्रित अध्ययन।

5. ओ एस ए एस के साथ रिट्रोजैनेकिक टी एम जे मरीजों में डिस्ट्रैक्शन ऑस्टीपोजेनेसिस के बाद संरचनात्मक एवं कार्यात्मक श्वसन पैरामीटरों के मूल्यांकन के लिए क्लीनिकल अध्ययन।

6. मैंडीबूलर एंगल फ्रैक्चर के उपचार में 1.5 मिलीमीटर 3 डी प्लेट बनाम 2 मिलीमीटर सिंगल मिनीप्लेट का रैंडोमाइज्ड नियंत्रण परीक्षण।

7. विभिन्न ऑक्लूजल स्कीमों के साथ आरंभिक लोडेड इंप्लांटों में स्थिरता एवं क्रेस्टल बोन लेवल का प्रभाव - एक अग्रगामी अध्ययन।

8. रेडियोग्राफिक एवं क्लीनिकल विधियों द्वारा कोन्डीलर गाइडेंस के माप हेतु तुलनात्मक अध्ययन।

9. अबस्ट्रक्टिव स्लीप अपनोइया के मरीजों में मैंडीबूलर उन्नत यंत्र की प्रभावकारिता और ओरोफेरीजीयल संरचनाओं में संबद्ध परिवर्तन - अग्रगामी अध्ययन।

10. बाइट फोर्स पर लघुतम डेंटल आर्च के प्रभाव का मूल्यांकन - एक अग्रगामी अध्ययन।

11. फ्लैपलेस बनाम ओपन फ्लैप तकनीकी से स्थापित इंप्लांटों के चारों ओर क्रेस्टल बोन हाइट में बदलावों का तुलनात्मक मूल्यांकन।

12. प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष मिश्रित लैमिनेट की कलर स्टेबिलिटी और मार्जिनल फिडेलिटी पर ब्लीचिंग का प्रभाव - इन विवो अध्ययन।

13. कैल्शियम हाइड्रोऑक्साइड, त्रिपल एंटीबॉयोटिक पेस्ट और फोटो एक्टीवेटेड डिसइंफेक्शन का प्रयोग करते हुए तीन विसंक्रमण प्रोटोकॉलों की क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन - क्लीनिकल माइक्रोबायोलोजीकल अध्ययन।

14. एपीकल रैमीफिकेशन पर एपीकल वाइडेनिंग एवं क्लीयरिंग पर एपीकल वाइडेनिंग एवं क्लीयरिंग का प्रभाव - एक्स विवो माइक्रोबॉयोलोजीकल एवं स्टीरियो मॉइकोस्कोपिक अध्ययन।

15. "कट्विन ब्लॉकों और निर्धारित उपकरण थैरेपी के फेज को अपनाते हुए मैसेटर मस्कल आयाम और ई एम जी क्रियाकलाप में एडाप्टिव परिवर्तनों का मूल्यांकन।"

16. "एम आर आई का प्रयोग करते हुए ट्विन ब्लॉक उपकरण थैरेपी के विभिन्न अवस्थाओं के दौरान मैसेटर मस्कल के आयामों में परिवर्तनों का मूल्यांकन।"

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 13

पुस्तकों/ मोनोग्राफों में अध्याय : 5

रोगी उपचार

- आसंजक और इंप्लांट प्रतिधारित फेसियल प्रोस्केसिस प्रदान करते हुए प्रोस्कोडोंटिक्स में नवीनतम उपचार (नेत्र, कान और नाक)।
- इस्केटिक्स और फंक्शन,जैसे कि स्लीप अपनीय के लिए डिस्ट्रैक्शन ओसियोजेनेसिन।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

विभाग ने निम्नलिखित सी एम ई/विचारगोष्ठी का आयोजन किया।

- त्री सेंटेनरी एम जी टी डेंटल कॉलेज, गुड़गांव और डेरॉयट मर्सी विश्वविद्यालय, यू एस ए के सहयोग से 4 अप्रैल, 2011 को एम्स में अध्यक्ष के रूप में "डेंटिस्ट्री में रिडिफाइनिंग" उपचार लक्ष्य" पर विचारगोष्ठी आयोजित की, जहां दिल्ली और एन सी आर क्षेत्र से 700 से अधिक डेंटिस्टों ने भाग लिया।
- मार्च, 2011 में गृह एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के सहयोग से सी डी ई आर में "तम्बाकू अवसान" पर एक कार्यशाला आयोजित की।
- सी डी ई आर में चिकित्सा एवं आयुष डाक्टरों के लिए ऑरल स्वास्थ्य पर दिशानिर्देश तैयार करने के लिए एक कार्यशाला आयोजित की, जहां डी जी एस एस, गृह एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से 30 विशेषज्ञों ने और एलोपैथिक, आयुर्वेदा, योगा, यूनानी, सिद्धा और होमियोपैथी से डाक्टरों ने भाग लिया।
- इंडोक्लेफ्टकॉन 2010, क्लेफ्ट, लिप, पैलेट एवं क्रोनिपोफेसियल एनोमलीज के संबंध में भारतीय संस्था का वार्षिक सम्मेलन, 23-25 अप्रैल, 2010 ।
- "आर्थोडोन्टिक डायग्नोसिन" सी एम ई का आयोजन सी डी ई आर, नई दिल्ली में (ओ एस डी ओ डी) 25 फरवरी, 2011 को ऑर्थोडोन्टिक अध्ययन ग्रुप ; दिल्ली के सहयोग से ऑर्थोडोन्टिक्स विभाग द्वारा किया गया था। आचार्य आर. एस. नंदा, सेंवामुक्त आचार्य, ऑर्थोडोंटियन विभाग, डेंटल स्कूल, ओकलाहोमा स्वास्थ्य विज्ञान सेंटर, ओकलाहेमा, यू एस ए वक्ता थे।

- "इंटरडिसीप्लीनरी ऑथाडोटिक्स" सी एम ई का आयोजन ऑर्थोडोटिक्स विभाग द्वारा सी डी ई आर, नई दिल्ली में 22 मार्च, 2011 को किया गया था। डॉ. लोकेश सूरी सह आचार्य, ऑर्थोडोंटिक्स, टफ्टस डेंटल स्कूल, बोस्टन, यू एस ए वक्ता थे।
- "स्पेस क्लोजर मैकेनिक्स" सी एम ई का आयोजन ऑर्थोडोंटिक्स विभाग द्वारा सी डी ई आर, नई दिल्ली में 28 मार्च, 2011 को किया गया था। डॉ. वरूण कालरा, सह-आचार्य, पिट्सवर्ग विश्वविद्यालय, यू एस ए, वक्ता थे।
- 12-14 नवम्बर, 2010, इंदौर, मध्य प्रदेश, भारत में 38वीं भारतीय प्रोस्कोडोटिक संस्था सम्मेलन के दौरान" कुल माउथ रिहैबीलिटेशन : इनिग्मा सिम्पलीफाइड" पर सी एम ई संचालित की।
- 2010, चेन्नई में 12वें आई पी एस पी जी कन्वेशन के दौरान" फेसियल त्रुटियों के संबंध में विविध मैक्सिको फेसियल प्रोस्थेसिस" पर टेबल क्लीनिक प्रस्तुतीकरण।
- सुभारती डेंटल कॉलेज, मेरठ में 20-21 अगस्त, 2010 को दो दिवसीय पूर्ण विचारगोष्ठी जिसका शीर्ष है।" "कार्यात्मक जबड़ा ऑर्थोपेडिक"।
- अप्रैल, 22-24, 2010, ए ओ क्रोनियो मैक्सीलोफेसियल ट्रॉमा एवं रिंकस्ट्रक्शन सिद्धांत पाठ्यक्रम, कोलकाता का सी एम ई।
- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विज्ञान कालेज, शारजहां विश्वविद्यालय, यू ए ई में, 10 दिसम्बर, 2010 को पूर्ण दिवसीय विचारगोष्ठी : जिसका शार्षक है "सामान्य पद्धति में पेडिएट्रिक डेंटिस्ट्री"।

आचार्य एन शाह को सिर्ते विश्वविद्यालय, लीबिया द्वारा अपने डेंटल मेडिकल और नर्सिंग संकाय पर 5 वैज्ञानिक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था, 4-14 फरवरी, 2011; एफ ओ डी आई, चेन्नई में 10-12 दिसम्बर, 2010 के सिल्वर जुबली सम्मेलन में भारतीय ऑपरेटिव डेंटीस्ट्री परिसंघ (एफ ओ डी ओ) के पास्ट प्रेजीडेंट के रूप में सम्मानित किया; डब्ल्यू एच ओ द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में देश प्रतिनिधियों के रूप में आमंत्रित; अंतर्राष्ट्रीय डेंटिस्ट्री परिसंघ (एफ डी आई) जो "एशिया में फ्लेराइड के प्रभावी प्रयोग" पर थाइलैंड डेंटल एसोसिएशन के सहयोग से है, 22-24 मार्च, 2011, फुकेट, थाइलैंड, जो भारतीय परिप्रेक्ष्य को दर्शाता है; 6 जनवरी, 2011 को "धुआंरहित तम्बाकू के स्वास्थ्य प्रभाव" पर कोर ग्रुप की बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली; मंत्रिमंडल सचिवालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित "परिणाम ढांचा दस्तावेज (आर एफ डी) पर कार्यशाला में भाग लिया; विभिन्न विश्वविद्यालय/ डेंटल कॉलेजों में एम डी एस कन्जवैटिव डेंटीस्ट्री एवं इंडोडेंटिक्स में प्रैक्टीकल परीक्षा संचालित करने के लिए बाहरी परीक्षक नियुक्त किया गया; 27 दिसम्बर, 2010 को रोहतक में कंजर्वेटिव डेंटीस्ट्री एवं इंडोडोटिक्स में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के डिसरर्टेशन विषयों की जांच एवं मूल्यांकन हेतु डेंटल विज्ञान संकल्प की बैठक में भाग लिया; भारतीय डेंटल परिषद और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा स्वीकरण हेतु कोर विशेषज्ञ ग्रुप का सदस्य चुना गया; स्नातकोत्तर अध्ययन, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक का बोर्ड सदस्य नामित किया गया; बी एच यू वाराणसी, डॉ. एच एस जे डेंटल विज्ञान संस्थान एवं अस्पताल, चंडीगढ़ और सरकारी डेंटल कॉलेज रोहतक में विभिन्न संकाय पदों की भीर्ती के लिए चयन समिति का तकनीकी विशेषज्ञ नामित किया गया, 6 अप्रैल, 2010।

आचार्य ओ. पी. खरबन्दा को ऑर्थोडोंटिक्स में अनुसंधान हेतु महत्वपूर्ण सहयोग के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्लिनीकल डेंटल रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन अनुसंधान छात्रवृत्ति पुरस्कार, 2011 प्रदान किया गया था; अंतर्राष्ट्रीय सम्पादकीय बोर्ड; अमेरीकन ऑर्थोडोंटिक्स एवं डेंटोफेसियल ऑर्थोपेडिक्स पत्रिका, ब्रिटिश ऑर्थोडोंटिक्स पत्रिका और आस्ट्रेलियन ऑर्थोडोंटिक्स पत्रिका के सदस्य के रूप में नामित; सह-सम्पादक, क्लीनिकल पेडिएट्रिक डेंटीस्ट्री पत्रिका और भारतीय ऑर्थोडोटिक संस्था के बोर्ड के सदस्य; भारत में कई डेंटल विशिष्ट विषय पत्रिकाओं के सम्पादकीय बोर्ड सदस्य; आमंत्रित अतिथि वक्ता, विश्व इंप्लांट ऑर्थोटोटिक सम्मेलन (डब्ल्यू आई ओ सी), ताइवान और संकाय, डेंटीस्ट्री ; प्रिंस फिलिप डेंटल अस्पताल, हांगकांग; आई आई टी, मुंबई का दौरा करने हेतु भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार द्वारा आमंत्रित और "डिजीटल एक्स-रे/ स्कैन डाटा से तृतीय आयाम

के एक्सफ्लोरिंग" के संबंध में गैर-फेरीयस सामग्री प्रौद्योगिकी विकास सेंटर (एन एफ टी डी सी) हैदराबाद; विशेष आमंत्रिती; मॉडल प्रोजेक्ट मूल्यांकन समिति (एम पी ई सी), विज्ञान भवन, नई दिल्ली की बैठक में; भारत में विभिन्न डेंटल कॉलेजों में भारतीय डेंटल परिषद द्वारा निरीक्षक नियुक्त किया; विशेषज्ञ सदस्य, विशेष रूप् से गठित समिति, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, जो डेंटल कालेजों के संबंध में भारतीय डेंटल परिषद से संबंधित मुद्दों की जांच के लिए है; आई सी एम आर विशेषज्ञ, अनुसंधान अनुदानों के लिए ऑरल स्वास्थ्य एवं सलाहकार समिति में अनुसंधान प्रोजेक्टों की पुनरीक्षा के लिए; बॉयोमेडिकल इंजीनियरिंग, बॉयोटेक्नॉलोजी विभाग के क्षेत्र में विशेषज्ञ; विशेषज्ञ सदस्य, चयन समिति, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान स्नातकोत्तर संस्थान, चंडीगढ़; जवाहरलाल नेहरू स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पुणे; गांधी चिकित्सा कालेज, भोपाल में चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय कालेज, नई दिल्ली; विभिन्न विश्वविद्यालयों में पी जी परीक्षक; राष्ट्रमंडल छात्रवृत्ति/ अध्येतावृत्ति योजना, 2011 के लिए अभ्यर्थियों के चयन हेतु डेंस्ट्री में विशेषज्ञ नियुक्त; डी डी न्यूज द्वारा "स्वास्थ्य उपचार पद्धतियों में फ्रंटीयर्स", 22 सितम्बर, 2010 में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

डॉ. रितु दुग्गल, डी सी आई में विदेशी डेंटल प्रमाणन की मान्यता प्रदान करने के लिए दस्तावेजों की जांच करने हेतु डेंटल विशेषज्ञ सदस्य थे; विभिन्न डेंटल कालेजों में एम डी एस पाठ्यक्रम की मंजूरी के लिए डी सी आई निरीक्षक नियुक्त किया गया; आर्थोडोटिक्स में स्नातकोत्तर अध्ययन बोर्ड के विशेषज्ञ, 3 मार्च, 2011, रोहतक; आयोजक अध्यक्ष, "इंडोक्लेफ्टन 2010" नई दिल्ली, 23-25 अप्रैल, 2010 ।

डॉ. अजय रॉय चौधरी, मुख्य एम्स और सी डी ई आर के सर्जिकल मदों/डिस्पोजेबल मदों के तकनीकी विनिर्देशन/चयन समिति के सदस्य थे।

डॉ. वीना जैन, डेंटल विज्ञान, पंडित बी. डी. शर्मा, स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक में 2 वर्ष के लिए अर्थात 8 जनवरी, 2012 तक पी जी अध्ययन बोर्ड के मानक सदस्य थे; भारत में विभिन्न विश्वविद्यालयों में एम डी एस प्रोस्कोडोटिक परीक्षा के संचालन हेतु बाह्य परीक्षक थे; विभिन्न डेंटल कालेजों में प्रोस्कोडोंटिक्स में एम डी एस शुरू करने के लिए डी सी आई निरीक्षक नियुक्त किया गया।

डॉ. ओंकिला भुटिया को ई एस आई डेंटल कालेज, नई दिल्ली में सहायक आचार्य की भर्ती के लिए चयन समिति का विशेषज्ञ सदस्य नियुक्त किया गया था, फरवरी, 2011 ।

डॉ. विजय माथुर को उत्तरांचल सरकार और देव संस्कृति विश्वविद्यालय के गायत्री परिवार के 9 अप्रैल, 2010 में "तम्बाकू नियंत्रण हेतु होलीस्टिक दृष्टिकोणष्, हरिद्वार के दौरान पैनलिस्ट नियुक्त किया था; सदस्य, चयन समिति, संकाय चयन, गांधी मेडिकल कालेज, भोपाल, 15 जुलाई, 2010; मुख्य परीक्षक, पी एच डी शोध-प्रबंध विश्वविद्यालय परीक्षा, पब्लिक डिफेंस एवं मिनाक्षी अमल विश्वविद्यालय, चेन्नई, 24 नवम्बर, 2010; वर्ष 2010-11 के लिए भारतीय डेंटल संस्था - दक्षिण दिल्ली शाखा के डेंटल शिक्षा के क्रमिक प्रतिनिधि के रुप में चयनित।

अतिथि वैज्ञानिक

1. सिर्ती विश्वविद्यालय, लिबिया से एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल, जिसका नेतृत्व विश्वविद्यालय के उपकुलपति ने किया, सी डी ई आर का दौरा किया; 15 मई, 2010 ।
2. माइकल कार्सेटेन्स क्लेफ्ट लिप और पैवेट सर्जन सेंट लुइस, यू एस ए।
3. आचार्य आर. एस. नंदा, अवकाश प्राप्त आचार्य, ऑर्थोडोटिक्स विभाग, डेंटल स्कूल, ओकलोहोमा स्वास्थ्य विज्ञान सेंटर, ओकलहोमा, यू एस ए।
4. डॉ. लोकेश सूरी, सह-आचार्य, ऑर्थोडोंटिक्स, रफ्ट्स डेंटल स्कूल, बोस्टन, यू एस ए।
5. डॉ. वरूण कालरा, सह-आचार्य, पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय, यू एस ए, मार्टिन रट प्रोस्पेक्ट कनेक्टीकयूट, यू. एस. ए. ।

10.4 डॉ. बी. आर. अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

आचार्य एवं अध्यक्ष

जी. के. रथ
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

आचार्य

पी. के. जुलका (विकिरण अर्बुदविज्ञान)	एन. के. शुक्ला (शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)	विनोद रैना (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)
सुभाष चंदर (विकिरण अर्बुदविज्ञान)	राजीव कुमार (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)	बी. के. मोहंती (विकिरण अर्बुदविज्ञान)
ललित कुमार (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)		सिद्धार्थ सतपथी (अस्पताल प्रशासन)

अपर आचार्य

एस. वी. एस. देव (शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)	संजय थुलकर (विकिरण निदान)	सुषमा भटनागर (संवेदनाहरण विज्ञान)
अतुल शर्मा (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)	समीर बख्शी (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)	प्रतीक कुमार (चिकित्सा भौतिकी)
सीमा मिश्रा (संवेदनाहरण विज्ञान)	सुमन भास्कर (विकिरण अर्बुदविज्ञान)	डी. एन. शर्मा (विकिरण अर्बुदविज्ञान)

सह-आचार्य

सुष्मिता पथी (विकिरण अर्बुदविज्ञान)	रीतु गुप्ता (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान)

शिक्षा

संवेदनाहरण विज्ञान

निम्नलिखित क्रियाकलाप शुरू किए गए थे :

- आई आर सी एच सेमिनार - प्रत्येक सोमवार और बृहस्पतिवार को 8.15 बजे पूर्वाह्न में।
- यूनिट सेमिनार - प्रत्येक सोमवार को 2.30 बजे अपराह्न में।
- जर्नल क्लब - प्रत्येक शनिवार को 10.00 बजे पूर्वाह्न में।
- विकिरण विज्ञान कांफ्रेंस - प्रत्येक शनिवार को 9.00 बजे पूर्वाह्न में।
- फरवरी, 2010 में दिल्ली और आस-पास के कैंसर रोगियों के उपचार हेतु मेडिकल प्रैक्टीशरों एवं नर्सिंग स्टाफ के लिए पैलीएटिव केयर पर 10वां फाउंडेशन कोर्स आयोजित किया।
- जून एवं नवम्बर माह में डॉ. बी. आर. ए, आई आर सी एच में प्रशामक केयर में आई ए पी सी सर्टिफिकेट कोर्स।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

- विभाग, एम डी पैथोलॉजी और डी एम हेमोटोलॉजी और डी एम मेडिकल आनकोलॉजी के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण मुहैया करवाता है।
- बाल रोग विज्ञान (पेडिऐट्रिक्स) विभाग के साथ संयुक्त क्लीनिक पैथेलॉजी विषयक विचार-विमर्श किए जाते हैं।
- डॉ. रितू गुप्ता ने 6-9 दिसम्बर, 2010 के दौरान दिल्ली में "हिमोटोलॉजीकल विषाणुताओं में फ्लो साइटोमेट्री के अनुप्रयोगों पर उन्नत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम" आयोजित किया।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

स्नातकपूर्व

स्नातकपूर्व शिक्षण में शामिल (सेमिनार 6, लेक्चर्स -5)

स्नातकोत्तर

प्रसूति और स्त्री रोग विभाग, नाभिकीय मेडिसिन और बॉयोकेमिस्ट्री, फार्माकोलॉजी तथा आपथलमोलॉजी में एम डी शोध (विषय) में सहयोग तथा निर्देश।

डी एम कार्यक्रम

मेडिकल ओनकालॉजी एक डी एम कार्यक्रम का संचालन कर रही है जिसके अंतर्गत 13 नियमित और एक प्रायोजित विद्यार्थी हैं।

पी एच डी प्रशिक्षण

तीन पी एच डी विद्यार्थी अपना कार्य कर रहे हैं। एक पी एच डी विद्यार्थी ने अपना शोध लेख प्रस्तुत किया और दो विद्यार्थियों को इस वर्ष में पी एच डी प्रदान की गई।

चिकित्सा भौतिकी

एम डी रेडयोलॉजी, एम बी बी एस, बी एस सी (ऑनर्स) नर्सिंग, बी एस सी (ऑनर्स) रेडियोग्राफी कर रहे विद्यार्थियों को विकिरण संरक्षण, रेडिएशन फिजिक्स और रेडियोलॉजी विषयक इमेजिंग में गुणवत्ता के क्षेत्र में शिक्षा प्रदान करने में मेडिकल फिजिक्स यूनिट ने सक्रिय रूप से भाग लिया है।

मेडिकल फिजिक्स यूनिट ने दो प्रशिक्षुओं को गुरु जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हरियाणा से 4 महीने का और 1 प्रशिक्षु को मणीपाल विश्वविद्यालय से 3 सप्ताह का प्रशिक्षण दिया।

इसके अतिरिक्त मेडिकल फिजिक्स यूनिट में 3 पी एच डी विद्यार्थी प्रशिक्षण पर चल रहे हैं।

विकिरण चिकित्सा

विभाग, स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर, बी एस सी, नर्सिंग और पी एच डी शिक्षण कार्यक्रमों में जुटा हुआ है। डॉ. जी के रथ ने गुजरात कैंसर एवं अनुसंधान संस्थान (जी सी आर आई); अहमदाबाद के साथ स्नातकोत्तर शैक्षणिक वीडियो कांफ्रेसिंग कार्यक्रम शुरू किया, जहां एम्स के रेजिडेंटों का जी सी आर आई में अपने काउंटरपार्टस के साथ आंतरिक प्रभाव रहा। डॉ. पी के जुल्का ने भारत सरकार के पैन-अफ्रीकन टेलीमेडिसिन प्रोजेक्ट के लिए एम्स से एक संकाय के रूप में काम किया और 21 मार्च, 2011 को ब्रेस्ट कैंसर में रेडियोथैरेपी के नवीनीकरण पर अफ्रीकन देशों के लिए टेलीमेडिसिन व्याख्यान शुरू किया। डॉ. बी के मोहन्ती ने शिक्षण पाठ्यक्रम पर भारत सरकार के पैन-अफ्रीकन टेलीमेडिसिन प्रोजेक्ट के लिए एम्स से एक संकाय के रूप में काम किया और 2 सत्र शुरू किए गए थे। देश में विभिन्न केंद्रों से 13 डाक्टरों को अल्प अवधि प्रशिक्षण दिया गया था।

शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

स्नातकपूर्व शिक्षण : शिक्षात्मक व्याख्यान देकर और ऑनकॅलोजी संबंधी विषयों में सभापतित्व करते हुए संकाय पूर्व - स्नातक शिक्षण में शामिल रहा था।

स्नातकोत्तर शिक्षण : शिक्षात्मक व्याख्यान देते हुए, सेमिनारों की सभा की अध्यक्षता करते हुए, जर्नल क्लब आदि और वार्ड भ्रमण (दौरों) और आई आर सी एच के विशेष कैंसर क्लीनिकों के दौरान क्लीनिकल शिक्षण द्वारा 12 सर्जिकल ऑनकोलॉजी रेजिडेंट्स, डी एम मेडिकल ऑनकोलॉजी रेजिडेंट्स और एम डी रेडियोथेरेपी जूनियर, रेजिडेंट्स के शिक्षण और प्रशिक्षण में यह संकाय शामिल रहा था। डी एम मेडिकल ऑनकोलॉजी शोध प्रबंध, एम डी एडिएशन ऑनकोलॉजी शोध प्रबंध और बी आर ए आई आर - सी एच एंड एम्स के विभिन्न विभागों में डॉ. शुक्ला ने सह-गाइड और सह- पर्यवेक्षक के रूप में कार्य किया।

परा क्लीनिकल शिक्षण/प्रशिक्षण : संकाय, बी एस सी नर्सिंग विद्यार्थियों के शिक्षण में शामिल थी।

सी एम ई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 95

अनुसंधान

संवेदनाहरण विज्ञान

पूर्ण

1. हेड एवं नेक कैंसर दर्द मरीजों में मंदीबूलर के रेडियोफ्रेंक्वेसी की भूमिका, डॉ. सुषमा भटनागर।
2. हेड एवं नेक कैंसर मरीजों में भेदन कैंसर पेन इपीसोड (बी टी सी पी) की घटना एवं विशेषताओं का पूर्वव्यापी मूल्यांकन। सुषमा भटनागर।
3. उच्च कैंसर रोगियों में साइकोसोशियल मामला : डॉ. आर आर ए, आई आर सी एच, एम्स में अवलोकनात्मक अध्ययन, डॉ. सीमा मिश्रा।

जारी

1. रिदम ब्रीकिंग प्रोसेस के प्रभाव का मूल्यांकन : उच्च अवस्था के कैंसर मरीजों में, जिन्हें पेन है, पेन अवबोधन पर सुदर्शन क्रिया एवं प्रणायाम (एस के पी)। डॉ. सुषमा भटनागर सेंटर योगा एवं नेचुरोपैथी में अनुसंधान संबंधी परिषद (आयुष विभाग)।
2. लम्बोसैक्रल रेडीकूलर पेन के लिए इपीडुरल ट्राइमसीनोलोन और बेटामेकासोन की तुलना : एक पूर्वव्यापी रैंडोमाइज्ड अध्ययन। डॉ. सीमा मिश्रा।
3. हेड एवं नेक कैंसर सर्जरी वाले मरीजों में ट्रांनइक्जामिक का पूर्वव्यापी, रैन्डोमाइज्ड प्लेसबो कंट्रोल्ड, डबल माइन्ड अध्ययन। डॉ. सीमा मिश्रा।
4. गाबापेन्टिन के साथ लाइरिन्गोस्कोपी के लिए पूर्व इम्पटिव एनलगेसिया और प्रतिक्रिया, सामान्य एनेस्थेसिया के अधीन एम आर एम में चल रहे रोगियों में प्रीगैबलिन : पूर्वव्यापी रैन्डोमाइज्ड डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित अध्ययन। डॉ. सीमा मिश्रा।
5. स्पाइनल मेटासटेसेज के कारण वर्टेब्रल कोलेप्स वाले कैंसर रोगियों में दर्द राहत एवं जीवन की गुणवत्ता पर रेडियोथैरेपी एवं वर्टेब्रोप्लास्टी के प्रभाव की तुलना। डॉ. सुषमा भटनागर।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. भारतीय जनता में सीरम इम्यूनोग्लोबुलिन मुक्त लाइट चेनों के लिए निर्देशन रोग नैदानिक रेंज। मल्टीपल माइलोमा से तुलना। आचार्य राजीव कुमार, आई सी एम आर।

जारी

1. बी सेल लाइनीज तीक्ष्ण लिम्फोब्लास्फ़्कि ल्युकेमिया में मिनीमल अवशिष् रोग (एम आर डी) का पता लगाना। सह जांचकर्ता राजीव कुमार। आई सी एम आर द्वारा निधिकित।

2. तीक्ष्ण माइइलॉइड ल्यूकेमिया में मल्टी ड्रग प्रतिरोधी पैर्न का निर्धारण और थैरेपी की प्रतिक्रिया। रीतु गुप्ता, एम्स, 1,90,000 ।

3. प्लाज्मा सेल माइइलोमा में विनियामक पि-सेल रेपरप्रेइर। रीतु गुप्ता। डी बी पि, 14,82,000 ।

4. क्रोनिक लिम्फोसाइफ़्कि ल्यूकेमिया में बॉयोलॉजीकल हेप्रोजेनीइपि का मोलक्यूलर और इम्यूओनोलॉजीकल बेसिस। रीतु गुप्ता। डी बी पि, 19,46,400 ।

चिकित्सा अर्बुद विज्ञान

वित्तपोषित प्रोजेक्ट

जारी

1. प्लेसबो की तुलना में सोराफिनिब की क्षमता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन करते हुए डबल ब्लाइन्ड, रैन्डोमाइज्ड फेज 2बी अध्ययन जब यह स्थानीय रूप से आवर्त्त अथवा मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैंसर वाले मरीजों में पैक्लीटैक्सल के मिश्रण में नियंत्रित हो। डॉ. विनोद रैना। रिलायंस। लगभग 25 लाख रुपए। दिसम्बर, 2013 तक विस्तारित।

2. प्रारंभिक अवस्था के ई आर बी2 ओवर एक्प्रेसिंग ब्रेस्ट कैंसर की महिलाओं में एडजुवैन्ट लैपटीनिब का रैन्डोमाइज्ड, डबल ब्लाइंड मल्टीसेंटर, प्लेसबो नियंत्रित अध्ययन। डॉ. विनोद रैना, जी एस के। लगभग 30 लाख रुपए, दिसम्बर, 2012 तक विस्तारित।

3. एडनुवैन्ट लैपाटिनिब, ट्रास्टूजुमैब, उनके क्रम का रैन्डोमाइज्ड, मल्टी सेंटर, ओपन लेबल फेज-III अध्ययन और एच ई आर 2/ई आर बी बी2 पॉजीटिव प्राइमरी ब्रेस्ट कैंसर वाले मरीजों में उनका सम्मिश्रण। डॉ. विनोद रैना। जी एस के लगभग, 30 लाख रुपए। 23-05-2008 से 22-09-2011 ।

4. मेटास्टेटिक रिनाल सेल कैंसर के लिए सेकेंड लाईन थैरेपी के रूप में एक्सीटिनिब (ए जी-0 (13736) : एक्सिस परीक्षण। डॉ. विनोद रैना। पी फाइजर। लगभग 25 लाख रुपए। अप्रैल, 2009 से मई, 2011 ।

5. रिलैप्सड और/अथवा रिफ्रैक्ट्री मैंटल सेल लिम्फोमा के रोगियों में पी 276-00 की क्षमता एवं सुरक्षा के मूल्यांकन हेतु सिंगल आर्म ओपन लेबल मल्टीसेंटर फेज-II अध्ययन। 22.01.2010 से 21.07.2011 ।

6. ई आर बी बी-2 पॉजीटिव लोकली रिक्रेन्ट अथवा मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैंसर के लिए प्रथम लाइन उपचार के रूप में नेराटिनिब प्लस पाक्लीरेक्सल बनाम ट्रास्टुजुमाब प्लस पाक्लीटेक्सल के फेज-3, रेन्डोमाइज्ड ,ओपन लेबल, टू आर्म अध्ययन। डॉ. विनोद रैना। थेक फार्मास्यूटीकल्स लिमिटेड। लगभग 30 लाख रुपए। 2010-2011 ।

7. ब्रेस्ट कैंसर रोगियों के सीरम में परिचालनकारी ट्यूमर डी एन ए का मूल्यांकन। डॉ. विनोद रैना। डी बी टी। लगभग 12 लाख रुपए। 2008-2011 ।

8. इन्डोक्स कैंसर जांच नेटवर्क सेंटर। डॉ. विनोद रैना। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय। लगभग 40 लाख रुपए। 2006-2011 ।

9. क्रोनिक माइइलॉड लीकुनिया (सी एम एल) में प्रतिक्रिया निर्धारण का मानकीकरण। डॉ. विनोद रैना। डी बी डी। 70 लाख रुपए। 2011-2014 ।

10. फ्लूडुराबाइन - साइक्लोफोस्फामाइड बनाम फ्लूडराबाइन - रिलैप्सड क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया वाले रोगों में साइक्लोफोस्फामाइड मिश्रण में शामिल ओफाटुयूमाब का फेज-III, ओपन लेबल, रैन्डोमाइज्ड परीक्षण। ओ एम बी 110913। डॉ. विनोद रैना। डी एम के। लगभग 15 लाख रुपए। 2011-2011 ।

11. क्रोनोइक लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया वाले पूर्व अनुपचारित रोगियों में ओफातुमुमाब - क्लोरैम्बुसिन मिश्रण बनाम क्लोरेम्बुसिल मोनोथैरेपी का फेज-III, ओपन लेबल, रैन्डोमाइज्ड मल्टीसेंटर परीक्षण। ओ एम बी 110911 । डॉ. विनोद रैना। जी एस के, लगभग 15 लाख रुपए। 2011-2011 ।

12. डिफ्जूज लार्ज बी सेल लिम्फोमा के नये डायग्नोज्ड गैर जर्मिनल सेंटर बी सेल सबटाइप वाले रोगों में वी ई एल सी ए डी ई, रिटुक्सीमैब, साइक्लोफोस्फामाइड, रिटुक्सीमैब का डोक्सोरबीसिन एवं प्रेडनाइसन (वी आर - सी ए पी), साइक्लोफोस्फामाइड, डोक्सोरोबिसिन, विंक्रीस्टाइन एवं प्रेडवाइसन (आर - सी एच ओ पी) के समिश्रण का रैन्डोमाइज्ड, ओपन लेबल, मल्टीसेंटर, फेज-II अध्ययन। डॉ. विनोद रैना, जॉनसन एंड जॉनसन। लगभग 20 लाख रुपए। 2011-2013 ।

13. पहले के उपचारित लोकली उन्नत अथवा मेटास्टाटेटिक गैर रक्वामस गैस-सेल लंग कैंसर वाले रोगियों में बवीटुक्सीमैब प्लस डॉकइटैक्सल का रैन्डोमाइज्ड, डबल ब्लाइंड, प्लेसबो नियंत्रण फेज 2 परीक्षण। डॉ. विनोद रैना। पेरेग्रेन फार्मास्यूटीकल्स इंक। लगभग 18 लाख रुपए। 2011-2012 ।

14. मल्टीपल माइइलोमा के आण्विक जीव विज्ञान का अध्ययन। आचार्य ललित कुमार। डी बी डी, 2007-2011 ।

15. मल्टीपल माइइलोमा में रोग क्रियाशीलता के बायोमार्कर के रूप में इन्डोकेलियल प्रोजेनीटर सेल्स। आचार्य ललित कुमार। डी बी डी, 2007-2011 ।

16. इनोपिरेबल गैस्ट्रीक और गैस्ट्रीओसोफाजीपल कैंसर वाले रोगियों में केवल थिमोथैरेपी बनाम किमोथैरेपी के साथ इनोक्सापेरिन (कम आण्विक भार के हेपारिन) प्रदत्त कन्कोमिटैन्टली का रैन्डोमाइज्ड, फेज-III -ख, मल्टीसेंटर, ओपन लेबल, समानांतर अध्ययन। डॉ. अतुल शर्मा। क्राइटेरियम, पुणे। 7,60,000 रुपए। 2008- करेंट।

17. लैपाटिनिब के साथ अथवा इसके बगैर कैपसीटाबाइन प्लस ऑक्सलीप्लेटिन के साथ ई आर बी बी-2 पॉजीटिव उन्नत अथवा मैटास्टेटिक मैस्ट्रीक अथवा इसोफेजीयल अथवा गैस्ट्रीयोसोफाजीयल जंक्शन एडीनोकार्सिनोमा का फेज-III अध्ययन। डॉ. अतुल शर्मा। जी एस के। 434398 रुपए। 2009-2012 ।

18. फ्लूरोपाइरीमिडाइन्स/आइरिनोटेकन वाले कैंसर रोगियों में कीमोथैरेपी प्रवृत्त डायरिया पर प्रोबॉयोटिक VSL#3®, के क्षमता की जांच के लिए फेज-III, रेन्डोमाइज्ड, डबल ब्लाइंड, प्लेसबो नियंत्रित अध्ययन। डॉ. अतुल शर्मा। सी डी फार्मा इंडिया प्रा. लि.। 12 लाख रुपए। 2010-2013 ।

19. बच्चों, किशोरों एवं युवा प्रौढ़ों में तीक्ष्ण लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया का उपचार और विशेष लक्षण। डॉ. समीर बख्शी। कैंसर उपचार एवं अनुसंधान के लिए नेटवर्क एवं सर रतन टाटा ट्रस्ट। 4.5 लाख रुपए प्रति वर्ष। 2005- चालू।

20. उच्च ग्रेड के लिम्फोमास के पेडिएट्रिक एवं किशोरों में कीमोथैरेपी के दो चक्रों के बाद एफ डी जी - पी ई टी के प्रोग्नोस्टिक महत्व का मूल्यांकन। डॉ. समीर बख्शी। डी बी टी। 19.45 लाख। 2008- चालू।

21. उच्च खुराक केमेकोट्रेक्सेट का फार्माकाकिनेटिक एवं टॉक्सीसिटी प्रोफाइल : भारतीय बच्चों में सीरम क्रीएटीनाइन और एम टी एच एफ आर पॉलीमार्फिज्म से संबंध। डॉ. समीर बख्शी। जीव दया फाउंडेशन। 7.9 लाख रुपए। 2008- चालू।

पूर्ण

1. मानव फेटल लीवर हेमैटोपाइटिक स्टेम सेल लाईन का इन विट्रो विस्तारण और स्थापना। आचार्य ललित कुमार। डी बी टी। 67 लाख रुपए। 2006-2010 ।

2. प्रारंभिक इपीथेलियल ओवेरियन कैंसर के परिणाम को निर्धारित करने में पी 53, ई जी एफ आर स्थिति और ट्यूमर ग्रेडिग का सम्मिश्रण। आचार्य ललित कुमार। डी बी डी, 1.5 लाख रुपए। 2007-2010 ।

3. रिकंस्टीट्यूटिंग मैरो के लिए और हेपोटोसाइट्स में रिप्रोग्रामिंग के लिए प्रौढ़ मानव बोन मैरो और कॉर्ड ब्लड स्टेम सेलों का विस्तारण। आचार्य ललित कुमार। आई सी एम आर। 27 लाख रुपए। 2005-2010 ।

4. "अंतराल डिबल्किंग सर्जरी द्वारा अपनाई गई न्यूओएड्जुवेंट कीमोथैरेपी बनाम अवस्था-III-IV (केरण प्लीइपूरल इफ्यूशन) ईपीकेलियल ओवेरियन कार्सीनोमा में कीमोथैरपी द्वारा अपनाई गई अपफ्रंट सर्जरी। एक रैन्डोमाइज्ड अध्ययन। आचार्य ललित कुमार। आई सी एम आर। 731,300.00 रुपए। 2006-2010 ।

5. तीक्ष्ण माइइलॉइड - बीएकेमिया में क्रोमोसोमल अपसामान्यताएं और एफ एल डी 3 इंटरनल टैन्डम प्रतिलिपियन (आई टी डी) मुटेशन्स। डॉ. समीर बख्शी। एम्स। 3 लाख रुपए 2007-2010 ।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. ट्रीपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर का विश्लेषण।
2. क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया रोगियों का विश्लेषण : क्लीनिक - हिमैटोलॉजीकल प्रोफाइल एवं उपचार परिणाम।
3. टी सेल लिम्फोमेस का विश्लेषण।
4. क्रोनिक लिम्फोसाइटिक लियूकेमिया रोगियों में जेड ए पी 70 और सी डी 38 का प्रकटन।
5. न्यूरोब्लास्टोमा और हैब्डोमाइयोसरकोमा के रोगियों में कीमोथैरेपी के प्रारंभिक प्रतिक्रिया की स्टेजिंग और मूल्यांकन में पी ई टी - सी टी की भूमिका।
6. ओस्टीओसरकोमा के प्रबंधन में प्रोग्नोस्टिक फैक्टर : नैदानिक अध्ययन। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली।
7. आई आर सी एच पर उच्च जोखिम के न्यूट्रोपेनिक बुखार का विश्लेषण।

जारी

1. आई आर सी एच में ऑटोलोगस प्रतिरोपणों का विश्लेषण।
2. आई आर सी एच पर देखे गए बी सेल एन एच एल की नैदानिक विशेषताएं, प्रोग्नोस्टिक फैक्टर और परिणाम विश्लेषण।
3. प्लाज्मा सेल माइइलोमा में टी सेल रिपरटोयर।
4. मल्टीपल माइइलोमा में बीमारी के बायोमार्कर के रूप में इंडोकेलियल प्रोजेनीटर सेल्स। ए एम एल और थैरेपी की प्रतिक्रिया में मल्टी औषध प्रतिरोधी पैटर्न का निर्धारण। सी एल एल के रोगियों में जेड ए पी 70 और सी डी 38 का प्रकटन। बी सेल एन एच एल का इम्यूनोफेनोटाइपिंग प्रोफाइल।
5. ग्रुप सी और डी इंट्राऑक्यूलर रेटिनोब्लास्टोमा में ऑक्यूलर सल्वेज के लिए 750 मिली ग्राम/मी2 के साथ 560 मिली ग्राम/मी2 कार्बोप्लेटिन की तुलना में रैन्डोमाइज्ड परीक्षण।
6. लोकली उन्नत रेटिनोब्लास्टोमा में ट्यूमर एंजियोजेनेसिस का मूल्यांकन।
7. अंतर्राष्ट्रीय रेटिनोब्लास्टोमा स्टेजिंग सिस्टम के अनुसार स्टेज रेटिनोब्लास्टोमा में न्यूओएडजुवेंट कीमोथैरेपी के मूल्यांकन हेतु पायलट अध्ययन।
8. पेडिएट्रिक्स रोगियों में सिसप्लाटिन प्रवृत्त नेफ्रोटॉक्सीसीटी के एक प्रीडिक्टर के रूप में लीवर फैटी एसिड बाइंडिंग प्रोटीन का निर्धारण।

चिकित्सा भौतिकी

वित्तपोषित परियोजना

जारी

1. विकिरण डोज निर्धारण एवं रेडियोलॉजीकल मेडिकल इमेजिंग में उनके डोसीमिट्रिक अनुप्रयोगों के लिए सेंसिटिव थर्मो - लुमिनसेंट सामग्रियों का विकास। डॉ. प्रतीक कुमार। आई सी एम आर। 12,10,416 ।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. मेमोग्राफी मशीन की शीघ्र दैनिक गुणवत्ता आश्वासन जांच की प्रगति।
2. डिजीटल फ्लूरोस्कोपी में चेस्ट इमैजिंग का अभीष्टीकरण।

जारी

1. मेडिकल इमैज लेजर प्रींटर की गुणवत्ता आश्वासन हेतु प्रोटोकोल का विकास।
2. सीटी स्कैन का प्रयोग करते हुए एकेरोस्केलेरोटिक प्लेक्यू की विशेषता।
3. माइक्रोसाफ्ट पहुंच आधारित इमैज रिपोर्टिंग मॉडयूल का निरंतर रखरखाव।
4. इंटरवेनसनल फ्लूरोस्कॉपी में रेडिएशन डोज की मात्रा।
5. डोजीमेट्री प्रयोजन हेतु नये लुमिनसेंस सामग्री का विकास।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन के लिए पेडिएट्रिक लिम्फोमा में फन्टोम एवं इसके अनुप्रयोग का प्रयोग करते हुए एफ डी जी पी ई टी – सी टी द्वारा ट्यूमर भार आंकलन (मेडिकल भौतिक यूनिट, आई आर सी एच और न्यूक्लीयर मेडिसिन, एम्स)।

जारी

1. टेचीकार्डिया के लिए आर एफ एबलेशन प्रक्रिया में रोगी विकिरण डोज निर्धारण (मेडिकल फिजिक्स यूनिट, कार्डियोलॉजी विभाग और कार्डियक रेडियोलॉजी विभाग, एम्स)।
2. सोलीटरी पुलमोनरी नोड्यूल्स के निर्धारण में आंशिक वाल्यूम प्रभाव सुधारों का प्रभाव (मेडिकल भौतिक यूनिट और नाभिकीय चिकित्सा विभाग)।

विकिरण निदान

पूर्ण

1. ऊपरी एरोडाइगेस्टिव ट्रैक्ट के स्क्वामस सेल कार्सीनोमास वाले नैदानिक रोगियों में लिम्फ नोड मेटास्टेसेस के निर्धारण के लिए गर्दन का अल्ट्रासाउंड और सी टी मूल्यांकन।

जारी

1. सर्विक्स के कार्सीनोमा वाले रोगी के व्यवस्थापन में सी टी की भूमिका।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. उच्च इपीकोलियल ओवेरियन कैंसर रोगियों में प्राथमिक उपचार हेतु मूल्यांकन प्रतिक्रिया में एफ –18 एफ डी जी पी ई टी – सी टी की संवर्धनात्मक भूमिका (नाभिकीय चिकित्सा)।
2. हॉजिन का लिम्फोमा : उपचार परिणामों और प्रोग्नोस्टिक फैक्टरों का विश्लेषण (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान)।

3. पेडिएट्रिक तीक्ष्ण ल्यूकेमिया प्रवेशन में प्रारंभिक एंटीफंगल प्रोफीलाक्सिस के लिए ऑरल वोरीकोनाजोल बनाम इंट्रावेनीयस लो डोज एम्फोटेरीसिन बी : एक पूर्वव्यापी, रैन्डोमाइज्ड, क्लीनिकल परीक्षण (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)।

4. नये डायग्नोज्ड बहुविद माइइलोमा वाले रोगियों में प्रोक्रोम्बोटिक फैक्टर : एक अवलोकनात्मक अध्ययन (चिकित्सा अर्बुदविज्ञान)।

5. उच्च कनफॉर्मल रेडियोथैरेपी तकनीकी में 3 डी सत्यापन टूल के रूप में जेल डोजीमेट्री का वैधीकरण। (न्यूरोबॉयोकैमिस्ट्री और रेडियोथैरेपी)।

6. लैरिंक्स के रक्वामाउस सेल कार्सीनोमा में एंजियोजेनेसिस, प्रोलीफेरेटिव गतिविधि और डी एन ए प्लॉइड का अध्ययन और लिम्फ नोडमेटास्टेसिस के साथ उनका पारस्परिक प्रभाव। (पैथोलॉजी)।

7. रेडिएशन थैरेपी डोज का तुलनात्मक अध्ययन, 3 डी कनफोर्मल रेडियोथैरेपी (3 डी सी आर टी) बनाम इमैज निर्देशित रेडियोथैरेपी (आई जी आर टी) के लिए वाल्यूम मूल्यांकन और हेड एवं गर्दन स्क्वामाउस सेल कार्सीनोमा में आरंभिक प्रतिक्रिया का विश्लेषण (रेडियोथैरेपी)।

8. कार्सीनोमा सर्विक्स में इंट्राकैविटरी ब्राचीथैरेपी के लिए 3 डी सी टी आधारित उपचार प्लानिंग और 2 डी रेडियोग्राफी आधारित उपचार प्लानिंग का पूर्वव्यापी तुलनात्मक मूल्यांकन (रेडियोथैरेपी)।

जारी

1. पूर्व अनुपचारित इपीकोलियल ओवरीयन कैंसर स्टेज 3 सी और स्टेज 4 (केवल प्ल्यूरल इफ्यूजन) में अंतराल डिबल्किंग सर्जरी द्वारा अनुपालित कीमोथैरेपी बनाम उपफ्रंट कीमोथैरेपी द्वारा अपनाई गई अपफ्रंट सर्जरी की तुलना करते हुए रैन्डोमाइज्ड अध्ययन। (मेडिकल अर्बुदविज्ञान और गायनकोलॉजी विभाग)।

2. कांजेनीटल इथियोसिस के रोगियों में विटामिन डी की कमी और रिकेट्स की बहुलता और 21 वर्ष से कम आयु ग्रुप में केराटीनाइजिंग अव्यवस्था (डर्मेटोलॉजी)।

3. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में मैग्नेटिक रिजोनेंस इमेजिंग एवं स्पेक्ट्रोस्कोपिक विधियों की भूमिका (एन एम आर)।

4. असंगठित बड़े बी सेल गैर हॉजकिन लिम्फोमा में रेडियोलेबलयुक्त एंटी सी डी 20 एम्टीबॉडीज 131 आयोडाइन रिटक्सीमैब और/अथवा 90 यितीयम रिटक्सीमैब के थेराफूटिक प्रतिक्रिया का निर्धारण (नाभिकीय चिकित्सा)।

5. रेडियोथैरेपी के बाद कार्सीनोमा सर्विक्स में आरंभिक क्लीनिकल परिणाम की तुलना : अभिसामयिक बनाम इनटेंसिटी माडयूलेटेड रेडियोथैरेपी (आई एम आर टी) (डॉ. अजीत कुमार, रेडियोथैरेपी)।

6. सिम्प्टोमैटिक लोवर लिम्ब वैरीकोसीटीज के उपचार में इन्डोवेनियस लेजर अबलेशन, रेडियोफ्रेक्वेंसी अबलेशन और सर्जरी का तुलनात्मक मूल्यांकन। (डॉ. दीपक आर रेडियो- डायग्नोसिस)।

7. लोकली उच्च स्तन कैंसर में मूल्यांकनकारी निइयो-एडजुवेंट कीमोथैरेपी प्रतिक्रिया में एम आर आई और ग्रे स्केल और डोपलर अल्ट्रासाउंड के कार्य की तुलना (डॉ. कार्थिक, शल्य चिकित्सा)।

8. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने के लिए ट्रांसरेक्टल अल्ट्रासाउंड, इलास्टोग्राफी और कन्ट्रास्ट संवर्धित सोनोग्राफी का मूल्यांकन (डॉ. विशाल टेमबड़े, रेडियो - डायग्नोसिस)।

9. उच्च लैरियनजीयल एवं हाइपोफेरिंजीयल कैंसर वाले रोगियों में इन्ट्रा आर्टेरीयल कीमोथैरपी (निइयोएडजुवेंट) (डॉ. पंकज गुप्ता, रेडियो- डाइग्नोसिस)।

10. शल्य चिकित्सा और पोस्टऑपरेटिव रेडियोथैरेपी बनाम शल्य चिकित्सा और पोस्ट आपरेटिव कीमोरेडियोथैरेपी का मुख विवर का स्क्वामाउस सेल कार्सीनोमा के लिए उपचार मोडालिटी के रूप में तुलनात्मक अध्ययन। (डॉ. भारत भूषण, रेडियोथैरेपी)।

11. इसोफगस के लोकली विकसित स्क्वामाउस सेल कार्सीनोमा में कीमोरेडिएशन द्वारा अनुपालित समवर्ती कीमोरेडिएशन बनाम नियोएडजुवेंट कीमोथैरेपी की तुलना करते हुए फेज-II रेन्डोमाइज्ड अध्ययन। (डॉ. प्रीती चौधरी, रेडियोथैरेपी)।

12. किसी स्थान में विकसित हेड एवं गर्दन स्क्वामाउस कार्सीनोमा में एक्सीलीरेटेड फ्रेक्शनेशन रेडियोथैरेपी (6 फ्रैक्शन प्रति सप्ताह) बनाम समवर्ती कीमोरेडियोथैरेपी का फेज-II/III रेन्डोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण (डॉ. सुदीप दास, रेडियोथैरेपी)।

13. कंजर्वेटिव व्यवस्थापन की तुलना में डिस्कोजेनिक लो बैक पेन के इंटरवेंशनल रेडियोलॉजीकल प्रबंधन के परिणाम का तुलनात्मक मूल्यांकन (डॉ. वेंकटेश एच ए, रेडियो- डायग्नोसिस)।

विकिरण चिकित्सा

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. पूर्व इंडोक्राइन थैरेपी के बाद इस्ट्रोर्जन रीसिप्टर पॉजीटिव उच्च स्तर कैंसर प्रोग्रेसिंस अथवा रिलैप्सिंग से पोस्ट मेनोपौजल महिला में फुलवेस्ट्रैंट (एफ ए एस एल ओ डी ई एक्स ^{TM}) 500 मिलीग्राम का फुलवेस्ट्रैंट (एफ ए एस एल ओ डी ई एक्स ^{TM}) 250 मिलीग्राम के साथ क्षमता एवं टोलेरेबिलिटी की तुलना करते हुए रैन्डोमाइज्ड, डबल ब्लाइंड, सामानांतर ग्रुप, मल्टीसेंटर, फेज-III अध्ययन। डॉ. पी के जुल्का, क्वीन्टल्स 245700 रुपए।

2. डॉ. बी आर ए आई आर सी एच, एम्स में सिर एवं गर्दन, स्तन एवं सर्विक्स में केयर एवं सरवाइवल अध्ययनों की पद्धति। (राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम के भाग के रूप में, आई सी एम आर द्वारा निधिकित), आई- 508, 3.6 लाख रुपए प्रति वर्ष।

जारी

1. एडजुवेंट कीमोथैरेपी/रेडियोथैरेपी से उपचारित गैर मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैंसर मरीजों में आयूष क्यू ओ एल -2 सी से जीवन की अग्रगामी अध्ययन मूल्यांकनकारी गुणवत्ता और आणुविक मार्करों के साथ इसका सह- संबंधन, डॉ. जी के रथ, आयुर्वेदा एवं सिदाह में अनुसंधान संबंधी सेंट्रल परिषद, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 51,45.777 रुपए।

2. आपरेबल ब्रेस्ट कैंसर, जिसमें एच आई आर 2 अल्ट्रेशन हो, वाले नोड पॉजीटिव एवं उच्च जोखिम नोड नेगेटिव मरीजों के एडजुवेंट उपचार में डोसीटैक्सल एवं ट्रास्टुजुमैब (हरसेप्टिन) (ए सी ए टी एच) द्वारा अनुपालित और डोजीटैक्सल, कार्बोप्लेटिन एवं ट्रास्टुजुमैब (टी सी एच) के साथ डोक्सोरूबिसिन एवं साइक्लोफोस्फामाइड के साथ डोसीर्टक्सल (ए कैट) द्वारा अनुपालित डोक्सोसिबसिन एवं साइक्लोफोस्फामाइड की तुलना करते हुए बी सी आई आर जी 006 - एक मल्टीसेंट्रिक फेज-III रेडोमाइज्ड परीक्षण। डॉ. पी के जुल्का, एवेन्टिस, 162313 रुपए।

3. फेज 1/2, आशोधित डोज इस्केलेशन, पूर्व अनुपचारित एच ई आर 2 पॉजीटिव मेटास्टिक ब्रेस्ट कैंसर के मरीजों में, जो ट्रासटुजुमैब के साथ मिश्रित है, आई एन सी बी 007839 के थेरापीयूटिक प्रभाव और बचाव के निर्धारण हेतु ओपन लेबल परीक्षण। डॉ. पी के जुल्का, सिरो, 4,27,710 रुपए।

4. बायोमैब - ई जी एफ आर (निमोटुजुमैब) की सुरक्षा एवं क्षमता का ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफार्मे वाले भारतीय मरीजों में रेडियोथैरेपी जमा टेमोजोलोमाइड (कनकॉमीटेंट एवं एडजुवेंट) के मिश्रण में प्रवेशन एवं रखरखाव थैरेपी के रूप में मूल्यांकन करने के लिए एक ओपन लेबल पूर्वव्यापी मल्टीसेंट्रिक अध्ययन। डॉ. पी के जुल्का, क्लीनजेन, 3,26,800 रुपए।

5. डॉ. बी आर ए आई आर सी एच, एम्स में सिर एवं गर्दन, स्तन एवं सर्विक्स के कैंसर में केयर एवं सरवाइवल अध्ययनों का पैटर्न (आई सी एम आर द्वारा राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम के भाग के रूप में) आई-508, डॉ. बी के मोहन्ती। राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम, आई सी एम आर। 3.6 लाख रुपए प्रति वर्ष।

6. हॉर्मोन रिफ्रैक्ट्री प्रोस्टेट कैंसर वाले व्यक्तियों में प्रोलांगिंग बोन मेटास्टासिस मुक्त सरवाइवल पर डेनोसुमैब का रैन्डोमाइज्ड, डबल ब्लाइंड, प्लेसबो - नियंत्रित मल्टीसेंटर फेज 3 अध्ययन। डॉ. पी के जुल्का, क्वीनटाइल्स, 2,17,405 रुपए।

7. विकिरण थैरेपी अपनाने वाले सर्वाइकल कैंसर से पेलविकरिक्रेंस वाले मरीजों में पी ई टी स्कैन का क्लीनिकल प्रभाव। डॉ. डी एन शर्मा, एम्स, 100000 रुपए।

8. क्षेत्रीय कैंसर सेंटर पर कीमोथैरेपी/शल्य चिकित्सा वाले अथवा इसके बगैर रेडियोथैरेपी वाले भारतीय मरीजों में कैंसर केयर की इकोनोमिक लागतों के निर्धाण हेतु अध्ययन (आई आर सी एच, एम्स और भारतीय सांख्यिकी संस्थान, दिल्ली के बीच सहयोगात्मक अध्ययन) आई एस आई, 2.2 लाख रुपए प्रति वर्ष।

9. विकिरण थैरेपी को अपनाने वाले सरवाइकल कैंसर से पेलविक रिक्रेंस वाले मरीजों में पी ई टी स्कैन का क्लीनिकल प्रभाव। डॉ. डी एन शर्मा, एम्स।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. ऊपरी एरो डाइगेस्टिव ट्रैक्ट के स्क्वामाउस सेल कार्सीनोमा वाले क्लीनीकली नहीं मरीजों में उपरी ऐरो मेटास्टेसेस के स्क्वामाउस सेल कार्सीनोमा के क्लीनिकली नहीं मरीजों में लिम्फ नोड मेटास्टासेस के मूल्यांकन हेतु गर्दन का अल्ट्रासाउंड और सी टी मूल्यांकन (डॉ. अभिषेक मान बाजराचार्या, जुनियर रेजीडेंट, रेडियो डाइग्नोसिस विभाग, एम डी शोध प्रबंध)।

2. ऑरल वेरुकस कार्सीनोमा में एंजियोजेनेसिस, प्रोलीफरेटिव गतिविधि और डी एन ए प्लॉपडी का अध्ययन : नॉर्मल मुकोसा, वेरुकोअस हाइपरप्लेसिया और रक्वामाउस सेल कार्सीनोमा से तुलना (डॉ. सौम्यारंजन मल्लिक, जुनियर रेजीडेंट, पैथौलॉजी विभाग, एम डी शोध प्रबंध)।

जारी

1. रेक्टल कैंसर में सर्जरी द्वारा अपनाई गई प्रीऑपरेटिव अल्प अवधि रेडियोथैरेपी (25 जी वाई) बनाम प्रीऑपरेटिव समवर्ती रेडियोथैरेपी (45 जी वाई) और कीमोथैरेपी का रैन्डोमाइज्ड अध्ययन। (डॉ. बी आर ए आई आर सी एच और एम्स - रेडिएशन अर्बुदविज्ञान, शल्य चिकित्सा - अर्बुदविज्ञान, मेडिकल अर्बुदविज्ञान, पैथोलॉजी, रेडियोडायग्नोसिस के सहयोगात्मक विभाग)।

2. राष्ट्रीय रेटिनोब्लास्टोमा रजिस्ट्री दिल्ली साइट, डॉ. आर पी सेंटर, एम्स, आई सी एम आर निधि के तहत एक सहयोगात्मक अध्ययन, नई दिल्ली, भारत।

3. अंतर्राष्ट्रीय रेटिनोब्लास्टोमा स्टेजिंग सिस्टम के अनुसार स्टेज 3 रेटिनोब्लास्टोमा में न्यूओएडजुवेंट कीमोथैरेपी के मूल्यांकन हेतु अग्रगामी अध्ययन। (डॉ. वेंक्टारमन आर, मेडिकल ऑकोनॉलॉजी विभाग, आई आर सी एच, डी एम क्लीनिकल शोध प्रबंध)।

4. ऑरल स्क्वामस सेल कार्सीनोमा वाले मरीजों में सी डी 4 + सी डी 25 + एफ ओ एक्स पी 3 + रेगुलेटरी टी सेलों का फेनोटाइपिक एवं कार्यात्मक विशेष लक्षण (पी एच डी शोध- प्रबंध कार्य, बॉयोटेक्नॉलॉजी विभाग)।

5. हेड एवं गर्दन कैंसर के मरीजों में पी 38 अल्फा प्रकटीकरण एवं प्रोग्नोस्टिक मार्कर के रूप में टैम्पोरल जांच (पी एच डी शोध प्रबंध कार्य, बायोफिजिक्स विभाग)।

6. ओरो - फैरीनिक्स के कैंसर में कीमो रेडिएशन उपचार हेतु एच पी वी घटना एवं पारस्परिक क्रिया का निर्धारण (डी एम के लिए क्लीनिकल शोध प्रबंध कार्य, मेडिकल अर्बुदविज्ञान)।

7. हेड एवं नेक के स्क्वामाउस सेल कार्सीनोमा में मार्कर के रूप में हेट्रोजीनियस रिबो न्यूक्लीपोप्रोटीन के (विज्ञान निष्णात डिस्सर्टेशन कार्य, बॉयोटेक्नॉलॉजी विभाग)।

8. लघु (ए टी एल ए एस) के प्रति एडजुवेंट टेमोक्सीफेन दीर्घ - मल्टी सेंटर अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण, ऑक्सफोर्ड, यू.के. (शल्य चिकित्सा ऑनकोलॉजी, मेडिकल ऑनकोलॉजी एवं रेडिएशन ऑनकोलॉजी)। निधियन - ए टी एल ए एस।

9. उच्च कैंसर सर्विक्स के व्यवस्थापन में करकुमिन का मूल्यांकन (रेडियोथैरेपी, गयानेकोलॉजी, बॉयोकैमिस्ट्री और पैथोलॉजी विभाग)।

10. पेनफुल बोन लेजन्स में परक्यूटैनियस रेडियोफ्रेक्वेंसी एबलेशन (एम डी शोध प्रबंध कार्य, रेडियोथैरेपी विभाग)।

शल्य चिकित्सा अबर्दुविज्ञान

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. रैडीकल शल्य चिकित्सा और रेडियोथैरेपी के बाद मुख के कैंसर वाले मरीजों का कार्यात्मक निर्धारण।
2. ऑनकोप्लास्टिक ब्रेस्ट सर्जरी - रोगी प्रोफाइल और परिणाम का पूर्वव्यापी मूल्यांकन।
3. टी 4 बी लेजनों वाले ब्रेस्ट कैंसर मरीजों में स्किन अंतर्ग्रस्तता का निर्धारण।
4. सर्जिकल ऑनकोलॉजी मरीजों में प्रोफीलैक्टिक एंटीबॉयोटिक्स।
5. डाई एवं गामा प्रोब का प्रयोग करते हुए मुख के कैंसर वाले मरीजों का सेंटीनेल लिम्फ मोड बॉयोप्सी।
6. गायनेकोलाजीकल एवं लोवर जी आई कैंसर के मरीजों में डीप वेइन थ्रोमोबोसिस का अध्ययन।
7. पेलविक मलिगनैंसी के मरीजों में प्रोफीलैक्टिक लो आण्विक हेपरिन के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए अध्ययन।

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

जारी

1. कैंसर ब्रेस्ट में केयर एवं सरवाइवल अध्ययन का पैटर्न।
2. कैंसर सर्विक्स में केयर एवं सरवाइवल अध्ययन का पैटर्न।
3. हेड एवं नेक कैंसरों में केयर एवं सरवाइवल अध्ययन का पैटर्न।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. मुख के कैंसर रोगियों में टी एच 17 सेलों की कार्यात्मक एवं फेनोटाइपिक विशेषता। (सर्जिकल ऑनकोलॉजी एवं बॉयोटेक्नालॉजी विभाग)।
2. भारत में कैंसर संस्थान में ट्रीपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर का अध्ययन। (मेडिकल अर्बुदविज्ञान, शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान, रेडिएशन अर्बुदविज्ञान, पैथोलॉजी विभाग)।

जारी

1. लघु (ए टी एल ए एस) के प्रति दीर्घ एडजुवेंट टैमोक्सीफेन - मल्टी सेंटर अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण, ऑक्सफोर्ड, यू.के. (चिकित्सा अर्बुद विज्ञान एवं शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग)।

2. मानव इसोफेजीएल कैंसर में सेल चक्र रेगुलेटरी प्रोटीन्स डब्ल्यू ए एफ - डी एवं पी 16 (बायोकैमिस्ट्री सर्जिकल अर्बुदविज्ञान, पैथोलॉजी विभाग)।

3. मुख के कैंसर में आण्विक मार्करों के मूल्यांकन एवं प्रमाणीकरण पर मल्टीसेंट्रिक राष्ट्रीय प्रोग्राम : एक क्रास सेक्शनल अध्ययन। (बायोकैमिस्ट्री एवं सर्जिकल अर्बुदविज्ञान विभाग)।

4. भारतीय महिला स्तन कैंसर रोगियों मं विभिन्न क्रोमोसम्स में माइक्रोसेटेलाइट अवस्थापनाओं का मूल्यांकन (सर्जिकल अर्बुदविज्ञान विभाग और बॉयोसाइंस विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली)।

5. लोकली उच्च मुख के कैंसर के मूल्यांकन में सी टी स्कैन एवं एम आर आई की भूमिका। (सर्जिकल ऑनकोलाजी एवं रेडियो डाइग्नोसिस विभाग)।

6. भारतीय महिला स्तन कैंसर रोगियों में पी 21 डब्ल्यू ए एफ 1 जीन का आणुविक मूल्यांकन (सर्जिकल आनकोलॉजी विभाग और बॉयो साइंस विभाग जामिया मिलिया इस्लामिया)।

7. तम्बाकू से संबद्ध ऑरल कार्सीनोजेनेसिस का आणुविक बेसिस (बायोकैमिस्ट्री एवं सर्जिकल अर्बुदविज्ञान विभाग)।

8. "लोकली विकसित एवं/अथवा मैटास्टेटिक रिनल सेल कार्सीनोमा के मरीजों में प्लेसबो की तुलना में पैजोपैनिब की दक्षता एवं सेफ्टी के मूल्यांकन के लिए रैंडोमाइज्ड, डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित, मल्टी सेंटर फेज-III अध्ययन" सी ई जी 105 192 (मेडिकल ऑनकोलाजी एवं सर्जिकल ऑनकोलाजी विभाग)।

9. उच्च इसोफेजिएल एवं गैस्ट्रिक एडेनोकार्सीनोमा में ऑक्सील्पलेटिन, डाकटैक्सल एवं कैपेकरियाबाइन का ओपन लेबल, गैर रेन्डोमाइज्ड फेज-II परीक्षण" प्रोटोकोल 10701 (मेडिकल ऑनकोलॉजी, सर्जिकल ऑनकोलाजी एवं रेडिएशन ऑनकोलॉजी विभाग)।

10. "प्रारंभिक अवस्था ई आर बी बी2 अधिक अभिव्यक्त ब्रेस्ट कैंसर वाली महिलाओं में एडनुवेंट लैपाटिनिब का रैन्डोमाइज्ड, डबल ब्लाइंड, मल्टीसेंटर, प्लेसबो नियंत्रित अध्ययन" (मेडिकल ऑनकोलाजी एवं सर्जिकल ऑनकोलॉजी विभाग)।

11. "जेमसीटेबाइन निहित रेजीमेन से पूर्व उपचारित उच्च पैनक्रीएटिक कैंसर के रोगियों के उपचार के लिए 5 एफ यू के निरंतर नियंत्रण की तुलना में प्रत्येक सप्ताह 90 एम जी/एम2 पर सिंगल एजेंट लैरोटैक्सल (एक्स आर पी 9881) का रैन्डोमाइज्ड, ओपन लेबल मल्टी सेंटर अध्ययन" (मेडिकल ऑनकोलाजी एवं सर्जिकल ऑनकोलॉजी विभाग)।

12. भारत में महिला स्तन कैंसर रोगियों में साइटोकिनिन में जेनेटिक परिवर्तन का आणुविक विश्लेषण (सर्जिकल ऑनोकोलाजी विभाग और बायोसाइंस विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया)।

13. मुख के कैंसर में टी सी 21/आर - आर ए एस 2 के अधिक प्रकटन का क्लीनिकल महत्व (बायोकैमिस्ट्री एवं सर्जिकल ऑनकोलॉजी विभाग)।

14. मैटास्टेटिक साफ्ट टिस्सू अथवा बोन सरकोमास के रोगियों के लिए ए पी 23573 की क्षमता एवं सेफ्टी के निर्धारण के लिए पिवोटल परीक्षण, जब मेंटेंस थैरेपी के रूप में नियंत्रित किया गया हो (मेडिकल ऑनकोलाजी और सर्जीकल ऑनकोलाजी विभाग)।

15. के आर ए एस विल्ड टाइप मैटास्टेटिक कोलोरेक्टल कैंसर के मरीजों में एफ ओ एल एफ आई आर आई जमा सीटुक्सीमैब (इरबिटुक्स) अथवा एफ ओ एल एफ ओ एक्स जमा सीटुक्सीमैविन की सेफ्टी एवं क्षमता का मूल्यांकन

करते हुए एशिया पैसीफिक नॉन रेन्डोमाइज्ड ओपन लेबल फेज-II अध्ययन (ए पी ई सी अध्ययन)। (मेडिकल ऑनकोलाजी और सर्जीकल ऑनकोलाजी विभाग)।

16. कार्सीनोमा सर्विक्स के स्टेजिंग और प्रबंधन में कम्प्यूटेड टोमोग्राफी की भूमिका (रेडियो थैरेपी, रेडियो डायग्नोसिस एवं सर्जिकल ऑनकोलॉजी विभाग)।

17. भारतीय महिला ब्रेस्ट कैंसर रोगियों में पी 21 जीन का आणुविक विश्लेषण। (सर्जिकल ऑनकोलाजी विभाग, बायोसाइंस विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया)।

18. ट्रीपल नेगेटिव एवं गैर ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर में ई जी एफ आर एवं बेसल राइटोकेरेटिन प्रकटन। (मेडिकल ऑनकोलॉजी विभाग, सर्जिकल आनकोलॉजी विभाग)।

19. मुख के कैंसर में नेचुरल किलर टी सेल और डेन्ट्रीटाइस सेलों की कार्यात्मक एवं फेनोटाइपिक विशेषता। (बायोटैक्नोलाजी विभाग, सर्जिकल ऑनकोलॉजी विभाग)।

20. उच्च गैर स्माल सेल लंग कैंसर में लुकैनिक्स TM (बलाजेनपुमाटुसेल - एल) का रजिस्ट्रेशन फेज-III अध्ययन : अंतर्राष्ट्रीय मल्टीसेंटर, रैन्डोमाइज्ड, डबल ब्लाइंड, प्लेसबो - नियंत्रित अध्ययन। (मेडिकल ऑनकोलॉजी विभाग एवं सर्जिकल ऑनकोलॉजी विभाग)।

21. हेड एवं नेक के कैंसर में विभेदीय रूप से व्यक्त प्रोटीनों की कार्यात्मक विशेषता। (सर्जिकल आनकोलॉजी विभाग और बायोकैमिस्ट्री विभाग)।

22. रोग नैदानिक जांच में हेड एवं गर्दन के कैंसर मार्करों की ट्रांसलेटिंग इंडो कैनेडियन अनुसंधान प्रोजेक्ट (सर्जिकल ऑनकोलॉजी विभाग, बॉयोकैमिस्ट्री विभाग, एम्स और कैमिस्ट्री विभाग योर्क विश्वविद्यालय, कनाडा)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 131

सार : 27

पुस्तकों में अध्याय : 11

रोगी उपचार

1.	**कुल बिस्तर संख्या**	**182**
	चिकित्सा अर्बुदविज्ञान	78
	विकिरण अर्बुदविज्ञान	37
	शल्य चिकित्सा अर्बुदविज्ञान	61
	प्रशामक केयर यूनिट	06
2	**कुल ओ पी डी सेवा**	**82597**
	नये मरीजों की	8679
	रिविजिट	73918

3. विभिन्न ओ पी डी/क्लीनिकों का विवरण

क्र.सं.	क्लीनिकों/ओपीडी का नाम	नये मरीज			रिविजिट		
		पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
1	प्रौढ़ मेडिकल ऑनकोलॉजी क्लीनिक	494	330	824	9944	12316	22260
2	प्रौढ़ लिम्फोमा ल्यूकेमिया	3	2	5	3934	1924	5858
3	सी एल एल/सी एम एल क्लीनिक	169	82	251	1237	662	1899
4	ए ए ल एल /एच एल क्लिनिक	71	33	104	556	274	830
5	स्तन कैंसर क्लिनिक	29	421	450	78	3933	4011
6	बोन एवं साफ्ट (टिस्सू)	174	104	278	441	290	731
7	गैस्टो - इन्टेस्टीनल क्लीनिक	287	221	508	707	484	1191
8	गायनेकोलॉजी "क"	0	248	248	0	834	834
9	गायनेकोलॉजी "ख"	0	602	602	0	2297	2297
10	गायनेकोलॉजी "ग"	0	65	65	0	38	38
11	हेड एवं गर्दन (सर्जरी) क	175	39	214	1137	231	1368
12	हेड एवं गर्दन (ई एन टी) बी	873	150	1023	3195	577	3772
13	लंग कैंसर क्लीनिक	101	22	123	388	88	476
14	एन एच एल /एम एम/सी एल एल क्लिनिक	124	49	173	441	196	637
15	आफकलमिक ट्यूमर क्लीनिक	8	2	10	112	60	172
16	पेडिएट्रिक मेडिकल ऑनकोलॉजी क्लीनिक	273	128	401	5044	2032	7076
17	पेडिएट्रिक लिम्फोमा ल्यू	90	46	136	2561	853	3414
18	पेडिएट्रिक सर्जरी	77	37	114	1357	478	1835
19	दर्द राहत क्लीनिक	230	178	408	2560	1938	4498
20	दर्द एवं प्रशामक क्लीनिक	0	01	01	0	13	13
21	रेडियोथैरेपी क्लीनिक	1194	1002	2196	3862	4529	8391
22	सर्जीकल ऑनकोलॉजी	142	147	289	120	101	221
23	प्रतिरोपण क्लीनिक	13	10	23	444	115	559
24	यूरोलॉजी मैलिगनैसिस क्लीनिक	213	15	228	1492	45	1537
25	अंतरंग कैंसर क्लीनिक	0	05	05	0	0	0
	कुल	**4740**	**3939**	**8679**	**39610**	**34308**	**73918**

4. भौगोलिक संवितरण 2010-2011

क्र.सं.	राज्य का नाम	कुल	क्र.सं.	राज्य का नाम	कुल
1	आन्ध्र प्रदेश	5	2	असम	28
3	बिहार	1040	4	चंडीगढ़	02
5	छत्तीसगढ़	16	6	दमन एवं द्विव	04
7	दिल्ली	3034	8	गुजरात	03
9	हरियाणा	954	10	हिमाचल प्रदेश	28
11	जम्मू एवं कश्मीर	86	12	झारखंड	94
13	कर्नाटक	05	14	केरल	10
15	मध्य प्रदेश	101	16	महाराष्ट्र	09
17	मणिपुर	12	18	मेघालय	01
19	मिजोरम	02	20	नागालैंड	08
21	उड़ीसा	66	22	पंजाब	65
23	राजस्थान	157	24	सिक्किम	34
25	तमिलनाडु	05	26	त्रिपुरा	07
27	उत्तर प्रदेश	2452	28	उत्तरांचल	338
29	पश्चिम बंगाल	70	30	अन्य देश	43
	कुल	**8679**			

5. कुल दाखिले	**28,314**
नियमित	5,461
अल्प/दिवस केयर	22,853
6. कुल डिस्चार्ज	**27,999**
नियमित	5,435
अल्प/दिवस केयर	22,564
7. कुल मृत्यु	**250**
8. ऑपरेशन थियेटर सेवाएं	**6,333**
बड़े	706
छोटे	5,627
9. इलैक्ट्रोकार्डियोग्राम (ई सी जी)	**2,364**

10. संवेदनाहरण विज्ञान

उपलब्ध सुविधाओं में शामिल हैं (i) पोस्टऑपरेटिव मरीजों के लिए आई सी यू सुविधाएं; (ii) पी ए सी एवं पेन एवं प्रशामक केयर क्लीनिक सप्ताह में चार बार चलाए जाते हैं, (iii) गैर सरकारी संगठनों द्वारा उच्च सांघातिकाओं वालो मरीजों को

होम स्पोर्ट और अनुवर्ती रिपोर्टें प्राप्त करने के लिए उनके साथ मासिक बैठकें, (iv) रेडियोथैरेपी, मेडिकल ऑनकोलॉजी एवं सर्जीकल ऑनकोलॉजी के मरीजों के गहन केयर प्रदान करना, (v) पेडिएट्रिक रेडियोथैरेपी के लिए सुविधा, (vi) छोटे पेडिएट्रिक ऑनकोलॉजी प्रक्रियाओं, जैसे कि बोन मैरो बॉयोपसी, सेंट्रल लाइन इंसर्शन, बोन मैरो हार्वेटिंग एवं अन्यों के लिए एनेस्थोसिया, (vii) एनेस्थोसिया लीवर के लिए रेडियोफ्रेक्वेंसी अबलेशन, लंग ब्रेस्ट कार्सीनोमा के तहत पेडिएट्रिक रेडियोलॉजीकल प्रक्रियाओं के लिए सुविधा (viii) वेरेटीब्रोप्लास्टी एवं (ix) स्क्रैम्बलर थैरेपी।

11. प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान सेवा **कुल** **89,941**

1.	हिमोग्राम (एच बी, टी एल सी, प्लेटलेट्स	51,999
2.	पेरीफेरल ब्लड समीयर (पी बी एस)	4,986
3.	बोन मैरो एस्पाइरेशन एवं टच प्रीपरेशन (बी एम)	2,886
4.	साइटो - कैमिस्ट्री	631
5.	सीरम प्रोटीन इलेक्ट्रोफोरेसिस (एस पी ई)	2,284
6.	इम्यूनोफिक्सेशन (आई एफ एक्स)	171
7.	यूरिन इलेक्ट्रोफोरेसिस (यू ई)	489
8.	एफ एल ओ डब्ल्यू	24,214
9.	एफ एन ए सी (लिम्फ नोड)	160
10.	ई एस आर	1665
11.	ए पी ए ए पी	321
12.	साइटो - स्पीन	135
	कुल	89,941

12. मेडिकल ऑनकोलॉजी क्लीनिकल सेवाएं

1. लंग कैंसर कीमोथैरेपी क्लीनिक को अब 2 वर्षों में पंजीकृत 550 से अधिक मरीजों में भलीभांति स्थापित किया गया है।
2. लगभग 70-80 प्रतिशत मरीज अस्पताल से विभिन्न कैंसर रोधी दवा ले रहे हैं।
3. बाह्य ब्लड स्टेम सेल ट्रांसप्लांट प्रोग्राम लगभग 100 ट्रांसप्लांटों के साथ जारी है, जिन्हें पिछले 1 वर्ष में पूरा किया गया है।

नये मामले (सी टी ई + एल एल)	1366	पुराने मामले (सी टी ई + एल एल)	42267
कुल	43633		
डेकेयर में कुल कीमोथैरेपी	22307		
ओ पी डी कीमोथैरेपी	18420		
दाखिला (वार्ड एवं डेकेयर) (1462 + 22543)	= 24005		

मेडिकल ऑनकोलॉजी रोग निदान एवं थेराप्यूटिक प्रक्रियाएं

बोन मैरो बायोप्सी	480	बोन मैरो एस्पाइरेशन	1495

प्ल्यूरल टैपिंग	341	सी एस एफ के साथ इंट्राथेकल थैरेपी	1370
स्किन बॉयोप्सी	0	कैथेटराइजेशन	02
अन्य स्पोर्टिव सेवाएं	23	स्युचर रिमुवल	22
कुल ओ पी डी प्रक्रिया	3711		

मेडिकल ऑनकोलॉजी प्रयोगशाला सेवा

स्टोर किया गया एस डी पी	4136	हीयमोग्राम	12309
सिंगल डोनर प्लेटलेट (एस डी पी)	2068	निष्पादित इंफ्यूजनों की संख्या	132

साइटोनेजेटिक्स

फिलाडेल्फिया क्रोमोसम का पता लगाना	367	चिमेरिज्म के लिए	06
पी बी एस सी का क्रीयोपरिजर्वेशन	26	आणुविक सेल काउंट	149
पेरीफेरल ब्लड समीयर काउंट	143	स्टेम सेलों की जीवन क्षमता	132
स्टेम सेलों की सी डी 34 काउंट	145	स्टेम सेलों का सी डी 3 काउंट	17
ल्यूकोमिया के लिए इम्यूनो फेनोटइपिंग	23		

पॉलीमीशज चेन रीयक्शन

- सी एम एल (गुणात्मक) में पी 210 और पी 190 ट्रांसलोकेशन का पता लगाने के लिए 149
- आर क्यू - पी सी आर (गुणात्मक) में पी 210 और पी 190 ट्रांसलोकेशन का पता लगाने के लिए 35

ए एम एल में एफ 1 टी 3 म्युटेशन की स्क्रीनिंग	24		
4 सेटीग्रेड पर पेरीफेरल ब्लड स्टेम सेलों का स्टोरेज	122		
एअपरजिलोसिस का पता लगाने के लिए ईएलआईएसए	1005	ग्रेनुलीसाइट हार्वेस्ट	5
बोन मैरो हार्वेस्ट	10		

13. मेडिकल भौतिक यूनिट कुल 5,814

14. रेडियोडाइग्नोसिस सेवा

1.	सी टी स्कैन	**5,230**
2.	इंटरवेंशन	716
3.	मेमोग्राफी	1,127
4.	विशेष जांच	65
5.	अल्ट्रासाउंड	4,537
6.	एक्स-रे (ओ पी डी + वार्ड + पार्टेबल)	11,425
	कुल	**23,100**

15. रेडियोथैरेपी क्लीनिकल सेवा

रेडियोथैरेपी के कुल मामले	68143	रेडियोथैरेपी पर कुल क्षेत्र	174276
ब्राचीथैरेपी के मामले	1036	ट्रीटमेंट प्लानिंग एवं सिमुलेशन	4365
2 डी और 3 डी संवितरण	896	कम्पेनसेटर	373
शीलिंग ब्लॉक, इममोबाइलाइजेशन उपकरण, मोल्ड्स	1876		
रेडिएशन पुनरीक्षा क्लीनिक	4261	कीमोथैरेपी के मामलों की संख्या	6116
इंजेक्शनों की संख्या	37354	आर एफ ए	2

सामुदायिक सेवाएं

डॉ. जी के रथ ने (i) 22 मई, 2010 को "स्तन कैंसर" पर टाइम्स आफ इंडिया, (ii) 25 सितम्बर, 2010 को "ब्रेस्ट का कार्सीनोमा" पर डी एन ए न्यूज पर लेख लिखे; 4 फरवरी, 2011 को दिल्ली दूरदर्शन में "हेड एवं नेक के कैंसर के बारे में जनता को क्या जानने की आवश्यकता है," पर चर्चा की।

डॉ. पी के जुल्का ने बच्चों में कैंसर पर सीधा टी वी प्रोग्राम दिया, लोक सभा टी वी, 31 मार्च, 2011, हेड एवं नेक कैंसर पर एयर फोन - इन प्रोग्राम, 21 मार्च, 2011, कैंसर प्रबंधन पर सीधा टी वी प्रोग्राम, लोक सभा टी वी, 5 फरवरी, 2011; विश्व कैंसर दिवस पर कैंसर पर टी वी प्रोग्राम, दिल्ली दूरदर्शन न्यूज, 4 फरवरी, 2011, लंग कैंसर पर सीधी टी वी प्रोग्राम, टोटल हैल्थ शो, दिल्ली दूरदर्शन न्यूज, 23 जनवरी, 2011; स्तन कैंसर पर सीधा टी वी प्रोग्राम, दिल्ली दूरदर्शन नेशनल, 8 जनवरी, 2011; तम्बाकू एवं कैंसर पर सीधा टी वी प्रोग्राम, दिल्ली दूरदर्शन न्यूज, 13 दिसम्बर, 2010; स्तन कैंसर पर प्रेस कांफ्रेंस, 4 अक्तूबर, 2010। स्तन कैंसर पर सीधा टी वी प्रोग्राम, लोक सभा टी वी, 22 सितम्बर, 2010; हेड एवं नेक कैंसर पर सीधा टी वी प्रोग्राम, टोटल हैल्थ शो, दिल्ली दूरदर्शन न्यूज, 12 सितम्बर, 2010; हेड एवं नेक कैंसर पर एयर फोन इन प्रोग्राम, 21 जुलाई, 2010; रीवर गंगा एवं कैंसर पर सीधा टी वी प्रोग्राम, स्टार न्यूज, 14 जून, 2010; तम्बाकू एवं कैंसर पर सीधा टी वी प्रोग्राम, टोटल हैल्थ शो, दिल्ली दूरदर्शन न्यूज, 30 मई, 2010; कैंसर एवं प्रबंधन पर एयर फोन इन प्रोग्राम, 17 मई, 2010; मोबाइल फोन एवं कैंसर पर सीधा टी वी प्रोग्राम, लाइव टोटल टी वी, 16 मई, 2010; तम्बाकू एवं कैंसर पर सीधा टी वी प्रोग्राम, लोक सभा टी वी, 1 मई, 2010; "नवभारत टाइम्स" में "जीन मैपिंग" पर लेख, 11 अक्तूबर, 2010; "दैनिक भास्कर" में "स्तन कैंसर 5 अक्तूबर, 2010; "हिन्दुस्तान" में "कैंसर जागरूकताष्, 5 अक्तूबर, 2010 ।

डॉ. डी एन शर्मा ने मार्च, 2011 को डी डी न्यूज पर स्तन कैंसर पर एक लाइव प्रोग्राम में भाग लिया।

16. ओ पी डी प्रकियाएं	**कुल**	**3712**
1. ड्रेसिंग		578
2. स्यूचर रिमुवल		24
3. एन जी ट्यूब रिमुवल		0
4. कुल		602

कीमोथैरेपी सेवाएं (ओ पी डी) कुल 18,890

1.	एम/एफ सी टी - एंटीबॉयोटिक्स	18,864
2.	मेल चाइल्ड सी टी	104
3.	फिमेल चाइल्ड सी टी	22
	कुल	**18,990**

शल्य-चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

1. छोटा ऑपरेशन थिएटर : डायग्नोस्टिक एवं छोटी थेराप्यूटिक प्रक्रियाएं, जिसमें लिम्फ नोड बायोप्सी, पंच/ट्रूक्यूट वॉयोप्सी, स्किन/ऑरल ट्यूमरों का एक्साइजन, साफ्ट टिस्सू ट्यूमर, फीडिंग जेजुनोस्टॉमी, कोलोस्टॉमी, हिकमैन्स कैकटर का अंतःक्षेपण/दीर्घ अवधि कीमोथैरेपी के लिए कीमो पोर्टस शामिल हैं, छोटे ओ टी में उपलब्ध हैं।

2. इन्डोस्कोपी सेवा : डायग्नोस्टिक – फाइबर आप्टिक अपर जी आई इंडोस्कोपी, साइड व्यूइंग ड्यूओडेनोस्कोपी, कोलोनोस्कोपी, सिग्माइडोस्कोपी, ब्रोन्चोस्कोपी, नासोफेरियंगो लैरिंगोस्कोपी और लैपरोस्कोपी। थेरापीयूटिक – स्ट्रीक्चर डिलेटेशन, इंट्राल्युमिनल रेडियोथैरेपी स्टेंटिंग एवं पेरुक्यूटेनियस इंडोस्कोपिक गैस्ट्रोस्टोमी।

3. बड़े आपरेशन थियेटर : सभी बड़े कैंसर सर्जरियों के लिए उपलब्ध सुविधाएं, जिसमें रेडिकल रिसेक्शन और हेड एवं गर्दन वाले ट्यूमरों का रिकनस्ट्रक्शन, जी आई ट्रैक्ट, ब्रेस्ट, बोन एवं साफ्ट टिस्सू, गायनेकोलॉजीकल मलिगनैंसीज और थोरासिक ट्यूमर शामिल हैं। उच्च रिकंस्ट्रक्टिव सर्जीकल प्रक्रियाएं, जिसमें माइक्रोवासकूलर मुक्त टिस्सू ट्रांसफर सुविधा भी उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, उन्नत आधुनिक प्रौद्योगिकियां जैसे कि एल ए एस ई आर एस, सी यू एस ए, हार्मोनिक स्कैपल बेसालियस एवं इंट्रा ऑपरेटिव रेडियोथैरेपी भी उपलब्ध हैं।

किए गए कुल छोटे आपरेशन्स और इंडोस्कोपिक प्रक्रियाएं :	5627
किए गए कुल बड़े आपरेशन :	706
इंडोर मरीजों की कुल संख्या :	740

सामुदायिक सेवाएं

डॉ. एस वी एस देव ने सामुदायिक मेडिसिन विभाग, एम्स द्वारा 16 अप्रैल, 2010 को आयोजित कैंसर "सहायता" पर एक जन स्वास्थ्य चर्चा में भाग लिया; स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार को पैन अफ्रीक नई नेटवर्क के लिए "स्तन कैंसर" पर टेलीकांफ्रेंस के जरिए एक सार्वजनिक व्याख्यान दिया : 19 नवम्बर, 2010 को अर्बुदविज्ञान विभाग, आई जी आई एम एस, पटना द्वारा आयोजित "स्तन कैंसर जागरूकता प्रोग्राम" के दौरान स्तन कैंसर पर एक जन अंतःसक्रिय सत्र में भाग लिया।

डॉ. एन. के. शुक्ला ने आम जनता के लिए कैंसर के सामान्य पहलू पर पैनल चर्चा में भाग लिया; आम जनता के लिए "दि वीक" मैगजीन में प्रकाशन के लिए स्तर कैंसर में मैममोग्राफी की भूमिका पर एक चर्चा में भाग लिया; मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 12.11.2010 को "कैंसर अनुसंधान" के विषय क्षेत्र में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नामित किया गया था; भारतीय ऑस्टोमी संस्था के वरिष्ठ चिकित्सा सलाहकार हैं और "ऑस्टोमी मरीजों" की देखरेख में अंतर्ग्रस्त हैं।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य जी के रथ, टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई के अंतर्राष्ट्रीय पीर पुनरीक्षा समिति के सदस्य थे : छत्रपति साहूजी महाराज विश्वविद्यालय (सी एस एम यू), लखनऊ में 16 दिसम्बर, 2010 को लखनऊ में रेडियोथैरेपी विभाग के 24वें स्थापना दिवस समारोह में आचार्य जी एन अग्रवाल व्याख्यान दिए; नई दिल्ली में 19 सितम्बर, 2010 को अर्बुदविज्ञान निवारक पर कैंसर सहयोग सेमीनार में "कैंसर नियंत्रण में जागरूकता एवं निवारण का महत्व" पर मूल सिद्धांत भाषण दिया; सी एम ई का उद्घाटन किया; 7 अगस्त, 2010 को पटना में एस ओ ओ सी ओ एन -2010; नई दिल्ली में 19 सितम्बर, 2010 को कैंसर सहयोग वार्षिक बैठक में मुख्य अतिथि; 24 सितम्बर, 2010 को इलाहाबाद में 23वें सम्मेलन में अतिथि सम्मान; विश्वविद्यालयों, संस्थानों और महाविद्यालयों के लिए "रेडियोएक्टिव एवं अन्य खतरनाक सामग्री/रसायनों के प्रापण, भंडारण, उपयोग एवं निपटान" के लिए दिशानिर्देश तैयार करने हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू जी सी) की विशेषज्ञ समिति का अध्यक्ष; 17 फरवरी, 2011 को मुंबई में आयोजित "क्लीनिकल प्रयोग के लिए अन-फ्लैटैनेड फोटोन बीम के प्रयोग हेतु उपयुक्तता के निर्धारण" के लिए परमाणु ऊर्जा विनियामक बोर्ड (ए ई आर बी) का कार्यग्रुप, सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

तथा महानिदेशक, आई सी एम आर द्वारा पंजाब के कुछेक भागों में कैंसर के अत्यधिक प्रचलन के ऑनसाइट निर्धारण के लिए अमृतसर, फिरोजपुर, भंटिडा और मानसा का दौरा करने के लिए तथा 15-17 सितम्बर, 2010 के दौरान कैंसर एवं ट्रेंडों के विभिन्न किस्मों की पहचान करने के लिए अनुसंधान कार्यक्रम विकसित करने को सुकर बनाने के लिए गठित टीम; सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डी आई टी), भारत सरकार का प्रोजेक्ट पुनरीक्षा एवं स्टीरिंग ग्रुप (पी आर एस जी) जो लाइनीयर एक्सीलीरेटर में प्रयोग हेतु मल्टीलीफ कोलीमेटर के प्रोजेक्ट डिजाइन एवं विकास के लिए है, डी आई टी का पी आर एस जी, जो आर सी सी के लिए ऑनकोलॉजी प्रबंधन सिस्टम के विकास नाम के शीर्षक प्रोजेक्ट के लिए है, तिरुअनन्तपुरम को सेंटर द्वारा संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के उन्नत कम्प्यूटिंग (सी-डैक) के विकास के लिए क्रियान्वित किया जा रहा है; इलेक्ट्रानिक पोर्टल इमैजिंग डिवाइस (ई पी आई डी) के डिजाइन एवं विकास पर डी आई टी के पी आर एस जी को सी एस आई ओ सैंट्रल वैज्ञानिक एवं औद्योगिक संगठन, चंडीगढ़ एवं टी एस जी एकीकरण, नई दिल्ली द्वारा पूरे किए जा रहे रेडिएशन थैरेपी के लिए क्रियान्वित किया जा रहा है; "स्तन कैंसर एवं मलिगनैंट ब्रेन ट्यूमर" पर आई सी एफ आर कार्य बल; एन सी आर पी (नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम) आई सी एम आर पर स्टीरिंग कमेटी; कैंसर प्रबंधन दिशानिर्देश पर आई सी एम आर कार्य बल, नीति शास्त्र समिति, साइटोलॉजी एवं निवारक ऑनकोलॉजी (आई सी पी आई), संस्थान आई सी एम आर; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एम्स, झज्जर, हरियाणा के अधीन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान की स्थापना के लिए गठित विशेषज्ञ समिति; भारतीय चिकित्सा परिषद, नई दिल्ली के रेडियोथैरेपी के लिए विशिष्टता बोर्ड; उत्तरवर्ती विशेषज्ञ समितियों/निकायों के सदस्य; सी डी ए सी, तिरुअनन्तपुरम, आर सी सी, तिरुअनन्तपुरम एवं आई आई टी, खड़गपुर द्वारा प्रस्तुत किया गया प्रोजेक्ट "सर्विकल कैंसर के लिए चिकित्सा इमेज विश्लेषक" की प्रगति की समीक्षा के लिए पी आर एस जी मीटिंग; प्रोजेक्टों की समीक्षा करने के लिए पी आर एस जी मीटिंग; लिनाक ट्यूब और लाइनीयर एक्सीलेटर मशीन के बैच फैब्रीकेशन के लिए सुविधा की स्थापना; दुयाल फोटोन ऊर्जा और मल्टीपल इलेक्ट्रॉन इनर्जी का डिजाइन एवं विकास; समीर, मुंबई में क्रियान्वित किए जा रहे कैंसर उपचार (फेज-II) के लिए 6 एम वी मेडिकल लिनाक का विकास एवं नियोजन; क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (आर एसम आर सी) डिब्रूगढ़ की वैज्ञानिक सलाहकार समिति; भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 22 सितम्बर, 2010 को भोपाल में भोपाल गैस पीड़ितों के विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए गठित सलाहकार समिति (निदेशक, एम्स की ओर से) का सदस्य; कैंसर, मधुमेह, कार्डियोवास्कूलर रोगों और आघात को रोकने एवं नियंत्रित करने के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत उच्च स्तर के तकनीकी परामर्शदाताओं की नियुक्ति हेतु प्रस्तावों की जांच के लिए समिति का सदस्य; आई सी एम आर के उत्तर पूर्व प्रोजेक्ट पुनरीक्षा समिति (पी आर सी - एन ई) का सदस्य; "साइकोऑनकोलॉजी की विशेषता, भारत में इसकी आवश्यकता के मूल्यांकन हेतु मूल्यांकन समिति का सदस्य, सी ओ पी ई आर का फेज-I निष्पादन (शिक्षा एवं अनुसंधान के लिए साइकोऑनकोलॉजी सेंटर) बंगलौर में फेज-II निधियन के लिए इसका अनुरोध; ए ई आर बी द्वारा कादम्बी सुपरगामा कैंसर केयर, स्टेरियोटैकरिट गामा किरण सिस्टम (एस जी एस-1) के प्रयोग की उपयुक्तता का निर्धारण करने के लिए गठित कार्यकारी ग्रुप का सदस्य; टाटा मेमोरियल सेंटर द्वारा गठित उप समिति का सदस्य, जो टाटा मेमोरियल अस्पताल में मेडिकल और नर्सिंग स्टाफ के संवर्धन के प्रस्ताव के अध्ययन संबंधी परिषद द्वारा अधिशासित है और टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई में मेडिकल अधिकारियों के लिए मौजूदा भागीदारी अस्पताल आय योजना (एस एच आई) की पुनरीक्षा के लिए भी है; एम सी आई द्वारा कैंसर संस्थान (डब्ल्यू आई ए) आद्यार में उपलब्ध भौतिक एवं अन्य शिक्षण सुविधाओं के निर्धारण के लिए नियुक्त, जो तमिलनाडु डॉ. एम जी आर मेडिकल विश्वविद्यालय, चेन्नई के अधीन एम डी (रेडियोथैरेपी) पाठ्यक्रम में सीटों को बढ़ाने के लिए है) 9-10 दिसम्बर, 2010 को बंगलौर में एन सी आर पी की XXVIवीं वार्षिक पुनरीक्षा बैठक में इसकी स्टीरिंग कमेटी के अध्यक्ष के रूप में भाग लिया; 6 अक्तूबर, 2010 को भुवनेश्वर में निदेशक, ए एच आर सी सी, कटक के चयन के लिए उड़ीसा सरकार द्वारा गठित समिति के लिए विशेषज्ञ सदस्य; 27 अक्तूबर, 2010 को गांधी मेडिकल कालेज, भोपाल में रेडियोथैरेपी के सहायक आचार्य के चयन के लिए विशेषज्ञ; 26 सितम्बर, 2010 को कटक में ए एच आर सी सी के लिए लाइनीयर एक्सीलिरेटर (दुआल इनर्जी एवं आई एम आर सी के साथ 6 एम वी) के तकनीकी विनिर्देशन की पुनरीक्षा हेतु तकनीकी समिति; दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान, दिल्ली एन सी टी सरकार, नई दिल्ली में 14 अगस्त, 2010 को क्लीनिकल ऑनकोलॉजी में वरिष्ठ रेजीडेंटों और टेक्नोलॉजिस्टों की भर्ती के लिए चयन समिति की मदद हेतु तकनीकी विशेषज्ञ; 24 दिसम्बर, 2010 को गुवाहाटी में डॉ. बी. बोसह कैंसर संस्थान में लाइनीयर एक्सीलिरेट के प्रापण हेतु तकनीकी प्रस्तावों के

मूल्यांकन के लिए तकनीकी मूल्यांकन समिति का सदस्य; 19 दिसम्बर, 2010 को जम्मू में रेडियोथैरेपी में बी ग्रेड मेडिकल विशेषज्ञों एवं व्याख्याताओं के पद हेतु साक्षात्कार लेने के लिए जे एवं के लोक सेवा आयोग (जे के पी एस यू) के लिए विशेषज्ञ; एम जी एम मेडिकल कालेज, इंदौर में एम डी (रेडियोथैरेपी) के लिए बाह्य परीक्षक; आई जी मेडिकल कालेज, शिमला; एस एम एस मेडिकल कालेज, जयपुर; पी जी आई एम ई आर, चंडीगढ़; चार क्षेत्रीय केंद्रीय सेंटरों को अधिशासी निकाय (आचार्य तुलसी क्षेत्रीय कैंसर सेंटर, बीकानेर, कमला नेहरू मेमोरियल कैंसर सेंटर, इलाहाबाद, आचार्य हरीहर क्षेत्रीय कैंसर सेंटर, कटक और क्षेत्रीय कैंसर सेंटर, अगरतला); अधिशासी निकाय, दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान (डी एस सी आई), एवं सी टी सरकार, नई दिल्ली; अधिशासी निकाय, भगवान महावीर कैंसर सेंटर, पटना; रेडिएशन के अनुप्रयोग संबंधी सुरक्षा समिति (एस ए आर सी ए आर), परमाणु ऊर्जा विनियामक बोर्ड (ए ई आर बी), अणुशक्ति नगर, मुंबई, भारत सरकार; एकाडेमिक सिनेट; मणिपाल विश्वविद्यालय, मणिपाल; भारतीय कैंसर अनुसंधान फाउंडेशन के अध्यक्ष; भारतीय कैंसर वीनर्स संस्था; प्रोजेक्ट पुनरीक्षा समिति, ऑनकोलॉजी (पी आर सी ऑनकोलाजी), आई सी एम आर, नई दिल्ली; रेडियोथैरेपी विकास प्रोग्राम संबंधी स्थायी समिति, स्वास्थ्य सेवा महा निदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय; एस ए जी (वैज्ञानिक सलाहकार ग्रुप), आई सी एम आर; इंडो -अमेरीकन कैंसर संस्था; ब्रेस्ट संरक्षण हेतु मंच; कैंसर रोधी ट्रस्ट; डी एस सी आई, नई दिल्ली में रेडिएशन ऑनकोलॉजी में और चिकित्सा भौतिकी में संकाय के लिए विभिन्न स्तर के पदों की भर्ती के लिए चयन समिति की सहायता करने हेतु तकनीकी विशेषज्ञ; सलाहकार समिति, डॉ. बी आर ए आई आर सी एच, एम्स; सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की जय विज्ञान प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा के लिए सब ग्रुप, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय; भारत सरकार जो 6 ससएम वी मेडिकल लाइनीयर एक्सीलोर विकास एवं प्रगति पर आधारित है, कैंसर फाउंडेशन, दिल्ली; सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के मेडिकल इलेक्ट्रोनिक्स के कार्यकारी ग्रुप पर प्रोजेक्ट समीक्षा समिति; तीन संस्थानों (क) गुजरात कैंसर एवं अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद (ख) पैथोलॉजी संस्थान, आई सी एम आर और (ग) साइटोलॉजी एवं निवारक ऑनकोलॉजी, संस्थान आई सी एम आर की वैज्ञानिक सलाहकार समिति; इंडो – यू एस स्वास्थ्य पहल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के गैर संचरणीय रोगों के संबंध में कार्यकारी ग्रुप; 23 से 25 फरवरी, 2011 तक निदेशक, एम्स की ओर से नई दिल्ली में आयोजित उत्तर पूर्व इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य एवं मेडिकल विज्ञान संस्थान (एन ई आई जी आर आई एच एम एस), शिलांग के संकाय पदों का साक्षात्कार के लिए स्थायी चयन समिति का सदस्य ; अस्पताल प्रशासन अकादमी पत्रिका के सलाहकार सम्पादक; सदस्य, सम्पादकीय बोर्ड; भारतीय चेस्ट रोग एवं अनुप्रयुक्त विज्ञान पत्रिका; भारतीय कैंसर पत्रिका, कैंसर अनुसंधान एवं केराफ्यूटिक्स पत्रिका; क्लीनिकल ऑनकोलॉजी के लिए समीक्षक। अंतर्राष्ट्रीय आटोलारींगोलॉजी पत्रिका, अंतर्राष्ट्रीय बायोसाइंस और प्रौद्योगिकी पत्रिका, पूर्वी मेडिसिन पत्रिका, कैंसर अनुसंधान एवं थैराफ्यूटिक्स पत्रिका; ऑनकोलाजी पर आई सी एम आर को प्रस्तुत प्रोजेक्ट; 7 अगस्त, 2010 को पटना में सूकॉन 2010 में कार्सीनोमा ब्रेस्ट सत्र के लिए अध्यक्ष; 18 सितम्बर, 2010 को नई दिल्ली में "निवारक ऑनकोलाजी" पर कैंसर सहयोग के सेमीनार में भाग लिया; कैंसर जागरूकता सत्र के लिए अध्यक्ष और 24 सितम्बर, 2010 को इलाहाबाद में 23वें भारतीय सहयोगात्मक आनकोलाजी नेटवर्क (आइकॅन) सम्मेलन में कैंसर रोगियों की प्रैक्टीकल समस्या पर पैनल चर्चा के सदस्य; 3 से 5 जनवरी, 2011 तक जयपुर में भारतीय मूल की अमेरीकन फिजिशिएन संस्था के तत्वाधान में इंडो-यू एस स्वास्थ्य सम्मेलन में विचार-विमर्श में भाग लिया; 27 जनवरी, 2011 को आई आई टी, मद्रास में बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए अवरक्त थर्मोग्राफी आधारित इमेज कंस्ट्रक्शन (आई टी बी आई सी) की चर्चा हेतु बैठक में भाग लिया।

आचार्य पी के जुल्का, राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम के अधीन दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री के प्रमुख थे; ब्रेस्ट कैंसर, नई दिल्ली में 31 अगस्त, 2010 को आई सी एम आर बैठक में भाग लिया; 26 जुलाई, 2010 को नई दिल्ली में आर जी सी आई में आई जी आर टी के लिए उपकरण के चयन हेतु विशेषज्ञ; आई आर सी एच, नई दिल्ली में टोमोथैरपी खरीद समिति की बैठक के संबंध में विशेषज्ञ, 12 मई, 2010; 30 अप्रैल, 2010 को दिल्ली विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संकाय के सदस्य के रूप में नियुक्त; रेडिएशन सेफ्टी समिति, एम्स, नई दिल्ली की पहली बैठक के अध्यक्ष, 29 अप्रैल, 2010; 21 अप्रैल, 2010 को आर सी सी, अगरतला की अधिशासी परिषद की बैठक में भाग लिया; 16 अप्रैल, 2010 को पी जी आई एम ई आर और आर एम एल अस्पताल, नई दिल्ली में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए निरीक्षण समिति (जी जी एस आई पी विश्वविद्यालय) के

अध्यक्ष; 9 अप्रैल, 2010 को पी जी आई एम ई आर एवं आर एम एल अस्पताल, नई दिल्ली के लिए स्नातकोत्तर एफीलिएशन समिति (जी जी एस आई पी विश्वविद्यालय) के संबंध में अध्यक्ष; पी जी आई एम ई आर , चंडीगढ़ में 4 मार्च, 2011 को आचार्यों, सह आचार्यों और सहायक आचार्यों के चयन हेतु विशेषज्ञ; जम्मू में 19 दिसम्बर, 2010 को रेडियोथैरेपी में बी ग्रेड विशेषज्ञों और व्याख्याताओं के पदों के लिए साक्षात्कार लेने के लिए जे एवं के लोक सेवा आयोग के संबंध में विशेषज्ञ; परीक्षक; एम डी रेडियोथैरेपी, रोहतक मेडिकल कालेज, कोलकाता, एम्स, नई दिल्ली; सदस्य, समपादकीय बोर्ड, कैंसर अनुसंधान एवं थैरेपीयटिक्स पत्रिका; डॉ. पी. के. जुल्का ने 21 नवम्बर, 2010 को अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सी एम ई में ब्रेन ट्यूमर, कोलोन, प्रोस्टेट और सर्विक्स कैंसर पर वैज्ञानिक सत्रों के लिए अध्यक्ष के रूप में काम किया; ब्रेस्ट कैंसर पर वैज्ञानिक सत्र के संबंध में अध्यक्ष, एन सी आर ऑनकोलाजी फोरम, 21 जुलाई, 2010; उन्नत एन एस सी एन सी, गुड़गांव के प्रबंधन पर वैज्ञानिक सत्र के अध्यक्ष, 20 नवबर, 2010; गैलैक्सी कैंसर संस्थान, गाजियाबाद में अद्यतन ब्राचीथैरेपी के अध्यक्ष, 13 नवम्बर, 2010; प्रकम ब्रींकर अर्वाडी ब्रेस्ट कैंसर सम्मेलन, नई दिल्ली के अध्यक्ष, 13 नवम्बर, 2010; ब्रेस्ट कैंसर, ऑरल कैंसर तथा सर्वीकल कैंसर पर आई सी एम आर – एन सी आई कार्यशाला, बंगलौर में भाग लिया, 14-17 फरवरी, 2011; शैशव, आर जी सी ओ एन, नई दिल्ली में ब्रेन ट्यूमर पर वैज्ञानिक सत्र के अध्यक्ष, 6 फरवरी, 2011; 29-31 जनवरी, 2011 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय ब्रेस्ट कैंसर कांग्रेस (आई बी सी सी) थेरिन में भाग लिया; 10 नवम्बर, 2010 को पिंक रोल ब्रेस्ट कैंसर सम्मेलन, नई दिल्ली में प्रोग्राम निदेशक और अध्यक्ष; 29 अक्तूबर, 2010 को यू ए ई कैंसर कांग्रेस, दुबई में ब्रेस्ट कैंसर पर वैज्ञानिक सत्र के लिए पैनलबद्ध; 27-30 अक्तूबर, 2010 के दौरान यू ए ई कैंसर कांग्रेस, दुबई में भाग लिया; 22-23 अक्तूबर, 2010 के दौरान महिला स्वास्थ्य पहल, टी एम एच, मुंबई में ब्रेस्ट एवं सर्विकल कैंसर पर वैज्ञानिक सत्रों के अध्यक्ष; 7-9 अक्तूबर, 2010 के दौरान मिलन में ई एस एम ओ बैठक में भाग लिया। 18 सितम्बर, 2010 को एच ई आर 2 ब्रेस्ट कैंसर, गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली पर वैज्ञानिक सिपोसियम के लिए अध्यक्ष एवं पैनलबद्ध; 28 अगस्त, 2010 को ग्लोइमा, नई दिल्ली में रेडियोबायोलोजी पर वैज्ञानिक सत्र के अध्यक्ष; 27 अगस्त, 2010 को सी सी आर एस, जनकपुरी, नई दिल्ली में आयुष प्रोजेक्ट बैठक में भाग लिया; 23 अगस्त, 2010 को एच ई आर-2 ड्राइवन ब्रेस्ट कैंसर, नई दिल्ली पर विचारगोष्ठी के अध्यक्ष; 17 जुलाई, 2010 को इन्वेस्टीगेटर की प्रशिक्षण बैठक, क्लीनिजेन, बंगलौर में भाग लिया; 15 मई, 2010 को रेडिएशन सेफ्टी पहलू एवं खतरे पर चर्चा में भाग लिया; 25 अप्रैल, 2010 को न्यूरोइन्डोक्राइन ट्यूमर, नई दिल्ली पर विचारगोष्ठी के अध्यक्ष; 23 अप्रैल, 2010 को मेटास्टेटिक कोलोरेक्टल कैंसर पर सिम्पोसियम के लिए मोडरेटर एवं अध्यक्ष; 13 अप्रैल, 2010 को ब्रेस्ट कैंसर पर एम्स, नई दिल्ली में क्लीनिकल ग्रांड राउंड में भाग लिया; 6 अप्रैल, 2010 को ब्रेस्ट कैंसर पर नई दिल्ली में सिम्पोसियम के संबंध में मोडरेटर एवं अध्यक्ष।

आचार्य एन. के. शुक्ला ने 22 सितम्बर, 2010 को सेना अस्पताल (आर एवं आर) में एन सी आर ऑनकोलिजिस्ट के सी एम ई प्रोग्राम में इसोफेजीय कैंसर में न्यूओएडजुवेंट थैरेपी पर पैनल चर्चा की अध्यक्षता की; 11 मार्च, 2011 को 5वीं एम्स सर्जीकल सप्ताह में भाग लिया ब्रेस्ट कैंसर के प्रबंधन में नये ट्रेंडों पर सत्र की अध्यक्षता की।

आचार्य सुभाष चन्दर ने 11-13 फरवरी, 2011 को इलाहाबाद में और 25-17 फरवरी, 2011 के दौरान हैदराबाद में अंतर्राष्ट्रीय कैंसर सम्मेलन में साइटोलॉजी, सर्जीकल पैथोलॉजी और हिमेटोलॉजी में XVIवें इंडो- यूएस सी एम ई में भाग लिया।

आचार्य राजीव कुमार को 13 जनवरी, 2011 को पी जी आई, चंडीगढ़ में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में नामित किया।

आचार्य बी. के. मोहन्ती को 27 ई सी देश, 2010 के ईसी – एफ पी 7 स्वास्थ्य कैंसर क्षेत्र क्रियाकलाप के तहत फ्रेमवर्क स्वास्थ्य के लिए यूरोपीयन आयोग (ई सी),ब्रूसेल्स, बेल्जीयम द्वारा बाह्य विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया था; कैंसर के प्रति अंतर्राष्ट्रीय यूनियन, जिनेवा, स्विटजरलैंड द्वारा यू आई सी सी छात्रवृत्ति प्रोजेक्टों एवं अनुदानों के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया; भारतीय प्रशामक सुरक्षा संस्था द्वारा प्रशामक मेडिसिन संस्थान, कालीकट के लिए राष्ट्रीय संकाय के रूप में और प्रशामक मेडिसिन में एम डी के लिए पाठ्यक्रम विकास के स्टीरिंग कमेटी के सदस्य के रूप में नामित किया; क्लीनीकल ऑनकोलाजी, भारतीय राष्ट्रीय मेडिसिन पत्रिका, भारतीय प्रशामक केयर पत्रिका, स्पोर्टिव केयर कैंसर के हस्तलिपियों का समीक्षक; निजाम के चिकित्सा विज्ञान संस्थान (एन आई एम एस), हैदराबाद आंध्र प्रदेश द्वारा वर्ष 2009-2010 के लिए एम डी (रेडियोथैरेपी) के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त किया; 22-25 मार्च, 2011 के दौरान आई ए ई ए,

यू एन ओ, वियना, आस्ट्रिया में सिर एवं गर्दन के कैंसर। (एच वाई पी एन ओ परीक्षण) के लिए प्रोटोकोल पर अनुसंधान सहयोग बैठक हेतु अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आई ए ई ए) की तकनीक बैठक के लिए भारत में मुख्य वैज्ञानिक इन्वेस्टीगेटर के रूप में आमंत्रित; भारतीय प्रशामक केयर संस्थान (आई ए पी सी), दूसरे संस्करण, 2011 के प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के लिए हस्तपुस्तिका के लिए समीक्षक के रूप में काम किया; मेडिकल प्रकाशन समिति, एम्स के सह-अध्यक्ष के रूप में काम किया; एम्स के परीक्षा अनुभाग में प्रक्रिया विकास के लिए समिति के सदस्य के रूप में काम किया; 15 जनवरी, 2011 को पी जी आई एम ई आर, चंडीगढ़ में संचालित आई ए पी सी सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक; अंतिम रूप से बीमार कैंसर रोगियों की देखभाल पर गोल मेज चर्चा में विशेषज्ञ संकाय के रूप में काम किया।

डॉ. एस. वी. एस. देव न्यू भारतीय सर्जरी पत्रिका, भारत के सर्जीकल क्लीनिकों एवं आई जे पी सी के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य थे; ए एस आई के भारत के ब्रेस्ट सर्जन संस्था के निदेशक, शिक्षा एवं प्रशिक्षण (उत्तरी जोन) के रूप में चुना गया था; अपोलो अस्तपाल, नई दिल्ली में 20 नवम्बर, 2010 को आयोजित सिर एवं गर्दन के कैंसर पर ऑनकोलॉजी सी एम ई प्रोग्राम के दौरान वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की; होटल रेडिएशन, नई दिल्ली में 13 नवम्बर, 2010 में न्यू इंडिया कैंसर चैरिटी पहल (एन आई सी सी आई) द्वारा आयोजित प्रथम ब्रींकर अर्वाडी ब्रेस्ट कैंसर सी एम ई के दौरान ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग पर वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की; 22-23 अक्तूबर, 2010 को टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुंबई में आयोजित 7वें डब्ल्यू सी आई - टी एम एच सम्मेलन के दौरान "कंट्री वाइड प्रजेंटेशन्स ब्रेस्ट कैंसर" पर वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. सुषमा भटनागर को एस जी पी जी आई, लखनऊ में आयोजित की जाने वाले 10-13 फरवरी, 2011 के भारतीय प्रशामक केयर पर 18वीं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था; भारतीय प्रशामक केयर पत्रिका के सम्पादक के रूप में बने हुए हैं; 13 मार्च, 2011 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में स्पीकर, सेसन अध्यक्ष, सह अध्यक्ष और पार्टीसीपेंटों के रूप में विज्ञान एवं आध्यात्मिक खोज (ए आई एस एस क्यू 2011) पर अखिल भारतीय विद्यार्थी सम्मेलन पर श्रृंखलाओं में छठे सम्मेलन में भाग लिया; 24 मार्च, 2011 को प्रशामक एवं स्पोर्टिव केयर आई सी ओ एन - इंडियन को-ऑपरेटिव ऑनकोलॉजी नेटवर्क पर सत्र की अध्यक्षता की; एशियन न्यूरो एनेस्थेशिया एवं गहन केयर संस्था तथा 26 फरवरी, 2011 को नई दिल्ली में आयोजित की जाने वाले भारतीय न्यूरो एनेस्थेशिया एवं गहन केयर के 12वें वार्षिक सम्मेलन में पोस्टर सत्र की अध्यक्षता की; 14 अगस्त, 2010 को जयपुर में प्रशामक केयर में आई ए पी ए सी सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम का परीक्षक।

डॉ. समीर बख्शी, राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (भारत) 2010 के सदस्य थे।

डॉ. प्रतीक कुमार को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से प्रधान मंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पी एम एस एस वाई) के तहत एम्स जैसे छह संस्थान में रेडियोथैरेपी यूनिट की स्थापना के लिए ए ई आर बी द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दस्तावेज हस्ताक्षर करने के लिए नियुक्त किया गया था; जवाहर लाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हैदराबाद में पी एच डी शोध- प्रबंध शीर्षक "कैंसर रोगियों के ब्लड पर बायोफिजीकल जांच" के लिए परीक्षक; चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में पी एच डी शोध- प्रबंध शीर्षक "इन्टेन्सीटी मॉडयूलेटेड रेडिएशन थैरपी के भौतिक एवं डोजीमेट्रिक पहलू" के लिए परीक्षक; डी बी टी, नई दिल्ली को प्रस्तुत किए गए प्रोजेक्ट प्रस्तावों के लिए समीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था; रेडियोडायग्नोसिस एवं रेडियोथैरेपी उपकरणों के तकनीकी विनिर्देशन हेतु तकनीकी सलाहकारी समिति, दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान, दिलशाद गार्डन, दिल्ली के सदस्य; मौलाना आजाद मेडिकल कालेज, एल एंड जे पी अस्पताल, नई दिल्ली में चिकित्सा भौतिकविद के चयन हेतु बाहरी विशेषज्ञ; सदस्य, संभावित मरम्मत, राष्ट्रीय परिवार कल्याण संस्थान (एन आई एच एफ डब्ल्यू), नई दिल्ली के लिए एक्स-रे मशीनों की जांच करने के लिए समिति; बाहरी विशेषज्ञ, तकनीकी समिति, इंटर विश्वविद्यालय एक्सीलेरेटर सेंटर (आई यू ए सी), नई दिल्ली, बीम हाल 2 के लिए न्यूटॉन शील्डिंग डोर्स के लिए; स्वास्थ्य एकाउंट नम्बर योजना के स्टेकहोल्डर मीटिंग के लिए आई सी एम आर द्वारा आमंत्रित किया गया था; राजस्थान चिकित्सा पत्रिका, भारत को प्रस्तुत किए गए हस्तलिपियों के लिए समीक्षक; सम्पादक, चिकित्सा भौतिक, क्रोनिकल; चिकित्सा भौतिक पत्रिका के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य; इलेक्ट्रो मेडिकल उपकरण सेक्शनल समिति, बी आई एस, नई दिल्ली के सदस्य; सदस्य, कार्यकारी समिति, भारत के चिकित्सा भौतिकविद संस्था (ए एम पी आई), चिकित्सा भौतिक पत्रिका के रेफ्री और परीक्षक, राजस्थान, स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयुपर, विज्ञान स्नातक विकिरण प्रौद्योगिकी के लिए।

डॉ. सीमा मिश्रा, अमेरिकन हॉस्पाइस एवं प्रशामक मेडिसिन पत्रिका के सम्पादकीय समीक्षक बोर्ड के सदस्य थे; सदस्य, सम्पादकीय बोर्ड, भारतीय प्रशामक केयर पत्रिका; 8 अगस्त, 2010 को इंदौर में आयोजित प्रशामक केयर की अनिवार्यताओं में बेसिक सर्टीफिकेट कोर्स के परीक्षक।

डॉ. डी. एन. शर्मा को मई, 2010 में एम डी एन्ड्रूसन कैंसर सेंटर, हौस्टन, यूएसए में एक माह के ऑब्जर्वरशिप के लिए ए आर ओ आई अध्येतावृत्ति प्रदान की गई थी।

डॉ. सुष्मिता पथी ने 14-15 जनवरी, 2011 को बंगलौर में अंतर्राष्ट्रीय जेनेटिक आई रोग संस्था एवं रेटिनोब्लास्टोमा मीटिंग में भाग लिया; 4-6 फरवरी, 2011 को आर जी सी ओ एन 2011 के 10वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया; 16-18 फरवरी, 2011 को नई दिल्ली में भारतीय गहन केयर मेडिसिन संस्था और अंतर्राष्ट्रीय गहन केयर कांग्रेस के 17वें वार्षिक कांग्रेस में भाग लिया; 11-13 मार्च, 2011 को नई दिल्ली में 24वें भारतीय को- ऑपरेटिव ऑनकोलाजी नेटवर्क बैठक में भाग लिया।

डॉ. रितू गुप्ता ने एम्स, नई दिल्ली, भारत में राष्ट्रीय हिमैटोलॉजी नवीकृत-VIII में "माइइलोमा पर सिम्पोसियम" पर सत्र की अध्यक्षता की; बी टी जी 2011, सिंगापुर में 2 पोस्टर्स प्रस्तुत किए : "सी डी 20/सी डी 10 फ्लो साइटोमेट्रिक डिस्प्ले में बी सेल मैचुरेशन पैटर्न; नार्मल बनाम ल्यूकेमिक बी लाइनेज ब्लास्ट के बीच भेद में व्यापकता। (सरोज सिंह, अनिता चोपड़ा, ज्योति मिश्रा, संदीप राय, संगीता पांडे, रचना सेठ, राजीव कुमार)" और "माइइलोडाइजप्लास्टिक सिन्ड्रोम (एम डी एस) में फ्लोसाइट्रोमेट्री की डायग्नोस्टिक उपयोगिता : भारत से पहला अध्ययन। (चोपड़ा ए, एच पी पाती, मनोरंजन महापात्रा, प्रवेश मिश्रा, तुलिका सेठ, सरोज सिंह, संदीप राय, संगीता पांडे, राजीव कुमार)ष्।

डॉ. प्रकाश चौधरी ने 10-13 फरवरी, 2011 को एस जी पी जी आई, लखनऊ में आयोजित की जाने वाली भारतीय प्रशामक केयर संस्था पर 18वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान वाद-विवाद प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया।

अभ्यागत वैज्ञानिक

1. डॉ. जयंत वैद्या, शल्य चिकित्सा विभाग, हिटिंग्टन अस्पताल एन एच एस ट्रस्ट, मगदला एवेन्यू, लंदन, यू. के.।

प्रशासन

प्रमुख	आचार्य जी. के. रथ
सहायक प्रशासन अधिकारी	श्रीमती रेनू भारद्वाज
कार्यालय अधीक्षक	श्री करम चन्द

संकाय सहित डॉ. बी. आर. ए. आई. आर. सी. एच. का कुल स्टाफ

संकाय	20	ग्रुप "क" और "ख"	16
तकनीकी स्टाफ	130	नर्सिंग स्टाफ	195
रेजीडेंट डाक्टर	60	भंडार स्टाफ	06
मंत्रालयीय स्टाफ	18	समूह "घ" स्टाफ	82
दैनिक मजदूर	02	पी टी एस जी	03
बाहरी स्रोत का सैनीटेशन स्टाफ	181	बाहरी स्रोत का सुरक्षा स्टाफ	57
बाहरी स्रोत के डाटा एंट्री आपरेटर	8		

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री	वैज्ञानिक I	श्री एन. मनोहरन
वित्त	लेखा अधिकारी	श्री डी. पी. गंगल
भंडार	सहायक भंडार अधिकारी	श्री टी. आर. महाजन

10.5 तंत्रिका विज्ञान केन्द्र

प्रमुख

एच. एच. दाश

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

एच. एच. दाश

आचार्य

प्रमोद कुमार बिट्ठल

अपर आचार्य

अरविंद चतुर्वेदी

सह-आचार्य

राजेन्द्र सिंह चौहान (सबैटिकल छुट्टी)

मिहिर प्रकाश पाण्डिया

गिरिजा प्रसाद रथ

हेमांशु प्रभाकर

तंत्रिका विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

माधुरी बिहारी

आचार्य

कामेश्वर प्रसाद

एम. वी. पदमा श्रीवास्तव

अपर आचार्य

मंजरी त्रिपाठी

विनय गोयल

अचल श्रीवास्तव

गरिमा शुक्ला

रोहित भाटिया

सह - आचार्य

ममता भूषण सिंह

तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला

आचार्य

चित्रा सरकार

अपर आचार्य

एम. सी. शर्मा

सह - आचार्य

वैशाली सूरी

तंत्रिका विकिरण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

एन. के. मिश्रा

आचार्य

शैलेश बी. गायकवाड़

अपर आचार्य

अजय गर्ग

तंत्रिका शल्य चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए. के. महापात्र

आचार्य

बी. एस. शर्मा (प्रतिनियुक्ति पर)

अपर आचार्य

एस. एस. काले　　पी. शरत चन्द्रा　　आशीष सूरी

सह - आचार्य

राजेन्द्र कुमार　　मनमोहन सिंह

सहायक आचार्य

मनीष शर्मा

सह - आचार्य, ट्रॉमा केन्द्र

दीपक अग्रवाल　　दीपक गुप्ता　　सुमित सिन्हा

सहायक आचार्य, ट्रॉमा केन्द्र

जी. डी. सत्यार्थी

शिक्षा

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

स्नातकोत्तर शिक्षण

1. एम्स के संवेदनाहरण विज्ञान विभाग से आठ एमडी संवेदनाहरण विज्ञान के विद्यार्थियों ने (1.5 माह प्रत्येक) प्रशिक्षण प्राप्त किया।

2. बारह सीनियर रेजीडेंटों ने (8 ने संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, एम्स से और 4 ने संवेदनाहरण विज्ञान यूनिट, डॉ. बी. आर. ए. आई. आर. सी. एच. से) पारस्परिक आदान-प्रदान आधार पर अंतर विभागीय रोटेशन नीति के भाग के रूप में भिन्न-भिन्न अवधियों के लिए प्रशिक्षण प्राप्त किया।

3. एक सप्ताह में तीन बार (सोमवार, मंगलवार, शनिवार) सेमीनार, पत्रिका क्लब और मामला प्रस्तुतन विभागीय शिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में एक बार में एक घंटे के लिए आयोजित किए गए थे।

अल्प अवधि प्रशिक्षण

1. चार डॉक्टरों ने लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज से विभाग में 15 दिन का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

2. एक डॉक्टर ने हाँग काँग से विभाग में 15 दिन का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

दीर्घ अवधि प्रशिक्षण

1. एक डॉक्टर ने भारतीय सेना से 2 वर्ष का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

क्रमिक चिकित्सा शिक्षा

विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन, सेमीनार, कार्यशालाएं

न्यूरो एनेस्कोसिया और गहन उपचार संबंधी एशियन संस्था का दूसरा सम्मेलन (ए एस एन ए सी सी भारत) और न्यूरो एनेस्थेसियोलॉजी की भारतीय संस्था एवं गहन उपचार का 12वां वार्षिक सम्मेलन (आई एस एन ए सी सी 2011) को इंडिया हैबीटेट सेंटर, नई दिल्ली में विभाग द्वारा 25-27 फरवरी, 2011 के दौरान आयोजित किया गया था।

सी एम ई/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 14

तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला

सी एम ई/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 20

तंत्रिका विज्ञान

स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर प्रशिक्षण

विभाग ने डी एम पाठ्यक्रम के लिए 18 रेजीडेंटों को नामित किया है और एम डी मेडिसिन रेडिडेंटों को नामित किया है, एम डी साइकैट्री पाठ्यक्रमों को भी विभाग के जरिए चलाया जा रहा है। स्नातक पूर्व विद्यार्थियों को भी न्यूरोलॉजी में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सी एम ई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 32

तंत्रिका विकिरण विज्ञान

डी एम न्यूरोडियोलॉजी पाठ्यक्रम : दो उम्मीदवारों को वर्तमान में इस पाठ्यक्रम के लिए पंजीकृत किया गया है।

अल्प अवधि प्रशिक्षण

उत्तर प्रदेश सरकार से एक परामर्शदाता को विभाग में दो महीने का प्रशिक्षण दिया गया था। न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, रेडियोडायग्नोसिस, से रेजीडेंट विभाग में बारी-बारी से प्रशिक्षण ले रहे हैं। रेडियोडायग्नोसिस विभाग से भी विज्ञान स्नातक रेडियोग्राफी विद्यार्थी विभाग में बारी-बारी से प्रशिक्षण ले रहे हैं।

सी एम ई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 21

तंत्रिका शल्य चिकित्सा

प्रयोगात्मक माइक्रोन्यूरोसर्जरी प्रयोगशाला इस अवधि के दौरान पूरी तरह से कार्य कर रही थी।

अतिथि अध्येतावृत्ति कार्यक्रम 11 अध्येताओं ने 2010-2011 के दौरान विभाग का दौरा किया।

अतिथि संकाय : 7 अतिथि संकायों ने विभाग का दौरा किया और 2010-2011 के दौरान व्याख्यान दिए।

पी एच डी कार्यक्रम : एक विद्यार्थी

क्रमिक चिकित्सा शिक्षा

विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन, सेमीनार, कार्यशालाएं

1. 13वीं एम्स माइक्रोन्यूरोसर्जरी कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 17-19 फरवरी, 2011 ।
2. एम्स में कौशल विकास एवं कैडावर कार्यशाला, अप्रैल, 2010, जुलाई, 2010 और नवम्बर, 2010 ।
3. स्पाइनल सर्जरी पर एम्स ऑपरेटिव और ए ओ स्पाइन एवं उन्नत कैडावर कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 12-14 नवम्बर, 2010 ।
4. ट्रॉमा 2010 के भाग के रूप में संचालित बाचीयल व्लेक्सस सर्जरी पर कैडारिक हैण्ड्स ऑन प्रशिक्षण, एम्स, नई दिल्ली, 26 नवम्बर, 2010 ।
5. जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में ट्रॉमा 2010 के भाग के रूप में संचालित नर्सिंग कार्यशाला, 26 नवम्बर, 2010 ।
6. जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में ट्रॉमा, 2010 के भाग के रूप में संचालित अनुसंधान प्रणाली विज्ञान कार्यशाला, 26 नवम्बर, 2010 ।
7. नर्सिंग सम्मेलन, ट्रॉमा 2010, अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस और आई एस टी ए सी, जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली का दूसरा वार्षिक सम्मेलन, 27-28 नवम्बर, 2010 ।

सी एम ई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 40

अनुसंधान

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. सप्रा - टेन्टोरियल ट्यूमरों के लिए क्रैनियोटोमी पर चल रहे मरीजों में एनेस्थोसिया के दौरान नाइट्रस ऑक्साइड का परिहार। डॉ. एच. एच. दाश। आई सी एम आर द्वारा निधिकित, 2009-2011; 4,82,880 रुपए।
2. न्यूरोइंडोस्कोपिक प्रकियाओं पर चल रहे मरीजों में इसोफ्लूरेंस और प्रोपोफोल एनेस्थेसिया के सिरेब्ऑपरेटिव प्रभावों का मूल्यांकन। डॉ. हेमांशु प्रभाकर, एम्स द्वारा निधिकित (संस्थान अनुदान), 2010-2011; 1 लाख रुपए।
3. सप्रा - टेन्टोरियल ट्यूमर सर्जरी पर चल रहे मरीजों में पोस्ट क्रैनियाटोमी पेन पर प्रीगेबलिन प्रीमेडिकेशन का प्रभाव। डॉ. गिरिजा प्रसाद रथ; एम्स द्वारा निधिकित (संस्थान अनुदान), 2010-2011; 1 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. लम्बर लेमीनेक्टोमी और डिसेक्टोमी में प्रीऑपरेटिव एनेक्सीटी एवं पोस्टऑपरेटिव पेन पर प्रीगैगलिन प्रीमेडिकेशन का प्रभाव।
2. चयनात्मक क्रैनियोटोमी का पालन करते हुए जटिलताएं - एक उत्तरव्यापी प्रेक्षणात्मक अध्ययन।
3. ट्रांसऑरल ओडोन्टोयडेक्टोमी एवं पोस्टेरियर फिक्सेशन का पालन करते हुए आरंभिक एवं विलंबित एक्स ट्यूबेशन का तुलनात्मक अध्ययन।

4. ट्रांसऑरल ओडोन्टोयडेक्टोमी एवं पोस्टेरियर फिक्सेशन के बाद पोस्टआपरेटिव पुलमैनरी जटिलताएं।

5. पिटुएटरी ट्यूमर्स के ट्रांसफीनाइडल रिमुवल पर चल रहे मरीजों में अस्पताल में रहने के दौरान जटिलताओं का प्रभाव एवं विशेषताएं पोस्टऑपरेटिव ।

6. पिटुएटरी ट्यूमर्स के ट्रांसफीनाइडल रिमुवल पर चल रहे मरीजों में पोस्टऑपरेटिव कॉगनिटिव डिसफंक्शन पर दो एनेस्थेटिव तकनीकियों की तुलना।

7. मिरगी सर्जरी पर चल रहे मरीजों में इलेक्ट्रोकोर्टिकोग्राफी पर विभिन्न एनेस्ककेटिक एजेंटों के प्रभाव की तुलना करना – एक बी आई एस निर्देशित अध्ययन।

8. मस्कल रिलैक्सेंट के साथ अथवा इसके बगैर सामान्य एनेस्थेसिया के तहत निष्पादित फाइबरऑप्टिक ट्राचीयल इनट्यूबेशन से जुड़े लैरीनजीएल मोर्बिडिटी।

9. एनसेफालोसील वाले बच्चों में पेरीऑपरेटिव प्रबंधन।

10. इलेक्टिव क्रैनियोटोमी में चल रहे मरीजों में पोस्टऑपरेटिव वेंटीलेशन के कारण, जोखिम फैक्टर, और रेट।

जारी

1. नाइट्रस ऑक्साइड के साथ और इसके बगैर के सप्राटेंटोरियल ट्यूमर के लिए क्रैनियोटोमी पर चल रहे मरीजों में इनफ्लैमेशन के पेरीऑपरेटिव प्रभावों, ट्यूमर मार्करों और मार्करों की तुलना।

2. क्रैनियोटोमी में चल रहे पेडिएट्रिक्स मरीजों में पेरीऑपरेटिव जटिलताएं।

3. इन्ट्राक्रेनियल प्रेसर और सिस्टेमिक हीमोडायनेमिक पर 20% मनीटल और 3% हाइपरटोनिक के तुलनात्मक प्रभावों का अध्ययन।

4. एक जागरूक क्रैनियोटोमी : एक संस्थानिक अनुभव।

5. ट्राचीयल एक्सट्यूबेशन का पालन करते हुए एयरवे और प्रेशर प्रतिक्रियाओं के एटेन्डएशन पर डेक्समेडिटोमाइडाइन एवं लिग्नोकेइन की तुलना।

6. मोया मोया रोग के लिए सर्जरी करवा रहे मरीजों का एनेस्थेटिक प्रबंधन एवं पोस्टऑरेटिव परिणाम।

7. स्पाइनल डाइस्रोफिज्म के संबंध में सर्जरी करवा रहे बच्चों के पोस्ट ऑपरेटिव स्वास्थ्य लाभ प्रोफाइल पर इंट्राऑपरेटिव डेक्समेडिटो माइडाइन का प्रभाव।

तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. ग्लीयल ट्यूमर्स : क्रोमोसम्स Ip/19q स्टेटस, इपीडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेपटर (ई जी एफ आर) एम्पलीकेशन और p^{53} एक्सप्रेशन का एक पारस्परिक क्लीनिकोपैथोलोजीकल अध्ययन। डॉ. चित्रा सरकार। आई सी एम आर। 16.5 लाख रुपए (लगभग) 2007-2010 ।

2. एडल्ट रैटों के पेरीफेरल नर्व रिपेयर में बोन मैरो डिराइल्ड मोनोकूलीयर सेलों की भूमिका का अध्ययन। डॉ. वैशाली सूरी, एम्स, 18 लाख रुपए (लगभग)। 2006-2010 ।

3. पुनआवर्तन अथवा रिफ्रैक्ट्री अनाप्लास्टिक एस्ट्रोसाइटोमा (डब्ल्यू एच ओ ग्रेड-III) के प्रौढ़ मरीजों में ए पी 12009 की क्षमता एवं सेफ्टी, जैसा कि मानक उपचार की टेमोजोलोमाइड अथवा बी सी एन यू से तुलना की गई है। एक

रैन्डोमाइज्ड सक्रिय रूप से नियंत्रित, ओपन लेबल क्लीनिकल फेज-II अध्ययन। डॉ. चित्रा सरकार; एंटीसेंट फार्मा, जर्मनी। 25 लाख रुपए (लगभग) 2007-2010 ।

4. ब्रेन के एस्ट्रोसाइटिक ट्यूमरों में एंजियोजेनेसिस : वासकूलर इंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर (वी ई जी एफ) की अभिव्यक्ति के विशेष संदर्भ में क्लीनिको पैथोलॉजीकल अध्ययन, और हाइपोक्सिया इंडुसाइबल फैक्टर (एच आई एफ)-1 अल्फा और वासकूलर मोर्फोमेट्रिक पैरामीटर और ट्यूमर इन्फिल्ट्रेटिंग इंफ्लेमैटरी सेलों से पारस्परिक संबंध। डॉ. चित्रा सरकार, आई सी एम आर; 21 लाख रुपए, लगभग, 2009-2012 ।

5. बच्चों में ग्लीयोब्लाएटोमस। आणुविक पैकवेज एवं एम जी एम टी मेथीलेशन स्टेटस के विशेष संदर्भ में एक अध्ययन। डॉ. वैशाली सूरी। आई सी एम आर। 2010-2013 ।

6. ग्मयोब्लाटोमर मल्टीफोर्मी - फेज II/III क्लीनिकल जांच के भारतीय मरीजों में रेडियोथैरेपी जमा रेमोजोलमाइड (कनकोमीटेंट एवं एडजुवेंट) के संयोजन में इंडक्शन एवं मेंटीनेंस के रूप में बॉयोमैब - ई जी एफ आर (निमोटुजुमैब) की सेफ्टी एवं क्षमता के मूल्यांकन के लिए ओपन लेबल, उत्तरव्यापी, मल्टीसेंट्रिक अध्ययन। डॉ. चित्रा सरकार। बॉयोकन, बॉयोफार्मास्यूटीकल्स। 15 लाख रुपए। 2008-2012 ।

7. ग्लीयल ट्यूमर और सेल लाइनों के स्टेमनेस में हाइपोक्सिया और p^{53} HIC/एक्सिस। डॉ. चित्रा सरकार। डी बी टी, 50.9 लाख रुपए। 2009-2012 ।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. ग्लीथोमेगेनेसिस का अध्ययन : एस एच एच - ग्ली पैथवे की भूमिका।
2. कैल्पेन-3, डिसफेरिलन और सारकोंग्लाइकन प्रोटीन विश्लेषण का प्रयोग करते हुए भारतीय जनता में लिम्ब गिरडल मसकूलर डायस्ट्रॉफी (एल जी एम डी) रोगियों का अध्ययन।
3. जी बी एम में पी टी ई एन और सी डी के एन 2 जीन एल्ट्रेशनों का अध्ययन।
4. ग्लीयोमस में आई डी एच-1 युटेशनों का अध्ययन।
5. एपेनडायमोमस में डब्ल्यू एन टी पाथवे का अध्ययन।
6. इपेनडाइमोमस में सी के डी एन ए/p^{16} एल्ट्रेशनों का विश्लेषण।
7. डायग्नोजिंग मसकूलर डायस्ट्रोफी में स्किनबायोप्सी की डायग्नोस्टिक परिशुद्धता - एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
8. इपेनडायमोमस में नीच सिगनलिंग पाथवे का अध्ययन।
9. आईडियोपैथिक इन्फ्लैममैटरी मायोपैथीज में साइटोकाइन्स, कीमोकाइन्स और एन एफ के बी की डेंड्रीटिक सेवा अभिव्यक्ति का वर्गीकरण।
10. मेनिनाजियोमस में जेनेटिक अल्ट्रेशनों का विश्लेषण।
11. जी बी एम में क्रोमोमस 10q पर एल ओ एच का अध्ययन।
12. मेनिनजियोमस में Ip/14q डिलीशन का विश्लेषण।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. एस्ट्रोसाइटिक ट्यूमरों और इम्यूनो थैरेपी में उनकी संगतता में क्लासीकल, गैर क्लासीकल एम एच सी 1 और टी जी एफ - बी प्रकटन पर आई एफ एन जी के इम्यूनो- मॉडयूलेशन प्रोपर्टी का विश्लेषण (न्यूरोबॉयोकैमिस्ट्री विभाग)।
2. ट्यूमोरीजेनेसिस और सेल प्रतिक्रिया में एच आई सी-1 का अध्ययन (बॉयोकैमिस्ट्री विभाग)।

जारी

1. स्ट्रोक वाले रैट में मेलेशन बनाम एच यू सी बी जी के साथ मिश्रण में मानव अमबिलीकल कॉर्ड ब्लड सेल (एच यू सी बी जी) के नियंत्रण का प्रभाव। (न्यूरोलॉजी विभाग)।

2. ई जी एफ आर, एम आई बी-1 और p^{53} पर आधारित प्रतिरोध का टेमोजोलोमिड पोस्ट कीमीरेडियोथैरेपी 6 चक्र बनाम 12 चक्र और आणुविक आधार वाले ग्लीयोब्लास्टोमा में कनकरेंट कीमोरेडियोथैरेपी से उपचार परिणाम का तुलनात्मक अध्ययन। (विकिरण ऑनकोलॉजी विभाग)।

3. ग्लीयोब्लास्टोमा मल्टीफोर्मे में नोच सिगनलिंग मोलक्यूलर्स, इपीकेलियल मेसेनचीमल ट्रांसीजन (ई एम टी)। मार्करों एवं एच आई एफ-1 अल्फा का प्रकटन। (बॉयोकैमिस्ट्री विभाग)।

4. ग्लीयल ट्यूमर सेल लाइनों में ऑक्सीजन संकेन्द्रण, p^{53} एच आई सी 1 एक्सिस और स्टेमनेस विशेषताएं (डॉ. चित्रा सरकार)।

5. नर्व रिजनरेशन रैट साइएटिक नर्व ट्रांजेक्शन मॉडल पर बोन मैरो डिराइन्ड मानोक्यूलस सेलों का प्रभाव (डॉ. वैशाली सूरी)।

6. मोनोक्यूलर सेलों से प्राप्त बोन मैरो द्वारा बाह्य नर्व रिजनरेशन का डोज डिपेंडेंट फोसीलिटोन - रैन्डोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण (डॉ. वैशाली सूरी)।

तंत्रिका विज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएं

1. लेवोपोडा के स्टेबल डोज से उपचारित मोटर उतार चढ़ावों के आडियोपेकिक पार्कसन की बीमारी के रोगियों में एड-ऑन थैरेपी के रूप में सैफिनामाइड का न्यून (50 - 100 मिली ग्राम प्रतिदिन) और उच्च (150-200 मिली ग्राम प्रति दिन) डोज रेंज की क्षमता एवं सेफ्टी को निर्धारित करने के लिए फेज-III, डबल - ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित अध्ययन। माधुरी बेहारी। क्लीसेरिक्स इंडिया लिमिटेड, 10.00 लाख रुपए। 2009-2010 ।

2. रिलैप्सिंग - रेमिटिंग मल्टीपल क्लेरोसिस के मरीजों में बी जी 00012 की क्षमता एवं सेफ्टी को निर्धारित करने के लिए रैन्डोमाइज्ड, मल्टीक्यूलर, डबल - ब्लाइंड, प्लेसबो - नियंत्रित, डोज - तुलना अध्ययन। माधुरी बेहारी 1 बॉयोजेन इडेक। 26.51 लाख रुपए, 2008-2010 ।

3. उन्नत पार्किंसन के रोग के मरीजों में आर - एच एस सी - 001 की सेफ्टी और क्षमता का अध्ययन। माधुरी बेहारी। रिलायंस लाइफ विज्ञान। 16.5 लाख रुपए। 2008-2010 ।

4. फैमिलियल पी डी के लिए नोवेल जीन (नों) की पहचान। माधुरी बेहारी (सी ओ-1)। डी बी टी। 95.00 लाख रुपए। 2007-2010 ।

5. फेनोटाइप और जेनोटाइप परिवर्तन के संदर्भ में माइस्थेनिया ग्रेविस में ए सी एच आर - ए बी एस और एम यू एस के - ए बी एस की क्लीनिकल पारिस्परिकता। माधुरी बेहारी। आई सी एम आर, 28 लाख रुपए। 2007-2010 ।

6. एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक के रोगियों के लिए स्टेम सेल प्राप्त इन्ट्रावेनस ऑटोलोगस बोन मैरा : एक बहुसंस्थानिक प्रोजेक्ट। कामेश्वर प्रसाद। डी बी टी जारी।

7. सेंट्रल डाटाबेस प्रबंधन सुविधा : कामेश्वर प्रसाद। डी बी टी।

8. स्ट्रोक बॉयोलाजी पर क्षमता निर्माण।

9. एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक रोगियों में जी- सी एस एफ का प्रयोग करते हुए स्टेम सेलों का मोबाइलेशन। एक रैन्डोमाइज्ड क्लीनिकल परीक्षण। कामेश्वर प्रसाद। डी बी टी।

10. स्ट्रोक के लिए एक जोखिम फैक्टर के रूप में बेटा एडरिनर्जिक रिसेपटर और एंगियोटेनसन कन्वर्टिंग इन्जाइम इन्कोडिंग जीन पॉली मोर्फिज्म : मामला नियंत्रण अध्ययन। कामेश्वर प्रसाद। आई सी एम आर।

11. रैट में स्ट्रोक का मिडिल सेरेबल आर्टेरी ऑक्यूजन मॉडल में सिफ मिलेशन बनाम बी एम एन के मिश्रण में बोन मैरो आणुविक सेल (बी एम एम एन सी) के नियंत्रण के प्रभावों की तुलना। कामेश्वर प्रसाद। डी बी टी।

12. सेरेबल पाल्सी के विशेष संदर्भ में स्टेटिक इनसेफलोपैथी के लिए बोन मैरो नाभिकीय सेलों का ऑटोलोगस इंट्रा - आर्टेरियल इन्फ्यूजन। एम. वी. पदमा। डी एस टी, 23 लाख रुपए।

13. तीक्ष्ण इस्केमिक स्ट्रोक के लिए नोरमोबेरिक ऑक्सीजन थैरेपी : भारतीय मरीजों में एक अग्रगामी अध्ययन। एम. वी. पदमा। आई सी एम आर। 20 लाख रुपए।

14. तीक्ष्ण इस्केमिक स्ट्रोक में मिनोसाइक्लीन। एम. वी. पदमा। आई सी एम आर। 10 लाख रुपए।

15. युवाओं में सेरेब्रोवासकूलर रोगों में पैथोजेंस और इनफ्लैमैटरी बायोमार्करों की भूमिका का अध्ययन। एम. वी. पदमा। आई सी एम आर।

16. क्रोनिक स्ट्रोक और अशक्तता परिणाम उपायों एवं फंक्शनल एमेजिंग के मरीजों में दो उपचार रिजाइमों की तुलना। एम. वी. पदमा। आई सी एम आर।

17. मानव स्वास्थ्य पर गैर- आयोनाइजिंग इलेक्ट्रामैग्नेटिक फील्ड (ई एम एफ) का प्रभाव। एम. वी. पदमा, सी ओ आई।

18. स्ट्रोक स्वास्थ्य लाभ के बॉयोमार्करों से क्रोनिक स्ट्रोक - क्लीनिक रेडियोलॉजीकल परस्पर सहयोगात्मक अध्ययन में ऑटोलोगस बोन मैरो प्राप्त इंट्रावेनस मोनोक्यूलर स्टेम सेलों की सेफ्टी एवं व्यवहार्यता का अध्ययन। एम. वी. पदमा। डी एस टी।

19. "इन्ट्रैक्टेबल इपीलेप्सी में समानार्थी ई ई जी - एफ एम आर आई के दौरान इलेक्ट्रोफिजियोलॉजीकल अवस्थाओं और हिमोडायनेमिक परिवर्तनों का पारस्परिक प्रभाव।" प्रधान इन्वेस्टीगेटर/डी बी टी/26.310000 रुपए।

20. "इन्ट्रैक्टैबल इपीलेप्सी के मरीजों में प्रीऑपरेटिव मूल्यांकन के रूप में लांगवेज एवं मेमोरी का काग्नीटिव एक्टीविएशन अध्ययन - जांच का एक नावेल गैर - इन्वैसिव विधि।" मंजरी त्रिपाठी। डी एस टी, 25,00000 रुपए ।

21. यह निर्धारित करना कि सलीवा एवं सीरम मुक्त इपीलेप्टिक रोधी ड्रग्स लेवल समान हैंष्, मंजरी त्रिपाठी। आई सी एम आर। 190000 रुपए।

22. वासकूलर डिमेन्टीया के उपचार में आई एस एस का सेफ्टी, टोलरेबिलिटी एवं प्रभावकारिता मूल्यांकन - एक अग्रगामी अध्ययन। मंजरी त्रिपाठी। सह-इन्वेस्टीगेटर। ब्रेन गेट्स।

23. राइटर्स क्रैम्प, माइग्रेन, ड्रग प्रतिरोध डिप्रेशन एवं ऑबसेसिव कम्पलसिव डिसऑर्डरों में रिपेटेटिव ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टोमुलेशन (आर - टी एम एस) के थेरापीयूटिक प्रभाव का मूल्यांकन। विनय गोयल, आई सी एम आर। 14.2 लाख रुपए।

24. फोकल डिस्टोनिया में 4 सप्ताह के लिए नये रूप में तैयार कमिए गए बोटलिन्यूम टोक्सिन बनाम रेफ्रीजेरेटेड सोल्यूशन के प्रभाव की तुलना करते हुए रैन्डोमाइज्ड अध्ययन। विनय गोयल। आई सी एम आर, 20 लाख रुपए।

25. आयरन की कमी से महिलाओं और इनके संबंधियों में रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोमी की व्यापकता - उत्तर भारत से एक उत्तरव्यापी मामला - नियंत्रित अध्ययन। गारिमा शुक्ला। एम्स। 44,000 रुपए।

26. उभरते प्रौद्योगिकियों के निर्धारण हेतु जेनेरटिक जानकारी - स्लीप अशक्त ब्रीकिंग एवं स्ट्रोक के मरीजों में नई वासकूलर घटनाओं को रोकने के लिए क्रमिक पॉजीटिव एयरवे दाब थैरेपी के प्रभाव : एक रैन्डोमाइज्ड नियंत्रित अध्ययन। गारिमा शुक्ला। डी एस टी। 69 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएं

1. दीर्घ अवधि वीडियो ई ई जी रिकॉर्डिंग पर चल रहे इंट्रेक्टेबल इपीलेप्सी मरीजों में सीजर्स के प्रीडिक्टर्स।
2. पार्किसन के रोग वाले मरीजों में न्यूरोसाइक्रेटिक समस्याएं
3. पार्किसन के रोग के मरीजों के केयर - गिवरों में केयर गिवर वर्डन।
4. तपेदिक मेनिनगिटिस में प्रोग्नोसिस को प्रभावित करने वाले दीर्घ अवधि प्रोग्नोसिस एवं फैक्टर।
5. इन्ट्रेक्टेबल एवं नियंत्रित इपीलेप्सी मरीजों में नींद न आना।
6. मल्टीपल क्लेरोसिस में मिरोक्स एन्ट्रोन थैरेपी का परिणाम।
7. युवा ऑनसेट पार्किसन के रोग में नेत्रक गतिविधियां।
8. मायस्केनिया ग्रेविस में वी ए टी एस काइमेक्टोमी बनाम ओपन क्रोएक्टोमी थाइमेक्टोमी की तुलना।
9. पार्किंसन के रोग में गैर मोटर लक्षण।
10. भारतीय पार्किंसन के रोग के मरीजों में पी डी क्यू 39 के हिन्दी पाठ का प्रमाणन।
11. पार्किंसन रोग की प्राकृतिक कहानी।
12. एस एस पी ई में इनलैमेटरी प्रतिक्रिया।
13. फंक्शनल मैग्नेटिक रिसोन्स इमेजिंग का प्रयोग करते हुए क्रोनिक इन्ट्रेक्टेबल इपीलेप्सी में जीवन की कागनिशन एवं गुणवत्ता का अध्ययन (एफ एम आर आई)।
14. शैशव इंट्रेक्टेबल इपीलेप्सी में आरंभिक बनाम बाद की सर्जरी का रैन्डोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण (आर सी टी)।
15. तपेदिक मेनिनगिटिस के व्यवस्थान में प्रेक्टिस ट्रेंड।
16. एम एस ए और पी एस पी में न्यूरो - साइकोजीकल-को- मोर्बीडिटी; जैसा कि आइडियोपैकिक पार्किंसन के रोग से तुलना की गई है।
17. युवा ऑनसेट पार्किंसन के रोग में नेत्र क्रिया अव्यवस्था।
18. मेडिकली रिफ्रैक्टरी इपीलेप्सी के रोगियों में साइकैट्रिक को मोर्बीडिटी - पूर्व एवं पश्च इपीलेप्सी सर्जरी।
19. आघात रोगियों में स्लीप डिस्आर्डरड ब्रीथिंग की व्यापकता।
20. फैमिलियल पार्किंसन के रोग में स्लीप अनियमितताओं की कम व्यापकता; एक उत्तर व्यापी मामला नियंत्रण अध्ययन।
21. मल्टीपल क्लेरोसिस के मरीजों का क्लीनिकल, डेमोग्राफिक एवं उपचार प्रोफाइल का अध्ययन करना।
22. स्ट्रोक में डिकम्प्रेसिव हिमिक्रोनियकटोमी का दीर्घकालिक परिणाम।
23. स्ट्रोक का सीजनल एवं डिअरनल वैरीएशन का अध्ययन करना।
24. चिकित्सीय रूप से रेफ्रैक्टरी इपीलेप्सी बनाम वे मरीज जो नियंत्रित इपीलेप्सी के हैं, के मरीजों में अत्यधिक डेटाइम स्लीपनेस - एक उत्तरव्यापी अध्ययन।
25. एन आई एच एस एस स्ट्रोक स्केल के हिन्दी पाठ का प्रमाणन।

सहयोगी परियोजनाएं

1. प्रीडिक्ट : इन्ट्रासेरेबल हेमोरेज में प्रीडिक्टिंग हेमाटोमा ग्रोथ। कालगैरी विश्वविद्यालय, कनाडा।

2. ई एन ओ एस : स्ट्रोक में नाइट्रिक आक्साइड की क्षमता – तीक्ष्ण स्ट्रोक के मरीजों में ट्रांसडरमल ग्लाइसीरल ट्रीनाइट्रेड, नाइट्रिक आक्साइड डोनर एवं स्टॉपिंग अथवा क्रमिक पूर्व एंटीहाइपरटेंसिव थैरपी के उपचार की सेफ्टी एवं क्षमता की जांच के लिए उत्तरव्यापी, अंतर्राष्ट्रीय, मल्टीसेंटर, रैन्डोमाइज्ड, पैरेलल – ग्रुप, ब्लाइंडेड, नियंत्रित, सहयोगात्मक, फैक्टरीपल परीक्षण, (निधिकित : चिकित्सा अनुसंधान परिषद, यू.के.)।

3. भारतीय जनता में इस्केमिक स्ट्रोक का जेनेटिक आधार। (निधिकित : यू .के. – इंडिया शिक्षा अनुसंधान पहल, ब्रिटिश परिषद, यू. के.)।

4. टी बी एम बनाम अन्य न्यूरोइंफेक्टिव रोगों का पता लगाने में पी सी आर की संवेदनशीलता एवं विशिष्टता। बॉयोकैमिस्ट्री विभाग।

5. तपेदिक रोगियों और स्वस्थ व्यक्तियों से प्राप्त इम्यूनो कम्पीटेंट सेलों की इम्यून प्रतिक्रिया का अध्ययन।

6. क्लीनिकल नमूनों से क्राइप्टोकोकल न्यूओफोरमस का पता लगाने के लिए सिरोलॉजीकल एवं आणुविक विधियां।

7. हेरेडिएटरी एटोक्सियास का पता लगाने में प्रोटिइनोमिक्स।

8. क्षयरोगीय मेनिनगिटिस में हाई थ्रोपुट प्रोटिइनोमिक्स एवं प्रोटीन मार्कर खोज।

9. चुनिंदा भारतीय पौधों का एंटीइपीलेप्टिक प्रोपर्टी का मूल्यांकन और उनका कार्य तंत्र।

10. वेस्ट सिंड्रोम के प्रबंधन में रिफ्लेक्सोलॉजी और सामान्य ड्रग उपचार की क्षमता के निर्धारण पर रैन्डोमाइजेशन क्लीनिकल परीक्षण।

11. लनोक्स – गैस्टौट सिंड्रोम के प्रबंधन में रिफ्लेक्सोलॉजी और सामान्य ड्रग उपचार की क्षमता के निर्धारण का अग्रगामी अध्ययन और भारतीय जनता में जी पी आर 56 जीन में सम्भावित जेनेटिक मुटेशन पर स्क्रीनिंग।

12. इपीलेप्सी के मरीजों में स्वतः सुरक्षा मेडिकेशन अनुपालन पर स्वास्थ्य शिक्षा के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन।

13. एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक के लिए इंटावेनस आर टी – पी V के साथ थ्रामबोलीसिस : तीसरा अंतर्राष्ट्रीय स्ट्रोक परीक्षण। (आई एस टी -3)। (निधिकित : चिकित्सा अनुसंधान परिषद, यू. के.)।

तंत्रिका विकृति विज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएं

1. फेज इमेजिंग और डिफ्यूजन टेंसर इमेजिंग – क्राइप्टोजेनिक फोकल इपीलेप्सी के मूल्यांकन में नावल एम आर कंट्रास्ट्स, डी एस टी; 2007-2010 । तीन वर्ष की अवधि।

2. हिस्टोपैथोलॉजीकल ग्रेडिंग और वासकुलर इन्डोथेलियल ग्रोथ फैक्टर प्रकटन से सेरेब्रल ग्लीफोमस एवं परस्पर संबंध में मात्रात्मक वेस्सल साइज इमेजिंग (वी एस आई), डी बी टी – 2007–2010 ।

विभागीय परियोजनाएं

1. मल्टीपल क्लेरोसिस के मरीजों में सेरेब्रल वेनस अवरोध।

2. स्पाइनल वासकूलर मलफोर्मेशन, हमारे सेंटर पर इंडोवासकूलर प्रबंधन के विशेष संदर्भ में मामलों की पुनरीक्षा।

तंत्रिका शल्यचिकित्सा

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. कोटरारा अध्ययन : इंट्राच्युमाउरल 1131 टारगेटेड मोनोक्लोनल एंटीबॉडीरिसेंट जी बी एम, दिसम्बर, 2010 ।

2. ए पी – 120009 – जी 005, अध्ययन, मार्च, 2011 ।

जारी

1. एस टी आई सी एच-II चिकित्सा अनुसंधान परिषद, यू. के. 2011 ।
2. एस टी आई टी सी एच (ट्रॉमा) चिकित्सा अनुसंधान परिषद, यू. के. 2011 ।
3. ओसेइयस वेवलेपमेंटल सी वी जे एनोमलीज में एक्सोन त्रुटियां बॉयोटेक्नॉलाजी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत (17 लाख), 2011 ।
4. मिरगी के उपचार की कठिनाई में राष्ट्रीय सुविधा के रूप में उत्कृष्ट सेंटर का गठन किया जाए, बॉयोटेक्नॉलाजी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत, 2011 ।
5. रेपिड यंग इन्वेस्टीगेटर योजना, 2011 के तहत डी बी टी निधिकित परियोजना। न्यूरोनल रिजनरेशन और कार्यात्मक रिस्टोरेशन में मानव अम्बाइलेक्स कोर्ड ब्लड स्टेम सेलों और न्यूरल स्टेम सेलों की भूमिका : तीक्ष्ण स्पाइनल कोर्ड जख्मों के मेल, एडल्ट रैटों में एक तुलनात्मक अध्ययन।
6 ईपीलेप्सी सर्जरी के लिए एमिगडालो - हिप्पोकैम्पेक्टोमी के दौरान हिप्पोकैम्पस से न्यूरोट्रांसमीटरों का विभेदी प्रकटन/ डी बी टी, 30 लाख रुपए। 2011 ।
7. एफ आई एस टी ग्रांट : न्यूरोसर्जिकल लैब को विकसित करने के लिए।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. ट्रॉमैटिक बाचीयल प्लेक्सो पैकीज के लिए सर्जरी के बाद परिणाम।
2. ट्रॉमैटिक बाचीयल प्लेक्सो पैकीज के लिए सर्जरी के बाद जीवन की गुणवत्ता एवं अशक्तता।
3. ब्राचीयल प्लेक्सस चोटों के लिए सर्जरी के बाद, जीवन की गुणवत्ता एवं अशक्तता।
4. ट्रॉमैटिक बाचीयल प्लेक्सो पैकीज के लिए सर्जरी के बाद माइक्रोसर्जिकल परिणाम।
5. इन्ट्रा - क्रोनियल प्रेसर के अनियंत्रणीय उत्थापन के लिए क्रोनियक्टोमी से सर्जरी का रैन्डोमाइज्ड मूल्यांकन (रेस्क्यू आई सी पी अध्ययन) : सख्त ट्रॉमैटिक ब्रेन क्षति के प्रबंधन में डिकम्प्रेसिवक्रेनियकटोमी की भूमिका पर अंतर्राष्ट्रीय, मल्टीसेंटर, उत्तरव्यापी, रैन्डोमाइज्ड, नियंत्रित परीक्षण।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 150

पुस्तकों में अध्याय : 15

सार : 31

रोगी उपचार

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

पेरीआपरेटिव एनेस्थेटिक उपचार

1. न्यूरोसर्जिकल आपरेशन :	कुल 2753	इलेक्टिव 2100	आपातकालीन 653
2. न्यूरोरेडियोलॉजीकल प्रक्रियाएं :	कुल 277	डायग्नोस्टिक 127	थेरापियूटिक 150

3 एम आर आई प्रक्रियाएं (सेडेशन/ एनेस्थेसिया के तहत) 151

तंत्रिका गहन उपचार यूनिट

इंटेनसिव केयर प्रबंधन : 2960 मरीज (2690 न्यूरोसर्जिकल और 170 न्यूरोलॉजीकल मरीज)

पीडा क्लीनिक

931 मरीज (163 नये और 768 पुराने) ओ पी डी में देखे गए थे। उनमें से 215 का ओटी में नर्व ब्लॉकों से उपचार किया गया था।

तंत्रिका विकृति विज्ञान

1.	न्यूरोपैथोलॉजी सर्जिकल नमूने	2106		
2.	फ्रोजन सेक्शन	403		
3	मस्कल बायोप्सीज			
	कुल प्राप्त हुए	384		
	मस्कल एन्जाइम हिस्टोकैमिस्ट्री	977	मस्कल इम्यूनोहिस्टो- कैमिस्ट्री	1710
4	इम्यूनोहिस्टो कैमिस्ट्री	4745		
5	मेलिइन स्टेन	156		
6	सीटू हाइब्रीडाइजेशन में डायग्नोस्टिक फ्लोरोसेंट	95		
7	इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी			
	प्राप्त नमूने	749	संसाधित नमूने	412

तंत्रिका विकृति विज्ञान

प्रक्रियाएं	संख्या	प्रक्रियाएं	संख्या
डिजीटल सबट्रैक्शन एंजियोग्राफी	727	इंटरवेंशनल प्रक्रियाएं	153
एम आर आई	**2070**		
सीटी			
हेड	15498	चेस्ट	254
एब्डोमेन	153	स्पाइन	603
एंजियोग्राफी	80	एच आर सी टी	26
इमेज गाइडेड/सी टी गाइडेड अध्ययन	156	आपातकालीन सी टी	8284
अल्ट्रासाउंड	1480	प्लेन एक्सरे ओ पी डी/ इनडोर	14511
प्राइवेट केस रिर्पोटिंग	4167		
कुल	**48162**		

तंत्रिका विज्ञान

1. विभाग सप्ताह में 6 दिन बहिरोगी क्लीनिक चलाता है।

2. विशेष क्लीनिक : स्ट्रोक, मूवमेंट डिसऑर्डर, इपीलेप्सी, स्लीप, न्यूरोइम्यूनोलॉजी, न्यूरोइंफक्शन, पेडिएट्रिक न्यूरोलॉजी, सिरदर्द, न्यूरो मसकूलर डिसऑर्डर नियमित रूप से चलाए जाते हैं।

3. अंतःरोगी सेवाओं में शामिल है, 68 जनरल वार्ड बिस्तरे, 5 इपीलेप्सी मॉनीटरिंग बिस्तरे जो वीडियो - ई ई जी, स्लीप लैब, 5 आई सी यू बिस्तरों के साथ होंगे।

4. विभाग ने ई ई जी, ई एम जी, एन सी एस, व्यक्त प्रतिक्रियाएं, वीडियो ई ई जी के लिए न्यूरोफिजियोलॉजी लैब समर्पित किया है।

5. स्ट्रोक, पार्किंसन के रोग, इपीलेप्सी के लिए नियमित रोगी एवं सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाते हैं।

तंत्रिकाशल्य चिकित्सा

2. विभाग सप्ताह में चार बार बहिरोगी क्लीनिक चलाता है। 2010-11 के दौरान, विभाग ने 9805 पुराने मामलों और 21962 नये मामलों का उपचार किया। गामानाइफ अनुवर्ती क्लीनिक में 997 रोगी देखे गए थे।

3. अंतरोगी उपचार में 25 आई सी यू बिस्तरे, 72 जनरल वार्ड बिस्तरे शमिल हैं। सी एन टॉवर न्यूरोसर्जिकल रोगी का वार्ड है जो पहला, तीसरा, पांचवा और छठी मंजिल पर भर्ती हैं, जो एक प्राइवेट वार्ड ब्लॉक हो गया है।

4. विभाग में 8 समर्पित न्यूरो सर्जिकल आपरेटिंग कमरे हैं। न्यूरो सर्जिकल मामलों की संपूर्ण रेंज आपरेटेड हैं और व्यवस्थित हैं। 2010-11 के दौरान 3757 प्रक्रियाएं की गई थीं जिसमें 2653 बड़ी थीं। उसी अवधि के दौरान 209 गामा नाइफ प्रक्रियाएं की गई थीं।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाक्रम

आचार्य एच. एच. दाश एम्स में "हास्टल अधीक्षक" बने हुए हैं; भारतीय न्यूरो एनेस्थेसियोलॉजी एवं गहन उपचार संस्थान (आई एस एन ए सी सी) द्वारा प्रकाशित न्यूज लेटर के "प्रमुख सम्पादक" बने हुए हैं; न्यूरोलॉजीकल एनेस्केसियोलॉजी पत्रिका के सम्पादकों में से एक सम्पादक हैं; सैन डिइगो, यू एस ए में न्यूरोसाइंस संबंधी संस्था द्वारा "वर्ष के अध्यापक" पुरस्कार से सम्मानित किया गया; एनेस्थेसियोलॉजी और गहन उपचार (एस एन ए सी सी) संबंधी एशिटन संस्था का "प्रेजीडेंट इलेक्ट" चुना गया; 1 से 5 जून, 2010 तक फुकोका, जापान में 13वें एनेस्थेसियोलिस्टों की एशियन ऑस्ट्रेलेसिया कांग्रेस (ए ए सी ए) और एनेस्केलोजिस्ट जापानी संस्था (जे एस ए) के 57वीं वार्षिक बैइक में आमंत्रित वक्ता। 2 अक्तूबर, 2010 को पी एन यू एच, बूसन दक्षिण कोरिया में एम डी सी आर के अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार में आमंत्रित वक्ता।

आचार्य माधुरी बिहारी को ए एफ एम आर सी का सदस्य आमंत्रित किया गया था। एन आई एम एच ए एन एस, बंगलौर के कार्यकरण की समीक्षा के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समीक्षा समिति का अध्यक्ष नामित किया गया था। वह संस्थानिक अनुसंधान पुनरीक्षा बोर्ड और नीतिशास्त्र समिति, जे एन यू के सदस्य हैं; एडवोकेसी सब सेक्शन, भारतीय न्यूरोलॉजी अकादमी, मानव संसाधन विकास समूह, सी एस आई आर के विशेषज्ञ समिति, एशियन ओसीनीयन सेक्शन, अंतर्राष्ट्रीय मुवमेंट डिसऑर्डर संस्था, शिक्षा समिति, एशियन ओसीयन सेक्शन, अंतर्राष्ट्रीय मुवमेंट डिसऑर्डर संस्था, पी आर समिति, अंतर्राष्ट्रीय मूवमेंट डिसऑर्डर संस्था, सदस्य, शिक्षा समित, मूवमेंट डिसऑर्डर्स ग्रुप, विश्व न्यूरोलॉजी परिसंघ।

आचार्य पी. के. बिट्ठल को भारतीय न्यूरोएनेस्थेसियोलॉजी एवं गहन उपचार संस्था (आई एस एन ए सी सी) का "अध्यक्ष" चुना गया था।

आचार्य चित्रा सरकार को वरिष्ठ बॉयोमेडिकल वैज्ञानिक 2010-11 के लिए आई सी एम आर अंतर्राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति प्रदान की गई थी; 2010-11 के लिए भारतीय न्यूरो ऑनकोलॉजी संस्था का उपाध्यक्ष चुना गया था; भारतीय न्यूरोलॉजीकल संस्था द्वारा डायग्नोसिस एवं ग्लीपोमस प्रबंधन हेतु राष्ट्रीय दिशानिर्देश तैयार करने के लिए गठित समिति का सदस्य नामित किया गया था; एस जी पी जी आई अनुसंधान समिति, लखनऊ के सदस्य थे 2010-13; डी एस टी - स्वर्ण जयंती अध्येतावृद्धि समिति के सदस्य थे; भारतीय विज्ञान अकादमी संबंधी सेक्शनल समिति (चिकित्सा विज्ञान), बंगलौर के सदस्य थे; कार्यनीति समिति, डॉ.

अम्बेडकर बॉयोमेडिकल अनुसंधान सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय के सदस्य थे; सदस्य, संकाय निर्धारण समिति; एन बी आर सी; सदस्य, चयन समिति, आई सी एम आर, पैथोलॉजी संस्थान, नई दिल्ली।

आचार्य एन. के. मिश्रा अंतर्राष्ट्रीय संकाय थे, "एन्यूरिज्म" पर सत्र के अध्यक्ष थे, और "विशेषज्ञ से मिलें" सत्र का संचालन किया; "न्यूरोरेडियोलॉजी मे जीवनष्, XIXवीं विचारगोष्ठी के दौरान, न्यूरोलॉजीकम, 4-9 अक्तूबर, बोलोग्ना, इटली।

आचार्य कामेश्वर प्रसाद, कोचरेन न्यूरोलॉजीकल नेटवर्क के सदस्य हैं। बॉयोटेक्नॉलाजी विभाग, भारत सरकार के क्रोनिक रोग बॉयोलॉजी संबंधी कार्यबल के सदस्य हैं; असम विश्वविद्यालय, सिलचर (2010-13) के कार्यकारी परिषद के सदस्य हैं, इंडिया सी एल ई एन अनुसंधान क्षमता निर्माण पहल के तकनीकी सलाकारी अनुसंधान क्षमता निर्माण पहल के तकनीकी सलाहकारी ग्रुप के सदस्य हैं, पंडित भगवत दयाल शर्मा चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक के कार्यकारी परिषद के सदस्य हैं।

सम्पादक, इडिनबर्ग, आधारित कोचरेन स्ट्रोक ग्रुप और गूस्टरडाम आधारित कोचरेन ए आर आई ग्रुप हैं।

आचार्य एस. बी. गायकवाड़ को एम्स में नैनोटेक्लॉजी की सुविधा स्थापित करने संबंधी समिति हेतु नामित किया गया था; निदेशक, एस जी पी आई एम एस, लखनऊ द्वारा तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया; एशिया पैसीफिक संस्था, कार्डियोवासकूलर एवं इंटरवेनसनल रेडियोलॉजी (ए पी एस सी वी आई आर) की सदस्यता प्रदान की गई; XIXवें विश्व न्यूरोरेडियोलॉजी कांग्रेस। बोलोग्ना, इटली में स्ट्रोक की न्यूरोरेडियोलॉजी पर सत्र की अध्यक्षता के लिए आमंत्रित, 4-9 अक्तूबर, 2010 ।

डॉ. मंजरी त्रिपाठी, एम्स अनुसंधान समिति की सदस्या है, जो वर्ष 2010-2011 के लिए नए अनुसंधान प्रस्तावों पर विचार के संबंध में है और एम्स सब समिति की सदस्या हैं, जो क्लीनिकल रोगों के लिए वर्ष 2010-2011 के लिए अनुसंधान प्रस्तावों पर विचार करने के संबंध में है और भारतीय जेरियाट्रिक्स अकादमी, 2010 की पत्रिका के लिए राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड की सदस्या हैं।

डॉ. रोहित भाटिया और डॉ. ममता भूषण सिंह : ने एक पाठ्यपुस्तक लिखी और उसका सम्पादन किया, जिसका शीर्षक है - "न्यूरोलॉजी में आपात सेवाएंष। 11 अध्याय। अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सहयोगकर्ता। बाइवर्ड पब्लिशर्स, नई दिल्ली, इंडिया, आई एस बी एन : 978-81-81.93 - 067 - 5 ।

डॉ. विनय गोयल, कार्यकारी सदस्य हैं; दिल्ली न्यूरोलॉजीकल संस्था एवं सम्मानीय सम्पादक; डी एन ए न्यूजलेटर, दिल्ली न्यूरोलॉजीकल संस्था।

डॉ. एम. पी. पाण्डिया ने एक वर्ष एनेस्केसिया विभाग, स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय, मेडिसन स्कूल, यू एस ए में अतिथि संकाय के रूप में काम किया।

डॉ. पी. शरत चन्द्रा "भारत में इपीलेप्सी तैयार करने के लिए दिशानिर्देश" तैयार करने हेतु समिति में विशेषज्ञ थे; भारतीय इपीलेप्सी संस्था द्वारा।

डॉ. दीपक अग्रवाल को 23 अप्रैल से 2 मई, 2010 तक हांगकांग में स्पाइन सेंटर का दौरा करने के लिए सिन्केस स्पाइन ऑबजरवरशिप प्रोग्राम पुरस्कार प्रदान किया गया था।

डॉ. अंचल कक्कड़ ने ऑरल पेपर के लिए, जिसका शीर्षक है - "ग्लीयोब्लाटोमा मल्टीफोरमी में क्रोमोसम 10 पर हिटेरोजिगोसिटी की क्षति" के लिए आई ए पी एम, दिल्ली चैप्टर को वार्षिक सम्मेलन में रामालिंगास्वामी प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया; 11 अप्रैल, 2010 ।

अतिथि वैज्ञानिक

तंत्रिका संवेदनाहरण विज्ञान

डॉ. दीपक शर्मा, सीटल, यू एस ए

10.6 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र

अध्यक्ष एवं आचार्य

सुप्रियो घोष

आचार्य

राजवर्धन आजाद	रसिक बी. वाजपेया	विमला मेनन
एस. पी. गर्ग	अनिता पांडा	वाई. आर. शर्मा
अतुल कुमार	प्रदीप शर्मा	रमनजीत सिहोटा
गीता सतपथी	जे. एस. टिटियाल	राधिका टंडन
(नेत्र सूक्ष्म जैव विज्ञान)		
एस. के. खोखर	महेश चन्द्र	दलिप आर. शिंदे
	मनदीप सिंह बजाज	(संवेदनाहरण विज्ञान)

चिकित्सा अधीक्षक

शक्ति कुमार गुप्ता

अपर आचार्य

राज पाल	निरंजन नायक	सीमा सेन
	(नेत्र सूक्ष्म जैव विज्ञान)	(नेत्र विकृति विज्ञान)
संजय शर्मा		
(विकिरण निदान)	सीमा कश्यप	नम्रता शर्मा
प्रदीप वेंकटेश	(नेत्र विकृति विज्ञान)	
टी. वेलपंडीयन	तनुज दादा	नीलम पुष्कर
(नेत्र भेषजगुण विज्ञान)	प्रवीण वशिष्ठ	जसवीर कौर
	(सामुदायिक नेत्र विज्ञान)	(नेत्र जैव रसायन)

सह-आचार्य

रोहित सक्सेना	विनय गुप्ता	रेनु सिन्हा
		(संवेदनाहरण विज्ञान)
तुषार अग्रवाल	एम. वानाथी	राजेश सिन्हा
भावना चावला		परिजात चन्द्रा

शिक्षा

केन्द्र ने 45 पूर्व स्नातकों, 33 वरिष्ठ रेजीडेंटां, 5 नेत्र एनेस्थिस्टों, और 7 पूल अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। 25 स्नातकोत्तर (एम डी) और 12 विज्ञान स्नातक (आ.) ऑप्थ ने अपना प्रशिक्षण पूरा किया। 24 पी एच डी अध्येता सेंटर में शोध कार्य कर रहे हैं।

अल्प एवं दीर्घ अवधि प्रशिक्षण : 28 अल्प अवधि प्रशिक्षु और 9 आप्थलमोलोजिस्ट देश के विभिन्न भागों से विशिष्टीकरण के विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित थे।

संकाय द्वारा सी एम ई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान : 117

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. शील्ड अध्ययन : ए आई एन 4.57 बनाम स्टैंडर्ड - आफ - केयर इम्यूनोसप्रेसिव थैरेपी के प्लेसबो एडजुंक्टिव से संसाधित पोस्टेरियर अथवा पेनुवेइटिस के बेहसेट के मरीजों में आवर्ती एक्सएसेरबेशन्स के रेट में अंतर को निर्धारित करने के लिए 24 सप्ताह मल्टीसेंटर, रैन्डोमाइज्ड, डबल मास्कड, प्लेसबो नियंत्रित अध्ययन। पी-I - आचार्य राजवर्धन आजाद; एन ओ वी ए आर टी आई एस : छह महीने; 1.8 लाख रुपए।

2. वर्टेपोर्फिन (विसुडाइन) फोटोडायनेमिक थैरेपी (स्टैंडर्ड प्रभाव) जमा इंट्राविट्रीयल रानीबिजूमैब (लुसेन्टिस) बनाम वर्टेपोर्फिन (विसुडाइन) फोटोडायनेमिक थैरेपी (कम किया गया प्रभाव) जमा इंट्रावीट्रोयल रानीबिजुमैब (लुसेंटिस) की मैक्यूलर डिजनरेशन से संबंधित आयु के सबफोवीयल अथवा जक्टाफोवीयल कोरोइडल नियोवासकुलाराइजेशन सेकेंडरी के रोगियों में क्षमता एवं सुरक्षा की तुलना के लिए 12 माह रैन्डोमाइज्ड अग्रगामी अध्ययन। प्रोटोकॉल सं. सी बी पी डी 952 ए आई एन 03 टी; 2007, पी I : राजवर्धन आजाद; नोवारटिस; 2007-2010; 3,62,720 रुपए।

3. डी ई जी ए एस अध्ययन : पी एफ - 523655 बनाम लेजर थैरेपी (डी ई जी ए एस) की दक्षता एवं सेफ्टी का मूल्यांकन करते हुए फेज-2 उत्तरव्यापी, रैन्डोमाइज्ड, मल्टीसेंटर, डबल मास्कड, प्लेसबो नियंत्रित; डोज रेंजिंग कम्प्रेटर अध्ययन। पी I; आचार्य राजवर्धन आजादा; पी फिजर : 2009-2011; 16.5 लाख रुपए।

4. ई एन डी यू आर ई अध्ययन : क्यूसेंट, गैर संक्रमणीय मध्यवर्ती, पास्टरीयर अथवा पेन्यूवेइटिस एवं प्रोटोकॉल संख्या सी ए आई एन 457 सी 2301 के रोगियों में सिस्टेमिक इम्यूनोस्प्रेशन को कम करने पर यूवेइटिस स्प्रेशन को बनाए रखने के लिए ए आई एन 457 बनाम प्लेसबो का 24 सप्ताह मल्टीसेंटर, रैन्डोमाइज्ड, डबल मास्कड, प्लेसबो नियंत्रित; डोज रेंजिंग फेज-3 अध्ययन। पी I : आचार्य राजवर्धन आजादा; जून, 2010, फरवरी, 2011; 1.8 लाख रुपए।

5. संदिग्ध वाइरल केराटाइटिस, विशेष रूप से स्ट्रोमल और एटीपाइकल इपीकेलियल केराटाइटिस के टीपर नमूने में हर्पेस सिम्पलेक्स वाइरस। (एच एस बी I) का पता लगाने के लिए पॉलीमिराज चेन रीएक्शन जांच का मूल्यांकन। पी I : आचार्य गीता सतपाथी : निधियन एजेंसी : आई सी एम आर : 2007-2010 ; 16 लाख रुपए।

6. नेत्र स्क्वामस सेल न्यूओप्लासिया और अन्य ट्यूमर सप्रेशरों के साथ इसके परस्परक्रिया में स्ट्राटिफिन की भूमिका। पी I : डॉ. सीमा सेन; निधियन एजेसीं : आई सी एम आर; 2010 ; 26 लाख रुपए।

7. आई एन एम एस बॉयोमेडिकल उत्पादों की मानव फार्माकोलोजी और टैक्सिकोलोजी प्रोफाइलिंग। पी I डॉ. टी. वेलपांडियन; निधियन एजेंसी : डी आर डी ओ; 2008-2011; 9.75 लाख रुपए।

जारी

1. राष्ट्रीय रेटिनोब्लास्टोमा रजिस्ट्री।

2. सेवेयर, एग्रीसिव और समय पूर्व पोस्टेरियर रेटिनोपैथी (आर ओ पी) (II आर) के उपचार के लिए पीगैप्टानिव सोडियम (मैक्यूजेन) की एडजंक्टिव भूमिका को निर्धारित करने के लिए अग्रगामी अध्ययन।

3. 0.3 मिली ग्राम पीगैप्टानिब सोडियम (मोक्यूजेन) के इंट्रावेट्रीयस इंजेक्शनों की सेफ्टी एवं क्षमता की तुलना के लिए पैरलल ग्रुपों में फेज 2/3 रैन्डोमाइज्ड, नियंत्रित, डबल मास्कड, मल्टीसेंटर, तुलनात्मक परीक्षण, जैसाकि प्रायः प्रत्येक 6 महीने में 2 वर्ष के लिए डायबेटिक मैक्यूलर इडेमा (डी एम ई) के मरीजों में शाम इंजेक्शनों के लिए दिया गया है; जिसमें मैक्यूला का सेंटर शामिल है। प्रोटोकॉल संख्या ए 5751013, 2006 ।

4. कीरोआइडल न्यूओवासकूलराजेशन के रोगों के उपचार में पी एफ-04523655 बनाम रानीबिजूमैब का मूल्यांकन करते हुए फेज-II मल्टीसेंटर, प्रोस्पेक्टिव, रैन्डोमाइज्ड, आयु से संबंधित मैक्यूलर डिजनरेशन, कॉम्प्रेटर नियंत्रित, डोज रेंजिंग अध्ययन (मोनेट अध्ययन)।

5. बिहार के चयनित जिले में 0-5 आयु के बच्चों में एनोप्थलमिया और/अथवा माइक्रोप्थलमिया की इपीडेमियोलोजी।

6. तीक्ष्ण हेमोरहजिक कंजक्टीविटीज के कारण इंट्रोवाइरस 70 और कोक्साकी वाइरस ए 24 वाइरसों के इन्हीबिशन के लिए छोटे इंटरफेरिंग आर एन एज (एस आई आर एन एज) का विकास।

7. उपकरण से जुड़े संक्रमणों में कोएगुलेज नेगेटिव स्टेफिललोकोकी और उनके बॉयोफिल्मों का फेनोटाइपिक मोलक्यूलर और अल्ट्रास्ट्रकचरल अध्ययन।

8. मलिगनेंट नेत्र ट्यूमरों में मानव पेपीलोमा वाइरस किस्मों की पहचान।

9. रेटिनोब्लाटोमा में फ्लो साइटोमेट्री द्वारा कैंसर स्टेम सेल मार्कर की खोज।

10. प्रोस्टेट कैंसर की खोज में ट्रांस रेक्टल अल्ट्रासाउंड, इलास्टोग्राफी और कंट्रास्ट इन्हैन्सड सोनोग्राफी का मूल्यांकन।

11. नेत्र लिम्फोमस औ क्लामीडोफिला : एक इम्यूनोथेनोटाइपिक और आणुविक अध्ययन।

12. विभिन्न नेत्र फार्मास्यूटीकल्स अवस्थाओं के लिए कैल्शियम डोबेसाइलेट का मूल्यांकन।

13. दिल्ली में स्कूल जाने वाले बच्चों में मियोपिया के मैग्नीट्यूड एवं प्रोग्रेसन का मूल्यांकन।

14. अवसान एम्बीलियोपिया थैरेपी को अपनाते हुए एम्बलीयोपिया के आवर्तन की घटना और डिटरमिनेंट्स का मूल्यांकन।

15. उन्नत इंट्राऑक्यूलर रेटिनोब्लास्टोमा में क्लीनिकल विशेषताओं एमेजिंग विशेषताओं और हिस्टोपैथोलेजीकल निष्कर्षों के बीच पारस्परिक संबंध।

16. उच्च धनत्व के पोरस पॉलीकीलीन टीयर ड्रेन ट्यूब का प्रयोग करते हुए कंजक्टीवोडाक्राइयोसिस्टरहीनोस्टॉमी।

17. आई एवं ऑरविट का मलिगनेंट ट्यूमर परिवर्तित क्लीनिकल प्रोफाइल, मैनेजमेंट में ट्यूमर मार्करों की भूमिका।

18. जुवेनाइल ऑनसेट प्राइमरी ओपन एंगल ग्लाइकेयर के प्रस्तुतीकरण पर सेवरिटी से जुड़े कारक।

19. जुवेनाइल ऑनसेट प्राइमरी ओपन एंगल ग्लाइकोमा के मरीजों में फेनोटाइप जेनोटाइप पारस्परिक संबंध।

विभागीय परियोजनाएं

पूर्ण

1. सर्जरी के बाद ऑरबिटल ट्यूमर और उनके अल्टरेशनों में विज्यूवल फंक्शनों एवं फंडस निष्कर्षों का अध्ययन।

2. फुल थिकनेस आइलिड त्रुटियों के पुनर्निर्माण के लिए लिटरल आइलिड रोटेशन फ्लैप।

3. रिग्रेस्ड रेटिनोब्लास्टोमा के मरीजों में विजुवल पैरामीटर।

4. मार्कस गनजॉ विकिंग रोसिस में आशोधित लिवेटर लीकेशन का मूल्यांकन।

5. कीमोरिडक्शन और लोकल उपचार अथवा इनुक्लीएशन पर चल रहे रेटिनोब्लास्टोमा मरीजों में क्रमिक अल्ट्रासोनिक मूल्यांकन और इसका क्लीनिको पैथोलॉजीकल पारस्परिक संबंध।

6. सेंट्रल सिरियस रेटिनोपैथी में लेजर के अनाटोमाइकल एवं कार्यात्मक परिणाम।

7. डायबेटिक मैक्यूलर इडेमा में मैक्यूजेन और लुसेंटिस की भूमिका।

8. डायबेटिक रेटिनोपैथी के उपचार के लिए पास्कल फोटोकोएगुलेशन और डायोड लेजर की तुलना।

9. डायबेटिक मैक्यूलर इडेमा में इंट्रावाइट्रीयल पैन एंटी - वी ई जी एफ का इंट्रावाइट्रीयल सलेक्टिव एंटी - वी ई सी एफ से तुलनात्मक मूल्यांकन।

10. हिग्मैटोजीनियस रेटीनल डिटैचमेंट के प्रबंधन में पर्स प्लाना वाइरेक्टोमी के लिए 25 गेज बनाम 20 गेज सिस्टम का तुलनात्मक अध्ययन।

11. बोन मैरो डिराइब्ड स्टेम सेल थैरेपी और ट्राबेक्सूलर मेशवर्क : एक प्रयोगात्मक अध्ययन।

12. सिम्प्टोमैटिक लोवर लिम्बा वैरीकोसीटीज का रेडियोफ्रेक्वेंसी एबलेशन।

13. सोनाग्राफिक रूप से इनडिटरमिवेट एडइनेक्सल मैसेस का विश्लेषणीकरण में एम आर आई की भूमिका।

14. इवीडेंस आधारित आई केयर के लिए एकीकृत प्रीडिक्टिव मॉडल।

15. रेटिनोवलास्टोमा के ब्लाइंड बच्चों (8 से 18 वर्ष) में जीवन की गुणवत्ता से संबंधित स्वास्थ्य।

16. शिशुओं एवं बच्चों में ट्रेचीपल इंट्रबेशन के लिए कंडइट के रूप में एयर क्यू इंटयूबेटिंग लैरिइनजीयल एयरवे का मूल्यांकन।

17. पेडिएट्रिक्स मरीजों में एल एम ए कफ प्रेशर एवं वेंटीलेटरी पैरामीटरों में परिवर्तन : एयर एवं O_2 का प्रभाव - एल एम ए कफ इंफ्लेशन के लिए प्रयुक्त एयर मिक्चर।

18. औषधि के इंट्राऑक्यूलर किनिटिक्स के अध्ययन के लिए माइक्रोडायलेसिस तकनीकों का विकास।

19. औषधि का ट्रांसकोरनीयल पेनेट्रेशन के लिए कैसेट डोजिंग तकनीकी का मूल्यांकन।

20. कोनजेनेरिक कम्पाउंडस के लिए मोलक्यूलर डायनैमिक का प्रयोग करते हुए उनके इन विर्वा इंट्राऑक्यूलर पेनेट्रेशन के लिए प्रमाणात्मक संरचना प्रापर्टी रिलेशनशिप का विकास।

21. एलर्जिक क्रंजक्टीविटीज के लिए पॉलीहर्बल निर्धारण का मूल्यांकन।

22. ऑप्टिक न्यूरीटिस और मल्टीयल क्लेरोसिस में रेटीनल नर्व फाइबर लेयर किकनेस का मूल्यांकन।

23. ऑप्टिक न्यूरीटिस के मामले में फंक्शनल एम आर आई पर विजुवल फंक्शनों का कोर्टीकल एक्टीवेशन पैटर्नों से पारस्परिक संबंध।

24. उपचारित एनिसोमेट्रोपिक एम्बलीओपिया के मामलों में एम्बलीओपिग उपचार के अवरोधन का पालन करते हुए एम्बलीओपिया की आवृत्ति के प्रभाव का मूल्यांकन करना।

25. बच्चों में साइक्लोप्लेजिक रिफ्रैक्शन ; होमैट्रोपाइन और एट्रोपाइन की तुलना।

26. एम्बालीपोपिया में फंक्शन मैग्नेटिक रेसोनैंस इमेजिंग (एफ एम आर आई) का प्रयोग करते हुए बेसलाइन कोर्टीकल एक्टीवेशन का मूल्यांकन करना और इसकी पोस्ट ऑकल्यूसन थैरेपी के स्वास्थ्य लाभ के बाद एक्टीवेशन पैटर्न से तुलना करना।

27. ऑप्टिक न्यूरीटिस से नेत्रों में और माइक्रोपेरीमेट्री से फेलो नेत्रों में विजुवल फील्ड परिवर्तनों का मूल्यांकन।

28. एक्सोडुएन रेट्रेक्शन सिड्रोम एवं कई नर्व पाल्सी में लेटरल रेक्टस पेरियोस्टील एंकरिंग स्लिट बी आर टी का मूल्यांकन।

जारी

1. मानव यूवील मेलेनोमा का जीन प्रकटन प्रोफाइल।

2. ग्लेयूकोमा का आणुविक जेनेटिक्स।

3. मानव रेटिनोब्लास्टोमा में अपोप्टसिस का रेगुलेशन।

4. मानव रेटिनोब्लास्टोमा में विभेदी रूप से व्यक्त जीनों की पहचान एवं विशेषीकरण।

5. मलिगनेंट आइलिड ट्यूमर में सेटीनेल लिम्फ नोड बॉयोप्सी।

6. ऑरबिटल एवं पेरीऑरबिटल लेजन्स में फाइन नीडल बॉयोप्सी की भूमिका।

7. लेफरोफिमोसिस सिन्ड्रोम में क्लनिकल, रेडियोलॉजीकल और जेनेटिक विश्लेषण।

8. आप्थलमोपेंथी से संबद्ध थाइराइड में क्लीनीकल और डेमोग्राफिक प्रोफाइल।

9. डायबेटिक मैक्यूलर इडेमा और प्रोलीफेरेटिव डायबेटिक रेटिनोपैथी में अभिसामयिक लेजर फोटो कोएगुलेशन से पास्कल फोटो कोएगुलेशन के प्रभावों की तुलना के लिए रैन्डोमाइज्ड उत्तरव्यापी अध्ययन।

10. ब्रांच रेटिनल वेइन ऑकल्युशन्स में लुसेंटिस बनाम लेजर की तुलना।

11. प्रोलीफेरेटिव डायबेटिक रेटिनोपैथी में एंगल न्यूओवासकर - लराइजेशन का शीघ्र पता लगाने के लिए रेटकैम एसीटेड फ्लूरेसेइन एंजियोग्राफी बनाम गोनियोस्कॉपी की तुलना।

12. डायबेटिक मैक्यूलर इडेमा के मरीजों में एस डी - ओ सी टी एवं मल्टीफोकल ई आर जी का प्रयोग करते हुए फोवीयल फोटोरिसेप्टर लेयर की इंटीग्रीटी में विजुवल एक्यूटी का पारस्परिक संबंध।

13. टरटेयरी नेत्र उपचार केंद्र पर विटेरिओरेटिनल सर्जरी के परिणाम।

14. डायबेटिक विटरिओ रेटीनल सर्जरी में इंट्राआपरेटिव वीवैसीयजुमैब के एनोटोमिकल एवं फंक्शनल परिणाम।

15. डायबेटिक ट्रैक्शनल रेटीनल डिटैचमेंट के प्रबंधन में 23जी एवं 25 जी माइक्रोइनसीजन विटरेक्टोमी का तुलनात्मक मूल्यांकन।

16. समयपूर्व रेटिनोपैथी के उपचार के लिए लार्ज स्पॉट लेजर बनाम स्टैंडर्ड स्पॉट लेजर की तुलना।

17. बढ़ाई गई मिनीमल गेज डाय के मैनेजिंग के लिए मैक्यूलर होम सर्जरी वैरीनिंग गैर मिक्सचर (18% सी 3 एफ 8, और 25% एस एफ 6) में सफलता के लिए प्रीडिक्टरों का तुलनात्मक मूल्यांकन।

18. रेटीनिटिस पिगमेंटोसा और एलाइड हेरेडो - रेटीनल डाईस्ट्रोफीज के मरीजों के पुनर्वास हेतु स्टेम सेलों से प्राप्त ऑटोलोगस बोन मैरो का प्रयोग।

19. एलोनेनिक हेमाटोपाइटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांट मरीजों में नेत्रक सर्फेस मूल्यांकन।

20. ट्राबीक्यूलर मेशवर्क के बेसलाइन इंटानेत्रक प्रेशर और हिस्टोपैथोलाजी के बीच पारस्परिक संबंध।

21. कोरनीयल इंडोथेलियल डायस्टोफीज का क्लीनिकल, हिस्टोपैथोलॉजीकल और जेनेटिक विशेषता।

22. ऑरबिटल लेसिनों का क्लीनिकल के साथ एफ एन ए सी एवं हिस्टोपैथ पारस्परिक संबंध।

23. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने के लिए ट्रांस रेक्टल अल्ट्रासाउंड, इलास्टोग्राफी और कंट्रास्ट बढ़ा हुआ सोनोग्राफी।

24. सिप्टोमैटिक लोवर लिम्ब वैरीकोसीटीज के उपचार में इंडोवेन्स लोअर अबलेशन, रेडियोफ्रेक्वेंसीश अबनेशन और सर्जरी का तुलनात्मक मूल्यांकन।

25. डिस्कोजेनिक लो बैक पेन के लिए कंजरवेटिव प्रबंधन की तुलना में इंटरवेनशनल रेडियोलॉजीकल प्रबंधन के परिणाम का तुलनात्मक मूल्यांकन।

26. कोरनीयल ओपासीटीज पर कम्युनिटी बेस्ड इपीडेमियोलॉजीकल अध्ययन।

27. ग्लेयूकोमा उपचार अनुपालन में सामाजिक आर्थिक फैक्टर।

28. आर पी सेंटर में नये डायग्नोज्ड ग्लेयूकोमा मरीजों में जीवन की गुणवत्ता।

29. आई लिड के सेबासीयस सेल कार्सीनोमा में डब्ल्यू एन टी बी - कैटनिन सिगनलिंग पांथवे पर आई एच और आणुविक अध्ययन।

30. नेत्रक सर्फेस स्क्वामस नियोप्लासिया में सेल साइकिल रेगुलेटरी प्रोटीनों की अभिव्यक्ति।

31. इलेक्टिव स्ट्रावाब्सिमस सर्जरी पर चल रहे बच्चों में पोस्टआपरेटिव नौसिया और वोमिटिंग के लिए ग्रेनीसेट्रॉन और डेक्सामेकासोन के अलग-अलग डोज के साथ ग्रेनीसेट्रॉन की तुलना।

32. कम्प्यूटर सहायता प्राप्त ड्रग डिजाइन का प्रयोग करते हुए पोस्टमेनोपौजल ड्राई आई के लिए टॉपीकल इस्ट्रोजन अथवा एंड्रोजन रिसेप्टर मॉड्यूलेटर का विकास।

33. ड्रग्स के इंट्रानेत्रक पेनीट्रेशन के लिए कैसेट डोजिंग का मूल्यांकन।

34. मैरीन ऑरीजिन से बॉयोएक्टिव कम्पाउंडों का इसोलेशन तथा मूल्यांकन।

35. गोल्ड फिश में ओ एम आर पैराडिग्मस का प्रयोग करते हुए नेत्रक टॉक्सीसिटी का प्रीडिक्शन।

36. इंडियन सोलर अल्ट्रा बायलेट रेडिएशन निर्धारण - इंटरसन का डब्ल्यू एच ओ - डब्ल्यू एम ओ कार्यक्रम के तहत प्रोजेक्ट आई एस यू वी आर ए ।

37. नेत्रक न्यूओमासकूलर स्थितियों के लिए पॉलीहर्बल फार्मुलेशन का मूल्यांकन।

38. उपचारित जुनेनाइल ऑनसेट प्राइमरी ओपन एंगल ग्लेकोमा नेत्रों में दीर्घ अवधि स्ट्रक्चरल और फंक्शनल परिणाम।

39. ग्लेकोमा को विभेदन कठोरता में आणुविक फंक्शन का मूल्यांकन।

40. कांजेनीटल ग्लेकोमा के लिए ट्रेबी कूलोटोमी से ट्रेबीकूलेक्टॉमी का पालन करते हुए दीर्घ अवधि विजुवल परिणामों का मूल्यांकन।

41. इंटरमिटैन्ट एक्सोट्रोपिया को सर्जिकल प्रबंधन में एफ डी-2 (फ्रीस्बी डेविस - डिस्टैंस) के प्रयोग का मूल्यांकन।

42. थेरापीयूटिक मॉडलों के नेत्रक साइड प्रभावों का प्रीडिक्शन।

43. ग्लेकोमा में इमेजिंग का दीर्घ अवधि मूल्यांकन।

44. ग्लेकोमा में माइक्रोपेरीमेटरी।

45. वर्धित इंट्रानेत्रक प्रेशर के साथ नेत्रक परिवर्तन।

46. प्राइमरी एंगल क्लोजर और प्राइमरी एंगल क्लोजर ग्लेकोमा में उपचार भोडालिटी के रूप में लेंस एक्ट्रैक्शन का मूल्यांकन।

47. जुवेनाइल ऑनसेट प्राइमरी ओपन एंगल ग्लेकोमा के मरीजों में फेनोटाइप जेनोटाइप पारस्परिक संबंध।

48. कांजेनीटल न्यूरोपैथिक स्ट्राबिसमस में एमेजिंग निष्कर्षों का क्लीनिकल सह-संबंध।

49. डायग्नोसिस में विभिन्न जांचों की संवेदनशीलता की तुलना करना और एन ए - ए आई ओ एन का अनुवर्तन।

50. इन्फेरीयर ऑब्लीक्यू में एंटेरीयर और नसल ट्रांसपोजिशन में टार्जन का मूल्यांकन।

51. पार्कींसन के रोग के मामलों में रेटिना में स्ट्रक्चरल और फंक्शनल परिवर्तनों का मूल्यांकन।

52. टेनडेम मास स्पेक्टोमेटरी का प्रयोग करते हुए विभिन्न नेत्रक पैथोलॉजीकल हालातों में टीयर फ्यूड संघटकों का मूल्यांकन।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. आरविरल ट्यूमर और सर्जरी के बाद उनके परिवर्तनों में विजुवल फंक्शन और फंडस निष्कर्षों का अध्ययन।
2. एशियन भारतीयों में गैर एल्कोहलिक फैटी लीवर रोग और एथेरोस्केलरोसिस का अध्ययन।
3. प्रीमैच्युरटी के "शुरूआती" रेटिनोपैथी के वासकूलर इंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर और जोखिम का जेनेटिक पॉलीमोर्फिज्म।
4. आई एन डी जी ई एन अध्ययन - "भारत में कैटारैक्ट एवं आयु संबंधित मैक्यूलर डिजेनेरेशन की एक जेनेटिक सक्षमता।
5. ओ आर बी आई एस प्रायोजित - आर आई ओ शिशु नेत्र रक्षा प्रोजेक्ट में कम्युनिटी ऑफ्कलमोलॉजी कार्यकलाप।
6. प्लाज्मा नमूनों से होमोसिस्टेइन और होमोसिस्टेइन थियोलेक्टोन के निर्धारण के लिए नई एल सी - एम एस/एम एस विधि का विकास।

जारी

1. ग्रुप सी और डी रेटिनोब्लास्टोमा में नेत्रक सलवेम के लिए कार्बोप्लेटिन 750 मिली ग्राम प्रति मीटर^2 और 560 मिलीग्राम प्रति मी^{2} का प्रयोग करते हुए रैन्डोमाइज्ड कंट्रोल परीक्षण।
2. प्रारंभिक प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में मैग्नेटिक रिसोनैंस इमेजिंग एवं स्पेक्ट्रोस्कोपिक विधियों की भूमिका।
3. ब्रेस्ट कैंसर के मूल्यांकन में अल्ट्रासाउंड इलास्टोग्राफी की भूमिका।
4. हरियाणा में रह रहे ग्रामीण समुदाय में प्रौढ़ जनता में गैर-एल्कोहलिक फैटी लीवर रोग की भूमिका।
5. अंतर्राष्ट्रीय रेटिनोब्लास्टोमा स्टेजिंग सिस्टम के अनुसार स्टेज 3 रेटिनोब्लास्टोमा में स्टेज 2और न्यूओएडजुवेंट कीमोथैरेपी में एडजुवेंट कीमाथैरेपी का मूल्यांकन।
6. संभावित फंगल न्यूमोनिया और इसके क्लीनीकल परेशानी के इम्यूनोकाम्प्रोमाइज्ड मरीजों में इमेजिंग निर्देशित लंग बायोप्सीज।
7. सम्पीड़क अल्ट्रासाउंड पर आधारित गहन वेनस थ्रम्बोसिस के मरीजों में एंटीकोएगुलेशन की अवधि का अध्ययन।
8. मोरबिडली ओबेसी मरीजों में स्टेपल लाइन रिइन्फोर्समेंट के साथ एवं इसके बगैर लैपेरोस्कोपिक स्लीव गैस्टेक्टोमी का रैन्डोमाइज्ड कंट्रोल अध्ययन।
9. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में मैग्नेटिक रिसोनैंस इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपिक विधियों की भूमिका।
10. कांजेनीटल न्यूरोपैथिक स्टार बिसमस में इमेजिंग निष्कर्षों का क्लीनिकल सह-संबंध।
11. अंधेपन के नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत आर पी सेंटर, एम्स में सेंटीनल, निगरानी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।
12. भारत में नेत्रक स्वास्थ्य पर ग्लोबल वार्मिंग और पैरा बैंगनी विकिरण (यू वी आर) एक्सपोजर के प्रभाव पर आई सी एम आर मल्टीसेंट्रिक सहयोगात्मक अध्ययन।
13. दिल्ली के शहरी स्लमों में नेत्र उपचार सेवाओं की जागरूकता और पद्धतियों पर के ए पी अध्ययन- साइट सेवर्स इंटरनेशनल द्वारा प्रायोजित।
14. कोरनीयल इपीथेलियल स्टेम सेलों का एक्स विवो विस्तारण के लिए मानव एमनियोटिक मेम्बरान के अल्टरसेटिव सबस्ट्रेट के रूप में काम करने के लिए संभावित बायो - पॉलीमर का विकास।
15. बच्चों में नेत्र एवं आरबिट के मलिगनेंट ट्यूमर : प्रबंधन में ट्यूमर मार्करों का परिवर्तित क्लीनिकल प्रोफाइल एवं भूमिका।
16. कियोरिडक्शन और फोकल उपचार अथवा इनूक्लीशन में चल रहे रेटिनाब्लास्टोमा में क्रमिक अल्ट्रासोनिक मूल्यांकन और इसका क्लीनिकों पैथोलॉजीकल सह-संबंध।

17. कोरनीयल प्रतिरोपण के लिए हारनेसिंग द्वारा उनके पूर्ण क्लीनिकल पोटेन्सीयल के लिए डोनर कोरनीयल टिस्सू के विस्तारण उपयोग हेतु कार्यनीति।

18. बाइलेटरल तीक्ष्ण नेत्रक बर्नस के मरीजों में मल्टीवेटेड ऑरल म्यूकोसल इपीकेलियल सेलों की भूमिका का मूल्यांकन, जैसाकि एमनियोटिक मेंबरान प्रतिरोपण से तुलना की गई है।

19. इलेक्टिव स्ट्राबिसमस सर्जरी में चल रहे बच्चों में पूरी ऑपरेटिव एनलजेसिया के लिए इंट्रावेनस पैरासीटामोल और फेंटानाइल के क्षमता की तुलना।

20. आटोप्सी ड्रग लेवल विश्लेषण में मार्कर फ्ल्यूड के रूप में विटेरियस ह्यूमर का मूल्यांकन।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 56

पुस्तकों में अध्याय और मोनोग्राफ : 7

	रोगी उपचार	**नये मामले**	**पुराने मामले**	**कुल**
1	जनरल ओ पी डी	1,13,774	81,362	1,95,136
2	आपातकाल	14,034	11,434	25,468
	कुल	1,27,808	92,796	2,20,604
विशिष्टता वाले क्लीनिक				
1	कोरनिया	5383	15381	20664
2	लेंस क्लीनिक	892	1562	2454
3	यूवीया क्लीनिक	906	3248	4154
4	कांटेक्ट लेंस क्लीनिक	1013	3009	4022
5	ग्लेकोमा क्लीनिक	2594	6324	8918
6	ऑप्थलमोप्लास्टी क्लीनिक	2933	1649	4582
7	पेडिएट्रिक ऑप्थलमोलॉजी क्लीनिक	734	319	1053
8	ट्रॉमा क्लीनिक	754	753	1507
9	रेटिना क्लीनिक	2623	3863	6486
10	न्यूरो आप्थलमोलॉजी क्लीनिक	1789	1342	3131
11	मेडिकल आप्थलमॉलोजी क्लीनिक	985	1647	2632
12	विट्रियो रेटीनल क्लीनिक	1466	798	2264
13	नेत्रक सर्फेस डिसऑर्डर क्लीनिक	74	60	134
14	रेटिनोब्लास्टोमा क्लीनिक	284	803	1087
15	(क) अर्थोप्टिक क्लीनिक	5697	24826	30523
	(ख) क्वेंट क्लीनिक	6994	26937	33931
16	रिफ्रैक्शन	-	26723	26723
	कुल मामले	**35013**	**119244**	**154257**
	मामलों की कुल संख्या	**162821**	**212040**	**374861**

	अंतरंग	मामलों की संख्या
1	जनरल दाखिले	15349
2	आपात दाखिले	2137
3	निजी दाखिले	1276
4	अल्प दाखिले	5559
5	डे केयर दाखिले	7422
	कुल	**31743**

आपरेशन

1	बड़े	15536
2	डे केयर	7048
	कुल बड़े	22584
3	छोटे	7350
	कुल योग	**29934**
	मृत्यु	**03**

वार्षिक अन्य आंकड़े

1	औसत बिस्तर अधिग्रहण दर	84%
2	ठहरने की औसत अवधि	4.7 दिन
3	प्रति कार्य दिवस औसत ओ पी डी उपचार	1253
4	प्रति कार्य दिवस इन्डोर दाखिले की औसत संख्या	86%
5	प्रति कार्य दिवस सर्जरियों की औसत संख्या	82%

निरीक्षणात्मक प्रयोगशालाएं

फ्लूरेसीइन एंजियोग्राफी + आई सी जी	5,847
अल्ट्रासोनोग्राफी	17,067
ई यू ए	187
ई सी जी	2,227
अपलानेशन टोनोमेटरी	13,117
अप्रत्यक्ष ऑप्फलमोस्कॉपी	3,405
गोल्ड मैन पेरीमेटरी	2,735
ऑटोमेटेड पेरीमेटरी	4,837
ई आर जी	709

वी ई आर	6,105
ई ओ जी	56
ई एन जी	24
फासीमेटरी	4,699
कलर विजन	3,849
एलआई	4,279
एल्ट्रासोनिक पैचाइमेटरी	1,679
नॉन कांटैक्ट टोनोमेटरी	22,980
रि फ्रैक्शन	68,734
ऑटो रिफ्रैक्शन	26,582
एक्सियल लेन्थ	16,782
केराटोमेटरी	17,955
ओ सी टी	9,568
कांटैक्ट लेंसेज (पुराने + नये)	5,068
आर्टीफिसिल नेत्र	561
लो विजन ऐड	1,271
पी आर पी	3,141
एन डी याग लेजर	2,277
फन्डूस फोटोग्राफी	3,147
इक्साइमर वर्क अप (लसिक)	3,533
पी डी टी	129
इन्ज लुसेंटिस	30
इंज मैक्यूजेन	340
रेटिनल कैमरा आर ई टी कैम	514
कोर्निया सर्विस लैब (जांच की कुल संख्या)	19,514
कोर्निया अनुसंधान लैब (जांच की कुल संख्या)	10,089
ग्लूकोमा अनुसंधान लैब (जांच की कुल संख्या)	43,547
नेत्रक सूक्ष्मजीव विज्ञान	
कुल योग	12153
बैक्ट्रीयल कल्चर एवं संवेदनशीलता	**9147**

फंगल कल्चर	1949
निम्न के लिए संसाधित नमूने	
साइटोलॉजी	165
विरल एंटीजेन खोज	61
क्लेमीडिया एंटीजेन खोज	150
क्लेमिडिया के लिए पी सी आर	9
पी सी आर एच एस वी	91
कंजक्टीविटिस (पी सी आर)	117
क्लोमीडिया टिस्सू कल्चर	16
क्लेमीडिया सेरोलॉजी	8
कंजक्टीविटिस (एंटीजेन खोज)	117
कंजक्टीविटिस (टिस्सू खोज)	117
एकेनकेमोइबा के लिए कल्चर	111
एकेनकेमोइबा पी सीआर	95
नेत्र विकृति विज्ञान	
जांचों की कुल संख्या	60,548
ब्लड : टी एल सी, डी एल सी, पी बी एस, ई एस आर बी टी/सी टी	35,167
यूरिन 9,453	
हिस्टोपैथोलॉजी, साइटोपैथोलॉजी और अनुसंधान	15,928
नेत्र जैव रसायन (क्लीनिकल कैमिस्ट्री)	
नमूनों की कुल संख्या (अनुसंधान से भिन्न)	11065
इंडोर 9885	
बहिरंग	1180
नेत्र भेषजगुण विज्ञान एवं फार्मेसी	
निःशुल्क औषधि (वियाल्स) के जरिए आपूर्ति	
नेत्रक फार्मेसी	104688
एम के मीडिया	1551
मलिन बस्तियों में नेत्र उपचार सेवाएं	
प्राइमरी नेत्र उपचार क्लीनिक्स	24
झुग्गी बस्तियां प्राथमिक नेत्र उपचार सेवाओं के लिए	36

झुग्गी झोपड़ी बस्तियां में पी ई सी सेंटरों में परिचर	20149
झुग्गी झोपड़ी बस्ती में पी ई सी केंद्रों में पूरे किए गए रिफ्रैक्शन	8282
आर पी सेंटर को भेजे गए मरीज	2170
उपचारित मरीज	640
झुग्गी बस्तियों में जारी किए गए छूट प्राप्त चश्मे	2435
शहरी मलिन बस्तियों में आयोजित व्यापक स्क्रीनिंग कैम्प	08
प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम	
आयोजित स्वयंसेवी प्रशिक्षण कार्यक्रम	22
प्रशिक्षित स्वयंसेवक	256
नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम	11
स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम में भागीदार	432
ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में कैटरेक्ट सर्जरी के लिए कार्यक्रम पहुंच	
आयोजित प्रौढ़ स्क्रीनिंग कैम्प	45
जांच की गई लोगों की संख्या	10254
आर पी सेंटर को भेजे गए मरीज	1474
आर पी सेंटर पर उपचारित मरीज	788
आयोजित अनुवर्ती कैम्प	19
अनुवर्ती कैम्पों में उपचारित मरीज	665
स्कूल नेत्र स्क्रीनिंग (एस ई एस) कार्यक्रम	
सम्मिलित विद्यालय	14
प्रशिक्षित अध्यापक	60
स्क्रींड बच्चे	9263
चश्मे के लिए निर्धारित बच्चे	1447
बच्चे जिन्हें चश्मा दिया गया	1372
पुनर्वास सेवाएं	
नेत्रहीन मरीज के लिए पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध की गई	36

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य सुप्रियो घोष ने : मार्च, 2011 के शुरू में सार्क आपथलमोलोजी अकादमी, ढाका, बंगलादेश में विजुवल इम्पेयरमेंट स्टैंडर्ड कैटेगरीज पर और कलर त्रुटि के प्रेक्टीकल अनुप्रयोग पर सुव्यवस्थित एवं बहुत रोचक अनुदेश पाठ्यक्रम का संचालन किया।

आचार्य राजवर्धन आजाद को 9 जनवरी, 2011 को इमेडीन्यूज रिविजिटिंग 2010, नई दिल्ली द्वारा वर्ष 2010 का मेडिकल डाक्टर पुरस्कार प्रदान किया गया था; राजस्थान चैप्टर आफ नेशनल नियोटेलोजी फोरम, बिरला ऑडिटोरियम, जयपुर, 2010

द्वारा "रेटिनोपैथी आफ प्रीमैच्युरिटी" पर डॉ. पुनीत शर्मा मेमोरियल ट्रस्ट व्याख्यान दिया; आप्कलमिक एजुकेशन और प्रमाणन समिति, एशिया पैसीफिक आपथलमोलोजी अकादम, 2010 के अध्यक्ष थे; दिल्ली ऑपथलमोलोजीकल संस्था द्वारा डॉ. पी के जैन व्याख्यान पुरस्कार, 2010 प्रदान किया गया; अखिल भारतीय आपथमोलोजीकल संस्था, 2010 के अध्यक्ष थे; ए आई ओ एस द्वारा डॉ. के आर दत्ता मेमोरियल पुरस्कार, 2010 प्रदान किया गया था; रेटिनोब्लास्टोमा रजिस्ट्री ग्रुप (आई सी एम आर) – दिल्ली साइट : के प्रधान इन्वेस्टीगेटर थे; रेटीनिटिस पिगमेनटोसा पर आई सी एम आर कार्यबल के अध्यक्ष एवं प्रधान कूम्बेस्टीगेटर थे; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर) समीक्षक समिति के सदस्य थे; समीक्षक थे : बॉयो मेडिकल सेंट्रल आपथलमोलोजी , लदंन; आपथलमिक सर्जरी लेजर एवं इमेजिंग; भारतीय आपथलमोलेजी पत्रिका; अमेरीकन पेडिएट्रिक आपथलमोलोजी एवं स्ट्राबीसमड संस्था; क्लीनिक एवं एक्सपेरीमेंटल आपथलमोलोजी ; ब्रिटिश मेडिकल आपथलमोलोजी पत्रिका; भारतीय पेडिएट्रिक्स पत्रिका; एक्टा आपथलमोलोजिका; सलाहकार, सम्पादकीय बोर्ड, दिल्ली आपथलमोलोजी पत्रिका; सेक्शन सम्पादक; रेटिना – भारतीय आपथलमोलोजी पत्रिका; सेक्शन सम्पादक, सर्जिकल रेटिना – एशिया पैसीफिक आपथलमोलोजी पत्रिका, 2011; मुख्य कार्यकारी सम्पादक; आपथलमोलोजी विश्व रिपोर्ट; सदस्य, चिकित्सा बोर्ड, सह आचार्य एवं आचार्य चयन समिति; सदस्य, चयन समिति, आचार्य संजय गांधी पी जी आई लखनऊ, उत्तर प्रदेश; पी जी आई चंडीगढ़ में पी एच डी परीक्षा के लिए परीक्षक नियुक्त; सदस्य, डीन्स समिति, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; क्रमिक रूप से; स्थायी चयन समिति, पी जी आई, चंडीगढ़ के विशेषज्ञ; क्षेत्रीय सचिव, सार्क आपथलमोलोजी अकादमी; क्षेत्रीय सचिव, एशिया पैसीफिक आपथलमोलोजी अकादमी (ए पी ए ओ), 2005–2009, 2009–2013 ।

आचार्य योगराज शर्मा : आपथलमोलोजी (एए ओ पत्रिका), 2010 के समीक्षक थे; अमेरीकन के आपथलमोलोजी, 2010 की पत्रिका के समीक्षक थे; ब्रिटिश आपथलमोलोजी पत्रिका, 2010 के समीक्षक थे; पेडिएट्रिक आपथलमोलोजी एवं स्ट्राब्सिमस, 2010 के समीक्षक थे।

आचार्य अतुल कुमार को यूजीसी – हरी ओम आश्रम ट्रस्ट राष्ट्रीय पुरस्कार 2010 प्रदान किया गया था।

आचार्य प्रदीप शर्मा : एफ ए आई सी ओ पेटिएट्रिक आपथलमोलोजी एवं स्ट्राबिसमस, ए आई ओ एस; के अध्यक्ष थे; भारतीय आपथलमोलोजी पत्रिका 2010–11 के सेक्शन सम्पादक थे; भारतीय आपथलमोलोजी पत्रिका, 2010–11 के समीक्षक थे; आपथलमोलोजी (बी जे ओ) 2010–11; भारतीय आपथलमोलोजी 2010 पत्रिका में बेस्ट पेपर के लिए सिल्बर मेडल प्रदान किया गया था।

आचार्य रमनजीत सिहोटा : भारतीय आपथलमोलोजी, 2010 के समीक्षक थे; आपथलमोलोजी, 2010 के आर्चीवस थे; ब्रिटिश आपथलमोलोजी, पुस्तिका, 2010 के समीक्षक थे; नेत्र, 2010; आपथलमोलोजी एवं फिजियोलोजीकल आप्टिक्स, 2010 एक्ट आपथलमोलोजिक, 2010; ग्लूकोमा अनुसंधान संस्था, 2010 के सदस्य थे।

आचार्य महेश चन्द्रा, को महाराष्ट्र चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, तेलीगांव, महाराष्ट्र में भौतिक एवं अन्य शिक्षण सुविधाओं के निर्धारण को संचालित करने के लिए आमंत्रित किया गया, 2011 ।

डॉ. संजय शर्मा, को प्रतिष्ठित डा जे सी बोस मेमोरियल व्याख्यान प्रदान किया गया था : जिसे हैदराबाद में भारतीय रेडियोलोजीकल एवं इमेजिंग संस्था (आई आर एन ए) के 65वें वार्षिक सम्मेलन में फरवरी, 2012 में दिया जाना था; पेडिएट्रिक गैस्ट्रोइंट्रोलोजी, हिपैटोलोजी एवं न्यूट्रीशन (आई ए पी एवं आई एस जी), चंडीगढ़, अक्तूबर, 2010 के 20वें वार्षिक सम्मेलन में पेपर "पेडिएट्रिक बड चेयरी सिन्ड्रोम के इंडोवासकूलर प्रबंधन" के लिए दूसरा पुरस्कार प्रदान किया गया : भारतीय वासकूलर एवं इंटरनेशनल रेडियोलॉजी संस्थान 2010–11 (दूसरी बार) के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव थे; भारतीय रेडियोलोजीकल एवं इमेजिंग संस्था (आई आर आई ए) के दिल्ली राज्य चैप्टर के उपाध्यक्ष थे; कार्डियोवासकूलर एवं इंटरवेंशनल रेडियोलोजी संस्था, यूरोप (सी आई आर एस ई) के सदस्य थे; भारतीय रेडियोलोजी एवं इमेजिंग कॉलेज के आजीवन सदस्य थे।

डॉ. प्रवीन वशिष्ठ को वर्ष 2010–11 के लिए लंदन हाइजीन एवं ट्रोपीकल मेडिसिन स्कूल, लंदन, यू.के. एम एस सी कम्युनिटी नेत्र स्वास्थ्य कोर्स के लिए राष्ट्र मंडल छात्रवृत्ति प्रदान की गई थी; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के ब्लाइडनेस कंट्रोल

प्रभाग द्वारा ट्रैकोमा पर विशेषज्ञ ग्रुप के सदस्य थे; एन पी सी बी के तहत राज्य प्रोग्राम प्रबंधन एवं जिला प्रोग्राम प्रबंधन के प्रशिक्षण के लिए संसाधन व्यक्ति थे। निरंतर, भारतीय आपथलमोलोजी पत्रिका के समीक्षक थे; भारतीय कम्युनिटी मेडिसिन पत्रिका के समीक्षक थे; "एन पी सी बी भारत" सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य थे, जो अंधेपन के नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम का तिमाही समाचार पत्र है।

डॉ. रोहित सक्सेना को दिल्ली आपथलमोलोजी पत्रिका का सम्पादक चुना गया था, जुलाई, 2009 - जून, 2011 ।

डॉ. परिजात चन्द्रा : स्नातकोत्तर मेडिसिन पत्रिका के समीक्षक थे; भारतीय आपथलमोलोजी पत्रिका, नेत्र; दिल्ली आपथलमोलोजी पत्रिका के सम्पादकीय बोर्ड के सदस्य थे; विस्कॉनसिन विश्वविद्यालय, यू एस ए द्वारा डयूक विश्वविद्यालय, यू एस ए द्वारा फंडस फोटोग्राफी एवं फ्ल्यूरोसीइन एंजियोग्राफी के लिए प्रमाणित।

अतिथि वैज्ञानिक

साइट सेवर अंतर्राष्ट्रीय से टीम, संयुक्त राज्य, दिसम्बर, 2010 ।

10.7 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र

अध्यक्ष

एम सी मिश्रा

अपर आचार्य, अस्थिरोगविज्ञान और
संकाय प्रभारी, अस्पताल प्रशासन

कामरान फारूकी

सह-आचार्य

संवेदनाहरण	**आपात चिकित्सा**	**न्याय चिकित्सा**
बबिता गुप्ता	संजीव भोई	संजीव लालवानी
छवि साहनी	विनय गुलाटी (24 मार्च, 2011 से छुट्टी पर)	आदर्श कुमार
	शेफाली के. शर्मा	

प्रयोगशाला चिकित्सा	**तंत्रिकाशल्यचिकित्सा**	**अस्थिरोगविज्ञान**
एस. अरुल सेल्वी	दीपक अग्रवाल	विजय शर्मा
पूर्वा माथुर	दीपक के. गुप्ता	बुद्धदेव चौधरी
	सुमित सिन्हा	विवेक त्रिखा

विकिरणनिधान	**शल्य चिकित्सा**
शिवानन्द जी	बिप्लब मिश्रा
अतिन कुमार	सुषमा
	अमित गुप्ता
	सुबोध कुमार
	मनीष सिंघल

सहायक आचार्य

तंत्रिका शल्यचिकित्सा	**अस्थिरोग विज्ञान**
जी. डी. सत्यावर्ती	जॉन आर बेरा

शिक्षा

अल्प अवधि प्रशिक्षण

6 विद्यार्थियों को 1 से 6 महीने के लिए प्रशिक्षण पर भेजा गया।

वैकल्पिक प्रशिक्षण

आस्ट्रिया, कनाडा, चीन, चेक गणराज्य, जर्मनी, नेपाल, सिंगापुर, यू.के. और यू एस ए से 26 विद्यार्थियों को 7 दिन से 3 महीने के लिए प्रशिक्षण पर भेजा गया।

प्रेक्षकणता

जर्मनी और सऊदी अरबिया से 2 विद्यार्थी।

<u>अल्प अवधि प्रशिक्षु</u>

56 विद्यार्थियों को 2 सप्ताह से 6 महीने के लिए ब्लड बैंक, डाइटेटिक्स, इमर्जेंसी मेडिसिन, प्रयोगशाला मेडिसिन, फिजियोथैरेपी, सर्जरी और ट्रॅामा सेंटर में प्रशिक्षित किया गया।

स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों तथा पैरामेडिकल स्टाफ का शैक्षिक कार्यकलाप जे पी एन ए टी सी में संकाय द्वारा संचालित किया जा रहा है।

क्रमिक चिकित्सा शिक्षा (सी एम ई)

क्रमिक चिकित्सा शिक्षा (सी एम ई)

डॉ. एम. सी. मिश्र

1. **निम्न के लिए पाठ्यक्रम निदेशक**

I. 14-18 फरवरी, 2011, 21-25 फरवरी, 2011, 17-21 जनवरी, 2011, 3-7 जनवरी, 2011, 6-10 दिसम्बर, 2010, 15-19 नवम्बर, 2010, 18-22 अक्तूबर, 2010, 13-17 सितम्बर, 2010, 19-23 जुलाई, 2010, 10-14 मई, 2010, 26-30 अप्रैल, 2010 को मिनीमली इन्वैसिव सर्जरी प्रशिक्षण सेंटर एम्स, नई दिल्ली में संचालित आपरेटिव लैपरोस्कोपी में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।

II. 7-9 फरवरी, 2011, 16-18 अगस्त, 2010 को मिनीमली इन्वैसिव सर्जरी प्रशिक्षण सेंटर एम्स, नई दिल्ली में लैपरोस्कोपिक कोलोरेक्टल सर्जरी में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।

III. 1-2 फरवरी, 2011, 3 जनवरी - 2 फरवरी, 2011, 6-8 सितम्बर, 2010, 3-5 मई, 2010 को मिनीमली इन्वैसिव सर्जरी प्रशिक्षण सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में लैपरोस्कोपिंग स्यूचरिंग में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।

IV. 11-13 जनवरी, 2011, 9-11 नवम्बर, 2010, 27-29 जुलाई, 2010 को मिनीमली इन्वैसिव सर्जरी प्रशिक्षण सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में लैपरोस्कोपिक हर्निया सर्जरी में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।

1. पाठ्यक्रम निदेशक, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, आधारभूत एवं उन्नत लैपरोस्कोपी, 26-30 अप्रैल, 2010, 10-14 मई, 2010, 5-9 जुलाई, 2010, 19-23 जुलाई, 2010, 13-17 सितम्बर, 2010, 18-22 अक्तूबर, 2010, 25-29 अक्तूबर, 2010, 22-26 नवम्बर, 2010, 6-10 दिसम्बर, 2010, 13-17 दिसम्बर, 2010, 3-7 जनवरी, 2011, 17-21 जनवरी, 2011, 14-18 फरवरी, 2011, 21-25 फरवरी, 2011, 21-25 मार्च, 2011, एम्स, नई दिल्ली, जिसमें यू पी सरकार द्वारा प्रायोजित डाक्टरों के लिए 5 पाठ्यक्रम शामिल हैं।
2. पाठ्यक्रम निदेशक, लैपरोस्कोपिक स्यूचरिंग एवं नोटिंग में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 3-5 मई, 2010, एम्स, नई दिल्ली।
3. पाठ्यक्रम निदेशक, 42वें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, उन्न्त लैपरोस्कोपी एवं स्यूचरिंग एवं भारतीय सर्जन ग्रुप के लिए हर्निया रिपेयर पर 8वां लैपरोस्कोपिक पाठ्यक्रम, 13-15 जुलाई, 2010, 27-29 जुलाई, 2010, 10-12 अगस्त, 2010, 30 नवम्बर - 2 दिसम्बर, 2010, 11-13 जनवरी, 2011, एम्स और ई आई एस ई, नई दिल्ली।
4. पाठ्यक्रम निदेशक, उन्नत लैपरोस्कोपी एवं स्यूचरिंग, लैपरोस्कोपिक कोलोरेक्टल सर्जरी में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, 16-18 अगस्त, 2010, एम्स, नई दिल्ली में।
5. पाठ्यक्रम निदेशक, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, उन्नत लैपरोस्कोपिक स्यूचरिंग, मिनीमली इन्वैसिव प्रशिक्षण केंद्र, सर्जिकल शिक्षण विभाग, एम्स, 31 जनवरी - 2 फरवरी, 2011, एम्स, नई दिल्ली।
6. पाठ्यक्रम निदेशक, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, उन्नत लैपरोस्कोपिक कोलोरेक्टल पाठ्यक्रम, मिनीमली इन्वैसिव प्रशिक्षण केंद्र, सर्जिकल शिक्षण विभाग, एम्स, 7-9 फरवरी, 2011, एम्स, नई दिल्ली।

7. पाठ्यक्रम निदेशक, भारत अध्यक्ष, ए टी एल एस - भारत प्रोग्राम प्रख्यापन, ए टी एल एस और ए टी सी एन प्रदायक पाठ्यक्रम, 1-3 फरवरी, 2011, 24-26 फरवरी, 2011, 24-26 मार्च, 2011, 22-24 अप्रैल, 2010, 28-30 अक्तूबर, 2010, 22-24 नवम्बर, 2010, जे पी एन शीर्ष ट्रॉमा सेंटर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अमेरीकन सर्जन महाविद्यालय के सहयोग से। (यू पी सरकार द्वारा प्रायोजित डाक्टरों एवं नर्सों के लिए 4 पाठ्यक्रम)।

8. पाठ्यक्रम निदेशक, भारत अध्यक्ष, ए टी एल एस - भारत प्रोग्राम प्रख्यापन, ए टी एल एस अनुदेशक पाठ्यक्रम, 4-5 जून, 2010, 11-12 अक्तूबर, 2010, 17-18 दिसम्बर, 2010, जे पी एन शीर्ष ट्रॉमा सेंटर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अमेरीकन सर्जन महाविद्यालय के सहयोग से।

9. पाठ्यक्रम निदेशक, भारत अध्यक्ष, ए टी एल एस - भारत प्रोग्राम प्रख्यापन, ए टी एल एस प्रदायक पाठ्यक्रम, 6-8 जनवरी, 2011, 19-21 फरवरी, 2011, 15-17 मार्च, 2011, 29-31 दिसम्बर, 2010, 17-19 जून, 2010, 22-24 जुलाई, 2010, 26-28 अगस्त, 2010, 9-11 दिसम्बर, 2010, 18-20 नवम्बर, 2010, जे पी एन शीर्ष ट्रॉमा सेंटर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अमेरीकन सर्जन महाविद्यालय के सहयोग से।

10. आयोजक अध्यक्ष, व्यापक दुर्घटना प्रबंधन 2010 के मेडिकल प्रतिक्रिया पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एम आर एम सी एम 2010), डी आर डी ओ भवन, नई दिल्ली, 6-7 मई, 2010, जे पी एन शीर्ष ट्रॉमा सेंटर, एम्स और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एन डी एम ए) द्वारा आयोजित।

डॉ. बबिता गुप्ता

1. पाठ्यक्रम निदेशक, गंभीर रूप से बीमार मरीजों के प्रबंधन पर एफ सी सी एस पाठ्यक्रम, ट्रॉमा 2010, सम्मेलन, नई दिल्ली, नवम्बर, 2010 ।

डॉ. छवि साहनी

1. पाठ्यक्रम निदेशक, ए बी सी डी ई वर्कशॉप ट्रॉमा 2010, 26-28 नवम्बर, 2010 ।

डॉ. संजीव भोई

1. एम्स बेसिक आपात केयर पाठ्यक्रम-2010-2011 : इसे राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन और राज्य सरकारों के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इन्हें इम्फाल, गुवाहाटी, चंडीगढ़ और लक्षद्वीप में आयोजित किया गया था। और ब्यौरे : www.aiimsbecc.com पर हैं।

2. एम्स अल्ट्रासाउंड ट्रॉमा लाइफ स्पोर्ट पाठ्यक्रम 2010-2011 : इस पाठ्यक्रम को आपात चिकित्सा विभाग द्वारा ट्रॉमा सेंटर में आपात फिजिशियनों और गहन केयर फिजिशियनों के लिए शुरू किया गया है। ब्यौरे www.aiimsultrasound.com पर उपलब्ध हैं। हैल्थकेयर प्रदायकों ने 213 को प्रशिक्षित किया।

3. राष्ट्रीय आपात एवं ट्रॉमा केयर पहल, 2010-11 ।

डॉ. विनय गुलाटी

1. राज्य स्वास्थ्य संस्था, एन आर एच एम, मणिपुर के सहयोग से मणिपुर में "बेसिक आपात सुरक्षा" पर संचालित कार्यशाला, सितम्बर, 2010 ।

2. भारत में ट्रॉमा सुरक्षा एवं अनुसंधान की प्रगति के लिए ट्रॉमा 2010, लेवल 1 शैक्षिक मंच में संचालित "अल्ट्रासाउंड ट्रॉमा लाईफ स्पोर्ट पाठ्यक्रमष, अक्तूबर, 2010, एम्स, नई दिल्ली और ए एस आई सी ओ एन में, भारतीय सर्जन संस्था का सम्मेलन, दिसम्बर, 2010, एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. संजीव लालवानी

1. संकाय - समन्वयक - ऑर्थोपेइडिक्स विभाग के सहयोग से तीसरा एम्स कैडावर नी अर्थोप्लास्टी पाठ्यक्रम, 26-27 मार्च, 2011 ।

2. संकाय समन्वयक - स्पाइनल सर्जरी पर एम्स आपरेटिव कार्यशाला और न्यूरोसर्जरी विभाग के सहयोग से ए ओ स्पाइन उन्नत कैडामर कार्यशाला, 12-14 नवम्बर, 2010 ।

3. हिप एवं नी अर्थोप्लास्टी पर संकाय समन्वयक कैडावेरिक पाठ्यक्रम, 16-17 जुलाई, 2010, अर्थोपेइडिक्स विभाग के सहयोग से।

4. संकाय समन्वयक - एम्स कैडावर नी अर्कोस्कोपी कार्यशाला, 12 सितम्बर, 2010, अर्थोपेइडिक्स विभाग के सहयोग से।

डॉ. दीपक अग्रवाल

1. एम्स बी ई सी सी पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम निदेशक और एन एच आर एम (राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन) की भागीदारी में 2010-2011 के दौरान भारत के विभिन्न भागों में 5 पाठ्यक्रम आयोजित किए गए।

2. डी आर डी ओ भवन में 6-7 मई, 2010 को आयोजित एम आर एम सी एम - 2010 सम्मेलन के लिए सह-आयोजक सचिव।

3. जे पी एन शीर्ष ट्रॉमा सेंटर, एम्स नई दिल्ली, भारत में 26 नवम्बर, 2010 को "ट्रॉमा 2010'ष के भाग के रूप में संचालित "नर्सिंग कार्यशाला" के लिए पाठ्यक्रम निदेशक।

4. जे पी एन शीर्ष ट्रॉमा सेंटर, एम्स नई दिल्ली, भारत में 26 नवम्बर, 2010 को "ट्रॉमा 2010'ष के भाग के रूप में संचालित "अनुसंधान मेकोथोलॉजी कार्यशाला" के लिए पाठ्यक्रम निदेशक।

5. आई एस टी ए सी, जे पी एन शीर्ष ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली के "ट्रॉमा 2010'ष अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस और दूसरे वार्षिक सम्मेलन में नर्सिंग सम्मेलन का कन्वेनर, 27-28 नवम्बर, 2010 ।

6. हैल्थकेयर, एम्स, नई दिल्ली में लागत प्रभावी सूचना प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय परामर्शदायी कार्यशाला का आयोजक सचिव, 5 मार्च, 2011 ।

डॉ. दीपक गुप्ता

1. सम्पादक, ट्रॉमा 2010 का सौवेनिर, 26-28 नवम्बर, 2010 ।

2. कार्यकारी सदस्स, आयोजक समिति, ट्रॉमा 2010 ।

डॉ. सुमित सिन्हा

1. आयोजक सचिव, एम्स आपरेटिव और स्पाइनल सर्जरी पर ए ओ स्पाइन एडवान्स कैडावर कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली 12-14 नवम्बर, 2010 ।

2. पाठ्यक्रम निदेशक, ब्राचीयल प्लेक्सस सर्जरी पर कैडावेरिक हैंड्स ऑन प्रशिक्षण; "ट्रॉमा 2010'ष के भाग के रूप में संचालित, एम्स, नई दिल्ली, 26 नवम्बर, 2010 ।

डॉ. कामरान फारुकी

1. सह-आयोजक सचिव, ट्रॉमा 2010, 26-27 नवम्बर, 2010 ।

2. आयोजक सचिव, "एम्स कैडावेरिक नी अर्थोस्कोपी पाठ्यक्रम" 12 सितम्बर, एम्स, नई दिल्ली।

3. पाठ्यक्रम निदेशक, "बेसिक पेलविस एवं स्पाइन ट्रॉमा प्रबंधन कार्यशालाष, "ट्रॉमा 2010'ष सम्मेलन।

डॉ. विजय शर्मा

1. फिलॉस कार्यशाला डी ओ ए सी ओ एन 2010 ।

2. थैडाबेरिक नी अर्थोस्कोपी पाठ्यक्रम, 2010 ।

डॉ. शिवानन्द और डॉ. अतिन कुमार

1. एम्स - एम ए एम सी - पी जी आई इमेजिंग पाठ्यक्रम श्रृंखला : पेडिइट्रिक्स इमेजिंग पर 2010 (सी एम ई), एम्स, नई दिल्ली, 15-16 नवम्बर, 2010 ।

2. पाठ्यक्रम निदेशक, ट्रॉमा 2010, 26-28 नवम्बर, 2010 ।

3. कार्यकारी सदस्य, आयोजक समिति, ट्रॉमा, 2010, 26-28 नवम्बर, 2010 ।

डॉ. अमित गुप्ता

1. कार्यशाला निदेशक, ट्रॉमा 2010 में भारी कैज्वल्टी में अस्पताल तत्परता पर कार्यशाला, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सी एम ई - सह लाइव कार्यशाला और भारतीय ट्रॉमा एवं एक्यूट केयर संस्था (आई एस टी ए सी) का उद्घाटन भाषण सम्मेलन, 26-28 नवम्बर, 2010 ।

2. संयुक्त सचिव, पांचवा एम्स सर्जिकल सप्ताह एवं इंडोसर्ज 2011, अंतर्राष्ट्रीय सी एम ई - सह- लाइव कार्यशाला। एम्स और भारतीय हर्निया संस्था। मार्च, 2011 ।

डॉ. बिपलब मिश्रा

1. संयुक्त आयोजक सचिव, ट्रॉमा, 2010, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सी एम ई - सह-लाइव कार्यशाला और भारतीय ट्रॉमा एवं एक्यूट केयर संस्था का तीसरा वार्षिक सम्मेलन (आई एस टी ए सी), 26-28 नवम्बर, 2010 ।

डॉ. मनीष सिंघल

1. पाठ्यक्रम निदेशक, प्रथम बेसिक प्लास्टिक और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी पाठ्यक्रम (बी पी आर एस), जे पी एन ए ट्रॉमा सेंटर, एम्स, 31 जुलाई - 1 अगस्त, 2010 ।

2. पाठ्यक्रम निदेशक, ट्रॉमा, 2010 में मैक्सीलोफासियल कार्यशाला, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सी एम ई - सह-लाइव कार्यशाला और भारतीय ट्रॉमा एवं एक्यूट केयर संस्था का तीसरा वार्षिक सम्मेलन (आई एस टी ए सी), 26-28 नवम्बर, 2010 ।

3. संयुक्त सचिव, पांचवा एम्स सर्जीकल सप्ताह और इंडोसर्ज 2011, अंतर्राष्ट्रीय सी एम ई - सह - लाइव कार्यशाला, 11-13 मार्च, 2011 ।

डॉ. सुबोध कुमार

1. आयोजक सचिव, पांचवां एम्स सर्जिकल सप्ताह और इंडोसर्ज 2011, अंतर्राष्ट्रीय सी एम ई - सह - लाइव कार्यशाला। 11-13 मार्च, 2011

2. सदस्य कार्यकारी समिति, ट्रॉमा, 2010, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सी एम ई - सह-लाइव कार्यशाला और भारतीय ट्रॉमा एवं एक्यूट केयर संस्था का तीसरा वार्षिक सम्मेलन (आई एस टी ए सी), 26-28 नवम्बर, 2010 ।

3. पाठ्यक्रम समन्वयक, ए बी सी डी ई कार्यशाला, ट्रॉमा, 2010, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सी एम ई - सह लाइव कार्यशाला और भारतीय ट्रॉमा एवं एक्यूट केयर संस्था का तीसरा वार्षिक सम्मेलन (आई एस टी ए सी), 26-28 नवम्बर, 2010 ।

डॉ. सुषमा सागर

1. पाठ्यक्रम निदेशक, प्रथम बेसिक प्लास्टिक और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी पाठ्यक्रम (बी पी आर एस), जे पी एन ए ट्रॉमा सेंटर, एम्स, 31 जुलाई - 1 अगस्त, 2010 ।

2. पाठ्यक्रम निदेशक, ट्रॉमा, 2010 में मैक्सीलोफासियल कार्यशाला, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सी एम ई - सह-लाइव कार्यशाला और भारतीय ट्रॉमा एवं एक्यूट केयर संस्था का तीसरा वार्षिक सम्मेलन (आई एस टी ए सी), 26-28 नवम्बर, 2010 ।

3. संयुक्त सचिव, पांचवां एम्स सर्जीकल सप्ताह और इंडोसर्ज 2011, अंतर्राष्ट्रीय सी एम ई - सह - लाइव कार्यशाला, 11-13 मार्च, 2011 ।

सी एम ई/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिए गए व्याख्यान : 200

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. साइटोकाइन संस्था - आई एल 6, आई एल 10, आई एल 18 और एक्यूट कोरोनरी सिन्ड्रोम में टी एन एफ। (आई सी एम आर)। सी टी वी एस, विभाग, एम्स के साथ सामूहिक शोध, डॉ. अरुलसेल्वी।
2. भारत में विदीर्ण लिव और पलेट एनोमली : क्लीनिक प्रोफाइल, जोखिम फैक्टर और उपचार की वर्तमान स्थिति - "अस्पताल आधारित सर्वेक्षणष्। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद कार्य बल । डॉ. सुषमा सागर, डॉ. एम. सिंघल।
3. लागत प्रभावकारिता विश्लेषण एवं रोगियों के एकल स्टेज बनाम दो स्टेज प्रबंधन की कांकोमिटैंट गाल स्टोन रोग एवं कॉमन बाइल डक्ट स्टोनों से तुलना। एक रैन्डोमाइज्ड नियंत्रित जांच। डॉ. एम. सी. मिश्र।
4. रैपिड यंग इन्वेस्टीगेटर योजना, 2011 के अधीन डी बी टी निधिकित परियोजना। न्यूरोनल रिजनरेशन एवं कार्यात्मक रिस्टोरेशन में मानव अम्बीलिकल कोर्ड ब्लड स्टेम सेलों एवं न्यूरल स्टेम सेलों की भूमिका : मेल प्रौढ़ रैट्स में एक्यूट स्पाइनल कोर्ड क्षतियों से एक तुलनात्मक अध्ययन। डॉ. सुमित सिन्हा।
5. टरटीएरी केयर अस्पताल में अस्पताल अपेक्षित संक्रमणों के लिए ऑटोमेटेड इलैक्ट्रोनिक निगरानी सिस्टम का विकास एवं क्रियान्वयन (आई सी एम आर, 15,26,906 रुपए) डॉ. पुर्वा माथुर।
6. क्लोज्ड फ्रैक्चरों के ओपन रिडक्शन और इंटरनल फिक्शेसन में पोस्ट आपरेटिव संक्रमणों को रोकने के लिए प्रोफाइलैक्टिक एंटीबॉयोटिक उपचार के लघु पाठ्यक्रम की क्षमता। (आई सी एम आर, 2008-2011, 7,92,111 रुपए) डॉ. पुर्वा माथुर।
7. थ्रोम्बोइलास्टोग्राफी एवं अभिसामयिक निधियों का प्रयोग करते हुए उत्तर भारतीय रक्त डोनरों में कोएगुलेशन स्थिति का मूल्यांकन (संस्थान), डॉ. एस अरुलसेल्वी।
8. गहन सुरक्षा यूनिटों में भर्ती ट्रॉमा मरीजों में सेप्सिस के रोग निदान के लिए सिरम प्रोकैल्शिटोनिन लेवलों का मूल्यांकन (संस्थान अनुसंधान अनुदान 2009-2011; 2 लाख रुपए)। डॉ. पुर्वा माथुर।
9. ट्रॉमा के कारण शॉक के मरीजों में इम्यूनोलॉजीकल बदलाव। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित। नई दिल्ली, भारत।
10. भारत में स्ट्रेप्टोकोकस पाइओजेनेस का आणुविक एवं मरक वैज्ञानिक अध्ययन (आई सी एम आर, 2008-2012; 1706, 949 रुपए)। डॉ. पूर्वा माथुर।
11. गहन रूप से बीमार ट्रॉमा मरीजों में आरंभिक बनाम बाद के ट्रैचियोस्टोमी का उत्तरव्यापी रैन्डोमाइज्ड नियंत्रण परीक्षण, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान द्वारा निधिकित, नई दिल्ली।
12. "वक्षीय ट्रॉमा में उत्तरव्यापी बनाम इंट्रावेनियस दो ड्रग एनलजेसिया," वक्षीय इपीडुरल एनलजेसिया का दो अलग-अलग कंस्ट्रेशनों में बुपीवैकाइन एवं ओपीओइड से क्षमता एवं सेफ्टी की रैन्डोमाइज्ड तुलना (एम्स निधिकित प्रोजेक्ट)। डॉ. बबीता गुप्ता।
13. ट्रॉमैटिक ब्रेन क्षति में इम्यून एक्टीवेशन के मार्कर के रूप में प्लाज्मा सेरेबोरोपाइनल फ्ल्यूड और कांट्यूज्ड ब्रेन टिस्सू में नावेल कीमोकाइन आर ए एन टी ई एस (एक्टीवेशन अभिव्यक्त नॉर्मल टी सेल एवं सेकरेटेड पर विनियमित)। लेवलों का अध्ययन।

14. सर्जरी करवा रहे मरीजों में ट्रानइक्जामिक एसिड के प्रयोग पर अध्ययन; सेफ्टी एवं प्रभावकारिता, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा वित्तपोषित, नई दिल्ली।

पूर्ण

1. "राइथ्रोसाइट सेडीमेंटेशन रेट के माप में मॉनीटर का मूल्यांकन" (संस्थान प्रोजेक्ट एक वर्षीय अध्ययन)। डॉ. एस. अरुलसेल्वी।

2. इसोलेटेड सिर चोट के रोगियों में स्कंदन प्रोफाइल (आई सी एम आर वित्तपोषित प्रोजेक्ट)। डॉ. एस. अरुलसेल्वी।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. दक्षिणी दिल्ली रिजन में सी एस एफ और विटेरियस ह्यूमर के विश्लेषण द्वारा पोस्टमार्टम अंतराल के निर्धारण हेतु तुलनात्मक अध्ययन।

2. इंट्रा आर्टीकूलर बुपीवैकेइन एवं मोफिन की एनलजेसिस क्षमता पर उत्तरव्यापी नियंत्रित डबल ब्लाइंड अध्ययन; अर्थोस्कोपिक नी सर्जरियों में मॉर्फिन के तीन अलग-अलग डोजों की तुलना।

3. ट्रॉमैटिक स्पाइन सर्जरियों में रक्त क्षति को कम करने के लिए ट्रानइक्जामिक एसिड बनाम एप्रोटिनिन की क्षमता पर उत्तरव्यापी नियंत्रित डबल ब्लाइंड अध्ययन।

4. एक्ट्रीमिटीज के वास्कूलर मलफोर्मेशनों वाले मरीजों में वास्कूलर मलफार्मेशनों के रोगियों में रेडियोलोजीकल मूल्यांकन पर उत्तरव्यापी अध्ययन।

5. सर्जरी विभाग में गहन रूप से बीमार ट्रॉमा मरीजों में प्रारंभिक बनाम बाद के ट्राचियोस्टॉमी का रैन्डोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स।

6. सर्जरी विभाग में ट्रॉमैटिक मृत्यु के कारणों एवं पैथेलॉजिक विशेषताओं का अध्ययन, जय प्रकाश नारायण, एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स।

7. ट्रॉमा मरीजों की रक्ताधान अपेक्षा के निर्धारण में रक्ताधान स्कोरों की अनुप्रयोज्यता।

8. टरटेयरी ट्रॉमा केयर सेंटर में सिर के चोट वाले रोगियों में प्रयोग प्लेटलेट की ऑडिरिंग और प्लेटलेट प्रवर्तनिकता को प्रभावित करते हुए आपतन एवं क्लीनिकल फैक्टरों पर अध्ययन।

9. भारी वजन बनाम हल्के वजन के मेशों का प्रयोग करते हुए लैपेरोस्कोपिक इंगुइनल हर्निया रिपेयर के बाद क्रोनिक ग्रोइन पेन एवं लाइफ की गुणवत्ता।

10. लैपेरोस्कोपिक एवं ओपन इंगुइल हर्निया रिपेयर के बाद क्रोनिक ग्रोइन पेन, टेस्टीकूलर फंक्शन और जीवन गुणवत्ता।

11. डायग्नोस्टिक ब्रेस्ट इमेजिंग में मैममोग्राफी के एडजुवेंट के रूप में स्तन अल्ट्रासाउंड की नैदानिक उपयोगिता।

12. लैपेरोस्कोपिक इंगुइल हर्निया रिपेयर के बाद क्रोनिक ग्रोइन पेन और जीवन गुणवत्ता की तुलना टी ई पी बनाम टी ए पी पी।

13. लैपेरोस्कोपिक इसीजनल एवं स्यूचर अथवा ट्रैक्वर, मेश फिक्सेशन के साथ वेंट्रल हर्निया रिपेयर के बाद दीर्घ अवधि परिणाम एवं जीवन की गुणवत्ता की तुलना।

14. पेरीएम्पुलेरी ट्यूमर के डायग्नोसिस एवं स्टेजिंग में विभिन्न इमेजिंग मोडेलिटीज की तुलना एवं मरीजों के परिणाम को पेरीएम्पुलेरी ट्यूमरों से प्रीडिक्ट करते हुए विभिन्न पेरीआपरेटिव फैक्टरों का अध्ययन।

15. क्लोज्ड फ्रैक्चरों के ओपन रिडक्शन और इंटरनल फिक्शेसन में पोस्टऑपरेटिव संक्रमणों को रोकने के लिए प्रोफीलैक्टिक एंटीबॉयोटिक्स के अल्प पाठ्यक्रम की क्षमता।

16. उत्तर भारत के टरटेयरी केयर अस्पताल में देखे गए मैक्सिलोफेसियल फ्रैक्चरों के पाथवे में इपीडेमिओलॉजीकल अध्ययन।

17. ट्रॉमा मरीजों के क्लीनिकल डायग्नोसिस में यूरीनरी माइओग्लोबिन का पता लगाने के कार्य का मूल्यांकन।

18. आई सी यू में भर्ती ट्रॉमा मरीजों में डायग्नोजिंग सेपसिस के लिए सीरम प्रोकालसिटोनिन लेवल का मूल्यांकन।

19. पोस्टमोर्टम फोरेंसिक जांच में औषध एवं रसायनों के प्रमाणन के लिए बायोमैट्रिक्स के रूप में वाइटेरियस ह्यूमर का मूल्यांकन।

20. ओपन रिडक्शन एवं इंटरनल फिक्शेसन बनाम मिनीमल इनवैसिव तकनीकियों के उपचार में चल रहे कैलकैनियस के इंट्रा आर्टीकूलर फ्रैक्चरों वाले मरीजों में कार्यात्मक परिणाम। एक रेन्डोमाइज्ड नियंत्रित अध्ययन (जारी)।

21. उच्च लैरिन्जीएल एवं हाइपो - फैरिन्जीएल कैंसर के रोगियों में इंट्रा अर्टिरीयल कीमोथैरेपी (म्यूओएडजुवेंट)।

22. लैपेसेस्कोपिक स्यूचरिंग कौशल अधिग्रहण - प्रशिक्षित एवं नोवाइस सर्जनों के बीच एक तुलना।

23. लेवन-1 ट्रॉमा सेंटर में बड़ा ट्रॉमा परिणाम अध्ययन।

24. सीमित एम आर आई कोररिलेशन के साथ ब्लंट अबडोमीनल ट्रॉमा में सोलिड रिट्रोपेरीटोनीपल ऑर्गन जख्मों का एम डी सी टी मूल्यांकन।

25. वर्टीब्राल लेजन का एम आर मूल्यांकन।

26. पेनफुल बेनिन बोन ट्यूमर और मेटास्टेसिस का परक्यूटैनियस रेडियोफ्रेक्वेंसी अबलेशन।

27. सर्जरी रेजीडेंट के ऑपरेटिव रूम निष्पादन पर लैपरोस्कोपी में अल्प अवधि फोकस्ड प्रशिक्षण प्रोग्राम के प्रभाव के मूल्यांकन हेतु उत्तरव्यापी रैन्डोमाइज्ड नियंत्रित ब्लाइन्डेड।

28. वक्षीय ट्रॉमा में दो विभिन्न कंस्ट्रेशनों बनाम इन्ट्रावेनियस दो ड्रम एनलजेसिया में बुपीवेकेइन और ओपीआइड के साथ वक्षीय इपीडुरेल एनलजेसिया की क्षमता एवं सेफ्टी की उत्तरव्यापी, रैन्डोमाइज्ड तुलना।

29. डिकम्पोज्ड टिस्सू से डी एन ए का गुणात्मक एवं मात्रात्मक निष्कर्षण।

30. लेवल I ट्रॉमा सेंटर में चेस्ट ट्रॉमा के महत्व, कठोरता एवं परिणाम का पूर्वव्यापी एवं उत्तरव्यापी विश्लेषण।

31. लेवल। ट्रॉमा सेंटर में ट्रामेटिक हिपैटोबिलेरी और पैनक्रकीएटिक जख्म का महत्व, कठोरता एवं परिणाम का पूर्वव्यापी एवं उत्तरव्यापी मूल्यांकन।

32. ब्लंट एप्लेनिक चोट के प्रबंधन में सी ई सी टी और प्लेनिक आर्टेरी इम्बोलाइजेशन की भूमिका।

33. मिल्ड हेड चोट में सी टी परफ्यूशन का कार्य।

34. सर्जरी पोस्ट ट्रॉमा में चल रहे मरीजों में ट्रांएक्सेमिक एसिड की सेफ्टी एवं दक्षता।

35. टिस्सू एवं नेत्र दान को प्रभावित करने वाले मेडिको लीगल फैक्टरों का अध्ययन।

36. इंटरकोस्टल ट्यूब के बगैर ओकल्ट न्यूमोकोआसेस के प्रबंधन की व्यवहार्यता।

37. वैरीकोज वीइन्स् के उपचार में इंडोवेनीयस लेजर अबलेशन का मूल्यांकन।

38. लेवल। ट्रॉमा सेंटर में उपस्थित मरीजों में इपीडेमियोलॉजी एवं ट्रॉमा स्कोरिंग का अध्ययन।

39. पोस्टमोर्टम सी टी स्कैन और सर्जरी विभाग में अभिसामयिक ऑटोप्सी के निष्कर्षों की तुलना में ट्रॉमा मरीजों में मृत्यु के कारण के प्रीडिक्सन में विर्टोप्सी (पोस्टमार्टम सी टी स्कैन) के कार्य का अध्ययन, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स।

पूर्ण

1. ट्रॉमा मरीजों में मल्टी ऑर्गन की सफलता के विकास के प्रीडिक्टिंग में एमीलेज और लाइपेज के स्वीकार्य लेवल।
2. थ्रोम्बोसायूटोपेनिया से बूरी तरह से क्षतिग्रस्त मरीजों में क्लीनिकल कोर्स एवं परिणाम।
3. पलपेबल ब्रोस्ट मासेज के इमेज निर्देशित एवं पलपेशन निर्देशित कोर बायोप्सी का तुलनात्मक मूल्यांकन।
4. इलैक्ट्रोलाइट्स के माप के लिए प्रयुक्त दो अलग-अलग प्रयोगशाला विधियों की तुलना।
5. सिस्ट्स, ट्यूमर और जबड़े की लेजन की तरह ट्यूमर : लिमिटेड एम आर आई पारस्परिक क्रिया से पैनोरैमिक रेडियोग्राफ्स और मल्टी डिटेक्टर कंप्यूटेड टोमोग्राफी द्वारा मूल्यांकन।
6. मैसिव ब्लड ट्रांसक्यूशन का अनुपालन कर रहे ट्रॉमा मरीजों में मोर्टेलिटी के डिटमिनैंट्स।
7. ब्लटं ट्रॉमा एंडोमेन मरीजों में एमीलेज और लाइपेज आकलन का मूल्यांकन।
8. कठोर रूप से ट्रॉमाइज्ड मरीजों में प्रोग्नोस्टिक मार्कर के रूप में सी रिएक्टिव प्रोटीन (सी आर पी), रिथोसाइट ऐडीमेटेशन रेट (ई एस आर) और इमैचर ग्रेनुलोसाइट फ्रैक्शन (आई जी एफ) का मूल्यांकन।
9. फ्रेश फ्रोजन प्लाज्मा - ट्रॉमा मरीजों में इसके प्रयोग और पोर्टेलिटी के कोररिलेशन का ऑडिट।
10. एओर्टिक एन्यूरिज्म के सर्जीकल एक्साइज्ड स्पेसीमेन का हिस्टोपैकोलॉजीकल और मोर्फोमेट्रिक मूल्यांकन।
11. भारतीय मरीजों में इसोलेटेड ट्रॉमैटिक ब्रेन चोट में हाइपोफाइब्रीनों जिनेमिया।
12. ट्रॉमा मरीजों में मोर्टेलिटी में ट्रांसफ्यूशन का प्रभाव।
13. घुटने के क्रोनिक इंटरनल डिरैंजमैंट्स का मैग्नेटिक रिसोनैंस मूल्यांकन।
14. सर्जरी और न्यूरोसर्जरी ट्रॉमा मरीजों के लिए अधिकतम सर्जीकल रक्त ऑर्डरिंग अनुसूची (एम एस बी ओ एस)।
15. वृक्क मासेस का एम डी सी टी और एम आर आई मूल्यांकन।
16. इंडोवासकूलर प्रबंधन वाले प्लेनिक चोटों का एम डी सी टी मूल्यांकन।
17. वैरीकोज वेइन्स का रेडियोफ्रेक्वेंसी अबलेशन
18. पश्च ट्रॉमा गुर्दा फेलियर का पूर्वव्यापी विश्लेषण।
19. सिर के चोट के मरीजों में ल्यूकोसाइट काउंट, इमैच्यूर ग्रेनुलोसाइट काउंट और तत्काल परिणाम।

सहयोगी परियोजनाएं

पूर्ण

1. ट्विन ब्लॉक थैरेपी के पूर्व एवं परवर्ती ई एम जी गतिविधि के साथ मस्कल का अल्ट्रासोनोग्राफिक आयामों में परिवर्तनों का तुलनात्मक मूल्यांकन (डेंटल विभाग से)।
2. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप अनोइया के मरीजों में उदरीय फैट आंकलन (मेडिसिन से)।
3. ह्यूमाटोइड अर्कराइटिस के रोगियों में इल्बो के अर्थोस्कोपिक एवं एम आर मूल्यांकन (अर्थोपेडिक्स के साथ)।

4. पेरीएम्पुलैरी ट्यूमरों के डायग्नोसिस एवं स्टेजिंग में विभिन्न इमेजिंग मोडैलिटीज की तुलना और पेरीएम्पुलैरी ट्यूमरों वाले मरीजों के नतीजे की परेडिक्टिंग में विभिन्न पेरीऑपरेटिव फैक्टरों की भूमिका का अध्ययन (सर्जरी से)।

5. इंडियन जनता में स्टैंडर्ड लीवर वाल्यूम का आंकलन (गैस्ट्रोइन्टेस्टीनल सर्जरी से)।

6. हिप के वासकूलर नेक्रोसिस में एम आर आई और रोगी व्यवस्थापन पर प्रभाव (ऑर्थोपेडिक्स से)।

7. टरटेयरी केयर सर्जीकल प्रैक्टिस में बाह्य आर्टेरियल रोगों का पैटर्न (भारतीय सिमीरियों) (सर्जरी से)।

8. जी आई मलिगनैंसीज में इन्ट्राआपरेटिव अल्ट्रासाउंड की भूमिका : अभिसामयिक इमेजिंग तकनीकियों से तुलना (गैस्ट्रोइन्टेस्टीनल सर्जरी से)।

9. ट्यूबेरियस क्लेरोसिस वाले बच्चों में क्लीनिकल एवं न्यूरोडेवलपमेंटल प्रोफाइल का अध्ययन (पेडिएटिक्स से)।

10. ग्लोसोफेरींजीयल न्यूरलजीया के प्रबंधन में ग्लोसोकंरिजीयल नर्व ब्लॉक की दक्षता एवं सेफ्टी का अध्ययन (एनेस्केसियोलॉजी से)।

11. अनुवर्ती ई एच पी वी ओ मरीजों का अल्ट्रासाउंड डोपलर मूल्यांकन (गैस्ट्रोइन्टेस्टीनल सर्जरी से)।

12. एस एल ई वाले मरीजों में कैरोटिड आर्टेरी के इंटीमल मेडिकल मोटाई का यू एस जी मूल्यांकन (मेडिसिन से)।

जारी

1. पैन्क्रियाज के स्यूडोसिस्ट का लैपरोस्कोपिक एवं इंडोस्कोपिक ड्रेनेज की तुलना करते हुए उत्तरव्यापी रैन्डोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण (सर्जरी)।

2. गाल स्टोन्स एवं कॉमन बाइल डक्ट स्टोन्स वाले मरीजों के लिए एकल स्टेज बनाम दो स्टेज उपचार की तुलना का रैन्डोमाइज्ड नियंत्रित अध्ययन (गैस्ट्रोइन्ट्रोलॉजी और काम्यूनिटी मेडिसिन के साथ)।

3. गहन रूप से बीमार ट्रॉमा मरीजों में शीघ्र बनाम देर के ट्रास्वीपोस्टोमी का रैन्डोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण (एनेस्थेसियोलॉजी से)।

4. सर्जरी विभाग, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंट, एम्स में ट्रॉमैटिक मृत्यु के कारणों का अध्यापन एवं पैथोलोजिक विशेषता।

5. मैग्नेटिक संस्पन्दन इमेजिंग का प्रयोग करके ट्रांसआर्टीयल कीमोइम्बोलाजेशन के हिपैटोसलूलर कार्सीनोमा के प्रतिक्रिया का निर्धारण (गैस्ट्रोइन्ट्रोलॉजी)।

6. भारी भार बनाम हल्के भार मेशेस का प्रयोग करते हुए लैपैरोस्कोपिक इन्गुनियल हर्निया रिपेयर के बाद लाइप का क्रोनिक ग्रोइन पेन और गुणवत्ता (सिस्चैयट्री से)।

7. इथमोइडल पोलीपी वाले मरीजों में एन्ड्रूल म्यूकोसल परिवर्तनों का क्लीनिकों पैथलोजीकल अध्ययन (ओटोरथिनोलेरिंजोलॉज)।

8. डिक्लोफे एलोन से उपचारित प्लांटर फैसीटीज और अल्ट्रासोनिक थैरेपी से डिक्लफेनिक के मरीजों में फूट प्रेसर फोर्स विश्लेषण का तुलनात्मक अध्ययन (भौतिक विज्ञान एवं पुनर्वास)।

9. लैपैरोस्कोपिक इंगुनीयल हर्निया रिपेयर के बाद लाइफ की क्रोनिक ग्राइन पेन एवं गुणवत्ता की तुलना – टी ई पी बनाम टी ए पी पी (साइचियट्री से)।

10. ओपन एवं लैपैरोस्कोपिक इंसुनीयल हर्निया रिपेयर के बाद लाइफ की क्रोनिक ग्रोइन पेन, टेस्टीकूलर फंक्शन और गुणवत्ता की तुलना – एक उत्तरव्यापी रैन्डोमाइज्ड नियंत्रण परीक्षण (एनेस्थेसिया, रिप्रोडक्टिव बॉयोलाजी एवं साइचैट्री)।

11. स्यूचर अथवा टैकर मेश फिक्शेसन से लैपेरोस्कोपिक इंसिजनल और वेंट्रल हर्निया रिपेयर के बाद लाइफ के दीर्घ अवधि परिणाम एवं गुणवत्ता की तुलना (साइचैट्री से)।

12. सामान्य बारल डक्ट स्टोन एवं गाल स्टोन्स वाले रोगियों के एकल स्तरी बनाम दो स्तरीय उपचार की तुलना - एक रेन्डोमाइज्ड नियंत्रित अध्ययन (सर्जरी)।

13. डायग्नोसिस और पेरीयमापुलेरी ट्यूमरों की स्टेजिंग में विभिन्न इमेजिंग मोडालीटीज की तुलना और पेरीयमापुलेरी ट्यूमर वाले रोगियों के परिणाम की प्रीडिक्टिंग में विभिन्न पेरीआपरेटिव फैक्टरों का अध्ययन (गैस्ट्रोस्ट्रोन्ट्रॉलॉजी एवं रेडियोलॉजी से)।

14. आब्स्ट्रक्टिव स्लीप अपनोइया के मरीजों में कार्डियोवास्कूलर बॉयोमार्करों पर निरंतर पॉजीटिव एयरवे दाब का प्रभाव (मेडिसिन)।

15. क्रोनिक पेरीटोनीयल डायलेसिस मरीजों में आक्साडेटिव दबाव, इंडोकेलियल डायज फंक्शन और कैरोटिड इंटीमल मिडिया थिक्नेस पर एन - एसीटाइलसिस्टेइन का प्रभाव - एक ओपन लेबलयुक्त रैन्डोमाइज्ड (नेफ्रोलाजी)।

16. ट्रॉमैटिक एवं आइट्रोजेनिक फेनियल नर्व जख्म वाले मामलों में मेडिकल एवं सर्जीकल उपचार के इंजुरी पैटर्न एवं परिणामों का मूल्यांकन (ओटोरहाइनोलैरिन्जोलॉजी)।

17. लैपैरोस्कोपिक इनगुइनल हर्निया रिपेयर वाले मरीजों में टेस्टीकूलर ब्लड फ्लो एवं वाल्यूम का मूल्यांकन (सर्जरी)।

18. सिरहोसिस एवं गैर सिरोहोटिक पोर्टल हाइपरटेंशन में ट्रांजिएन्ट इलास्टोग्राफी द्वारा लीवर स्टिफनेस आकलन (गैस्ट्रोइन्ट्रोलॉजी)।

19. लेबल 1 ट्रॉमा सेंटर में मेजर ट्रॉमा परिणाम अध्ययन (ऑर्थोपेडिएक्स, न्यूरोसर्जरी और फोरेंसिक मेडिसिन से)

20. स्पाइनल ट्रॉमा का एम डी सी टी मूल्यांकन : प्रीऑपरेटिव एवं पोस्ट ऑपरेटिव मूल्यांकन (ऑर्थोपेडिक्स)।

21. पैनक्रीएटीटिस में मिनीमली इंवैसिव नेक्रोसेक्टॉमी (जी आई सर्जरी)।

22. संक्रमित पैनक्रीएटिक नेक्रोसिस के प्रबंधन हेतु एम आर आई आधारित प्रोटोकाल (गैस्ट्रोइन्ट्रोलाजी)।

23. लिमिटेड एम आर आई कोररिजेशन से रिट्रोपेरीटोनियल सोलिड ऑर्गन चोट का मल्टीडिटेक्टर सी टी स्कैन मूल्यांकन (रेडियोडायग्नोसिस से)।

24. गंभीर हेड चोट के मरीजों में रेज्ड आई सी पी के लिए ऑप्टिक नर्व शीक डायमीटर माप (न्यूरोसर्जरी)।

25. टेनिस इल्बो वाले मरीजों की प्लेन रेडियोग्राफ एवं एम आर इमेजिंग (आर्थोपेडिक्स)।

26. वक्षीय ट्रॉमा में दो भिन्न कंस्ट्रेशनों बनाम इंट्रावेनियस दो ड्रग एनल्जोसिया में वक्ष इपीटुराल एनलजोसिया का बुमीवैकेइन एवं ओपीऑइड से क्षमता एवं सेफ्टी का प्रोस्पेक्टिव, रेन्डोमाइज्ड तुलना (एनेस्थैसिजोलॉजी से)।

27. ट्रांसआर्टेरियल कीमोथैरेपी और ट्रांसआर्टेरियल कीमोइम्बोलाइजेशन में चल रहे हेपाटोसेल्लूलर कार्सीनोमा मरीजों में गुरदे की असफलता को रोकने में एन एसीटाइलसिस्टेइन का रेन्डोमाइज्ड कंट्रोल परीक्षण। (गैस्ट्रोइन्ट्रोलॉजी)।

28. अनरिसेक्टेबल हिपैटोसेलूलर कार्सीनोमा के उपचार में ऑरल कीमोथैरेपी बनाम स्पोटिव थैरेपी का रैन्डोमाइज्ड कंट्रोल परीक्षण। (गैस्ट्रोस्ट्रोलॉजी)।

29. अनरिसेक्टेबल हिपैटोसेलूलर कार्सीनोमा के उपचार में ट्रांसआर्टेरियल कीमोइम्बोलाइजेशन (टी ए सी ई) बनाम टी ए सी ई प्लस ऑरल कीमोथैरेपी का रेन्डोमाइज्ड कंट्रोल परीक्षण। (गैस्ट्रोइन्ट्रोलॉजी)।

30. अनरिसेक्टेबल हिपैटोसेलूलर कार्सीनोमा के उपचार में ऑरल कीमोथैरेपी बनाम स्पोटिव थैरेपी का रैन्डोमाइज्ड कंट्रोल परीक्षण। (गैस्ट्रोइन्ट्रोलॉजी)।

31. पैनक्रीज के सियूडोसिस्ट का लैपेरोस्कोपिक एवं इंडोस्कोपिक ड्रेलेज की तुलना करते हुए रैन्डोमाइज्ड कंट्रोल परीक्षण (गैस्ट्रोइन्ट्रोलाजी एवं रेडियोलॉजी से)।

32. स्माल हेपैटोसेलूलर कार्सीनोमा के उपचार के लिए रेडियोफ्रेक्वेंसी एबलेशन बनाम परक्यूटेनियस एसीटिक थैरेपी का रेन्डोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण (गैस्ट्रोइन्ट्रोलॉजी)।

33. लेवन-1 ट्रॉमा सेंटर में मैग्नीट्यूड, कठोरता एवं ट्रॉमैटिक टिपैटोबिलिटी एवं पैनक्रीएटिक चोटों का पूर्वव्यापी एवं उत्तरव्यापी मूल्यांकन (सर्जरी)।

34. लेवन-1 ट्रॉमा सेंटर में मैग्नीट्यूड, संवरिटी एवं चेस्ट ट्रॉमा के परिणाम का भूतलक्षी एवं उत्तरव्यापी अध्ययन (एनेस्थेसियोलोजी इमरजेंसी चिकित्सा, रेडियोलॉजी और फोरेंसिक मेडिसिन से)।

35. लेवन-1 ट्रॉमा सेंटर में मैग्नीट्यूड, कठोरता एवं ट्रॉमैटिक टिपैटोबिलिटी एवं पैनक्रीएटिक चोटों का पूर्वव्यापी एवं उत्तरव्यापी मूल्यांकन (गैस्ट्रोइन्ट्रोलॉजी एवं रेडियोलॉजी)।

36. ब्लंट प्लेनिक ट्रॉमा में कंप्यूटेड शेमोग्राफी एवं प्लेनिक आर्टेरी इम्बोलाइजेशन की भूमिका (रेडियोडायग्नोसिस से)।

37. डायग्नोसिस में तथा हिपैटोसेलूलर कार्सीनोमा के मरीजों में थेरापियूटिक प्रतिक्रिया के निर्धारण के लिए कंट्रास्ट इंहैस्ड अल्ट्रासाउंड का कार्य (गैस्ट्रोइन्ट्रोलॉजी)।

38. क्रोनिक गहन लिम्बा इस्कीमिया के मरीजों में एम्प्यूटेशन को रोकने में ऑटोलोगस स्टेम सेलों की सेफ्टी एवं क्षमता (सर्जरी)।

39. सर्जरी पोस्ट ट्रॉमा में चल रहे मरीजों में ट्रांसएक्मिक का सेफ्टी एवं दक्षता (एनेस्थैसिजोलॉजी से)।

40. एशियन भारतीयों में सी ए डी में गैर एल्कोहलिक फैटी लीवर बीमारी का अध्ययन (मेडिसिन)।

41. सर्जरी विभाग में इंटरकोस्टल ड्रेनेज ट्यूब के बगैर ऑकल्ट न्यूमोकोरेसेज के प्रबंधन की व्यवहार्यता का अध्ययन, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेक्टर, एम्स।

42. लेरिक्गोट्रैचीपल स्टेनोसिस के लिए सबग्लोटिक स्टेनोसिस के मामले में रिब ग्राफ्टिंग के साथ अथवा इसके बगैर क्रीकाइड स्पिन्ट के प्रभाव का अध्ययन (ओटोरहिनोलैरिन्जोलॉजी)।

43. सर्जरी विभाग में पोस्टमोर्टम सी टी स्कैन और अभिसामयिक ऑटोपली के निष्कर्षो की तुलना करके ट्रॉमा मरीजों में मृत्यु के कारण के प्रीडिक्टिंग में ऑटोप्सी (पोस्टमोर्टस सी टी स्कैन) की भूमिका का अध्ययन, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स।

44. इसोफेगस के कार्सीनेमा वाले मरीजों में अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन सर्वीकल लिम्फ नोड्स (जी आई सर्जरी)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 104

पुस्तकों में अध्याय : 9

रोगी उपचार

संवेदनाहरण

एनेस्कोसिया में सर्जरियों की कुल संख्या	3902
सर्जरी	1449
न्यूरोसर्जरी	1053
आर्थोपेडिक्स	1400
रेडियोलॉजीकन प्रक्रियाओं के लिए एनेस्थेसिया	81
आई सी यू में उपचारित रोगियों की कुल संख्या	465

न्यायचिकित्सा मेडिसिन

आपात सेवाएं : चोट, यौन अपराध, जहर के मेडिको लीगल मामलों में तथा अन्य पेचीदा मेडिको लीगल मामलों में आपात स्थिति का रात दिन कवरेज।

निष्पादित मेडिको लीगल पोस्टमार्टम : 1138

विभाग के डाक्टर जो न्यायालय में उपस्थित हुए और निपुण गवाह के रूप में सी बी आई मामलों में भी न्यायालय में उपस्थित हुए।

विभाग ने माननीय न्यायालयों, सी बी आई तथा अन्य जांच एजेंसियों द्वारा भेजे गए आयु आंकलन, चिकित्सा जांच, विवाह विवाद, पोटेन्सी, डी एन ए, फिंगरप्रिंटिंग आदि के 50 मामलों की जांच की।

प्रयोगशाला चिकित्सा

1. हिमैटोलॉजी :

क. हीमोग्राम

हीमोग्लोबीन	33865	टी एल सी	33865	विभेदी काउंट	33865
एच सी टी	33865	आर बी सी	33865	एम सी एच	33865
एम सी एच सी	33865	एम सी वी	33865	आर डी डब्ल्यू	33865
प्लेटलेट काउंट	33865	रेटिक काउंट	17403	ई एस आर	4294
आर बी सी मोर्फोलाजी	1658	ब्लड पैरासाइट	4041		
कुल	3,55,403				

ख. कोएगुलेशन

पी टी	18116	ए पी टी टी	18116	टी टी	2062
फाइब्रीनोजेन	2062	डी डाइमर	2062		

ग. थ्रोम्बोरलास्टोग्राफी (टीईजी) 290

कुल 42,708

घ. क्लीनिकल पैथोलॉजी

यूरीन रूटीन/माइक्रोस्कॉपी	2144	यूरीन माइयोग्लेबीन	430	सी एस एफ माइक्रोस्कॉपी	1916
कुल	4490				

हिमैटोलॉजी सेक्शन में किए गए कुल टेस्ट 4,02,601

ड. बॉयोकैमिस्ट्री

शर्करा	8103	यूरिया	28,768	क्रीएटीनाइन	28,768
कैल्शियम	10,663	फोसफोरस	9,447	यूरिक एसिड	9,067
सोडियम	28,749	पोटेशियम	28,749	टी बी आई एल	14,041
डी बी आई एल	14,041	कुल प्रोटीन	10,844	एल्बुमिन	11,160

एस जी ओ टी	11,203	एस जी पी टी	11,203	ए एल पी	11,236
कोलेस्ट्रोल	3,708	एमीलेज	3,945	एच डी एल डी	1,579
आई डी एल डी	1,579	टी जी	1,579	वी एल डी एल	1,579
सी के	400	सी आर पी	350	एम जी	1,683
लीपेज	280	सी के एम बी	68	सी एस एफ सुगर	987
सी एफ एफ प्रोटीन	1,737	पेरीटोनीयल फ्ल्यूड सुगर	50	पेरीटीनीयल फ्ल्यूड प्रोटीन	50
यूरिन शर्कर	150	यूरिन प्रोटीन	150	ड्रेन फ्ल्यूड एमीलेज	50
एच बी ए 1 सी	25	ए बी जी	6,745		

बॉयोकैमिस्ट्री सेक्शन में किए गए कुल टेस्ट 2,62,800

च. माइक्रोबॉयोलॉजी

कल्चर	15412	बैक्ट्रेरियल पहचान	3870	एंटीबॉडीज सेंसिटीविटी	3870
एच आई वी सिरोलॉजी	313	हिपाटाइटिस बी सिरोलॉजी	324	हिपाटाइटिस सी सीरोलॉजी	209

अस्पताल संक्रमण निगरानी कल्वर 2940

माइक्रोबॉयोलॉजी सेक्शन में किए गए कुल टेस्ट 26,938

छ. हिस्टोपैथेलॉजी

हेमाटोक्सीलिन एवं इओसिन	1103	एसिड फास्ट बैसिली स्टेनिंग	63	पी ए पी स्टेनिंग	4
आवधिक एसिड सिफ स्टेनिंग	25	लक्सोल्स ब्लू	3	टोल्यूडाइन ब्लू स्टेनिंग	2
सिल्वर मेथोनामाइन स्टेनिंग	15	संसाधित नमूने	539	ब्लॉकों की संख्या	874
स्लाइडों की कुल संख्या	1215				

हिस्टोपैथोलॉजी में किए गए कुल परीक्षण 3843

विभाग में किए गए परीक्षणों की कुल संख्या 6,96,182

रेडियोडाइग्नोसिस

क्रम सं.	जांच	संख्या
1.	प्लेन एक्स-रे (इमर्जेंसी सहित)	48987
2.	पोर्टेबल एक्स-रे	15537
3.	सी टी	18916
4.	डोपलर एवं निर्देशित इंटरवेनशनों सहित अल्ट्रासाउंड	7282
5.	इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं सहित डिजीटल सबट्रैक्शन एंजियोग्राफी	77
6.	एम आर आई	1175
	कुल	**91974**

सर्जरी

• इमर्जेंसी में भर्ती कुल मरीज (5-6 मरीज प्रति घंटा)	47,767
• इमर्जेंसी में भर्ती कुल सर्जीकल मरीज	35420
• भर्ती कुल सर्जीकल मामले (>24 घंटे)	1768
• एनेस्थेसिया में की गई ऑपरेटिव प्रक्रियाएं	1531
• मार्टेलिटी रेट	151/1768 (8.54%)
• अनुवर्ती ओ पी डी एटेंडेंस	5949

सामुदायिक सेवाएं

डॉ. दीपक गुप्ता

त्यागराज स्पोर्टस काम्प्लेक्स के मेडिकल कमांडर का स्थान एवं सभी राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एथलीटों के स्वास्थ्य की जांच (राष्ट्रमंडल खेल, 2010 नई दिल्ली, भारत)।

मेडिकल रिकॉर्ड सेक्शन

संकाय - प्रभारी : डॉ. आदर्श कुमार

नियमित स्टाफ के अलावा, कुछ डी ई ओ और सुलभ कार्यकर्त्ताओं मेडिकल रिकार्ड सेक्शन के विभिन्न कार्यों के रोजमर्रा के प्रबंधन में मदद कर रहे हैं। मौजूदा जनशक्ति में विभिन्न कार्यकलापों के कार्यकरण को सरल एवं कारगर बनाने की दृष्टि से; क्षेत्र, जिन्हें पिछले वर्ष मेडिकल रिकार्ड डिवीजन, सेंट्रल रजिस्ट्रेशन काउंटर और अनुवर्ती ओ पी डी में उपविभाजित किया गया था, दक्षतापूर्ण रूप में कार्य कर रहे हैं। उस अवधि के लिए पूर्ण सांख्यिकी आंकड़ा निम्नानुसार है।

एक नजर में आंकड़े

I.	कुल बिस्तर संख्या	186	आई सी यू बिस्तरे, दूसरा तल	16
	वार्ड बेड्स	120	आई सी यू बिस्तरे, तीसरा तल	20
	ट्राइएज	30	औसत प्रतिदिन	131 मरीज
II.	कुल आपात परिचर्या	47828	महिला	11044
	पुरूष	36784		
	कुल दाखिले	4930	औसत प्रतिदिन	14 मरीज
	ठहरने की औसत अवधि (ए एल एस)	10.2	(प्रति मरीज प्रतिदिन)	
	कुल अनुवर्ती ओ पी डी मामले	26910		
	नये	11055	पुराने (रि-विजिट)	15855
III.	दाखिलों के विशिष्टता-वार ब्यौरे			
	ऑर्थोपेडिक्स	1309	सर्जरी	1630
	न्यूरोसर्जरी	1970	आपात चिकित्सा	21

IV.	निष्पादित ऑपरेशनों की कुल संख्या	4541		
	बड़े	3887	छोटे	654
	पूरे किए गए ऑपरेशनों के विशिष्टता-वार ब्यौरे			
	ऑर्थोपेडिक्स	1598	सर्जरी	1743
	न्यूरोसर्जरी	1200		
V.	कुल मृत्यु	1180		
	48 घंटों में मृत्यु	704	48 घंटों के बाद मृत्यु	476
	सकल मृत्यु दर	25.6%	निवल मृत्यु दर	12.2%
	बिस्तर अधिभोग दर	69%	ठहरने की औसत अवधि	10.2 दिन
	बिस्तर टर्नओवर दर	24.7	प्रति बिस्तर प्रति माह मरीज	

केंद्रीय पंजीकरण और आपात रिसेप्शन

अवस्थिति के कारण सी आर सी ने जे पी एन ए टी सी ने आपात सेवा का कार्य शुरू किया है और अधिग्रहण में लिया है। लगभग 400-500 मामलों को पहली दफा में रोज देखा जाता है और इसमें से लगभग 90% की इस स्तर पर छंटाई की जाती है। यह रोगी उपचार, अनुवर्ती संगठनात्मक ढांचे, अस्पताल प्रशासन और संबंधित सेवाओं के संबंध में मरीजों, संबंधित/परिचरों, पुलिस, मीडिया और आम जनता को जानकारी उपलब्ध करा रहा है। इस स्तर पर अधिकांश मामलों के सफल निपटान का परिणाम यह है कि दूसरे सेक्शन इस प्रकार अपने कीमती जनशक्ति; जन घंटे और कार्य के विघटन से बचते हुए सीधे इन मामलों का सामना करने से बचे हैं जिससे संपूर्ण कार्य सामान्य दिशा में हो। प्रवेश के समय बहुत सारे विजीटरों के प्रश्न की संतुष्टी अपने आप संपूर्ण मौजूदा सुविधाओं के बेहतर प्रबंधन में मदद करते हुए ट्रॉमा सेंटर के भीतर रश और भीड़ को कम करता है।

विभिन्न प्रकार के उन्नत रूपों एवं परफोर्माज को लागू करके विभिन्न नवीनताओं के अलावा, सी आर सी के इस विशेष वर्ष नवीनता को चार अलग समर्पित काउंटरों वाले बहुकार्यात्मक इमर्जेंसी रिसेप्शन के रूप में निम्न के लिए तैयार किया गया था (क) दिन रात आपात रजिस्ट्रेशन (ख) रात-दिन वार्ड/आई सी यू दाखिला (ग) चिकित्सा/उपयुक्तता प्रतिपूरण प्रमाणन काउंटर (घ) जांच-पड़ताल कागजात मंजूरी काउंटर।

एमर्जेंसी रिसेप्शन का पुनर्सज्जीकरण बेहतर परिवेश के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनीयोग्य रूप मानक के लिए राष्ट्रमंडल खेल, 2010 के दौरान किया गया था।

कम्पयूटराइज्य सुविधा कंट्रोल सिस्टम का अधिष्ठापन, जो इस प्रकार जन समूह के बेहतर व्यवस्थापन एवं मौजूदा सुविधाओं के साथ केवल अधिकृत कार्मिकों के लिए केवल सीमित प्रवेश के साथ है।

अनुवर्ती ओ पी डी रजिस्ट्रेशन काउंटर

बड़े प्रदर्शन स्क्रीनों में कम्प्यूटरीकृत टोकन नम्बर जारी करने के अलावा, जिसे पिछले वर्ष लागू किया गया था, इस वर्ष बार कोड स्कैनरों द्वारा (एक को पेस्ट नहीं किया गया) पता लगाने के लिए प्रिंटेड बार कोड के साथ कम्प्यूटरीकृत ओ पी डी कार्ड प्रभावी रूप से लागू किए गए थे; इससे काउंटरों पर मरीजों की लाइन के अच्छे व्यवस्थान में काफी मदद मिली।

मुख्य मेडिकल रिकार्ड प्रभाग

उपर्युक्त के अलावा, जे पी एन ए टी सी का मेडिकल रिकार्ड सेक्शन (एम आर एस) पहला सरकारी अस्पताल है, जिसने वर्ष 2008 में एन डी एम सी में मृत्यु का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू किया था, सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है और निर्धारित कानूनी

प्रक्रिया के बाद मृतक से संबंधित संशोधनों को समन्वित भी कर रहा है। एम आर एस दिल्ली के साथ-साथ अन्य पड़ोसी राज्यों में विभिन्न माननीय न्यायालयों से समनों पर नियमित रूप से कार्यवाही कर रहा है। इस अवधि के दौरान कुल 730 ऐसे समन प्राप्त किए गए थे। एम आर एस दोनों मामलों में, चाहे जीवित हो अथवा मृत, मरीजों के विभिन्न बीमा पॉलिसी के मामलों को भी निपटा रहा है, जो जे पी एन ए टी सी में भर्ती हुए थे। इस अवधि के दौरान ऐसे कुल 55 मामलों का निपटान किया गया था। पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान एम आर एस ने एक्स-रे जारी करने के लिए और रेडियो डायग्नोसिस से एक्स-रे एकत्र करने हेतु सहयोग करने तथा उन्हें पुलिस को सौंपने के लिए पुलिस अनुरोधों पर विचार किया। इस अवधि के दौरान कुल 2003 ऐसे मामलों का निपटान किया गया था। एस आर एस दिल्ली राज्य/केंद्र सरकार को वर्ष के दौरान जे पी एन ए टी सी में भर्ती हुए मरीजों/पीड़ितों से संबंधित सूचना (सहायता/क्षतिपूर्ण आदि के लिए) जारी करने में शामिल हैं। विभिन्न आवेदकों द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत उठाए गए प्रश्नों के उत्तर भी एम आर एस द्वारा 37 मामलों में उपलब्ध कराए गए थे। एम आर एस ने आधारभूत ढांचे के साथ-साथ निरंतर इनपुट कम्प्यूटर सुविधा के लिए उपलब्ध कराए हैं; ताकि संपूर्ण रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को एक चरणबद्ध तरीके में कंप्यूटरीकृत किया जा सके। स्टील कम्पैक्टर, जिन्हें मेडिकोलीगल रजिस्टरों के साथ-साथ जे पी एन ए टी सी में मरीजों/मृतक के पूर्ण उपचार रिकार्डों की सुरक्षित अभिरक्षा के लिए संस्थापित किया गया था, को प्रभावी प्रयोग के लिए रखा गया था। जे पी एन ए टी सी में पुलिस पोस्ट में पड़े सभी हस्तलिखित एम एल सी रजिस्टरों (370) की अभिरक्षा उचित ब्यौरों के साथ एक चरणबद्ध तरीके में की गई है।

मि. सौरव, एम आर टी को 1 जुलाई, 2009 से 30 जून, 2010 में सी बी एच आई, निर्माण भवन के माध्यम से एक वर्ष के लिए सफदरजंग अस्पताल में सेवारत मेडिकल रिकार्ड अधिकारी, प्रशिक्षण हेतु नियुक्त किया गया था। उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए इसे सफलतापूर्वक पूर्ण किया है।

ब्लड बैंक

डॉ. एस. अरूलसेल्वी संकाय प्रभारी

वार्षिक लेखा परीक्षा, ब्लड बैंक, जे एन ए टी सी, एम्स

माह	जांचे गए रक्तदाता	रक्तदाता	कुल	प्रतिस्थापन रक्तदाता		स्वैच्छिक रक्तदाता			भीतरी स्वैच्छिक रक्तदाता	बाहरी कैम्प स्वैच्छिक रक्तदाता
				पुरूष रक्तदाता	महिला रक्तदाता	कुल	पुरूष रक्तदाता	महिला रक्तदाता		
अप्रैल 10	1006	782	780	771	9	2	1	1	2	शून्य
मई 10	962	738	668	663	5	70	54	6	1	69
जून 10	912	760	657	651	6	103	83	20	3	100
जुलाई 10	890	753	739	735	4	14	12	2	14	शून्य
अगस्त 10	1008	908	600	593	7	308	277	31	4	304
सितम्बर 10	856	711	646	645	1	65	63	2	2	63
अक्तूबर 10	778	717	655	653	2	62	52	10	5	57
नवम्बर 10	820	741	692	687	5	49	44	5	8	41
दिसम्बर 10	783	720	646	640	6	74	67	7	3	71
जनवरी 11	763	714	708	705	3	6	6	शून्य	6	शून्य
फरवरी 11	825	743	614	612	2	129	124	5	79	50
मार्च 11	924	815	632	627	5	183	179	4	119	64
कुल	**10527**	**9102**	**8037**	**7982**	**55**	**1065**	**972**	**93**	**246**	**819**

स्वैच्छिक रक्त दान कैम्पों की संख्या 11

अवयव वियोजन प्रयोगशाला

माह	तैयार पैक आर बी सी	तैयार फ्रेश फ्रोजन प्लाज्मा	तैयार प्लेटलेट्स	तैयार क्रायोप्रीसिपीटेट	रक्त एवं संघटकों का गुणवत्ता नियंत्रण
अप्रैल 10	782	741	521	50	सभी यूनिटों का 1%
मई 10	738	673	579	55	सभी यूनिटों का 1%
जून 10	760	683	613	शून्य	सभी यूनिटों का 1%
जुलाई 10	753	623	623	शून्य	सभी यूनिटों का 1%
अगस्त 10	908	750	696	31	सभी यूनिटों का 1%
सितम्बर 10	711	670	646	30	सभी यूनिटों का 1%
अक्तूबर 10	717	678	661	32	सभी यूनिटों का 1%
नवम्बर 10	741	678	669	34	सभी यूनिटों का 1%
दिसम्बर 10	720	655	654	68	सभी यूनिटों का 1%
जनवरी 11	714	707	683	20	सभी यूनिटों का 1%
फरवरी 11	743	701	685	30	सभी यूनिटों का 1%
मार्च 11	815	753	735	32	सभी यूनिटों का 1%
कुल	**9103**	**8312**	**7765**	**382**	सभी यूनिटों का 1%

संक्रमणीय मार्कर प्रयोगशाला और रक्तदाता काउंसिलिंग

माह	की गई एच आई वी की जांच	क्रियात्मक एच आई वी	किया गया एच बी एस ए जी जांच	एच बी ए जी जांच प्रतिक्रिया	किया गया एच सी वी टेस्ट	प्रतिक्रिया एच सी वी	किया गया वी डी आर एल	प्रतिक्रिया वा डा आर एल टेस्ट	किया गया एम पी टेस्ट	प्रतिक्रिया एम पी
अप्रैल 10	964	3	969	13	964	1	819	शून्य	793	शून्य
मई 10	924	6	924	10	922	5	778	6	745	शून्य
जून 10	927	5	927	6	925	5	749	7	749	शून्य
जुलाई 10	938	2	921	11	944	7	754	5	754	शून्य
अगस्त 10	916	3	937	13	920	6	728	5	728	शून्य
सितम्बर 10	885	1	887	16	858	5	709	5	709	शून्य
अक्तूबर 10	885	3	895	19	887	8	729	4	729	शून्य
नवम्बर 10	841	1	851	21	836	5	727	1	727	शून्य
दिसम्बर 10	816	2	824	12	817	6	708	3	708	शून्य
जनवरी 11	771	5	773	16	768	3	761	4	714	शून्य
फरवरी 11	758	शून्य	827	8	765	4	790	7	743	शून्य
मार्च 11	849	4	854	16	856	4	921	2	815	शून्य
कुल	**10474**	**35**	**10589**	**161**	**10462**	**59**	**9173**	**49**	**8914**	शून्य

काउंसिलिंग के आवश्यक डोनरों की संख्या	274
कुल सूचित एवं काउंसिल्ड डोनर	83
वी सी टी सी को भेजे गए कुल डोनर	7

ग्रुपिंग प्रयोगशाला

माह	डोनर ग्रुपिंग	रोगी ग्रुपिंग	कुल
अप्रैल 10	782	708	1490
मई 10	738	607	1345
जून 10	760	654	1414
जुलाई 10	753	746	1499
अगस्त 10	908	727	1635
सितम्बर 10	711	750	1461
अक्तूबर 10	717	790	1507
नवम्बर 10	741	817	1558
दिसम्बर 10	720	654	1374
जनवरी 11	714	751	1465
फरवरी 11	743	689	1432
मार्च 11	815	791	1606
कुल	**9102**	**8684**	**17786**

आपात निर्गम काउंटर : प्राप्त नमूने, किए गए क्रॉस मैच और जारी किया गया रक्त/अवयव

माह	प्राप्त नमूनों की संख्या	कि गए क्रॉस मैच की संख्या	जारी पी आर बी सी की संख्या	जारी एफ एफ पी	जारी पी आर सी
अप्रैल 10	708	1935	849	568	396
मई 10	607	1708	710	418	367
जून 10	654	1703	715	425	460
जुलाई 10	746	1891	753	454	428
अगस्त 10	727	1971	730	355	355
सितम्बर 10	750	1765	730	559	497
अक्तूबर 10	790	2068	687	678	436
नवम्बर 10	817	2003	730	678	484
दिसम्बर 10	654	2418	686	655	232
जनवरी 11	751	1931	763	633	583
फरवरी 11	689	1777	717	381	588
मार्च 11	791	2059	768	601	654
कुल	**8684**	**23229**	**8838**	**6405**	**5480**

दूसरे अस्पताल के ब्लड बैंकों को जारी किया गया ब्लड एवं संघटक

(मुख्य एम्स, सी एन सी, जी बी पंत, एल एन एच, ई एस आई, डॉ. हेडगेवर)

माह	**रक्त**	**एफ एफ पी**	**प्लेटलेट**
अप्रैल 10	65	11	94
मई 10	93	120	171
जून 10	29	197	124
जुलाई 10	75	135	145
अगस्त 10	133	197	298
सितम्बर 10	7	80	86
अक्तूबर 10	19	73	217
नवम्बर 10	20	शून्य	94
दिसम्बर 10	98	42	346
जनवरी 11	66	210	197
फरवरी 11	31	20	266
मार्च 11	63	155	313
कुल	**699**	**1240**	**2351**

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ. एम सी मिश्रा ने 25 नवम्बर, 2010 को नई दिल्ली में 5वें आई आर एफ क्षेत्रीय सम्मेलन "सड़क सांघातिकाओं को कम करने के लिए संस्थागत व्यवस्था" में भाग लिया। 16 सितम्बर, 2010 को जिम नोएडा में "आपदा तैयारी" पर दूसरे सम्मेलन में भाग लिया; "उद्योगों में आपात योजना, जिमसें एच डब्ल्यू एम और पाइपलाइनों तथा पी ओ एल टैंकरों द्वारा पेट्रोलियम प्रोडक्ट, प्राकृतिक गैस" को ले जाना शामिल है; 30-31 अगस्त, 2010, नई दिल्ली; मुख्य अतिथि, "आपात मेडिसिन 2010 पर अंतर्राष्ट्रीय विचारगोष्ठी, 21-22 अगस्त, 2010, रविन्द्रनाथ टैगोर अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, कोलकाता; श्री चुन्नी लाल जिन्दल मेमोरियल ट्रस्ट (मान्यताप्राप्त) द्वारा ट्रॉमा केयर में सुधार के लिए शीर्षक ट्रॉमा सेंटर, एम्स को तैयार कर प्राप्तकर्ताओं के सम्मान हेतु जन समारोह में जन सेवा हेतु स्वीकार, कामनी ऑडीटोरियम, नई दिल्ली, 20 मार्च, 2011, श्री चुन्नी लाल जिन्दल मेमोरियल ट्रस्ट (मान्यताप्राप्त) द्वारा आयोजित; दूरदर्शन न्यूज, नई दिल्ली के अनुवर्ती कार्यक्रमों में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया; हर्निया पर 11 जुलाई, 2010; 4 अप्रैल, 2010 को प्रोग्राम "संपूर्ण स्वास्थ्य" में लाइव फोन के दौरान इमेरजेंसियों पर चर्चा में 2 जून, 2010 को मेडिकल स्टुडेंटों और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में जारी स्ट्राइक से संबंधित मुद्दों की डिलीवरी हेतु संबंधित स्वास्थ्य सुरक्षा, दीपावली पर स्कूली बच्चों के साथ पारस्परिक क्रिया प्रोग्राम फायरक्रैक्कर्स, प्रदूषण से संबंधित सुरक्षा मामले, 28 अक्तूबर, 2010, स्तन कैंसर पर, 17 अक्तूबर, 2010, प्रोग्राम "संपूर्ण स्वास्थ्य" में लाइव फोन, आगामी राष्ट्रमंडल खेल 2010 को देखते हुए आपात तैयारियों पर इवनिंग लाइव शो, 20 सितम्बर, 2010, प्रोग्राम "संपूर्ण स्वास्थ्य" में लाइव फोन के दौरान हर्निया पर 11 जुलाई, 2010, प्रोग्राम "संपूर्ण स्वास्थ्य" में लाइव फोन के दौरान आपातस्थितियों पर 4 अप्रैल, 2010, चर्चा में 16 मार्च, 2011, "स्वास्थ्य सुरक्षा सुधार" पर, 13 मार्च, 2011 को प्रोग्राम "संपूर्ण स्वास्थ्य" में लाइव फोन के दौरान स्तर कैंसर पर; इवनिंग लाइव शो के लिए ब्रेस्ट कैंसर प्रदर्शन एवं सेमिनार का कर्टेन रेजर, नई दिल्ली, 10 मार्च, 2011, मेडिसिन में एम बी बी एस एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के दाखिले के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा

(सी ई टी) पर चर्चा के लिए 14 दिसम्बर, 2010 जैसाकि भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्देश दिया गया है, 8 जनवरी, 2011 को ब्रेस्ट कैंसर पर लाइव चर्चा के लिए, 5 दिसम्बर, 2010 को प्रोग्राम "संपूर्ण स्वास्थ्य" में लाइव फोन के दौरान अंगदान पर चर्चा के लिए, 31 अक्तूबर, 2010 को कार्यक्रम "संपूर्ण स्वास्थ्य" में लाइव फोन के दौरान दुर्घटना एवं आपात सेवाओं पर; 10-11 मई, 2010 को नई दिल्ली में "भारत में चोट निगरानी एवं ट्रॉमा रजिस्ट्री" पर बैठक में भाग लिया; 3 मई, 2010 को आई सी एम आर, नई दिल्ली में ट्रॉमा के लिए प्रोजेक्ट समीक्षा समिति की बैठक में भाग लिया; 24 अप्रैल, 2010 को आर सी कावले शॉक ट्रॉमा सेंटर और मैरीलैंड विश्वविद्यालय, यूएसए का दौरा किया; डब्ल्यू एच ओ और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 27-28 अप्रैल, 2010 को "भारत के रोड ट्रैफिक चोट निवारण प्रोजेक्ट (जी आर आई पी पी/आर एस 10) की प्लानिंग बैठक" में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया; निर्वाचित सदस्य, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर) द्वारा ट्रॉमा क्षेत्र के लिए प्रोजेक्ट पुनरीक्षा समिति। 3 मई, 2010 को आयोजित बैठक; तकनीकी विशेषज्ञ, आकाशवाणी एफ एम चैनल, नई दिल्ली, 18 जनवरी, 2011 को और 3 फरवरी, 2011 को; दुर्घटनाओं एवं आपात सेवाओं पर चर्चा के लिए; आयोजक अध्यक्ष, अल्पतम आक्रामक सर्जरी "पांचवा एम्स सर्जीकल सप्ताह, इंडोसर्ज, 2011'ष पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं लाइव आपरेटिव कार्यशाला, 11-13 मार्च, 2011, एम्स, नई दिल्ली; संयोजक, दिल्ली राज्य सभा की मासिक बैठक, भारत की सर्जन संस्था, 19 फरवरी, 2011 सर्जिकल अनुशासन विभाग; एम्स; भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा जनरल सर्जरी की विशिष्टता में एम एस पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रमों को तैयार करने/अद्यतन बनाने के लिए सामान्य सर्जरी में पुनः गठित विशेषता बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त; बाहरी परीक्षक, आई एम आर सी एस परीक्षा, सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली, 6-10 सितम्बर, 2010; अध्यक्ष, वर्ष 2011 के लिए भारत की इंर्डास्कोपिक एवं लेपरोस्कोपिक सर्जन संस्था (एस ई एल एस आई); आयोजनकारी अध्यक्ष, प्रथम बेसिक प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी (बी पी आर एस) कोर्स, 31 जुलाई और 1 अगस्त, 2010 को जे पी एन शीर्षक ट्रॉमा सेंटर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; आयोजक अध्यक्ष, तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं सी एम ई - सह- लाइव कार्यशाला, भारतीय ट्रॉमा एवं तीक्ष्ण केयर संस्था (आई एस टी ए सी®) द्वारा आयोजित, 26 से 28 नवम्बर, 2010। सम्मेलन की विषय वस्तु "ट्रॉमा प्रबंधन में करेंट ट्रेंडस" था; आयोजक अध्यक्ष, प्रथम फंडामेंटल्स गहन केयर स्पोर्ट (एफ सी सी एस) पाठ्यक्रम, 25-26 नवम्बर, 2010, जे पी एन, शीर्षस्थ ट्रॉमा सेंटर, भारतीय गहन केयर मेडिसन संस्था (आई एस सी सी एम) के सहयोग से; सदस्य, भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा मेडिकल नीतिशास्त्र एवं स्वास्थ्य नीति अनुसंधान के लिए प्रकोष्ठ; सदस्य, राष्ट्रीय सलाहकार समिति, छठा विश्व अंग दान दिवस एवं अंग दान कांग्रेस, 12-13 नवम्बर, 2010, डी जी एच एस, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित; सदस्य, अध्ययन बोर्ड, ट्रॉमा सेंटर, एस जी पी जी आई एम एस, लखनऊ, 12 जुलाई, 2010 को एम जी पी जी आई एम एस, लखनऊ में आयोजित इसकी बैठक में भाग लेने के लिए; अध्यक्ष, तकनीकी विशेषज्ञ समिति, भारत के औषध महानियंत्रक, 8 जुलाई, 2010, एक्यूट केयर सर्जरी प्रभाग में अभ्यागत आचार्य, मिचीगन विश्वविद्यालय, अन आर्वर, यू एस ए, 18-21 मई, 2010; आमने-सामने के लिए रमेश भट के साथ एक-एक चर्चा के लिए संसद टी वी द्वारा आमंत्रित; तकनीकी विशेषज्ञ एवं संसाधन व्यक्ति, इंडो- यू एस कार्यशाला - "भारत में चोट निवारण हेतु रोड मैप का विकासष, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार तथा रोग नियंत्रण सेंटर, यू एस ए, द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, 14-15 फरवरी, 2011, नई दिल्ली; "मिलेनियम विकास लक्ष्यों पर गोल मेज सम्मेलन का भाग; रोड सेफ्टी के लिए एक कार्य दशक" का भारतीय परिप्रेक्ष्य, 2 फरवरी, 2011, ट्रैफिक इन्फ्रा टेक शो - 2011 के दौरान, 2-4 फरवरी, 2011, नई दिल्ली; इवनिंग लाइव शो में भाग लिया, रेयर सर्जरी का रेयरेस्ट, 28 अप्रैल, 2010, नई दिल्ली; स्टैनफोर्ड इंडिया बॉयोडिजाइन द्वारा आयोजित चौथी वार्षिक 2010 इंडियन मेड टेक सम्मेलन में भाग लिया, 10-11 दिसम्बर, 2010, नई दिल्ली; लोक सभा टी वी में तकनीकी विशेषज्ञ, नई दिल्ली, 4 दिसम्बर, 2010, प्रोग्राम स्वस्थ भारत में लाइव फोन के दौरान मोर्बिड ऑबेसिटी में बैरिएट्रिक सर्जरी; इंडो आइ सी एम आर - आस्ट्रेलियन टीम (जार्ज इंस्टीट्यूट, सिडनी) की संयुक्त ग्रुप बैठक, जो क्षति निगरानी एवं निवारक कार्यनीति पर संकल्पना प्रस्तावों पर चर्चा करने के संबंध में है, 25 नवम्बर, सम्मेलन कक्ष, आई सी एम आर, नई दिल्ली; तकनीकी विशेषज्ञ, लोक सभा टी वी स्टुडियो, नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 2010, जो सिर के चोटों एवं मेडिकोलीगल मुद्दों के संबंध में है, 23 अक्तूबर, 2010 ।

डॉ. बबीता गुप्ता ने ट्रॉमा आई सी यू में पेपर एक्यूट किडनी क्षति के लिए प्रथम पुरस्कार जीता; लेवल एक आई सी यू में हमारा अनुभव - नई दिल्ली में आयोजित ट्रॉमा, 2010 में प्रस्तुत किया गया; ट्रेजरर - ट्रॉमा 2010, 26-28 नवम्बर, 2010 ।

डॉ. छवि साहनी, कार्यकारी सदस्या थी, ट्रॉमा 2010, 26-28 नवम्बर, 2010 ।

डॉ. संजीव भोई ने स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए आपदा चिकित्सा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम लिखा; ए टी एल एस अनुदेशक; सामुदायिक आपाद सुरक्षा; प्रत्येक शनिवार को दिल्ली पुलिस के लिए बाइस्टैंडर सुरक्षा कार्यक्रम; सिक्किम के प्रशिक्षित डाक्टर्स, नर्सेज, और पैरामेडिक्स और सिक्किम के लेवन-3 ट्रॉमा सेंटरों के लिए प्रोटोकॉल तैयार करना; असम चिकित्सा कालेज, डिब्रूगढ़ में आपात एवं ट्रॉमा सुरक्षा के लिए स्थापित क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र; अतिथि संकाय; बिस्फोट क्षति पैटर्न, बिस्फोट क्षति पर सी डी सी गोल मेज; बी जे मेडिकल कालेज, पुणे; आपात चिकित्सा पर सी एम ई - सह कार्यशाला, असम मेडिकल कालेज, डिब्रूगढ़, भारत।

डॉ. विनय गुलाटी को मिननेसोटा विश्वविद्यालय में गहन उपचार में 6 महीने की अवधि के उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए युवा बॉयोमेडिकल वैज्ञानिक 2010 - 2011 के लिए आई सी एम आर अंतर्राष्ट्रीय अध्येता प्रदान किया गया; सदस्य, कोर कमेटी; राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन दिशानिर्देश चिकित्सा तत्परता एवं मास आपदा प्रबंधन (एन डी एम जी - एम पी एम सी एम)। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय, भारत सरकार; संकाय, उन्नत ट्रॉमा लाइफ स्पोर्ट (ए टी एल एस) पाठ्यक्रम, अमेरीकन सर्जन कॉलेज, भारत प्रोग्राम; अनुदेशक; आधारभूत गहन सुरक्षा स्पोर्ट (एफ सी सी एस) पाठ्यक्रम, गहन सुरक्षा चिकित्सा संस्था, यू एस ए; मेडिसिन विभाग, एम्स के वार्षिक सम्मेलन के सह-आयोजक सचिव, जे एल एन ए में अगस्त, 2010 को आयोजित "मेडिसिन अद्यतन" ; रेजिडेंट डाक्टरों, नर्सों, पैरामेडिक्स एवं सामुदायिक जनता के लिए बेसिक लाइफ स्पोर्ट पाठ्यक्रम (एम्स बेसिक आपात सुरक्षा पाठ्यक्रम); रेजीडेंट डाक्टरों एवं नर्सों के लिए उन्नत कार्डिएक लाइफ स्पोर्ट प्रशिक्षण; गहन अस्वस्थता एवं ट्रॉमैटिक इमर्जेंसी में सोनोग्राफी में यू एस सी एम एस "बी एल प्रोवाइडर" सदृश प्रशिक्षक।

डॉ. विजय शर्मा ए टी एल एस इंस्ट्रक्टर एवं प्रोवाइडर पाठ्यक्रम के लिए संकाय थे; लाइन्स क्लब दिसम्बर, 2010 की मानद सदस्यता प्रदान की गई थी; एम्स में 2011 में ए यू टी एल एस (उन्नत अल्ट्रासाउंड ट्रॉमा लाइफ स्पोर्ट) पाठ्यक्रम पूरा किया; 2011 में गुड़गांव में जीमर एजुकेशन द्वारा पूर्ण प्रशिक्षक पाठ्यक्रम के प्रशिक्षण में भाग लिया; एम्स ट्रॉमा सेंटर में बी पी आर एस पाठ्यक्रम में भाग लिया; एम्स ट्रॉमा सेंटर में बी पी आर एस पाठ्यक्रम के लिए ऑडीटर; 2011 में रोहतक में आयोजित प्रींसिपल्स पाठ्यक्रम के लिए ए ओ संकाय; संकाय बी ई सी सी पाठ्यक्रम (बेसिक इमर्जेंसी केयर पाठ्यक्रम)।

डॉ. संजीव लालवानी को विशिष्ट सेवा पुरस्कार - भारतीय जेरिएट्रिक संस्था नवम्बर, 2011 प्रदान किया गया था; आई सी एफ एम टी से "इंडो पैसीफिक लीगल मेडिसिन एवं साइंस संस्था, 2010 (आई एन पी ए एस एम एस, 2010) के आयोजन में उत्कृष्ट सहयोग के लिए पहचान" पर उत्कृष्ट पुरस्कार; आयोजक सचिव - "ट्रॉमा 2010'ष अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस एवं आई एस टी ए सी का तीसरा वार्षिक सम्मेलन, जे पी एन, एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली, 27-28 नवम्बर, 2010; सदस्य, आयोजक समिति, इंडो- पैसीफिक विधि, मेडिसिन एवं विज्ञान संस्था (आई एन पी ए एल एम एस) 2010, अमिटी विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एम्स और पी जी आई एम ई आर, 25-30 अक्तूबर, 2010 ।

डॉ. आदर्श कुमार के कार्यकाल को महासचिव, आई ए एफ एम के रूप में 2013 तक बढ़ाया गया था; अध्यक्ष, वैज्ञानिक समिति - चिकित्सा पद्धति में चिकित्सा अनदेखी एवं मुकदमेबाजी पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 20-21 फरवरी, 2011, गोवा।

डॉ. पूर्वा माथुर, वैज्ञानिक समिति, ट्रॉमा 2010 के अध्यक्ष थे, 26-28 नवम्बर, 2010 ।

डॉ. एस अरूलसेल्वी ने ट्रॉमा 2010 में शीर्षक "जनरल सर्जरी के लिए चयनात्मक ब्लड ऑर्डरिंग कार्यक्रम तथा भारत में टरटेयरी ट्रॉमा सेंटर में न्यूरोसर्जरी विभाग पर अध्ययन के लिए बेहतर पेपर पुरस्कार प्राप्त किया; श्रीफोर्ट ऑडीटोरियम, नई दिल्ली में 27-28 नवम्बर, 2010 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस एवं आई एस टी ए सी का तीसरा वार्षिक सम्मेलन; ब्लंट ट्रॉमा उदर रोगियों में शीर्षक "एमीलेज और लाइसेज आकलन का मूल्यांकन" के अध्ययन में बेहतर पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया; श्रीफोर्ट ऑडीटोरियम, नई दिल्ली में 27-28 नवम्बर, 2010 में आई एस टी ए सी के "ट्रॉमा 2010'ष अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस और

तीसरे वार्षिक सम्मेलन पर टरटेयरी ट्रॉमा केयर अस्पताल, नार्थ इंडिया में एक उत्तरव्यापी अध्ययन; 10 अगस्त, 2010 को दिल्ली चिकित्सा संस्था का 96वां स्थापना दिवस और समारोह बनाते समय और डी एम ए हाऊस, दरियागंज, नई दिल्ली में आयोजित डाक्टर दिवस समारोह पर बड़े स्तर पर चिकित्सा मातृत्व एवं समाज के कार्यकरण एवं प्रतिष्ठा के उन्नयन की दिशा में प्रदान की गई सेवाओं के लिए एक स्मृति चिन्ह प्राप्त किया; 2 विज्ञान स्नातकोत्तर (बॉयोटेक्नोलाजी) विद्यार्थियों। बी ई (बॉयोटेक्नोलाजी) और 4 एम एल टी विद्यार्थियों को मेरे मार्गदर्शन में विभिन्न विश्वविद्यालय से प्रशिक्षित किया गया; आर्मी बेस अस्पताल में 4 डी एन बी पैथेलॉजी विद्यार्थियों के लिए डी एन बी मूल्यांकक।

डॉ. सुमित सिन्हा को प्रतिष्ठित ए ओ स्पाइन अध्येता - हॉस्पिटल यूनिवर्टिरियों काजुरू, कुरूरटिबा ब्राजील में आचार्य लुइस विइली द्वारा प्रदान किया गया था अंतर्राष्ट्रीय जीवनी वार्षिकी हिस्ट्रोरियल संस्था और मेडिसिन के क्षेत्र में सहयोग करने के लिए नामित था।

डॉ. दीपक अग्रवाल को 28 मार्च, 2011- 24 अप्रैल, 2011 में बसेल युनिवर्सिटी हॉस्पिटल, बसेल, स्वीटजरलैंड में स्पाइन सर्जरी में प्रशिक्षण के लिए ए ओ स्पाइन अध्येतावृत्ति प्रदान की गई थी; 26-28 नवम्बर, 2010 को एम्स में आयोजित नर्सिंग कार्यशाला, ट्रॉमा, 2010 "अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आई सी यू सेटिंग में हैंड वाशिंग पद्धतियों में अनुपालन में सुधार लाने में कैमरा निगरानी के प्रभाव को निर्धारित करना" विषय के अध्ययन के लिए बेहतर पोस्टर पुरस्कार प्रदान किया गया था; 26-28 नवम्बर, 2010 को एम्स में आयोजित नर्सिंग कार्यशाला एवं सम्मेलन, ट्रॉमा, 2010, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "वेंटीलेटेड मरीजों में सी वी पी पर पीप का प्रभाव" विषय पर अध्ययन के लिए दूसरा बेहतर पोस्टर पुरस्कार प्रदान किया गया; 26-28 नवम्बर, 2010 में एम्स में आयोजित नर्सिंग कार्यशला एवं सम्मेलन, ट्रॉमा 2010 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "न्यूरोसर्जरी आई सी यू में रक्त दान में वृद्धि करने के लिए नर्सों द्वारा रक्त दान बोर्ड का प्रयोग" विषय के पेपर पर सह लेखन के लिए बेहतर पेपर पुरस्कार प्रदान किया; 26-28 नवम्बर, 2010 को एम्स में आयोजित नर्सिंग कार्यशाला एवं सम्मेलन, ट्रॉमा, 2010 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "न्यूरोसर्जरी आई सी यू में कीमती प्रयोज्य मदों के पुनःप्रयोग की लागत प्रभावकारिता को निर्धारित करने के लिए अध्ययन" पेपर विषय के सह लेखन के लिए तीसरा बेहतर पेपर पुरस्कार प्रदान किया; 26-28 नवम्बर, 2010 को एम्स में आयोजित नर्सिंग कार्यशाला एवं सम्मेलन, ट्रॉमा 2010 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सर्वीचल स्पाइन चोट में परिणाम के साथ डोपामाइन डिपेन्डेंट हाइपोटेंशन का संबंध" पर पेपर विषय के सह-लेखन हेतु तीसरा बेहतर पेपर पुरस्कार प्रदान किया; न्यूरोसर्जरी आई सी यू - जनरल आई सी यू से भिन्न पोल्स" विषय के अध्ययन के लिए बेहतर पोस्टर पुरस्कार प्रदान किया; 20-22 अगस्त, 2010 को भारतीय न्यूरोट्रॉमा संस्था के 19वें वार्षिक सम्मेलन, चेन्नई में ट्रॉमा सेंटर के न्यूरोसर्जरी आई सी यू में मोबाइल सी टी की उपयोगिता पर अध्ययन के लिए दूसरा बेहतर पोस्टर पुरस्कार प्रदान किया; 6 सितम्बर, 2010 को हैदराबाद, भारत में "जे पी एन ए टी सी में ओ पी डी - एम जी ओवरनैंस पहल में इलीमिनेटिंग करजेज हेतु एन गवर्नेंस में "ई इंडिया 2010 जूरीय चयन पुरस्कार प्राप्त किया; 23 जुलाई, 2010 में नई दिल्ली भारत में निर्धारित एम बिलिओंक कांग्रेस एवं पुरस्कार गाला के लिए एम स्वास्थ्य श्रेणी के लिए "एम बिलिओंक 2010 पुरस्कार" प्राप्त किया; 23 अप्रैल से 2 मई, 2010 तक हांग कांग में स्पाइन सेंटर में जाने के लिए "सिंकेस स्पाइन ऑबजरवरशिप प्रोग्राम से सम्मानित; अध्यक्ष, एम आर एम सी एम 2010 सम्मेलन, डी आर डी आई भवन, 6-7 मई, 2010; अध्यक्ष, राष्ट्रीय पण्यधारी परामर्शदात्री कार्यशाला, में 12-13 मई, 2010 को एन आई एस डी, नई दिल्ली में एल्कोहल के प्रयोग से संबंधित समस्याओं को संबोधित करना; अध्यक्ष, स्वास्थ्य सुरक्षा में लागत प्रभावी सूचना प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय परामर्शदात्री कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली, 5 मार्च, 2011 ।

डॉ. दीपक गुप्ता स्पाइन प्रशिक्षण, नवम्बर, 2010 के लिए ए ओ स्पाइन एशिया पैसीफिक क्षेत्रीय संकाय थे; मेडिकल यूनिवर्सिटी साऊथ कारोलिना, कालैस्टन, यू एस ए, के अभ्यागत संकाय के, सितम्बर, 2010; सेंट्रल मिलिट्री अस्पताल, परेगू चेक गणराज्य के अभ्यागत संकाय थे, जनवरी, 2010; इराजमस मेडिकल यूनिवर्सिटी के अभ्यागत संकाय थे, अगस्त, 2010 ।

डॉ. कामरान फारूखी को पांच सप्ताह, 3 अक्तूबर - 5 नवम्बर, 2010 के लिए हांक कांग में प्रतिष्ठित "ए ओ स्पाइन" शिक्षावृत्ति प्रदान किया गया था; 16-18 सितम्बर, 2010 को जी पी एन ए टी सी में ए टी एल एस संकाय थे; 25-26 नवम्बर, 2010 में जे पी एन ए टी सी में एफ सी सी एस पाठ्यक्रम; 2 से 4 दिसम्बर, 2010 तक कोटयम, केरल में ए टी एल एस संकाय;

जे पी एन ए टी सी में 29-31 दिसम्बर, 2010 तक ए टी एल एस संकाय; 8 जनवरी, 2011 को सफदरजंग अस्पताल में डी ओ ए सी ओ एन पर बेसिक स्पाइन कार्यशाला; ए टी एल एस संकाय, 19-21 फरवरी, जे पी एन ए टी सी; लक्षद्वीप में 26-28 फरवरी, 2011 तक एम्स बेसिक इमर्जेंसी केयर पाठ्यक्रम।

डॉ. विवेक त्रिखा को वर्ष 2010-11 के लिए नॉर्थ जोन भारतीय ऑर्थोपेडिक्स छात्रवृत्ति संस्था (एन जेड आई ओ ए) प्रदान किया गया था; क्लीनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा के पत्रिका के सम्पादक थे, दिल्ली आर्थोपेडिक्स संस्था का सरकारी प्रकाशन; वर्ष 2011-14 में संस्था का सरकारी प्रकाशन; वर्ष 2011-14 के लिए भारतीय ऑर्थोपेडिक्स ट्रॉमा सेक्शन पत्रिका के सम्पादकीय बोर्ड के लिए नामित किया गया था।

डॉ. अमित गुप्ता को ट्रॉमा में बेसिक प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्राक्टिव सर्जरी पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम संकाय के रूप में नियुक्त किया गया था (बी पी आर एस पाठ्यक्रम) - जिसे ट्रामा सर्जरी विभाग, जे पी एन, एपेक्स ट्रामा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली, भारत (2010) द्वारा तैयार किया गया था; पाठ्यक्रम संकाय के रूप में नियुक्त किया गया; सी वी आर एन आपात स्थितियों में आपात प्रत्युत्तर हेतु तत्परता पर पाठ्यक्रम - जिसे डी आर डी ई, ग्वालियर एवं राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार (2010-11) द्वारा तैयार किया गया था; सी बी आर एन समन्वय समिति, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार का सदस्य, 2010-2011; अंतर्राष्ट्रीय सर्जरी संस्था/सोसाइटे इंटरनेशनल डे चिरूजी (आई एस एस/एस आई सी) - 2010-2011 की कार्यकारी सदस्यता प्रदान की गई; अंतर्राष्ट्रीय ट्रामा सर्जरी एवं सर्जीकल इंटैनसिव केयर संस्था (आई ए टी एस आई सी) 2010-2011 की कार्यकारी सदस्यता प्रदान की गई; सदस्य विश्व आपदा एवं इमर्जेंसी मेडिसिन संस्था (डब्ल्यू ए डी ई एम) 2010-2011; कार्यकारी सदस्य; आपात एवं ट्रॉमा संबंधी शैक्षिक परिषद (ए सी ई टी)। इंडो - यू एस इमजोसी एवं ट्रॉमा सहयोग। आपात चिकित्सा प्रभाग, एम्स के बीच सहयोगात्मकता; आपात चिकित्सा प्रभाग, यू एस एफ, यू एस ए और स्टेट यूनिवर्सिटी, न्यूयार्क डाउनस्टैट, न्यूयार्क, यू एस ए - 2010-15; भारतीय सर्जन संस्था की लाइफ सदस्यता (ए एस आई) प्रदान की गई; कटारिया के, कुमार एस, गुप्ता ए, मिश्रा बी, सागर एस, सिंघल एम, मिश्रा एम सी द्वारा प्रस्तुत किए गए ऑरल पेपर के लिए द्वितीय पुरस्कार।

डॉ. मनीष सिंघल ने कटारिया के, कुमार एस, गुप्ता ए, मिश्रा बी, सागर एस, सिंघल एम, मिश्रा एम सी द्वारा प्रस्तुत ऑरल पेपर का दूसरा पुरस्कार जीता। उदर ट्रॉमा में डायग्नोस्टिक लैपेरोस्कोपी - लेवल एक ट्रॉमा सेंटर के अनुभव। पांचवां एम्स सर्जीकल सप्ताह और इंडोसर्ज - 2011 में। अंतर्राष्ट्रीय सी एम ई सह-लाइव कार्यशाला। 11-13 मार्च, 2011 एम्स, नई दिल्ली में।

डॉ. सुबोध कुमार को आपदा एमर्जेंसी मेडिसिन संबंधी विश्व संस्था की सदस्यता (डब्ल्यू ए डी ई एम) (यू एस ए) प्रदान किया गया था; ट्रॉमा एवं इमर्जेंसी सर्जरी संबंधी यूरोपीयन संस्था (ई एस टी एस), यूरोप की सदस्यता प्रदान की गई थी; अमेरिकन गेस्ट्रोइन्टेस्टीनल एवं इंडोस्कोपिक सर्जन संस्था (एस ए जी ई एस) यू एस ए की सदस्यता प्रदान की; राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान यू एस ए द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की गई थी जो जी एस सेठ, मेडिकल कालेज ,मुंबई द्वारा आयोजित अवलोकनात्मक अध्ययन 7 कार्यशाला में भाग लेने के संबंध में है, 15-17 मार्च, 2010; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सराकर द्वारा ट्रेवल अनुदान प्रदान किया गया था जो अप्रैल, 2010 में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "एस ए जी ई एस, वाशिंगटन डी सी, यू एस ए में इंडोस्कोपी सर्जरी की 12वीं विश्व कांग्रेस में पेपर प्रस्तुत करने के संबंध में है; एल्बर्ट बी, असलसेल्वी एस, सामर एस, कुमार एस, अग्रवाल डी, मिश्रा एम सी द्वारा प्रस्तुत ऑरल पेपर हेतु प्रथम पुरस्कार। भारत में, ट्रामा 2010 में 26-28 नवम्बर जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में टरटेयरी ट्रॉमा केयर सेंटर में जनरल सर्जरी एवं न्यूरोसर्जरी विभागों के लिए चयनात्मक ब्लड ऑर्डरिंग कार्यक्रम; एल्बर्ड वी, कपूर एन, अरूलसेल्वी एस, कुमार एस, सागर एस द्वारा प्रस्तुत पेपर के लिए प्रथम पुरस्कार। ब्लंट ट्रामा उदर रोगियों में एमीलेज एवं लीपेज आंकलन का मूल्यांकन; टरटेयरी ट्रॉमा केयर अस्पताल, नार्थ इंडिया में एक उत्तरव्यापी अध्ययन। ट्रॉमा 2010 में, 26-28 नवम्बर, जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली; किलाम्बी आर, बंसल वी के, तमंग टी, मिश्रा एम सी, कुमार एस द्वारा प्रस्तुत पेपर के लिए प्रथम पुरस्कार। "लैपेरोस्कोपिक स्यूचरिंग कौशल अधिग्रहण - प्रशिक्षित एवं नवदीक्षित सर्जनों के बीच एक तुलना - ए एस आई का दिल्ली राज्य चैप्टर, आर एम एल अस्पताल, नई दिल्ली, फरवरी,

2011; कटारिया के, कुमार एस, गुप्ता ए, मिश्रा बी, सागर एस, सिंघल एम, मिश्रा एम सी द्वारा प्रस्तुत ऑरल पेपर के लिए द्वितीय पुरस्कार। उदरीय ट्रॉमा में डायग्नोस्टिक लेपेरोस्कोपी - लेवल एक ट्रॉमा सेंटर के अनुभव। पांचवे एम्स सर्जीकल सप्ताह और इंडोसर्ज 2011 में अंतर्राष्ट्रीय सी एम ई सह-लाइव कार्यशाला। 11-13 मार्च, 2011, एम्स, नई दिल्ली में; पाठ्यक्रम संकाय के रूप में नियुक्त किया गया ; सी बी आर एन दुर्घटनाओं की आपात प्रतिक्रिया पर तैयारी संबंधी पाठ्यक्रम - डी आर डी ई ग्वालियर और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा विकसित; सदस्य, सम्पादकीय बोर्ड - वंड केयर एवं अनुसंधान संस्था की पत्रिका (जे डब्ल्यू एस सी आर);ट्रोपिबल गैस्ट्रोइन्ट्रोलॉजी के संबंध मं समीक्षक, पबमेड में सूचीगत पीर पुनरीक्षा पत्रिका; दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा बाह्य परीक्षक के रूप में नियुक्त।

डॉ. सुषमा सागर को विश्व आपदा एवं इमर्जेंसी मेडिसिन संस्था (डब्ल्यू ए डी ई एम) यू एस ए की सदस्यता प्रदान की गई थी; यूरोपीयन ट्रॉमा एवं इमर्जेंसी सर्जरी संस्था (ई एस टी ई एस) की सदस्यता प्रदान की गई थी; अंतरराष्ट्रीय बर्न इन्जुरी संस्था की सदस्यता प्रदान की गई थी; वन्ड केयर प्रोत्साहन संबंधी संस्था की सदस्यता प्रदान की गई थी; अमेरीकन सर्जन महाविद्यालय, ट्रॉमा संबंधी समिति, यू एस ए द्वारा प्रमाणित उन्नत ट्रॉमा लाइफ स्पोर्ट पाठ्यक्रम के संबंध में अन्तर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम निदेशक; बेसिक प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी (बी पी आर एस) पाठ्यक्रम के लिए एपेक्स ट्रॉमा सेंटर एम्स, नई दिल्ली में पाठ्यक्रम समन्वयक और संकाय; वण्ड उपचार एवं अनुसंधान संबंधी संस्था पत्रिका के सह-सम्पादक (जे डब्ल्यू एस सी आर); सदस्य, समीक्षा समिति, मेडिसिन एवं चिकित्सा विज्ञान पत्रिका (जे एम एम एस); एल्बर्ट वी, असलसेल्वी एस, सागर एस, कुमार एस, अग्रवाल डी, मिश्रा एम सी द्वारा प्रस्तुत ऑरल पेपर हेतु प्रथम पुरस्कार। भारत में, ट्रामा 2010 में 26-28 नवम्बर जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में टरटेयरी ट्रॉमा केयर सेंटर में जनरल सर्जरी एवं न्यूरोसर्जरी विभागों के लिए चयनात्मक ब्लड ऑर्डरिंग कार्यक्रम; एल्बर्ड वी, कपूर एन, अरूलसेल्वी एस, कुमार एस, सागर एस द्वारा प्रस्तुत पेपर के लिए प्रथम पुरस्कार। ब्लंट ट्रामा उदर रोगियों में एमीलेज एवं लीपेज आंकलन का मूल्यांकन; टरटेयरी ट्रॉमा केयर अस्पताल, नार्थ इंडिया में एक उत्तरव्यापी अध्ययन। ट्रॉमा 2010 में, 26-28 नवम्बर, जे पी एन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली; किलाम्बी आर, बंसल वी के, तमंग टी, मिश्रा एम सी, कुमार एस द्वारा प्रस्तुत पेपर के लिए प्रथम पुरस्कार। "लैपेरोस्कोपिक स्यूचरिंग कौशल अधिग्रहण - प्रशिक्षित एवं नवदीक्षित सर्जनों के बीच एक तुलना - ए एस आई का दिल्ली राज्य चैप्टर, आर एम एल अस्पताल, नई दिल्ली, फरवरी, 2011; कटारिया के, कुमार एस, गुप्ता ए, मिश्रा बी, सागर एस, सिंघल एम, मिश्रा एम सी द्वारा प्रस्तुत ऑरल पेपर के लिए द्वितीय पुरस्कार। उदरीय ट्रॉमा में डायग्नोस्टिक लेपेरोस्कोपी - लेवल एक ट्रॉमा सेंटर के अनुभव। पांचवे एम्स सर्जीकल सप्ताह और इंडोसर्ज 2011 में अंतर्राष्ट्रीय सी एम ई सह-लाइव कार्यशाला। 11-13 मार्च, 2011, एम्स, नई दिल्ली में; 25-27 सितम्बर, 2010 को संस्थान दिवस पर स्वास्थ्य प्रदर्शनी संबंधी ट्रॉमा सेंटर समन्वयक।

11.1 बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय

अध्यक्ष

डॉ. चित्रा सरकार, आचार्य विकृति विज्ञान

मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष

के. पी. सिंह

समय एवं सदस्यता

पुस्तकालय रविवार एवं अवकाश के दिनों सहित सप्ताह में सभी दिन चौबीस घंटे दिनांक 01 अगस्त, 2003 से खुला रहता है। इसकी नामावली में 2375 नियमित सदस्य तथा प्रतिदिन औसतन 375 पाठक पुस्तकालय में आते हैं।

सेवाएं

पुस्तकालय द्वारा प्रयोक्ताओं के लिए निम्नलिखित सेवाओं का विस्तार जारी है। इन सेवाओं को न केवल आधुनिक, अद्यतन बल्कि और अधिक सशक्त किया गया है।

1. बुक एलर्ट सेवा

इसमें एक विशेष माह में पुस्तकालय में जोड़ने हेतु नई पुस्तकों, मोनोग्राफ और पेम्फलेटों की मासिक सेवा सूची होती है।

2. पेरियोडिकल एलर्ट सेवा

इस सेवा में पिछले पंद्रह दिनों के दौरान पुस्तकालय द्वारा प्राप्त की जाने वाली नई पत्रिकाओं की सूची होती है।

3. इंटरलायब्रेरी लोन सेवाएं

पुस्तकालय द्वारा प्रयोक्ताओं के लाभ हेतु अनेक स्थानीय पुस्तकालयों के साथ इंटरलायब्रेरी/इंटरलइब्रेरी लोन सेवाएं चलाई जा रही हैं जिसके अंतर्गत उन दस्तावेजो को लिया जाता है जो पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं है।

4. रिप्रोग्राफिक सेवाएं

पाठकों की मांग की पूर्ति हेतु पुस्तकालय में तीन मशीनें जैसे कि दो डब्ल्यूसी 5638 एवं एक डब्ल्यूसी 7242 जिरोक्स इण्डिया लिमिटेड की कलर मशीने है। वर्ष के दौरान पाठकों के लिए एक सेवा के रूप में, भुगतान आधार पर, कुल 48,241 पृष्ठों की फोटोकॉपी की गई।

5. सी.डी. - रोम प्रिंटआउट सेवाएं

वर्ष के दौरान पाठकों को भुगतान के आधार पर लेखों के सार अथवा पूर्ण पाठ्य सामग्री वाले 6730 कंप्यूटर प्रिंट आउट पृष्ठ उपलब्ध कराए गए।

पुस्तक बैंक

बुक बैंक की सेवाएं स्नातकपूर्व एवं इंटर्न के लिए जारी रही। बुक बैंक के सदस्यों की कुल संख्या 94 है। बुक बैंक में कुल 2,735 से अधिक पुस्तकें है जो कि दीर्घावधिक आधार पर छात्रों को जारी की जाती हैं।

दृश्य-श्रव्य अनुभाग

पुस्तकालय में चार रंगीन टेलीविजन सेट तथा चार वीडियो कैसेट रिकॉर्डर हैं। पुस्तकालय में उपलब्ध वीडियो कैसेटों की संख्या 308 हैं। इस अनुभाग में चार ऑडियो कैसेट प्लेबैक डेक्स तथा 109 ऑडियो कैसटें हैं।

सीडी-आधारित सेवाएं

पुस्तकालय में विभिन्न डिजीटल पुस्तकें/पत्रिकाओं का कुल 1033 सी. डी.- रोम संग्रह है। इसे पुस्तकालय के अंदर पाठकों द्वारा उपयोग किया जा सकता है। विभिन्न विश्वकोश एवं शब्दकोश भी सी. डी. रोम पर प्राप्त किए जा सकते है।

पुस्तकालय ऑटोमेशन

पुस्तकालय में 16 टर्मिनलों वाला, 10 लेजर प्रिंटर, एक नेटवर्क लाइन प्रिंटर सहित केन्द्रीकृत सर्वर क्रियाशील है। विभिन्न पुस्तकालय व्यवस्था प्रक्रियाओं (जैसे - अधिग्रहण, सूचीकरण, अनुक्रम नियंत्रण तथा वितरण) को स्वचालित किया गया है। पुस्तकालय में एल. एस. प्रिमिया नामक सॉफ्टवेयर पैकेज का व्यावसायिक रूप से उपयोग किया जा रहा है।

कंप्यूटरीकृत शोध प्रबंध सर्च

पुस्तकालय में अब तक प्राप्त 5,575 शोध प्रबंधों को एक कंप्यूटर सर्च द्वारा ढूंढ़ा जा सकता है। प्रत्येक शोध प्रबंध के बारे में सूचना जैसे लेखक, शीर्षक, विभाग, गाइड का नाम, सह-गाइडों के नाम तथा संदर्भ विवरण, कंप्यूटर पर उपलब्ध है।

ऑनलाइन पत्रिकाएं

वर्तमान वर्ष में, पुस्तकालय में कुल 561 पत्रिकाएं इलेक्ट्रॉनिक तथा प्रकाशनों द्वारा प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक रूप में प्राप्त की हैं।

ओपेक (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस केटालॉग)

वर्ष 1985 के बाद के सभी रिकॉर्डों को कंप्यूटर द्वारा ढूंढ़ा जा सकता है। पुस्तकालय में अब तक प्राप्त किए गए कुल 5575 शोध प्रबंधों को ओपेक के द्वारा ढूढ़ा जा सकता है। ओपेक के द्वारा अन्य ढूंढ़े जा सकने वाले डाटाबेस में वीडियो कैसेट्स, ऑडियो कैसेट्स तथा कम्पेक्ट डिस्क शामिल हैं। पुस्तकालय में प्रवेश द्वार के पास लॉबी में छः ऑन लाइन पब्लिक एक्सेस टर्मिनल स्थापित किए गए हैं। जहां पर प्रयोक्ता ग्रंथ-सूची डाटाबेस ढूंढ़ सकते हैं और विशेष सूचना को ऑन लाइन के द्वारा प्राप्त कर सकते हैं। पत्रिकाओं के बारे में सूचना तथा हाल ही में प्राप्त संस्करणों की सूचना भी ओपेक के द्वारा प्राप्त की जा सकती है।

इंटसेट सेवाएं

पुस्तकालय में सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः 10.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक तथा शानिवार को प्रातः 10.00 बजे से रात्रि 8.30 बजे तक इंटसेट सुविधा उपलब्ध है। पुस्तकालय में प्रयोक्ताओं के लिए 22 नोड्स भी उपलब्ध हैं।

नवीन उपलब्धियां

पुस्तकालय में 319 नवीन पुस्तकें, 134 पत्रिकाओं के वाउंड वॉल्यूम, 97 पम्फलैट / रिपोर्ट, 264 नवीन शोध प्रबंध और अब इसे मिलाकर कुल 72,146 पुस्तकें, 67,920 बाउंड पत्रिकाएं तथा 17,129 पम्फलैट / रिपोर्ट हो गई है।

पुस्तकालय स्वास्थ्य विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में 767 पत्रिकाएं ले रहा है, जिनमें 561 पत्रिकाओं को उनके प्रिंट वर्जन के साथ-साथ इलैक्ट्रॉनिक रूप में प्राप्त किया गया। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र गाजियाबाद (एन.डी.डी.टी.सी.) की तरफ से 24 पत्रिकाएं प्रिंट तथा इलैक्ट्रॉनिक रूप में प्राप्त की गई जो कि पाठकों के लिए भी उपलब्ध हैं।

महत्वपूर्ण घटनाएं

इंटरनेट तथा वाई-फाई सुविधाओं के अलावा, पुस्तकालय ने पुस्तकालयी अभिलेखों की चोरी को रोकने के लिए एक इलेक्ट्रा-मैगेनेटिक सुरक्षा प्रणाली (ईएम + बारकोज) को भी से स्थापित किया हैं। पुस्तकालय की कुल 50,000 पुस्तकों को टिट्रोस्पेक्टिव केनवर्ज़न के दौरान एवं बार कोडिंग को सफलता पूर्वक सम्पन्न किया गया है।

पुरस्कार एवं सम्मान

1. श्री. के. पी. सिंह के होली मा मायायंग लाइब्रेरियन-एवार्ड ईटीटीएलआईएस-जून 2010 को जे.पी.यूनिवर्सिटी आफ इंफॉर्मेशन एंड टैक्नोलोजी, वाकनांघाट सोलन, हिमाचल प्रदेश द्वारा सम्मान प्रदान किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान की शिक्षा / राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्यख्यान :

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 1

11.2 कैफेटेरिया

अध्यक्ष
उप निदेशक (प्रशासन)

प्रभारी-संकाय
आचार्य ओ.पी. खरबंदा

लेखा अधिकारी
एस.के. गुप्ता

महा प्रबंधक
एस.के. कौशिक

उप-महाप्रबंधक
के.के.शर्मा

लक्ष्य एवं उद्देश्य

संस्थान के कर्मचारियों को उचित मूल्य पर पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए वर्ष 1972, में एम्स कैफेटेरिया की स्थापना की गई। वर्ष 1983 में इस कैफेटेरिया को निदेशक, कैंटीन, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार, के पास पंजीकरण कराया गया। अक्तूबर, 1991 में एम्स द्वारा कैफेटेरिया का कार्यभार अपने हाथों में ले लिया गया तथा कैफेटेरिया के सभी कर्मचारियों को एम्स के कर्मचारियों के समान ही माना जाता है। कैफेटेरिया संस्थान से बिना कोई वित्तीय सहायता प्राप्त किए 'न लाभ-न हानि" आधार पर चलाया जा रहा है।

प्रबंध समिति

संस्थान के निदेशक महोदय द्वारा कैफेटेरिया विभाग से संबंधित नीतिगत मामलों पर निर्णय लेने के लिए एक प्रबंध समिति का गठन किया गया। समीक्षा वर्ष के दौरान निम्नलिखित व्यक्ति समिति के सदस्य थे।

1.	उप-निदेशक, प्रशासन	अध्यक्ष
2.	आचार्य एस. रस्तोगी	सदस्य
3.	आचार्य वी. के. पॉल	सदस्य
4.	आचार्य बीर सिंह	सदस्य
5.	श्रीमती रश्मि जैन, वरिष्ठ वित्त सलाहकार	सदस्य
6.	श्रीमती बसंती दलाल, वित्त सलाहकार	सदस्य
7.	श्री बी. एस. आनंद, अधीक्षण अभियंता	सदस्य
8.	श्री एस. के. गुप्ता, लेखा अधिकारी	सदस्य
9.	श्रीमती प्रीति आहलूवालिया, कल्याण अधिकारी	सदस्य
10.	श्रीमती स्वप्ना चतुर्वेदी, मुख्य आहार विद	सदस्य
11.	आर.डी.ए. का प्रतिनिधि	सदस्य
12.	ऑफिसर्स एसोसिएशन का प्रतिनिधि	सदस्य
13.	नर्सिस यूनियन का प्रतिनिधि	सदस्य

14.	कर्मचारी यूनियन का प्रतिनिधि	सदस्य
15.	फेम्स का प्रतिनिधि	सदस्य
16.	आचार्य ओ. पी. खरबंदा	सदस्य-सचिव
17.	श्री एस. के. कौशिक, महाप्रबंधक, कैफेटेरिया	सदस्य

सेवाएं

कैफेटेरिया द्वारा संस्थान के लगभग 9000 कर्मचारियों को सेवाएं प्रदान करने के लिए निम्नानुसार यूनिटें चलाई जाती हैं। ये निम्नलिखित प्रकार से हैं :-

1. जवाहर लाल नेहरू सभागार के निकट स्थित मुख्य कैफेटेरिया (24 घंटे सेवा)।
2. मुख्य अस्पताल की नौंवी मंजिल पर स्थित मेन ऑपरेशन थियेटर कैफेटेरिया।
3. सी. एन. सी. कैफेटेरिया, केन्द्र की दूसरी मंजिल पर स्थित।
4. डॉ. आर. पी. सी. ओ. टी. कैफेटेरिया, केन्द्र की पांचवी मंजिल पर स्थित।
5. मुख्य कैफेटेरिया के निकट स्थित संकाय कक्ष कैफेटेरिया।
6. डॉ. बी. आर. ए. सं. रो. कैं. अ. कैफेटेरिया, केंद्र की तीसरी मंजिल पर स्थित।
7. दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र।

इसके अतिरिक्त, कैफेटेरिया निदेशक, संकायाध्यक्ष, उपनिदेशक (प्रशासन), चिकित्सा अधीक्षक तथा संकाय-सदस्यों को उनकी दिन-प्रतिदिन की आवश्यकताओं के साथ-साथ महत्वपूर्ण बैठकों हेतु विशेष आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु भी सेवाएं प्रदान करता हैं। एम.डी./एमएस/एमडीएस परीक्षाओं के दौरान और इसके साथ ही साथ संस्थान निकाय, शासी निकाय, एवं स्थायी समितियों के दौरान आगंतुक प्रतिनिधियों के लिए भी कैटरिंग की सेवाएं प्रदान की गई।

स्टाफ क्षमता

कैफेटेरिया में कार्यरत कर्मचारी की कुल संख्या 81 (नियमित / तदर्थ / अस्थायी) है। एम्स के 9000 कर्मचारियों के साथ ही साथ सरकारी बैठकों, सम्मेलनों तथा संगोष्ठियों के लिए कैटरिंग सेवाएं प्रदान की गई।

कैफेटेरिया कर्मचारियों की चिकित्सीय जांच

भोजन से संबद्ध होने के कारण वर्ष में एक बार कैफेटेरिया कर्मचारियों की चिकित्सीय जांच की गई।

विकास गतिविधियां

समीक्ष्य वर्ष के दौरान कैफेटेरिया में हाट फूट ट्रॉली जोरजिया टी / कॉफी मशीन की संस्थापन के द्वारा संकाय को स्वस्थ पौष्टिक आहार सेवाएं के द्वारा अनेक परिवर्तन किए गए।

भावी योजनाएं

कर्मचारियों को स्वास्थ्यकर एवं हायजीन सेवाएं प्रदान करने के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी सहित श्रेष्ठ सुख सुविधाओं उपकरणों सहित / बहु मांजिली कैफेटेरिया के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है। एचएससीसी के साथ अनेक बैठकों को आयोजित करने के साथ एक विस्तृत कार्यात्मक प्रस्ताव तैयार किया गया है।

11.3 केंद्रीय पशु सुविधा

प्रभारी आचार्य
डी.एन.राव

वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी
पी.के.यादव

पशु चिकित्सा अधिकारी
विजेंद्र सिंह

वर्ष 2010-11 के दौरान, पशु सुविधा विभाग में पशुओं का रखरखाव निष्पादित किया गया। (इसमें छोटे पशु, रोडेंट्स, भेड एवं मानव भिन्न आदिम स्वंदर शामिल हैं)। इस एम्स की गतिविधियों का विवरण निम्न प्रष्ठम से है :

छोटे पशु (रोडेंट)

वर्ष 2010-11 में निम्नलिखित छोटे पशुओं का रखरखाव निष्पादित किया गया।

1. चूहे (विस्टर)	1107	:	2. चूहे (स्प्रग डॉले)	288
3. चूहिया (स्विस)	561	:	4. खरगोश (न्यूजीलेंड)	93
5. गिनी पिग (डंकिग हार्टली)	70	:		

संस्थान के विभिन्न विभागों को कुल 4421 छोटे पशु (चूहे, चुहिया, खरगोश/खरगोश तथा गुन्निया पिंग) उपलब्ध कराये गए और दिल्ली के बाहर के अन्य संस्थानों को काफी पशु जैसे चूहे 220, चूहिया 775, खरगोश 11, गुन्निया पिंग-121 एवं बंदर (रीसस) 5 बेचे गए।

बड़े पशु (भेड़)

सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग द्वारा अनुसंधान कार्य संचालित करने हेतु पशु सुविधा विभाग में 3 भेड़ हैं।

मानव भिन्न आदिम (बन्दर)

1 अप्रैल, 2010 की जनगणना के अनुसार बंदरों की कुल संख्या	53	मृत्यु संख्या	5
कॉलोनी में जन्में	शून्य	राष्ट्रीय मस्तिष्क शोध केंद्र से प्रदत्त	5
31 मार्च, 2011 को बंदरों की कुल संख्या	43		

प्रजनन कार्यक्रम

सभी बंदरों का प्रजनन पिंजरों तथा खुले में घूमते हुए किया गया। मानव भिन्न आदिम बंदरों के लिए तीन इन्डोर मार्का है जिनका प्रयोग पिंजरों में रखे गए सभी बंदरों को व्यायाम कराने के लिए किया जाता है।

पुर्नवास सुविधा

बंदरों के पुनर्वास हेतु एक कार्यक्रम सन् 2000 में आरम्भ किया गया था। उन सभी बंदरों को जिन्हें प्रयोगों में 3-5 वर्ष के लिए प्रयुक्त किया जा चुका था, तथा बृद्ध बन्दरों को खुले में तथा अन्य बंदरों को पिजड़े में रखा गया। इनमें से अधिकांश बन्दरों (वृद्ध बंदरों सहित प्रयोग के पश्चात) के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार के तहत सीपीसीएसईए के माध्यम से स्थायी रूप से पशु कल्याण संगठनों के पास पुर्नवासित किया गया।

संचालित की गई नैदानिक प्रक्रियाएं

एकत्रित रक्त नमूने	53	शारीरिक परीक्षण, क्षयरोग और भार के लिए जांच	55
रूधिरविज्ञानी जांच	53	रक्त रसायन	53
एक्स-रे	31		
अन्य प्रक्रियाएं	931		

(ट्रामा उपचार, स्त्रीरोग प्रक्रियाएं, ए एस डी उपचार आदि)

प्रायोगिक शल्य चिकित्सा

संस्थान के विभिन्न विभागों द्वारा केंद्रीय पशु सुविधा में छोटे तथा बड़े पशुओं पर कुल 106 शल्य प्रक्रियाएं एवं विकिरणविज्ञानी जांचे निष्पादित की गई। (इनमें शल्य चिकित्सा, जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी एकक, तंत्रिका शल्य चिकित्सा, बाल शल्य चिकित्सा, प्रायोगिक काय चिकित्सा तथा विकृति विज्ञान शामिल थे)।

संस्थागत पशु एथिक्स समिति (आईएईसी)

समीक्ष्य वर्ष के दौरान संस्थागत पशु एथिक्स समिति ने छोटे पशुओ (रोडेन्ट्स) संबंधी 29 परियोजनाओं एवं बड़े पशुओं (बंदरों) संबंधी एक परियोजना को पूर्ण किया गया।

प्रदत्त सेवाएं

सूक्ष्मजैव विज्ञान, जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरी एकक, जैव रसायन, जैव प्रौद्योगिकी, बाल शल्य चिकित्सा, प्रजनन जैव विज्ञान, शरीररचना विज्ञान, मनोरोग, विकृतिविज्ञान, प्रायोगिक कायचिकित्सा, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभागों से संबंधित पशुओं के प्रबंध हेतु एक विभागीय विंग क्रियाशील है। इस विंग में रखे गए पशुओं की संख्या इस प्रकार है- चूहे-182, रैट्स-100, माइस-200, खरगोश 30 एवं गिनी पिग-04।

प्रायोगिक पशु सुविधा द्वारा विभिन्न अन्वेषकों को सेरा के निर्वात शुष्कन तथा सीरम नमूनों के भंडारण, रूधिर विज्ञान, नैदानिक जैव रसायन, एक्स-रे तथा सूक्ष्मदर्शी सुविधा के लिए प्रयोगशाला सुविधाएं प्रदान की गई।

शैक्षिक कार्यक्रम

1. डॉ. पी. के. यादव, वरिष्ठ पशुचिकित्सा अधिकारी एवं श्री धनंजय कुमार, एनिमल हाउस अटेंडेंट ने मिलकर (मिनीमली इनवेसिव सर्जरी ट्रेनिंग केंद्र, शल्यचिकित्सा विभाग, एम्स में पशुओं के साथ सहयोग प्रदान किया।
2. डॉ. पी. के. यादव, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी में 'केयर, ब्रीडिग एंड मैनेजमेंट ऑफ लेबोरेटरी एनिमल' विषय पर पशुओं के काल्याण कार्यक्रम के दौरान, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय पशु कल्याण संस्थान में व्याख्यान दिया।

11.4 के. एल. विग आयुर्विज्ञान शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र

अध्यक्ष

आचार्य आर. सी. डेका, निदेशक, एम्स

प्रभारी आचार्य

आचार्य एस. दत्ता गुप्ता

(04 फरवरी, 2009-04 मई, 2010)

आचार्य एस.के. पाण्डा

(04 मई, 2010-09 मार्च, 2011)

आचार्य के. के. दीपक

(10 मार्च, 2011 आगे)

समन्वयक (आयुर्विज्ञान)

राकेश यादव

समन्वयक (दंत विज्ञान)

ओ.पी.खरबंदा

शिक्षाविशारद

बी. वी. अदकोली

एजुकेशन मीडिया जनरलिस्ट

योगेश कुमार

शिक्षा

श्री योगेश कुमार ने नर्सिंग कॉलेज, एम्स की नर्सिंग छात्राओं के लिए मीडिया एवं संचार से संबंधित विषयों पर 10 सत्र (प्रत्येक 2 घंटे का) संचालित किए।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

आयोजित, सम्मेलन, सेमीनार कार्यशाला

श्री योगेश कुमार द्वारा विभिन्न विषयों पर 9 हाउस - इन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

1. जोटेरो का उपयोग करके रिसर्च विबलियोग्राफी प्रबधन	10 नवंबर, 2010
2. जोटेरो का उपयोग करके रिसर्च बिबलियोग्राफी मैनेजमेंट	15 दिसंबर, 2010
3. एमएस वर्ड का उपयोग करके वैज्ञानिक लेख हेतु टुल्स	04 जनवरी, 2011
4. एमएस वर्ड का उपयोग करके वैज्ञानिक लेखो हेतु टुल्स	11 जनवरी, 2011
5. एमएस वर्ड का उपयोग करके वैज्ञानिक लेखो हेतु टुल्स	18 जनवरी, 2011
6. इंटरनेट का उपयोग करके स्वास्थ्य विज्ञान में सूचना पुनः प्राप्ति	25 जनवरी, 2011
7. इंटरनेट का उपयोग करके स्वास्थ्य विज्ञान में सूचना पुनः प्राप्ति	01 फरवरी, 2011

8. प्रभावी प्रस्तुतीकरण प्रवीणता	08 फरवरी, 2011
9. पावर पोवाइट में एमिनेशन का उपयोग	25 मार्च, 2011

सीमेट ने संस्थान के अन्य विभागों द्वारा संचालित 10 क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/कार्यशालाओं के लिए तकनीकी सहायता, ए/वी उपकरण एवं कंप्यूटर सहित स्थान तथा सुविधा उपलब्ध कराई। सीमेट द्वारा कॉलेज ऑफ नर्सिंग के लिए कंप्यूटर सुविधा द्वारा आयोजित प्रयोगात्मक सत्रों के लिए भी इस तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई।

वैज्ञानिक लेखन पर इंटरएक्टिव सत्र

सीमेट द्वारा नैदानिक जान रोग विज्ञान एकक के संकाय सदस्यों एवं वैज्ञानिक पत्रिकाओं के संपादकों के संयुक्त रूप से वैज्ञानिक लेखो के आलोचनात्मक मूल्यांकन सहित पांच इंटरएक्टिव सत्रों की श्रेणी का आयोजन किया गया।

आयुर्विज्ञान शिक्षा पर व्याख्यान माला

सीमेट द्वारा यह एक अद्वितीय पहल है जिसमें इंटरएक्टिव सत्रों द्वारा आयुर्विज्ञान शिक्षा के विभिन्न पहलुओं में रेडिडेंट डॉक्टरों एवं पी.एच.डी. छात्रों को सुग्राही बनाया गया। इसमें मुख्य रूप अग्रलिखित विषयों को चुना गया : समूह वार्ता, पाठ्यक्रम की डिज़ाइन तैयार करना, आकलन रणनीति, संरचनात्मक प्रश्न, एम सी क्यू एवं मद विश्लेषण, शिक्षण प्रणाली विज्ञान, व्याख्यान मेंधा एवं सूक्ष्म शिक्षण, ओ एस सी ई और ओ एस सी ई; ससस आधारित शिक्षा, इथिक्स एवं व्यवसायिकरण; चिकित्सा शिक्षा एवं शैक्षिक अनुसंध ाान में मीडिया है।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान : 20

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 10

रोगी उपचार एवं मीडिया संबंधित गतिविधियों में सहायता समीक्ष्य वर्ष के दौरान मीडिया उत्पादन का विवरण

नैदानिक फोटोग्राफी	1045
एक्स-रे, नमूने, जैल	4591
इमेजों की स्कैनिंग (स्लाइड, दस्तावेज, फोटो)	4661
विडियो रिकॉर्डिंग एवं संपादन	400
बड़े आकार वाले पोस्टरो की डिजाइनिंग प्रिटिंग	1125
पर्दे पर प्रस्तुतीकरण	345

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य के. के. दीपक, सदस्य शिक्षा समिति, अंतरराष्ट्रीय शरीर क्रिया विज्ञानी संघ (आई यू पी एस); सदस्य, सलाहकार समिति; केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई); सदस्य; भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद (एमसीआई) के स्नातकपूर्व एमबीबीएस पाठ्यक्रम एवं स्नातकोत्तर (एमडी शरीर क्रिया विज्ञान) पाठ्यक्रम; 14 सितम्बर 2010 तक, दामम विश्वविद्यालय में, आईडी ईएएल कंसोटियम के लिए 'आटेम बैफ एडमिनिस्ट्रेटर' के पद पर कार्य किया। दामम विश्वविद्यालय; सऊदी अरब हेतु 'परीक्षा हेतु नीतियां एवं प्रक्रियाओं' पर दस्तावेजों का निर्माण किया है; शैक्षिक परिषद् के सदस्य, भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनएसएनआईएस), पटियाला; सदस्य, संपादकीय मंडल, इंटरनेशनल जोनरल ऑफ योग, भारत सदस्य नियुक्ति, पत्रिका के संपादकीय मंडल - हेल्थ रिनेनेसंस, बीपीके आईएचएस, नेपाल; अल-अमीर जोनरल ऑफ मेडिकल साइंसेस भारत के लिए संपादकीय मण्डल में सदस्य रहे; आगे लिखी पत्रिकाओं के समीक्षक : इण्डियन जोनरल ऑफ मेडिकल रिसर्च, जोनरल ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिसिन; इंटरनेशलन जोनरल ऑफ योगा, मेडिकल एजुकेशन, मेडिकल टीचर।

डॉ. बी. वी. अदकोली को शैक्षिक निकायों की सदस्यता प्रदान की गई, सदस्य, एसोसिएशन फॉर मेडिकल एजुकेशन इन योरोप (एएमईई), सदस्य, साउथ ईस्ट एशियन रीजन एसोसिएशन फॉर मेडिकल एजुकेशन (एसईएआरएएमई) एवं इंटरनेशनल क्लिनिकल इपिडिमियोलॉजी नेटवर्क (आईएनसीएलईएन); अंतरराष्ट्रीय पात्रे पत्रिकाओं के लिए समीक्षक, एडवांसेस इन मेडिकल एजुकेशन एण्ड प्रैक्टिसेस (डव प्रेस), बीएससी इमरजेंसी मेडिसीन (बायोमेडिकल सेंट्रल), एडवांसेस इन हेल्थ साइंसेस एजुकेशन (श्रीनगर)।

आयोजित प्रदर्शनी

आचार्य ओ. पी. खरबंदा के नेतृत्व में सीमेट द्वारा दो प्रदर्शनियों के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई।

पहली प्रदर्शनी थी संस्थान का 55वां स्थापना दिवस पर आयोजित प्रदर्शनी का विषय "फ्रंटियर्स इन हेल्थ केयर प्रैक्ट्रिसेस" (25-27 सितंबर 2010)। इन प्रदर्शनी में सैकड़ो पोस्टर्स वीडियो / विडियो सजीव प्रदर्शन शामिल थे इसके अलावा स्किट एवं रोल प्ले भी थे। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय स्वास्थ्य एवं कल्याण मंत्री द्वारा किया गया और इसमें बड़ी संख्या में आम लोगों ने भाग लिया।

दूसरी प्रदर्शनी का विषय था "स्टेट ऑफ सांईस एण्ड टैक्नोलॉजी इन इण्डिया" इसका आयोजन राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, प्रगति मैदान, नई दिल्ली द्वारा कामनवेल्थ खेल 2010 के अवसर पर किया गया। इसमें यह दर्शाया गया कि भारत में अन्य विज्ञान एवं तकनीकी संस्थानों की तरह ही एम्स में भी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध है।

11.5 कंप्यूटर सुविधा

प्रभारी - आचार्य

आचार्य पी. पी. कोतवाल

सिस्टम विश्लेषक

एस. कैलाश | एस. एन. रघु कुमार | सतीश प्रसाद

वरिष्ठ प्रोग्रामर

सुशील कुमार मेहर | संजय गुप्ता | वी. के. जिन्दल

एस. पी. सिंह | विनय पांडे

प्रोग्रामर्स

हरी शंकर, पवन कुमार शर्मा, मनोज कुमार सिंह, तृप्ता शर्मा, संजीव कुमार, अमित भाटी, अंकिता सैनी, श्यामल बरूआ

शिक्षा

जैव प्रौद्योगिकी विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों तथा नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं के लिए सिद्धांत एवं व्यवहार दोनों पक्षों को सम्मिलित करते हुए, कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग की कक्षाओं का संचालन किया गया। विभाग द्वारा जैव प्रौद्योगिकी विभाग के छात्रों हेतु बायोइन्फोर्मेटिक्स कक्षाओं का संचालन किया गया जिसमें लाइनेक्स और सी लैंग्वेज स्ट्रक्चर I, II एवं अप्रत्यक्ष माकौव मॉड्ल्स (एचएमएम) की शिक्षा दी गई। इसके अतिरिक्त, एचएल7, एसएनओएमईडी, पीएसीएस, आईसीडी, आईसीसीएस, एक्सएमएल एवं यूएमएल सहित मेडिकल इंफोर्मेटिक्स का अध्ययन करने हेतु तैनात सशस्त्र सेना अधिकारियों को भी नए पाठ्यक्रम मॉड्यूल्स का प्रयोग करते हुए 2 वर्ष की अवधि हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

स्नातक-पूर्व

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के बी.एस-सी. (ऑनर्स) नर्सिंग की अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिए कम्प्यूटर के बेसिक, इंटरनेट, विंडों एप्लीकेशंस, कम्प्यूटर - एडिड लर्निंग, डाटाबेस तथा जैव सांख्यिकी पर एक त्रैमासिक पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष के दौरान बी.एस-सी नर्सिंग (पोस्ट प्रमाणपत्र) की छात्राओं हेतु एक कम्प्यूटर पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

कम्प्यूटर सुविधा के सदस्यों ने क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय सम्मेलनों में लिया और व्याख्यान दिए। कंप्यूटर सुविधा के सदस्यों ने दिल्ली तथा दिल्ली के बाहर के विभिन्न इंजीनियरी कॉलेजों के कम्प्यूटर एप्लीकेंशस (बी.सी.ए., बी.ई., बी. टेक, एम.सी.ए) के छात्रों हेतु विभिन्न सॉफ्टवेयर परियोजनाओं हेतु भी मार्गदर्शन प्रदान किया।

सेवाएं

अस्पताल कम्प्यूटरीकरण

मुख्य अस्पताल डॉ. रा. प्र. केंद्र एवं दंत शिक्षा तथा अनुसंधान केंद्र

वर्ष के दौरान कंप्यूटर सुविधा द्वारा निम्नलिखित सॉफ्टवेयर, विकास तथा कार्यान्वयन गतिविधियां निष्पादित की गई : मुख्य अस्पताल, दंत ओ.पी.डी., दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, आपात कालीन पंजीकरण (वर्ष 1992), दाखिला पंजीकरण (लघु एवं दीर्घ दोनों दाखिलों हेतु) मुख्य अस्पताल एवं रा. प्र. केंद्र (आपात) सहित विकसित किए गए मॉड्यूल्स का निरंतर अनुरक्षण तथा विकास/अपग्रेडेशन कार्य निरंतर निष्पादित किया जा रहा है। स्क्रीनों को द्विभाषी (अंग्रेजी व हिंदी) बनाया गया है और पंजीकरण कार्डों पर शीर्षक अंग्रेजी व हिंदी दोनों में मुद्रित किए गए। इसके साथ-साथ जठरांत्र रोग विज्ञान, अस्थिरोग विज्ञान, हृद वक्ष एवं

वाहिका शल्य चिकित्सा जैसे विभागों, सी.डी.ई.आर. के प्रोस्थोडोंटिक्स एवं मैक्सिलोफेशियल विभाग व भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग जैसे नैदानिक विभागों के लिए रोगियों की छुट्टी के सार संबंधी मॉड्यूल्स का विकास किया गया और इसका नियमित रूप से अनुरक्षण तथा यूजर्स की आवश्यकताओं अनुरूप सॉफ्टवेयर को अपग्रेडेड किया गया। केंद्रीय कार्यशाला के लिए एक सॉफ्टवेयर पैकेज जिसमें जोब कार्ड मैनेजमेंट, स्टॉक एवं इन्वेंट्री मैनेजमेंट, मरम्मत, संस्थापन एवं निरस्तीकरण प्रक्रियाओं का प्रबंधन का विकास किया गया और इसका प्रथम चरण को कार्यान्वित किया गया। लाइन प्रबंधन प्रणाली के लिए मुख्य ओपीडी पंजीकरण में इलेक्ट्रोनिक आधारित टोकन प्रणाली को अरम्भ किया गया।

हमने एबी 1 वार्ड के लिए प्रयोगशाला मॉड्यूल का विकास किया और इसे आपात प्रयोगशाला में प्रयोगशाला चिकित्सा और इसे आपात एवं नए आपात वार्ड में 6 विभिन्न स्थानों में इसे कार्यान्वित किए जाने की प्रक्रिया में है।

मुख्य विकिरण विज्ञान विभाग एवं नए आपात वार्ड के बीच पीएसीएस प्रणाली से सक्सेसिंग इमेजों हेतु एक नया नेटवर्क लिंकिग प्रणाली को कार्यान्वित किया गया इसके पायलट परीक्षण का कार्य निष्पादित किया गया।

डॉ. बी. आर. अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल :

ओ.पी.डी. (नए व पुराने रोगी), अंतरंग रोगियों का कम्प्यूटरीकृत पंजीकरण, डे केयर पंजीकरण, डे केयर रोगियों की अपाइंटमेंट तथा उनकी अस्पताल से छुट्टी संबंधी कार्य, ई-बिलिंग, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान एवं विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग में अंतरंग रोगियों की छुट्टी संबंधी कार्य तथा बाहरी और अंतरंग रोगियों का प्रयोगशाला पंजीकरण ऑनलाईन तथा पेरीफेरल समीयर, मल्टीपल माइलोमा एवं बोन मैरो हेतु रोगियों की रिपोर्ट तैयार करना और किसी भी स्थान से किसी भी समय पुनः प्राप्ति हेतु रोगियों के डाटाबेस में भी स्टोर करने के कार्य संबंधी मॉड्यूल्स सफलतापूर्वक चल रहे हैं। पहले से क्रियान्वित किए मॉड्यूल्स को प्रयोक्ता की मांग के अनुसार निरंतर मॉनीटर, अनुरक्षित तथा परिवर्धित किया जा रहा है।

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र :

फरवरी, 2009 से हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र में ओ.पी.डी. एवं क्लिनिकों में नए रोगियों का इलेक्ट्रॉनिक पंजीकरण सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया। इन मॉड्यूल्स का निरंतर अनुरक्षण किया गया। तंत्रिका शल्य चिकित्सा रोगियों हेतु एक लेन आधारित डिस्चार्ज समरी विकसित की गई और यह सफलतापूर्वक चल रही है। इसके साथ - साथ ऑपरेशन थियेटर नोट्स तथा ऑपरेशन थियेटर लिस्ट संबंधी सॉफ्टवेयर क्रियान्वित किया जा चुका है और सफलतापूर्वक चल रहा है।

शैक्षिक अनुभाग एवं सूचना प्रणाली

एम.बी.बी.एस. छात्रों के संस्थान में प्रवेश से लेकर उनके पाठ्यक्रम पूरे करने तक सभी कार्यों को समाहित करते हुए उनके लिए छात्र सूचना एवं प्रबंध प्रणाली का पूरी तरह से स्वचालित कर दिया गया है। इस सिस्टम का प्रदर्शन संकायाध्यक्ष तथा उप-संकायाध्यक्ष (शैक्षिक) के सम्मुख किया गया। सिस्टम कार्यान्वियन हेतु तैयार है।

छात्रावास अनुभाग

छात्रों एवं रेजिडेन्टों के लिए कमरे का आबंटन व प्रतीक्षा सूची को अद्यतन करने हेतु छात्रावास अनुभाग के मॉड्यूल का प्रदर्शन निदेशक, संकायाध्यक्ष, छात्रावास अधीक्षक, छात्र यूनियन तथा रेजीडेन्टों के साथ - साथ एम्स के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के सम्मुख किया गया। इसे क्रियान्वित कर दिया गया है और यह सफलतापूर्वक चल रहा है।

विभाग द्वारा संस्थान की स्थापना दिवस समारोहों में भाग लिया गया और एम्स में हेल्थ केयर ऑटोमेशन पर कंप्यूटर सुविधा द्वारा इन हाउस सॉफ्टवेयर विकास कार्यों के निष्पादन को मानवीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार के समुख केंद्रो : वर्तमान स्थिति एवं भावी परीदृश्य को प्रस्तुत किया गया।

विभाग के सदस्यों एम्स में राष्ट्रीय ज्ञान प्रबंधन नेटवर्क समूह में भी संबंधित रहे हैं।

प्रशासनिक कंप्यूटरीकरण

एम्स वित्त और प्रशासन के लिए सॉफ्टवेयर को विकसित/रखरखाव किया गया और कर को इलेक्ट्रॉनिक फाइल करने विश्लेषण/डिज़ाइन/वैयक्तिक सूचना प्रणाली के विकसित किया गया।

परीक्षा अनुभाग कंप्यूटरीकरण

वर्ष 2010-11 के लिए एमडी/एमएस/एमडीएस और जूनियर रेजीडेंटो (गैर-शैक्षिक) के चयन के लिए कंप्यूटर सुविधा द्वारा दो बार कंप्यूटरीकरण ऑन लाइन काउन्सलिंग समन्वित तथा संचालित की गई। सभी परीक्षा परिणामों तथा सूचनाओं को एम्स की वेबसाइट सर्वर पर ऑन लाइन होस्ट किया गया।

सूचना प्रौद्योगिकी इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं नेटवर्किंग, इंटरनेट प्रबंधन गतिविधियां

1. यूजर आई.डी. आधारित इंटरनेट एक्सेस सिस्टम का कार्यान्वियन किया गया।
2. नेटवर्क का उपयोग करने वालो के लिए नेटवर्क आधारित इंट प्वॉइट एंटी वायरस सिस्टम को प्रदान किया गया।
3. वायरलेस नेटवर्किंग हेतु सुविधा प्रबंधन : सिस्टम मांग, संविदा विकास, स्पोर्ट सिस्टमों का कार्यान्वियन तथा छात्रों की सहायता हेतु कॉल सेंटर।
4. नया वेबमेल सिस्टम का परीक्षण एवं संस्थापन संबंधी कार्य निष्पादित किया गया।
5. कम्प्यूटर नेटवर्कों की सुरक्षा हेतु यूनिफाईड ट्रीट मैनेजमेंट सिस्टम के. वर्जन का अपग्रेडेशन व संस्थापन कार्य निष्पादित किया गया।
6. कुल 18 छात्रावासों में वायरलेस नेटवर्किंग जोनों में इंटरनेट वाई-फाई जोन का निर्माण किया गया। जिससे छात्र व रेजीडेंट डॉक्टर आन लाईन जर्नल देख सकें। अब तक कुल 1200 छात्र इस सुविधा का लाभ उठा चुके हैं।

मार्च, 2011 तक वायरलेस कनैक्शन प्रयोक्ताओं (पाठ्यक्रम वार) का विवरण

पाठ्यक्रम	**संख्या**
एम. बी. बी. एस.	289
एम. डी.	23
एम. एस	8
जूनियर रेजीडेंट	260
डी. एम.	8
एम.सी-एच.	8
जूनियर रेजीडेंट	220
बी. एस-सी.	72
एम. एस-सी.	89
पी. एच. डी.	193
निदेशक कार्यालय, उप - निदेशक (प्रशा.), कम्प्यूटर सुविधा	14
कुल	**1184**

मार्च, 2011 तक वायरलेस कनैक्शन प्रयोक्ताओं का विवरण

स्थान	**संख्या**
संख्या - 1	43
संख्या - 2	40
संख्या - 3	50

संख्या - 4	47
संख्या - 5	38
संख्या - 6	57
संख्या - 7	127
संख्या - 8	114
संख्या - 9	79
संख्या - 10	78
संख्या - 11	22
आर. पी. सी. 1	53
आर. पी. सी. 2	31
एफ - टाइप रेजीडेंट	17
संकाय ट्रांजिट आवास	37
टाइप - ।।।, आयुर्विज्ञान नगर	70
कम्प्यूटर सुविधा	17
मस्जिद मोठ रेजीडेन्ट्स डॉक्टर	177
मस्जिद मोठ नर्स होस्टल	87
कुल	**1184**

1. एम्स के ऑन - लाइन टेंडर सूचना हेतु भारत सरकार के टेंडर सूचना प्रणाली पर संबंधित स्टाफ तथा अधिकारियों हेतु कार्यक्रम का समन्वय।
2. छात्रों के लिए इंटरनेट एवं ऑन - लाइन जर्नल एक्सेस करने के लिए बी. बी. दीक्षित पुस्तकालय में वाई-फाई जोन का कार्यान्वयन सतत क्रियाशील किया गया।
3. यू.टी : एमं आधारित पेरामीटर नेटवर्किंग सुरक्षा एवं वेबमेल सुविधा को जारी रखना।
4. कम्प्यूटर सुविधा द्वारा वेबसाईट www.aiims.edu, www.aiims.ac.in का इन-हाउस अनुरक्षण किया जाता है।
5. संकाय-सदस्यगण तथा छात्रों के लिए इंटरनेट सुविधा को लगभग 2400 नोड्स पर एम्स नेटवर्क पर 24X7X365 दिन चलाए रखा गया।
6. शिक्षा एवं रिसर्च नेटवर्क (ईआरएनईटी इण्डिया, सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार) से 45 एमबीपीएस (1:1) लीज्ड लाइन को पूर्ण रूप से संस्थापित किया गया।
7. 700 aiims.ac.in डोमेन ई-मेल यूजरों के लिए यूजर्स एकाउन्ट का निर्माण तथा अनुरक्षण।
8. समीक्ष्य वर्ष के दौरान एम्स की वेबसाइट पर वीजिट करने वाले लोगों की कुल संख्या 25 लाख थी।
9. वर्ष भर वेब सर्वर, यूटीएम सर्वर, मैसेजिंग सर्वर का अनुरक्षण करना।
10. नैमिक रूप से संकाय, छात्रों एवं स्टाफ के अन्य सदस्यों के लिए नए इंटरनेट कनैक्शन का प्रावधान करना।
11. इंटरनेट एवं नेटवर्क यूजर्स शिकायतों एवं समाधान के लिए सुविधा प्रबंधन एवं कॉल अनुरक्षण करना।
12. वेबसाइट के लिए सॉफ्टवेयर मॉड्यूल्स इन-हाउस विकसित किए जाते हैं। कुछ मॉड्यूल्स को विकसित किया गया हैं। इनका विवरण इस प्रकार से है : प्रवेश परीक्षा ऑन लाईन सूचना प्रणाली में डिजाइन, विकास एवं संशोधन किया गया है।

एम्स वेबसाइट पर अपडेटिड तथा बनाए गए पृष्ठों का विवरण

मद का नाम		संख्या
1.	विभागों और केन्द्रों के अंतर्गत कुल पृष्ठ	416
2.	सम्मेलन, कार्यशालाएं, व्याख्यान तथा संभाषण	104
3.	संकाय तथा अन्य पदों के लिए भर्ती	64
4.	प्रवेश सूचनाएं, परिणाम एवं अन्य 'वर्तमान घटनाओं' के तहत डॉक्टरों के भाषण, संस्थान निकाय के सदस्य आदि	648
5.	आरटीआई सूचना, नोटिस, स्वास्थ्य सूचना, छात्रावास, केंद्रीय सुविधाएं, इत्यादि	201
6.	प्रशासन, शैक्षिक, एम्स के बारे में, वार्षिक विवरण आदि	1022
7.	इंटरानेट	30
	कुल	**2485**

अन्य वेब आधारित गतिविधियां

अ)	परीक्षा सर्वर पर अपलोड किया गया डाटा	**125** एम बी (लगभग)
ब)	aiims.ac.in पर ई-मेल प्रयोक्ताओं की संख्या	720
स)	http://tenders.gov.in पर अपलोड किए गए टेंडरों की संख्या	4073
द)	ढूढ़े गए वायरस ई-मेल 383 × 12=	4596
य)	वैध मेल की संख्या	508908
र)	खोजी गईं तथा साफ की गई स्पेम मेल की संख्या	3663862
ल)	स्थानान्तरण किया गया कुल डाटा	687258 एमबी × 12~8 टीबी
व)	इंटरनेट नोड्स की संख्या	2500 लगभग

स) शोध - छात्रों एवं वरिष्ठ/जूनियर रेजीडेंट डॉक्टरो के लिए पीसी ब्लॉक के ड्यूटी कक्षों एवं कामन कक्षों एवं ऑन लाइन जर्नल एक्सेस एवं इंटरवेट को उपयोग से जोनरल एक्सेस का प्रावधान हेतु तकनीकी समन्वय करना।

श) समीक्षा वर्ष के दौरान ई-मेल एवं एफटीपी सुविधा, मेडिकल एवं शिक्षा सूचना एक्सेस सुविधा, आईलेजर प्रिटिंग एवं स्केनिंग तथा सॉफ्टवेयर/सो एवं हार्डवेयर के लिए परामर्श सेवाएं प्रदान की गई एवं इनका अनुरक्षण किया गया।

महत्वपूर्ण घटनाएं

श्री एस. कैलाश को सूचना एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आसाम, गोवाहाटी एवं मणिपुर विश्वविद्यालयों में सुरक्षा नेटवर्क आधार भूत संरचना हेतु लॉगिग एवं नेटवर्क ट्रैफिक के विश्लेषण हेतु फ्रेम वर्क के परियोजनाओं विकास हेतु प्रोजेक्ट रिव्यू एवं स्टीरिंग ग्रुप (पीआरएसजी) की बैठक में उपस्थित होने के लिए सदस्य नामित किया गया। मुख्य अस्पताल, बी.आर.ए. सं. रो.के.अ., सी.एन, सीटी केंद्र, सीडीईआर तथा हेतु सॉफ्टवेयर की सिस्टम स्टडी, विश्लेषण, डिजाइन, सॉफ्टवेयर विकास तथा कार्यान्वयन हेतु परियोजना प्रमुख; 16 अगस्त 2010 - 21 अगस्त 2010 तक भेषजगुण विज्ञान विभाग एम्स द्वारा आयोजित रिसर्च मैथडोलोजिस्ट विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में 'टेलीमेडिसीन इन सांइस; एजुकेशन एंड रिसर्च' विषय पर व्याख्यान दिया। वर्ल्ड मेडिकल इनफार्मेटिक कान्फ्रेस (एमईडीआईएनएफओ 2010), केप टाउन, साउथ अफ्रीका में अगस्त 2010 को पत्र को प्रस्तुत किया : आटोमेशन ऑफ डेवे वार्ड कीमोथिरेपी सर्विसेज इन ए सुपर स्पेसिलिटी टेरटरी केयर हॉस्पिटल : एन एक्सपिरियंस एण्ड एनाबोसिस

ऑफ डेटा कैप्चर्ड यूजिंग द सिस्टम। मल्लिका रॉय बमेन, श्यामल बरूआ, एस. कैलास, विजेमत सिन्हा, प्रशांत गणेशन, समीर बक्शी, विनोद रैना; सदस्य, नेशनल नॉलेज मैनेजमेंट नेटवर्क ग्रुप; एम्स; सदस्य, आवश्यकताओं का विश्लेषण को तैयार करने हेतु जठरांत्र रोग विज्ञान में आटोमेशन के कार्यान्वयन हेतु टीम; सदस्य, ओ.पी.डी. और रोगी अंतरंगों हेतु रोगी संबंधी भुगतानों का निपटारा करने के लिए नकदी रहित कार्ड प्रचालन एवं लेखा अधिकारी सी.एन.सेंटर के समय सीटीएनएस हेतु प्रयोक्ता आवश्यक विशिष्ट दस्तावेजों को तैयार करने हेतु अध्ययन करने वाली टीम में सदस्य, संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल में रोगी उपचार प्रणाली आटोमेशन के बारे में इण्डियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल इन्फामेटिक्स, नई दिल्ली के सदस्यों के सम्मुख प्रस्तुतीकरण।

श्री सतीश प्रसाद प्रशासनिक एवं स्थानीय क्षेत्र नेटवर्क (नेटवर्क सर्वर) जोकि 70 से अधिक नोड्स में प्रशासन तथा वित्त के प्रबंध ाक हैं को डाटाबेस प्रशासक थे; नर्सिंग महाविद्यालय के एमएससी, बीएससी तथा पोस्ट सर्टिफिकेट सूचना प्रौद्योगिकी कक्षाओं के पाठ्यक्रम समन्वयक तथा शैक्षिक संकाय; इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी (मास्टर कोर्स एफिलेटिड टू आई.पी. यूनिवर्सिटी) के डिजास्टर मेनेजमेंट कोर्स हेतु एमएस ऑफिस तथा इंटरनेट की कक्षाएं ली।

श्री विनय पाण्डे ने एम्स वित्त तथा प्रशासन के लिए सॉफ्टवेयर का अनुरक्षण किया तथा एम्स टैक्स, विश्लेषण, डिजाइन, विकास की इलैक्ट्रॉनिक फायलिग हेतु सॉफ्टवेयर का कार्यान्वयन किया; एम.बायोटेक; बीएससी कंप्यूटर साइंस तथा मेडिकल इनर्फोमेटिक्स की कक्षाएं ली। इण्डियन रेड क्रॉस सोसायटी (मास्टर कोर्स एफिलेटिड टू आई.पी. यूनिवर्सिटी) के कोर्स हेतु डिजास्टर मेनेजमेंट तथा साइबर टेरोरिज्म ने आईटी की कक्षाएं ली। प्रदत्त व्याख्यान विषय (i) आईसीएमआर द्वारा प्रायोजित, जैव भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित वैज्ञानिक/संकाय हेतु कार्यशाला में, बायोमेडिकल इनफार्मेशन रिट्राइवल (ii) आई.सी.एम.आर. द्वारा प्रायोजित, जैव भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित मेडिकोज हेतु कार्यशला में, (मेडिकल इन्फार्मेटिक्स एण्ड बायोमेडिकल इनफार्मेशन रिट्राइवल' (iii) स्वास्थ्य एवं सस कल्याण मंत्रालय के सहयोग से नर्सिंग महाविद्यालय; एम्स द्वारा आयोजित 'प्रबंधन तकनीकी एवं नर्सिंग में प्रभावी मानक संबंधों विषय पर कार्यशाला में (मैनेजमेंट इनफार्मेशन सिस्टम' (एम.आई.एस.)।

श्री एस. के. मेहर ने आगे लिखे सम्मेलनों/कार्यशाला/संगोष्ठी में भाग लिया (i) रॉयल सोसायटी ऑफ मेडिसीन, लंदन, यू.के., द्वारा आयोजित ई-हेल्थ एंड टेली मेडि 2010 - इवीडेंस इन एक्शन, सम्मेलन की कार्रवाही में प्रकाशित (फन्सर्व ऑफ लिगल इश एमंग डाक्टर्स इन टेलीहेल्थ/ए-स्टडी सस एट एम्स, नई दिल्ली, आगरा (ii) सितंबर 2010 में कैपटाउन, साउथ अफ्रीका में आयोजित 13वां वर्ल्ड कांग्रेस 'मेडिकल एंड हेल्थ इंफार्मेटिक्स मेडिइंफो 2010, में प्रोसिडिंग एवं प्रस्तुतीकरण में प्रकाशित राजधानी शहर नई दिल्ली इण्डिया- (ए विश्व भर एस - के मेहर, बी रथ) में 'ईसक्लिंस एंड ई मानीटरिंग फॉर दी इपीडेमिक ऑफ चिकन गुनिया डेंगू डिक्रीजेज (iii) 'इनफार्मेशन टेक्नोलोजी - बेसड प्रोसेस मॉडल फॉर हेल्थ इंसोरेंश - एडोप्शन एंड इम्प्लीटेंशन' (एस.के.मेहर. बी.रथ), सितंबर 2010; मेडिकल एण्ड हेल्थ इनफॉर्मेटिक्स, केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका, विषय पर 13वां वर्ल्ड कांग्रेस मेडिइंफो 2010 में प्रोसिंडिग में प्रकाशित। भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित डी.एस.टी. कार्यशाला 'भेषजगुण विज्ञान में जैव सूचनाओं की भूमिका विषय पर सत्र में वक्ता के रूप में आमंत्रित; जैव भौतिकी विभाग, एम्स द्वारा आयोजित आई.सी.एम.आर. में प्रायोजित कार्यशाला में 'डेटाबेस आर्कीटेक्चर एण्ड यूज़ ऑफ डेटाबेस विषय पर वार्ता में भाग लिया; डीएमआईएस और एम्स में प्रदर्शन सहाना अप्लीकेशन का डीएमआईएस (आपदा प्रबंधन सूचना प्रणाली) एवं लाइफ प्रदर्शन विषय पर आपदा तैयारी रहित एवं पुर्नवास स्टूडेंट एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में वार्ता आयोजित की; रॉकफेलर फाउडेशन यूएसए, से मेडइनफो 2010 में उपस्थित होने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की।

11.6 इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी सुविधा

प्रभारी अधिकारी
शशि वाधवा

अपर - आचार्य
तपोश के. दास — टी. सी. नाग

शिक्षा

1. जैव प्रौद्योगिकी विभाग के 12, एम. बायोटेक्नोलॉजी के छात्रों ने दिनांक 23 अगस्त से 3 सितंबर 2010 तक दो सप्ताह का प्रशिक्षण प्राप्त किया।
2. नॉर्थ बंगाल यूनिवर्सिटी के जैव विज्ञान एमएससी. के 11 छात्रों ने दिनांक 11 -11 - 2010 को एक संकाय सदस्य प्रो.टी.के. चौधरी के साथ ई.एम. प्रयोगशाला का दौरा किया।
3. एस.ई.आर.सी स्कूल ऑफ बायोफिजिक्स के 16 वैज्ञानिकों ने दिनांक 3-9 फरवरी 2011 एवं एनएमआर के एक संकाय सदस्य एवं दो पी.एच.डी. छात्रों ने दिनांक 3 फरवरी 2011 को ई.एम. प्रयोगशाला का दौरा किया।
4. पी. जी. शरीररचना विज्ञान के 4 छात्रों ने दिनांक 11 जनवरी 2011 से 11 मार्च 2011 तक (केवल शुक्रवार को) ई.एम. पाठ्यक्रम ने भाग लिया।
5. कलकत्ता विश्वविद्यालय के शरीर क्रिया विज्ञान विभाग के एमएससी (द्वितीय वर्ष) के पांच छात्रों ने दिनांक 25 मार्च 2011 को एक संकाय सदस्य; प्रो. टी. के. घोष; विभागाध्यक्ष, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग के साथ ई.एम. प्रयोगशाला का दौरा किया।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा

1. वैज्ञानिक अन्वेषकों के लिए इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी में दिनांक 8-20 नवंबर 2010 तक 26वां राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न भागों से 18 उम्मीदवारों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
2. तकनीकी कर्मचारियों के लिए इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी में 20वां राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया 07 से 17 फरवरी, 2011 तक किया गया। इस पाठ्यक्रम में देश के विभिन्न भागो से 45 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था जिस से 06 तकनीकी कर्मचारियों को इस प्रशिक्षण के लिए चुना गया। उपर्युक्त पाठ्यक्रमो में भाग लेने वालों के लिए प्रो. शशि वाधवा, डॉ. तपोश के. दाश. तथा डॉ. टी सी. नाग द्वारा कुल 15 व्याख्यान दिए गए।
3. इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी में तकनीकी कार्मिकों के लिए एक ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को आयोजन दिनांक 17 मई से 30 जून 2010 तक आयोजित किया गया। दो उम्मीदवारों डॉ. गायत्री मिश्रा, भुवनेश्वर, उड़ीशा एवं सुश्री बिंदु ए. वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, राजीव गांधी बायोटेक्नोलॉजी केंद्र, त्रिवेन्द्रम से पधारे इन्हे सेम्पल प्रोसेसिंग, माइक्रोटोमी, सीपीडी; पुटिंग कोटिंग, टीईएम एवं एसईएम व्यूइंग, फोटोग्राफी एवं रूटीन रखरखाव में प्रशिक्षित किया गया।

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. इंडेमिक फ्लोरोसिस : कंकालीय फ्लोरोसिस हेतु कार्योत्मक कारक के रूप में ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस की भूमिका। तपोश के. दाश। तीन लाख (2010-2013) पर्यावरण एवं वन मंत्रालय : वित्तपोषण रु. 23 लाख।
2. मानव रेटिना की एंजिंग में आक्सिडेटिव स्ट्रेस की मार्करों की सेलुलर लोकेलाइजेशन करना। टी. सी. नाग। दो वर्ष (2009-10) के लिए एम्स द्वारा वित्त पोषित। निधि : 2 लाख रु.।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. चूहे के हिप्पोकैंपस के मार्फोलॉजी तथा प्रोटीन प्रोफाइल बीटा का प्रभाव।
2. चूहे के मस्तिष्क में मिडल सेरीब्रल आर्टी ओक्लुजन द्वारा इस्चेमिया-रिपरफ्यूजन इंजूरी मॉडल में आटोफेगो एवं एपोटोसिस के बीच संबंध।
3. फ्लोरोसिस इंडेमिक क्षेत्रो से बच्चो में किडनी इम्पेयमेंट पर फ्लोटाइड का संभावित प्रभाव।
4. ऑक्सिडेटिव तनाव के कारण मानव दृष्टिपटल का फाइन स्ट्रक्चर में अलट्रेशन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एशियाई भारतीय अस्थिशोथ से पीड़ित रोगियों में टी-हेल्पर 17 (टीएच 17) कोशिकाओं की भूमिका को स्थापित करने हेतु अध्ययन (अस्थिरोग विज्ञान के साथ)।
2. कारनियल एपिथेलियल स्टेम सेल्स के एक्स-विवो विस्तार हेतु मानव एमिनियोटिक मेम्ब्रैन के एक वैकल्पिक सबस्ट्रैट के रूप में कार्य करने हेतु एक संभव बायोपॉलीमर का विकास। (स्टेम सैल सुविधा के साथ)।
3. उपकरण संबंधी संक्रमणों में कोएगुलेज निगेटिव स्टेफाइलोकोक्स स्पे. तथा उनकी बायोफिल्म का फिनोटाइपिक, मोलिक्यूलर तथा अल्ट्रास्ट्रक्चरल अध्ययन (डॉ. रा. प्र. केंद्र के साथ)।
4. स्थानिक अरक्तता - रिपरफ्यूज्न इंजरी के प्रायोगिक मॉडल में एंजियोटेन्सिन टाइप-1 रिसेप्टर ब्लॉकर इरबीसर्टन की जांच करने के लिए भेषजगुण विज्ञानी तथा आणविक मैकेनिज्म पर अध्ययन (भेषजगुण विज्ञान विभाग के साथ)।
5. स्ट्रेप्टोजोटोसिन - अभिप्रेरित मधुमेह वाले चूहों में मायोकार्डियल इंफॉरक्शन के प्रायोगिक मॉडल में टेलमिसार्टन का कार्डियोप्रोटेक्टिव मैकेनिज्म (भेषजगुण विज्ञान के साथ)।

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 10

रोगी उपचार

विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं

वर्ष के दौरान, अनुसंधान तथा रोगी उपचार हेतु उपलब्ध करवाई गई विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं निम्नानुसार है :-

सुविधाएं	**प्रयोक्ता *(एन)***		**विश्लेषित नमूने**	
	आंतरिक	**बाह्य**	**आंतरिक**	**बाह्य**
ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप	101	184	644	1013
स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप	37	164	233	1026
इम्यूनो - इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप	5	3	12	8
एलिमेंटल एनालेसिस (ईडीएएक्स)	3	36	38	41

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य शशि वाधवा को सदस्य, राष्ट्रीय सलाहकार समिति, राष्ट्रीय सेमीनार-कम-कम्पोजिशन ऑफ मार्डन माइक्रोस्कोपस एंड देयर एप्लीकेशन, यूएसआईसी, गोलार्पबर्ग; बर्डक्स, पश्चिम बंगाल, 8-9 अप्रैल 2010; मुख्य अतिथि थी एवं दिनांक 18 दिसंबर 2010 को बीआर जोशी स्कूल ऑफ बायोसाइंसेस, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, गुजरात में इलेक्ट्रोमाइक्रोस्कोपी विषय पर आयोजित कार्यशाला

में 'बायोलॉजीकल एडवांसेस विध इलेक्ट्रोमाइक्रोस्कोपी : एन ओवर व्यू " विषय पर उद्घाटन भाषण दिया; दिनांक, फरवरी 10-2 मार्च 2011 तक एकेडेमिक स्टॉफ कॉलेज, बीएचयू, में 'मेडिकल / हेल्थ साइसेस' विषय पर प्रथम पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "इलेक्ट्रोस्कोपी इन दी एडवांसमेंट ऑफ बायोलॉजी" विषय पर मुख्य अतिथि के रूप में अतिथि व्याख्यान दिया।

डॉ. तोपाश के. दास ने आगे लिखे विषयों पर व्याख्यान दिया - (i) दिनांक 13 मार्च 2011 को जामिया मिलिया इसलामिया नई दिल्ली, जैव प्रौद्योगिकी विभाग में 'इमर्जिग कनसेप्ट्स इन इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (ii) दिनांक 5 अक्तूबर 2010 को आईएचबीटी (सीएसआईआर), पालमपुर, हिमालय प्रदेश में 'एप्लीकेशन ऑफ टीईएम इन एडवांस नानोबायोलॉजी एण्ड लाइफ साइंसेस' विषय पर आयोजित कार्यशाला में 'रिसेंट एडवांसेस इन इम्यूनोइलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने उपर्युक्त कार्यशालाओं में सत्रों की अध्यक्षता भी की।

डॉ. टी.सी.नाग ने दिनांक 25-28 नवंबर, 2010 को इण्डियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेस, लखनऊ की 28वीं वार्षिक बैठक एवं पांचवीं एफएओएसएस कांग्रेस में भाग लिया और वार्ता आयोजित की, डायबिटीज ओबेसिटी एंड मेटाबोलिज्म विषय पर समीक्षक।

11.7 केंद्रीय कार्यशाला

संकाय समन्वयक
शशि कांत

मुख्य तकनीकी अधिकारी
आदर्श कुमार शर्मा

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी
कालू राम

केंद्रीय कार्यशाला मुख्य रूप से आयुर्विज्ञान शिक्षा, अनुसंधान तथा अस्पताल सेवाओं हेतु प्रयोग किए गये उपकरणों की मरम्मत एवं रखरखाव के कार्य में लगा हुआ है। उपर्युक्त वर्णित क्षेत्रों में विभिन्न शाखाएं देखभाल करती हैं। प्रत्येक खंड में सहयोगी स्टाफ के साथ-साथ एक तकनीकी अधिकारी द्वारा अध्यक्षता की जाती है। उपर्युक्त वर्णित गतिविधियों में बढ़ते कार्यभार के बावजूद यह नए उपकरणों के निर्माण तथा डिजाइनिंग संबंधी कार्यों के लिए निरंतर सेवाएं प्रदान करता है। इसमें निम्नलिखित अनुभाग है :-

- इलैक्ट्रॉनिक अनुभाग
- इलैक्ट्रिकल अनुभाग
- रेफ्रीजरेटिंग अनुभाग
- मैकेनिकल अनुभाग - 1 एवं 2
- सूक्ष्म उपकरण अनुभाग
- पेंटिंग, अपहोलेस्ट्री एवं कारपेंटरी अनुभाग

केंद्रीय कार्यशाला में समूह 'ग' एवं 'घ' के कुल कर्मचारियों की संख्या निम्न प्रकार से है :

तकनीशियन (ग्रेड - 1)	6
तकनीशियन (ग्रेड - 2)	4
कार्यशाला सहायक (पेंटर)	2
कार्यशाला सहायक (फिटर, टर्नर और वेल्डर)	6
खलासी	6
भंडार लिपिक (यू.डी.सी.)	1
सहायक (एनएस)	1
प्रवर श्रेणी लिपिक	1
चपरासी	1

निर्माण एवं मार्गदर्शन

केंद्रीय कार्यशाला ने उपकरणों के संशोधन एवं उपयोगी जुगत के निर्माण करने में संस्थान के अनुसंधान संबंधी गतिविधियों में सतत योगदान दिया है। कुछ मामलों में केंद्रीय कार्यशाला ने स्थानीय रूप से उपलब्ध अवयवों की मदद से कुछ सामग्री की डिजाइनिंग तथा निर्माण कार्य संभव किया है। समीक्ष्य वर्ष के दौरान निम्नलिखित कुल 23 निर्माण कार्य (अर्थात 211 मदें) निष्पादित की गई।

क्रम संख्या	मदों का नाम	मात्रा	विभाग
1.	स्टील्लेट	49	सीएनसी, सीटी - 5
2.	एक्रेलिक बॉक्स	4	शरीर रचना विज्ञान
3.	मशीन का कवर	1	केंद्रीयकृत प्रयो. सीएनसी
4.	फार्मलीन चैम्बर	1	सीओपीडी
5.	सर्जिकल यंत्र के लिए हैंडिल	6	आर्थ्रो. ओ. टी.
6.	टी.आर.ट्यूब	92	सीएनसी, आईआरसीएच,
7.	टॉप ऑफ हैमर	1	आर्थ्रो. ओ.टी.
8.	ओस्टियोटोन का हैडिल	14	आर्थ्रो. ओ.टी.
9.	ओ.से.टेबल हेतु क्लैम्पस	3	मुख्य ओ.टी.
10.	सिलिंडर ट्रौली	1	रा.प्र.केंद्र
11.	प्लोटोग्रास चैम्बर	2	शरीर रचना विज्ञान
12.	फाइप कोब्स के लिए हैडिल	1	आर्थ्रो ओटी
13.	प्लास्टिक मोल्ड	9	प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
14.	नाइलोन हैमर हेतु कैप	6	मुख्य ओ.टी. उप. इ एन टी
15.	टी.पिस	4	आईआरसीएच
16.	रैक्टेंगुलर चैम्बर	1	शरीर रचना विज्ञान
17.	रैट कैज	1	जैवरसायन
18.	रेगुलेटर नोब	1	हॉस्पिटल ट्रांसपोर्ट
19.	पेस्टल एंड मोरार्ट	1	नाभिकीय चिकित्सा
20.	टी. माज	1	न्यायचिकित्सा
21.	इलिवेटेड माज	1	न्यायचिकित्सा
22.	स्लाइड स्टैण्ड	1	शरीर रचना विज्ञान
23.	स्वीट टैस्ट मशीन विध बॉक्स	10	पेडियाट्रिक्स

मरम्मत एवं अनुरक्षण

केंद्रीय कार्यशाला द्वारा सभी प्रकार के जैव आयुर्विज्ञानी उपकरण जैसे रक्त दाब उपकरण, इलैक्ट्रोसर्जिकल यूनिट, इसीजी मशीन, इन्फ्यूजन पम्प, मल्टीपेरामीटर मॉनिटर, डिफिबरीलेटर्स, रोगी वारमर्स, शल्यक्रियाशाला की मेंज, रेफ्रीजिरेटर्स, आईस मशीन, कोल्ड लैब, वाटर चिल्लर्स, क्र्योस्टेट्स, डीप फ्रीजर्स, यू.वी. स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, इलैक्ट्रोनिक वेईंग मशीन, आडियोमीटर, अल्ट्रासाउंड थिरेपी यूनिट, शल्यक्रियाशाला की लाइट, टिशू प्रोसेसर, कोल्ड सेंट्रिफ्यूज, माइक्रोस्कॉप, नीडल डिस्ट्रोयर वाटर बाथ, एक्सरे व्यू बॉक्स, ओ. टी.केयर मशीन, सक्शन मशीन, ऑक्सिजन रेगुलेटर फ्लोमीटर, सर्वो स्टेब्लाइजर, बॉयलर्स, हॉट प्लेटस, टेबल टॉप सेंट्रिफ्यूज, माइक्रोवेव ओवेन्स, इन्क्यूबेटर्स, रोगी बैड, रोगी ट्रालियां, लोडिंग ट्रालियां, इन्टराविनस स्टेंड, व्हील-चेयर, साइड स्क्रीन, बैडसाइड लोकर्स, पुश कार्ट्स, स्टेनलैस स्टील ड्रम, सर्जिकल उपकरण आदि का मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य किया गया।

केन्द्रीय कार्यशाला द्वारा बहुत से ऐसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को सस्ता और सफलतापूर्वक मरम्मत कार्य किया गया जिनके लिए उनकी निर्माता कम्पनी द्वारा उनको मरम्मत के अयोग्य घोषित किया गया था। इनमें पेशेंट मॉनिटर्स, डिफिब्रिलेटर्स, इन्फ्यूजन पम्प, पेशेंट वारमर्श आदि सम्मिलित हैं।

केंद्रीय कार्यशाला द्वारा रोगी बिस्तर, रोगी लॉकर्स, इन्टराविनस स्टेंड, उपकरण ट्रॉलियां, लोडिंग ट्रॉलियां, फोलर बैड आदि जैसे सभी अस्पताल फर्नीचर की मरम्मत तथा पेंटिंग कार्य किया गया। वर्ष 2010-2011 के दौरान, केंद्रीय कार्यशाला द्वारा मरम्मत कार्य कुल 8348 निष्पादित किए गए।

अल्पकालीन प्रशिक्षण

विभाग ईक्लॉन इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी (फरीदाबाद), मानव रचना अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय (फरीदाबाद); सी.आर.आर. इंस्टीट्यूटीट ऑफ टैक्नोलॉजी (दिल्ली) कस्तुरबा पोली टेकनीक फॉर वोमेन (दिल्ली के 15 बी. टेक छात्रों को (4-6 सप्ताह का) ग्रीष्मकालीन अल्पकालीन प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान करने में सक्रिय रूप से सम्मिलित रहा है।

11.8 छात्रावास अनुभाग

छात्रावास अधीक्षक

एच.एच. दाश

उप - अधीक्षक छात्रावास

एस.के. खंडेलवाल	एम.वी.पद्मा	एल.आर. मुरमू
बुद्ध देव चौधरी	पुनीत मिश्रा	सी. वेकेटाकार्थिकेयन
श्रीमती निर्मला कालरा		श्रीमती कमलेश कुमारी शर्मा

वरिष्ठ वार्डन

एस.पी.पांडे

वार्डन

मोहन शर्मा		सुश्री रेमानी थोमस

उप-वार्डन

सुश्री सीमा प्रूथी		सत्य प्रकाश कालिया

सहायक वार्डन

सुश्री सुचिता कुमारी	सुखपाल मलिक	सुश्री रानी वर्गीस
	सुश्री तृप्ता शर्मा	

कनिष्ठ वार्डन

बाबू लाल मीना	दिनेश देसाई	सुश्री निर्मला
राजेश रावत		सुश्री सुनील देवी

एम्स में लगभग 1222 से अधिक सिंगल/डबल कमरे, एवं विवाहितों के लिए 195 आवास तथा नर्सिंग छात्राओं/स्टॉफ नर्सिंग के लिए 388 आवासों की क्षमता सहित रेजीडेंट्स के अनेक हॉल हैं। यह आवास विभिन्न छात्रावासों एवं मुख्य कैंपस के आवासों, मस्जिद मोठ, आयुर्विज्ञान नगर, संकाय ट्रांजिस्ट छात्रावास, एवं जयप्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र छात्रावास (राजनगर) में फैले हुए हैं।

आवास

क्र. सं.	छात्रवास	स्थान	एक कमरा	दो/तीन/चार /पांच सीटर	अतिथि कक्ष (दो बिस्तर सहित)	कुलक्षमता
पुरुष	**छात्रावास**					
1.	1(चरक)	मुख्य परिसर	62	3 x 2 = 6	-	68
2.	2 (जीवक)	मुख्य परिसर	55	2 x 2 = 4	1	60
3.	3(सुश्रुता)	मुख्य परिसर	70	6 x 2 = 12	1	83
4.	4 (माधव)	मुख्य परिसर	53	7 x 2 = 14	-	67
5.	5 (नागार्जुन)	मुख्य परिसर	52	5 x 2 = 10	-	62
6.	6 (वागभट्ट)	मुख्य परिसर	69	7 x 2 = 12	-	83
7.	7 (अश्विनी)	मुख्य परिसर	108	4 x 2 = 8	1	117
8.	8 (भारद्वाज)	मुख्य परिसर	108	1 x 2 = 2	1	111
9.	रा.प्र.कें -1(धनवंतरी)	मुख्य परिसर	72	-	1	73
10.	एम.एम.आर.डी.एच. (एकल)	मस्जिद मोठ	154	-	6	160

11.	ज. प्र. ट्रॉमा केंद्र राज नगर	56	-	2	58
	कुल				**942**

विवाहित क्वांटर

1. एफ. टाइप	अंसारी नगर (पश्चिम)	17	17
2. एम.एम.आर.डी.एच	मस्जिद मोठ परिसर	42	42
3. आ.वी. नगर	ए.वी. नगर	80	80
4. एफ.टी.ए.	ए.वी. नगर	49	49
5. जे.पी.एन.ए.टी.सी	राजनगर		07
कुल			**195**

महिला छात्रावास

1.	9(सरस्वती)	मुख्य परिसर	62	16+1+1+0	1	102
2.	10 (पार्वती)	मुख्य परिसर	91	0+0+1+1	1	101
3.	रा.प्र.कें. - II (लक्ष्मी)	मुख्य परिसर	20	13+0+0+0	1	47
4.	महिला छात्रावास-XI	मुख्य परिसर	15+0+0+0	-		30
	कुल			**280**		

नया नर्सेस छात्रावास, मस्जिद मोठ

1.	नर्सिंग छात्रा	मस्जिद मोठ	160	90+4+0+0	2	354
2.	स्टाफ नर्स	मस्जिद मोठ	34			34
		कुल				**388**
		महा योग				**1,805**

महत्वपूर्ण घटनाएं

1. छात्रावास अधीक्षक के लिए एक नया कमेटी कक्ष तथा छात्रावास अनुभाग के लिए एक एंटी-रेंगिंग नियंत्रण कक्ष बनाया गया है।
2. विवाहित वरिष्ठ रेजीडेंटो के लिए एफटीए/ए.वी. नगर छात्रावास में 20 और अधिक फ्लैटो को जोड़ा गया।
3. टाइप 3 एवी नगर छात्रावास में फ्लोर टाइल सहित क्वार्टरों का नवीकरण किया गया।
4. नए नर्सेस होस्टल, मस्जिद मोठ में छात्रो, अतिथि कक्ष; विश्राम कक्ष एवं सभी निकासों सहित फ्लोर टाइल्स को लगाकर नवीकरण किया गया।
5. नये नर्सेस होस्टल, मस्जिद मोठ में सुरक्षा गार्ड के लिए सुरक्षा बूथ का नवीकरण कराया गया।
6. नए नर्सेस छात्रावास, मस्जिद मोठ में कार्यालय कक्ष, टी. बी. कक्ष, अतिथि कक्ष, विश्राम कक्ष, आगंतुक कक्ष एवं 3 अध्ययन कक्षों में वेनेशन ब्लाइंड्स को लगाया गया।
7. नये नर्सेस हॉस्टल मस्जिद मोठ में 5वीं मंजिल पर स्टूडेंट कक्षों का नवीकरण किया गया।
8. जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र छात्रावास में 3 नये आटो सिस्टम को संस्थापित किया गया।
9. जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र छात्रावास में सभी वैवाहिक आवासों में एग्जास्ट कैन को लगाया गया।
10. छात्रावास संख्या पांच में प्रसाधन संख्या 2, 4 एवं 6 का नवीकरण किया गया।
11. छात्रावास संख्या छः के प्रसाधन संख्या 1 से 6 तक का नवीकरण कराया गया।
12. रेजीडेंट डॉक्टर छात्रावास मस्जिद मोठ में भूतल के बरामदे की दीवार को नवीकरण किया गया।
13. एमएमआरडीएच मेस में भंडार कक्ष का निर्माण किया गया।

14. एम्स एमआरडीएच में कार्यालय कक्ष, टीवी कक्ष एवं मनोरंजन कक्ष में।

15. महिला छात्रावास संख्या 10, 9, एवं आर.पी.सी -2 में सोलर हीटर प्रणाली को आरंभ किया गया।

16. महिला छात्रावास संख्या 9 में प्रसाधन संख्या 5, 7, एवं 9 का नवीकरण किया गया।

17. अन्तिम अनापत्ति प्रमाण पत्र को सीधा बताया गया है।

18. रेजीडेंटो की सुविधा के लिए अंत में कोई बकाया नहीं हेतु क्रेडिट प्रणाली को मेस। कैफे में समाप्त कर दिया गया है।

भविष्य की योजनाएं

1. छात्रों, डॉक्टरों, रेजीडेंटों की सुविधा हेतु नए छात्रावास का निर्माण जिसमें सभी सुख सुविधाओं से सुसज्जित 1000 छात्र एवं रेजीडेंट आवास का निर्माण करना।

2. छात्रावास अनुभाग में एयरकंडीशन की संस्थापना अथवा छात्रावास अनुभाग को किसी अन्य बिल्डिंग में स्थानांतरित कराया जाना जिसमें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो।

3. सभी छात्रावासों में सभी मेस/कैफे में नये फर्नीचर को प्रदत्त करना।

4. छात्रावास संख्या 7 एवं 8 में मेस डायनिग हॉल का सौंदर्यीकरण।

5. जयप्रकाश नारायण ट्रॉमा एपेक्स केंद्र के मेस में चिमनी को लगाया जाना

6. नये नर्सेस छात्रावास मस्जिद मोठ में टी.वी. कक्ष का नवीकरण करना।

7. नये नर्सेस छात्रावास, मस्जिद मोठ में बैडमिंटन कोर्ट का नवीकरण करना।

11.9 इंस्टीट्यूशन एथिक्स कमेटी

12 जुलाई, 2010 तक सदस्यगण

1. आचार्य जे. पी. वाली, नई दिल्ली, अध्यक्ष
2. आचार्य रानी कुमार, संकायाध्यक्ष, एम्स, सदस्य
3. आचार्य सुनीता मित्तल, विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान विभाग, सदस्य
4. आचार्य वाई.के. गुप्ता, विभागध्यक्ष, भेषण गुण विज्ञान विभाग, सदस्य
5. न्यायाधीश एस.आर. सिंह, नई दिल्ली, सदस्य
6. डॉ. गंगा प्रसाद विमल, नई दिल्ली, सदस्य
7. डॉ. विजय कुमार, डीडीजी, आईसीएमआर, नई दिल्ली, सदस्य
8. डॉ. सुषमा यादव, अध्यक्ष प्रोफेसर; डॉ. बी. आर. अम्बेडकर चेयन इन सोसल जस्टिस, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, आईपी स्टेट, रिंग रोड, नई दिल्ली, सदस्य।
9. डॉ पीयूष साहनी, संपादक, एनएमजेआई, एम्स, सदस्य
10. आचार्य रेणु सक्सेना, अध्यक्ष, रुधिर रोग विभाग, सदस्य-सचिव विशेष आमंत्रित : डॉ. सुनील चुम्बर, डॉ. रवीन्द्र कुमार बत्रा, एवं ए. बी. डे।

दिनांक 12 जुलाई 2010 से सदस्यगण

1. आचार्य जे. पी. वली, नई दिल्ली, अध्यक्ष
2. आचार्य रानी कुमार, संकायाध्यक्ष, एम्स, सदस्य।
3. आचार्य कमल बक्शी, भूतपूर्व अध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग सदस्य
4. आचार्य वाई.के. गुप्ता, अध्यक्ष, भेषजगुण विज्ञान विभाग, सदस्य
5. न्यायाधीश एस.आर. सिंह, नई दिल्ली; सदस्य
6. डॉ. गंगा प्रसाद विमल, नई दिल्ली सदस्य
7. डॉ. विजय कुमार, डीडीजी, आईसीएमआर, नई दिल्ली, सदस्य
8. डॉ. सुषमा यादव, चेयर प्रोफेसर, डॉ. बी. आर. अंबेडकर चेयन इन सोसल जस्टिस, इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, आईपी इस्टेट, रिंगरो, नई दिल्ली, सदस्य
9. डॉ. पीयुष साहनी; संपादक, एनएमजेआई, एम्स सदस्य
10. डॉ. वी. कार्तिकेयन सी, सहायक आचार्य, ईएनटी विभाग सदस्य
11. आचार्य हरी प्रकाश, भूतपूर्व अध्यक्ष, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, एम्स, सदस्य।
12. आचार्य ए.वी.डे, आचार्य, कायचिकित्सा विभाग, एम्स, सदस्य
13. आचार्य रेणु सक्सेना, अध्यक्ष, रुधिर विज्ञान विभाग; सदस्य सचिव।

    विशेष आमंत्रित : डॉ रवींद्र कुमार बत्रा एवं डॉ. राकेश यादव (दिनांक 2 अगस्त, 2010 से)

दिनांक 7 जुलाई तक संस्थान इथिक्स उप समिति के सदस्यगण

1. आचार्य रवींद्र कुमार बत्रा, संवेदनाहरण विज्ञान; एम्स, अध्यक्ष

2. आचार्य रेणु सक्सेना, विभागाध्यक्ष, रूधिर विज्ञान विभाग, एम्स, संयोजक

3. आचार्य कमल किशोर, भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स, सदस्य

4. डॉ. कल्पना लूथरा, सह आचार्य, जैव रसायन; एम्स, सदस्य

5. आचार्य अरविंद बग्गा, बालरोग विभाग, एम्स, सदस्य

6. आचार्य अशोक कुमार प्रसूति एवं स्त्रीरोग, एमएएमसी, नई दिल्ली, सदस्य

7. डॉ. विनीत अहूजा, सह आचार्य, जठरांत्र रोग विज्ञान, एम्स, सदस्य

8. आचार्य प्रवीण अग्रवाल, आपात चिकित्सा, एम्स, सदस्य

9. डॉ. राजू शर्मा, अपर आचार्य, विकिरण सदस्य, एम्स, सदस्य

10. डॉ. प्रदीप वेंकटेश; सह सदस्य, विकिरण सदस्य; एम्स, सदस्य

11. डॉ. राजेंद्र प्रसाद, अपर आचार्य, शल्यचिकित्सा, एम्स सदस्य

12. आचार्य शशि कांत, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र, एम्स, सदस्य

13. डॉ. राकेश यादव, सह आचार्य, हृद विज्ञान, एम्स, सदस्य

14. डॉ. राकेश महाजन, वरिष्ठ वास्कुलर सर्जन, अपोलो हॉस्पिटल, नई दिल्ली, सदस्य

15. डॉ. संजय थूलकर, सह आचार्य, विकिरण विज्ञान, सं,रो.कै.अ., सदस्य

16. डॉ. सुनील यादव, उप संकायाध्यक्ष (शैक्षिक); एम्स, सदस्य सचिव

दिनांक 7 जुलाई तक संस्थान इथिक्स उप समिति के सदस्यगण

1. आचार्य रवींद्र कुमार बत्रा, संवेदनाहरण विज्ञान; एम्स, अध्यक्ष

2. आचार्य रेणु सक्सेना; विभागाध्यक्ष, रूधिर विज्ञान विभाग, एम्स, संयोजक

3. आचार्य कमल किशोर; भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स, सदस्य

4. डॉ. कल्पना लूथरा, सह आचार्य, जैव रसायन; एम्स, सदस्य

5. आचार्य अरविंद बग्गा, बालरोग विभाग, एम्स, सदस्य

6. आचार्य अशोक कुमार प्रसूति एवं स्त्रीरोग, एमएएमसी, नई दिल्ली, सदस्य

7. डॉ. विनीत अहूजा, सह आचार्य, जठरांत्र रोग विज्ञान, एम्स, सदस्य

8. आचार्य प्रवीण अग्रवाल, आपात चिकित्सा, एम्स, सदस्य

9. डॉ. राजू शर्मा, अपर आचार्य, विकिरण सदस्य, एम्स, सदस्य

10. डॉ. प्रदीप वेंकटेश; सह सदस्य, विकिरण सदस्य; एम्स, सदस्य

11. डॉ. राजेंद्र प्रसाद, अपर आचार्य, शल्यचिकित्सा, एम्स सदस्य

12. आचार्य शशि कांत, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र, एम्स, सदस्य

13. डॉ. राकेश यादव, सह आचार्य, हृद विज्ञान, एम्स, सदस्य

14. डॉ. राकेश महाजन, वरिष्ठ वास्कुलर सर्जन, अपोलो हॉस्पिटल, नई दिल्ली, सदस्य

15. डॉ. संजय थूलकर, सह आचार्य, विकिरण विज्ञान, सं,रो.कै.अ., सदस्य

16. डॉ. राकेश यादव, उप संकायाध्यक्ष (शैक्षिक); एम्स, सदस्य सचिव

शिक्षा

आयोजित सम्मेलन

1. दिनांक 17-20 नवंबर, 2010 को एम्स में हेल्थकेयर - इथिक्स, इक्विटी एंड जस्टिस' के तृतीय आईजेएमई नेशनल बायोइथिक्स सम्मेलन 2010 गर्वनेंस ऑफ हेल्थ केयर।
2. दिनांक 5-6 जून 2010 को दक्षिण रेलवे मुख्यालय हॉस्पिटल, पेरूम्बुर, चैन्नई में "बीसाइड टीचिंग, रिसर्च मैथर्ड इनक्लुडिंग इथिक्स एंड इवल्यूएशन फॉर कंसलटेंट' विषय पर संयुक्त रूप से आयोजित सीएमई।

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा/राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

डॉ. आर. सक्सेना

- मानव अनुसंधान में एथिक्स बिंदु। दिनांक 15-16 जनवरी, 2011 को सीईयू, एम्स में 'डिजाइनिंग क्लिनिकल रिसर्च, थिसिस' विषय की कार्यशाला
- संस्थानिक इथिक्स कमेंटी (मानव) के जिम्मेदारियों की भूमिका। दिनांक 23 अगस्त, 2010 से 28 अगस्त 2010 तक एम्स में महिला वैज्ञानिकों के लिए रिसर्च मैथोडोलोजिज' विषय पर कार्यशाला।
- रोगी सूचना एवं सूचित सहमति। दिनांक 17-18 मई 2010 को एम्स में प्रजनन स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, आईसीएमआर; आरएचएन प्रभाग, एवं ह्यूमन रिप्रोडक्शन; एम्स में विश्व स्वास्थ्य संगठन - सीसीआर द्वारा इथिकल इशूज रिलेटेड इ एसआरएच रिसर्च एण्ड इनफर्टीलिटी विषय पर आयोजित संगोष्ठी।

डॉ. रवीन्द्र बत्रा

1. 'इथिक्स एवं थिसिस सहित प्रोटोकॉल, रिसर्च मैथड' दिनांक 6 जून, 2010 के दक्षिण रेलवे मुख्यालय अस्पताल, चेरुम्बर, चैन्नई, कंसलटेंट हेतु।

अल्पकालीन प्रशिक्षण

"इथिक्स इन रिसर्च" में छः माह का प्रशिक्षण एमएससी के दो छात्रों के प्रदान किया गया। दो छात्रों को नैदानिक शोध एवं 3 माह का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

बैठकें

आयोजित कुल बैठक :

संस्थानिक इथिक्स समिति : 12

शोध एवं शोध प्रबंध हेतु इंस्टीट्यूट इथिक्स सब - कमेटी : 13

संस्थान इथिक्स कमेटी द्वारा कुल समीक्षा कृत परियोजनाओं की संख्या : 13

नवीन परियोजनाएं	:	354	पुरानी परियोजनाएं	:	147
प्रगति रिपोर्ट	:	40	पूर्ण निष्पादन रिपोर्ट	:	4

इंस्टीट्यूशन इथिक्स सब कमेटी द्वारा समीक्षा शोध की संख्या

शोध	:	402	समीक्षा शोध	:	332

इसके अतिरिक्त, एथिक्स कमेटी निरंतर गंभीर प्रतिकूल प्रभावों की प्राप्त अधिसूचना, गंभीर प्रतिकूल घटनाओं, छमाही प्रगति रिपोर्ट पूर्ण निष्पादन रिपोर्ट आदि की समीक्षा करनी है।

एम्स की वेबसाइट पर आवश्यकताओं और उपलब्धता के अनुसार इस्टीट्यूशनल इथिक्स कमेटी स्टैण्डं आपरेटिंग प्रोसिजर्स (एसओपी) को संशोधित (परिवर्धित) किया गया।

महत्वपूर्ण घटनाएं

वर्ष 1993 से अब तक की परियोजनाओं / शोध (इथिक्स कमेटी कार्यालय के साथ उपलब्ध) के सभी कार्यवृत्त एवं अनुमोदन पत्रों को डिजिटलाइजेशन किया गया।

डॉ. रवीन्द्र कुमार बत्रा

1. सदस्य, थीसिस इथिक्स कमेटी, राष्ट्रीय परीक्षा परिषद्, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार।
2. सदस्य, परीक्षा इथिक्स कमेटी; राष्ट्रीय परीक्षा परिषद्, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार।

12. प्रकाशन

पत्रिकाएं

1. भारत के कुपोषण पर दूसरी बीएनएफ संगोष्ठि : कम्बेटिंग दि हार्ड कोर नई दिल्ली में दिनांक 1 सितम्बर, 2010 को; आचार्य सी. एस. पांडव, डॉ. एस. अर्चना, डॉ. जे. लोबो, डॉ. अरविंद कुमार सिंह, डॉ. कपिल यादव और डॉ. एस. वी. निखिल द्वारा तैयार।
2. एम. अबुबकर, ए. लतीफ, ए. जे. मोहम्मद, एस. मूसा, आर. एम. पांडे एट. एल गैर-संचारी रोगों के लिए निगरानी, मालदीव में जोखिम कारक : पुरूषों में प्रथम स्टेप्स सर्वेक्षण से परिणाम। इंट. जे. लोक स्वास्थ्य, 2010 अक्तूबर 55(5) : 489-96
3. एन. अबरोल, एन. गुप्ता, एस. अरावा, आर. रे। गुरदे की हाईडेटिड रसौली के रूप में छद्म रसौलीनुमा नेफ्रोमा। इंडियन जे. रोगविज्ञान सूक्ष्मजैवविज्ञान 2010; 53 : 877-9
4. एस. के. आचार्य, एस. के. पांडा, हेपेटाइटिस ई. जल, हर जगह जल अब एक वैश्विक बीमारी। जे. यकृतविज्ञान 2011, 54: 9-11
5. आई. अदातिया; एस. एस. कोठारी, जे. ए. फिन्सटीन। जन्मजात हृदय रोग से संबद्ध फुफ्फुसीय उच्चरक्तचाप : फुफ्फुसीय संवहनी रोग : वैश्विक परिप्रेक्ष्य। वक्ष 2010 जून; 137 (6 पूरक) : 52 एस - 61 एस
6. बी. वी. अदकोली; के. यू. अल-उमरान, अल-शेख मोना, के. के. दीपक, एम. अब्दुल्ला, अल-रूबैश, व्यावसायिकवादिता के प्रति चिकित्साशास्त्र के विद्यार्थियों का अवबोधन : सऊदी अरब से एक गुणात्मक अध्ययन मेडिकल टीचर 2011; 4 : 1-6
7. बी. वी. अदकोली, के. यू. अल-उमरान, एम. एच. अल-शेख, के. के. दीपक, खाड़ी के चिकित्सा विद्यालय में संकाय विकास कार्यक्रम के आवश्यकता आकलन की अभिनव विधि। एजुकेशन फॉर हेल्थ 2010; 23 : 1-6 (http://www.education health.net) ।
8. बी. वी. अदकोली, पी. गुप्ता, आर. सूद, सी. एस. पांडव। चिकित्सा शिक्षा के पुनः अभिमुखीकरण से चिकित्सा शिक्षक के विकास तक। इंडियन जे. लोक स्वास्थ्य 2009; 53 : 218-222
9. बी. वी. अदकोली, आर. सूद। भारत में संकाय विकास और चिकित्सा शिक्षा इकाइयां : एक सर्वेक्षण। नेशनल मेडि. जे. इंडिया 2009; 22 : 28-32
10. बी. वी. अदकोली। स्वास्थ्य परिचर्या व्यावसायिकविदों को शिक्षा देता शिक्षाविद? नेशनल मेडि. जे. इंडिया 2009; 22 : 163-4
11. बी. वी. अदकोली। शिक्षण विवाद प्रबंधन के लिए भूमिका-निर्वाह का प्रयोग करना। मेडिकल टीचर 2010; 3290-94
12. एन. अग्रवाल, एस. अरूलसेल्वी। इंडोमेट्रॉयसिस - समीक्षा लेख। जे. लेबोरेटरी फिजिशियन्स 2010; खंड 2 ; पृष्ठ 1-9
13. एन. अग्रवाल, वी. कुलश्रेष्ठ, ए. कृपलानी। श्रोणीय प्रदाहक रोग में प्लेसेंट्रेक्स इंजेक्शन की नैदानिक क्षमता। जे. इंडियन मेडि. एसो. 2010, फरवरी; 108(2) : 117-8, 122
14. एन. अग्रवाल, वी. कुलश्रेष्ठ, ए. कृपलानी, जी. कछांसा। रजोनिवृत्ति पश्च ऑस्टियोपेनिक महिलाओं में साप्ताहिक 70 मिलीग्राम मुखीय एलेन्ट्रोनेट चिकित्सा। जे. प्रसूतिविज्ञान, स्त्रीरोगविज्ञान 2010; 31 (एस 1) : 42
15. पी. अग्रवाल, एस. शेखर दास, आर. गुप्ता, डी. खेतान, आर. चौधरी। फेटो मेटरनल हेमरेज का मात्राकरण : संसाधन के लिए तकनीक का चयन - खराब निर्धारण। स्त्रीरोग विज्ञान, प्रसूतिविज्ञान इन्वेस्टिगेशन 2010; 71 : 47-52
16. आर. अग्रवाल, आर. गुप्ता, एस. बक्शी, ए. शर्मा। कणीय तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में टोलुडीन ब्लू की असामान्य कोशिका रासायनिक प्रतिक्रियात्मकता : दो बिरले मामलों की एक रिपोर्ट। टर्क जे. हेमेटोलॉजी 2010; 27 : 43-45
17. आर. अग्रवाल, वी. श्रीनिवास, आर. गुप्ता, एस. बक्शी। बाल्यावस्था के तीव्र मायलॉयड ल्यूकेमिया में नैदानिक और अनुवर्ती इसीनोफीलिया परिणाम का भविष्यसूचक नहीं है। जे. बालरोगविज्ञान रूधिरविज्ञान 2010; 27 : 43-45
18. एस. अग्रवाल, आर. गुप्ता, वी. के. अय्यर, एस. आर. माथुर, आर. रे। एल्वेयोलर सॉफ्ट पार्ट सर्कोमा का कोशिकारोगविज्ञान निदान - एक बिरल नरम ऊत्तक अर्बुद। कोशिकारोगविज्ञान 2011; 22 : 318-22
19. एस. अग्रवाल, वी. के. अय्यर, एस. अग्रवाल, एस. आर. माथुर, एम. एरॉन, एस. दत्ता गुप्ता, के. वर्मा। अनुकूल ऊतकविज्ञान में एपॉप्टिक प्रोटीन अभिव्यक्ति - ट्यूमर पुनरावृत्ति के साथ विल्म्स ट्यूमर सह-संबद्ध होता है। बालरोगविज्ञान शल्यचिकित्सा इंट. 2010; 27 : 303-8
20. ए. चोपड़ा, वी. के. अय्यर, एस. अग्रवाल, एस. आर. माथुर, एम. एरॉन, एस. दत्ता गुप्ता, के. वर्मा। एपॉप्टिक प्रोटीन अभिव्यक्ति, ग्लाइकोजेन की मात्रा, हेपेटोब्लास्टोमा सबटाइपिंग में डीएनए प्लॉयडी और कोशिका प्रचुरोद्भवन और पूर्वानुमान में उनकी भूमिका। बालरोग-विज्ञान शल्यचिकित्सा इंट. 2010; 26 : 1173-1178

21. एस. अग्रवाल, एस. आर. माथुर, आर. रे, एस. सी. शर्मा, पी. सिन्हा। मिश्रित ट्रेबेकुलर ट्यूमर का कोशिका रोगविज्ञान निदान : एक बिरल थॉयराइड नियोप्लाज्म। कोशिकारोग-विज्ञान 2011; 22 : 65-6

22. एस. अग्रवाल, एस. आर. माथुर, आर. रे, एस. सी. शर्मा, पी. सिन्हा। मिश्रित ट्रेबेकुलर ट्यूमर का कोशिकारोगविज्ञान निदान : एक बिरल थॉयराइड नियोप्लाज्म। कोशिकारोग-विज्ञान 2011; 21 : 133-4

23. एस. के. अग्रवाल, एस. गुप्ता, डी. भौमिक, एस. महाजन। एक स्थानिक क्षेत्र में वृक्कीय प्रतिस्थापन चिकित्सा के दौरान अप्रकट यक्ष्मा के निदान के लिए ट्यूबरकुलीन त्वचा परीक्षण : एकल केंद्र अध्ययन। इंडियन जे. वृक्कविज्ञान 2010 जुलाई ; 20 (3) : 132-6

24. एस. के. अग्रवाल। एचसीसी संक्रमण के साथ रोगियों का हेमोडायलिसीस : पृथक्करण की एक निश्चित भूमिका है। नेफ्रोन क्लि. प्रैक्टि. 2011; 117(4) सी 328-32

25. एस. के. अग्रवाल। वृक्कीय प्रतिस्थापन चिकित्सा के दौरान हेपेटाइटिस "बी" संक्रमण। हेपे. मोन 2010; 10(4) : 255-257

26. एस. के. अग्रवाल। प्रारंभिक चिरकालिक वृक्क रोग परिभाषित करते समय वृक्कीय क्षति प्रश्न योग्य नहीं होना चाहिए। वृक्कविज्ञान डॉयल प्रत्यारोपण 2011 मार्च; 26 (3) : 111 ई-पब 2011, 6 जनवरी

27. ए. अग्रवाल, आर. दादा, डब्ल्यू. आर. बनर्स, ई. सबानेघ। टेस्टिकुलर कैंसर और पुरूष अनुवर्रता। आम कारण के बिंदु। यूरोपीय मूत्रवैज्ञानिक समीक्षा; 2010; ऑनलाइन; 56-59

28. पी. अग्रवाल, एस. भोई। श्वसनी दमा के तीव्र उत्तेजना के उपचार में क्रमिक कोर्टिकोस्टिरॉयड्स के दो खंडों की प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा की तुलना। जे. एमरजेंसी ट्रॉमा आघात 2010; 3(3) : 231-237

29. डी. अग्रवाल, एस. मिश्रा। पोस्ट ट्रॉमेटिक इन्ट्राडिप्लायिक स्यूडो मेनिनगोसिल। इंडियन बालरोगविज्ञान 2010; 47 : 272-273

30. एन. अग्रवाल, एस. के. गुप्ता। जन्म पर वजन, शीघ्र वजन प्राप्त करना और टाइप-1 मधुमेह का जोखिम। नेशनल मेडिकल जर्नल आफ इंडिया; 2010 ; 23(5) : 289-290

31. पी. अग्रवाल, बी. गुप्ता, एन. डीसूजा। सर्किल अवशोषक प्रणाली में कार्बन डाइऑक्साइड पुनःश्वसन का एक असामान्य कारण। जे. संवेदनाहरणविज्ञान 2010; 24 : 976-977

32. पी. अग्रवाल, बी. गुप्ता, एन. डीसूजा। त्वचीय विस्तारण श्वासनलीच्छेदन के दौरान गाइडवायर संघट्टन। आईजीए 2011; 2011 : 215-216

33. पी. अग्रवाल, बी. गुप्ता, एन. डीसूजा। क्वायल्ड सेंट्रल वेनस कैंथेटर इन सुप्रियर वेनाकावा। इंडियन जे. संवेदनाहरणविज्ञान 2010; 54 : 351-2

34. ए. अहमद, ए. खान, एफ. अख्तर, एस. युसुफ, आई. जेस, आई. एन. खान, एट. एल. केन्डिला के विरूद्ध एर्गोस्टेरोल जैवसंश्लेषण और मेम्ब्रेन संपूर्णता को बाधित करके थाईमॉल और कार्वेकरॉल का फफूंदनाशक क्रियाकलाप। ईयूआर जे. क्लिन. सूक्ष्मजैवविज्ञान संक्रामक रोग 2011; 30 : 41-50

35. एफ. अहमद, एम. कानन , के. किशोर, आर. सक्सेना। ग्लेंजमान थ्रॉम्बांएस्थेनिया के साथ गंभीर वॉन विलब्रांड रोग का सह-अस्तित्व। क्लिन. एप्लायड थ्रॉम्ब हेमोस्टेट 2010; 16 : 529-32

36. एफ. अहमद, एम. कानन, वी. यादव, ए. विश्वास, आर. सक्सेना। वॉन विलब्रांड रोग के नैदानिक फेनोटाइप पर शिरावरोधन उत्परिवर्तन का प्रभाव। क्लि. एप्लायड थ्रॉम्ब हेमोस्टेट 2010 ; 16: 281-7

37. आई. अहमद, आर. नारंग, ए. वेंकटरमन, एन. दास। एशियाई भारतीयों में पीओएन1 जीन के प्रवर्त्तक क्षेत्र में एकल म्यूक्लेटॉयड - 108 सी/टी बहुरूपण का आवृत्ति वितरण और हृदय वाहिका रोग से उसका संबंध। जर्नल ऑफ कम्युनिटी जेनेटिक्स। 2010; 2 : 27-32

38. ए. अहमद, एच. खुराना, विकास गोगिया, सीमा मिश्रा और सुषमा भटनागर। कैंसर पीड़ा के लिए मौखिक तत्काल निर्गमन मॉर्फिन की उच्च खुराक पर रोगियों में मॉर्फिन की वापसी में सेतु के रूप में सतत निर्गमन मुखीय मॉर्फिन का प्रयोग। एम. जे. हॉस्पिटल पॉलिएटिव केयर 2010 य 27 (6) : 413-5

39. ए. आहूजा, पी. दास, एन. कुमार, ए. के. सैनी, ए सेठ, आर. रे। प्रॉस्टेट का एडेनॉयड सिस्टिक कार्सिनोमा : बिरले जनोपयोग पर मामला रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। रोगविज्ञान अनुसंधान प्रायोगिक 2010; 207 : 391-4

40. ए. आहूजा, वी. के. अय्यर, आर. गुप्ता, वी. सूरी, एस. आर. माथुर, आर. अरोड़ा। एनाप्लास्टिक मेनिनजियोमा का सूक्ष्म सूई चूषण कोशिकाविज्ञान। कोशिकारोगविज्ञान 2011; 22 : 276-7

41. ए. आहूजा, एस. आर. माथुर, वी. के. अय्यर, एस. के. शर्मा, एन. कुमार, एस. अग्रवाल। द्विपक्षीय अधिवृक्क पिंड के रूप में प्रस्तुत हिस्टोप्लाजमॉसिस : तीन मामलों का कोशिका आकृतिमूलक निदान। निदान कोशिकारोगविज्ञान 2011; डीओआई : 10.1002/डी सी2 /660
42. ए. आहूजा, आर. सफाया, जी. प्रकाश, एल. कुमार, एन. के. शुक्ला। योनि का प्राथमिक मिश्रित म्यूलेरियन ट्यूमर - साहित्य की समीक्षा के साथ एक मामला रिपोर्ट। रोगविज्ञान अनुसंधान प्रायोगिक 2011; 207 : 253-5
43. ए. आहूजा, एम. सी. शर्मा, वी. सूरी, सी. सरकार, बी. एस. शर्मा और ए. गर्ग। पाइनियल एनलेज ट्यूमर विविध ऊतकविज्ञान के साथ एक बिरल मामला जे. क्लिन. तंत्रिकाविज्ञान 2011
44. वी. आहूजा, आर. के. टंडन। एशिया प्रशांत क्षेत्र में सूजनयोग्य आंत्र रोग : विकसित देशों के साथ तुलना और क्षेत्रीय भिन्नता। जे. डिज. डिस 2010; 11: 134-47
45. पी. आइलावधी, डी. अग्रवाल, बी. एस. शर्मा। सिर की चोट वाले रोगियों में अंतरकपालीय दाब में विलंबित वृद्धि। आईजेएनटी 2010; 7 : 37-40
46. एम. जेड. अख्तर, ए. शर्मा, एम. आर. राजेश्वरी। एच एम जी ए1 के प्रवर्त्तक क्षेत्र के साथ एड्रिएमाइसिन की अंतरक्रिया और ए431 मानव शल्कीय कार्सिनोमा कोशिका रेखा में एच एम जी ए1 अभिव्यक्ति पर उसका निरोधक प्रभाव। आणविक बायोसिस्ट, 2010; 7(4) : 1336-46
47. एन. अख्तर, ए. सत्यम, वी. आनंद, के. के. वर्मा, ए. शर्मा। पार्थेनियम प्रेरित संपर्क डर्मेटाइटिस के रोगियों में टी (एच) किस्म के साइटोकाइन्स का डिस्रेगुलेशन। क्लिन किम एक्टा. 2010, 411 (23-24) : 2024-8, ई- पब 2010 9 सितम्बर
48. एन. अख्तर, के. के. वर्मा, ए. शर्मा। पार्थेनियम डर्मेटाइटिस के रोगियों में सूजन-सह और रोधी साइटोकाइन रूपरेखा का अध्ययन। कंटेक्ट डर्मेटाइटिस 2010; 63 : 203-8
49. एम. एस. अख्तर, ए. विश्वास, आर. रंजन, ए. मीणा, बी. के. यादव, ए. शर्मा। एट. एल. गहरे शिरा थ्रॉम्बोसिस वाले भारतीय रोगियों में प्लाजकिनोजेन क्रियाशील अवरोधन-1 (पीएआई-1) जीन 4जी/ 5जी प्रवर्त्तक पॉलीमार्फिज्म उच्चतर आवृत्ति में देखा जाता है। क्लिन एप्लायड थ्रॉम्बो हेमोस्टेट. 2010; 16 : 184-8
50. एम. एस. अख्तर, ए. विश्वास, आर. रंजन, ए. शर्मा, एस. कुमार, आर. सक्सेना। एशियाई भारतीय रोगियों में नाइट्रिक ऑक्साइड सिन्थेज 3 जीन पॉलीमार्फिज्म तथा गहरी शिरा थ्रॉम्बॉसिस से उनका संबंध। क्लिन किय. एक्टा. 2010; 411 : 649-52
51. एम. के. आलम खान, एम. एच. रहमान, एम. आई. हसन, टी. पी. सिंह, ए. ए. मुसावी - मुवाहेदी, एफ. अहमद। साइटोक्रोम सी की गली हुई गोलिका दशा को फैलाने के दौरान होने वाली गलने के पूर्व की गोलिका दशा का संरचनात्मक और तापगतिकी विशिष्टकरण। जे. जैवविज्ञान अकार्बनिक रसायनविज्ञान 2010 ; 15 : 1319-1329
52. एम. आलम, एम. सेलादुराई, एस. नागपाल, ए. के. तोमर, एम. सारस्वत, एम. रजीउद्दीन, एस. मित्तल, टी. पी. सिंह, एस. यादव। नमूना जटिलता कमी मानव एमनियोटिक द्रव में निम्न प्रचुर प्रोटीन का सक्षमतापूर्वक पता लगाने में सहायता करती है। जे. सेप साइंस 2010; 33 : 1723-1729
53. एस. अली, एच. फारूखी, आर. प्रसाद, एम. नैमे, आर. राऊत्तरे, एस. यादव, एफ. अहमद। बोरॉन हेम प्रोटीन की संरचना में पेरोक्साइड मध्यस्थ परिवर्तनों को स्थिर करता है। इंट. जे. जैवविज्ञान मेक्रोमाल्यूकुलर 2010; 47 : 109-115
54. जेड. अली, एच. प्रभाकर, जी. पी रथ/ पोस्टेरियर फोसा शल्यचिकित्सा के बाद सतत आपरेशन-पश्च उच्च रक्त चाप। मध्य-पूर्व जे. संवेदनाहरणविज्ञान 2010; 20 (4) : 571-2
55. जे. एलोन्सो, एम. पेतुखोवा, जी. विलागुट, एस. चटर्जी, एस. हीरींगा, टी. आर. उस्तीन। एट. एल. आम शारीरिक और मानसिक दशाओं के कारण भूमिका से बाहर दिन : विश्व स्वास्थ्य संगठन के विश्व मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण से परिणाम। आण्विक मनश्चिकित्साविज्ञान 2011; 16 : 1234-46
56. के. अल-उमरान,, बी. वी. अदकोली। संप्रेषण कुशलता पर कार्यशाला का अनुभव। जे. परिवार समुदाय चिकित्सा 2009; 16 : 115-18
57. के. यू. अल-उमरान, एम. एच. अलशेख, बी डी अदकोली। आकलन पद्धतियों पर चिकित्सा शिक्षा यूनिट का प्रभाव। चिकित्सा शिक्षा 2009 ; 43 : 1081-117
58. वाई. के. अंबेदकर, वी. सिंह, एस. के. काबरा, जी आर सेठी, एम बाबू, डी. विजयशेखरन, एट. एल. बाल्यावस्था यक्ष्या पर सहमति बयान। यक्ष्मा पर कार्य समूह। इंडियन एकेडमी आफ पेडिएट्रिक्स (आईएपी) इंडियन पेडिए. 2010; 47 : 41-55

59. ए. आनंद, एन. पी. गुप्ता, एम के सिंह, एस आर माथुर, आर नैय्यर। सामान्य पेरियोटाइप के साथ मिश्रित जननग्रंथीय अपजनन : एक बिरल मामला रिपोर्ट। इंडियन जे. रोगविज्ञान सूक्ष्मजैवविज्ञान 2010; 53 : 313-5

60. ए. आनंद, आर. कुमार, पी. एन. डोगरा, ए. सेठ, एन पी गुप्ता। बाल पर्कुटेनियस नेफ्रोलिथोटॉमी में अति केलिसियल पंक्चर की सुरक्षा और प्रभावोत्पादकता। जे. इंडोयूरोलॉजी, 2010; 24 : 1725-8

61. आनंद कृष्णन, राकेश कुमार, एन. बरीदेलाइन, पी. मिश्रा, आर. श्रीवास्तव, एस. के. कपूर। ग्रामीण उत्तर भारत में लघु मौखिक शव-परीक्षा साधन का प्रयोग करते हुए नैमेत्तिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा वयस्क मृत्यु दर निगरानी। जे. महामारीविज्ञान सामुदायिक स्वास्थ्य 2011, 3 मार्च (ई-पब मुद्रण से पहले)।

62. आनंद, के. डी. राजन, के. सी. सुब्बारस, एस. अग्रवाल, एस. दत्ता गुप्ता। बाल्यावस्था में मिश्रित किस्म का मध्यस्थानिका लिपोसर्कोमा : असामान्य ऊतकवैज्ञानिक विशेषताओं सहित एक मामले की रिपोर्ट। इंड. जे. रोगविज्ञान और सूक्ष्मजैवविज्ञान 2010; 53 : 531-534

63. ए. एंडरमेन, एल. गिन्सबर्ग, पी. नॉर्टन, एन. अरोड़ा, डी. बेट्स, ए. बू, आई. लेरिजगोसिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रोगी सुरक्षा का रोगी सुरक्षा अनुसंधान प्रशिक्षण और शिक्षा विशेषज्ञ कार्य समूह। रोगी सुरक्षा अनुसंधान के लिए मुख्य दक्षताएं : वैश्विक क्षमता सुदृढ़ीकरण के लिए एक आधार। बीएमयू क्वालिटी सेफ 2011; 20 : 96-10

64. एफ. एजेंली, पी. वर्देशिया, जी. कार्तिकेयन, जी. मजोटा, एम. डेल पिंटो, एस. रेपासी, सी. गरेशी, जी. जेंटाइल, सी. केवेलिनी, जी. रेबोल्डी। नव प्रारंभ हाईपरग्लाइसेमिया और तीव्र हृदय संलक्षण : एक क्रमबद्ध परिदृश्य और मेटाएनेलिसिस। कर. डायबिटीज रिव्यू : 2010, मार्च; 6(2) : 102-10

65. एफ. एजेंली, पी. वर्देशिया, जी. कार्मिकेयन, जी. मजोटा, जी. जेंटाइल, जी. रेबोल्डी। उच्च जोखम वाले गैस-हृदय शल्यचिकित्सा करा रहे रोगियों में बीटा-ब्लॉकर मृत्य दर कम करता है। एम. जे. कार्डियोवस्कुनर औषधि 2010; 10(4) : 247-59

66. एफ. एजेंली, पी. वर्देशिया, जी. कार्मिकेयन, जी. मजोटा, एस. रेपासी, एम. डेलपिंटो, जी. जेटाइल, सी. केवेलिनी, जी. रेबोल्डी। बीटा ब्लॉकर्स और गैर हृदय शल्यचिकित्सा में सभी कारण की मृत्यु-दर का जोखिम। थेर एडवांस कार्डियोवस्कुलर डिस् 2010, अप्रैल; 4(2) : 109-18

67. एस. अनूप, ए. मिश्रा, के. मीणा, के. लूथरा। एपोलियोप्रोटीन ई पोलीमॉफिज्म इन सेरेब्रोवस्कुलर HYPERLINK "http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/20966513" और HYPERLINK "http://www. ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/20966513" हृदय वाहिका रोग। इंडियन जे. चिकित्सा अनुसंधान 2010; 132 : 363-78

68. एम. ए. अन्सारी, ए. सिंह, ए. सिंह, पी. नाग, एम. इरशाद। यकृत और वृक्क रोगों वाले रोगियों में एचसीवी - टाइप/ सब-टाइप की प्रास्थिति हेपेटोलॉजी इंटरनेशनल 2011 : 232

69. एस. अरावा, वी. के. अय्यर, एस. आर. माथुर । पेरिटोनियल इंडोमेट्रायसिस का कोशिका वैज्ञानिक निदान। जे. कोशिकाविज्ञान 2010; 27 : 77-8

70 एस. अरावा, ए. शर्मा,, वी. के. अय्यर, एस. आर. माथुर। नैमेत्तिक सर्वाइकल स्मियर में आयोडामोका बुतशिली। कोशिकरोगविज्ञान 2010; 21 : 342-3

71. एम. अरोड़ा, ए. तिवारी, वी. त्रिपाठी, जी. पी. नजर, एन. एस. जुनेजा, एल. रामाकृषणन, के. एस. रेड्डी। भारत की शहरी गंदी बस्तियों में सुविधाहीन किशोरों में तम्बाकू का प्रयोग रोकने के लिए समुदाय आधारित मॉडल। स्वास्थ्य संवर्धन संस्थान 2010; 25 : 143-52

72. एन. के. अरोड़ा एस. अरोड़ा, ए. आहूजा, पी. माथुर, एम. माहेश्वरी, एम. के. दास, वी. भाटिया, एम. काबरा, आर. कुमार, एम. आनंद, ए. कुमार, एस. डी. गुप्ता, एस. विवेकानंदन। उत्तरी भारत में पुराने यकृत रोग वाले बच्चों में अल्फा 1 एंटीट्राइप्सिन की कमी। इंडियन बालरोगविज्ञान 2010; 47 : 1015-23

73. एन. के. अरोड़ा, एस. अवस्थी, पी. गुप्ता, एस. के. काबरा, जे. एल. मैथ्यू, के. नेदनचेलियन, ए. के. निसवडे, ए. पटेल, एस. रेवल, जी. आर. सेठी, डी. शाह, वी. सिंह, डी. शाह, पी. गुप्ता, एन. के. अरोड़ा। भारत नैदानिक महामारीविज्ञान नेटवर्क (इंडिया क्लेन) निमोनिया पर कार्य बल। निमोनिया के लिए एंटीबायोटिक्स का युक्तिसंगत प्रयोग। इंडियन बालरोगविज्ञान 2010; 47 :11-8

74. आर. अरोड़ा, आर. गुप्ता, ए. शर्मा, ए. के. डिन्डा। एक 38 वर्षीय महिला में उर्वस्थि के निम्न ग्रेड मायोफाइब्रोब्लास्टिक सर्कोमा का एक बिरल मामला : एक मामला रिपोर्ट। जे. चिकित्सा मामला रिपोर्ट 2010; 4 : 121

75. आर. अरोड़ा, ए. कुमार, वी. बंसल। वृहद वृक्कीय लिपोमा। एब्डॉम इमेजिंग 2011; 36 : 545-7
76. आर. अरोड़ा, ए. शर्मा, आर. गुप्ता, बी. मल्होत्रा, ए. के. डिन्डा। इन्फ्राटेम्पोरल फोसा के सूजनयोग्य मायोफाइब्रोब्लास्टिक ट्यूमर। इंडियन जे. रोगविज्ञान सूक्ष्मजैवविज्ञान 2010; 53: 382-4
77. एस. अरोड़ा, आर. गुलेरिया, जी. कुमार, ए. मोहन। गंभीर रूप से बीमार वेंटिलेटेड सीओपीडी रोगियों में मृत्यु दर के पूर्वानुमानक। ए. एम. जे. श्वसनीय गंभीर परिचर्या चिकित्सा 181 : 2010 : ए 1624
78. एस. अरूलसेल्वी, कंचना रंगराजन, रवीन्द्र कुमार पांडे, जतीन एस. गांधी, विजय शर्मा, संजीव भोई। इरेथ्रोसाइट अवसादन दर के मापन में वेस्टरग्रेन हस्त विधि की तुलना में स्वचालित ईएसआर विश्लेषक का मूल्यांकन। इंडियन जे. रोगविज्ञान, सूक्ष्मजैवविज्ञान 2010; 54(1) : पृष्ठ 69-73
79. एस. अरूलसेल्वी, कंचना रंगराजन, सुदीप कुमार, कामरान फारूख, विजय शर्मा, महेश चन्द्र मिश्रा। स्तर एक ट्रॉमा परिचर्या केंद्र में चयनात्मक अस्थि शल्यचिकित्सा के लिए रक्त क्रय अनुसूची की समीक्षा करना। जे. इमरजेंसी ट्रॉमा शॉक 2010; 3(3) : 225-30
80. एस. अरूलसेल्वी, के. रंगराजन, एम. सुनीता, एम. सी. मिश्रा। स्तर एक ट्रॉमा केंद्र में रक्त संचरण पद्धतियां : एक वर्षीय भूतलक्षी समीक्षा। सिंगापुर मेडिकल जे. 2010; 51(9) : 736-40
81. एल. एस. आर्य, एस. पी. कोटिकन्यादानम, एम. भार्गव, आर. सक्सेना, एस. सजावल, एस. बक्शी, एट. एल. बाल्यावस्था एएलएल में पुनरावर्तन का पैटर्न : चुनौतियां और समरूप उपचार नयाचार से सीख। जे. बालरोगविज्ञान रूधिरविज्ञान, अर्बुदविज्ञान 2010; 32 : 370-5
82. आर. आर्य, एस. गुलाटी, एम. काबरा, जे. के. साहू, वी. कालरा। फॉलिक अम्ल संपूरण बच्चों में फेनाटॉयन प्रेरित मसूढ़े की वृद्धि रोकता है। तंत्रिकाविज्ञान 2011; 76 : 1338-43
83. आर. आर्य, एस. गुलाटी, एम. काबरा, जे. के. साहू; वी. कालरा। बच्चों में तीव्र दौरे के नियंत्रण के लिए इंट्रानेजल बनाम इंट्रावेनस लोराजेपाम : एक यादृच्छिक मुक्त लेबल अध्ययन; एपिलेप्सिया 2011; 52 : 788-93
84. आर. आर्य, एम. काबरा, एस. गुलाटी। निम्न संलक्षण के साथ बच्चों में मिरगी। एपिलेप्टिक डिस्ऑर्डर 2011; 13 : 1-7
85. आर. आर्य, ए. कुमार। एचआईवी संक्रमित बच्चों में सेरेब्रल न्यूरिस्मल आर्टेरियोपैथी। इंडियन बालरोगविज्ञान 2010; 47 : 633
86. डी. पी. असाती, वी. के. शर्मा, एस. खांडपुर, जी. सी. खिलनानी, ए. कपिल। नैदानिक और जीवाणुवैज्ञानिक रूपरेखा और नई दिल्ली में तृतीयक परिचर्या केंद्र में त्वचारोगविज्ञान विभाग में सेप्सिस का परिणाम। इंडियन जे. डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी; लेप्रोलॉजी, 2011; 77 : 141-7
87. ए. अवस्थी, एस. ग्रोवर, ए. भंसाली, आर. जे. दास, एन. गुप्ता, पी. शरण, एट. एल. डायबिटीज मेलिटस में उत्थान दुष्क्रिया जीवन के खराब स्तर में योगदान देती है। इंटर रेव. मानशचिकित्साविज्ञान 2011; 23 : 93-9
88. डी. के. अवस्थी, वाई के. मिश्रा, आर. सिंघल, डी. कविराज, एस. महापात्र, बी. मोहंत, गोहिल निवेदिता कर्मकार और एन. सिंह। विविध अनुप्रयोग के लिए प्लाजयोनिक नेनोकम्पोजिट का संश्लेषण। जर्नल आफ नेनोसाइंस एंड नेनोटेक्नोलॉजी, 2010; 10 : 2705-2712
89. वी. डी. अविलव, आर. मटूर, डी. भिखारी, एन. ए. शहरबकोवा, इलू. डोरोफीव, ए ए. सेवोखीन। जेरासीमेंको। यूपी (इनिशिएशन आफ लोकोमोशन इन डिसेरेब्रेटेड कॉर्ड बाई यूजिंग आफ इंपल्स मैगनेटिक फील्ड प्रोजेक्टेड ऑनटू दि स्पाईनल कॉर्ड सेगमेंट) रॉस फिजियोल जेडएच आई एम एम सेकेनोवा 2009 नवम्बरः 95 (11) : 1216-24
90. आर. वी. आजाद, पी. चन्द्रा, एस. डी. पटवर्धन, ए. गुप्ता। जुड़वों में पूर्व परिपक्वता की एसिमेट्रिकल रेटिनोपैथी की रूपरेखा। इंडियन जे. नेत्ररोगविज्ञान 2010; 58 : 209-11
91. आर. वी. आजाद, आर. मन्नन, पी. चंद्रा। पूर्व परिपक्वता के चरण 5 रेटिनोपैथी सहित नेत्रों के प्रबंधन में अल्ट्रासाउंड बायोमाइक्रोस्कोपी। ऑफ्थेल्मिक सर्जरी लेजर इमेजिंग 2010; 41 : 196-200
92. एन. बदजटिया, ए. सत्यम, पी. सिंह, ए. सेठ, ए. शर्मा1 यूरोथेलियल ब्लाडर कार्सिनोमा वाले भारतीय रोगियों में परिवर्तित एंटीऑक्सीडेंट की स्थिति और लिपिड पेरोऑक्सीडेशन। यूरो. ऑनको 2010; 28 : 360-7
93. एस. बागची, एस. के. अग्रवाल, एस. गुप्ता। चिरकालिक वृक्क रोग के लिए वयस्क प्रथम डिग्री संबंधियों की लक्षित जांच और उसके जोखिम कारक। नेफ्रॉन क्लिन. प्रैक्टि. 2010; 116(2) : सी 28-36 ई-पब 2010, 21 मई।
94. ए. बग्गा, एस .के. सेठी, ए. शर्मा। स्टेरॉयड प्रयोग के साथ संबद्ध पेनिकुलाइटिस। सऊदी जे. किडनी डिस. ट्रांस्प्लांट 2010; 21 : 539-41

95. ए. बहादुर, एन. मल्होत्रा, एस. मित्तल, एन. सिंह, एस. गुरूनाथ। इन विट्रो उर्वरीकरण करा रही जननांग यक्ष्मा वाली अनुवर्रक महिलाओं में एंटीट्यूबरकुलर उपचार के बाद दुबारा हिस्टेरोस्कोपी। इंट. जे. स्त्रीरोगविज्ञान प्रसूतिविज्ञान 2010; फरवरी; 108 (2) : 128-31

96. ए. बहल, के. एस. बसु, डी. एन. शर्मा, जी. के. रथ, पी. के. जुल्का, एस. थुल्कर। कार्सिनोमा नेसोफेरिंक्स की तीव्रता मॉडयूलेटेड विकिरण चिकित्सा में कार्टायड वाहिका को अभिन्न खुराक : विस्तारित क्षेत्र आईएमआरटी बनाम विखंडित क्षेत्र आईएमआरटी। जे. कैंसर रिस. थर. 2010; 6(4) : 585-7

97 ए. बहल, बी. चक्रवर्ती, एस. गुलाटी, के. एन. राजू, ए. राजा, एस. बक्शी। बाल गैर-हॉगकिन लिम्फोमा में तीव्र फ्लेसिड क्वाड्रिपेरेसिस का प्रारंभ : विनिक्रिस्टाइन प्रेरित अथवा गुइलेन बेयर संलक्षण? बालरोगविज्ञान रक्त कैंसर 2010 :55 : 1234-5

98. ए. बहल, एस. पी. लोछब, वी. ई. एलिनिकोव, ए. जी. मोलोकेनोव, ए. ए. रूपासोव, ए. पांडे, प्रतीक कुमार। नेनोक्रिस्टेलाइन बीएओ 97 सीएओ 03 एस ओ 4 का ताप संदीप्तिर्शिल प्रत्युत्तर : प्रोटीन बीम के लिए ईयू। इंड. जे. शुद्ध अनुप्रयुक्त भौतिकशास्त्र 2010 (48) 500-504

99. एम. एस. बजाज, एम. मेहता, एस. कश्यप, एन. पुष्कर, पी. लोहिया, बी. चावला, एस. घोष। नेत्र-कोटर के एंजियोमाइक्सोमाज की नैदानिक और रोगवैज्ञानिक रूपरेखा। नेत्रविज्ञान प्लास्टिक पुनर्निर्माण शल्यचिकित्सा 2011; 27 : 76-80

100. एम. एस. बजाज, एम. मेहता, एस. सेन, एन. पुष्कर, एस. सेठी, एस. घोष। स्केवेनोमा : एक बच्चे में असामान्य लेक्रिमल ग्लैंड ट्यूमर। जे. पेडिए ऑफ्थेल्मोलॉजी स्ट्रेबिस्मस : 2010; 47 : 380-1

101. जे. बाजपेयी, एस. गामनगट्टी, एम. सी. शर्मा, आर .कुमार, एस. विष्णुभाटला, एस. ए. खान, एट. एल. ओरटियोसर्कोमा में एंजियोजेनेसिस का गैर-आक्रामक छायाचित्रण प्रतिनिधि। बालरोगविज्ञान रक्त कैंसर 2010; 54 : 526-31

102. जे. बाजपेयी, एस. गामनगट्टी, आर. कुमार, वी. श्रीनिवास, एम. सी. शर्मा, एस. ए. खान, एट. एल। रसायनचिकित्सा प्रत्युत्तर के मूल्यांकन और पूर्वानुमान के लिए ओस्टियोसर्कोमा में एमआरआई की भूमिका : ऊतकवैज्ञानिक ऊतकक्षय के साथ सह-संबंध। बालरोगविज्ञान विकिरणविज्ञान 2011; 41 : 441-50, ई-पब 2010, 27 अक्तूबर।

103. एस. बक्शी, एस. गुप्ता, वी. गोगिया, वाई. रवीन्द्रनाथ। रेटिनोब्लास्टोमा में अनुपालन। इंडियन जे. बालरोगविज्ञान 2010; 77 : 535-540

104 एस. बक्शी, आर. मील, एस. कश्यप, एस. शर्मा। निदान में रेटिनोब्लास्टोमा में अस्थि मज्जा चूषण और लंबर पंक्चर : आई आर एसएस स्टेजिंग के साथ सह-संबंध। जे. बालरोगविज्ञान रूधिरविज्ञान अर्बुदविज्ञान 2011 (ई-पब मुद्रण के पहले)।

105 एस. बक्शी, एम. ई. नोंगपिउर, एस. सेन, आर. टंडन। रसायनचिकित्सा के आंशिक प्रत्युत्तर और दीर्घ कमी के साथ यूनिफोकल लिम्बल लेंगरहेन्स सेल हिस्टियोमाइटोसिस की पुनरावृत्ति बालरोगविज्ञान रक्त कैंसर 2011; 56 : 687-8

106 एस. बक्शी, एस. पठानिया, बी. के. मोहंती, एस. थुल्कर, ए. ठक्कर। जबड़े के प्रारंभिक न्यूरोएक्टोडर्मल ट्यूमर की चिकित्सा और परिणाम। बालरोगविज्ञान रक्त कैंसर 2010; 56 (3) : 477-81

107. सी. एस. बाल, एम. चावला। हाईपरथॉयराइडिज्म और पीलिया। इंडियन जे. न्यूक्ल. मेडी. 2010; 25 : 131-4

108. सी. एस. बाल, एस. के. गुप्ता, जे. जे. जक्नुन। गेस्ट्रोएन्ट्रोपैक्रेटिएटिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर के रोगियों में रेडियोन्यूक्लाइड छायाचित्रण और चिकित्सा के लिए रेडियोलेबल्ड सोमोटोस्टेटिट एनेलॉग। ट्रॉप गैस्ट्रोएन्टेरोलॉजी 2010; 31 : 87-95

109. एम. बाला, एस. सूद। नेसेरिया गनौरिया में सेफेलोस्पोरिन प्रतिरोध। जे. ग्लोब संक्रामक रोग, 2010; 2 : 284-90

110. आर. के. बालू, एस. राय, शशि कोल, के. आनंद, एल. डार, यू. सिंह। ग्रामीण हरियाणा, भारत में डॉट्स केंद्र में जाने वाले यक्ष्मा के रोगियों में एचआईवी की विद्यमानता। रेटरोवायरोलॉजी 2010; 7 : 124

111. बी. बनर्जी, यू. शर्मा, के. बालासुब्रमण्यम, एम. कलईवाणी, वी. कालरा, एन. आर. जगन्नाथन। एम्बुलेटरी उशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के रोगियों में कोशिकीय ऊर्जा और मांसपेशीय सुदृढ़ता सुधारने में क्रिएटाइन मोनोहाइड्रेट का प्रभाव : एक यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित 31 पीएमआरएस अध्ययन। मैग. रिजो. इमेजिंग 2010, जून, 28(5) : 698-707

112. वाई. जे. बांग, ई. वान कटसेम, ए. फेरेसलीवा, एच. सी. चुंग, एल. शेब, ए. सवाकी, एफ. लॉर्डिक, ए. ओत्यू, वाई. ओमुरो, टी. सातोह, जी. एप्राइल, ई. कुलीकोव, जे. हिल, एम. लेहले, जे. रूशोफ, वाई. के. कांग। टीओजीए परीक्षण अन्वेषक। एचईआर 2 -पॉजीटिव उन्नत गैस्ट्रिक अथवा गैस्ट्रोओएसोफिजियल संधि कैंसर (टीओजीए) के उपचार के लिए ट्रेस्टुजुमाब के साथ रसायन चिकित्सा बनाम एकमात्र रसायनचिकित्सा : एक फेज 3 मुक्त लेबल यादृच्छिहक नियंत्रित परीक्षण। लान्सेट 2010; 376 (9742) : 687-97

113. वी. के. बंसल, ए. कृष्णा, एम. सी. मिश्रा, आर. एन. खान, ए. एल. नोबा, एन. किशोर। जटिल मलेरिया में सहज प्लीहा फटन : गैस-आपरेशन प्रबंधन। ट्रॉप. गेस्ट्रोइंटेरोलॉजी 2010; 31(3) : 233-5

114. वी. के. बंसल, एम. सी. मिश्रा, पी. गर्ग, एम. प्रभु। गॉलस्टोन रोग और आम पित्त वाहिका स्टोन वाले रोगियों का दो-चरण बनाम एकल चरण प्रबंधन की तुलना करते हुए एक पूर्वानुमानित यादृच्छक परीक्षण। सर्जरी इंडो. 2010; 24 : 1986-9

115. वी. के. बंसल, एम. सी. मिश्रा। एस. कुमार, के. राव, पी. सिंघल, ए. गोस्वामी, एस. गुलेरिया, एम. के. अरोड़ा, ए. छाबड़ा। उत्कीर्णक और उदर हर्निया की लेप्रोस्कोपिक मरम्मत के लिए स्यूचर मेश फिक्सेशन बनाम टैकर मेश फिक्सेशन की तुलना करते हुए एक पूर्णनुमानित यादृच्छिक अध्ययन। शल्यचिकित्सा इंडोस्कोपी 2011, मई; 25(5) : 1431-8, ई-पब 2010, 26 अक्तूबर

116. वी. के. बंसल, एम. सी. मिश्रा/ पैक्रिएटिक हाइड्रेटिड सिस्ट मेस्क्वेरेडिंग एज सिस्टिक नियोप्लाज्म आफ पैंक्रियाज ए केस रिपोर्ट। ट्रॉपिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी; अक्तूबर-दिसम्बर, 2010; खंड 31; संस्करण 4

117. एन. बशीर, डी. गुप्ता, जी. डी. सत्यार्थी, डी. अग्रवाल, एस. सिन्हा, एस. एस. काले, बी. एस. शर्मा, ए. के. महापात्र। अस्थायी डोर्सोलम्बर स्पाईनल ट्रॉमा : स्तर 1 शीर्ष ट्रॉमा केंद्र में 94 मामलों का एकल संस्थात्मक अनुभव। इंडियन जर्नल आफ न्यूरोट्रॉमा 2010; 7 : 55-60

118. एन. बशीर, एम. के. कासलीवाल, ए. सूरी, एम. सी. शर्मा, ए. अरोड़ा, बी. एस. शर्मा। लेटरल एक्स्ट्राड्यूरल सुप्राटेंटोरियल न्यूरेनटेरिक सिस्ट, जे. क्लिन, न्यूरोसाइंस 2010; 17 : 639-41

119. एस. बसु, आर. कुमार, ए. अलावी। संक्रमण और सूजन में पीईटी और पीईटी - सीटी छायाचित्रण कैंसर के रोगियों में चिकित्सीय हस्तक्षेपों से संबद्ध जटिलताओं का आकलन करने में उसकी भूमिका। इंडियन जे. कैंसर 2010; 47 : 100-19

120. एल. एफ. बीन, एस. के. नाथ, एस. के. रल्हन, जी. एस. वांडर, एन. के. मेहरा, जे. सिंह, एट. एल. एशियाई सिखों में आम परिवर्ती समीप मेलेनोकॉर्टिन-4 रिसेप्टर जीन और मोटापा संबद्ध विशेषता के बीच संबंध की प्रतिकृति। मोटापा (सिल्वर स्प्रिंग) 2010; 18 : 425-0

121. एल. एफ. बीन, एस. रल्हन, जी. एस. वांडर, एन. के. मेहरा, जे. सिंह, जे. जे. मुल्वीहील, एट. एल., दक्षिण एशियाईवासियों में केसीएनक्यू 1 में परिवर्ती टाइप-II डायबिटीज बी सुप्रभाव्यता बढ़ाते है : भारत और सं. रा. से 3310 व्यक्तियों का अध्ययन, बीएमसी मेडि. जेनेटि. 2011, 12:18

122. बी. बेहरा, एस. भोरीवाल, पी. माथुर, सुषमा सागर, मनीष सिंघल, एम. सी. मिश्रा। एरोमोनाज हाइड्रोफिला के कारण आघात-पश्च त्वचा और नरम ऊतक का संक्रमण। इंड. जे. क्रिटिकल केयर मेडी. (आईजेसीसीएम), जनवरी- मार्च, 2011, खंड 15, संस्करण 1, पृष्ठ 49-51

123. बी. बेहरा, आर. चौधरी, ए. पांडे, ए. मोहन, एल. डार, एम. एम. प्रेमलता, एट. एल. लेप्टोसपिरा, डेंगू और हेपेटाइटिस ई को कारण सह-संक्रमण : एक नैदानिक चुनौती। जे. इन्फे. डेव. सिट्री 2009; 4 (1) 48-50

124. बी. बेहरा, एन. जैन, एस. शर्मा, पी. माथुर, एम. सी. मिश्रा। त्वचा से स्टेफिलोकोकस ऑरियस पृथक्कारक के विरूद्ध डेप्टोमाइसिन का एंटीमाइक्रोबियल कार्यकलाप और ट्रॉमा रोगियों का त्वचा संरचना संक्रमण। जो संक्रमण 2010 जुलाई; 61 (2) : 195-6

125. बी. बेहरा, पी. माथुर, एट. एल.। ट्रॉमा के रोगियों में रक्त जांच ग्राम स्टेन, एक्रीडाइन ऑरेंज स्टेन और रक्त प्रवाह संक्रमण की प्रत्यक्ष संवेदनशीलता आधारित एंटीमाइक्रोबियल चिकित्सा। इंडियन जे. सूक्ष्मजैवविज्ञान; 2010; 28(2) : 138-42

126. बी. बेहरा, पी. माथुर, ए. दास, ए. कपिल, बी. गुप्ता, एस. भोई, के. फारूक, वी. शर्मा, एम. सी. मिश्रा। पॉलीमाइक्सिन के लिए सुप्रभाव्यता परीक्षण विधियों का मूल्यांकन। इंट. जे. संक्रामक रोग 2010 जुलाई, 14 (7) : ई 596-601

127. बी. बेहरा, पी. माथुर, एट. एल. बड़े थेल्सेमिया सहित बच्चे में ट्रॉमा के बाद सेल्मोनेला इन्टेरिका इंटेरीटाइडिस आर्थराइटिस। इंडियन जे. बालरोगविज्ञान 2010; 77 (7) : 807-8

128. बी. बेहरा, आर. आई. सिंह, आई. एस., पी. माथुर, एफ. हसन, एम. सी. मिश्रा। केनडिडा रूगोसा : ट्रॉमा रोगियों में कैंडीडेमिया का संभावित उभरता हुआ कारण। संक्रमण, 2010; 38 : 387-93

129. बी. बेहरा, एन. जैन, एस. शर्मा, पी माथुर, एम. सी. मिश्रा। त्वचा से स्टेफिलोकोकस ऑरियस पृथक्कारक के विरूद्ध डेप्टोमाइसिन का एंटीमाइक्रोबियल कार्यकलाप और ट्रॉमा रोगियों का त्वचा संरचना संक्रमण। जर्नल आफ इन्फेक्शन, 2010, खंड 61, 195-196

130. सी. बेहरा, आर. राऊतजी, एम प्रधान, टी मिलो। पार्शियल हैंगिंग : मामला रिपोर्ट की श्रृंखला और साहित्य की समीक्षा मलेशियाई जे. फॉरेंसिक रोगविज्ञान 2010; 5 (3) : 64-72

131. जे. बेंजामिन, एन. सिंह, जी. के. मखारिया। चिरकालिक आंत्र छद्मबाधा में गंभीर कुपोषण के लिए एन्टेरल पोषाहार। पोषाहार 2010; 26 : 502-5

132. बी. वर्गीज, नीरजा भाटला, रानी कुमार, एस. एन. द्विवेदी; रेणु ढींगरा। भारतीय जनसंख्या में एक्लेम्पसिया पूर्व द्वारा जटिल किए गए गर्भधारण में परिचालक एंजियोजेनेटिक कारक। नेट मेडी जे. इंडिया 2010; 23 : 77-81

133. एन. भगत, एम. अग्रवाल, के. लूथरा, एन .के. विक्रम, ए. मिश्रा, आर. गुप्ता। ट्यूमर नेक्रोसिस कारक में पेरोक्सिसम प्रालिफेरेटर - सक्रिय रिसेप्टर - गामा और ग्लाई 308 एएलए में प्रो 12 एएलए के एकल न्यूक्लोटाइड पोलीमॉफिज्म का मूल्यांकन मोटे एशियाई भारतीयों में अल्फा जीन : एक जनसंख्या आधारित अध्ययन। डायबिटीज मेटा. सिन्ड्रोम ओबीन 2010; 11(3) : 349-56

134. ए. एस. भल्ला, ए. गदोदिया, आर. शर्मा, बाल आयु समूह में प्राथमिक पेरोटिड यक्ष्मा (टीबी) का तीव्र निदान और सफल औषधि चिकित्सा : एक मामला रिपोर्ट और साहित्य की संक्षिप्त समीक्षा। इंट. जे. संक्रामक रोग 2010; 14 पूरक 3 : ई 370-1

135. ए. एस. भल्ला, एस. हरि, एच. एच. चंद्रशेखर, ए. सिन्हा, जी. मखारिया, आर. गुप्ता। उदरीय लिम्फेटिक यक्ष्मा (टीबी) और पोर्टल उच्च रक्तचाप। गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी क्लिन बायो. 2010; 34 : 696-701

136. पी. भारज, डब्ल्यू एम सलन्दर, एस. के. काबरा, ए. ब्रूर। भारत में तीव्र श्वसन मार्ग संक्रमण वाले बच्चों में मानव बोकावायरस संक्रमण। जे. मेडी. वायरोलॉजी 2010; 82 : 812-6

137. आर. भार्गव, आर. कर, एम. महापात्र, आर. सक्सेना। रोमिल कोशिका ल्यूकेमिया की नैदानिक रूधिर वैज्ञानिक रूपरेखा : एकल केंद्र अनुभव। रूधिरविज्ञान 2010; 15 : 162-4

138. ए. सी. भारती, ए. पाणिग्रही, पी. के. शर्मा, एन. गुप्ता, आर. कुमार, एस. शुक्ला, एट. एल. जीवित संबद्ध दाता वृक्क प्रत्यारोपण में करक्यूमिन प्रेरित इम्यूनोसप्रेशन की नैदानिक संगतता : एक इन विट्रो विश्लेषण। एक्स क्लि. ट्रांसप्लांट 2010 जून; 8 (2) : 161-71

139. पी. के. भारती, एम. टी. आलम, आर. बॉक्सर, एम. एम. शुक्ला, एस. पी. गौतम, वाई. डी. शर्मा, एट. एल., मध्य भारत में फेलसिपेटम मलेरिया के रोगियों में क्लोरोक्विन की चिकित्सीय प्रभावोत्पादकता ओर फर्ट जीन में क्रम भिन्नता। ट्रॉप मेडी. इंट. हेल्थ 2010; 15 : 33-40

140. एस. भास्कर, वी. बाजपेयी ए. बहल, एस. कल्यानकुप्पम। इलेक्ट्रॉन बीम विकिरण चिकित्सा द्वारा उपचार किया गया स्केल्प का पुनरावृत्ति पिलोमेट्रिक्स कार्सिनोमा, इंडियन जर्नल आफ कैंसर अप्रैल- जून 2010; खंड 47, संस्करण 2, पृष्ठ 217-218

141. ए. ए. भट्ट, आर. के. सेठ, एस. कुमार, ए. विश्वास और डी. एन. राव। अंतरनासीय प्रतिरक्षण का प्रयोग करते हुए सूक्ष्मकण में पी. वाइपेक्स के पेप्टाइड एंटीजन का कोशिका मध्यस्थ प्रत्युत्तर का प्रेरण, प्रतिरक्षाविज्ञान, इन्वेस्ट, 2010; 39 : 483-499

142. जी. एम. भट्ट, एल. कुमार, ए. शर्मा, वी. कुचुपिल्लै। एम्स, नई दिल्ली में स्टैम कोशिका प्रत्यारोपण में शीघ्र संक्रमण : एक पूर्वानुमानिक अध्ययन, गल्फ जे. अर्बुदविज्ञान 2010, जुलाई; 1(8) : 15-9

143. जे. भाटिया, फौजिया तबस्सुम, अशोक कुमार शर्मा, सौरभ भारती, महावीर गोलेछा, सुजाता जोशी, एट. एल. डीओसीए लवण प्रेरित उच्च रक्तचाप के चूहा मॉडल में एम्बलिका ऑफिसिनेलिस उच्च रक्तचाप-रोधी प्रभाव देता है : (पी) ई एनओएस, एनओ और ऑक्सीकारक दबाव की भूमिका। कार्डियोवस्कुलर टॉक्सिकल, 2011; 272-279

144. जे. भाटिया, एम. गोलेछा, डी. एस. आर्य। चूहों में एम्बलिका ऑफिसिनेलिस के तंत्रिका भेषज वैज्ञानिक प्रभावों का अध्ययन। इंडियन जे. भेषज विज्ञान, 2010; 42 (पूरक 2) : एस 156

145. जे. भाटिया, एफ. तबस्सुम, डी. एस. आर्य, एस. जोशी, ए. के. श्रीवास्तव। उच्च रक्तचाप के चूहा मॉडल में भारतीय औषधीय पौधे एम्वलिका ऑफिसिनेलिस की उच्च रक्तचाप-रोधी क्षमता का अध्ययन। बुनियादी क्लिन भेषजविज्ञान टॉक्सिकोलॉजी, 2010; 107 : 199

146. जे. भाटिया, एम. गोलेछा, डी. एस. आर्य एफ. तबस्सुम/सूजन के एक कृन्तक मॉडल में भारतीय औषधीय पौधे एम्बलिका ऑफिसिनेलिस का सूजन-रोधी और ऑक्सीकारक रोधी क्रियाकलाप। बुनियादी क्लिन भेषजविज्ञान टॉक्सकोलॉजी 2010; 107 : 198

147. वी. भाटिया, वी. आहूजा, एस. के. आचार्य, पी. के. गर्ग। ईआरसीपी -पश्च पैंक्रिसटाइटिस के निवारण के लिए वेल्डेकॉक्सिब और ग्लाईसेराइल ट्रिनिट्रेड का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। जे. क्लिन. गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी 2011; 45 : 170-6

148. वी. भाटिया, आर. लोढ़ा। तीव्र यकृत खराबी के बच्चों का गहन परिचर्या प्रबंधन। इंडियन जे. बालरोगविज्ञान 2010; 77 : 1288-95
149. वी भाटिया, आर. लोढ़ा। ऊपरी गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रक्तस्राव। इंडियन जे. बालरोगविज्ञान 2011; 78 : 227-33
150. एन. भाटला । सर्वाइकल कैंसर के उन्मूलन की ओर : जननांग संक्रमण और नियोप्लाजिया पर एशिया ओसीनिया अनुसंधान संगठन का 4था द्विवार्षिक सम्मेलन। जे. स्त्रीरोगविज्ञान अर्बुदविज्ञान 2010; जून, 21(2) : 70-1
151. एस. भटनागर, एस. आलम, पी. गुप्ता। तीव्र डायरिया का प्रबंधन साक्ष्य से नीति तक। इंडियन बालरोगविज्ञान 2010; 47 : 215-7
152. एस. भटनागर, एस. मिश्रा, एस. रोशनी, विकास गोगिया, संदीप खन्ना। कैंसर के रोगियों में तंत्रिकारोग पीड़ा - शहरी भारत में स्थित तृतीयक परिचर्या संवेदनाहरण चालित संदर्भ क्लिनिक में विद्यमानता और प्रबंधन। जर्नल आफ पेलिएटिव मेडीसिन, जुलाई, 2010 ; 13 (7) : 819-24
153. एस. भटनागर, एस. उपाध्याय, एस. मिश्रा। सिर और गले के कैंसर वाले रोगियों में पीड़ा की विद्यमानता और विशेषता : एक परस्पर खंडीय अध्ययन। जे. पेलिएटिव मेडी. 2010; 13 (3) : 291-5
154. के. भट्ट, ए. राय चौधरी, ओ. भूटिया, ए. त्रिखा, ए. सेठ, आर. एम. पांडे। मेंडीबुलर फ्रैक्चर के उपचार में बायोरिर्सोसेबल बनाम टिटेनियम मिनिप्लेट्स का समानार्थक यादृच्छक नियंत्रित परीक्षण : एक प्रायोगिक अध्ययन। जे. ओरल मैक्सिलोफेस सर्ज. 2010, अगस्त ; 68 (8) : 1842-8
155. एच. के. भट्टाचार्य, जी. एफ. बुएस, एफ. सी. बेसेरा गार्सिया, पी. स्टॉर्ज, एम. शर्मा, एस. सुसानु, ए. किरशिनियाक, एम. सी. मिश्रा। एक्स विवो प्रायोगिक मॉडल पर ट्रांसेनेल रेक्टीसिग्मॉयड रिसेक्शन और कोलोरेक्टल एनेस्टोमॉसिस के लिए एक नवीन सिंगल पोर्ट तकनीक। सर्ज. इंडोस 2010, 7 दिसम्बर।
156. वी. भट्टाचार्य, पी. एस. बरूआ, टी. सी. नाग, जी. आर. चौधरी, एस. भट्टाचार्य। निचले अंग के गहरे फेसिया का विस्तृत सूक्ष्मदर्शी विश्लेषण और उसकी शल्यचिकित्सीय जटिलता। इंडियन जे. प्लास्टिक सर्जरी 2010; 43 : 135-140
157. डी. भौमिक, एस. सिन्हा, ए. गुप्ता, टी .सी. तिवारी, एस. के. अग्रवाल। तीव्रतापूर्वक प्रगामी वृक्कीय खराबी के प्रति नैदानिक दृष्टिकोण। जे. एसो. फिजिशियन्स इंडिया 2011; 59 : 38-41
158. डी. एम. भौमिक, ए. के. डिंडा, पी. महंत, एस. के. अग्रवाल। वृक्कीय एलोग्राफ्ट रिजेक्शन का निदान करने के लिए बैंफ वर्गीकरण स्कीम का क्रमिक विकास और नैदानिकों के लिए उसकी जटिलताएं। इंडियन जे. नेफ्रोलॉजी 2010; 20 : 2-8
159. बी. भूषण, आर. गुलेरिया, ए. मिश्रा, के. लूथरा, जी. कुमार। मोटे एशियाई भारतीयों में बाधात्मक स्लीप एपेनिया के साथ पीपीएआर गामा2 (प्रो. 12 एएलए) और न्यूरोपेप्टाइड : वाई (ल्यू 7 प्रो) जीन पोलीमॉर्फिज्म की संबद्धता डिस्. मार्कस 2011; जनवरी; 30 (1) : 31-8
160. बी. भूषण, ए. मिश्रा, आर. गुलेरिया। उत्तरी भारत में मोटे एशियाई भारतीयों में बाधात्मक स्लीप एपेनिया स्वतंत्र रूप से मेटाबॉलिक संलक्षण से संबद्ध है। मेटा. सिन्ड्रोम संबद्ध बीमारी 2010; 8(5) : 431-5
161. एस. भूषण, ए. लोगानी, एन. शाह। विभिन्न सी कारक के साथ कैविटी में मिश्रित पुनःस्थापन के सीमांतिक अनुकूलन पर प्रिपोलिमेराइज्ड कम्पोजिट मेगाफिलर का प्रभाव : एक एसईएम अध्ययन। इंडियन जे. डेंट. रिस. 2010, अक्तूबर-दिसम्बर; 21(4) : 500-5
162. बी. गुप्ता, नवदीप ग्रोवर, सुजाता मोहंती, कृष्ण गोपाल जैन और हरपाल सिंह। एक्रीलिक अम्ल/एन विनायल पाइरोलिडियोन का पोलीएथीलिन टर्पाथेलेट फैब्रिक पर विकिरण प्रेरित ग्राफिटंग और एचएमएससी की वृद्धि। जर्नल आफ एप्लायड पॉलीमर साइंस 115 (2010), 116-126
163. ए. बिन्द्रा, एच. प्रभाकर, जी. पी सिंह, जेड. अली, वी. सिंघल। क्या चित्त लेटे स्थिति में निष्पादित मेलामपटी परीक्षण कठिन इन्ट्यूबेशन का बेहतर पूर्वानुमानक है? जे. संवेदनाहरण 2010; 24(3) : 482-5
164. आर. बिश्नाई, एस. कौशल, एम. सी. वर्मा, एन. के. शुक्ला, आर. रे। पेरोटिड का दोहरा प्राथमिक लिम्फोएपिथेलियोमा सदृश कार्सिनोमा और थायराइड का पेपिलियरी कार्सिनोमा। इंडियन जे. कैंसर; 2010, अक्तूबर- दिसम्बर; 47 (4) : 475-7
165. एस. बिश्नोई, वाई. सोलंकी, ए. गुप्ता, एस. चौहान, बी. ऐटन। वयस्क रोगियों में खुली हृदय शल्यचिकित्सा के दौरान हृदफुफ्फुसीय बाईपास के लिए प्राइमिंग समाधान के रूप में प्रयुक्त क्रिस्टेलॉयड बनाम कोलॉयड की एक तुलना। इंड. जे. एक्स्ट्रा कोर. टेक. 2010; 20 : 18-22
166. ए. के. बिसोई, डी. मालनकर, एस. चौहान, एस. दास, आर. रे, पी. दास। वृहद हृदय वाहिका के परिवर्तन के साथ बच्चों में बाएं निलय पश्चगमन का इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी अध्ययन। इंटरएक्ट कार्डिमोवस्कुलर थोरेस्टिक सर्जरी 2010; 11 : 768-72

167. ए. के. बिशोई, पी. शर्मा, एस. चौहान, एस. एम. रेड्डी, एस. दास, ए. सक्सेना, एस. एस. कोठारी। प्राइमरी आर्टेरियल स्विच आपरेशन इन चिल्ड्रेन प्रेजेंटिंग लेट विद डी-ट्रांसपोजिशन आफ ग्रेड आईटीज एंड इंटेक्ट वेंट्रिकुलर सेप्टम। ब्रेन इज इट टू लेट फॉर ए प्राइमरी आर्टेरियल स्विच आपरेशन? यूर. जे. कार्डियोथोरेसिक सर्जरी 2010; दिसम्बर; 38 (6) : 707-13

168. ए. विश्वास, एस. गोयल, ए. जैन, वी. सूरी, एस. माथुर, पी. के. जुल्का, जी. के. रथ। वक्ष का प्राथमिक एमेलेनोटिक मेलानोमा : एक बिरल कैंसर से युद्ध। वक्ष कैंसर 2010 अक्तूबर 27 (ई-पब, मुद्रण से पूर्व)।

169. जी. एस. बोरा, एस. गुलेरिया, वी. एस.रेड्डी, एन. टंडन, एन. गुप्ता, एस. गुप्ता, एट. एल. जीवित संबद्ध वृक्क प्रत्यारोपण कार्यक्रम में नए प्रारंभ डायबिटीज मेलिटस के विकास के लिए जोखिम कारक। ट्रांसप्लांट प्रॉक,2010 ; 42 (10) : 4072-2-3

170. जी. बोर्जेस, एम. के. नॉक, जे. एम. हेरी अबद, आई. हवांग, एन. ए. सैम्पसन, जे. एलोन्जो, एट. एल., विश्व स्वास्थ्य संगठन के विश्व मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण में आत्महत्या के प्रयासों के लिए बारह मास की विद्यमानता और जोखिम कारक। जे. क्लिन. मनश्चिकित्सा 2010; 71 : 1617-18

171. डी. बोर्जिक, एल. रीज, आई. एस. हा, ए. चुआ, पी. जी. वेलिस, एम. लिप्का, पी. जेम्ब्रोनो, टी. एलेनस्टिएल; एस. ए. बक्कालोगलु, ए. पी. स्पिजिरी, एल. लोपेन, एफ. ओजाल्टिन, एन. प्रिंजा, पी. हरि, जी. क्लॉस, एम. बाक, ए. वोजेल, जी. एरिसेटा, एच. के. याप, बी. ए. वाएडी, एफ. शेफर। अंतर्राष्ट्रीय बालरोग पीडी नेटवर्क (आईपीपीएन)। चिरकालिक पेरिटोनियल डायलिसिस करा रहे बच्चों की अस्थि और खनिज विकृति। किडनी। किडनी इंट. 2010; 78 : 1295-304

172. आर. ब्रुफेयर्ट, के. डेमिटेनियर, जी. बोर्जेस, जे. एम. हारो, डब्ल्यू. टी. चिऊ, आई. ह्वांग, एट. एल. आत्महत्या के व्यवहार के प्रारंभ और बने रहने के लिए जोखिम कारक के रूप में बाल्यावस्था प्रतिकूलता। बीअर जे. मनश्चिकित्सा 2010; 197 : 20-7

173. आर. ब्रुफेयर्ट, के. डेमिटैनियर, आई. ह्वांडा, डब्ल्यू. टी. चिऊ, एन. सेम्पसन, आर. सी. केस्लर। एट. एल. संपूर्ण विश्व में आत्महत्या करने वाले लोगों का उपचार बी. आर. जे. मनाश्चिकित्सा 2011; 199 : 64-70

174. डब्ल्यू. आर. बर्न, ई. सबानेघ, आर. दादा, बी. रेन, ए. अग्रवाल। क्या पुरूष अनुवर्रता टेस्टिकुलर कैंसर के पहले आती है। इंट ब्रेज जे. यूरो. 2010 ; 36(5) : 527-36

175. सी. के. वी. जैनुल आबिद, श्रुति चट्टोपाध्याय, नसरीन मजुमदार, हरपाल सिंह। जल विसंक्रमण के लिए चतुर्थ अमोनियम पीईजीडीए डेन्ड्राइटिक कोपोलाइमर नेटवर्क का संश्लेषण और विशिष्टकरण। जे. एप्ला. पॉलिमर साइंस 116 (2010); 1640, 1649

176. जी. छाबड़ा, के. रंगराजन, एस. अरूलसेल्वी, डी. अग्रवाल, एस शर्मा, ए.के. मुखोपाध्याय। भारतीय रोगियों में पृथक्कृत ट्रॉमायुक्त मस्तिष्क चोट में हाइपोफाइब्रिनोजेनेपिया न्यूरोलॉजी इंडिया 2010; 58(5) : पृष्ठ 746-747

177. आर. के . चड्ढ़ा, टी. बी. सिंह, के. के. गांगुली। परिचर्या देने का बोझ और निपटना : सिजोफ्रेनिया और बाईपोलर प्रभावी विकृति वाले रोगियों के परिचर्यादाताओं में बोझ और निपटने के बीच संबंध में पूर्वानुमानिक अध्ययन, सोश मनश्चिकित्सा महामारीविज्ञान 2007; 42 : 923-30

178. आर. के . चड्ढ़ा, एम. सूद। महिलाओं और मनश्चिकित्सा पर भारतीय अनुसंधान इंडियन जे. मनश्चिकित्सा 2010; 52 (पूरक 1) : एस 299-32

179. आर. के . चड्ढ़ा,। चिंता संबंधी विकृति। करेंट मेडिकल जर्नल आफ इंडिया, 2010; 16 : 7-14

180. आर. के . चड्ढा। मनश्चिकित्सा में निवारण। हम कहां है? जर्नल आफ मेंटल हेल्थ एंड ह्यूमन बिहेवियर 2010; 15 : 69-76

181. डी. एस. चड्ढ़ा, जी. कार्तिकेयन, के. गोयल, एस .के. मलानी, एस. सेठ, एस. सिंह, ए. ढाली, बी. भार्गव। मिट्रल स्टेनोसिस के लिए त्वचीय ट्रांसवेनसमिट्रल कमिशुरोटॉमी के पूर्व और पश्चात एन- टर्मिनल प्रो- बीएनपी प्लाज्मा। इंट जे. कार्डियो. 2010, अक्तूबर 8; 144(2) : 238-40

182. सी. चक्रवर्ती, एन. यादव, जेड. अली, एच. प्रभाकर। अस्थि वृद्धि के साथ मैक्यून एलब्राहट संलक्षण के रोगी में उपरी होठ बाइट टेस्ट : एक मामला रिपोर्ट। जे. क्लिन. न्यूरोसाइंस, 2010 ; 17(2): 258-9

183 डी. एस. चंदेल, जे. ए. जॉन्सन, आर. चौधरी, एन. शर्मा, एन. शिंकरे, एस. परीदा, एट. एल. ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में भारत में नवजात पूतिदोष बनने वाले लेक्टामेज उत्पादक ग्राम - ऋणात्मक जीवाणु। विस्तारित स्पेक्ट्रम बीटा- जे. मेडी सूक्ष्मजैवविज्ञान, 2011; 60 (पीटी 4) : 500-7

184 डी. एल. चंद्रा, जी. के. प्रशांत, एन. सिंह, एस. कुमार, ओ. जितेश, सी. सदाशिवन, एस. शर्मा, टी. पी. सिंह, एम. हरिदास। एक औषधीय पौधे में फॉस्फोलिपेज-ए के नवीन और प्रभावभारी निरोधक की पहचान : 1.93 ए पर कणीय संरचना और बरबेरिन से मिश्रित फास्फोलिपेज-ए का सतह प्लाजमोन अनुनाद विश्लेषण। बायोकिम बायोकिजिक्स एक्टा 2011; 1814 : 657-663

185. पी. एस. चंद्रा, सी. बाल, ए. गर्ग, एस. गायकवाड़, के प्रसाद, बी. एस. शर्मा, सी. सरकार, एम. बी. सिंह, वी. एम. पद्मा, एम. त्रिपाठी। संक्रमणीय-पश्च निदानशास्त्र के कारण चिकित्सीय रूप से असाध्य मिरगी के लिए शल्यचिकित्सा। एपिलेप्सिया 2010; 51 : 1097-100

186. एस. एच. चंद्रशेखर, ए. एस. भल्ला, ए. के. गुप्ता, पी. के. शर्मा, एस. अग्रवाल, एम. श्रीनिवास, एट. एल. यकृतीय फुफ्फुसीय संयोजन : साहित्य की समीक्षा के सा मामला रिपोर्ट। जे. बालरोगविज्ञान शल्यचिकित्सा 2011; 46 : ई 23-7

187 एस. एच. चंद्रशेखर, ए. एस. भल्ला, ए. के. गुप्ता, सी. एस. विकास, एस. के. काबरा। बच्चे में निर्वाहिका शिरा अर्बुद सहित एबरनेथी विकृति। जे. इंडियन एसो. बालरोगविज्ञान शल्यचिकित्सा 201; 16 : 21-3

188. एस. एच. चंद्रशेखर, ए. एस. भल्ला, के. वी. कार्तिकेयन, बी. शुक्ला, आर. सफाया। स्वर तंत्री स्क्वेनोमा : एक बिरल मामला रिपोर्ट। जे. कैंसर रिस. थेर. 2010; 33 : 1066-8

189. एस. एच. चंद्रशेखर, ए. भल्ला, एस. सुब्रमणियन, ए. के. गुप्ता, वी. ज्योत्सना, सी. वी. कार्तिकेयन। बच्वें में डिस्फेजिया का कारण होने वाला जिह्वीय थाइरायड। इंडियन जे. बालरोगविज्ञान 2011; 78 : 360-1

190. एस. एच. चन्द्रशेखर, एस. गगनगट्टी, आर. अरोड़ा, पी. गोयल, ए. सक्सेना। यकृत फोड़ा निकासी के दौरान घटिया वेनाकावा में अस्वधानीपूर्वक प्रविष्ट कैथेटर का त्वचीय प्रबंधन। कार्डियोवस्कुलर इंटरवेंट रेडियोलॉजी 2010; 33 : 1066-8

191. एस. एच. चन्द्रशेखर, एस. गगनगट्टी, ए. कुमार, ए. मुकुंद, बी. मिश्रा, एस. कुमार। वक्ष में गैर भेदक ट्रॉमा द्वारा हुए पृथक्कृत निलयी सेप्टल फटन। इंडियन जे. बालरोगविज्ञान 2011; 78(1) : 96-8, ई-पब 2010, 8 अक्तूबर

192. एस. एच. चन्द्रशेखर, ए. कुमार, एस. गगनगट्टी, के. कपूर, ए. मुकुंद, डी. अग्रवाल, एट. एल. मेरूदंड का पूर्ण संपादन का कारण बनने वाला असामान्य अभिघातज स्पोंडिलॉप्टोसिस। इंट ऑथोप 2011; 35 : 1671-5

193 एस. एच. चंद्रशेखर, आर. शर्मा, आर. अरोड़ा। सीटी पर पेरिपोर्टल हाइपोडेन्सिटी : अनदेखे संकेत का महत्व और विभेदक निदान। क्लिनरिस हेपेटो गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी 2011; 35 : 247-53

194. एस. एच. चंद्रशेखर, आर. शर्मा, एस. बाघ, पी. गर्ग। माह की छाया : टोक्सोकारा केनिस के कारण हेपेटिक विसेरल लार्वा मिग्रेन्स। गैस्ट्रोइटेरोलॉजी क्लिन बायो, 2010; 34 : 573-4

195. एस. एच. चंद्रशेखर, एस. थुल्कर, डी. एन. श्रीवास्तव, एल. कुमार, आर. हरिप्रसाद एस. कुमार, एट एल डिम्बाशय कैंसर में मल्टीडिटेक्टर संगणित टोमोग्राफी का प्रयोग करते हुए पेरिटोनियल जमाव का आपरेशन-पश्च मूल्यांकन। बी आर जे. विकिरणविज्ञान 2011; 84 : 38-43

196. चट्टोपाध्याय, समीर सप्रा, टी. जी. श्रीवास्तव और हरपाल सिंह। जैवयुग्मित मात्रा बिन्दुओं का प्रयोग करते हुए पोलीकार्बोनेट मेम्ब्रेन पर सेल्मोनेला टाइफी का चयनात्मक ग्रहण और पता लगाना। टेलाटा 84 (2011) 952-962

197. ए. चतुर्वेदी, एच. दास। स्टेलेट गैंगेलियन ब्लॉक के दौरान लॉक्ड-इन सिन्ड्रोम। इंडियन जे. संवेदनाहरणविज्ञान 2010; 54(4) : 324-6

198. ए. चतुर्वेदी, एल. बी. एल्क्कुमानन, सी. महाजन, बी. दत्ता। क्रेनियोटॉमी के दौरान संवेदनाहरण के अधीन दुर्दम्य दौरा। जे. संवेदनाहरणविज्ञान क्लिन भेषजविज्ञान 2010; 26(3) : 413-15

199. डी. चतुर्वेदी, ए. सूरी, एम. के. कासलीवाल, ए. के. महापात्र, वी. एस. मेहता, वी. श्रीधर, ए. गर्ग, सी. सरकार, टी. डी. डोगरा, आर. सिंह। घातक बंद सिर की चोट में हाइपोथेलेमस और पिटुटरी लेजियन के विकास को प्रभावित करने वाले कारक : एक पूर्वानुमानिक अध्ययन। जे. ट्रॉमा 2010; 69 : 290-3

200. जी. चतुर्वेदी, आर. कुमार, के. सिक्का, सी. वी. कार्तिकेयन, एस. आर. माथुर। थायराइड के कार्सिनोमा में दूरस्थ मेटास्टेसिस का असामान्य स्थल। इंडियन जे. कैंसर 2010; 47 : 479-80

201. ए. चौधरी, बी. नायक, एस. गुलेरिया, आर. अरोड़ा, आर. गुप्ता, एस. सी. शर्मा। हाइपोथाइरॉयडिज्म के साथ मल्टीनोडुलर गॉयटर के रूप में प्रस्तुत थाइरायड का टीबी : एक बिरल प्रस्तुतिकरण। इंडियन जे. रोगविज्ञान सूक्ष्मजैवविज्ञान 2919; 53 : 585-87

202. आर. चौधरी, डी एस. चंदेल, एन. वर्मा, एन सिंह, पी सिंह, ए. बी डे। आंतरिक फ्लेजेलिन पीसीआर द्वारा टायफाइड बुखार का तीव्र निदान। जे. मेडी. सूक्ष्मजैवविज्ञान 2010; 59 (बिंदु 11) : 1391-3

203. आर. चौधरी, आई. तबस्सुम, एल. कपूर, ए. छाबड़ा, एन. शर्मा, एस. ब्रूर। माइकोप्लाज्मा निमोनिया संक्रमण के साथ संबद्ध तीव्र श्वसनीय व्यथा के संलक्षण का अकस्मात बढ़ने वाला मामला। इंडियन जे. रोगविज्ञान, सूक्ष्मजैवविज्ञान 2010; 53 : 555-7

204. एस. चौधरी, एस. जैन, एस. वाधवा। जन्मपूर्व श्रवण संबंधी उद्दीपन के बाद चिक्स में हिप्पोकैम्पस और स्थानिक सीख में सिनोप्टिक प्रोटीन की अभिव्यक्ति। डेव. तंत्रिकाविज्ञान 2010; जुलाई, 32 (2) : 114-24

205. एस. चौहान, जे. एस. त्यागी। माइकोबैक्टेरियम टीबी में ओरीसी लोकस में प्रतिरूप का विश्लेषण। सूक्ष्मजैवविज्ञान अनु. 2011; 14 जनवरी (ई-पब मुद्रण से पूर्ण)।

206. ए. चौहान, के. एच. रीता, बाई. के. गुप्ता, एस. के. मेवाड़, यू. शर्मा, एन. आर. जगन्नाथन चूहों में अस्थायी केंद्रीय सेरेब्रल इस्चेमिया में व्यावहारिक और तंत्रिका छायाचित्रण परिणामों पर माइकोनोलेट मोफेटिल का प्रभाव। यूर. तंत्रिका मनोश्चिकित्सा भेषजविज्ञान 2010; (पूरक 3) : एस 246

207. जी. चौहान, सी. जे. स्परजियन, आर. तबस्सुम, एस. भास्कर, एस. आर. कुलकर्णी, ए. महाजन, एट. एल., 5146 भारतीयों में टाइप 2 डायबिटीज के जोखिम पर पीपीएआरजी, केसीएनजे 11, टीसीएफ 7एल2, एसएलसी 30ए8, एचएचईएक्स, सीडीकेएन 2ए, आईजीएफ2 बीपी2 और सीडीकेएएल 1 के आम परिवर्तियों का प्रभाव। डायबिटीज, 2010 ; 59(8) : 2068-74

208. एस. चौहान, एम. मलिक, वी. मलिका वाई. चौहान, ए. के. बिशोई। बाल हृदय शल्यचिकित्सा के बाद एक्स्ट्राकोरपोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीकरण : 10 वर्षीय अनुभव। एन. कार्ड संवेदनाहरणविज्ञान 2011; 14 : 19-24

209. बी. चावला, एन. शर्मा, जे. एस. टिटियाल, एन. नायक, जी. सत्पथी। स्वचालित लेमेलर चिकित्सीय केरेटोप्लास्टि के बाद ऑरियोबिसिडियम पुलुलेन्स केराइटीस। नेत्रविज्ञान शल्यचिकित्सा लेजर छायाचित्रण, 2010; 9 : 2-3

210. बी. चावला, पी. अग्रवाल, आर. टंडन, जे. एस. टिटियाल, एन. नायक, जी. सत्पथी। एट एल, चौथी पीढ़ी के फ्लूरोक्विलोन्स के प्रति जीवाणुक केरेटाइटिस पृथक्करणों की इन-विट्रो सुप्रभाव्यता। यूर. जे. नेत्रविज्ञान 2010; 20 : 300-5

211. बी. चावला, एन. शर्मा, आर टंडन, एम कलाईवाणी, जे एस टिटियाल, आर बी बाजपेयी। संलक्षणात्मक चिरकालिक बुलुअस केरेटोपैथी के प्रबंधन के लिए फोटोचिकित्सीय केरेक्टोक्टॉमी और एमनियोटिक मेम्ब्रेन प्रत्यारोपण का तुलनात्मक मूल्यांकन। कॉर्निया; 2010 सितम्बर, 29 (9) : 976-9

212. डी0 चावला, आर. अग्रवाल, ए. देवरारी, पी. के. पॉल, पी. चंद्रा, आर. वी. आजाद। परिपक्वतापूर्व की रेटिनोपैथी। इंडियन जे. बालरोगविज्ञान 2010, 27 अक्तूबर

213. एम. चावला, आर. कुमार, एस. अग्रवाल, एस. बक्शी, डी. के. गुप्ता, ए. मल्होत्रा। न्यूरोब्लास्टोमा वाले बच्चें में स्टैजिंग और शीघ्र रसायनचिकित्सा प्रत्युत्तर मूल्यांकन में पोजिट्रॉन उत्सर्जन टोमोग्राफी - संगणित टोमोग्राफी। इंडियन जे. नाभिकीयचिकित्सा 2010; 25 : 147-155

214. वी. एस. चेन्नूर, आर. शर्मा, एस. गमनागट्टी, वी. भटनागर, ए. के. गुप्ता, एस. विष्णुभाटला। बाल एक्स्ट्राहेपेटिक पोर्टल शिरा बाधा में घटिया मेसेंट्रिक शिरा की मल्टीडिटेक्टर सीटी वेनोग्राफी और वैषम्य वर्धित एम आर वेनाग्राफी। बालरोगविज्ञान विकिरणविज्ञान 2011; 41 :322-6

215. जी. छाबड़ा, के. रंगराजन, ए. सुब्रमणियम, डी. अग्रवाल, एस. शर्मा, ए. के. मुखोपाध्याय। भारतीय रोगियों में पृथक्कृत अभिघातज मस्तिष्क चोट में हाइपोफाइब्रीनोजेनेमिया। न्यूरो. इंडिया 2010; 58 : 756-7

216. एस. चित्रगार, वी. के. अय्यर, एस. अग्रवाल, एस. डी. गुप्ता, ए. शर्मा, एम. एन. वारी। क्रोमोसोम 11पी 15.5 पर हेटेरोजाइगोसिटी की क्षति और हेपेटोब्लास्टोमा में पुनरावर्तन। यूर. जे. बालरोगविज्ञान शल्यचिकित्सा, 2011; 21 : 50 -3

217. ए. चोपड़ा, पी. के. अय्यर, एस. अग्रवाल, एस. आर. माथुर, एम. एरॉन, एस .डी. गुप्ता, के. वर्मा। एपॉपटोटिक प्रोटीन अभिव्यक्ति ग्लाइकोजेन की मात्रा, डीएनए प्लॉयडी और हेपेटोब्लास्टोमा सबटाइपिंग में कोशिका प्रचुरोद्भवन तथा पूर्वानुमान में उनकी भूमिका। बालरोगविज्ञान, शल्यचिकित्सा, इंट. 2010; 26 : 1173-8

218. ए. चोपड़ा, आर. कुमार, आर. सेठ, एम. आनंद, आर. रे। बाल्यावस्था परिधीय टी-कोशिका लिम्फोमा के ल्यूकेमीय चरण का आघातीय मार्फोलॉजी, अन्यथा निर्दिष्ट नहीं। एम. जे. रूधिरविज्ञान 2011; 86 : 373-4

219. ए. चौधरी, एस. शर्मा, एन. सांख्यन, एस. गुलाटी, वी. कालरा, बी. बनर्जी, ए. कुमार। पोलियोमाइलिटीस में मध्य मस्तिष्क और मेरूदंड चुम्बकीय अनुनाद छाया चित्रण (एमआरआई) परिवर्तन। जे. बाल तंत्रिकाविज्ञान 2010; 25 : 497-9

220. टी. चौधरी, एच. प्रभाकर, जी. पी. सिंह, ए. बिन्द्रा। पिट्युइटरी ट्यूमर के इंडोस्कोपी ट्रांसफेवॉयडल हटाने के दौरान ओक्यूलोकार्डियक सहज क्रिया। इंडियन जे. संवेदनाहरणविज्ञान 2010; 54 : 269-70

221. यू. के. चौधरी, आर. एरेव, पी. मल्होत्रा, एट एल, हृदयफुप्फुसीय बाईपास के अधीन सुधारात्मक हृदय शल्यचिकित्सा करा रहे बच्चों ओर वयस्कों में आंतरिक गल शिरीय ऑक्सीजन संतृप्ति और पम्प प्रवाह दरों के बीच संबंध। हेलेनिक जर्नल आफ कार्डियोलॉजी 2010; 51 : 310-322

222. यू. के. चौधरी, आर. एम. गोविंदिप्पा, पी. एस., आर. रे, एम. कलाईवाणी, एस. एम. रेड्डी। द्विदिशीय ग्लेन शंट करा रहे रोगियों में अंतरफुप्फुसीय वाहिकाओं का हिस्टोमॉर्फोमीट्रिक विश्लेषण और संपूर्ण केवोफुप्फुसीय कनेक्शन। जे. थोरे. कार्डियोवस्कुलर सर्जरी, 2010; 140 : 1251-6 ई 1-14

223. यू. के. चौधरी, एस. एम. रेड्डी, पी. घरडे, वी. देवागौरू। ऑटोजेनस दांया वाहिका उपांग का प्रयोग करते हुए आंशिक असामान्य फुफ्फुसीय शिरीय संबंध के साथ साइनस शिरीय वाहिका पटीय त्रुटि के पुनः सरणीकरण के लिए एक वैकल्पिक तकनीक। वर्ल्ड जे. पेडिएट्रिक कंजेनिटल हर्ट सर्जरी, 2010; 1 : प्रेस में।

224. यू. के. चौधरी, ए. सक्सेना, आर. रे., ए. शील, एस. एम. रेड्डी, एस. अग्रवाल, सी. मित्तल। भ्रंशोद्धार एक और आधा निलयी मरम्मत और हृदय मूल के एविंग सर्कोमा का उच्छेदन। हेलेनिक जे. हृदयविज्ञान 2010; 51 : 71-3

225. आर. दादा, आर. एल. सरस्वती, के. एस मेतर, पी. आर. मंडल, एच. कौर, के. कुचेरिया, एस. भारद्वाज। राजस्थान के 6 जनसंख्या समूहों का जी आईड्रूस आनुवंशिकी स्केच : 12 ऑटोसोमल लोसी पर आधारित एक अध्ययन। एंथ्रोपालोजिकल साइंस, 2011 : 61-62

226. आर. दादा, एम. बी. शम्सी, एस. वेंकटेश, एन. पी. गुप्ता, आर. कुमार। बेरिकोसेलेक्टॉमी में ऑक्सीकारक दबाव और डीएनए क्षति की क्षीणता : अनुवर्रता प्रबंधन में जटिलताएं। इंडियन जे. मेडी. रिसर्च 2010; 132 :728-30

227. टी. दादा, जी. बेहरा, ए. अग्रवाल, एस. कुमार, आर. सिहोता, ए. पांडा : स्केनिंग लेजर पोलरमीट्रि (जीडा X वीसीसी) का प्रयोग करते हुए दृष्टिपटल शिरा फाइबर मोटाई पैरामीटर पर मोतियाबिंद शल्यचिकित्सा का प्रभाव। इंडियन जे. नेत्रविज्ञान 2010; 58 : 389-94

228. वी. दढवाल, ए. बहादुर, आर. गुप्ता, एस. बंसल, एस. मित्तल। भग का परिधीय न्यूरोएक्टोडमल ट्यूमर : एक मामला रिपोर्ट, जे. लो. जेनिट. ट्रैक्ट डिस. 2010 : जनवरी, 12 (1) : 5962

229. वी. दढवाल, डी. डेका, ए. वैद्य, ए. धर, ए. बहादुर। ओफेरेक्टॉमी की आवश्यकता वाली फैक्टर "एक्स" कमी सहित बालिका में द्विपक्षीय डिम्ब हेमेटोमाज में फोड़ा; हीमोफीलिया, 2011, जनवरी; 17(1) : ई 243

230. वी. दधवाल, बी. गुप्ता, सी. दासगुप्ता, यू. शेंडे, डी. डेका। प्राथमिक अम्बालिकल एंडोमेट्रियॉसिस : एक बिरल मामला। आर्च स्त्रीरोगविज्ञान, प्रसूतिविज्ञान 2011, मार्च; 283, पूरक 1 : 119-20

231. वी. दधवाल, ए. के. शर्मा, डी. डेका, बी. गुप्ता, एस. मित्तल। तृतीयक परिचर्या केंद्र में एंटीफॉस्फोलिपिड एंटीबॉडी संलक्षण सहित रोगियों के सहगण में उपचार के बाद प्रसूतिक परिणाम। जे. पोस्टग्रेजुएट मेडी. 2011, जन-मार्च; 57 (1) : 16-9

232. ए. डागर, पी. एस. चन्द्रा, के. चौधरी, सी. अवनीश, सी. एस. बाल, एस. गायकवाड़, ए. गर्ग, सी. सरकार, ए. श्रीवास्तव, एम. वी. पदमा, डी. रो, एस. गुलाटी, वी. पॉल, के. प्रसाद, एम. बी. सिंह, एम. त्रिपाठी। बाल जनसंख्या में मिरगी की शल्यचिकित्सा : जीवन स्तर के आकलन के साथ विकासशील देश में तृतीयक परिचर्या अस्पताल से 129 बच्चों का भूतलक्षी अध्ययन। बालरोग विज्ञान, तंत्रिका शल्यचिकित्सा 2011; 47 (3) : 186-93, ई-पब 2011, 29 दिसम्बर

233. एन. दामले, के. दास, सी. एस. बाल,। डाउन्स सिंड्रोम के रोगी में ग्रेव रोग थायराइडरोधी औषधियों की बजाय रेडियो आयोडिन का अच्छा प्रत्युत्तर देता है। जे. पेडिए. इंडोक्रायोनोलॉजी मेटाब, 2011; 24 : 611

234. एन. ए. दामले, एम. पटनेचा, पी. कुमार, ए. गदोलिया, के. सुब्बाराव, सी. एस. बाल, रिबिंग रोग : आम संलक्षण का असामान्य कारण। इंडियन जे. न्यूक्लियर मेडी, 2011; 26 : 36-9

235. जी. दानाई, एम. एम. फिनुकेन, जे. के. लिन, जी. एम. सिंह, एम. एजाटी, वाई. एस. कुसुमा, एटण् एल. सहयोगी समूह (रक्त चाप) चिरकालिक रोगों के मेटाबॉलिक जोखिम कारक का वैश्विक बोझ; वर्ष 1980 से प्रकुंचक रक्त चाप में राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और वैश्विक प्रवृत्तियां : स्वास्थ्य जांच का क्रमबद्ध विश्लेषण और 786 देश वर्ष और 504 मिलियन प्रतिभागियों के साथ महामारीवैज्ञानिक अध्ययन लेन्सेट 2011; 377 : 568-77

236. सी. आर. डेनियल, डी. प्रभाकरन, के. कपूर, बी. आई. ग्रोबाई, एन. देवासेनापति, एल. रामकृष्णन, एट एल , भारत में आहार और कार्डियोमेटाबॉलिक जोखिम के क्षेत्रीय पैटर्न की परस्पर वर्गीय जांच। न्यूट्रिशन जे. 2011; 28 जनवरी : 10 :12

237. के. ए. दनिशाद, यू. शर्मा, आर. जी. साह, आर. प्रसाद, बी. सीनू, एन. आर. जगन्नाथन। क्रमिक चुम्बकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपिक छायाचित्रण का प्रयोग करते हुए नव-सहौषध रसायनचिकित्सा अनुवीक्षण करा रहे स्थानिक उन्नत वक्ष कैंसर के रोगियों के चिकित्सीय प्रत्युत्तर का आकलन। एनएमआर बायोमेडी. 2010; 23 : 233-41

238. ए. दास, बी. बेहरा, एम. मदान, पी. माथुर, ए. पांडे। वेरिसिला के दौरान ऑप्टोशिन संवेदी स्ट्रेप्टोकेकस आइटिस द्वारा हुआ एम्पाईया। इंडियन जे. बालरोगविज्ञान 2010, अप्रैल; 77(4) : 464

239. ए. दास, एम. मेहंदीरत्ता, पी. चट्टोपाध्याय, ए. आर. रे। सूक्ष्म स्तरीय मॉर्फोलॉजी के माध्यम से समृद्ध नेनों वाले पोली (एससी- सीओ - डीएमएपीएमए) के पीएच संवेदी हाइड्रोजेल्स में दीर्घ शून्य क्रम बीएसए निर्गमन। जे. एप्लापॉलीमर साइंस 2010; 115(1) : 393-403

240. सी. जे. दास, जी. के. मखारिया, आर. कुमार, आर. कुमार, आर. पी. तिवारी, आर. शर्मा, ए. मल्होत्रा। पीईटी - सीटी कोलोनोग्राफी : अल्सरयुक्त कोलाइटिस की सीमा और कार्यकलाप के आकलन के लिए एक नवीन गैर- आक्रामक तकनीक। यूर जे. न्यूविल. मेडी. मॉल इमेज 2010; 37 : 714-21

241. सी. जे. दास, एस. ढींगरा, ए. के. गुप्ता, वी. अय्यर, एस. अग्रवाल। रोग वैज्ञानिक सह-संबंध के साथ बाल यकृत ट्यूमरों का छायाचित्रण। क्लिन. विकिरणविज्ञान 2009 ; 64 : 1015-25

242 एम. के. दास, वी. लम्ब, पी. मिश्रा, एस. एस. सिंह, ए. पी. दास, वाई. डी. शर्मा। कार निकोबार द्वीप समूह भारत से फेल्सिपेरम मलेरिया के रोगियों में क्लोरोक्विलन और एंटीफोलेट प्रतिरोध से संबद्ध उच्च क्लोरोक्विन उपचार की विफलता दर और म्यूटेरे जेनोटाइप की प्रधानता। जे. एंटीमाइक्रोन, केमोथेरेपी, 2010; 65 : 1258-61

243. पी. दास, वी. के. अय्यर, एम. आर. माथुर, आर. रे। एनाप्लास्ख वृहद कोशिका लिम्फोमा : सात मामलों में साइटोमॉर्फोलॉजिकल विशेषताओं का विवेचनात्मक मूल्यांकन। साइटोपैथेलॉजी 2010; 21 : 251-8

244. पी. दास, के. कुलकर्णी, एस. आर. माथुर, एस. कौशल, ए. आहूजा, सी. सरकार, डी. कुमार, एम. बाजपेयी। बच्चे में अभिघातज पश्च टेस्टकुलर मेसोथेलियल हाईपरप्लाजिया की साइटोमार्फो लॉजी। एक्टा साइटो. 2010; 54 : (5 पूरक) : 1089-93

245. पी. दास, एन. कुमार, ए. आहूजा, ए. जैन, आर. रे, सी. सरकार, एस. डी. गुप्ता। असामान्य स्थानों में प्राथमिक दुर्दम्य मेलानोमा : साहित्य की समीक्षा के साथ एक संस्थात्मक अनुभव। मेलानोमा दिसम्बर 2010; 20 : 233-9

246. पी. दास, टी .पुरी, पी. झा, पी. पाठक, एन. जोशी, वी. सूरी, एम. सी. शर्मा, बी. एस. शर्मा, ए. के. महापात्र, ए. सूरी, सी. सरकार। दीर्घकालिक उत्तरजीविता के साथ ग्लोयोब्लास्टोमा मल्टीफार्म का नैदानिक रोग वैज्ञानिक और आणविक विश्लेषण। जे. क्लिन. तंत्रिकाविज्ञान 2011; 18 : 66-70

247. पी. दास, एच. शर्मा, एस. के. पांडा, एस. के. आचार्य। जीआई रोगविज्ञान संप्रेषण : ट्रॉण गैस्टोइंटेरोलॉजी 2010; 31 : 135-6

248. एस. दास, बी. मिश्रा, के. गिल, एम. एस. अशरफ, ए. के. सिंह, एम. सिन्हा, एट एल, एलोवेरा पत्ते के जेल से फफूंद-रोधी और सूजन-रोधी गुणों सहित नवीन प्रोटीन का पृथक्करण ओर विशिष्टकरण। इंट. जे. बायो. मैक्रोमॉन 2011 : 48 :38-43

249. एस. दास, ए. मुखर्जी, आर. लोढ़ा, एम. वत्स। एचआईवी संक्रमित बच्चों का जीवन स्तर और मनोवैज्ञानिक क्रिया। इंडियन जे. बालरोगविज्ञान 2010; 77 : 633-7

250. एस. के. दास, एस. मुखर्जी, जी. गुप्ता, डी. एन. राव, और डी. एम. वासुदेवन। चूहों में एथेनॉल प्रेरित ऑक्सीकारक क्षति के विरूद्ध रिजवेराट्रॉल और विटामिन "ई" का संरक्षणात्मक प्रभाव : जैव रासायनिक और प्रतिरक्षावैज्ञानिक आधार। इंडियन जे. जैव रसायनशास्त्र, जैवभौतिकी, 2010 ; 47 (1) : 32-7

251. एस. के. दास, पी. एस. मेनन, ए. बग्गा, वी. भटनागर, एम. राजलक्ष्मी, ए. के. गुप्ता। सामान्य अथवा हल्की बाधित वृक्कीय क्रिया सहित अधोवाह वृक्क चिकित्सा के साथ बच्चों में शारीरिक विकास। इंडियन जे. बालरोगविज्ञान 2010; 77 : 684-6

252. एस. एन. दास, पी. खरे, एम. के. सिंह, एस. सी. शर्मा। तम्बाकू - संबद्ध अंतरमुखीय शतकीय कोशिका कार्सिनोमा के रोगियों में आक्रामक डीएनए पैटर्न सहित साइक्लिन डी1 अभिव्यक्ति का सह-संबंध। इंडियन जे. मेडी. रिस. 2011; 133(4) : 381-6

253. आर. दासगुप्ता, यू. चटर्जी, टी. सी. नाग, एस. चौधरी सेनगुप्ता, डी. नाग, बी. आर. मैती। एल्बिनो चूहे में एर्कीलाइन उपचार के बाद थाइरायड ग्लैंड के अतिसंरचनात्मक और होर्मोनीय मॉड्यूलेशन। मॉल सेल इंडोक्रायोनोलॉजी 2010; 319 : 1-7

254. आर. दास गुप्ता, डी. प्रधान, एस. सी. सेनगुप्ता, टी. सी. नाग, बी. आर. मैती। एल्बिनो चूहे में एर्कोलाइन देने के बाद ग्लाइसेमिक और यकृत ग्लाइकोजेन रूपरेखा के परिवर्तनों के साथ एड्रेनल ग्लैंड का अतिसंरचनात्मक ओर हार्मोनीय नियंत्रण। एक्टा. इंडोक्रायोनोलॉजी VI : 413-430

255. बी. बी. दास, आर. माहे, ए. कृपलानी, एन. अग्रवाल, एन. भाटिया। टेक्सटीलोमा; एक बिरल पेल्विक ट्यूमर, आर्क स्त्रीरोगविज्ञान प्रसूतिविज्ञान; 2010; दिसम्बर, 282 (6) : 70-9

256. जे. दास, एस. जैन, एस. त्यागी, एस. सेजावाल। पी 210 बीसीआर - एबीएल और मोनोसाइटोसिस के साथ चिरकालिक माइलॉयड ल्यूकेमिया। ल्यू. लिम्फोमा 2011; 52 : 1380-1

257. पी. दत्ता, एन. भाटला, एल. डाट, ए. आर. पात्रों, ए. गुलाटी, ए. कृपलानी, एट एल, उत्तरी भारत में युवा महिलाओं में मानव पेपिलोमावायरस संक्रमण की विद्यमानता। कैंसर महामारी विज्ञान, 2010 : 34 : 157-61

258. डी. जोशी, ए. मिश्रा, स्नेह आनंद "एलवीक्यू आधारित गति अनुकूलक स्विंग और स्टांस फेज डिटेक्शन : फुट स्विच का एक विकल्प" । जे. एडवांस सॉफ्ट कम्प्यू. एप्लि. 2010, 2 (1) आईएसएसएन : 2074-8523

259. डी. जोशी, ए. मिश्रा, स्नेह आनंद। "गेट सिग्नेपर में मानसिक क्रियाकलाप का पता लगाने के लिए एक नेव बेयस क्लासिफायर" जैवयांत्रिकी और जैवचिकित्सा इंजीनियरी में कम्प्यूटर विधियां 2010

260. डी. जोशी, राहुल रिबेरियो, एस. श्रीवास्तव, स्नेह आनंद, डी. मजुमदार, "गेट समन्वय : मानसिक दशा के लिए संभावित चिन्हांकक" इंटरनेशनल जर्नल आफ मेडिकल इंजीनियरिंग एंड इन्फॉर्मेटिक्स, खंड 3 (1) 2011 पृष्ठ 30-39

261. डी. जोशी, स्नेह आनंद। "साइक्लोग्राम और परस्पर सह-संबंध : मानसिक दशा में चाल समन्वय के मात्रावरण के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल आफ बायोमेडिकल साइंस एंड इंजीनियरिंग खंड 3, संख्या 3, 2010, पृष्ठ 322-326

262 डी. जोशी, स्नेह आनंद। "घुटने के कोण का अनुमान लगाने के लिए वृत्ताकार परस्पर सह-संबंध और फेज अंतरण का अध्ययन : प्रॉस्थेसिस के लिए एक अनुप्रयोग" इंटरनेशनल जर्नल आफ बायोमेक्ट्रॉनिक्स एंड बायोमेडिकल रोबोटिक्स खंड 1, संख्या 2 (2010) पृष्ठ 99-103

263. डी. डेका, ए. बहादुर, वी. डढ़वाल, एस. गुरूनाथ, ए. वैद्य। गर्भाशय के पूर्व भंजन द्वारा जटिल हुई गर्भावस्था में सफल परिणाम : दो मामलों की रिपोर्ट। आर्क. स्त्रीरोगविज्ञान प्रसूतिविज्ञान 2011, मार्च; 283 पूरक 1 : 45-8

264. डी. डेका, एन. गुप्ता, ए. बहादुर, वी. डढ़वाल, एस. मित्तल। उन्नत सर्वाइकल शल्कीय कोशिका कार्सिनोमा के पूरक नाभि शल्यचिकित्सीय दाग और भगीय मेटास्टेटिस : दो मामलों की रिपोर्ट; आर्क. स्त्रीरोग विज्ञान, प्रसूतिविज्ञान 2010, अप्रैल; 281 (4) : 761-4

265. डी. डेका, एन. गुप्ता, वी. डढ़वाल, एस.मित्तल। मेयर रोकिटेन्सकी कस्टर हॉजर सिन्ड्रोम सहित एक महिला में शल्य चिकित्सीय वेजिनोप्लास्टि के साथ उदरीय पीड़ा का लेप्रोस्कोपिक मूल्यांकन। यूर. जे. प्रसूति विज्ञान, स्त्रीरोगविज्ञान पुनरूत्पादक जैवविज्ञान 2011, जनवरी; 154 (1) : 115-6

266. डी. डेका, एन. महापात्र। प्रसूति वैज्ञानिकों के लिए आनुवंशिकी परामर्श। डोनाल्ड स्कूल जर्नल आफ अल्ट्रासाउंड इन ऑब्सटेट्रिक्स एंड गाइनोकोलॉजी, अक्तूबर-दिसम्बर, 2010; 4(4) : 447-453

267. डी. डेका, प्रसूतिविज्ञान की प्रैक्टिस में गहरा शिरीय थ्रॉम्बोसिस। जे. इंडियन मेडि. एसो. 2010, अप्रैल, 108 (4) : 233-4, 238-40, 242

268. एसवीएस देव। विकासशील देशों में वक्ष कैंसर के प्रबंधन में चुनौतियां। नेश. मेडी. जे. इंडिया, 23, 129-131, 2010

269. ए. के. देवरारी, वी. के. पॉल। नवजातविज्ञान चिकित्सा के सर्वाधिक तीव्रतापूर्वक उन्नतिशील क्षेत्रों में से एक है। इंडियन जे. बालरोगविज्ञान 2010; 77 : 1115

270. एस. डी. देसाई, जी. शुक्ला, वी. गोयल, एस. सिंह, एम. वी. पद्मा, एम. त्रिपाठी, एट एल, अल्प संरचित नैदानिक साक्षात्कार का प्रयोग करते हुए दुर्दम्य जटिल आंशिक दौरे वाले रोगियों में डीएसएम-IV अक्षीय 1 मनोवैज्ञानिक विकृतियों का अध्ययन। एपिलेप्सि बिहेव 2010; 19 : 301-5

271. एस. एस. धंडपाणि, डी. मंजु, एस. विवेकानंदन, एम. अग्रवाल, ए. के. महापात्र। गंभीर अपघातज यस्तिष्क चोट से गंभीर रूप से बीमार रोगियों में जैवरासायनिक परिवर्तनों का पूर्वानुमानिक अनुलंबीय अध्ययन : संबद्ध कारक और 6 माह में परिणाम। इंडियन जे. न्यूरो ट्रॉमा, 2010 : 7 : 23-8

272. पी. धर, एम. एस. सोमेश, पी. कौशल, आर. सहगल और आर. डी. मेहरा : चूहे के टेस्टिज के लेडिग कोशिकाओं पर प्रारंभिक नवजात-पश्च अवधि के दौरान आर्सेनिक के उद्भासन का प्रभाव। विष वैज्ञानिक और पर्यावरणीय रसायनशास्त्र 2010, 92(6) : 1157-1168

273. बी. धवन, आर. गदेपल्ली, सी. राव, ए. कपिल, वी. श्रीनिवास/ मेटीसिसलीन प्रतिरोधी स्टेफीलोकोकस ऑरियस में वेंकोमाइसिन की घटी हुई सुप्रभाव्यता : भारतीय तृतीयक अस्पताल में एक 5-वर्षीय अध्ययन। जे. मेडी. सूक्ष्मजैवविज्ञान 2010; 59(3) : 375-6

274. जे. धवन, एस. गुप्ता, बी. कुमार। भारत में बच्चों में यौन संचारी रोग। इंडिया जे. डर्मेटोलॉजी वेनेरोलॉजी एप्रोल 2010; 76 : 489-93

275. जे. धवन, पी. वर्मा, ए. शर्मा, एस. रमन, एस. के. काबरा, एस. गुप्ता। प्रतिरक्षादक्ष बच्चे में प्रसारित क्यूटेनियस हिस्टोप्लाजमॉसिस, इट्राकोनेजोल से पुनरावर्तन, वोरिकोनाजोल से सफलतापूर्वक उपचारित। पेडिए. डर्मेटोलॉजी 2010; 27 : 549-51

276. एन. धवन, एस. चौहान, एस. एस. कोठारी, यू. किरण, एस. दास, एन. मखीजा। कन्जेनिटल कार्डियक शंट लेजियन वाले बाल रोगियों में एटोमिडेट का हेमोडायनेमिक प्रत्युत्तर। जे. कार्डियोथेरेसिक वस्कु. एनेस्थे 2010, अक्तूबर, 24 (5) : 802-7

277. आर. के. धीमान, वी. ए. सारस्वत, बी. के. शर्मा, एस. के. सरीन, वाई. के. चावला, आर. बटरवर्थ, एट एल, यकृत के अध्ययन के लिए भारतीय राष्ट्रीय संघ मिनिमल हेपेटिक इनसेफेलोपैथी : यकृत के अध्ययन के लिए भारतीय राष्ट्रीय संघ के कार्य बल का सहमति बयान। जे. गैस्ट्रोइन्टेरोलॉजी हेपेटेलॉजी, 2010; 25 : 1029-41

278. बी. ढींगरा, एस. शर्मा, डी. मिश्रा, आर. कुमारी, आर. एम. पांडे, एस. अग्रवाल। भारतीय बच्चों में अल्ट्रासोनोग्राफी द्वारा यकृत और प्लीहा के आकार का सामान्य मान। भारतीय बालरोगविज्ञान 2010, जून ; 47 (6) : 487-92

279. वी. ढींगरा, ए. के. जायसवाल, के. आदर्श। जीवितोपरीक्षा सामग्री में मोथ बाल्स के अवशेष का पता लगाना और पहचान : एक मामला अध्ययन। जे. इंस्टीट्यूशन केमिस्ट 2010; 82 (3) : 94-6

280. वी. ढींगरा, ए. के. जायसवाल, के. आदर्श। दुरूपयोग की औषधियों के विशेष संदर्भ में भारतीय अपराधविज्ञान विषविज्ञान के लिए चिंता के उभरते हुए मुद्दे। इंट. जे. मेडी. टॉक्सिकोलॉजी लीगल मेडी. 2010; 13 (2) : 71-6

281. एस. दीक्षित, पी. धर ओर आर. डी. मेहरा। प्रारंभिक नवजात-पश्च अवधि के दौरान सोडियम आर्सेनाइट से उद्भासित चूहों के बच्चों में हिप्पोकैम्पेल ऑक्सीकारकरोधी प्रास्थिति और स्मरण क्रिया पर अल्फा लिपोइक अम्ल की संरक्षात्मक भूमिका। टॉक्सिकोलॉजी कार्यतंत्र और विधियां 2011; 21 (3) : 216-224

282. टी. डी. डोगरा, एस. लालवानी, ए. रैना। भारत के मानवाधिकार में अपराधविज्ञान चिकित्सा विशेषज्ञ की भूमिका। ओआईडीए इंट. जे. सतत विकास 2010; 2 (1) : 11-15

283. टी. डी. ड्रेगन डुरे, एस. के. सेठी, ए. बग्गा, सी. ब्लांक, जे. ब्लोइन, बी. रेनचिन, जे. एल. एन्ट्रे, एन. टकागी, एच आई चियांग, पी. हरि, एम. ली. क्विनट्रेक पी. नियाउदेक सी. लोइरात, डब्ल्यू. एच. फ्रिडमैन, वी. फ्रेमॉक्स-बाशी। एंटी-फेक्टर एच ऑटोएंटीबॉडी - संबद्ध हेमोलाइटिक यूरेमिक सिन्ड्रोम की नैदानिक विशेषताएं। जे. एम. सोर नेफ्रोलॉ. 2010; 21 : 2180-7

284. जे. एम. ड्रेनेज, पी. डब्ल्यू डि. ल्यू, सी. लेन, सी. मलरो, सी. डी. डिएजेंलिस, एफ. ए. फ्रिजेल, एट एल, अधिक समरूप विवाद प्रकटन की ओर अद्यतित आईसीएमजेई हित विरोध रिपोर्टिंग फार्म। एन इंग्लैंड, जे. मेडी. 2010, जुलाई 8; 363 (2) : 1889। टिडस्केर नॉट लेगेफोरन में साथ-साथ प्रकाशित 2010; 130 : ई 1-2; एन इंटर्न मेडी 2010; 153 : 268-9, बीएमजे 2010; 340 : ई 3230; डॉन मेडी बुल 2010; 57 : ए 4168; क्रोट मेडी जे. 2010; 51 : 287-8, नेशनल मेडी जे. इंडिया 2010; 23 : 196-7; टिव मेडी. क्लि. 2010; 138 : 801 - 3; पिन मेडी. जे. (इंग्लैंड) 2010; 123 : 1621-3; मेडी जे. ऑस्ट. 2010; 193 : 7-8, एन. जेड. मेडी. जे. 2010; 123 : 12-14; सीएमएजे 2010; 182 : ई 425।

285. ए. दुआ, ई. कृष्ण किरण, आर. मल्होत्रा, एल. शर्मा, जी. मल्लीनाथ। बंद कमी और विलम्बित प्रस्तुतिकरण के साथ बच्चों में ह्यूमेरस का विस्थापित सुप्राकोंडिलर फ्रैक्चर की पर्कुटेनियस पिनिंग। चाइनीज जं. ट्रॉमेटोलॉनी (अग्रेंजी संस्करण) 2011; 14 : 14-19

286. एस. के. दुबे, एस. जे. भारती, एच. प्रभाकर। सामान्य संवेदनाहरण के अधीन शल्यचिकित्सा के दौरान परिवर्तित वायुमार्ग दाब का एक असमान्य कारण। इंडियन जे. संवेदनाहरणविज्ञान 2010; 54 (6) : 576

287. आर. दत्ता, ए. कुमार, पी. के. जुल्का, एस. आर. माथुर, एस. कौशल, आर. कुमार, टी. जिंदल, वी. सूरी। थाईमिक न्यूरो इंडोक्राइन ट्यूमर (कार्सिनॉयड) : विभिन्न प्रस्तुतिकरण के साथ चार रोगियों की नैदानिक रोग वैज्ञानिक विशेषताएं। इंटरएक्ट कार्डियोवस्कुलर थोरेसिक सर्जरी 2010; 11 : 732-6

288. आर. दत्ता, ए. कुमार, यू. कानन, ए. पी. भल्ला, एस. कौशल और पी. के. जुल्का। शल्य चिकित्सीय रूप से उपचारित आक्रामक मीडिया स्टीनल सर्कोमा : संभावित थाइमिक मूल का ट्यूमर। जन. थोरेसिक कार्डियोवस्कुलर सर्जरी 2011; 59 : 65-67

289. ए. द्विवेदी, एस. एन. द्विवेदी, एस.पी.एस. देव, एट एल वक्ष कैंसर की रोगियों में शामिल नोड की संख्या पूर्वानुमानित करने के लिए सांख्यिकीय मॉडल। हेल्थ, 2(7) : 641-651 : 2010

290. एस. अब्राहिम, एस. किनरा, एल. बोवेन, ई. एंडरसन, वाई बेन-श्लोमो, टी. लिंग्डोह, एल. रामाकृष्णन, आर. सी. आहूजा, पी. जोशी, एस. एम. दास, एम. मोहन, जी. स्मिथ डेवी, डी. प्रभाकरन, के. एस. रेड्डी। भारतीय प्रवासन अध्ययन समूह। भारत में मोटापे और मधुमेह पर ग्रामीण से शहरी प्रवासन का प्रभाव : एक परस्पर वर्गीय अध्ययन। पीएलओएम मेडिसिन 2010; 7 : ई 1000268

291. पी. एलवुड, एम. एल. अशर, ए. डब्ल्यू स्टिवार्ट, आई एस ए ए सी फेज-III अध्ययन समूह। आईएसएएसी समय प्रवृत्ति अध्ययन में प्रत्युत्तर दरों पर सहमति की विधि का प्रभाव। इंट. जे. ट्यूबेरे लंग्स डिजी. 2010; 14 : 1059-65 (आचार्य एस. के. शर्मा भारत से अध्ययन के लिए प्रमुख अन्वेषक थे) (परिशिष्ट में सूचीबद्ध नास ऑनलाइन वृद्धि है)।

292. एम. युनिस, ए. सी. अनुमिनी। एंड्रोलॉजी पर जेंनोमिक्स क्रांति : पुरूष अनुवर्रता के लिए आनुवंशिकीय परीक्षण। एशियन जे. एन्ड्रोलॉजी; 2010; 12 : 449-50

293. सी. एच. फॉल, जे. बी. बोरिया, सी. ऑस्मौंड, एल. रिचर, एस. के. भार्गव। मोर्टेरेल रेट एल. कोहार्टस समूह (सहभोगी) शिशु दुग्धपान पैटर्न और युवा वयस्कावस्था में हृदयवाहिका जोखिम कारक, निम्न और मध्यम आय के देशों में पांच कोहार्ट से आंकड़े। इंट. जे. महामारी विज्ञान, 2011; 40 : 47-62

294. एम. एम. फिनुवोन, जी. ए. स्टीवेन्स, एम. जे. कोवान, जी. डेनेई, एम. एजाटी, वाई. एस. कुसुमा, एट एल, चिरकालिक रोग सहयोगी समूह (बॉडी मास इंडेक्स) के मेटाबॉलिक जोखिम कारक का वैश्विक बोझ। वर्ष 1980 से बॉडी मास में राष्ट्रीय, क्षेत्रीय ओर वैश्विक प्रवृत्तियां; 960 देश-वर्ष और 9.1 मिलियन प्रतिभागियों के साथ स्वास्थ्य जांच सर्वेक्षण और महामारी वैज्ञानिक अध्ययनों का क्रमबद्ध विश्लेषण। लेन्सेट 2011; 377 : 557-67

295. ए. गदोदिया, ए. एस. भल्ला, आर. शर्मा, ए. ठक्कर, आर. प्रसाद। आइट्रोजेनिक सिमालोसेव की एमआर सिएलोग्राफी : पारम्परिक सिएलोग्राफी के साथ तुलना डेन्टोमेक्सिलोफेक रेडियोलॉजी 2011, मार्च, 40 (3) : 147-53

296. ए. गदोदिया, पी. गुप्ता, आर. शर्मा, एस. कुमार, जी. गुप्ता। नवजात पूर्व सोनोग्राफी और इनियनसेफली एपर्टस और क्लॉसस की एमआरआई फेटल डाय. थेर 2010; 27 : 189-80

297. ए. गदोदिया, पी. गुप्ता, आर. शर्मा, एस. कुमार। लिसेनसेफली का नवजातपूर्व निदान : एक मामला रिपोर्ट। जे. क्लिन अल्ट्रासाउंड 2011; 39 : 91-2

298. ए. गदोदिया, एस. केडिया, आर. शर्मा। जी आई रेडियोलॉजी उदाहरण। ट्रॉप गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी 2010; 31 : 137-9

299. ए. गदोदिया, ए. सेठ, आर. शर्मा, ए. आर. चौधरी, ओ भूटिया, ए. गुप्ता। बच्चों और किशोरों में जबड़े के नेजियन की मल्टीडिटेक्टर संगणित टोमोग्राफी। जे. मेडी. इमेजिंग रेडियो. ऑनको 2010; 54 : 111-9

300. ए. गदोदिया, ए. सेठ, आर. शर्मा, ए. ठक्कर, आर. प्रसाद। सूजन योग्य लार-ग्रंथि रोगों में सीआईएसएस और एचएएसटीई क्रम का प्रयोग करते हुए चुम्बकीय अनुनाद सिएलोग्राफी : डिजीटलसिएलग्राफी के साथ तुलना। एक्टा. रेडियोलॉजी 2010; 51 : 156-63

301. ए. गदोदिया, ए. सेठ, आर. शर्मा, ए. ठक्कर, किशोर पुनरावर्त्तक पेरोटाइच्सि का एमआरआई और एमआर सिएलोग्राफी। बाल रोग विज्ञान, विकिरणविज्ञान 2010; 40 : 1405-10

302. ए. गदोदिया, ए. सेठ। मैक्सिला का रेशेदार डिस्प्लाजिया। जे. बालरोगविज्ञान शल्यचिकित्सा 2010; 45 : 848; लेखक उत्तर 848

303. ए. गदोदिया, आर. शर्मा, एन. जयशीलन, एस. अग्रवाल, पी. गुप्ता। अंतरमेरूदंडीय संघटक के साथ मीडिया स्टीनल न्यूरोन्ट्रिक फोड़े का जन्म-पूर्व निदान। जे. बालरोगविज्ञान शल्यचिकित्सा 2010; 45 : 1377-9

304 ए. गदोदिया, आर. शर्मा, एन. जयशीलन। ट्यूबरक्यूलस उदरीय कोकून। एम जे. ऑप मेडी. हाइजि. 2011; 17 : 159-60

305. ए. गदोदिया, आर. शर्मा, आर. प्रसाद। एपिपलॉयक एपेन्डेजाइटिस : बाएं इलियाक फोसा पीड़ा का असामान्य कारण। इंडियन जे. गैस्ट्रोएन्टेरोलॉजी 2010; 29 : 171

306. ए. गदोदिया, एस. ठाकुर, आर. शर्मा। 32-वर्षीय पुरूष में उदरीय सूजन। सऊदी जे. गैस्ट्रोएन्टेरोलॉजी 2011; 17 : 159-60

307. एस. बी. गायकवाड, एस. शर्मा, एस. कुमार। ओनिक्स का प्रयोग करते हुए कोनस मेडुलेरिस आर्टेरियोवेन्स विकृति का सफल वाहिकारोधन। प्रकाशित न्यूरोलॉजी इंडिया 2010; खंड 58, 817-818

308. ए. गंभीर, आर. माथुर, एम. बिहारी। चूहों में 6-ओएचडीए - एसएनसी लेजियन पश्च 12 और 20 सप्ताह में मोटर कुशलता सीख में प्रगामी बाधा। पार्किनसोनिज्म रिलेटेड डिसऑर्डर 2011; जुलाई; 17 (6) : 476-8

309. पी. गणेशन, एस. कौशल, एस. थुल्कर, एस. बक्शी। लेंगरहेन्स कोशिका हिस्टियोसाइटोसिस की एकमात्र प्रस्तुत विशेषता के रूप में मीडियास्टीनल पिंड और पेरापेरेसिस। जे. बालरोगविज्ञान रूधिरविज्ञान अर्बुदविज्ञान 2010; 32 : 336-7

310. आर. गंगावटिकर, एस. पाल, ए. जावेद, एन. आर. दास, पी. साहनी, टी. के. चट्टोपाध्याय। पैंक्रिएटिकोडियोडेनेक्टॉमी के बाद क्लिम्बित गैस्ट्रिक रिक्तिकरण पर गैस्ट्रो/ डियोडेनोजेलुनोस्टॉमी के एंटीकोलिक अथवा रिट्रोकोलिक पुनर्निर्माण का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। जे. गैस्ट्रोएन्टेरोलॉजी शल्यचिकित्सा 2011; 15 : 843-52

311. के. के. गांगुली, आर. के. चड्ढ़ा, टी. बी. सिंह। सिजोफ्रोनिया और बाईपोलर विकृति में परिचर्यादाता का बोझ और निपटना : एक गुणात्मक अध्ययन। अमेरिकन जर्नल आफ साइकेएट्रिक रिहेबिलिटेशन 2010; 13 : 126-42

312. बी. गर्ग, एच. गुप्ता, पी. पी. कोतवाल। स्केफॉयड के डिस्टल पोल का गैर-अभिघातजीय ओस्टियोनेक्रोसिस : एक विरल व्यावसायिक खतरा। इंडियन जे. ऑथोप. 2011; 45 : 185-87

313. बी. गर्ग, पी. पी. कोतवाल। कैम्पटोडेक्टिली। ऑर्थोपेडिक्स टूडे 2010; खंड- XII : 46-47

314. बी. गर्ग, पी. पी. कोतवाल। फुट ड्रॉप, ऑर्थेपेडिक्स टूडे 2010; खंड- XII : 32-36

315. बी. गर्ग, पी. पी. कोतवाल। पाईलॉन फ्रैक्चर, ऑर्थोपेडिक्स टूडे, 2010; खंड- XII : 69-72

316. बी. गर्ग, पी. पी. कोतवाल। पोस्टेरियर एंकल बाधा संलक्षण, ऑर्थोपेडिक्स टूडे, 2010; खंड- XII : 73-75

317. बी. गर्ग, पी. पी. कोतवाल। अन्तः प्रकोष्ठिका के शाफ्ट के पृथक्कृत फ्रैक्चर के बाद रेडियो अंतः प्रकोष्ठिकीय साइनोस्टॉसिस और रेडिकल उच्छेदन द्वारा इसका उपचार और टेन्सर फेसिया लाटा ग्राफ्ट की अंतरस्थिति। वेबमेड सेंट्रल ऑर्थोपेडिक्स 2010; 1 : डब्ल्यूएमसी 0096

318. बी. गर्ग, आर. मल्होत्रा, विजय कुमार, पी. पी. कोतवाल। ओस्टियोपोरोटिक डिस्टल फेमोरल फ्रैक्चर के लिए कम आक्रामक स्थिरीकरण प्रणाली प्लेट बनाम रिट्रोग्रेड अंतरमेडुलेरी नेल। यूर जे. ऑर्थोपेडिक सर्जरी ट्रॉमेटोलॉजी, ऑन लाइन प्रथम 14 अक्तूबर, 2010

319. बी. गर्ग, आर. मल्होत्रा। ऑर्थो क्विज संख्या 23 : ऑर्थोपेडिक्स टूडे 2010, खंड-XII संख्या 2; 45

320. बी. गर्ग, आर. मल्होत्रा। ऑर्थो क्विज संख्या 24 : ऑर्थोपेडिक्स टूडे 2010, खंड-XII संख्या 3; 140

321. बी. गर्ग, आर. मल्होत्रा। ऑर्थो क्विज संख्या 25 : ऑर्थोपेडिक्स टूडे 2010, खंड-XII संख्या 4; 185

322. बी. गर्ग, आर. मल्होत्रा। ऑर्थो क्विज संख्या 26 : ऑर्थोपेडिक्स टूडे 2010, खंड-XII संख्या 1; 41

323. बी. गर्ग, आर. मल्होत्रा। ऑर्थोपेडिक्स में अग्रणी। एल्फर्ड वेलपाऊ। ऑर्थोपेडिक्स टूडे 2010, खंड-XII संख्या 4; 184

324. बी. गर्ग, आर. मल्होत्रा। ऑर्थोपेडिक्स में अग्रणी। क्रिश्चियन जॉर्ज स्योरल। ऑर्थोपेडिक्स टूडे 2010, खंड-XIII संख्या 1; 39

325. बी. गर्ग, आर. मल्होत्रा। ऑर्थोपेडिक्स में अग्रणी। लुईस जेवियर एदुआर्ड ओलियर। ऑर्थोपेडिक्स टूडे 2010, खंड-XII संख्या 2; 92

326. बी. गर्ग, आर. मल्होत्रा। ऑर्थोपेडिक्स में अग्रणी। ऑटो विलहेम मेडेलंग। ऑर्थोपेडिक्स टूडे 2010, खंड-XII संख्या 3; 139

327. के. बी. गर्ग, आई. गांगुली, ए. कृपलानी, एन. के. लोहिया, जे. थुल्कर, जी. पी. तलवार। योनीय पीएच > अथवा 5 सहित जीवाणुक वेजिनॉसिस की पुनरावर्तक घटना का अनुभव करने वाली महिलाओं में लेक्टोवेसिली के उपाचययी गुण। यूर. जे. सूक्ष्मजैवविज्ञान, संक्रामक रोग 2010, जनवरी, 29(1) : 123-5

328. पी. के. गर्ग, एम. शर्मा, के. मदान, पी. साहनी, डी. बनर्जी, आर. गोयल। संक्रमित अग्नाशयी नेक्रोसिस वाले रोगियों में शल्यचिकित्सा के तुलनीय प्राथमिक संरश्री उपचार का परिणाम मृत्यु होता है। क्लिन गैस्ट्रोएन्टेरेलॉजी, हेपेटैलॉजी 2010; 8 : 1089-1094 ई 2

329. आर. गर्ग, एस. अग्रवाल, वी. भटनागर, आइफोस्फेमाइड चिकित्सा द्वारा प्रेरित तीव्र पैंक्रिएटाइटिस। जे. बालरोगविज्ञान शल्यचिकित्सा 2010; 45 : 2071-2073

330. आर. गर्ग, पी. खन्ना, एम. पांडिया। लिनीयर स्ट्रिप क्रेनिएक्टॉमी और फ्रंटल एडवांसमेंट के लिए रिक्रेट्स और क्रेनियोसिनोस्टॉसिस वाले बच्चे में संवेदनाहरणीय विचार। इंडियन जे. संवेदनाहरणविज्ञान 2010; 54 (4) : 350-1

331. आर. गर्ग, जी. पी. रथ, पी. के. बिट्ठल, एच. प्रभाकर, एम. के. मरदा। अग्रवर्ती सर्वाइकल डिटोक्टॉमी और संयोजन करा रहे रोगियों में कफ दाब ओर स्वर तंत्र क्रिया पर आकुंचक अनुप्रयोग का प्रभाव। इंडियन जे. संवेदनाहरणविज्ञान 2010; 54 (4) : 292-5

332. एस. गर्ग, भावुक गर्ग, आर. मल्होत्रा। जोड़ों के प्रतिस्थापन पर संगोष्ठि : पूर्ण कूल्हा प्रतिस्थापन के आपरेशन-पश्च एक्स-रे की व्याख्या कैसे की जाए। ऑर्थोपेडिक्स टूडे 2010; खंड-XII संख्या 3; 106-9

333. पी. गौड़ा, एस. बक्शी, वी. रैना, सुषमा भटनागर, अतुल शर्मा, ललित कुमार, एन. के. शुक्ला, पी. के. जुल्का, जी. के. रथ। तृतीयक परिचर्या अर्बुदविज्ञान केंद्र में कैंसर के रोगियों की मृत्यु दर की विशिष्टता और पैटर्न : 259 मामलों की रिपोर्ट। एशियन पैसेफिक जर्नल आफ कैंसर प्रिवेंशन, 2010; 11 : 1-5

334. यू. एस. गौतम, एस. चौहान, जे. एस.त्यागी। माइक्रोबैक्टेरियम टीबी में प्रसुप्त जीन की सहयोगशीलता और सुदृढ़ सक्रियता के लिए डेव आर सी टर्मिनल क्षेत्र अनिवार्य है। पीएलओएस वन 2011; 6 : ई 16500

335. एस. गजुला, एस आर माथुर, वी .के. अय्यर, ए. के. गुप्ता, डी. के. पवार, एस. अग्रवाल। बांए मध्यपटीय हर्निया में वक्षीय उदरीय परिपक्व टेराटोमा। इंडियन जे. बालरोगविज्ञान 2010; 77 : 563-4

336. एस. घराई, पी. वेंकटेश, एस. गर्ग, एस. शर्मा, एस. के. शर्मा, पी. जी. घराई, आर. वोहरा। एचआईवी संक्रमण के प्रारंभिक आविर्भाव के रूप में पृथक्कृत एकपक्षीय तीव्र दृष्टिपटलीय नेक्रोसिस संलक्षण। एड्स रीडर 2009 : 19 : 241-4

337. पी. घरडे, एम. मलिक, ए. गुप्ता, एस. चौहान, ए. कुमार, यू. किरण। मिट्रल वाल्व मरम्मत के बाद ट्रांसएसोफेजियल एकोकॉर्डियोग्राफी का प्रयोग करते हुए निदान किया गया इंट्राऑपरेटिव अपूर्ण बांया आट्रियल एपेन्डेज लिगेशन। जे. कार्डियोथोरेसिक वस्कुलर एनेस्थेसिया 2011; 25 (2) : 383-385

338. डी. घोष, ए. आर. नजवा, एम. ए. खान, जे. सेनगुप्ता। लघुपुच्छ वानर में संवहनी एंडोथेलियल वृद्धि कारक के प्रतिक्षा उदासीनीकरण के बाद आरोपण चरण एंडोमेट्रियम में आईजीएफ2, आईजीएफ बंधककारी प्रोटीन1 और मैट्रिक्स मेटेलोप्रोटिनेजेज 2 और 9। रिप्रोडक्शन 2011, अप्रैल; 141 (4) : 501-9

339. डी. घोष। एक चिकित्सक जेम्स बेरी के असाधारण जन्म के दो सौ वर्ष। एकेए मारग्रेट एन बल्कले, इंडियन जे फिजियोलॉजी, फार्मेकोलॉजी 2011; 55 : 1-4

340. आई. घोष, एस. बक्शी, आर. गुप्ता। प्रॉप्टोसिस सहित शिशु में तीव्र बेसोफिलिक ल्यूकेमिया। इंडियन जे. रोग विज्ञान, सूक्ष्म जैवविज्ञान 2011; 54 : 210-211

341. आई. घोष, एस. बक्शी। बाल गैर-हॉगकिन्स लिम्फोम की अभिव्यक्ति प्रस्तुत करने के रूप में पीलिया : हेतुविज्ञान प्रबंधन और परिणाम। जे. बालरोगविज्ञान रुधिरविज्ञान, अर्बुदविज्ञान, 2010; 32 : ई 131-135

342. आई. घोष, एन. ए. फैजी, एस. ब्रूर, एस. बक्शी। एचआईएन1 इन्फ्लुएंजा के कारण फेब्राइल न्यूट्रोपीनिया में घातकता : बाल अर्बुदवैज्ञानिकों के लिए एक चेतावनी। बाल रोग विज्ञान, रक्त कैंसर 2010; 55 : 1243-1244

343. आई. घोष, वी. रैना, एल. कुमार, ए. शर्मा, एस. बक्शी, एस. थुल्कर; एट एल उच्च जोखिम वाले फेब्राइल न्यूट्रोपीनिया में संक्रमण की रूपरेखा और परिणाम : भारत में एक तृतीयक परिचर्या कैंसर केंद्र के अनुभव। मेडी. अर्बुदविज्ञान 2011 (ई-पब, मुद्रण से पूर्व)।

344. आई. घोष, ए. शर्मा। वक्ष कैंसर के लिए थेमोग्राफीय जांच : कब और कैसे बारम्बार? चयनित सारांश के रूप में प्रकाशित। एन. मेडी जे. इंडिया 2010; 23 : 152-153

345. एस. घोष, ए. बसु, एस. एस. कुमारन, एस. खुशु। शब्द संबद्ध कार्य का प्रयोग करते हुए सामान्य मस्तिष्क में भाषा नेटवर्क का कार्यात्मक मानचित्रण। इंडियन जे. विकिरण विज्ञान, छायाचित्रण 2010 : 20 : 182-7

346. जे. गिलेन, एच गुप्ता, अम्बिका राजवंशी, सुषमा भटनागर, सीमा मिश्रा, अरविंद कुमार चतुर्वेदी, स्टेफ वेन डेन ब्रांडेन, बर्ट ब्रोएकार्ट। पीड़ा नियंत्रण और पेलिएटिव सिडेशन के प्रति भारतीय पेलिएटिव द्ध परिचर्या नर्सों और चिकित्सकों की प्रवृत्तियां। इंडियन पेलिए. केयर 2011; 17 : 33-41

347. जे. गिलेन, सुषमा भटनागर, सीमा मिश्रा, अरविंद कुमार चतुर्वेदी, हरमाला गुप्ता, अम्बिका राजवंशी, स्टेफ ब्रेडेन, बर्टब्रोएकार्ट। क्या उपचारात्मक अथवा जीवन बचाए रखने का उपचार रोक रखा अथवा वापस लिया जा सकता है? भारतीय पेलिएटिव परिचर्या नर्सों और चिकित्सकों की राय और विचार। मेडिसिन हेल्थ केयर फिलॉस्फी (2011) 14 : 5-18

348. ए. गोयल, आर. वेंकट, ए. कुमार, बी. वी. अदकोली, आर. सूद। स्नातकपूर्व विद्यार्थियों के लिए संरचित इंटरनशिप उन्मुखीकरण कार्यक्रम नैदानिक कार्य में सरल रूपांतरण। नेश. मेडी. जे. इंडिया 2010; 23 : 160-2

349. के. गोयल, ए. मिश्रा, एन. के. विक्रम, पी. पोद्दार, एन. गुप्ता। अधस्त्वचीय उदरीय वसामय ऊतक अंतर-उदरीय और पूर्ण शारीरिक वसा से स्वतंत्र एशियाई भारतीयों में उपापचीय संलक्षण के साथ संबद्ध है। हार्ट. 2010; 96 (8) : 579-83

350. पी. गोयल, एस. पांडा, एम. श्रीनिवास, डी. कुमार, ए. सेठ, ए. आहूजा, एट एल अंतरश्वसनी विस्तार के साथ प्लूरोपल्मोनरी ब्लास्टोमा। बालरोगविज्ञान रक्त कैंसर 2010; 54: 1026-8

351. पी. गोयल, के. श्रीवास्तव, एन. दास, वी. भटनागर। अति हेपेटिक पोर्टल शिरा बाधा द्वारा हुए पोर्टल उच्च रक्त चाप में नाइट्रिक ऑक्साइड की भूमिका। जर्नल आफ इंडियन एसोसिएटशन आफ पेडिएट्रिक सर्जन्स, 2010; 15 : 117-121

352. आर. गोयल, ए. मिश्रा, एस. के. अग्रवाल, एन. विक्रम। शहरी एशियाई भारतीय किशोरों में उच्च रक्तचाप का सह-संबंध। आर्कडिस चाइल्ड 2010; 95 (12) : 992-7

353. एस. एच. गोयनका और ए. गर्ग। आघात के साथ स्यूडोयस्कुलर पुरूष : प्रसारित सिस्टिसर्कोसिस । इंट. जे. संक्रामक रोग, 2010; 14 पूरक 3 : ई 385-7

354. ए. एच. गोयनका, ए. कुमार, आर. सहगल, एस. गुलाटी। स्पेसमोडिक लाफ्टर इन ए चाइल्ड। हाइपोथेल्यिक हेमरटोमा। जे. क्लिन न्यूरोसाइंस 2010; 17 : 761, 817

355. ए. एच. गोयनका, ए. मुकुंद, जे. आहूजा, एस. कुमार,। इन्फ्लुएंजा - संबद्ध एनसेफलाइटिस एन्सेफेलोपैथी (आईएईई) वाले बच्चे में कार्पस केलोजम के स्पेलेनियम में प्रतिवर्ती लेजियन। जे. क्लिन. न्यूरोसाइंस 2010, मई : 17 (5) : 607, 678

356. ए. एच. गोयनका, एस. शर्मा, वी. रामचंद्रन, टी. के. चट्टोपाध्याय, आर. रे। एसोफेगस का वृहद फाइब्रोवस्कुलर पोलीप : मामले की रिपोर्ट । सर्जरी टूडे 2011; 41 : 120-4

357. ए. गोगिया, एस. बक्शी। एचआईवी नकारात्मक बच्चे में मुखीय गुहा का प्लाज्माब्लास्टिक लिम्फोमा। बालरोग विज्ञान, रक्त कैंसर 2010; 55 : 390-391

358. ए. गोगिया, जे. मिश्रा, आर. कुमर, एस. बक्शी। बच्चे में बॉन सेक्रेटरी माइलोमा बालरोग विज्ञान, रक्त कैंसर 2011; 56 : 321-322

359. ए. गोगिया, एस. थुल्कर, आर. साहू, एस. बक्शी। लम्बर पंक्चर के बाद बाल्यावस्था के तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में इन्ट्रामेड्यूलरी मेरूदंडीय हेमरेज। बाल रोग विज्ञान, रक्त कैंसर 2010; 56 (2) : 329-30

360. वी. गोगिया, एफ. एन. फिलिप्स, हिमांशु खुराना, एस. रोशनी, संदीप खन्ना, सीमा मिश्रा, सुषमा भटनागर। ऊपरी अंग को शामिल करते हुए शल्यकीय कोशिका कार्सिनोमा के रोगी में दुर्दमनीय पीड़ा के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित न्यूरोलाइटिक ब्रेकियल प्लेक्सस ब्लॉक। इंडियन जे. पेन 2010; 24 : 72-3

361. एम. गोलेछा, जे. भाटिया, डी. एस. आर्य। एम्बलिका ऑफिसिनेलिस गर्दन का हाइड्रोअल्कोहलिक सत्व, चूहे में पीटीजेड-प्रेरित आघात, ऑक्सीकारक दबाब और कॉग्नेटिव बाधा के विरूद्ध संरक्षण देता है। इंडियन जे. एक्स. बायो 2010; 48 : 474-8

362. के. गोपीनाथ, एस .सिंह। टी बी स्थानिक देशों में गैर- टीबी माइकोबैक्टोरिया : क्या हम खतरे की अवहेलना कर रहे हैं? पीएलओएस नेग. ट्रॉप डिजी. 2010; 4 : ई. 615

363. ए. गोयल, ए. गदोदिया, आर. शर्मा। जेन्थोगेनुलोमेटस पाइलोनेफ्राइटिस : एक गैर-आम बाल वृक्कीय पिंड। बाल रोग विज्ञान, विकिरणविज्ञान 2010; 40 : 1963-4

364. ए. गोयल, एस. गमनागट्टी, जे. श्रीराम। ट्यूब के भीतर ट्यूब : आंत और पैत्तिक मार्ग में एस्कोर्टिस। एंट. जे. ट्रॉप. मेडी. हाईजिक 2010;83 : 962

365. जी. एन. गोयल, डी. गुप्ता, रूपेश जैन, सुनील कुमार, सीमा मिश्रा, सुषमा भटनागर। पारम्परिक उपचार द्वारा आराम नहीं पहुंची दुर्दमनीय थोरेकोटॉमी-पश्चात पीड़ा के लिए परिधीय शिरा क्षेत्र उद्दीपन। पेन प्रैक्टिस. ऑफिशियल जर्नल आफ वर्ल्ड इंस्टीट्यूट आफ पेन 2010; 10 (4) : 366-9

366. के. गोयल, जी. पी. रथ, टी. चौधरी, सी. महाजन। पार्शिवक स्थिति में अस्थिहीन अनुकपाल और जागृत फाइब्रियोटिक इनट्यूबेशन। इंडियन जे. संवेदनाहरणविज्ञान 2010; 54(3) : 265-6

367. एस. गोयल, टी. पुरी, आर. गुप्ता, वी. सूरी, पी. के. जुल्कास और जी. के. रथ। वक्ष कैंसर में टिबियल सम्मिलन : निदान और प्रबंधन में मुद्दे। फुट 2010; 20 : 35-38

368. ई. ग्रूब , बी. शेवेलियर, पी. स्मिट्स, वी. जाविक, टी. एम. पटेल, ए. एस. मुल्लासरी, जे. वोर ले, एम. स्टूटरविलो, सी. डोरेंज, यू. कॉल; स्पिरिट-V अन्वेषक। स्पिरिट वी अध्ययन : डि नोवो हृदयवाहिका लेजियन वालो रोगियों के उपचार में जिंस V एवेरोलिमस एल्यूटिगे कोरोनरी स्टेंट प्रणाली का नैदानिक मूल्यांकन। जेएसीसी कार्डियोवस्कुलर इंटरवे 2011, फरवरी : 4(2) : 168-75

369. ए. गुलाटी, ए. बग्गा। वृहद वाहिका वेस्कुलाइटिस। बालरोगविज्ञान वृक्कविज्ञान 2010; 25 : 1037-48

370. ए. गुलाटी, ए. सिन्हा, एस. सी. जॉर्डन, पी. हरि, ए. के. डिंडा, एस. शर्मा, आर. एन. श्रीवास्तव, ए. मुदगिल, ए. बग्गा। कठिन स्टेरायड प्रतिरोधी और आश्रित नेफ्रोटिक संलक्षण के लिए रिटुक्सिमैब से उपचार की प्रभावोत्पादकता और सुरक्षा : बहुकेंद्रिक रिपोर्ट। क्लिन. जे. एम. सोश वृक्कविज्ञान 2010; 5 : 2207-12

371. ए. गुलाटी, ए. सिन्हा, वी. श्रीनिवास, ए. माठ, पी. हरि, ए. बग्गा। बारम्बार पुनरावर्तक नेफ्रोटिक संलक्षण में दैनिक कोर्टिकॉस्टेरायड में घटे संक्रमण संबंद्ध पुनरावर्तन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। क्लिन जे. एम. सोश वृक्कविज्ञान 2011; 6 : 63-9

372. ए. गुलाटी, वी. श्रीधर, टी. बोस, पी. हरि, ए. बग्गा। यकृत के चिरकालिक रोग चरण 3-4 वाले रोगियों में सेवेलामेर बनाम कैल्शियम एसीटेट की अल्पावधिक प्रभावोत्पादकता। इंट. यूरो. नेफ्रो. 2010; 42 : 1055-62

373. जी. एस. गुलाटी, ईटीडी होए, डी. गोपालन, बी. के. अग्रवाल, एन. स्क्रिटन। वयस्कों में साइनस वेनोसस एट्रियल सेप्टल त्रुटि : इस नैदानिक दुविधा के समाधान में कार्डियोवस्कुलर एमआरआई की उपयोगिता। हर्ट लंग साइ. 2010; 19 : 615-619

374. जी. एस. गुलाटी, एस. एस. कोठारी। हृद टीबी का विसरित अंतःसरणीय रूप : एनल्स ऑफ पेडिएड्रिक कार्डियोलॉजी 2011; 4 : 87-9

375. जी. एस. गुलाटी, ए. वर्मा, ए. गुप्ता, वीव. के. बहल। एथेरोस्केलेरोटिक वृक्कीय आर्टरी स्टेनोसिस के लिए स्टेंटिंग पर अद्यतन जानकारी। इंडियन हर्ट जर्नल 2010; 62 : 416-422

376. जी. एस. गुलाटी, एच. वर्मा, एम. पी. होते, एस. सेठ, एस. मोहंती, एस. शर्मा, हरिशंकर, बी. भार्गव, बी. एटन। संयोजित रिट्रोग्रेड एंटेग्रेड दृष्टिकोण : चूहों में एंडोट्रेशियल इनट्यूबेशन के लिए एक नवीन तकनीक। करेंट साइंस, 2011; 100(7) : 1060-63

377. एन. गुलाटी, आर. रस्तोगी, ए. के. डिंडा, आर. सक्सेना, वी. कॉल। पीईजाइलेटेड पीएनआइपीएएम नेनोपार्टिकल का विशिष्टकरण और कोशिका सामग्री परस्पर क्रिया। कोलॉयड्स सर्फ बी बायोइंटरफेसेज 2010; 79 : 164-73, ई-पब 2010, अप्रैल, 10

378. एस. गुलाटी। पुस्तक समीक्षा डा. बिबेक तालुकदार द्वारा बाल रोग तंत्रिकाविज्ञान की अनि वार्यताएं। इंडियन बालरोगविज्ञान 2010; 47 : 373

379. आर. गुलेरिया, जे. कुमार, ए. मोहन, ए. विग, इन्फ्लुएंजा ए : अत्यधिक पेथेजेनिक से नेपडेमिक 2009 एचआईएन आई तक। महामारीविज्ञान और नैदानिक विशेषताएं। इंडियन जे. सूक्ष्म जैवविज्ञान 2009; 49 : 49 : 315-19

380. आर. गुलेरिया। दि एचआईएन आई 2009 पेन्डेमिक : हू इज एफ्रेड आफ दि बिग बैड कुल्फ? नेश. मेडी जे. इंडिया 2009; 22(5) : 225-7

381. के. के. गुलिया, एच. एन. मलिक। समलिंगकामुकता : वार्तालाप में दुविधा। इंडियन जे. फिजि. फार्मेको, 2010, जनवरी - मार्च; 54 (1) 35-20

382. जे. गुंजियाल, एस. एम. थॉमस, ए. के. गुप्ता, बी. एस. शर्मा, पी. माथुर, बी. गुप्ता, एट एल गंभीर रूप से बीमार अभिघात के रोगियों में उपकरण संबद्ध और बहु औषध प्रतिरोधी संक्रमण: विकासशील देशों में स्वचालित निगरानी के विकास की ओर। जे. हॉस्पि. इन्फे. 2010, 2 दिसम्बर

383. ए. गुप्ता, एस. के. अग्रवाल। वृक्कीय प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में प्रतिरक्षण : हम कहां हैं? हांगकांग जे. नेफ्रोलॉजी 2010, अप्रैल; 12(1) : 6-11

384. ए. गुप्ता, पी. घरडे, ए. एस. कुमार। अग्रवर्ती मिट्रल लीफलेट लेन्थ : गठियाग्रस्त आबादी में मिट्रल वाल्व मरम्मत के लिए पूर्वानुमान। एन. थोरेसिक सर्जरी 2010; 90 : 1930-33

385. ए. गुप्ता, पी. घरडे, ए. एस. कुमार। स्टंटरहित ऑटोलोगस पेरिकार्डियल वाल्व के साथ बाईक्यूसपिड आओर्टिक वाल्व प्रतिस्थापन। एशियन एन. कार्डिथोरेसिक सर्जरी 2010; 18 (5) : 481

386. ए. गुप्ता, जी. एस. गुलाटी, एम. पी. होते, आर. रे, वी. के. बहल, एस. शर्मा। कैविटेटिंग एट्रियल मिक्सोमा मिमिकिंग हाईडेटिड सिस्ट ऑन एकाकार्डियोग्राफी : निदान और आपरेशन पूर्व मूल्यांकन के लिए हृद चुम्बकीय अनुनाद छायाचित्र और संगणित टोमोग्राफी की उपयोगिता। जे. थोरेसिक इमेजिंग, 2010; 35 : डब्ल्यू 85-8

387. ए. गुप्ता, एम. पी. होते, एम. चौधरी, ए. कपिल, ए. के. बिशोई। वयस्क हृदय शल्यचिकित्सा में प्रोफिलेटिक एंटीबायोटिक चिकित्सा के 48एच और 72एच की तुलना : एक यादृच्छिक दोहरा ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण। जे. एंटीमाइक्रोब शेमदर 2010; 65 : 1036-41

388. ए. गुप्ता, ए. खैरा, एम. डोगरा, एस. के. अग्रवाल। लौह डेक्सट्रान के संवेदी डायलेसिस के रोगियों में लौह सुक्रोज का प्रत्युत्तर। सऊदी जे. किडनी डिस ट्रांसप्लांट 2010, जुलाई; 21 (4) : 744-5

389. ए. गुप्ता, एस. कुमार, बी. मिश्रा, एस. सागर, एम. सिंघल, बी. एफ. पेकलर, एन. जय, एम. लेसेटर। दिल्ली में आपातकालीन पहुंच संख्या की जागरूकता और प्रयोग का मूल्यांकन। नेश. मेडी. जे. इंडिया, 2010, सितम्बर- अक्तूबर; 23(5) : 312-3

390. ए. गुप्ता, सी. लाल, पी. एम. डोगरा, एस. महाजन, एस. के. अग्रवाल। वृक्कीय एलोग्राफ प्राप्तकर्ता में इंसुलिन स्थल घाव। सऊदी जे. किडनी डिस ट्रांसप्लांट 2011, जनवरी; 22(1) : 134-5

391. ए. गुप्ता, एन. नायक, जी एस गुलाटी। मेसोआओर्टिक एन्ट्रेपमेंट आफ ए लेफ्ट इनफेरियर वेना कावा। इंडियन जे. रेडियोलॉजी इमेजिंग 2010; फरवरी; 20 (1) : 63-5

392. ए. गुप्ता, बी. पेकलर, एम. बी. स्टोन, एम. सेको, एल. आर. मुर्मु, पी. अग्रवाल, एस. गलवंकर, एस. भोई। भारत में आपातकालीन अल्ट्रासाउंड प्रशिक्षण का मूल्यांकन करना। जे. इमरजें. ट्रॉमा शॉक; 2010, अप्रैल ; 3(2) : 115-7

393. ए. गुप्ता, वी. रैना, पी. गर्ग, आर. कुमार। खराब निष्पादन स्थिति के साथ मेटास्टेटिक फेंफड़ा एडेनोकार्सिनोमा के दो मामलों में अग्र चिकित्सा के रूप में जब प्रयुक्त हो जेफिटिनिब का नाटकीय प्रत्युत्तर। जे. कैंसर रिस. थेरे; 2010, जुलाई-सितम्बर; 6(3) : 362-4

394. ए. गुप्ता, वी. रैना। जेफिटिनिब, जे. कैंसर रिस. थोरे. 2010, जुलाई-सितम्बर; 6(3) 249-54

395. ए. गुप्ता, एम. सिंह, एच सिंह, एल. कुमार, ए. शर्मा, एस. बक्शी, वी. रैना, एस. थुल्कर। तीव्र मायलॉयड ल्यूकेमिया में संक्रमण : 382 फेब्राइल घटनाओं का एक विश्लेषण। मेडी. ऑनको, 2010, दिसम्बर; 27 (4) : 1037-45, ई-पब (आईएफ, 1.227)

396. बी. गुप्ता, पी. अग्रवाल, एन. डीसूजा। मेरूदंड अभिघात का विलंबित प्रस्तुतिकरण। जेएनआरपी 2011; 2 : 114-115

397. बी. गुप्ता, एम. कौर, एन. डीसूजा। कठिन पर्कुटेनियस ट्रैकियोस्टोमी में नवीन तकनीक। एसजेए 2010; 5 : 109-110

398. बी. गुप्ता, एन. ग्रोवर, एस. मोहेती, के. जी. जैन, हरप्रीत सिंह। पोली (एथीलिन टेरेफाटालेट) फैब्रिक और मानव मेसेंकाइमल स्टेम कोशिक की वृद्धि में एक्रीलिक अम्ल/एन विनायल पाइरोलिडोन बाइनरी मिश्रण की रेडिएशन ग्राफ्टिंग। जे. एप्लायड पॉल साइंस, 2010 : 115, 116-126

399. बी. गुप्ता, डी राय। पर्कुरोनियस नेफ्रोलिथोटॉमी के बाद व्यापक हाइड्रोथोरेक्स। अपडेट इन एनेस्थेसिया, 2011; 46-47

400. बी. गुप्ता, एस. शर्मा, एन. डीसूजा। एपिड्यूरल स्पेस लोकेलाइजेशन में स्यूडो क्षति का प्रतिरोध एसजीए 2010; 4 : 117-118

401. बी. गुप्ता, के. डी. सोनी, एन डीसूजा। असामान्य रूप् से कठिन नेसोगेस्ट्रिक ट्यूब प्रविष्टि। जे. न्यूरोसर्जरी एनेस्थ बियोलॉजी 2010; 22 : 267-68

402. सी. गुप्ता, वी .के. अय्यर, एस. कौशल, एस. अग्रवाल, एस. आर. माथुर। यकृत के अविभेदीकृत एम्ब्रॉयनल सर्कोमा का सूक्ष्म सूई चूषण कोशिका निदान। साइटोपैथेलॉजी 2010; 21 : 414-61

403. डी. गुप्ता, एम. भारद्वाज, एस. शर्मा, ए. सी. अम्मनी, डी. के. गुप्ता। दीर्घावधिक मनोसामाजिक समयोजन, लिंग से संबंधित संतुष्टि और पुरूष यौन समनुदेशन सहित यौतिक विभेदीकरण की विकृतियों में पारिवारिक समीकरण। पेडिएट्रिक सर्जरी इंट 2010; 26(10) : 955-8

404. डी. के. गुप्ता, पी. शाह, ए. मिश्रा, एस. भारद्वाज, एस. गुलाटी, एन गुप्ता, एट एल 14-17 वर्ष की आयु वाले शहरी एशियाई भारतीय किशारों में वर्ष 2006 से 2009 तक अधिक वजन और मोटापे की विद्यमानता में चिरकालिक प्रवृत्तियां। पीएलओएस वन , 2011, 23 फरवरी; 62(2) : ई 17221

405. डी. के. गुप्ता, एस. शर्मा। मिनीफ्लैंक उच्छेदन और ट्रांस एनेस्टोमोटिक स्टेंट का प्रयोग करते हुए बच्चों में पायलोप्लास्टि के बाद आपरेशन पश्च परिणाम : एक पूर्वानुमानित अवलोकनात्मक अध्ययन। पेडिएट्रिक सर्जरी इंट 2011, मई; 27(5) : 509ज्ञ12

406. डी. के. गुप्ता। बाल्यावस्था अभिघात : अपेक्षित बाल्यावस्था मारक रोग। एएफआर जे. पेडिएट्रिक सर्जरी 2010; 7 : 61-5

407. डी. ए. गुप्ता, संपादकीय : बाल रोग शल्यचिकित्सा : सार्क क्षेत्र में चुनौतीपूर्ण विशेषज्ञता। 2010, जर्नल आफ पेडिएट्रिक सर्जन्स आफ बंगलादेश; खंड-1, संख्या 1 पृष्ठ 3-5

408. जी. गुप्ता, ए. ए. खान और डी. एन. राव। कोशिका मध्यस्थ प्रतिरक्षा प्रत्युत्तर और यर्सिनिया पोस्टिस के एफ1 और वी एंटीजन के बी टी निर्माण की टीएच1/ टीएच2 साइटोकाइन रूपरेखा। स्कैंड जे. इम्यूनोलॉजी 2010; 71 : 186-198

409. जी. गुप्ता, एस. अग्रवाल, एस. थुल्कर, बी. शुक्ला, एस बक्शी। जेजुनल स्ट्रिक्चर : बाल गैस्ट्रोइंटटेस्टाइनल बी कोशिका गैर हॉगकिन लिम्फोमा में रसायन चिकितसा की एक बिरल जटिलता। जे पेडिए. हेमेटो. ऑनको 2011; 33 : ई 69-71

410. एल गुप्ता, शिल्पा शर्मा, डी के गुप्ता। क्या साधारण हाइपोस्पेडियाज वाले रोगियों के नैमेत्तिक सोनोलॉजिकल, यूरोडायनेमिक अध्ययन और सिस्टोयूरेथ्रोस्कोपिक मूल्यांकन करने की आवश्यकता है? पेडिए. सर्जरी इंटरनेशनल 2010; 26 : 971-6

411. एम गुप्ता, आर गुप्ता, ए सेठ। चिएरी-II विकृति से संबद्ध सतत पुराना हाइपोग्लोसल आइरी : निदान और नैदानिक जटिलताएं। इंडियन जे. रेडियो. इमेजिंग 2010; 20 : 258-60

412. एम ए गुप्ता, ए चक्रवर्ती, आर हेल स्टीड, एम साहनी, जे रंगास्वामी, ए पुलियल; एट एल, "जो मारता है बच्चों में सूजन के चिन्ह" का वैधीकरण बीमारी की गंभीरता के तत्काल गैर-आक्रामक आकलन के लिए अंक। इंट. जे. पेडिए. 2010; 26 अप्रैल, 36 : 35

413. एम डी गुप्ता, एम पी गिरीश, एस रामाकृष्णन। ट्राईसपिड एट्रेसिया में अरक्षित कोरोनरी साइनस में सतत बांया सुप्रियर वेना लावा ड्रेनिंग : एक गैर-आम असामान्यता। पेडिए. कार्डियो. 2011, अप्रैल : 32 (4) : 530-1

414. एन गुप्ता, वी डढ़वाल, डी डेका, एस मित्तल। लेप्रोस्कोपिक लिगेशन ओर सिजेरियन सेक्शन में हटाए गए प्रासंगिक एडनेक्सल पिंड। आर्क स्त्री रोगविज्ञान प्रसूति विज्ञान, 2010, अप्रैल; 28(4) : 775-6

415. एन गुप्ता, बी गुप्ता, वी डढ़वाल, एस मित्तलद्य। इंडोमेट्रियल चूषण और एम्बुलेटरी हिस्टेरोस्कोपी करा रही रजोनिवृत्ति पूर्व महिलाओं में पीड़ा राहत के लिए इंट्रायूटेरीन लिग्नोकेन सह योनीय माइसोप्रॉस्टॉल की प्रभावोत्पादकता। एक्टा. प्रसूति विज्ञान, स्त्री रोगविज्ञान स्कैंड 2010, अगस्त; 89(8) : 1066-70

416. एन गुप्ता, आर गुप्ता, एस सास्वत, एस बक्शी। मोसाइटोसिस के साथ बाल्यावस्था चिरकालिक माइलॉयड ल्यूकेमिया। इंडियन जे. पेडिए 2010; 77 : 1143-1145

417. एन गुप्ता, एस के गुप्ता, ए जैन, एम महापात्र, एच पति, सी सरकार। टी कोशिका ल्यूकेमिया के एक रोगी में लिम्फ नोड में एक्स्ट्रा मिडयूलरी हेमेटोपोयसिस। यूर. जे. हेमेटो 2010; 84 : 553

418. एन गुप्ता, एस के गुप्ता, एस राठी, एस के शर्मा, एम महापात्र, टी सेठ, एट एल गैर- अल्पमूत्रीय वृक्कीय खराबी और उच्च रक्तचाप प्रस्तुत करते हुए तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया। ल्यूक रिस. 2010, 34 : ई 150-1

419. एन गुप्ता, एम कलाईवाणी, आर टंडन। तीव्र नेत्रीय बर्न में रोपर हॉल और दुआ वर्गीकरण प्रणाली की पूर्वानुमानिक तुलना। बांच जे. आफ्थेल्मोलॉजी 2010, 30 अगस्त

420. एन गुप्ता, टी सेठ, पी मिश्रा, एम महापात्र, एस राठी, आर कपूर, एट एल बच्चों में तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया का उपचार : भारत में एक तृतीयक परिचर्या रूधिरविज्ञान केंद्र से अनुभव। इंडियन जे. पेडिए. 2011; 78 : 1211-5

421. एन गुप्ता, पी शाह, के गोयल, ए मिश्रा, के रस्तोगी, एन के विक्रम, एट एल, शहरी एशियाई भारतीय किशोरों और युवा वयस्कों में असंतुलित आहारीय रूपरेखा, एन्थेपोमीट्रि. और लिपिड्स। जे एम कॉल न्यू 2010, अप्रैल; 29(2) : 81-91

422. एन गुप्ता, एम सी शर्मा, एम रमाम, एम काबरा। भारतीय मोनोजाइयोटिक जुड़वों में पारिवारिक प्रगामी हाईपरमेलेनॉसिस, पेडिए 3र्मेंट/ 2011; 28 : 62-65

423. एन पी गुप्ता, आर ईश्वर, ए कुमार, पी एन डोगरा, ए सेठ। वृक्कीय ट्यूमर प्रस्तुतिकरण : दो दशकों में परिवर्तनशील प्रवृत्तियां। इंडियन जे. कैंसर 2010; 47 : 287-91

424. एन पी गुप्ता, एस मिश्रा, ए के हेमल, ए मिश्रा, ए सेठ, पी एन डोगरा। आवर्ती सुप्रा ट्राइगोनल वेसिको- वैजाइनल फिस्चुला की खुली और रोबोटिक शल्य चिकित्सीय मरम्मत के बीच परिणाम का तुलनात्मक विश्लेषण। जे. इंडोरोलॉजी 2010; 24 : 17779-821

425. एन पी गुप्ता, आर नैय्यर, ए के हेमल, एस मुखर्जी, आर कुमार, पी एन डोगरा। रोबोटिक पाइलोप्लास्टि का परिणाम विश्लेषण : एक वृहद एकल केंद्र अनुभव बीजेयू इंट 2010; 105 : 980-3

426. एन पी गुप्ता, ए के सैनी, पी एन डोगरा, ए सेठ, आर कुमार। निम्न पावर सेटिंग पर ब्लाडर ट्यूमर के ट्रांसयूथेरल उच्छेदन के लिए बाइपोलर एनर्जी : प्रारंभिक अनुभव। बीजेयू इंट 2011; 108 : 553-6

427. पी गुप्ता, ए गदोदिया, ए सेठ। उदरीय पिंड और एनूरिया वाले नवजात। वेस्ट जे एमर्जे. मेडी, 2010; 11 : 226-7

428. पी गुप्ता, एस कुमार, के के राय, जे बी शर्मा, एन सिंह। त्रि-आयायीम अल्ट्रासाउंड का प्रयोग करते हुए वारफेरिन एम्ब्रायोपैथी का जन्मपूर्व निदान। इंट जे. स्त्रीरोगविज्ञान प्रसूतिविज्ञान 2010; नवम्बर; 111(2) : 184-5

429. पी गुप्ता, एस कुमार, आर शर्मा, ए गदोदिया, के के राय, जे बी शर्मा। घातक वृक्कीय अपसामान्यताओं में चुम्बकीय अनुनाद छायाचित्रण की भूमिका। इंट जे. स्त्रीरोगविज्ञान प्रसूतिविज्ञान 2010; 111(3) : 209-12

430. पी गुप्ता, एस कुमार, आर शर्मा, ए गदोदिया। मामला रिपोर्ट : क्लोकल डिस्जेनेसिस संलक्षण का जन्मपूर्व एमआरआई निदान। इंडियन जे. रेडियो. इमेजिंग 2010; 20 : 143-6

431. पी गुप्ता, जे बी शर्मा, आर शर्मा, ए गदोदिया, एस कुमार, के के राय। पेना-शोकेर संलक्षण का जन्मपूर्व अल्ट्रासाउंड और एमआरआई निष्कर्ष। आर्क स्त्रीरोगविज्ञान प्रसूतिविज्ञान 2011; 283 : पूरक 1 : 27-9

432. पी गुप्ता, आर शर्मा, एस कुमार, ए गदोदिया, के के राय, एन मल्होत्रा, जे बी शर्मा। जन्मपूर्व सोनोग्राफी पर पता लगे घातक उदरीय सिस्टिक पिंड में एमआरआई की भूमिका। आर्क. स्त्री रोगविज्ञान प्रसूतिविज्ञान 2010; मार्च; 281(3) : 519-26

433. पी गुप्ता, आर विजय कुमार मल्होत्रा जोड के प्रतिस्थापन पर संगोष्ठी : टीकेरा में एक्स्ट्रा में आर्टिकुलर विकृति सुधार। ऑर्थेपेडिक्स, टूडे, 2010; खंड-XII यं. 3, 118-23

434. आर गुप्ता, एस दीपांजलि, ए कुमार, वी डढ़वाल, एस के अग्रवाल, आर एम पांडे, एट एल, क्रमिक चर्मयक्ष्मा एरिथेमेटोसस और रियूमेटाइड ऑर्थराइटिस वाले उत्तरी भारत के रोगियों में गर्भावस्था के परिणामों ओर रजोनिवृत्ति अनियमितताओं का एक तुलनात्मक अध्ययन। रियूमेटॉयड इंट 2010य नवम्बर, 30(12) : 1581-5

435. आर गुप्ता, पी गणेशन, एम हकीम, आर शर्मा, ए शर्मा, एल कुमार। उपचार जहीकिए गए बहु मायलोमा के रोगियों में महत्वपूर्ण रूप से घटी विनियामक टी कोशिका जनसंख्या। ल्यूकेमिय रिसर्च 2010; 9 दिसम्बर

436. आर गुप्ता, एम होते, आर रे। एक वयस्क महिला में हृदय का कैल्शिफायड एमॉरफस ट्यूमर : एक मामला रिपोर्ट, जे मेडी केस रिपोर्ट 2010; 4: 278

437. आर गुप्ता, वी के अय्यर, बी आर मिर्धा, आर गुलेरिया, एल कुमार, एस के अग्रवाल ब्रांकोएल्वोलर लेवेज फ्लूड में न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी संक्रमण के कोशिकाविज्ञान और पोलीमेरेज श्रृंखला प्रतिक्रिया आधारित पता लगाने की भूमिका। एक्टा. साइटो 20.10;54 (3) : 296-302

438. आर गुप्ता, एस आर माथुर, एस डी गुप्ता, पी दुर्गापाल, वी के अय्यर, सी जे दास, एट एल, हेपेटिक एपिथिलॉयड हेमेंजियो एंडोथेलियोमा चूषण कोशिकाविज्ञान में एक नैदानिक गिरावट। साइटोर्जल 2010; 6 : 25

439. आर गुप्ता, एस आर माथुर, वी के अय्यर, ए. एस. कुमार, ए सेठ। वृक्कीय कोशिका कार्सिनोमा के साथ दुर्दम्य एसाइट्न में साइटोमॉर्फोलॉजिक विचार : दो मामलों की एक रिपोर्ट। साइटोजर्नल 2010; 7 :4

440. आर गुप्ता, बी आर मिर्धा, आर गुलेरिया, एस के अग्रवाल, जे सी सामंतरे, एल कुमार, एस के काबरा, के लूथरा, वी. श्रीनिवास, वी. के अय्यर। मिटोकॉन्ड्रियल वृहद सब-यूनिट आरएनए पर क्रम विविधता पर आधारित नियोमोसिस्टिस जिरोवेसी पृथक्करण की जेनोटाइपिक भिन्नता। इंट जे. मेडी. माइक्रोबॉयो 2011, 301 (3) ; 267-72

441. आर गुप्ता, पी आर मिर्धा, आर गुलेरिया, एस के अग्रवाल, जे सी सामंतरे, एल कुमार, एट एल, भारत से न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी पृथक्करण का जेनोटाइपिंग और फाइलोजेनेटिक विश्लेषण। इंफे. जेने इबोल्यू 2010; अगस्त; 10(6) : 712-9

442. आर गुप्तार, बी आर मिर्धा, आर गुलेरिया, एस के अग्रवाल, जे सी सामंतरे, एल कुमार, एट एल, मिटोकांड्रियल वृहद सबयूनिट आर एन ए पर क्रम विविधता पर भारत में न्यूमोसिस्टिस जिरोवेशी पृथक्करण की जेनोटाइपिक भिन्नता। इंट जे. मेडी. माइक्रोबॉयोलॉजी 2011; 301(3) : 267-72

443. आर गुप्ता, ए शर्मा, डी भौमिक, एस गुप्ता, एम अग्रवाल, आर गुप्ता, ए डिंडा। क्रमिक ल्यूपस इरिथेमेटोसस वाले एचआईवी ऋणात्मक रोगियों में होने वाली कलोप्सिग ग्लोमेरूलोपैथी : तीन मामलों की रिपोर्ट और साहित्य की संक्षिप्त समीक्षा। ल्यूपस 2011; 20 : 866-70

444. आर गुप्ता, यू शर्मा, एन गुप्ता, एम कलईवाणी, यू सिंह, आर गुलेरिया, एट एल, विटामिन डी की कमी वाले एशियाई भारतीयों में मांसपेशी की मजबूती और ऊर्जा उपापचय पर कोलेकैल्सिफेरोल और कैल्शियम संपूरण का प्रभाव : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। क्लिन एंडो क्रायोनोलॉजी (ऑक्स) 2010; 73 (4) : 445-51

445. आर गुप्ता, एम एम थाभा, बी वैद्य, एम गुप्ता, आर लोढ़ा, एस के काबरा। किशोर इंडियोपैथिक आर्थराइटिस में एंटी साइक्लिक सिट्रुलिनेटेड पेप्टाइड एंटीबॉडी। इंडियन जे. पेडिए. 2010; 77 : 41-4

446. एस गुप्ता, ए के मल्होत्रा, सी अजीत। लिचेन स्केलेरोसस : पेथोजेनेसिस में जेनिटल स्क्रिन के ऑक्लुजन की भूमिका । इंडियन जे डर्मिटो वेनेरो. लेप्रोल 2011; 76 : 56-8

447. एस गुप्ता, वी के शर्मा। परिचर्या का मानक दिशानिर्देश केलॉयड्टा और हाइपरट्रॉधिक स्कार। इंडियन जे डर्मेटो वेनेरो. लेप्रोल 2011; 77 : 94-100

448. एस के गुप्ता, बी कुमार, टी सी नाग, एस एस अग्रवाल, आर अग्रवाल, पी अग्रवाल, आर सक्सेना, एस श्रीवास्तव। करक्युमिन अपनी हाइपोग्लाइसेमिक, ऑक्सीकारक रोधी और सूजन रोधी कार्यतंत्र के माध्यम से चूहों में प्रायोगिक मधुमेही रेटिनोपैथी रोकता है। जे. ऑक्युफॉर्मेको थर 27 : 123-130

449. एस के गुप्ता, एस सजावल, एम महापात्र, आर सक्सेना। तीव्र प्रोमाइलोसाइटिक ल्यूकेमिया में निदान में पीजी एम 3 रोग प्रतिकारक का मूल्यांकन। यूर जे. क्लिन. इन्वेस्ट 2010; 40 : 960-2

450. वी गुप्ता, ए विश्वास, एस के शर्मा। उत्तरी भारतीय के रोगियों में अत्यधिक सक्रिय एंटीरिट्रोवायरल चिकित्सा के छः महीने के बाद उपापचयी ओर शरीर की रचना में परिवर्तन। इंट जे एसटीडी एड्स 2011; 22 : 46-9

451. वी गुप्ता, ए जायसवाल, डी बेहरा, एच के प्रसाद। स्वस्थ परिवार के संपर्क की तुलना में फुफ्फुसीय टीबी के रोगियों की साइटोकाइन रूपरेखा ओर परिचालक परिधीय रक्त डेंड्रीटिक कोशिका सबसेट में विभिन्नता। ह्यूम इम्यूनो 2010; 71 : 682-91

452. वी गुप्ता, आर खड़गावत, एच के नाग, एस कुमार, ए अग्रवाल, वी आर राव, एट एल, उत्तरी भारत के एक सजातीय मानव जातीय समूह में टीसीएफ 7 एल 2, एचएचईएक्स, के सीएनजे 11 और एडीआईपीओक्यू जीन के टाइप 2 मधुमेह संबद्ध परिवर्तियों का एक वैधीकरण अध्ययन। एन ह्यूम जेनेट 2010; 74(4) : 361-8

453. वी गुप्ता, आर खड़गावत, एच के नाग, एस कुमार, वी आर राव, एम पी सचदेव। आणविक चिन्हांककों द्वारा यथा प्रकटित उत्तरी भारत में अग्रवालों की जनसंख्या संरचना। जेनेट टेस्ट मॉल्यू. बायोमार्कर्स 2010; 14 (6) : 781-5

454. वी गुप्ता, के यादव, आनंद कृष्णन। उत्तरी भारतीय समुदाय में ग्रामीण शहरी तथा शहरी गंदी बस्ती की आबादी में तम्बाकू के प्रयोग का पैटर्न। इंडियन जे. कम्युनिटी मेडी. 2010, अप्रैल; 35(2) : 245-51

455. वी गुप्ता, टी पी यादव, आर एम पांडे, ए सिंह, एम गुप्ता, पी कनौजिया, एट एल, बच्चों में डेंगू आघात के संलक्षण का जोखिम कारक। जे. ट्रॉप पेडिए. 2011, 2 मार्च

456. वी गुप्ता। नियोवस्कुलर ग्लूकोमा के लिए ट्रेबेकुलेक्टॉमी के शल्यचिकित्सीय परिणामों पर इंट्राकेमेरल बेवेसीजुमाब के विभिन्न खुराकों का प्रभाव (लेखक का उत्तर) यूर जे. ऑफ्थेल्योलॉजी 2010; 20 : 252

457. वी के गुप्ता, एस ब्रियाल , ए गुलाटी। सेरेब्रल इस्चेमिया में जड़ी-बूटी की औषधियों की चिकित्सीय क्षमता। इंडियन जे फिजियो फार्मेकोलॉजी, 2010; 54 : 99-122

458. वाई के गुप्ता, ए चौहान। सेरेब्रल इस्चेमिया में प्रतिरक्षादावी एजेंटों की क्षमता। इंडियन जे. मेडी. रिस. 2011; 133 : 15-26

459. वाई के गुप्ता, ए के दहिया, के एच रीता। गैसो - ट्रांसमिटर हाइड्रोजन सल्फाइड : भेषज चिकित्सा में संभावित नया लक्ष्य। इंडियन जे. एक्स बायो. 2010; 48 : 1069-77

460. वाई के गुप्ता, बी एम पाधी। 2009 के एच1 एन1 इंफलुएंजा संक्रमण की भेषज चिकित्सा में मुद्दे। जे. पोस्टग्रेड मंडी, 2010; 56 : 321-7

461. वाई के गुप्ता, एस पी शभुगम, बी एम पाथी, ए गोयल। वयस्क महिला में पेलेनोसेट्रॉव प्रेरित एनेफिलेक्सिस। ब्राच जे क्लिन फार्मेकोलॉजी 2010; 70 : 149-50

462. ओ गुरेजे, बी. ओलेडेजी, आई ह्वांग, डब्ल्यू टी चिऊ, आर सी केसलर, एन एन सैम्पसन, एट एल, माता-पिता का मनोरोगविज्ञान और उनके बच्चों में आत्महत्यात्मक व्यवहार का जोखिम विश्व मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण से परिणाम। मॉल्यू साइकिएट्री 2011; 16 : 1221-33

463. गुरपाल सिंह, नीलम हजूर जैदी, उदत सोनी, मनोज गौतम, ऋचा जेकरे,, समीर सप्रा और हरपाल सिंह। जैव अनुप्रयोगों के लिए विभिन्न लिगेंड्स के साथ निष्क्रिय जैवसंयोजित मात्रात्मक डॉट्स का पता लगाना। जर्नल आफ नेनोसाइंस एंड नेनोटेक्नोलॉजी खंड- 11, 1-9-2011

464. के ए ग्वि, वाई टी बाक, यू सी घोषाल, एच गोलेचेनविट, ओ वाई ली, के एम फॉक, एट एल एशियाई न्यूरो गेस्ट्रोएंटेरोलॉजी और मार्टिलिटी संघ के लिए। अतिसंवेदनशील आंत्र संलक्षण पर एशियाई सहमति। जे. गैस्ट्रोएटेरोलॉजी हेपेटेलॉ 2010; 25 : 1189-2005

465. ए हल्दर, एम जैन, आई चौधरी, एम काबरा। उत्तरी भारत के एक रेफरल अस्पताल में हृदय विरूपण वाले 146 रोगियों में 22 क्यू 11.2 माइक्रोडिलीशन की विद्यमानता। बीएमसी मेडी जिनेट 2010; 11 : 101

466. ए हल्दर, 46, मुलेरियन वाहिका अवशेष सहित यौन की एक्सवाई बीमारी। जेसीडीआर 2010; 4 : 2169-2174

467. ए हल्दर। एमनियोटिव बैंड सिन्ड्रोम और/अथवा लिम्ब बॉडी वॉल कम्प्लेक्स : विखंडित अथवा पिंड। दि एप्लिकेशन आफ क्लिनिकल जेंनेटिक्स, 2010; 3 : 7-15

468. पी हरि, एन गुप्ता, एस हरि, ए. गुलाटी, पी महाजन, ए बग्गा। चिरकालिक यकृत रोग वाले बच्वें में विटमिन डी की अपर्याप्तता और कोलेकैल्सिफेरोल का प्रभाव। पेडिए. नेफ्रो. 2010; 25 : 2483-8

469. जी हरिप्रसाद, एम कुमार, पी कौर, टी पी सिंह, आर पी कुमार। औषधि लक्ष्य के रूप में मानव समूह-III पीएएल 2 : संरचनात्मक विश्लेषण और अवरोधक बंधक अध्ययन। इंट जे. बायो मैक्रोमॉल्यू 2010; 47 : 496-501

470. जी हरिप्रसाद, एम कुमार, ए श्रीनिवासन, पी कौर, टी पी सिंह, ओ जितोश। स्कॉर्पियन मेसोबुथम टेमुलस से समूह-III ग्लू 62 - फॉस्फोलिफेज ए2 का संरचनात्मक विश्लेषण नेटिव पेप्टाइड्स द्वारा प्रतिवर्ती अवरोधन ओर लक्ष्य निर्धारण। इंट जे. बायो मैक्रोमॉल्यू 2010; 48: 423-431

471. आर हरिप्रसाद, एल कुमार। डिम्बाशय कैंसर के उपचार में प्रगति? नेश मेडि जे इंडिया 2010; मई-जून, 23 (3) : 153-5 (आईएफ 0.614)।

472. एस हसीजा, ए मखीजा, एम चौधरी, एम होते, एस चौहान, यू किरण। प्रॉफिलोक्टिक वेसोप्रेसाइन इन पेशेंट्स दि एंजियोटेंशन हृदय वाहिका वाईपास ग्राफ्ट शल्यचिकित्सा करने वाले में एंजाइम अवरोधक रेमीप्रिल परिवर्तित करना। जे कार्डियोथोरेसिक वस्कुलर एनेस्थेसिया; 201; 24 : 230-9

473. जे ई हिल्नर, एल एच पर्डयू, ई जी साइड्स, जे जे पियर्स, ए एम बाग्नर, ए एल्ड्रिच, एट एल एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के लिए नमूना और आंकड़ा संग्रहण की डिजाइन तैयार करना और कार्यान्वयन करना : टाइप 1 डायबिटीज जेनेटिक्स कंर्सोशियम। क्लिन ट्रायल्स 2010; 7 (1 पूरक) : एस 5- एस 32
474. एम डी हफमैन, डी प्रभाकरन, सी ऑस्मांड,, सी एच डी फॉल, एन टंडन, आर लक्ष्मी, एस रामजी, ए खलील, टी गेर, पी प्रभाकरन, एसकेडी विश्वास, के एस रेड्डी, एस के भार्गव, एच एस सचदेव, न्यू दिल्ली बर्थ कोहार्ट की ओर से। भारतीय शहरी कोहार्ट में ह्रदवाहिका जोखिम कारक की घटना। जेएसीसी, 2011; 57 : 1766-74
475. इम्तियाकुम एस गुलेरिया, जी एस बोरा, एस अग्रवाल, एस शर्मा, एस महाजन, जी एस गुलाटी, पी. जगिया, एस के अग्रवाल, डी भौमिक एस गुप्ता। ह्रदय वाहिका कैल्शिफिकेशन पर वृक्कीय प्रत्यारोपण का प्रभाव। इंडियन जर्नल आफ ट्रांसप्लांट 2010; 1 : 26-42
476. एम इरशाद, एम ए अंसारी, ए सिंह, पी नाग, एल राघवेन्द्र, एम सिंह, एट एल एचसीवी जेनोटाइप्स : उनकी उत्पति, वैश्विक स्थिति जांच प्रणाली पैथोजेनिसिटी और उपचार के लिए प्रत्युत्तर पर एक समीक्षा। हेपेटोगैस्ट्रोएंटेटोलॉजी 201; 57 : 529-38
477. एम इरशाद, के मंडल, एस सिंह, एस के अग्रवाल। उत्तरी भारत में हेमोडायलिसीस के रोगियों में टॉर्क टेनो वायरस संक्रमण। इंट यूरोलॉ नेफ्रोलॉ 2010; 42 : 1077-83
478. एम इरशाद, शिवानी सिंह, एम एस अंसारी, वाई के जोशी। भारत में वायरल हेपेटाइटिस दिल्ली से एक रिपोर्ट। ग्लोबल जर्नल आफ हेल्थ साइंस 2010; 96-103
479. एम इरशाद, शिवानी सिंह, एम ए अंसारी, पी नाग। एचसीवी संक्रमण के दौरान हेपेटिक कोशिका चोट : विभिन्न कारकों की भूमिका पर समीक्षा। एलिक्सिर वायरस रिसर्च : 2011; 37 : 3864-70
480. एस इटाया, टी नाकाजीमा, जी कौर, एच तेरूनुमा, एच ओटानी, एन मेहरा, एट एल जापानी और भारतीय जनसंख्या में एचआईवी संक्रमण और एड्स की सुप्रभाव्यता तथा एपीओबीईसी 3 बी विलोपन पोलीमार्फिज्म के बीच संबद्धता का कोई साक्ष्य नहीं। जे. इन्फोक्ट डिस 2010; 202 : 815-6
481. एम पी जादव, ए बम्बा, बी एम शिंदे, एन गोगते, एन ए क्षीरसागर, एल एस बिपिले, डी मथाई, ए शर्मा, एस वर्मा, आर डिगुभराथी। भारत में एचआईवी/ एड्स के रोगियों में क्रिप्टोकोकल मेनिंनजाइटिस के उपचार के लिए लियोसोमल एम्फोटेरीसिनबी (फुंगीसम टी एम) : एक बहुकेंद्रिक, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। जे. पोस्टरोज मेडी 2010; 56 : 71-5
482. एस. जगन्नाथन, एस गमनागट्टी, ए मुकुंद, ए धर। रक्तस्त्रावण स्क्रोटल संवहनी लेजियन; ट्रांसकैथेटर सन्विवेशन के साथ मध्यस्थ प्रबंधन। कार्डियोवस्कुलर इंटरवेन्ट रेडियोलॉ 2011; 34 पूरक 2 : एस 113-6
483. पी जगिया, एस शर्मा, आर जुनेजा, आर गुलेरिया। एक पीडीए बंद उपकरण का प्रयोग करते हुए फुप्फुसीय वाहिका स्यूडोएनुरिज्म का ट्रांसकैथेटर उपचार। डायगो. इंटर. रेडियोलॉजी, 2011, मार्च; 17 (1) : 92-4
484. ए के जायसवाल, एम मोहराना, पीएचआर कृष्णा, डी वी मून, टी मिलो, ओ पी मूर्ति। आणविक अवशोषण स्पेक्ट्रोस्कोपी-एक समीक्षा। जे. फोरेंसिक मेडी टेक 2010; 27 (2) : 64-71
485. ए जैन, के आदर्श, डी एन भारद्वाज, यू एस सिन्हा। मेडिको - लीगल प्रलेखीकरण में भावी प्रवृत्तियां। वर्टोप्सी का पक्ष-विपक्ष। जे. फोरेंसिक मेडी. टेक 2010; 27(1) : 7-10
486. ए जैन, आर अग्रवाल, डी चावला, वी पॉल, ए देवरारी। नवजात पुनरूज्जीवन की टेली शिक्षा बनाम कक्षा प्रशिक्षण : एक यादृच्छिक परीक्षण। जे. पेरिनेटल 2010; 30 : 773-9
487. ए जैन, आर अग्रवाल, एम जे शंकर, ए देवरारी, वी के पॉल। नवजात में हाइपोकैलसेमिया। इंडियन जे. पेडिए. 2010; 77 : 1123-8
488. ए जैन, के आदर्श, डी एन भारद्वाज, यू एस सिन्हा। मेडिको - लीगल प्रलेखीकरण में भावी प्रवृत्तियों। वर्टोप्सी का पक्ष-विपक्ष। जेएफएमटी 2010; 27 (1) : 7-10
489. ए जैन, आर सफाया, सी जगन, एस के शर्मा। फुप्फुसावरण का अतिकंकालीय मेसेंकाइमल केन्ड्रोसर्कोमा : एक बिरल मामले की रिपोर्ट। इंडियन जे. रोगविज्ञान सूक्ष्म जैवविज्ञान 2011; 54 : 144-6
490. ए जैन, एम सी शर्मा, सी सरकार, आर भाटिया, एस सिंहा, एस गुलाटी, आर हांडा। डर्मेटोमायोसाइटिस में एक नैदानिक साधन के रूप में मेम्ब्रेन आघात जटिलता का पता लगाना। एक्टा. न्यूरो. स्केंड 2011; 123 : 122-9

491. ए जैन, एम सी शर्मा, वी सूरी, एस एस काले, ए के महापात्र, एम टटके, जी चाको, ए पाठक, वी संतोष, पी नायर, एन हुसैन, सी सरकार। भारत में मस्तिष्क ट्यूमर का परिदृश्य : एक बहु-सांस्थानिक अध्ययन। न्यूरो. इंडिया 2011; 59 : 208-11

492. ए जैन, वी सूरी, बी एस शर्मा, एम सी शर्मा। त्रिक-तंत्रिका शिरा के मेनिनजियोमा के साथ मिश्रित स्कवेनोमा। इंडियन जे. रोगविज्ञान सूक्ष्मजैवविज्ञान 2010; 53 : 769-71

493 डी जैन, एम सी शर्मा, के सिंह, एन पी गुप्ता। यकृत का प्राथमिक कार्सिनॉयड ट्यूमर : मामला रिपोर्ट और साहित्य की संक्षिप्त समीक्षा। इंडियन जे. रोगविज्ञान सूक्ष्मजैवविज्ञान 2010; 53 : 772-4

494. एम जैन, एस बक्शी, ए ए शुक्ला और एस एस चौहान। बाल तीव्र मायलॉयड ल्यूकेमिया के परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में कैथेपसिन्स "बी" और एल : संभावित खराब पूर्वानुमानित चिन्हांकक। एन. हेमेटोलॉ. 2010; 89 : 1223-1232

495. एन जैन, एस खांडपुर। भारत में बाल त्वचाशोथ। इंडियन जे. डर्मेटो. वेनेरोलॉ. लेप्रोलो 2010; 76 : 451-4

496 आर जैन, वाई पी बल्हारा। अल्कोहल का प्रभाव और किशोरों के मस्तिष्क पर दुरूपयोग : एक नैदानिकपूर्व पूर्वानुमान। इंडियन जे. शरीररचनाविज्ञान भेषजविज्ञान 2010; 54 : 213-34

497. एस जैन, एम शर्मा, जस्मिता, एस त्यागी। असामान्य संबद्धता के साथ आम परजीवी। मेडिटे. जे. हेमेअलॉ. इंफैक्ट. डिजी. 2011; 3 : ई 2011015

498. एस बी जैन, एन विज, एस जे नागपाल, एन मिश्रा, एम बाजपेयी, आर गुलरिया, एट एल., एचआईवी/एड्स के साथ जीवित रोगियों में न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी निमोनिया और अन्य आवसरिक संक्रमणों के विरूद्ध प्रोफिलेक्सिस के लिए वर्तमान प्रबंध नयाचार का मूल्यांकन। एड्स केयर 2011; 23 : 846-50

499. वी जैन, एस अग्रवाल, वी भटनागर। जन्मजात डिस्फ्रैग्मेटिक हर्निया के प्रबंधन में हाल की उन्नति। इंड. जे. पेडिए. 2010; 77 : 673-678

500. वी जैन, एन गुप्ता, एम कलाईवाणी, ए जैन, ए सिन्हा, आर अग्रवाल। भारत में 3 महीने के स्वस्थ दूध पीते शिशुओं और उनकी माताओं में विटामिन "डी" की कमी : आवधिक भिन्नता और निर्धारक। इंडियन जे. मेडी. रिस. 2011; 133 : 267-73

501. वी. जैन, वी. रामाचंद्रन, आर गर्ग, एस पाल, एस आर गमनगट्टी, डी एन श्रीवास्तव। विशाल हेपेटिक हेमेनजियोमा का स्वतः फटन - ट्रांसकैथेटर आर्टेनियल एम्बोलाइजेशन और उच्छेदन के साथ क्रमिक प्रबंधन। सऊदी जे. गेस्ट्रोएंटेरेलॉजी 2010; 16 : 116-9

502 ए जायसवाल, एस कुमार, आर एंजामूरी, एस सेठ, ए के डिंडा, एम के मौलिक। परिधीय बेंजोडायजेपाइन अवरोधक लिगैंड आरओ 5 - 4864 चूहों में आइसोप्रेनेलाइन प्रेरित हृदय हाईपरट्रॉफी रोकता है। यूर. जे. भेषजविज्ञान 2010; 644 : 146-53

503 ए जायसवाल, एस कुमार, एस सेठ, ए के डिंडा, एस के मौलिक। एक के-ओपॉयड अवरोधक यूएसओ, 488एच का मायोकार्डियल अल्फा और बीटा मायोसिन अत्यधिक श्रृंखला अभिव्यक्ति पर प्रभाव और चूहों में आइसोप्रोटेरेनॉल प्रेरित हृदय हाईपरट्रॉफी से संबद्ध ऑक्सीकारक दबाब। मॉली. सेल. बायोकेय 2010; 345 : 231-40

504 ए के जायसवाल, के शर्मा, टी मिलो, ओ पी मूर्ति। विषविज्ञान नियमपुस्तिका श्रृंखला लेख-XIII। एंटीबायोटिक्स की जांच/स्थल परीक्षण। इंट जे. मेडी. टॉक्सिकोलॉजी लीगल मेडी. 2010; 13(2) : 67-73

505. ए के जायसवाल, के शर्मा, जे राज, आर के ओझा, एम गुप्ता। एचपीएलसी का प्रयोग करते हुए विभिन्न सॉफ्ट ड्रिंक में कैफिन का विश्लेषण। जे. इंस्ट. केमिस्ट्स 2011; 83 (2) : 45-9

506. एम जायसवाल, ए के डिंडा, ए गुप्ता, वी कॉल। नियंत्रित औषधि सुपुर्दगी के लिए पोलीएक्रीलेमाइड और जिलेटिन के पोलीकेप्रोलेक्टोन डाईएक्रीलेट रोजलिंक्ड जैव अक्क्रमित अर्ध- अंतरप्रवेशक नेटवर्क। बायोमेड मोटर 2010; 065014

507. एम जाना, एस आर गमनागट्टी, ए कुमार। मामला श्रृंखला : कार्डियक एरेस्ट में सीटी स्केन और आसन्न कार्डियोजेनिक आघात। इंडियन जे. रेडियो. इमेजिग 2010; 20 : 150-3

508. एम जाना, एस हरि, एस के अरावा। एचआईवी नकारात्मक व्यक्ति में लेरिंजोफेरिनजिएल और एड्रेनल लेजियन द्वारा सुस्पष्ट विस्तारित हिस्टोप्लाजमोसिस। जे. इंडियन मेडी. एसो. 2010; 108 : 615

509 एम जाना, एस हरि। पेट में इंटरकोस्टल ट्यूब प्रविष्टि द्वारा जटिल हुआ अभिघातजीय डायाफ्रेगमेटिक फटन। सर्जरी 2011; 150 : 570-1

510. एम जाना, एम शर्मा। सेप्टो- ऑप्टिक डिसप्लेजिया के साथ द्विपक्षीय एनोफेथेल्मिया। ओमान जे. ऑफ्थेल्योलॉजी 2010; 3 : 86-8

511. के आर जाट, आर लोढा, एस के काबरा। बच्चों में एराथमियाज। इंडियन जे. पेडिए. 2010; 78 : 211-8

512. ए जावेद, एस पाल, जी एन चौबल, एन आर दास, पी के गर्ग, पी साहनी, एट एल. अग्नाशय का असामान्य सिस्टिक लेजियन। जेओपी 2010; 11 : 401-2

513. ए जावेद, एस पाल, जी एन चौबल, पी साहनी, टी के चट्टोपाध्याय। ट्रांसहायटल एसोफेग्टॉमी के दौरान वाहिका चोट के कारण इंट्राथोरेसिक रक्तप्रवाह का प्रबंधन और परिणाम। जे. गैस्ट्रोइंटेस्ट. सर्जरी 2011; 15 : 262-6

514. ए जावेद, एस पाल, एन आर दास, वी आहूजा, बी के मोहंती, एस विष्णुभाटला, एट एल.। अशल्यकरणीय एसोफेजियल कार्सिनोमा के लिए विकिरणचिकित्सा सहित अथवा रहित पैलिएटिव स्टेंटिंग : एक यादृच्छिक परीक्षण। जे. गैस्ट्रोइंटेस्ट. कैंसर 2010; 14 सितम्बर, ई-पब, मुद्रण से पूर्व।

515. ए जावेद, एस पाल, एन आर दास , पी साहनी, टी के चट्टोपाध्याय। ग्रासनली के संक्षारक आकुंचन के शल्यचिकित्सीय प्रबंधन के बाद परिणाम। एन. सर्ज. 2011; 254 : 62-6

516. एस जावेद, आर चौधरी, के पासी, एस शर्मा, के पी धवन, बी डे। समुदाय अधिग्रहित निमोनिया में लेजियोनेला संक्रमण का सेरो निदान। इंडियन जे. मेडी. रिस. 2010; 131 : 92-6

517. पी जयराज, एस सेन, एस कश्यप, ए शर्मा, एन पुश्कर, एम एस बजाज, एस घोष, के चोरसडोल। क पलकों के वसामय कोशिका कार्सिनोमा के रोगजनक में बीटा - फेटेनिन की भूमिका है? ब्रांच जे. ऑफ्थेतमोलॉजी 2011; 95 (2) : 284-7

518. आर जयसुंदर। आयुर्वेद : स्वास्थ्य और बीमारी का एक स्पष्ट दृष्टिकोण। करे साइंस 2010; 98 : 908 - 914

519. पी जेमॉन, डी प्रभाकरन, एन रामाकृष्णन, आर गुप्ता, एफ अहमद, के थंकप्पन, एट एल,, जनसंख्या अध्ययन समूह टीएस। भारतीय जनसंख्या में स्थापित हृदय वाहिका जोखिम कारकों सहित उच्च संवेदी सी प्रतिक्रियात्मक प्रोटीन की संबद्धता। न्यूट्र. मेटाब. (लंदन) 2011; 8 : 19

520. पी जेमॉन, एस. अग्रवाल, एल रामाकृष्णन, आर गुप्ता, यू स्नेही, वी चर्तुदी, के एम रेड्डी, डी प्रभाकरन। सीरम कोटीनाइन स्तर के मापन द्वारा स्व-सूचित धूम्रपान प्रास्थिति का वैधीकरण : एक भारतीय परिदृश्य। नेशनल मेडी. इंडिया 2010; 23 : 134-136

521. ए के जेना, आर दुग्गल, एच प्रकाश। उत्तरी भारत के सामान्य दंत रोगियों में प्रत्येक के दंत संघात का वितरण। समुदाय दंत स्वास्थ्य, 2010, सितम्बर ; 27(3) : 184-6

522. एन के जेना, आर दुग्गल, असंगत पार्श्विक छेदक के संबंध में, मैक्सिलियरी केनाइन के संघात का पैटर्न। जे. क्लिन. पेडिए. डेंटल, 2010, फॉल; 35(1) : 37-40

523. ए के जेना, आर दुग्गल। श्रेणी-II मेलऑक्लुजन के सुधार में दोहरे ब्लॉक और मेंडीबुलर दीर्घीकरण उपकरण-IV के उपचार का प्रभाव। एंगल ऑथेड. 2010, मई; 80 (3) : 485-91

524. के जयरमन, ए सी अम्मिनी, जी नंदिता, एस एन द्विवेदी। सामान्य लोगों और कुशिंग्स संलक्षण के रोगियों में देर रात्रि लारमय कोर्टिसोल। पोस्टग्रैजुएट मेडी. जे. 2010; 86 (1017) : 399-404

525. एम झा, ए के जायसवाल, टी मिलो, के आदर्श। टीएलसी द्वारा रक्त और मूत्र में डेल्टामेथ्रिन का विश्लेषण। मलेशियाई जे. पैथे साइंस 2010; 5 (3) : 53-63

526. पी झा, एस अग्रवाल, पी पाठक, ए श्रीवास्तव, वी सूरी, एम सी शर्मा, के चोडसोल, टी श्रीवास्तव, डी गुप्ता, ए गुप्ता, ए सूरी, सी सरकार। एस्ट्रोसाइटिक ट्यूमर के रोगियों में 1पी और 19 क्यू की हेटेरोजाइगोसिटी स्थिति और पी53 प्रोटीन अभिव्यक्ति और ईजीएफआर अभिवृद्धि से इसका सह संबंध : भारत से नवीन श्रृंखला। कैंसर जेनेट. साइटोनेजेटि. 2010; 198 : 126-34

527. पी झा, पी पाठक, के चंडसोल, वी सूरी, एम सी शर्मा, जी कुमार, एम सिंह, ए के महापात्र, सी सरकार। भारतीय रोगियों से ग्लायोमास में टीपी 53 पोलीमार्फिज्म : इंट्रॉल-3 में कोडॉन 72 जेनोटाइप, आर एस। 647285, आर एस 1800370 और 16 आधार जोड़ा प्रविष्टि का अध्ययन। एफ मॉल पैथेलॉ 2011; 90 : 167-72

528. पी झा, सी सरकार, पी पाठक, एम सी शर्मा, एस एस काले, डी गुप्ता, के चोरसडोल, वी सूरी। माइक्रोसेटेलाइट आधारित पीसीआर बनाम "फिश" द्वारा 1पी और 19 क्यू की एलेलिक स्थिति का पता लगाना : रोगी प्रबंधन के लिए अनुप्रयोग में सीमाबद्धताएं और लाभ। डॉयगो मॉल. पैथेलो 2011; 20 : 40-7

529. पी झा, वी सूरी, ए जैन, एम सी शर्मा, पी पाठक, पी झा, ए श्रीवास्तव, ए सूरी, डी गुप्ता, के चोरसडोल, पी चट्टापाध्याय, सी सरकार। ग्लायोमाज में 06 - मिथाइलगुआनिन डीएनए मिथाइलट्रांसफेरेज जीन प्रवर्तक मिथाइलेशन की स्थिति और अन्य

आणविक परिवर्तनों के साथ उसका सह-संबंध : प्रथागत उपचार में प्रयोग के लिए चुनौतियों की समीक्षा के साथ प्रथम भारतीय रिपोर्ट न्यूरोसर्जरी, 2010; 67 (6) 1681-91

530. आर के झा, वी त्रिखा। बच्चे के जन्म के दौरान ऊरू स्तंभ की चोट। जे. इंडियन एसो. पेडिए. सर्जरी 2011, जनवरी; 16(1) : 35-6

531. एस झांजी, बी प्रकाश। गर्भावस्था में बुप्रेनोरफाइन अनुरक्षण। एशियन जे. साईकियाट्री 2010; 3 : 57

532. एस झांजी, एच सेठी। ओपॉयड आश्रित रोगियों के लिए सामुदायिक चल क्लिनिक में बुप्रेनॉर्फिन के साथ मुखीय प्रतिस्थापन। इंडियन जे. साइकियाट्री 2010; 52 : 519

533. एस झांजी, एच सेठी। बहुऔषध प्रयोग के साथ दैनिक धूम्रपान करने वालों के भारतीय नमूने में निकोटिन निर्भरता के लिए फेगरस्ट्रॉम परीक्षण। निकोटिन टॉब रिस. 2010; 12 : 162-6

534. जी जिंदल, ए कुमार, एस गमनगट्टी, एस सिन्हा। पलक में अभिघातज पश्च ट्रांसकेल्वेरियल मस्तिष्क हर्नियेशन। एमरेज. रेडियो. 2010; 17 : 507-9

535. एस जिंदल, टी दादा, वी. श्रीनिवास, वी गुप्ता, आर सिहोता, ए पांडा। प्राथमिक मुक्त कोण ग्लूकोमा के साथ नेत्रों में हेडेलबर्ग दृष्टिपटलीय टोमोग्राफ-III का प्रयोग करते हुए मूरफील्ड्स पश्चगमन विश्लेषण के नैदानिक सामर्थ्य और ग्लूकोमा संभाव्यता पैमाना की तुलना। इंडियन जे. ऑफ्थेल्योलॉजी 2010; 58 : 487-92

536. टी जिंदल, आर दत्ता, ए कुमार, आर कुमार, एन कुमार, एस के चौधरी। प्राथमिक फुप्फुसीय साइनोवियल कोशिका सर्कोमा : विकिरणवैज्ञानिक निष्कर्ष और प्रबंधन। एशियन कार्डियोवस्कुलर थोरेसिक एन. 2011; 19 : 72-5

537. टी जिंदल, ए कुमार, आर कुमार, आर दत्ता, एम मीणा। श्वसनीय म्यूकोएपिडरमॉयड कार्सिनोमा में पोजिट्रॉन उत्सर्जन टोमोग्राफी - संगणित टोमोग्राफी की भूमिका : एक मामला श्रृंखला और साहित्य की समीक्षा। जे. मेडी. केम. रिप. 2010; 4 : 277

538. टी जिंदल, ए कुमार, आर कुमार, आर दत्ता। फुप्फुसीय कार्सिनॉयड के विभेदीकरण के लिए कार्यात्मक छायाचित्रण। जे. न्यूक्लि. मेडी. 2010; 51 : 1488; लेखक का उत्तर 1488

539. टी जिंदल, ए कुमार, आर कुमार, प्रदाहक मायोफाइब्रोब्लास्टिक ट्यूमर। यूर रिसपर जे. 2010; 35 : 1422-3

540. टी जिंदल, ए कुमार, बी वेंकटरमन, आर दत्ता, आर कुमार। प्राथमिक फुप्फुसीय कार्सिनॉयड के मूल्यांकन में जीए-डोटाटॉक पीईटी/सीटी की भूमिका। कोरियन जे. इंटर्न मेडी 2010; 25 : 386-91

541. वी जिंदल, आर एन खान, आर पंवार, वी के बंसल, एम सी मिश्रा। उत्कीर्णक हर्निया मरम्मत के बाद प्रारंभिक परिणामों का राष्ट्रव्यापी अध्ययन। ब्रांच जे. सर्जरी 2010, अप्रैल; 97 (4) : 617-8, लेखक का उत्तर 618

542. एन पी जोशी, के पी हरेश, पी दास, आर कुमार, आर प्रभाकर, डी एन शर्मा, पी हीरा, पी के जुल्का और जी के रथ। सहवर्ती रसायन विकिरणचिकित्सा के उपचारित श्वासनली के अउच्छेदनीय बेसेलॉयड शल्कीय कोशिका कार्सिनोमा : साहित्य की समीक्षा के साथ एक मामला रिपोर्ट। जे. कैन. रिस. थेर. 2010; 6 : 321-323

543. एस जोशी, आर खान, एम शर्मा, एल कुमार, ए शर्मा। एंजियोपोएटिन-2 : बहु माइक्लोमा में एक संभावित नवीन नैदानिक चिन्हांकक। क्लिन बायोकैम; 2011, 12 फरवरी (ई-पब, मुद्रण के पूर्व)

544. जे बाजपेयी, समीर बक्शी, बी मंडल, ए शर्मा। ऑन्कोप्रोटियोमिक्स - एक समीक्षा क्लिनिका किमिफा. एक्टा. 2010; 412 : 217-226

545. जे बाजपेयी, समीर बक्शी, वी श्रीनिवासन, जे बाजपेयी, एस गगनागट्टी, आर कुमार, एट एल, रसायनचिकित्सा के प्रत्युत्तर के मूल्यांकन और पूर्वानुमान के लिए ऑस्टियोसर्कोमा में एमआरआई की भूमिका : ऊतकवैज्ञानिक ऊतकक्षय से सह-संबंध। पेडिए. रेडियो. 2010, 27 अक्तूबर।

546. जे बाजपेयी, शिवानंद गगनागट्टी, मेहर सी शर्मा, राकेश कुमार, श्रीनिवास विष्णुभाटला, एट एल, ऑस्टियोसर्कोमा में एंजियोजेनेसिस का गैर आक्रामक छायाचित्रण प्रतिनिधि, पेडिए. रक्त कैंसर 2010, अप्रैल; 54(4) : 526-31

547. वी पी ज्योत्सना, ए नसीर, वी श्रीनिवास, एन गुप्ता, के के दीपक। कुशिंग्स संलक्षण के प्रभाव - हृदयवाहिका ऑटोनोमिक क्रिया पर एंडोजेनस हाईपरकॉर्टिसोलेमिया। ऑटो न्यूरोसाइंस 2011; 160 : 99-102

548. वी पी ज्योत्सना, ए के सिंह, के के दीपक, वी श्रीनिवास। नए पता लगाए गए टाइप-2 मधुमेह में हृदय ऑटोनोमिक दुष्क्रिया की प्रगति। डायबिटीज रिस. क्लिन. प्रैक्ट. 2010; 90 : ई 5-6

549. एस के काबरा, आर लोढा, आर एम पांडे। बच्चों में समुदाय अधिग्रहित निमोनिया के लिए एंटीबायोटिक्स। कोकरेन डाटाबेस सिस्ट. रेव. 2010; (3) : सी डी 004874

550. टी कांधीरवन, ए सक्सेना, ए सिंह, एस ब्रूट, एस के शर्मा, डी के मित्रा। डेंगू वाले वयस्कों में रोग की गंभीरता के साथ सीडी 4 + टी सेल और सीडी 8 + टी कोशिका में एमआईपी -1 अल्फा में शेष इन्ट्रालेलूतर टी (एच), 1-टी (एच)2 की संबद्धता। इम्यून नेटवर्क 2010; 10 : 164-72

551. ए कक्कड़, वी सूरी, पी झा, ए श्रीवास्तव, वी शर्मा, पी पाठक, एम सी शर्मा, एम एस शर्मा, एस एस काले, के चोस्डोल, एम फलक, सी सरकार। ग्लायोब्लास्टोमा में क्रोमोसोम 10 क्यू पर हेटेरोजाइगोसिटी की क्षति और अन्य आनुवंशिकीय परिवर्तनों के साथ उसका संबंध तथा भारतीय रोगियों में उत्तरजीविता। न्यूरोलॉ. इंडिया, 2011; 59 : 254-61

552. आर ए कल्लीवयालिल, आर के चड्ढा, जे ई मेजिक। भारतीय मनश्चिकित्सा : अनुसंधान और अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य। इंडियन जे. साइकिएट्री; 2010; 52 (पूरक) : एस 38-42

553. ए कालरा, सी पलानीस्वामी, एन विक्रम, जी सी खिलनानी, आर सूद। विसरित टीबी के चुनौतीपूर्ण मामले में प्रतिरक्षी थ्रॉम्बोसाइटोपीनिया : एक मामला रिपोर्ट और साहित्य की समीक्षा। केस रिपोर्ट मेडी. 2010; 2010

554. ए कालरा, सी पलानीस्वामी, ए कालरा, एन विग, आर सूद। एफ/पी +/- हाईपरएसिनोफिलिक संलक्षणों का प्रबंधन : मामला रिपोर्ट और उपचार समीक्षा; एम जे थर. 2010

555. वी कालरा, आर सेठ, डी मिश्रा, एन सी साहा। दुर्दम्य बाल्यावस्था एपिलेप्स में क्लोबेजाम। इंडियन जे. पेडिए. 2010; 77 : 263-6

556. टी एस कांग, डी जॉर्जिवा, एन जेनोब, एम टी मुराकमी, एम सिन्हा, आर पी कुमार, पी कौर, एस कुमार, एस डे, एस शर्मा, ए विरिलिंक, सी बेटजेल, एस टकेडा, आर के अर्नी, टी पी सिंह, आर किनी मंजुनाथ। सर्प के विष से एंजाइमेटिक विष : संरचनात्मक विशिष्टिकरण और उतप्रेरण का कार्यतंत्र। एफईबीएस जे. 2011; 6 अप्रैल (ई-पब, मुद्रण से पूर्व)।

557. यू कांगू, ए जे मैकविनी, एम मौर्य, बी ई शॉ, जे ए मेड्रिगल, एन के मेहरा। भारतीय व्यक्ति में क्रम आधारित टाइपिंग द्वारा अभिज्ञात एक नवीन एचएलए - डीपीबीआई, एलेले डीपीबीआई*125:01, टिशू एंटीजन 2011; 77 : 85-7

558. ए कानन, सी एस बाल, वी कुमार, आर मित्तल, एन दामले, आर मल्होत्रा। कूल्हे की सतह की आर्थोपास्टी के बाद फेमोरल हेड वस्तुलेरिटी। जे. ऑर्थोप ट्रॉमेटोलॉ. 2010; 11 : 221-7

559. ए कानन, डी खत्री, वी त्रिखा, बी चौधरी। तीव्र अण्डप मार्ग संलक्षण सहित स्केफॉयड का पृथक्कृत वोलर फ्रैक्चर डिस्लोकेशन : एक मामला रिपोर्ट। एक्टा. ऑर्थो बेल्ड. 2010, अगस्त; 76 (4) : 552-4

560. ए कानन, ए कुमार, आर कंचेरला, सी एस यादव, एस ए खान, एस रस्तोगी। ट्रांसवर्स टार्सल एंड टार्सोमेटाटार्सल क्यूबॉयड सबलक्सेशन : ए. केस रिपोर्ट। फुट एंकल इंट. 2010; 31 :452-4

561. ए कानन, आर मल्होत्रा। जोड़ के प्रतिस्थापन पर संगोष्ठी : ऊरू गला फ्रैक्चर में संपूर्ण कूल्हा आथ्रोप्लास्टि। ऑर्थोपेडिक्स टूडे 2010; खंड-XII संख्या 3 ; 110-13

562. एल कानन, आर लोढ़ा, एस विवेकानंदन, ए बग्गा, एस के काबरा, एम काबरा। बच्चों में अंतरशिरा द्रव अन्वय और हाइपोनेट्रेमिया : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। पेडिए. नेफ्रोलॉ. 2010; 25 : 2303-9

563. एल कानन, आर लोढ़ा। अस्पताल में भर्ती बच्चों में अंतरशिरा अनुरक्षण चिकित्सा के लिए उपयुक्त द्रव : वर्तमान प्रास्थिति। इंडियन जे. पेडिए. 2011; 78 : 357-9

564. डी कनौजिया, एम गर्ग, एस सैनी, एस अग्रवाल, आर कुमार, ए सूरी/ चिरकालिक माइलॉयड ल्यूकेमिया में स्पर्य संबद्ध एंटीजन 9 अभिव्यक्ति और त्रिदोषज प्रत्युत्तर, ल्यूके. रिस. 2010, जुलाई; 34 (7) : 858-63

565. एस कांत, पी हल्दर। क्या वास्तव में एनडीएम-II भारत से यूनाइटेड किंगडम की आयातित किया जा रहा है? इंडियन जे. पब्लिक हेल्थ 2010 ; 54 (3) : 151-4

566. ए एस कपिल, एम सिंह, एस वी एस देव, एन के शुक्ला। मेटास्टेटिक फिलियॉड्स ट्यूमर में आक्रामक उपशामक शल्यचिकित्सा : जीवन स्तर पर प्रभाव। आईजेपीसी 16 : 102-104 : 2010

567. यू कपिल, के जैन। भारत में पांच वर्ष से कम के बच्चों में जिंक की कमी की मात्रा। इंडियन जे. पेडिए. 2011; 78 : 1069-72

568. यू कपिल, एस कौर। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में निवास कर रहे उच्च आय वर्ग के 6-18 वर्ष के आयु समूह के बच्चों में बाल उपापचयी संलक्षण। इंडियन जे. पेडिए. 2010 : 77 : 1041

569. यू. कपिल, एच पी. सचदेव। गंभीर तीव्र कुपोषण वाले बच्चों का प्रबंधन एक राष्ट्रीय प्राथमिकता। इंडियन पेडिए. 2010; 47 : 651-3

570. यू कपिल, एच पी सचदेव। भारत में सार्वभौमिक विटामिन "ए" संपूरण कार्यक्रम, दुबारा देखने की आवश्यकता। नेशनल मेडी जे. इंडिया 2010; 23 : 257-60

571. यू कपिल। एनोमियो से लड़ाई : चिकित्सा जगत के लिए अत्यधिक चुनौती। इंडियन जे. पेडिए. 2011 ; 78 : 469-70

572. यू कपिल। दिल्ली में अत्यधिक आयोडीन पोषण। इंडियन पेडिए. 2010 ; 47 : 849; लेखक का उत्तर 894-5

573. यू कपिल। भारत में आयोडीन की कमी की विकृति दूर करने के सफल प्रयास। इंडियन जे. कम्युनिटी मेडी. 2010; 35 : 455-68

574. पी एम कपूर, वी अग्रवाल, यू चौधरी, एम चौधरी, एस सी सिंह, यू किरण। पेरिकार्डिएक्टॉमी करा रहे संकुचक पकटिडाइटिस वाले रोगियों में बीटा-टाइप नेट्रियूरेटिक पेप्टाइड और बांया निलयी दुष्टक्रिया की तुलना। एन. कार्डियक एनेस्थे. 2010; 13 (2) : 123-9

575. वी कपूर, ए के सिंह, एस डे, एस सी शर्मा, एस एल दास। तम्बाकू - संबद्ध अंतरमुखीय शल्कीय कोशिका कार्सिनोमा वाले रोगियों में परिचालक साइक्लोऑक्सीजेनेनेज-2 और संभावित ट्यूमर रोधी एजेंट के रूप में उसके पेप्टाइड निरोधक। जे. कैंसर रिस. क्लिन. ऑनको 2010; 136 : 1795-804

576. ई जी करम, जी एंड्रयूज, ई ब्रोमेद एमा पेटुखोवा, ए एम रूसियो, एम सलामोन, एट एल, अभिव्यातज पश्चात दबाव विकृति केडीएस एम-IV निदान में क्राइटेरियन ए-2 की भूमिका। बायोलॉ साइकिएट्री 2010; 68 : 465-73

577. एस कर्मकार, एस के शर्मा, आर विशिष्ठ, ए शर्मा, एस रंजन, डी गुप्ता। एट एल. एचएएआरटी प्राप्त कर रहे एचआईवी/ एड्स के रोगियों की उत्तरी भारतीय जनसंख्या में टीबी - संबद्ध प्रतिरक्षा पुनर्निर्माण प्रदाहक संलक्षण की नैदनिक विशिष्टताएं। क्लिन डेव. इम्यूनोलॉजी 2011; 2011 : 239021

578. जी कार्तिकेयन, जे डब्ल्यू इकेलबूम; जे हर्ष। डेबीग्रेटन : मुख्य समय के लिए तैयार? पॉल आर्क मेडी. विवेन 2010; अप्रैल; 120 (4) : 137-42

579. जी कार्तिकेयन, जे डब्ल्यू हकेल बूम। तीव्र हृदय संलक्षणों में एपीक्सेबन। कार्डियोवस्कुलर थेर. 2010; 11 जून (ई-पब, प्रकाशन से पूर्व)।

580. जी कार्तिकेयन, जे डब्ल्यू, इकेलबूम। एट्रियल फाइब्रेलेशन में आघात जोखिम के स्तरण के लिए सीएचएडीएस 2 अंक मित्र या दुश्मन? थ्रॉम्ब हेमोस्ट, 2010, 5 जुलाई; 104 (1) : 45-8

581. जी कार्तिकेयन, एन मैथ्यू, आर एस मठ, एन देवासेनापति, एस एस कोठारी, वी के बहल। बाएं तरफ के प्रॅास्थेटिक वाल्व थ्रॉम्बॉसिस के लिए स्ट्रेप्टोकिलेज के साथ फाइब्रोनिलिटी चिकित्सा के दौरान प्रतिकूल घटनाओं का समय। जे. थ्रॉम्ब थ्राम्बोलाइसिस। 2011, 17 मार्च (ई-पब, मुद्रण के पूर्व)

582. जी कार्तिकेयन, पी पेस। नैदानिक निर्ण और साक्ष्य-आधारित चिकित्सा : सामंजस्य के लिए समय। इंडियन जे मेडी. रिस. 2010, नवम्बर; 132 (5) : 623-6

583 एस कश्यप, आर मील, एस एस बजाज, एन पुष्कर। फॉर्निक्स का नेत्रीय ऑनकोसाइटोमा। इंडिया जे. माइक्रोबॉयो 2010; 53 : 882-3

584. एस कश्यप, आर मील, एन पुष्कर, एस सेन, एस बक्शी, एम एस बजाज, बी चावला, एस सेठी, एस घोष, एम चंद्रा। रेटिनोब्लास्टोमा में फेथीसिस बल्बी। क्लिन एक्सपेरिमेंट आफ्थेल्योलॉजी 2011; 39 : 105-110

585. एस कश्यप, आर मील, एन पुष्कर। फ्लकों का नाकार्डियोसिस : एक असामान्य प्रस्तुतीकरण। इंडियन जे. पेंर्थलॉस. माइक्रोबॉयो 2010; 53 : 844-5

586 एम के कासलीवाल, ए गर्ग, और बी एस शर्मा। मिडलाइन इन्ट्राक्रेनियल हाईपरडेन्स एपिडरमॉयड ट्यूमर रेडियोलॉजिकली मेस्क्वेरेडिंग ए न्यूरेन्टेरिक सिस्ट। क्लिन. न्यूरो न्यूरोसर्जरी 2011 : 113 (1) : 81-2

587. एस कटारिया, एम के पार्श्णेय, पी कुमार, पी धर, और आर डी मेहरा। मादा चूहे के स्यूबीकुलम में आकटिकी और सूत्रयुग्मन संपर्क के विनियमन में एस्ट्रोजन की भूमिका। जे. एटि. सोसा. हंडिया 2010; 59 (2) : 144-149

588. जे कौर, एम साहनी, एस दत्ता गुप्ता, एन के शुक्ला, ए श्रीवास्तव, आर रल्हन। मुखीय कैंसर में फॉस्फेटिडाइल आइनोसिटॉल सिन्थेज अति अभिव्यक्ति का नैदानिक महत्व। बीएमसी कैंसर 2010, अप्रैल 28; 10 : 168

589. एम कौर, बी गुप्ता, सी सिन्हा। दुर्घटनावश गला दबाने और संवेदनाहरण चिंताओं के एक मामले पर रिपोर्ट1 एनेस्थेसिया एसेज एंड रिसर्च 2010; 4 : 121-22

590. एन कौर, ए गौतम, एस कुमार, ए सिंह, एन सिंह, एस शर्मा, आर शर्मा, आर तिवारी, टी पी सिंह। स्यूडोमोनाज एरूजिनोसा से डाईहाइड्रोपिकोलिनेट पिन्थेज का जैवरासायनिक अध्ययन और सुस्पष्ट संरचना निर्धारण। इंट. जे. बायो मैक्रोमॉल्यू. 2011; 26 मार्च (ई-पब, प्रकाशन के पूर्व)

591 एस कौर, यू कपिल। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में मोटे बच्चों में डिस्लिपिडेमिया। इंडियन जे. पेडिए. 2011; 78 : 55-7

592. एस कौर, यू कपिल। मोटे बच्चों में बाधित ग्लूकोज सह्यता और डायबिटीज मेलिटस। इंडियन पेडिए. 2010; 47 : 362-3

593. टी कौसर, आर शर्मा, एम आर हसन, ए. सराया, टी के चट्टोपाध्याय, एस डी गुप्ता। एट एल, मानव एसोफंजियल श्लकीय कार्सिनोमा में ऑन्कोस्टेटिव एम रिसेप्टर बीटा के जोड़ परिवर्तियों की अति अभिव्यक्ति। सेल ऑनको. (डीओआरडीआर) 2011; 34 : 177-87

594. टी कौसर, आर शर्मा, एम आर हसन, एस सी त्रिपाठी, ए सराया, टी. के चट्टोपाध्याय। एट एल. एसोफेजियल श्लकीय कोशिका कार्सिनोमा में जीपीआर 56, ट्रांसग्लुटेमिबेज 2 और एनएफ - सीई + "बी का नैदानिक महत्व। कैंसर इन्वेस्टि. 2011; 29 : 42-8

595. एच कौसर, एस राय, ए पाल, वी श्रीनिवास, आर माथुर, एस वाधवा। एट एल. घरेलू मुर्खियों में जन्मपूर्व जटिल सुरयुक्त संगीत ध्वनि का उद्दीपन जन्म पश्चात स्थानिक सीख सुविधाजनक करता है परंतु अल्पकालिक रूप से स्मरण बाधित करता है। डेव. न्यूरोसाइंस 2011; 33 (1) : 48-56

596. एस कौशल, वी. दधवाल, एस आर माथुर, आर के, पी दुर्गापाल, डी डेका। योंनीय और श्रोणीय नियोप्लाज्म अनुरूपण वाली युवा महिला में मल्टीफोकल पोलीपॉयड एंडोमेट्रियोसिस : जे. क्लिन पैथेलो, 2010, मई : 63 (5) : 452-4

597. एस कौशल, वी के अय्यर, एस आर माथुर, आर के, बिरले परिवर्तियों पर ध्यानकेंद्रण सहित थॉयराइड के मज्जक कार्सिनोमा की सूक्ष्म सूई चूषण कोशिकाविज्ञान : 78 मामलों की समीक्षा। साइटोपेथेलॉजी, 2011; 22 : 95-105

598. एस कौशल, एस आर माथुर, एस आर मलिक, एम रमाम। एक प्रतिरक्षादक्ष वयस्क में प्रसारित क्यूटेनियम, लेरिंजियल, नेसोफेरेंजियल और आवर्ती बाधक नसिका रिनोस्पोरिएडोसिस : एक मामला रिपार्ट और साहित्य की समीक्षा। इंट. जे. इर्मेटो. 2011; 50 : 340-342

599. एस कौशल, एम सी शर्मा, एम रमाम, यू कुमार। लिंग का बहुकेंद्रीय क्यूटेनियस एपिथेलॉयड एंजियोमेटस नोड्यूल्स। जे. क्यूटेन पैथेलो 2011; 38 : 369-71

600. एम के कौशिक, वी एम कुमार, एच एन मलिक। मेडियल प्रिऑप्टिक क्षेत्र में ग्लूटामेंट माइक्रोइंजेक्शन चूहों में धीमर तरंग नींद बढ़ाता है। बिहेव ब्रेन रिस. 2011 : 217 (1) : 240-3

601. एस कायल, वी राधाकृष्णन, एस सिंह, ए चोपड़ा, आर कुमार, वी रैना। एसाइट्स के साथ रोएंदार कोशिका ल्यूकेमियां एक असामान्य प्रस्तुतिकरण। ल्यूक. लिम्फोमा 2011, मार्च, 52 (3) : 539-40

602. आर सी केसलर, एच जी बर्नबॉम, वी शेहली, ई ब्रोमेट, आई ह्वांग, के ए मेकलॉगलिन। एट एल. डीएसएम-IV वृहद अवसादक घटना की विधमानता और सह-रूग्णता में आयु का अंतर : विश्व स्वास्थ्य संगठन के विश्व मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण पहल से परिणाम। डिप्रेस एंक्साइटी 2010; 27 : 351-64

603. आर सी केसूलर, जे जी ग्रीव, एम जे ग्रुबर, एन ए मैम्पसन, ई. ब्रोमेट, एम कुईटान। एट एल. के 6 जांच पैमाने के साथ सामान्य जनसंख्या में गंभीर मानसिक बीमारी के लिए जांच : विश्व स्वास्थ्य संगठन के विश्व मानिसक स्वास्थ्य सर्वेक्षण पहल से परिणाम। इंट जे. मेथड्स साइकिएट्रिक रिसर्च 2010, 19 पूरक 1 : 4-22। एरेटम इन : इंट जे. मेथड्स साइकिएट्रिक रिस. 2011; 2. : 62

604. आर सी केसलर, रो रा मैकलॉग्लिन, जे जी ग्रीन, एम जे ग्रूबर, एन एन सैम्पसन, ए एम जेसियावस्की। एट एल. विश्व स्वास्थ्य संगठन में विश्व मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण में बाल्यावस्था प्रतिकूलताएं और वयस्क मनःरोग विज्ञान। बी आर, जे. साइकिएट्री 2010; 197 : 378-85

605. आर सी केसलर, जे ओरमेल, एम पेटुखोवा, के ए मैक्लॉक्लिन, जी जी ग्रीन, एल जे रूसो, एट एल. विश्व स्वास्थ्य संगठन विश्व मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण में लाइफटाइम कोमोरबिडीटी का विकास। आर्क जेन साइकिएट्री 2011 : 68 : 90-100

606. आर खड़गाक्व, के एस ब्रार, एम गहलो, सी एस यादव, आर मल्होत्रा, एन गुप्ता, एट एल. भुरभुरेपन सहित कुल्हे के फ्रैक्चर वाले एशियाई भारतीय रोगियों में विटामिन "डी" की कमी की उच्च विद्यमानतः एक प्रायोगिक अध्ययन। जे. एसो. फिजिशियन्स इंडिया 2010; 58 : 539-42

607. आर खड़गावत, आर के मरवाहा, एन टंडन, आर कंवर, ए नारंग, ए शास्त्री। एट एल., स्वस्थ भारतीय स्कूली बच्चों और किशोरों में सीरम-कैल्शियम, आयनीकृत कैल्शियम फॉस्फेट और क्षारीय फॉस्फेटेज का संदर्भ मध्याह्न। क्लिन. बायोकैम 2010; 43 (15) : 1216-9

608. आर खजुरिया, एन गुप्ता, एस सप्रा, एस गुलाटी, एम घोष, वी कालरा, एम काबरा। परिवर्ती रेट फेनोटाइप और कंजेनिटल अंधता वाले भारतीय बालक में एक नवीन एमईसीपी 2 परिवतन : आनुवंशिकी परामर्श ओर जन्मपूर्व निदान के लिए जटिललाएं। जे. चाइल्स न्यूरो. 2011; 26 : 209-13

609. ए खान, ए अहमद, एफ अख्तर, एस युसुफ, आई जेस, एल ए खान, एट. एल., तीन फिनाइल प्रोपेनॉयड की फफूंदरोधी क्रिया के संभावित कार्यतंत्र के रूप में ऑक्सीकारक दबाव का प्रेरण। एफईएमएस यिस्ट रिस. 2011; 11 : 114-22

610. ए खान, ए अहमद, एफ अख्तर, एस युसुफ, आई जेस, एल ए खान, एट. एल., ओसिमम सैंक्टम वाष्पशील तेल और इसके सक्रिय सिद्धांत एर्गोस्टेरील जैव संश्लेषण तथा मेम्ब्रेन संपूर्णता बाधित संपूर्णता बाधित करके अपना फफूंदरोधी क्रियाकलाप करता है। रिस. माइक्रोबॉयो 2010; 161 : 816-23

611. एम ए खान, एम कर, एस मित्तल, एस कुमार, वी एल भार्गव, जे सेनगुप्ता, डी घोष। प्रथागत-निर्मित सीडीएनए जांच द्वारा विश्लेषित मानव प्रथम ड्राइमेस्टर प्लेसेंटल विली की लघु स्तरीय परिवर्तन अभिव्यक्ति रूपरेखा। इंडियन जे. फिजियोलॉ फार्मोकोलॉ. 2010; जुलाई- सितम्बर; 54 (3) : 235-54

612. एम ए खान, एम कर, एस मित्तल, एस कुमार, जे सेनगुप्ता, डी घोष। मानव में प्रारंभिक प्लेसेंटल विली के विकास के चिन्हांकक के रूप में छः जीन उत्पादों का मात्रात्मक विश्लेषण। इंडियन जे. फिजियो. फार्मेकोलॉ. 2010, अक्तूबर - दिसम्बर 54 (4) : 299-308

613. आर एन खान, वी जिंदल, एस कपूर, आर पंवार, वी के बंसल, एस कुमार, एम सी मिश्रा। हेमरॉयड प्रोलेप्स के लिए स्टेपल्ड एनोपेक्सी अथवा डायाथर्मी उच्छेदन के बाद संलक्षण का यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण बीआर जे. सर्जरी 2010; 97 : 167-76, बीआर जे. सर्जरी 2010 : 97 (6) : 961

614. आर एन खान, एम सी मिश्रा, वी के बंसल, एस कुमार। क्या लेप्रोस्कोपिक उत्कीर्णन हर्निया मरम्मत में जालरंध सिकुड़न किसी भी प्रकार जालरध लगाने की विधि पर निर्भर करता है। संपादक को पत्र। सर्ज. एंडोस. 2011 मई; 25 (5) : 1690

615. एस ए खान, ए कुमार, पी इन्ना, एस बक्शी, एस रस्तोगी। समीपस्थ उर्वस्थि के वृहद कोशिका ट्यूमर के लिए एंडोप्रोस्थेटिक प्रतिस्थापन। जे. ऑर्थों सर्जरी (हांगकांग), 2009; 17 : 280-3

616. एस ए खान, ए कुमार। 7 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों में अवहेलना किए गए क्लबफुट में पोनसेटीज परिचालन : दीर्घावधिक अनुवर्ती कार्रवाई के साथ 25 फुट का पूर्वानुमानित मूल्यांकन। जे. पेडिए. ऑर्थोप. बी 2010; 19 : 385-9

617. एस खंडेलवाल, जी अवोडे, एफ बैंगना, बी कोन्डे, एम क्रूज, पी. देवा। एट एल, विकासशील देशों में निर्धारित मानसिक और तंत्रिका वैज्ञानिक स्वास्थ्य अनुसंधान प्राथमिकताएं। सोस. साइकिएट्री एपडेमियोलॉजी 2010; 45: 487-95

618. एस खंडेलवाल। पुस्तक समीक्षा : डिमेंशिया अध्ययन। नेश. मेडी. जे इंडिया 2010; 23 : 113-4

619. एस खांडपुर, पी चतुर्वेदी, यू कुमार, बी के खैतान, जे सी सामंतरे, वी के शर्मा। कालाजार पश्चात टवचीय लीशमैनेसिस में मुखीय मिल्टेफोसिन तीन मामलों में अनुभव। इंट. जे. डर्मेटोलॉजी 2010 ; 49 : 565-9

620. एस खांडपुर, एस गुप्ता। गांठदार स्केलेरोसिस की विकृतिकारी आकारिकी। इंडियन जे. डर्मेटोलॉजी वेनेरोलॉजी लेप्रोल. 2011; 77 : 403-4

621. एस खांडपुर, एस डी कथूरिया, आर गुप्ता, एम के सिंह, वी के शर्मा। पंजो और तलवों पर हाईपरकेरेटोटिक पिटेड प्लेक्स। इंडियन जे. डर्मेटोलॉजी वेनेरोलॉजी जी लेप्रोल. 2010; 76 : 52-5

622. एस खांडपुर, ए कुमार, आर खडगावत। बेरारडिनेली सिपटाइप की सहजात सामान्यीकृत लिपोडिस्ट्रॉफी : एक बिरल मामला। इंडियन जे. डर्मेटोलॉजी, वेनेरेलॉजी लेप्रोल 2011; 77 : 402

623. एस खांडपुर, वी के शर्मा, ए शर्मा, जी पथरिया, ए सत्यम। भारतीय रोगियों में पेम्फीगस के निदान में इम्यूनोब्लॉट जांच के साथ एंजाइम-संबद्ध इम्यूनोजॉरबेंट जांच परीक्षण। इंडियन जे. डर्मेटोलॉजी वेनेरेलॉजी लेप्रोल 2010; 76 : 27-32

624. एस खांडपुर, वी के शर्मा। एवचीय संवहनी विकृतियों में 3 प्रतिशत सोडियम टेट्राडिसिलसल्फेट के सथ्ल्फो इंट्रालेजनल स्केलेरोथिरेपी की उपयोगिता। डर्मेटोलॉजी सर्ज. 2010; 36 : 340 -6

625. आर खत्री, के मुखोपाध्याय, के के शर्मा, जी. सेतुरमन, ए शर्मा। जेनेटिक प्रिडिस्पोलिश्न ड्यू टू लोअर प्रोड्यूसर्स आफ आईएल 10 (-) 1082 जी > ए एंड (-) 819 सी > टी लोसी बट नो एन्डाडमेंट ड्यू टू आईएफएन - जी (+) 874 ए > टी लोकस टू पार्थेनियम डर्मेटाइटिस इन इंडियन कोहार्ट। ब्रिटिश जे. डर्मेटोलॉजी 2011, 17 फरवरी (ई-पब प्रकाशन के पूर्व)।

626. जी सी खिलनानी, ए डी गेले, वी हड्डा, एस के शर्मा। चिरकालिक बाधात्मक वायुमार्ग रोग वाले रोगियों में एक्सटूबेशन के बाद गैर-आक्रामक संवाहन : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। एनेस्थ गहन परिचर्या 19, 39 : 217-23

627. जी सी खिलनानी, एन सैकिया, ए बंगा, एस के शर्मा। बहुत अधिक पीएसीओ (2) सहित सीओपीडी की तीव्र उत्तेजना के लिए गैर- आक्रामक संवातन : यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। लंग इंडिया, 2010, 27 : 125-30

628. पी खिलनानी, एस सिंह, आर लोढ़ा, आई संतानम, ए सचदेव, के चुघ, एम जयश्री, एस रंजीत, बी रामचंद्रन, यू अली, एस उदानी, आर उत्तम एस देवपुजारी। बाल पूतिदोष दिशनिर्देश : संसाधन सीमित देशों के लिए सारांश इंडियन जे. क्रिट वोयर मेडी. 2010; 14 : 41-52

629. एस खुराना, एन शर्मा, टी अग्रवाल, बी चावला, टी वेलपांडियन, आर टंडन, जे एस टिटयाल। कंटेक्ट लेंस प्रेरित पेसिलियरी कंजेक्टीवाइटिस में ओलोपेरेडाइन और फ्लूरोमेथोलोन की तुलना। आई कंटेक्ट लेंस 2010; 36 : 210-4

630. आर किलाम्बी, वी के बंसल, एम सी मिश्रा। लेप्रोस्कोपीय पित्त नलिका अन्वेषण के बाद खराब परिणाम के संबद्ध आपरेशनपूर्व कारकों का अध्ययन। सर्जरी इंडोस्कोपी 2010 (अक्तूबर), दिनांक 26 अक्तूबर, 2010 को ऑनलाइन प्रकाशित। सर्जरी इंडोस्कोपी 2010, 26 अक्तूबर (ई-पब, प्रकाश से पूर्व)।

631. एस किनरा, एल जे बोवेन, तनिका लिंग्दोह, दोराईराज प्रभाकरन, के श्रीनाथ रेड्डी, लक्ष्मी रामाकृष्णन एट एल, ग्रामीण भारत में गैर-संचारणीय रोग के जोखिम कारकों का सामाजिक जनसांख्यिकीय पैटर्न बनाना; एक परस्पर वर्गात्मक अध्ययन बीएमजे 2010, 27 सितम्बर; 341 : सी 4974

632. जे किशोर, एन आर दास, आर सक्सेना, एन कृष्णानी। पेट और आंत के गैर-संरोधक गैंगरीन वाले रोगियों में पैरवोवायरस बी19 डीएनए और आईजीएम रोगप्रतिकारक का नवीन रूप से पता लगना। इंडियन जे. मेडी. रिस. 2010; 131 : 702-10

633. के किशोर, जी एस गुलाटी, मिड्रल वाल्व रोग में एकल फुफ्फुसीय पिंड। हार्ट, लंग, सर्कुलेशन। http://dx.doi.org/10.1016/jhle.2011.01.007

634. जी एस कोचर, ए चौधरी, ए गदोदिया, एन गुप्ता, एम ए सिम्पसन, ए एच क्रॉसबी, एम काबरा। रेने सिन्ड्रोम : भारतीय उपमहाद्वीप से एक मामले की नैदानिक रेडियोग्राफिक और आनुवंशिकीय जांच। क्लिन. डिस्मॉर्फोलॉजी, 2010; 19 : 153-6

635. टी कोन्डोह, एम कामामशी, एच एन मलिक, टी ओनो, के टोरी। चूहे में लाइसिन और आर्गीनाइन सेरेब्रल इस्चेमिक परिणामों के प्रभावों को कम करते हैं और ग्लूटामेट प्रेरित न्यूरोनल क्रियाकलाप रोकते हैं। फ्रंट इंटेग न्यूरोसाइंस 2010, 14 जनवरी; 4 :18

636. एस एस कोठारी, एस रामकृष्णन। ट्रेकिंग दि राइट वेंट्रिकल वर्क इन प्रोग्रेस। जेएसीसी कार्डियोवस्कुलर इमेजिंग, 2011; फरवरी; 4(2) : 138-40

637. एस एस कोठारी, एस शर्मा, के भट्ट, आर रे, एस बक्शी, यू चौधरी। डिफ्यूज लिम्फेंजियोहेमेंजियोमेटोसिस के कारण बच्चे में आवर्ती हेमोरेजिक पेरिकार्डियल निःसरण : एक मामला रिपोर्ट। जे. मेडी. केस रिपोर्ट, 2010; 4 : 62

638. एस एस कोठारी। लेख "रूमेटिक हार्टडिजीज स्क्रीनिंग बाई एकोकार्डियोग्राफी : उप-नैदानिक रोग के निदान के इष्टतमीकरण के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानदंड की अपर्याप्तता" से संबंधित कोठारी द्वारा पत्र। परिचालन 2010, 1 जून; 121 (21) : ई 420

639. कृपलानी ए, लिंगदोह बी टी, गर्ग वी के, माहे आर, दाश बी बी,। लेप्रोस्कोपिक रेडिकल हिस्ट्रेक्ट्रोमी फार फर्निनोमा सर्विक्स. जे मिनीम इनवाइस गाइनकोल 2010 नवम्बर - दिसम्बर; 19 (6) : एस

640. कृपलानी ए, पेरियास्वामी ए जे, अग्रवाल एन, कुलश्रेष्ठ पी, कुमार ए, आमिनी ए सी। इफेक्ट आफ ओरल कंट्रोसेप्टीव कंटेनिंग इथिथाएल इस्ट्राडियल विध ड्रोप्रीनोन वर्सेस डिसोगेस्ट्रल ऑन क्लिनिकल एंड बायोकैमिकल पैरामीटर्स इन पेशेंट्स विध पोली सिस्टीक ओवरी सिंड्रोम कंट्रासेलशन। 2010; 82 : 139-46

641. कृष्णन ए, इकोवती आर, बरदीलेन एन, कुसुमबरधानी एन, सुहार्दी, कपूर एस के, लेवोस्की जे.। एवोलुशन आफ कम्यूनिटीबेस्ट इंटरवेंश्स फार नान कम्यूनीकेबल एजीजजेज : एक्सपीरेंएन फ्राम इंडिया एंड इंडोनेशिया। हेल्प प्रोमोट इंट 2010 नवम्बर 10 (ई पब अहेड आफ प्रिंट)

642. कृष्णन ए, नॉगनीह बी, यादव के, सिंह एस, गुप्ता वी,। इलैल्यूएशन आफ कम्पटयूराइज्ड हेल्थ मैनेजमेंट इनफार्मेशन सिस्टम फार प्राइमरी हेल्प केयर इन रूरल इंडिया। बी एम सी हेल्थ सर्विस रिसर्च 2010 नवम्बर 16; 10 : 310

643. कृष्णन ए, यादव के, कौर एम, कुमार आर। इपिडिमियोलॉजी टू पब्लिक हेल्थ इंटरवेंश्स फार प्रिवेंटिग कार्डियोकस्कुलर डीजीजेज । दि रोल आफ ट्रंसलेट्रल रिसर्च, इंडियन जे. मिड. रिस. 2010 नवम्बर; 132 (5) : 643-501

644. कृष्णन टी, रवीद्रन आर डी, मूर्ति जी वी एस, वशिष्ठ पी,। फिटजपैट्रिक केई, थूलसिराज आर डी, जॉन एन मारैनी जी, कम्परैनी एम, चव्रवर्ती यू, फ्लैचर एई। प्रिवलेंस आफ अर्ली एंड लेट ऐज रिलेटेड भाकुलर डिजनरेश्स इन इंडिया : दि इनडीये स्टडी. इन्वेस्ट आरथोमोल विस साइंस 290; 51 : 7017

645. कुलश्रेष्ठ बी, इयूनाइस एम, अम्मीनी ए सी,। रिस्पोंस टू ग्रोथ हारमोन थिरेपी इन एडोलेसेंट विध फेमिलीयल मेनहाइपोयूटेरिज्म। इंडिया पेडिया. 2010; 47 :356-8

646. कुलश्रेष्ठ बी, खड्गावत आर, इयूनाइस एम, अम्मीनी ए सी,। कांगनीटल एडरीनल हाइपर लाजिया : रिजल्ट आफ मेडिकल थिरेपी ऑन एपीयरेंस आफ एम्सटरनल जेनेटालिया। जे. पेडियाट्रिक्स यूरोला. 2010; 6 : 555-9

647. कुमार ए, डोगरा पी एस, शर्मा एम सी,। आइसोलेटेड मेटाव्रेसस कुटेनियस मेटास्टेटिस फ्राम रीनल सेल कार्सिनोमा। इंडियन जे. फैलर 2010; 47 : 482-31

648. कुमार ए, डोगरा आर, कानन यू, कुमार आर, खिलनानी जी सी, गुप्ता एस जी। इवैल्यूएशन आफ मेडिस्टाइनल लिम्फ मोडस यूजिंग एफ - एफ डी जी पेट - सी टी स्कैन एंड इट्स हिस्टोपैथलोजिक कोरिलेंस। एन थोरोसिक मिड। 2011; 6-11-16

649. कुमार ए, कुमार जे, गर्ग एम, फारूख के, गामनगट्टी एस, शर्मा पी,। पोस्ट ट्रॉयमेटिक सबएक्यूट एसेडिंग माइलोपैथी इन पी 24 इथर ओल्ड पेशेट। ईमेर्ज रेडियोजी 2010; 17 : 249-52

650. कुमार ए, लोगानी बी, नियोगी डी एस, खान एस ए, यादव सीएस, राव एस। एलिजारोव एक्सर्ट्रनल फिक्सेटर फार बाईलेटरल सीवर फ्लेक्शन डिकामिटी आफ द बी इन हिमोफिलिया : केस रिपोर्ट1 आर्क आर्थो ट्रामा सर्जरी 2010; 130 : 621-5 ई पब 2009 सिन 16

651. कुमार ए, नारंजे एस, गुप्ता एच, खान एस ए, यादव सीड, रस्तोगी एस, कार यू के, इनहैबिटेश्स आफ हिपेटाइटिस ई वायरस रेप्लीकेशन यूजिंग शार्ट हेयर पिन आर एन ए (एस एच आर एन ए) एंटीवायरल रिसर्च 2010; 85-541-50 एट आल 1 ए सिगल इनसिजन सर्जिकल न्यू एंटिरियर टेक्नीक फार फोरक्वार्टर एम्यूटेशन। आर्क, आर्थो, ट्रामा सर्ज. 2011; 131-955-61

652. कुमार ए, पांडा एस के, दुर्गापाल एच, आचार्य एस के, रहमान एस, कार यू के,। इनहैबिटेश्स आफ हिपेटाइटिस ई वायरस रेप्लीकेशन यूजिंग शार्ट हेयर पिन आर एन ए (एस एच आर एन ए) एंटीवायरल रिसर्च 2010; 85-541-50

653. कुमार ए, सिंह एस, मदन के, गर्ग पी के, आचार्य एस के,। आडायलूटेड एन बुटायनल काइनोइव्रालेट इज सेफ एंड इफोक्टिव फार गैस्टिक पेरिसल ब्लीडिग। गैस्टोइंस्टटाइनल इंडो 2010, 72 : 721-7

654. कुमार ए, सिन्हा एस, गुप्ता ए,। रिसीडयूल ट्राईमौकिलोन एसिटोनाइड एट माकुलर होल आफटर विट्रोस सर्जरी। इंडियन जे. ओत्योभोल 2010; 58 : 232-41

655. कुमार ए, वार्ष्णेय एम के, खत्री डी, खान एस ए, यादव सी एस, रस्तोगी एस,। पेनलेस ओस्टिआएड आस्टियोमा आफ टी बिया इन ए फिफ्टीथ मंथ ओल्ड चाइल्ड : ए रेयर केस रिपोर्ट न्यूरो जे. ओष्थो सर्ज ट्रामोटोला 2010; 20 : 393-96

656. कुमार बी, शर्मा वी, चोपड़ा ए, महापात्र एम, कुमार आर, माथुर एस एट ऑल। सेंट्रल नर्वस रिकस्टाम इनवालमेंट एट सेकेंड रिलेटस इन एक्यूर प्रोमाइलोसाइटिक ल्यूकेमिया ट्रीटेड विथ ए टी आर ए एंड कीमोथिरेपी। लींक रिसर्च 2010; 34 : ई 264-5

657. कुमार डी, थूलकर एस, बक्शी एस, मधुसूदन के एस, उपाध्याय एडी। पेडियाट्रिक होजकिंग लिम्फोमा : सी टी फीचर्स एट प्रजनेंशन ऑन ट्रीटमेंट एंड इटस प्रोगनोस्टिक सिगनीफिकेंट। इंडियन जे. पेडिया - 2011 (ई पब अहेड टू प्रिंट)

658. कुमार जे, गर्ग जी, कार्तिकेयन जी, सेन गुप्ता एस, सिस्टोथेनीस बीटा सिंथैस 844 इंस 68 पाइलोमार्फिन इज नॉट एसोसिएटेड विध द आफ होमोसिएहीन एंड सिस्टीन इन एन इंडियन पापुलेशन। बलोमार्कर्स 2010 मई; 15 (3) : 283 - 71

659. कुमार जे, युवनम एस, बासु टी, घोष ए, गर्ग जी, कार्तिकेयन जी, सेन गुप्ता एस, एसोसिएशन आफ पोलीमार्फिज्मस इन 9 पी 21 रिजन विध सी ए डी इन नार्थ इंडियन पापुलेशन : रिप्लीकेश्स आफ एस एन पी एस आडिटीफाइड थ्रो जी डब्ल्यू ए एस क्लिन जेन. 2010 जुलाई 21 (ईथन अहेड आफ प्रिंट)

660. कुमार एल, गणेशन पी, घोष आई, पांडा डी, गोजिया ए और मनधनिया एस। आटोलोगस ब्लड सिस्टम स्टेम सेल ट्रासप्लांटेश्स फार होजकिंस एंड नॉन हॉलकिंस लिम्फोमा। नॉट मेड जे इंडिया 2010 : (6) : 330-5 (आई एफ 0.614)।

661. कुमार एल, मलिक पी एस, प्रकाश जी, प्रबु आर, राधाकृष्णन वी, कात्याल एस, हरी प्रसाद आर। आटोलोगस हिमोटोपोयरिक स्टेम सेल ट्रासप्लांटेशन फॉर डिटरमाइन द आउटकम : एन एक्सपिरियस फ्राम नार्थ इंडिया। एन हेमाटोल 2011 मार्च 16 (ई पब अहेड आफ प्रिंट) (आई एफ 2.919)।

662. कुमार एल, वर्मा आर, राधाकृष्णन बी आर,। रिसेंट एडवांसेस इन दि मैनेजमेंट आफ मल्टीपल माइलोमा। नॉट मिड जे इंडिया 2010 जुलाई - अगस्त ; 23 (4) : 210-8, रिव्यू (आई एफ 0.614)।

663. कुमार एम, अग्रवाल टी, खोखर एस, कुमार एम, कौर पी, राव टी एस, दादा आर। मुटेशन ब्रीनिंग एंड जीनोटाइप फेनोटाइप कोरिलेरस आफ ए ब्रिस्टेलिन एंड जी जे ए एस जीन इन कांगजीनटल कैटेरक्ट। मोल विस 2011, 17 : 693-707

664. कुमार एम, मीनाक्षी एन, सुन्दरमूर्ति जे सी, कौर जी, मेहरा एन के, राजा ए,। इम्यून रिस्पोंस टू माइकोबेक्टीरियम ट्यूमर कुलोसिस स्पेसिफिक एंटीजन ई एस ए टी -6 एमंग साउथ इंडियन; ट्यूबरकुलोसिस - (ईडनिस) 2010; 90 : 60-9

665. कुमार एम, पाठक डी, कृपलानी ए, अम्मीनी ए सी, तलवार पी, दादा आर,। स्यूक्लियोटाइड वेरिएंशन इन माइटोब्रोडियल डी एन ए एंड सुप्रा फिजियोलॉजिकल आर ओ एस लेवल्स इन दि साइटोजेनेटीकली नार्मल केसेस आफ प्रीमयोर ऑवेशयन इन सूफीसेंसी आर्क गाइनाको ओ सी 2010; 282 : 695-705

666. कुमार एम, शर्मा एस, श्रीनिवासन ए, सिंह टी पी, कौर पी,। स्ट्रक्चर बेस्ड इन सिल्फेड रेशनल डिजाइन आफ ए सिलेक्टिव पेप्टिटाइड इनहैबिटर्स फार थाईमाईडिन मानोफास्फेट किनेज आफ मायकोबैक्टेरियम ट्यूबर कुलोसिस। जे मोल मॉडल 2010; अगस्त 11)ई पब अहेट आफ प्रिंट)।

667. कुमार एम, सुन्दरमूर्ति जे सी, मेहरा एन के, कौर जी, राजा ए,। सेलुलर इम्यून रिस्पोंस टू मायकोबैक्टेरियम ट्यूबर कुलोसिस स्पेसिफिक इंटीजन कल्चर फिल्ट्रेट प्रोटीन - 10 इन साउथ इंडिया। मेड गाइब्रोबायल इम्यूनोल 2010 ; 199 : 11-25

668. कुमार एम, तंवर एम, सक्सेना पी, शर्मा पी, दादा आर,। आइडेटीफिकेशन आफ नावेल माइटोफोनड्रियल म्यूटेशन इन लेबर्स हेटोडिट्री ओप्टिक एट्रोफ्फी। मोल क्सि 2010; 16 : 782-92

669. कुमार एम, वर्मा एस, शर्मा एस, श्रीनिवास ए, सिंह टी पी, कौर पी,। स्ट्रक्चर क्सेड इन सिल्को डिजाइन आफ ए हाई एफिनीटी डिपेप्टाइड इन हैबिटर्स फार नावेल प्रोटीन ड्रग टारगेट सिकीमेट काइनॉज आफ मायकोबैक्टेरियम ट्यूबरकुलोसिस ब्रेम बायो. ड्राग डिस 2010; 76 : 277-284

670. कुमार एन, दास पी, कुमार डी, कृपलानी ए, रे आर। पेल्पिक एक्टिनोमापोकोसिस मिनिकिंग : एन एडवांस ओवेटियन कैंसर-1 इंडियन जे पैथोल माइफ्रोबायल 2010; 53 : 164-5

671. कुमार पी, सेन एम के, चौहान, डी एस, कटोच वी एम; सिंह एस, प्रसाद एन के,। एसेस्मेंट आफ दि ए पीसीआर एसे इन डायगनोसिस आफ प्लुटाल ट्यूबर कुलोसिस : डिटेक्शन आफ एम ट्यूबरकुलोसिस इन प्लुरल फ्लुड एंड स्पुटम कलेक्टेड इन डेनडेम। सी एल ओ एस का 2010; 5.5 : 1-7

672. कुमार आर, आनंद ए, डोगरा पी एन, सेट ए, गुल एन पी,। सेफ्टी एंड इफिकेसी आफ ए सुपिरियर कैलोरियल पंकचर इन पेडिपारिक्स पील सी एन एल : इंट जे यूरोल 2010; 17 (सली) : पी पी 29 - 48, ए 316

673. कुमार आर, चावला एम, बसु एस, आल्वी ए,। पेट एंड पेट सीटी इमेजिंग इन ट्रीटमेंट मलीटरिंग आफ बेस्ट कैंसर। पेट गिलनिक्स 2010; 4 : 359-370

674. कुमार आर, हालनैयक डी, बसु एस, मल्होत्रा ए। क्लिनिकल आलीकेशन आफ पेट सीटी इन ऑनकोलोजी। इंडियन जे कैंसर 2010; 47 : 100-19

675. कुमार आर, हेमल ए के,। रिट्रोपेरिटोजियल रीनल लेप्रोस्कोपी इंट यूरोल नेफ्रोल 2010 दिस 17 (ई पब - अहेड आफ प्रिंट) प. मेड पी एम आई डी : 21165699

676. कुमार आर, लाल एन, धनपति एच, लाल एच, मल्होत्रा ए, सूद ए। टी सी 99 एम - डीमेक पटोसुकसिन एसिड एंड टी सी 99 एम डीथाईलेनेट्राईमाइन पेनटास्टिक एसिड रोनल स्केन डिडेक्शन ""रिवर्स हासेलू कीडनी"" क्लिन न्यूक्लियर मेडि. 2010; 35 : 33 टी- 40

677. कुमार आर, मुखर्जी एन, गुप्ता एन पी,। इन यूसुफसेप्शन वासोदिसि- डायमोस्टोमी विध लोगोडयूडनल शुटर प्लेसमेंट फार ऑडियोपैथिक ओब्सट्रक्टिव एजोसजर्मिया। जे. यूरोल 2010; 183 : 1489 - 92

678. कुमार आर, मुखर्जी एस,। ""4 x 4 वासो वासोस्टोमी"" ए सिम्पलीफाइड तकनीक्स फार बासटेक्टोमी रिवर्सल। इंडियन जे यूरॉल 2010य 26 : 350-2

679. कुमार आर, रीना के एच, राय एस बी,। डायरेक्ट इंटरस्पाइनल एडमिनिस्ट्रेशन आफ लोपरामाइड प्रोडक्टस एनलजिया ड्यूरिंग पोस्ट आपरेटिव पेन इन रैट्स। इंडियन जे फार्माकॉल 2010; 42 (सप्ली 2) : एस 122-123

680. कुमार आर, सक्सेना वी, आनंद ए, डोगरा पी एन, सेठ ए, गुप्ता एन पी,। चेस्ट कप्लीकेशन फालोइंग सुप्राकोस्टल पंकचर आर मोर कामन आन दि राइट साइड। इट जे. यूटॉल 2010 : 17 (सली) : पी पी 29-48, ए 316

681. कुमार आर, सक्सेना वी, बीलाल, एम, वेकटेंश एस, दादा आर,। रिएक्टिव आक्सिजन स्पेसीज लेवस इन दि सीमेन एंड इट्स कोरीलेशन विध अंडर रवेमेन पैरामीटर्स जे. सेक्स मेडि. 2010 : 7 (सली 4) : 205

682. कुमार आर, शालीमार, भाटिया बी, खनल एस, श्रीनिवास वी, गुप्ता सी डी, एट ऑल एटीट्यूबरकुलोसिस थिरेपी इनड्यूस्ड एक्यूट लीवर फेल्पोर : मैगनीडयूड प्रोफाइल प्रोगनोसिस एंड प्रिडिक्टर्स आफ आउटकम। हिपेटोलोजी 2010; 51 : 1665-74

683. कुमार आर, संदल वी, शमीम एस ए, धनपति एच, मल्होत्रा ए। पेट/पेट सीटी इन पेडियाट्रिज्स मैलिगनेसिस एक्सपर्ट रिव्यू एंटीकैंसर थिरे 2010, 10 : 755-68

684. कुमार आर, संदल वी शमीम एस ए, जेफ एस, सिंह एच, मल्होत्रा ए। रोल आफ मेट सीटी इन रिफटेंट रीनल सेल कार्सिनोमा न्यूक्लि मेडि कामन 2010; 31 : 844-50

685. कुमार आर, संदल वी, शमीम एस ए, मल्होत्रा ए, रोल आफ एंड पैट/ पेट सीटी इन एंटीकैंसर ड्रग थिरेपी रिस्पोंस इवैल्यूएशन। दि ओपन कांफ्रेस प्रीसिडिंग जोनरल, 2010; 1 : 91-87

686. कुमार आर, दि एसोनिएशन बिटाविन स्मोकिंग एंड मेल फर्टीलिटी एंड सेक्सुअल हेल्थ। इंडियन जे कैंसर 2010; 47 सप्ली 1 : 107-8

687. कुमार एस, अहूजा वी, विष्णु भाटला एस, प्रसाद के, कुमार ए। करकुमीन फार मेनटिनेंस आफ रिमिशन इन अल्सरेटिव कोलाइटिस (प्रोटोकॉल)। दि कोव्रेन लाइब्रेरी 2010, इशू 3

688. कुमार एस, बहेरा बी, फारूखी के, शर्मा वी, माथुर पी, इफिकेसी आफ ए शार्ट ब्रोस एंटीबोयाटिक पोफिलैक्सिस फार ओपन रिडक्शन आफ क्लोंड फैक्सर्च : फर्स्ट रिपोर्ट फ्राम इंडिया। जे एसो फिजिशिर्यस इंडिया : 2010; 58 : 124- 5

689. कुमार एस, गुलेरिया आर, मोहन ए, सिंह वी, अली ए, भारती ए सी एटऑल। यूटिलिटी आफ प्लाज्मा ट्यूमर नेव्रोसिसि फैल्टर्स अल्फा एंड ट्रंसफार्मिंग ग्रोथ फैक्टर बीटल एज प्रिडिक्टर्स आफ सवीइपल एंड ट्रीटमेंट आउटकम इन एडवांस्ड नान स्माल सेललंग कार्सिनोमा। बायोमार्कर्स 2010; 15 (5) : 446 - 53

690. कुमार एस, गुलेरिया आर, मोहन ए, सिंह वी, भारती एसी, दास बी सी,। इफिकेसी आफ प्लाज्मा टी जी एफ - एट ऑल लेबल इन प्रीडिक्टिरिंग थेटोपिटिक इफिकेसी एंड प्रोगनोसिस इन पेशेंट्स विध एडवांस नान स्माल सेल लंग कैंसर। कैंसर इनवेंस्ट 2011 एट ऑल 29 (3) : 202-7

691. कुमार एस, गुलेरिया आर, सिंह वी, भारती ए सी, मोहन ए, दास बी सी,। इफिकेसी आफ सर्कुलेटिंग प्लाज्मा डी एन ए एज ए डायगनोरिटक अल फार एडवांसड नान स्माल लंग कैंसर एंड इट्स प्रिडक्टिव यूटीलिटी फार सर्वाइकल एंड रिस्पोंस टू कीमोथिरेपी। लंग कैंसर : 2010; 70 (2) : 211-7

692. कुमार एस, गुलेरिया आर, सिंह वी, भारती ए सी, मोहन ए, दास बी सी,। प्लाज्मा डी एन ए लेवल इन प्रिडक्टिन थिटैपिटिक इफिकेसी इन एडवांस्ड नान स्माल सेल लंग कैंसर; यूरो, रिस्पा जे 2010; 36 (4) 885-92

693. कुमार एस, गुलेरिया आर, सिंह वी, भारती ए सी, मोहन ए, दाश बी सी प्लाज्मा न्यूक्लोरिनोग लेवल्स माइट प्रिडिक्ट रिस्पोंस टू थिरेपी इन पेशेंट्स विध एडवांसड नान स्कामल सेल लंग कैंसर। क्लिन लंग कैंसर, 2010; 11 (1) : 36-44

694. कुमार एस, गुलेरिया आर, सिंह वी, भारती ए सी, मोहन ए, दाश बी सी लैस आफ यूटीलिटी आफ प्लाज्मा टी एन एफ - एल्फा लेवल इन प्रिडिक्टिंग थेरोप्टीक इफीकेसी इन पेशेंट्स विध एडवांसड नान स्माल सेललंग कैंसर। साइटोकैन 2010; 51 (3) : 245-8

695. कुमार एस, जैन एस, बिहारी जे, एवेल्वी वी डी, माथुर आर, इफेक्ट आफ मैगनेटिक फिल्ड ऑन फूड आन फूड एंड वाटर इनटेक एंड बॉडी पेट आफ स्पाइन कोर्ड इनजुर्ड रैट्स इंडियन जे एक्स बायोल 2010 अक्यू; 48(10) : 582-6

696. कुमार एस, कामेश्वराचारी पी, रे आर, जेंएट वाल्व ट्यूमर डयू टू ट्यूबर कुलोसिस इंट जे. गायनाकोल ओब्स 2010; 110 : 69-70

697. कुमार एस, नकवी आर, खन्ना एन एंड राव डी एन। डिसरप्शन आफ एच एल ए - डी आर रेफ्ट; डिरेगुलेशन आफ लैक - जौप 70 सी बी आई बी व्सिचेज एंड एम आई आर 181ए टुवर्ड टी सेल हाइपोरिस्पोसिवनेस इन लेप्रोसी भोल इम्यूनोमोल 2011; 48, 1178-1190

698. कुमार एस, शर्मा एस, नारबो टी, डोल्मा डी, नोरवा ए, स्तोब्दन एट ऑल पापुलेशस वेस्ड स्टडी टू एसेस प्रिवलेंस एंड रिस्क फैक्टर्स आफ गैस्टोइसोफेगले रिफलेक्स डिसीज इन ए हाई एल्टीडयूड एरिया। इंडिया जे. गैस्टोइंट्रोल 2011; 30 : 135-43

699. कुमार एस, शर्मा टी, फारूखी के,। ट्रीटमेंट आफ पोस्टिसिल कुसिएट एवल्सन फैक्चर्स यूजिंग बर्क एंड स्कैफर्स एवोय केस सीरिज आफ सिपेशेंट विध 12 मंथ फालो अप यूरोपीयन जोनरल आफ आर्थोपेडिक्स सर्जरी एंड ट्रामेटोलोजी (एक्सेप्टेड 22-1-2011)

700. कुमार एस, सिंह एन, मिश्रा बी, दूबे डी, सिन्हा एम, सिंह एस बी, डे एस, कौर पी, शर्मा एस, सिंह टी पी, माडूलेशन आफ इन हैबिटरी एक्टिविटी आफ जाइलेंस ए मल्टीफेमस एंट एमाइलेज इनहैबिटर्स प्रोटीन (एक्स ए आई पी) : बाइडिंग स्टडीज एंड व्रिस्टल स्ट्रल्चर डिटरमिनेशन आफ एम्स ए आई पी-11 फ्राम स्कैजेक्स मल्टी फ्लोवर एट 1.2 ए रेजूलेश्स। बी एम सी स्ट्रक्ट बोपाल 2010; 10 : 41

701. कुमार एस, सिंह एन, सिन्हा एम, दूबे डी, सिंह एस बी, भूषण ए, कौर पी, श्रीनिवासन ए, शर्मा एस, सिंह टी पी। व्रिस्टल स्ट्रक्चर डिटरमिनेशन एंड इनहैबिटर्स स्टडीज इनहैबिटर्स प्रोटीन (एक्स ए आई पी) फ्राम स्कैजेक्स मल्टीफ्लोर्स एफ ई बी एस जे 2010; 277 : 2868 - 2882

702. कुमार एस, सिंगला एस, सिंह एन, गुप्ता पी,। प्राइमरी ओवेरियन इथिनोकोकोसिस मिमिकिंग एन ओवेरियन कार्सिनोमा : एन अनकामन मास्कैवैरेड इवन इन दि डेवलपिंग वर्ल्ड। एक्टा ओब्स नापको सेकेंड 2010 नवम्बर; 89 (11) : 1495-6

703. कुमार श्याम एस, वर्मा आर, ठाकुर ट्यूबरकुलोसिस इन दि हेड एंड नेक जोनरल आफ ई एन टी मास्टरक्लास वाई आर बुक्स 2010, 3(1) : 121 - 127

704. कुमार वी, गर्ग बी, मल्होत्रा आर,। रिजल्टस आफ टोटल हिप आथ्रोलास्टी फालोइंग एसिटाबुलर फैक्चर्स। जे बोन ज्वाइंट सर्जरी बी आर 2010; 92 - बी, इशू सरली. IV : 552

705 कुमार वी, मल्होत्रा आर, भान एस,। ए प्रोस्पेक्टिव कम्परीजन आफ फिमोरल पेटीप्रोस्थेटिक स्ट्रेस शिल्डींग इन पेशेंट्स इम्पलाटेंड विध 415वां एंड 1/3 पोरोस कोटेड सीमेंटलेंस फिमोरल स्टेम। जे बोन जे सर्जरी 2010; 92- बी इशू ससरली 111 393-94

706. कुमार वी, रविज्योति सिंह, मल्होत्रा आर। फैक्यर्स हिलिंग प्लेटलेट रीच. प्लाज्मा इन आर्थ्रोपेडिक्स। आथ्रोपेडिक्स टूडे 2011 : वायलूम XIII नम्बर 1; 27-31

707. कुमार वी, शर्मा एल, मल्होत्रा आर, फिमोरल पेटीप्रोस्थेटिक स्ट्रेससेल्डिंग फालोंइग सीमेंटलेस टोटल हिप रिप्लेसमेंट। जे. बोन ज्वाइट सर्ज बी आर 2010; 92-बी, इशू रूरली 11 : 304

708. कुमार बी एल, गुरूप्रसाद बी, वाहने वी डी। एटोरवास्टेरिन एक्जीबिट एंटी इनफ्लेमेट्री एंड एंटी - आल्सीडेंट प्रोपरटीज इन एडजुएट इनइयूसड मोनो आर्थ टाइटीस। इनफ्लेमोकोकार्मोफोलाजी 2010; 18 : 303-8

709. कुमावत एम के, खांडपुर एस, एक्यूट ग्राफ्ट सर्वेस होस्ट डीजीज। इंडियन जे. डर्मेटोल पेनटोल लेयरोल 2011; 77 : 217-9

710. कुरपले एन एस, सूरी वी, सूरी ए, सरकार सी, गुप्ता डी के, शर्मा बी एस, महापात्रा ए के। प्रिडक्टिव फैक्टर्स फार अर्ली सिम्टोमेटिक रिफरेंस इन पाइलोलाइटिक एस्ट्रोसाइटोमा। इज एंजियोजेनेसिस हैव ए रोल टू प्लेi जे क्लिस न्यूरोसाइंस 2011; 18 : 472-7

711. कुसुम वाई एस, कुमारी आर, पांडव सी एस, गुप्ता एस के। माइग्रेशन एंड इम्यूनाइजेशस : डिटरमिनेंट्स आफ चाइल्डहूड इम्यूनाइजेशन अपटेक एंमग सोसियोएकोनाममिकिली डिसएडवांटेंजड आइग्रेट्स इन दिल्ली, इंडियाज्। ट्रोपिकल मेडिसीन एंड इंटरनेशनल हेल्थ 2010; 15 : 1326-32

712. कुसुम वाई एस, माइग्रेट्स परसेटशन आन बैरियर्स टू ट्रीटमेंट सीकिंग फगर हाइपरटेंश्स : ए क्वाटिटेंटिव स्टडी फ्राम दिल्ली, इंडिया। स्टीडीज आन इथनो - मेडिलीन, 2010; 4 : 173-6

713. लाहरीया सी, पॉल वी के, बर्डन, रिफरेंशियल एंड कालेज आफ चाइल्ड डेथ इज इंडिया। इंडियन जे पेडियाटिज्स 2010; 77 : 1312-21

714. लक्ष्मी आर, अहमद डी, अब्राहम आर ए, शर्मा एम, वेमपराला के, दास एस, रेड्डी के एस, प्रभाकरन डी। पैरासोनेज जीन क्यू। 92 आर एवं एल 55 एम पोलीमार्फिज्म इन इंडियन विथ एक्यूट मायोकार्डियल इनफ्रेक्शन एंड एसोसएशन विध आक्सीडाइज्ड लो डिनसिटी लिप्रोप्रोटीन इंडियन जे मिड रिस. 2010 अप्रैल; 131 : 522-9

715. लक्ष्मी आर, फाल सी एच, सचदेव एच एस, ओसमांड सी, प्रभाकरन डी, विश्वास एस डी, एट ऑल चाइल्डहूड बॉडी मास इडेक्स एंड एडल्ट प्रो इनफलेमेट्री एंड प्रो-थोरोम्बोटिक रिस्क फैक्टर्स : डेटाफ्राम दि नई दिल्ली बर्थ कोहटी इनट जो इपिडिमियो 2011; 40 (1) : 102-11

716. लक्ष्मी आर, गुप्ता आर, दुरईराज प्रभाकरन, उमा सेठी के, श्रीनाथ रेड्डी। यूटीलिटी आफ डायद ब्लड स्पोर्ट फार मेजरमेंट आफ कोलोस्ट्रॉल एंड ट्रीगलीसीटार्यड इन ए सोर्विलेंस स्टडी। जोनरल आफ डायबिटीज सांईस एंड टैक्नोलॉजी 2010; 4 : 288-262

717. लक्ष्मी आर, सम्पत कुमार, ए । कम्परेटिव वैल्युएशन आफ पोवाइंट आफ केयर गुलेशन मानीटरिंग बाई कोगुचेक एक्स एस कंपरीजन विध स्टैंडर्ड लेबोरेटरी मैथर्ड आई जे टी सी वी एस (2010) 26 : 117-120

718. लाल एस, कृपलानी ए, अग्रवाल एन, कुलश्रेष्ठ वी, क्लिनिकल इफिकेसी आफ माईफिस्ट्रेस (आर यू 486) इन दि मेडिकल मैनेजमेंट आफ रिकरेंट डिप्ली इनफिलेट्रेटिव इंडोमेट्रोनिस। जे मिनीम इनवासिस गाइनकोल 2010 : 17(6) : एस 84

719. लाल एस, कृपलानी ए, अग्रवाल एन, कुलश्रेष्ठ वी, शर्मा एम, इफिकेसी आफ मिफीस्टोन इन रिडयूसिंग इंटरमेशुरल पेनिजिपल ब्लीडिंग इन यूजर्स आफ दि लिवेसोजेस्ट्रिल इंट्रास्टून सिस्टम इंड जे. गायनोको ओब्स 2010 मई 109 (2) : 128-30

720. लाल एस, कृपलानी ए, सावित्रीसोमाया एस, अग्रवाल एन, हिस्ट्रोजोपिक मायोमैक्टोमी : एन इफक्टिव एंड मिनीमली इनवासिव सर्जिकल ऑप्स फार सबमुकोस मायोमा : जे. मिनीम इनवासिव गायनको 2010 : 17 एस 149

721. लाल वी, कांत एस, दिवस आर, राय एस के, विश्वास ए, ए टू साइड हॉस्पिटल बेस्ट स्टडी आन फैक्टर्स एसोसिएटेड थिरेपी। इंडियन जे. पब्लिक हेल्थ 2010; 54 (4) : 179-83

722. लाल वी, कोन एस, दीवान आर, राय एस के, रिजंस फार नान एडरेंस टू एपिरोवायट्रल थिरपी एमंग एडल्ट पेशेंट्स रिसीविंग फ्री ट्रीटमेंट एट ए टेटशीकेयर हास्पिटल इन दिल्ली। इंडियन जे कम्युसिटी मेडि. 2010 : 35 (1) : 172-3

723. लॉन जे ई, बहल आर, बर्ग स्ट्राम एस, भट्टा जेड ए, दारमस्त जी एल, इलियास एम, इगिलस एम, कुरिंगब्रोक जे जे, ली एसी; मेटियालदी एम, मोहम्मद एम, ओसरीन डी, पतिनशन आर, पॉलवी, रामजी एस, सगस्टा ओ डी, सिबलों एल, सिबल एन, वाल एस एन, वुड डी, शॉट जे, चान के वाई, रूदान आई। सेटिंग रिसर्च पेटीओराइट्स टू रिडूस अलमोस्ट वन मिलीयन डेथ फ्राम बर्थ एसफिलेक्सिया वाई 2015, पी एल ओ एस मेडि. 2011; 8 : ई 1000389

724. ली जे वाई, दादा आर, सबनेध ई, कार पी ए, अग्रवाल ए। जेनेटिक्स आफ आजोस्मीमिया यूरोलॉजी : 2011 ; 77 (3) : 598-601

725. ली एस, टसंग ए, केस्लर आर सी, जिन आर, रैम्पसन एन, एंडरेड एल, एल ऑल रैपिड साइकिलिग बायोपोलर डिसआर्डर : व्रास नेशनल कम्यूनिटी स्टडी। बी आर जे साइकेटरी 2010; 196-217-25

726. लियांग डी पी, माइकेल ए एम, सल्सा आई, ब्रोकस ए जी, शर्मा जी, लिम एच एस, अलासदी एम, बाट लो एम, लिच जे, सेम्डर्स पी, यंग जी डी लांग टर्म मेकेसेकल कांसिक्वेसेस आफ परमानेंट राइट दोट्रीकुलर पेसिंग इफेक्ट आफ पेसिंग साइट। जे. कार्डियोवास्क इलेक्ट्रौफिजियोल 2010 अक्तूबर 21 (10) : 1120-6

727. लेंसन फार्म दि हिस्ट्री आफ हार्मोन रिप्लेसमेंट थिरेपी। इंडियन जेफिजिकल फार्माकोल 2010 अप्रैल-जून ; 54(2) : 95-8

728. लिविन्सन डी, लाकोमा एम डी, पितुखोवा एम, साहनबन एम, जासलवोस्की ए एम, एगरमियर एम एट ऑल एसोसिएशन्स आफ सिटियस मेंटल इलनेस विध अर्निग : रिजल्टस फ्राम दि डब्ल्यू एच ओ वर्ल्ड मैटल हेल्थ सर्वेस। बी आर जे साइकेट्री 2010; 297 :114-21

729. लोढ़ा आर, काबरा एस के, प्रोटोकाल बेस्ड ट्रीटमेंट इन पेडियाट्रिक्स इनटेसिव केयर यूनिटस। इंडियन जे पेडियाट्रिक 2010; 77 : 1277-8

730. लिंगदोह बी टी कृपलानी ए, गर्ग पी, माहेश्वरी डी, बंसल आर। पोस्ट हिस्टेक्टोमी मेन्सुरेशन : ए रेयर फिनोमिना आर्च गायनकोल ओब्स 2010 फरवरी 281 (2) : 307-9

731. एम यूनाइस, कुलश्रेष्ठ बी, ए कृपलानी, रीमादादा, एस अग्रवाल एस के कुचेरिया, ए के कारक; एस दत्ता, गुप्ता एवं ए सी अम्मीनी। फैमिलियल प्यारे ग्रेनाइल डायजेनेसिस विध 46, एक्स वाई फार्योटाइप इन थ्री सिबलिंग एंड जोनडोब्लास्टोम (जे बिब्रो इ जी) 2010 वाल्यूम 12(2), पी पी : 170-176

732. एम सोनी, एस माजी, आनंद एस, सिंह यू, ""ए सी ए डी बेस्ड डायनामिक एनालेसिस एप्रोच टू ए के प्रोसथिसिस डिजाइन""। बिब्रोमैव्रेनिका (जे. विब्रो ई जी) 2010 वायलूम 72 (2), पी पी : 170-176

733. एम सोनी, एस माजी, एस आनंद, यू सिंह ""मॉडलिंग एन एवव नी प्रोथोसिस - एक काइनमैट्रिक एप्रोच।"" विब्रोमैकेनिका (जे. विब्रो इंजी)। 2010 वायलूम 12 (2) ; पी पी 215 - 224

734. मबालीराजन यू, अहमद टी, लोगसनथम जी डी; डिंडा ए के, अग्रवाल ए, घोष बी, एल - लार्जिन रिड्यूस्ड माइटोव्रोड्रियल डिसफंक्शन एंड एयरवे इंजूरी इन मुटाइन एलर्जिक एयर वे इनफ्लेमेशन। इंट. इम्यूनोफार्मोकोल 2010; 10 : 1514-9

735. मबालीराजन यू, अहमद टी, लिसगेथम जी डी, जोसफ डी ए, डिंडा ए के, अग्रवाल ए, घोष बी, बेनिफिशियल इफेक्टस आफ हाई डोज आफ एल आर्जिन आन एयरवे हाइपररिस्पोसिवनेस एंड एयरवे इनफ्लेमेशन इन ए मटीन माडल आफ अस्थमा जे, एलर्जी क्लिस इम्यूल 2010ः 125 -35, ई पब 2010 फरवरी, 11

736. माचा एम ए, मन्ना ए, चौहान एस, सियू के डब्ल्यू एवं रहमान आर, ः 14-3-3 जेटा इज ए मालिकुलर टारगेट इन गुगलूस्ट्रोन इन्ड्यूस्ड एप्टोसिस इन हेड एंड नेक हैलर सेल्स बी एम सी कैंसर 2010, 10 ः 655-666

737. माचा एम ए, मन्ना ए, चौहान एस एस, सियू के डब्ल्यू एंड रहमान आर। गुगलुस्ट्रोन (जी एस) इनहैबिटर्स एस टी। निकोटीन माइलेटेड एन एफ के बी एंड स्टैट 3 पथवे इन ऑरल कैंसर एस सी टी 4 सेल्स। कार्सिनोजेनेसिस 2011; 32 ः 368-380

738. माचा एम ए, मन्ना ए, कौर जे, थूलकर ए, चौहान एस एस, शुक्ला एन के, दत्ता गुप्ता एस एंड रल्हन आर ः प्रोगनोस्टिक सिगनीफिकेल्स आफ न्यूक्लियर पी स्टेट 3 इन ओरल कैंसर, हेड एंड नेक. 2011, 33 ः 482-489

739. माचा एम ए, मन्ना ए, चौहान एस एस, सियू के डब्ल्यू। एंड रल्हन आर। गुगलुस्ट्रोन इनहैबिटर्स एस टी। निकोटिन इनड्यूसड फास्फोरेलेशन आफ बेड; बॉक्स बाई माइलेश्स आफ पी आई 3 के। एकेटी पथ वे इन हेड एंड नेफ कैंसर सेल्स। पी एल ओ एस वन 2011, 6(2) ः ई 147-28

740. माचा एम ए, मन्ना ए, श्री राम यू, लक्कर ए, शुक्ला एन के। दत्ता गुप्ता एस, रल्हन आर। क्लिनिकल रिगनीफिकेरेन आफ टी सी 21 ओवर एक्सप्रेशन इन ओरल कैंसर। जे आरल पैथोल मेडि 2010 जुला; 39 (6) ः 477-85

741. मधुमती जे, प्रतिबा डी, प्रिंस पी आर, जेयप्रिता पी जे, राव डी एन, कालीराज पी। ब्रुसिपल इपिटोप्स आफ ओयिरिया बैव्रोफिटी एंबडेंट लारवल ट्रासक्रिप्ट रिकोनाइज्ड इन नेचुरल इन्फैक्शन। यूरोर जे क्लि माइफाबायल इंफेक्श डिस 2011, 29 ः 1481-1486

742. मधुमती जे, प्रिंस पी आर, अनुग्रह जी, किरन पी, राव डी एन, रेड्डी एम वी आर एंड कालीराज पी। आइडेंटिफिकेशन एंड फैरेक्टराइजेशन आफ नेमाटोड स्पेसिफिक प्रोस्पेटिव इटियोटस आफ मालाई टी आर एम्स टूप ई डेवलपमेंट आफ सेंथिटिक पैक्सिन फंस्ट्रक्ट फार लिम्फेटिक फिलारियाग्सि वैक्सन 2010, 28 ः 5038-5048

743. मधुसूदन के एस, श्रीवास्तव डी एन, गामनगट्टी एस, जिएंट हिमेनजियोमा आफ लीवर प्रजेंटिंग एज डीप देन थ्रोम्बोसिस आफ दि लोवर लिम्बस। जे पोस्टगार्ड मेडि. 2009 ; 55 ः 290-1

744. मधुसूदन के एस, श्रीवास्तव डी एम, गामनगट्टी एस, मल्टीफोकल इपिथिलोड हिमैनजियो इंडोथिलियोमा प्रजेंटिग विध हिमो-टिसिस। इंडियन जे. पेडिया 2010 ः 699-700

745. महाजन ए, तब्बसुम आर, चावाली एस, द्विवेदी ओ पी, चौहान जी, टंडन एन, एट ऑल। ओब्सिटी डिपेंडेंट एसोसिएशन आफ टी एन एफ - एल टी ए लोकस विध टाइप-2 डाप बिटीज इन मार्थ इंडियन्स। जे भोल मेडि (बर्ल) 2010; 80 (5) 515-22

746. महाजन सी, रथ जी पी, बिट्ठल पी के, प्रभाकर एच, यादव आर, दूबे एस के, लोकल वार्मिंग एट इजैक्शन सारट हेल्पस एलिवेट पेन आफ्टर रोकोकोनियम एडमिनिस्ट्रेश्स। जे. एनथसि 2010; 24 (6) ः 845-8

747. महाजन सी, रथ जी पी, एनेथेटिक मैनेजमेंट इन चाइल्ड विध फंटोनेजल इनसेफोलोसिल। जे. एनेस्थिटिक्स क्लिस फार्मोकोल 2010; 26(3) ः 421-2

748. महाजन सी, एच जी पी, इज इंटराआपरेटिव कार्डिक एरेरिन्ट एनफ फार कैसेलेक्स आफ सर्जरी इन पेशेट्स विध न्यूरॉल ट्यूब डिफेक्टं जे म्यूरो सर्जरी एन्सथिजियोलोजी 2011; 23 (1) ः 59-60

749. मायमोन एल, फिलीबर्ट पी, कामाजबी, आर्डस एफ, बाउचर पी, फेनीफेल पी एल ऑल। फिनोटाइपिफल बायोलॉजिकल एंड मालिकुलर हिट्रोजेनिटी आफ 5 ए - रिडक्टॉज डिफिसेंसी ः एन एक्सटेंसिव इंटरनेशनल एक्सपियंस आफ 55 पेशेंट्स जे. क्लिस इंडोफिलनोमा मेटाबोलि. 2011; 2 ः 296 - 307

750. माजी के आर, सूद एम, सागर आर, खंडेलवाल एस के, ए फालोअप स्टडी आफ फेमिली बडन इन पेशेंट्स विध बायोपोलर एफेक्टिव डिसआर्डर। इंट रजे. सोस. साइक्रेट्री 2011 मार्च 18. (ई पब अहेड आफ प्रिंट)।

751. मखारिया जी के, अनिल के, वर्मा, बिनविक अमरचंद, अनिल गोस्वामी, प्रशांत सिंह, अभिषेख अग्निटोगी, फैजल सुहैल, आनंद कृष्ण प्रिवलेंस आफ इरिटेबल बाउल सिंड्रोम ः एक कम्यूनिटी वेस्टड स्टडी फ्राम नादर्न इंडिया। जे. न्यूरोगेस्ट्रोइंट्रोलोजी मोटिल 2011 जन; 17 (1) ः 82-7 ई पब 2011 जनवरी 26

752. मखारिया जी के, श्रीवास्तव एस, दास पी, गोस्वामी पी, सिंह यू, त्रिपाठी एम, एल ऑल। क्लिनिकल इंडोस्कोपिक एंड हिस्टोलॉजिकल डिफरेंसिएशन बिटविन व्रोहेन डिजीज एंड इंटस्टाइनल ट्यूब कुलोसिस। एम जे. गैस्ट्रोइंट्रोल 2011; 105 ः 642-51

753. मखारिया जी के, वर्मा ए के, अमर चंद आर, भटनागर एस, दास पी, गोस्वामी ए, एट ऑल। प्रिवलेंस आफ सैलिक डिजीज इन दि नादर्न पार्ट आफ इंडिया : ए कम्यूनिटी बेस्ट स्टडी। जे. गैस्टोइंट्रोलो हिपेटोल 2011; 26 : 894-900
754. मखारिया जी के, वर्मा ए के, अमर चंद आर, गोस्वामी ए, सिंह पी, अग्निहोत्री ए, एट ऑल। प्रिवलेंस आफ इरिटेबल बाउल सिंड्रोम : ए कम्यूनिटी बेस्ड स्टडी फ्राम नादर्न इंडिया) जे. न्यूरोगैस्ट्रोइंट्रोल मोटिल। 2011; 17 : 82-7
755. मखीजा एन, फिस यू, झा आर के, कुमार एल, कैन कम्पलेक्स इंटीग्रेटेड कम्प्यूटर कंट्रोल्ड मल्टीसिस्टम एनसिविसिया वर्क - स्टेशन प्रिवलेंस ड्रग इर्र्सi जे. एनचियोल क्लिस फार्माकोल 2011; 27 (1) : 128-145
756. मखीजा एन, सिंह आर, किरन यू, फेकसी एम, चौधरी एम, मिसेंट्रिक इस्केमिया अकरिंग एज ए लेट फंलीकेशन आफ्टर ओरटा फिमोरल बाइपास। इंडियन जे. एन परिथसिया 2011; 55 : 57-60
757. मालेकर डी, शिव प्रसाद वी एम, मखीजा एन, तलवार एस, चौधरी एस के,। फास्ट ट्रेकिंग इन कार्डिक सर्जरी : इज इट पासीबल इन दि इंडियोज सेनारियो i इंडिया जे. थोरोक कार्डिकोवास्कु सर्ज 2010; 26 : 121-4
758. मल्होत्रा एन, सुमाना जी, सिंह ए, डेका डी, मित्तल एस, रेप्यर आफ ए मैलिगनेंट ओवेरियन ट्यूमर इन प्रिगनेंसी प्रजेंटिग एज एक्यूट एब्डोमेन। आर्च गायानोकोल ओब्स टैक 2010 मई; 281 (5) : 959-61
759. मल्होत्रा आर, खन्ना ए, हिप रिसरफेसिंग इन इनफ्लेमेट्री आर्यटाइटिस जे. आथ्रोप्लास्टी ई पब 2011 मार्च 17
760. मल्होत्रा आर, कुमार वी, गर्ग बी,। दि यूज आफ ट्रॅान एक्जामिन एसिड टू रिड्यूस्ड ब्लड लॉस इन प्राइमरी सीमेंट लेस टोटल हिप आथ्रोप्लास्टी। यूरो जे. आथ्रोपेडिक सर्जरी ट्रामोटोल 2011; 21 : 101-4
761. मल्होत्रा आर, ए ए ओ एस 2011 एनुवल मीटिंग आथ्रोपेडिक्स टूडे 2011; वायलूम ज्रररू नम्बर 1 : 8-14
762. मल्होत्रा आर, बेस्ट थिंग नेक्स टू बोन; आथ्रोपेडिक्स टूडे 2010; वायलूम ज्ररू नम्बर 4 : 152-154
763. मल्होत्रा आर, करेंट कन्सेप्ट्स इन आथ्रोप्लास्टी। आथ्रोपेडिक्स टूडे 2010; वायलूम ज्ररू नम्बर 3, 104-105
764. मल्होत्रा आर, स्टेम दि रूट आथ्रोपेडिक्स टूडे : वायलूम ज्ररू नम्बर 2, 55-58
765. मलिक जे. मान एम के, रे पी, नेचुरल इम्यूनिटी टू रोटावायरस इन्फेक्श्स इन चिन्ड्रेन। इंडियन जे. बायोकेम बायो फिजिक्स 2008; 45 219-28
766. मलिक से, गुप्ता एस के, भटनागर एस, भान एम के, रे पी, बैलुएशन आफ आई एफ एन ट्रॅामा रिस्पोंस टू रोटा - वायरस एंड नान स्टूफयरल प्रोटीन एन एस पी 4 आफ रोटावायरस इन चिल्ड्रेन फालोइंग सीवर रोटावायरस डायरिया। जे. क्लिस वायरोल 2008; 43 : 202-6
767. मलिक एम, चौहान एस, घरादे पी, मलिक वी, व्हॉट विल न्यू यूरोस्कोप 2010 आफ्टरi एन कार्डिक एनसथि. 2011; 14 (1) : 60-61
768. मलिक एम; चौहान एस, मलिक बी, गरादे पी, किरन यू, पांडे आर एम, इज यूरो स्कोर एप्लीकेशन टू इंडियन पेशेंट्स अंडरगोइंग कार्डिक सर्जरीi एन कार्ड एनसथि 2010 सितम्बर - दिसम्बर; 13 (3) : 241-5
769. मलिक एम, मलिक वी, चौहान एस, धवन एन, "फेटामाइन इटोमाइडेट फार चिल्ड्रेन अंडरगोइंग कार्डिक फैथराइजेश्स" एशियन कार्डिवासफु थोटो एनल्स; 2011 : 19
770. मलिक पी एस, बक्शी एस, रीनल इम्पेयमेंट डयू टू व्हाइट सेल लाइसिस आफ्टर जी - सी एस एफ एंड किमोथिरेपी ड्यूरिंग पेडियाट्रिक आटोलोगस स्टेम सेल ट्रंसप्लांटेशन। जे. पेडियाट्रि. सिमोटोल ऑनकोल 2010; 32 : 416-417
771. मलिक एस आर, दास पी, शुक्ला बी, कोठारी एस, देव गौरव वी, रे आर। राइट आर्टीयल माइल्सोमा विध ग्लैंडूलर डिफरेंससिएशन : ए रेयर इंट्री इन पेडियाट्रिक ऐज ग्रुप। एल पेडिया काडियोल 2010; 3 : 159-62
772. मालोन जे, गुलेरिया आर, ग्रेवन सी, हार्टन पी, जारक्निन एच, मायो जे, एट ऑल। जस्टिफिकेशन आफ डायगनोस्टिक मेडिकल एक्सपोजर्स सम प्रैक्टिकल इशूज, रिपोर्ट आफ एन इंटरनेशनल एंटोनिक इंनर्जी एजेंसी कंसलटेशन। बी आर रेडियोल 2011
773. मंडल बी, कपूर पी एम, चौधरी यू, किरन यू, चौधरी एम। एक्यूट हियोडायनामिक इफेक्ट्स आफ इनहेटैड नाइट्रोग्लिसटीन, इंटराव0नस नाइट्रोग्लिसरीन, एंड देयर कोरिलेशन विध इंटरावेंशन डूटामाइन इन पेशेंट्स विध सेकेंडरी पुल्मोनरी हाइपरटेंशन। एनल्स आफ कार्डिक एनसथिजिया 2010; 13 (2) : 138-44
774. जैसवाल एम, अमित के, डिंडा, आशीष गुप्ता एंड बीना कौल। ""पोलिकैप्रोलेक्ट्रॅान डाइएब्रेलेट व्रासलिक्ड बायोडिग्रेडेवल सेमी - इंटरप्रजेंटिग नेटवर्क्स आफ पोली एव्रेलेमाइड एंड जिलेटिन फार कंट्रोल्ड ड्रग डिलीवरी"", 2010 बायोमेडि मेटर 5065014

775. मनीवल पी, शर्मा ए, राजेश्वरी एम आर, खान एफ एन। सिनथैसिस, व्रिस्टल स्ट्रक्चर एंड एंटी पोलिफरेटिव एक्टिविटी आफ सम आइसोकोमारीन एंड देयर थियो एनालोगस, फास्फोरस, सल्फर एंड सिलीकॉन एंड दि रिलेटेड एलीमेंट्स 2010; 185 : 387-393

776. मन्जूनाथ वाई सी, सेठ ए, कांडपाल एच, दास सी जे। रिमुटायड आर्थेराइटिस : स्पेक्ट्रम आफ कम्पयूटेड टोमोग्राफिक फाइडिंग इन पुल्मोनरी डिजीजेज। कर, प्रोब्ल डायगा रेडियोल 2010; 39 : 235-46

777. मानन एन, शर्मा एम सी, बहादुर एस, मालाकोप्लाकिया आफ दि वालिकुला भासकुरैडिंग एज ए मैलिगनेंसी इयर नोज थ्रोट जे 2011; 90 : 17-9

778. मनोहरन एन, त्यागी बी बी, रैना वी, कैंसर इसीडेंसेस इन रूरल दिल्ली 2004-05, एशियन पैसिफिक जोनरल आफ कैंसर प्रिवेशन, 2010, वायूलम नम्बर 1, 73-78

779. मानसूरी एन, त्रिपाठी एम, आलम आर, लूथरा के, रामा किशन एल, प्रवीण एस एट ऑल आई एल - 6 - 174 जी/ सी एंड ए पी ओ ई जीन पोलीमार्फिज्म इन अल्माइजर एंड वास्कुलर डेमिनिया पेशेंट्स अटैडिंग द कांग्सेटिव डिसआर्डर क्लिनिक आफ दि आल इंडिया इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस, नई दिल्ली। डिमेंट जेटायाट्रि. कांग डिसआर्ड 2010; 30 : 461-8

780. मर्दा एम के, रथ जी वी, भारती एस जे, नारंग के एस, स्पोटेनियस पेटिलेशन टू मानीटर बेनस्टेम परफ्यूजन : एन ओल्ड कंसेप्ट रिविजेटेड। यूरो जे. एनसथिसियोल 2010; 27 (8) : 759-60

781. मारवाह आर के, खड्गावत आर, टंडन एन, कंवर आर, नारंग ए, शास्त्राळ ए, एट ऑल। रिफरेंस इंटरवल्स आफ सीरम कैल्सियम, आयोनाइज्ड कैल्सियम; फास्फेट एंड अल्फाइन फास्फेटॉज इन हेल्थी इंडियन स्कुल चिन्ड्रेन एंड एडोलेसेंट। क्लिस बलोकेम 2010 अक्तूबर; 43 (15) : 12169

782. मारवाह आर के, टंडन एन, अग्रवाल एन, पूरी एस, अग्रवाल आर, सिंह एस, एट ऑल। इम्पेल्ट आफ टू रेजीमेंस आफ विटामिन डी सप्लीमेंटेशन ऑन कैल्सियम विटामिन डी - पी टी एच एक्सिस आफ स्कूल गर्ल्स आफ देहली। इंडियन पेडिया ट्रि. 2010; 47 (9) : 761-9

783. मारवाह आर के, टंडन एन, देसाई ए, कंवर आर, मनी के। आयोडीन न्यूट्रीशन इन अयर सासेसियोइफोनामिक स्कूल चिल्ड्रेन आफ दिल्ली। इंडियन पेडिया. 2010; 47 (4) : 335-8

784. मथान जी, फातिमा जी, सक्सेना ए के, चंदन बी के, जग्गी बी एस, गुप्ता बी डी, फोजी, बालासुन्दरम सी; आनंद राजन के डी, कुमार वी एल, कुमार वी, कीमोप्रिवेंशन विध एक्यूज एक्स्ट्रेक्ट आफ बुटिया मोनोस्पर्मा फलोवर्स रिजल्स इन नाभिलाइजेशन आफ न्यूक्लियर माफ्रोमिट्री एंड इनहैबिटेशन आफ ए प्रोलीफरेशन मार्कर इन लीवर ट्यूमर। फिटोथर रिसर्च 2011; 25 : 324-8

785. मैथ्यूज वी, जार्ज बी, जीजिना एफ, रोज सी, नायर आर, एप्टे एस, नारायणन जी, शर्मा ए, लक्ष्मी डे एम, विश्वबंध ए। चंदामराई ई, बालासुब्रमणियम पी, श्रीवास्तव बी, श्रीवास्तव ए, चंडी एम, सिंगल एजेंट आर्सेनिक ट्राईआक्साइड रिज्म फार दि ट्रीटमेंट आफ न्यूली डायगनोज्ड एक्यूट प्रोमिलोसाइट ल्यूकेमिया : इनिसियल रिजल्स आफ ए मल्टीसेंटर रेज्माइज्ड कंट्रोल्ड स्टडी फ्राम इंडिया टू स्टडी दि आष्टिमल इयूरेशन आफ आर्सेनिक ट्राईआक्साइड मेनटीनेंस थिरेपी (आई ए पी एल एस जी ओ 4)। ए एस एच एनुवल मीटिंग एब्सट्रेफ्ट 2009; 114 : 2082

786. माथुर पी, बेहरा बी, चतुर्वेदी डी, मिश्रा एम सी। क्लोरोमफिनकोल : इन ओल्ड रियली गोल्डi जे ए पी आई, सितम्बर, 2010, वालयूम 58, पेज 584

787. माथुर पी, गुप्ता ए एट ऑल : सर्जिकल इनटेसिव फेयर यूनिट एसोसिएंटेड इनफैक्शन : एपीडिमयोलोजी प्रिवेंशन एंड मैनेजमेंट। जे. सार्ज साई 2010; (1) : 48-51

788. माथुर एस आर, गुप्ता आर, सेठ ए, अग्रवाल एस, सुब्रमणियम एस, गुप्ता एस डी 1, एसपाइरेशन साइटोलोजी आफ मेसेकाईमल ल्मटोमा आफ दि चेस्ट वाल इन एन इनफेन्ट : ए केस रिपोर्ट1 एक्टा साइटोल 2010; 54 : 63-5

789. मौलिक एस के, कटियार सी के, टर्मिनेलिया अर्जुना इन कार्डियोवैरकुलर डिजीजेज : मेकिंग दि ट्रंनजिशन फ्राम ट्रेडिशनल टू मॉर्डन मेडिसिन इन इंडिया। करेंट फार्मा बायोटैक्नोल 2010 ; 11 : 858-60

790. मेधी के, रैना वी, कुमार एल, शर्मा ए, बक्शी एस, गुप्ता आर, कुमार आर, 1 रिस्पोंस एसेसमेंट आफ पेंशेटज्ञस विध व्रोनिक मायलाएड ल्यूकेमिया रिसीविंग इमाटिनिब मिसाईलेज (सिलकेफ) थिरेपी : एक्सप्रिरीयंस फ्राम ए सिंगल सेंटर इन ए डेवलपिंग कंट्री। ल्यूक लिम्फोमा 2010 अक्तूबररू 51 (10) : 1850-4

791. मील आर, चावला बी, मोहंती बी के, कश्यप एस, बक्शी एस, ओकुलर मोइलोइपिथिलोमा कीमोसिसिवेंटी। ओप्थेल्मोलोजी। 2010 दिसम्बर, 07 (12) : 2440 एट -2 ई पब 2010 अक्तूबर 14

792. मीना के, मिश्रा ए, विक्रम एन, अली एस, पांडे आर एम, लूथरा के। कोलेस्ट्राल ईस्टर ट्रंसफर प्रोटीन एंड एपोलिथोप्रोट्रीन ई जीन पोलीमार्फिज्म इन हाइपर लिपिडिमिक एशियन इंडियन्स इन नार्थ इंडिया। मोल सेल बोकेम 2011, मार्च 5 (ई पब अहेड आफ प्रिंट)।

793. महिला जे, रीता के एच, गुप्ता पी, गुप्ता वाई के, प्रोटेक्टिव इफ्रेक्ट आफ कुरकुमिन अगेस्ट सीजर्स एंड प्रांगनेटिव इम्पेयरमेंट इन ए पेटीलिटिनाजोल काइड इपिलेप्टिक रैट मॉडल। लाइफ साइंस 2010; 87 : 596-603

794. मेहरा एन के, कुमार एन, कांफ्रेंस सीन : दि फोर्थ एशियन कांग्रेस ऑन आटोइम्यूनिटी : मीटिंग हाईलाइट्स। 11-13 सितम्बर, 2009, सिंगापुर। इम्यूनोथिरेपी 2010; 2 : 145-50

795. मेहरा एन के, कौर जी। जेनेटिक आर्कीटेक्चर आफ एच आई वी इन्फैक्शन। एन ए आर आई बुलेटिन 2010; 1, 2-10

796. मेहरा एन के। डिफाइनिंग जेनेरटिक आर्कीटेक्चर आफ दि पापुलेशन्स इन दि इंडियन सबफंटीनेंस। इम्पैक्ट आफ ह्यूमस ल्यूकोसाइट एटीजन डायवर्सिटी स्टडीज। इंडियन जे. हम जेनेटि 2010; 16 : 105-7

797. मल्होत्रा पी, मारवाह आर के, अनेजाएस, सेठ ए, सिंगला बी एम, अश्रफ जी ए2 आल। हाइपोविटामिनोसिस डी एंड हाइपोकैल्सिमक सीजर्स इन इनफैसी। इंडियन पेडिया 2010; 47 (7) : 581-6

798. महरोत्रा एस, जुनेजा आर, नायक एन, पल्वी बी बी, सक्सेसफूल यूज आणु कुनेन इन दि ट्रीटमेंट आफ इला'क्टकल स्ट्रेम इन ए चाइल्ड विध ब्रुगाडा सैड्रोम। जे कार्डियोवासुको इलेक्ट्रोफिजियोल 2010 अक्तूबर 6 (ई पब अहेड आफ प्रिंट)।

799. मेहता एम, महाजन सी, रथ जी पी, मालमपही कलास जीरो एयरवे इन ए 5 इयर ओल्ड चाइल्ड। जे एनसथिसयोल क्लिस फार्माफोल 2010; 26(3) : 570

800. अख्तर एम एस, विश्वास ए, रंजन आर, मीना ए, यादव बी के, शर्मा ए, सक्सेना आर। प्लाज्मीनोजीन एक्टिवेटर इनहैबिटर-1 (पी ए आई-1) जीन 4 जी/ 5 जी प्रोमोटर पोलीमार्फिज्म इज सीन इन हायर फ्रिक्वेंसी इन दि इंडियन पेंशेट्स विध डीप वेन थ्रोम्बोसिस। क्लिस एप्पल थ्रोम्बो हिमोस्ट 2010 अप्रैल 16 (2) : 184-8

801. अरोड़ा एस, रजदीप गुलेरिया, गुरेश कुमार; अंनत मोहन, 1 कोरिलेशन आफ इनफ्लेमेट्री मार्कर्स एंड न्यूट्रीशनल स्टेटस विध सीविरटी आफ डीजीज इन पेशेंट विध स्टेबल क्रोनिक ओब्सट्रक्टीव पुल्मोनरी डीजीज (सी ओ पी डी)। प्रजेन्टेड इन चेस्ट 2010 कांफ्रेस; वसकोवर बी सी, कनाड़ा, अक्तूबर 30 नवम्बर 04 .2010

802. बदजातिया एन, सत्यम ए, सिंह पी, सेट ए, शर्मा ए। एल्टर्ड एंटीआक्सीडेंट स्टेटस एंड लिपिड पेटी आक्सीडेशन इन इंडियन पेगेंट्स विध यूरोथिरल ब्लौडर कार्सिनोमा। यूरोल आनकोल 2010 जुला अगर 28 (4) : 360-7

803. बत्रा आर के, कृष्ण के, अग्रवाल ए। परावट्रीबेल ब्लॉक। जे. एनसथिसियोल क्लिन फार्माकॉल 2011 जनवरी; 27 (1) 5-11

804. भट्ट के, राय चौधरी ए, भूटिया ओ, त्रिखा ए, सेट ए, पांडे आर एम। इक्वलेंस रैडमाइस्ड कंट्रोल्ड ट्रायल आफ बायोरिसोर्बेल वर्सेस टाइटेनियम मिनीप्लेट्स इन ट्रीटमेंट आफ मान डीबुलर फैक्टचर : ए पायलट स्टडी। जे ऑरल मैक्सिलोफेसि सर्ज. 2010 अगस्त; 68 (8) : 1842-8

805. छाबड़ा ए, बैध डी के, प्रोस्पैक्टिव साइनोटिक ब्रीथ होल्डिंग स्पैल्ड इन ए चाइल्ड विथ बर्स्ट डार्ट सिंड्रोम। जे एनस 2010 दिसम्बर, 24 (6) : 982-3

806. छाबड़ा ए, गणेशन जी। इन ईट जस्टिफाइड टू इनजेक्ट-रूज बुपीवेक्सिन प्लस इपाइनफ्रिन इन चिल्ड्रन टू डिटरमाइन इट्स रिलायबिल्टी एज ए टेस्ट डोजां एनसथि. एनलजी 2010 सितम्बर, 111 (3) : 820

807. छाबड़ा ए, कृष्णन के, सीवर पेन एंड हाइपरटेंशन फालोइंग इंटरावेशिकल इनस्टाइलेशन आफ फार्मलीन नेसिसिटेटिंग इपिड्रल एनलजीया। इंडियन जे. एन सथी. 2010 नवम्बर; 54 (6) : 582-3

808. दारलोग वी, चंद्राशीश सी, चंद्रलेखा मोहन बी के, कंपरीजन आफ दि परफार्मेशन आफ ""इनटूबेटिंग एल एम ए"" एंड ""कोबरा पी एल ए"" एज एन एंड टू ब्लाइड इंडोट्रेचियल ट्यूस इनसर्जन इन पेसेंट्स सिडियूल्ड फार इलेक्टिव सर्जरी अंडर जनरल एनसथिजिया। एक्टा एनसथिसियोल ताईवान 2011 मार्च ; 49 (1) : 7-11

809. दास सी जे, गोइनका ए एच, श्रीवास्तव डी एस। एम आर गाइडेड एब्डोमिनल बायोटसी यूजिंग ए 1-5 टेस्ला क्लोज्ड सिस्टम : ए फिजबिल्टी स्टडी। एब्डोम इमेजिंग 2010 अप्रैल, 35 (2) : 218-23

810. देसाई एस डी, शुक्ला जी, गोयल वी, सिंह एस, पदमा एम वी, त्रिपाठी एम, श्रीवास्तव ए, सिंह एम, शिवकुमार के, सागर आर, बिहारी एम, 1 स्टडी आफ डीएसएम- रूज एक्सिस-1 साइफेट्रिक डिसआर्डस इन पेशेंट्स विध रिफरेक्ट्री कम्पलेक्स पार्शियल सीजर्स यूजिंग ए शाट स्टक यर्ड क्लिनिक इंटव्यू। इपीलेटसी बी टैक. 2010 नवम्बर; 19 (3) : 301-5, ई पब 2010 अगस्त 21

811. देसाई एस डी, शुक्ला जी, गोयल वी, सिंह एस, पदमा एम वी, त्रिपाठी एम, श्रीवास्तव ए, सिंह एम, शिवकुमार के, सागर आर, बिहार एम। स्टडी आफ डीएसएम- ख्ख् एक्सिस-1 साइफेट्रिक डिसआर्डस इन पेशेंट्स विध रिफरेक्ट्री कम्पलेक्स पार्शियल सीजर्स यूजिंग ए शाट स्टक यर्ड क्लिनिक इंटव्यू। इपीलेटसी बीहैव। 2010 नवम्बर; 19 (3) : 305-5

812. दत्ता बी, पांडे आर, दारलांग वी, गर्ग आर। लो डोज स्पाइनल एनसथिसिया फार ए पारचुंट विध तकायासु आर्चटाइटिस अंडरगोइंग इमरर्जेसी सिजेरियन सेक्टस। सिंगापुर मेडि. जे. 2010 जून, 51 (6) : ई 111-3

813. फारूकी ए ए, भूटानी एन, कुलशेखर एस, बिहारी एम, गोयल बी, मूर्ति ए। इम्पेयर्ड कन्फलिक्ट मानीटरिंग इन पार्किनसन डीजीज पेशेंट्स ड्यूरिंग एन आकुलोमोटर रिडायरेर्क्ट चस्क। एक्स ब्रेन रिसच 2011 जनवरी; 208 (1) : 1-10

814. गंभीर एच, माथुर आर, बिहारी एम, 1 प्रोगेसिव इम्पेयरमेंट इन मोटर स्किल लर्निंग एट 12 एंड 20 विक्स पोस्ट 6 - ओ एच डी ए - एस एम सी लेजन इन रैट्स। पार्किनसनिज्म रिलेटेड डिसआर्डर 2011 जुलाई; 17 (6) : 476-8

815. गांधी टी, बी के पाणिग्रही; स्नेह आनंद, ""एक्सपर्ट मॉडल फार इपीलेप्टिक सीजर्स डिटेक्शन इन ई ई जी सिग्सेचर"", जे, आफ एक्सपर्ट सिस्टम एंड एप्लीकेशन। एल सीवर। वायलुम 37 (4) : 3513 - 3520, 2010

816. गांधी टी एम, त्रिखा जे, संतोष, स्नेह आनंद, ""डेवलपमेंट आफ एन एक्सपर्ट मल्टीटास्क गजट कंट्रोल्ड बाई बायलेंट्री आई मूवमेंट्स"" जे आफ एक्सपर्ट सिस्टम एंड एप्लीकेशन, एल्सीवर, वायलूम : 37 (6) : 4202 - 4211

817. गर्ग आर, पूंज जे, गुप्ता पी, दारलोंग वी, पांडे आर। पेरीआपरेटिव आटीयल फिबरीलेशन इन फाइव पेशेंट्स रोल आफ एन्जाइटी। जे एनसथियोल क्लि फार्माकोल 2011 जनवरी; 27 (1) : 135 -7

818. गर्ग आर, पूंज जे, पांडे आर, दारलोंग वी। डिलेड रिकवरी ड्यू टू एक्जरेटेड एसिड, बेस एंड इलेक्ट्रोलाइट इम्बैलेंस इन प्रोलोग लापारोस्कोपिक रिपेयर आफ डायाफैगमेटिक हर्निया। सऊदी अरब जे. एमसथः 2011 जनवरी; 5 (1) : 79-81

819. गर्ग आर, त्रिखा ए, सिंह पी एम, निशाद पी के। लाइफ थ्रेटनिंग अर्थिमिया ड्यूट फाल्टी माइक्रोडिब्राइडर ड्यूरिंग नजल साइनस सर्जरी; सऊदी जे. एनएस 2011 जनवरी, 5(1) : 110-2

820. गाजुला एस, माधुर एस आर, आयर वी के, गुप्ता ए के, पवार डी के, अग्रवाल एस। थाटोको एबडोमिनल मैचोर टेटाटोमा इन ए लेफ्ट डायफ्रेगमेटिक हर्निया। इंडियन जे. पेडिया. 2010 मई; 77 (5) : 563-4

821. गोयल पी, डी के गुप्ता। पोस्ट आपरेटिव रिजल्ट्स फालोइंग सर्जरी फार पी यू जे ओ इन चिल्ड्रेन 2010, जोनरल आफ पेडियाट्रिक्स सर्जन्स आफ बंगलादेश, वायलूम।, नवम्बर-1, पी 53-64

822. जैन एस, रिया जाकरी; स्तुती, चट्टोपाध्याय। सी के पी जियानुल आबिद; मनोज कुमार एंड हरप्रीत सिंह। डिटेक्शन आफ एंटी टेटनस टॉक्सि एंटीबॉडी ऑन मेडिफाइड पोलीप्रेलोपाईटिक फाइबर्स। टालांटा 82 (2010) 1876- 1883

823. झा पी, झा पी, पंकज पाठक, कुंजडोन चांसडोल, वैशाली सूटी, मेहर चंद शर्मा, एट ऑल। टी पी 53 पोली मार्फिज्म इन ग्लियोमॉस फ्राम इंडियन पेंशेंट्स : स्टडी आफ फोजेन 72 जीनोटाइप; आर 1642785; आर एस 1000370 एंड 16 बेस पेपर इनसर्जशन इन इनट्रॉन -3 एक्सपेरीमेंटल एंड मालिकुलर पैथालोजी 90 (2011) 167- 172

824. जिंदल एस, तनुज दादा, वी श्रीनिवास, विनय गुप्ता, रमनजीत लिहोरा; अनीता पांडा। कंपरीजन आफ दि डायगनोस्टिक एबिल्टी आफ मोरफिल्डर्स रिग्रेइस एनालेसिस एंड ग्लूकोमा प्रोबेबिल्टी स्कोर यूजिंग हेडबर्ग रेटिनल टोमोग्राफ-ख्ख्ख् इन आईस विध प्राइमरी ओपन एंगल ग्लुकोमा। इंडियन जे. ओत्थगोल : 2010; 58 : 487- 492

825. जिंदल वी, मिश्रा एम सी, बंसल बी के, चौधरी एन, गर्ग एस के, खान आर एन, कृष्ण ए, पंवार आर, रेवारी वी। टेक्निकल चैलेजेज इन लैप्रोस्कोपिक नोलेसिस्टोमी इन साइटस इनवसैस। जे. लेपाटोइंडो स्कोप एड. सर्ज टेक ए 2010 एमैल; 20 (3) : 241-3

826. करमचंदानी के, रेवारी वी, त्रिखा ए, बत्रा आर के। बाईस्पैक्ट्रल इनडेक्स कोरिलेट्स वेल विध रिचमंड एजिटेशन सीडेशन स्केल इन मैकेनिकली वे टिलिटेड ब्रिटफली इन पेशेंट्स, जे. एनस्थ : 2010 जून; 24 (3) : 394-8

827. खेरा आर, जैन एस, कुमार एल, थूलकर एस, विजयराघवन एम, डावर आर। डिफ्यूज लार्ज बी सेल लिम्फोमा : एक्सपियंस फ्राम ए टेरटेरी केयर सेंटर इन नार्थ इंडिया। मेडि. आनको. 2010 जून; 27 (2) : 310-8

828. कुमार एन, तनेजा के के, कालरा वी, बिहारी एम, अनेजा एस, बंसल एस के। जिनोमिक्स प्रोफाइलिंग आइडेंटीफाइड नावेल गुटेशन्स एंड एस एन पी एस इन ए बी सी डी। जीन : ए मालिकुलर; बायोकेमिकल एंड क्लिनिकल एनालेसिस आफ एक्स - ए एल डी केसेज इन इंडिया। पी एल ओ एस वन 2011; 6 (9) : ई 25094

829. कुमार एन, तनेजा के के, कुमार ए, नायर डी, तनेजा बी, तनेजा एस, बिहारी एम, कालरा वी, बंसल एस के। नावेल मुटेशन इन ए टी पी ब्लाइडिंग डोमिन आफ ए बी सी डी। जीन इन एडरीनोल्यूकोमाइस्ट्रोफी। जे. जीनेट 2010 दिसमबर; 89 (4) : 473-7

830. कुमार एस, अमित सेनगुप्ता; सेन आनंद, "" गारकोव बेस्ड मैथिमेटिकल मॉडल आफ ब्लड फ्लो पैटर्न इन फिटल सर्कुलेट्री सिस्टम"", इंट जे आफ कम्प्यूटर एंड नेटवर्क सिक्योरिटी (आई जे सी एन एस); वायलूम 2 (4) : 6-10, 2010

831. कुमार एस, अमोद कुमार, स्नेह आनंद, आश्वथ कुमार, के ""कमुलेटिव पावर स्पेक्ट्रम आफ ई ई जी - ए प्रिडिक्टर आफ अवाक एंड स्लिप स्टैट"" इंट जे. इमर्जिंग टेक्नोलॉजी 1 (1) 27-30 (2010)

832. मेहता एम, पुष्कर एन, सेन एस, शर्मा एस, गुप्ता के, बजाज एम एस, घोष एस। कांगनिटल सिस्टक आई ए क्लिनकोपैथालोजिकल स्टडी। जे पेडिया आप्थोमोल स्ट्राबिसमस 2010; 23-47

833. मेहता एम, पुष्कर एन, सेठी एस, बजाज एम एस, शर्मा एस, राजेश आर, घोष एस। आकुलोओरबिटल मैनीफैस्टेशनस आफ आस्टिया पेट्रोसिस इन एन इंडियन पेशेंट। एन ट्राप मेडि पैरासिटोल 2010; 104 : 275-81

834. मेहता एम, रथ जी पी, पांधी यू पी, मरदा एम, महाजन सी, दाश एच एच। इनटेसिव केयर मैनेजमेंट आफ पेशेंट्स विध एक्यूट इंटरमिटेड पोरफियो क्लिनिकल रिपोर्ट आफ फोर फेसेस एंड रिव्यू आफ लिटचेर। इंडियन जे व्रिट केयर मिड 2010; 14 (2) : 88-91

835. मेहता एम, सेन एस, सेठी एस, पुष्कर एन, बजाज एम एस, चंद्रा एम। लार्ज ओरबिरल हाईडेटिड सिस्ट प्रजेटिंग एज सबकेजीटिवल मास । एन ट्राप मेड पैरासिटोल 2010; 104 601-4

836. मेहता एम, सेठी एस, पुष्कर एन, बजाज एम एस, घोष एस । डिलेड प्रजनटेशन आफ चिल्ड्रेन विध बार्डेनबर्ग सिन्ड्रोम। जे. पेडिया आप्थेमोल इन्ट्राबिमस 2010; 47 : 382-38

837. मेहता एम, सेठी एस, पुष्कर एन, चावला बी, बजाजएम एस, घोष एस। टाइपिकल एंड एटाइपिकल प्रजनटेंशन आफ रेटिनोब्लास्टोमा। जे. पेडि. आप्थोमोल स्ट्राबिसमस। 2010; 47 : 320

838. मेहदीरत्ता एस, वाजपेयी एम, मजुमदार के, चौहान एन के, श्रीनिवास वी। पोलिफक्शनल एनालेसिस आफ गेग एंड नेक स्पेसिफिक सी डी 8 उ टी सेल रिस्पोंसेस इन एचआईबी-1 इनफेक्टेड इंडियन इडिवियुअलस। वैक्सिन 2011, फरवरी 7 ; 29(6) : 1150-8

839. मेनन के सी, स्केफ एस ए, थॉमस सी डी, ग्रे ए आर, फेगसन ई एल, जेडवे एस, सरफ ए, दास पी के, टूरेजा जी एस, पांडव सी एस। कनकरेंट माइव्रोयूट्रिंट डिफिसिएगीस् आर, प्रिवलेंस इन नॉन प्रिगनेंट रूरल एंड ट्राइबल कोमेन फ्रॉम सेंट्रल इंडिया। न्यूट्रिक्स1 2011 अप्रैल 27 (4) : 496-502

840. मेनन पी आर, लोढ़ा आर, सिंह यू, काबरा एस के। ए प्रोस्पेक्टिव एसेसमेंट आफ दि रोल आफ ब्रोव्रोस्कोपी एंड ब्रांकोएलोवर लावेज इन वैल्यूएशन आफ चिल्ड्रेन विध पुल्मोनरी ट्यूबकुलोसिस। जे. आत्थेमोल 2011; 57 : 363-7

841. मेनन वी, सक्सेना आर, मिश्रा आर, फुलझेले एस। मैनेजमेंट ऑफ आप्टिक न्यूराइटिश। इंडियन जे. आत्थोमोल 2011; 59 : 117-22

842. मेरीकंगाज के आर, जिन आर, ही जे पी, केसलर आर सी, ली एस, सेम्पसन एन ए, एट ऑल। प्रिब्लेंस एंड कोरिलेट्स आफ बायोपोलर स्पेक्ट्रम डिसआर्डर इन दि वर्ल्ड मेटल हेल्थ सर्वे इनिसिवेटिव। आर्च जन साइकेट्री 2011; 68 : 241-51

843. मिधा एस, खजुरिया आर, शास्त्राळ एस, काबरा एम, गर्ग पी के,। आइडियोपैथिक व्रोनिक पेनव्रियाटिस इन इंडिया : फिनोटाइपिंग फेरेटराइजेश्न एंड स्ट्रंग जेनेटिक सस्पेबिल्टी ड्यू टू एस पी आई एन के आई एंड सी एफ टी आर जीन मुटेशन्स। गट 2010; 59 : 800-7

844. मिधा एस, श्रीनिवास वी, चटर्जी टी के, काबरा एम, जोशी वाई के, गर्ग पी के। आइडिपोपेथिक व्रोनिक पेनव्रियाइटिस; जयबिटीज एंड स्मोकिंग आर सिंगनीफिकेंट रिस्क फैक्टर्स फार पेनव्रकियाटिक कैंसर : रिजल्टस आफ केस कंट्रोल एंड कोहार्ट स्टडीज (एब्स्ट्रेक्ट)। गैस्ट्रोइंट्रोलोजी; वायलूम 138, इशू द, सप्लीमेंट। पेज एस 551; मई 2010

845. मिलान मोहम्मद बी, कुमार वी, मल्होत्रा आर, मेनिसिकल इंजूरी - मेनिस्कल रिजनरेशन एंड रिपोयर - एन ओवर थू। आर्थोपेडिक टूडे 2010; वायलूम-XII से 2 ; 81-87

846. मिलियन डेथ रूटडी कोलेबोरेश्स; बसानी डी जी, कुमार आर, अवस्थी एस, मोरिस एस के, पॉल वी के, सेठ ए, राम यू, गाफरी एम एफ, ब्लैक आर ई, झा ई,। काजेज आफ न्यूनेटल एंड चाइल्ड मारटेसिटी इन इंडिया : ए नेशनलीटी रिप्रजेनटेटिव मोरटेलिटी सर्वे। लानसेट 2010; 376 : 1853-60

847. मिलो टी, जायसवाल ए के, झामद ए आर, मूर्ति ओ पी। फारेंनिक टोक्सिकोलोजी रिपोर्टिंग एंड इंटर पिटेशसन। ए रिव्यू इंडियन व्रिमनोलोजी किमनालिटीज 2010; XXXI (1) : 76-84

848. मिलो टी, जायसवाल ए के, शिवा प्रसाद वाई, मूर्ति ओ पी। ब्रीथ अल्होल एनालोसिस एंड इंट्स फारेंसिक एप्लीकेशन। जे. फोरेसिंग मेडि टेक 2010; 27 (1) : 55-8

849. मीर आर, कुमार आर पी, सिंह एन, विक्रम जी, सिन्हा एम, भूषण ए, कौर पी, श्रीनिवासन ए, शर्मा एस, सिंह टी पी, स्पेसिफिक इंटरएक्शन आफ सी टर्मिल हॉफ (सी लोब) आफ लेक्टोफेराव प्रोटीन विध इडिबल सुगर्स : बाइडिंग एंड स्टर्क्चरल स्टडीज विध इम्पलीकेशन ऑन डायबिटीज। इंट जे. बायोला मैकोमॉल 2010; 47, 50-59

850. मीर आर, सिंह एन, विक्रम जी, सिन्हा एम, भूषण ए, कौर पी। श्रीनिवासन ए, शर्मा एस, सिंह टी पी। स्ट्रक्यरल एंड बाइडिंग स्टडीज आफ सी- टर्मिनल हाफ (सी लोब) आफ लेक्टोफेटॉन प्रोटीन विध सी ओ एम्स-2 स्पेसिफिक वरन - स्टिटीपड एंटी इनफ्लेमेट्री ड्रग्स (एन एस ए आई डी एस)। आर्चा बलोकेम बायोफिजिक्स 2010; 500 : 196-202

851. मिश्रा बी, श्रीवास्तव वी के, चौधरी आर, सोमवंशी आर के, सिंह ए के, गिल के, सोमवंशी आर, पात्रों आई के, डे एस, एस डी-8 ए नावेल थिटैपिटिक एजेंट एक्टिव एगेंस्ट मल्टी ड्रग्स - रिजस्टेंस ग्राम पोजिटिव कोकसी। एमिनो एसिड 2010; 5 : 1493-1505

852. मिश्रा डी, कालरा वी, सेठ आर, गुलाटी एस, साहा एन। इफिकेसी आफ प्राइज्सोमाइन इन अर्ली आन सेट आडियोपैथिक इनटैक्टेबल सीजर्स इन चिल्ड्रेन। इंडियन जे. पेडियाट्रि. 2010; 77 : 1252-6

853. मिश्रा जे, कारपेंटर एस, सिंह एस, लोक सीरम जिंक लेवल्स इन एन इंडिमिक एरिया आफ विसिरल लेसमेडिसिस इन बिहार, इंडिया। इंडियन जे मिड रिसर्च 2010; 131 : 793-8

854. मिश्रा आर के, ए आर रे, ""सिंथेसिस एंड व्रेक्टराइजेशन आफ पोली (इन - (3- मिथईलेमिनों)) मिथ व्रोइमोइड -को इटाकोनिक एसिड) हाइड्रोजेल फार ड्रग डिलीवरी। जे. एप्लाइड पोलीमर साइं 119(6), 3199-3206 (2011)।

855. मिश्रा एस, बहल वी के, फोटोनरी हार्डवेयर पार्ट-3 बैलुन एंजियोप्लास्टी कैथंटर्स। इंडियन हाट जे। 20 जुलाई - अगस्त; 62 (4) : 335-41

856. मिश्रा एस, बहल वी के, स्टेंट स्टूट फैक्चर आफ्टर पी सी आई। डेमेज टू स्टेन ड्यूटिंग पोस्ट स्टंट डायलेश्स (पोसिबिल्टी विध एन ओवरसीज्ड बैलून) । इंडियन हरि जे. 2010 जुलाई - अगस्त ; 62 (4) : 359-60

857. मिश्रा एस, चावला डी, अग्रवाल आर, देवरारी ए के, पॉल वी के, ट्रंसकुटेनियस विलिसबीन लेक्ल्स इन हेल्दी टर्म एंड लेट प्रीटर्म इंडियन नियोनेट्स। इंडियन जे. पोडयाट्रि. 2010; 77 : 45-50

858. मिश्रा एस, दीपक जोशी, राहूल रिबेरो, स्नेह आनंद, "काइनेमेरिक्स कोअडिनेटेड वाकिंग पैटन वेस्ट ऑन इम्बेडेड कंट्रोल्स्", जे. आफ मेडिकल इजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी, 2010; वालयूम इड, नम्बर 5-6 : 329-334

859. मिश्रा एस, शिव प्रताप सिंह राना, सूर्य प्रसाद उपाध्याय, सुषमा भटनागर। यूज आफ इपिडुरल स्टिरायड एज एन एडजुंट इन न्यूरोपैथक कैंसर पेन मैनेजमेंट ए केस रिपोर्ट : एम जे. हॉस्पि. पालिएट केयर नवम्बर 2010; 27 : 482:485

860. मिश्रा एस, सुषमा भटनागर, फ्रीनी एन, फिलिप एम डी, बसुधा सिंघल, शिव प्रताप सिंह राना, सूर्य प्रसाद उपाध्याय, गोविंदी चौहान। साइफोलोजिकल कंसर्न इन एडवांसड कैंसर पेशेंट्स : एन ओब्जरवेंशनल स्टडी एट रिजनल कैंसर सेंटर; इंडिया। एम जे. स्टडी एट रिजनल कैंसर सेंटर, इंडिया। एम जे. हॉस्पि. पिल्लेअ केकयर। अगस्त, 2010, 27 : 316-319

861. मिश्रा ए, वशीर जे एस, विक्रम एन के, पांडे आर एम, कुमार पी, कटआफ्स आफ एब्डोमिनल एडियोपोज रीशू कम्पार्टमेंटस एज मेजई बाई मैगनेटिक रिजानेंस इमेजिंग फार डिटेक्शन आफ कार्डिया वैस्कुलर रिस्क फैक्टर्स इन अपरैटली हैल्दी एडल्ट एशियन इंडियन इन नॉर्थ इंडिया। मेताब सिन्डैर रिलैंट डिसआर्डर 2010 जून 8 (3) : 243-7

862. मिश्रा एम सी, भट्टाचार्य जी एच के, हेमल ए के, बंसल वी के। लैप्रोस्कोपिक मैनेजमेंट आफ रेयर रिट्रोपेरीटोनियल ट्यूमर्स। सर्ज लेप्रोसकोप इडोकोप परकुटेसियस टेक 2010 जून; 20 (3) : ई 117 - 22 - पी एम ए आई डी : 20551790

863. मिश्रा पी, उपाध्याय आर पी, मिश्रा ए, आनंद के। ए रिव्यू आफ दि इपिडिमियोलोजी आफ डायबिटीज इन रूरल इंडिया। डायबिटीज रिसर्च क्लिन प्रैक्टि. (2011) डी ओ आई : 10.1016/ जे. डायब्रेस 2011.02.032

864. मित्रा डी के, सिंह ए, शर्मा एस के, इंटरएक्शन आफ प्रोग्राम्ड सेल डेथ - 1 (पी डी-1) विध इट्सलिगेंड पीडी लिगेंड। (पी डी -एल 1) हैज ए को इनहैबिटरी फंक्शन इन टी सेल्स ड्यूरिंग ह्यूमन ट्यूबर कुलोसिस। क्लिस इम्यूनल 2010; 135 (सप्ली) : एस 70

865. मित्तल एम, कपूर वी, मोहंती बी के, दास एस एन, फंक्शनल पैरिपेंट आफ सी ओएस -2 एंड रिस्क आफ टोबैको रिलेटेड ऑरल सकामस सेल कार्सिनोमा इन हाईरिस्क एशियन इंडियन (ओरल ऑनकोल 2010; 46 : 622-6

866. मित्तल आर, सिंह डी पी, कपूर ए। निगलेक्टेड पारिलर टेडेंट रेप्यर : प्रीजर्ब दि प्रैट पेड। आर्थोपेडिक्स 2011; 34 : 134

867. मित्तल एस, गुरूनाथ एस, बहादुर ए, सिंह एन, मल्होत्रा एन 1, सोसियोडिमयोग्राफिक - प्रोफाइल आफ इनफर्टाइल बेपल्स रिल्वेस्टिंग एसिसटेड रिप्रोडक्शन इन ए लो - रिसोर्स सेटिंग इन इंडिया। इंट जे. गायनोकोल ओब्सट 2010 अगस्त ; 110 (2) : 159-60

868. मित्तल एस, सहगल आर, अग्रवाल एस, अरूणा जे, बहादुर ए, कुमार जी। सर्वाइकल प्रिमिंग विध मिस ओप्रोस्टोल बीफोर्स मैनुअल वैकुम एसपाइरेश्स वर्सेस इलेक्ट्रिक वैक्यूम एसपाइरेशन फार फर्स्ट - ट्राईमेस्टर सर्जिकल एबोर्सन। इंट जे. गायनोकोल ओब्स 2010 नवम्बर 25

869. मित्तल एस, मीर आर ए, चौहान एस एस पोस्ट-ट्रंसक्रिप्श्सल रेगुलेशन आफ ह्यूमन कैथसिन एल एक्सप्रेशन। बायोल केम. 2011; 392 : 405-413

870. मित्रा पी, सिंह एन, शर्मा वाई जी। प्लाज्योडियम - वीवेक्स : इम्युनोलोजिकल प्रोपरटीज आफ ट्राईपटोफॉन - रिच एंटीजन्स पी वी टी आर ए जी 35-2 एंड पी वी टी आर ए जी 80.6 माइक्रोब्स इनफेक्ट 2010 : 12 : 1019-26

871. मोहन ए, चंद्रा ए, अग्रवाल डी, गुलेरिया आर, ब्रुट एस, गौर बी एट ऑल । प्रिवलेंस आफ वायरस इन्फैक्शस डिक्टेक्टेड बाई पी सी आर एंड आर टी - पी सी आर सी ओ पी डी : ए सिस्टेमिक रिव्यू रिस्पीरोलाजी 2010; 15 (3) : 536-42

872. मोहन ए, चौहान एस, अग्रवाल डी, नायक एस, मुन्नवर एम। यूटीलिटी आफ सेमीटिजिड थोटाकोस्कोपी इन दि डायगनोसिस आफ प्लूरल इफ्यूजन : ए सिस्टेमिक रिव्यू। जे. ब्रोनफोल इंटरनेशनल पुलमोनरीलॉजी। 2010; 17 (3) : 195-201

873. मोहन ए, शर्मा आर, बिजलानी आर एल। स्फेक्ट आफ मेडिरेशन ऑन स्ट्रेस इनड्यूएट चेंजेज इन कागनेटिव फंक्शन्स। जे. एलर्ट कम्पलीमेंट मेडि. । 2011 मार्च; 17 (3) : 207-12

874. माहन ए, सूद आर, गुप्ता एम, विग एम, गुलेरिया आर, खिलनानी जी सी, एट ऑल। हाइपरसिनोफिलिक सिंड्रोम विधि रिकरेंट पुलमोनरी थ्रोम्बोइम्बेलिज्म मास्कवैरिडिंग एज पुल्मोनरी ट्यूबर कुलोसिस । जे. इंडियन एवैड क्लिन मेड 2010; 11 (4) : 316-18

875. मोहंती एम के, दत्ता गुप्ता एस, भटनागर वी। सर्जिकल आउटकम इन रिलेशन टू डक्ट साइज एट दि पोरटा हेपेटिस एंड दि यूज आफ कोलोगकोगस इन पेशेंट्स विधि बाइली एट्रिसिया। ट्रोपिकल गैस्ट्रोइंड्रोलोजी 2010 : 31 : 184-189

876. मोहंती एस, अनिल कुमार, वी श्रीनिवास; ज्योति धवन, सोमेश गुप्ता। नॉन कल्वर हेयर फोलिक आउटर रूट सीथ सेल ससपेंशस फार ट्रंसप्लांटेशन इन विक्टीलिगो। बीआर जे. डमेटोल 2011 : डी ओ आई। 10 .1111/जे. 1365-21133. 2011 : 10234

877. मोहंती एस, कुमार ए, धवन जे, श्रीनिवास बी, गुप्ता एस। डायगनोस्टिक एंड फालोअप सिनोफिलिया इज नॉट प्रिडिक्टिव आफ आउटकम इन चाइल्डहुड एक्यूट माइलोड ल्यूकेमिया। जे. पेडियार हिमेटोल ऑनकोल बीआर जे. डर्मेटोल 2011 मार्च; 33 (2) : ई 51-3

878. मोहंती एस, सूद एस, कपिल ए, मित्तल एस। इंटर - ओर्ब्जवर बैरिएशन इन दि इंटरप्रोटेशन आफ नूगेट स्कोरिग मैथड फार डायगनोसिस आफ बैक्ओरियल एजियोसिस। इंडिया जे मिड रिस 2010; 131 : 88-91

879. महापात्रा एस, जैन एम, जेस आई, स्पैक्ट्रम आफ जाइगोभाईबोसेस इन नार्थ इंडिया : एन इंस्टीट्यूशनल एम्सप्रीलियंस। इंडियन जे मिड माइक्रोबायल 2010; 28 : 262

880. मजुमदार के. वाजपेयी एम, चौहान एन के, मेंहदीरत्ता एस, विंग एन। डिफेक्ट इन ब्लड डेनडिरिक्ट सेल सबसेट्स इन एच आईवी-1 सबटाइप सी इनफेक्टेड इंडियंस इ. जे. मेड रिस. 2010, 132-318-27

881. मजुमदार के, वाजपेयी एम, चौहान एन के, मेंहदीरत्ता एस। लेट प्रजेंटर्स टू एच आई वी। केयर एंड ट्रीटमेंट आईडेटीफिकेशन आफ एसोसिएटेड रिस्क फैक्टर्स इन एचआईवी-1 इंनफेक्टेड इंडियन पापुलेशन। बी एम सी पब्लिक हेल्थ। 2010; 10 : 416

882. मंडल एस, वर्मा एस, बामोला वी डी, नायक एस एन, मिर्धा बी आर, पांधी एम एम, मेहता एन, महापात्रा एस सी। डब्लब्लाइडेट रेडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल फार इग्यूनोड्यूलेटरी इफेक्स आफ टूल्सी (ओसिमम सैफ्टम लाइन) लीफ एक्स्टेट ऑन हेल्दी वालरियर्स। जे. इंथोफार्मोकोल। 2011 जुलाई 14; 136 (3) 452-6

883. मून एस एस, वानाई सेन ए एल, नगयून टी, रे पी, डिनहे पी, बैक एल जे, पराशर यू, ग्लास आर आई; जियांत्र बी। इनहैबिटर्स इफेक्ट आफ ब्रेस्ट मिल्फ ऑन इनफ्रेक्टीविटी आफ लाइव ओरल रोटावायरस पैक्सिंन। पेडियाट्र इनफेक्ट डिस जे. 2010; 29 : 919-23

884. मोरिस एस के, बसानी डी जी, कुमार आर, अवस्थी एस, पॉल वी के, झा पी। फैक्टर्स एसोसिएटेड विध फिजिशियंन एनीमेंट ऑन वर्बल आटोत्सी आफ ओवर 27000 चाइल्डहुड डेथ इन इंडिया। पी एल ओ एस वन 2010; 5-ई - 9583

885. मुखर्जी ए, लोढ़ा आर, काबरा एस के, चेजिंग ट्रेंड्स इन चाइल्डहुड ट्यूबरकुलोसिस। इंडियन जे. पेडियाट्रि. 2011; 78 : 328-33
886. मुकुंद ए, गामनगट्टी एस, आचार्य एस के, केडियोलॉजिकल इंटरवेंशन्स इन एच वी ओ टी ओ - प्रैक्टिकल टिप्स। ट्राप गैस्ट्रोइंट्रो 2011; 32 : 4-14
887. मुकुंद ए, गामनगट्टी एस। फोर्थ वेंट्रीकल ट्यूबरकुलोमा। इंडियन पेडियटि. 2011; 48 : 161-2
888. मुकुंद ए, खुराना आर, भल्ला ए एस, गुप्ता ए के, काबरा एस के। सीटी पैटनर्स आफ नोडल डिजीज इन पेडियाट्रिक चेस्ट ट्यूबरकुलोसिस। वर्ल्ड जे रेडियोल 2011; 3 : 17-23
889. मुरलीकृष्णन जी, अमानुल्लाह एस, बाशा एम आई। डिंडा ए के, शकील एफ। माइलेटिंग इफेक्ट आफ क्थिनिया सेमनीफेरा आन टी सी ए साइफल इनजाइम्स एंड इलेक्ट्रॉन ट्रॉसपोर्ट टोन इन एजोमिथेन - इनडयूसड कोलोन कैंसर इन माइस। इम्यूनोफार्मोकोल इम्यूनोटोक्सीकोल 2010; 32 : 523-7
890. मुरलीकृष्णन जी, डिंडा ए के, शकील एफ। इम्यूनोमाइलेट्री इफेक्ट आफ विकानिया सेमिनीफेरा ऑन आक्सीजिथाइन इन्ड्यूस्ड एम्सपेटीमेंटल कोलोन कैंसर इन माइस। इम्यूनोल इंवेस्ट 2010; 39 : 688-98
891. मूर्ति जीवी, वशिष्ठ पी, जॉन एन, पोटवरियाल जी, इलविन एल बी। प्रिवलेंस एंड काजेज आफ विजुअल इम्पेयरवेंट एंड ब्लाइडनेस इन ओल्डर एडल्स इन एन एरिया आफ इंडिया विध ए हाई कैटटैक्ट सर्जिकल रैट्स। ओथ्थेल्मिक इपीडिमियोल 2010; 17 : 185-95
892. मजुमदार एस, पी दास, एम कुमार, एस बहादुर, सी सरकार, वी के अय्यर, जी के रथ। प्राइमरी इपिथिलआएड एंजियो सार्कोमा आफ दि बेस्ट मास्कैरेडिंग एज कार्सिनोमा। करेट आनकोलाजी 2010 वायलूम 17 नम्बर 1
893. एन अग्रवाल, एम एस, नागनंदा, एस एस के रहमान, ए, सेनगुप्ता, जे संतोष, एस आनंद; पोर्टेबल फास्ट इफेक्टिव ई ई जी डाटा एक्वीडिशन सिस्टम"" जे मेड इंजी. एंड टैकनोल्जी वल 35 (3-4) ; 2011, पी पी 185-190
894. नाग एच एल, नारंजे एस, ट्यूबरकुलोसिस आफ नी मिमिकिंग साइनोवायल मैलिगने सी : ए डायगनोस्टिक डायलेमा आ टू डाटा रिव्यू एंड ए केस रिपोर्ट1 जे. अथॉप सर्ज ट्रामाटोल 2010; 21 : 53-34
895. नगेश सी एम, राय ए, रोल आफ गयोमार्कर इन रिस्क स्ट्रेटिफिकेशन आफ एक्यूट कोरोमरी सिंड्रोम। इंडियन जे मिल रिसर्च 2010 नवम्बर; 132 (5) : 627-33
896. नायक एन, यादव आर, जेनेटिक्स आफ सडेन डेथ। इंडियन जे मिड रिसर्च 2010 नवम्बर ; 132 (5) : 579-83
897. नायक वी, महापात्रा ए के, गुप्ता सी सूरी वी। कम्पलेक्स स्पिलिट कोर्ड मैलफार्मेशन विध मेडियाटाइनल एक्सटेंसिव आफ ए टेटेटोभा एंड साइमलटेनियस पेट्रल एंड डोरसल बोनी सुपर स्पिलिटिंग दि फोर्ड। पेडियाट्रि. न्यूरोर्ज 2010 ; 46 : 368-72
898. नायर एम, प्रभाकरन डी, नारायण के एम, सिन्हा आर, लक्ष्मी आर, देवासेनापति एन, एट ऑल, एच बी ए एल सी वाल्वस फार डिफाइडिंग डायबिटीज एंड इमपेयर्ड फास्टिंग ग्लुकोज इन एशियन इंडियन्स। प्रिम केयर डायबिटीज 2011 ई-पब अहेड आफ प्रिंट।
899. नायर वी, सिंह एस, गुप्ता वाई के, एंटी आर्थटाइटिक एंड डिजीज मेडिकाइंग एक्टविटी आफ टर्मीमालिकया चिबुला रिज। इन एक्सप्रोटीमेंटल मोडल्स। जे. फार्मा फार्माकॉल । 2010; 62 : 1801-6
900. नायर वी, सिंह एस, गुप्ता वाई के इवैल्यूएशन आफ दि डिजीज मोडिफाइंग एक्विविटी आफ कालचिकन लुतियम बेफर इन एम्सप्रेरीमेंटल आर्थ टाइटिस। जे. इयोफार्माकोला । 2011; 133 : 303-7
901. नथानी पी, वेकटेंस पी, शंकरन पी, वशिष्ट एन, गर्ग एस, अर्ली ऑन सेट एटापिकल इस्केमिया माकुलोपैथी आफ्टर बोन मेटो ट्रूंसप्लोटैशन जे ए ए पी ओ एस 2010; 14 : 187-9
902. नथानी आर,कुमार आर, महापात्रा एम, त्यागी एस, मिश्रा पी, इफिकेसी एंड सेफ्टी आफ एंटी डी फार इम्यून थ्रोम्बो साइटोपेनिक परपुरा इन चिल्ड्रेन। इंडियन पेडियाट्रि. । 2010; 47-517-9
903. नथानी आर, महापात्रा एम, कुमार आर, मिश्रा पी, सक्सेना आर। हाई डोज डेक्सामिथाइजोन थिरेपी शोज बेंटर रिस्पोंसेस इन एक्यूट इम्यून थ्रोम्बो साइटोपेनियर देन इन क्रोनिक इम्यून थ्रोम्बोसाइटोपेनिया। लिटलेटस 2010; 31 : 270-3
904. नाजमी एन, कौर जी, शर्मा एस के, मेहरा एम के। ह्यूमन टोल लाइफ रिस्पेटर 4 पोलीमार्फिज्म टी एल आर 4 एस 299 जी एल वाई एंड थ्रो 399 ली इन्फ्लूंस स्स्पेबिल्टी एंड सिविरटी आफ पुल्मोनरी ट्यूबर कुलोसिस इन दि एशियन इंडियन पापुलेशन। टीशू एंटीजन 2010; 76 : 102-9
905. नाजवा ए आर, सेन गुप्ता जे, घोष डी, ए सिस्टम्स बायोलॉजी एप्रोच टूवर्डस अंडरस्टैडिंग दि प्रोसेस आफ ब्लास्टोसिस्ट इम्प्लांटेशन। इंडियन जे. फिजियोल फार्माकोल। 2009 जुलाई - सितम्बर; 53(3) : 197-208

906. नंदा ए, जैन वी, कुमार आर, काबरा के, इम्प्लांट स्पोटड ऑरीकुलर प्रोस्थिसिस इंडियन जे डेंट रेस 2011 जनवरी - फरवरी, 22 (1) : 152-6

907. नानी गुलाटी, रचना रूसटोगी, अमित के, डिंडा, रेनु सक्सेना, एंड वीना कॉल, ""केरेक्टराइजेशन एंड सेल मीटरियल इंटरेक्सन्स आफ पी एन आई पी ए एम न्यूपर्टिकल्स"" 2010 कोलाइडस एंड सफस्यूस बी : बायोइंटफेस्स 79, 164-173

908 नकवी एस, शमीम एम, एबडीन एम, अहमद एफ जे, मित्रा ए, प्रशांत सी, डिंडा ए के, कॉनस्ट्रेसन डिपेंडेट टॉक्सिटी आफ आयरन ओक्सिड नेनुपार्टीकल्स मेडिटेट्ड बय इनव्रिजड आक्सडेटिव स्ट्रेस इट जे नेनोमेडिसिन 2010; 5 : 983-9

909. नारंजे एस, मित्तल आर, ग्रोनिक क्लोज टैल्स डिसलोकेसन : ए रेयर प्रेजनटेशन एंड ट्रिटमेंट डिलिम्मा ऑरथोपिडीक्स 2010; 33 : 123-25

910. नारंजे एस, मित्तल आर, नी लॉकिग एंड पेन मिमीकिंडा लेट्रल मेनिस्कल टियर डयु टू अन्युज्यल लोकेसन आफ लोकलाइड पिगमेटेड बिलोनोडयुल सेनुविटिस : ए डाइग्नोस्टिक सर्प्राइज इयुर ज ओरथो सर्ज ट्रॉमेटॉल 2011; 2 : 131-38

911. नारंजे एस, मित्तल आर, स्ट्रोन्स ऐराउड वोलस्स। एटिपीकल जाइंट साएनोयल चोड्रोमेटॉसिस : ए रेयर केस रिपोर्ट इयोर जे आरभोप सर्ज ट्रेमेट्राल 2011; 21 : 367-70

912. नस्कर एस, सूद एस के, गोयल वी, रिफेक्ट आफ ऐक्युट डीप ब्रेन स्टीम्युलेशन आफ द सबथेलेमिक न्युक्लियस ऑन ओडिट्री इवेंट रिलेटिड पोटेसिशल्स इन पार्किनसन्स डिजीज। पार्कइन्सोनियम रिलेट डिर्सोड 2010 मई : 16(4) : 256-60

913. नासवा एन, बाल सी एस, लता एस, रेड्डी आर, मल्होत्रा ए ए, कम्पेरिजन आफ 68 गेखियम डीटा टॉक एंड 18 एफ एडभ्जी पीईट/ सी टी इन इमेजिंग आफ न्युइकोव्राइन टयुमर्स (ए ई टी एस) जे. न्युक्ल मेड 2010, 51 (सपलिमेंट 2); 405

914. नवदीप ग्रोवर, हरपाल सिंह एंड भुवनेश गुप्ता करेक्ट्राराइजेशन आफ अर्सिलिक एसीड ग्राफिटड पॉली (इथीलिनी टेरीष्थलेट) गब्रिक आफ ऐप्लाइड पॉलीमेर साइंस 117, (2010) 3498 -3505

915. नायक ए, लायर वी के, अग्रवाल एस, अग्रवाल एस फाइन निडील एस्पिरेशन साइट्रोलॉजी आफ फिटल रेहेब्ड्रोमोमेटस एंड टिरेटाइड विलिक्स ट्यूमर एक्टा साइटालोजिका 2010; 54 : 563-568

916. नायक ए, लायर वी के, अग्रवाल एस, द साइटोमार्फेलोजी जिकस स्पेक्ट्रम आफ विल्मस टयुमर ऑन फाइन निडील ऐस्टिरेशन : ए सिंगल इंसटिटयूरनल एक्टिरियंस आफ 110 केसस साइटोपेथोलॉजी 2011; 22 : 50-9

917. नायक बी, पांडा ए के, रे पी, रे ए आर फार्मूलेशन करेक्ट्राइजेशन एंड इवेल्यूशन आफ रोटावाल्स इनकेटसुलेटिड पी एल ए एंड पी एल जी ए प्रेक्टिकल्स आफ ओरल वेक्टिनेशन। जे. माइव्रोइकेत्सयुल 2009; 26 : 154-65

918. नायक बी, रे ए आर, पांडा ए के, रे पी. इप्रोवड इम्युनोजेनिसिटी आफ बॉयोग्रेडेबल पॉलीमर पार्टीकल्स इंट्राफड रोटावाइरस वेक्सिन। जे. बायोमिटर ऐपल 2011; 25 : 469-76

919. नायक एन, सत्पथी जी, नाग एच एल, बेंकटेश पी, रामकिशन एस, नाग टी सी, प्रसाद एस 2011 स्माइल प्रोडक्टर नू इज इसेसियल फार द एंद्रन्स आफ स्टैफालॉकासिस इपीडरमीडिस इन इमप्लांट रिलेटड इन्फेक्सशन जे होस्प इफेक्ट 77 : 152-156

920. नायक एन, सतपथी जी, प्रसाद एस, वाजपेयी आर बी, पांडे आर एम, कोरिलेसन आफ प्रोटीने प्रोडक्शन विध एमफोट्रिसिन बी इरेजीस्टेंस इन फंगी फराम माइकोटिक केराटाइटिस। ऑफथेलेमिक रे. 2010; 44 (2) : 113-8

921. नायक बी, ए आर रे, पांडा ए के, रे पी इप्रोवड इम्युनोजेनीसिटी आफ बॉयोडिंग्रेडेबल पॉलीमर पार्टीकल्स इंट्रेप्ड रोटाबाल्यूस वेक्सिन : जे बायोमिट्रियल्स रेटिलकेशन्स 2011 ; 25 (5) : 469-496

922. नायर आर, पांडा एस, सैनी ए, सेठ ए, चौधरी एस के। लियोमाइसारकोमा आफ इनफेरियर वीना कावा इंबल्विंग बाइलेट्रल रिनेल वेन्स : सर्जजिकल चेलेंजर्सर्न एंड रिकनट्रक्शन विद अपफोंट सेफन्स वेन इंटरपोजिसन ग्राफ्ट फार लेफ्ट रिनेल वेन आउट फ्लो। इंडियन जे योरॉल 2010 ; 26 : 438-40

923. नायर आर, सिंह पी, गुप्ता एन पी, हेमल ए के, डोगरा पी एन, सेठ, रेट ऑल ऑथर रिटले इंडियन जे युरॉल 2010; 26 : 463

924. नायर आर, सिंह पी, पांडा एस, कश्यप एस, गुप्ता एन पी। प्रोपटोसिस डयू टू आइसोलेटिड सोफ्ट टिसू ऑरबिटल मिटॉस्टैसिस आफ प्रोस्टेस कार्सिनोमा। इंडियन जे कैंसर 2010 : 47 : 74 -76

925. नेल्सन ई ए, बी सी जे एस, पराशर यू डी, विडसन एम ए, ग्लास आर आई; एशियन रिटावाइरस सर्विलेंस नेटवर्क रोटावाइरस इपीडीम्यालॉजी : द एशियन रोटॅवायरस सर्विलेंस नेटवर्क वेक्सिन 2008; 26द : 3192-6

926. न्योगी डी एस, अजय कुमार के वी, त्रिखा वी, यादव सी एस। इप्सिलेटरल फिमोरल नेक स्प्ड ट्रोचेंटर फ्रेक्चर इंडियन जे आर्थोप 2011; 45 : 82-6

927. न्योगी डी एस, जैन एस, मिश्रा के के, त्रिखा वी, नाग एच एल, एन अन्युज्वल कॉज आफ वार्टनबर्जस सेड्रोम : टयुब्रक्लोसिस आफ बचिराडाइलिस मसल्स। इयुर जे आर्थोप सर्ज ट्रामेट्राल 2010 : 20 : 335-38
928. निर्मल जे, वेलपेन्डियन टी, सिंह एस बी, विश्वास एन आर, भावाराज वी, आजाद आर, घोष एस, डेब्लपमेंट एंड वेलीडेशन आफ ए हाइली सेंटिवीटी एल सी एम एस/ एम एस मेभड फार आर्गेनिक सेन्स ट्रासपोटर (ओ सी टी) सबस्ट्रेट टिट्राथेलामोनियम (टी) इन रेबिटस जे क्रोमेट्रारग्र बी ऐनाल टेक्नाल बाइयोमेड लाइफ साई 2011; 879 : 585-590
929. नोगापिया एम ए, शर्मा पी, होरिजोटल लेंग टू पेंसिल टेस्ट एज ए स्क्रीनिंग टेस्ट फार स्ट्रिशेप्सिस एंड बिनोक्युरेरिटी, इंडिया जे ओफ्थाल्मॉल 2010; 58 : 287-90
930. नॉर्थन सी, संधु एन, प्रभाकर एच, फिल्स ए, अंशु बी डी, बुच्फेल्डर एम, स्कालर बी जे. ट्रीजीमिनो कार्डिक रिफ्लेक्स एंड ऐटिसेडेंट ट्रांसीट डाक्जिमिया अटेक्स एक्पर्ट रिव्यू क्राडियोवास्क भार : 2010 ; 8(4) : 509-112
931. न्यामाथी ए एम, सिंहा एस, गांगुली के के, विल्यिम आर आर, हेरावियन ए रामाकिशन पी एट ऑल चेलंज्स एक्पिरियंसड बाय रोरल बोमेन इन इंडिया लिविग्स विद ए आई डी एस एंड इम्पिलिकेशन्स फार द डिलीवरी आफ एचआईवी/ ए आई डी एस केयर हेल्थ केयर वुमेन इंटेल 2011; 32 (4) : 300-13
932. न्यामाथी ए एम, विल्यम आर आर, गांगुली के के, सिंहा एस, हिरावेन ए, अल्ब्रेन सी आर, एट ऑल प्रीसेप्शन आफ वुमेन लिविंग ए आई डी एस इन रूरल इंडिया रिलेटड टू द इमेजमट आफ एच आईवी ट्रेनड एक्रडिएट सोशल हेल्थ एक्टिविस्टस फार केयर एंड सर्पोट जे एच आई वी , ए आई डी एस सोश सर्व 2010; 9(4) : 385-404
933. आई सी जे, फोक के एम, मक्खरिया जी के, गोह के एल, लिंग के एल, हिल्मी आई, एट ऑल : फार एशिया पेसिफिक एसोसिएशन आफ गेस्ट्रोइंटोलाजी वर्किंग ग्रुप ऑन इंफ्लामेटी वॉडल डिजीज द एशिया पेसिफिक कोंसस ऑन अल्सरेटिव कोल्डईटिस जे. गेस्ट्रोइंटोलॉजी हिपेटो 2010; 25 : 453-68 रिव्यू।
934. ओवरगार्ड ए, मोहंती बी के, बेगम एन, ऑल आर, अग्रवाल जे पी, कुंदु एम, भास्कर एस, सुजुकी एच, ग्रु सी फाइव लाइस सिक्स फ्रेक्शन आफ रेडियोथिरेपी पर विक फार स्क्रामाउड सेल कार्सिनोमा आफ द हेड एंड नेक (आई ए ए - ए सी सी स्टडी) : ए ऐंडीमाइज्ड मल्टीसेंटर ट्राइल लेंसेट ऑनकॉल 2010 जून; 11(6) : 553-60 ई पब 2010 अप्रैल 8
935. पाधी बी एम, गुप्ता वा ई, वजमुगम एन पी, बमरोलिया एन आर, आन अंयुज्वल केसल आफ ऑल एलोप्योनॉल हाइपरसेंसिटिबिटी संड्रोम पोटेंशियेटड बाय इंट्राक्ट्रिल बीवेम्टज्युमब इयुर जे क्ली फार्माकॉल 2011; 67 : 537-8
936. पाधी बी एम; वजमुगम एल पी, गुप्ता वाई के, गोयल ए, रिवर्जिबल प्रोस्टिरियर ल्यूकोइंस्फिलापेथी संड्रोम इन एन सेल्डर्ली मेल ऑन सुनितिनिब थेरेपि बी आर जे क्ली फार्माकॉल 2011; 71 : 777-9
937. पद्मा एम वी, भसीन ए, भाटिया आर, एट ऑल नोर्मोबेरिक आक्सीजन थिरेपी इन एक्युट डस्किमिया स्ट्रोक : अ पाइलेट स्टडी इन इंडियन पेसेंट्स अनन इंडियन एकेड न्यूरॉल 2010 : 13 (4) : 284-8
938. पद्मा एम वी, भसीन ए, भाटिया आर, गर्ग ए, सिंह एम बी, त्रिपाठी एम, प्रसाद के नोमोब्रिक आक्सीजन थिरेपी इन एक्युट इस्किमिया स्ट्रोक : अ पाइलेट स्टडी इन इंडियन पेसेटस अन इंडिया एकेड न्युरॉल 2010 : 13 (4) : 284-8
939. पद्मा एम वी, एंजियोटेसिन कॉनवर्टिग इजाईम इंहेबिटर्स विल हेल्प इन इमप्रोविंग स्ट्रोक आउटकम इफ गिवन इमिडियेटली आफ्टर स्ट्रोक एनन इंडियन एकेड न्यूरॉल 2010 जुलाई 13(3) : 156-9
940. पाहुजा एम, महला जे, रीटा के एच, जोशी एस, गुप्ता वाई के, प्रोटेक्टिव इफेंट आफ एनास्इलेस अगेंस्ट सीजर्स एंड सीजर्स इंडयोड कोंकमिटिव इंपेरिमेंट इन रेटस इयुर न्यूरोसाइकोफार्माकॉल 2010; 20 (सपल 3) : 5246
941. पहवा एम, गुप्ता एस, खुंगर एन, मल्टीमोडल सिंगल स्टेप विरीलिगो सर्जरी : ए नोवल अप्रोच डर्माटॅाल सर्ज 2010; 36 : 1627-31
942. पहवा पी, कौशल एस, गुप्ता एस, खेतान बी के, शर्मा वी के, सेतुरमन जी, लिनियर सेरिगोसाइस्ट्रडीनो नापलिलीर्फ : ऐन एन्युज्वल लोकेशन पीडियाट्र डार्माटॅाल 2011; 28 : 61-2
943. पाल ए, श्रीवास्तव टी, शर्मा एम के, मेहंदीरत्ता एम, दास पी, सिन्हा एस, चट्टोपाध्याय पी, ऐब्रेंट मिथिलेश एंड ऐसोसिएटड ट्रांसक्रिप्शनल मोबाइलाइजेशन आफ आबू ऐलिमेंटस कांट्रीब्युटस टू जिनोमिक इंस्टेबिलिटी इन हाईपोसिया जे सेल मॉल मेड 2010 नवम्बर ;14(11) : 2646-54 डी ओ आई 10.111/जे. 1582 - 4934, 2009. 00792
944. पॉल के, गुप्ता डी के, सिरियल पर्कयुजन स्टडी डिप्टीक्ट पुलमोनरी वास्यकुलर ग्रोथ इन द सरवाईवर आफ नॉन एक्ट्रा कार्पोरियल मेमरॉन आक्सीनेशन ट्रीटेड कोजेटल डियफार्माजेमेटिक हर्निया न्यूनेटाइजेशन मॉल केन थेट 2010; 9 (7) : 2114-22
945. पलानीचामी जे , मेहदीरत्ता एम, भगत एम, रामलिंगम पी, दास बी, दास पी, सिन्हा एस, चट्टोपाध्याय पी,। साइलेंसिंग आफ इंटीग्रेटेड ह्यूमन पेपिलोमा वायरस-16 आनकोजेनेसिस बाई सी आर एन 8 मेडिटेड हिट्रो फैमोटाइजेइस, मोल कैन थिके 2010; 9 (7) : 2114-22

946 पलानीस्वामी सी, सल्वाराज डी आर, गुलेरिया आर, मोहन ए, सुगुनाराज जे पी, रामामूर्ति एस, नारंग आर, रेस्पिरेट्री मस्सल स्ट्रेंथ इन रिहुमेटिक मिट्रल स्ट्रीनोसिस इप्रोक्स आफ्टर बेलुन वाल्वोटॉमी जे. कार्डियोवास्क मेड (हिर्जस्ट्रोन) 2010 : जून 11(6) : 440-3

947. पालीवाल पी, गुप्ता जे, टंडन आर, कश्यप एस, सेन एस, अग्रवाल ए, बक्शी आर, शर्मा ए, ए नोवल टी जी एफ बी आई फिनोटाइप विद एमेलाइड डिपोजिटस एंड आर 124 एल म्युटेशन ओफ्थेमिक रेज 2011; 46 (3) : 164-167

948. पालीवाल पी, गुप्ता जे, टंडन आर, शर्मा एन, टिटीयॉल जे एस, कश्यप एस, सेन एस, कौर पी, डुबी डी, शर्मा ए, वाजपेयी आर बी। आईडेटिफ्केशन एंड करेक्टराईजेशन आफ ए नोवल टी ए सी एस टी डी1 म्युटेशन इन गिलेटिन्युस ड्राप - लाइफ कॉरनियरल डेस्ट्रोफी मॉल विस 2010; 28 ; 16 : 729-39

949. पालीवाल पी, शर्मा ए, बिरला एस, कृपलानी ए,खड्गावत आर, शर्मा ए। ए कॉमप्तीहेनसिव स्टडी आईडेटिफाइड नोवल एस आर वाई म्युटेशन एंड एन आर 5 ए आई, चेंजस इन पेसेट्स विद प्युर गेनेडल डेस्जिनेसिज एंड 46, एक्स वाई कारयोटाइप, माल इन रेप। 2011; 17 (6) : 372-78

950. पालीवाल पी, शर्मा ए, टंडन आर, शर्मा एन, टिटियाल जे एस, सेन एस, कौर पी, डुड डी, वाजपेयी आर बी। टी जी एफ बी आई म्युटेशन स्ट्रीनिंग एंड जिनोटाइप फिनोटाइप कोरिलेशन इन नॉर्थ इंडियन पेसेंट्स विद कॉरनियल डेस्ट्रोफिज मॉल विस 2010 ; 29 (16) : 1429-38

951. पालीवाल पी, शर्मा ए, टंडन आर, शर्मा एन, टिटियाल जे एस, सेन एस, नाग टी सी, वाजपेयी आर बी। कॉनजेपिटल हेयरडिटेरी इंडोथेलियल डाइस्ट्रोफी म्युटेशन एनालइज आफ एस एल सी 4 ए11 एंड जिनुटाइप फियोनोटाइप कोरिलेशन इन ए नॉर्थ इंडियन पेसेंट कोहोर्ट माल विस 2010 (31) ; 16 : 2955-63

952. पालीवाल पी, शर्मा ए, रिलेवेंस आफ मालिक्युलर डाइनोसिस आफ कॉरनियल डाइस्ट्रोफिस इंटल जे हयुम जेन : 2011; 11 : 1-14

953. पालीवाल पी, टंडन आर, कौर पी, डुड डी, शर्मा ए। फेमिलियल सेंगमीगेशन आफ वी एस एक्स 1 म्युटेशन एड्स ए न्यू डाईमेंशन टू इट्स रोल इन क्युजेसन आफ केर्टोकोन्स मॉल विस 2011; 15 : 17 : 481-85

954. पांडा डी, गुप्ता एन, गुप्ता आर, बक्शी एस, पेडीयाट्र मेलोडिस्टलास्टिक संड्रोन विद साइटोप्लामिक वॉस्कोलेशन इन माइलाइड प्रोसिर्जस जे पिडीयाट्र हिमेटॉल ऑकाल 2011 : 33 : 59-61

955. पांडव सी एस, कृष्णामूर्ति पी, शंकर आर, यादव के, पालानीवेल सी, करमारकर एम जी, ए रिव्यु आफ ट्रेकिंग प्रोग्रेस टूवर्डस ऐलिम्नेशन आफ आयोडीन डेफिसियेंसी डिस्ओडर इन तमिलनाडु इंडिया। इंडियन जे पब्लिक हेल्थ 2010 जूल सेप्ट ; 54(3) : 120-5

956. पांडव सी एस,। रॉल आफ फेक्ल्टी आफ मेडिकल कालेजस इन नेशनल हेल्थ पॉलिसी एंड प्रोग्राम डेवलपमेंट इंडयन ज कम्युनिटी मेड 2010 जनवरी 356 (1) : 3-6

957. पांडे ए, एस बहल, के शर्मा, आर रंजन, प्रतीक कुमा एस पी लोचाब, वी ई एसेनिकोव, ए जी मोलोकॉनाव भर्मोभ्युमिसिस डोसिमिटरी आफ गामा रे एंड प्रोटॉन बिम युजिंग नेनोक्रिटालिन $K_2 Ca^2$ (504) 3 : इयु न्युकलर इंस्टयुमेंट्स एंड मेथंडस इन फिजीक्स रिसर्च बी 2011, 269, 216-222

958. पांडे एन, कृपलानी ए, यादव आर के, लेंगेह बी के, महापात्रा एस सी, पेरिटोनियल फ्लुड लेप्टिन लेवल्स आर इंक्रिजड बट ऐडिपोनोक्टिन लेवल्स आर नॉट चेज्ड इन इनफार्टाइल पेसेंट्स विद पेल्विस इंडोमिट्रोसिस। गाईनॉकाल 2010 नवम्बर, 26(11) : 843-9

959. पांडे आर, इलाकुमन्न एल बी, गर्ग आर, गुप्ता पी, दारलोंग वी, पुंज जे। प्रोलोंगड एपनिया आफ्टर स्मॉल सिंगल डोज आफ इट्राविन्स ट्रॅामाडॉल आना 2010 अप्रैल : 78 (2) : 110-2

960. पांडे आर, गर्ग आर, चक्रवर्ती सी, दारलोंग वी, पुंज जे, चंद्रालेखा। लोवीस संड्रोम विद फेनकॉनी संड्रोम फार ओक्युलर सर्जरी : पेरिओपरेटिव एंसथिटिक कॉन्सिड्रेशन्स ज क्ली एन्स 2010 दिसम्बर 22 (8) : 635-7

961. पांडे आर, गर्ग आर, चंद्रालेखा, दारलोंग वी, पुंज जे, सिन्हा आर, ज्योति बी, मुकुंदन सी इलाक्कुमन्न एल बी रोबॉट एस्सिटेंड थोराकोस्कोपिक थेमेक्टोमी : पेरीएनास्थिटिक कॉनसर्नस इर्यु ज ऐन्सथिजोल 2010; 27 : 473-7

962. पांडे आर, गर्ग आर, चंद्रालेखा, दारलोंग वी, पुंज जे, सिन्हा आर, ज्योति बी, मुकुंदन सी, इलाकुमन्न एल बी रोबॉट एस्सिटेंड थोराकोस्कोपिक थेमेक्टोमी : पेरीएनास्थिटिक कॉनसर्नस इर्यु ज ऐन्सथिजोल 2010; 27 : 473-7

963. पांडे आर, गर्ग आर, रॉय के, दारलोंग वी, पुंज जे, कुमार ए, पेरिएन्सिथेटिक मेनेजमेंट आफ द फस्ट रोबेटिक पार्सियल साइटकटॉपी इन ब्लेंडर फियोक्रोमोसायोटॉमा। ए केस रिपोर्ट मिर्नरवा 2010 अप्रैल ; 76 (4) : 294-7

964. पांडियन जे डी, ज्योत्सना आर, सिंह आर, सेलजा पी एन, विजया पी, पद्मा एम वी, वेंकटेशबरालु के, सुकेमारन एस, राधाकृष्णन के, क्षमा पी एस, मैथ्यू आर, सिंह वाई, प्रीमोबिड न्युट्रीस्थिन एंड सोर्ट टर्म आउटकम आफ स्ट्रोक : ए मल्ट्रीसेंट्रिक स्टडी फरॉम इंडिया, ज न्युरॉल न्युरोसर्ज साइक्राईट्री 2011 अक्तूबर 82(10) : 1087-92

965. पांडीराजा पी, चक्रावर्ती ए के, होती एस एल, राव डी एन, कालीराज पी, इवेल्युएशन आफ सेंथेटिक पेपटिड आफ डब्ल्यू बी एस एक्स पी-1 फार द डाइग्नोसिस आफ ह्युमन लिम्फोटिक फिलरियेसिस डियॅग माइक्रोबाइयो इन्फेक्ट डिज 2010; 68 : 410:415

966. प्रभा एन, भार्गव बी, रेट कंट्रोल विद इवाब्रडिन : एंजिना पेक्टोरिज एंड बियोंड ए एम जे कार्डियोवास्क ड्रग्स 2011 : 11 (1) : 1-12

967. पार्क आई, गुप्ता ए, मादानी के, पेकलर बी, बेकिंग बेड न्यूज ऐजुकेशन फार इमरजेंसी मेडिसिन रेपिडेंटस एन नोवल ट्रेनिंग मोडयुल युपिंग सिम्युलेशन विद द एस पी आई के इ एस प्रोटीकॉल जे इमर्ज ट्रॉमा शॉक 2010; 3 : 358-8

968. पटेल सी डी, बालाकृष्णन वी बी, कुमार एल, नासबा एन, मल्होत्रा ए, डज लेफ्ट वेंट्रीकुलर डिस्टोलिक फंक्शन डिट्रोयोरेट अर्लियर देन लेफ्ट वेंट्रीक्युलर सिस्टोलिक फंक्शन इन एंथ्रासाइकलिंग कार्ड्रियोक्सिटी हेल ज न्यू मेड 2010 क्षेप - दिसम्बर 13 (3) : 233-7 (आई एफ, 0.71)

969. पटेल बी, कुमार ए के, पल्लवी के, राव के डी, रेड्डी के एस। युनिवर्सल हेल्थ केयर इन इंडिया : द टाइम हज राईट लेनकट 2011; 377 : 448-9

970. पाठक पी, शर्मा एम सी, शंकर सी, झा पी, सूरी वी, मोहम्मद एम, सिंह एस, भाटिया आर, गुलाटी एस, लिम्ब ग्रीडल मस्क्युलर डिस्ट्रोफी टाइप 2 ए इन इंडिया : ए स्टडी बेस्ड ऑन सेमी - क्वाटिटेटिव प्रोटीन ऐनालइज विद क्लिनिक एंड हिस्टोपेथोलॉजीकल कोरिलेशन न्युरॉल इंडिया 2010; 58 : 549-54

971. पटीदार ए बी, एंड्रयूज़ जी आर, सेठ एस,। प्रीवलेंस आफ ओब्ट्रक्टिव स्लीप ऐटिनया एसोसिएशन रिस्क फेक्टर्स एंड क्वालिटी आफ लाइफ एमंग इंडियन कॉनगसिव हार्ट फेल्यिर पेसेंट्स : ए क्रोस सेक्शनल सर्वे। द काड्रियोकस्क नर्स 2011 मार्च (ई पब अहेड आफ प्रिंट)।

972. पट्टनायक आर डी, जैन आर, राय आर, कंपेरिजन आफ सेल्फ रिर्पोटिड बेंजोडियाजिपन युज एंड युरिनालाइज एमंग कॉनस्टक्टिव ट्रीटमेंट सीकर्स एट ए टेट्री केयर ड्रग डिपेडेंट ट्रीटमेंट सेंटर। इंडियन जे फिपियॉल फार्माकॉल 2010; 54 : 337-43

973. पट्नायक आर डी, सागर आर, फी बेस्ड ओपन एक्सशन जरनल्स ए फर्टाइल ओर स्लीपरी ग्राउंडं इंडियन द साइक्राइट्री 2010; 52 : 387

974. पटवर्धन एस डी, आजाद आर वी, शा बी एम, शर्मा वाई आर, रोल आफ इट्राबिट्रीयल बीबास्क्युज्मब इन ऐल्स डिजीज विद डेंस विट्रीयस हिमोरेज ए प्रोस्पेक्टिव रेंडोमाइज्ड कंट्रोल स्टडी रैना 2010; 10

975. पटयार एस, जोशी आर, बैश्व डी एस, प्रकाश ए मेधी बी, दास बी के बेक्टिरिया इन कैंसर थिरेपी : ए नोवल एक्सपोरिमेंटल स्ट्रेटिजी। द बायोमेड साई 2010 ; 17 :21

976. पॉल एस बी, जगनाथन एस, हसन ए, ढींगरा आर, गामनगट्टी एस आर, गुप्ता ए के, एट ऑल इवेल्युशन आफ हिपेटोसेल्युलर कार्सीनोमा बाई कांट्रास्ट इंहेंसड अल्ट्रासांड : ए नोवल टेक्निक ट्रोप गेस्ट्रोइंटॉल 2010 ; 31 : 213-6

977. पॉल बी के, सचदेवा एच एस, मावालंकर डी, रामाचंद्रन पी, शंकर एम जे, भंडारी एन, एट ऑल रिप्रोडक्टिव हेल्थ एंड चाइल्ड हेल्थ एंड न्यूट्रिशियन इन इंडिया : मीटिंग द चेलेंजस लेनकट 2011 जनवरी 22 : 377 (9762) : 332-49

978. पॉल वी के, इंडिया : कंडिशनल केश ट्रांसफर्स फार इन फेसिलिटी डिलीवरिएज लेनकट 2010; 375 : 1943-4

979. पाठक एस आर, फिशर बी, गुप्ता एन, रंगराजन पी, काबरा एम, कोणर्क यू, नॉवल म्यूटेशन्स इन इंडिया पेसेंटस विद ऑटोसोमल रिसेसन इनफेटीली मेलीग्नेंट ओस्टियोपेट्रोरिस : इंडिया द मेड रज 2010; 131 : 508-14

980. पिल्ले ए के, शर्मा के के, गुप्ता बाई के, बक्शी एस, एंटी ऐमेटिक इफेक्ट आफ जिंजर पाउडर वर्सेजन पल्सिबो एज एन एंड ऑन थिरेपी इन चिल्ड्रन्स एंड यंग एडल्टस रिसिविंग हाई इमिटोजेनिक किमोथिरेपी पीडियॉट्र ब्लड कैंसर 2011 : 56 : 234-8

981. पिल्ले आर एम, बाबू जे एम, जीशा वी टी, लक्ष्मी एस। चिपुलंकर एस वी, पटकर एम, तुंगोनकर एच, रेड्डी केवी, छाक्का के एन, सिद्दिकी एम, राय चौधरी एस, अब्राहम पी, डिपिकेल ए गन्नामोनी एम, सुभाषिनी जे, राम टी एस, डे बी सिंह, एन, सिंह

ए, जैन एस के जयश्री आर एस रिजनवाइज डिस्ट्रिब्यूशन आफ 187 एच पी वी टाइम्स इन स्काउस सेल कार्सीनोमा आफ द सर्विकस इन इंडिया इंटल जे ग्यानाकॉल कैंसर 2010, 20(6) : 1046-51

982. प्रभाकर एच, अली जेड, हसन एन, मोजस इ जे सेलीब्रेल वास्कुलाइटिस एन ए रेयर कोजंज आफ लो बीस्पेक्ट्रल इंडेक्स वेल्यू द क्लीन एनिस्थ 2010; 22 (4) : 280-1

983. प्रभाकर एच, अली जेड, सिंह जी पी, चौधरी पी, ऐक्रोमेग्रेलिक एंड माल्लमपट्टी क्लास जीरो - एन अन्यूजवल फाइडिंग ज न्यूरोसर्ज एन्सथिसोल 2010; 22 (1) : 79

984. प्रभाकर एच, पाल सिंह जी, बिद्रा ए, अली जेड, डाइस्थाम्स रिजिटिंग फराम सर्जिकल मनिचुलेशन्स आफ पिटयूटेरी ट्यूमर एंड हाइड्रोजन पिरोक्साइड इरिगेशन आफ सर्जिकल इंड, इंडियन जे एनस्थ 2010; 54 (4) : 352-3

985. प्रभु एस बी, गुप्ता पी, दुर्गापाल एच, रथ एस, गुप्ता एस डी, आचार्य एस के, एट ऑल स्टडी आफ सेल्युलर इम्युमुन रिस्पोंस अगेंस्ट हिपेटाइटिस इ बाइरस (एच ई बी) जे वीरल हिपेटॉल 2011 ; 18 : 587-94

986. प्रभु एस बी, गुप्ता आर, सेठ आर, जुबनील माइलेमोनोसाइटिक लाइक्यूमिया प्रीजेटिंग विद कोरणक्सिटेंट साइटोमिगालोवाइरस इनफेक्शन द केस रिपोर्ट। ज पिडियाट्र हिमाटॉल आन्को 2010; 32 : सी 153-4

987. प्रकाश जी, बक्शी एस, रैना वी, भटनागर एस, शर्मा ए, कुमार एल, शुक्ला एन, जुल्का पी के, रथ जी के, केरक्टराईस्टिक एंड पैटर्न आफ मोरेलिटी इन कैंसर पेसेंट्स एट ए टर्टरी केयर ऑनकोलाजी सेंटर : रिपोर्ट आफ 259 केसस। ऐशियन पेस जे कैंसर प्रीत 2010; 11 (6) : 1755-9

988. प्रकाश जी, शर्मा एन, सक्सेना आर, चौधरी वी, टिटियाल जे एस, ए प्रोपोज्ड रेजिग्नेशन एनालाइंज वेस्ड मेथड फॉर एस्समेंट आफ हाइयर आर्डेर ऐब्रिबेशन इंटररिलेशशिप्स इन ओक्युलर वेवफ्रंट सेट्स फार्म एप्रोटली सिमीलर ओरिजक्स आई कोंटेक्ट लेंसन 2011 ; 37 : 11-15

989. प्रकाश जी, तोशनीबाल जी, यूज आफ कफ्ड्ड फ्लेक्सो मिटेलिक टयूब टू कंट्रोल प्रफ्यूज एयरवे ब्लीडिंग डयूरिंग एक्ट्रेक्सन आफ ट्रेचियल मिटेलिक फोरन बॉडी। इंडियन द ऐन्सथि 2011 जनवरी 55 (1) : 88-9

990. प्रसाद के आर, कुमार ए, गामनगट्टी एस, चंद्रशेखर एस एच, सी टी इन पोस्ट ट्रॉमाटिक हाइपोपर्फ्यूजन कोम्टलेक्श ए पिक्टोरियल रिव्यु इमार्ज रेडियॉल 2010 दिसम्बर 23

991. प्रसाद पी, तिवारी ए के, कुमार के एम पी, आमिनी ए सी, गुप्ता ए, गुप्ता ए, गुप्ता आर, एट ऑल एसोसिएशन एनाल्येसिर्स आफ ए डी पी आर डी टी1, ए के आर1 बी 1, आर ए जी ई, जी एफ पी टी 2 एंड पी ए आई 1 गीनि पॉलीमाफिज्सिम विद क्रोनिक रिनेल इनस्फीस्टियंटेसी अमंग एशिया इंडियनस विद टाइप 2 । डाइबिटीज़ बी एम सी मेड जेनेट 2011; 11 : 52

992. प्रशांत आर, बलहारा वाई पी, सागर आर, द पोंटोमिडयूलरी रिजन : रोल इन एफेक्ट, बिहेवियर एंड एप्रिटीट रेगुलेशन ज न्युरोसाइक्रेट्री क्लीन न्यूरोसाई, 2010; 22 : 614

993. प्रवीन ई पी, कुलश्रेष्ठ बी, खुराना एम एल, साहू जे, गुप्ता एन, कुमार जी, एट ऑल, लॉ एच डी एल केलोस्ट्रॉल एमंग नोर्मल वेट नोर्मोग्रेशिमिक आफप्रिंग आफ इनडिविडयुल विद टाइप 2 डाइबिटिज भिलाईतश हारमॉन्स (एथेंस) 2011 ; 10 (1) 57-66

994. प्रवीन इ पी, कुलश्रेष्ठ बी, खुराना एम एल, साहू जे पी, गुप्ता एन, कुमार जी, एट ऑल ऑबेसीटी एंड मेटाबोलिक अबनोरमालिटाइज इन आफप्रिंग आफ सब्जेक्ट्स विद डायबिटिज मेलिटस डायबिटज टेक्नोल थेर 2010 सितम्बर; 12 (9) : 723-30

995. प्रुथी जी, जैन वी, कंडपाल एच सी, माथुर वी पी, शाह एन। एफेक्ट आफ बिलिचिंग ऑन कलर चेंज एंड सरफेस टोपोग्राफी आफ कंपोजिट रेस्टोरेवांस। इंट जे डेंट. 2010 ; 2010 : 695748

996. प्रुथी जी, जैन वी, सिक्का एस, ए नोवेल मेथड फॉर रेटेन्सन आफ एन ओरबिटल प्रोस्थेसिस इन ए केस विद कंटीनिवस मैक्सीलरी एंड ओरबिटल डिफेक्ट. जे इंडियन प्रोस्थोडॉन्ट सोस. 2010 जनवरी; 10 (2) : 132-6

997. पुनिया एस, दास एम, बेहरी एम, मिश्रा बी के, साहनी ए के, गोविन्डप्पा एस टी, जयाराम एस, मुथाने यू बी, के टी बी, जुयाल आर सी, रोल आफ पॉलीमोरफिज्मस इन डोपामाइन साइनथेसिस एंड मेटाबोलिज्म गेनेस एंड एसोसिएशन आफ डी बी एच हैप्लोटाइप्स विद पार्किन्सन्स डिजइज एमंग नॉर्थ इंडियन्स। फारमैकोजेनेट जेनोमिक्स 2010 जुलाई; 20 (7) : 435-41

998. पुंज जे, जरायल ए, महालिंगम एस, मुकुंदन सी, पांडे आर, दरलांग वी, चद्रलेखा। टो गंग्रेने इन अन इनफैन्ट सबसिक्वेंट टू अपलीकेसन्स आफ अडॉल्ट टाइप पल्स ऑक्सीमेंटर प्रोब फार 10 मिन. जे अनेस्थ. 2010 अगस्त; 24 (4) : 630-2

999. पुंज जे, नारंग डी, पांडे आर, दरलांग वी डेवलपमेंट आफ प्नेयूमोमेडिआस्टिनम फालोइंग बलंट डिसेक्सन आफ एसोफेग्स इन मेडिअसटिनम फार ट्रंसीथल इसोफेगटोमी। एक्टा अनस्थेसिअल ताइवान। 2010 जनवरी, 48 (2) : 107-8

1000. पुरी के, सिंह पी, दास आर आर, सेठ आर, गुप्ता आर, डायग्नोस्टिक डाइलेमा आफ जे एम एम एल कोएक्सजिटिंग विद सी एम वी इंफेक्शन। इंडियन जे पेडियाटर 2011; 78 : 485-7

1001. पुशकर एन, मील आर, कौशल एस, बजाज एम एस, मेहता एम लोहिया पी। कंजीनेटल होरिजोन्टल टारसल किंक विद माइक्रोफथालमोस कौरेक्टेड बाई इंटरमारजिनल सुटुर टारसोरहैपी। जे पेडियाटर ऑपथलमोल स्ट्राबिसमस 2010; 47 : 51-3

1002. पुशकर एन, मील आर, शर्मा एस, बजाज एम एस, कश्यप एस, सेन एस, गैंट ऑरबिटल सचवानोमा विद फ्लूड- फ्लूड लेवल्स। बी आर जे ऑपथालमोल 2011; 95 : 1168, 1080-1

1003. पुशकर एन, मेहता एम, बजाज एम एस, चावला बी, शर्मा एस, सेठी एस, घोस एस। नासोएथमोडियल सेफालोकेल विद विलाटेरल ओरबिटल एक्सटेंशन प्रेजेंटिंग ऐज बाइलेटरल लोअर आइलीड मास। जे पेडिआटर ओपथालमोल स्ट्राबिसमस 2010; 47 : 64-7

1004. पुशकर एन, श्रे डी, बजाज एम एस, कश्यप एस, यादव पी, मेहता एम, बक्सी एस, मलिगनांट नॉनटेराटॉयड मेडुलोइपीथेलीओमा आफ द ओपटिक नर्व विद इंट्राओक्यूलर एक्सटेंशन। क्लीन एक्सपेरिमेंट ओपथालमोल 2010; 38 : 731-733

1005. राधाकृष्णन वी, थुलकर एस, करूणानिधि एस, तनवीर एन, बख्शी एस। नासोफायरंगल कारसीनोमा स्पेलेनिक एंड साइसटिक लिवर मेटास्टेसस इन अ पेडियाट्रिक पेसेंट : 18 एफ डी जी पी ई टी - सी टी फाइंडिंग्स। पेडियाटर रैडिओल 2010 ; 40 (सुप्पल 1) : एस 70 -एस 82

1006. राधाकृष्णन वी, बख्शी एस, ह्वाट इज द बेस्ट अप्रोच टू ट्रीट इंवैसिस फंगल इंफेक्शन इन हेमाटोलॉजिकल मलिंगनानसिसi नटल मेड जे इंडिया 2011; 24 : 28-29

1007. राधाकृष्णन वी, रस्तोगी एस, बख्शी एस इविंग सरकोमा आफ द क्लाविकल : अ केस सिरिज। इंडियन जे पेडिआटर 2011; 481 : 133-134

1008. राधाकृष्णन वी, थुलकर एस, करूणानिधि एस, तनवीर एन, बख्शी एस,। नासोफेरांगल कारकिनोमा विद स्पेलनिक एंड साइसटिक लिवर मेटास्ट्स इन अ पेडियाट्रिक पेसेंट : 18 एफ - एफ डी जी पी ई टी - सी टी फाइंडिंग्स। पेडियाटर रैडिओल 2010 ; 49 सप्ल 1 : एस 79-82

1009. रागवन एम, गजुला एस, यादव डी के, अग्रवाल एस, श्रीनिवास एम, वाजपेयी एम, भटनागर वी, गुप्ता डी के, पेरिफेराली इंसर्टेड सेंट्रल वेनस लाइंस वरसस सेंट्रल लाइंस इन सर्जिकल न्यूबोर्नस अ कंप्रीजन। इंडियन जरनल आफ पेडियाट्रिक्स 2010; 77 : 171-174

1010. रागवन एम, टंडन एन, भटनागर वी,। एक्सट्रॉफी ब्लाइडर इफेक्ट आफ सिगमोइड कोलोसाइसटोप्लासटी ऑन फिजिकल ग्रोथ एंड बोन मिनरल डेनसिटी। जे इंडियन एसोस. पेडियाटर सरज 2011 ; 16 (2) : 45-9

1011. रघुवंशी एस, शर्मा पी, सिंह एस, वान केर एल, दास जी, माइकोबैक्टेरिअम ट्यूबरक्लोसिस इवाडेस होस्ट इमुनिटी बाई रिक्रूटिंग मेसेंसाइमल स्टेम सेल्स। प्रोक नाटल एकेड साई यू एस ए 2010; 107 : 21653-8

1012. रहमान एस एम, मल्होत्रा एन, कुमार एस, राय के के, अग्रवाल ए। अ रनडोमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल कम्पेयरिंग द इफेक्टीवेनेस आफ सिंगल वरसस डबल इंट्रायूटेरिन इनसेमिनेशन इन अनएक्सप्लेंड इनफेरटिलीटी। फेरटिल स्टेरिल 2010 दिसम्बर, 94 (7) : 2913-5

1013. राय एन के, शर्मा एम सी, प्रसाद के, जेटली एस, त्रिपाठी एम, पदमा एम वी। क्रोनिक प्रोग्रेसिव एक्सटरनल ओपथलमोपलेगिया विद रीकरेंट क्वाड्रीपरेसिस : अन अनयूजुअल प्रेजेंटेशन। न्यूरल इंडिया 2010; 58 : 790-1

1014. राय एन के, शर्मा एम सी, प्रसाद के, जेटली एस, त्रिपाठी एम, पदमा एम वी,। क्रोनिक प्रोग्रेसिव एक्सटरनल ओपथालमोपलेगिया विद रीकरेंट क्वाड्रीपरेसिस : अन अनयूजुअल प्रेजेंटेशन। न्यूरल इंडिया 2010; सितम्बर - अक्तूबर; 58 (5) : 790-1

1015. रैना ए, डोगरा टी डी, लीनारस ए ए, यादव बी, बेहेरा सी, लालवानी एस, एट ऑल आइडेंटी आफ विकटिम्स फॉम फ्रैगमेंटेड एंड डेकंपोज्ड रेमांट्स बाई डी एन ए प्रोफाइलिंग इन ए केस आफ सिरिअल किलिंग्स मेड साइला 2010; 50 (4) : 220-223

1016. रैन ए, यादव बी, अली एस, डोगरा टी डी, मिसिंटेरप्रेटेंसन आफ रिजल्ट्स इन मेडिको - लिगल केस ड्यू टू माइक्रोडेलेसन एट वाई-क्रोमोसोम। मोल सेल्युलर प्रोब्स 2010; 24 (6) : 418-420

1017. रैन ए, यादव बी, द पोपुलेशन डाटा सबमिटेड बाई डिपार्टमेंट आफ फोरेंसिक मेडिसीन फार नॉर्थ इंडियन सारस्वत ब्राहमिन्स ऑन 17 वाई-एस टी आर मारकर्स हैव वीन सबमिटेड टू द वाई-क्रोमोसोम हैप्लोग्रुप रेफेंस डेटाबेस (वाई एच आर डी) बर्लिन, जर्मनी एंड द माई कंट्रीब्यूटर आई डी इज http://www.yhrod.org/YC000191 द एक्सेजन नम्बरस फार द पोपुलेसंस आर:

1018. http://www.yhrod.org/YA003548 फॉर हिमाचल सारस्वत ब्राहमिन्स।
1019. http://www.yhrod.org/YA003549 फॉर जम्मू सारस्वत ब्राहमिन्स।
1020. http://www.yhrod.org/AY003550 फॉर कश्मीर सारस्वत ब्राहमिन्स।
1021. http://www.yhrod.org/AY003551 फॉर पंजाब सारस्वत ब्राहमिन्स।
1022. http://www.yhrod.org/AY003556 फॉर राजस्थान सारस्वत ब्राहमिन्स पोपुलेसन।
1023. रैना वी, कुंजहरि एम, शुक्ला एन के, देव एस वी, शर्मा ए, मोहंती बी के, शर्मा डी एन,। आउटकम आफ कम्बाइंड मोडलिटी ट्रिटमेंट इंक्लूडिंग नेवएडजुवंट कीमोथेरेपी आफ 128 केसेज आफ लोकली एडवांस्ड ब्रेस्ट कैंसर डेटा फ्रॉम अ टेरटीअरी कैंसर सेंटर इन नॉदर्न इंडिया। इंडियन जे कैंसर 2011 जनवरी- मार्च, 48 (1) : 80-5
1024. राज डी, गुलाटी एस, लोढ़ा आर, स्टेट्स इपाइलेप्टिक्स। इंडियन जे पेडियाटर 2011; 78 : 219-26
1025. राज आर, श्रीनिवास वी, मेहता एम, गुप्ता एस, हेल्थ रिलेटेड क्वालिटी आफ लाईफ आफ इंडियन पेसेंट्स विद थ्री वाइरल सेक्सुअली ट्रंसमिटेड इंफेक्शंस : हरपेस सिमप्लेक्स वाइरस-2, जेनिटल ह्यूमन पापीलोमा वाइरस एंड एच आई वी। सेक्स ट्रंज्म इंफेक्ट 2011; 87 : 216-20
1026. राजा मोहम्मद, डिरक कुकलिंग, हंस गुरगन पी। अडलेर, वीना कौल, एंड वीना चौधरी, ""इंटरपेनेट्रेटिंग पोलीमर नेटवर्क (आई पी एन) नानोगेल्स बेस्ड ऑन गेलाटीन एंड पॉली (अव्रालीक एसीड) बाई इन्वर्स मिनीइमुलसन टेक्नीक : साइनथेसिस एंड कैरेक्टराइजेशन"", 2011, कोलोइड्स एंड सरफेस बी : बायोइंटरफेसेज, इन प्रेस।
1027. राजप्पा एम, गोयल ए, कौर जे. इनहेरिटेड मेटाबोलिक डिसऑडरस इनवॉलविंग द आई : अ क्लिनिको - बायोकेमिकल पेरसपेक्टिव आई 2010; 24 : 507-18
1028. राजप्पा एम, सक्सेना पी, कौर जे, ओक्यूलर अनजिओग्नेसिस मेकानिजम्स एंड रिसेंट एडवांस इन थेरेपी। एडभ क्लिन केम 2010; 50 : 103-21
1029. रलहान आर, हे एच, सो ए, त्रिपाठी एस सी, कुमार एम, हसन एच , कौर जे, कशात एल, मैकमिलन सी, चौहान एस एस, फ्रीमैन जे एंड वालफीश पी। न्यूक्लियर एंड साइटोप्लासमिक अक्यूममूलेशन आफ एप- इसीड इज फ्रिकवेंटली डिटेक्टेड इन ह्यूमन इपेथेलियल कैंसर। पी एल ओ एस वन 2010; 5(11) ई 14130
1030. रामाकृष्णन एल, थंगजाम आर, राय ए, सिंह एस, रामाकृष्णन एल, सेठ सेट ऑल। अक्यूट इफेक्ट इफेक्ट्स आफ टोबैकोचिविंग ऑन द सिस्टेमिक, पलमोनरी एंड ब्रोनरी सरकुलेसन। एम जे कारडिओवैक्स ड्रग्स 2011; 11 (2) 109-14
1031. रामाकृष्णन एस, सक्सेना ए, चौधरी एस के, रेसीडुअल वी एस डी क्लोजर विद अन ए डी ओ स्र्थ्र डिवाइस इन अन इनफैंट। कंनजेनिट हर्ट दिसम्बर, 2011 जनवरी; 6 (1) : 60-3
1032. रामाकृष्णन एस, शिवदास एस, कोठारी एस एस। ट्रंस सेप्टल क्लोजर आफ अ राइट पलमोनरी अरटेरी टू लेफ्ट एटराएल कम्यूनिकेशंस। कैथेटर कार्डियोवैक इंटरव. 2010 जनवरी 1;75 (7) : 1096-9
1033. रामाकृष्णन एस, थंगजाम आर, राय ए, सिंह एस, रामाकृष्णन एल, सेठ एस, नारंग आर, भार्गव बी, अक्यूट इफेक्तटस आफ टोबैकोचिविंग ऑन द सिस्टेमिक, पलमोनरी एंड ब्रोनरी सरकुलेसन,। ऐम जे कार्डियोबेक ड्रग्स 2011; 11(2) : 109-14
1034. रमम एम, भट्ट आर, जिंदल एस, कुमार यू, शर्मा वी के, सागर आर, चढ्ढा आर के, पेसेंट रिपोर्टेड मल्टीपल ड्रग रीअकसंस : क्लिनिकल प्रोफाइल एंड रिजल्ट्स आफ चैलेंज टेस्टिंग इंडियन जे डरमाटॉल वेनेरीऑल लेपरॉल 2010 : 76 : 382-386
1035. रमम एम, लिनियर एपिडरमोलाइटीकैकनाथोमा और बएडॉल्ट ऑनसेट वररूकोअस एपिडरमल नेवसi इंडियन जे डटमेटोल वेनरीओल लेपरोल। 2010; 76 : 563
1036. रामदुर्ग एस, अम्बेडकर ए, लाल आर, सेक्युअल डाइसफंक्शन अमौंग मेल पेसेंट रीसिविंग्स बुपरेनोरफाइन एंड नालट्रेक्सोन मेंटेनेंस थेरेपी फॉर ओपीओईड डिपेन्टेंस। जे सेक्स मेड 2011 मार 2 . डी ओ आई : 10.1111/ जे. 1743-610902011.02219 एक्स 2011
1037. रामदुर्ग एस आर, सूरी ए, गुप्ता डी, मेवार एस, शर्मा यू, जगन्नाथन एन आर, शर्मा बी एस। मैग्नेटिक रिसोंस इमैजिंग इवालुवेशन आफ सबरैकोनाइड हेमोरहैग इन रैट्स एंड द इफेक्ट्स आफ इंट्रा - किसटेरनल इंजेक्शन आफ पापावेराइन एंड निट्रोग्लाइसरीन इन द मैनेजमेंट आफ सेरेब्रल वासोसपास्म - ऐन एक्सपेरिमेंटल स्टडी। न्यूरॉल इंडिया 2010; 58 : 377-383
1038. रमेश के, शर्मा एस, राजू वी, कुमार ए, गुलाटी एस, रीनल एजेंसीज एंड एक्सटरनल इलाइक आरट्रेरी स्टेनोसिस इन ऐन इंनफैंट विद मोयामोया डिजइज. ब्रैन देव 2011; 33 : 612-5

1039. राना टी, सिंह यू बी, कुलश्रेष्ठ बी, कौशिक ए, पोरवाल सी, अग्रवाल एन, एट ऑल यूटलिटी आफ रिवर्स ट्रंसक्रिप्टस पी सी आर एंड डी एन ए - पी सी आर इन द डायग्नोसिस आफ फीमेल जेनिटल ट्यूबरकलोसिस। जे मेड माइक्रोबायोल 2011; 60 (पी टी 4) : 486-91

1040. रंगराजन के, अरूलसेल्वी एस, गांधी जे एस, सर्राफ एन, शर्मा वी, फारूक के। कोआगुलेसन स्टडीज इन पेसेंट विद ऑर्थोपेडिक ट्रॉमा, जरनल आफ इमरजेंसी एंड शॉक. 2010 : वोल्यूम : 3 पेज : 4-8

1041. रंगराजन के, अरूसेल्वी एस, पांडेय आर एम। डिटरमाइनांट्स आफ मोरटलीटी इन ट्रॉमा पेसेंट फोलोइंग मैसिव ब्लड ट्रंसफ्यूजन। जरनल आफ इमरजेंसी ट्रॉमा एंड शॉक 2011; 4(1) ; पेज 70-75

1042. रंगराजन के, सुब्रमनियन ए, अग्रवाल डी, चटर्जी के। ट्रॉमा पेसेंट विद एम एंटीबॉडी। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल। 2010 : 53 : 574-5

1043. रानी एन, ढिंगरा आर, भटला एन, आर्य डी एस एंड कुमार आर। रोल आफ ऑक्सीडेटिव स्ट्रीज मार्कर्स एंड एंटी - ऑक्सीडेंट्स इन द प्लेसेंटा आफ प्री एकलाम्पटिक पेसेंट। जे ओब्स गायनी रेस 2010; 36 (6) ; 1189-94

1044. राव एस, कर आर, गुप्ता एस के, चोपड़ा ए, सक्सेना आर, स्पेक्ट्रम आफ हिमोग्लोबिनोपैथिस डायग्नोस्ड बाई कैसन एक्सचेंज - एच पी एल सी एंड मोडुलेटिंग इफेक्ट्स आफ न्यूट्रीशनल डिफेसिअन्सी एनिमिआज फ्राम नार्थ इंडिया। इंडियन जे मेड रेट 2010; 132 : 513-9

1045. रस्तोगी आर, आनंद एस, डिंडा ए के, कौल वी, इंवेस्टीगेशन ऑन द साइनरजिस्टिक इफेक्टस आफ केमिकल इनहेन्सरस एंड मोडुलेटेड आइओनटोफोरेसिस फार ट्रंसडरमल डिलेवरी आफ इंसुलीन। ड्रम देव इंड फार्म 2010 ; 36 : 993-1004

1046. रस्तोगी आर, गुलाटी एन, कोटनाला आर के, शर्मा यू, जयसुंदर आर, कौल वी, इवालुएशन आफ फ्लोट कंजुगेटेड पेगलाएटेड थर्मोसेन्सीटीव मैग्नेटिक नैनोकंपोजिट्स फार ट्यूमर इमैजिंग एंड थेरेपी। कोलोइडस सर्फ बी बायोइंटरफेसेज 2011; 82 : 160-167

1047. रस्तोगी आर, नैनी गुलाटी, रविंद्र के। कोटनाला, उमा शर्मा, रामा जयसुंदर, एंड वीना कौल ""इवालूएसन आफ फ्लोट कंजग्टेड पेगीलेटेड थर्मो सेनसिटिव मैग्नेटिक नैनोकंपोजिट्स फार ट्यूमर इमैजिंग एंड थेरेपी"", 2011, कोलोआइड्स एंड सर्फेस बी : बायोइंटरफेसेज, 82 160-167

1048. रस्तोगी एस, कुमार ए, गुप्ता एच, खान एस ए, बख्शी एस, शॉर्ट टर्म फालो अप आफ्टर सर्जिकल ट्रिटमेंट आफ इविंग्स सरकोमा। इंडियन जे ओरथोप 2010; 44 : 384-9

1049. रस्तोगी एस, कुमार ए, खान एस ए। डू लॉकिंग्स प्लेटस अ रोल इन अर्थोपेडिक ओंकोलॉजिकल रीकंस्ट्रक्शन। आर्च ऑर्थोप ट्रॉमा सरज 2010; 130 : 1493-7 । ई पब 2010 फरवरी 18,

1050. रस्तोगी वी, निर्वाण पी एस, जैन एस, कपिल ए। नोसोकोमिअल आउटब्रेक आफ सेप्टीकेमिआ इन नियोनैटल इंटेसिव केअर यूनिट ड्यू टू एक्सटेंडेड स्पेक्ट्रम ए - लैक्टेमेस प्रोड्यूसिंग क्लेबसिला प्नेमोनिया सोइंग मल्टीपल मैकेनिज्मस आफ ड्रग रेसिसटेंस। इंडियन जे मेड माइक्रोबाइओल 2010; 28 : 380-4

1051. रथ जी पी, मरदा एम, सोखल एन, सिंह पी, चद्रा पी एस। हाइपोफरयांगल इंज्यूरी लिडिंग टू सबकुटेनिअस इम्फेसिमा आफ्टर इंटेरिअर सरवाइकल डिससेक्टोमी एंड आर्टीफिशिअल सरवाइकल डिस्क प्लेसमेंट। जे क्लीन न्यूरोसाइं. 2010; 17 (11) : 1447-9

1052. राठौर वाई एस, गुप्ता डी, जी डी सत्यार्थी, ए के महापात्रा । एक्स्ट्राडयूरल हेमाटोमा विद डिलेड ऑनसेट न्यूमोसेफाल्स एंड कंटर कूप इंज्यूरी इंडियन जे आफ न्यूरोट्रॉमा वोल 7(1) जून, 2010

1053. राठौर वाई एस, सिन्हा एस, महापात्रा ए के, ट्रंससेलर ट्रंसफेनॉडल : इनसेफलोसेल ए सिरिज आफ फोर केसेज. न्यूरोल इंडिया, 2011 मार्च - अप्रैल; 59 (2) : 289-92

1054. राय आर, धवन ए। ड्रग शिडयूलिंग - साइंस एंड कलचरल प्रेसपेक्टिव एडिक्शन 2010; 105 : 1151-3

1055. राय आर, कुमार एन, गुप्ता आर, मिर्धा ए आर, त्यागी जे एस, कुमार ए एस। मेसोथेलिपल/ मोनोसाइटिक इंसिडेंटल कार्डिक एक्सक्रीसेन्सेस (एम आई सी ई) विद ट्यूबरकूलर एवरोटिस : रिपोर्ट आफ द फस्ट केस विद ब्रिफ रिव्यू आफ द लिटरेचर। जे क्लिन पैथोल 2010; 63 : 853-5

1056. राय एस बी, सैनी आर, कुमार आर। इंट्रापेकल कैथेटेराइजेशन एंड ड्रग डिलेवरी इन रेप्स टू कम्पेयर द एनालजेसिक इफेक्ट्स आफ मोरफाइन विद केटोरोरमैक। जे एनेस्थ क्लिन फार्माकोल, 2011, 27 (1) : 84

1057. रेड्डी के, प्रभाकर एच, यादव एन, सिंह जी पी, अली जेड, यूनिलैटरल ब्रोनकोसपास्म ड्यूरिंग मनीपुलेशन इन ऐन इंटरवेशनल न्यूरोरेडियालॉजी सुईट. जे एनेस्थ 2010; 24(2) : 313-4

1058. रेड्डी के एस, पटेल वी, झा पी, पॉल वी के, कुमार ए के, इंडोना एल। लैनसेट इंडिया ग्रुप फार यूनिवर्सल हेल्थकेयर। टूवार्डस एचिवमेंट्स आफ यूनिवर्सल हेल्थ केयर इन इंडिया बाई 2020, ए कॉल टू एक्शन। लैनसेट 2011;377 : 760-8

1059. रीता के एच, मेहला जे, गुप्ता वाई के। इंट्रेक्शन आफ फेनाइटोइन एंड अल्फा लिपोइक एसिड इन एक्सपेरिमेंटल से ज्यूरस इन रैट्स। बेसिक क्लिन फार्माकॉल टॉक्सीकॉल 2010; 107 (सप्ल 1) : 541

1060. रीता के एच, मेहला जे, गुप्ता वाई के। कुरकुमीन अमेलियोरेट्स कॉगनेटिव डाइसफंक्शन एंड ऑक्सीडेटिव डैमेज इन फेनोबारबिटोन एंड कारबामैजपाइन एडमिनिस्टर्ड रैट्स इयूर जे फार्माकोल 2010; 644 : 106-12

1061. रेलिया एन, कविमंडन ए, सिन्हा एस, शर्मा एस के। डिसएनिमटैड हिस्टोप्लासमोसिस ऐज द फर्स्ट प्रेजेनटेंशन आफ इंडियोपैथिक सी डी 4 उ टी - लाइमफोसाइटोफेनिया। जे पोस्टग्राड मेड. 2010; 56(1) : 39-40

1062. रेवाड़ी वी, गर्ग आर, त्रिखा ए, चंद्रलेखा। फेन्टानल प्रिट्रीटमेंट फार एलिवेशन आफ परइनल साइमपटोमस फॉलोइंग प्रिओपरेटिव एडमिनिस्ट्रेशन आफ इंटरवेनश डेक्सामेथासोन सोडियम फास्फेट - ए प्रोस्पेक्टिव, रैनडोमाइज्ड, डबल ब्लाइंड, प्लेसबो कंट्रोल्ड स्टडी। मिडल ईस्ट जे एनेस्थेसियल। 2010 अक्तूबर; 20 (6) : 803-8

1063. रीचा जैकरे, स्वाति जैन, श्रुति चट्टोपाध्याय एंड हरपाल सिंह, सर्फेस मोडिफिकेशन आफ नायलन मेम्बरेंस बाई ग्लाइसिडल मेथाक्राइलेट ग्राफ्ट कोपोलाइमेरीजेशन फॉर एंटीबॉडी इमोबलाइजेशन, जे. अप्ल. पोलिमर साई; 116 (2010), 1700-1709

1064. रिजाल एल, नियोगी डी एस, अंसारी एम टी, खान एस ए, यादव सी एस : हेमोफिलीक सेउडोट्यूमर - इज देयर ए रोल आफ रेडियोथेरेपीi लिटरेचर रिव्यू एंड ए केस रिपोर्ट। नेपाल मेड कॉल जे 2010; 12 : 193-7

1065. ऋषि ए, शर्मा एम सी, सरकार सी, जैन डी, सिंह एम, महापात्रा ए के, मेहता वी एस, दास टी के : ए क्लिनिकोपैथेलोजिकल एंड इमुनोहिस्टोकेमिकल स्टडी आफ क्लिनिकली नॉन फंक्शनिंग पिटयूटरी अडेनोमस : ए सिग्नल इंस्टीट्यूशनल एक्सपीरियंस। न्यूरोल इंडिया 2010; 58 : 418-23

1066. राय ए, प्रभाकरण डी, जीमोन पी, थंक्कापन के आर, मोहन वी, रामाकृष्णन एल, जोशी पी, अहमद एफ, मोहन बी वी, सरन आर के, सिन्हा एन, रेड्डी के एस; सेंटीनल सर्विलांस इन इंडस्ट्रीयल पोपुलेसन्स स्टडी ग्रुप। इम्पैक्ट आफ अल्कोहल ऑन क्रोनरी हर्ट डिजइज इन इंडियन मेन। एथरोसक्लेरोसिस 2010 जनवरी; 210 (2) : 53-5

1067. राय के के, बरूह जे, शर्मा ए, शर्मा जे बी, कुमार एस, कच्छव जी, करमाकर डी। ए प्रोसपेक्टिव रैनडोमाइज्ड ट्रायल कम्पेयरिंग द क्लिनिकल एंड इंडोक्रीनोलॉजीकल आउटकम विद रोसिगलीटाजोन वरसस रमैप्रोस्कोपिक ओवरेन ड्रिलींग इन पेसेन्टस विद पोलिस्टिक ओवरेन डिजइज रेसीस्टेंट टू ओव्यूलेशन विद क्लोमफेन सिट्रेट आर्क गायनेकोल ओब्सटेट 2010 मई; 281 (5) : 939-44

1068. राय के के, सिंगला एस, बरूह जे, कुमार एस, शर्मा जे बी, करमाकर डी,। रिप्रोडक्टीव आउटकम फॉलोइंग हाइस्टेरोस्कोपीक सेप्टल रीसेक्शन इन पेसेन्टस विद इनफेरटीलीटी एंड रीकरेंट एबोरसिंस। आर्क गायनेकोल ऑब्सटेट 2011 फरवरी; 283 (2) : 273-9

1069. राय के के, सिंगला एस, बरूह जे, शर्मा जे बी, कुमार एस, सिंह एन,। रिप्रोडक्टीव आउटकम फोलोइंग हाइट्रोस्कोपिक माइओमेक्टोमी इन पेसेंटस विद इंफेरटिलिटी एंड रिकरेंट एबोरसिंस आर्क गायनिकोल ऑब्सटेट 2010 नवम्बर; 282 (5) : 553-60

1070. राय चौधरी ए, भट्ट के, यादव आर, भुटिया ओ, राय चौधरी एस । रिव्यू आफ ओसटेचोड्रोमा आफ मंडीबुलर कंडाइल एंड रिपोर्ट आफ ए केस सिरिज। जे ओरल मैक्सीलोफैक सरज. 2011 नवम्बर; 69(11) : 2815-23

1071. रूपर्टो एन, ओजेन एस, पिस्टोरिओ ए इट ऑल। ई यू एल आर/ पी आर आई एन टी ओ/ पी आर ई एस क्राइटेरिया फॉर हेनॉक स्होनलेन पुरपुरा, चाइल्डहुड पोलिटेरटिस नोडोसा, चाईल्डहुड वेगेनर ग्रानुलोमटोसिस एंड चाइल्डहुड टक्यासू आरटेरिटिस। अंकारा 2008 पार्ट-1 : ओवर ऑल मेथडओलॉजी एंड क्लिनिकल कैरेक्टरीसेशन। ऐन रहेयूम डिस 2010; 69 : 790-7

1072. रूसतागी ए, राय चौधरी ए, कारक ए के,। मेलानोटिस न्यूरोएक्टोडरमल ट्यूमर आफ इंफैंसी आफ द मैक्सिला : ए केस रिपोर्ट विद रिव्यू आफ लिटरेचर। जे ओरल मैक्सिलाफेस सरज 2011 ; 69 : 1120-4

1073. सबरी-रू, के आदर्श, हुसैन एम, यादव एम, राय एस, उस्मानी जे, डेवलपिंग एंड मेटेनिंग वेबसाइट आफ डिपाट. आफ एफ एम टी। जे इंड एकेड फार मेड 2011 : 33(1) : 60-4

1074. सचदेव एच पी, कपिल यू, वीर एस, कंसेंस स्टेटमेंट नेशनल कंसेंसस वर्कशॉफ ऑन मैनेजमेंट आफ एस ए एम चिल्ड्रेन थ्रो मेडिकल न्यूट्रीशन थेरेपी। इंडियन पोडियाटर। 2010; 47: 661-5

1075. सचदेवा जे, तनवर वी, गोलेच्छा एम, सिद्दीकी के एम, नाग टी सी, राय आर, कुमारी एस, आर्य डी एस। क्रोक्स सटीवस एल। (सैफेरोन) अटेनयूट्स इजओपरोटेरोनोल इंडयूस्ड माइओकारडायल इंज्यूरी वाया प्रेसरविंग कार्डिक फंक्शंस एंड स्ट्रेंथिंग एंटी ऑक्सीडेंट डिफेंस सिस्टम। एक्सप टॉक्सीकोल पैथोल 2010 दिसम्बर 6

1076. सागर एस, कुमार एन, सिंघल एम, कुमार एस, कुमार ए। ए रेअर केस आफ लाइफ । थ्रेटेनिंग पेनेट्रेटिंग ओरोफायरायंगल ट्रॉमा काउज्ड बाई टूथब्रश इन ए चाइल्ड। जे इंडियन सोस पेडोड प्रिब डेंट 2010 ; 28 : 134-6

1077. शाहा ए, झा एन, दुबे एन के, गुप्ता बी के, कलैवानी एम। स्वाइन-ओरिजीन इंफ्लुएनजा ए (एच1 एन1) इन इंडियन चिल्ड्रेन। ऐन ट्रॉप पेडियाटर 2010; 30 (1) : 51-5

1078. साहरन एस, जोसे बी, सेठ आर, अय्यर वी के, काबरा एस के। लंगरहंस सेल हिस्टिओक्टोसिस प्रेजेंटिंग ऐज रिकरेंट एअर लिक्स इन यंग चिल्ड्रेन। एक्टा पेडियाटर 2010; 99 : 488

1079. साहरन एस, लोढ़ा आर, काबरा एस के,। मैनेजमेंट आफ एक्यूट लंग इंज्यूरी/ ए आर डी एस। इंडियन जे पेडियाटर 2010; 77 : 1296-302

1080. साहरन एस, लोढ़ा आर, काबरा एस के,। मैनेजमेंट आफ स्टेटस स्थमैटिक्स इन चिल्ड्रेन। इंडियन जे पेडियाटर 2010; 77 : 1417-23

1081. साहरन एस, लोढ़ा आर, काबरा एस के,। सपोर्टिव केअर आफ ए क्रिटिकली ईल चाइल्ड इंडियन जे पेडियाटर 2011; 78 : 585-92

1082. साहू जे के, चौधरी ए, घोष आई, गुलाटी एस, काबरा एम, तकटानी टी, कालरा वी,। हाइपरेक्पलेक्सिया मासक्यूरैडिंग ऐज इपीलेप्सी। इंडियन जे पेडियाटर इक्यूब 2011 जनवरी 9

1083. साहू जे के, मेनन आर पी, लोढ़ा आर, काबरा एस के। सुपीरियर मेडिसनल साइनड्रोम ड्यू टू इंट्राथ्रोसिस ट्यूबरकलोसिस। इंडियन जे पेडियाटर 2010; 77 : 1021-3

1084. सैकिया के के, बेवाल आर, बंसल डी, कपिल ए, सूद एस, अरोड़ा एन के, इट ऑल मल्टी लोकस सिक्वेंस टाइप कंप्रीजन आफ इंवैसिव एंड कमेंसल हैमोफिल्यूस इंफ्लूंजा आइसोलेट फ्रॉम दिल्ली। इंडियन जे मेड माइक्रोबायोल 2011; 29 : 158-60

1085. सलाहुद्दीन एस, रामाकृष्ण एस, सेठ एस, भार्गव बी। पी आई फ्राम द ग्रीक्स टू द कार्डियोलॉजिस्ट्स : द पी साईनअब्रेट ओ एम फ्रॉम एल ए डी इंडियन हर्ट जे 2010 मई- जून; 62 (3) : 274

1086. सलाहुद्दीन एस, रामाकृष्णन एस, भार्गव बी। ""क्लासिकष सुपररावालवुलर एवरोटिक स्टेनोसिस। हर्ट 2010 नवम्बर; 96 (22) : 1808

1087. समैया एम, बख्शी एस, शुक्ला ए ए, कुमार एल, चौहान एस एस। इपिजेनेटिक रेगुलेशन आफ कैथेपसिन एल एक्सप्रेसन इन क्रोनिक माइलॉइड ल्यूकेमिया। जे सेल मोल मेड 2010 : 1-11

1088. संघेरा डी के, डेमिरसी एफ वाई, बीन एल, ओरटेगा एल, रलहान एस, वांडर जी एस, इट ऑल। पी पी ए आर जी एंड ए डी आई पी ओ क्यू गेने पोलीमोरफ्यूजम्स इंक्रीज टाइप 2 डाइबिटीज मेलीटस रिस्क इन एशियन इंडियन सिख्स : प्रो. 12 अला स्टील रीमेन्स ऐज द स्ट्रॉगेस्ट प्रेडिक्टर। मेटाबोलिज्म 2010; 59 : 492-501

1089. संकर जे एम, अग्रवाल आर, देवरारी ए, पॉल वी के। मैनेजमेंट आफ नेओनटल सेआईज्यूरस। इंडियन जे पेडियाटर 2010 : 77 2 1129-35

1090. संकट एम जे, अग्रवाल आर, देवरारी ए, पॉल वी के,। मैनेजमेंट आफ पॉलीसाइथेमिया इन नेओनेट्स । इंडियन जे पेडियाटर 2010, 77: 1117-21

1091. संख्यान एन, चक्रवर्ती बी, शर्मा एस, रमेश के, गुलाटी एस,। लिम्ब - गिरडल माइएस्थेनिया ग्रैविस इन ए 10-इयर ओल्ड गर्ल : ए केस रिपोर्ट। जे चाइल्ड न्यूरल 2011; 26 : 1434-7

1092. संख्यान एन, वाइकुंता राजु के एन, शर्मा एस, गुलाटी एस। मैनेजमेंट आफ रेज्ड इंट्राक्रेनियल प्रेसश्योर। इंडियन जे पेडियाटर 2010; 77: 1409-16

1093. संतरा ए, बाल एस, महारगन एस, बाल सी एस। लांग-टर्म आउटकम आफ लोबर अबलेशन वरसस कम्प्लीसन थायरॉयडेक्टोमी इन डिफरेंटेड थायरॉयड कैंसर। न्यूकल मेड कमुन 2011; 32 : 52-8

1094. संतरा ए, कुमार आर, शर्मा पी, बाल सी, कुमार ए, जुल्का पी के, इट ऑल। एफ-18 एफ डी जी पी ई टी - सी टी इन पेसेंट्स विद रिकरेंट ग्लीओमा : कंप्रीजन विद कंट्रैस्ट इंहेन्सड एम आर आई इयूर जे रेडिओल 2011 फरवरी 23 (इम्यूब अहेड आफ प्रिंट)

1095. संतरा ए, शर्मा पी, कुमार आर, बाल सी, कुमार ए,। जुल्का पी के एंड मल्होत्रा ए-कंप्रीजन आफ ग्लूकोहेप्टोनेट सिंगल फोटोन इमिसन कंप्यूटेड टोमोग्राफी एंड कंट्रास्ट इनहैंस्ड एम आर आई इन डिटेक्शन आफ रिकरेंट ग्लीओमा। न्यूक्ल मेड कम्युन 2011; 32 : 206-211

1096. सारंगी एस सी, रीता के एच, डिंडा ए के, गुप्ता वाई के। प्रोटेक्टीव इफेक्ट आफ माइकोफेनोलेट मोफेटिल ऑन मरक्यूरीक क्लोराइड-इन-डयूस्ड नेफ्रोटॉक्सीसिटी इन रैट्स। मेथड फाइन्डस एक्सप क्लिन फार्माकोल 2010; 32 : 219-25

1097. सारस्वाथी के एन, समथानी आर, अश्घर एम, वालिया जी के, सक्सेना आर, बेटा थालासिमिया अमांग द सिंधी कम्युनिटी इन दिल्ली। नैटल मेड जे इंडिया 2009; 22 : 334-5

1098. सरिन एस के, कुमार ए, अंगुस पी डब्ल्यू, बैजल एस एस, बैक एस के, बाइराकटार वाई, इट ऑल। एशियन पैसिफिक एसोसिएशन फार द स्टडी आफ द लिवर (ए पी ए एस एल) वर्किंग पार्टी ऑन पोर्टल हाइपरटेंशन। डायग्नोसिस एंड मैनेजमेंट आफ एक्यूट वारिसियल ब्लिडिंग : एशियन पैसिफिक एसोसिएशन फार स्टडी आफ द लिवर रिकम्नडेसंस। हेपाटोल इंट 2011; 5 : 607-24

1099. सरकार सी, झा पी, पाठक पी, शर्मा वी, सूरी वी, शर्मा एम सी, चट्टोपाध्याय पी, चोसडोल के, सुरी ए, गुप्ता डी, महापात्रा ए के,। ग्लीओब्लास्टोमस इन इंडियन पोपुलेसंस : एनालाइसिस आफ जेनेटिक अल्ट्राटिवनस एंड कोलेरेशन विद एज. ब्रेन पैथोलॉजी 2010 : 20 : 58

1100. सरकार सी, झा पी, पाठक पी, सूरी वी, शर्मा एम सी, चट्टोपाध्याय पी, चोसडोल के, सुरी ए, गुप्ता डी, महापात्रा ए के,। दग्ली कोड इन ग्लीओमस : कोरेलेसन आफ एक्सप्रेशन आफ गली 1, 2 एंड 3 । विद हिस्टोलॉजी, एस एच एच, पी टी सी एच एंड स्टेमनेस मार्करस. ब्रेन पैथोलॉजी 2010; 20 : 57

1101. सरकार एन एन, चाइल्डहुड सेक्सुअल एबुज एंड इट्स इंपैक्ट ऑन ओमैन्स हेल्थ। इंट मेड जे 2010; 17 (2) : 107-112

1102. सरकार एन एन, मेनोपाउज : द इंपैक्ट आफ द सेक्स हार्मोन थेरेपी ऑन द हेल्थ रिलेटेड क्वालिटी आफ लाइफ आफ एलडरली ओमेन। व्रीप्टा मेडिका 2010; 83 (2) : 177-184

1103. सकरार एन एन,। द इंड आफ रेप्रोडक्टीव फेज आफ द ओमैन्स लाइफ। इंट मेड जे 2011; 18 : 3-7

1104. सरूप्रिया ए, कपूर पी एम, किरन यू, होट एम। मल्टीपल रूपट्यूरड एनेयूरसम आफ लेफ्ट सिनस आफ बलसल्वा : ए रेअर इनटाइटी। ऐन कार्डिअक एनेस्थ 2011; 14 (1) : 48-50

1105. सत्पथी जी, मिश्रा ए के, टंडन आर, शर्मा एम के, शर्मा ए, नायक एन इट ऑल। इवालुएशन आफ टिअर सेम्पल्स फार हेरपस सिमप्लेक्स वायरस 1 (एच एस वी) डिटेक्शन इन ससपेक्टेड केसेज आफ वाइरल केराटाइटिस यूजिंग पी सी आर ऐजसे एंड कंवेशनल लैबोलेट्री डायग्नोस्टिक टूल्स। बी आर जे ओपथलमोल 2011; 95 : 415-18

1106. सत्पथी जी, पटनायक डी, टिटियाल जे एस, नायक एन, टंडन आर, शर्मा एन, एट ऑल। पोस्ट - ऑपरेटिव इंडोपथालमिटिया : एनटिबायोग्राम एंड जेनेटिक रिलेटेडनेस बिटविन प्लेयूडोमोन्स एरूगिनोसा आइसोलोट्स फ्राम पेसेंट्स एंड फकोमुसेलफिरस। इंडियन जे आफ मेड रेस 2010; 131 : 5717

1107. सत्यम ए, सिंह पी, बडजटिया एन, सेठ ए, शर्मा ए। ए डिप्रोपोरेशन आफ टी एच।/ टी एच 2 साइटोकिन्स विद प्रोडोमिनांस आफ टी एच 2, इन यूरोथेलियल कारकिनोमा आफ ब्लाडर। यूरोल ओनकोल 2011; 29 : 58-65

1108. सौरभ जी, सागर एस, सिंघल एम, सागर आर, मिश्रा एम सी; सक्सेजफुल माइक्रोसर्जिकल पेनिल रिप्लांटेशन फॉलोइंग सेल्फ अम्पुटेशन इन ए सिजोफेरेनिक पेसेंट; इंडियन जरनल आफ यूरोलॉजी; 2010 : 07-08

1109. सवाहने सी, त्रिखा ए, अग्रवाल पी, फारूक के, त्रिखा वी, कुमार ए। ग्रानुलोमा आफ्टर शॉर्ट- टर्म इपिड्यूरल कैथेटैरिसेशन एनेस्थ इंटेनसिव केयर 2010; 38 : 779-80

1110. स्वाहने सी, त्रिखा ए, अग्रवाल पी, फारूक के, त्रिखा वी, कुमार ए। ग्रानुलोमा आफ्टर शॉर्ट टर्म इपिड्यूरल कैथेटैरिसेशन एनेस्थ इंटेनसिव केयर 2010; द्धद्मन्न्ट 38 (4) : 779-80

1111. सक्सेना ए, राय ए, रैना बी, सेठ टी, मित्रा डी के। एक्सप्रेशन आफ सी डी 13/ अमिनोपेपटिडस एन इन प्रेकरसर बी - सेल ल्यूकेमिया : रोल इन ग्रोथ रेगुलेशन आफ बी सेल्स। कैंसर इमुनोल इमुनोदर 2010; 59 : 125-35

1112. सक्सेना आर, फुलझेले एस, आलोक एल, सिन्हा ए, मेनन वी, शर्मा पी, एट ऑल । ए रेअर केस आफ ओरबिटल अपेक्स साइनड्रोम विद हरपेस जोस्टर ओपथलमिक्स इन ए ह्यूमन इमुनोडिफिसिएंसी वायरस पोजिटिव पेसेंट। इंडियन जे ओफथालमोल। 2010; 58(6) : 527-30

1113. सक्सेना आर, फुलझेले एस, लोहिया पी, शर्मा पी, मेनन वी। मैनेजमेंट आफ डिसिनसरटेड इनफेरिअर रेक्टस मसकल बाई फिक्सेसन आफ ग्लोब टू द इनफेरिअर ओरबिटल मार्जिन। जे पेडियाटर ओफथालमोल स्ट्राबिसमस 2010; 26 : 1-4

1114. सक्सेना एस, ए आर राय, गुप्ता बी। ""चितोसान इमोबलाइजेशन ऑन पोलीएक्रायलिक एसिड ग्राफटेड पॉलीप्रोपाइलेन मोनोफिलामेंट"", कार्बोहाइड्रेट पॉलिमट्स 82 (4), 1315-1322 (2010)।

1115. सक्सेना एस, राय ए आर, कपिल ए, पावोन - दजविद जी, लेटोयूरनर डी, गुप्ता बी, एट ऑल। डेवलपमेंट आफ ए न्यू पॉलीप्रोपलेन बेस्ड सुट्यूर : प्लाजमा ग्राफ्टिंग, सर्फेस ट्रीटमेंट, कैरेक्टराइजेशन, एंड बायोकम्पटेबलीटी स्टडीज। माइक्रोमोल बायोसाई 2011; 11 : 373-82

1116. सक्सेना वी, कुमार आर। बिलाटरल यूरेटेरिक क्वाड्रूप्लीकेशन विद रीनल कैलकुलस यूरोलोजी 2011; 77 : 592-3

1117. सेठ ए, गडोडिया ए, शर्मा आर। सोलिटरी काइसटीसरकोसिस (टेपवर्म) ऑफद पैरोटीड ग्लांड। इअर नोज थ्रॉट जे 2010; 89 : 522-4

1118. सेन एस, बेथरिया एस एम, दावर आर, शर्मा एस, कश्यप एस। क्लिनीकोपैथोलॉजिकल एनालायसिस आफ ओरबिटल नन - होडकिंस लाइमफोमा फ्राम नॉदर्न इंडिया। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोगल 2010; 53 : 856-8

1119. सेनबगावाली पी, कुमार एन, कौर जी मेहरा एन के, गीथा एस टी, रामानाथन वी डी। मेजर हिस्टोकम्पेबलीटी कम्पलेक्स क्लास-III (सी 2, सी 4, फैक्टर बी) एंड सी 3 गेने वेरीआंटस इन पेसेंट्स विद पलमोनरी ट्यूबरकलोसिस। हम इमुनोल 2011; 72 : 173-8

1120. सेनगुप्ता जे, खान एम ए, हुप्परट्ज बी, घोष डी, इन विट्रो इफेक्ट्स आफ द एंटीमाइक्रोबिअल पेपटिड ए ला 8, 13, 18 - मैगेनीन-II एमिड ऑन आइसोलेटेड ह्यूमैन फर्स्ट ट्रिमेस्टर विलोवस ट्रोफोब्लास्ट सेल्स। रिपरोड बाइओल इनडोक्रिनोल। 2011 अप्रैल 16; 9 : 49

1121. सेठ आर, कालरा वी, शर्मा यू, जगन्नाथन एन। मैग्नेटिक रेसोनेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी इन रिंग इनहेंसिंग लेसिओन्स। इंडियन पेडियाटर 2010 ; 47 : 803-4

1122. सेठ आर, सेठ एस, कालरा वी। क्रीनिंग फार कार्डियोमाई- ओपथी इन मसक्यूलर डाइस्ट्रोफी विद टिश्यू डॉप्लर इमेजिंग। इंडियन जे पेडियाटर 2010; 77 : 523-8

1123. सेठ एस, भार्गव बी, नारंग आर, राय आर, मोहंथी एस, गुलाटी जी, कुमार एल, ऐराना बी, वेणुगोपाल पी; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान स्टेम सेल स्टडी ग्रुप। द ए बी सी डी (ऑटोलोगस बोन मैरो सेल्स इन डाइलेटेड कार्डियोमाइओपथी) ट्रायल ए लांग टर्म फॉलो - अप स्टडी। जे ऐम कोल कार्डिओल 2010; 55 : 1643-4

1124. सेठ टी । कम्युनिकेशन टू पेडियाट्रिक कैंसर पेसेंट्स एंड देअर फेमलिज : ए कल्चरल परसपेक्टिव। इंडियन जे पलिट केयर। 2010; 16: 26-9

1125. सेठी एस के, हरि पी, बग्गा ए। इलेवेटेड एफ जी एफ-23 एंड पराथेरमोन इन लाइनियर नेव्यूस सेबासियस सिंड्रोम विद रेसिसटेंट रिकेट्स । पेडियाटर नेफरोल 2010; 25 : 1577-8

1126. सेठी एस के, लुनारडी जे, काबरा एम, डेका डी, बग्गा ए। ऐनटेनटल डायग्नोसिस आफ लो सिंड्रोम। क्लिन एक्सप नेफरोल 2010; 14 : 296-7

1127. सेथुरमन जी, रीचर्डस के ए, हिरेमगलोर आर एन, वगनर ए। इफेक्टीवेनेस आफ पल्स ड्यू लेजर इन द ट्रीटमेंट आफ रीकॉलसिट्रेंट वार्टस इन चिल्ड्रेन। डरमेटोल सरज 2010; 36 : 58

1128. सेठी पी के, खांडपुर एस, शर्मा वी के। रैंडोमाइज्ड ओपेन कप्रेटिव ट्रायल आफ डेक्सामेथासोन - साइक्लोफोसफामाइड पल्स एंड डेली ओरल साइक्लोफोसफामाइड बरसस साइक्लोफोसफामाइड पल्स एंड डेली ओरल प्रेडनिसोनोल इन पेमफिगस व्यूलगारिस। इंडियन जे डरमाटोल वेनिरीओल लेपरोल। 2009; 75 : 476-82

1129. शाह एन एंड लोगानी ए। ""रीजनरेटिव"", नन ओबट्यूरेशन इंडोडोनटिक टेकनिक; क्लिनिकल स्टडी विद 2 इयर"" फालो-अप ई- एबसट्रैक्स नम्बर 1016, 89वें जनरल सेसन आफ आई ए डी आर हेल्ड इन सैन डिएगो, यू एस ए, 15-9 मार्च, 2011

1130. शाह पी, मिश्रा ए, गुप्ता एन, हजरा डी के, गुप्ता आर, एट ऑल। इम्प्रोवमेंट इन न्यूट्रीशन रीलेटेड नॉलेज एंड विहैवियर आफ अरबन एशियन इंडियन स्कूल चिल्ड्रेन : फाइंडिंग फ्राम्स द ""मेडिकल एजुकेशन फार चिल्ड्रेन/ एडोलेसेंट फार रीअलिस्टिक प्रेवेन्सन आफ ओबेसिटी एंड डाइबिटिज एंड फॉर हेल्दी एजिंग"" (एम ए आर जी) इंटरवेन्सन स्टडी। बी आर जे न्यूटर। 2010 अगस्त; 104 (3) : 427-36

1131. शाह वी एम, टंडन आर, सत्पथी जी, नायक एन, चावला बी, अग्रवाल टी एट ऑल। रैंडोमाज्ड क्लिनिकल स्टडी फार कम्परेटिव इवालुएशन आफ फोर्थ - जरनेशन फ्लूरोक्यूनोलोंस विद द कम्बीनेसन आफ फोरटीफाइड एंटीबायोटिक्स इन द ट्रीटमेंट आफ बैकटेरियल कॉरनियल अलसर्स क्रोनिया 2010; 29 : 751-7

1132. शाक्या बी, चतुर्वेदी ए, शाह बी पी, प्रोफाइलास्टिक लो डोज केटामाईन एंड ऑनडानसेट्रॉन फार प्रवेन्सन आफ शिवटिंग ड्यूरिंग स्पाइनल एनेस्थेसिया। जे एनेस्थ क्लिन फार्माकोल। 2010; 26 (4) : 465-469
1133. शाक्या आर, सागर आर, जेना आर, खेडेलवाल एस के। फिजिबिलीटी आफ सेल्फ - एसेसमेंट आफ मैनिया : कंप्रेजन आफ सेल्फ रेटेड एंड ऑबजर्बर रेटेड स्केल आफ मैनिया इन नेचुरलाइसटिक सेटिंग - दिल्ली साइक्ट्रिक जरनल 2010; 13 : 322-33
1134. शालीमार एस, आचार्य एस के। जी1 फेलोशिप एबरोड : एक्सपिरियंसेज आफ ए फेलो फ्राम इंडिया। गैस्ट्रोइंटेस्ट इंडोस्क 2011; 73 : 576-8
1135. शमिम एस ए, कुमार आर, धनपथी एच, शांडल वी, बाल सी एस, मल्होत्रा ए, एफ डी जी पी ई टी/ सी टी इवालूबेशन आफ ट्रीटमेंट रिस्पोंस इन पेसेंट्स विद रिकरेंट कोलेरेक्टल कैंसर। क्लिन न्यूकिल मेड। 2011; 36 : 11-6
1136. शमिम एस ए, कुमार आर, धनपथी एच, शांडल वी, बाल सी एस, मल्होत्रा ए। रोल आफ एफ डी जी पी ई टी/ सी टी इन डिटेक्शन आफ रिकरेंट डिजइज इन कलरेक्टल कैंसर। न्यूकल मेडकम्यूनि. 2010; 31 : 590-6
1137. शमिम एस ए, कुमार आर, हलानैक डी, कुमार ए, शांडल वी, शुक्ला जे, कुमार ए, त्रिखा वी, चद्रा पी, बंदोपाध्यायस जी, मल्होत्रा ए, रोल आफ रिहैनिअम-188 टिन कोलॉयड रेडियोसाइनोवेकटोमी इन पेसेंटस विद इंफलामैटरी नी ज्वाईट कंडिसंस रिफैक्ट्री टू कंवेन्सनल थेरेपी। न्यूकल मेड कम्यून 2010; 31 : 814-20
1138. शमिम एस ए, कुमार आर, हलानैक डी, शाडल वी, रेड्डी आर एम, बाल सी एस, मल्होत्रा ए। रोल आफ एफ डी जी - पी ई टी/ सी टी इन डिटेक्शन आफ रिकरेंट डिजइज इन कोलोरेक्टल कैंसर। न्यूकल मेड कम्यून। 2010; 31 : 590-6
1139. शमिम एस ए, कुमार आर, शांडल वी, हलानैक डी, कुमार जी, बाल सी एस, मल्होत्रा ए। एफ डी जी पी ई टी/ सी टी इवाप्युएशन आफ ट्रीटमेंट रिसपोंस इन पेसेंट्स विद रिकरेंट कोलोरेक्टल कैंसर। क्लिन न्यूकल मेड. 2011; 3611-6
1140. शमिम एम बी, वेंकटेश एस, तनवर एम, सिंह जी, मुखर्जी एस, मल्होत्रा एन, एट ऑल। कमेट ऐजसेट : ए प्रोगनोस्टिक टूल फार डी एन ए इंटेग्रीटी एसेसमेंट इनफरटाइल मेन ओपटिंग फार असिस्टेड प्रोडक्शन। इंडियन जे मेड रेस 2010 ; 131 : 675-81
1141. शांडल वी, कुमार आर, सिग्नीफिकेंस आफ 18 एफ-फ्लुरोडेक्सीग्लूकोज पोसीट्रॉन - एमिशन टोमोग्राफी/ कम्प्यूटेड टोमोग्राफी फॉर द पोस्टोपोरटिव सर्विलांस आफ एडवांस्ड रीनल सेल कारकीनोमा। बी जे यू इंट. 2010; 106-132-3
1142. शान्न एफ, नोहिनेक एच, स्कूट जे ए, हेसेलिंग ए, फलांगन के एल; वर्किंग ग्रुप ऑन ननस्पेसिफिक इफेक्ट्स आफ वैकसिन्स। रैंडोमाइज्ड ट्रायल्स टू स्टडी द नन स्पेसिफिक इफेक्ट्स आफ वैकसिंस इन चिल्ड्रेन इन लो- इनकम कंट्रीज. पेडियाटर इनफेक्ट डिस जे. 2010 मई; 29 (5) : 457-61
1143. शरन पी, भार्गव आर। द डिबेट ऑन रिनेमिंग मेंटल रीटरडेशन ऐज इंटलेक्वुअल डिजेबलीटी (एडिटोरियल)। जरनल आफ इंडियन एसोसिएशन आफ चाइल्ड एंड मेंटल हेल्थ 2008; 4 : 52-54 (पब्लिश्ड इन 2010)
1144. शरन पी, सागर आर। द नीड फॉर नेशनल डेटा ऑन इपिडोमिओलॉजी आफ चाइल्ड एंड एडोलेसेंट मेंटल डिसऑडरस (एडिटोरियल)। जनरल आफ इंडियन एसोसिएशन आफ चाइल्ड एंड मेंटल हेल्थ 2008; 4 : 22-27 (पब्लिश्ड इन 2010)
1145. शरन पी। डेवलपमेंट चाइल्ड एंड एडोलेसेंट साइकिट्री बर्कफोर्स फोर लो एंड मिडिल इनकम कंट्रीज (एडिटोरियल)। जरनल आफ इंडियन एसोसिएशन आफ चाइल्ड एंड मेंटल हेल्थ 2008; 4 : 1-4 (पब्लिश्ड इन 2010)
1146. शारवत एस के, बख्शी आर, श्रीनिवास वी, बख्शी एस। माइटोकोन्ड्रियल डी-लूप वेरिएसंस इन पेडियाट्रिक एक्यूट माईएलॉड ल्यूकेमिया : ए पोटेन्सियल प्रोगनोस्टिक मार्कर। ब्रिट जे. हेमाटोल, 149, 391-398, 2010
1147. शर्मा ए, अरोड़ा आर, गुप्ता आर, डिंडा ए के। इम्माचुर गैस्ट्रिक टेराटोमा इन ऐन इनफैन्ट : रिपोर्ट आफ ए केस एंड रिव्यू आफ द लिटरेचर। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल 2010; 53 : 868-70
1148. शर्मा ए, बाजपेयी जे, रैना वी, मोहंती वी के। एचआईवी - एसोसिएटेड नन - हॉडग्किंस लाइमफोमा : एक्सपिरियंस फ्राम ए रिजिनल कैंसर सेंटर। इंडियन जे कैंसर 2010 जनवरी - मार्च; 47 (1) : 35-9
1149. शर्मा ए, दवारे ए डी, मोहंती बी के, देव एस वी, पाल एस, श्रीनिवास वी, एट ऑल। बेस्ट सपोर्टिव केयर कम्पेयर्ड विद कीमोथेरेपी फार अनरेसेकटेबल गाल ब्लाडर कैंसर : ए रैंडोमाइज्ड कंट्रोल्ड स्टडी। जे क्लिन ऑनकोल 2010; 28 : 4581-6
1150. शर्मा ए, दवारे ए डी, वैथिस्वारन वी, पाल एस, गुप्ता एस डी, शुक्ला एन के, एट ऑल। गाल ब्लाडर कैंसर : यूजुअल प्रेजेंटेसन, अनयूजुअल आउटकम ट्रॉप गैस्टोएनट्रोल। 2010; 31 : 127-8
1151. शर्मा ए, गुप्ता आर, आहुजा ए, अईयर वी के, बोरा एम, अग्रवाल एस के, डिंडा ए के। रीनल ऐलोग्राफ्ट रिसिपिंट विद को एग्जिटिंग बी के वायरस नेफ्रोपैथी एंड पलमोनरी हिस्टोपलासमोसिस : रिपोर्ट आफ ए केस। क्लिन एक्सप नेफरोल 2010; 14 : 641-4 (प्लीज चेक डेट)

1152. शर्मा ए, जैन एस, गुप्ता आर, गुलेरिया एस, अग्रवाल एस, डिंडा ए। कालसिनेडरिन इनहिबिटोर टॉक्सीसिटी इन रीनल एलोग्राफ्ट : मोर्फोलॉजिक क्लूज फ्राम प्रोटोकॉल बायोपसिस। इंडियन जे पैथोल माइक्रोबायोल 2010 ; 53 : 651-7

1153. शर्मा ए, खान आर, जोशी एस, शर्मा एन, कुमार एल। डायसरेगुलेशन इन टी एच1/ टीएच2 साइटोकिन रेसियोज इन मल्टीपल माइलोमा पेसेंट्स ल्यूकीमिया लाइमफोमा। 2010, 51 (5) : 920-7

1154. शर्मा ए, मोहंती बी के, ठकर ए, बहादुर एस, भास्कर एस। कनकमिटेंट कीमोरेडिएशन वरसस रैडिकल रेडियोथेरेपी इन एडवांसड स्क्वायमस सेल कारकीनोमा आफ औरपओफरैन्क एंड नासोफेरैंक यूजिंग विकली किसप्लाटेन : ए फेज-ख्ख्र रैंडोमाइज्ड ट्रायल। ऐन ओंकोल 2010 नवम्बर; 21 (11) : 2272-7

1155. शर्मा ए, रजप्पा एम, सत्यम ए, शर्मा एम। ऑक्सीडेंट/ एंटी- ऑक्सीडेंट डायनामिक्स इन पेसेंट्स विद एडवांस्ड सरवाइकल कैंसर : कोरेलेशन विद ट्रीटमेंट रिस्पोंस। मोल सेल बायोकेम। 2010; 341(1-2) 65-72

1156. शर्मा ए, राय ए, राजेश्वरी एम आर। हाई मोबिलिटी ग्रुप ए1 (एच एम जी ए 1) प्रोटेन एक्सप्रेशन कोरेलैट्स विद सिस्टपमाटीन इंडयूस्ड सेल डेथ इन स्क्यूमस सेल कारसिनोमा आफ स्किन। कैंसर इंवेस्ट। 2010, 28 (4) : 340-9

1157. शर्मा ए, सिंघल एम, थुलकर एस। फंगल इंफेक्शन फ्रॉम बैड टू अगली। जरनल आफ एसोसिएशन आफ फिजिशियंस आफ इंडिया 2010; 58: 111

1158. शर्मा ए, सिंघल एम, थुलकर एस। फंगल इंफेक्शन फ्रॉम बैड टू अगली। जे एसोस फिजिशियंस इंडिया 2010; 58 : 111

1159. शर्मा ए, बे ओपटिमिस्टिक, परसिस्टेंस पे । थेरेपी आफ गाल ब्लाडर कैंसर। ट्रोप गैस्ट्रोइंटेरोल 2010; 31 (2) : 73-74

1160. शर्मा सी, वेलपांडियन टी, सिंह एस बी, बिस्वास एन आर, वाजपेयी आर बी, घोष एस। इफेक्ट आफ फ्लूरोक्वीनोलोन्स ऑन एक्सप्रेशन आफ मैट्रिक्स मेटालोप्रोटेन्स इन डेब्राइडेड व्रोनिया आफ रैट्स। टॉक्सीकोल मेक मेथड्स 2010; 21 : 6-12

1161. शर्मा डी, बिठल पी के, दाश एच एच, चौहान आर एस, सूकपलंग पी, वाविलाला एम एस। सेरेब्रल ऑटोरेगुलेशन एंड सी $ओ_2$ रिएक्टीविटी बिफोर एंड आफ्टर इलेक्टिव सुपराटेंटोरेल ट्यूमर रेसेक्शन। जे न्यूरोसर्ज एनेस्थेसिओल 2010; 22(2) : 132-7

1162. शर्मा डी, प्रभाकर एच, बिठल पी के, अली जेड, सिंह जी पी, रथ जी पी, दाश एच एच। प्रेडिक्टिंग डिफिकल्ट लैरीयंगस्कोपी इन एक्रोमेगाली : ए कंप्रीजन आफ अपर लिप बाईट टेस्ट विद मोडीफाइड मल्लामपाति क्लासीफिकेशन। जे न्यूरोसर्ज एनेस्थेसियोल 2010; 22 (2) : 138-43

1163. शर्मा डी एन, रथ जी के, कुमार एस, भाटला एन, जुल्का पी के, सहाय पी, ट्रीटमेंट आउटकम आफ पेसेंट्स विद कारसिनोमा आफ बुलवा : एक्सपीरियंस फ्राम ए टेरटियरी कैंसर सेंटर आफ इंडिया। जे कैंसर रेस थेर 2010 अक्तूबर - दिसम्बर; 6 (4) : 503-7

1164. शर्मा डी एन, रथ जी के, पराशर ए, सिंह पी। सर्वे आफ अंडरग्रेजुएट मेडिकल स्टूडेंट्स आफ देअर अंडरस्टैंडिंग एंड एटीट्यूड टूवार्डस द डिसिपलीन आफ रेडियो थेरेपी। जे कैंसर रेस थेर 2010; 6(1) : 11-4

1165. शर्मा डी एन , रथ जी के, थुलकर एस, कुमार एस, सुब्रामनी वी, जुल्का पी के। हाई डोज रेज इंटरस्टीशियल ब्रेचथेरेपी यूजिंग टू विकली सेसंस आफ 10 जी वाई एच फार पेसेंट्स विद लोकली एडवांसड सरवाईकल कारसीनोमा, ब्रेचथेरेपी 2011 मई - जून; 10 (3) : 242 -8 ई पब 2010 अक्तूबर 8

1166. शर्मा डी एन , रथ जी के, थुलकर एस, कुमार एस, सुब्रामनी वी, जुल्का पी के। यूज आफ ट्रंसरेक्टल अल्ट्रासाउंड फार हाई डोज रेट इंटरस्टीशियल ब्रेचथेरेपी फार पेसेंट्स आफ कारसीनोमा आफ यूटरिन सरविक्स। जे गायनीकोल ओनकोल 2010; 21 : 12-7

1167. शर्मा डी एन, थुलकर एस, गोयल एस, शुक्ला एन के, कुमार एस, रथ जी के, एट ऑल। रिविजिटिंग द रोल आफ कम्प्यूटराइज्ड टोमोग्राफिक स्कैन एंड कायस्टोस्कोपी फार डेटेस्टिंग ब्लाडर इंवेसन इन द रिवाइज्ड एफ आई जी ओ स्टेजिंग सिस्टम फार कारसीनोमा आफ द यूट्रीन सरविक्स। इंट जे गाइनेकोल कैंसर 2010; 20 368-72

1168. शर्मा डी एन। ए व्रिटीक्यू आफ ""अमेरिकन ब्रेचथेरेपी सोसायटी सर्वे आफ थ्री - डाइमेंसनल इमेजिंग इन गायनीकोलॉजिक ब्रेचथेरेपी""। जे कैंसर रेस थेर 2010; 6 (3) : 400-1

1169. शर्मा एच, शर्मा एस के, कधिरावन टी, मेहता एम, श्रीनिवास वी, गुलाटी बी, एट ऑल। पैटर्न एंड कोरलेट्स आफ न्यूरोकॉगनिटिव डाइसफंक्शन इन एशियन इंडियन एडलट्स विद सेवर अब्सट्रक्टिव स्लिप अपनोइया। इंडियन जे मेड रेस. 2010; 132 : 409-14

1170. शर्मा जी बी, घोष बी, कुमार पी, मित्तल एस, कुमार एस, राय के के। कंप्रीजन आफ लाइगनोकैन जेल - सोएक्ड फैलोप रींग्स बी एस रेक्टल डाइक्लोफेंस सपोजिटरी फार पेन इन लैप्रोस्कोपिक स्टेरीलाइजेशन। जे मिनिम इनवैसिव गायनीकोल। 2011 जनवरी - फरवरी; 18 (1) : 43-7

1171. शर्मा जे बी, करमाकर डी, हरि एस, सिंह एन, सिंह एस पी, कुमार एस, राय के के। मैग्नेटिक रिसोनेंस इमेजिंग फाइंडिंग्स अमोंग ओमेन विद ट्यूबरक्यूलर ट्यूबो - ओबरेन मैसेस इंट जे गायनीकोल ऑब्सटेट। 2011 अप्रैल; 113 (1) : 76-80

1172. शर्मा जे बी, मोहन राज पी, जैन एस के, राय के के। इंव्रीव्ड कम्प्लीकेसंस रेट्स इन वैगिनल हाइस्ट्रेक्टोमी इन जेनिटल ट्यूबरकलोसिस। आर्क गायनीकोल ऑब्सटेट 2011 अप्रैल; 283 (4) : 831-5

1173. शर्मा जे बी, मोहनराज पी, जैन एस के, रॉय के के, सर्जिकल कॉम्पलीकेशन्स ड्यूरिंग लेपोरोटॉमी इन पेशैंट्स विद एब्डोमिनोपेल्विक ट्यूबरकुलोसिस। इंट जे गायनीकॉल ऑब्सटेट। 2010 अग; 110(2) : 157-8

1174. शर्मा जे बी, मोहन राज पी, रॉय के के, जैन एस के, इम्रीव्ड कॉम्पलीकेशन रेट्स एसोसिएटिड विद लेपारोस्कोपिक सर्जरी एमंग पेशेंट्स विद, जेनीटल ट्यूबरकुलोसिस। इंट जे गायनीकॉल ऑब्सटेट। 2010 जून; 109 (3) : 242-4

1175. शर्मा ए, गोहिल कर्माकर निवेदिता, इंटरेक्शन आफ एजोटोबेक्टिन विद ब्लॉकिंग एंड मोबिलिजिंग एजेंट्स इन एन टी बी आई -ऐसे मोलिक्यूलर बायोसिस्टम्स। 2010; डी ओ आई : 10.1039/सी 00484 ओबी

1176. शर्मा एम, गोहिल कर्माकर निवेदिता। ऑप्टिकल फीचर्स आफ दि फ्लू ओरोफोर एजोटोबेक्टिन : एप्लीकेशन्स फार आयरन सेंसिंग इन बायोलॉजिकल फ्लूड्स इंजीनियरिंग इन लाइफ साइंसेज; 2010; डी ओ आई : 10. 1002/ इल्स. 201000038

1177. शर्मा एम, कृपलानी ए, लाल एस। क्लिनिकल एंड रिप्रोडक्टिव आउटकम आफ्टर हिस्टेरोस्कॉपिक एथेसियोलाइसिस यूजिंग हिस्टेरोस्कॉपिक सीजर्स इन पेशेंट्स विद इन्फर्टिलिटी। जे मिनिम इन्वेसिव गायनीकॉल। 2010; 17 : एस 142

1178. शर्मा एम सी, अग्रवाल एस, सूरी वी, जैन ए, सरकार सी, शर्मा एम एस, गर्ग ए, मलिक एस। एक्जाइंट्रीकुलर न्यूरोसाइटोमस : ए मोरफोलॉजिकल एंड हिस्टोजेनेटिक कंसीडेरेशन-ए स्टडी आफ सिक्स केसेज ब्रेन। पेथालॉजी 2010 ; 20 : 53

1179. शर्मा एम सी, पाठक पी, सरकार सी, झा पी, सूरी वी, हुसैन एम, सिंह एस, भाटिया आर, गुलाटी एस। लिम्ब गिरडल मस्कुलर डिस्ट्रॉफी टाइप 2ए इन इंडिया : ए स्टडी बेस्ड ऑन सेमीक्वांटीटेटिव प्रोटीन एनालाइसिस विद क्लिनिक एंड हिस्टोपैथोलॉजीकल ब्यूपॉइंट। ब्रेन पैथालॉजी 2010; 20 : 94

1180. शर्मा एम एस, सिंह आर, काले एस एस, अग्रवाल डी, शर्मा बी एस, महापात्रा ए के,। ट्यूमर कंट्रोल एंड हियरिंग प्रजरवेशन आफ्टर गामा नाईफ रेडियो सर्जरी फार वेस्टीबुलर स्चबॉन्नोमस इन न्यूरोफिब्रोमेटोसिस टाइप 2। जे न्यूरोऑन कॉल 2010 जून; 98 (2) : 265-70

1181. शर्मा एम एस, थापा ए, चद्रा एस पी, सूरी ए, सिंह एम, बहल वी के, शर्मा बी एस। इंट्रा ऑपरेटिव पल्स एंड ब्लड प्रेशर रिकॉर्डिंग्स आफ न्यूरोसर्जन्स : ए पायलट स्टडी आफ कार्डियोवैस्कुलर परफॉर्मेन्स। न्यूरोसर्जरी 2010 मे ; 66 (5) : 893-9; डिस्कशन 899

1182. शर्मा पी, दुबे डी, सिंह ए, मिश्रा बी, सिंह एन, सिन्हा एम, एट ऑल। स्ट्रक्चुरल बेसिस आफ रिकॉगानिशन आफ पेथोजीन एसोसिएटिड मोलेकुलर पैटर्नस एंड इन्हिबिशन आफ प्रोइन्फलेमेटरी साइटोकिन्स बाई केमल पेप्टीडोग्लाइसन रिकॉगनिशन प्रोटीन । जे बॉयल चेम 2011; 286 : 16208-17

1183. शर्मा पी, कार आर, भार्गव आर, रंजन आर, प्रवास चंद्र मिश्रा, सक्सेना आर। एक्यूरिड प्लेटलेट डिस्फंक्शन इन 109 पेशेंट्स फ्राम ए टेरटियरी केयर रेफरल हॉस्पीटल। क्लिन एप्ल थ्रॉम्ब हेमोस्ट 2011; 17 : 88-93

1184. शर्मा पी, कुमार एल, मोहंती एस, कोचुपिल्लै वी। रेस्पोंस टू इमेटिनिब मिसाइलेट इन क्रॉनिक माइलॉयड ल्यूकीमिया पेशेंट्स विद वेरियंट बी सी आर - ए बी एल फ्यूजन ट्रंसक्रिप्ट्स एन्न हेमाटोलॉजी 2010 मार; 89 (3) : 241-7 (आई एफ, 2.56)।

1185. शर्मा पी, मोहंती एस, कोचुपिल्लै वी, कुमार एल। मुटेशन्स इन ए बी एल किनेस डोमेन आर एसोसिएटिड विद इनकीरियर प्रोग्रेशन -फ्री सर्वाइवल ल्यूक लिम्फोमा 2010; 51 (6) : 1072-8 (आई एफ, 2.4)

1186. शर्मा पी, सक्सेना आर, ए नॉवेल थ्रॉमबोइलास टोग्राफिक स्कोर टू आइडेन्टिफाई ऑवर्ट डिस्सेमिनेटिड इंट्रावेस्कुलर कोगुलेशन रिजल्टिंग इन ए हाइपोकोगुलेबल स्टेट। एम जे क्लिन पेथोल 2010 ; 134 : 97-102

1187. शर्मा पी, सक्सेना आर। लिमिटेड यूटिलिटी आफ ए रेपिड क्वांटीटेटिव इन्जाइम - लिंक्ड फ्लूओरेसेंट असे फार दि डी-डिमर इन दि डायनोसिस आफ ऑवर्ट डिस्सेमिनेटिड इन्ट्रावेस्कुलर कॉगुलेशन, क्लिन अप्पल थ्रॉम्ब हिमोस्ट 2010 ; 16 : 609-13

1188. शर्मा पी, सुजाता मोहंती, ललित कुमार। मुटेशन्स इन एबीएल किनेस डोमैन आर एसोसिएटिड विद इनकीरियर प्रोग्रेशन-फ्री सरवाइवल ल्यूकीमिया एंड लिम्फोमा। 2010; 51(6) : 1072-78

1189. शर्मा पी के, आहूजा वी, मदन के, गुप्ता एस, राइजादा ए, शर्मा एम पी। प्रिवेलेंस सेवेरिटी, एंड रिस्क फैक्टर्स आफ सिम्पटोमेटिक गैस्ट्रोईसोफागियल रिफलक्स डिजीज एमंग एम्पलॉइज आफ ए लार्ज हॉस्पीटल इन नॉर्थर्न इंडिया। *इंडियन जे गैस्ट्रोइंटेरॉल* 2011; 30 : 128-34

1190. शर्मा एस, आर्य आर, राजू के एन, कुमार ए, चेपर जी सी, वन दर नाप एम एस, एट ऑल। वैनिशिंग व्हाइट मैटर डिजीज एसोसिएटिड विद टोसिस एंड मायऑक्लोनिक सीजर्स। जे चाइल्ड न्यूरोल 2011; 26 : 366-8

1191. शर्मा एस, दास पी, दत्ता गुप्ता एस, कुमार एल, गुप्ता डी के। लिवर एंड पोर्टल हिस्टोपैथोलॉजिकल कॉरिलेशन विद एज एंड सरवाइवल इन एक्स्ट्रा हेपेटिक बिलिएरी एट्रेसिया। पेडिएट्र सर्ज इंट. 2011 जनवरी 21 (ई-पब अहैड आफ प्रिंट)

1192. शर्मा एस, गुलाटी एस, काबरा एम, कालरा वी, वशिष्ट एस, गुप्ता वाई के। ब्लड अमोनिया लेवल्स इन इपिलेप्टिक चिल्ड्रन ऑन 2 डोज रेंजेज आफ वप्रोक एसिड मोनोथिरेपी : ए ब्रोस सेक्शनल स्टडी। *जे चाइल्ड न्यूरॉल* 2011; 26 : 109-12

1193. शर्मा एस, गुप्ता डी के, स्कोप फार रीनल रिजनरेशन यूजिंग बोन मैरो डेराइब्ड स्टेम सैल्स - हाऊ फार अवे फ्राम बैंच टू बेडसाइड। प्रॉक इंडियन नेट्ल एकेड, 76 (2), पी पी 89 - 95, 2010

1194. शर्मा एस, गुप्ता डी के। प्राइमरी गेस्ट्रिक पुल अप इन प्योर इसोफागियल अट्रेसिया : टेक्नीक्यू, फिजिबिलिटी एंड आउटकम। ए प्रोस्पेक्टिव ऑब्जर्बेशनल स्टडी। पेडियाट्र सर्ज इंट 2011 जनवरी 22

1195. शर्मा एस, रव आर, चौधरी आर आर। एट्टीट्यूड एंड ओपीनियन टुबार्डस इसेन्शियल मेडिसिन फॉर्मुलरी। इंडियन जे फार्माकॉल। 2010; 42 : 150-2

1196. शर्मा एस, कोचर जी एस, संख्यन एन, गुलाटी एस, एप्रोच टू दि चाइल्ड विद कोमा। *इंडियन जे पेडिएट्र* 2010; 77 : 1279-87

1197. शर्मा एस, कुमार एल, मोहंती एस, कुमार आर, दत्ता गुप्ता एस, गुप्ता डी के। बोन मैरो मोनोन्यूक्लियर स्टेम सैल इन्फ्यूजन इम्प्रूव्ज बायोकैमिकल पैरामीटर्स एंड साइन्टीग्राफी इन इनफैन्ट्स विद बिलिएरी अट्रेसिया। पेडिएट्र सर्ज इंट. 2011; 27 (1) : 81-9

1198. शर्मा एस, कुमार एल, मोहंती एस, कुमार आर, दत्ता गुप्ता एस, गुप्ता डी के। बोन मैरो मोनोन्यूक्लियर स्टेम सैल इन्फ्यूजन इम्प्रूव्ज बायोकैमिकल पैरामीटर्स एंड साइन्टीग्राफी इन इनफैन्ट्स विद बिलिएरी अट्रेसिया। पेडिएट्र सर्ज इंट. 2011; 27 (1) : 81-9

1199. शर्मा एस, मुकुंद ए, अग्रवाल एस, श्रीवास्तव डी एन। केस आफ ए मिसप्लेस्ड आईबीसी फिल्टर : ए लेसन टू लर्न। कार्डियोवेस्क इंटरवेंट रेडियॉल 2010; 33 : 880-2

1200. शर्मा एस, नाकागोमी टी, नाकागोमी ओ, पॉल वी के, भान एम के, राय पी। कॉन्वेलेसेंट फेस सेरा फ्राम चिल्डन इन्फक्टेड विद जी 12 रोटेवाइरस व्रास - न्यूट्रालाइज रोटेवाइरस स्ट्रेन्स बिलौंगिग टू दिवा जेनोग्रुप। *जे जेन वाइरल* 2010; 91 (पी टी 7) : 1794-9

1201. शर्मा एस, पॉल वी के, भान एम के, राय पी। जेनोमिक केरेक्टराइजेशन आफ नॉनटीपिएबिल रोटेवाइरसिज एंड डिटेक्शन आफ ए रेअर जी8 स्ट्रेन इन देहली, इंडिया। जे *क्लिन माइक्रोबॉयल* 2009; 47 : 3998-4005

1202. शर्मा एस, रमेश के, गर्ग ए, गुलाटी एस। कॉग्निटिव डिक्लाइन एंड लिम्ब वीकनैस इन ए 10 ईयर ओल्ड बॉय। जे *क्लिन न्यूरोसाइ* 2010; 17 : 1542,1609

1203. शर्मा एस, एस कुमार, मिश्रा एन के, गायकवाड़ एस बी। सेरेब्रल मिलिएरी माइक्रो एनूरिज्म इन पोलियरटेरिटिस नोडोसा : रिपोर्ट ऑफ टू केसेज। न्यूरोलॉजी इंडिया, 2010, मे - जून, वॉल। 58 : 457-459

1204. शर्मा एस, संख्यान एन, गुलाटी एस, कुमार ए, श्रीनिवास एम, शुक्ला बी, एट ऑल मेव्रोडेक्टीली एंड फाइब्रोस हेमारटोमा इन ए चाइल्ड विद ट्यूबरॉस सिलेरोसिस काम्पलेक्स। जे चाइल्ड न्यूरॉल 2011 ; 26 : 95-8

1205. शर्मा एस, संख्यान एन, गुलाटी एस, कुमार ए। इंट्राक्रेनियल केवरनोमेट्स हिमनजियोमास एज ए कॉज आफ चाइल्ड हुड टेम्पोरल लोब इपिलेप्सी। जे चाइल्ड न्यूरोल 2010; 25 : 1423-4

1206. शर्मा एस, टंडन आर, सुजाता मोहंती, नम्रता शर्मा, एम बनाथी, सीमा सेन, एट ऑल। कल्चर आफ कोरनियल लिम्बाल एपिथेलियल स्टेम सैल्स : एक्सपीरियन्स फ्रॉम बेन्च टॉप टू बेडसाइड इन ए टेरटियरी केयर हॉस्पिटल इन इंडिया। कॉर्निया 2010 (एक्सेप्टिड)

1207. शर्मा एस जी, अग्रवाल एन, गुप्ता एस डी, सिंह एम के, गुप्ता आर, डिंडा ए के। एंजियोजेनेसिस इन रीनल सैल कार्सिनोमा : कॉरिलेशन आफ माइक्रोवेसिल डेनसिटी एंड माइक्रोवेसिल एरिया विद अदर प्रोग्नोस्टिक फैक्टर्स। *इंट यूरोल नेफरॉल* 201; 43 : 125-9

1208. शर्मा शिल्पा, गुप्ता डी के। रिवाइवल आफ लेंडिग्स कॉन्सेप्ट आफ इन्फेन्टाइल ऑब्स्ट्रक्टिव कॉलेंगियोपैथी - ए प्ली टू हैंड ओवर दि 2 वीक ओल्ड जॉन्डिस्ड फल टर्म न्यूनेट टू दि सर्जन। जॉर्नल आफ पेडियाट्रिक सर्जन्स आफ बंगलादेश 2010; 1 : 37-52

1209. शर्मा एस के, धूरिया एस, प्रसाद केटी, जॉर्ज एन, रंजन एस, गुप्ता डी, इट ऑल आउटकम्स आफ एन्टापरेट्रोवायरल थिरेपी इन ए नॉर्थर्न इंडियन अरबन क्लिनिक बुल वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गन 2010; 88 (3) : 222-6

1210. शर्मा एस के, ई वी रेड्डी, अभिषेक शर्मा, टी कधीरावन, ह्रदेश के मिश्रा, बी श्रीनिवास, इट ऑल प्रिविलेंस एंड रिस्क फैक्टर्स आफ सिंड्रोम जेड इन अरबन इंडियन्स। स्लीप मेड, 2010 जून : 11(6) : 562-568

1211. शर्मा एस के, कौशिक जी, झा बी, जॉर्ज एन, अरोड़ा एस के, गुप्ता डी, एट ऑल प्रिविलेंस आफ मल्टी ड्रग - रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस एमंग न्यूली डायग्नोस्ड केसेस आफ स्पटम - पॉजिटिव पुलमोनरी ट्यूबरकुलोसिस। इंडियन जे मेड रेस 2011; 133 : 308-11

1212. शर्मा एस के, कुमार एस, शाह पी के, जॉर्ज एन, अरोड़ा एस के, गुप्ता डी, एट ऑल प्रिविलेंस आफ मल्टी ड्रग - रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस एमंग केटैगरी-II पुलमोनरी ट्यूबरकुलोसिस पेशेंट्स। इंडियन जे मेड रेस 2011; 133 : 312-5

1213. शर्मा एस के, मिश्रा पी, सेठ टी, महापात्रा एम। इलियल अल्सेरेशन ड्यूरिंग आल ट्रांस रेटिनोइक एसिड थिरेपी फार एक्यूट प्रॉमाइलोसाइटिक ल्यूकीमिया। ल्यूक रेस 2011 ; 35 : 89-90

1214. शर्मा एस के, रेड्डी ई वी, शर्मा ए, कधीरावन टी ,मिश्रा एच के, श्रीनिवास वी, मिश्रा एच के, लक्ष्मी आर, प्रिविलेंस एंड रिस्क फैक्टर्स आफ सिंड्रोम जेड इन अरबन इंडियंस स्लीप मेडिसिन, 2010; 11 : 562-568

1215. शर्मा एस के, रोहित सिंघला, पवन सरदा, अल्लादी मोहन, गोविंद मखारिया, अरविन्द —— यसवाल, इट ऑल। दि बेस्ट एप्रोच टू रिइंट्रोड्यूसिंग ट्यूबरकुलोसिस ट्रीटमेंट आफ्टर हेपाटोटोकिसीसिटी इजस्टिल ओपन टू डिबेट (लेटर)। क्लिन इन्फेक्ट डिस., 2010 (51) : पी पी 366-367

1216. शर्मा एस के, सिंगला आर, सरदा पी, मोहन ए, मखारिया जी, जायसवाल ए, इट ऑल। सेफ्टी आफ 3 डिफरेंट - इंड्यूस्ड हेपाटोटोक्सीसिटी, क्लिन इन्फेक्ट डिस, 2010; 50 : 833-9

1217. शर्मा एस के, सिन्हा एस, दानिशाद के ए, शर्मा यू, शर्मा एच, मिश्रा एच के, इट ऑल। प्रोटोन मैग्नेटिक रिसोनेन्स स्पेक्ट्रोस्कॉपी आफ ब्रेन इन ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप अपनोई इन नॉर्थ् इंडियन एशियन सब्जेक्ट्स। इंडियन जे मेड रेस 2010; 132 : 278-86

1218. शर्मा एस के, जिदोबुदिन - इंड्यूज्ड एनेमिया इन एचआईवी/ एड्स। इंडियन जे मेड रेस, 2010; 132 :359-61

1219. शर्मा यू, सिंह आर आर, आहूजा बी, मखारिया जी के, जगन्नाथन एन आर। सिमिलरिटी इन दि मेटाबोलिक प्रोफाइल इन माव्रोस्कॉपीसिली इन्वॉल्वड एंड अन इनवोल्वड कोलोनिक मुकोसा इन पेशेन्ट्स विद इन्फ्लेमेटरी बॉउल डिजीज : एन इन विट्रो प्रोटोन ((1) एच) एम आर स्पेक्ट्रोस्कोपी स्टडी. मेग्न रीजन इमेजिंग। 2010; 28 : 1022-9

1220. शर्मा वी, कुमार बी, सक्सेना आर। ग्लुटाथिवन एस - ट्रंसफेरेस जेने डिलिशन्स एंड देअर इफेक्ट ऑन आयरन स्टेटस इन एचबीई/ बेटा थलासिमिया पेशेंट्स। अन्न हेम्पटोल। 2010; 89 : 411-4

1221. शर्मा वी, मधु एस, नटराजन पी, मुनियादी जी, जायसवाल बी, सक्सेना आर, ए कम्पेरीजन आफ दि बोयोलॉजिकल एक्टिविटी आफ 2 फार्मुलेशन्स आफ इनोक्सेपेरिन इन 12 हेल्दी वॉलिन्टियर्स। क्लिन अप्पल थ्रोम्ब हिमोस्ट। 2010; 16 : 387-93

1222. शर्मा वी के, अस्ति डी पी, पेडियाट्रिक कॉन्टेक्ट डरमाटीटिस। इंडियन जे डरमाटॉल वेनरियोललिप्रोल। 2010; 76 : 514-20

1223. शर्मा वी के, सेठी पी के, डोगरा पी एन, सिंह यू, दास पी, प्राइमरी ट्यूबरकुलोसिस आफ ग्लांस पेनिस आफ्टर इन्ट्रावेसिकल बेसिलस कालमेटी गुरिन इम्मुनोथिरेपी। इंडियन जे डरमाटोल वेनेरियोल लेप्रोल। 2011; 77 : 47-50

1224. शर्मा वाई आर, पृथु ए, आजाद आर वी, कुमार ए, मैनन आर, इम्पेक्ट आफ अर्ली राइज आफ इंट्राऑकुलर प्रेशर ऑन विजुअल आउटकम फोलोइंग डायबेटिक विट्रेक्ट्रॉमी। इंडियन जे ऑप्थलमॉल 2011; 59 : 37-40

1225. शिव प्रसाद सी, पालीवाल पी,खडगावत आर, शर्मा ए, आइडेंटिफिकेशन आफ ए नोवल मुटेशन डेफिसिएंसी सिंड्रोम। जे पोस्ट ग्रेड मेड। 2010; 56 (4) : 290-2

1226. श्रवण कुमार सी, शर्मा डी एन, शर्मा के, हरेश केपी, रथ जी के, यंगस्ट केस आफ थर्ड वेंट्रीकुलर एनाप्लास्टिक न्यूरोसाइटोमा। इंडियन जे मेड पेडियट्र ऑनकॉल। 2010 अप्रैल, 31 (2) : 69-71

1227. श्रीवास्तव एम, विवेकानंदन एस, पती यू, बिहारी एम, दास टी के। 2011 मिटोचोंड्रियल परटर्वेश एंड एक्सकुशन आफ एपोप्टोसिस इन प्लेटलेट मिटोचोंडिया आफ पेशेंट्स विद ए माईओट्रोफिक लटेरल स्कलेरोसिस। इंट जे न्यूरोसाइ 121 (3) : 149-58

1228. श्रीवास्तव एम, विवेकानंदन एस, पती यू, बिहारी एम, दास टी के। मिटोचोंड्रियल परटर्वेश एंड एक्सकुशन आफ एपोप्टोसिस इन प्लेटलेट मिटोचोंड्रिया आफ पेशेंट्स विद ए माईओट्रोफिक लटेरल स्कलेरोसिस। इंट जे न्यूरोसाइ, 2011 मार्च; 121 (3) : 149-58

1229. शुक्ला जे, अरोड़ा जी, कोतवाल पी पी, कुमार आर, मल्होत्रा ए, बंधोपाध्याय जी, हाइड्रोक्सी प्रोपाइल ए साइक्लोडेक्सट्रिन नेनो प्रॉब्स फार इंफेक्शन इमेजिंग। हेल जे न्यूकल मेड। 2010; 13 : 218-23

1230. शुक्ला जे, अरोड़ा जी, कोतवाल पी पी, कुमार आर, मल्होत्रा ए, बंधोपाध्याय जी पी रेडियोलेब्लड ओलिगोसाक्चारीड्स नेनोप्रॉब्स फार इन्फेक्शन इमेजिंग। हेल जे न्यूकल मेड 2010; 13 : 118-123
1231. शुक्ला पी, वशिष्ठ एस, श्रीवास्तव आर, गुप्ता एन, घोष एम, कुमार एम, शर्मा आर, गुप्ता ए के, कौर पी, कमाटे एम, गुलाटी एस, कालरा वी, फडके एस, सिंधी पी, धेराई ए जे, काबरा एम। मोलेकुलर एंड स्ट्रक्चुरल एनालाइसिस आफ मेटाक्रॉमेटिक ल्यूकोडिस्ट्रॉफी पेशेंट्स इन इंडियन पॉपुलेशन। जे न्यूरॉल साइ 2011; 301 : 38-45
1232. सुन्यू एन बी, गुप्ता एस डी, ठाकर ए, शर्मा एस सी। हिस्टोलॉजिकल एंड इम्मुनोहिस्टोकेमिकल स्टडी आफ पार्स टेन्सा रिट्रेक्शन पॉकेट। ऑटोलेरिंगोल हैड नेक सर्ज 2011 ऑक्ट ; 145 (4) : 628-34
1233. सिद्दीकी आर, नेन्सी एन, नेइंगा डब्ल्यू पी, अली एस, दर एल, खान बी के, इट ऑल। डिस्ट्रीब्यूशन आफ कॉमन जेनेटिक सग्रुप्स इन चाइल्डहुड एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया इन फोर डिवलपिंग कंट्रीज, कैंसर जेनेट साइटोजेनेट। 2010; 200 : 149-53
1234. सिगमनी ई, अय्यर वी के, अग्रवाल एस। फाइन नीडिल एस्पीरेशन साइटोलॉजी आफ इनफेन्टाइल हाइमेंजियोंडोथेलियोमा आफ दि लिवर : ए रिपोर्ट आफ टू केसेज। *साइटोपैथोलॉजी* 2010; 21 : 398-402
1235. सिहोटा आर, राव ए, गुप्ता वी, श्रीनिवासन जी, प्रोग्रेशन इन प्राइमरी एंगल क्लोजर आइज। जे ग्लूकोमा 2010; 19 : 632-6
1236. सिहोटा आर, श्रीनिवासन जी, गुप्ता वी, अब एक्सटर्नो साइक्लोडायलेसिस इन्हैंस्ड ट्राबेकुलेक्टॉमी फार इंट्राक्टेबल पोस्ट केराटोप्लास्टी ग्लूकोमा। आई 2010; 24 : 976-9
1237. सिहोटा आर, वशिष्ठ पी, शर्मा ए, चक्रवर्ती एस, गुप्ता वी, पांडे आर एम। एंटीरियर सेग्मेंट ऑप्टीकल कॉहेरेन्स ट्रॉमोग्राफी कैरेक्टैरिस्टिक्स इन एन एशियन पॉपुलेशन। जे ग्लूकोमा। 2011 मार्च 21
1238. सिहोटा आर, एन इंडियन पर्सपेक्टिव ऑन प्राइमरी एंगल क्लोजर एंड ग्लूकोमा। इंडियन जे ऑप्थल मॉल 2011; 59 सप्ल : एस 76-81
1239. सिहोटा आर, लेजर्स इन प्राइमरी ओपन एंगल ग्लूकोमा। इंडियन जे ऑप्थलमोल 2011; 59 सप्पल : एस 114-7
1240. सिंह ए, दिलनबाज एफ, मेबार एस, शर्मा यू, जगन्नाथन एन आर, साहू एस के। कम्पोजिट पॉलिमेरिक मैग्नेटिक नेनोपार्टिकल्स फार कॉ-डिलिवरी आफ हाइड्रोकोबिक एंड हाइड्रोफिलिक एंटीकैंसर ड्रग्स एंड एम आर आई इमेजिंग फार कैंसर थिरपी। *ए सी एस एप्ल मटर इंटरफेसेजे* 2011: 3 :842-856
1241. सिंह ए, सिंह एस, अंसारी एम ए, नाग पी, इरशाद एम, स्टेटस आफ वायरल हेपेटाइटिस इन नॉर्थ इंडिया। हेपेटॉलॉजी इंटरनेशनल। 2011; 522
1242. सिंह ए के, गुप्ता एस के। हाई बॉडीमास इंडेक्स एंड एल्कोहल इंटेक इनक्रीज डीथ्स ड्यू टू लिवर डिजीज। दि नेशनल मेडिकल जॉर्नल आफ इंडिया। 2010; 24 (1) : 33-34
1243. सिंह ए के, प्रसाद आर, पसी एस, माधवन टी, दास एस एन, मिश्रा बी, इट ऑल। प्रोग्नोस्टिक सिग्नीफिसेंस आफ साइक्लोऑक्सीजीनीज 2 एंड रेस्पोंस टू कीमोथिरेपी इन इन्वेसिव डक्टल ब्रेस्ट कार्सिनोमा पेशेंट्स बाई रियल टाइम सरफेस प्लासमन रीसोनेंस एनालाइसिस। डी एन ए सैल बाय डी ओ आई : 10. 1089/ डी एन ए 2011-1215
1244. सिंह ए के, सिंह एन, तिवारी ए, सिन्हा एम, कुशवाहा जी एस, कौर पी, श्रीनिवासन ए, शर्मा एस, सिंह टी पी, फर्स्ट स्ट्रक्चरल इवीडेंस आफ मोड आफ डिफजन आफ एरोमेटिक लिगेंड्स एंड लिगेंड इंड्यूस्ड क्लोजर आफ हाइड्रोफाविक चैनल इन हेम परॉक्सी डेंसेज। जे बाइल इनोर्ग केम 2010; 15 : 760-776
1245. सिंह बी, सिंह डी, जरयाल ए के, दीपक के के। इक्टॉपिक बीट्स इन एप्रोक्सीमेट इंट्रोपी एंड सेम्पल इन्ट्रॉफी बेस्ड एच आर बी असरमेंट। *इंट जे सिस्टम्स साइंस* 2010 डी ओ असरमेंट आई : 10. 1080/00207721, 2010 543478
1246. सिंह बी, ""डेंगू रि इमर्जेज इन देलही"" हील इंडिया नवम्बर - दिसम्बर 2010 वो. 4 नम्बर 7, पेज 30-31
1247. सिंह जी, गुप्ता आर, कक्कर ए, अय्यर वी के, कश्यप एस, बक्शी एस, माथुर एस आर। फाइन नीडिल एस्पाइरेशन साइटोलॉजी आफ मेटास्टेटिक आकुलर मेडुलोइपिथेलियोमा। *साइटोपैथालॉजी* 2011; 22 : 343-5
1248. सिंह जी, कुमार पी, प्रसाद आर, सेठ ए, थुलकर एस, हॉस्टन एन, रोल आफ कलर डॉपलर इंडीसिस इन प्रिडिक्टिंग डिजीजफ्री सरवाइवल आफ ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स ड्यूरिंग नीएडजूवेंट कीमोथिरेपी। और जे रेडियोल 2010; 75; ई 1 58-62
1249. सिंह जी, एस के मौलिक, ए जायसवाल, प्रतीक कुमार, आर प्रसाद। इफेक्ट्स आफ एंटीऑक्सीडेंट लेवल्स इन पेशेंट्स आफ ब्रेस्ट कार्सिनोमा ड्यूरिंग नीएडजूवेंट कीमोथिरेपी एंड मास्टेक्टॉमी। मलाइसियन जे. मेड साइ. 2010; 17 (2), 24-28
1250. सिंह जी, गुप्ता आर, कक्कर ए, अय्यर वी के, कश्यप एस, बक्शी एस, माथुर एस आर। फाइन नीडिल एस्पाइरेशन साइटोलॉजी आफ मेटास्टेटिक ऑकुलर मेडुलोइपिथेलियोमा साइटोलॉजी 2010 (ई पब अहैड आफ प्रिंट)।

1251. सिंह जी पी, प्रभाकर एच, अली जेड। इज नॉलेज और ट्रीटमेंट बैटर दैन क्योर फार प्रिवेंशन आफ ट्रिगेमीनोकार्डिएक रिफ्लेक्स । जे ऑरल मेक्सीलोफैक सर्ज 2010; 68 (8) : 2035

1252. सिंह जी पी, प्रभाकर एच, बीथल पी के, दाश एच एच, ए कम्पेरेटिव इवेलूएशन आफ निट्रोयस ऑक्साइड - आइसोफ्लूरेन वी एस आइसोफ्लूरेन एनस्थीसिया इन पेशेंट्स अंडरगोइंग क्रेनियोटॉमी फार सुप्राटेंटोरियल ट्यूमर्स : ए प्रिलिमिनरी स्टडी। *न्यूरॉल इंडिया* 2011; 59 (1) : 18-242

1253. सिंह जी पी, प्रभाकर एच, चौधरी टी। एनएस्थेटिक मैनेजमेंट आफ पेशेंट्स विद कुगलवर्ग बेलेंडर सिंड्रोम अंडरगोइंग रिमोबल आफ स्कल्प डरमॉयड। *जे न्यूरोसर्ज एनस्थीसियॉल* 2011; 23 : 170-1

1254. सिंह जी पी, रथ जी पी, पेडियाट्रिक सबक्लेवियन वैन कैथेटेराइजेशन इन लटेरल पॉजिशन यूजिंग सेल्डिंगर टेक्नीक्यू। *जे न्यूरोसर्ज एनस्थीसियॉल* 2010; 22 (3) : 266

1255. सिंह आई, फारूक एम, मुखर्जी ओ, जैन एस, पाल पी के, श्रीवास्तव एम वी, बिहार एम, श्रीवास्तव ए के, मुखर्जी एम। नॉर्थ एंड साउथ इंडियन पॉपुलेशन्स शेयर ए कॉमन एन्सेस्ट्राल ऑरिजिन आफ फ्रीड्रेचीज एटाक्सि बट वैरी इन एज आफ जी ए ए रिपीट एक्सपेंशन। अन्न हम जेनेट 2010 मे ; 74 (3) : 202-10

1256. सिंह के पी, इन्फॉर्मेशन रिक्वायरमेंट आफ मेडिकल प्रोफेशनल्स : ए केस स्टडी आफ एम्स। जे लाइब्रेरी इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट 2010; 1(2) : 123-35

1257. सिंह एल पी, भारद्वाज ए , दीपक के के,। ऑक्यूपेशनल एक्सपोजर इन स्माल एंड मीडियम स्केल इंडस्ट्रीज विद स्पेसीफिक रिफरेंस टू हीट एंड नॉयज। नॉयज हेल्थ 2010 जन- मार; 12 (46) : 37-48

1258. सिंह एम, सिंह एन, करकुमिन कंटेरेक्ट्स दि प्रोलाइफरेटिव इफेक्ट आफ एस्ट्राडॉयल एंड इंड्यूसेज एपोप्टोसिस इन सरवाइकल कैंसर सैल्स। मोल सैल बायोकेम। 2011, 347 : 1-11

1259. सिंह एम बी, शर्मा एस के, नायर एस, पांडेय आर एम, कपिल यू, सिंह सी। स्टेट्स आफ आयोडीन कॉन्टेन्ट आफ साल्ट इन फार रीजन्स आफ इंडिया। *इंडियन जे पेडियट्र*/ 2011; 78 : 684-7

1260. सिंह एन, बहादुर ए, मित्तल एस, मल्होत्रा एन, भट्ट ए। कम्पेरेटिव एनालाइसिस आफ इंडोमेट्रियल ब्लड फ्लो ऑन दि डे आफ एच सी जी वाई 2 डी डॉपलर इन टू ग्रुप्स आफ वोमैन विद और विदाउट जेनीटल ट्यूबर कुलोसिस अंडरगोइंग आई वी एफ - ईटी इन ए डिवलपिंग कंट्री। आर्च गायनीकॉल ऑब्सटेट। 2011 जनवरी, 283 (1) 115-20

1261. सिंह पी, बक्शी एस, ऑसियश इन्वॉल्वेमेंट इन पेडियाट्रिक हॉगकिन्स लिम्फोमा। इंडियन जे पेडियट्र 2010 ; 77 : 565-566

1262. सिंह पी, कुमार ए, गुप्ता ए, चौहान एस, ऐरन बी। ए कम्पेरीजन आफ न्यूरोलॉजिकल आउटकम्स इन अल्फा स्टाट एंड पी एच स्टाट ब्लड गैस मैनेजमेंट स्ट्रेटजी इन पेडियाट्रिक पेशेंट्स (ट्रेट्रालॉजी आफ फैलॉट) अंडरगोइंग टोटल करेक्शन यूजिंग कार्डियोपुलमोनरी बाईपास ड्यूरिंग ओपन हर्ट सर्जरी। इंड जे. एक्स्ट्रा कॉरपोर टैक्न 2010; 20 : 30-35

1263. सिंह पी, मिश्रा एन के, दाश एच एच, थाइलिंग आर के, शर्मा बी एस, सरकार सी, चंद्रा पी एस। ट्रीटमेंट आफ वरटेब्रल हिमनजियोमास विद एब्सोल्यूट एल्कोहल (इथानोल) इम्बोलाइजेशन, कोर्ड डिक्प्रेशन, एंड सिंगल लेवल इंस्ट्रुमेंटेशन : ए पायलट स्टडी। *न्यूरोसर्जरी* / 2011; 68 (1) : 78-84

1264. सिंह आर, चंद्रा पी, सिंह के, आहूजा आर के, द्विवेदी। इंटरनल वेलीडेशन फार कॉक्स प्रॅापोर्शनल हजार्द मॉडल यूजिंग बूट स्ट्रेप रि-सेम्पिलिंग टेक्नीक्यू। जे बायोस्टेटिस्टिक्स। 2011; 5 (1) : 35-48

1265. सिंह आर, चौधरी एम, कपूर पी एम, किरन यू, ए रेंडोमज्ड ट्रायल आफ एनेस्थेटिक एजेंट्स इन पेशेंट्स विद कोरोनरी अर्टरी डिजीज एंड लेफ्ट वेंट्रीकुलर डिस्फंक्शन। अन्न कार्डिएक एनेस्थ 2010; 13 (3) : 217-23

1266. सिंह आर, चौधरी एम, सक्सेना ए, कपूर पी एम, जुनेजा आर, किरन यू। इन्हेल्ड नाइट्रोग्लिसरीन वर्सस इनहेल्ड मिलरीनॉन इन चिल्ड्रन विद कॉन्जीनीटल हर्ट डिजीज सफरिंग फ्राम पुलमोनरी अर्टरी हाइपरटेंशन। जे कार्डियोथोरेक वास्क एनेस्थ। 2010 ऑक्ट; 24 (5) : 797-801

1267. सिंह आर, धंध सी, सुमाना जी, वर्मा आर, सूद एस, गुप्ता पी के, इट ऑल। पॉलीएनी लाइन/ कार्बन नेनोट्यूब्स प्लेटफार्म फार सैक्सुअली ट्रंसमिटिड डिजीज डिटेक्शन। जे मॉल रिकॉग्निट 2010; 23 : 472-9

1268. सिंह आर, सुमाना जी, वर्मा आर, सूद एस, पांडे एम के, गुप्ता आर के, इट ऑल। डी एन ए बायोसेंसर फार डिटेक्शन आफ नेसेरिया गोनोर्होई कॉजिंग सेक्सुअली ट्रंसमिटिड डिजीज। जे बायोटेक्नॉल 2010; 150 : 357-65

1269. सिंह आर, सुमना जी, वर्मा आर, सूद एस, सूद के एन, गुप्ता आर के, इट ऑल फेब्रिकेशन आफ नाइजीरिया गोनोर्होई बायोसेंसर बेस्ड ऑन चिटोसन - एम डब्ल्यू सी एन टी प्लेट फार्म। थिन सोलिड फिल्म्स 2010; 519 : 1135-40

1270. सिंह आर 1, एक्सेस 1, माथुर पी, बहेरा बी, गुप्ता बी, मिश्रा एम सी। इपिडेमियोलॉजी आफ कंडीडेमिया इन क्रिटिकली इल ट्रॉमा पेशेंट्स : एक्सपीरियंसेज आफ ए लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर इन नार्थ इंडिया। जे मेड माइक्रोबाइल 2011; 60 (पी टी 3) : 342-8

1271. सिंह एस, अंसारी एम ए, सिंह ए, नाग पी, इरशाद एम। प्रिविलेंस एंड जीनोटाइप आफ टी टी वी इन नॉर्थ इंडिया। हेपाटोलॉजी इंटरनेशनल 2011; 209

1272. सिंह एस, जॉर्नल आफ लेबोरेटरी फिजिशियन्स (जे एल पी) : सक्सेस स्टोरी डिस्पाइट मैनी चैलेंजेज। जे लेब फिजिशियंस 2011; 3 : 1-3

1273. सिंह एस पी, अब्दुल कदीर, पूनम मल्होत्रा कपूर। कम्पेरिजन आफ इसमोलोल एंड लेबेटालोल, इन लो डोजेज, फार अटैनुएशन आफ सिम्पेथेमिमेटिक रिस्पोंस टू लेरिंगोस्कॉपी एंड इन्टुबेशन। सौदी जॉर्नल आफ एनेस्थीसिया 2010; 4 (3) : 163-68

1274. सिंह एस पी, चौहान एस, किरन यू। एनेस्थेटिक मैनेजमेंट आफ पेशेंट्स डक्टस अर्टिरियोसस नोट आलवेज एन इजी ऑप्शन"" अन्न कार्ड एनेस्थ 2010; 13 (3) 263-264

1275. सिंह टी बी, कालोइया जी एस, कुमार एस, चड्ढा आर के। रिहेबिलिटेशन नीड असस्मेंट आफ सेवेरली मेंटली इल एंड इफेक्ट आफ इंटरवेंशन। देलही साइकिट्री जॉर्नल 2010; 13 : 109-16

1276. सिंघल जी एंड राजेश्वरी एम. आर मोलिकुलर एस्पेक्ट्स ऑन दि इंटरेक्शन आफ होचस्ट - 33258 विद जी सी- रिच प्रोमोटर रीजन आफ सी मेट. डी एन ए एंड सैल बायलॉजी, 2010; 29: 91-100

1277. सिंघल एम, कनौजिया डी, सेठ ए, कुमार आर, गुप्ता ए, सूरोलिया ए, सूरी ए हीट शॉक प्रोटीन 70-2 (एच एस पी 70-2) एक्सप्रेशन इन ब्लेडर यूरोथेलियल कार्सिनोमा इज एसोसिएटिड विद ट्यूमर प्रोग्रेशन एंड प्रोमोट्स माइग्रेशन एंड इनवेशन गर्ग. और जे कैंसर 2010 जनवरी; 46 (1) : 207-15

1278. सिंघल एम, रैना वी, गुप्ता आर, दास पी, टी सैल - प्रोलिम्फोसाइटिक ल्यूकीमिया डिटेक्टेड इन ए पेशेंट्स आफ ब्रेस्ट कैंसर एट दि टाइम आफ रिकुरेंस : ए केस रिपोर्ट। केसेज जे 2010 जनवरी 4 ; 3 : 4

1279. सिंघल एम, रैना वी, मेधी के, गुप्ता सी, रेड्डी आर एम। हर्ट एज दि साइट आफ फर्स्ट रिलेप्स इन डिफ्यूज लार्ज बी सैल लिम्फोमा। इंडियन जे कैंसर। 2010 अप्रैल-जून; 47 (2) : 220-2

1280. सिंघल एम, सागर एस, कुमार एस, गुप्ता ए, मिश्रा एम सी। अल्ट्रासोनिक डेब्रिडेमेंट आफ पोस्ट ट्रामेटिक बाउंड्स जॉर्नल आफ सोसाइटी फार बाउंड केयर एंड रिसर्च सेप्टेम्बर 2010 : वो 13-1, 34-41

1281. सिंघल एम, सागर एस, पोस्ट ट्रामेटिक बुक्कल फैट पेड इंजुरी इन ए चाइल्ड : ए मिस्ड इनटिटी इन ई आर। ओमन मेडिकन जॉर्नल 2010; 07 (डोई : 10. 5001/ओम्ज 2010-70)

1282. सिंघल एम, सिंह एस, कुमार आर, रैना वी एक्सटेन्सिव कुटेनियश मैनीफेस्टेशन्स : प्रजेंटिंग फीचर आफ क्रॉनिक माइलोसाइटिक ल्यूकीमिया इन सेकेंड ब्लास्ट क्रीसिस। इंडियन जे डरमाटोल, 2010 जुल - सेप; 55 (3) 265-7

1283. सिंघल एम के, कृष्णन वी, सिंह एस, कुमार आर, रैना वी, आइसोलेटेड ओवेरियन रिलेप्स इन ए 68 - ईयर ओल्ड बोमैन विद एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया। जे क्लिन ऑन कोल 2010 फैब 10; 28 (5) ई 73-4 ईपब 2009 नवम्बर 23

1284. सिंगला आर, हरी एस, शर्मा एस के। डिफ्यूज स्माल बाउल थिकनिंग इन एड्स पेशेंट्स - ए केस रिपोर्ट। बी एम सी इन्फेक्ट डिस 2010; 10 : 310

1285. सिंगला आर, शर्मा एस के, मोहन ए, मखारिया जी, श्रीनिवास वी, झा बी, इट ऑल । इवेलुएशन आफ रिस्क फैक्टर्स फार एंटीट्यूबरकुलोसिस ट्रीटमेंट इन्ड्यूस्ड हेपाटोटोक्सिसिटी। *इंडियन जे मेड रेस* 2010; 132 81-6

1286. सिंगला एस, कुमार एस, रॉय के के, शर्मा जे बी, कछाबा जी। सेवेरे हाइड्रॉप्स इन दि इनफैंट आफ ए रीसस डी पॉजिटिव मदर ड्यू टू एंटी सी एंटीबॉडीज डायग्नोस्ड एंटेनटैली ए केस रिपोर्ट। जे मेड केस रिपोर्टस 2010 फेब 18 ; 4 : 57

1287. सिन्हा ए, हरी पी, गुलेरिया एस, गुलाटी एस, डिंडा ए के, मेहरा एन के, इट ऑल आउटकम आफ पेडियाट्रिक रीनल ट्रास प्लांटेशन इन नॉर्थ इंडिया, पेडियाट्रि ट्रंसप्लांट 2010; 14 : 836-43

1288. सिन्हा ए, सलूजा एस एस, गमानागट्टी एस। गेस्ट्रिक डुप्लीकेशन सिहट विथ माक्रोस्कोपिक सेरोसल हेटेरोटॉपिक पेंक्रियाज। जे ओ पी (जॉर्नल आफ पेंक्रियाज)। 2010 सेप्ट 6 ; 11 (5) 470-3

1289. सिन्हा ए, शर्मा एस, गुलाटी ए, शर्मा ए, अग्रवाल एस, हरी पी, बग्गा ए। फ्रेशियर सिंड्रोमः अर्ली गोनाडोब्लास्टोमा एंड साइक्लोजपोरिन रिस्पोंसिवनैस। पेडियाट्र नेफरोल 2010; 25 2171-4

1290. सिन्हा आर, रेवारी वी, टकायासु ओर्टोटेरिटिस विद डायलेटिड कार्डियोमायोपैथी : एनस्थेटिक मैनेजमेंट आफ लेबर एनालजीसिया। एक्टा एनस्थीसियोल ताइबान 2010; 48 99-102

1291. सिन्हा आर, रेवारी वी, टकायासु आर्टोर्टेरिटिस विद डायलेटिड कार्डियोमायोपैथी : एनस्थेटिक मैनेजमेंट आफ लेबर एंनालजीसिया। एक्टा एनस्थीसियोल ताइबान 2010; जून; 48 (2) 99-102

1292. सिन्हा एस, किदवाई टी, कंचन के, झा जी एन, आनंद पी, पती एस एस, इट ऑल। डिस्टिंक्ट साइटोकाइन प्रोफाइल्स् डिफाइन क्लिनिकल इम्म्यून रिस्पोंस टू फालसीपेरम मलेरिया इन रीजन्स आफ हाई और लो डिजीज ट्रंसमिशन और साइटोकाइन नेटब 2010; 21 : 232-40

1293. सिन्हा एस, शर्मा बी एस, गिन्ट पिटुटेरी एडनोमास - एन एनिग्मा रिविजिटिङः माइक्रोसर्जिकल ट्रीटमेंट स्ट्रेटजीज एंड आउटकम इन ए सीरीज आफ 250 पेशेंट्स। ब्र जे न्यूरोसर्ज फेब 2010; 24 (1) : 23-31

1294. सिन्हा एस, शर्मा एस के, ट्यूबरकुलोसिस एसोसिएटेड इम्यून रिकन्सटीट्यूशन इन्फ्लेमेटरी सिंड्रोम। इंडियन जे ट्युबर्क 2010; 57 : 177-9

1295. शिव प्रसाद बाई, सुदीप्त आर एस, मिलो टी सुद्दैन डीथ ड्यू टू कोरोनरी इनसफीसीएन्सि ड्यूरिंग ए क्वारैल एंड इट्स मेडिको - लीगल इम्पलीकेशन्स विद 3 केस रिपोर्टस। जे फोर्टेन्सिक मेड टेक 2010 : 13 (1) : 45-9

1296. सोखल एन, दुबे एस के, रथ जी पी, मर्दा एम के, पॉजिशनिंग प्रेशर ट्रंसड्यूमर्स : अपराइट और अपसाइड डाउनi अन्न कार्ड एनेस्थ 2011; 14 (1) : 66

1297. सोनी बी आर, हसन एम 1 परमार ए, इथायाथुला ए एस, कुमार आर पी, सिंह एन के, सिन्हा एम, कौर पी, यादव एस, शर्मा एस, मदमबार डी, सिंह टी पी, स्ट्रक्चर आफ दि नोवल 14 केदा फ्रेग्मेंट आफ अल्फा - सुबुनिट आफ साइकोरीथ्रिन फ्राम दि स्टार्विंग साइनोबैक्टीरियम फॉरमीडियम टेनू। जे स्ट्रक्ट बायल 2010; 171 : 247-255

1298. सोनिया एम, ललित डी, शोभा बी, शैफाली जी, अमनदीप एस, बीना के, इट ऑल। सुबक्यूट स्कलेरोसिंग पेनेन्सेफालिटिस इन ए टेरटियरी केयर सेंटर इन पोस्ट मीसल्स वैक्कीनेशन इटा । जे कॉमन डिस 2009 ; 41 : 161-

1299. सूद ए, कुमार आर। ट्राचील अपटेक इन एम डी पी बोन स्केनिंग। क्लिन न्यूकल मेड। 2010; 35 : 454-5

1300. सूद ए, चड्डा आर के। बोमैन इन एकेडेमिक साइकिट्री : व्यू फ्रॉम इंडिया। साइकिट्रिस्ट 2010; 34 : 498-9

1301. सूद एम, चड्डा आर के, वोमैन इन मेडिसिन : ए पर्सपेक्टिव इंडियन जॉर्नल आफ जेंडर स्टडीज 2010; 17 : 277-85

1302. सूद एम, चड्डा आर के। वोमैन साइकिट्रिस्ट्स इन इंडिया : ए रिफ्लेक्शन आफ देअर कंट्रीब्यूशन्स। इंडियन जे साइकिट्री 2010; 52 (सप्पल 1) : एस 396-401

1303. श्री जीथेश, पी आर, शुक्ला जी, श्रीवास्तव ए, गोयल वी, सिंह एस, बिहारी एम। बेलिडिटी आफ दि बर्लिन क्वयब्वनेयर इन आइडेंटिफाइंग ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप अपनिया सिंड्रोम व्हेन एडमिनिस्टर्ड टू दि इन्फार्मेन्ट्स आफ स्ट्रोक पेशेंट्स। जे क्लिन न्यूरोसाइ. 2011 मार ; 18 (3) : 340-3

1304. श्रीनिवास डी के, अदकोली बी वी । फैकल्टी डिवलपमेंट इन मेडिकल एजूकूशन इन इंडिया : दि नीड आफ दि डे. अल अमीन जे मेड साइ 2009; 2 : 6-13

1305. श्रीनिवास यू, पती एच पी, सक्सेना आर। हिमोग्लोबिन डी-पंजाब सिंड्रोम्स इन इंडिया : ए सिंगल सेंटर एक्सपीरियंस ऑनकेशन - एक्सचेंज हाई परफॉर्मेन्स लिक्विड व्रॉमेटोग्राफी। हेमाटोलॉजी 2010; 15 : 178-81

1306. श्रीनिवासन के, गडोडिया ए, भल्ला ए एस, चौधरी ए आर, भूटिया ओ, गुप्ता ए, चटर्जी पी, डिंडा ए के। मेग्नेटिक रिसोनेन्स इमेजिंग आफ मंडीबुलर हेमोफिलिक सीडोटयूमर एसोसिएटेड विद फेक्टर- रूरू डिफिसिएन्सी : रिपोर्ट आफ केस विद रिव्यू आफ लिटरेचर। *जे ओरल मेक्सीलोफैक सर्ज* 2011; 69 : 1683-90

1307. श्रीवास्तव ए, जैन ए, झा पी, सूरी वी, शर्मा एम सी, मलिक एस, पुरी टी, गुप्ता डी के, गुप्ता ए, सरकार सी। एम जी एम टी जीन प्रॉमोटर मोथीलेशन इन पेडियाट्रिक ग्लीऑब्लास टोमस। चाइल्ड्स नर्व सिस्ट 2010; 26 : 1613-8

1308. श्री वास्तव ए, राजअप्पा एम, कौर जे। यूवेटिस : मैकेनिज्म एंड रीसेंट एडवान्सेज इन थिरेपी क्लिन चिम एक्टा 2010; 411 : 1165-71

1309. श्रीवास्तव एस, चड्डा आर के, सिंह टी बी। ए कम्परेटिव स्टडी आफ डिस्एबिलिटी इन लौंग स्टे पेशेंट्स वर्सस आउट पेशेंट्स इन ए साइकिट्रिक हॉस्पीटल। देलही साइकिट्री जॉर्नल 2010; 13 : 49-52

1310. स्टेलिन पी, बरिडालिने एन, शुड टाइफायड वैक्सीन्स बी ए पार्ट आफ दि नेशनल इम्युनाइजेशन प्रोग्राम इन इंडिया। सेलेक्टेड समरीज। नट मेड जे इंडिया। मार्च- अप्रैल, 2010; 23 (2) : 90-9

1311. स्टालिन पी, गुप्ता एस के। डज बी सी जी वेक्सिनेशन प्रोटेक्ट अगेंस्ट चाइल्ड हुड अस्थमाi दि नेशनल मेडिकल जर्नल आफ इंडिया। 2010; 23 (4) : 219-220

1312. स्टेन डी जे, चिउ डब्ल्यू टी, हवांग आई, केस्सलर आर सी, सेम्पसन एन, अलोसो जे, इट एल। फ्रॉस नेशनल एनेलिसिस आफ दि एसोसिएशन्स बिटविन ट्रॉमेटिक इवेंट्स एंड सूसाइडल बिहेवियर : फाइडिंग्स फ्राम दि डब्ल्यू एच ओ वर्ल्ड मेंटल हेल्थ सर्वेस। पी एल ओ एस वन 2011; 5 : ई 10574

1313. स्टेन डी जे, रूसियो। पी एम, ली एस, पेट्रखोवा एम, अलोंसो जे, एंड्रेड एल एच, इट एल। सब टाइपिंग सोसल एंक्जाइटी डिसऑर्डर इन डिवेलप्ड एंड डिवेलपिंग कंट्रीज। डिप्रैस एंक्जाइटी 2010; 27 : 390-403

1314. स्टेनबोक पी, मिलनर आर, अग्रवाल डी, फेरेस ई, लियूंग जी के, एन जी1, इट एल। ए मल्टीसेंटर मल्टीनेशनल रजिस्ट्री फार एस्सेसिंग बेंट्री कूलोपेरीटोनियल शंट इन्फेक्शन्स फार हाइड्रोसिफेलस। न्यूरोसर्जरी। 2010 सिम्ब 23

1315. सबबिह वी, भारद्वाज डी, मुनीसामी एम, सागर आर, एंजियोटेन्सिन कन्वर्टिंग एन्जाइम जीन इन्जेर्शन/ डिलिशन पॉलिमोर्फिज्म : केस कंट्रोल एसोसिएशन विद सिजोफ्रेनिया इन ए नॉर्थ इंडियन पापुलेशन जे मोल बायोमार्क डायजन 2011; 2 : 105

1316. सुब्रमणियम ए, रंगाराजन के, पांडे आर एम, गांधी जे एस, शर्मा वी, भोई एस के। इवेल्यूवेशन आफ एन ऑटोमेंटिड एरिथ्रोसाइट सेडिमेंटेशन रेट एनेलाइजर एज कंपेयर्ड टू दि बेस्टरग्रेन मनुबल मैथड इन मेजरमेंट आफ एरिथ्रोसाइट सेडिमेंटेशन रेट। इंडियन जे पेथोल माइको बिओल। 2011 जनवरी- मार्च; 54 (1) : 70-4

1317. सुब्रमणियम एस, संकर एम जे, देवोरारी ए के, वेलपेंडियन टी, कानन पी, प्रकाश जी वी, अग्रवाल आर, पॉल वी के इवेल्यूवेशन आफ फोटोथिरेपी डिवाइसिस यूज्ड फार निओनेटल हाइपर बिलिरूबिनेमिया। इंडियन पेडिएटर 2011 नवम्बर 30 पी ।। : एस ओ 97475590900738-1

1318. सुगनधन एस , गुप्ता एस, खांडपुर एस, खन्ना एन, मेहता एम, इन्ना पी, ""मुनचाऊसेन सिंड्रोम बाई प्रोक्सी"" प्रेजेंटिंग एज बैटर्ड चाइल्ड सिंड्रोम : ए रिपोर्ट आफ टू केसिज। इंट जे डर्मेटोल। 2010; 49 : 679-83

1319. सुहेल एच, सुन्दरराजन सी सी, विवेकानन्दन एस, सिंह एस, बिहारी एम। एपोलिपोप्रोटीन ई जिनोटाइप्स एंड माइएस्थेनिया ग्रेविस न्यूरोल इंडिया 2010 मई - जून; 58 (3) : 443-5

1320. सुहेल एच, विवेकानन्दन एस, सिंह एस, बिहारी एम। कोक्सिसटेंट आफ मसल स्पेसिफिक डाइरोसिन किनासे एंड एसिटाइलकोलिन रिसेप्टर एंटीबॉडिज इन ए माइएस्थेनिया ग्रेविस पेशेंट। न्यूरोल इंडिया 2010 जुलाई - अगस्त; 58 (4) : 668-9

1321. सूरी एम, जैन एस, माथुर आर पैटर्न आफ बिपहेसिक रिस्पोंस टू वेरियस नॉक्सियस स्टीमूली इन रेट्स इनगेस्टिंग सुक्रास एडलिबिटुम। फिजियोल बिहेव 2010 सेप 1; 101 (2) : 224-31

1322. सूरी वी, झा पी, शर्मा एम सी, सरकार सी 06 - मिथाइलगोनिन डी एन ए मिथाइल ट्रंसफिरेस जीन प्रोमोटर मिथाइलेशन इन हाई ग्रेड ग्लियोमास : ए रिव्यू आफ करंट स्टेटस। न्यूरोल इंडिया 2011; 59 : 229-35

1323. सुथार सी, गुप्ता एस, कथुरिया एस। पोस्ट इन फ्लेमेट्री डिपिगमेंटेशन : एक्सिलैंट रिजल्ट्स विद सुक्शन ब्लिस्टर ग्राफ्टिंग। इंट जे डर्मेटोल 2010; 49 : 1325-7

1324. स्वरूप वी, श्रीवास्तव ए के, पदमा एम वी, राजेश्वरी एम आर। क्वांटिफिकेशन आफ सर्कुलेटिंग प्लाज्मा डी एन ए इन फ्रिडरीच एटेक्सिया एंड स्पिनोसिरेबेलर एटेक्सिया टाइप 2 एंड 12 । डी एन ए सेल बिओल 2011, फेब 17 (ई पब अहैड आफ प्रिंट)

1325. स्वरूप वी, श्रीवास्तव ए के, पदमा एम वी, राजेश्वरी एम आर। क्वांटिफिकेशन आफ सर्कुलेटिंग प्लाज्मा डी एन ए इन फ्रिडरीच एटेक्सिया एंड स्पिनोसिरेबेलर एटेक्सिया टाइप 2 एंड 12 । डी एन ए सेल बिओल 2011, जून; 30 (6) : 389-94

1326. तबस्सुम आई, चौधरी आर, चौरसिया बी के, मल्होत्रा पी। आइडेंटिफिकेशन आफ एन एन टर्मिनल 27 के डी ए, फ्रेगमेंट आफ माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया पी 116 प्रोटीन एज स्पेसिफिक इम्यूनेजेन इन एम। न्यूमोनिया इन्फेक्शन्स। एम सी इन्फेक्ट डिस. 2010; 10 : 350

1327. तलवार पी, छाबड़ा ए, त्रिखा ए, अरोड़ा एम के, चंद्रलेखा। एन्ट्रॉपि मॉनीटरिंग डिक्रोजिज इसोफ्ल्यूरेन कंसट्रेशन एंड रिकवरी टाइप इन पेडिएट्रिक डे केयर सर्जरी - ए रेंडेमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रॉयल। पेडिएट्र एनेस्थ। 2010 दिसम्बर; 20 (12) : 1105-10

1328. टेलीकोटी एम ए, दिओ एस वी एस, शुक्ला एन के, केल्लिनपुर ए ए, गुप्ता एम/ ए रेयर केस आफ जिएंट लियोमाइयोसर्कोमा इन ए फिलेरियल सब्रोटम : ए केस रिपोर्ट। वर्ल्ड जे सर्ज आंकोल। 2011 फेब 10, 9 : 20

1329. तलवार एस, अग्रवाल एस, मित्तल सी एम, चौधरी एस के, ऐरन बी। डाइफ्रेगमेटिक पेल्सी आफ्टर कार्डिएक सर्जिकल प्रोसीजर्स इन पेशेंट्स विद कॉनजेनिटल हर्ट। पेडिएट्र कार्डियोल 2010; 3 : 5057

1330. तलवार एस, अग्रवाल एस, मित्तल सी एम, चौधरी एस के, ऐरन बी प्लूरल इफ्यूजन्स इन चिल्ड्रन अंडरगोइंग कार्डिएक सर्जरी। एन्न पेडिएट्र कार्डियोल 2010; 3 : 58-64

1331. तलवार एस, चौधरी एस के, ऐरन बी/ इननोमिनेट आट्री केन्गुलेशन फार कॉनजेनिटल हर्ट डिजिज। इंटर एक्ट कार्डियोवास्क थोरेक सर्ज। 2010; 10 : 333

1332. तलवार एस, चौधरी एस के, ऐरन बी। पेलिएटिव आर्ट्रियल स्विच फार ट्रंसपोजिशन आफ ग्रेट ऑट्रीज , वेंट्रीकूलर सेपटल डिफेक्ट एंड पुलमोनरी वास्कूलर आब्सट्रक्टीव डिजिज। जे थोरेक कार्डियोवास्क सर्ज 2011; 141 : 848

1333. तलवार एस, चौधरी एस के, ऐरन बी। स्लेक्टिड सम्मरीज। एनेल्स आफ पेडिएट्रिक कार्डियोलॉजी 2010; 3 : 94-96

1334. तलवार एस, चौधरी एस के, ऐरन बी। स्लेक्टिड सम्मरीज। एनेल्स आफ पेडिएट्रिक कार्डियोलॉजी 2010; 3 : 199-201

1335. तलवार एस, कोठारी एस एस, अहमद टी, चौधरी एस के, ऐरन बी। यूनि- डायरेक्शनल वाल्वड पैच क्लोजर आफ वेंट्रीकूलर सेप्टल डिफेक्ट विद आर्ट्रियल स्विच ऑपरेशन इन ए पेशंट विद डि ट्रॉसपोजिशन आफ ग्रेट आर्ट्रिज एंड सेवियर पुलमोनरी हाइपरटेंशन। जे कार्डिएक सर्ज 2011; 25 : 234-36

1336. तलवार एस, कोठारी एस एस, शर्मा पी, चौहान एस, गुलाटी जी एस, चौधरी एस के, ऐरन बी। सक्सेशफूली सर्जिकल कोरेक्शन आफ एनोमेलोअस ऑरिजन आफ दि राइट पुलमोनरी आर्टरी फ्रॅाम दि ओर्टा इन ए एन एडल्ट। जे कार्ड सर्ज. 2011 मार्च; 26 (2) : 201-4

1337. तलवार एस, मेलेनकार डी, चौधरी एस के, ऐरन बी। टेम्पोरेरी स्टेर्नोटॉमी क्लोजर विद ए ब्लड बैग। हीट लंग सर्कुलेशन 2010; 19 : 673-4

1338. तलवार एस, मालंकर डी, चौधरी एस के, सक्सेना ए, ऐरन बी। एन अल्टरनेटिव टेक्नीक फार दि एट्रायल स्विच ऑपरेशन फार ट्रॉस पॉजिशन आफ दि ग्रेट आर्ट्रिज इन एन अन ऑप्रेटिड एडल्ट पेशेंट। जे कार्डिएक सर्जरी 2010; 25 : 406-9

1339. तलवार एस, संदीप जे ए, चौधरी एस के, विलेऊधाम डी, लक्ष्मी आर, कस्तूरी जे एम, कुमार ए एस। इफेक्ट आफ प्रोऑप्रेटिव एडमिनिस्ट्रेशन आफ एलोपूरीनॉल इन पेशेंट्स अंडरगोइंग सर्जरी फॉर वेलवूलर हर्ट डिजिजिज। इयूर जे कार्डियोथेरेक सर्ज 2010; 18 : 86-90

1340. 1340. तलवार एस, सक्सेना आर, चौधरी एस के, ऐरन बी। स्टेज्ड रिपेयर आफ पुलमोनरी एट्रेसिया, वेट्रीकूलर सेप्टल डिफेक्ट एंड मेजर सिस्टेमिक टू पुलमोनरी आर्टरी कोलेट्रल्स। एन्न पेडिएट्र कार्डियोल 2010; 3 : 136-139

1341. तलवार एस, शर्मा पी, चौधरी एस के, ऐरन बी। अल्ट्रासोनिक स्केलपेल फार हेमोस्टेसिस इन पेसमेकर - डिपेंडेंट पेशंट्स ड्यूरिंग ओपन- हर्ट सर्जरी। जे कार्ड सर्ज. 2010; 25 : 357-8

1342. तलवार एस, शर्मा पी, चौधरी एस के, कोठारी एस एस, गुलाटी जी एस, ऐरन बी। दि लि-काम्पटेस मेन्युवर फार रिलीफ आफ ब्रांचियल कप्रेशन इन एट्रियल सेप्टल डिफेक्ट। जे कार्डिएक सर्ज : 2011; 26 : 111-3

1343. तलवार एस, शर्मा पी, मिश्रा एस, चौधरी एस के, गुलाटी जी एस, ऐरन बी। ए मॉडिफाइड टेक्नीक फार पुलमोनरी वाल्व रिप्लेसमेंट विद ए होमोग्राफ्ट। जे कार्ड सर्ज. 2011 मार्च; 26 (2) : 144-7

1344. तलवार एस, उपाध्याय एम, चौधरी एस के, कोठारी एस एस, एंर्डसन आर ए, ऐरन बी। इंटरएट्रियल काम्युनिकेशन विद अनयुज्वेल कावेल विनस एनोमलिज। वर्ल्ड जे पेडिएट्रिक कॉनजेनिटल हट सर्जरी। 2010; 1 : 40-3

1345. तलवार एस, कंट्रोवर्सिज इन मेनेजिंग कार्डियोपुलमोनरी बाइपास इन निओनेट्स एंड इनफेंट्स। इंडियन जे एक्स्ट्रा कार्पोरटेक्न 2010; 20 : 12-18

1346. टंडन एन मेनेजमेंट आफ हाइपोथाइरोइडिज्म इन एडल्टस। जे एसोक फिजिसियन्स इंडिया 2011; 59 सुपल : 21-5

1347. टंडन आर, गुप्ता एन, कलाई एम, शर्मा एन, टिटियाल जे एस, वाजपेयी आर बी। एमनियोटिक मेब्रेन ट्रंस प्लांटेशन एज एन एडजंक्ट टू मेडिकल थिरेपी इन एक्यूट ऑक्यूलर बर्न्स। बी आर जे आफ्थेलमोल 2010 जुलाई 31

1348. तनेजा एन के, ढींगरा एस, मित्तल ए, नरेश एम, त्यागी जे एस। माइकोबेक्टेरियम ट्यूबरकुलोसिस ट्रंसक्रिप्सनल एडेप्टेशन, ग्रोथ एरेस्ट एंड डोर्मेसी फिनोटाइप डिवेल्पमेंट इन ट्रीगोई बाई विटामिन सी प्लोस वन 2010; 5 : ई 10860

1349. तंवर एम, दादा टी, दादा आर। एक्सेन फेल्ड रीगर सिंड्रोम एसोसिएटिड विद कॉनजेनिटल ग्लूकोमा एंड साइटोब्रॉम पी 4501 बी। जीन मूटेशन्स। केस रिपोर्ट मेड ई पब 2010 अगस्त

1350. तंवर एम, दादा टी, सिंहोटा आर, दादा आर : मिटोकोंड्रियल डी एन ए एनेलिसिस इन प्राइमरी कोंजेनिटल ग्लेकोमा। मोल विस 2010; 16 : 518-533

1351. तंवर एम, कुमार एम, दादा टी, सिंहोटा आर, दादा आर एम वाई ओ सी एंड एफ ओ एक्स सी आई जीन एनेलिसिस इन प्राइमरी कोंजेनिटल ग्लूकोमा। मोल विस, 20108 ; 156: 1996-2006

1352. तंवर एम, कुमार एम, नायक बी, पाठक डी, शर्मा एन, टिटियाल जे एस, दादा आर। वी एस एक्स 1 जीन एनेलिसिस इन केरेटोकोनुस। मोल विस 2010, 16 : 2395-401

1353. तंवर एम, सिंहोटा आर, दादा टी, गुप्ता वी, दास टी के, यादव यू, दादा आर 2010 सटर्ज वेबर सिंड्रोम विद कोंजेनिटल ग्लूकोमा एंड साइटोब्रॉम पी 450 (सी वाई पी 1 बी1) जीन मुटैयून्स। जे ग्लूकोमा 19 (6) : 398-404

1354. तंवर वी, सचदेवा जे, किशोर के, मित्तल आर, नाग टी सी, रे आर, कुमारी एस, आर्य डी एस। डोज डिपेंडेंट एक्शन्स आफ कुर्कुमिन इन एक्सपेरीमेंटली इंड्यूस्ड मायोकार्डियल नेफोसिस : ए बायोकैमिकल, हिस्टोपैथोलॉजिकल, एंड इलेक्ट्रॉन माइकोस्कॉपिक एविडेंस। सेल बायोकैम फंक्ट 2010; 28 : 74-82

1355. टैलोर डब्ल्यू आर, बुैहान ई, वर्थियम एच, सोपेंदी पी जैड, होर्बी वी, फोक्स ए, इट एल। एविशन इन्फल्यूंजा - ए रिव्यू फार डॉक्टर्स इन ट्रैवल मेडिसिन। ट्रैवल मेड इन्फेक्ट डिस 2010, 8 (1) : 1-12

1356. टेक्नुकुल टी, सेथ्यूरामन जीज ब्लोटोगोरस्की ए, होरेव एल मेकारोव एम, ट्रेनर ए, फोंग के, लेंस एम, मेडनिका एल, रमेश वी, एम सी ग्रेथ जे ए। लाई - चेओंग जे ई। नोवल एंड रिकरंट एफ ई आर एम टी आई जीन मुटेशन्स इन किंडलर सिंड्रोम। एक्टा डर्मेटोल वेनरोल 2011; 91 : 267-270

1357. ठक्कर ए, गुप्ता जी, भल्ला ए एस, जैन वी, शर्मा एस सी, शर्मा आर, बहादुर एस, डेका आर सी। एडजुवेंट थिरेपी विद फ्लूटामाइड फार प्रीसर्जिकल वोल्यूम रिडक्शन इन जुवेनाइल नासोफेरी नजीयल एंजियोफिबोमा। हैड नेक 2011 । ई पब 2011 जनवरी 14

1358. ठक्कर ए, बुक रिव्यू ""क्लिनिकल ऑडियो - वेस्टीबुलोमीटरी फार ओटोलॉजिस्ट्स एंड न्यूरोलॉजिस्ट्स"" जर्नल आफ ऑल इंडिया इनस्टिट्यूट आफ स्पीच एंड हीयरिंग। जे ए आई आई एस एच 2010; बोल 29 नम्बर 1 : 126-127

1359. ठाकुर एच, गुप्ता एल, सोबती आर सी, जनमेजा ए के, सेठ ए, सिंह एस के। एसोसिएशन आफ जी एस टी एम आई टी आई जीन्स विद सी ओ पी डी एंड प्रोस्टेट कैंसर इन नॉर्थ इंडियन पापुलेशन। मोल बिओल रेप 2011; 38 : 1733-9

1360. थापा ए, चंद्रा एस पी, सिन्हा एस, श्रीनिवास वी, शर्मा बी एस, त्रिपाठी एम। पोस्ट ट्रॉमेटिक सिजुर्म - ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी फ्रॉम ए टेरटियरी लेवल ट्रॉमा सेंटर इन ए डिवेल्पिंग कंट्री। सिजुर 2010 मई; 19 (4) : 211-6

1361. थेरॉन जी, पीटर जे, जाइल स्मिट आर बी, मिश्रा एच के, स्ट्रीचर ई, मुर्रे एस, इट एल। इवेल्यूवेशन आफ दि एक्सपर्ट आर एम टी बी / आर आई एफ एस्से फार दि डाइग्नोसिस आफ पुलमोनरी ट्यूबरकुलोसिस इन ए हाई एच आई वी प्रीवेलेंस सेटिंग। एम जे रेस्पीर कीट केयर मेड 2011 डी ओ आई : 10. 1164/ रीम 201101-00560 सी।

1362. थुलकर जे, कृपलानी ए, अग्रवाल एन, विष्णु भाटला एस। एटियोलॉजी एंड रिस्क फेक्टर्स आफ रिकरंट वेजीनिटिस एंड इट्स एसोसिएशन विद वेरियस कंट्रासेप्टिव मैथड्स। इंडियन जे मेड रेस 2010 जनवरी; 131 : 83-7

1363. थुलकर जे, कृपलानी ए, अग्रवाल एन। युटिलिटी आफ पी एच टेस्ट एंड ब्हीफ टेस्ट इन सिंड्रोमिक एप्रोच आफ एबनोर्मल वेजिनल डिस्चार्ज। इंडियन जे मेड रेस 2010 मार्च ; 131 : 445-8

1364. टोडी वी के, लोढ़ा आर, काबरा एस के। इफेक्ट आफ एडिशन आफ सिंगल डोज आफ ओरल मोंटेलुकास्ट टु स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट इन प्लेसिबो कंट्रोल्ड ट्रॉयल/ आर्चडिस चाइल्ड 2010; 95 : 540-3

1365. तोमर ए के, सारस्वत एम, छिकारा एन, कुमार एस, यादव वी के सूच बी एस, सिंह टी पी, यादव एस। डिफ्रेंशियल प्रोटियोमिक्स आफ स्पर्म : इनसाइट्स चैलेंजिज एंड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स। बायोमार्क मेड 2010; 4 : 905-10

1366. तोमर एन, बोरा एच, गुप्ता एन, कौर पी, शर्मा वाई डी, गोस्वामी आर। प्रेजेन्स एंड सिग्नी फिकेंस आफ ए आर 110 डब्ल्यू मुटेशन इन दि डी एन ए बाईडिंग डोमेन आफ जी सी एम 2 जीन इन पेशेंट्स विद स्पोरेडिक आइडियोपैथिक हाइपोपेराथाइरोडिज्म एंड देयर फेमिली मेम्बर्स। डयूर जे इंडो कोनोल 2010; 162 : 407-21

1367. त्रिखा ए, सिंह पी। दि क्रीटिकली इल आब्सटेट्रिक पेंशंट रिसेंट कांसेप्ट्स। इंडियन जे एनेस्थ। 2010 सेप ; 54 (5) : 421-7

1368. त्रिपाठी एम, सिंह पी के, विभा डी, चौधरी एन, गर्ग ए, बाल सी एस, सरकार सी, भाटिया आर, पदमा एम वी, गायकवाड एस, सिंह एम बी, प्रसाद के, चंद्रा पी एस। इलेक्ट्रो- फिजियोलॉजिकल करेक्टरेस्टिक्स आफ सिजुर कलस्टर्स। क्लिन ई ई जी न्यूरोसाई। 2010; 41 : 143-6

1369. त्रिपाठी एम, सिंह पी के, विभा डी, चौधरी एन, गर्ग ए, बाल सी एस, सरकार सी, भाटिया आर, पदमा एम वी, गायकवाड़ एस, सिंह एम बी, प्रसाद के चंद्रा पी एस। इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल करेक्टरेस्टिक्स आफ सिजुर कलस्टर्स। क्लिन ई ई जी न्यूरोसाई। 2010 जुलाई; 41 (3) :143-6

1370. त्रिपाठी एम, विभा डी, गौडा एन, बाल सी एस, मल्होत्रा ए। टी सी 99 एम एथिलसिस्टीनेट डिमर स्पेक्ट इनदि डिफ्रेंशियल डायग्नोसिस आफ डिमेंटियस। न्यूरोल इंडिया 2010; 58 : 857-62
1371. त्रिपाठी एस सी, माता ए, कौर जे, ग्रीगुल जे, चौहान एस एस, ठकर ए, शुक्ला एन के, दुग्गन आर, दत्ता गुप्ता एस, रल्हन आर, सियू के डब्ल्यू। न्यूक्लिर एस 100 ए 7 इज एसोसिएटिड विद पुअर प्रोग्नोसिस इन हैड एंड नेक कैंसर। पी एल ओ एस वन 2010 अगस्त 3 ; 5 (8) : ई 11939
1372. त्रिवेदी आर, गोस्वामी आर, चट्टोपाध्याय एन इनवेस्टीगेशनल एनेबोलिक थिरेपीज फार ऑस्टियोपोरोसिस। एक्सपर्ट ऑपिन इनवेस्टिंग ड्रग्स। 2010; 19 (8) : 995-1005
1373. त्यागी ए के, मिर्धा बी आर, लूथरा के, गुलेरिया आर, मोहन ए, सिंह यू बी, सामंतरे जे सी, डार एल, अय्यर वी के, चौधरी आर डिहाइड्रोपटेरोएट सिंथेस (डिहाइपरलिंग" http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/21252456" ps) जीन मुटेशन स्टडी इन एचआईवी - आई हाइपरलिंक http://www.ncbi.nlm.nih.gov/pubmed/21252456'') एन फेक्टिड इंडियन पेशंट्स विद न्यूमोसिसटिस जीरोवेसी न्यूमोनिया। जे इनफेक्ट देव सीट्रीज 2010, 24; 4 : 761-6
1374. त्यागी ए के, मिर्धा बी आर, लूथरा के, गुलेरिया आर, मोहन ए, सिंह यू बी, इट एल। न्यूमोसिस्टिस जीरोवेसी डिहाइड्रोपटेरोएट सिंथेस (डी एच पी एस) जिनोटाइप्स इन नॉन एचआईवी इम्यूनोकंप्रोमाइज्ड पेशेंट्स : ए टेरिटियरी केयर रेफ्रेंस हेल्थ सेंटर स्टडी। मेड माइकोल 2011 फेब; 49(2) : 167-71
1375. त्यागी ए के, मिर्धा बी आर, लूथरा के, गुलेरिया आर, मोहन ए, सिंह यू बी, इट एल डिहाइड्रोपटेरोएट सिंथेस (डी एच पी एस) जीन मुटेशन स्टडी इन एचआईवी - इनफेक्टिड इंडियन पेशेंट्स विद न्यूमोसिस्टिस जीरोवेसी न्यूमोनिया। जे इनफेक्ट देव सीट्रिज। 2010; 4 (11) : 761-6
1376. त्यागी बी बी, एन मनोहरन, एंड विनोद रैना। ए केस कंट्रोल स्टडी ऑन प्रोस्टेट कैंसर इन दिल्ली एशियन पेसिफिक जर्नल आफ कैंसर प्रीवेंशन, 2010, बोल 11 : 397-401
1377. उपाध्याय बी के, शर्मा ए, खैरा ए, डिंडा ए के, अग्रवाल एस के, तिवारी एस सी। ट्रंजिएंट आई जी ए नैफ्रोपैथी विद एक्यूट किडनी इंजुरी इन ए पेशेंट विद डेंगू फिवर। सऊदी जे किडनी डिस ट्रंसप्ल 2010; 21 : 521-5
1378. उपाध्याय एस पी, राणा एस पी, मिश्रा एस, भटनागर एस। सक्सेसफुल ट्रीटमेंट आफ एन इंटरएक्टेबल पोस्थेरपेटिक न्यूरलजिया (पील एच एन) यूजिंग पेरीफेरल नर्व फील्ड स्टिमुलेशन (पी एन एफ एस)। एम जे होस्प पेलिएट केयर 2010; 27 ; (1) : 59-62
1379. उपाध्याय पी, करक ए के, सिन्हा ए के, कुमार बी, कारकी एस, अग्रवाल सी एस। एबडोमिनल बाल इंडोमीट्रियोसिस। जे एन एम ए जे नेपाल मेड एसोक 2010; 49 : 158-60
1380. उप्पल पी, पॉल पी, कौर जे, अग्रवाल एस, गुप्ता ए के, सफाया आर, काबरा एस के। काम्यूनिटीकेटिंग इसोफेजियल डुटिलकेशन सिस्ट विद हिटेरोटॉपिक पेनक्रिएटिक टिशू एन अनयुज्वल कोज आफ रिकरंट न्यूमोनिया इन एन इन्फेंट। एक्टा पेडिएटर 2010; 99 : 1432-3
1381. उप्पल पी, लोढ़ा आर, काबरा एस के। ट्रंसफ्यूजन आफ ब्लड एंड कंपोनेंट्स इन त्रिटिकल इल चिल्ड्रन/ इंडियन जे पेडिएटर 2010; 77 : 1424-8
1382. उप्पल पी, पाञ्ल पी, श्रीनिवास वी। स्कूल एबसेंटिज्म अमंग चिल्ड्रन एंड इट्स कोरिलेट्स ए प्रीडिक्टिव मॉडल फार आइडेंटिफाईंग एबसेंटिज। इंडियन पैडिएटर 2010 नवम्बर 7; 47 (11) : 925-9
1383. वी खारे, जे संतोष, एस आनंद एंड एम भाटिया। ""क्लासीफिकेशन आफ फाइव मेंटल टास्क्स बेस्ड ऑन टू मैथड्स आफ न्यूरल नेटवर्क", इंटरनेशनल जर्नल आफ कम्प्यूटर साईंस एंड इन्फोर्मेशन सेक्योरिटी। वोल 8 नम्बर 3, पी पी 86-92, 2010
1384. वी खारे, जे संतोष, एस आनंद एंड एम भाटिया। ""परफोर्मेंस कंपेरीजन आफ न्यूरल नेटवर्क ट्रैनिंग मैथड्स बेस्ड ऑन वेवलेट पैकेट ट्रंसफोर्म फार क्लासीफिकेशन आफ फाइव मेंटल टास्क्स"" जर्नल बायोमेडिकल साईंस एंड इंजीनियरिंग, बोल 3, नम्बर 6 ,पी पी 612-617, 2010
1385. वी खारे, जे संतोष, एस आनंद एंड एम भाटिया। ""कंट्रोलिंग व्हीलचेयर यूजिग इलेक्ट्रोनसिफेलोग्राम (ई ई जी)""। इंटरनेशनल जर्नल आफ कम्प्यूटर साईंस एंड इनफोर्मेशन सेक्योरिटी। बोल 8, नम्बर 2 पी पी 181-187 2010
1386. वी श्रीनिवास, बायोस्टेटिक्स : प्रिंसिपल्स एंड प्रेक्टिस। बुक रिव्यू। इंड जे मेड रेस। 132, सितम्बर 2010, 348-49
1387. वालियावीदान एस, महाजन सी, रथ जी पी, बिंद्रा ए, मारदा एम के। एनेस्थेटिक मैनेजमेंट इन पेशेंट्स विद ग्लूकोज-6 - फॉस्फेट डिहाइड्रोजीन्से डेफिसिएंसी अंडरगोईंग न्यूरोसर्जिकल प्रोसीजर्स। इंडियन जे एनेस्थ 2011; 55 (1) : 68-70

1388. वर्मा जी आर, कुसुमा वाई एस, बाबू बी वी । हेल्थ रिलेटिड क्वालिटी आफ लाइफ आफ एल्डर्ली लिविंग इन दि कम्यूनिटी एंड ओल्ड ऐज होम सेटिंग्स इन ए डिस्ट्रिक्ट आफ इंडिया : एप्लिकेशन आफ शॉर्ट फार्म 36 (एस एफ 36) हेल्थ सर्वे कुश्चनेयर जेटफिक्फ्ट फार जेनेंटोलॉजी एंड जोरिएट्रिक 2010; 43 : 259-63

1389. वर्मा एस पी, कुमार ए, कपूर एन, दुर्गापाल एच, आचार्य एस के, पांडा एस के। हेपेटाइटिस इ वायरस रेप्लीकेशन इनवोल्क्स आल्ट्रनेटिंग निगेटिव - एंड पॉजिटिव सेंस आर एन ए सिंथेसिस। जे जेन वीरोल । 2011; 92 (पी टी 3) : 572-81

1390. वार्ष्णेय एम के, रस्तोगी एस, खान एस ए, त्रिखा वी। इज स्कलेरोथिरेपी बेटर दैन इंटरालीजनल एक्सीजन फार ट्रीटिंग एन्यूरीस्मॉल बोन सिस्टमi क्लिन ऑर्थोप रिलेट रेस 2010; 468 : 1649-59

1391. नर्गिस बी, भाटला एन, कुमार आर, द्विवेदी एस एन, ढींगरा आर। सर्कुलेटिंग एंजियोजेनिक फेक्टर्स इन प्रेग्नेंसिज कांप्लीकेटिड बाई प्री - इकलेम्पसिया। नेटल मेड जे इंडिया। 2010 मार्च - अप्रैल; 23 (2) : 77-81

1392. वशिष्ठ जे, तिवारी वी, दास आर, कपिल ए, राजेश्वरी एम आर। एनेलिसिस आफ पेंसिलिन बाईडिंग प्रोटीन्स (पी बी पी एस) इन कार्बापेनम रेसिस्टेंट एसिनेटोबेक्टर बाउमेनी। इंडियन जे मेड रेस. 2011; 133: 332-8

1393. वशिष्ठ जे, तिवारी वी, कपिल ए, राजेशवरी एम आर। क्वांटिटेटिव प्रोफाइलिंग एंड आइडेंटिफिकेशन आफ आऊटर मेमब्रेन प्रोटीन्स आफ ए लेक्टम रेसिस्टेंट स्ट्रेंस आफ एसिनेटोबेक्टर बाऊमेनी यूजिंग डिफ्रेंस इन फ्लूरोसेंस 2 डी जैल इलेक्ट्रोफोरेसिस (डी आई जी ई) एंड मास स्पेक्ट्रोमीटरी । जे आफ प्रोटियोम रेस 2010, 9 : 1121-1128

1394. बासू आर, छाला वी सीमू, अनुराग श्रीवास्तव, राकेश कुमार, अनीता धर, सुनील चुम्बर, राजेद्र प्रसार एंड महेश सी, मिश्रा सेंटिनल लाइम्फनॉड मेपिंग इन अर्ली ब्रेस्ट कैंसर, आवर एक्सपीरियंश। इंडियन जे सर्ज ऑकोल 2010, वोल्यूम। नवम्बर 1 52-58

1395. वाज सी, अहमद एच एम, शर्मा पी, गुप्ता आर, कुमार एल, कुलश्रेष्ठ आर, भट्टाचार्य ए। एनेलिसिया आफ माइको आर एन ए ट्रंसक्रिप्टोम बाई दीप सिक्वेंसिंग आफ स्मॉल आर एन ए लाइब्रेरीज आफ पेरीफेरल ब्लड। बी एम सी जीनोमिक्स। 2010 मई 7, 11 : 288 (आई एफ, 3.76)।

1396. वेलपांडियन टी, निर्मल जे गुप्ता पी, विजय कुमार ए आर, घोष एस। इवेल्यूवेशन आफ कैल्सियम डोबिसीलेट फार इट्स एंटीकैटरेक्ट पोटेंशियल इन एक्सपेरीमेंटल एनिमल मॉड्ल्स। मैथड्स फाइंड एक्सप क्लिन फार्मेकोल 2010; 32 : 171-9

1397. विमुरू रेड्डी एस के, गुलेरिया एस, आकेचुकवू ओ, सागर आर, भौमिक डी, महाजन एस। लिव रिलेटिड डोनर्स इन इंडिया : देयर क्वालिटी आफ लाइफ यूजिंग वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन क्वालिटी आफ लाइफ ब्रीफ कुश्चनेयर। इंडियन ने यूरोल 2011; 27 : 25-9

1398. वैंकटेश एस, दादा आर। एव्रीडाइन ऑरेंज बाइडिंग टू आर एन ए इंटरफीयर्स डी एन ए फ्रेगमेंटेशन इनडेक्स केलकूलेशन इन स्पर्म व्रोमेटिन स्ट्रक्चर एस्से (2010) फर्टाइल स्टेराइल, जून; 94 (1) : ई 37, ऑथर रिफ्लाई ई 38

1399. वैंकटेश एस, दादा आर, एन इवोल्यूशनरी इनसाइट इन टू मुटेशन आफ ए टी पेस 6 जीन इन प्राइमरी आवेरियन इनसफीसिएंसी आर्च गाइनोकोल ऑब्सटेट दिसम्बर 17 2010 ई पब पी एम आई डी 21165743

1400. वैंकटेश एस, कुमार एस, शर्मा ए, कृपलानी ए, एम्मीनी ए सी, तलवार पी, अग्रवाल ए, दादा आर। ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एंड ए टी पेस 6 मुटेशन इज एसोसिएटिड विद प्राइमरी ओवेरियन इनसफीसिएंसी आर्च गाइनीकोल ऑब्सटेट 2010; 282 (3) : 313-8

1401. वैंकटेश एस, कुमार आर, डेका डी, डीकारामन एम, दादा आर। एनेलिसिस आफ स्पर्म न्यूक्लियर प्रोटीन जीन पोलीमोर्फिज्म एंड डी एन ए इनटेगरिटी इन इनफर्टाइल मैन सिस्ट बिओल रिप्रोड मेड. जून 2011, 57(3) : 124-132

1402. वैंकटेश एस, शामसी एम बी, डुडेजा एस, कुमार आर, दादा आर। रिएक्टिव ऑक्सिजन स्पेजिज मेजमेंट इन नीट एंड वाशड सीमेन : कंपरेटिव एनेलिसिस एंड इट्स सिंगनीफिकेंस इन मेल इनफर्टीलिटी एसेसमेंट आर्च गाइनीकोल आब्स्टेट 2011; 283 (1) : 121-6

1403. वैंकटेश एस, सिंह ए, शामसी एम बी, थिलागावाथी जे, कुमार आर, मित्रा डी के इट एल। क्लिनिकल सिग्नीफिकेंश आफ सपर्म डी एन ए डैमेज थ्रेशोल्ड वेल्यू इन दि एस्सेसमेंट आफ मेल इनफर्टिलिटी। रिप्रोड साइ. 2011; 18 : 1005-13

1404. वैंकटरमण आर, बख्शी एम 5-फ्लूरोरेसिल इनड्यूस्ड एक्यूट डिलेटिड कार्डियोमायोपैथी इन ए पैडिएट्रिक पेशेंट। जे पेडिएट्र हेमेटोल ऑकोल 2011 (ई पब एहैड टू प्रिंट)।

1405. वर्मा पी, वर्मा वी, रे पी , रे ए आर अगर गलेटिन हाइब्रीड स्पोंज - इनड्यूस्ड थ्री - डाइमेंसनल इन विट्रो ""लिवर लाईक"" एच ई पी जी 2 स्फेरॉयड्स फार दि इवेल्यूवेशन आफ ड्रम साइटोक्सिटी। जे टिशू इंग रेगेन मेड 2009, 3 : 368-76

1406. वर्मा आर, प्रीतम सी, सिक्का के, ठाकर ए। नेसल हिरूडिनियासिस : एन आन कॉमन कोज आफ यूनिलेटरल नेसल ऑब्सट्रक्शन एंड एपिसटेक्सिस। क्लिनिकल रिहनोलॉजी : एन इंटरनेशनल जर्नल 2011; 4 (1) : 51-52

1407. वर्मा आर, सूद एस, बाला एम, कपिल ए, दास बी के, शर्मा वी के, इट एल। डाइग्नोस्टिक इमटिलकेशन्स आफ 16 एस रिबोसोमल एस्से फार गोनोरिया। सेक्स ट्रॉज्म इनफेक्ट। 2010; 85 : 461-4

1408. वर्मा आर, वर्मा ए के, आहूजा वी, पॉल जे। रियल टाईम एनेलिसिस आफ मूकोसल फ्तलोरा इन पेशेंट्स विद इनफ्लामेट्री बोवेल डिजिज इन इंडिया। जे क्लिन माइकोबिओल। 2010; 48 : 4279-82

1409. वर्मा वी, वर्मा पी , रे पी, रे ए आर प्रीपेरेशन आफ स्काफ फोल्ड्स फ्रॉम ह्यूमन हेयर प्रोटीन्स फार टिशु इंजीनियरिंग एप्लिकेशन्स। बायोमेड मेटर 2008; 3 : 025007

1410. वर्मा वी, वर्मा पी, रे पी, रे ए आर। 2, 3 - डिहाइड्रेजोन सेल्लूलोस ; प्रोस्पेक्टिव मेटेरियल फार टिशू इंजीनियरिंग स्काफफोल्ड्स। मेट एस सी इंज 2008; सी 28 : 1441-47

1411. वर्मा वाई एस, चौहान एस, घर्डे पी, लक्ष्मी आर रोल आफ मेंग्निशियम इन दि प्रीवेंशन आफ पोस्ट ऑपरेटिव एर्रिथमियस इन निओनेट्स अंडरगोईंग दि आट्रियल स्विच ऑपरेशन। इन ट्रेक्टथ्व कार्डियोवास्क एंड थोरेक सर्जरी । 2010; 11 : 573-6

1412. विभा डी, शुक्ला जी, गोयल वी, सिंह एस, श्रीवास्तव ए के, बिहारी एम। आर बी डी इन पार्किन्सन्स डिजिज : ए क्लिनिकल केस कंट्रोल स्ट्डी फ्रॉम नॉर्थ इंडिया। क्लिन न्यूरोल न्यूरोसर्ज। 2011 जुलाई : 113 (6) : 472-6

1413. विभा डी, शुक्ला जी, सिंह एस, गोयल वी, श्रीवास्तव ए के, बिहारी एम। लोबर प्रीवेलेंस आफ स्लीप डिस्टरबेंसिज इन फेमिलियल वर्सस स्पोरेडिक पार्किन्सन्स डिजिज : ए कुश्चनऐयर बेस्ड स्टडी। जे न्यूरोल साई 2010 अगसत 15 ; 295 (1-2) : 27-30 ई पब 2010 जून 11

1414. विभा डी, सुरेश बाबू एस, शुक्ला जी, गोयल वी, श्रीवास्तव ए के, सिंह एस, बिहारी एम। डिफ्रेंसिस बिटवीन फेमिलियल एंड स्पोरेडिक पार्किन्सन्स डिजिज। पार्किन्सोनिज्म रिलेट डिस्आई 2010 अगस्त; 16(7) : 486-7

1415. विजय खारे, जयश्री संतोष, स्नेह आनंद, मनवीर भाटिया" परफार्मेंस कंपेरिजन आफ थ्री आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क मैथड्स फार क्लासीफिकेशन आफ इलेक्ट्रोसिफेलोग्राफ सिग्नल्स आफ फाइव मेंटल टास्कस"", जे बायोमेडिकल साईंस एंड इंजीनियरिंग, 2010; 3, 200-205

1416. विजयाकांथी एन, साहा ए, दुबे एन के, शर्मा एम सी मल्टीमिनीकोर डिजिज विद रेस्पिरेटरी फेल्योर। पेडिएट्र न्यूरोल 2011; 44 : 295-8

1417. विकास ए, अवस्थी ए, शरण पी, साइकोसोसल इम्पैक्ट आफ ऑब्सेसिव कंप्लसिव डिस्ऑर्डर ऑन पेशेंट्स एंड देयर केयर गिवर्स : एक कंपेरेटिव स्टडी विद डिप्रेसिव डिस्आर्डर। इंट जे सोक साइकेटरी 2011; 57 : 45:56

1418. विश्नोई ए, रॉय आर, प्रसाद एच के, भट्टाचार्य ए। एंकोर बेस्ड टोल जिनोम फिलोजेनी (ए बी डब्ल्यू जी पी) : ए टूल फार इनफेर्रिंग इवोल्यूशनरी रिलेशनशिप अमंग क्लोजलि रिलेटिड माइको ऑर्गेनिज्म। प्लोस वन 2010; 5 : ई 14159

1419. विश्वकर्मा एम, बंदोपाध्याय जी पी स्टडीज ऑन दि डिवेल्पमेंट आफ 99 एम टी सी लेबल बिफोस्फोनट एल्जिनेट बीड्स हैल जे न्यूकल मेड 2010; 13 (3) : 124-128

1420. वी एस एस चेन्नूर, शर्मा आर, गामनगाति एस, भटनागर वी, गुप्ता ए के एंड श्रीनिवास वी। मल्टीडिटेक्टर सी टी विनोग्राफी एंड कंट्रास्ट एन्हांस्ड एम आर विनोग्राफी आफ दि इन्फेरियर मेसेंट्रिक वेन इन पेडिएट्रिक एक्स्ट्रा हेप्टिक पोर्टल वेन ऑब्सट्रक्शन। पेडिएट्र रेडियोल 2011 मार्च; 41 (3) : 322-6

1421. वाप्पलर ई ए, फेल्सजेघी के, सजीलेघी जी, गेल ए, स्कोपेल जे, मेहरा आर डी, न्याकास सी, नेगी जेड। न्यूरोप्रोटेक्टिव इफेक्ट्स आफ एस्ट्रोजन ट्रीटमेंट ऑन इस्चेमिया इनड्यूस्ड बिहेवरल डिफिसिट्स इन गेर्बिल्स एट डिफरेंट एजिज। बिहेव ब्रेन रेस 2010, 209 (1) : 42-48

1422. यादव बी, रैना ए, अबदुल्हा टी, डोगरा टी डी। सीरोलॉजिकल पॉलिमॉर्फिज्म एट ए बी ओ एंड आर एच (डी) ब्लड ग्रुप्स अमंग सारस्वत ब्राह्मण कम्यूनिटी आफ फोर नॉर्थ इंडियन स्टेट्स। एनथ्रोपोलॉजिस्ट (इंट जे कंटेम्पोरेरी एप्पलाइड स्टडीज मैन) 2010; 13 (1) : 17-20

1423. यादव बी, रैना ए, डोगरा टी डी। जिनेटिक पॉलिमॉर्फिजम्स फार 17 वाई व्रोमोसोमल एस टी आर हेप्लोटाइप्स इन जम्मू एवं कश्मीर सारस्वत ब्राह्मण पापुलेशन। लीगल मेड (टोक्या) 2010; 12 (5) : 249-255

1424. यादव डी, धवन ए, बलहारा वाई पी एस, यादव एस, ऑक्यूपेशनल रिहैब्लिटेशन आफ ऑपिएट यूजर्स ऑन मेंटिनेंस ट्रीटमेंट इन इंडिया : ए माइकोव्रेडिट बेस्ड एप्रोच। जर्नल आफ सोशल वर्क प्रेक्टिस इन दि एडिक्शन्स 2010; 10 : 413-22

1425. यादव एन, फ्रीनी एन फिलिप, विकास गोगिया, प्रकाश चौधरी, शिव प्रताप सिंह राणा, सीमा मिश्रा, सुषमा भटनागर। रेडियो फ्रीक्वेंसी एब्लेशन इन ड्रग रेसिस्टेंट केमोथिरेपी इनड्यूस्ड पेरीफेरल न्यूरोपैथी : ए केस रिपोर्ट एंड रिव्यू आफ लिटरेचर। इंडियन जर्नल आफ पेलिएटिव केयर 2010, 16 : (1) : 48-51

1426. यादव एन प्रभाकर एच, सिंह जी पी, बिंद्रा ए, अली जैड, बिट्ठल पी के। एक्यूट हेमाडाइनेमिक इनस्टेब्लिटी ड्यूरिंग एल्कोहल एब्लेशन आफ सिम्टोमेटिक वर्टेबरल हिमेन्जियोमा : ए प्रोस्पेक्टिव स्टडी। जे क्लिन न्यूरोसाईं 2010; 17 (6) : 810-1

1427. यादव पी, दास पी, मिर्धा बी आर, गुप्ता एस डी, भटनागर एस, पांडे आर एम, इट एल। करंट स्पेक्ट्रम आफ मेलाबसोर्प्सन सिंड्रोम इन एडल्ट्स इन इंडिया। इंडियन जे गेस्ट्रोएन्टेरोल 2011; 30 : 22-8

1428. यादव पी, मंजूनाथ एन एम एल, डिओ एस वाई एस, शुक्ला एन के, दुर्गापाल प्रशांत 1, मुदुली के दिलीप रोल आफ सर्जरी इन ब्रेस्ट मेटास्टासिस फॉम कार्सिनोमा आफ दि सिर्विक्स, इंडियन जर्नल आफ पेलिएटिव केयर, 2011 वोल्यूम 17 (1) पेज 74-76

1429. यादव वी के, कुमार वी, छिकारा एन, कुमार एस, मनराल पी, केशव टी, सैनी एस, श्रीनिवासन ए, सिंह एस, सिंह टी पी, यादव एस। प्योरीफिकेशन एंड करेक्ट्राइजेशन आफ ए नेटिव जिंक बाइडिंग हाई मोलेक्यूलर बेट मल्टीप्रोटीन कांपलेक्स फ्रॉम ह्यूमन सेमिनल प्लाज्मा। जे सेप साई 2011; मार्च 15 (ई पब एहैड आफ प्रिंट)

1430. यशवंत एस, वर्मा, संदीप चौहान, ए के बिसोई, पराग घारडे, ऊषा किरण, एस एन दास। कंपेरीजन आफ थ्री डोज रेजीमेंट आफ एपोरटिमिन इन इनफेंट्स अंडरगोईंग दि आर्टिरियल स्विच ऑपरेशन। एन्नेल्स आफ कार्डिएक एनेस्थेसिया, मई- अगस्त, 2010, 13 (2) : 110-115

1431. येर्रामनेनी वी के, चंद्रा पी एस, कासलिवाल एम के, सिन्हा एस, सूरी ए, गुप्ता ए, शर्मा बी एस। रिकवरी आफ ऑक्यूलोमोटर नर्व पाल्सी फोलोविंग सर्जिकल क्लिपिंग आफ पोस्टेरियर कॉम्यूनिकेटिंग आर्टरी एन्यूरीज एम एस न्यूरोल इंडिया 2010 जनवरी - फरवरी; 58 (1) : 103 -5

1432. जाचेरियास एस, द्वारकानाथ एस, अग्रवाल एम, शर्मा बी एस। ए कंपेरेटिव स्टडी टू एस्सेस दि इफेक्ट आफ एमिकेसिन सल्फेट ब्लेडर वाश ऑन कैथेटर - एसोसिएटिड यूरीनरी ट्रेक्ट इन्फेक्शन इन न्यूरोसर्जिकल पेशेंट्स इंडियन जे क्रिट केयर मेड 2009; 13 : 17-20

1433. जीपुरस्की ए, पॉलवी के, दि ग्लोबल बर्डन आफ आर एच डिजिज। आर्क दिस चाइल्ड फेरल नियोनेटल इड 2011; 96 : एफ 84-5

सार

1. बहल एस, एस पी लोचब, ए पांडे, प्रतीक कुमार, वी ई एलेनिकोव, ए मोलोकेनोव थर्मेलूमिनेसेंस डोजिमीटरी आफ प्रोटोन बीम यूजिंग मेनोक्रिस्टेलिन के2 सी ए2 (एस ओ 4) : ई यू। प्रोसीडिंग्स आफ इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन स्वीफ्ट हैवी इओंस इन मेट्रीयल इंजीनियरिंग एंड करेक्ट्राइजेशन (एस एच आई एम ई सी 2010), अक्तूबर 6-9, 2010, इंटर यूनिवर्सिटी एक्सिलेरेटर सेंटर, न्यू दिल्ली, पेज 140

2. बहल एस, एस पी लोचब, ए पांडे, प्रतीक कुमार, थर्मोलूमिनेसेंस करेक्ट्रोस्टिक्स आफ नेनोक्रिस्टेलिन एम जी बी4 ओ7 : डी वाई, एन ए प्रोसीडिंग्स फार नेशनल कांफ्रेंस ऑन लूमिनीसेंस एंड इट्स एप्लिकेशन्स, फेब 7-9, 2011, रायपुर, छत्तीसगढ़, पेज 259

3. बहल एस, एस पी लोचब, ए पांडे, वी ई एलेनिकोव, ए मोलोकेनोव, प्रतीक कुमार। नेनोपार्टिकल्स आफ बी ए एस ओ 4 : ई यू एज इफेक्टिव डिटेक्टर्स फार गामा एंड प्रोटोन बीम्स। प्रोसीडिंग्स आफ नेशनल फिजिक्स, 18-19 फेब 2011, वल्लभ विधानागर, आनंद, गुजरात, पेज 32

4. बालासुब्रामणियम के, कुमारन सेंथिल एस, शर्मा यू, जगन्नाथन एन आर। कोर्रिलेशन आफ फ्रेक्शनल एनिसोट्रॉफि (एफ ए) चैंजिज इन डिमाइएलिनेशन लीजन विद इट्स सराउंडिंग एडेमा इन एन एक्सपेरीमेंटल मॉडल। प्रोक इंटल सोक मिग रीजन मेड 2010; 18 : 4513

5. बालासुब्रामणियम के, शर्मा यू, कुमारन एस एस, जगन्नाथन एन आर। स्टडी आफ दि पैथोफिजियोलॉजी आफ उमाइएलिनेशन इन एन एक्सपेरीमेंटल मॉडल : कार्रिलेशन आफ लीजन वोल्यूम विद टी2, एपेरेंट डिफ्यूजन कोएफिशिएंट (ए डी सी) एंड फ्रेक्शनल एनिसोट्रॉफी (एफ ए) प्रोक इंटल सोक मेग रीजन मेड 2010; 18 : 4514

6. बालाल एस, चेतन पटेल, पुनीत शर्मा, सलाम के, ए मल्होत्रा। कंपेरीजन आफ इमोरी संडार सिनाई, 4 डी - एम एस पी ई सी टी एंड मायोमेट्रिक्स कार्डिएक सॉफ्टवेयर्स फार दि एस्सेसमेंट आफ लेफ्ट वेन्ट्रीकूलर इजेक्शन फ्रेक्शन यूजिंग टी सी 99 एम टेट्रोफोस्मिन गेटिड स्पेक्ट; वेलिडेशन विद इक्वलिब्रियम रेडियोन्यूक्लिड एंजियो कार्डियोग्राफी। प्रीलिमनरी रिजल्ट्स इन इंडियन पेशेंट पापुलेशन। इंड जे न्यूक्ल मेड 2010; 25 (3) : 107

7. भास्कर एस, कुमार आर वी, वाजपेयी वी। इम्पेक्ट आफ नेशनल एंटी-टोबाको कंपेन ऑन दि इंट्रोस्पेक्टिव आफ दि कैंसर पेशेंट्स। इन : हजारा वी, श्रीवास्तव बी, एडिटर्स सेकेंड नेशनल कांफ्रेंस ऑन टोबाको ओर हेल्थ; 23-25 सितम्बर, 2010; मुंबई। मुंबई : सलाम बाम्बे फाउंडेशन; 2010 पी 16

8. भास्कर एस, विनय के आर, पेडिएट्रिक रेडियाथिरेपी अंडर एनेस्थेसिया। हाऊ आई डू इट : इंटरनेशनल पेशेंट सेफ्टी कांफ्रेंस 2010 । प्रोसीडिंग्स आफ दि इंटरनेशनल पेशेंट सेफ्टी कांफ्रेंस; 2010 नवम्बर 1-2; नई दिल्ली, इंडिया।

9. भाटिया जे, गोलेछा एम, आर्य डी एस, तबस्सुम एफ। एंटी इनफलेमेट्री एंड एंटीऑक्सिडेंट एक्टविटीज आफ एन इंडियन मेडिसिनल प्लांट, इम्बलिका आधिसिनलिस, इन रोडेंट मॉडल्स आफ इनफ्लेमेशन। बेसिक क्लिन फार्मेकोल टॉक्सिकोल 2010; 107 : 198

10. भाटिया जे, गोलेछा एम, आर्य डी एस। स्टडी आफ दि न्यूरोफार्मेकोलॉजिकल इफेक्ट्स आफ इम्बलिका आधिसिनलिस इन रैट्स। इंडियन जे फार्मेकोल, 2010; 42 (सुप्पल 2) : एस 156

11. भाटिया जे, तबस्सुम एफ, आर्य डी एस, जोशी एस, श्रीवास्तव ए के। स्टडी आफ दि एंटीहाइपरटेंसिव पोटेंशियल आफ इंडियन मेडिसिनल प्लांट, एम्बलिका आफिसिनलिस, इन ए रैट मॉडल आफ हाइपरटेंशन। बेसिक क्लिन फार्मेकोल टॉक्सिकोल 2010; 107-199

12. भटनागर एस, माथुर वी, पेलिएटिव डेंटिस्ट्री। इन सैनी आर, सैनी एस। डेंटल होरीजन्स । हैदराबाद पारस मेडिकल पब्लिशर्स 2011 पी पी 82-90

13. भट्टाचार्य ए, धर पी, मेहरा आर डी। इफेक्ट्स आफ एक्सपोजर टू सोडियम अर्सेनाइट ड्यूरिंग पोस्टनेटल पीर्यड ऑन रैट लिवर एट 58थ अनुवल कांफ्रेंस आफ एनेटॉमिकल सोसायटी आफ इंडिया एट पुणे दिसम्बर, 2010

14. चौबल जी, पाल एस, साहनी पी, चट्टोपाध्याय टी के, गामनगट्टी एस, टंडन एन, इट एल। मेनेजमेंट एंड आउटकम्स आफ पेशंट्स विद इन्सुलिनोमा एट ए टेरिटियरी केयर हॉस्पिटल इन इंडिया : ए रिटरोस्पेक्टिव एनेलिसिस। पेन क्रिएटोलॉजी 2011; 11 (सुप्पल 1) : 39

15. चौबल जी एन, पाल एस, गामनागाटी एस, जावेद ए, दाश एन आर, साहनी पी, इट एल। एस्टिमेशन आफ स्टैंडर्ड लीवर वोल्यूम इन दि इंडियन पोपुलेशन। ट्रॉप गेस्ट्रोएंट्रोल 2010; 31 (सुप्पल 1) : एस 43

16. चौबे आर, सजवाल एस, महापात्रा एम, मीर आर, छिकारा एस, सक्सेना आर, मिथाई लेशन आफ पी 151 एन के 4 बी एंड इट्स एसोसिएशन विद डिलिशन आफ जीन्स ऑन क्रोमोसोम आर्म 7 क्यू : फर्स्ट रिपोर्ट, फ्रॉम इंडिया। इंडियन जे हेमेटोल ब्लड ट्रानफूस 2010; 26 : 175

17. चौहान ए, रीटा के एच, गुप्ता वाई के, मेवार एस के, शर्मा यू, जगन्नाथ्न एन आर। इफैक्ट आफ माइकोफिनोलेट मोफेटिल ऑन बिहेवियरल एंड नूयरोइमेजिंग आउटकम्स इन ट्रंजिएंट फोकल रिसेब्रेल इसचेमिया इन रैट्स। इयूर न्यूरोसाइको फार्मेकोल 2010; 20 (सुप्पल) : एस 246

18. चावला एम, कुमार आर, अग्रवाल एस, बख्शी एस, महाराजन एस, दामले एन, महापात्रा टी, सिंगला एस, मल्होत्रा ए। रोल आफ पी ई टी/ सी टी इन स्टेजिंग एंड अर्ली केमोथिरेपी रेस्पोंस इवेल्यूवेशन इन न्यूरोब्लास्टोमा। न्यूकल मेड. 2010; 51 (सप्पलिमेंट 2) : 1651

19. चावला एम, कुमार आर, अग्रवाल एस, बख्शी एस, शमिम एस ए, सेलाम के, शर्मा पी, नेस्वा एन, रेड्डी आर, मल्होत्रा ए स्टैंडर्डाइज्ड अपटेक वेल्यू इन प्रोग्नोस्टिकेशन आफ न्यूलि डायग्नोज्ड न्यूरोब्लास्टोमा। न्यूकल मेड. 2010; 51 (सप्पलिमेंट 2) : 1653

20. दादा आर एस वैंकटेश, एम बी शमसी, आर कुमार, एन पी गुप्ता रोल आफ जिनेटिक फैक्टर्स एंड ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस इन मेल इनफर्टिलिटी (2010) उताह फ्लासेरेंस सिंपोरियस ऑन दि ""जिनेटिक्स आफ मेल एनफर्टिलिटी"", पार्क सिटी, उताह, यू एस ए, 2010

21. दास एस, अग्रवाल एम, सिंह एस। ए स्टडी टू एस्सेस दि फिजिकल रेस्टरेंट प्रेक्टिसिस एंड प्रोब्लम्स इन स्लेक्टिड यूनिट्स आफ एम्स विद एव्यू टू डिवेल्प गाइडलाइन्स। इन : प्रोसीडिंग्स आफ इंटरनेशनल पेशेंट सेफ्टी कांफ्रेंस, एम्स 2010

22. दास जे, राठी एस,जैन एस, सजवाल एस, महापात्रा एम, सक्सेना आर। को-एक्जिस्टिंग जे ए के 2 वी 619 एफ एंड बी सी आर - ए बी एल इन ए केस आफ माइएलोप्रोलिफिरेटिव निओप्लाज्म। इंडियन जे हेमेटोल ब्लड ट्रंफुस 2010; 26 : 152

23. दास जे, सोनल जैन, सीमा त्यागी। पी ए एस पॉजिटिव अयुर रोड्स इन क्लासिकल एक्यूट प्रोमाइएलोसाटिक ल्यूकेमिया। ए केस रिपोर्ट एंड इमेजिज इन ध्ध्ध्. ब्लड मेड. कोम. 2011

24. दायामा ए, कपूर आर कामेशोर एन, सिंह जी, दास जे, महापात्रा एम इट एल। टू अनयूजवेल प्रजेंटेशन्स आफ फोलिकूलर लिम्फोमा। इंडियन जे हेमेटोल ब्लड ट्रंफूस 2010; 26 : 177

25. डिओ एस वी एस, शुक्ला एन के, आर्चित पंडित, पारस खन्ना, दीपक झा ""पुलमोनरी मेटास्टेटेक्टामी सर्जिकल आंकोलॉजी एट मुंबई इन 17 से 19 सितम्बर, 2010

26. डिओ एस वी एस, शुक्ला एन के, अश्विन के एस, सुषमा भटनागर, पेलिएटिव सर्जरी फार एडवांस्ड गेस्ट्रोइनटेस्टिनल कैंसर्स - सर्जिकल ऑकोलाजी, एम्स एक्सपीरियंस। दि एनुवल कांफ्रेंस आफ इंडियन एसोसिएशन आफ पेलिएटिव केयर एट लखनऊ फरवरी 10-13, 2011

27. डिओ एस वी एस, शुक्ला एन के, अशविन के, आर्चिट पंडित, रथ जी के एग्रेसिव मल्टीमोडेलिटी मेनेजमेंट आफ लोकली एडवांस्ड रिटरोमोलर ट्रीगोन ट्यूमर सर्जिकल ऑकोलॉजी, एम्स एक्सपीरियंस। इन दि नेशनल कांफ्रेंसिज आर्गेनाइज बाई एफ एच एन ओ - आई एफ एच एन ओ एस इन ओक्ट 2010

28. डिओ एस वी एस, शुक्ला एन के, दिलीप के मुडुली, सुबी टी एस, समीर बख्शी, डी एन शर्मा, ""मल्टीमोडेलिटी मेनेजमेंट आफ पी एन ई टी -चेस्ट वाल""। इंडियन कैंसर कांग्रेस 2011 एट भुवनेश्वर ऑन 11 फरवरी, 2011

29. डिओ एस वी एस, शुक्ला एन के, मंजूनाथ, प्रवीण यादव ""डर्मेटोफिबरोसर्कोमा प्रोटरूबरेंस सर्जिकल ऑकोलॉजी एम्स एक्सपीरियंस"" ड्यूरिंग दिल्ली चैप्टर ए एस आई, 12-14, फेब 2011

30. डिओ एस वी एस, शुक्ला एन के, यादव पी, मंजूनाथ एन एम एल, ""सिनोवियल सर्कोमा - सर्जिकल ऑकोलॉजी एम्स एक्सपीरियंस। इंडियन कैंसर कांग्रेस 2011 एट भुवश्नेवर ऑन 11 फरवरी, 2011; वाज गिवन दि बेस्ट पेपर अवार्ड।

31. धर पी, दीक्षित एस, मेहरा आर डी एक्सोजिनस ए एल ए मोड्यूलेट्स ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस मार्कर लेवल्स एंड एपोप्टोटिक मार्कर एक्सप्रेशन इन हिप्पोकेम्पस आफ रैट्स एक्सपोज्ड टू सोडियम अर्सेनाइट ड्यूरिंग अर्ली पोस्ट नेटल पीर्यड एन्नेल्स आफ न्यूरोसाईसिज 2010; बोल 17 (सुप्पल) : 44

32. धर पी, दीक्षित एस, मेहरा आर डी, इवेल्यूवेशन आफ ए एल ए सुप्लिमेंटेशन इन एमिलियोरेटिंग दि अर्सेनिक इनड्यूस्ड आक्सिडेटिव स्ट्रेस इन रैट हिपोकैम्पस जे ए एस आई, (2010); 59 (1) 51

33. ढींगरा आर बी, बार्ष्णेय के, लूथरा इट एल। इफेक्ट आफ सर्कुलेटिंग एस एफ एल टी-1 ऑन ट्रोपोब्लास्टिक सेल लाइन : ए पोटेंशियल रोल इन प्रीक्लेम्पसिया। क्लिनिकल एनेटॉमी, वोल 23, नवम्बर 82010

34. ढींगरा, आर मोचन एस, लालवानी एस, कुमार आर। प्लास्टिनेशन आफ फ्रैश एंड ओल्ड इम्बाम्ड ह्यूमन लंग्स यूजिंग मोडिफाइड एस-10 टेक्नीक क्लिनिकल एनेटॉमी 2010; 23 (8) : 1013

35. ढींगरा आर, बार्ष्णेय बी, लूथरा के, भाटला एन, कालरा ऐंड कुमार आर। इफेक्ट आफ सर्कुलेटिंग एस एम एल टी-1 ऑन ट्रोफोब्लास्टिक सेल लाइन : ए पोटेंशियल रोल इन प्रीक्लेम्पसिया। क्लिनिकल एनेटॉमी 2010; 23 (8) : 1013

36. दीक्षित एस, धर पी, मेहरा आर डी रोल आफ लिपोटिक एसिड (ए एल ए) इन एमेलियोरेटिंग अर्सेनिक डिवेल्पमेंटल न्यूरोटॉक्सिटी (रैट हिपोकैम्पस) इन अर्सेनिक इन जिओस्फेरे एंड ह्यूमन डिजिज जीन, बुंदसचूह एंड भट्टाचार्य (इड्स) 2010; 354-355

37. दीक्षित एस, धर पी, मेहरा आर डी रोल आफ अल्फा लिपोइक एसिड (ए एल ए) ऑन एक्सप्रेशन आफ एपोप्टोटिक मार्कर्स इन रैट हिपोकैम्पस सब्सीकुवेंट टू सोडियम अर्सेनाइट एक्सपोजर ड्यूरिंग अर्ली पोस्टनेटल पीर्थड एट 30वें अनुवल कांफ्रेंस आफ सोसायटी आफ टॉक्सिकोलॉजी (एस टी ओ एक्स), जामिया हमदर्द युनिवर्सिटी, नई दिल्ली, दिसम्बर 2010

38. डुडेजा एस, शामसी एम बी, वैंकटेश एस, मल्होत्रा एन, मित्तल एस, तलवार पी, दादा आर। साइटोजिनेटिक एंड वाई क्यू डिलिशन मोलेक्यूलर ब्रीनिंग इन इनफर्टाइल मैन ऑप्टिंग फार आई वी एफ/ आई सी एस आई एब्स्ट्रैक्ट नम्बर 2738। अनुवल मीटिंग आफ अमेरीकन सोसायटी आफ ह्यूमन जिनेटिक्स, 2-6, वाशिंगटन डी सी , यू एस ए, नवम्बर, 2010

39. इयूनिस एम, कुलश्रेष्ठ बी, शर्मा ए, खडगावत आर, खुराना एम एल एंड अम्मीनी ए सी। कोरिलेशन आफ फिनोटाइप विद जिनोटाइप इन सी ए एच पेशेंट्स-ज्ज्ख्वें वर्ल्ड कांग्रेस आफ पेडिएट्रिक एंड एडोलसेंट गाइनीकोलाजी : मोंटपेलियर, फ्रांस, मई 22-25, 2010

40. गायकवाड़ एस बी, एन के मिश्रा, टी रीज्वी इंडोवास्कूलर मेनेजमेंट आफ इंट्राक्रोनियल एन्यूरीज्म : ए सिंगल सेंटर स्टडी। एशियन ऑस्ट्रालेशियन फेडरेशन आफ थेराप्यूटिक न्यूरोरेडियोलॉजी प्रोसीडिंग्स, मेलबोर्न, अप्रैल 22-25, 2010

41. गायकवाड़ एस बी - केरोटिड एंजियोप्लास्टी एंड स्टेंटिंग विद आउट न्यूरो प्रोटेक्शन डिवाइसिज : ए सिंगल सेंटर एक्सपीरियंस एट एम्स। प्रोसीडिंग्स आफ 9वां एशिया पेसिफिक कांग्रेस आफ कार्डियोवास्कूलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी, 1-4 जून 2010, सिओल, साऊथ कोरिया।

42. ग्रोवर टी, बिरला एस, खडगावत आर, शर्मा ए स्केलटेल डाइप्लासिया - ए प्रीलिमिनरी स्टडी एट दि टिरटियरी केयर सेंटर। फर्स्ट इंडो यू एस सिंपोसियम ऑन स्केलप्ल डिसप्लासिया। एस जी पी जी आई एम एस, लखनऊ - इंडिया फरवरी - 12-13, 2011

43. गुलाटी जी एस, एरेपल्ली सी डी, सेठ एस, नारंग आर, भार्गव बी, शर्मा एस, जगिया पी, मोहंती एस, कुमार एल, रेड्डी के एस, आहूजा आर के, ऐरन बी कार्डियक मेग्नेटिक रिजोनेंस फार इवेल्यूवेटिंग अर्ली आउटकम्स आफ स्टेम सेल थिरेपी इन नॉन इस्चेमिक डिलेटिड कार्डियोमायोपैथी। जे कार्डियोबास्कूलर मेग्नेटिक रिजोनेंस 2011, 13 (सुप्पल 1) : पी 288

44. गुलाटी जी एस, जैन जी, राठौड़ वाई एस, जगिया पी, शर्मा एस, शर्मा एस, गुलेरिया एस। आवर एक्सपीरियंस विद इंडोबीनस लेजर एब्लेशन आफ वेरीकोज वेंस। इंडियन हर्ट जर्नल 2010
45. गुलाटी जी एस, शर्मा ए के, स्वाति पालिवाल, संदीप सेठ, सिवासुब्रमणयम रामाकृष्णन, प्रिया जगिया, संजीव शर्मा। कार्डिएक मेग्नेटिक रिजोनेंस इन ट्रॉपिकल इंडोमायोकार्डियल फिबरोसिस। जे कार्डियोवास्कूलर मेग्नेटिक रिजोनेंस 2011, 13 (सुप्पल-1) : पी 270
46. गुप्ता ए, पटेल सी डी, आर कुमार, ए के पांडे, एस बख्शी, ए मल्होत्रा, पी शर्मा, इवेल्यूवेशन आफ ट्रीटमेंट रिस्पोंस यूजिंग होल बॉडी मेटाबोलिक टूमर बर्डन (डब्ल्यू बी एम टी बी) एस्टिमेटिड बाई एफ 18 - एफ डी जी पी ई टी/ सी टी इमेजिस इन पेडिएट्रिक लिम्फोमा। इयूर जे न्यूकल मोल इमेजिंग 2010, 37 (सुप्पल 2) एस 482-503 टी पी-19
47. गुप्ता एन, महापात्रा एम, सेठ टी ,मिश्रा पी, सक्सेना आर, पाती एच पी, इट एल। ए रेंडमाइज्ड केम्पेरीजन आफ अर्लीवर्सस डिलेड एडमिनिस्ट्रेशन आफ जी - सी एस एफ इन हाई डोज सिताराबिन कंसोलिडेशन केमोथिरेपी आफ एक्यूट माइलोइड ल्यूकेमिया इंडियन जे हेमेटोल ब्लड ट्रंफ्रूस 2010; 26 : 164
48. गुप्ता आर, शर्मा यू, गुप्ता एन, सिंह यू, गुलेरिया आर, जगन्नाथन एन आर, गोस्वामी आर। इफेक्ट आफ कोलेकेल्सीफिरोल सुप्लिमेंटेशन ऑन मसल स्टेस्थ इन हैल्दी वालंटीयर्स विद लो सीरम 25 (ओ एच) डी : ए डबल ब्लाइंड रेंडोमाइज्ड प्लेसिबो कंट्रोल्ड ट्रायल। प्रोक इनटल सोक मेग रीजन मेड 2010; 18 : 868
49. गुप्त आर, यादव आर के, मखारिया जी के, खडगावत आर, महापात्रा एस सी/ लेक्टोस एंड मिल्क इनटोलरेंस इन आई बी डी पेंशंट्स इन रेमिसन फेज इंडियन जे फिजियोल फार्मेकोल 2010 : 54 (2) : 15
50. गुप्ता एस, भट ए, सीनू वी, महाजन एस, भौमिक डी, अग्रवाल एस के, इनिशियल एक्सपीरियंस आफ टेंक्खोफ कैथेटर इंसर्टन बाई सेल्डिंगर टैक्निक : ए सिंगल सेंटर स्टडी। इंडियन जर्नल आफ नैफ्रोलॉजी 2010; 20 : एस 58
51. गुप्ता एस, महांता पी, अग्रवाल एस के, डिंडा ए, भौमिक ए, महाजन एस इट एल। रोल आफ मेजर हिस्टोकंपेटीब्लिटी कांप्लेक्स क्लास-1 रिलेटिड चेन ए (एम आई सी ए) एंटीबॉडिज इन रीनल ट्रंसप्लांटेशन इन लीविंग डोनर प्रोग्राम। ए सिंगल कंट्रोल स्टडी। इंडियन जर्नल आफ नेफ्रोलॉजी 2010; 20 : एस 35
52. हघीघी आर आर, प्रतीक कुमार, एस थुल्कर, एस चटर्जी। ए सिंपल एंड क्विक मैथड टू इवेल्यूवेट दि परफोर्मेस आफ मैमोग्राफी यूनिट : आवर एक्सपीरियंस विद डेली चैक्स। अनुवल कांफ्रेंस आफ एसोसिएशन आफ मेडिकल फिजिसिस्ट्स आफ इंडिया, नवम्बर 18-21, 2010, एस जी पी जी आई, लखनऊ एब्सट्रेक्ट बुक पेज 33-34
53. हघीघी आर आर, एस चटर्जी, ए व्यास, प्रतीक कुमार, एस थुल्कर। ऑन दि मिक्सिंग रूल्स फार दी एक्स-रे एटेनुएशन इन कैमिकल मिक्सचर फार एप्लिकेशन इन कंप्यूटिड टोमोग्राफी स्टडीज। ""थर्ड वर्ल्ड आर्गोइजेशन फार वुमैन इन साईस (टी डब्ल्यू ओ डब्ल्यू एस) चौथा जनरल एसेंबली एंड इंटरनेशनल कांफ्रेंस, बीजिंग, चाइना 27-30 जून, 2010
54. हघीघी आर आर, एस चटर्जी, प्रतीक कुमार। आफ दिन डिपेंडेंस आफ दि एक्सरे एटेनुएशन कोएफिशिएंट आफ मिक्सचर ऑन दि इलैक्ट्रान डेंसिटी एंड इफेक्टिव एटोमिक नम्बर 9वें ईरानियमन मेडिकल फिजिक्स कांफ्रेंस, ईरान यूनिव. आफ मेडिकल साईसिज, तेहरान 19-20 मई, 2010
55. हरेश के पी, प्रभाकर आर, रथ जी के, जुल्का पी के, शर्मा डी एन, हीरा पी, जोशी एन पी स्टडी इवेल्यूवेटिंग डिफ्रेंट मैथड्स आफ ट्यूमर वोल्यूम एस्टिमेशन ऑन पी ई टी - सी टी इन कार्सिनोमा लंग। जे क्लिन आंकोल 28,2010
56. होए ई टी डी, गणेशन ए, ब्रोव पी, गुलाटी जी एस, सिवानाथन एम यू। इवेल्यूवेशन आफ ऑर्टिक रूट डिजिज विद एम आर इमेजिंग एंड एम डी सी टी एंजियोग्राफी। रेडियोग्राफिक्स सुप्लिमेंट।
57. जेकोब टी जी, रॉय टी एस, गर्ग पी के। कंपेरीजन आफ दि सेवरीटी आफ एक्यूट पेनक्रिएटिटिस इनड्यूस्ड बाई फोर फोर ऐट इन्जेक्शनस आफ केरूलिन इन स्विस एलबिनो माइस। पेनक्रिएटोलॉजी 11 (सुप्पल) : 2, 2011
58. जगन्नाथन एन आर, साह आर जी, शर्मा यू, प्रसाद आर। कोरिलेशन बिटविन एस्ट्रोजेन रिसेप्टर पॉजिटिव (ई आर उ) एंड एस्ट्रोजेन रिसेप्टर निगेटिव (ई आर -) स्टेटस विद टचों कंसनट्रेशन एंड ट्यूमर वोल्यूम इन ब्रेस्ट कैंसर पेशंट्स प्रोक इनटल सोक मेग रीजन मेड 2010; 18 : 4754
59. जगन्नाथन एन आर, साह आर जी, शर्मा यू, प्रसाद आर। रोल आफ कोलीन एज ए बायोमार्कर आफ सेल प्रोलिफेरेशन टू डिफ्रेंशिएट एच आई आर1 /एन ई यू पॉजिटिव एंड निगेटिव ब्रेस्ट कैंसर्स पेशंट्स। प्रोक इनटनल सोक मेग रीजन मेड 2010; 18 : 4752

60. जैन एस, पाल ए, माथुर आर। सुपर पेरामेग्नेटिक नेनोपार्टिकल्स फेसिलिटेट्स लोकोमाटर एंड संसोरीमोटर रिकवरी इन कंपलीट स्वीनल कोर्ड इंजर्ड रैट्स एक्सपोज्ड टू मेगनेटिक फील्ड। न्यूरोसाई रेस 2010; 68 (सुप्पलिमेंट-1)ः ई 253
61. जावेद ए, पाल एस, दाश एन आर, साहनी पी, चट्टोपाध्याय टी के। आउटकल फोलोविंग सर्जिकल मेनेजमेंट आफ कार्रोसिव स्ट्रिक्चर्स आफ दि ओएसोफेगुस ट्रॉप गेस्ट्रोसंट्रोल 2010; 31 (सुप्पल 1) ः एस 11
62. जावेद ए, पाल एस, साहनी पी, चट्टोपाध्याय टी के। मेनेजमेंट एंड आउटकम आफ इंटराथोरोसिक ब्लीडिंग ड्यू टू वास्कुलर इंजुरी ड्यूरिंग ट्रंसिएटेलोएसे फेजेक्टॉमी। ट्रॉप गेस्ट्रोएंटेरोल 2010; 31 (सुप्पल 1) ः एस 11
63. कैस्ठा एस, पाल एस, जॉर्ज जे, साहनी पी, दाश एन आर, गर्ग पी के, इट एल। सर्जिकल मेनेजमेंट आफ पेशंट्स विद नोन एल्कोहीलिक व्रोनिक पेनव्रिएटिटिस इन ए नॉर्थ इंडियन टेरिटियरी केयर हॉस्पिटल ः 25 वर्ष एक्सपीरियंस। पेनव्रिएटोलॉजी 2011 ; 11 (सुप्पल 1) ः 32
64. केलर एस, धर पी ,मेहरा आर डी, इफेक्ट्स आफ अर्सेनिक एक्सपोजर ड्यूटिंग अर्ली पोस्टनेटल पीरियड़ ऑन डिवेल्पिंग रैट हिपोकैंपस एनेल्स आफ न्यूरोसाईसिज 2010; वोल, 17 (सुप्पल) ः 84
65. केलर एस, धर पी, मेहरा आर डी, एक्सपोजर टू अर्सेनिक ड्यूनिंग रेपिड ब्रेन ग्रोथ पीरियड इंडयूसिस मार्फोलोजिकल एंड मार्फोमीट्रिक अल्ट्रेशन्स इन रेट हिपोकैंपस 58वें अनुवल कांफ्रेंस आफ एनेटॉमिकल सोसायटी आफ इंडिया एट पुणे। दिसम्बर, 2010
66. कटारिया एस, कुमार पी, वार्ष्णेय एम, धर पी , मेहरा आर डी। एस्ट्रोजेन एक्सर्ट न्यूरोप्रोटेक्टिव इफेक्ट्स बाई रेगुलेशन आफ पी - सी आर ई बी, बी सी एल 2 एंड बी ए एक्स इन दि सुबीकूलम आफ फिमेल रैट्स। एनेल्स आफ न्यूरोसाईसिंज 2010; वोल, 17(सुप्पल) ः 03
67. कटारिया एस, कुमार पी, वार्ष्णेय एम, धर पी, मेहरा आर डी/ एस्ट्रोजेन एक्सर्टस न्यूरोप्रोटेक्टिव इफेक्ट्स बाई रेगुलेशन आफ पी सी आर ई बी, बी सी एल2 एंड बी ए एक्स इन दि सुबीकूलम आफ फिमेल रेट्स। अवार्ड पेपर प्रेजेंटिड एट 5वें कांग्रेस आफ एफ ए ओ एन एस एंड XXVIII अनुवल मीटिंग आफ आई ए एन नवम्बर, लखनऊ, इंडिया, 2010
68. कटारिया, एम वर्षणे, पी कुमार, पी धर एंड राज मेहरा सिनेप्टोजेनिक एंड न्यूरो प्रोटेक्टिव इफेक्ट्स आफ एस्ट्रोजन इन फिमेल रैट एमिगडेल 58वें अनुवल कांफ्रेंस आफ एनेटॉमिक्ल सोसायटी आफ इंडिया एट पुणे दिसम्बर, 2010
69. कौर एम, चंद्रन डी, प्रकाश के, भगत ओ, खंडेलवाल ई, जरयाल ए के, भौमिक डी, दीपक के के। सक्सेसफुल रीनल ट्रंसप्लांटेशन रेडयूसिस दि वास्कुलर स्टिफनेंस इंडिसिस इन एंड स्टेज रीनल डिजिज पेशंट्स। इंडियन जे. फिजियोल फार्मेकोल 2010; 54 (2) 74-75
70. कौर एम, चंद्रन डी, प्रकाश के, खंडेलवाल ई, भगत ओ, जरयाल ए के, ज्योत्साना वी, दीपक के के। इम्पेयर्ड इंडोथेलियम मेडिएटिड वास्कुलर रिएक्टिविटी इन इंडोजिनेनस कुसिंग सिंड्रोम। इंडियन जे. फिजियोल फार्मेकोल 2010; 54 (2) ः 107
71. कौशल पी, धर पी, मेहरा आर डी। पुबर्टल इफेक्ट्स आफ अर्ली पोस्टनेटल सोडियम अर्सेनाइट एक्सपोजर इन रैट टेस्टिस। 31वें अनुवल कांफ्रेंस आफ दि अमेरिकन कॉलेज आफ टॉक्सिकोलोजी , नवम्बर 6-10, एट बाल्टिमोर, यू एस ए, 2010
72. कौशल पी, धर पी, गुप्ता ए एंड मेहरा आर डी। इफेक्ट्स आफ अर्ली पोस्टनेटल एक्सपोजर टू सोडियम अर्सेनाइट इन रैट टेस्ट्स ः ए मोर्फोमीट्रिक स्टडी एट 30वें अनुवल कांफ्रेंस आफ सोसायटी आफ टॉक्सिकोलॉजी (एस टी ओ एक्स), जामिया हमदर्द युनिवर्सिटी, नई दिल्ली दिसम्बर, 2010
73. कौशल पी, धर पी, मेहरा आर डी इफेक्ट्स आफ पोस्टनेटल अर्सेनिक एक्सपोजर ऑन रेट टेस्टिस ः लाइट एंड इलेक्ट्रॉन माइकोस्थॉपिक स्टडी। इन अर्सेनिक इन जियोस्फेरे एंड ह्यूमन डिजिज - जीन, बूंदस्चूह एंड भट्टाचार्य (इड्स) पी जी 2010; 341-342
74. कौशल, पी धर, पी मेहरा, राज डी पूबर्टल इफेक्ट्स आफ पोस्टनेटल अर्सेनिक एक्सपोजर ऑन दि रैट टेस्टिस ः लाइट एंड इलेक्ट्रॉन माइव्रोस्कॉपिक स्टडी एट 58वें अनुवल कांफ्रेंस आफ एनेटॉमिकल सोसायटी आफ इंडिया एट पुणे, दिसम्बर 2011
75. खान आर, गुप्ता एस, शर्मा वी के, शर्मा ए। टी-हेल्पर एंड टी-रेगुलेटरी साइटोकिन्स इन विटिलिगो। इंटरनेशनल इम्यूनोलॉजी 22 (सुप्पल 1), पी वी 9,2010
76. खंडेलवाल ई, जरयाल ए के, ज्योत्सना वी, चंद्रन डी, कौर एम, किरण पी, भगत ओ, दीपक के के। हर्ट रेट वेरिएबिलिटी प्रोफाइल इन टाइप 2 डायबेट्स मेलिट्स पेशेंट्स। इंडियन जे फिजियोल फार्मेकोल 2010; 54 (2) ः 41-42
77. खरबंदा ओ पी "क्लेफ्ट लिप एंड पेलेट" ए पेशंट एज्युकेशन बुक लैट। फर्स्ट एडिशन, 2010 पेजिज 30
78. खरबंदा ओ पी, "इम्पलांट एंड होस्ट रिलेटिड कंसिड्रेशन्स फॉर दि सक्सेस आफ मेनिस्करीव ट्रीटमेंट" - कांफ्रेंस प्रोसीडिंग्स 2010, पेज नम्बर 56 "वर्ल्ड इम्पलांट आर्थोडोंटिक कांफ्रेंस (एब्सट्रेक्स)।

79. खत्री आर, मुखोपाध्याय के, वर्मा के के, सेथुरमण जी, शर्मा, ए फंक्शनल पॉलिमॉर्फिज्म्स इन कैंडिडेट प्रो एंड एंटी इंफलेमेट्री एंड टी रेगुलेटरी सेल साइटोकोन जीन्स विद पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस इंड्यूस्ड एयर बोर्न स्कीन एलर्जी 65 (सुप्पल 92) : पी 55, 2010
80. कुमार ए, बनथया पी। रेटिनिटिस पिगमेंटोसा एंड स्टेम सेल ट्रासप्लांटेशन। इन : इड (एस)। रामामूर्ति डी। रेड्डी रेकनर इन ऑप्थेल्मोलॉजी (अंडर दि एजिज आफ ए आइ ओ एस) पहला इड. ए जे आर मेडि. सोल्यूशन पी लिमिटेड 2010 : 446-7
81. कुमार ए, मेक्यूलर होल : ग्रेडिंग, स्टेंस एंड मेनेजमेंट। इन : इड (एस)। रामामूर्ति डी, रेड्डी रेकनर इन ऑप्थेल्मोलॉजी (अंडर दि एजिज आफ ए आई ओ एस) 1वां इड ए जे आर मेडि. सोल्यूशन पी लिमिटेड 2010 : 424-5
82. कुमार बी, गुप्ता एस के, श्रीनिवासन बी पी, श्रीवास्तव एस, नाग टी सी। हेसपेरेटिन प्रोटेक्टस डायबेटिक रेटिनोपेथी थ्रो इट्स इंटीऑक्सिडेंट, एंटी - इन्फलेमेटरी एंड एंटी - एंजियोजेनिक पाथवेस इन स्ट्रेप्टोजोटोसिन (एस टी जैड) - इंड्यूस्ड डायबेटिक रैट्स। एशिया पेसिफिक अकेडमी आफ आप्थेल्मोलॉजी मीटिंग (ए पी ए ओ) सिडनी 2011 । 20-24 पी पी 174 मार्च, 2011
83. कुमार एम, खोखर एस के, अग्रवाला टी के, पांडा ए, दादा आर मुटेशन एनेलिसिस आफ सी आर वाई ए बी, सी आर वाई जी सी, सी आर वाई जी डी एंड जी जे ए 8 एसोसिएटिड विद कॉनजेनिटल कैटरेक्ट इन नॉर्थ इंडियन पोपुलेशन इंडियान आई रिसर्च ग्रुप मीटिंग, जुलाई 31 टू अगस्त।, एल वी पी ई आई, हैदराबाद, 2010
84. कुमार आर, जैन एन, लालवानी एस, ढींगरा आर, प्लास्टिनेटिड नी : ए मॉडल फार अर्थ्रोस्कॉपिक एंड डाइग्नोस्टिक परप्रोजिज क्लिनिकल एनेटॉमी 2010; 23 (8) : 1021
85. कुमार आर, रीटा के एच, रे एस बी। डायरेक्ट इंटरस्पिनल एडमिनिस्ट्रेशन आफ लोपेरामाइड प्रोसीजर्स एनेलजेसिया ड्यूरिंग पोस्ट आपॅरेटिव पेन इन रेट्स। इंडियन जे फार्मेकोल 2010; 42 (सुप्पल 2) : एस 122-123
86. कुमार आर वी, भास्कर एस, बाजपेयी वी। बूस्टिंग आफ एंटी टोबाकू ऑपरेशन्स कैंसर विक्टिमस" व्यूज एंड आइडियाज। इन : हजारी वी, श्रीवास्तव बी, एडिर्प्स। दूसरा नेशनल कांफ्रेंस ऑन टोबाकू ओर हेल्थ; 23 -25 सितम्बर, 2010; मुंबई। मुंबई : सलाम बॉम्बे फाउंडेशन; 2010 पी.13
87. कुमार वी, नाग टी सी, वधवा एस। इफेक्ट्स आफ प्रीनेटल हाई डिसीबल म्युजिक एंड नोआइज ऑन जेफीरिन एंड जी ए बी ए ए गामा 2 रिसेप्टर सुबुनिट इनदि ऑडिटरी कोर्टेक्स आफ डिवेल्पिंग चिक। जे न्यूरो कैमिस्ट्री, अक्तूबर, 2010, वोल 115, सुप्पल 1; 16-17
88. मदन आर वी सुबरमनी, एस. पैथी, एस सारमा, एम सुजीथ कुमार, बी के मोहंती : सी टी बेस्ड इनवर्स ट्रीटमेंट प्लानिंग इन एच डी आर अंटराकेबिटरी ब्रेचथिरेपी फार सर्विकल कैंसर : इम्पेक्ट आफ प्वाइंट ए एंड टार्गेट बेस्ड डोसीमीट्रिक एंड डोज प्रीव्रीप्सन मैथड्स : प्रोसीडिंग्स आफ दि एस्टरो 2010
89. मगन डी, यादव आर, बंदूणी आर, यादव आर के, मेहता एन, महापात्रा एस सी। इफेक्ट आफ कांप्रीहेंसिव शॉर्ट टर्म योगा बेस्ड लाइफ स्टाइल मोडिफिकेशन प्रोग्राम ऑन स्ट्रेस एंड इम्यूनिटी। इंडिया जे फिजियोल फार्मेकोल 2010; 54 (2) : 64
90. मालारविझी, वल्स एम, ए आर सी टी आफ 24 प्रतिशत सुव्रोज एज एनेलजेसिया इन नियोनट्स रिसीविंग वेनिपंक्चर इन नियोनेटल यूनिट्स (पोस्टर नम्बर पी एच 415) इन : प्रोसीडिंग्स आफ 13वें वर्ल्ड कांग्रेस ऑन पेन मोंट्रियल। 29 अगस्त टू 2 सितम्बर, 2010
91. मलिक ए, शर्मा यू, लक्ष्मी आर, नारंग आर, जगन्नाथन एन आर। इज एलेनाइन ए बायोमार्कर फार डिफ्रेंशिएटिंग सिंगल वेसेल, डबल वेसेल एंड ट्रिपल वेसेल कोरोनरी आर्टरी डिजिजi एन इन विटरो प्रोटोन एम आर स्टडी। प्रोक इंटल सोक मेग रीजन मेड 2010; 18 : 3358
92. मंगला वी, पाल एस, दाश एन आर, साहनी पी, चट्टोपाध्याय टी के। ए रेंडोमाइज्ड क्लिनिकल ट्रायल कंपेयरिंग"" डक्ट टू मूकोसा"" एंड ""डंकिंग"" मैथड्स आफ पेनक्रिएटिकोजेजूनल एनेस्टोमोसिस फोलोबिंग पेनक्रिएटिको ड्यूओडिनेक्टॉमी : एन इनटेरिम एनेलिसिस ट्रॉप गेस्ट्रोइंट्रंले 2010; 31 (सुप्पल 1) एस : 66
93. मंगला वी, पाल एस, दाश एन आर, साहनी पी, चट्टोपाध्याय टी के। रेंडोमाइज्ड क्लिनिकल ट्रायल कंपरिंग डंकिंग एंड डक्ट टू मूकोसा टंक्नीक्स आफ पेनक्रिएटीको जेजूनोस्टॉमी फोलोविंग पेनक्रिएटीको ड्यूओडेनेक्टॉमी : एन इनटेरिम एनेलिसिस। पेनक्रिएटोलॉजी 2011; 11 (सुप्पल 1) : 60
94. माथुर वी पी, शर्मा ए। अंडरस्टेंडिंग जर्नल इम्पेक्ट फेक्टर एंड सिटेशन इनडेक्स। इन शोलापुरकर ए ए। पब्लिश एंड फ्लूरिश : ए प्रैक्टिकल गाइड फार इफेक्टिव साइंटिफिक राइटिंग। फर्स्ट एशियन न्यू दिल्ली। जय पी ब्रदर्श मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड; 2011 : 179-184

95. माल आर, कश्यप एस, पुशकर एन, बख्शी एस, सेन एस, बजाज एम एस। प्राइमरी प्रीमिटिव न्यूरोएक्टोडर्मल ट्यूमर (पी पी एन ई टी) आफ दि आर्बिट ए 10 इयर रिव्यू। एट 69वें अनुवल कांफ्रेंस ऑफ आल इंडिया आप्थेल्मोलॉजिकल सोसायटी, फरवरी 3-6, 2011 गुजरात यूनिवर्सिटी कंवेंशन सेंटर, अहमदाबाद।

96. मेहरा आर डी : ए क्वेस्ट फार अल्टरनेटिव एस्ट्रोजेन रिप्लेसमेंट थिरेपीज एंड देयर इफेक्ट्स ऑन न्यूरल स्ट्रक्चरल एंड फंक्शन्स। एनेल्स आफ न्यूरोसाईस (सुप्पल) 12 (2010)

97. मेहरा आर डी : एस्ट्रोजेन एंड स्लेक्टिव एस्ट्रोजेन रिसेप्टर मोड्यूलेटर (एस ई आर एम) मेडिएटिड न्यूरो प्रोटेक्शन एंड सिनेप्टिक प्लास्टिसिटी इन रैट ब्रेन। जे. एनेट सोक. इंडिया 59 (सुप्पल), 2010

98. मोहंती एस, कृष्णगोपाल जैन, सुष्मिता बोस, हिमी सिंह, मनोज गौत्तम, हरपाल सिंह, अमित कुमार, डिंडा, गुरप्रीत सिंह गुलाटी, हेमलता वर्मा, टी के दास, बलराम भार्गव, बलराम ऐरन एफिसिएंट लेबलिंग आफ ह्यूमन मेसनचिमल स्टेम सेल्स विद आयरन ऑक्साइड नेओपार्टिकल्स फार इन विवो ट्रेकिंग, आई एस एस सी आर, टोरोंटो, कनाडा, 2011

99. मोहंती एस, स्टेम सेल रिसर्च : एम्स एक्सपीरियंस। एस ए पी आई, इंडियन वेटिनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट, इजातनगर, 2010

100. मोहंती एस, स्टेम सेल्स इन डर्मेटोलॉजी, डर्मेकॉन, गुड़गावं, नई दिल्ली, 2011

101. मुर्गन बी, अग्रवाल एम, त्रिपाठी एम, ए स्टडी टू आइडेंटीफाई ट्राइगरिंग फेक्टर्स प्रसिडिंग दि आंकूरेंस आफ सिजर्स इन पीपल विद एपिलेप्सी। इन : प्रोसिडिंग्स आफ ट्रॉमा 2010 । इंटरनेशनल कांग्रेस एंड सी एम ई कम वर्कशॉप, दिल्ली। नवम्बर, 2010

102. नाग टी सी, वधवा एस। ऐज रिलेटिड चैंजिज इन फोटोरिसेप्टर माइक्रोटयूबूलस आफ ह्यूमन रेटिना 5वें एफ ए ओ एन एस मीटिंग एंड 28वें अनुवल मीटिंग आफ दि इंडियन अकादमी आफ न्यूरोसाईसिज, लखनऊ नवम्बर 25-28, 2010, एन न्यूरोसाई 17 (सुप्पल) 049

103. नाग टी सी, वधवा एस डिफ्रेंशियल एक्सप्रेशन आफ बायोमार्कर्स आफ ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस इन एजिंग ह्यूमन रेटिना। 19वें बाइनियल मीटिंग आफ दि इंटरनेशनल सोसायटी फार आई रिसर्च, मंट्रियल जुलाई 18-23, 2010

104. आहूजा एम, महला जे, रीटा के एच, जोशी एस, गुप्ता वाई के। प्रोटेक्टिव इफेक्ट आफ एनासाइक्लश रीदर्म अगेंस्ट सीजर्स एंड सीजर इंड्यूरस्ड कॉग्नेटिव इमपेयरमेंट इन रैटस। इयूर न्यूरो साइको फार्मेकोल 2010; 20 (सुप्पल 3) : एस 246

105. पाल ए, कुमार एस, माथुर आर, जैन एस। फेशिलिएसन आफ एक्सोनल रिजनरेशन एंड बिहेवियरल रिकवरी बाई इंप्लांटेशन आफ मेग्नोटिक नेनोपार्टिकल्स इन मेग्नेटिक फील्ड एक्सपोज्ड स्थाइनल कोर्ड इनजर्ड रैट्स। एनेल्स आफ न्यूरोसाईसिंज, 2010; 17 (सुप्पलमेंट) : 104

106. पाल एस, केस्था एस, जॉर्ज जे, दाश एन आर, गर्ग पी के, साहनी पी इट एल लोंग टर्म एक्सपीरियंश विद सर्जरी फार एल्कोहलिक क्रोनिक पेनक्रिएटाइटिस इन टेरिटियरी केयर हॉस्पिटल फ्रॅाम नार्थ इंडिया। पेनक्रएटोलॉजी 2011; 11 (सुप्पल-1) : 32

107. पालिवाल पी, टंडन, आर शर्मा, एन, गुप्ता जे, टिटयाल जे एस, सेन एस, शर्मा ए, एंड वाजपेयी आर बी ""ए स्टडी ऑन दि मुटेशनल एनेलिसिस आफ कॉर्नियल डिस्ट्रोफिज इन नॉर्थ इंडिया। इंडियन आई रिसर्च ग्रुप (आई ई आई जी) मीटिंग जुलाई 31 - अगस्त 1, एल वी पी ई आई, हैदराबाद, 2010

108. पांडा डी, शर्मा ए, शुक्ला एन के, द्विवेदी एस एन। एन एपिडेमियोलॉजिकल स्टडी आफ कार्सिनोमा गाल ब्लेडर, पब्लिशड अनुवल मीटिंग आफ अमेरिकन सोसायटी आफ क्लिनिकल ऑंकोलाजी, शिकांगो, जून 2010

109. राय एम, आनंद वी, खांडपुर एस, शर्मा ए एलिवेटिड एक्सप्रेशन आफ इंटर ल्यूकिन 17 इन ऑटो इम्यून स्किन डिजिज; पैमफिगर्स वल्गारिश इम्यूनोलॉजी वोल्यूम 131 इशू सुप्पलिमेंट एम। : पी 118, 2010

110. रैना पी, सिंघल एम के, शर्मा ए, कुमार एल, कुमार आर, दत्ता गुप्ता एस, कुमार बी, दाश पी। क्लिनिकल करेक्ट्रेसिटिक्स, प्रोग्नोस्टिक फैक्टर्स एंड ट्रीटमेंट आउटकम आफ 139 पेशेंट्स आफ पेरीफेरल टी सेल लिम्फेमाज फ्रॅाम एम्स, नई दिल्ली, इंडिया। पब्लिशड अनुवल मीटिंग आफ अमेरिकल सोसायसटी आफ क्लिनिकल ऑकोलॉजी, शिकागो, जून, 2010

111. रानी एन, ढींगरा आर, भाटला एन, आर्य डी एस केलवानी एम, कुमार आर। आक्सिडेटिव स्ट्रेस एंड एपोप्टोसिस इन पलेसेंटाज आफ प्रीएक्लेंप्टिक वुमैन क्लिनिकल एनेटॉमी, 2010; 23 (8) : 1030

112. रेड्डी आर, पटेल सी डी, ललित कुमार, संजय थुलकर एंड अरूण मल्होत्रा। रिस्पोंस इवेल्यूवेशन टू प्राइमरी ट्रीटमेंट इन एडवांस्ड ओवेरियम कैंसर पेशेंट्स बाई इनटेगरेटिड 18 एफ फ्लूरोडिऑक्सि पॉजिटॉन इनिशन टामोग्राफी। नॉन कंस्ट्रास्ट कंप्यूटिड टॉमोग्राफी (18 एफ -एफ डीजी, पी ई टी/ सी टी) इनकंपेरीजन विद कंट्रास्ट इनहांस्ड सी टी) सी ई सी टी)। जू न्यूक्ल मेड मीटिंग एब्सट्रेक्ट मई, 2010; 51 : 19

113. रीटा के एच, महला जे, गुप्ता वाई। इंटरएक्शन फिनिटोइन विद फिनिटोइन एंड अल्फा लाइपोइक एसिड इन एक्सपेरीमेंटल सीजर्स इन रैट्स। बेसिक क्लिन फार्मेकोल टॉक्सिकोल 2010; 107 (सुप्पल-1) : 541
114. रेणू, मगन डी, यादव आर के, मेहता एन, महापात्रा एस सी। इफेक्ट आफ शार्ट टर्म कांप्रीहेंसिव योगा प्रैक्टिसिज ऑन दि रेसपीरेटरी रेट एंड ब्रैथ होल्डिंग टाइम आफ हेल्दी सबजेक्ट्स। इंडियन जे फिजियोल फार्मेकोल 2010 ; 54 (2) : 132
115. रॉय एस, नाग टी सी, माथुर आर, जैन एस। प्रीनेटल ऑडिटरी स्टीमुलेशन फेसीलिटेट्स आफ दि विज्युवल सिस्टम इन चिक्स गेलूबस डोमेस्टिकस। एनेल्स आफ न्यूरो साईसिज 2010; 17 (सुप्पलिमेंट) : 60.
116. रॉय टी एस, सिंह एस, शरीफ ए, ए पी नेटल डिवेल्पमेंट आफ दि ह्यूमन सिग्मोइड माइएंट्रिक प्लेक्सस। सोसायटी फार न्यूरोसाइसिंस, ऑन लाइन, पोस्टर सेशन 538, सेशन टाइटिल न्यूरोनल डिफ्रेंशिएसन ख्श्र्र्, नवम्बर 16, 2010 एट 8 ए एम 12 नून सेन डियोगा, सी ए 2010
117. साह आर जी, शर्मा यू, प्रसाद आर, जगन्नाथन एन आर। डिटरमीनेशन आफ कट-आफ वेल्यू आफ टोटल कोलिन कन्सट्रेशन (टी सी एच ओ) फार दि डिफ्रेशिएशन आफ मेलिग्नेंट, बिनाइन एंड नॉर्मल ब्रेस्ट टिशुज बाई इन विबो प्रोटोन एन आर स्पेक्ट्रोस्कॉपी एट 1.5 टी इन ए लार्ज कोहोर्ट आफ वुमैन। प्रोक इंटल सोक मेग रीजन मेड 2010; 18: 3348
118. साह आर जी, शर्मा यू, प्रसाद आर, जगन्नाथन एन आर, कोलिन एज ए बायोमार्कर ए बैटर प्रीडिक्टर आफ अर्ली रिस्पोंस आफ ब्रेस्ट कैंसर पेशेंट्स अंडर गोइंग नियो एडजूवेंट केमोथिरेपी (एन ए सी टी)। प्रोक इंटल सोक मेग रीजन मेड 2010; 18 : 4753
119. साह आर जी, शर्मा यू, प्रसाद आर, जगन्नाथन एन आर। दि रोल आफ मेग्नेटिजेशन ट्रंसफर इमेजिंग इन दि डिफ्रेंशिएशन आफ मेलिगनेंट एंड बिनाइन टिशुज। प्रोक इंटल सोक मेग रीजन मेड 2010; 18 : 4746
120. सेन्याल (चटर्जी) टी, नाग टी सी, रॉय टी एस, वधवा एस। डिफ्रेंशियल इफेक्ट आफ प्रीनेटल पेटनर्ड एंड अनपेटर्नड हाई डेसिबल सांड ऑन स्पेशियल लर्निंग एंड सिनेप्टोफिज्म एक्सप्रेशन इन चिक हिपोकेंपस एंड ब्रेन स्टेम ऑडिटरी न्यूक्लेश 135.14.2010 न्यूरो साईंस मीटिंग प्लेनर। सेन डिगो, सी ए : सोसायटी फार न्यूरोसाईंस, 2010 ऑनलाइन।
121. सेन्याल (चटर्जी) टी, नाग टी सी, वधवा एस। प्रीनेटल हाई डेसिबल साउंड एक्सपोजर इन चिकस : सेल्यूलर स्ट्रैस इन ब्रैन स्टेम ऑडिटरी न्यूक्लेइ एंड हिपोकेंपस एंड स्पेशियल बिहेवियर। एन. न्यूरोसाइ. (सुप्पल) 2010, 17 : 67
122. सन्याल एस, पाल एस, आहूजा वी, दाश एन आर, साहनी पी, चट्टोपाध्याय टी के लोंग टर्म फंक्शनल आउटकम आफ्टर इलियल पाऊच एनेल एनेस्टोमोसिस। ट्रॉप गेस्ट्रोइंट्रॅाल 2010, 31 (सुप्पल 1) : एस 29-एस 30
123. सरकार सी, झा पी, पाठक पी, शर्मा वी, सूरी वी, शर्मा एम सी, चट्टोपाध्याय पी, चोस्डोल के, सुरी ए, गुप्ता डी, महापात्रा ए के। ग्लाइओब्लासटोमस इन इंडियन पोपुलेशन : एनालायसिस आफ जेनेटिक अल्टरेसन्स एंड कोरेलेशन विद एज. ब्रेन पैथोलॉजी 2010 : 20: 58 (ॄ पी ओ 10-43)
124. सरकार सी, झा पी, पाठक पी, सूरी वी, शर्मा एम सी, चट्टोपाध्याय पी, चोस्डोल के, सुरी ए, गुप्ता डी, महापात्रा ए के। द गली कोड इन ग्लीओमस : कोरेलेसन आफ एक्सप्रेशन आफ ग्ली 1, 2, तथा 3 विद हिस्टोलॉजी, एस एच एच, पी टी सी एच एंड स्टेमनेस मार्करस। ब्रेन पैथोलॉजी 2010 : 20 : 57 (ॄ पी ओ 10-42)
125. सर्वोत्तम के, यादव आर के, मेहता एन, महापात्रा एस सी। इफेक्ट आफ शॉर्ट टर्म योगा ऑन रेस्टिंग एनर्जी एक्सपेंडिचर एंड लिपिड प्रोफाइल इन ओवरवेट/ ओबेसे सब्जेक्टस : ए प्रिलीमनरी स्टडी। इंडियन जे फिजिओल फैमाकोल। 2010; 54 (2) : 133
126. सजवाल एस, भोरा बी, कौर पी, चिक्कारा एस, चौबे आर, महापात्रा एम, एट ऑल। एम टी एफ एच आर जेनेटिक पॉलीमोरफिज्म एंड सुसेप्टबिलीटी टू एक्यूट माईएलॉड ल्यूकेमिया इन इंडिया। इंडियन जे हेमाटोल ब्लड ट्रानफ्यूज 2010 ; 26 : 148
127. शाह एन कंटीब्यूटर ""टोबैको डिपेन्डेन्स ट्रीटमेंट गाइडलाईंस"" पब्लिसड बाई नेशनल टोबैको कंट्रोल प्रोग्राम आफ डी जी एच एस एंड मिन एच एंड एफ डब्ल्यू, गवर्न. आफ इंडिया , 2011
128. शम्सी एम बी, डडा आर। माइटोकोंड्र्या रिसर्च एंड मेडिसीन (आई सी एम आर)। कटरा। जम्मू एवं कश्मीर 12-13, नवम्बर, 2010
129. शम्सी एम बी, वेंकटेश एस, डेका डी, डडा आर। ऑक्सीडेटिव स्ट्रीज एंड स्पर्म डी एन ए फ्रैगमेंटेशन - पैटर्नल सेल इन रिकरेंट स्पोनटेनस अबोर्सन्स। यूरोपीयन सोसायटी आफ ह्यूमन जेनेटिक्स (ई एस एच जी) मीटिंग, गोथेनबर्ग, स्वेडेन जून 12-15, 2010
130. शम्सी एम बी, वेंकटेश एस, कुमार आर, गुप्ता एन, मित्तल एस, मल्होत्रा एन, शर्मा आर के, तलवार पी, डडा आर। आर ओ एस एंड डी एन ए डैमेज - सर्जिकल अप्रोच टू लोअर ऑक्सिडेटिव स्ट्रीज इन मेन विद वैरीकोसेल। यूरोपीयन मोलक्यूलर बायोलॉजी ऑगेनाइजेशन (ई एम बी ओ) मीटिंग, बार्सिलोना स्पैन। 4-7 सितम्बर, 2010
131. शम्सी एम बी, वेंकटेश एस, कुमार आर, मल्होत्रा एन, मित्तल एस, तलवार पी, डडा आर, सेमिनाल ऑक्सीडेटिव स्ट्रीज, माइटो-कोन्ड्रियल डी एन ए म्यूटेशन एंड न्यूक्लियर डी एन ए डैमेज इन मेन एक्सपीरियंसिंग रिकरेंट आई वी एफ/ आई सी एस आई

फेल्योर। अब्सट्रैक्ट नम्बर 2741। एनुअल मीटिंग आफ अमेरिकन सोसायटी ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स, वाशिंगटन डी सी यूएसए, 2-6 नवम्बर, 2010

132. शम्सी एम बी, वेंकटेश एस, कुमार आर, तलवार पी, डडा आर। माइटोकॉन्ड्रियल डी एन ए अल्टरेसंस एंड न्यूक्लियर डी एन ए डैमेज इन आइडियोपैथिक इनफर्टिल मेन विद हाई सेमेन आर ओ एस लेवल्स। यूरोपीयन मोलक्यूलर बायोलॉजी ऑर्गनाइजेशन (ई एम बी ओ) मीटिंग, बारसेलोना स्पेन, 4-7 सितम्बर, 2010

133. शम्सी एम बी, वेंकटेश एस, तलवार पी, कुमार आर, डडा आर। क्लिनीकल इम्पलीकेसंस आफ डी एन ए डेमेज एंसेसमेंट इन स्पर्म आफ इंफर्टिल मेन (2010)। 5वें वर्ल्ड कांग्रेस आफ वर्ल्ड एसोसिएशन आफ रिप्रोडक्टिव मेडिसिन (डब्ल्यू ए आर एम) मोसकाउ, रसिया अक्तूबर 11-13। एब्सट्रैक्ट पब्लिश्ड इन रिप्रोडक्टिव बायोमेडिसिन ऑनलाइन वॉल 20, सप्लीमेंट 3, पेज एस 19

134. शम्सी एम बी, वेंकटेश एस, तलवार पी, कुमार आर, मित्तल एस, डडा आर। रोल आफ जेनेटिक फैक्टर्स एंड ऑक्सीडेटिव स्ट्रीज इन रिकरेंट प्रेगनेंसी लॉस। एब्सट्रक्ट नम्बर 171। 13वें कांग्रेस ऑन कंट्रोवर्सिज इन ऑब्सटेट्रिक्स, गायनीकोलॉजी एंड इंफर्टिलीटी (सी ओ जी आई), बर्लिन, जर्मनी नवम्बर 4-7, 2010

135. शम्सी एम बी, वेंकटेश एस, तलवार पी, कुमार आर, मित्तल एस, डडा आर। सेमिनल रिएक्टिव ऑक्सिजन स्पेसिज लेवल्स एंड स्पर्म डी एन ए डेमेज - एसोसिएशन विद आई वी एफ फेल्योर। अब्सट्रैक्ट नम्बर 172। 13वें कांग्रेस ऑन कंट्रोवर्सिज इन ऑब्सटेट्रिक्स, गायनीकोलॉजी एंड इंफर्टिलीटी (सी ओ जी आई) बर्लिन, जर्मनी, नवम्बर 4-7, 2010

136. शम्सी एम बी, वेंकटेश एस, तलवार पी, कुमार आर, अरोड़ा एस, आर्य डी एस, डडा आर। इफेक्ट्स आफ एंटीऑक्सिडेंट एंड आर ओ एस ऑन स्पर्म डी एन ए इंटेग्रीटी इन आइडियोपैथिक इंफर्टिल मेन (2010)। 5वें वर्ल्ड कांग्रेसेस आफ वर्ल्ड एसोसिएशन आफ रिप्रोडक्टिव मेडिसीन (डब्ल्यू ए आर एम) मोसकाउ, रसिया अक्तूबर 11-13 । एब्सट्रैक्ट पब्लिश्ड इन रिप्रोडक्टिव बायोमेडिसिन ऑनलाइन वोल। 20, सप्लीमेंट 3, पेग एस 32

137. शम्सी एम बी, वेंकटेश एस, कुमार आर, मित्तल एस, मल्होत्रा एन, तलवार पी, डडा आर। डी एन ए इंटीग्रीटी एसेसमेंट : ऐन एसेनसिएल अप्रोच इन कपल्स ओपटिंग फार ए आर टी। अब्सट्रैक्ट नम्बर 170। 13वें कांग्रेस ऑन कंट्रोवर्सिस इन ऑब्सटेट्रिक्स, गायनीकोलॉजी एंड इंफर्टिलीटी (सी ओ जी आई), बर्लिन, जर्मनी नवम्बर 4-7, 2010

138. शर्मा ए, शर्मा यू, जगन्नाथन एन आर, राजेश्वरी एम आर। पोटेंशल आफ एम आर आई रिलेक्सोमेट्री इन द स्टडी आफ सिसप्लाटिन इंड्यूस्ड सेल डेथ इन स्क्यूमस सेस कारसीनोमा आफ स्किन। प्रोक इंटल मैग रिजन मेड 2010; 18 : 3249

139. शर्मा एम, कुमार आर, भटला एन, ढींगरा आर। प्रीक्लैम्पिसिया ए स्टेट आफ इंब्रीज्ड साइनसिसल नाट फार्मेशन अब्सट्रैक्ट नम्बर 863, पेज नम्बर 172। 58वें एन ए टी सी ओ एन आफ ए एस 1, 2010 हेल्ड ऐट पद्मश्री डी वाई पाटिल मेडिकल कालेज, पुणे ऑन 27-29 दिसम्बर, 2010

140. शर्मा एम, लुथरा के, विक्रम एन के, मिश्रा ए, नेहा जी, पांडे आर एम, साहिल जी : ग्लैन 27 ग्लु एस एन पी इन एडकेरेनर्जिक रेसेप्टर 2 (ए 2 ए आर) एंडइट्स एसोसिएशन विद ओबेसिटी एंड इंसुलिन रेसिसटेंस। ओबेसिटी रिव्यूस 11 (सपल 1) 4 पी, 307, 2010

141. शर्मा एम सी, अग्रवाल एस, सुरी वी, जैन ए, सरकार सी, शर्मा एम एस, गर्ग ए, मलिक एस। एक्सएंट्रीक्यूलर न्यूरोसाइटोमस : ए मॉर्फोलॉजिकल एंड हिस्टोजेनेटिक कंसीडरेशन ए स्टडी आफ सिक्स केसेज। ब्रेन पैथोलॉजी 2010 : 20 : 53 (रु पी ओ 10-28)

142. शर्मा एम सी, पाठक पी, सरकार सी, झा पी, सुरी वी, हुसैन एम, सिंह एस, भाटिया आर, गुलाटी एस। लिम्ब गिर्डल मसक्यूलर डाइसट्रोफी टाइप 2ए इन इंडिया : ए स्टडी बेस्ड ऑन सेमी - क्वांटिटेटिव प्रोटिन एनालायसिस विद क्लिनिकल एंड हिस्टोपैथोलॉजिकल व्यूप्वाइंट। ब्रेन पैथोलॉजी 2010 : 20 : 94 (दृ पी ओ 28-5)

143. शर्मा पी, त्यागी एस, ऐन अनयूजुअल काउज आफ इओसिनोफिलिया इन ए एम एल - एम 4 विदाउट द इंनव (16) एबनोरमलिटी। जे ब्लड डिसऑर्डरस ट्रंसफ्यूज 2010; 1 : 104

144. शर्मा आर, शर्मा एस, तलवार ए एंड त्रिपाठी एम। क्वांटिटेटिव ई ई जी चेंजस इन माइल्ड कोगनिटिव इंपैरिमेंट एंड अल्जाइमरस डिजइज इन : इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन अल्जाइमरस डिजइज इंटरनेशनल, एट टोरंटो, कनाडा फ्रॉम 26-29 मार्च ,2011

145. शर्मा एस ,गुप्ता ए के, इमेजिंग आफ इंटरसेक्स डिसऑर्डर्स : इन : एड (एस) गुप्ता ए के, चौधरी वी, खंडेलवाल एन एट ऑल। डायग्नोसिस रेडियोलॉजी : पेडियाट्रिक इमेजिंग । अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान । एम ए एम सी - पी जी आई कोर्स सिरिज. 3 ई डी. जे पी ब्रदर्स, 2010, 295-306

146. शर्मा एस, हरि एस, श्रीवास्तव डी एन, इमेजिंग आफ ग्लोब एंड ओरबिट। इन : एड (एस) खंडेलवाल एन, चौधरी वी, गुप्ता ए के, मिश्रा एन के, गायकवाड़ एस बी, सिंह पी। डाइग्नोस्टिक रेडियोलॉजी : न्यूरोरेडियोलॉजी इंक्लूडिंग हेड एंड नेक इमेजिंग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान । एम ए एम सी - पी जी आई कोर्स सिरिज. जे पी ब्रदर्स, मेडिकल पब्लिसर्स लिमिटेड; 2010, 351-65

147. शर्मा वाई आर, नैर एस। मैनेजमेंट आफ रिहैग्मैटोजेन्स रेटिनल डिटैचमेंट बाई विटरेओरियंटल सर्जिकल टेकनिक्स। इन : एड (ए) : नेमा एच वी, नीमा नितिन, रिसेंट एडवांसेज इन ओपथालमोलॉजी 9. 1 एड जेपी ब्रदर्स को. 2010; 227-35

148. शर्मा वाई आर, नैर एस। रेटिनल काइस्ट : मैनेजमेंट इन : एड (स)। नेमा एच वी, नीमा नितिन रिसेंट एडवांसेज इन ओपथलमोलॉजी 9 । 1 एड. जे पी ब्रदर्स को. 2010 ; 194-203

149. शुक्ला एन के, देव एस वी एस, अर्चित पंडित, अश्विन के, दीपक झा, ""प्रोफाइल आफ नेक डिससेक्शन्स एंड पैटर्नस आफ नोडल इंवलमेंट इन बकल एंड अल्वेलोबकल कैंसर - सर्जिकल ओंकोलॉजी एम्स एक्सपिरियंस"" इन द नेशनल कांफ्रेंस आफ इंडियन एसोसिएशन आफ सर्जिकल ओंकोलॉजी एट मुंबई 17 टू 19 सितम्बर, 2010

150. शुक्ला एन के देव एस वी एस, अश्विन के, दीपक झा, अर्चित पंडित, "एपिडेमियोलॉजी आफ ओरल कैंसर - सर्जिकल ओंकोलॉजी एम्स एक्सपिरियंस" ड्यूरिंग दिल्ली चैप्टर ए एस आई, 12-14 फरवरी, 2011

151. शुक्ला एन के, देव एस वी एस, मंदीप सिंह, अर्चित पंडित, "साइलोस फिस्टुला आफ्टर एक्सीलियरी लायम्फ नोड डिसेक्शन : इनसिडेंस एंड मैनेजमेंट एट ए टेरटियरी केयर कैंसर सेंटर" इन द इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑर्गेनाइज्ड बाई अमेरिकन कालेज आफ सर्जन्स कांग्रेस हेल्ड इन वाशिंगटन अक्तूबर 2-7, 2010

152. शुक्ला एन के, देव एस वी एस, मंदीप सिंह, पारस खन्ना, लोकोरिजिनल कंट्रोल इन एल ए बी सी ट्रीएटेड विद क्वालिटी कंट्रोल रैडिकल सर्जरी एंड कीमियोरेडियोथेरेपी बी आर ए आइ आर सी एच, एम्स एक्सपिरियंस इन द नेशनल कांफ्रेंस आफ कैंसर इन ओमेन (डब्ल्यू सी आई - टी एम एच) एट मुंबई ऑन 22-23 अक्तूबर, 2010

153. शुक्ला एन के, देव एस वी एस, सिंह एम, खन्ना पी, यादव पी, कल्लैनपुर ए, झा डी। कम्बाइंड मोडलिटी मैनेजमेंट आफ लोकली एडवांस्ड सेवासियस सेल कारसीनोमा आफ आइलिंड"" इन द नेशनल कांफ्रेंस ऑर्गनाइज्ड बाई राजीव गांधी कैंसर सेंटर (आर जी सी ओ एन) एट न्यू दिल्ली इन मार्च 2010। रिसिवड 2 बेस्ट पेपर अवार्ड।

154. शुक्ला एन के, देव एस वी एस, पारस खन्ना, मंदीप सिंह, क्लिनिकल स्पेकट्रम एंड प्रोफाइल आफ लोकली एडवांस्ड ब्रेस्ट कैंसर बी आर ए आई आर सी एच, एम्स एक्सपिरियंस इन द 7वां नेशनल कांफ्रेंस ऑफ कैंसर्स इन ओमेन ऑर्गेनाइज बाई टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल (डब्ल्यू सी आई - टी एम एच) एट मुंबई ऑन 22-23 अक्तूबर, 2010

155. शुक्ला एन के, देव एस वी एस, यादव पी, मंजुनाथ एन एम एल। मलिगनांट पेरिफेरल नर्व शेथ ट्यूमर - सर्जिकल ओंकोलॉजी एम्स एक्सपिरियंस। इंडियन कैंसर कांग्रेस 2011 ऐट भुवनेश्वर ऑन 11 फरवरी, 2011

156. सिगमानी ई, अय्यर वी के, अग्रवाल एस, अग्रवाल एस, माथुर एस। एवालुएशन आफ यूटिलिटी आफ फाइन नीडल ऐजपिरेशन साइटोलॉजी इन पेडियाट्रिक रीनल मासेस : ए स्टडी आफ 124 केसेज फ्रॉम इंडिया। पेडियाटर ब्लड कैंसर 2010, 55 : 882

157 सिग्मानी ई, नहिदुल वारी एन डी, अय्यर वी के, अग्रवाल एस, शर्मा ए, डिंडा ए के, बख्शी एस। लॉस आफ हेट्रोजाइगोसिटी ऐट 11 पी 13 एंड 11 पी 15 इन विल्मस ट्यूमर इन इंडियन पोपुलेशन। पेडियाटर ब्लड कैंसर 2010; 55 : 881

158. सिंह ए, गुप्ता एन, अग्रवाल एन, शर्मा एस, सिंह पी के, सेठ टी, एट ऑल। इंफेक्शन एंड इंट्राव्रानियल हेमोरहग आर लीडिंग काउजेज आफ डेथ इन हेमेटोलॉजी/ हेमेटो-ओंकोलॉजिकल पेशेंट्स : एक्सपिरियसं फ्रॉम ए टेरटियरी केयर सेंटर। इंडियन जे हेमाटोल ब्लड ट्रंफ्यूज 2010 ; 26 : 172

159. सिंह एच, चेतन पटेल, गौतम शर्मा, पुनित शर्मा, अरूण मल्होत्रा। नॉरमल पैरामिटर्स आफ लेफ्ट वेनटरीक्यूलर साइनक्रोनी ऑन फेज एनालायसिस यूजिंग इक्यूलिब्रियम रेडियोन्यूक्लाइड एंजियोकार्डियोग्राफी - रिजल्टस इन इंडियन पोपुलेशन। इंड जे न्यूक्ल मेड. 2010; 25 (3) : 108

160. सूरी एम, जैन एस, माथुर आर। मोडुलेशन आफ नोसिसेप्टिव रिस्पांसेज इंडयूस्ड बाई वी एम एच - प्रोव्रैनाइजेशन इन सुकोज फेड रैट। फ्रोनटायर्स इन न्यूरोसाईंस डोई. 10. 3389/कंफ. फनिंस 2010.13.00022

161. तापस एस, कौशल पी, धर पी - बाईलेटरल एसोसरी थोरैकोडोरसल आरट्री ए केस रिपोर्ट 58वे एनुअल कांफ्रेंस आफ एनाटोमिकल सोसायटी आफ इंडिया ऐट पुणे, दिसम्बर, 2010

162. थुलकर एस, भाला ए एस, शर्मा एस। मलीग्नांसिज आफ द अपर एरोडाइगेस्टिव ट्रैक्ट. इन : एड (एस): खंडेलवाल एन, चौधरी वी, गुप्ता ए के, मिश्रा एन के, गायकवाड़ एस बी, सिंह पी। डाइग्नोस्टिक रेडियोलॉजी : न्यूरोरेडियोलॉजी इंक्लूडिंग हेड एंड नेक इमेजिंग। एम्स - एम ए एम सी - पी जी आई कोर्स सिरिज। जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स लिमिटेड 2010; 448-67

163. बार्ष्णेय जे सी एम, अग्रवाल एम, सत्याथी जी, मैरिनल एम। ए स्टडी टू ऐजसेज द इफेक्ट आफ इनहैंस्ड इंटर्नल फीड ऑन द न्यूट्रिशनल एंड न्यूरोलॉजिकल स्टेटस आफ द सर्वर हेड इंज्यूरी पेसेंट्स। इन : प्रोसिडिंग्स आफ ट्रॉमा 2010। इंटरनेशनल कांग्रेस एंड सी एम ई कम वर्कशॉप, दिल्ली। नवम्बर, 2010

164. बार्ष्णेय एम के, मेहरा आर। एसट्रोजेन मोड्यूलेट्स साइनेप्टिक एक्टिविटी एंड कॉनफर्स न्यूरोप्रोटेक्शन थ्रो एस्ट्रोजेन रिसीपटोर्स एंड एम ए पी के एक्टिवेशन इन फिमेल रैट सेरेबिलुअम। एन्नाल्स आफ न्यूरोसाइंस, (सप्ल) : 6 (2010)

165. बार्ष्णेय एम के, मेहरा आर, एस्ट्रोजेनिक न्यूरोप्रोटेक्शन इन फिमेल रैट सेरेबिलुअम इज मेडिएटेड थ्रो एस्ट्रोजेन रिसेप्टोर्स। ऐननाल्स आफ न्यूरोसाइंस, (सप्ल) , 2010

166. बार्ष्णेय एम के, नायक सी, मेहरा आर। न्यूरोप्रोटेक्टिव एंड न्यूरोमोडयूलेटरी रोल आफ एस्ट्रोजेन इन फिमेल रैट सेरेबेलुअल। प्रोसिडिंग्स आफ ज्वाइंट साईटिफिक मीटिंग आफ हांग कांग सोसायटी आफ न्यूरोसाइंसेज एंड द बायोफिजिकल सोसायटी आफ हांग कांग सोसायटी आफ न्यूरोसाइंसेज एंड द बायोफिजिकल सोसायटी आफ हांग कांग, 7-8 जून, 2010, पी 71-72

167. वरगीज बी, कालरा आर, कुमार आर, लुथरा के, भाटला एन, द्विवेदी एस एन, ढींगरा आर। रोल आफ एस फ्लैट 1 इन द पैथोजेनेसिस आफ प्रीक्लैम्पिसिया। अब्सट्रैक्ट नम्बर 5, पेज नम्बर 7 । एनुअल बायोटेकनोलॉजी कांफ्रेंस, 2010 ऑर्गेनाइज्ड बाई इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी, पुणे ऑन 13-14 नवम्बर, 2010

168. वरगीज बी, कालरा आर, कुमार आर, लुथरा के, भाटला एन, द्विवेदी एस एन, ढींगरा आर। डिफरेंशियल इफेक्ट्स ऑफ नॉरमोटेंसिव एंड प्रीक्लैम्पिटक सेरा ऑन ट्रोफोब्लास्ट प्रोलिफेरेशन। अब्सट्रैक्स नम्बर 501, पेज नम्बर 169। 58वें एन ए टी सी ओ एन आफ ए एस 1, 2010 हेल्ड ऐट पद्मश्री डी वाई पाटिल मेडिकल कॉलेज, पुणे ऑन 27-29 दिसम्बर, 2010

169. वरगीज बी, रानी एन, कालरा आर, कुमार आर, भाटला एन, लुथरा के, द्विवेदी एस एन, ढींगरा आर। सोल्यूबले फ्लैट 1 प्रोडक्शन अपरगुलेट्स प्लेसेंटल ऑक्सीडेटिव ऑर्गनाइज्ड बाई द डिपार्टमेंट आफ कमेस्ट्री, यूनिवर्सिटी आफ दिल्ली ऑन 16 नवम्बर, 2010

170. वेंकटेश एस, शम्सी एम बी, कुमार एम, तनवर एम, कुमार आर, गुप्ता एन पी, डडा आर। नोवेल प्रोटामाइन 2 (पी आर एम 2) म्यूटेशन एंड ट्रंजीशनल प्रोटेन (टी पी) गेने सिंगल न्यूक्लोटाइड पॉलीमारफिज्म्स (एस एन पी एस) एफेक्ट स्पर्म डी एन ए इंटीग्रिटी एंड मोटिलीटी इन इंफर्टाइल मेन (2010) जे एंट्रोल (सप्ल) ; मार्च : अप्रैल : 56

171. वेंकटेश एस, शम्सी एम बी, कुमार आर, गुप्ता एन पी, मित्तल एस, मल्होत्रा एन, डडा आर। आर ओ एस लेवल्स एंड डी एन ए डैमेज इज एसोसिएटेड विद पुअर सीमेन क्वालिटी इन वरीकोसेले (2010) उताह-फ्लोरेंस साइमपोजियम ऑन द ""जेनेटिक्स आफ मेल इंफर्टिलीटी"", पार्क सिटी, उताह, यू एस ए, 2010

172. वेंकटेश एस, सिंह ए, शम्सी एम बी, कुमार आर, मित्रा डी एन, डडा आर। द क्लिनिकल इम्पोर्टेंस आफ स्पर्म डी एन ए फ्रैगमेंटेशन ऐजसे इन द एसेसमेंट आफ मेल इंफर्टिलीटी। 5वें वर्ल्ड कांग्रेस आफ वर्ल्ड एसोसिएशन आफ रिप्रोडक्टिव मेडिसीन (डब्ल्यू ए आर एम) मॉसकाउ, रसिया अक्तूबर 11-13। एब्सट्रैक्ट्स पब्लिश्ड इन रिप्रोडक्टिव बायोमेडिसीन ऑनलाइन वोल. 20 सप्लीमेंट 3, पेज एस 34- एस 35

173. विज ए। सेफ्टी एंड फैसिब्लिटी आफ इंटरवेन्स ऑटोलोगस बोन मैरो डेराइब्ड स्टेम सेल थेरेपी फार पेसेंट्स विद एक्यूट आईशकेमिक स्ट्रोक : ऐन ओपेन - लेबल, फेज-1 ट्रायल"" पेपर वाज प्रेजेंटेड इन द 62 अमेरिकन एकेडमी आफ न्यूरोलॉजी एनुअल मीटिंग हेल्ड इन टोरंटो, ओनटेरिओ, कनाडा फ्रॉम अप्रैल 10 टू 17, 2010

174. विव्रम एन के, प्रकाश एस, भूषण बी, लुथरा के, मिश्रा ए, पांडे आर एम, गुलेरिया आर। एसोसिएशन आफ ट्यूमर नेव्रोसिस अल्फा (टि एन एफ-ए) गेने पॉलीमोरफिज्म (-308 जी/ए) विद बॉडी कम्पोजिसन एंड इंसुलीन रेसिस्टेंस इन एशियन इंडियंस। टी 1 : पी 0 191 ओबेसिटी रिव्यूज 11 (सप्ल 1) 1 - 472, 2010

175. विनीता एस, विस्वास ए, कुमार बी, सक्सेना आर। प्रोटीन सी एंड प्रोटिन एस : काउजेटिव फैक्टर फॉर डेवलपिंग ए हेमरोहैजिक इनफैरेक्ट इन ए एच बी ई/ बेटा थैलासिमीया चाइल्ड। इंडियन जे पेडियाटर 2010; 77 : 316-7

176. विशणु प्रसाद एन आर, दाश एन आर, पाल एस, शरन पी, शाहनी पी, चट्टोपाध्याय टी के। क्वालिटी आफ लाईफ फॉलोइंग ओइसोफेगटॉमी फार कारीनोमा आफ ओइसोफेगस ट्रॉप गैस्ट्रोइंटेरोल 2010; 31 (सप्ल 1) : एस 12

177. वधवा एस, चौधरी एस, सान्याल टी, नाग टी सी, रॉय टी एस, जैन एस। एक्टिविटी डिपेंडेंट सेल्यूलर एंड मोलक्यूलर प्लास्टिसिटी इन द चिक हिप्पोकैम्पस फालोइंग प्रेनटल साउंड स्टीमुलेशन। ऐन न्यूरोसाई. (सप्ल) 17; 29-30

178. यादव आर, मागन डी, यादव आर के, मेहता एन, महापात्रा एस सी। इफेक्ट आफ कप्रेटेंसिव योगा बेस्ड लाइफस्टाइल मोडिफिकेशन प्रोग्राम ऑन फास्टिंग ब्लड ग्लुकोज, ब्लड प्रेसर एंड हेमोग्राम आफ ओवरवेट/ ओबेसे सब्जेक्ट्स। इंडियन जे फिजिओल फमाकोल 2010; 54 (2) : 66

पुस्तकों में अध्याय

1. आचार्य एस के एंड पॉल एस बी। हेपैटो सेल्यूलर कैंसर। इन : दास ए के, एडिटर्स। पोस्टग्रेजुएट मेडिसिन वोलयूम-ज्ज्रख्ज। इंडियन कालेज आफ फिजिशियन : 2010 पी 287-310

2. आचार्य एस के, कुमार आर, कुमार ए, गुलाटी जी। हेपाटिक आउटफ्लो ट्रैक्स ऑब्सट्रकशन। इन : दास ए के, एडिटर्स। पोस्टग्रेजुएट मेडिसिन वोलयूम-ज्ज्रख्ज। इंडियन कालेज आफ फिजिशियन : 2010 पी 255-263

3. अग्रवाल एन, काबरा एम। जेनेटिक काउंसलिंग फार ऑब्टेट्रिशियन। इन ऐन इंट्रोडक्शन टू जेनेटिक्स एंड फेटल मेडसीन। पी पी 13-20, 2 एडिसन जेपी 2010

4. अग्रवाल एन। रिकरेंट मिसकैरिज व्रोमोसोमल फैक्टर। एन इंट्रोडक्शन टू जेनेटिक्स एंड फेटल मेडिसीन। पी पी 27-30, 2 एडिशन जेपी 2010

5. अग्रवाल एस, सूद पी, मेहरा एन के। रोल आफ नन क्लासिकल एच एल ए एंटीजेंस इन प्रेगनेंसी । इन : मेहरा एन के, कौर जी, एम सी क्लूसके जे, व्रिस्टेनसेन एफ, क्लास एफ (एड्स)। द एच एल ए कम्पलेक्स इन बायोलॉजी एंड मेडिसीन : ए रिसोर्स बुक। न्यू दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड 2010; पी पी 424-48

6. अम्बेडकर ए, देब के एस। सब्सटांस यूज डिसऑडर्स : ऐन ओवर व्यू। इन : लाल आर, अम्बेडकर ए (ई डी एस)। सब्सटांस यूज डिऑडर्स : ए मैनुअल फार पैरामेडिकल प्रोफेसनल्स। न्यू दिल्ली : एन डी डी टी सी, एम्स, 2010

7. अम्बेडकर ए, त्रिपाठी बी एम। मिनिमम स्टैंडर्ड आफ केयर ऐट डे-एडिक्शन सेंटरस न्यू दिल्ली : एन डी डी टी सी, एम्स , 2010

8. आर्य एस. मोनोग्राफ : एडिटेड मोडयूल्स आफ डिस्टेंस लर्निंग कोर्स इन हॉस्पिटल मैनेजमेंट आफ द नेशनल इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ एंड फेमली वेलफेयर ऑन पेसेंट केयर सपोर्ट सर्विसेज, पसेंट केयर सर्विसेज-रु (अपडेटिंग) यूनिट-1 : एक्सीडेंट एंड इमरजेंसी सर्विसेज। यूनिट-2 : डिजास्टर मैनेजमेंट यूनिट 3 आउट पेसेंट डिपार्टमेंट (ओ पी डी)। यूनिट 4 : वार्ड मैनेजमेंट एंड यूनिट 6 : ऑपरेटिंग डिपार्टमेंट्स

9. बग्गा ए, गुलाटी ए। रीनल एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी। इन : श्रीवास्तव आर एन, बग्गा ए, ई डी एस। पेडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी। फिफ्थ एडिशन । न्यू दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड ; 2011 : 1-19

10. बग्गा ए, सिन्हा ए, रेफ्रैक्ट्री रिव्रेट्स इन : श्रीवास्तव आर एन, बग्गा ए, ई डी एस। पेडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी। फिफ्थ एडिशन । न्यू दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड ; 2011 : 324-336

11. बग्गा ए, सिन्हा ए, टुबुलर डिसऑडर्स। इन : श्रीवास्तव आर एन, बग्गा ए, ई डी एस पेडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी। फिफ्थ एडिशन । न्यू दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड ; 2011 : 301-323

12. बग्गा ए, लियूकोसाइटोक्लास्टिक वेसक्यूलिटिज। इन : ई डी एस कैसिडी जेटी, पेटी आर ई, लैक्सर आर, लिंडसे सी। टेक्सटबुक आफ पेडियाट्रिक रिह्यूमेटोलॉजी, सिक्सथ एडिशन। एल्सवियर इनस. यू एस ए; 2011

13. बत्रा ए, शर्मा एस के। पल्मोनरी हाइपरटेंशन : अप्रोच टू मैनेजमेंट। इन : पोस्टग्रेजुएट मेडिसीन : कटिंग एड्ज टेक्नोलॉजी इन मेडिसीन ठाकुर बी बी (एडिटर)। 2011; 25 : 305-22

14. भल्ला ए एस, गुप्ता ए के, मुकुंद ए टेकनिकल कंसीडरेशन इन पेडियाट्रिक इमेजिंग। इन : गुप्ता ए के, चौधरी वी, खंडेलवाल एन (ई डी एस) एम्स - एम ए एम सी - पी जी आई इमेजिंग कोर्स सिरिज - डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी : पेडियाट्रिक इमेजिंग। थर्ड एडिशन । न्यू दिल्ली ; जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड ;2011; पी पी 1-10

15. भल्ला ए एस, कुमार ए, गुप्ता ए के, मुखोपाध्याय एस। इमेजिंग आफ ट्यूबरकुलोसिस इन चिल्ड्रेन इन इसेनसियल्स आफ ट्यूबरकुलोसिस इन चिल्ड्रेन फोर्थ एडि., विमलेश सेठ, एस के काबरा जे पी ब्रदर्स, न्यू दिल्ली : 344-66, 2011

16. भल्ला ए एस, कुमार ए, थुलकर एस। मैक्सिलोफेसियल इमेजिंग : इमेजिंग आफ काइट्स ट्यूमर्स एंड ट्यूमर - लाइक कंडिशंस आफ द जे ए डब्ल्यू। इन खंडेलवाल एन, चौधरी वी, गुप्ता ए के (एडि.) एम्स - एम ए एम सी - पी जी आई इमेजिंग कोर्स सिरिज - डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी : न्यूरोरेडियोलॉजी इंक्लूडिंग हेड एंड नेक इमेजिंग थर्ड एडिशन। न्यू दिल्ली : जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड 2010; पी पी 483-503

17. भल्ला ए एस, पेडियाट्रिक एयरवे इन : गुप्ता ए के, चौधरी वी, खंडेलवाल एन (एडि.) एम्स एम ए एम सी - पी जी आई इमेजिंग कोर्स सिरिज - डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी : पेडियाट्रिक इमेजिंग। थर्ड एडिशन। न्यू दिल्ली : जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड 2011 : पी पी 99-119

18. भाटला एन, महेश्वरी डी, गारलैंड एस एम, चैप्टर 3.3 -वैकिनेशन इन : कैंसर रिपोर्ट 2010 (एडि. मुरत ट्यूनसर ए), एशियन पैसिफिक ऑर्गनाइजेशन फार कैंसर प्रवेंसन (ए पी ओ सीपी), 2010 पी पी, 95-8
19. भाटला एन, आई सी ओ जी एफ ओ जी एस आई रिकॉमेंनडेशन फार गुड क्लिनीकल प्रैक्टिस। डिटेक्शन एंड मैनेजमेंट आफ प्री-कैंसर्स लिजिएंस आफ द सरविक्स आलोडेड मई, 2010, एक्सिस्ड ऑन http://www.fogsi.org/detecion_management_pre_cancerous-lesions.htm;
20. भाटला एन, आई सी ओ जी एफ ओ जी एस आई रिकॉमडेशंस फार गुड क्लिनीकल प्रैक्टिस. बैकिनेशन अगेंस्ट ह्यूमन पापीलोमावायरस (एच पी वी) इंफेक्शन फार द प्रेवेंसन आफ सरवाइकल कैंसर। अपलोड मई, 2010 एसिस्ड ऑन http://www.foggi.org/ prevention_ of_cervical-cancer.html
21. विस्वास ए, सुहैल अख्तर, रेनु सक्सेना। टी ए एफ आई : ऐन इंपोर्टेंट कंट्रीब्यूटर इन द फाइब्रिनोलाइटिक सिस्टम। इन रिसेंट एडवांसेज इन हेमैटोलॉजी-3 एडिटेड बाई आर सक्सेना, एच पी पति, महापात्रा एम। पब्लिश्ड बाई जे पी ब्रदर्स 2010. 60-67
22. चट्टोपाध्याय टी के, एडवांसेज इन गैस्ट्रोइंटेस्टिनल सर्जरी । इन : चट्टोपाध्याय टी के, शाहनी पी, पाल एस (एडि.) जी आई सर्जरी एनुअल, वोलयूम 17 न्यू दिल्ली : इंडियन एसोसिएशन आफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंट्रोलाजी; 2010 : 106-52
23. चौधरी एस के, तलवार एस , रामाकृष्णन एस, टोटल एनोमेलस पल्मोनरी वेनस कनेक्शन। इन : पेडियाट्रिक कार्डियो वैक्यूलर मेडिसिन, होफमैन आई ई, मोलर जे एच (एडिटर्स) ब्लैकवेल पब्लिशिंग लिमिटेड : 2012, इन प्रेस
24. चौधरी पी, बग्गा ए, चुग के, रामजी एस, गुप्ता पी। प्रिंसिपल्स आफ पेडियाट्रिक एंड नियोनोटाल इमरजेंसिज। थर्ड एडिशन। न्यू दिल्ली : जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड, 2011
25. डडा आर। जेनेटिक आफ मेल इंफर्टिलीटी एडिटर्स : के ए राव, ए अग्रवाल, एम एस श्रीनिवास पब्लिश्ड बाई जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (2010)। एंड्रोलॉजी लैबोलेटरी मैनुअल, पी पी 144-157
26. दीपक के के, जरयाल अशोक के. क्लिनीकल इम्पलिकेशंस आफ हर्ट रेट वेरिबिलीटी । इन : जिंदल जी डी, दीपक के के, जैन आर के (एडिश.) ए हैंड बुक ऑन फिजियोलॉजिकल वैरियबलीटी। मुंबई भाभा एटोनॉमिक रिसर्च सेंटर : 73-82
27. दीपक के के, जरयाल अशोक के। को-वेरियंस इन हर्ट रैट वेरियबलीटी एंड ब्लड प्रेसर वेरिएबलीटी; इन : जिंदल जी डी, दीपक के के, जैन आर के (एडिश.) ए हैंड बुक ऑन फिजियोलॉजिकल वैरियबलीटी। मुंबई भाभा एटोनॉमिक रिसर्च सेंटर : 2010 : 63-72
28. डेका डी, अपराजिता सिंह, पेरिकोनसिपसनल केयर। ""ऐन इंटरोडक्शन टू जेनेटिक एंड फेटल मेडिसीन"" सेकेंड एडिशन, पब जे पी ब्रदर्स 2010 : 21-26
29. डेका डी, अरविंद वैद। फेटल ब्लड सेम्पलिंग। ""इंटरोडक्शन टू जेनेटिक एंड फेटल मेडिसीन"" सेकेंड एडिशन, पब जे पी ब्रदर्स, 2010 ; 88-94
30. डेका डी, मधुलिका काबरा। जेनेटिक काउंसिलिंग फार ऑबेसट्रिशियन सेलेक्टेड टॉपिक्स इन ऑब्सटेट्रिक एंड गायनीकोलॉजी फार पोस्टग्रेजुएट्स एंड प्रैक्टिसनर्स शिरीश एन दफ्तरी, श्याम वी देसाई। पब्लिश्ड बाई बी आई पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड 2010; 82-90
31. डेका डी, नरेन्द्र मल्होत्रा। एन इंट्रोडक्शन टू फेटल मेडिसीन ""ऐन इंट्रोडक्शन टू जेनेटिक एंड फेटल मेडिसीन"" सेकेंड एडिशन पब जेबी ब्रदर्स 2010; 3-12
32. डेका डी, फेटल इंफेक्शन। ""ऐन इंट्रोडक्शन टू जेनेटिक एंड फेटल मेडसीन"" सेकेंड एडिशन, पब जे पी ब्रदर्स 2010; 121-128
33. डेका डी, फेटल मेडिसीन। रिसेंट ट्रेंड्स इन न्यूनैटोलॉजी । पब नेशनल न्यूनैटोलॉजी फॉरम 62-86, 2010
34. डेका डी, इंवैसिंग टेस्टिंग बर्थ डिफेक्ट्स प्रवेनसन, डिटेक्शन एंड मैनेजमेंट। डा. जयदीप मल्होत्रा, डा. प्रशांत आचार्य, एफ ओ जी एस आई एफ ओ सी यू एस, 2010 पेज 50-57
35. दुबे ए, गुप्ता ए, सिन्हा वी, दीपक के के। हर्ट रैट वैरिएबलिटी : ए पोटेनशियल इंडिकेटर आफ साइकोफिजियोलॉजिकल स्ट्रीज। इन : जिंदल जी डी, दीपक के के, जैन आर के (एडिश.) । ए हैंडबुक ऑन फिजियोलॉजिकल वेरियबलिटी। मुंबई : भाभा एटोनॉमिक रिसर्च सेंटर 2010 : 83-89
36. गायकवाड़ एस बी, अजय कुमार। नॉरमल सेरेब्रल एंजियोग्राम 2010, पेजेस 87-106, न्यूरोरेडियोलॉजी इंक्लूडिंग हेड एंड नेक इमेजिंग, एडिटर्स : डा. एन. के खंडेलवाल, डा. वी चौधरी, डा. अरूण गुप्ता, एसोसिएट एडिटर्स : डा. एन के मिश्रा, डा. शैलेश बी गायकवाड़, डा. परमजीत सिंह, जे पी ब्रदर्स, मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड, न्यू दिल्ली थर्ड एडिशन।

37. गायकवाड़ एस बी, अजय कुमार। नॉरमल सेरेब्रल एंजियोग्राम 2010, पेजेस 29-35, न्यूरोरेडियोलॉजी इंक्लूडिंग हेड एंड नेक इमेजिंग, एडिटर्स : डा. एन. के. खंडेलवाल, डा. वी चौधरी, डा. अरूण गुप्ता, एसोसिएट एडिटर्स : डा. एन के मिश्रा, डा. शैलेश बी गायकवाड़, डा. परमजीत सिंह, जे पी ब्रदर्स, मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड, न्यू दिल्ली थर्ड एडिशन।

38. गायगवाड़ एस बी, गर्ग अजय। ""पेडियाट्रिक ब्रेन ट्यूमर्स"", इन डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी; पेडियाट्रिक इमेजिंग, एडिटर : डा ए. के. गुप्ता, डा. बीणा चौधरी, डा एन खंडेलवाल। जे पी ब्रदर्स मेडिकल (पी) लिमिटेड न्यू दिल्ली थर्ड 2010, पेज 447-493

39. गायकवाड़ एस बी, मिश्रा एन के, इंडोवैस्कूलर मैनेजमेंट आफ ए वी एम एस 2010, पेज 141-159 न्यूरोरेडियोलॉजी इंक्लूडिंग हेड एंड नेक इमेजिंग, एडिटर्स : डा. एन. के. खंडेलवाल, डा. वी चौधरी, डा. अरूण गुप्ता, एसोसिएट एडिटर्स : डा. एन के मिश्रा, डा. शैलेश बी गायकवाड़, डा. परमजीत सिंह, जे पी ब्रदर्स, मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड, न्यू दिल्ली थर्ड एडिशन।

40. गायकवाड़ एस बी, करेंट ट्रेंड्स इन इमेजिंग आफ इपलेप्सी 2010 पेज्स 245-256 न्यूरोरेडियोलॉजी इंक्लूडिंग हेड एंड नेक इमेजिंग, एडिटर्स : डा. एन. के. खंडेलवाल, डा. वी चौधरी, डा. अरूण गुप्ता, एसोसिएट एडिटर्स : डा. एन के मिश्रा, डा. शैलेश बी गायकवाड़, डा. परमजीत सिंह, जे पी ब्रदर्स, मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड, न्यू दिल्ली थर्ड एडिशन।

41. गायकवाड़ एस बी। इमेजिंग आफ सुपरएटेनटोरियल ब्रेन ट्यूमर्स 2010, पेज्स 257-279 न्यूरोरेडियोलॉजी इंक्लूडिंग हेड एंड नेक इमेजिंग, एडिटर्स : डा. एन. के. खंडेलवाल, डा. वी चौधरी, डा. अरूण गुप्ता, एसोसिएट एडिटर्स : डा. एन के मिश्रा, डा. शैलेश बी गायकवाड़, डा. परमजीत सिंह, जे पी ब्रदर्स, मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड, न्यू दिल्ली थर्ड एडिशन।

42. गामनगट्टी एस, कुमार ए, गुप्ता ए के। इमेजिंग आफ हेड ट्रॉमा। इन : खंडेलवाल एन, चौधरी वी, गुप्ता ए के (एडिश.) एम्स - एम ए एम सी- पी जी आई इमेजिंग कोर्स सिरिज - डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी; न्यूरोरेडियोलॉजी इंक्लूडिंग हेड एंड नेक इमेजिंग। थर्ड एडिशन। नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड, 2010; पी पी 553-49

43. गामनगट्टी एस, कुमार ए। इमेजिंग आफ पेडियाट्रिक ट्रॉमा : इन : गुप्ता ए के, चौधरी वी, खंडेलवाल (एडिश.) एम्स - एम ए एम सी- पी जी आई इमेजिंग कोर्स सिरिज - डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी; न्यूरोरेडियोलॉजी इंक्लूडिंग हेड एंड नेक इमेजिंग। थर्ड एडिशन। नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड, 2010; पी पी 39-56

44. गामनगट्टी एस। नन सर्जिकल ट्रिटमेंट आफ हिपैटोसेल्यूलर कारसीनोमाज। इन : चट्टोपाध्याय टी के, शहनी पी, पाल एस, जी आई सर्जरी एनुअल 2010, न्यू दिल्ली : डिपार्टमेंट आफ गैस्ट्रोइंटेसिनल सर्जरी, एम्स 2010 : 68-84

45. गर्ग ए. विभा डी, सिंह एम बी, भाटिया बी। न्यूरोइमेजिंग, सी एस एफ एंड ई ई जी इन न्यूरोलॉजिकल इमरजेंसी। इन : सिंह एम बी, भाटिया बी, एडिटर्स। इमरजेंसिज इन न्यूरोलॉजी। बाईवर्ड बुक्स, मनिपाल 2011 : पी 5.51

46. गर्ग ए। फंक्शनल एम आर आई। इन : चौधरी वी, गुप्ता ए के, खंडेलवाल एन, एडिटर्स। डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी : न्यूरोरेडियोलॉजी : इंक्लूडिंग हेड एंड नेक। जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स । 2010; पी 82-86

47. गर्ग ए। इमेजिंग आफ इंफ्राटेन्टोरियल ट्यूमर्स। इन : चौधरी, गुप्ता, खंडेलवाल, एडिटर्स. डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी : न्यूरोरेडियोलॉजी : इंक्लूडिंग हेड एंड नेक। जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स । 2010; पी 280-95

48. गर्ग ए। इमेजिंग आफ स्पाइनल नियोप्लाज्म्स ट्यूमर्स। इन : चौधरी वी, गुप्ता ए के, खंडेलवाल एन, एडिटर्स. डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी : न्यूरोरेडियोलॉजी : इंक्लूडिंग हेड एंड नेक। जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स । 2010; पी 571-586

49. घोष आई, बख्शी एस, सी एन एस टॉक्सीसिटी आफ कीमोथेराप्यूटिक एजेंट्स। न्यूरोलॉजिकल इमरजेंसिज, एड रोहित भाटिया, ममता भूषण (इन प्रेस)।

50. घोष आई, बख्शी एस, ट्यूमर मार्कर्स इन पेडियाट्रिक यूरो-मलिगनांसिज। प्रोग्रेस इन पेडियाट्रिक यूरोलॉजी। एडिटेड बाई एम बाजपेयी, जे पी गेयरहर्ट। पी डी ई मोयूरीक्वांड, डी के मित्रा, जे राधाकृष्णन, आर मैथ्यूज, एस एटकर, पब्लिश्ड बाई पेनवेल पब्लिशर्स पी एल सी, 2010; 12 : 1-10

51. घोष एम, काबरा एम। फार्माकोजेनेटिक्स आफ ट्यूबरकुलोसिस इन एसेनसियल्स आफ ट्यूबरकुलोसिस इन चिल्ड्रेन, ई डी एस विमलेश सेठ एंड एस के काबरा फोर्थ एडिशन जेपी, 2011 पी पी 471-76

52. गुलाटी ए, बग्गा ए। इन : श्रीवास्तव आर एन, बग्गा ए, ईडीस। पेडियाट्रिक नेफ्रोलॉली। फिफ्थ एडिशन। न्यू दिल्ली : जेवर ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड , 2011 : 494-524

53. गुलाटी ए, श्रीवास्तव आर एन। हाइपरटेंशन । इन : श्रीवास्तव आर एन, बग्गा ए, एडि. पेडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी। फिफ्थ एडिशन। न्यू दिल्ली : जेवर ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड , 2011 : 337-359

54. गुलाटी ए, श्रीवास्तव आर एन। रीनल बासकुलिटीज एंड सिस्टेमिक लुपुस एराईथेममेटोसस। इन : श्रीवास्तव आर एन, बग्गा ए, एडि. पेडियाट्रिक नेफ्रोलॉली। फिफ्थ एडिशन। न्यू दिल्ली : जेवर ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड , 2011 : 153-169

55. गुलाटी एस, कालरा वी। डिजइज आफ नर्वस सिस्टम। इन पेडियाट्रिक ए कोनसिस टेक्सट एडिश. आर एल श्रीवास्तव एंड एस के काबरा। एल्सवियर हेल्थ साईंसेज 2010 पी 186-211

56. गुलाटी एस। एनसेफेलाइटिस इन सचदेव एच पी एस, चौधरी पी, बग्गा ए, चुग के, रामजी एस, पुरी आर के एडिश. प्रिंसिपल्स आफ पेडियाट्रिक एंड न्यूनेटॉल इमरजेंसिज (ए पब्लिकेशंस आफ इंडियन पेडियाट्रिक्स) थर्ड एडि. 2011; 248-257, न्यू दिल्ली; जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड

57. गुलेरिया आर, भूषण बी, स्कोर्डर जे डब्ल्यू, ऑब्सट्रक्टिव स्लीप अपेनिया एंड मेटाबोलिक सिंड्रोम । इन : रिसेंट एडवांसेज इन मेटाबोलिक सिंड्रोम-II, मिश्रा ए, कासलीवाल आर आर, एडिटर्स। न्यू दिल्ली : एल्सवियर 2011; पी 42-57

58. गुलेरिया आर, जया कुमार। करेंट स्टेट्स आफ पेनडेमिक एच 1 एन1 2009। एन ओवरव्यू, इन पोस्टग्रेजुएट मेडिसिन वोल्यूम 24, 2010, पी पी 401-404

59. गुलेरिया आर, जया कुमार। हाउ डू आई मैनेज एक्यूट लंट इंफिल्टरेट्स। इन : पोसग्रेजुएट मेडिसीन, वोलयूम 25, 2011, पी पी 346-358

60. गुलेरिया आर, मोहन ए, कुमार जे। इज इंफ्लूएंजा ए सिरियस इलनेसi मैनेजमेंट इश्यूज, राउंड टेबल कांफ्रेंस सिरिज - पेनडेमिक इंफ्लूएंजा अपडेट पी पी 51-63

61. गुप्ता डी के, शर्मा एस। रिसेंट एडवांसेज इन ऑब्सट्रक्टिव यूरोपैथी इन रिसेंट एडवांसेज इन सर्जरी, वोल 12 ,एडि. रोशल लाल गुप्ता, 2010 जेपी न्यू दिल्ली चैप्टर 13 : 212-230

62. गुप्ता डी के, शर्मा एस, अम्मिनी ए सी। हॉर्नोनल ट्रीटमेंट फार डिसऑडर्स आफ सेक्सुअल डिफरेंशियशन। इन गोंडल एंड नॉनगोन्डल एक्शंस आफ गोंडोट्रोपिन्स। एडि. कुमार आनंद, राव सी वी, चतुर्वेदी 2010। नरोसा पब्लिशर्स। चैप्टर 26; 310-317

63. गुप्ता एन, काबरा एम। एक्यूज मैनेजमेंट इफ सिक इंफैन्ट्स विद सस्पेक्टेड इनबोर्न एरर आफ मेटाबोलिज्म । इन पेडियाट्रिक इंटेनसिव केयर प्रोटोकोल्स आफ एम्स, 2011

64. गुप्ता एन, काबरा एम। रिकरेंट हाइपोग्लाईसीमिया एंड ईनबोर्न एरर आफ मेटाबोलिज्म। जे पी ग्रुप।

65. गुप्ता एस के, शर्मा पी, सक्सेना आर। द फ्रैगमेंट डी डाइमर एंड इट्स इंटरप्रेटेशन। हेमैटोलॉजी टूडे 2010। 551-524 पब्लिश्ड बाई डॉ. एम बी अग्रवाल, मुंबई।

66. हलदर ए। इन क्लिनीकल एंड मोलक्यूलर साइटोजेनेटिक्स : ए पी आई टेक्सटबुक आफ मेडिसीन, नाईंथ एडिशन (2010)।

67. हरि पी, सिन्हा ए। हाइपरटेंसिव इमरजेंसिज इन चिल्ड्रेन। इन : काबरा एस के, लोढ़ा आर, एडिश. पेडियाट्रिक इंटेंसिंव केयर प्रोटोकॉल आफ एम्स। फर्स्ट एडिशन। इंडियन जर्नल आफ पेडियाट्रिक्स। न्यू दिल्ली 2011; 107-119

68. हरि पी, सिन्हा ए। मैनेजमेंट आफ यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शंस : ह्वाट हैज चेनज्डं इन : बग्गा ए एडि. यूरिनरी ट्रैक्ट एनोमालिस एंड इंफेकशंस इन चिल्ड्रेन : फस्ट एडिशन, एल्सवियर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड 2011 ; 1-18

69. हरि पी, श्रीवास्तव आर एन। यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन इन : श्रीवास्तव आर एन, बग्गा ए, एडिश. पेडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी। फिफ्थ एडिशन। न्यू दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड, 2011 ; 273-301

70. हरि पी। प्वाइजनिंग एंड एनवेनोमेशन। इन : श्रीवास्तव आर एन, काबरा एस के, एडिश. पेडियाट्रिक्स : ए कंसीस टेक्सट. फस्ट एडि., एल्सवियर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 2011 : 259-252

71. हरि पी। यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन। इन : वासुदेव ए एस एडि. आई ए पी स्पेसियलीटी सिरिज ऑन पेडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, फस्ट एडि. 2011; 185-186

72. हरि एस, गुप्ता ए के। कांगेनिटल एनोमालिस आफ द यूरिनरी ट्रैक्ट। इन : गुप्ता ए के, चौधरी वी, खंडेलवाल एन (एडिश.) एम्स - एम ए एम सी - पी जी आई इमेजिंग कोर्स सिरिज - डाइग्योस्टिक रेडियोलॉजी; पेडियाट्रिक इमेजिंग। थर्ड एडिशन। न्यू दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड 2011; पी पी 216-37

73. जैन वी, चेन एम, मेनन आर। डिसऑडर्स आफ कार्बोहाइड्रेट मेटाबोलिज्म। इन ग्लेजन सी ए, देवास्कर एस यू, एडिश. अवेरीज डिजइज आफ द न्यूबोर्न। नाईंथ एडिशन, फिलाडेल्फिया, पी ए : एल्सवियर 2011, बुकलेट इन हिंदी ऑन अंडरस्टैंडिंग चाइल्डहुड डिबेट्स 2010

74. जना एम, भल्ला ए एस, श्रीवास्तव डी एन। पेडियाट्रिक मलिगनांट बोन एंड सॉफ्ट टिश्यू ट्यूमर। इन : गुप्ता ए के, चौधरी वी, खंडेलवाल ए (एडिश.) एम्स - एम ए एम सी - पी जी आई इमेजिंग कोर्स सिरिज - डाइग्योस्टिक रेडियोलॉजी; पेडियाट्रिक इमेजिंग। थर्ड एडिशन। न्यू दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड 2011; पी पी 395-403

75. जरयाल ए, मदन के, दीपक के के। इन : जिंदल जी डी, दीपक के के, जैन हैंडबुक (एडिश.) माइओकार्डियल इंफ्रैक्शन एंड हर्ट रैट वेरियबलीटी । ए हैंडबुक ऑन फिजियोलॉजिकल बैरियबलीटी, मुंबई : भाभा एटोनॉमिक रिसर्च सेंटर 2010; 90
76. जैत के आर, लोढ़ा आर, काबरा एस के आर्थमाइस इन चिल्ड्रेन। इन पेडियाट्रिक इंटेंसिव केयर प्रोटोकॉल्स आफ एम्स । फस्ट एडि., एडिश। एस के काबरा, राकेश लोढ़ा, इंडियन जर्नल आफ पेडियाट्रिक्स, 2011, पी पी 51-65
77. जुल्का पी के, रैना वी, मनोहरन एन, रथ जी के। पोपुलेशन बेस्ड कैंसर रजिस्ट्री, दिल्ली, डॉ. बी आर ए आर आई सी एच, एम्स, न्यू दिल्ली। इन : थ्री ईयर रिपोर्ट आफ पोपुलेशन बेस्ड कैंसर रजिस्ट्रीज 2006-2008 फस्ट रिपोर्ट आफ 20 पी बी सी आर एस इन इंडिया इंडियन कौंसिल आफ मेडिकल रिसर्च, बंगलौर, नवम्बर 2010; 68-69
78. काबरा एम, गुप्ता एन। अप्रोच टू इनबोर्न एरर्स आफ मेटाबोलिज्म ऐन ओवरव्यू रिसेंट एडवांसेज इन पेडियाट्रिक्स आई ए पी 2011
79. काबरा एम, गुप्ता एन। लेबोरेट्री डायग्नोसिस आफ क्रोमोजोमल एंड सिंगल गेने डिसऑडर्स। ऐन इंट्रोडक्शन टू जेनेटिक्स एंड फेटल मेडिसीन। सेकेंड एडिशन जे पी 2010 पी पी 95-98
80. काबरा एस के, काबरा एम, गुप्ता पी। इम्युनाइजेशन। इन टेक्सटबुक आफ प्रेवेन्टिव एंड सोसल मेडिसीन थर्ड एडि., गुप्ता पी एड. न्यू दिल्ली सी बी एस पब्लिसर्श एंड डिस्टीब्यूटर्स, 2010 पी पी 398-406
81. काबरा एस के, लोढ़ा आर, काबरा एम। पैनक्रियाटिक एक्सोक्रीन इंसफिसियंसी इन साइस्टिक फाइबरोसिस एंड अदर कंगेनिटल डिसऑडर्स. इन पैनक्रियाटिक एक्सोक्रीन इंसफिसियंसी, ई सी ए बी क्लिनिकल अपडेट गैस्ट्रोइंट्रोलाजी एड गर्ग प्रमोद, एल्सवियर, 2010, पी पी 49-68
82. काबरा एस के, लोढ़ा आर, मेनन आर। लांग टर्म ट्रिटमेंट आफ अस्थमा। इन रिसेंट एडवांसेज इन पेडियाट्रिक्स, पेडीकॉन 2011, बंसल आर के, गुप्ता आर के, पटनी टी (एडिश.) 2011, पी पी 317-331
83. काबरा एस के, लोढ़ा आर, मेनन आर पी। लांग टर्म ट्रीटमेंट आफ अस्थमा। इन एलर्जी एंड अस्थमा। ई सी ए बी क्लिनिकल अपडेट : पेडियाट्रिक्स, एड काबरा एस के, एल्सवियर, न्यू दिल्ली, 2010, पी पी 45-68
84. काबरा एस के, श्रीवास्तव आर एन। हिस्ट्री एंड एकजामिनेशन। इन पेडियाट्रिक्स ए कांसिस टेक्सट, फस्ट एडिशन, 2010, आर एन श्रीवास्तव एंड एस के काबरा, न्यू दिल्ली, एल्सवियर 2010, पी पी 27-30
85. काबरा एस के, श्रीवास्तव आर एन । प्रेवेन्टिव एंट कमुनिटी पेडियाट्रिक्स। इन पेडियाट्रिक्स ए कांसिस टेक्सट, फस्ट एडिशन, 2010, आर एन श्रीवास्तव एंड एस के काबरा, न्यू दिल्ली, एल्सवियर 2010, पी पी 3-10
86. काबरा एस के। कॉलेजन डिजइज. इन पेडियाट्रिक्स ए कांसिस टेक्सट, फस्ट एडिशन, 2010, आर एन श्रीवास्तव एंड एस के काबरा, न्यू दिल्ली एल्सवियर 2010, पी पी 235-240
87. काबरा एस के, इंफेक्सियस डिजइज। इन पेडियाट्रिक्स ए कांसिस टेक्सट, फस्ट एडिशन, 2010, आर एन श्रीवास्तव एंड एस के काबरा, न्यू दिल्ली एल्सवियर 2010, पी पी 61-86
88. काबरा एस के, लोढ़ा आर। प्रोबायोटिक्स एंड देयर रोल इन रेड्यूसिंग एलर्जिक डिसआर्डस इन प्रोबायोटिक्स फूड इन हेल्थ एंड डिजइज. नैर बी के, टकेडा वाई (एडिश.) न्यू दिल्ली, ऑक्सफोर्ड एंड आई बी एच पब्लिशिंग को. प्राइवेट लिमिटेड 2010, पी पी 81-95
89. काबरा एस के। पैरास्टिक डिजइज. इन पेडियाट्रिक्स ए कांसिस टेक्सट, फस्ट एडिशन, 2010, आर एन श्रीवास्तव एंड एस के काबरा, न्यू दिल्ली एल्सवियर 2010, पी पी 87-100
90. काबरा एस के। रेसपाइरेट्री सिस्टम डिसऑडर्स। इन पेडियाट्रिक्स ए कांसिस टेक्सट, फस्ट एडिशन, 2010, आर एन श्रीवास्तव एंड एस के काबरा, न्यू दिल्ली एल्सवियर 2010, पी पी 119-132
91. कंगा यू, मेहरा एन के। डोनर सेलेक्शन स्ट्रेटेजिस फार हेमैटासेटोपैटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन। इन : मेहरा एन के, कौर जी, एम सी क्लासके जे, क्रिश्चियनसेन एफ, क्लास एफ (एडिश.)। द एच एल ए कम्पलेक्स इन बायोलॉजी एंड मेडिसीन : ए रिसोर्सबुक। न्यू दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड 2010; पी पी 449-64
92. कौर जी, मेहरा एन के। हॉस्ट जेनेटिक्स आफ एचआईवी-1/ एड्स इंफेक्शन । इन : मेहरा एन के, कौर जी, एम सी क्लूसके जे, क्रिश्चियनसेन एफ, क्लास एफ (एडिश.)। द एच एल ए कम्पलेक्स इन बायोलॉजी एंड मेडिसीन : ए रिसोर्सबुक। न्यू दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड 2010; पी पी 305-31
93. खान एस ए। निगलेक्टेड मसकुलोस्केलेटल ट्रॉमा। कंट्रीब्यूटेड ए चैप्टर ऑन निगलेक्टेड फिजियल इंज्यूरिज। पब्लिश्ड बाई जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स, न्यू दिल्ली, अप्रैल 2010

94. खान एस ए, पेडियाट्रिक फूट - एल्सवियर क्लिनिकल ऐजसेसमेंट बोर्डस, क्लिनिकल अपडेट। पब्लिश्ड बाई एल्सवियर, सितम्बर 2010 (आई एस बी एन 978-81-312-2170-9)

95. खंडेलवाल एस के, अनिश पी के। द एजसेंडेंसी आफ जेनरल हॉस्पिटल साईट्री इन इंडिया। इन : कुलहारा पी, अवस्थी ए (एडिश.) देम्स एंड इश्यू इन कंटेम्परोरी इंडियन साईट्री। पब्लिकेशन कमिटी, इंडियन साईट्रीक सोसायटी 2011 : पी पी 160-75

96. खंडेलवाल एस के, श्याम सुंदर ए। करेंट स्टेटस आफ लासीफिकेशंस आफ स्सीजोफेरेनिया। इन : कुलहारा पी (एडि.)। सिजोफेरेनिया - ऐन इंडियन अपडेट, चंडीगढ़; पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, 2011

97. कृपलानी ए, अवस्थी डी। फर्टीलीटी प्रेसरवेशन इन एडोलेसेंट गर्ल्स। इन : रोजा ओलयाई, दिलीप कुमार दत्ता। एडिश. रिसेंट एडवांसेज इन एडोलेसेंट हेल्थ : फस्ट एडि. न्यू दिल्ली। जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड 2011 : 14 : 104-111

98. कृपलानी ए, महेश्वरी एन डी। कम्पलीकेशंस आफ आई यू सी डी यूज : कुड इट बी प्रेवेंटेडं एफ ओ जी एस आई एफ ओ सी यू एस ऑन द इंटायूटरिन डेविस, 2010; 75-81

99. कुमाल एल, कुमार आर, प्रकाश जी, मल्टीपल माइएलोमा : ऐन अपडेट हेमैटोलॉजी टूडे - चैप्टर 35.2010

100. कुमार ए, भल्ला ए एस। इमेजिंग आफ स्कल बेस लेसियंस । इन : खंडेलवाल एन, चौधरी वी, गुप्ता ए के (एडिश.) एम्स - एम ए एम सी - पी जी आई इमेजिंग कोर्स सिरिज - डाइग्योस्टिक रेडियोलॉजी; न्यूरोरेडियोलॉजी इंक्लूडिंग हेड एंड नेक इमेजिंग थर्ड एडिशन। न्यू दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड 2011; पी पी 468-82

101. कुमार ए, गमांगत्ति एस। हाइपोक्सिस इजचेमिक इनसेफैलोपैथी। इन : गुप्ता ए के, चौधरी वी, खंडेलवाल एन (एडिश.) एम्स - एम ए एम सी - पी जी आई इमेजिंग कोर्स सिरिज - डाइग्योस्टिक रेडियोलॉजी; पेडियाट्रिक इमेजिंग। थर्ड एडिशन। न्यू दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड 2011; 419-35

102. कुमार एल, बंसल ए के एंड अरोड़ा वी, ऐन अप्रोच टू ए केस आफ स्प्लेनोमेगली इन ए पी आई टेक्सट बुक आफ मेडिसीन, एडि. शाह एस एन, पबलि : एसोस पी एच बाई एस इंडिया, मुंबई। नाईंथ एडिशन, 2010; इन प्रेस।

103. कुमार एल, मलिक पी के एंड बेहल ए. प्रिंसिपल्स आफ ड्रग ट्रीटमेंट, इन ए पी आई टेक्सट बुक आफ मेडिसीन, एड. शाह एस एन, पबलि. एसोस पी एच बाई एस इंडिया, मुंबइ, नाईंथ एडिशन, 2010 ; इन प्रेस

104. कुमार एल, प्रभु आर। लंग कैंसर इन ए पी आई टेक्सट बुक आफ मेडिसीन, एडि. शाह एस एन, पब एसोस. पी एच वाई एस इंडिया, मुंबई, नाईंथ एडिशन, 2010 ; (इन प्रेस)

105. कुमार एल, वर्मा आर। मल्टीपल माइएलोमा : टारगेटेड थेरेपी। इन पोस्टग्रेजुएट मेडिसीन (कंटेपरोरी मेडिसीन चैलेंज्स एंड सोल्यूशंस) एड. दास ए के। पबलि. एशोस फि इंडिया 2010, 483-496

106. कुमार एन, कौर जी, मेहरा एन के। जेनेटिक डिटरमिनांटस ऑफ टाइप 1 डाइबिटीज - इम्यून रिस्पोंस जेनेस। इन : मेहरा एन के, कौर जी एम सी क्लूसके जे, व्रिश्चियनसेन एफ, क्लास एफ (एडिश.) द एच एल ए कम्पलेक्स इन बायोलॉजी एंड मेडिसीन : ए रिसोर्स बुक। न्यू दिल्ली। जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड, पी पी 219-40

107. कुमार आर, हलनैक डी, दहिय एस। पी ई टी इन एंटी कैंसर ड्रग डेवलपमेंट एंड थेरेपी। इन फ्रॉनटियर्स इन एंटी कैंसर ड्रग डिसकवरी, 2010 वोल 1। एडि. अत्ता-उर-रहमान/ एम. इकबाल चौधरी एडिश. बेंथम साइंस पब्लिर्शस

108 कुमार आर, जना एस। पोजीट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी (पी ई टी) : रिसर्च टू क्लिनीकल प्रैक्टिस। इन एसेनशियल बायोइमेजिंग मेथड्स। एडिटर : माईकल कॉन, एल्सवियर, फिलाडेल्फिया, यू एस ए 2009

109. कुमार आर, शांडल वी, शमिम एस। रेडियोन्यूकलाइड बोन इमेजिंग इन स्केलेटल ट्यूबरकुलोसिस इन रेडियोन्यूकलाइड एंड हाइब्रिड बोन इमेजिंग 2010 एडि 1 फोगलमैन, जी, ग्नांसेगरन एंड एच वांन डर वाल. प्रिंगर लिंक, लंदन।

110. कुमार आर, शांडल वी, शमिम एस ए, मल्होत्रा ए। रोल आफ पी ई टी एंड पी ई टी - सी टी इन एंटीकैंसर ड्रम थेरेपी रिस्पांस एवालुएशन। बेंथम पब्लिशर्स इबुक, यू ए ई।

111. कुमार आर, शांडल वी, शमिम एस ए। पोजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी कम्प्यूटेड टोमोग्राफी (पी ई टी - सी टी) : क्लिनिकल अप्लीकेशंस। ए पी आई टेक्सटबुक आफ मेडिसीन, इंडिया।

112. कुमार आर, त्यागी एस। माईएलोडाइसप्लास्टिक सिंड्रोम्स, चैप्टर इन टेक्सटबुक आफ मेडिसीन 2010। एडिटर डॉ. वीई पी मुंजाल ।

113. लेईशंगथम, जी डी; मबालिराजन, यू. अहमद, टी; घोष, बी.,अग्रवाल ए, नाग टी सी, डिंडा ए के ,(2010) यूज आफ ट्रंसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी फार स्टडिंग एयरवे रिमोडलिंग इन ए व्रोनिक आवलबुमिन माईस मॉडल आफ एलर्जिक अस्थमा। इन :

माइक्रोस्कोपी : साईंस, टेक्नोलाजी, एप्लीकेशंस एंड एजुकेशन (ए मेंडेज - विलास एंड जे. डायज, एडिश.)। फोर्माटेक्स, मैडिड, पी पी 347-353

114. लोढ़ा आर, काबरा एस के। इम्यून डेफिसियंसी स्टेट्स इन पेडियाट्रिक्स ए कांसिस टेक्सट, फस्ट एडिशन, 2010, आर एन श्रीवास्तव एंड एस के काबरा, न्यू दिल्ली, एल्सवियर 2010, पी पी 241-248

115. लोढ़ा आर, काबरा एस के। प्रोटोकॉल बेस्ड ट्रीट्रमेंट इन पेडियाट्रिक इंटेनसिव केयर यूनिट्स। इन पेडियाट्रिक इंटेनसिव केयर प्रोटोकॉल्स आफ एम्स। फस्ट ई डी, एडिश. एस के काबरा, राकेश लोढ़ा, इंडियन जर्नल आफ पेडियाट्रिक्स, 2011, पी पी 1-3

116. लोढ़ा आर, सिंघल टी , काबरा एस के। पेडियाट्रिक्स एच आई वी इंफेक्शसन श्रीवास्तव आर एन, काबरा एस के (एडिश.) कांसिस टेक्सटबुक आफ पेडियाट्रिक्स 2011

117. लोढ़ा आर। एंटीरेट्रोविरल थेरेपी फार एच आई वी इंफेक्शन इन इंफैन्ट्स एंड चिल्ड्रेन : टूवार्डस यूनिवर्सल एक्सेस. रिकॉमेंडेशंस फार ए पब्लिक हेल्थ अप्रोच, 2010 रिविजन।

118. लोढ़ा आर, इम्मुनोलॉजिक डिफिसियंसी स्टेट्स श्रीवास्तव आर एन, काबरा एस के (एडिश.) । कांसिस टेक्सटबुक आफ पेडियाट्रिक्स 2011

119. लोढ़ा आर। डब्ल्यू एच ओ। मैनुअल ऑन पेडियाट्रिक एचआईवी केयर एंड ट्रीटमेंट फार डिस्ट्रिक हॉस्पिटल 2011

120. लिंगदोह बी टी, कृपालानी ए. बेनिंग्न एडनेक्सल मासेस इन प्रेगनेंसी। इन : ऊषा कृष्ण, दुरू शाह, विनिता साल्वी, नोजर शेरियार, कैजाद आर दमानिया एडिश. प्रेगनेंसी एट रिस्क, ए प्रैक्टिकल अप्रोच टू हाई रिस्क प्रेगनेंसी एंड डिलेवरी। फिफ्थ एडि. न्यू दिल्ली, जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिर्शस (पी) लिमिटेड, 2010 : 71: 566-570

121. महापात्रा एम, अग्रवाल एन, थ्रोमबोसिस : क्लिनिसियंस अप्रोच। हेमैटोलॉजी टूडे 2011 । एडिटेड बाई एम बी अग्रवाल। चैप्टर 22 : 215-221

122. महापात्रा एम, कपूर आर। इम्युन थ्रोम्बोसाइटोपेनिक पुरपुरा : थेरापेयुटिक अप्संस । हेमैटालॉजी टूड 2011 । एटिडेट बाई एम बी अग्रवाल; चैम्टर 20 : 197-204

123. महापात्रा एम, कपूर आर। मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज इन हेमैटोलॉजी। मेडिसिन अपडेट 2011; वोल. 25 : 455-458

124. महापात्रा एम, एस राठी, अप्रोच टू पॉलीसाइथेमिया। रिसेंट एडवांसेज इन हेमैटोलॉजी-3 एडिटेड बाई आर सेक्सना, एच पी पति, महापात्रा एम। पब्लिश्ड बाई जेपी ब्रदर्स 2010, 187-194

125. महापात्रा एम, टी के डोलाई, एन रैथोड। एप्लारिटक एनिमिया : इश्यूज इन मैनेजमेंट। रिसेंट एडवांसेज इन हेमैटोलॉजी-3। एडिटेड बाई आर सक्सेना, एच पी पति, महापात्रा एम। पब्लिश्ड बाई जेपी ब्रदर्स 2010. 194-211

126. महापात्रा एम, आई टी पी : न्यूअर इंनसाईट्स इन मैनेजमेंट। हेमैटोलॉजी 2011, एडिटेड बाई महापात्रा एम, मिश्रा पी; चैप्टर 26 : 112-115

127. महेश्वरी एन डी, कृपलानी ए। मेडिकल एंड सर्जिकल मैनेजमेंट आफ इंडोमेट्रीओसिस। इन : देसाई एस. एडि. इंडोमेट्रीओसिस। फस्ट एडि. गुड़गांव एल्सवियर इंडिया पब्लिकेशन, क्लिनिकल एजुकेशन एंड रेफ्रेस डिविजन, 2010 : 3 : 45-66

128. मल्होत्रा आर, गर्ग बी, कुमार के, मैनेजमेंट आफ टिबियल डिफेक्ट्स इन प्राइमरी टोटल नी अर्थोप्लासटी। इन, मास्टरिंग अर्थोपेडिक टेक्निक्स - टोटल नी अर्थोप्लास्टी एंड राजेश मल्होत्रा। चैप्टर 8; पेज नम्बर 93-104। जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स, न्यू दिल्ली, 2010

129. मल्होत्रा आर, सर्जिकल ट्रीटमेंट आफ ओस्टेओपोरेटिक हिप फ्रैकटुरेस इन ""रैपिडकंसल्ट - ओस्टेपोरोसिस"", एडिटर : अब्रिश मित्तल, लिप्पिनकोट (इन प्रेस)।

130. मल्होत्रा आर, कुमार वी, भान एस। टोटल नी अर्थरोप्लास्टी इन फ्लेक्सियन डिफॉरमिटी। इन, मास्टरिंग अर्थोपेडिक टेक्निक्स टोटल नी अर्थरोप्लास्ट्री । एंडि. राजेश मल्होत्रा। चैप्टर 5 ; पेज नम्बर 57-70। जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स, न्यू दिल्ली, 2010

131. मल्होत्रा आर, कुमार वी, भान एस, स्टेज रिविजन फार इंफेक्टेड टोटल नी अर्थरोप्लास्टी। इन मास्टरिंग अर्थोपेडिक टेक्निक्स-टोटल नी अर्थरोप्लास्ट्री । एंडि. राजेश मल्होत्रा। चैप्टर 18 ; पेज नम्बर 201-206, जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स, न्यू दिल्ली, 2010

132. मल्होत्रा आर, विजय कुमार : मोबाइल बियरिंग यूनिकंडायलर नी अर्थरोप्लास्ट्री इन मास्टरिंग अर्थोपेडिक टेक्निक्स-टोटल नी अर्थरोप्लास्ट्री । एंडि. राजेश मल्होत्रा। चैप्टर 15 ; पेज नम्बर 165-180, जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स, संत लुईस, 2010

133. मल्होत्रा आर। टोटलहिप रिप्लेसमेंट : एडि. एस के एस मर्या; एल्सवियर, न्यू दिल्ली; (इन प्रेस)।

134. मल्लिक बी एन, अशोक के मुखोपाध्याय। आर ई एम स्लीप एंड ड्रीम स्लीप : आर दे आइडेंटिकल एक्सपलोरिंग द कंसेप्टूअल डेवलपमेंट्स इन द उपनिषदस एंड द प्रेजेंट नॉलेज बेस्ड ऑन द न्यूरोबायोलॉजी आफ स्लीप। इन, आर ई एम स्लीप : रेगुलेशन

एंड फंक्शन, चैप्टर 3। एडिश. बिरेंद्र एन मल्लिक, एस आर पांडी - पेरूमल, रोबर्ट डब्ल्यू एम सी कारले, एंड एड्रेन आर मोरिसन। पब कैब्रज यूनिवर्सिटी प्रेस, इंग्लैंड, पी पी 2011; 21-30

135. मेहरा एन के, कौर जी। हिस्टोकमपटीबिलीटी एंटीजन कम्पलेक्स आफ मैन। इन साइक्लोपिडिया आफ लाईफ साइंसेज। चिचेस्टर : जॉन विले एंड संस, लिमिटेड : http://www.els.net/2010. झ डी ओ आईः 10.1002/9780470015902, ए0001234 पब 3ट; 1210

136. मेहरा एन के, नजमी एन, शर्मा पी के, सिंह एम, कौर जी, शर्मा एस के, कटोच के, कटोच वी एम। जेनेटिक आर्किटेकचर आफ माइकोबैकट्रीयल डिजइज। प्रोसिडिंग आफ द साईम्पोजियम आफ द रेनबैक्सी साइंस फाउंडेशन; 2011 : 59-70

137. मेहरा एन के, सिंह पी, सूद पी, कौर जी, एम एच सी एंड नन- एम एच सी गेनेस इन ट्यूबरकुलोसिस एंड लेप्रोसी। इन : मेहरा एन के, कौर जी, एम सी क्लूसके जे, व्रिश्चियनसेन एफ, एंड मेडिसीन : ए रिसोर्सबुक। न्यू दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड पी पी 386-405

138. मेहता एम, धाल ए। केस स्टडी आफ स्टेप-बाई-टेप मैनेजमेंट आफ हेडेक इन : मीना एच (एडि.) साइकलोजी आफ पेन, हैदराबाद : यूनिवर्सिटी आफ हैदराबाद 2010

139. मेहता एम, गुप्ता डी। थेराप्यूटिक प्रैक्टिसेज इन मेंटल हेल्थ : चेंजिंग प्रेसपेक्टिवस। इन : मिश्रा जी (एडि.) हैंडबुक आफ साइकलोजी इन इंडिया। दिल्ली : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस 2010

140. मिर्धा बी आर, चांद वादूल। कम्पलीकेटेड मलेरिया। इन : इमरजेंसिज इन इंफेक्टियस डिजइज. बाई वर्ड बुक्स प्राइवेट लिमिटेड, मुखर्जी नगर कम्पलेक्स, न्यू दिल्ली, 2010. 250-251

141. मिर्धा बी आर, चांद वाट्टल। सेपसिस सिंड्रोम। इन : इमरजेंसिज इन इंफेक्सियस डिजइज। बाई वर्ड बुक्स प्राइवेट लिमिटेड। मुखर्जी नगर कम्पलेक्स, न्यू दिल्ली : 2010. 241-249

142. मित्तल एस, शर्मा जे बी, ""डाइलेम्मस इन डायग्नोसिस आफ फीमेल जेनिटल ट्यूबरकुलोसिस"" मुखर्जी जी जी, त्रिपाठी एस एन, त्रिपाठी एस एन, गांगुली आर एन (एडिश) जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड, न्यू दिल्ली। फस्ट एडिशन 2010, पी 83-91

143. मित्तल एस। ""डिजइज रिस्कष फार मानोग्राफ ऑन मेनोपाउच, सेंट्रल कौंसिल फॉर रिसर्च इन हेमियोपैथी।

144. मित्तल एस, ""गायनीकोलॉजिकल डिसऑडर्स एंड हॉर्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी""। ए गाईड टू एलडर्ली केयर। एडि. डॉ. ओ पी शर्मा। डब्ल्यू एच ओ काउंटी आफिस टू इंडिया 2010, पी 472-481

145. मोहन टी, भट्ट ए ए, राव डी एन। इम्युनोमोडुलेशन एंड वैक्सिन एडजुवांट्स । चैप्टर इन बायोएक्टिव नेचुरल प्रोडक्ट वोल. 5, चैप्टर 6, 120-159, स्टूडियम प्रेस एल एल सी, यू एस ए, 2010

146. मुकुंद ए, भल्ला ए एस, गामनगट्टी एस। नान-वैसक्यूलर इंटरवेंसंस इन पेडियाट्रिक्स। इन : गुप्ता ए के, चौधरी वी, खंडेलवाल एन (एडिश.) एम्स - एम ए एम सी - पी जी आई इमेजिंग कोर्स सिरिज - डायग्नोस्टिक रेडियोलॉजी : पेडियाट्रिक इमेजिंग। थर्ड एडिशन. न्यू दिल्ली : जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड 2011; पी पी 32-38

147. नैटचु यू सी एम, लोढ़ा आर। व्रिटिकल केयर। श्रीवास्तव आर एन, काबरा एस के (एडिश.)। कौंसिस टेक्सटबुक आफ पेडियाट्रिक्स, 2011

148. राय एस, इन : ""हेल्थ पॉलिसीज एंड प्रोग्राम्स इन इंडिया"" 8वां एडिशन (2010) बाई डी के तनेजा, डॉक्टर पब्लिकेशंस, न्यू दिल्ली।

149. रंजन आर। द रेयर कोएगुलेशन डिसऑडर्स। रिसेंट एडवांसेज इन हेमैटोलॉजी -3 । एडिटेड बाई आर सक्सेना, एच पी पति, महापात्रा एम। पब्लिश्ड बाई जेपी ब्रदर्स 2010; 1-19

150. रथ जी के, प्रिसिंपल्स आफ रेडियोथिरेपी, ए पी आई टैक्स्ट बुक आफ मेडिसन

151. रे आर, डैब के एस, अल्कोहल, सैक्स एंड एच आई वी। सोविनर आफ द स्र्ध्र इंटरनेशनल कांफ्रेस ऑन अल्कोहल एंड एचआईवी; इंसाइट्स फ्रोम इंटरवेशन, नई दिल्ली : इंटरनेशनल सेंटर फॉर रीसर्च ऑन वूमैन, 2010

152. रेफरेंस ग्रुप टू द यूनाइटेड नेशनस ऑन एच आई वी एंड इंजेक्टिंग ड्रग यूज (अम्बेडकर ए वाज ए मैम्बर)। कांसेंस स्टेटमेंट, वीना : रैफरेंस ग्रुप टू द यूनाइटेड नेशन्स ऑन एच आई वी एंड इन्जैक्टिंग ड्रम यूज, 2010

153. रायचौधरी एम, काबरा एम, जैनेटिक डिसआर्डर इन पैडियेटरिक ए कान्साइज्ड टेक्स्ट पी पी 223 - 232 एड्स आर एन श्रीवास्तव एंड एस के काबरा, फर्स्ट एडीसन, एलसीवर 2011

154. सागर आर, चड्ढा एन, रात्रा ए (ब्लॉक एडीटर)। "मैंटल डिसआर्डर्स-1" एम सी एफ टी - 002 मैंटल हैल्थ एंड डिस्आर्डरस इन : काउंसलिंग एंड फैमिली थिरेपी (सी एफ टी) / पी जी डिप्लोमा इन सी एफ टी, नई दिल्ली : इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनीवर्सिटी (इग्नू 2010)।
155. सागर आर, चड्ढा एन, रात्रा ए (ब्लॉक एडीटर)। "मैंटल डिसआर्डर्स-2" एम सी एफ टी - 002 मैंटल हैल्थ एंड डिस्आर्डरस इन : काउंसलिंग एंड फैमिली थिरेपी (सी एफ टी) / पी जी डिप्लोमा इन सी एफ टी, नई दिल्ली : इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनीवर्सिटी (इग्नू 2010)।
156. सागर आर, चड्ढा एन, रात्रा ए (ब्लॉक एडीटर)। मैनुवल फार सुपरवाइज्ड प्रैक्टीकम (एम सी एफ टी एल 002 मैंटल हैल्थ एंड डिसआर्डरस) इन : काउंसलिंग एंड फैमिली थिरेपी (सी एफ टी) / पी जी डिप्लोमा इन सी एफ टी, नई दिल्ली : इग्नू, 2010
157. सागर आर, डैब के, साइकैटरिक एजूकेशन इन अवर कंट्री, पास्ट, प्रेजेंट एंड फ्यूचर। इन : इंडियन साइकैटरी सोसायटी, थीम्स एंड इशूज इन कांटैम्पोरेरी इंडियन साइकैटरी"" इंडियन साइकैटरी सोसायटी 2011
158. सागर आर, गर्ग आर, इशूज एंड कंसर्स इन थिरेपी , इन : वर्किंग विद चिल्ड्रन एंड अडोलसैन्टस (यूनिट 1, ब्लॉक 1) कोर्स 5 (कांटैक्स्ट, एपलिकेशन एंड इंटरवेशन्स) आफ द पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम इन काउंसलिंग, फैमिली थिरेपी एंड मिडिएशन, नई दिल्ली : इग्नू 2010
159. सागर आर, गर्ग आर, नेचर एंड टाइप आफ क्रोनिक फिजिकल इलनेस (यूनिट 14, ब्लॉक 4) इन : कोर्स 2 (क्रोनिक इलनेस एंड डिसएबीलिटिस) इन कोर्स 2 आफ द पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम इन काउंसलिंग, फैमिली थिरेपी एंड मिडिएशन, नई दिल्ली : इग्नू 2010
160. सागर आर, गर्ग आर। ओवरवियू आफ मैंटल हैल्थ इन क्रोनिक फिजिकल इलनेस (यूनिट 14, ब्लॉक 4) कोर्स 2 (क्रोनिक इलनैस) एंड डिसएबीलिटिस) इन कोर्स 2 आफ द पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम इन काउंसलिंग, फैमिली थिरेपी एंड मिडिएशन, नई दिल्ली : इग्नू 2010
161. सागर आर, पटनायक आर, आइडैंटीफिकेशन एंड मैनेजमेंट आफ डिप्रेशन इन डीमैन्थीया। इन : सोविनियर आफ एल्जीमरस एंड रिलेटिड डीमेंथीयास सोसायटी 2010
162. सागर आर, शरन पी। रीव्यू ऑन सोशियो - कल्चरल, डिसएबीलिटी एंड आइडैंटीफिकेशन आफ साइकोसिस इन ए काम्यूडीटी बेस्ड प्राइमरी केयर सैटिंग। नई दिल्ली डब्ल्यू एच ओ - साऊथ ईस्ट एशिया रीजनल आफिस 2010
163. शरन एस, लोधा आर, काबरा एस के मैनेजमेंट आफ स्टेटस अस्थमेटीक्स इन चिल्ड्रन। इन पैडिएटरीक इनटैन्स्व केयर प्रोटोकोल्स आफ एम्स। फर्स्ट एंड , एस के काबरा, राकेश लोधा, इंडियन जरनल आफ पैडिएरिक्स, 2011 , पी पी 171-185
164 शरन एस, लोधा आर, काबरा एस के, मैनेजमेंट आफ एक्यूट लंग इंजरी। इन पैडिएट्रिक इंटैन्सिव केयर प्रोटोकॉल आफ एम्स। फर्स्ट एड, एड्स एस के काबरा, राकेश लोधा, इंडियन जरनल आफ पीडिएट्रिक 2011 , पी पी 188-198
165. शरन एस, लोधा आर, काबरा एस के, स्पोर्टिव केयर आफ क्रिटीकली इल चाइल्ड। इन पीडिएट्रिक इंटेन्सिव केयर प्रोटोकॉल्स आफ एम्स। फर्स्ट एड एड्स एस के काबरा, राकेश लोधा, इंडियन जरनल आफ पीटिएट्रिक 2011, पी पी 210-225
166. सक्सेना आर, प्रीनटल डायग्नोसिस इन हीमाटोलोजिकल डिसआर्डरस इन एन इंट्रोडक्शन जेनेटीक्स एंड फैटल मैडिसिन। एडीटर्स डा. दीपिका देखा एंड डा. नरेंद्र मल्होत्रा पब्लिसड बाई जेपी ब्रदर्स 2010, 99-110
167. सेठ आर, टयूबरकोलोसिस एंड चाइल्डहुड मैलिगनैन्सी इन अशैन्शीयलस आफ ट्यूबरकोलोसिस, चौथा एडिसन 241-245, 2011
168. सेठ टी, करंट मैनेजमेंट आफ इंडियोपैथिक थ्रोबोसाइटोपैनिक पुरपुरा। रीसेंट एडवांस इन हीमाटोलोजी-3 एडीटिड बाई आर सक्सेना, एच पी पाती, महापात्रा एम पब्लिसड बाई जे पी ब्रदर्स 2010। 238-246
169. सेठ टी, फन्कोनी एनीमिया रीसेंट एडवांस इन हीमोटोलोजी -3 एडीटिड बाई आर सक्सेना, एच पी पाटी, महापात्रा एम। पब्लिसिड बाई जे पी ब्रदर्स 2010। 94-99
170. सेठ वी, काबरा एस के, बैसीलस कैलमिटी ग्यूरीन (बी सी जी) इन अशैन्शियल्स आफ ट्यूबरकोलोसिस इन चिल्डर्न, चौथा एड, सेठी वी एंड काबरा एस के (एड्स), नई दिल्ली जे पी, 2011, पी पी 555-574
171. सेठ वी, काबरा एस के, एपीडियोमोलोजी विद स्पेशल रेफ्रेंस टू चिल्डर्न। इन अशैन्शियल्स विद स्पेशल रेफ्रेंस टू चिल्डर्न, चौथा एड, सेठ वी एंड काबरा एस के (एड्स नई दिल्ली जे पी, 2011, पी पी 26-36
172. सेठ वी, काबरा एस के, फ्रीक्वेंटली आस्कड कोएसचन्स अबाउट ट्यूमरकोलोसिस। इन अशैन्शियल्स आफ ट्यूबरकोलोसिस इन चिल्डर्न, चौथा एड सेठ वी एंड काबरा एस के (एड्स) नई दिल्ली 2011 , पी पी 634-65)

173. सेठ वी, काबरा एस के, हिस्ट्री आफ ट्यूबरकोलोसिस । इन अशैन्शियल्स आफ ट्यूबरकोलोसिस इन चिल्ड्र्न, चौथा एड सेठ वी एंड काबरा एस के (एड्स) नई दिल्ली 2011 , पी पी 3-6
174. सेठ वी, काबरा एस के। मैनेजमेंट आफ टयूबरकोलोसिसइन अशैन्शियल्स आफ ट्यूबरकोलोसिस इन चिल्ड्र्न, चौथा एड सेठ वी एंड काबरा एस के (एड्स) नई दिल्ली 2011 , पी पी 476-483
175. सेठ वी, काबरा एस के। प्रिंसिपल आफ थिरेपी। इन अशैन्शियल्स आफ ट्यूबरकोलोसिस इन चिल्ड्र्न, चौथा एड सेठ वी एंड काबरा एस के (एड्स) नई दिल्ली 2011 , पी पी 395-402
176. सेठ वी, काबरा एस के। पुल्मोनरी टयूबरकोलोसिस। इन अशैन्शियल्स आफ ट्यूबरकोलोसिस इन चिल्ड्र्न, चौथा एड सेठ वी एंड काबरा एस के (एड्स) नई दिल्ली 2011 , पी पी 101-115
177. सेठ वी, लोढ़ा आर, मल्टीड्रग रसिसटेंट टयूबरकोलोसिस। इन अशैन्शियल्स आफ ट्यूबरकोलोसिस इन चिल्ड्र्न, चौथा एड सेठ वी एंड काबरा एस के (एड्स) नई दिल्ली 2011 , पी पी 504-521
178. सेठ बी, लोढ़ा आर टयूबरक्यूलिन टेस्ट। इन अशैन्शियल्स आफ ट्यूबरकोलोसिस इन चिल्ड्र्न, चौथा एड सेठ वी एंड काबरा एस के (एड्स) नई दिल्ली 2011 , पी पी 296-309
179. सेठ वी, लोढ़ा आर। टयूबरकोलोसिस एंड एच आई वी इन्फेक्शन।इन अशैन्शियल्स आफ ट्यूबरकोलोसिस इन चिल्ड्र्न, चौथा एड सेठ वी एंड काबरा एस के (एड्स) नई दिल्ली 2011 , पी पी 222-240
180. शरन पी (कंटरीब्यूटर) सायकोलोजिकल हैल्थ। इन : वर्ल्ड हैल्थ आर्गेनाइजेशन। डब्ल्यू एच ओ इंटरनेशनल ट्रेवल एंड हैल्थ (आई टी एच) 2011 वर्जन । जीनेवा : डब्ल्यू एच ओ, 2011
181. शरन पी (कंटरीब्यूटर) वर्ल्ड हैल्थ आर्गेनाइजेशन एम एच जी ए पी इंटरवेंशन गाइड फार मैंटल, न्यूरोलोजिकल एंड सब्सटेन्स यूज डिसआर्डरस इन नॉन - स्पेशलाइज्ड हैल्थ सैटिंग्स जेनेवा : डब्ल्यू एच ओ 2010
182. शरन पी, श्यामसुन्दर ए, कम्यूनिटी सायकेटरी : कोस्ट - इफेक्टिवनेस एंड मॉनीटरिंग इन : चवन बी एस, गुप्ता एन, अरूण पी, सीडाना ए के (एड्स) काप्रीहैंसिव टैक्स्ट - बुक ऑन कम्यूनिटी सायकेटरी इन इंडिया। दिल्ली : जे पी ब्रदर्स, 2011
183. शरन पी, श्यामसुंदर ए, ईटिंग डिसआर्डस इन वूमैन। इन : शर्मा 1, पैरियल एस (एड्स) वूमैन एंड मैंटल हैल्थ इंडियन सायकैटरिक सोसायटी 2011
184. शर्मा ए, शर्मा एम, खान आर। ""टी हैल्पर साइटोकिंस, इनफलेमेशन एंड ऑक्सीडेटिव स्ट्रैस इन मल्टीपल मायालोमा"" चैप्टर इन बुक एनटाइटलड "प्लाज्मा सैल मैलिंगनेंसिसष पब्लिसड बाई रैनबैक्सी सुपर स्पेशलिटिज 2010, पी 73-82
185. शर्मा ए, शर्मा एम, इंटरप्ले बिटवीन एंजीयोजैनेसिस एंड बोन मैरा माइव्रोएनवायरमेंट इन मल्टीपल मायलोमा चैप्टर इन बुक एनटाइटलड ""प्लाज्मा सैल मैलिंगनेंसिस"" पब्लिसड बाई रैनबैक्सी सुपर स्पेशलिटिज 2010, पी 83-93
186. शर्मा जे बी, गुप्ता पी, ""रूबेला इन प्रेग्नेंसी"" प्रेग्नेंसी एट रिस्क : ए प्रेक्टीकल एपरोच टू हाई रिस्क। प्रेग्नेंसी एंड डिलीवरी। कृष्णा ऊषा इटल (एड्स) फिफ्थ एडीसन एफ ओ जी एस आई पप्लिकेशन जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिसर (पी) लिमिटेड, दिल्ली 2010। पी 92-95
187. शर्मा जे बी, शंकर एम एनीमिया अपडेट इन प्रेग्नेंसी इन महता एस, राजाराम एस, गोयल एन (एड्स) एडवांस इन ओब्सटीट्रिक्स एंड गायनोकोलोजी जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर (पी) लिमिटेड, दिल्ली फर्स्ट (एड्स) 2011, पी 3-27
188. शर्मा पी, सक्सेना आर। ब्रीनिंग कोगुलोग्राम, हीमोटोलोजी टुडे 2010। 399-408 पब्लिसड बाई डा. एम बी अग्रवाल, मुंबई।
189. शर्मा आर, गडोडिया ए। इमेजिंग आफ एक्यूट पैंव्रीएटिटिस इन : गर्ग पी (एड्स) एक्यूट पैंव्रीएटिटिस। नई दिल्ली : एल्सीवर 2010
190. शर्मा आर, गडोडिया ए इमेजिंग आफ स्पायनल डाइसरफिज्म। इन गुप्ता ए के, चौधरी वी, खंडेलवाल एन (एड्स) एम्स - एम ए एम सी - पी जी आई इमेजिंग कोर्स सीरिज - डायगनोस्टिक रेडियोलोजी : पीडिएट्रिक इमेजिंग थर्ड एडीसन, नई दिल्ली - जे पी ब्रदर्स मैडिकल पब्लिसर्ज (पी) लिमिटेड 2011, पी पी 333-350
191. शर्मा आर, गामनगट्टी एस, गुप्ता ए के, इमेजिंग आफ लो बैक एक । इन : खंडेलवाल एन, चौधरी वी, गुप्ता ए के (एड्स) एम्स - एम ए एम सी - पी जी आई इमेजिंग कोर्स सीरीज डायग्नोस्टिक रेडियोलोजी : न्यूरोरेडियोलोजी इंक्लूडिंग हैड एंड नैक इमेजिंग। थर्ड एडीसन, नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिसर्ज (पी) लिमिटेड 2010, 596-616
192. शर्मा एस, गुप्ता ए के, इमेजिंग आफ इंटरसैक्स डिसआर्डरस इन : गुप्ता ए के, चौधरी वी, खंडेलवाल एन (एड्स) एम्स - एम ए एम सी - पी जी आई इमेजिंग कोर्स सीरिज - डायगनोस्टिक रेडियोलोजी : पीडिएट्रिक इमेजिंग थर्ड एडीसन, नई दिल्ली - जे पी ब्रदर्स मैडिकल पब्लिसर्ज (पी) लिमिटेड 2011, पी पी 295-306

193. शर्मा एस, गुप्ता डी के, लैबर्ज जे एम, लक्खू कोकिला। टेराटोमा इन पीडिएट्रिक सर्जरी - ए काप्रेनसिव बुक फार साउथ अफ्रीका, एड. कोकिला लक्खू एटल, 2010, प्रीन्जर, जर्मनी, चैप्टर 103, 554-557

194. शर्मा एस, गुप्ता डी के, रोल आफ ह्यूमन क्रोनिक गोनाडोट्रोपिन्स इन साइटोशिडिज्म इन गोनाडल एंड नॉन गोनाडल एक्सन्स आफ गोनाडोट्रोपिन्स एड कुमार आनंद, राय सी वी, चतुर्वेदी, 2010 । नरोसा पब्लिसर्ज चैप्टर 14 ; 157-166

195. शर्मा एस, गुप्ता डी के, टयूबरकोलोसिस इन पीडिट्रिक सर्जरी : ए कप्रेनसिव टेक्स्ट फार अफ्रीका। एड कोकिला लक्खू प्रीनजर, जर्मनी 2010, चैप्टर 18 ; 117-125

196. शर्मा एस, हरी एस, श्रीवास्तव डी एन। इमेजिंग आफ ग्लोब एंड ओरबिट। इन खंडेलवाल एन, चौधरी वी, गुप्ता ए के (एड्स)। एम्स - एम ए एम सी - पी जी आई इमेजिंग कोर्स सीरिज - डायगनोस्टिक रेडियोलोजी : न्यूरेडियोलोजी इनक्लूडिंग हैड एंड नेक इमेजिंग ए थर्ड एडीसन, नई दिल्ली - जे पी ब्रदर्स मैडिकल पब्लिसर्ज (पी) लिमिटेड 2011, पी पी 351-65

197. शर्मा एस के, जॉर्ज एन मल्टीड्रग - रिससटेंट ट्यूबरकोलोसिस। इन : जिंदल एस के (एडीटर)। इन टेक्स्ट बुक आफ पलमोनरी एंड क्रीटिकल केयर मेडिसन। नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स मैडिकल पब्लिसर्ज; 2010 : 630-44

198. शर्मा यू, शर्मा आर, जगन्नाथन एन आर, ब्रेस्ट मैगनेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (ब्रेस्ट एम आर आई)। एनसाइकलोपीडिया आफ मैगनेटिक रेजोनेंस एडस् आर के हैरिस एंड आर ई वैसीलिसन, जोहन विली : चिकेस्टर। डी ओ आई : 10.1002/ 9780470034590. ई एम आर एस टी एम 0045. पब 2 . पब्लिसड 2010

199. सिंह एस, गोपीनाथ के ,रतन ए , नॉन टयूबरकोलोसिस माइको बैक्टीरिया। इन , अशैंशियल आफ टयूबरकोलोसिस इन चिल्र्डन। विमलेश सेठ एंड एस के काबरा (एडीटर्स) । जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिसर्ज प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली 2011; पी पी 57-65

200. सिंह एस, गोपीनाथ के, सूद आर, रतन ए, नॉन टयूबरकोलोसिस माइको बैक्टीरिया। इन , अशैंशियल आफ टयूबरकोलोसिस इन चिल्र्डन। विमलेश सेठ एंड एस के काबरा (एडीटर्स) । जेपी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिसर्ज प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली 2011; पी पी 41-56

201. सिंह एस, ए वी डी टी टेंस्टिंग अ पिनपोइंट टाइमिंग आफ मैअरनल टोर्च इंफैक्सन डूरिंग प्रेग्नेंसी । इन टोक्सोप्लास्मोसिस इन इंडिया। सिंह एस (एडीटर) थर्ड एडीसन, प्रगति पब्लिसिंग कंपनी, गाजियाबाद एंड नई दिल्ली, 2010

202. सिंह एस। सैलुलर एंड मोलिकुलर बायोलोजी आफ टोक्सोप्लाज्मा गोंडाई। इन : टोक्सोप्लास्मोसिस इन इंडिया। सिंह एस (एडीटर) थर्ड एडीसन, प्रगति पब्लिसिंग कंपनी, गाजियाबाद एंड नई दिल्ली, 2010

203. सिंह एस। कॉमन कोएसचन्स आस्कड बाई ए प्रेग्नेंट वूमैन। इन टोक्सोप्लास्मोसिस इन इंडिया। सिंह एस (एडीटर)। थर्ड एडीसन, प्रगति पब्लिसिंग कंपनी, गाजियाबाद एंड नई दिल्ली, 2010

204. सिंह एस, साइटोकिन्स इन टोक्सोप्लासमोसिस। इन : टोक्सोप्लासमोसिस इन इंडिया। सिंह एस (एडीटर)। थर्ड एडीसन, प्रगति पब्लिसिंग कंपनी, गाजियाबाद एंड नई दिल्ली, 2010

205. सिंह एस, ह्यूमन टोक्सोप्लासमोसिस ए फूड बोर्न पैरेसाइटिक डिजीज। इन इंडिया। सिंह एस (एडीटर)। थर्ड एडीसन, प्रगति पब्लिसिंग कंपनी, गाजियाबाद एंड नई दिल्ली, 2010

206. सिंह एस। इंसीडेंस एंड प्रीवेलेंस आफ टोक्सोप्लास्मोसिस इन प्रेगनेंट वूमैन। इन : टोक्सोप्लास्मोसिस इन इंडिया। सिंह एस (एडीटर) थर्ड एडीसन, प्रगति पब्लिसिंग कंपनी, गाजियाबाद एंड नई दिल्ली, 2010

207. सिंह एस । लेबोरेटरी डायगनोसिस आफ टोक्सोप्लास्मोसिस। इन : टोक्सोप्लास्मोसिस इन इंडिया। सिंह एस (एडीटर) थर्ड एडीसन, प्रगति पब्लिसिंग कंपनी, गाजियाबाद एंड नई दिल्ली, 2010

208. सिंह एस। टोक्सोप्लास्मोसिस इन एड्स पेशेंट्स। इन : टोक्सोप्लास्मोसिस इन इंडिया। सिंह एस (एडीटर) थर्ड एडीसन, प्रगति पब्लिसिंग कंपनी, गाजियाबाद एंड नई दिल्ली, 2010

209. सिंह एस। ट्रीटमेंट आफ एक्वायरड टोक्सोप्लास्मोसिस। इन : टोक्सोप्लास्मोसिस इन इंडिया। सिंह एस (एडीटर) थर्ड एडीसन, प्रगति पब्लिसिंग कंपनी, गाजियाबाद एंड नई दिल्ली, 2010

210. सिन्हा ए, क्रोनिक किडनी डीजीज। इन : श्रीवास्तव आर एन, बग्गा ए एड्स पीडिएट्रिक नैफ्रोलोजी, फिफ्थ एडीसन। नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिसर्ज (पी) लिमिटेड, 2011 : 360-385

211. सूद एम, शिवानंद के मूड डिआर्रस कोर्स 2 (क्रोनिक इलनेस एंड डिसएबीलिटीस) इन कोर्स 2 आफ द पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम इन काउंसलिंग, फैमिली थिरेपी एंड मिडिएशन, नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिसर्ज (पी) लिमिटेड, 2011 : 360-385

212. सूद एम, शिवानंद के। स्कीजोफरीनिया एंड अदर साइकोटिक डिआर्डरस कोर्स 2 (क्रोनिक इलनेस एंड डिसएबीलिटीस)। इन कोर्स 2 आफ द पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम इन काउंसलिंग, फैमिली थिरेपी एंड मिडिएशन, नई दिल्ली, इग्नू 2010
213. श्रीवास्तव आर एन, बग्गा ए। पीडिट्रिक नैफ्रोलाजी। फिफ्थ एडीसन, नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिसर्ज (पी) लिमिटेड, 2011
214. श्रीवास्तव आर एन, काबरा एस के। इम्यूनाइजेशन इन पीडिट्रिक ए कॉनसाइज टेक्सट, फर्स्ट एडीसन, 2010, आर एन श्रीवास्तव एंड एस के काबरा, नई दिल्ली, एल सी वीयर 2010, पी पी 11-16
215. स्टेफीलोकोकॉल इन्फैक्श्न्स फार ए पी आई टेक्सड बुक आफ मेडिसन, 9वां एडीसन।
216. साइनोपसिस आफ मसल्स टैस्टिंग, खान एस ए पब्लिसड बाई सी बी एस पब्लिसर्ज, नई दिल्ली , इन अगस्त, 2010 (आई एस बी एन 978-81-239-1788-7)।
217. तराई बी, बाबा एन, सिंह एस, रतन ए, लेबोरेटरी डायग्नोसिस आफ माइकोबैक्टीरियल (टयूबरकोलोसिस) इन्फैक्श्न्स चिर्ल्डन : कन्वैनशनल मैथडस। इन, अशैन्शियल अफ टयूबरकोलोसिस इन चिल्डर्न। विमलेश सेठ एंड एस के काबरा (एडीटर) जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिसर्ज प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली 2011; पी पी 322-331
218. थुल्कर एस, भल्ला ए एस, शर्मा एस ,मालिंगनैंसिस आफ अपर एरोडाइजेस्टिव ट्रेक्ट। इन : खंडेलवाल एन, चौधरी वी, गुप्ता ए के (एड्स) । डायग्नोस्टिक रेडियोलोजी : न्यूरोरेडियोलॉजी इन्क्लूडिंग हैड एंड नेक इमेजिंग। थर्ड एडीसन, दिल्ली : जे पी पब्लिसर्ज 2010 : 448-67
219. थुलकर एस, गुप्ता ए के चेस्ट मासिस। इन गुप्ता ए के, खडेलवाल एन, चौधरी वी (एड्स)। डायगनोस्टिक रेडियोलोजी : पीडिट्रिक इमेजिंग थर्ड एडीसन, दिल्ली : जे पी पब्लिसर्ज, 2010 : 87-98
220. त्रिपाठी बी एम, अम्बेडकर ए। मिनीमस स्टैंडर्ड आफ केयर एट डी एडीक्शन सेंटर : इंट्रोडक्शन इन : त्रिपाठी बी एम, अम्बेडकर ए (एड्स) मिनीमम स्टैंडर्ड आफ केयर फार गवर्नमेंट डी - एडीक्शन सेंटर, नई दिल्ली : एन डी डी टी सी, एम्स, 2010
221. त्यागी एस, जस्मिता दास, मोनिका शर्मा, थालएसीमिया एंड हीमोग्लोबीनोपैथी। हीमाटोलोजी टुडे 2011 एडभ्टर डा. एम बी अग्रवाल
222. त्यागी एस, जस्मिता दास। डायग्नोसिस, सायटोजैनेटिक्स, कार्योटाइपिंग : एक्यूट मायलोड ल्यूकीमिया 2010। एक्यूट मायलोड ल्यूकीमिया। एडीटर डा. एम बी अग्रवाल।
223. त्यागी एस, प्रशांत शर्मा साइटोजैनेटिक एंड मोलिकूलर एबनार्मलिटिज इन सी एम एल : फरोम पैथे बायोलोजी टू क्लीनिकल एपलीकेशन्स। हीमाटोलोजी टुडे (एड) बाई एम बी अग्रवाल, 2010
224. त्यागी एस, प्रशांत शर्मा, सैकेंडरी ल्यूकीमिया। इन रीसेंट एडवांस इन हीमाटोलोजी, 2010
225. त्यागी एस, संजीव गुप्ता मिनीमल रैजीडुअल डीजीज (एम आर डी) डिटेक्शन इन एक्यूट ल्यूकीमिया। रीसेंट एडवांस इन हीमाटोलोजी, 2010
226. उदानी पी एम, गुलई एस, सेठ आर , इट ल. केस स्टडीस । इन अशैन्शियल आफ टयूबरकोलोसिस, फोथ एडीसन, सेठ वी एंड काबरा एस के (एड्स) नइ दिल्ली जे पी 2011, पी पी 180-199
227. उप्पल पी, लोढ़ा आर, काबरा एस के। ट्रासफ्यूजन आफ ब्लड एंड कम्पोनेंट्स इन क्रीटिकली इल चिल्डर्न। इन पीडिट्रिक इंटेंसिव केयर प्रोटोकाल्स आफ एम्स फर्स्ट एड, एड्स एस के काबरा, राकेश लोधा, इंडियन जरनल आफ पीडिट्रिक्स, 2011 पी पी 97-106
228. वेंकटेस एस, डीकारमन एम एंड दादा आर । टैस्टीकुलर हाइपरथ्रमीया एंड इट्स इफेक्ट ऑन मेल रीप्रोडक्टिव हेल्थ इन : एनवारयमेंटल एंड ओकुपेशनल एक्सपोजर एडीटरस, सुनील कुमार एंड आर आर तिवारी दया पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली 2010, पी पी 142-151
229. वेंकटेस एस, कुमार आर, पाठक डी, शामसी एम बी, तंबर एम, डीकारमन एम एंड दादा आर रोल आफ एनवायरमेंट, ओकुपेशनल लाइफ स्टाइल एंड डाइट ऑन फ्री रेडीकल इंडुसड माइटोकोन्ड्रियल डी एन ए डेमेज एंड रीप्रोडक्टिव हेल्थ। इन : एनवायरमेंटल एंड ओकेपेशनल एक्सपोजर । एडीटरस : सुनील कुमार एंड आर आर तिवारी दया पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली 2010, पी पी 78-101
230. विक्रम एन के, सोनेजा एम। पेंक्रीएटिक ट्रंसप्लानटेशन इन टी 2 डी एमi इन कोन्ट्रोवर्सिज इन टाइप 2 डायबीटीज एंड प्रोफेसर बी एम जयाराम, 2010

231. विक्रम एन के। मैटाबोलिक सिंड्रोम इन चिल्डर्न । इन : रीसेंट एडवांस इन मैटाबोलिक सिंड्रोम। एलवीसर 2010, पी पी 167-186

232. वैंग पी एस, एगुलर - गैक्सीयोला एस ,अल हमजवी ए ओ, अलोन्सो जे, एनड्रेड एल एच, संगरमेयर एम सी, एट एल, ट्रीटिड एंड अनट्रीटिड प्रीवेलेंस आफ मैंटल डिसआर्डरस : रीजल्टस फ्रोम द वर्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन वर्ड मेंटल हैल्थ (डब्ल्यू एम एच) सर्वेज, इन : थोर्नीक्रोफ्ट जी, सजमुकलर जी, म्यूजर के टी, ड्रेक आर ई (एड्स)। ओक्सफोर्ड टेक्सड बुक आफ कम्यूनिटी मैंटल हैल्थ, ओक्सफोर्ड यूनीवर्सिटी प्रेस, 2011

पुस्तकें

1. अम्बेडकर ए, राव आर, मुखर्जी डी, केडिया एस। ए ट्रेनिंग मैनुअल फार काउसिंलिंग इन द कांटेक्सट आफ इंजैक्टिंग ड्रग यूज, नई दिल्ली : ओ एन ओ डी सी एंड टाटा इंस्टीट्यूज आफ सोशल साइंस , 2010

2. बर्गनस्ट्रोम ए, लैविस डी, मेहरा जे, किशोर के, कुमार एस एस, अम्बेडकर ए, एटल। इंडिया कंट्री एडवोकेसी ब्रीफ : इंजेक्टिंग ड्रग यूज एंड एचआईवी । बैंकांक : यूनाइटेड नेशन्स रीजनल टास्क फोर्स ओन इंजैक्टिंग ड्रग यूज एंड एचआईवी/ एड्स फोर एशिया एंड द पैसीफिक, 2010

3. चट्टोपाध्याय टी के, साहनी पी, पाल एस (एड्स) जी आई सर्जरी एनुअल वोल्यूम 17, नई दिल्ली : इंडियन एसोसिएशन आफ सर्जिकल गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी, 2010

4. देवरारी ए के, पॉल वी के, स्कोटलैंड जे, मैकमिलन डी डी, सिंगल एन, (एड्स प्रकटीकल प्रोसीजर इन न्यूबोर्न नर्सरी। थर्ड एडीसन 2010, सागर पब्लिकेश, नई दिल्ली

5. देवरारी ए के, सिंह एम (एड्स) ड्रग डोसेजिस इन चिल्डर्न सागर पब्लिकेशन, 8वां एंड 2010, नई दिल्ली।

6. देवरारी ए के, सी पी ए पी साइंस, एविडेंस एंड प्रेक्टिस लर्नरस गाइड, फर्स्ट एड 2010, चेतना पब्लिसर्श, नई दिल्ली।

7. देवरारी ए .के. पॉल वी के (एड) । नियोनटल इक्विपमेंट- एवरीथिंग यू वुड लाइक टू नो। फोर्थ एड. 2010, सागर पब्लिकेशन, दिल्ली।

8. देवरारी ए के, वैबीनार्स ओन अशैन्शियन न्यूबोर्न केयर ओन टेन टोपिक्स फोर प्री सर्विस एजुकेशन ओफ हैल्थ केयर प्रोफेशनल्स बाई एमीनेंट टीचर्स फ्रोम इंडिया 1 एड. , 2010

9. गर्ग पी, एक्यूट पैंक्रियाटीटिस (2010), एल सीवर इंडिया

10. गर्ग पी क्रोनिक पैंक्रियाटीटिस (2010), एल सीवर इंडिया

11. गुप्ता ए के, चौधरी वी, खंडेलवाल एन (एऊस) एम्स - एम ए एम सी - पी जी आई इमेजिंग कोर्स सीरीज - डायगनोस्टिक रेडियोलॉजी : पीडिएट्रिक इमेजिंग। थर्ड एडीसन, नई दिल्ली : जे पी ब्रदर्स मेडिकल पब्लिशर्स (पी) लिमिटेड, 2011

12. गुप्ता एस के, कांत एस, रामपाल पी, एडीटर्स. मल्टीपल चोयस कोयसचन्स इन मैनेजमेन्ट एंड हास्पीटल एडमीनिसट्रेशन,फर्स्ट एडीसन, नई दिल्ली जे पी ब्रदर्स मैडीकल पब्लिसर्च (पी) लिमिटेड, 2010 पी पी 4-374

13. जिन्दल जी डी, दीपक के के, जैन आर के (एडस) ए हैण्डबुक ओन सोशोलोजिकल वेरियबिलिटी, मुम्बईः भाभा ऑटोनोमिक रीसर्च सेन्टर 2010; पी 1-186.

14. काबरा एस के, लोधा आर अशैन्शियल पीडीएट्रीक पल्मोनोलोजी,सेकेंड एड 2010, काबरा एस के एंड लोधा आर एडस, नई दिल्ली, नोबल विजन, 2010

15. काबरा एस के, लोढ़ा आर, पी आई सी यू प्रोटोकोल्स ओफ एम्स, पब्लिसड बाई द इन्डियन जरनैल ओफ पीडीएट्रिक्स, 2010-11

16. काबरा एस के, एलर्जी एंड अस्थमा, ई सी ए बी अपडेटः पीडीएट्रिक्स 2010, एड काबरा एस के, नई दिल्ली, एलसीवर, 2010

17. खण्डेवाल एन, चौधरी वी, गुप्ता ए के (एडस) एम्स- एम ए एम सी - पी जी आई इमेजिंग कोर्स सीरीज - डायगनोस्टिक रेडियोलोजी न्यूरोरेडियोलाजी इंक्लूडिंग हैड एंड नैक इमेजिंग, थर्ड एडीसन, नई दिल्ली जे पी ब्रदर्स मैडीकल पब्लिशर्ज (पी) लिमिटेड 2010

18. लाल आर, अम्बेडकर ए (एडस), सब्सटेन्स यूज डिसआर्डरसः ए मैनुअल फोर पैरामैडीकल प्रोफैशनल्स, नई दिल्ली एन डी डीटीसी, एम्स, 2010

19. मेहरा एन के, कोर जी, मैककलस्की जे, क्रीश्चियनसेन एफ, क्लास एफ (एडस) द एच एल ए कॉम्प्लेक्स इन बायोलोजी एंड मैडीसनः ए रिसोर्स बुक, नई दिल्ली जे पी ब्रदर्स मैडीकल पब्लिशर्ज (पी) लिमिटेड 2010

20. पॉल वी के, डियोरारी ए के (एड), प्रोटोकोल्स इन नियोनाटोलोजी, थर्ड एड, 2011 पब्लिशरः इन्डियन जरनैल ओफ पीडीएट्रीक नई दिल्ली

21. सक्सेना आर, एच पी पाटी, महापत्र एम (एड), रीसेन्ट एडवांस इन हीमाटोलोजी-3. रीसेन्ट एडवांस इन हीमाटोलोजी-3 जे पी ब्रदर्स, 2010

22. सेठ वी, काबरा एस के अशैन्शियलस ऑफ टयूबरकोलोसिस इन चिलडर्न फोर्थ एडीसन, वी सेठ, एस के काबरा एडस, नई दिल्ली, जे पी ब्रदर्स, 2011

23. सेतुरमन जी वाज वन ऑफ द असिसटेंट एडीटर्स फोर द बुकः विजियुअल डैक्स अशैन्शियल पीडीएट्रीक डरमेटोलोजी (2010), लिपिनकोट विलियमस एंड विल्किन्स, यू एस ए

24. शर्मा जी के, सिंह डी, दीपक के के, अग्रवाल डी पी, न्यूरोमार्केटिंगः ए पीप इनटु कस्टोमर्स माइन्डस नई दिल्ली पी एच आई लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड, 2010 पी 1-259

25. सूद एस माइक्रोबायोलोजी फोर नर्सिस, सेकेंड एडीसन (रीपिट 2010) नई दिल्ली एलसीवर; 1-399

26. श्रीवास्तव आर एन, काबरा एस के, पीडीएट्रीक ए कोनसाइज टेक्स्ट, फर्स्ट एडीसन, 2010, आर एन श्रीवास्तव एंड एस के काबरा, नई दिल्ली, एलसीवर 2010

27. त्रिपाठी बी एम, अम्बेडकर ए (एडस) मिनीमम स्टैण्डर्डस ओफ केयर फोर गवर्नमेन्ट डी - एडीक्शन सेन्टर्स नई दिल्ली एन डी डी टी सी, एम्स, 2010

13.1 वित्त प्रभाग

वरिष्ठ वित्त सलाहकार

संदीप लाल

वित्त सलाहकार

बसंती दलाल

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

सुनील कुमार

सतीश खुराना
(15.03.2011 से)

लेखा अधिकारी गण

डी. पी. गंगल	भौम सिंह	एस. एस. यादव
एम. एस. नेगी	एम. जे. राजदान	एम. के. भट्ट
	आर. के. शर्मा	

संस्थान भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से "योजना" एवं "गैर-योजना" शीर्ष के तहत अनुदान प्राप्त करता है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार, वी.वी.आई.पी. उपचार एवं नर्सिंग महाविद्यालय आदि के लिए योजना अनुदान प्राप्त किया है। विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के लिए आई.सी.एम.आर., डी.एस.टी., सी.एस.आई.आर., विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ, डी.बी.टी. आदि जैसी विभिन्न बाह्य फंडिंग एजेंसियों से बाहरी अनुदान भी प्राप्त होता है। भारत सरकार एवं अन्य एजेंसियों से योजना एवं गैर-योजना अनुदान के रूप में प्राप्त अनुदानों को अति विशिष्ट केंद्रों / विभागों / अनुसंधान परियोजनाओं को उनकी परियोजनाओं / आवश्यकताओं के अनुसार आगे आबंटित किया जाता है।

संस्थान का वित्त प्रभाग केंद्रों / यूनिटों / विभागों से मासिक व्यय विवरण मंगाकर उपर्युक्त निधियों/बजट के निमित्त निष्पादित व्यय की निगरानी / नियंत्रण करता है एवं संकाय और स्टाफ को वेतन का भुगतान, व्यक्तिगत दावों का भुगतान, संस्थान के कर्मचारियों को पेंशन एवं सामान्य भविष्य निधि तथा दिन प्रतिदिन के वित्तीय मामलों का भी संचालन किया जाता है। वित्त सलाहकार को भी वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी एवं लेखा अधिकारियों द्वारा जब भी आवश्यकता होती है सहायता प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त सभी कार्यों को वित्त सलाहकार, वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारियों (एफ एंड सीएओ) / लेखा अधिकारियों द्वारा वरिष्ठ वित्त सलाहकार के समग्र नियंत्रण में निष्पादित किया जाता है। समीक्ष्य वर्ष 2010-11 के दौरान निम्नलिखित अधिकारियों के सम्मुख दर्शाये अनुसार पदों का कार्यभार निष्पादित किया :

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अप्रैल 2010 से मार्च 2011 तक राजस्व प्राप्ति दर्शाने वाला विवरण

(रुपए लाख में)

शीर्ष	एम्स(मुख्य)	हृ.तं.केंद्र	रा.प्र.केंद्र	सं.रो.कें.अ.	ट्रॉमा	सी.डी.ई.आर	कुल
अस्पताल प्राप्तियां	4732.65	834.37	1398.07	188.25	239.62	31.53	7424.49
कुल	**4732.65**	**834.37**	**1398.07**	**188.25**	**239.62**	**31.53**	**7424.49**

वर्ष 2010-2011 के दौरान प्राप्त अनुदान

(रुपए करोड़ में)

क्रम सं.	शीर्ष	योजना	गैर-योजना
1	एम्स	380.00	605.00
2	राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र	7.90	-
	कुल	**387.90**	**605.00**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

वर्ष 2010-2011 का
प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

एम्स(मुख्य)(क)

	प्राप्तियां		2010-11	2009-10
1	**अथशेष**			
क	**बैंक में नकद**			
i)	(क) एम्स (मुख्य)	569420504		
	(ख) एम्स (मुख्य) के पास बचे हुए विशेष अनुदानों का अव्ययित शेष	265639973	835060477	833296039
ii)	स्कीम सेल		168733316	131137563
ख	**नकद राशि (अग्रदाय)**			
i)	एम्स (मुख्य)			
	(क) कोषाध्यक्ष की रोकड़ पुस्तक के अनुसार शेष	588950		
	(ख) कोषाध्यक्ष द्वारा भुगतान की अतिरिक्त राशि	307426	281524	246024
ग	**अवितरित राशि**			
i)	एम्स (मख्य)			
ii)	स्कीम सेल		325606	44500
घ	**निर्धन रोगी खाता**			
i)	एम्स (मुख्य)			
	क) नकद/बैंक		1175983	1137133
	ख) एफडीआर		984180	943112
ङ.	**रोगी उपचार खाता**			
	एम्स		49928749	37120305
च	**छात्रावास**			
	क) नकद राशि		18666	8991
	ख) बैंक में नकद		304695	202429
	ग) एफडीआर		3792601	3165924
2	**भारत सरकार से अनुदान**			
क)	योजना			
	i) पूंजी (नई)		2490000000	
	ii) राजस्व सामान्य		1310000000	2505100000
ख)	गैर योजना		6050000000	6360000000
ग)	एन.डी.डी.टी.सी		79000000	83300000
घ)	चूक समिति		317500000	
3	विविध प्राप्तियां		149321385	302475713
4	अस्पताल प्राप्तियां		129321693	118685629
5	ब्याज		59429152	40379679
6	लाइसेंस शुल्क		21945641	21341031
7	शिक्षण शुल्क /परीक्षा शुल्क		13364877	5288069
8	कर्मचारी स्वास्थ्य योजना (ईएचएस)		29459258	22604568
9	बर्तन निधि		407585	421734
10	कर्मचारी बीमा योजना		15509969	14239814
11	जीपीएफ		358861099	349108915
12	बाह्य वसूलिया		302996544	336013800
13	जमानत जमा/बयाना राशि		39561396	41076843

	भुगतान		2010-11	2009-10
1	**केंद्रों/स्कीम सेल को अंतरित अनुदान**			
क	**डॉ. रा. प्र. केंद्र**			
i)	योजना		150000000	
	क) पूंजी (नई)		200000000	
	ख) राजस्व सामान्य		45000000	
ii)	गैर योजना		428500000	480000000
ख	**हृद तंत्रिका केंद्र**			
i)	योजना		280000000	
	क) पूंजी (नई)		534110000	
	ख) राजस्व सामान्य		100000000	
ii)	गैर-योजना		974600000	1075900000
ग	**एन.डी.डी.टी.सी**		79000000	83300000
i)	योजना			
घ)	**स्कीम सेल**			
i)	प्राप्तियों के लिए अनुदान		370844809	478286742
ii)	राष्ट्रीय सेवा योजना हेतु गैर योजना अनुदान		50000	
ङ	**डॉ.बी.आर.अं.आई.आर.सी.एच**			
क)	**योजना**		90000000	
	क) पूंजी (नई)		118000000	
	ख) राजस्व सामान्य		17000000	
ख)	**गैर योजना**		388600000	420800000
च	**जे.पी.एन. एपेक्स ट्रॉमा केंद्र**			
	योजना			794400000
	क) पूंजी (नई)	360000000		
	ख) राजस्व सामान्य	649600000	1009600000	
छ	**दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र**			
	योजना			82200000
	क) पूंजी (नई)	28000000		
	ख) राजस्व सामान्य	46900000	74900000	
2	**प्रशासनिक व्यय**			
	एम्स (मुख्य)			
क)	वेतन एवं भत्ते		2546333850	2999687905
ख)	यात्रा भत्ते		20592177	16426033
ग)	छात्रवृत्ति		12510578	7867010
ङ.)	अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान		3264658	158228
च)	पेंशन लाभ		417243159	428910438
3	कार्यालय आकस्मिकता		390215797	308552136
4	सामग्री एवं आपूर्ति (गैर-योजना)		1072307522	942713707
5	मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं अनुरक्षण		57160004	45712951
6	भवन अनुरक्षण		95161141	83429751
7	कर्मचारी बीमा योजना		15725503	15892236
8	जी.पी.एफ		358861099	349108915
9	वसूलनीय अग्रिम			
	क) कार		180000	831200
	ख) स्कूटर/मोटर साइकिल		628000	680000
	ग) साइकिल		6000	6000
	घ) भवन निर्माण अग्रिम		2525300	2066850

14	अवधान राशि		45300	57000
15	अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान			
16	वसूलनीय अग्रिम			
	क) कार		909476	830651
	ख) स्कूटर/मोटर साइकिल		653059	561020
	ग) साइकिल		7740	3997
	घ) भवन निर्माण अग्रिम		3659377	4852532
	ड.) कंप्यूटर		1205970	1072459
	च) त्यौहार		1665700	
17	प्रसवोत्तर कार्यक्रम			
	(प्रोत्साहन राशि)		600000	1200000
18	अल्पावधिक जमा का नगदीकरण			2500000000
19	विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त अनुदान			
	परिशिष्ट - क (स्कीम सेल)		513437406	520463834
20	योजनाएं			
i)	प्राप्ति के बदले अनुदान		370844809	478286742
ii)	एम्स से अंतरित अनुदान गैर योजना			50000
iii)	प्रत्यक्ष प्राप्त		42186657	34944217
21	विविध दान (परिशिष्ट - घ)		290450	567040
22	आवर्ती निधि		70164253	66966878
23	नई पेंशन योजना		32865457	20947206
24	कांकलियर इंप्लाट रोगी उपचार खाता		36724000	30852600
25	जमा कार्य			
(क)	राजगढिया विश्राम सदन			69000
26	कोषाध्यक्ष द्वारा अतिरिक्त भुगतान की वसूली			
	क) वसूली	307426		
	ख) ब्याज	175542	482968	
27	संसाधन अनुरक्षण अनुदान (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान			557700
28	जननी सुरक्षा योजना (जे.एस.वाई)		26000	25000
29	एंजियो सी.टी.वी.एस.रोगी खाता			91000
30	वि.स्वा.सं.-इन -कंट्री फैलोशिप			1926000

	ड.) कंप्यूटर		750000	1325200
	च) त्योहार		2400000	
10	विशेष उद्देश्य हेतु प्राप्त अनुदान में से व्यय (स्कीम सेल)			
i)	परिशिष्ट - क	519689837		
ii)	वर्ष 2009-10 की अवितरित जमा राशि का भुगतान अब	325606		
iii)	वर्ष 2010-11 की अवितरित न्यून राशि	384882	519630561	475404100
11	प्रसवोत्तर कार्यक्रम (प्रोत्साहन राशि)		684780	637275
12	फर्नीचर एवं उपस्कर		2339116	2788245
13	पुस्तकें एवं प्रकाशन		16783481	14302686
14	योजना			
	क) वेतन		117141981	
	ख) स्पेयर एवं ऐस्सरीज		22803071	
	ग) मशीनरी एवं उपकरण		375775377	353380219
	घ) भवन निर्माण			
	i) बड़े कार्य	67506447		
	ii) लघु कार्य	200344038	267850485	271476578
15	वाहनों की खरीद			
(क)	परिवहन कार्यालय			2293778
16	अग्रिम भुगतान			
	क) विदेशी खरीद हेतु सामग्री एवं आपूर्ति (गैर-योजना)		13495899	16023211
	ख) विदेशी खरीद हेतु मशीनरी एवं उपकरण (योजना)		420062408	473641302
	ग) भण्डार की प्राप्ति हेतु पी.ए.ओ		4000000	2600000
	घ) भवन सामग्री हेतु पी एण्ड ए.ओ. आदि		-	4927237
	ड.) अस्थायी/आकस्मिक अग्रिम		22974388	8257502
	च) भण्डार हेतु प्राइवेट फर्म		3037061	2912705
	छ) मशीनरी एवं उपकरण हेतु सीमा शुल्क		79870853	41566242
	ज) पुस्तकें एवं पत्रिका हेतु		37080547	35878527
	झ) कोकलियर इम्पलांट रोगी उपचार हेतु			15453000
	ञ) मैं इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन लूबरी कैंट डिजल ऑयल के लिए			
	ट) मैं. एच एस सी सी निर्माण हेतु			1000000
	ठ) सचिव, एन डी एम सी, निर्माण हेतु			10600
	ड.) न्यायमूर्ति लोकेश्वर प्रसाद मध्यस्थता शुल्क हेतु			22201
	ढ) कुल सचिव, गुरू गोविंद सिंह विश्वविद्यालय परामर्श शुल्क हेतु			18000
	ण) मैं. इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन लुबरीकैंट डिजल ऑयल के लिए (लघु कार्य)		2487842	
	त) मैं. इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन लुबरीकैंट डिजल ऑयल के लिए (बड़े कार्य)		457695	
	थ) मैं. एचएससीसी मास्टर प्लान की तैयारी हेतु (बड़े कार्य)		105874500	
	द) मैं. एचएससीसी राज कुमारी अमृत कौर ओ.पी.डी. की मरम्मत एवं नवीकरण हेतु (बड़े कार्य)		136540015	
	ध) मैं. एचएससीसी सरलीकरण ब्लॉक हेतु (बड़े कार्य)		14500000	

न) मैं. एचएससीसीपीसी शिक्षण ब्लॉक का निर्माण (बड़े कार्य)		3000000	
प) मैं. एल्पिन इंडस्ट्रीज, ए.सी. यूनिट हेतु (बड़े कार्य)		36918	
फ) मैं. एल्पिन इंडस्ट्रीज, ए.सी. यूनिट हेतु (लघु कार्य)		285376	
ब) मै. सिदवाल रैफ्रीजिरेशन पी/ओ ए/सी यूनिट (लघु कार्य)		290518	
भ) मै. सिदवाल रैफ्रीजिरेशन पी/ओ ए/सी (बड़े कार्य)		481289	
म) मै. कोहली एंड कंपनी ए/सी (लघु कार्य)		253034	
य) मैं. विडियोकॉन इंड. लि. पी/ओ ए/सी हेतु (लघु कार्य)		59622	
कक) मैं. अणु सोलर पावर (पी) लि. ए/सी हेतु (लघु कार्य)		1495194	
कख) मैं. अणु सोलर पावर (पी) लि. ए/सी हेतु (बड़े कार्य)		6454930	
कग) मैं. यूनिवर्सल कम्फर्ट, ए/सी यूनिट हेतु (लघु कार्य)		1513900	
कघ) मैं. एल.जी. इलैक्ट. पी/ओ ए/सी हेतु (बड़े कार्य)		1310504	
कड.) मैं. एल.जी. इलैक्ट. पी/ओ ए/सी हेतु (लघु कार्य)		335815	
कच) एक्स. इंजीनियरिंग एसजेएच(सीपीडब्ल्यूडी) सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट हेतु (लघु कार्य)		12500000	
कछ) एक्स. इंजीनियरिंग एसजेएच(सीपीडब्ल्यूडी) अतिरिक्त लिफ्ट स्थापित करने हेतु (बड़े कार्य)		4868896	
कज) एक्स. इंजीनियरिंग सीपीडब्ल्यूडी वार्ड ब्लॉक में लिफ्ट स्थापित करने हेतु (बड़े कार्य)		1000000	
कझ) एक्स. इंजीनियरिंग सीपीडब्ल्यूडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट हेतु (बड़े कार्य)		10900000	
कञ) एक्स. इंजीनियरिंग सीपीडब्ल्यूडी नाला ढकने हेतु चरण 2 (बड़े कार्य)		50000000	
कट) एक्स इंजीनियरिंग एम्स सीपीडब्ल्यूडी छात्रावास निर्माण हेतु (बड़े कार्य)		5000000	
कठ) मैं. हीटेची होम्स सोल्यूसंस, पी/ओ ए/सी (लघु कार्य)		3823111	
कड) मैं. हीटेची होम्स सोल्यूसंस, पी/ओ ए/सी (बड़े कार्य)		488308	
कढ) मै.गुरू देव सिंह संस, ए/सी हेतु (लघु कार्य)		302357	
कण) मैं. उषा इंटरनेशनल लि., ए/सी हेतु (लघु कार्य)		315020	
17 जमानत जमा / बयाना राशि			
(i) वर्ष 2009-10 तक की प्राप्तियों से किया गया भुगतान	34131812		33126289
(ii) वर्ष 2010-11 के दौरान	665000	34796812	2070000
18 बाह्य वसूलियां		308313139	285174371

	निर्धन रोगी खाता		
1	क) एम्स	367194	158815
	ख) ब्याज	42391	41068
	ग) एफडीआर		
	रोगी उपचार खाता		
1	(क) एम्स	72062707	64246164
	(ख) ब्याज	2000738	1430530
	छात्रावास		
1	i) जमानत जमा	1415000	1406500
	ii) विविध प्राप्तियां	57575	67035
	iii) अर्जित ब्याज	42483	335943

19	अल्पावधिक जमा का निवेश			2500000000
20	विविध दान (परिशिष्ट घ)		198250	307700
21	आवर्ती निधि		61303001	51937651
22	नई पेंशन योजना		102906967	69909349
23	कोकलियर इम्पलांट रोगी खाता		37227550	16722000
24	जमा कार्य			
	क) राजगढिया विश्राम सदन			62122
25	लिंक्ड बीमा योजना जमा		402697	120000
26	चूक समिति			
	क) बड़े कार्य	317499700		
	ख) वेतन एवं भत्ते	55100000	372599700	
27	वीवीआईपी		1086213	
28	संसाधन अनुरक्षण अनुदान (प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान)			557700
29	वि.स्वा.सं. इन-कंट्री फैलोशिप		345012	772729
30	वि.स्वा.सं. इन-कंट्री फैलोशिप रा.प्र.केंद्र के लिए			14000
31	एंजियो सीटीवीएस रोग खाता			91000
32	जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई)		25000	0
	निर्धन रोगी खाता			
1	एम्स	109930	119965	
	रोगी उपचार खाता			
1	एम्स	59859552	52856486	
2	बैंक निकासी प्रभार		4430	11764
	छात्रावास			
1	जमानत वापस		1127000	1070500
2	विविध व्यय		27960	360
	अंत शेष			
क	**बैंक में नकद**			
1	क) एम्स (मुख्य)	452534434		
	क) एम्स (मुख्य) के पास बचे हुए विशेष अनुदान का अव्ययित शेष	408232569	860767003	835060477
2	स्कीम सेल		62074945	168733316
ख	**नकद राशि (अग्रदाय)**			
1	एम्स (मुख्य)			
	क) कोषाध्यक्ष की रोकड़ पुस्तक के अनुसार शेष 599950			
	ख) कोषाध्यक्ष द्वारा किया गया अधिक भुगतान 307426	292524	281524	
ग	**अवितरित राशि**			
1	एम्स (मुख्य)			
2	स्कीम सेल		384882	325606
घ	**निर्धन रोग खाता**			
1	एम्स (मुख्य)			
	(क) नगद/बैंक		1475638	1175983
	(ख) एफडीआर		984180	984180

				ङ	**रोगी उपचार खाता**			
					एम्स	64128212	49928749	
				च	**छात्रावास**			
				1	नगद राशि		32881	18666
				2	बैंक में नगद		322179	304695
				3	एफडीआर	4121000	3792601	
	उप-कुल (क)	**13579041106**	**14939348746**				**13579041106**	**14939348746**

डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र (ख)

	अथ शेष			I क	वेतन एवं भत्ते		352614026	409251527
क	बैंक में नगद	57013488	32586560	ख	वेतन एवं भत्ते			
					(राजस्व सामान्य)		24777754	..
ख	**नगद राशि**			ग	दैनिक मजदूरी		..	4172866
	i) अग्रदाय	20000	20000					
				II	यात्रा व्यय		2382037	2281696
ग	**निर्धन रोगी खाता**			III	कार्यालय व्यय		15905165	12770927
	नगद/बैंक	104014	116808	IV	पूंजी कार्य			
					(राजस्व सामान्य)		15514496	3820317
				V	भवन अनुरक्षण		5584625	4651014
II	**सहायता अनुदान**			VI	**सामग्री एवं आपूर्ति**			
	i) पूंजी (नई)	200000000			i) सामग्री एवं आपूर्ति	160058074		
	ii) राजस्व सामान्य	45000000			ii) अग्रिम भुगतान	16508202	176566276	170566992
	iii) गैर-योजना	428500000	630000000	VII	जमानत वापसी		285000	30000
				VIII	मशीनरी एवं उपकरण			
III	प्राप्त जमानत जमा	35000	450000		की मरम्मत एवं अनुरक्षण		465472	3424512
				IX	**मशीनरी एवं उपकरण (योजना)**			
IV	एनएसपीबी	4000000	..		i) वास्तविक भुगतान	42312873		
					ii) विदेशी खरीद हेतु किया गया			
					अग्रिम भुगतान	175006602	217319475	145672806
				X	वर्ष 2010-11 के दौरान वाहन खरीद		1606756	
				XI	फर्नीचर एवं उपस्कर		558173	447742
				XII	एनएसपीबी	3999173	..	
V	**सहायता अनुदान (गैर**			XIII	**गैर एम्स केंद्र योजनाओं के लिए**			
	रा.प्र.केंद्र योजना)				**भुगतान**			
1	एबीएन एमरो नेत्र रक्षा	..	..	1	एबीएन एमेरा नेत्र रक्षा		..	10000
2	एक्यूट बैक्ट्रीयल कंजेक्टिवाइटिस	..	39900	2	एक्यूट बैक्ट्रीयल			
					कंजेक्टिवाइटिस		55633	188062
3	परियोजनाओं से प्राप्त			3	प्रशासनिक प्रभार		585284	564725
	प्रशासनिक प्रभार	1658011	735323					
4	एक्रोसोफ्ट 6 बोस्च एंड लोम्ब	..	..	4	एक्रोसोफ्ट बोस्च एंड लोम्ब		798	..
5	एएमडी व्यू स्ट्डी	3972557	8405422	5	एएमडी व्यू स्टडी		3495439	1175701
6	बैक्ट्रीयल कार्नियल अल्सर आई	97200	108000	6	बैक्ट्रीयल कार्नियल अल्सर आई		200133	3240
7	ब्रीमिरीडाइन डीएस/डीडीएस	208980	..	7	ब्रीमिरीडाइन डीएस/डीडीएस		20899	..
8	मोतिया बिंद रोगी (आईओएल)	556152	..	8	मोतिया बिंद रोगी (आईओएल)		315588	..
9	नैदानिक मूल्यांकन +							
	पोलीहर्बल एओडी	..	150000	9	नैदानिक मूल्यांकन एओडी		74402	49477
10	ब्लिंक एंड क्लिन (एएमओ)			10	ब्लिंक एंड क्लिन (एएमओ)			
	का नैदानिक मूल्यांकन	50000	117600		का नैदानिक मूल्यांकन		50000	134813
11	नैदानिक मूल्यांकन ओजोन	..	107640	11	नैदानिक मूल्यांकन ओजोन		..	108255
12	कैरेटिटिस कंजेक्टिवाइटिस का			12	कैरेटिटिस कंजेक्टिवाइटिस का			
	नैदानिक अध्ययन				नैदानिक अध्ययन			
	(एलर्जन इण्डिया प्रा. लि.)	..	45000		(एलर्जन इण्डिया प्रा. लि.)		..	45000
13	सीआरपी	..	47000	13	सीआरपी	1194	54000	
14	सीएसआईआर	2766856	2649412	14	सीएसआईआर	2766856	2649412	
15	डीबीटी/एमए	..	717000	15	डीबीटी/एमए		211848	731507
16	डीसीडीआरएफ	10000	..	16	डीसीडीआरएफ	10000	..	
17	डीईजीएएस	926550	888562	17	डीईजीएएस	922073	574926	
18	डीएमई	1052055	1242106	18	डीएमई	1180927	1221790	
19	डीएसटी साइक्लोसपोरिन	..	..	19	डीएसटी साइक्लोसपोरिन		22186	..
20	आशु तरल का डीएसटी मूल्यांकन	375000	..	20	आशु तरल का डीएसटी मूल्यांकन		375000	417077
21	डीएसटी/एफआईएसटी	250000	..	21	डीएसटी/एफआईएसटी		250000	..
22	इंड्योर अध्ययन	545400	..	22	इंड्योर अध्ययन		375780	.
23	ग्लूकोमा का ईएसजी मूल्यांकन			23	ग्लूकोमा का ईएसजी मूल्यांकन			
	अध्ययन				अध्ययन		5800	..
24	एफएएमई अध्ययन	615075	1004730	24	एफएएमई अध्ययन		1940465	1206297

25	एफटीजी		189595	244441
26	हाई प्रीसीजन बिल एनेलिटिकल (एचपी-बीएएफ)		412421	68810
27	आईसीएमआर		12081998	2512750
28	इंडिजेन (एलएसटीएम)		..	939076
29	इंडिये		..	..
30	इनमास बायोमेडिकल डिस्पेंसिग उत्पाद		460000	..
31	इनमास मानव भेषजगुण विज्ञान		475000	
32	एलसीआईएफ		..	..
33	लक्स 201 ओमनीकेयर		187704	925207
34	लक्स 211 पीआरए इंटरनेशनल		..	173901
35	एमए फाऊंडेशन		308400	..
36	एमबीडीएल आईएलएलवाई एलआईएलएलवाई		207720	38800
37	एम के मीडिया कार्नियल ट्रांसप्लाण्ट (वित्त मंत्रालय)		..	1397660
38	मल्टीफोकल आईओएल		..	..
39	एनएबी		500000	1260000
40	एनसीडीआरसी		..	25079
41	नीमा इंटरनेशनल		..	..
42	नावर्टिस शील्ड अध्ययन		157500	90000
43	नावर्टिस विसूडिम		179551	..
44	एनपीसीबी डीओएस प्रशिक्षण		976050	856700
45	एनपीसीबी नेत्र शिविर गोडा झारखण्ड		248642	160221
46	एनपीसीबी/डीबीसीएस		877250	310500
47	एनपीसीबी-एनएसयू		300000	..
48	एनपीसीबी-एसएसयू		303385	114693
49	ओईयू		340054	270000
50	ओआरबीआईएस पीईसीपी		114956	..
51	फार्मा किनेटिक क्युईनेकरिन		443765	
52	फेज़ 2 ऐज रिलेटिड मेक्यूलर डिजेनरेशन मेनेट स्ट्डी (एआरएमडी)		849815	360000
53	पिंक आई (बोसच एंड लॉम्ब)		..	..
54	पॉलिहर्बल मूल्यांकन डीईएस		..	..
55	पोसुडुरेक्स एलर्जन इंटरनेशनल		358262	742476
56	पीवीडी/वीआरटी अध्ययन		..	650450
57	रिलायंस रेलियंतरा		80100	55419
58	आरओपी मेक्यूजन		..	110000
59	आरओपी कार्यशाला		187042	181532
60	आरटीआई	..	3200	
61	दृष्टि सेवर		583750	757333
62	एसएसएमआई-वीएफआई		585864	
63	संगोष्ठी वर्कशॉप		60000	343000
64	अंतरराष्ट्रीय एलर्जन शुष्क नेत्र का उपचार		..	75000
65	यूएसपी		..	34808
66	वि.स्वा.सं. गुजरात सर्वे		..	..
67	वि.स्वा.सं. एसईआईएनडी		..	..
68	वि.स्वा.सं. अल्पावधिक प्रशिक्षण		..	..
69	कार्यशाला		..	8900
VI	एनआईएएफ		30000	65000
VII	विभिन्न किटों सहित अस्पताल प्राप्तियां		130553120	128281488
VIII	वसूलनीय अग्रिम का ब्याज		411582	219997
IX	विविध प्राप्तियां		3665349	3866075
X	प्राप्त की गई अ.भा.आ.सं. वसूलियां		84312643	75507347
XI	प्राप्त की गई वाहक वसूलियां		25223098	37952102
XII	सीएलटीडी का ब्याज		5177059	1265364
XIII	नामे/जमा परामर्श का अंतर (एलसी मार्जन)		..	9297856
XIV	**<u>वसूलनीय अग्रिम</u>**			
	क) कार	35652		
	ख) स्कूटर	24000		
	ग) साइकिल	..		

25	एफटीजी		119698	244441
26	हाई प्रीसीजन बिल एनेलिटियल (एचपी-बीएएफ)		233851	..
27	आईसीएमआर		5199984	1183771
28	इंडिजेन (एलएसटीएम)		20897	1900437
29	इंडिये	3559	..	
30	इनमास डिस्पेंसिंग बायोमेडिकल उत्पाद		859958	55042
31	इनमास मानव भेषजगुण विज्ञान		480549	260000
32	एलसीआईएफ		3044	..
33	लक्स 201 ओमनीकेयर		147930	247237
34	लक्स 211 पीआरए इंटरनेशनल		47810	129905
35	एमए फाऊंडेशन		158681	..
36	एमबीडीएल आईएलएलवाई एलआईएलएलवाई		239777	61164
37	एम के मीडिया कार्नियल ट्रांसप्लाण्ट (वित्त मंत्रालय)		556388	78944
38	मल्टीफोकल आईओएल		4675	92561
39	एनएबी		261065	495854
40	एनसीडीआरसी	..	25079	
41	नीमा इंटरनेशनल		14343	..
42	नावर्टिस शील्ड अध्ययन		237930	2700
43	नावर्टिस विसूडिम		184943	..
44	एनपीसीबी डीओएस प्रशिक्षण		470501	900000
45	एनपीसीबी नेत्र शिविर (गोडा झारखण्ड)		248642	362585
46	एनपीसीबी/डीबीसीएस		115600	297915
47	एनपीसीबी-एनएसयू		10000	..
48	एनपीसीबी-एसएसयू		163250	148070
49	ओईयू	378852	114670	
50	ओआरबीआईएस पीईसीपी		87268	30000
51	फार्मा किनेटिक क्युईनेकरिन		154313	..
52	फेज़ 2 ऐज रिलेटिड मेक्यूलर डिजेनरेशन मेनेट स्ट्डी (एआरएमडी)		839650	141273
53	पिंक आई (बोसच एंड लॉम्ब)		..	119176
54	पॉलिहर्बल मूल्यांकन डीईएस		2323	143000
55	पोसुडुरेक्स एलर्जन इंटरनेशनल		243940	127919
56	पीवीडी/वीआरटी अध्ययन		936058	222014
57	रिलायंस रेलियंतरा		154375	56663
58	आरओपी मेक्यूजन		2335	107665
59	आरओपी कार्यशाला		214661	159203
60	आरटीआई		..	3200
61	दृष्टि सेवर		749327	1120971
62	एसएसएमआई-वीएफआई		269984	..
63	संगोष्ठी वर्कशॉप		60800	342200
64	अंतरराष्ट्रीय एलर्जन शुष्क नेत्र का उपचार		28400	46600
65	यूएसपी	..	2638927	
66	वि.स्वा.सं. गुजरात सर्वे		15956	..
67	वि.स्वा.सं. एसईआईएनडी		12050	..
68	वि.स्वा.सं. अल्पावधिक प्रशिक्षण		1191	..
69	कार्यशाला		..	2234
XII	एनआईएएफ	3372	22745	
XIII	एम्स वसूलियों की छूट		84311143	75507347
XIV	बाह्य वसूलियों की छूट		25223098	37952102
XV	नामे/जमा परामर्श का अंतर		..	99519
XVI	**<u>वसूलनीय अग्रिम</u>**			
	क) कार.	.		
	ख) स्कूटर	48000		
	ग) साइकिल	..		

घ) भवन निर्माण अग्रिम	228740		
ङ) कंप्यूटर	43500		
च) त्यौहार	567564	899456	490972
<u>निर्धन रोगी खाता</u>			
प्राप्तियां			
क) ब्याज		5507	5168
ख) दान		174295	97181
ग) विविध प्राप्तियां		497	

घ) भवन निर्माण अग्रिम	..		
ङ) कंप्यूटर	90000		
च) त्यौहार	657000	795000	249000
<u>निर्धन रोगी खाता</u>			
भुगतान		98209	115143
XVII **<u>अंतशेष</u>**			
क) बैंक में नकद		64667551	57013488
ख) नगद राशि (अग्रदाय)		20000	20000
<u>निर्धन रोगी खाता</u>			
नगद /बैंक		186104	104014

उप कुल (ख)	**1019677768**	**949189569**	**1019677768**	**949189569**

<u>हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (ग)</u>

1	**<u>अथशेष</u>**		
क	**<u>बैंक में नगद</u>**		
i)	हृ. तं. केंद्र	168444476	171281243
ii)	सी.टी. रोगी खाता		
	क) बैंक	19675665	16978464
	ख) एफडीआर	306900000	250000000
iii)	एंजियोग्राफी खाता		
	क) बैंक	13114110	32769115
	ख) एफडीआर	74300000	50000000
iv)	गामा नाईफ रोगी खाता		
	क) बैंक	27927424	21748291
	ख) एफडीआर	136800000	117500000
v)	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता		
	क) बैंक	3410417	3831850
	ख) एफडीआर	31800000	32000000
ख	**<u>नगद राशि (अग्रदाय)</u>**		
i)	हृ. तं. केंद्र	40000	40000
ii)	कोषाध्यक्ष के पास नगद राशि	1000	4400
ग	**<u>निर्धन रोगी खाता</u>**		
i)	हृ. तं. केंद्र		
	क) नगद/ बैंक	104900	95562
2	<u>सहायता अनुदान</u>		
	क) पूंजी (नई)	534110000	280000000
	ख) राजस्व सामान्य	100000000	
	ग) गैर-योजना	974600000	1075900000
3	क) विविध प्राप्तियां	10633920	14889154
	ख) व्यक्तिगत वार्ड	28539346	29094008
	ग) एक्सरे	1046825	2469420
	घ) सी.टी.स्केन प्रभार	2022170	1633490
	ङ) अल्ट्रा साउंड	106405	115800
4	एफ.डी. पर ब्याज	22141634	3870381
5	जमानत जमा/ बयाना जमा	10110000	8335000
6	दान	6020	-
7	वापसी एवं वसूलियां	1833470	1325749

1	<u>प्रशासनिक व्यय</u>			
	क) वेतन एवं भत्ते (गैर-योजना)		801287255	884276127
	ख) मजदूरी		4157262	12748740
	ग) यात्रा भत्ते		1648750	1510335
2	<u>भंडार (गैर - योजना)</u>			
	क) मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं अनुरक्षण		12608203	10772465
	ख) सामग्री एवं आपूर्ति		199659278	209326361
				-
3	<u>भंडार (योजना)</u>			
	क) मशीनरी एवं उपकरण (अग्रिम भुगतान)		458864463	195803931
	ख) मशीनरी एवं उपकरण (इंड.)		64861614	65339793
	ग) फर्नीचर एवं उपस्कर		1258424	1629210
	घ) मशीनरी एवं उपकरण के पुर्जे एवं अनुषंगी		20678764	
	ङ) वेतन (योजना)		38956350	
4	भवन अनुरक्षण		20853476	18023034
5	भवन निर्माण (योजना)			20297693
6	लघु कार्य		42103117	
7	कार्यालय आकस्मिकताएं	10280555		
	(i) वर्ष 2009-10 की अवितरित राशि का भुगतान	1000		
	(ii) वर्ष 2010-11 के दौरान न्यून राशि देय परंतु भुगतान नहीं किया गया		10281555	4202395
8	<u>वसूलनीय अग्रिम (गैर - योजना)</u>			
	क) कार	180000	-	
	ख) स्कूटर / मोटर साइकिल		150000	294000
	ग) भवन निर्माण अग्रिम		648500	1248100
	घ) कंप्यूटर		270000	570000
	ङ) साइकिल			-
	च) त्यौहार		1116000	
9	जमानत जमा की			4910000
	वापसी		6634000	
10	दान		272190	258928

8	तंत्रिका विज्ञान रोगी खाता	15034509	20965829
9	थैलियम जांच	1799000	1481250
10	लेवी प्रभार	275240	520870
11	किराया प्रभार/लाइसेंस शुल्क	748467	774021
12	सा.भ.नि.	94856524	96676457
13	नई पेंशन योजना	16209625	11422743
14	<u>वसूलनीय अग्रिम</u>		
	क) साइकिल		450
	ख) स्कूटर	331608	325226
	ग) कार	97320	91192
	घ) भवन निर्माण	1103545	1748621
	ड.) कंप्यूटर	208900	103100
	च) त्यौहार	1005450	
15	हृद जांच	4326420	3974650
16	रक्त जांच/प्रयोगशाला प्रभार	6864220	5715905
17	ई.एच.एस.	4935070	3783960
18	बाह्य वसूली	85387354	98619926
19	संस्थान वसूली (कंप्यूटर अग्रिम)		2400
20	जल प्रभार	41366	39910
21	बर्तन निधि	35592	33600
22	संस्थान वसूली (कंप्यूटर अग्रिम)	17866	12000
23	नाको निधि प्राप्ति	100000	101551
24	संस्थान वसूली (त्यौहार अग्रिम)		6000
25	संस्थान वसूली स्कूटर अग्रिम	14300	
26	संस्थान वसूली भवन निर्माण अग्रिम	11000	
27	परिवहन	1516	
28	प्रधान मंत्री राहत कोष	804279	

11	तंत्रिका विज्ञान रोगी खाता		14416146	16215915
12	रक्त जांच		9526353	3073572
13	हृद जांच		3335063	4361997
14	थैलियम जांच		168525	1311596
15	पी.ए.ओ. को भेजी गई राशि (सा.भ.नि.)		395500	492000
16	जीपीएफ		94461024	96184457
17	नई पेंशन योजना		16209625	11422743
18	ई.एच.एस.	4934945	3784030	
19	बाह्य वसूली		85385914	98618546
20	पीएओ को भेजी गई राशि (कर्म.बीमा.योजना)		1440	1440
21	बर्तन निधि		35592	33600
22	जल प्रभार		41366	39922
23	मुख्य संस्थान को भेजी गई राशि (कंप्यूटर अग्रिम)		15400	2400
24	पी.ए.ओ. को भेजी गई राशि (कंप्यूटर अग्रिम)		2466	12000
25	एन.ए.सी.ओ. निधि (व्यय)		100000	101500
26	डीएआरसी गाजियाबाद को भेजी गई राशि (आकस्मिक अग्रिम)		12000	6000
27	मुख्य संस्थान को भेजी गई भवन निर्माण अग्रिम		11000	
28	मुख्य संस्थान को भेजा गया स्कूटर अग्रिम		2300	
29	प्रधान मंत्री राहत कोष		804279	

<u>सी.टी.रोगी खाता</u>

1	क) रोगियों से प्राप्तियां वर्ष 2010-11 के दौरान	285412734		
	ख) रोगियों को वापसी वर्ष 2010-11	56016456		
	ग) वर्ष 2010-11 के दौरान अर्जित ब्याज में से निर्धन रोगियों का उपचार जमा	7599388	236995666	253684579
2	क) वर्ष 2010-11 के दौरान ब्याज	19785577		
	ख) निर्धन रोगी उपचार व्यय 10-11	7599388	12186189	18921758
3	रद्द किए गए चैक		2827600	3068749

<u>सी.टी.रोगी खाता</u>

1	भंण्डार की खरीद	255304927	214173507
2	बैंक प्रभार		50
3	नए चैक	2254413	1904328

	एंजियोग्राफी रोगी खाता			
1	क) रोगियों से प्राप्तियां वर्ष 2010-11	198420934		
	ख) रोगियों को वापसी	28611774		
	ग) वर्ष 2010-11 के दौरान अर्जित ब्याज में से निर्धन रोगी उपचार	1900673	171709833	157785614
2	क) वर्ष 2010-11 के दौरान ब्याज	5107066		
	ख) निर्धन रोगी उपचार व्यय वर्ष 2010-11	1900673	3206393	4655494
3	रद्द किए गए चैक		1188603	2189121
	गामा नाईफ रोगी खाता			
1	रोगियों से प्राप्तियां वर्ष 2010-11	14440000		
	रोगियों को वापसी	1640000	12800000	17756030
2	ब्याज		9289361	14091092
3	रद्द किए गए चैक		-	
	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता			
1	क) रोगियों से प्राप्तियां वर्ष 2010-11	64711887		
	ख) रोगियों को वापसी	12436660		
	ग) वर्ष 2010-11 के दौरान अर्जित ब्याज में से निर्धन रोगी उपचार जमा	2008252	54283479	38716096
2	सावधि/सीएलटीडी			
	क) ब्याज वर्ष 2010-11	2037766		
	ख) निर्धन रोगी उपचार व्यय वर्ष 2010-11	2008252	29514	1913283
3	रद्द किए गए चैक		101313	211040
	निर्धन रोगी खाता			
	तंत्रिका विज्ञान केंद्र दान		6232	23729

	एंजियोग्राफी रोगी खाता			
1	भंण्डार हेतु खरीद		168999058	159186415
2	बैंक प्रभार			100
3	नए चैक		575365	798719
	गामा नाईफ रोगी खाता			
1	भंण्डार हेतु खरीद		2188300	5426989
2	एम.आर.आई प्रभार		885000	941000
3	नए चैक		75000	-
	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता			
1	भंण्डार हेतु खरीद		47702234	41173076
	हृ.तं.कें.खाते की अपेक्षा तंत्रिका विज्ञान खाते से भंण्डार का भुगतान			65000
2	बैंक प्रभार		195	50
3	नए चैक		207081	223726
	निर्धन रोगी खाता			
	तंत्रिका विज्ञान केंद्र		9200	14391
	अंत शेष			
क	**बैंक में नगद**			
i)	हृ.तं.केंद्र		171455298	168444476
ii)	सी.टी. रोगी खाता			
	(क) बैंक		21625780	19675665
	(ख) एफ.डी.आर		299400000	306900000
iii)	एंजियोग्राफी खाता			
	क) बैंक		14744516	13114110
	ख) एफ.डी.आर		79200000	74300000
iv)	गामा नाइफ रोगी खाता			
	क) बैंक		57268485	27927424
	ख) एफ.डी.आर		126400000	136800000
v)	न्यूरोसर्जरी रोगी खाता			
	क) बैंक		9915213	3410417
	ख) एफ.डी.आर		31800000	31800000
ख	**हृ.तं.केंद्र**			
i)	अग्रदाय	41000	40000	
ii)	कोषाध्यक्ष के पास नगद राशि			1000

ख	**निर्धन रोगी खाता**		
i)	तं. वि. केंद्र बैंक में नगद	101932	104900

उप कुल (ग)	**3206501136**	**2873298173**		**3206501136**	**2873298173**

डॉ. बी.आर.अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (घ)

1	**अथशेष**		
क	**बैंक में नगद**	46936817	27792396
ख	**निर्धन रोगी खाता**		
	क) नगद/बैंक	2419552	2036817
ग	**रोगी उपचार खाता**		
	क) नगद/बैंक	32686499	28571796
	ख) अल्पावधिक निवेश		
	ग) एफ.डी.आर	6000000	6000000
घ	**एचएमसीपीएफ खाता**		
	क)नगद/बैंक	40463	11000
ख	**सहायता अनुदान**		
1	पूंजी (नई)	118000000	90000000
	राजस्व सामान्य	17000000	
2	गैर-योजना	388600000	420800000
3	आई.सी.एम.आर.	375000	375000
4	प्राप्त ब्याज	1936937	1097828
5	विविध अस्पताल प्राप्ति	13454596	18726744
6	आर.टी. आवर्ती निधि	2824110	3346830
7	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान निधि	609725	634910
8	कंप्यूटर अग्रिम वसूलियां	69800	42243
9	वसूलनीय कार अग्रिम	18000	18000
10	त्योहार अग्रिम	180300	
11	स्कूटर/मोटर साइकिल अग्रिम वसूलियां	102816	33330
12	ई.एम.डी एवं सुरक्षा जमा	94000	
	एम्स वसूलियों की छूट	30752418	35856357
	बाह्य वसूलियों की छूट	26502822	23632782
	निर्धन रोगी खाता		
क)	सं.रो.कैं.अ.	442981	353560
ख)	एफडीआर पर ब्याज	316840	609412
ग)	अधिक जमा	2000	
	रोगी उपचार खाता		
	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	36393493	48549953
क)	रद्द किए गए चैक	114324	353853
ख)	ब्याज	4589	82294
	एचएमसीपीएफ खाता		
क)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	3000000	1006074
ख)	बैंक से प्राप्त चैक पुस्तक एवं खाता प्रभार	20550	3000

	शीर्ष		
1	वेतन एवं भत्ते	249539942	279047433
2	त्योहार अग्रिम	213000	
3	टी.ए/डी.ए. के तहत व्यय	2417297	1401876
4	आकस्मिक बिल	2507227	2743069
5	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान	1144373	
6	आर.टी. आवर्ती निधि	4416053	765861
7	भवन अनुरक्षण	10772244	7711653
8	मशीनरी एवं उपकरणों की मरम्मत एवं अनुरक्षण	7856542	
9	कंप्यूटर अग्रिम	60000	268000
10	स्कूटर/मोटर साइकिल अग्रिम	60000	
11	सामग्री एवं आपूर्ति	124918747	122035355
12	बाह्य स्रोत	18889519	15128033
13	ई.एम.डी/एस.डी की वापसी	10000	
14	**योजना**		
(i)	मशीनरी एवं उपकरण हेतु विदेशी खरीद के लिए अग्रिम भुगतान	90877918	43688249
(ii)	मशीनरी एवं उपकरण	15235705	35040522
(iii)	सीमा शुल्क एवं पीडीए (अग्रिम)	15415762	3800000
	(क) मशीनरी एवं उपकरण के पुर्जे एवं अनुषंगी	13413900	
	(ख) पूंजी (लघु कार्य)	3523029	4188937
(vi)	फर्नीचर एवं उपस्कर	19795	111476
15	एम्स वसूलियों की छूट	30752418	35856357
16	बाह्य वसूलियों की छूट	26502822	23632782
	निर्धन रोगी खाता		
क)	वर्ष 2010-11 के दौरान	632962	580237
ख)	विविध	2000	
	रोगी उपचार खाता		
क)	वर्ष 2010-11 के दौरान	38089221	44788934
ख)	विविध	362700	82463
	एचएमसीपीएफ खाता		
क)	वर्ष 2010-11 के दौरान	2063808	958886
ख)	विविध	650	20725
	अंतशेष		
क	**बैंक में नगद**	28911048	46936817
ख	**निर्धन रोगी खाता**	2546411	2419552
ग	**रोगी उपचार खाता**		
	क) नगद/बैंक	30746984	32686499
	ख) एफडीआर	6000000	6000000

				घ	**एचएमसीपीएफ खाता**		
					नगद/बैंक	996555	40463
	उप कुल (घ)	**728898632**	**709934179**			**728898632**	**709934179**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र एवं यूएनडीसीपी परियोजना (ङ)

1	**अथशेष**						
क	**बैंक में नगद**			1	वेतन एवं भत्ते	49627028	54505378
i)	क) एन.डी.डी.टी.सी	11047879	17215421	2	सामग्री एवं आपूर्ति	24684784	28215267
	ख) यू.एन.डी.सी.पी	464680	239532	3	मज़दूरी	4226506	5818040
				4	पुस्तकें एवं प्रकाशन	423698	636026
1	सहायता अनुदान (डीएसी)	79000000	83300000	5	फर्नीचर		248757
2	अस्पताल प्राप्ति	309370	353520	6	मशीनरी एवं उपकरण	3932193	727083
3	विविध प्राप्ति	56298	3103073	7	जमानत वापसी	5000	25000
4	कार अग्रिम वसूली		17280	8	अस्थायी अग्रिम	48932	365000
5	जमानत बयाना राशि		15000	9	पुस्तकें एवं प्रकाशन अग्रिम	2538050	2102364
6	यूएनडीसीपी से अंतरित		86500	10	सीमा शुल्क अग्रिम		400000
				11	मोटर वाहन	3669738	
	संस्थान वसूली				**संस्थान वसूली की छूट**		
1	सा.भ.नि. अंशदान एवं अग्रिम	7502439	7384074	1	सा.भ.नि. अंशदान एवं अग्रिम	7502439	7384074
2	वाहन	15190	20500	2	वाहन	15190	20500
3	भ.नि. अग्रिम	68640	206288	3	भ.नि. अग्रिम	68640	206288
4	लाइसेंस शुल्क	47182	57975	4	लाइसेंस शुल्क	47182	57975
5	ऑफिसर एसोशिएसन	2360	2600	5	ऑफिसर एसोशिएसन	2360	2600
6	कर्म. बीमा योजना	42465	44645	6	कर्म. बीमा योजना	42465	44645
7	कर्म. स्वा. यो.	253775	219630	7	कर्म. स्वा. यो.	253775	219630
8	कंप्यूटर वसूली	11870	8004	8	कंप्यूटर वसूली	11870	8004
9	फैकल्टी क्लब	700	800	9	फैकल्टी क्लब	700	800
10	प्रधान मंत्री राहत कोष	28461		10	नई पेंशन योजना	549038	438391
11	नई पेंशन योजना	549038	438391	11	प्रधान मंत्री राहत कोष	28461	
	बाह्य वसूली				**बाह्य वसूली**		
1	आयकर	2882758	4770311	1	आयकर	2882758	4770311
2	जीवन बीमा निगम	48492	45236	2	जीवन बीमा निगम	48492	45236
3	कोर्ट वसूली	51996	46411	3	कोर्ट वसूली	51996	46411
4	सोसायटी	2895684	2368008	4	सोसायटी	2895684	2368008
	राष्ट्रीय औषद्य निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी) (यूएनडीसीपी परियोजना)				**राष्ट्रीय औषद्य निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी) (यूएनडीसीपी परियोजना)**		
1	सहायता अनुदान	7525450	1358496	1	क) टी.ए.	170000	121097
					क) डी.ए.	11900	
2	विविध प्राप्ति	37808	24866		ग) वेतन एवं भत्ते	21400	
				2	क) कार्यालय आकस्मिकता	231073	57900
					ख) जलपान	28900	37990
					ग) आवास	68727	
					घ) मुद्रण सामग्री लेखन सामग्री		19973
					ङ) वेतन		549662
					च) परिवहन	33090	
					छ) दवाई		92477
				3	विश्व स्वास्थ्य संगठन हेतु वापसी		180715
				4	एनडीडीटीसी हेतु अंतरित		86500
					अंतशेष		
				क	**बैंक में नगद**		
				i)	एन.डी.डी.टी.सी.	1257618	11047879
				ii)	यू.एन.डी.सी.पी	7474748	464680
	उप कुल (ङ)	**112842535**	**121326561**			**112842535**	**121326561**

जे.पी.एन. एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (च)

1	**अथशेष**		
	बैंक में नगद	7809730	445047
2	**सहायता अनुदान**		
i)	पूंजी (नई)	360000000	
ii)	राजस्व सामान्य	649600000	794400000
3	**अन्य प्राप्तियां**		
	क) अस्पताल प्राप्तियां	18574399	7804224
	ख) जमानत जमा (ईएमडी)	7648000	5155000
	ग) टीडीआर पर ब्याज	3665413	740317
	घ) विविध प्राप्ति (रोगी खाता, एटलस/अन्य अन्तरणीय देयताएं)	1722781	12190988
	त्योहार अग्रिम वसूली	9600	
	उप कुल (च)	**1049029923**	**820735576**

1	(क) भवन निर्माण - पूंजीगत कार्य	21279035	56619050
	(ख) इंजी. अनुरक्षण आदि	84730316	61599882
	(ग) एनडीएमसी हेतु जमानत जमा	5979000	
	(घ) आईजीएल हेतु जमानत जमा	1200000	
	(ङ) आईजीएल हेतु 50 प्रतिशत जमानत जमा	104680	
	(च) "ट्राईजन" हेतु अग्रिम भुगतान (ऊर्जा मंत्रालय) एमओयू अनुसार)	1170000	
	(छ) एचएससीसी हेतु भुगतान	13500000	
2	**मशीनरी एवं उपकरण**	110222922	98643429
	श्रमशक्ति		
	आवर्ती एवं बाह्य स्रोत	35875309	25993570
	वेतन एवं भत्ते	290394817	274857146
	त्योहार अग्रिम	30000	
3	सामग्री एवं आपूर्ति/आकस्मिकता	196834112	115224004
	फर्नीचर एवं उपस्कर	342449	1004941
4	**मशीनरी एवं उपकरण**		
	(क) विदेशी खरीद हेतु किया गया अग्रिम भुगतान	184766328	154658421
	(ख) सीमा-शुल्क के रूप में अग्रिम भुगतान	70000000	10000000
	(ग) पीडीए के रूप में अग्रिम भुगतान	500000	
5	**वापसी**		
	जमानत वापसी	5970000	6770000
	(रोगी खाता एटलस/अन्य अंतरणीय देयताएं)	5004694	7555403
6	**अंत शेष**		
	बैंक में नगद	21126261	7809730
		1049029923	**820735576**

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (छ)

क	**बैंक में नगद**		
(i)	सीडीईआर	2107815	4800935
	नगद राशि	5000	5000
1	**सहायता अनुदान**		
i)	पूंजी (नई)	28000000	
ii)	राजस्व सामान्य	46900000	82200000
2	जमानत जमा	755000	2084000
3	बैंक द्वारा एसटीडीआर पर ब्याज	1499528	485612
4	विविध प्राप्ति	25900	535178
5	अस्पताल प्राप्ति	1628070	1817420
	उप कुल (छ)	**80921313**	**91928145**
	महायोग (क) से (छ)	**19776912413**	**20505760949**

1	वेतन एवं भत्ते	11775860	7491000
	कार्यालय व्यय	1691812	2154000
	बैंक प्रभार	3175	13972
2	मशीनरी एवं आपूर्ति	23408061	27379000
3	(क) भवन अनुरक्षण		4576411
	(ख) अनुरक्षण	5282751	2199000
	(ग) पूंजीगत कार्य	5770563	
4	मशीनरी एवं उपकरण		
(i)	वास्तविक भुगतान	22067175	15883986
(ii)	विदेशी खरीद हेतु किया गया अग्रिम भुगतान		25438345
5	एनडीएमसी हेतु अग्रिम भुगतान		3040000
6	वोल्टास लि. हेतु अग्रिम भुगतान		184589
7	जमानत वापसी	1094825	1455027
	अंतशेष		
क	बैंक में नगद	9822091	2107815
ख	नगद राशि (अग्रदाय)	5000	5000
		80921313	**91928145**
		19776912413	**20505760949**

वित्त सलाहकार **वरिष्ठ वित्त सलाहकार** **निदेशक**

<u>अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान</u>

वर्ष 2010-2011 का आय एवं व्यय लेखा

अ.भा.आ.सं. (मुख्य) (क)

	व्यय		2010-11	2009-10		आय		2010-11	2009-10
	गैर-योजना					**सहायता अनुदान**			
						योजना		117141981	
1	वेतन एवं भत्ते		2546333850	2999687905		**गैर योजना**		4258300000	4383250000
						राजस्व प्राप्तियां			
2	वृत्तिका		12510578	7867010					
					1	अस्पताल प्राप्तियां		129405501	119638125
3	यात्रा भत्ते		20592177	16426033					
4	पेंशन लाभ		417243159	428910438	2	शिक्षण शुल्क एवं परीक्षा शुल्क		13364877	5288069
5	सामग्री एवं आपूर्ति		1100081001	959221285	3	कर्मचारी स्वास्थ्य योजना		29459258	22604568
6	कार्यालय आकस्मिकता		398106891	311132501	4	लाइसेंस शुल्क		21945641	21341031
7	मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं अनुरक्षण		57160004	45712951	5	ब्याज		59604694	40379679
					6	विविध प्राप्तियां		149321385	302475713
8	भवन अनुरक्षण		95161141	83429751					
9	नई पेंशन योजना	102906967							
	i) न्यून प्राप्तियां	32865457	70041510	48962143					
10	एल.एस.पी.सी		3264658	158228					
11	बीमा योजना से जुड़ी हुई जमा		402697	120000					
12	वेतन एवं भत्ते (योजना)		117141981						
13	**निरीक्षण समिति**								
	वेतन एवं भत्ते		55100000						
	छात्रावास					**छात्रावास**			
1	विविध व्यय		27960	360	1	विविध आय		57575	67035
					2	ब्याज		42483	335943
	व्यय पर आय की अधिकता					**आय पर व्यय की अधिकता**			
1	अ.भा.आ.सं. (मुख्य)				1	अ.भा.आ.सं. (मुख्य)		114596310	6651060
2	छात्रावास		72098	402618					
	उप कुल (क)		**4893239705**	**4902031223**				**4893239705**	**4902031223**

<u>डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र (ख)</u>

	व्यय		2010-11	2009-10		आय		2010-11	2009-10
1	वेतन	352614026		409251527	1	**i)** सहायता अनुदान			
	वेतन (राजस्व सामान्य)	24777754	377391780			(गैर योजना)	428500000		480000000
						ii) राजस्व सामान्य	24777754	453277754	
2	दैनिक मजूदरी			4172866	2	अस्पताल प्राप्तियां आई/सी किट्स		130553120	128281488
3	यात्रा व्यय		2382037	2281696	3	वसूलनीय अग्रिम पर ब्याज		411582	219997
					4	विविध प्राप्तियां		3665349	3866075
4	सामग्री एवं आपूर्ति				5	सीएलटीडी पर ब्याज		5177059	1265364
	i) रिग. भुगतान	160058074							
	ii) वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्त सामग्री	14979927	175038001	164914894					
5	कार्यालय व्यय		15905165	12770927					
6	भवन अनुरक्षण		5584625	4651014					
7	**i)** मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं अनुरक्षण		465472	3424512					

	व्यय पर आय की अधिकता						
	डॉ. रा.प्र.केंद्र	16317784	12165488				
	उप कुल (ख)	**593084864**	**613632924**			**593084864**	**613632924**

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (ग)

	गैर-योजना			**1**	**सहायता अनुदान**		
					(क) योजना (वेतन)	38956350	
1	वेतन एवं भत्ते एवं मजदूरी	805444517	897024867		**(ख)** गैर-योजना	974600000	1075900000
2	यात्रा व्यय	1648750	1510335	**2**	**राजस्व प्राप्तियां**		
3	सामग्री एवं आपूर्ति	199659278	209326361		क) अस्पताल प्राप्तियां 31714746		
					ख) वर्ष 2010-11 में बाह्य रोगियों		
4	कार्यालय आकस्मिकता	10280555	4198995		से प्राप्त राशि -		
					ग) वर्ष 2010-11 में देय राशि 153635	31868381	33036902
5	मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं अनुरक्षण	12608203	10772465				
6	भवन अनुरक्षण	20853476	18023034	**3**	विविध प्राप्तियां	10633920	14889205
				4	किराया प्रभार/लाइसेंस शुल्क	748467	774021
7	वेतन योजना	38956350					
				5	वापसी एवं वसूली	1833470	1325749
				6	अर्जित ब्याज	22141634	3870381
				7	लेवी प्रभार	275240	520870
				8	परिवहन	1516	
	सी.टी.रोगी खाता				**सी.टी.रोगी खाता**		
1	भण्डार हेतु खरीद	255304927	214173507	**1**	रोगियों से प्राप्तियां	236995666	253684579
2	बैंक प्रभार		50	**2**	वर्ष 2010-11 के दौरान ब्याज	12186189	18921758
				3	रद्द किए गए चैक	2827600	3068749
	एंजियोग्राफी रोगी खाता				**एंजियोग्राफी रोगी खाता**		
1	भण्डार हेतु खरीद	168999058	159186415	**1**	रोगियों से प्राप्तियां	171709833	157785614
2	बैंक प्रभार		100	**2**	वर्ष 2010-11 के दौरान ब्याज	3206393	4655494
				3	रद्द चैक	1188603	2189121
	गामा नाइफ रोगी खाता				**गामा नाइफ रोगी खाता**		
1	भण्डार की खरीद	2188300	5426989	**1**	रोगी प्राप्तियां	12800000	17756030
2	एमआरआई प्रभार	885000	941000	**2**	ब्याज	9289361	14091092
3	नए चैक	75000					
	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता				**तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता**		
1	भण्डार की खरीद	47702234	41173076	**1**	रोगियों से प्राप्तियां	54283479	38716096
	हृ.तं.कें. खाते की अपेक्षा तंत्रिका विज्ञान रोगी			**2**	सावधि/सीएलटीडी ब्याज	29514	1913283
	खाते से भंडार भुगतान		65000				
				3	रद्द चैक	101313	211040
2	बैंक प्रभार	195	50				
	व्यय पर आय की अधिकतमा				**आय पर व्यय की अधिकता**		
2	सी.टी. रोगी खाता		61501529	**1**	हृ.तं.कें.	8392151	10538929
3	एंजियो रोगी खाता	7105771	5443714	**2**	सी.टी.रोगी खाता	3295472	
4	गामा नाइफ रोगी खाता	18941061	25479133	**3**	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता		397707
5	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता	6711877					
	उप कुल (ग)	**1597364552**	**1654246620**			**1597364552**	**1654246620**

डॉ.बी.आर.अं. संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (घ)

1	वेतन एवं भत्ते	249539942	279047433	1	सहायता अनुदान (गैर-योजना)	388600000	420800000
2	टी.ए./डी.ए. व्यय	2417297	1401876	2	अस्पताल प्राप्तियां	13454596	18726744
3	सामग्री एवं आपूर्ति	124918747	122035355	3	आई.सी.एम.आर.	375000	375000
4	भवन अनुरक्षण	10772244	7711653	4	ब्याज प्राप्तियां	1936937	1097828
5	बाह्य स्रोत	18889519	15128033				
6	आकस्मिक व्यय	2507227	2743069				
7	मशीनरी एवं उपकरण की मरम्मत एवं अनुरक्षण	7856542					
	व्यय पर आय की अधिकता				**आय पर व्यय की अधिकता**		
	सं.रो.कैं.अ.		12932153		सं.रो.कैं.अ.	12534985	
	उप कुल (घ)	**416901518**	**440999572**			**416901518**	**440999572**

राष्ट्रीय औषद्य निर्भरता उपचार केंद्र एवं यू.एन.डी.सी.पी.परियोजना (ङ)

1	वेतन एवं भत्ते	49627028	54505378	1	सहायता अनुदान (योजना)	68436321	79185770
2	मजदूरी	4226506	5818040	2	अस्पताल प्राप्ति	309370	353520
3	सामग्री एवं आपूर्ति	24884784	28215267	3	विविध प्राप्ति	56298	3103073
	वर्ष 2010-11			4	अंतरित (यू.एन.डी.सी.पी)		86500
	राष्ट्रीय औषद्य निर्भरता उपचार				**राष्ट्रीय औषद्य निर्भरता उपचार**		
	केंद्र (एन.डी.डी.टी.सी.) (यूएनडीसीपी परियोजना)				**केंद्र (एन.डी.डी.टी.सी.) (यूएनडीसीपी परियोजना)**		
1	टीए/डीए	170000	132997	1	सहायता अनुदान (योजना)	7525450	1358496
2	विविध/कार्यालय आकस्मिकता	231073	77873	2	विविध प्राप्ति	37808	24866
3	एनडीडीटीसी खाते हेतु अंतरित		86500				
4	वि.स्वा.सं. को वापसी		180715				
5	वेतन एवं भत्ते	21400	549662				
6	आवास	68727					
7	जलपान	28900	37990				
8	परिवहन	33090					
9	दवाई		92477				
	व्यय पर आय की अधिकता				**आय पर व्यय की अधिकता**		
1	यू.एन.डी.सी.पी परियोजना	7010068	225148		एनडीडीटीसी	9936329	5809822
	उप कुल (ङ)	**86301576**	**89922047**			**86301576**	**89922047**

जे.पी.एन. एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (च)

1	सामग्री एवं आपूर्ति/आकस्मिकता	196834112	115224004	1	सहायता अनुदान राजस्व (जी) (श्रम शक्ति/अनिवार्य सेवाएं)	600535586	473474159
2	श्रम शक्ति/बाह्य स्रोत	35875309	25993570	2	अस्पताल प्राप्तियां	18574399	7804224
3	वेतन एवं भत्ते	290394817	274857146	3	टीडीआर पर ब्याज	3665413	740317
4	इंजी. अनुरक्षण आदि	84730316	61599882				
	व्यय पर आय की अधिकता						
	जे.पी.एन.एपेक्स ट्रॉमा केंद्र	14940844	4344098				
	उप कुल (च)	**622775398**	**482018700**			**622775398**	**482018700**

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (छ)

1	वेतन एवं भत्ते	11775860	7491000	1	सहायता अनुदान (योजना) (आरजी)	46900000	40975173
2	सामग्री एवं आपूर्ति	23408061	31955411	2	बैंक द्वारा एसटीडीआर पर ब्याज	1499528	485612
3	भवन अनुरक्षण	5282751	2199000	3	विविध प्राप्तियां	25900	535178
4	कार्यालय व्यय	1691812	2154000	4	अस्पताल प्राप्तियां	1628070	1817420
5	बैंक प्रभार	3175	13972				
	व्यय पर आय की अधिकता				**आय पर व्यय की अधिकता**		
	दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र	7891839					
	उप कुल (छ)	**50053498**	**43813383**			**50053498**	**43813383**
	महायोग (क) से (छ)	**8259721111**	**8226664469**			**8259721111**	**8226664469**

वित्त सलाहकार **वरिष्ठ वित्त सलाहकार** **निदेशक**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2011 के अनुसार तुलन पत्र

अ.भा.आ.सं.(मुख्य)(क)

	देयताएं अ.भा.आ.सं.(मुख्य)		2010-11	2009-10
1	शेष			
क)	राशि देय परंतु भुगतान नहीं (स्कीम सेल)		384882	325606
2 क)	भारत सरकार से पूंजी अनुदान			
i)	वर्ष 2009-10 तक	8734103764		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	1679973887		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान निराकृत मशीनरी एवं उपकरण के कारण न्यून	80461385		
iv)	वर्ष 2010-11 के दौरान छंटाई की गई न्यून पुस्तकें	4249		
v)	वर्ष 2010-11 के दौरान निराकृत फर्नीचर के कारण न्यून	1797110		
vi)	वर्ष 2010-11 के दौरान निराकृत वाहन के कारण न्यून	929000	10330885907	8734103764
ख)	**निरीक्षण समिति वर्ष 2010-11 के दौरान अनुदान**		317500000	
3	पीएमआरए डीआईपी स्कीम हेतु कल्याण मंत्रालय से प्राप्त अनुदान		1218	1218
4	केंद्रीयकृत दुर्घटना एवं अभिघात सेवाएं		29142	29142
5	मुधमेह नियंत्रण		420000	420000
6	एड्स		2400000	2400000
7	गैर-संस्थान योजनाएं विशिष्ट प्रयोजन हेतु प्राप्त अनुदानों का अव्ययित शेष (परिशिष्ट - क)		473784355	437660749
8	दान किये गए वाहन			
क)	वर्ष 2009-10 तक	3036507		3036507
ख)	वर्ष 2010-11 के दौरान	693380		
ग)	वर्ष 2010-11 के दौरान निराकृत वाहन	221690	3508197	
9	दान की गई पुस्तकें			
क)	वर्ष 2009-10 तक	152608		
ख)	वर्ष 2010-11 के दौरान	13630	166238	152608
10	दान (परिशिष्ट - ग)		10902514	10902514
11	विविध दान (परिशिष्ट - घ)			
क)	वर्ष 2009-2010 तक	2781276		
ख)	वर्ष 2010-2011 के दौरान प्राप्तियां	290450		

	परिसंपत्ति अ.भा.आ.सं.(मुख्य)		2010-11	2009-10
1	नगद राशि			
क)	अग्रदाय (एम्स कोषाध्यक्ष)		292524	281524
ख)	राशि देय परंतु भुगतान नहीं (स्कीम सेल)		384882	325606
2	बैंक में नगद			
क)	(i) अ.भा.अ.सं. (मुख्य)	452534434		
	(ii) अ.भा.अ.सं. (मुख्य) के पास बचे हुए विशिष्ट अनुदानों का अव्ययित शेष	408232569	860767003	835060477
ख)	स्कीम सेल		62074945	168733316
3	सा.भ.नि.बैंक खाता		67558097	180803780
4	नई पेंशन योजना बैंक खाता		10867288	111781410
5	निवेश (परिशिष्ट - ग)		3014594656	2275611889
6	सिल्वर जुबली निधि		200000	200000
7	विविध देनदान स्कीम सेल (परिशिष्ट - ख)		3476841	3287461
8	विविध जमा (परिशिष्ट - ङ)		330986	330986
9	वसूलनीय अग्रिम			
i)	कार		1806789	2536265
ii)	मोटर साइकिल - स्कूटर		1064104	1089163
iii)	साइकिल		129291	131031
iv)	कंप्यूटर अग्रिम		3391264	3847234
v)	भवन निर्माण अग्रिम		14852641	15986718
VI)	त्योहार		1751675	
10	बाह्य वसूलियां			
11	कर्मचारी बीमा योजना		814015	598481
12	फर्नीचर एवं उपस्कर (एम्स)			
क)	वर्ष 2009-2010 तक	182079		
ख)	वर्ष 2010-2011 के दौरान	2339116		
ग)	वर्ष 2010-11 के दौरान निराकृत फर्नीचर	1797110	724085	182079
13	मशीनरी एवं उपकरण			
क	अ.भा.आ.सं.(मुख्य)			
क)	वर्ष 2009-2010 तक	4726236653		
ख)	वर्ष 2010-11 के दौरान	398578448		
ग)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्त उपकरण	610374508		
घ)	वर्ष 2010-11 के दौरान निराकृत मशीनरी	80461385	5654728224	4726236653

ग)	वर्ष 2010-2011 के दौरान न्यून व्यय	198250	2873476	2781276
12	कर्मचारी बीमा योजना			
13	बाह्य वसूलियां		41567597	46884192
14	जमा कार्य			
(क)	स्टारफोर्ड इण्डिया		1589098	1589098
		-		
(ख)	राजगढिया विश्राम सदन		1483711	1483711
(ग)	सुरेखा विश्राम सदन		1985	1985
15	जमानत जमा / बयाना राशि			
क)	वर्ष 2009-10 तक	92150129		
ख)	वर्ष 2010-11 के दौरान	39561396		
ग)	प्राप्तियों से भुगतान वर्ष 2009-10 तक	34131812		
घ)	वर्ष 2010-11 की प्राप्तियों से भुगतान	665000	96914713	92150129
16	अवधान राशि			
क)	वर्ष 2009-10 तक	1279133		
ख)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्तियां	45300	1324433	1279133
17	सा.भ.नि. खाता (परिशिष्ट-च)		2729734329	2353997245
18	नई पेंशन योजना (परिशिष्ट-च)		352767288	203681410
19	बर्तन निधि			
	i) वर्ष 2009-2010 तक	1555792		
	ii)वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	407585	1963377	1555792
20	नाको			
क)	मशीनरी एवं उपकरण	-	1932605	1932605
21	आवर्ती निधि			
	क) वर्ष 2009-10 तक	106643201		
	i) वर्ष 2010-2011 के दौरान प्राप्तियां	70164253		
	ii) वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	61303001	115504453	106643201
22	प्रसवोत्तर कार्यक्रम			
	क) वर्ष 2009-10 तक	649830		
	ख) वर्ष 2010-2011 के दौरान प्राप्तियां	600000		
	ग) वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	684780	565050	649830
23	वी.वी.आई.पी		120842	1207055
24	वर्ष 2010-11 तक संसद भवन एनेक्सी पर वी.वी.आई.पी. उपचार		7600	7600
25	कोक्लियर रोगी उपचार खाता			
	वर्ष 2009-10 तक	26684126		
	क) वर्ष 2010-2011 के दौरान प्राप्तियां	36724000		
	ख) वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	37227550		
	ग) अग्रिम भुगतान पर व्यय	25369000	811576	26684126

ख	एड्स	820600	820600	
ग	नाको खरीदी गई मशीनरी एवं उपकरण		1932605	1932605
14	अग्रिम भुगतान			
क	सामग्री एवं आपूर्ति (गैर-योजना)			
क)	वर्ष 2009-2010 तक	10368856		
ख)	वर्ष 2010-2011 के दौरान	13495899		
ग)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्त न्यून सामग्री एवं आपूर्ति	16512244	7352511	10368856
ख	मशीनरी एवं उपकरण की विदेशी खरीद हेतु (योजना)			
क)	वर्ष 2009-2010	446022206		
ख)	वर्ष 2010-2011 के दौरान	420062408		
ग)	वर्ष 2010-2011 के दौरान प्राप्त न्यून उपकरण	610374508	255710106	446022206
ग	भवन सामग्री की खरीद हेतु पीएंडएओ को अग्रिम भुगतान			
क)	वर्ष 2010-11 तक		35479228	35479228
घ	अस्थायी आकस्मिक अग्रिम			
क)	वर्ष 2009-2010 तक	8541158		
ख)	वर्ष 2010-11 के दौरान	22974388		
ग)	वर्ष 2010-2011 के दौरान किये गए पिछले वर्ष का समायोजन	7891094	23624452	8541158
ङ	भंडार हेतु प्राइवेट फर्म			
क)	वर्ष 2009-2010 तक	6455784		
ख)	वर्ष 2010-2011 के दौरान	3037061		
ग)	वर्ष 2010-2011 के दौरान न्यून समायोजन	5883525	3609320	6455784
च	विद्युत कनेक्शन के लिए सुरक्षा हेतु सचिव, एनडीएमसी		670950	670950
छ	पी एंड ए.ओ (भंडार प्राप्ति हेतु)			
क)	वर्ष 2009-2010 तक	4611967		
ख)	वर्ष 2010-2011 के दौरान	4000000		
ग)	वर्ष 2010-2011 के दौरान न्यून समायोजन	5377710	3234257	4611967
ज	मशीनरी एवं उपकरण हेतु सीमा शुल्क			
क)	वर्ष 2009-2010 तक	50111963		
ख)	वर्ष 2010-2011 के दौरान जमा	79870853	129982816	50111963
झ	पुस्तकें एवं पत्रिकाओं हेतु			
क)	वर्ष 2009-2010 तक	64220729		
ख)	वर्ष 2010-2011 के दौरान जमा	37080547		
ग)	पिछले वर्षों में किये गए अग्रिमों का समायोजन	60528455	40772821	64220729
ञ	कोक्लियर प्रतिरोपण रोगी उपचार खाता			
क)	वर्ष 2009-2010 तक	25369000		
ख)	वर्ष 2010-2011 के दौरान जमा	-		
ग)	वर्ष 2010-2011 के दौरान समायोजन	25369000	0	25369000
ट	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, एसजेएच पीडी को नाला हेतु		118000000	118000000

26	जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) खाता			
	क) वर्ष 2009-10 तक	25000		
	ख) वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	26000		
	ग) वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	25000	26000	25000
27	वि.स्वा.सं.इन-कंट्री फैलोशिप खाता			
	क) वर्ष 2009-10 तक	1139271		
	ख) वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	-		
	ग) वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	345012	794259	1139271

ठ	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, एसजेएच पीडी को डॉ. छात्रावास हेतु	1181250	1181250
ड	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, एसजेएच पीडी को सब-स्टेशन निर्माण हेतु	5000000	5000000
ढ	मैं. दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन	60842700	60842700
ण	एन.डी.एम.सी. को पूर्वी एवं पश्चिमी परिसर में एल.टी.-लाइन के आवर्धन हेतु	12755500	12755500
त	एनडीएमसी को एचटी ट्रांसफार्मर एवं केबल डालने हेतु	7463500	7463500
थ	नाला ढकना	153383000	153383000
द	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को लिफ्ट हेतु	14000000	14000000
ध	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को शल्य चिकित्सा वार्ड हेतु	1711770	1711770
न	कैरियर इक्यूपमेंट इंडिया प्राइवेट लि.को भवन निर्माण हेतु	192602	192602
प	इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन को लुबरीकेंट डीजल ऑयल हेतु	7895039	7895039
फ	एनडीएमसी को भवन निर्माण हेतु	18733600	18733600
ब	एम्स में इंजी. सेवा विभाग का अपग्रेडिंग आर्किटेक्चरल सेल	45132	45132
भ	मुख्य लेखा नियंत्रक (मै. दीपक इलै. कं.) विद्युत कार्य हेतु	190890	190890
म	मुख्य लेखा नियंत्रक (मै. सेनिको इंड.) विद्युत कार्य हेतु	98486	98486
य	मुख्य लेखा नियंत्रक (मै. सूर्य रोशनी) विद्युत कार्य हेत	266165	266165
कक)	मै.ब्लू स्टार लि. (वातानुकूलन कार्य हेतु) अनुरक्षण के लिए	1742488	1742488
कख)	मै.ब्लू स्टार लि. (वातानुकूलन कार्य हेतु) निर्माण के लिए	222853	222853
कग)	मै. कंप्टन ग्रीब्ज लि. (विद्युत कार्य हेतु)	180807	180807
कघ)	मै. यूनिवर्सल कंफर्ट (वातानुकूलन कार्य हेतु)	1262512	1262512
कङ)	मै. कैरियर एयर (वातानुकूलन कार्य हेतु)	2415422	2415422
कच)	मै. विडियोकॉन इंड लि. (वातानुकूलन कार्य)	1083247	1083247
कछ)	मै. वोल्टास लि. वातानुकूलन कार्य	859688	859688
कज)	मुख्य लेखा नियंत्रक भंडार खरीद हेतु	3343957	3343957
कझ)	मै इंद्रप्रस्थ सीएनजी पाइप लाइन हेतु	10405000	10405000
कञ)	आपूर्ति एवं निपटान महानिदेशालय मै. रश्मि इंड्स्ट्री वातानुकूलन कार्य हेतु	2976242	2976242
कट)	मै. एलजी इलैक्ट. स्पिलिट एसी वातानुकूलन एवं विद्युत कार्य हेतु	1192355	1192355

कठ)	एक्स इंजी. एसजे. एच (सीपीडब्ल्यूडी) सिवेज ट्रीटमेंट संयत्र हेतु	11344542	11344542
कड)	मै. हिटेची फ्लेक्स वातानुकूलन कार्य हेतु)	1032950	1032950
कढ)	मै. एचएससीसी लि. निर्माण हेतु	1000000	1000000
कण)	न्यायमूर्ति लोकेश्वर प्रसाद मध्यस्थता शुल्क हेतु	22201	22201
कत)	कुल सचिव, गुरू गोविंद सिंह विश्वविद्यालय, परामर्श शुल्क हेतु	18000	18000
कथ)	मै. इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन लुबरीकेंट डीजल ऑयल हेतु (लघु कार्य)	2487842	
कद)	मै. इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन लुबरीकेंट डीजल ऑयल हेतु (बड़े कार्य)	457695	
कध)	मै. एचएससीसी, मास्टर प्लान की तैयारी हेतु (बड़े कार्य)	105874500	
कद)	मै. एचएससीसी, रा.कु.अ.ओ.पी.डी की मरम्मत एवं नवीकरण हेतु (बड़े कार्य)	136540015	
कप)	मै. एचएससीसी, सरलीकरण ब्लॉक हेतु (बड़े कार्य)	14500000	
कफ)	मै. एचएससीसी, पी.सी. शिक्षण खंड निर्माण (बड़े कार्य)	3000000	
कब)	मै. एल्पाइन इंडस्ट्री, पीओएसी यूनिट हेतु (बड़े कार्य)	36918	
कभ)	मै. एल्पाइन इंडस्ट्री, पीओएसी यूनिट हेतु (लघु कार्य)	285376	
कम)	मै. सिदवाल रैफ्रीजिरेशन, पीओएसी यूनिट हेतु (लघु कार्य)	290518	
कय)	मै. सिदवाल रैफ्रीजिरेशन, पीओएसी हेतु (बड़े कार्य)	481289	
खक)	मै. कोहली एंड कं., वातानुकूलन हेतु (लघु कार्य)	253034	
खख)	मै. विडियोकॉन इंड. लि., पीओएसी हेतु (लघु कार्य)	59622	
खग)	मै. अणु सोलर पावर (पी) लि. वातानुकूलन हेतु (लघु कार्य)	1495194	
खघ)	मै. अणु सोलर पावर (पी) लि. वातानुकूलन हेतु (बड़े कार्य)	6454930	
खङ)	मै. यूनिवर्सल कंफर्ट, एसी यूनिट हेतु (लघु कार्य)	1513900	
खच)	मै. एलजी इलैक्ट. पीओएसी हेतु (बड़े कार्य)	1310504	
खछ)	मै. एलजी इलैक्ट. पीओएसी हेतु (लघु कार्य)	335815	
खज)	एक्स इंजी. एसजेएच (सीपीडब्ल्यूडी), सिवेज ट्रीटमेंट संयत्र हेतु (लघु कार्य)	12500000	
खझ)	एक्स इंजी. एसजेएच (सीपीडब्ल्यूडी), अतिरिक्त लिफ्ट स्थापित करने हेतु (बड़े कार्य)	4868896	
खञ)	एक्स इंजी. सीपीडब्ल्यूडी, वार्ड ब्लॉक में लिफ्ट स्थापित करने हेतु (बड़े कार्य)	1000000	
खट)	एक्स इंजी. सीपीडब्ल्यूडी, सिवेज ट्रीटमेंट संयंत्र हेतु (बड़े कार्य)	10900000	
खठ)	एक्स इंजी. सीपीडब्ल्यूडी, नाला चरण-2 ढकने हेतु (बड़े कार्य)	50000000	
खड)	एक्स इंजी. एक्स सीपीडब्ल्यूडी, छात्रावास निर्माण हेतु (बड़े कार्य)	5000000	
खढ)	मै. हिटेची होम्स सोल्यूशन, पीओएसी हेतु (लघु कार्य)	3823111	
खण)	मै. हिटेची होम्स सोल्यूशन, पीओएसी हेतु (बड़े कार्य)	488308	

खत)	मै. गुरूदेव सिंह सन्स, वातानुकूलन हेतु (लघु कार्य)		302357	
खथ)	मै. उषा इंटरनेशनल लि., वातानुकूलन हेतु (लघु कार्य)		315020	
15	पुस्तकें एवं प्रकाशन			
i)	पुस्तकें एवं पत्रिकाएं (खरीदी)			
	क) वर्ष 2009-2010 तक	226722956		
	ख) वर्ष 2010-2011 के दौरान	16783481		
	ग) वर्ष 2010-11 के दौरान छंटायी की गई न्यून पुस्तकें	4249		
	घ) गत वर्ष में किये गए अग्रिमों का समायोजन	60528455	304030643	226722956
ii)	दान की गई पुस्तकें			
	क) वर्ष 2009-2010 तक	152608		
	ख) वर्ष 2010-2011 के दौरान	13630	166238	152608
16	भवन निर्माण			
	अ.भा.आ.सं.(मुख्य)			
क)	वर्ष 2009-2010 तक	2532421369		
ख)	वर्ष 2010-2011 के दौरान	267850485	2800271854	2532421369
18	**अग्रिम भुगतान**			
i)	इण्डियन आयरन एंड स्टील कं.		572139	572139
ii)	टाटा आयरन एंड स्टील कं.		654154	654154
iii)	हिंदुस्तान स्टील लि.		520295	520295
iv)	इण्डियन आयरन एंड स्टील कं.		594000	594000
19	**भूमि लेखा**			
	वर्ष 2010-2011 तक		112832263	112832263
20	वाहन			
क	वाहन (एम्स हेतु खरीद)			
क)	वर्ष 2009-2010 तक	31944554		
ख)	वर्ष 2010-2011 के दौरान	-		
i)	परिवहन कार्यालय			
ii)	अस्पताल भंडार			
ग)	वर्ष 2010-11 के दौरान न्यून निराकृत वाहन	929000	31015554	31944554
ख	एम्स हेतु दान किये गए वाहन			
क)	वर्ष 2009-2010 तक	3036507		
ख)	वर्ष 2010-2011 के दौरान	693380		
ग)	वर्ष 2010-11 के दौरान निराकृत वाहन	221690	3508197	3036507
21	बाह्य रोगियों से वसूलनीय अस्पताल प्राप्तियां			
क)	वर्ष 2009-2010 तक	4295271		
ख)	वर्ष 2010-2011 के दौरान	4571061		
ग)	वर्ष 2010-11 के दौरान वसूल की गई राशि	4487253	4379079	4295271
22	कोषाध्यक्ष से वसूलनीय राशि			
क)	वर्ष 2009-2010 तक	307426		
ख)	वर्ष 2010-2011 के दौरान कोषाध्यक्ष से वसूली	307426	0	307426
23	निरीक्षण समिति			
	वर्ष 2010-2011 के दौरान बड़े कार्य		317499700	

निर्धन रोगी खाता

1	अ.भा.आ.सं.(मुख्य)	
	क) अथशेष	
	i) नगद/बैंक	1175983
	ii) एफडीआर	984180
	ख) प्राप्तियां	
	i) अनुदान	367194
	ii) ब्याज	42391
	iii) भुगतान	109930

निर्धन रोगी खाता

1	अ.भा.आ.सं.(मुख्य)		
	क) नगद/बैंक	1475638	1175983
	ख) एफडीआर	984180	984180

	ग) अंतशेष								
	i) नगद/बैंक		1475638	1175983					
	ii) एफडीआर		984180	984180					
	<u>रोगी उपचार खाता</u>					**<u>रोगी उपचार खाता</u>**			
1	अ.भा.आं.सं.					अ.भा.आ.सं.		64128212	49928749
	क) अथशेष	49928749							
	ख) प्राप्तियां								
	(i) अनुदान	72062707							
	(ii) ब्याज	2000738							
	(iii) भुगतान	59859552							
	(iv) बैंक प्रभार	4430							
	ग) अंतशेष		64128212	49928749					
	<u>छात्रावास</u>					**<u>छात्रावास</u>**			
	<u>जमानत जमा</u>				1	नगद राशि		32881	18666
	i) वर्ष 2009-10 तक	1939780							
	ii) वर्ष 2010-11 के दौरान				2	बैंक में नगद		322179	304695
	प्राप्तियां	1415000							
	iii) वर्ष 2010-11 के				3	एफडीआर		4121000	3792601
	दौरान न्यून वापसी	1127000	2227780	1939780					
	<u>व्यय पर आय की अधिकता</u>								
1	अ.भा.आ.सं. (मुख्य)								
	(i) वर्ष 2009-10 तक	303819792							
	(ii) वर्ष 2010-11 के दौरान								
	आय पर व्यय की अधिकता न्यून	209304803	94514989	303819792					
2	छात्रावास								
	i) वर्ष 2009-10 तक	2176182							
	ii) वर्ष 2010-11 के दौरान	72098	2248280	2176182					
	उप कुल (क)		**14655543924**	**12392749433**				**14655543924**	**12392749433**

<u>डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र (ख)</u>

I	<u>भारत सरकार से पूंजी अनुदान</u>				1	<u>नगद राशि</u>			
i)	वर्ष 2009-10 तक	864299728				क) अग्रदाय		20000	20000
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	220222246							
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	68000	1084453974	864299728					
	निराकृत फर्नीचर				2	बैंक में नगद		64667551	57013488
					3	<u>वसूलनीय अग्रिम</u>			
II	गतवर्ष अनुसार एनपीसीबी		25629000	25629000		क) <u>कार</u>			
III	दान किये गए वाहन			896357		i) वर्ष 2009-10 तक	134184		
	(वर्ष 2010-11 तक)		896357			ii) वर्ष 2010-11 के दौरान भुगतान	..		
IV	डीबीसीएस/एनपीसीबी के तहत					वर्ष 2010-11 के दौरान वसूली	35652	98532	134184
	खरीदे गए वाहन (वर्ष 2010-11 तक)		455574	455574	ख)	<u>स्कूटर</u>			
					i)	वर्ष 2009-10 तक	38284		
V	<u>गैर-रा.प्र.कें.योजना</u>					ii) वर्ष 2010-11 के दौरान भुगतान	48000		
1	<u>एबीएन एमरो नेत्र रक्शा</u>					iii) वर्ष 2010-11 के दौरान वसूली	24000	62284	38284
i)	वर्ष 2009-10 तक	82080							
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..			ग)	<u>भ.नि.अ.</u>			
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	..	82080	82080	i)	वर्ष 2009-10 तक	1070945		
					ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान भुगतान	..		
					iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान वसूली	228740	842205	1070945
2	<u>एक्यूट बैक्टीयल कंजेक्टिवाइटिस</u>				ङ)	<u>कंप्यूटर अग्रिम</u>			
i)	वर्ष 2009-10 तक	55633			i)	वर्ष 2009-10 तक	55500		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..			ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान भुगतान	90000		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	55633	0	55633	iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान वसूली	43500	102000	55500
					च)	<u>त्योहार अग्रिम</u>			
					i)	वर्ष 2010-11 के दौरान	1001034		
					ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान वसूली	567564	433470	
3	<u>प्रशासनिक प्रभार</u>				4	<u>मशीनरी एवं उपकरण (योजना)</u>			
i)	वर्ष 2009-10 तक	170598			i)	वर्ष 2009-10 तक	683267103		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	1658011			ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	42312873		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	585284	1243325	170598	iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान वसूली	77061593		

4	**एकरोसॉफ्ट (बाउच एंड लॉम्ब)**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	798		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	798	0	798
5	**एएमडी व्यू स्टडी**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	9542949		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	3972557		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	3495439	10020067	9542949
6	**बैक्ट्रीयल कॉर्नियल अल्सर**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	104760		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	97200		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	200133	1827	104760
7	**ब्रीमिरीडिन डीएस/डीडीएस**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	..		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	208980		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	20899	188081	..
8	**मोतियाबिंद रोगी (आई.ओ.एल)**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	..		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	556152		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	315588	240564	..
9	**नैदानिक मूल्यांकन एओडी**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	166552		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	74402	92150	166552
10	**नैदानिक मूल्यांकन बीएंडसी(एएमओ)**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	..		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	50000		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	50000		
			0	..
11	**प्राइमरी एंगल कलोजर ग्लूकोमा में सीजीडी**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	41445		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	..	41445	41445
12	**सीआरपी**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	1194		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	1194	0	1194
13	**सीएसआईआर**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	..		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	2766856		..
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	2766856	0	
14	**डीबीटी/एमए**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	211848		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	211848	0	211848
15	**डीसीडीआरएफ**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	..		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	10000		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	10000	0	..
16	**डीईजीएएस**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	313636		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	926550		

iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान निराकृत मशीनरी एवं उपकरण	-	802641569	683267103
5	**मशीनरी एवं उपकरण (गैर-योजना)**			
	वर्ष 2010-11 तक		5872266	5872266
6	**पूंजी संपत्ति (भवन)**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	97518642		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	15514496	113033138	97518642
7	एनपीसीबी (मशी. एवं उपकरण)		7002852	7002852
8	आई.सी.एम.आर. (मशी. एवं उपकरण)		605150	605150
9	**वाहन**			
क)	i) वर्ष 2009-10 तक रा.प्र.कें.के वाहन 2982543			
	ii) वर्ष 2010-11में खरीद गए वाहन1606756		4589299	2982543
ख)	दान किये गए वाहन			
	वर्ष 2010-11 तक		1351931	1351931
10	**फर्नीचर एवं उपस्कर**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	2799076		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	558173		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	3289249	2799076	
	निराकृत फर्नीचर	68000		
11	विविध देनदार		76253	76253
12	**विदेशी खरीद हेतु किये गए अग्रिम भुगतान**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	80175188		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	175006602		
iii)	वर्ष 2009-10 के अग्रिम से वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्त मशीनरी एवं उपकरण	77061593	178120197	80175188
13	**सामग्री एवं आपूर्ति (रा.प्र.कें.)**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	3082803		
ii)	वर्ष 2010-11 में विदेशी खरीद हेतु किये गए अग्रिम भुगतान	16508202		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्त सामग्री (-)	14979927	4611078	3082803

17	**डीएमई**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	387595		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	1052055		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	1180927	258723	387595
18	**डीएनबी जांच**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	5000		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	..	5000	5000
19	**डीएसटी (साइक्लो)**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	22186		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	22186	0	22186
20	**टीयर तरल डीएसटी मूल्यांकन**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	..		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	375000		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	375000	0	..
21	**डीएसटी/एफआईएसटी**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	..		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	250000		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	250000	0	..
22	**ई.एन.डी.यू.आर.ई.**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	..		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	545400		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	375780	169620	..
23	**ग्लुकोमा पर ईएसजी मूल्यांकन अध्ययन**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	5800		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	5800	0	5800
24	**फेम अध्ययन**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	1325390		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	615075		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	1940465	0	1325390
25	**एफटीजी**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	..		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	189595		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	119698	69897	..
26	**हाई प्रीसीजन बायो एनेलिटियल (एचपी-बीएएफ)**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	93810		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	412421		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	233851	272380	93810
27	**आई.सी.एम.आर.**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	3020778		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	12081998		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	5199984	9902792	3020778
28	**इंडिजेन (एलएसटीएम)**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	146744		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	20897	125847	146744
29	**इंडेव**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	3559		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	3559	0	3559
30	**इनमास बायोमेडिकल डिस्पेंसिंग उत्पाद**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	399958		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	460000		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	859958	0	399958

31	**इनमास मानव भेषजगुण विज्ञान**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	5549		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	475000		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	480549	0	5549
32	**एलसीआईएफ**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	3044		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..		3044
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	3044	0	
33	**लक्स 201 ओमनीकेयर**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	974600		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	187704		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	147930	1014374	974600
34	**लक्स 211-पीआरए इंटरनेशनल**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	47810		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	47810	0	47810
35	**एमए फाउंडेशन**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	..		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	308400		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	158681	149719	..
36	**एमबीडीएल इल्ली लिल्ली**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	32057		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	207720		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	239777	0	32057
37	**एम.के. मीडिया कार्नियल ट्रॅासप्लांट (वित्त मंत्रालय)**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	1318716		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	556388	762328	1318716
38	**मल्टीफोकल आईओएल**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	4675		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	4675	0	4675
39	**एन.ए.बी.**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	769713		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	500000		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	261065	1008648	769713
40	**नीमा इंटरनेशनल पायलट अध्ययन**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	14343		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	14343	0	14343
41	**नॉवर्टिस शील्ड अध्ययन**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	87300		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	157500		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	237930	6870	87300
42	**नॉवर्टिस पीडीटी- विसुडून**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	5392		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	179551		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	184943	0	5392
43	**एनपीसीबी डीओएस प्रशिक्षण**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	..		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	976050		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	470501	505549	..
44	**एनपीसीबी इव शिविर गोड्डा झारखण्ड**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	..		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	248642		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	248642	0	..

45	**एनपीसीबी/डीबीसीएस**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	12600		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	877250		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	115600	774250	12600
46	**एनपीसीबी-एनएसयू**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	..		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	300000		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	10000	290000	..
47	**एनपीसीबी एसएसयू**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	1930		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	303385		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	163250	142065	1930
48	**ओईयू**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	155330		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	340054		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	378852	116532	155330
49	**ओर्बिस पीईसीपी**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	43452		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	114956		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	87268	71140	43452
50	**फार्मा कोकिनेटिक क्विनेक्राइन**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	..		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	443765		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	154313	289452	..
51	**फेज 2 ऐज रिलेटिड मेक्यूलर डिजेनरेशन मोनेट स्ट्डी (एआरएमडी)**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	218727		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	849815		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	839650	228892	218727
52	**शुष्क नेत्र उपचार (डीईएस) पर पॉलिहर्बल मूल्यांकन सहयोगी अध्ययन**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	2323		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	2323	0	2323
53	**पोसुडूरेक्स एलर्जन इंटरनेशनल**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	790842		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	358262		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	243940	905164	790842
54	**पीवीडी/वीआरटी अध्ययन**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	936058		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	936058	0	936058
55	**रिलायंस रिलीनेत्रा**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	74275		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	80100		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	154375	0	74275
56	**आरओपी मेक्यूजेन**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	2335		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	2335	0	2335
57	**आरओपी कार्यशाला**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	27619		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	187042		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	214661	0	27619
58	**दृष्टि सेवर्स**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	165577		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	583750		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	749327	0	165577
59	**एसएसएमआई-वीएफए**			
i)	वर्ष 2009-10 तक	..		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	585864		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	269984	315880	..

60	**सिंपोसियम वर्कशॉप**								
i)	वर्ष 2009-10 तक	800							
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	60000							
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	60800	0	800					
61	**शुष्क नेत्र उपचार**								
i)	वर्ष 2009-10 तक	28400							
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..							
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	28400	0	28400					
62	**वि.स्वा.सं. जी.एस.**								
i)	वर्ष 2009-10 तक	15956							
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..							
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	15956	0	15956					
63	**वि.स्वा.सं. सिंड डीएसटीजी**								
i)	वर्ष 2009-10 तक	12050							
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..							
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	12050	0	12050					
64	**वि.स्वा.सं. अल्पाधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम**								
i)	वर्ष 2009-10 तक	1191							
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..							
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	1191	0	1191					
65	**कार्यशाला**								
i)	वर्ष 2009-10 तक	31600							
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	..							
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	..	31600	31600					
VI	**एनआईएएफ**								
i)	वर्ष 2009-10 तक	1234565							
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	30000							
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	3372	1261193	1234565					
VII	**एनपीसीबी**								
i)	वर्ष 2009-10 तक	..							
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	4000000							
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	3999173	827	..					
VIII	**जमानत जमा की वापसी**								
i)	वर्ष 2009-10 तक	2071000							
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	35000							
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान व्यय	285000	1821000	2071000					
IX	**एम्स छूट**								
	गत वर्ष के अनुसार	214290							
	वर्ष 2010-11 के दौरान जमा	1500	215790	214290					
X	**बाह्य वसूलियां**								
	वर्ष 2010-11 तक		11288	11288					
	निर्धन रोगी खाता					**निर्धन रोगी खाता**			
1	नगद	104014				नगद/बैंक		186104	104014
2	प्राप्तियां								
	i) ब्याज	5507							
	ii) दान	174295							
	iii) विविध प्राप्तियां	497							
	iii) भुगतान	98209							
3	अंतशेष		186104	104014					
XI	**व्यय पर आय की अधिकता**								
i)	वर्ष 2009-10 तक	26367829							
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	16661818	43029647	26367829					
	उप-कुल (ख)		**1187605128**	**943170222**				**1187605128**	**943170222**

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (ग)

1	देय राशि परंतु भुगतान नहीं (कोषाध्यक्ष)				**1**	नगद राशि			
					क)	अग्रदाय (कोषाध्यक्ष हृ.तं.कें.)			
i)	कार्यालय आकस्मिकता			1000		वर्ष 2010-11		41000	40000
2	भारत सरकार से पूंजी अनुदान				ख)	राशि देय परंतु भुगतान नहीं			1000
i)	वर्ष 2009-10 तक	3316752096							
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	592524468			**2**	बैंक में नगद		171455298	168444476
iii)	न्यून निराकृत मशीनरी	197140							
iv)	न्यून निराकृत फर्नीचर	664962			**3**	वसूलनीय अग्रिम			
v)	न्यून आपूर्ति आदेश सं. 100/52 एवं 100-54				क)	कंप्यूटर		846450	785350
	हृ.तं.के. सी.टी.वी.एस./09-10/भंडार	7735325	3900679137	3316752096	ख)	कार		696544	613864
					ग)	साइकिल	-	-	

3	सं.रो.कैं.अ.से अंतरित राशि		1478400	1478400
4	साइ भक्त समाज द्वारा दान किये गए वाहन की लागत		613384	613384
5	सीटी रोगी खाता मशीनरी एवं उपकरण अंतरित साई भक्त समाज		49025000	49025000
6	<u>तंत्रिका विज्ञान रोगी खाता</u>			
i)	वर्ष 2009-10 तक	21893498		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	15034509		
iii)	न्यून वापसी/व्यय वर्ष 2010-11	14416146	22511861	21893498
7	<u>बाह्य वसूलियां / संस्थान वसूली</u>			
i)	वर्ष 2009-10 तक	303045		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	125	303170	303045
	आवर्ती निधि			
8	<u>दान</u>			
i)	वर्ष 2009-10 तक	2360242		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	6020		
ii)	न्यून व्यय 2010-11	272190	2094072	2360242
9	<u>जमानत जमा</u>			
i)	वर्ष 2009-10 तक	28014964		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	10110000		
iii)	न्यून वापसी	6634000	31490964	28014964
10	<u>थैलियम</u>			
i)	वर्ष 2009-10 तक	773682		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	1799000		
iii)	न्यून व्यय वर्ष 2010-11	168525	2404157	773682
11	<u>हृद प्रतिरोपण दान</u>			
i)	वर्ष 2009-10 तक	274919		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	-		
iii)	न्यून व्यय		274919	274919
12	<u>प्रयोगशाला जांच</u>			
i)	वर्ष 2009-10 तक	5748828		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	6864220		
iii)	न्यून व्यय वर्ष 2010-11	9526353	3086695	5748828
13	<u>हृद जांच</u>			
i)	वर्ष 2009-10 तक	6220125		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	4326420		
iii)	न्यून व्यय वर्ष 2010-11	3335063	7211482	6220125
	<u>निर्धन रोगी खाता</u>			
1	तंत्रिका विज्ञान केंद्र			
क)	नगद/बैंक	104900		
ख)	दान	6232		
ग)	भुगतान	9200		
घ)	अंतशेष		101932	104900

घ)	स्कूटर	772212	953820	
ङ)	भवन निर्माण अग्रिम		6146510	6601555
च)	त्योहार अग्रिम		721660	
4	<u>मशीनरी एवं उपकरण</u>			
i)	वर्ष 2009-10 तक	2637005214		
ii)	वर्ष 2009-10 के दौरान	62952864		
iii)	मशीनरी और उपकरण के पुर्जे एवं अनुषंगी	20678764		
iv)	अग्रिम भुगतान से प्राप्त मशीनरी एवं उपकरण	464489345		
v)	निराकृत मशीनरी	197140	3184929047	2637005214
5	सीटी रोगी खाते से अंतरित मशीनरी एवं उपकरण		49025000	49025000
6	<u>विदेशी खरीद हेतु अग्रिम भुगतान</u>			
क)	<u>मशीनरी एवं उपकरण</u>			
i)	वर्ष 2009-10 तक	151833430		
ii)	न्यून आपूर्ति आदेश सं. 100-52 एवं100-54/हृ.तं.कें. /सीटीवीएस09-10 भंडार	7735325		
iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	458864463		
iv)	न्यून प्राप्त उपकरण 2010-11	464489345	138473223	151833430
7	<u>भवन निर्माण / लघु कार्य</u>			
i)	वर्ष 2009-10 तक	243491533		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	42103117	285594650	243491533
8	कार्य के लिए अग्रिम		174596762	174596762
9	<u>बाह्य रोगियों से देय राशि</u>			
	वर्ष 2009-10 तक	1452545		
	वर्ष 2010-11 के दौरान	153635		
	प्राप्त न्यून राशि	-	1606180	1452545
10	<u>वाहन</u>			
i)	एम्बुलेंस ऑर्बो		1305522	2025954
11	फर्नीचर एवं उपस्कर			
i)	वर्ष 2009-10 तक	2010467		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	1258424		
iii)	निराकृत फर्नीचर	664962	2603929	2010467
	<u>निर्धन रोगी खाता</u>			
1	तंत्रिका विज्ञान केंद्र			
क)	नगद/बैंक		101932	104900

	सीटी रोगी खाता					**सीटी रोगी खाता**			
					1	सावधि जमा		299400000	306900000
					2	बैंक में नगद		21625780	19675665
	एंजियोग्राफी रोगी खाता					**एंजियोग्राफी रोगी खाता**			
					1	श्री डाल चंद वर्मा, कोषाध्यक्ष			
						से वसूलनीय			
						नगद		3245441	3245441
					2	सावधि जमा		79200000	74300000
					3	बैंक में नगद		14744516	13114110
	गामा नाइफ रोगी खाता					**गामा नाइफ रोगी खाता**			
					1	सावधि जमा		126400000	136800000
					2	बैंक में नगद		57268485	27927424
	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता					**तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता**			
					1	सावधि जमा		31800000	31800000
					2	बैंक में नगद		9915213	3410417
	व्यय पर आय की अधिकता					**आय पर व्यय की अधिकता**			
1	हृ.तं.कें.				1	हृ.तं.कें.			
क)	वर्ष 2009-10 तक			5421787	i)	वर्ष 2010-11 के दौरान	7781041		
					ii)	वर्ष 2009-11 के दौरान			
						व्यय पर आय की अधिकता न्यून	5421787	2359254	
2	सीटी रोगी खाता								
i)	वर्ष 2009-10 तक	326575665							
ii)	आय पर व्यय की अधिकता								
	न्यून वर्ष 2010-11	3295472							
iii)	रद्द चैक के लिए जारी किये								
	गए नए न्यून चैक	2254413	321025780	326575665					
3	एंजियोग्राफी रोगी खाता								
i)	वर्ष 2009-10 तक	90659551							
ii)	व्यय पर आय की अधिकता								
	वर्ष 2010-11	7105771							
iii)	रद्द चैक के लिए जारी किये								
	गए नए न्यून चैक	575365	97189957	90659551					
4	गामा नाइफ रोगी खाता								
i)	वर्ष 2009-10 तक	164727424							
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	18941061	183668485	164727424					
5	तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता								
i)	वर्ष 2009-10 तक	35210417							
ii)	व्यय पर आय की अधिकता								
	वर्ष 2010-11	6711877							
iii)	न्यून नए चैक	207081	41715213	35210417					
	उप-कुल (ग)		**4664874608**	**4056158927**				**4664874608**	**4056158927**

डॉ.बी.आर.अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (घ)

1	पूंजी अनुदान								
	वर्ष 2009-10 तक	1436005599		1436005599	1	**बैंक में नकद**		28911048	46936817
	वर्ष 2010-11के दौरान जमा	134668296	1570673895						
					2	**पूंजीगत कार्य**			
2	आरटी. आवर्ती निधि			7519953	क)	वर्ष 2009-10 तक	25051399		
(i)	वर्ष 2009-10 तक	7519953			ख)	वर्ष 2010-11के दौरान	3523029	28574428	25051399
(ii)	वर्ष 2010-11के दौरान जमा	2824110							
(iii)	वर्ष 2010-11के दौरान				3	**कंप्यूटर अग्रिम**			
	न्यून भुगतान (-)	4416053	5928010		(i)	वर्ष 2009-10 तक	285777		
3	चिकित्सा अर्बुदविज्ञान निधि			1993655	(ii)	वर्ष 2010-11के दौरान	60000		
(i)	वर्ष 2009-10 तक	1993655			(iii)	वर्ष 2010-11के दौरान न्यून वसूलियां	69800	275977	285777
(ii)	वर्ष 2010-11के दौरान जमा	609725			4	**भवन निर्माण अग्रिम**			
	वर्ष 2010-11के दौरान					वर्ष 2010-11 तक		87750	262321
	न्यून भुगतान (-)	1144373	1459007						
					5	**कार/स्कूटर अग्रिम**			
4	ईएमडी एवं जमानत जमा				i)	वर्ष 2009-10 तक	174571		
(i)	वर्ष 2010-11के दौरान	174000			ii)	वर्ष 2010-11के दौरान जमा	60000		
(ii)	वर्ष 2010-11के दौरान न्यून भुगतान	10000	164000		iii)	वर्ष 2010-11के दौरान न्यून वसूलियां		120816	113755

	निर्धन रोगी खाता			
	डॉ. बी.आर.अं.सं.रो.कैं.अ.			
क)	नगद/बैंक	2419552		
ख)	प्राप्तियां			
	i) अनुदान	442981		
	ii) ब्याज	316840		
	iii) अधिक जमा	2000		
	iv) भुगतान	634962		
ग)	अंतशेष			
	नगद/बैंक		2546411	2419552
	रोगी उपचार खाता			
	डॉ. बी.आर.अं.सं.रो.कैं.अ.			
क)	अथशेष	32686499		
ख)	अल्पावधिक निवेश			
ग)	एफडीआर	6000000		
घ)	प्राप्तियां			
i)	अनुदान	36393493		
ii)	रद्द चैक	114324		
iii)	विलंब का ब्याज			
iv)	ब्याज	4589		
v)	भुगतान	38089221		
vi)	विविध भुगतान	362700		
ग)	अंतशेष			
i)	नगद/बैंक		30746984	26686499
ii)	अल्पावधिक निवेश			
iii)	एफडीआर		6000000	6000000

6	**अग्रिम भुगतान**			
	मशीनरी एवं उपकरण			
क)	वर्ष 2009-10 तक	65784804		
ख)	वर्ष 2010-11के दौरान जमा	90877918		
ग)	वर्ष 2010-11के दौरान अग्रिम (एलसी) का न्यून समायोजन	83406362	73256360	65784804
7	**सावधि परिसंपत्ति**			
	मशीनरी एवं उपकरण			
क)	वर्ष 2009-10 तक	984259797		
ख)	वर्ष 2010-11के दौरान जमा	15235705		
ग)	वर्ष 2010-11के दौरान जमा पुर्जे एवं अनुषंगी	13413900		
घ)	वर्ष 2010-11के दौरान अग्रिमों (एलसी) का समायोजन जमा	83406362		
ङ)	वर्ष 2010-11के दौरान समायोजित सीमा शुल्क जमा	9428110	1105743874	984259797
8	**जमानत जमा एनडीएमसी**		2626000	2626000
9 (i)	**भवन निर्माण**			
	वर्ष 2010-11 तक		294456915	294456915
10	**वाहन**			
क)	वर्ष 2009-10 तक	1741416		
ख)	वर्ष 2010-11 के दौरान न्यून	138334	1603082	1741416
11	**फर्नीचर एवं उपस्कर**			
क)	वर्ष 2009-10 तक	11093772		
ख)	वर्ष 2010-11 के दौरान न्यून	173575	10920197	11093772
12	**सीमा शुल्क एवं पीडीए लेखा हेतु अग्रिम भुगतान**			
(i)	वर्ष 2009-10 तक	15197690		
(ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान जमा	15415762		
(iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान समायोजित सीमा शुल्क न्यून	9428110	21185342	15197690
13	**त्योहार अग्रिम**			
(i)	वर्ष 2010-11 के दौरान	312300		
(ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान न्यून वसूलियां	180300	132000	
	निर्धन रोगी खाता			
	डॉ. बी.आर.अं.सं.रो.कैं.अ.			
क)	नगद/बैंक		2546411	2419552
	रोगी उपचार खाता			
	डॉ. बी.आर.अं.सं.रो.कैं.अ.			26686499
क)	नगद/बैंक		30746984	
ख)	अल्पावधिक निवेश			
ग)	एफडीआर		6000000	6000000

	एचएमसीपीएम खाता					**एचएमसीपीएम खाता**			
	अथशेष	40463				नगद/बैंक		996555	40463
	प्राप्तियां	3000000							
	वापसी	20550							
	भुगतान	2063808							
	विविध	650	996555	40463					
व्यय पर आय की अधिकता						**आय पर व्यय की अधिकता**			
i)	वर्ष 2009-10 तक			2177501		वर्ष 2010-11 के दौरान	12515685		
						व्यय पर आय की अधिकता न्यून			
						वर्ष 2009-10	2177501	10338184	
	उप-कुल (घ)		**1618514862**	**1482843222**				**1618514862**	**1482843222**

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र एवं यूएनडीसीपी परियोजना (ङ)

1	पूंजी निधि वर्ष 2009-10 तक	156408827			1	बैंक में नगद		1257618	11047879
क)	वर्ष 2010-11 के दौरान पूंजी निधि	10273175	166682002	156408827					
क)	वर्ष 2010-11 के दौरान पूंजी निधि	10273175	166682002	156408827					
ख)	मशीनरी एवं उपकरण				2	मशीनरी एवं उपकरण			
ग)	फर्नीचर				क)	वर्ष 2009-10 तक	30063564		30063564
घ)	पुस्तकें एवं प्रकाशन				ख)	वर्ष 2010-11 के दौरान	4112197	34175761	
ङ)	पुस्तकें एवं प्रकाशन अग्रिम								
च)	सीमा शुल्क अग्रिम				3	पुस्तकें एवं प्रकाशन			
					क)	वर्ष 2009-10 तक	15622659		15622659
					ख)	वर्ष 2010-11 के दौरान	2961748	18584407	
2	**संस्थान वसूली**								
	i) वर्ष 2009-10 तक	113215			4	फर्नीचर एवं उपस्कर			
	ii) वर्ष 2010-11		113215	113215	क)	वर्ष 2009-10 तक	3478648		3478648
					ख)	वर्ष 2010-11 के दौरान		3478648	
3	**जमानत वसूली**								
क)	वर्ष 2009-10 तक	255000			5	भवन निर्माण			
ख)	वर्ष 2010-11 वापसी (-)	5000	250000	255000	क)	वर्ष 2009-10 तक	101953715		101953715
					ख)	वर्ष 2010-11 के दौरान		101953715	
					6	वाहन			
					क)	वर्ष 2009-10 तक	5653867		5653867
					ख)	वर्ष 2010-11 के दौरान	3379234	9033101	
					ग)	निराकृत वाहन			
					7	बाह्य वसूली			
					क)	वर्ष 2009-10 तक	40708		40708
					ख)	वर्ष 2010-11 के दौरान		40708	
					8	कार अग्रिम			
					क)	वर्ष 2009-10 तक			
					ख)	वर्ष 2010-11 के दौरान			
					9	सामग्री एवं आपूर्ति हेतु अग्रिम			
					क)	वर्ष 2009-10 तक	365000		365000
					ख)	वर्ष 2010-11	48932		
					ग)	वर्ष 2010-11 के दौरान			
						प्राप्त सामग्री एवं आपूर्ति न्यून	200000	213932	
	राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीसी) (यूएनडीसीपी परियोजना)					**राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी) (यूएनडीसीपी परियोजना)**			
	अथ शेष		464680	239532		अंत शेष		7474748	464680
	व्यय पर आय की अधिकता								
1	एनडीडीटीसी								
	वर्ष 2009-10 तक	11448998							
	वर्ष 2010-11 के दौरान आय पर								
	व्यय की अधिकता न्यून	9756325	1692673	11448998					
2	एनडीडीटीसी (यूएनडीसीपी परियोजना)		7010068	225148					
	उप-कुल (ङ)		**176212638**	**168690720**				**176212638**	**168690720**

जे.पी.एन एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (च)

1	<u>भारत सरकार से पूंजी अनुदान</u>			1652230986
(i)	वर्ष 2009-10 तक	1652230986		
(ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	409064414	2061295400	
2	जमानत जमा			
(i)	वर्ष 2009-10 तक	4479968		
(ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्ति	7648000		
(iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान न्यून वापसी (-)	5970000	6157968	4479968
3	(रोगी खाता एटीएलएस)			
(i)	वर्ष 2009-10 तक	4717885		
(ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान लैजर से न्यून	3874913	842972	4717885
	<u>व्यय पर आय की अधिकता</u>			
i)	वर्ष 2009-10 तक	38262980		
ii)	वर्ष 2010-11 लैजर से जमा	15533844	53796824	38262980
	उप-कुल (च)		**2122093164**	**1699691819**

1	बैंक में नगद		21126261	7809730
	<u>भवन निर्माण</u>			
	मै. एचएससीसी को अग्रिम भुगतान 121912064			
	वर्ष 2010-11 के दौरान जमा 13500000			
	प्राप्त किये गए समायोजन (-)128912064		6500000	121912064
	एनडीएमसी को जमानत जमा		5979000	
	आईजीएल के पास जमानत जमा		1304680	
	"ट्राइजेन" को अग्रिम भुगतान (एमओयू के अनुसार ऊर्जा मंत्रालय)		1170000	
2	<u>मशीनरी एवं उपकरण</u>			
	वर्ष 2009-10 तक विदेशी खरीद हेतु किया गया अग्रिम भुगतान	89895594		
	वर्ष 2010-11 के दौरान	184766328		
	वर्ष 2010-11 में समायोजित अग्रिम न्यून (-)	199403844	75258078	89895594
	<u>सीमा शुल्क अग्रिम</u>			
(i)	वर्ष 2009-10 तक	5921400		
(ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	70000000		
(ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान समायोजित न्यून (-)	17499376	58422024	5921400
	<u>पीडीए अग्रिम</u>			
i)	वर्ष 2009-10 तक	1069730		
(i)	वर्ष 2010-11 के दौरान अग्रिम	500000		
(ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान समायोजित न्यून	971885	597845	1069730
3	भवन निर्माण			
	एम्स से अंतरित लेखा	449825743		449825743
	पूंजीगत कार्य			63082590
i)	वर्ष 2009-10 तक	63082590		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	21279035		
	मै. एचएससीसी से प्राप्त समायोजन	128912064	663099432	
	एम्स को अंतरित भूमि खाता	9900000		9900000
	वर्ष 2009-10 में किये गए भुगतान	44410794	54310794	44410794
	त्योहार अग्रिम	30000		
	वसूली न्यून	9600	20400	
4	मशीनरी एवं उपकरण			
(i)	वर्ष 2009-10 तक	851356650		
(ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	110222922		
(iii)	प्राप्त मशीनरी एवं उपकरण 2010-11	199403844	1160983416	851356650
	सीमा शुल्क			
i)	वर्ष 2009-10 तक	46173969		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	17499376	63673345	46173969
	पीडीए			
i)	वर्ष 2009-10 तक	2001690		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	971885	2973575	2001690
	फर्नीचर एवं उपस्कर			
i)	वर्ष 2009-10 तक	6331865		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	342449	6674314	6331865
			2122093164	**1699691819**

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (छ)

1	पूंजी अनुदान			
(i)	एम्स मुख्य खाते से अंतरित वर्ष 2009-10 तक	459260204		
(ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	28000000	487260204	459260204
2	जमानत जमा			
(i)	वर्ष 2009-10 तक	2780915		
(ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	755000		
(iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान न्यून वापसी	1094825	2441090	2780915
	व्यय पर आय की अधिकता			
i)	वर्ष 2009-10 तक	3392840		
ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	7891839	11284679	3392840
	उप-कुल (छ)		**500985973**	**465433959**
	महायोग (क) से (छ)		**24925830297**	**21208738302**

1	नगद राशि		5000	5000
2	बैंक में नगद		9822091	2107815
3	मशीनरी एवं उपकरण			
(i)	वर्ष 2009-10 तक	132122259		
(ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	22067175		
(iii)	वर्ष 2009-10 के दौरान अग्रिमों से प्राप्त मशीनरी एवं उपकरण जमा	25438345	179627779	132122259
4	विदेशी खरीद हेतु किये गए अग्रिम भुगतान			
(i)	वर्ष 2009-10 तक	25438345		
(ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	-		
(iii)	वर्ष 2010-11 के दौरान समायोजित अग्रिम न्यून	25438345	0	25438345
5	भवन			
(i)	एम्स(मुख्य) खाते से अंतरित वर्ष 2009-10 तक	253993864		
(ii)	वर्ष 2010-11 के दौरान	5770563		
(iii)	अग्रिम भुगतान पर पूंजी गत कार्य	40000	259804427	253993864
6	एचएससीसी को अग्रिम भुगतान		45668116	45668116
(i)	वर्ष 2009-10 तक एनडीएमसी का अग्रिम भुगतान	2404500		2404500
(ii)	न्यून समायोजित वर्ष 2010-11	40000	2364500	
(iii)	एनडीएमसी को जमानत जमा		3040000	3040000
(iv)	वर्ष 2010-11 तक डीजीएस एंड डी को अग्रिम भुगतान		469471	469471
(v)	वर्ष 2010-11 तक वोल्टास को अग्रिम भुगतान		184589	184589
			500985973	**465433959**
			24925830297	**21208738302**

टिप्पणी :

1 खातों को वास्तविक प्राप्तियों एवं व्यय के आधार पर तैयार किया गया है।

2 मशीनरी एवं उपकरण, वाहनों आदि पर कोई मूल्यह्रास प्रदान नहीं किया गया है क्योंकि संस्थान भारत सरकार द्वारा पूर्णतः वित्त पोषित है।

3 वर्ष 2010-11 के दौरान विभिन्न परियोजनाओं में अन्वेषकों द्वारा दर्शाया गया विवरण परिशिष्ट क-1 में संलग्न है। यह वर्णित किया जाता है कि अनुसंधान परियोजनाओं को पूर्ण होने पर उपकरणों को या तो वित्त पोषित एजेंसियों को लौटा दिया जाता है या उनको विभागों द्वारा प्रयोग में लाया जाता है।

4 संस्थान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 8जी (5) (vi) के तहत आयकर से छूट प्राप्त है।

5 चार रोगी खाते अर्थात सीटी रोगी खाता, एंजियो रोगी खाता, एनएस रोगी खाता तथा गामा नाइफ रोगी खाता में तुलन-पत्र के परिसंपत्ति पक्ष की तरफ दर्शायी गई राशि व्यय पर आय की अधिकता को प्रस्तुत करती है और यह राशि सावधि में निवेश की गई है। वर्ष 1965 में पैकेज प्रभारों को शुरूआत पर गत वर्षों के दौरान राशि संचित की गई है। पैकेज सिस्टम को रोगियों

की सुविधा के लिए प्रारंभ किया गया और उचित दरों पर प्रयोग की जाने वाली गुणवत्ता उत्पादों को सुनिश्चित किया गया। पैकेज दरों में सेवा प्रभार तथा आईसीयू प्रभार सम्मिलित थे, जिन्हे स्थायी वित्त समिति तथा शासी निकाय द्वारा अनुसमर्थित किया गया। बाद में यह निर्णय लिया गया कि रोगियों से ऐसे प्रभार न लिए जाएं और वर्ष 2000 में इसे वापस ले लिया गया। उस अवधि (1995-2000) के दौरान बकाया राशि को संचित किया गया तथा सावधि जमा पर अर्जित ब्याज निवेश किया गया। तथापि उस ब्याज का एक भाग निर्धन रोगियों को उपचार हेतु उपयोग किया गया जैसाकि प्राप्ति एवं भुगतान लेखा में दर्शाया गया है। संचित की गई बकाया राशि के पिछले वर्षों के दौरान प्रयोग में नहीं लाया गया क्योंकि इसके प्रयोग के संबंध में किसी प्रकार के दिशा. निर्देश नहीं थे। उपभोक्ता प्रभारों एवं उस पर ब्याज के कारण संचित बकाया राशि के उपयोग संबंधी मामले को दिनांक 11.11.2010 को आयोजित स्थायी वित्त समिति की बैठक में चर्चा की गई जिसमें यह निर्णय लिया गया कि संस्थान का समेकित बजट तैयार होने से पहले सभी केंद्र अपने अपने उप-बजट (वित्त वर्ष 2011-2012 से आगे) तैयार करेंगे। इस बजट में हृद तंत्रिका केंद्र योजना शीर्ष के तहत अपनी योजना आधारित विकास गतिविधियों हेतु संचित बकाया के उपयोग हेतु प्रस्ताव रख सकता है। इसे शासी निकाय द्वारा अपनी दिनांक 27.11.2010 को आयोजित बैठक में अपनी पुष्टि प्रदान की गई। तदनुसार हृद तंत्रिका केंद्र ने चालू वित्त वर्ष 2011-12 के लिए योजना शीर्ष के लिए योजना शीर्ष के तहत अपने उप-बजट में चालू वित्त वर्ष 2011-2012 के दौरान संचित बकाया में से रुपए 6.00 करोड़ उपयोग करने हेतु प्रस्ताव रखा है।

6 वर्ष 2010-11 हेतु निरीक्षण समिति की सिफारिशों के तहत कार्मिक शक्ति की आवश्यकता हेतु भुगतान करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा दिनांक 30-03-2011 को रुपए 5.51 करोड़ जारी किया गया और मंत्रालय द्वारा ई.सी.एस. के द्वारा एम्स को स्थानांतरित करने हेतु एक चैक दिनांक 31-03-2011 को तैयार किया गया। तदनुसार व्यय किया गया और इसे वर्ष 2010-11 के आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा में निरीक्षण समिति के तहत दर्शाया गया। इस राशि को बैंक द्वारा दिनांक 04-04-2011 (2011-12) को जमा कराया गया तथा इसे वर्ष 2011-2012 के दौरान माना जाएगा।

7 सामान्य भविष्य निधि के अलग प्राप्ति एवं भुगतान तथा तुलन पत्र को संस्थान के तुलन पत्र के क्रम में परिशिष्ट च-1 में दर्शाया गया है।

8 वसूलनीय त्योहार अग्रिम को भी तुलन पत्र में परिसंपत्ति की तरफ दर्शाया गया है।

वित्त सलाहकार	**वरिष्ठ वित्त सलाहकार**	**निदेशक**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

वर्ष 2010-11 का विशिष्ट उद्देश्य हेतु प्राप्त अनुदान के व्यय को दर्शाने वाला विवरण

		अथशेष					समायोजन		शेष	
क्र.सं.	वित्त पोषित एजेंसी	जमा	नामे	प्राप्तियां	कुल प्राप्ति	व्यय	जमा	नामे	जमा	नामे
1	आईसीएमआर	56,888,534.00		181,090,998.00	237979532.00	157685192.00			80294340.00	
2	सीएस.आई.आर	14,910,029.00		32,739,205.00	47649234.00	30693720.00			16955514.00	
3	डीएसटी	63,746,654.00	43,534,555.00	107281209.00	59862227.00			47418982.00		
4	यूनिसेफ	278,421.25			278421.25				278421.25	
5	डी.बी.टी.	123,078,183.00		138,095,673.00	261173856.00	120730591.00			140443265.00	
6	डब्ल्यू.एच.ओ.	14,278,963.00		2,737,178.00	17016141.00	2827981.00			14188160.00	
7	यू.जी.सी.	2,331,957.00		8,191,428.00	10523385.00	3172689.00			7350696.00	
8	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	3,757,843.00		1,989,487.00	5747330.00	4864457.00			882873.00	
9	पर्यावरण एवं वन मत्रांलय	8,818.00		853,458.00	862276.00	689950.00			172326.00	
10	डाबर अनुसंधान संस्था	563,164.00			563164.00	54586.00			508578.00	
11	इलैक्ट्रॉनिक्स विभाग	56,370.00			56370.00				56370.00	
12	हिमालय औषध कं.	74,494.00			74494.00				74494.00	
13	अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी	1,599,938.00		1,218,501.00	2818439.00	1172143.00			1646296.00	
14	कॉनवेटी साइब	2,328.00			2328.00				2328.00	
15	राजीव गांधी संस्था		-989.00		-989.00					-989.00
16	शिक्षा निदेशालय (एनएसएस)	70,558.00			70558.00	40960.00			29598.00	
17	टोरंट फार्मा	49,741.00		1,500,000.00	1549741.00	199741.00			1350000.00	
19	इंडो-यू एस	749,033.00			749033.00				749033.00	
20	फोर्ड फाउंडेशन	458,594.00			458594.00				458594.00	
21	फुजफोर्ड इंडिया लि.	17,255.00		721,000.00	738255.00	463732.00			274523.00	
22	राष्ट्रीय थैलेसेमिया कल्याण सोसायटी	47,945.00		114,200.00	162145.00	91126.00			71019.00	
23	इन्कलेन		-361.00		-361.00	118007.00				-118368.00
24	यू.के.कैंसर अनुसंधान संस्थान समन्वय समिति		-5,625.00		-5625.00	1584.00				-7209.00
25	केंद्रीय योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद	673,666.00		643,537.00	1317203.00	988449.00			328754.00	
26	रेनबेक्सी/इलीलिल्ली एवं प्रा.कंपनी लि.	2,723,437.00		356,900.00	3080337.00	1216994.00			1863343.00	
27	राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, यू.एस.ए.	4,476,030.00		4,733,221.00	9209251.00	2565612.00			6643639.00	
28	एन.आई.ई.	22,749,841.00		15,638,717.00	38388558.00	5723256.00			32665302.00	
29	साराभाई कैमिकल्स				0.00	4868.00				-4868.00
30	आई.एनएसए	25,331.00			25331.00				25331.00	
31	एसआरबी-नैदानिक भेषजगुण विज्ञान		-3,154,100		-3154100.00					-3154100.00
32	पेनेसिया बायोटेक लि.	30,290.00		148,500.00	178790.00	150914.00			27876.00	
33	औषध/एसएनएमसी हेतु आवर्ती निधि	195,710.00			195710.00				195710.00	
34	परमाणु ऊर्जा नियंत्रण बोर्ड	387,629.00			387629.00	-16000.00			403629.00	
35	फाइजर लि.	2,318,913.85		1,358,390.00	3677303.85	1795085.00			1882218.85	

36	नाटको फार्मा इंडिया	359,245.00			359245.00	334666.00			24579.00	
37	मैरीलैंड विश्वविद्यालय	90,282.00			90282.00				90282.00	
38	ग्लैक्सो इंडिया लि.	217,377.00			217377.00				217377.00	
39	रक्षा मंत्रालय (डीआरडीओ)	353,015.00		3,451,570.00	3804585.00	2518513.00			1286072.00	
40	एमबी.आई.किट्स	57,353.00		17,945.00	75298.00	66431.00			8867.00	
41	नोवा नोडिक्स इंडिया प्रा. लि.	259,203.00		143,910.00	403113.00	99792.00			303321.00	
42	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान	101,800.00		153,196.00	254996.00	32704.00			222292.00	
43	सिस्टिक फिबरोसिस वर्ल्ड वाइड, यू.एस.ए.	86,269.00			86269.00	71664.00			14605.00	
44	कोनार्ड यू.एस.ए.	591.00			591.00				591.00	
45	कैंसर फाउंडेशन	44,245.00			44245.00				44245.00	
46	नोवर्टिस इंडिया लि.	2,866,531.38		2,376,312.15	5242843.53	1692047.00			3550796.53	
47	महर्षि आयुर्वेद		-15,978.00	270,000.00	254022.00	90622.00			163400.00	
48	यू.एन. अंतरराष्ट्रीय औषध एवं अपराध नियंत्रक कार्यक्रम	563,882.00			563882.00	125756.00			438126.00	
49	रसन फार्मा लि. मुंबई	162,947.00			162947.00	157522.00			5425.00	
50	केंद्रीय आयुर्वेद एवं सिद्ध अनुसंधान परिषद	1,962,046.00			1962046.00	457200.00			1504846.00	
51	सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय	77,882.00			77882.00				77882.00	
52	किवंटल्स स्पेक्ट्रल इंडिया	4,093,109.86		1,284,649.00	5377758.86	2352429.00			3025329.86	
53	संचार और सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय	547,858.00		724,000.00	1271858.00	515428.00		368600.00	387830.00	
54	बरगेन विश्वविद्यालय, नार्वे	055,702.00		7,952,000.00	9007702.00	6812074.00			2195628.00	
55	जाइडस हेल्थ केयर लि.		-398.00		-398.00					-398.00
56	ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय यू.के.	3,134,159.00		1,178,393.00	4312552.00	1725539.00			2587013.00	
57	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान संघ		-276.00		-276.00					-276.00
58	एमिल फार्मास्युटिकल इंडिया लि.		-331.00		-331.00					-331.00
59	फार्मेसिया इंडिया प्रा. लि.	837.00			837.00				837.00	
60	आई.एन.सी.टीआरयू.एस.ए	155,516.00		1,070,507.00	1226023.00	934645.00			291378.00	
61	एम्क्योर फार्मेस्युटिकल लिमिटेड	85621.00			85621.00	35752.00			49869.00	
62	दिल्ली राज्य नियंत्रण सोसायटी/एड्स	143,735.00		284,646.00	428381.00	303263.00			125118.00	
63	भारत बायोटेक इंटर नेशनल लि.	12,241.00			12241.00				12241.00	
64	एल.जी.कैमिकल्स इंडिया प्रा. लि.		-668.00		-668.00					-668.00
65	वॉकहार्ड, मुंबई	20,459.00		810,000.00	830459.00	81000.00			749459.00	
66	एनएसडी (जमानत जमा)	1,736,650.00		1,131,000.00	2867650.00	200300.00			2667350.00	
67	सनोफी पाश्चुर इंडिया प्रा. लि.	123,346.00			123346.00				123346.00	
68	जॉनसन एंड जॉनसन	72,695.00		113,803.90	186498.90	161107.00			25391.90	
69	बीजिंग तोशीबी फार्मेस्युटिकल्स कं. लि.	180,235.00			180235.00				180235.00	

70	सी.पी.डब्ल्यू डब्ल्यू जेरूसलम	6,534.00			6534.00				6534.00	
71	एवेंटिस फार्मास्युटिकल्स यू.एस.ए.	14,135.00			14135.00				14135.00	
72	डॉ.रेड्डी ज लैब. प्रा.लि.	20,502.00		240,000.00	260502.00	244046.00			16456.00	
73	हिंदुस्तान लेटैक्स परिवार नियोजन प्रोत्साहन		-7,020.00		-7020.00					-7020.00
74	सिरो क्लिन फार्मा प्रा.लि.	1,945,706.00		1,140,749.00	3086455.00	882087.00			2204368.00	
75	चरक फार्मा (प्रा.) लि.	463,427.00			463427.00	324128.00			139299.00	
76	इन्कलेन एवं यू.एसए. आई.डी.	24.00			24.00				24.00	
77	सेविंग न्यूबोर्न लाइव्ज, यू.एस.ए.	9,102.00			9102.00	20000.00				-10898.00
78	दानिदा अनुसंधान परिषद्	19.00			19.00				19.00	
79	दि माइक्रो न्यूट्रि एंट इनिशिएटिव एशिया		-4,702.00		-4702.00					-4702.00
80	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एन.ए.सी.ओ.)	3,476,852.00		2,051,607.00	5528459.00	5079385.00			449074.00	
81	एलबामा विश्वविद्यालय यू.एस. ए.	46,755,299.00		24,544,912.00	71300211.00	36546600.00			34753611.00	
82	भारतीय दर्शनिक अनुसंधान परिषद्	4,920.00			4920.00				4920.00	
83	स्टर्लिंग सिनर्जी सिस्टम (प्रा.) लि.	63,580.00			63580.00				63580.00	
84	रिलाएंस नैदानिक अनुसंधान सेवाएं (प्रा.) लि.	1,817,825.64		2,181,145.00	3998970.64	1280193.00			2718777.64	
85	के.एल.पी.एफ, यू.एस.ए.	16,473.00			16473.00				16473.00	
86	वुलीमिनी रामालिंगा स्वामी फाउंडेशन		-6,508.00		-6508.00					-6508.00
87	टेक्सस ए एंड एम. अनुसंधान फाउंडेशन (टीएएमआरएफ) यू.एस.ए.	16,237.00			16237.00				16237.00	
88	बायोमेरियोक्स इंडिया (प्रा.) लि.	12,011.00			12011.00				12011.00	
89	मीडिया लैब एशिया		-11,301.00		-11301.00					-11301.00
90	वारविक विश्वविद्यालय, यू.के.	4,464.00			4464.00	5525.00				-1061.00
91	राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन	56.00			56.00				56.00	
92	भारत सीरम एंड वैक्सिन लि.		-10,000.00		-10000.00					-10000.00
93	सीडी फार्म इंडिया प्रा.लि.	153,383.00		751,508.00	904891.00	547193.00			357698.00	
94	कोडमेन एंड शूर्ट लिफ, इंक, यू.एस.ए	42,138.00			42138.00				42138.00	
95	खंडेलवाल लेबोरेट्रीज लि.	805.00			805.00				805.00	
96	स्वास्थ्य सेवा महा निदेशालय	55,389.00		1,292,953.00	1348342.00	98295.00			1250047.00	
97	लाजोला फार्मोस्युटिकल कंपनी, कैलिफोर्निया	490,361.00			490361.00	35950.00			454411.00	
98	इंस्टीट्यूट डे रिचर्चेज									
	इन्टरनेशनल सर्वर (आईआरआईएस), फ्रांस	0.00			0.00	2034.00				-2034.00

99	बॉन एवं ज्वाइंट डिकेड इंडिया	130.00			130.00				130.00	
100	इलि लिल्ली	19,503.00		239335	258838.00	227119.00			31719.00	
101	एंटीसेंस फार्मा जीएम-बीएच, जर्मनी	3,339.00			3339.00				3339.00	
102	आई.एस.एच.टी.एम	303,619.00		1,400,000.00	1703619.00	1012309.00			691310.00	
103	राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन) हैदराबाद	109.00			109.00				109.00	
104	पेरेग्राइन फार्मेस्युटिकल्स यू.एस.ए	1,100,320.00		1,172,750.00	2273070.00	1489157.00			783913.00	
105	बी.ए.आर.सी.	271,280.00			271280.00	272490.00				-1210.00
106	ओजोन फार्मेस्युटिकल्स लिमिटेड	211,924.00			211924.00	104715.00			107209.00	
107	ओवेशन फार्मेस्युटिकल्स यू.एस.ए.	70,292.00			70292.00	30465.00			39827.00	
108	दिल्ली तपेदिक उन्मूलन समिति	10,824.00			10824.00				10824.00	
109	जॉन हॉपकिंस बलूम्बर्ग पब्लिक स्वास्थ्य विद्यालय (जेएचबीएसपीएच)	97,463.00		3,391,651.00	3489114.00	2775965.00			713149.00	
110	क्लिनजीन इंटरनेशनल प्रा.लि.	754,382.00			754382.00	16360.00			738022.00	
111	डी.आर.डी.ओ.			827,378.00	827378.00				827378.00	
112	फ्रीडम ट्रॉयल	86,253.00			86253.00				86253.00	
113	डायजीन कार्पोरेशन, यू.एस.ए	42,184.00			42184.00				42184.00	
114	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एवाईयूएसएच)	821,356.00		944,242.00	1765598.00	1298575.00			467023.00	
115	कोब, जापान	10,221.00			10221.00				10221.00	
116	एवाईयूएसएच, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय	116,312.00		465,457.00	581769.00	545752.00			36017.00	
117	ट्रोइका फार्मेस्युटिकल लिमिटेड	25,414.00			25414.00				25414.00	
118	इंटरनेशनल पेडिएट्रिक्स नैफ्रोलॉजी एसोसिएशन	419,398.00		720,120.00	1139518.00	523756.00			615762.00	
119	नेशनल पेरीनेटल एपिडेमियोलॉजी यूनिट, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय यू.के.	1,303,783.00		2,652,126.00	3955909.00	3268112.00			687797.00	
120	एबॉट वास्कुलर, यूएसए	482,902.00			482902.00				482902.00	
121	यूरोपियन कमीशन	2,818,289.00			2818289.00	860003.00			1958286.00	
122	सिनेर्जी नेटवर्क इंडिया प्रो.लि.	551.00			551.00				551.00	
123	सोल्वी फार्मा लि.	13,465.00			13465.00				13465.00	
124	रलिसिस मेडिकल डिवाइसिज लिमिटेड		-3,433.00		-3433.00					-3433.00
125	पीपीडी फार्मेस्युटिकल डेवलपमेंट इंडिया प्रो.लिमिटेड		-1,854.00		-1854.00	13196.00				-15050.00
126	ऑक्सीलियम टेक्नीकल एवं मैनेजमेंट सर्विसिज़ प्रो. लिमिटेड	400.00			400.00				400.00	
127	मै. एसप्रिवा फार्मेस्यू टिकल कार्पोरेशन, कनाडा	-41,816.00		-41816.00	-550.00				-41266.00	
128	क्लिनिरक्स रिसर्च प्रा.लि. गुडगांव, हरियाणा	129,807.00		127,219.00	257026.00	137424.00			119602.00	

129	केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद	1,284,371.00		1,000,000.00	2284371.00	1733347.00			551024.00	
130	क्लिनसाइट, यू.एस.ए.	665.00			665.00				665.00	
131	मै. मार्केन्सस अनुसंधान प्रभाग		-4,745.00		-4745.00					-4745.00
132	थ्रैसहोल्ड फार्मेस्युटिकल्स, यू.एस.ए.		-3,136.00		-3136.00					-3136.00
133	लंदन स्कूल आफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन, यू.के.	137,225.00			137225.00				137225.00	
134	ग्लैक्सो स्मिथ क्लिन एशिया प्रा. लि.	2,084,913.00		426,971.00	2511884.00	1513209.00			998675.00	
135	एजिनोमोटा कं. जापान	43,855.00			43855.00				43855.00	
136	दि इंटरनेशनल सोसायटी फॉर पेडिएट्रिक न्यूरोसर्जरी (आईएसपीएनई)	408.00			408.00				408.00	
137	एमएसडी(इंडिया) प्रा.लि.	327,166.00		656,100.00	983266.00	214872.00			768394.00	
138	सोलूमिक्स हर्बेस्यूटिकल्स लिमिटेड	13.00			13.00				13.00	
139	केडिला हेल्थ केयर लि.	170,758.00			170758.00	118007.00			52751.00	
140	ए.ओ. स्पाइन इंटरनेशनल, यू.एस.ए.	121,797.00		489,079.00	610876.00	236891.00			373985.00	
141	शिरे ह्यूमन जिनेटिक थिरेपीज़ इंक, यू.एस.ए.	2,640,313.00		1,407,350.00	4047663.00	1381193.00			2666470.00	
142	सेंटकोर रिसर्च एंड डेवलपमेंट, यू.एस.ए.	85,639.00		739,943.00	825582.00	770503.00			55079.00	
143	नीमान मेडिकल इंटरनेशनल एशिया लिमिटेड	237,385.00			237385.00				237385.00	
144	एपोथेकेरिज लि.	435.00			435.00				435.00	
145	परेक्सल इंटरनेशनल लिमिटेड यू.के.	1,545,901.87		991,598.40	2537500.27	458885.00			2078615.27	
146	ऑक्सीजन, यू.एस.ए.	245,787.84			245787.84	30661.00			215126.84	
147	हिंदुस्तान लेटेक्स लिमिटेड	62,224.00		355,000.00	417224.00	179837.00			237387.00	
148	सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	285,905.00			285905.00	531744.00	368600.00		122761.00	
149	ओवरसीज एसोसिएट	190.00			190.00				190.00	
150	ग्लैक्सो स्मिथ क्लिन	76,096.00		468,187.00	544283.00	213367.00			330916.00	
151	आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद्, यू.के.	905.00		110,706.00	111611.00	112161.00				-550.00
152	बायोजेन इंडेक लिमिटेड यू.के.	674,199.00			674199.00	281276.00			392923.00	
153	ग्लोबल कैंसर कंसर्न इंडिया	3,647.00			3647.00				3647.00	
154	एन.सी.प्रा.लिमिटेड	37,117.00			37117.00				37117.00	
155	एन.सी.टी.	68,140.00		166,645.00	234785.00	165441.00			69344.00	
156	एन.ए.आई.पी.	340,663.00		738,743.00	1079406.00	883832.00			195574.00	
157	केलगेरी विश्वविद्यालय, कनाड़ा	57,187.00			57187.00				57187.00	
158	कार्वेटिस, यू.एस.ए.	654,606.00			654606.00	202305.00			452301.00	
159	ब्रिटिश काउंसिल, यू.के.	2,064,096.00			2064096.00	1389768.00			674328.00	
160	दि सर्विस डिडर्मेटोलॉजी, फ्रांस		-8,445.00		-8445.00					-8445.00

161	मर्क सिरोनो इंटरनेशनल एस.ए. स्वीजरलैंड	1,034,631.00		1,847,227.00	2881858.00	2851956.00			29902.00	
162	वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय	6,180.00			6180.00				6180.00	
163	चिरकारी रोग नियंत्रण केंद्र	410.00			410.00				410.00	
164	लूपिन लि.	8,386.00			8386.00	-10000.00			18386.00	
165	कोलोप्लास्ट		-5,775.00		-5775.00					-5775.00
166	पीरामल लाइफ साइंसेज	93,003.00			93003.00	34550.00			58453.00	
167	क्रिटेरियम	503,957.00		430,650.00	934607.00	293171.00			641436.00	
168	मै. आर्केमिडिज़ डेवलपमेंट लि. यू.के.	349,634.00		365,946.00	715580.00	658480.00			57100.00	
169	नोटिंघम विश्वविद्यालय, यू.के.	119,477.00			119477.00	6418.00			113059.00	
170	ब्रीस्टोल मेयर स्क्यूइब इंडिया प्रा. लि.	200,687.00		230,400.00	431087.00	419435.00			11652.00	
171	ब्रेन्स गेट लि. इजराइल	117,274.00			117274.00	117142.00			132.00	
172	केंद्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच), जनकपुरी, नई दिल्ली			763,500.00	763500.00	76350.00			687150.00	
173	जीव दया फाउंडेशन	171,550.00		1,476,110.00	1647660.00	949644.00			698016.00	
174	क्यूएड़ फार्मेस्युटिकल सर्विसेज प्रा.लि.	577,043.00			577043.00				577043.00	
175	एमजेन टेक्नोलॉजी प्रा.लि.	534,209.00		553,781.00	1087990.00	297128.00			790862.00	
176	एसीई फार्मेस्युटिकल्स बी.वी. नीदरलैंड	330,529.00		1,176,284.00	1506813.00	1287452.00			219361.00	
177	एक्टेलियन फार्मेस्युटिकल्स लि., स्विजरलैंड	10,619.00		32,400.00	43019.00	43019.00			0.00	
178	मेक्लियोड्स फार्मेस्युटिकल्स लि.	5,708.00			5708.00	5690.00			18.00	
179	स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग, रोग नियंत्रण केंद्र, यू.एस.ए.	15,982,907.00		13,882,039.00	29864946.00	20717009.00			9147937.00	
180	फार्म-ओलम इंटरनेशनल लि.	34,382.00			34382.00	17459.00			16923.00	
181	मर्क एंड कं.इंक., यू.एस.ए.	1,780,104.00		2,135,220.00	3915324.00	1723136.00			2192188.00	
182	केंद्रीय वैज्ञानिक उपकरण संगठन	200,793.00			200793.00	65236.00			135557.00	
183	एमसी मास्टर विश्वविद्यालय कनाड़ा	8,626.00		479,965.00	488591.00	272051.00			216540.00	
184	जिनोमिक्स एंड इंटेगरेटिव जीव विज्ञान संस्थान	505,202.00		3,587,246.00	4092448.00	2174864.00			1917584.00	
185	इंडिया मेडट्रोनिक प्रा.लि.	8,038.00		21,460.00	29498.00	23119.00			6379.00	
186	अमेरिकन गेस्ट्रोइन-टेस्टिनल एंड इंडो स्कॉपी सर्जन सोसायटी	961,919.00			961919.00	926418.00			35501.00	
187	सन फार्मेस्युटिकल्स	17,659.00		87,545.00	105204.00	101820.00			3384.00	
188	राष्ट्रीय ज्ञान आयोग			9,270,000.00	9270000.00	281465.00			8988535.00	

189	जी.डब्ल्यू फार्मा. लि. यू.के.	9,261.00			9261.00				9261.00	
190	लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट			192,000.00	192000.00	192500.00				-500.00
191	लीवर फाउंडेशन	88,665.00		636,593.00	725258.00	402189.00			323069.00	
192	ईएमएमईएस कार्पोरेशन मेरीलेंड, यू.एस.ए.	203,292.00			203292.00	199995.00			3297.00	
193	फ्लेमेनतेरा एजी, स्विजरलैंड			549,300.00	549300.00	16479.00			532821.00	
194	ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान	79,120.00		150,000.00	229120.00	174900.00			54220.00	
195	मार्फो. इंक. यूएसए.			161,665.98	161665.98	141063.00			20602.98	
196	एल्बर्ट डेविड लि.	145,500.00			145500.00	88353.00			57147.00	
197	सानाट प्रोडक्ट लि.	308,922.00		318,476.00	627398.00	621640.00			5758.00	
198	आई.सी.जी. ई.एंड बी.			597,400.00	597400.00	491453.00			105947.00	
199	आई.ए.डी.वी.एल	414,190.00			414190.00	117432.00			296758.00	
200	कैमिकल एंड पेट्रो-कैमिकल्स मंत्रालय			545000.00	545000.00	50350.00			494650.00	
201	राष्ट्रीय फार्मेस्युटिकल शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान			3,480,000.00	3480000.00	736823.00			2743177.00	
202	मेक्स नीमान इंटरनेशनल			49,799.00	49799.00	13879.00			35920.00	
203	जॉर्ज अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, ऑस्ट्रेलिया			205,317.00	205317.00	114830.00			90487.00	
204	अपोथेकेरीज प्रा. लि.			194,250.00	194250.00	102932.00			91318.00	
205	चिरकारी रोग नियंत्रण केंद्र, नई दिल्ली			320,000.00	320000.00	181411.00			138589.00	
206	बीआरआईडीजीईएस, यू.एस.ए.			1,522,725.00	1522725.00	484969.00			1037756.00	
208	एलजी लाइफ साईंसिज इंडिया प्रा. लि.			260,192.00	260192.00	26018.00			234174.00	
209	मर्क फार्मेस्युटिकल्स लि.			80,000.00	80000.00	46133.00			33867.00	
210	केनेडियन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, कनाड़ा				0.00	52000.00				-52000.00
211	अंतरराष्ट्रीय कैंसर विरोधी यूनियन (यूआईसीसी)			675,524.00	675524.00	67552.00			607972.00	
212	क्यूजेन इंक. इंडिया			450,000.00	450000.00	45000.00			405000.00	
213	आईपीसीए लेबोरेट्रीज			493,585.00	493585.00	56813.00			436772.00	
214	जिनोटेक			82,108.00	82108.00	8210.00			73898.00	
		437660749.69	**-3287461**	**555624062.43**	**989997351.12**	**519689837**	**368600**	**368600**	**473784355.12**	**-3476841**

(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

परिशिष्ट-क1

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अनुसंधान अनुभाग

वित्त वर्ष 2010-11 के दौरान उपकरणों की खरीद हेतु किए गए व्यय का विवरण

क्र.सं.	कोड़ सं.	परियोजना अन्वेषक का नाम	माह	राशि
1	एन1188	डॉ. ए. मल्होत्रा	जून 2010	165,393
2	एन1124	डॉ. आरती कपिल	जून 2010	1,950
3	एन1124	डॉ. आरती कपिल	जुलाई 2010	-16,027
4	एन1123	डॉ. बलराम भार्गव	अगस्त 2010	10,505
5	एन935	डॉ. बलराम भार्गव	मई 2010	243,918
6	एन935	डॉ. बलराम भार्गव	जून 2010	347,383
7	एन935	डॉ. बलराम भार्गव	अगस्त 2010	4,637
8	एन935	डॉ. बलराम भार्गव	सितंबर 2010	5,707
9	एन1145	डॉ. सी.एस.बाल	सितंबर 2010	-3,958
10	सीएसआईआर6	डॉ. डी.एन.राव	मार्च 2011	99,000
11	आई685	डॉ. डी.एन.राव	जनवरी 2011	51,738
12	आई685	डॉ. डी.एन.राव	फरवरी 2011	29,800
13	आई685	डॉ. डी.एन.राव	मार्च 2011	19,968
14	एन1073	डॉ. डी.एन.राव	अगस्त 2010	6,682
15	डी253	डॉ. डी. एस. आर्य	जून 2010	-13,225
16	डी253	डॉ. डी. एस. आर्य	जनवरी 2011	14,138
17	आई570	डॉ. डी एस बी रे	अगस्त 2010	5,819
18	डी265	डॉ. जी.पी. बंदोपाध्याय	मार्च 2011	304,970
19	एन1050	डॉ. गीता सत्पथी	मई 2010	8,200
20	एन1050	डॉ. गीता सत्पथी	जुलाई 2010	70,884
21	एन1050	डॉ. गीता सत्पथी	मार्च 2011	51,188
22	एन1062	डॉ. जे.एस.त्यागी	अगस्त 2010	5,324
23	एन1062	डॉ. जे.एस.त्यागी	सितंबर 2010	151,713
24	एन1151	डॉ. जे.एस.त्यागी	मई 2010	73,125
25	आई625	डॉ. के आनंद	जून 2010	195,300
26	आई625	डॉ. के आनंद	जुलाई 2010	24,579
27	आई625	डॉ. के आनंद	अगस्त 2010	121,050
28	आई625	डॉ. के आनंद	जनवरी 2011	28,454
29	आई625	डॉ. के आनंद	मार्च 2011	21,728
30	आई645	डॉ. कल्पना लूथरा	मई 2010	130,000
31	एन1125	डॉ. कल्पना लूथरा	जून 2010	1,450
32	एन1125	डॉ. कल्पना लूथरा	जनवरी 2011	7,578
33	एन1125	डॉ. कल्पना लूथरा	मार्च 2011	-8,183
34	एन1163	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	जून 2010	99,900
35	एन1163	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	जुलाई 2010	-3,167
36	एन958	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	जुलाई 2010	-31,078

37	एन966	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	अप्रैल 2010	10,950
38	एन966	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	मार्च 2011	67,200
39	आई560	डॉ. एम.एल.खुराना	अगस्त 2010	-5,903
40	डी266	डॉ. एम.एल.खुराना	जनवरी 2010	41,624
41	डी266	डॉ. एम.आर.राजेश्वरी	मार्च 2011	1,606,600
42	आई637	डॉ. एम.आर.राजेश्वर	जून 2010	73,125
43	डी273	डॉ. मधुलिका काबरा	मार्च 2011	214,670
44	डी269	डॉ. माधुरी बिहारी	मार्च 2011	51,049
45	आई671	डॉ. कंचन मित्तल	फरवरी 2011	17,430
46	आई658	डॉ. एन.सी.चंद्रा	जुलाई 2010	597,800
47	आई658	डॉ. एन.सी.चंद्रा	जनवरी 2011	13,107
48	आई658	डॉ. एन.सी.चंद्रा	मार्च 2011	-25,786
49	आई510	डॉ. एन.के.मेहरा	अगस्त 2010	237
50	आई583	डॉ. नीना खन्ना	मार्च 2011	3,780
51	एन957	डॉ. गोबिंद के. मखारीया	मई 2010	41,063
52	आई613	डॉ. प्रमोद गर्ग	जुलाई 2010	191,250
53	एन1081	डॉ. प्रमोद गर्ग	जून 2010	-13,225
54	एन1081	डॉ. प्रमोद गर्ग	अगस्त 2010	317
55	एन1081	डॉ. प्रमोद गर्ग	जनवरी 2011	14,138
56	आई581	डॉ. प्रतीमा रे	अगस्त 2010	4,776
57	एन1002	डॉ. प्रतीमा रे	अगस्त 2010	11,129
58	एन1005	डॉ. राधिका टंडन	सितंबर 2010	4,849
59	एन1005	डॉ. राधिका टंडन	मार्च 2011	-327
60	आई492	डॉ. राजेश मल्होत्रा	अगस्त 2010	-2,202
61	आई629	डॉ. राजेश मल्होत्रा	अप्रैल 2010	199,500
62	आई629	डॉ. राजेश मल्होत्रा	अक्तूबर 2010	99,750
63	एन1011	डॉ. राजेश मल्होत्रा	जुलाई 2010	17,300
64	एन1097	डॉ. राजेश मल्होत्रा	जनवरी 2010	14,275
65	एन1097	डॉ. राजेश मल्होत्रा	जुलाई 2010	10,600
66	एन1097	डॉ. राजेश मल्होत्रा	जनवरी 2011	14,138
67	डी232	डॉ. रणदीप गुलेरिया	जनवरी 2011	64,725
68	आई610	डॉ. रणदीप गुलेरिया	जुलाई 2010	276,150
69	एन1094	डॉ. रणदीप गुलेरिया	मार्च 2011	10,174
70	एन980	डॉ. रणदीप गुलेरिया	मार्च 2011	407,639
71	डी237	डॉ. रेणु सक्सेना	मई 2010	387,975
72	डी260	डॉ. रेणु सक्सेना	नवंबर 2010	157,725
73	एन1198	डॉ. एस.के. मोलिक	मार्च 2011	69,000
74	डी220	डॉ.एस.के.पाण्डा	अगस्त 2010	23,258
75	एन1209	डॉ.एस.के.पाण्डा	मार्च 2011	1,563,112
76	एन967	डॉ.एस.के.पाण्डा	अगस्त 2010	-47,537
77	एन911	डॉ.एस.के. शर्मा	सितंबर 2010	3,340
78	एन911	डॉ.एस.के. शर्मा	मार्च 2011	175,000
79	एन1004	डॉ.एस. एस. चौहान	अगस्त 2010	5,370
80	एन1184	डॉ.एस.एस. चौहान	अगस्त 2010	76,080

81	एन1184	डॉ.एस.एस. चौहान	अक्तूबर 2010	184,710
82	एन1184	डॉ.एस.एस. चौहान	दिसंबर 2010	699,550
83	एन1184	डॉ.एस.एस. चौहान	फरवरी 2011	198,000
84	एन1044	डॉ. सरमन सिंह	अगस्त 2010	3,120
85	डी264	डॉ. सविताा यादव	जुलाई 2010	196,988
86	डी022	डॉ. शशी वधवा	मार्च 2011	735
87	डी022A	डॉ. शशी वधवा	जून 2010	800
88	डी022A	डॉ. शशी वधवा	जुलाई 2010	-3,468
89	डी022A	डॉ. शशी वधवा	अगस्त 2010	4,057
90	डी022A	डॉ. शशी वधवा	दिसंबर 2010	23,840,990
91	डी022A	डॉ. शशी वधवा	मार्च 2011	-18,841,111
92	एन1085	डॉ. शशी वधवा	अगस्त 2010	-4,921
93	एन1085	डॉ. शशी वधवा	मार्च 2011	96,407
94	आई435	डॉ. शोभा बरूर	जून-10	-2,652,000
95	आई435	डॉ. शोभा बरूर	अगस्त 2010	31,374
96	आई639	डॉ. शोभा बरूर	जुलाई 2010	344,832
97	आई639	डॉ. शोभा बरूर	फरवरी 2011	11,517
98	आई639	डॉ. शोभा बरूर	मार्च 2011	26,472
99	एन1099	डॉ. शोभा बरूर	मई 2010	2,416,886
100	एन1099	डॉ. शोभा बरूर	जून 2010	-32,870
101	एन1099	डॉ. शोभा बरूर	जुलाई 2010	4,016
102	एन1099	डॉ. शोभा बरूर	अगस्त 2010	800
103	एन1099	डॉ. शोभा बरूर	सितंबर 2010	2,519
104	एन1099	डॉ. शोभा बरूर	जनवरी 2011	28,277
105	एन1099	डॉ. शोभा बरूर	फरवरी 2011	295,336
106	एन1099	डॉ. शोभा बरूर	मार्च 2011	164,251
107	एन1100	डॉ. शोभा बरूर	मई 2010	316,338
108	एन1100	डॉ. शोभा बरूर	जून 2010	791,950
109	एन1100	डॉ. शोभा बरूर	जुलाई 2010	252,780
110	एन1100	डॉ. शोभा बरूर	अगस्त 2010	333,805
111	एन1100	डॉ. शोभा बरूर	सितंबर 2010	15,959
112	एन1100	डॉ. शोभा बरूर	मार्च 2011	-93,974
113	एन1152	डॉ. शोभा बरूर	जुलाई 2010	-7,639
114	एन1152	डॉ. शोभा बरूर	अगस्त 2010	614
115	डी192	डॉ. सुब्रता सिंहा	जुलाई 2010	875
116	डी192	डॉ. सुब्रता सिंहा	अगस्त 2010	475
117	डी268	डॉ. सुजाता शर्मा	मार्च 2011	596,500
118	डी272	डॉ. सुजाता शर्मा	मार्च 2011	596,500
119	एन1167	डॉ. टी.पी.सिंह	दिसंबर 2010	202,515
120	एन1167	डॉ. टी.पी.सिंह	जनवरी 2011	166,884
121	आई650	डॉ. टी. एस. रॉय	अक्तूबर 2010	61,538
122	आई650	डॉ. टी. एस. रॉय	दिसंबर 2010	331,593
123	आई650	डॉ. टी. एस. रॉय	मार्च 2011	97,800
124	आई589	डॉ. तुलिका सेठ	मार्च 2011	332,477
125	एन1146	डॉ. उमेश कपिल	जून 2010	29,256

126	आई657	डॉ. वी.के.पॉल	नवंबर 2010	442,688
127	आई657	डॉ. वी.के.पॉल	मार्च 2011	3,041,875
128	एन029	डॉ. वाई.डी.शर्मा	अगस्त 2010	3,356
129	एन1033	डॉ. सुषमा भटनागर	अप्रैल 2010	58,500
130	एन1033	डॉ. सुषमा भटनागर	मई 2010	99,900
131	डी250	डॉ. बी.आर.मिर्धा	अगस्त 2010	49,523
132	आई586	डॉ. मंजरी त्रिपाठी	जून 2010	28,772
133	आई642	डॉ. रीमा दादा	दिसंबर 2010	1,106,620
134	आई642	डॉ. रीमा दादा	फरवरी 2011	28,013
135	आई642	डॉ. रीमा दादा	मार्च 2011	18,514
136	एन1202	डॉ. रीमा दादा	दिसंबर 2010	2,133,437
137	एन1202	डॉ. रीमा दादा	मार्च 2011	15,570
138	आई612	डॉ. प्रतीक कुमार	जुलाई 2010	68,697
139	एन1154	डॉ. प्रथा प्रसाद चट्टोपाध्याय	जून 2010	270,465
140	एन1154	डॉ. प्रथा प्रसाद चट्टोपाध्याय	जुलाई 2010	-122,869
141	एन1154	डॉ. प्रथा प्रसाद चट्टोपाध्याय	अगस्त 2010	116,425
142	एन1154	डॉ. प्रथा प्रसाद चट्टोपाध्याय	सितंबर 2010	1,497
143	डी196	डॉ. रश्मि माथुर	अगस्त 2010	10,123
144	डी248	डॉ. रश्मि माथुर	अगस्त 2010	199,160
145	एन834	डॉ. सुनेश जैन	नवंबर 2010	35,200
146	एन824	डॉ. संजीव सिन्हा	जनवरी 2011	221,050
147	एन824	डॉ. संजीव सिन्हा	फरवरी 2011	196,300
148	एन824	डॉ. संजीव सिन्हा	मार्च 2011	-992
149	एन975	डॉ. संजीव सिन्हा	दिसंबर 2010	204,850
150	एन975	डॉ. संजीव सिन्हा	फरवरी 2011	72,955
151	एन975	डॉ. संजीव सिन्हा	मार्च 2011	39
152	एन1095	डॉ. राजेंद्र कुमार	मई 2010	40,765
153	आई609	डॉ. अनंत मोहन	मई 2010	48,375
154	एन1158	डॉ. वी. श्रीनिवास	मई 2010	6,100
155	आई616	डॉ. रितु दुग्गल आई	अगस्त 2010	18,170
156	एन1021	डॉ. बलराम ऐरन	जून 2010	3,022,970
157	एन1021	डॉ. बलराम ऐरन	अगस्त 2010	445,498
158	एन1021	डॉ. बलराम ऐरन	सितंबर2010	99,788
159	एन1021	डॉ. बलराम ऐरन	जनवरी 2011	4,269
160	एन1021	डॉ. बलराम ऐरन	मार्च 2011	711,356
161	एन865	डॉ. बलराम ऐरन	मई 2010	99,788
162	एन865	डॉ. बलराम ऐरन	अगस्त 2010	-99,788
163	एन947	डॉ. एस. विवेकानंदन	अगस्त 2010	24,276
164	एन976	डॉ. राजकुमार यादव	मई 2010	175,728
165	एन1174	डॉ. ए.के.मुखोपाध्याय	दिसंबर 2010	686,350
166	आई647	डॉ. सुजाता मोहंती	फरवरी 2011	196,875
167	आई647	डॉ. सुजाता मोहंती	मार्च 2011	638,996
168	एन1015	डॉ. सुजाता मोहंती	जूलाई 2010	728
169	एन1015	डॉ. सुजाता मोहंती	अक्तूबर 2010	4,868
170	एन1015	डॉ. सुजाता मोहंती	मार्च 2011	7,194
171	एन1141	डॉ. संजीव शर्मा	अगस्त 2010	5,674

172	एन867	डॉ. दीपक कुमार गुप्ता	अगस्त 2010	130,500
173	एन1058	डॉ. समीर बख्शी	अगस्त 2010	45,000
174	डी221	डॉ. बी. एस.शर्मा	अप्रैल 2010	78,624
175	डी221	डॉ. बी. एस.शर्मा	अगस्त 2010	5,977
176	डी259	डॉ. ए. श्रीनिवासन	अप्रैल 2010	52,500
177	एन1147	डॉ. आशिष सूरी	जून 2010	614,250
178	एन1147	डॉ. आशिष सूरी	जुलाई 2010	499,382
179	एन1147	डॉ. आशिष सूरी	सितंबर 2010	8,449
180	एन1147	डॉ. आशिष सूरी	मार्च 2011	-31,771
181	एन1056	डॉ. अल्पना शर्मा	अगस्त 2010	6,969
182	डी246	डॉ. संजय कुमार सूद	अगस्त 2010	294
183	एन1091	डॉ. शशांक शरद काले	मई 2010	29,500
184	आई602	डॉ. अनिता सक्सेना	अगस्त 2010	970
185	आई602	डॉ. अनिता सक्सेना	फरवरी 2011	52,595
186	आई646	डॉ. अनिता सक्सेना	जुलाई 2010	6,850
187	आई646	डॉ. अनिता सक्सेना	अक्तूबर 2010	1,471,507
188	डी263	डॉ. अशोक कुमार जरयाल	मई 2010	98,596
189	डी263	डॉ. अशोक कुमार जरयाल	जून 2010	1,950
190	डी263	डॉ. अशोक कुमार जरयाल	जुलाई 2010	-52,590
191	डी263	डॉ. अशोक कुमार जरयाल	जनवरी 2011	1,681
192	डी263	डॉ. अशोक कुमार जरयाल	मार्च 2011	95,417
193	एन1087	डॉ. अशोक कुमार जरयाल	अगस्त 2010	56,455
194	एन1140	डॉ. राजीव कुमार	मई 2010	243,338
195	एन1140	डॉ. राजीव कुमार	अगस्त 2010	55,125
196	एन1140	डॉ. राजीव कुमार	दिसंबर 2010	6,500
197	आई615	डॉ. आशुतोष बिस्वास	अगस्त 2010	49,900
198	आई594	डॉ. अतुल कुमार	जून 2010	142,824
199	आई594	डॉ. अतुल कुमार	जुलाई 2010	-10,812
200	एन1126	डॉ. प्रवास चंद्र मिश्रा आई	जून 2010	122,378
201	डी271	डॉ. एस. सेंथिल कुमारन	मार्च 2011	525,000
		महायोग		**38,460,190**

(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

परिशिष्ट - ख

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

विविध देन दारों की सूची (स्कीम सेल)

क्र.सं.	वित्तपोषित एजेंसी	नामे
1	राजीव गांधी फाउंडेशन	989
2	इन्क्लेन	118368
3	यू.के.कैंसर अनुसंधान संस्थान समन्वय समिति	7209
4	साराभाई कैमिकल्स	4868
5	एसआरबी-नैदानिक भेषजगुण विज्ञान	3154100
6	जाइडस हेल्थ केयर लि.	398
7	प्रसूति एवं स्त्री रोगी विज्ञानी फेडरेशन	276
8	एमिल फार्मास्यूटिकल इंडिया लि.	331
9	एल.जी.कैमिकल्स इण्डिया प्रा. लि.	668
10	हिंदुस्तान लेटेक्स परिवार नियोजन प्रोत्साहन	7020
	सेविंग न्यू बोर्न लिव्ज, यू.एस.ए.	10898
11	दी माइक्रोन्यूट्रिएंट इनिशिएटिव, एशिया	470
12	वुलिमिनी रामालिंगा स्वामी फाउंडेशन	6508
13	मीडिया लैब एशिया	11301
	यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक यू. के.	1061
14	भारत सीरम एण्ड वेक्सिन लि.	10000
15	डी रिचर्चस इंटरनेशनल सर्वियर संस्थान (आईआरआईएस), फ्रांस	2034
16	पेरेग्रीन फार्मस्युटिकल्स, यू.एस.ए.	1210
17	रेलिसिस मेडिकल डिवाइसिस लि.	3433
18	पीपीडी फार्मस्युटिकल डिवेल्पमेंट इण्डिया प्रा. लि.	15050
19	मै. एस्प्रेवा फार्मस्युटिकल कार्पोरेशन, कनाड़ा	41266
20	मै. मार्केसंस अनुसंधान प्रभाग	4745
21	थ्रोसहोल्ड फार्मस्युटिकल्स, यू.एस.ए.	3136
22	आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद्, यू.के.	550
23	दि सर्विस डी डर्मेटेलॉजी, फ्रांस	8445
24	कोलोप्लास्ट	5775
25	लेड़ी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट	500
26	कनेडियन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, कनाड़ा	52000
		3476841

(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

परिशिष्ट - ग

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2011 को दान एवं निवेश दर्शाने वाला विवरण

क्र. सं.	निवेश का विवरण एवं प्रकार	दान की राशि	निवेश की राशि
1	एम्स रोटरी कैंसर अस्पताल	700000	700000
2	विविध दान-रूधिर विज्ञान	8000	8000
	डॉ. ए.के. सराया के अंतर्गत		
3	डॉ. ए.के. सराया	78274	78274
4	अनाम दाता	70000	70000
5	डॉ. बी.बी.दीक्षित पुस्तकालय	10000	13700
6	चाचामा दान दाता	150000	199600
7	मेजर जनरल एस.एल. भाटिया	10000	9800
8	मेजर जनरल अमीर चंद	150000 100000	149660 100000
9	सरूप चंद हंसराज	20000	19500
10	राजकुमारी अमृत कौर	25000	25000
11	कैथरिन सोरेल फ्रायमेन	5000	5000
12	डॉ. एस एल. कालरा	6000	5800
13	आर.एल. राजगढिया	850000	850000
14	श्रीमती प्रकाशवती दान	13800	13800
15	श्रीमती कृपाल कौर (यूनिट ट्रस्ट)	6000	5908
16	लाला खुशीराम	247753	247753
17	एस.पी.विरमानी (सावधि-जमा)	1500	1500
18	ईस्ट इंडिया कमर्शियल प्रा.लि.कलकत्ता	3200000	2800000
	(सावधि जमा) एस.आर.बी.		
19	डॉ. कांति कपिला (यूनिट ट्रस्ट)	10079	10002
20	डॉ. वी. रामालिंग स्वामी (यूनिट ट्रस्ट)	8000	7996
21	एस.आर.एस. सभरवाल (यूनिट ट्रस्ट)	10000	9951
22	डॉ. एन.एच. केसवानी (यूनिट ट्रस्ट)	10000	9990
23	डॉ. वी. हिंगोरानी	15000	15000
24	कुमुदिनी कृष्णामूर्ति	15000	15000
25	जी.डी. राधाकृष्ण (सर्वेश्वरी स्मारक व्याख्यान, यूनिट ट्रस्ट)	20000	19987
26	पी.एल.टंडन (सावधि जमा)	15000	15000
27	15वां अंतरराष्ट्रीय बाल चिकित्सा सम्मेलन (यूनिट ट्रस्ट)	40000	40000
28	राम लुमाया दान (सावधि जमा)	15000	15000

29	सुभाष मेमोरियल फाउंडेशन (वी.एल.तेलकर दान)	10101	10101
30	श्रीमती इंदिरा सत्यानंद	10000	10000
31	श्री के.वी. सुबाराव	10000	10000
32	न्यूजीलैंड उच्च आयोग	10000	10000
33	अखिलेश मित्तल (सुमित मोहन सदन दयाल ट्रस्ट)	20000	20000
34	प्रेमलता कपूर	10000	10000
35	द्वारका प्रसाद ट्रस्ट	50000	50000
36	स्व. श्री डी.आर. बाहरी	15000	15000
37	सेवा राम	15000	15000
38	संकाय परोपकारी निधि	60065	60065
39	वी. रंगा मेमोरियल ट्रस्ट	50000	50000
40	श्री दोराबजी ट्रस्ट	10000	10000
41	कॉर्पस निधि	30000	30000
42	एम्सोनियन्स	10000	10000
43	सरला आत्म प्रकाश	15000	15000
44	के.एल. विग रिसर्च फाउंडेशन	100000	100000
45	वी.के. मित्तल	130000	130000
46	स्नेहलता सोनी	15000	15000
47	एम्सोनियन ऑफ अमेरिका	129850 151630 126471	129850 151630 126471
48	श्रीमती लीलावती सलवान	15000	15000
49	डॉ. डी.के.गुप्ता	100000	100000
50	जे.आर.चावला	15000	15000
51	श्याम शर्मा के संदर्भ में उर्मिल शर्मा	15000	15000
52	श्रीमती सुशीलावती मल्होत्रा	500000	500000
53	बसंती कुमारी	100000	100000
54	अस्थि रोगी विज्ञान केंद्र	250000	250000
55	डॉ. एस.बी. रॉय	125000	125000
56	श्री आर.वी. कंधारी	100000	100000
57	डॉ. बी.के. कपूर	125000	125000
58	श्रीमती सावित्री उग्रसेन	100000	100000
59	विमल लोमस	200000	200000
60	श्रीमती प्रमदा बजाज	200000	200000
61	डॉ. वी. रामालिंगास्वामी	100000	100000
62	डॉ. एन.सी. नायक	100000	100000
63	डॉ. एच.डी. टंडन	100000	100000

64	आचार्य एन. गोपीनाथ (सी.टी.वी.एस.)	1200000	1200000
65	आचार्य एल.के. भुटानी ओरेशन	500000	500000
66	बिन्थ रोहतगी एवं श्रीमती शकुंतला	36000	-
67	डॉ. के.एल. विग (एस.बी.आई.)	36990	37000
68	जेनिथ फाइनेंस एंड कं. (एस.बी.आई.)	17000	17000
69	कामनी चैरिटी ट्रस्ट (एस.बी.आई.)	15000	15000
70	श्रीमती कौशल्या थापर (यूनिट ट्रस्ट)	12000	12017
71	श्रीमती बृजरानी साहनी (यूनिट ट्रस्ट)	22501	22472
72	कमला बी.के. आनंद	100000	100000
73	श्री जी.डी. झांगिनी	25500	25602
74	डॉ. बी.के. आनंद (यूनिट ट्रस्ट)	5000	4995
75	आर.एस. नंदा	78274	78274
76	जी.पी.एफ. निवेश		2662176232
77	एन.पी.एस. निवेश		341900000
	कुल	**10902514**	**3014594656**

(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

परिशिष्ट - घ

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2011 को विविध दान का विवरण

क्र.सं.	विभाग	अथशेष 1.4.2010 के अनुसार	अनुदान	कुल	व्यय	अंतशेष 31.03.2011 के अनुसार
1	आर एंड ए.एल	19475		19475		19475
2	मनोचिकित्सा	28495		28495		28495
3	रूधिर विज्ञान	12380		12380		12380
4	अस्थि रोग	65586		65586		65586
5	प्रतिरक्षा विज्ञान	824		824		824
6	बाल शल्य चिकित्सा	32041		32041		32041
7	संस्थान विविध	137338		137338		137338
8	त्वचा रोग विज्ञान	15974		15974		15974
9	सं.रो.कैं.अं.डॉ.वी.कोचुपिल्लै	10460		10460		10460
10	कुष्ठ रोगी	115785		115785		115785
11	सं.रो.कैं.अं.डॉ.ए.के.बासु	17651		17651		17651
12	हृद तंत्रिका केंद्र	20418		20418		20418
13	बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय	3324		3324		3324
14	कर्मचारी कल्याण निधि	125139		125139		125139
15	पी.एम.आर.निर्धन निधि	34199		34199		34199
16	शल्य चिकित्सा	501		501		501
17	के.एल.विग सीमेट	12021		12021		12021
18	नाभिकीय चिकित्सा	19571		19571		19571
19	सी.ई.यू.	30000		30000		30000
20	डॉ. एन.के.मेहरा	597235		597235		597235
21	आई.सी.जी.ई.बी. डॉ. टी.पी.सिंह	444630		444630		444630
22	डॉ. वीना कालरा	74682		74682		74682
23	लीवर क्लिनिकल जठरांत्र रोग	2865		2865		2865
24	डॉ. एन.पी. गुप्ता मूत्र रोग विज्ञान	4982		4982		4982
25	डॉ. एन. कोचुपिल्लै-निर्धन रोगी	120000		120000		120000
26	बाल आनुवंशिकी	513560	290450	804010	198250	605760
27	श्रीमती उषा शर्मा	176600		176600		176600
28	विविध प्राप्ति	145540		145540		145540
		2781276	**290450**	**3071726**	**198250**	**2873476**

(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

परिशिष्ट - ङ

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31.03.2011 को विविध जमा का विवरण

2010-2011

क.सं.	विभाग का नाम	राशि
1	मुद्रण एवं लेखा सामग्री नियंत्रक	16076
2	सी.पी.डब्ल्यू.डी. शिमला	70432
3	सी.पी.डब्ल्यू.डी.	7096
4	दिल्ली नगर निगम	33750
5	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान	4250
6	एन.डी.एम.सी.	173242
7	डाक तार परिमंडल प्रभाग	12796
8	भारतीय टेलीफोन उद्योग	13344
	कुल	**330986**

(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

परिशिष्ट च

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

सामान्य भविष्य निधि का विवरण

2010-2011

दिनांक 1.04.2010 के अनुसार निवेश का अथशेष	2189184354
वर्ष 2010-11 के दौरान निवेश	890991878
रोकड़ पुस्तिका का अंतशेष जमा	67558097
वर्ष 2010-11 के दौरान परिपक्व निवेश	418000000
	2729734329

नई पेंशन योजना निवेश का विवरण

2010-2011

दिनांक 1.04.2010 के अनुसार निवेश का अथशेष	91900000
वर्ष 2010-11 के दौरान निवेश	553700000
	645600000
वर्ष 2010-11 के दौरान परिपक्व निवेश	303700000
	341900000
दिनांक 31.03.2011 के अनुसार रोकड़ पुस्तिका का अंतशेष	10867288
	352767288

(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

परिशिष्ट च-1

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

सामान्य भविष्य निधि अनुभाग

31 मार्च, 2011 को समाप्ति वर्ष हेतु अ.भा.आ.सं. की सामान्य भविष्य निधि

प्राप्तियां	**राशि**	**भुगतान**	
रोकड़ पुस्तिका अथशेष	180803780	आहरण	397571834
प्राप्ति (अंशदान/प्राप्ति)	558361650	समीक्ष्य वर्ष 2010-11 के दौरान निवेश	890991878
जमा ब्याज प्राप्त किया	198956379	रोकड़ पुस्तिका अंतशेष	67558097
जमा निवेश परिपक्वता	418000000		
कुल	**1356121809**	**कुल**	**1356121809**

<u>दिनांक 31 मार्च, 2011 के अनुसार अ.भा.आ.सं. की सामान्य भविष्य निधि का तुलन पत्र</u>

देयताएं	**राशि**	**परिसंपत्तियां**	**राशि**
सामान्य भविष्य निधि		निवेश	
अथशेष	2369988134	अथशेष	2189184354
समीक्ष्य वर्ष 2010-11 के दौरान जमा प्राप्ति	558361650	समीक्ष्य वर्ष 2010-11के दौरान जमा निवेश	890991878
जमा ब्याज प्राप्त किया	198956379	जमा रोकड़ पुस्तिका अंत शेष	67558097
	3127306163		3147734329
न्यून आहरण	397571834	न्यून परिपक्वता	418000000
कुल	**2729734329**	**कुल**	**2729734329**

माह	**प्राप्तियां**	**भुगतान**	
अप्रैल	44247636	44392634	
मई	46915307	38346471	
जून	45418991	29231843	
जुलाई	44010545	32518166	
अगस्त	45092816	41219685	
सितंबर	45171955	36099055	
अक्तूबर	45440354	29188405	
नवंबर	46215408	33591718	
दिसंबर	47714366	35473167	
जनवरी	49446626	28372416	
फरवरी	49301878	24309604	
मार्च	49385768	24828670	
	558361650	**397571834**	
राशि		**558361650**	
कुल अंशदान जमा		**2369988134**	
कुल पिछला शेष		**197677658**	
कुल ब्याज भुगतान		**3126027442**	
कुल शुद्ध		**397571834**	
कुल आहरण			
महा योग		**2728455608**	

(श्रीमती बसंती दलाल)
वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के लिए वर्ष 2009-2010 एवं 2010-2011 हेतु

वास्तविक व्यय के आंकड़े तथा वर्ष 2011-2012 का बजट आकलन

(रुपए करोड़ में)

शीर्ष/उप-शीर्ष	वास्तविक व्यय					स्वीकृत बजट आकलन		
	2009-2010		2010-2011			2011-12		
	योजना	गैर-योजना	योजना		गैर-योजना	योजना		
			राजस्व(छ)	पूंजी(ढ)		राजस्व(छ)	पूंजी(ढ)	गैर-योजना
	1	2	3	4	5	6	7	8
क. (मुख्य संस्थान)								
वेतन एवं भत्ते सहित	-	307.32	13.99	-	265.31	39.35	-	265.00
एलएस एवं पी.सी वृत्तिका आदि								
लघु निर्माण	-		22.40	-	-	19.00	-	-
बड़े निर्माण	-	-		40.84	-		-	-
कॉमन वेल्थ क्रिडाएं	-	-		-	-	-	-	-
मशीनरी एवं उपकरण	87.36	4.57		86.74		7.88	92.05	2.50
तथा कंप्यूटर		131.80			5.72			
				150.60				
सामग्री एवं आपूर्ति	-			-		-	-	111.00
भवन अनुरक्षण	-	8.34		-	9.52	-	-	8.00
				41.73			40.00	
वेतन एवं अन्य	-	42.89		-		-	-	
पेंशन लाभ								
वसूलनीय अग्रिम	-	0.28		-		-	-	0.50
भवन निर्माण अग्रिम	-	0.21		-		-	-	0.50
संस्थान अनुसंधान अनुदान	-	0.50		-		-	-	0.50
पुस्तकें एवं प्रकाशन	5.02	-	5.39		-	5.00	-	-
(सा.एवं आपूर्ति)								
सम्मेलन/संगोष्ठी	-	1.00		-		-	-	1.00
पूंजी निर्माण	28.04	-			-	-	70.00	-
पी.ई.टी. सुविधा	-	-		-	-	-	-	-
आवर्ती निधि			1.07		6.13			
कंप्यूटरीकृत	-	-		-	-	5.00	-	-
कुल क	**120.42**	**496.91**	**42.85**	**127.58**	**479.01**	**76.23**	**162.05**	**429.00**
ख. अतिविशिष्टताएं								
हृ.तं.केंद्र	28.30	114.39	10.17	52.50	105.05	6.10	27.00	98.00
डॉ. रा.प्र.केंद्र	14.99	60.74	4.03	21.95	55.35	7.80	27.00	44.00
डॉ. बी.आर.अ.सं.रो.कैं.अं.	8.27	42.81	1.70	12.15	41.69	2.50	5.00	39.00
जे.पी.एन. एपेक्स/	80.54	-	64.26	37.43	-	68.00	25.00	
ट्रॉमा केंद								
दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र	8.52	-	4.79	2.21	-	5.27	0.40	
कुल (क एवं ख)	**261.04**	**714.85**	**127.80**	**253.82**	**681.10**	**165.90**	**246.45**	**610.00**
एन.डी.डी.टी.सी	*8.33*	-	*7.90*	-	-	-	-	
महायोग (क से ग)	***269.37***	***714.85***	***135.70***	***253.82***	***681.10***	***173.65***	***246.45***	**610.00**

13.2 लेखा परीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च 2011 को समाप्त वर्ष के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने एम्स अधिनियम 1956 की धारा 18(2) के साथ पठित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के तहत 31 मार्च, 2011 की स्थिति अनुसार अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के संलग्न तुलन-पत्र तथा उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा / प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण एम्स के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में सर्वोत्तम लेखाकरण व्यवहारों, लेखाकरण मानकों तथा प्रकटन मानदंडों आदि के साथ केवल वर्गीकरण, समनुरूपता के संबंध में लेखाकरण व्यवहार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां निहित है। कानून, नियमों तथा विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) के अनुपालन और दक्षता सह-निष्पादन पहलुओं, यदि कोई हो तो, के संबंध में वित्तीय लेनदेनों पर लेखापरीक्षा अवलोकन को निरीक्षण रिपोर्टों/नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्टों में अलग से सूचित किए गए हैं।

3. हमने भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा का निष्पादन किया है। इन मानकों में यह अपेक्षा की जाती है कि हम इस प्रकार से लेखापरीक्षा आयोजित तथा निष्पादित करें कि यह युक्तियुक्त आश्वासन प्राप्त हो सके कि वित्तीय विवरण महत्वपूर्ण भ्रामक विवरणों से मुक्त है। लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में परीक्षण आधार पर, राशियों तथा प्रकटनों को समर्थित करने वाले साक्ष्यों की जांच की जानी शामिल है। लेखापरीक्षा में प्रबंधकों द्वारा प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों तथा लगाए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन किया जाना तथा साथ ही वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन किया जाना भी सम्मिलित है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा, हमारी राय संबंधी तर्कसंगत आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर, हम सूचित करते हैं कि :

i हमने वह समस्त सूचना तथा स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी पूर्ण जानकारी तथा विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक हैं।

ii इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन पत्र तथा आय एवं व्यय लेखा / प्राप्ति तथा भुगतान लेखा वित्त मंत्रालय, द्वारा अनुमोदित प्रारूप में तैयार नहीं किए गए हैं।

iii हमारी राय में, हमारे द्वारा ऐसी पुस्तकों की निष्पादित की गई जांच से प्रतीत होता है कि एम्स द्वारा लेखों की सही बहियों तथा अन्य संगत रिकॉर्डों का अनुरक्षण किया गया है।

iv हम आगे यह सूचित करते हैं कि :

क तुलन-पत्र

क. 1 परिसंपत्तियां

क. 1.1 रुपए 19.76 लाख रु. तक की परिसंपत्तियों की अत्युक्ति (अ.भा.आ.सं. मुख्य)

संस्थान ने तुलन पत्र के परिसंपत्ति पक्ष में "मशीनरी एवं उपकरण' शीर्ष के तहत रुपए 19.76 लाख की उपभोज्य मदों को सम्मिलित किया है। परिणामतः तुलन पत्र में रुपए 19.76 लाख रुपए तक की स्थायी परिसंपत्ति की अत्युक्ति तथा आय एवं व्यय लेखा में व्यय की न्यूनेक्ति हुई ।

क. 1.2 रुपए 1.72 करोड़ तक की परिसंपत्तियों की अत्युक्ति (अ.भा.आ.सं. मुख्य)

वर्ष 2010-11 के दौरान संस्थान द्वारा रेडियोलॉजी विभाग हेतु रुपये 1,71,68,448 के मूल्य की तीन पुरानी मशीनों के बदले में खरीद योजना के अंतर्गत तीन नई मशीने खरीदी गई थीं। तीनों पुरानी मशीनों को उन संबद्ध कंपनियों से दे दिया गया जिनसे नई मशनी खरीदी गई थी। लेकिन संस्थान द्वारा इन मशीनों को निराकृत नहीं दर्शाया गया था और उनकी कीमत को तुलन पत्र के परिसंपत्ति पक्ष के साथ-साथ देयता पक्ष की ओर 'मशीनरी निराकत' शीर्ष के तहत मशीनरी एवं उपकरण में से घटा दिया गया। परिणामतः रुपये 1,71,68,448 तक की मशीनरी एवं उपकरण की अत्युक्ति हुई।

क. 1.3 रुपए 4.16 लाख तक की परिसंपत्तियों की अयुक्ति (डॉ.बी.आर.अं. संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल)

केंद्र द्वारा तुलन पत्र के परिसंपत्ति पक्ष में" सीमा शुल्क एवं पीडीए लेखा हेतु अग्रिम भुगतान में वर्ष 2010-11 के दौरान जमा "शीर्ष के तहत रुपए 1,54,157,62/- दर्शाये गए थे जब कि रिकॉर्ड के अनुसार, केंद्र द्वारा केवल रुपए 1,50,000/- का भुगतान किया गया था। इस कारण वर्तमान परिसंपत्ति एवं पूंजी शीर्ष में रुपए 4,15,762/- तक की अत्युक्ति हुई।

क. 1.4 रुपए 15.60 करोड़ तक की परिसंपत्तियों की अत्युक्ति (हृ.तं.केंद्र)

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र द्वारा वर्ष 2010-11 के दौरान रुपए 15,59,63,460/- मूल्य की 5 पुरानी मशीनों के बदले में खरीद योजना के तहत 5 नई मशीनें खरीदी गई थीं। पांचों पुरानी मशीनों को उन संबंद्ध कंपनियों को दे दिया गया जिनसे नई मशीनें खरीदी गई थी लेकिन संस्थान द्वारा इन मशीनों को निराकृत नहीं दर्शाया गया था और उनकी कीमत को तुलन पत्र के परिसंपत्ति पक्ष के साथ साथ देयता पक्ष की और "मशीनरी निराकृत" शीर्ष के तहत मशीनरी एवं उपकरण में से घटा दिया परिणामितः 59,63,460/- तक की मशीनरी एवं उपकरण की अत्युक्ति हुई।

क. 1.5 रुपए 27.85 लाख तक की परिसपंत्तियों की अत्युक्ति (हृ.तं.केंद्र)

हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र द्वारा तुलन पत्र के परिसंपत्ति पक्ष में "मशीनरी एवं उपकरण" शीर्ष के तहत रुपए 27.85 लाख की उपभोज्य मदें सम्मिलित की गई थी। इस कारण तुलन पत्र में स्थायी परिसंपत्ति की अत्युक्ति तथा रुपए 27.85 लाख तक की आय एवं व्यय लेखा में व्यय की न्यूनोक्ति हो गई।

क. 1.6 रुपए 4.00 लाख तक की परिसंपत्तियों एवं पूंजी निधि की न्यूनोक्ति (एन.डी.डी.टी.सी)

केंद्र के पास वर्ष 2009-10 के तुलन पत्र में अंत शेष के रूप में "सीमा शुल्क अग्रिम" शीर्ष के तहत वर्तमान परिसंपत्ति रुपए 4. 00 लाख की थी लेकिन केंद्र ने वर्ष 2010-11 के तुलन पत्र में इसको नहीं दर्शाया/राशि को वर्ष 2010-11 के लिए पूंजी निधि के अथशेष से भी घटा दिया गया। इस कारण वर्तमान परिसंपत्ति एवं पूंजीनिधि में रुपए 4.00 लाख तक की न्यूनोक्ति हो गई।

क. 1.7 रुपए 1.34 करोड़ तक की परिसंपत्तियों की अत्युक्ति (सं.रो.कैं.अं.)

समीक्ष्य वर्ष 2010-11 के दौरान संस्थान सेटरी कैंसर अस्पताल द्वारा विभिन्न मशीनरी एवं उपकरण के अनुरक्षण हेतु विभिन्न कंपनियों को दिये गए "व्यापक वार्षिक अनुरक्षण संविदा" के लिए उपगत रुपए 1,34,13,900 के व्यय को गलती से पूंजी में परिणत किया गया था। इससे तुलन-पत्र में मशीनरी एवं उपकरण में न केवल अत्युक्ति ही पायी गई बल्कि रुपए 1,34,13,900 तक की आय एवं व्यय लेखा में व्यय की न्यूनोक्ति भी पायी गई।

क. 1.8 स्थायी परिसंपत्तियां

परिसंपत्तियों की अत्युक्ति और पूंजी निधि की न्यूनोक्ति के परिणाम स्वरूप स्थायी परिसंपत्ति मूल्य ह्रास उपलब्ध नहीं कराया गया। अथशेष, जोड़, विलोपन, मूल्यह्रास एवं अंतशेष को दर्शाने वाली स्थायी परिसंपत्तियां तैयार नहीं की गई है।

क. 1.9 निवेश - सामान्य भविष्य निधि संचयनों के लिए निवेश के अनुमोदित पैटर्न का अनुपालन न किया जाना

सामान्य भविष्य निधि बकाया की राशि रुपए 266.22 करोड़ की संचित निधि का निवेश वित्त मंत्रालय के दिनांक 14.08.2008 की अधिसूचना संख्या एफ - 5 (88)2006 - पीआर के द्वारा निर्धारित पैटर्न के अनुसाार नहीं किया गया था।

क. 2 देयताएं

क. 2.1 देयताओं की अत्युक्ति - रुपए 55.20 लाख तक की पूंजी निधि (रा.प्र.केंद्र)

केंद्र द्वारा वर्ष के दौरान जनित रुपए 2349.99 लाख की परिसंपत्ति दर्शायी गई थी। जबकि देयता पक्ष में 2294.79 पूंजीकृत किये गए। इसके समाधान किये जाने की आवश्यकता है।

क. 2.2 देयताओं की अत्युक्ति-रुपए 28.32 लाख तक की पूंजी निधि (अ.भा.आ.सं. मुख्य)

संस्थान द्वारा वर्ष के दौरान जनित रुपए 1,68,28,06,050/- की परिसंपत्ति दर्शायी गई थी। जब कि देयता पक्ष में रुपए 1,67,99,73,887/- की परिसंपत्ति पूंजीकृत की गई। इसके समाधान किये जाने की आवश्यकता है।

क. 2.3 देयताओं की अत्युक्ति रुपए 92.26 लाख तक की पूंजी निधि (हृं.तं.केंद्र)

केंद्र द्वारा वर्ष के दौरान जनित रुपए 58,58,57,632 /- की परिसंपत्ति दर्शायी थी। जबकि खाते के अनुसार देयताएं पक्ष में रुपए 59,51,53,650/- पूंजीकृत किये गए (खाते में वर्ष 2010-11 के दौरान केंद्र द्वारा रुपए 21,00,000 और रुपए 7,20,432 की कटौती तथा वर्ष 2009-10 की शुद्धि के अनुसार रुपए 191,250, जोड़ने के पश्चात पूंजीकृत अनुसार रुपए 59,25,24,468/- आंकड़े दर्शाये गए थे। इस कारण तुलन पत्र की देयता पक्ष में रुपए 92,96,018 / - तक की पूंजी निधि की अत्युक्ति पायी गई।

क. 2.4 देयताओं की अत्युक्ति रुपए 1.62 लाख तक की पूंजीनिधि (सी.डी.ई.आर.)

केंद्र द्वारा रुपए 2,78,37,738 / - की परिसंपत्ति दर्शायी गई। जबकि देयता पक्ष में रुपए 2,80,00,000/- पूंजीकृत किये गए/इसके समाधान किये जाने की आवश्कता है।

ख आय एवं व्यय लेखा

ख.1 आय

ख.1.1 रुपए 39.09 लाख तक की आय की न्यूनोक्ति (सा.भ.नि.)

संस्थान के पास दिनांक 11.09 - 2008 से 11.08.2010 तक (23 महीनें) 10.1 प्रतिशत की दर से रुपए 6,93, 00,000 सामान्य भविष्य निधि खाते हेतु एफ.डी.आर थीं। संस्थान द्वारा मात्रा रुपए 1,04,93,755 का ब्याज प्राप्त किया गया जबकि रुपए 39.08.773/- ब्याज की शेष राशि टी.डी.एस. के रूप में बैंक बैंक द्वारा काट ली गई। हालांकि संस्थान को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 8 जी (5) (vi) के तहत आयकर से छूट प्राप्त थी। एफ.डी.आर पर टी.डीएस. की कटौती के कारण संस्थान के सामान्य भविष्य निधि ा लेखा के साथ - साथ वसूलनीय दावा की न्यूनोक्ति में रुपए 39,08,773/- तक के ब्याज-आय की न्यूनोक्ति हो गई।

ख.1.2 रुपए 2.02 लाख तक आय की न्यूनोक्ति (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)

हृद तंत्रिका केंद्र के पास वर्ष 2001-11 के दौरान रुपए 3.18 करोड़ की एफ.डी.आर थी। केंद्र द्वारा रुपए 20,86,474 /- की ब्याज आय प्राप्त की जानी थी जबकि उसके खाते में केवल रुपए 18,84,067 की राशि जमा की गई। ब्याज की शेष राशि रुपए 2,02,407/- की टी.डी.एस. के रूप में बैंक द्वारा कटौती कर ली गई हालांकि संस्थान को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 8 जी (5) (6) के तहत आय कर से प्राप्त थी रुपए 3,18,00,000 की एफ.डी.आर. पर रुपए 2,02,407 /- की टी.डी.एस.की कटौती के कारण ब्याज-आय में रुपए 2,02,407 /- तक के न्यूनेक्ति के साथ-साथ उतनी ही राशि वसूलनीय दावों की न्यूनोक्ति हो गई।

ग. सहायता अनुदान

संस्थान मुख्यतः भारत सरकार के अनुदान से वित्तपोषित है। समीक्ष्य वर्ष 2010-11 के दौरान संस्थान द्वारा रुपए 1024.65 करोड़ (योजना रुपए 380 करोड़ एवं गैर योजना रुपए 605 करोड़, चूक समिति (योजना) रुपए 31.75 करोड तथा एन.डी.डी.टी हेतु (योजना) रुपए 7.90 करोड़) का अनुदान प्राप्त किया गया था। संस्थान की रुपए 65.17 करोड़ की अपनी आय भी थी। कुल योजना व्यय रुपए 182.97 करोड़ था और रुपए 191.17 करोड़ विभिन्न प्रयोजनों हेतु अग्रिम देने के लिए उपयोग किये गए। कुल गैर - योजना व्यय रुपए 676.75 करोड़ था तथा रुपए 4.35 करोड़ को अग्रिमों के रूप में सप्लायरों आदि को दिये गये संस्थान ने विभिन्न योजनाओं हेतु रुपए 55.57 करोड़ का अनुदान प्राप्त किया तथा रुपए 51.57 करोड़ का अनुदान प्राप्त किया तथा रुपए 51.97 करोड़ का व्यय उपगत किया।

ग **प्रबंधन पत्र :-** जिन त्रुटियों को लेखापरीक्षा में सम्मिलित नहीं किया गया है, उनको उपचारी / शुद्धि कार्रवाई हेतु

पृथक रूप से जारी किये गए प्रबंधन पत्र के द्वारा निदेशक, अ.भा.आ.सं. की जानकारी में लाया गया है।

v. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारे अवलोकनों के अधीन हम सूचित करते हैं कि इस रिपोर्ट में दिये गए तुलन-पत्र तथा आय और व्यय लेखा / प्राप्तियों एवं भुगतान लेखा लेखा पुस्तकों के समनुरूप हैं।

vi. हमारी राय में तथा हमारी समान सूचना के अनुरूप और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के संलग्नक में वर्णित लेखाकरण नीतियों तथा लेखों पर टिप्पणियों के साथ पठित उक्त वित्तीय विवरण एवं उपर्युक्त वर्णित महत्वपूर्ण मामलों तथा अन्य मामलों के विषय में भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुरूप एक सही तथा स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करते हैं।

क. यह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के दिनांक 31 मार्च 2010 तक के तुलन-पत्र, उसकी कार्य स्थिति से संबंधित है; तथा

ख. उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय एवं व्यय लेखा से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लिए तथा उनकी ओर से

स्थान : नई दिल्ली — महानिदेशक लेखापरीक्षा

दिनांक : 16.11.2011 — केन्द्रीय राजस्व

लेखा परीक्षा रिपोर्ट के लिए संलग्नक

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की उपयुक्तता

- संस्थान में कोई आंतरिक लेखा परीक्षा सहिंता नहीं है।

- वर्ष 2010-11 के दौरान, 70 यूनिटों में से केवल 11 यूनिटों का संस्थान के आंतरिक लेखापरीक्षा विंग द्वारा लेखा परीक्षा निष्पादित की गई।

2. स्थायी परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- वर्ष 2010 -11 के दौरान स्थायी परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन का संचालन नहीं किया गया और ऐसे लेखों में सम्मिलित स्थायी परिसंपत्ति के वास्तविक अस्तित्व को सुनिश्चित नहीं किया जा सका।

- वर्ष 2010-11 के लिए लेखन सामग्री, पुस्तकों और प्रकाशनों एवं उपभोज्य मदों का भौतिक सत्यापन को संचालित किया गया।

3. सांविधिक देयताओं के भुगतान में नियमितता

- लेखों के अनुसार, छः माह से अधिक की कोई सांविधिक देयताएं बकाया नहीं थी।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के दिनांक 31 मार्च, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष के लेखों के संबंध में भारत के नियंत्रक एवं महा लेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट के उत्तर।

क.1.1 रुपए 19.76 लाख तक की परिसंपत्तियों की अत्युक्ति (अ.भा.आ.सं. मुख्य)

रुपए 1976,445 /- की उपभोज्य मद अनजाने में परिसंपत्ति पक्ष की ओर मशीनरी एवं उपकरण में सम्मिलित कर ली गई थीं। लेखा परीक्षा द्वारा इंगित विसंगति को अ.भा.आ.सं. मुख्य के वर्ष 2011-12 के वार्षिक लेखों में संशोधित कर दिया जाएगा।

क.1.2 रुपए 1.72 करोड़ तक को परिसंपत्तियों की अत्युक्ति (अ.भा.आ.सं. मुख्य)

लेखा परीक्षा द्वारा इंगित बिंदु को नोट कर लिया गया है और आवश्यक कार्रवाई एवं विसंगति को अ.भा.आ.सं. मुख्य के वर्ष 2011-12 वार्षक लेखों में संशोधित कर दिया जाएगा।

क.1.3 रुपए 4.16 लाख तक की परिसंपत्तियों की अत्युक्ति (डॉ. बी.आर.अं.सं.रो.कैं.अं.)

रुपए 4,15,762 / की राशि चूक के कारण अग्रिम भुगतान शीर्ष के अंतर्गत दर्शायी गई थी। लेखा परीक्षा द्वारा इंगित विसंगति को नोट कर लिया गया है तथा उसे सं.रो.कैं.अ. के वर्ष 2011-12 के वार्षिक लेखा में संशोधित कर लिया जाएगा।

क.1.4 रुपए 15.60 करोड़ तक की परिसंपत्तियों की अत्युक्ति (हृद तंत्रिका केंद्र)

इस बात को भविष्य में अनुपालन हेतु नोट कर लिया गया और इस संबंध में हृद तंत्रिका केंद्र के वर्ष 2011-12 हेतु वार्षिक लेखा में आवश्यक संशोधन कर लिया जाएगा।

क.1.5 रुपए 27.85 लाख तक की परिसंपत्तियों की अत्युक्ति (हृद तंत्रिका केंद्र)

इस बात को भविष्य में अनुपालन हेतु नोट कर लिया गया और इस संबंध में हृद तंत्रिका केंद्र के वर्ष 2011-12 हेतु वार्षिक लेखा में आवश्यक संशोधन कर लिया जाएगा।

क.1.6 रुपए 4.00 लाख तक की परिसंपत्ति एवं पूंजी निधि की न्यूनोक्ति (एनडीडीटीसी)

लेखा परीक्षा द्वारा इंगित विसंगति को एन.डी.डी.टी.सी. के वार्षिक लेखा 2011-12 में संशोधित कर लिया जाएगा।

क.1.7 रुपए 1.34 करोड़ तक की परिसंपत्तियों की अत्युक्ति (सं.रो.कैं.अ.)

लेखा परीक्षा द्वारा इंगित विसंगति को नोट कर लिया गया और सं.रो.कैं.अ. के वर्ष 2011-12 के वार्षिक लेखों में ठीक कर लिया जाएगा।

क.1.8 स्थायी परिसंपत्तियां

संस्थान अपले लेखों को वास्तविक प्राप्ति बैंक व्यय आधार पर तैयार करता है इसके अतिरिक्त मशीनरी एवं उपकरण, वाहन आदि पर कोई मूल्यह्रास प्रदान नहीं किया गया है क्योंकि अ.भा.आ.सं. भारत सरकार द्वारा पूर्णतः वित्तपोषित है। इस संबंध में कृत कार्रवाई को उचित सिद्ध करने के लिए एक टिप्पणी पहले ही तुलन पत्र में दी गई है।

क.1.9 निवेश सा.भ.निधि संचयन हेतु निवेश के अनुमोदित पैटर्न का पालन न करना।

रुपए 266.22 करोड़ की सामान्य भविष्य निधि की संचित निधि की श्रेणी 1 और 2 में निवेश वित्त मंत्रालय के दिनांक 14.08.2008 की अधिसूचना संख्या एफ 5 (88)/2006 - पीआर द्वारा वर्णित पैटर्न के अनुसार किया गया था। तथापि, मार्किट निवेश में वर्तमान अस्थिरता को ध्यान में रखते हुए अंशदाताओं के धन की सुरक्षा को बनाए रखने के लिए निर्धारित पैटर्न के अनुसार श्रेणी 3 एवं 4 में निवेश नहीं किया जा सका।

क.2.1 रुपए 55.20 करोड़ तक की देयताओं-पूंजी निधि की अत्युक्ति (रा.प्र.केंद्र)

लेखा परीक्षा की टिप्पणी अर्थात् तुलन पत्र के देयता पक्ष में रुपए 1,47,76,654 तक की पूंजी निधि की न्यूनोक्ति के संदर्भ में यह स्पष्ट किया जाता है कि एस.ए.आर 2009-10 के ऑडिट पैरा संख्या क. 2.1 के अनुपालन में रुपए 92.57 (देयताओं की अत्युक्ति)

लाख की राशि रुपए 23,49,98,900/- की वर्तमान वर्ष की परिसंपत्ति में से कटौती की गई थी। रुपए 55.20 लाख की शेष राशि को रा.प्र. केंद्र के वर्ष 2011-12 लेखों में समायोजित किया जाएगा।

क.2.2 रुपए 28.32 लाख तक की देयताओं-पूंजी निधि को अत्युक्ति (अ.भा.आ.सं. मुख्य)

लेखा परीक्षा की टिप्पणी को नोट कर लिया गया है और तत्काल प्रभाव से अ.भा.आ.सं. मुख्य के वार्षिक लेखा 2011-12 में आवश्यक संशुद्धि कर ली जाएगी।

क.2.3 रुपए 92.96 लाख तक की देयताओं-पूंजी निधि को अत्युक्ति (हृद तंत्रिका केंद्र)

इस बात को भविष्य में अनुपालन हेतु नोट कर लिया गया है तथा इस संबंध में हृद तंत्रिका केंद्र के वर्ष 2011-12 के वार्षिक लेखों में आवश्यक संशोधन कर लिया जाएगा।

क.2.4 रुपए 1.62 लाख तक की देयताओं-पूंजी निधि को अत्युक्ति (दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र)

इस बात को नोट कर लिया गया है और लेखा परीक्षा द्वारा इंगित विसंगति को दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र के वर्ष 2011-12 के वार्षिक लेखों में संशोधित कर लिया जाएगा।

ख.1.1 रुपए 39.09 लाख तक की आय की न्यूनोक्ति (सा.भ. नि.)

हमने दिनांक 24.08.2010 एवं 05.09.2011 के पत्र संख्या 1-2/सा.भ.नि./आई.एन.वी./11-12 के द्वारा एफडीआर पर अर्जित ब्याज के स्रोत पर आय कर की कटौती न करने के लिए एस.बी.आई. अंसारी नगर, नई दिल्ली के साथ मामले को पहले से उठाया हुआ है (प्रति संलग्न) इसके अतिरिक्त एस.बी.आई. अंसारी नगर, नई दिल्ली ने अपने दिनांक 05.10.2011 के पत्र संख्या एजीएम/2011/12/20/82 के अनुसार सूचित किया (फोटो प्रति संलग्न) है कि अपने कंप्यूटर सिस्टम में "कोई कर कटौती नहीं" दर्ज होने के बावजूद अ.भा.आ.सं. के कुछ खातों से टी डी.एस.की कटौती कर ली गई है। उन्होंने इसका कारण खोजने के लिए यह मामला अपने उच्च प्राधिकारियों के सम्मुख पहले से ही उठाया हुआ है। एक एक खाते की जांच शारीरिक रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए शुरू कर दी गई है कि कोई टीडीएस नहीं काटा गया है तथा उसे सरकारी खाते में प्रेषित नहीं किया गया है, इसी बीच, उन्होंने टीडीएस रिटर्न भरने, पूरे रिकॉर्ड को सत्यापित करने तथा संशोधित रिटर्न फाइल करने/वापसी हेतु आवेदन करने के लिए गए नियुक्त किए अपने चार्टर्ड अकाउटेंट को निदेश दिया है। इसके अतिरिक्त, हमने, गलती से कटौती किये गए कर की वापसी हेतु आयकर विभाग को पहले से ही रिटर्न फाईल की हुई है (प्रति संलग्न)।

अतः, आपसे आपत्ति छोड़ देने का अनुरोध किया जाता है।

ख.1.2 रुपए 2.02 लाख तक की आय की न्यूनोक्ति (तंत्रिका सर्जरी रोगी खाता)

कृपया पैरा ख 1.1 के उत्तर का अवलोकन करें।

ग. सहायता अनुदान

तथ्य : कोई टिप्पणी नहीं।